भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर में
'कुण्डलपुर महोत्सव 2004' के अवसर पर प्रकाशित

भगवान महावीर हिन्दी-अंग्रेजी जैन शब्दकोश

❖ प्रेरणास्रोत एवं वाचना प्रमुख ❖

पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी

❖ संकलन एवं वाचना ❖

प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चन्दनामती माताजी

❖ निर्देशन ❖

पीठाधीश क्षुल्लकरत्न श्री मोतीसागर जी महाराज

❖ प्रकाशक ❖

दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान

जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर (मेरठ)-250 404

प्रधान सम्पादकीय

सूचना एवं संचार क्रान्ति के वर्तमान युग में देशों के मध्य दूरियां घट गई हैं। व्यक्ति विभिन्न देशों की संस्कृति, सभ्यता, धार्मिक एवं सामाजिक परम्पराओं को जानने की उत्कंठा से अभिभूत है किन्तु भाषायी ज्ञान की अल्पता इसमें बाधक है। भगवान महावीर स्वामी की दिव्यध्वनि तो सर्व भाषामयी थी किन्तु परवर्ती आचार्यों ने अपने–अपने क्षेत्र में बोली जाने वाली लोक भाषा में भी विपुल साहित्य का सृजन किया है। भारत के तत्कालीन जनमानस की प्रिय भाषा प्राकृत एवं संस्कृत में एक लम्बे समय तक साहित्य का सृजन किया गया किन्तु बाद में अपभ्रंश, कन्नड और 17वीं व 18वीं शताब्दी में राजस्थान की लोकभाषा ढुंढारी में भी उस क्षेत्र के निवासी भट्टारकों एवं पण्डितों ने साहित्य का सृजन किया। 20वीं शताब्दी में विपुल परिमाण में प्राकृत, संस्कृत एवं अपभ्रंश भाषा के मूल ग्रंथों के हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किये गये और इस माध्यम से हमारे प्राचीन ग्रन्थों में निहित सामग्री का बोध जनमानस को हो सका। माणिकचन्द जैन ग्रंथमाला–मुम्बई, जैन संस्कृति संरक्षक संघ–सोलापुर, भारतीय ज्ञानपीठ– दिल्ली, जैन संघ–मथुरा तथा दि. जैन त्रिलोक शोध संस्थान–हस्तिनापुर ने इस दिशा में श्लाघनीय कार्य किया है। बैरिस्टर चंपतराय जैन, जस्टिस जे.एल. जैनी, बाबू कामताप्रसाद जैन, पं. सुमेरचन्द दिवाकर, डॉ. ए.एन. उपाध्ये सदृश मनीषियों के प्रयासों से विश्व के अनेक भागों में प्रचलित आंग्ल भाषा में भी साहित्य सृजन का सूत्रपात हुआ। जैन पारिभाषिक शब्दों की जटिलता और विभिन्न लेखकों द्वारा सृजित समानार्थी अंग्रेजी शब्दों में एकरूपता के अभाव ने इस समस्या को और अधिक जटिल कर दिया। जहाँ अमेरिका तथा यूरोप के अनेक देशों में जैन बन्धुओं के प्रवास के कारण आंग्ल भाषा में जैन दर्शन के विविध पक्षों को प्रामाणिकता से उद्घाटित करने वाले साहित्य तथा जैन दर्शन के बारे में सरल, सुबोध शैली में परिचय देने वाले साहित्य की आवश्यकता का तीव्रता से अनुभव किया जा रहा था वहीं इस प्रकार के साहित्य के सृजन हेतु एक विस्तृत सर्वांगपूर्ण जैन पारिभाषिक शब्दों के समानान्तर मानक अंग्रेजी अर्थों के संकलन की आवश्यकता को महसूस किया गया, जिससे अंग्रेजी में अनुदित किये जाने वाले अथवा नये सिरे से सृजित किये जाने वाले साहित्य के पारिभाषिक शब्दों में एकरूपता एवं स्पष्टता हो। यह भी अनुभव किया गया है कि अनेकशः कई युवा अनुवादक अथवा उत्साही विद्वान् सम्यक् पारिभाषिक शब्दों की अनुपलब्धता के कारण कार्य से विमुख हो जाते हैं और जैन जगत उनसे प्राप्त होने वाली कृति से वंचित हो जाता है। इससे जैन साहित्य की एवं जैनत्व की महती क्षति होती है और आंग्ल भाषा–भाषी पाश्चात्यजगत जैन दर्शन के वैशिष्ट्य से परिचित होने से वंचित रह

जाता है। ऐसी स्थिति मे दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान के अंतर्गत स्थापित वीर ज्ञानोदय ग्रन्थमाला जिसकी स्थापना परम पूज्य गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माता जी की प्रेरणा से प्राचीन दिगम्बर जैन आगम ग्रन्थों, टीकाओं तथा विभिन्न भाषाओं में लघु पुस्तिकाओं, नाटक, कहानी संग्रह, पूजा–विधान आदि के प्रकाशन हेतु की गई थी, ने एक ऐसे शब्दकोश के संकलन का बीड़ा उठाया जिसमें जैन शब्दावलियों के हिन्दी व अंग्रेजी में विशिष्ट अर्थों का समायोजन हो।

अभीक्ष्ण ज्ञान सम्पदा की धनी पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने जुलाई 2001 में दिल्ली में तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत् महासंघ की कार्यकारिणी की बैठक के समय महावीर जैन शब्दकोश के निर्माण की सर्वप्रथम प्रेरणा दी एवं पूज्य माताजी की शिष्या प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चन्दनामती जी की इस संदर्भ में विशिष्ट अकादमिक अभिरूचि एवं चर्चाओं ने इस कार्य को तत्परता से पूर्ण करने हेतु हमें इंगित किया और उनके मार्गदर्शन एवं विशेष प्रयास के साथ भगवान महावीर 2600 वाँ जन्म जयन्ती वर्ष में इस हेतु विस्तृत योजना तैयार कर 1 अक्टूबर 2001 से सामग्री के संकलन, विश्लेषण का कार्य प्रारम्भ किया गया।

इस शब्दकोश से पूर्व इस दिशा में कतिपय प्रयास भी हुए हैं, जिनमें से कुछ निम्नवत् हैं–

1. Jaina Technical Terms, Dr. Mohanlal Mehta, Pune (M.S.)
2. Glossary of Jaina Terms, Dr. N.L. Jain, Rewa (M.P.)
3. Sudha Sagar Hindi-English Jaina Dictionary, Dr. Ramesh Chand Jain, Bijnor (U.P.)

इन समस्त कृतियों में हिन्दी–अंग्रेजी के सम्यक् एवं पर्याप्त विवेचन का अभाव महसूस किया गया इसलिए हमने इस शब्दकोश में हिन्दी–अंग्रेजी दोनों में ही अर्थों की उपयोगिता के अनुसार उचित विवेचना की है। यदा–कदा इन कृतियों के उपयोग से अतिरिक्त हमने निम्नलिखित कृतियों का प्रचुरता से उपयोग किया है –

1. जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, भाग - 1, 2, 3, 4, 5
2. तत्त्वार्थसूत्र (अंग्रेजी अनुवाद)–जस्टिस जे.एल. जैनी
3. वृहत् जैन शब्दार्णव
4. जैन पुराण कोश
5. आप्टे हिन्दी कोश
6. लब्धिसार
7. गोम्मटसार जीवकाण्ड एवं कर्मकाण्ड
8. ऑक्सफोर्ड हिन्दी–इंग्लिश डिक्शनरी
9. ऑक्सफोर्ड इंग्लिश–इंग्लिश डिक्शनरी
10. भार्गव इंग्लिश–हिन्दी डिक्शनरी

अनेक दौर की लम्बी चर्चाओं के बाद हमने इस शब्दकोश में प्रविष्टियों का क्रम निम्नवत् निर्धारित किया है। समस्त शब्दों को देवनागरी लिपि की वर्णमाला में अकारादि क्रम से संयोजित

किया गया है, प्रत्येक शब्द में सर्वप्रथम शब्द देवनागरी लिपि में, तत्पश्चात् रोमन लिपि में लिप्यान्तरण, फिर शब्द का अंग्रेजी अनुवाद तदुपरांत हिन्दी में व्याख्या दी गई है । इसका एक नमूना दृष्टव्य है –

> **अभ्यंतरोपधि व्युत्सर्ग** – *Abhyamtaropadhi Vyutsarga*
> Renunciation of internal belongings as anger, passion etc.
> अंतरंग तप का भेद – मिथ्यात्व, क्रोधादि 4 कषाय एवं 9 नोकषाय कुल 14 प्रकार से अभ्यंतर परिग्रह का त्याग ।

इस शब्दकोश को सरलता से समझने के लिए कुछ मानक निर्धारित किए गए हैं, जो निम्न हैं–

1. हिन्दी शब्द को रोमन लिपि में लिखने के लिए निम्न लिपि का उपयोग किया गया है–

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
a	*ā*	*i*	*ī*	*u*	*ū*	*ṛ*	*e*	*ai*	*o*	*au*

अं(ं)	अः(ः)
aṁ(ṁ)	*aḥ(ḥ)*

क	*ka*	च	*ca*	ट	*ṭa*	त	*ta*	प	*pa*	य	*ya*
ख	*kha*	छ	*cha*	ठ	*ṭha*	थ	*tha*	फ	*pha*	र	*ra*
ग	*ga*	ज	*ja*	ड	*ḍa*	द	*da*	ब	*ba*	ल	*la*
घ	*gha*	झ	*jha*	ढ	*ḍha*	ध	*dha*	भ	*bha*	व	*va*
ङ	*ṅa*	ञ	*ña*	ण	*ṇa*	न	*na*	म	*ma*	श	*śa*

ष	*ṣa*	स	*sa*	ह	*ha*

2. समस्त अनुस्वार रूप शब्द जैसे गङ्गा, पञ्जा, पण्डा, हिन्दी एवं लम्बा (अर्थात् गंगा, पंजा, पंडा, हिंदी एवं लंबा) में अनुस्वार को रोमन लिपि में लिप्यांतरण करने के लिए '*ṁ*' का उपयोग किया गया है । पाठकगण इसे अपनी सुविधा या लेखनी अनुसार उपरोक्त अनुस्वार रूप शब्द के लिये क्रमशः *ṅ, ñ, ṇ, n, m* का प्रयोग करें।

3. ड़ के लिए *ṛa* एवं ढ़ के लिए *ṛha* का प्रयोग किया गया है ।

इस शब्दकोश में जैन आगमानुसार क्षेत्र, पर्वत, वंश आदि के अनेक नाम जैसे विदेह क्षेत्र, भरत क्षेत्र, धातकीखण्ड, आर्यखण्ड, पर्वत – विद्युत्प्रभ, गजदन्त, रुचक, विजयार्ध, सुमेरु, यदु (यादव) वंश, हरि वंश, इक्ष्वाकु वंश, पद्महृद, जम्बूद्वीप, नारायण, प्रतिनारायण, बलदेव, पंडित, विभंगा, नारद, अनुत्तरोपपादक, स्वर्ग के नाम आदि संज्ञा शब्द का अंग्रेजी रूपान्तरण ज्यों का त्यों किया गया है।

इसी प्रकार कुछ विशेष जैन शब्दों का अंग्रेजी अनुवाद निम्न प्रकार से उपयोग किया गया है–

अवधि ज्ञान	Clairvoyance
श्रुत ज्ञान	Scriptural Knowledge
अनुयोग द्वार	Disquisition Door
व्यंतर देव	Peripatetic Deity
कूट	Summit
गणधर	Chief Disciple
गुणस्थान	Stage of spiritual development
आस्रव	Flow of karma/Karmic inflow
विभूति	Dominion
कायोत्सर्ग	Meditative relaxation
इन्द्रक बिल	Dwelling - place of hell.
दिव्य ध्वनि	Resonant preaching of Lord Arihant
इन्द्रक विमान	Space vehicle or heavenly aboding place of Indra.

उपरोक्त संदर्भित सभी जैन शब्द तथा अन्य जैन शब्दावली को अंग्रेजी में ज्यों का त्यों लिखते समय Italic Style का उपयोग किया गया है।

यद्यपि 'भगवान महावीर के 2600वें जन्मकल्याणक महोत्सव' के अवसर पर इस शब्दकोश का निर्माण करके जनता तक पहुँचाने की हमारी भावना थी, तथापि शब्दों के संकलन की जटिलता, पुनः लगभग 1 वर्ष तक चली वाचना, संशोधन, कम्प्यूटरीकरण एवं अंतिम संयोजन के दौर ने इस कार्य की पूर्णता में 3 वर्ष का समय ले लिया है। वास्तविकता तो यह है कि ऐसे श्रमसाध्य कार्य आदि पूर्ण प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत करने हो तो इसके लिए वर्षों का समय चाहिए, परन्तु हमें अत्यंत गौरव है कि भगवान महावीर के 2600वें जन्मकल्याणक को सार्थक बनाने हेतु भगवान की जन्मभूमि–कुण्डलपुर (नालंदा) का नवविकास किया गया और उस नवविकास की पूर्णता पर ही कुण्डलपुर महोत्सव–2004 मनाते हुए इस ऐतिहासिक कृति को आपके हाथों में हम सौंप रहे हैं। इसके संशोधन, परिवर्तन एवं परिवर्द्धन की स्थायी व्यवस्था निम्न पतों पर की गई है, जहाँ आप अपने सुझाव प्रेषित कर सकते हैं।

कर्मयोगी ब्र. रवीन्द्र कुमार जैन (अध्यक्ष)
दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान
जम्बूद्वीप–हस्तिनापुर
मेरठ – 250 404

डॉ. अनुपम जैन (निदेशक)
गणिनी ज्ञानमती प्राकृत शोधपीठ
ज्ञानछाया, डी–14 सुदामा नगर,
इन्दौर – 452 009
e-mail-anupamjain3@rediffmail.com

भगवान महावीर के बाद पिछले 2500 वर्षों में साहित्य सृजन के क्षेत्र में लगभग 250 ग्रंथों को लिखने वाली देश की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रगाढ़ साहित्यिक एवं आध्यात्मिक रूचि ने देश एवं समाज को अभी तक हर बार एक ऐसी अनूठी कृति

से परिचित कराया है जो या तो देश के गौरव के रूप में सर्वत्र मान्य है अथवा जो जैन धर्म और संस्कृति के संरक्षण में बेमिसाल है। उसी वृहद् शैली में माताजी ने अपनी मंगल प्रेरणा एवं आशीर्वाद से समाज को यह एक और ऐसी कृति उपलब्ध कराई है जो जैन धर्म के मर्म को सर्वव्याप्त करने में अथवा उसका विश्वस्तरीय प्रचार-प्रसार करने में बहुत बड़ा कारण बनेगी। सदियों तक ज्ञानमती माताजी के इन कार्यों को एवं व्यापक दृष्टिकोण को दुनिया में सराहा जायेगा। सारा देश एवं समाज माताजी का सदैव ऋणी रहेगा। हम माताजी के आभारी हैं जिन्होंने ग्रन्थों के प्रकाशन से अतिरिक्त एक ऐसी उपयोगी कृति के सृजन की प्रेरणा दी, जिसकी आवश्यकता को वर्तमान में तेजी से बदलते परिवेश यथा उच्च शिक्षा के नये आयाम, जैन बंधुओं के विदेश प्रवास एवं समय के साथ बदलती युवाओं की भाषायी अभिरुचि के कारण तीव्रता से अनुभव किया जा रहा था। ऐसी सरस्वती साधिका के चरणों में हम कोटिश: विनम्र अभिवन्दन करते हैं।

संस्थान द्वारा सम्पादित विविध गतिविधियों में सदैव जिनका कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, पूज्य ज्ञानमती माताजी की भावनाओं को साकार रूप देने में जो अहर्निश प्रयत्नशील रहती हैं, ऐसी पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने ही वास्तव में इस शब्दकोश के संकलन, संयोजन एवं संशोधन में आधारभूत भूमिका निभाई है, उनका सतत परिश्रम ही इस कृति के साकाररूप लेने में आधार बना है, संस्थान की ओर से उनके चरणों में विनम्र वंदन।

समय-समय पर क्षुल्लक श्री मोतीसागर जी महाराज द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण सुझावों ने भी सोने में सुहागा जैसा कार्य किया है, संस्थान उनके प्रति भी विनम्र आभार व्यक्त करता है।

श्री जीवन प्रकाश जैन (इंदौर) विशेष बधाई एवं आशीर्वाद के पात्र हैं क्योंकि उन्होंने अपनी युवाशक्ति को इस जटिल कार्य को साकार करने में समर्पित किया है। ब्र. (कु.) रजनी जैन (इंदौर), श्रीयुत कोमलचंद जैन (इंदौर) एवं संघस्थ ब्र. (कु.) स्वाति जैन के सहयोग हेतु भी संस्थान आभार प्रदर्शित करता है, जिन्होंने शब्दकोश के विभिन्न पहलुओं को परिपूर्ण कराने में अपना सहयोग प्रदान किया है।

इस शब्दकोश के संकलन एवं प्रकाशन हेतु दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, जंबूद्वीप-हस्तिनापुर ने सम्पूर्ण आर्थिक व्यय का भार वहन किया है, एतदर्थ संस्थान के सभी कार्यकर्ता धन्यवाद के पात्र हैं।

इंदौर में शब्द संकलन के दौरान अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन की केन्द्रीय महामंत्री श्रीमती सुमन जैन द्वारा कार्य करने हेतु सर्वसुविधायुक्त स्थान प्रदान करने के सहयोग को भी विस्मृत नहीं किया जा सकता।

कृति के सुन्दर एवं आकर्षक अक्षर संयोजन हेतु मैसर्स सुगन ग्राफिक्स, इंदौर के श्री मोतीलाल टोंग्या एवं ज्ञानमती नेटवर्क-हस्तिनापुर के श्री अंशुल मित्तल भी धन्यवाद के पात्र हैं।

जैनधर्म के अध्येताओं को यह कोश दीर्घकाल तक सम्यक् ज्ञान की रश्मियाँ प्रदान करता रहे, इसी मंगल भावना के साथ,

डॉ. अनुपम जैन

कर्मयोगी ब्र. रवीन्द्र कुमार जैन

Chief Editorial

In the modern age of information and communication, the distance among the countries has become less. People are overwhelmed with the curiosity of knowing the culture. civilization. religion and social customs of other countries, but minimum linguistic knowledge is a hinderance to it The transcendental resonant preaching (*Divya Dhvani*) of Lord Mahavir was omnilinguistic in character but religious and spiritual leaders of Jain Sangh (Acharyas) created abundant literature in the respective regional spoken languages of their regions. For a long time, the Jain literature had been written in 'Prakrit' & 'Sanskrit' languages. which was accepted by contemporary people in general. Afterwards. it was written In Apabhransha and Kannada In the 17th and 18th century, the literature was written by the regional learned Bhattarakas and Pandits in 'Dundari', the language of Rajasthan, also. In the 20th century, the Hindi translation of the number of the original scriptures of Prakrit, Sanskrit and Apabhransha languages was presented abundantly and by this means the knowledge contained in our scriptures was revealed to the people in general.

In this direction, Manikchand Jain Granthmala-Mumbai, Jain Sanskriti Sanrakshak Sangh- Solapur, Bharatiya Gyanapeeth- Delhi, Jain Sangh-Mathura and Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan-Hastinapur have done a lot of praise-worthy work. By the attempts of many brilliant persons like Barrister Champat Rai Jain, Justice J.L. Jaini, Babu Kamta Prasad Jain, Pandit Sumerchanda Diwakar, Dr. A.N. Upadhye etc. the literature was also written in English language, the one which is mostly used in many parts of the world

But due to the complexity of Jain terminology and the lack of similarity in its English translation by different learned persons, this task had become more complicated.

At one end, due to the migration of Jain followers to American and Europian countries, the need of revealing the different aspects of Jain philosophy and literature in English language in simple and easily understandable style was being experienced & at the other end, for the origination of such literature in the new style, a prime need was being experienced for the compilation of an up-to-date Jain Dictionary, so that there may be uniformity and clarity in the English terminology of Jain literature. It has also been experienced many times that a number of aspirant translators and learned persons become disinterested in such type of work due to the unavailability of authentic English terminology of Jain words,

consequently the Jain world remains deprived of the great compositions. This is the great loss of Jainism and Jain literature. The English speaking foreigners are also deprived of the great Jain philosophy. In such a situation, Veer Gyanodaya Granthamala, which is established under Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan, on the inspiration of Param Pujya Ganinipramukh Aryika Shri Gyanmati Mataji, to publish ancient books of Digambar Jain tradition and their commentaries, short religious books in different languages, dramas and books of Pooja-Vidhan (worshippings), took up a challanging task of compiling such a dictionary in which specialised meaning of Jain terminologies could be found in Hindi & English both languages.

Firstly, the inspiration for such a compilation was given by Pujya Ganinipramukh Aryika Shri Gyanmati Mataji at the time of executive meeting of Tirthankar Rishabhdev Jain Vidvat Mahasangha at Delhi in July 2001 and the extraordinary academic interest, discussions and continuous guidance of most venerable and learned Pragya Shramni Aryika Shri Chandnamati Mataji, the disciple of Shri Gyanmati Mataji, gave a hint to complete this work earnestly and under her guidance & with her valuable attempts in this direction, on the occasion of 2600th birth anniversary of Lord Mahavir, a detailed project was prepared and the collection of material and the analytical work was started from 1st October, 2001. Before the compilation of this dictionary, some other attempts have also been made in this direction, some of them are as follows-

1 Jalna Technical Terms, Dr. Mohanlal Mehta, Pune (M.S.).

2 Glossary of Jaina Terms, Dr. N.L. Jain, Rewa (M.P.).

3. Sudha Sagar Hindi-English Jaina Dictionary, Dr. Ramesh Chand Jain, Bijnor (U.P.).

In all these attempts, there seems a lack of proper Hindi-English descriptions, that's why we have expressed essential definitions of words in Hindi & English both languages in our dictionary. For this compilation, with the use of above dictionaries sometimes, we have used the following books abundantly-

1. Jainendra Siddhanta Kosha, Part-1,2,3,4,5
2. Tattvarth Sutra (English version)-Justice J.L. Jaini.
3. Vrahata Jaina Shabdarnava.
4. Jaina Purana Kosha.
5. Apte Hindi Kosha.
6. Labdhisara.
7. Gommatasara Jivakanda & Karmakanda
8. Oxford Hindi-English Dictionary.
9. Oxford English-English Dictionary.

10. Bhargava English-Hindi Dictionary.

After having long discussions, we decided the sequential order of the entries in this dictionary as given below.

All the words are arranged in the alphabetical order of Devanagari script and in each word firstly there is the transliteration of the head word in Roman script and then the word is termed in English with the detailed explanations in Hindi. It's one example is illustrated–

> **अभ्यंतरोपधि व्युत्सर्ग** – *Abhyaṁtaropadhi Vyutsarga*
> Renunciation of internal belongings as anger, passion etc.
> अंतरंग तप का भेद – मिथ्यात्व, क्रोधादि 4 कषाय एवं 9 नोकषाय कुल 14 प्रकार से अभ्यंतर परिग्रह का त्याग ।

For understaning this dictionary easily, we have decided some standards which are as follows–

1. Roman script has been used in transliteration of Hindi head words as under-

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
a	*ā*	*i*	*ī*	*u*	*ū*	*ṛ*	*e*	*ai*	*o*	*au*

अं(ं)	अः(ः)
aṁ(ṁ)	*aḥ(ḥ)*

क	*ka*	च	*ca*	ट	*ṭa*	त	*ta*	प	*pa*	य	*ya*
ख	*kha*	छ	*cha*	ठ	*ṭha*	थ	*tha*	फ	*pha*	र	*ra*
ग	*ga*	ज	*ja*	ड	*ḍa*	द	*da*	ब	*ba*	ल	*la*
घ	*gha*	झ	*jha*	ढ	*ḍha*	ध	*dha*	भ	*bha*	व	*va*
ङ	*ṅa*	ञ	*ña*	ण	*ṇa*	न	*na*	म	*ma*	श	*śa*

ष	*ṣa*	स	*sa*	ह	*ha*

2. All **anusvar** (nasal) words as गङ्गा (*Gaṅgā*), पञ्जा (*Pañjā*), पण्डा (*Paṇḍā*), हिन्दी (*Hindī*) and लम्बा (*Lambā*) [i.e. गंगा (*Gaṁgā*), पंजा (*Paṁjā*), पंडा (*Paṁḍā*), हिंदी (*Hiṁdī*) and लंबा (*Laṁbā*)] have been written in Roman script by using '*ṁ*' for **anusvar.** The readers are requested to use *ṅ, ñ, ṇ, n, m* respectively for all above mentioned **anusvar** (nasal) words according to their feasibility.

3 For expressing ड़ & ढ़ in transliteration we have used *ṛa* & *ṛha* respectively.

In this dictionary some particular noun words of Jain scriptures have been translated in English as they are. The words like -विदेह क्षेत्र (*Videh Kshetra*), भरत क्षेत्र (*Bharat Kshetra*), धातकीखण्ड (*Dhatkikhand*), आर्यखण्ड (*Aryakhand*). पर्वत (mountains) – विद्युत्प्रभ (*Vidyutprabh*), गजदन्त (*Gajdant*), रुचक (*Ruchak*), विजयार्ध (*Vijayardh*), सुमेरु (*Sumeru*). वंश (dynasty) – यदु (यादव) (*Yadu*), हरि (*Hari*), इक्ष्वाकु (*Ikshvaku*), पद्मह्रद (*Padmahrad*), जम्बूद्वीप (*Jambudvip*), नारायण (*Narayan*), प्रतिनारायण (*Pratinarayan*), बलदेव (*Baldev*), पंडित (*Pandit*), विभंगा (*Vibhanga*), नारद (*Narad*), अनुत्तरोपपादक (*Anuttaropapadak*), स्वर्ग के नाम (name of heavens) etc.

In the same way the English translation of some other terminology has been given as under -

अवधि ज्ञान	Clairvoyance
श्रुत ज्ञान	Scriptural Knowledge.
अनुयोग द्वार	Disquisition Door
व्यंतर देव	Peripatetic Deity
कूट	Summit
गणधर	Chief Disciple
गुणस्थान	Stage of spiritual development
आस्रव	Flow of karma/Karmic inflow
विभूति	Dominion
कायोत्सर्ग	Meditative relaxation
इन्द्रक बिल	Dwelling - place of hell.
दिव्य ध्वनि	Resonant preaching of Lord Arihant
इन्द्रक विमान	Space vehicle or heavenly aboding place of Indra.

Above referred words and other particular Jain Hindi terminology have been written in English in 'Italic' style.

Although we wanted to present this Dictionary publically at the occasion of 'Bhagwan Mahavir 2600th Birth Anniversary Celebration', yet the complexity of assembling the words and the year long process of *Vachna* (discussion & rethinking session), correction, computerization & the final shaping extended this project on a time-scale of 3 years. Infact, the reality is that if such tedious projects have to be presented with full authenticity, a time-span of years is needed. But, we feel highly dignified in presenting this historical work in your hands at the occasion of the Kundalpur Mahotsava-2004 on the completion of the new development of the Birthplace of Lord Mahavir—Kundalpur (Nalanda), a project tuned towards the success of the celebration of 'Bhagwan Mahavir 2600th Birth

Anniversary. You can send your suggestions on the following addresses where permanent arrangement for correction, alteration and addition has been made

Karmayogi Br. Ravindra Kumar Jain
(President)
Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan
Jamboodweep-Hastinapur
Meerut-250 404

Dr. Anupam Jain
(Director)
Ganini Gyanmati Prakrit Shodhpeeth
Gyan Chhaya, D-14, Sudama Nagar
Indore-452 009
e-mail: anupamjain3@rediffmail.com

The deep literary and spiritual interest of the Supreme Sadhvi of the country Pujya Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji, who wrote 250 scriptures for the first time in the last 2500 years after Lord Mahavir, has introduced the country and the society each time with such a unique creation, which is either considered universally as the pride of the country or is established as an unparalleled example for the conservation of Jain religion and culture. In that expanded series, Pujya Mataji, by her inspiration & blessings, has again presented this marvellous piece of work, which will prove to be a great cause in the propagation of the core theme of Jainism world-wide. Such achievements & farsightedness of Shri Gyanmati Mataji will be appreciated in the world for centuries to come. The whole country and the society will always remain indebted to her. We are grateful to Pujya Mataji, who apart from the publication of other Granthas, inspired for the formation of such a valuable dictionary, which is the prime need of the present age because of the fast-paced modern changes, higher academics, residential settlement of Jains at foreign, globalization & changing linguistic interests of the present generation. We pay innumerable humble salutations in the lotus feet of such a goddess of knowledge.

Pujya Pragya Shramni Aryika Shri Chandnamati Mataji, whose able guidance has always benifitted in various activities of Sansthan & who remains effortful day & night to realize the spirits & dreams of Pujya Gyanmati Mataji, infact, has played the key role in the compilation, convening & correction of this dictionary, her continuous hard work has become the base for this creation, humble salutes in her holy feet by the Sansthan.

Important suggestions made by Kshullak Shri Motisagar Ji Maharaj at various times have also added to the quality of the dictionary, Sansthan pays humble gratitude to him also.

Shri Jeevan Prakash Jain (Indore) deserves special thanks & Blessings because he utilized his energy in completing this tedious project. Sansthan also acknowledges the useful co-operation of Br.(Km.) Rajni Jain (Indore), Shri Komal Chand Jain (Indore) and Sanghastha Br. (Km.)

Swati Jain, who made sincere efforts to complete the various aspects of the dictionary.

Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan, Jamboodweep-Hastinapur has taken up the full economic responsibility for the composition & publication of this dictionary, Therefore all the team members of institution are thankful for it.

During the compilation of the words at Indore, Smt. Suman Jain, the General-Secretary of All India Digambar Jain Mahila Sangathan, co-operated by providing the well furnished office to do the work, we pay thanks for her also.

For attractive computerization of the dictionary we are thankful to Shri Motilal Tongya-M/S. Sugan Graphics, Indore and Shri Anshul Mittal-Gyanmati Network, Hastinapur also

May this dictionary provide the illumination of *Samyakgyan* (Right knowledge) to the scholars of Jainism for long future, with this hearty wish,

Karmayogi Br. Ravindra Kumar Jain **Dr. Anupam Jain**

जैनधर्म एवं तीर्थंकर महावीर स्वामी

भारत की धरती पर प्राचीन काल से प्रचलित अनेकानेक धर्मों में प्राचीनतम धर्म के रूप में माना जाने वाला है–जैनधर्म जो शाश्वत और अनादिनिधन माना जाता है तथा विशेषरूप से जितेन्द्रियता पर आधारित है। 'कर्मारातीन् जयति इति जिन:' एवं 'जिनोदेवता अस्य इति जैन:' अर्थात् जो कर्म शत्रुओं को जीते वह 'जिन' है एवं उनके उपासक 'जैन' कहलाते हैं। इस व्याख्या के अनुसार सभी जैनधर्म को धारण कर सकते हैं, इसलिए यह धर्म सार्वभौम एवं सर्वोदयी है अर्थात् सबका हित करने वाला है।

इस धर्म की मान्यतानुसार सृष्टि का कर्ता कोई महासत्ताधारी ईश्वर नहीं है अपितु प्रत्येक जीवात्मा अपने–अपने कर्मों का कर्ता–भोक्ता स्वयं होता है। वह जब कर्मशत्रुओं पर विजय प्राप्त कर मोक्ष चला जाता है तो ईश्वर, भगवान, परमात्मा आदि नामों से जाना जाता है और ऐसा ईश्वर जैन मान्यतानुसार पुनः संसार में कभी जन्म नहीं धारण करता है, प्रत्युत् लोक शिखर पर निर्मित एक सिद्धशिला नामक सर्वसुखसम्पन्न स्थान पर सदा–सदा के लिए अनन्तसुख में निमग्न रहता है। ईश्वर के प्रति यही मान्यता जैनधर्म की ईश्वरवादिता एवं आस्तिकता समझी जाती है। ईश्वर सृष्टि कर्तृत्व एवं पुन: पुन: उनके संसार में जन्मधारण करने की बात जैन–धर्म में दोषास्पद मानी गई है।

जैनदर्शन के अनुसार प्रत्येक चतुर्थ काल में 24 तीर्थंकर होते हैं जो धर्मतीर्थ का प्रवर्तन करके असंख्य प्राणियों को मोक्षमार्ग पर आरूढ़ करते हैं। अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह रूप सिद्धान्त तीर्थंकर भगवन्तों की शिक्षाओं का मूल केन्द्र हैं। समस्त जीवों को आत्मवत् मानकर शारीरिक, मानसिक, वाचनिक सभी प्रकार की हिंसाओं का पूर्णत: अथवा आंशिकरूप से त्याग जैनधर्म के अनुयायियों के लिए विशेषरूप से निर्दिष्ट है। वर्तमान काल में जैनधर्म का प्रवर्तन करने वाले प्रथम तीर्थंकर हुए–आदिब्रह्मा भगवान ऋषभदेव एवं 24वें अर्थात् अंतिम तीर्थंकर हुए भगवान महावीर स्वामी जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व को 'जिओ और जीने दो' का अमर संदेश प्रदान किया।

आज से 2600 वर्ष पूर्व बिहार प्रान्त के कुण्डलपुर में राजा सिद्धार्थ की रानी त्रिशला के गर्भ से चैत्र शुक्ला त्रयोदशी के दिन भगवान महावीर का जन्म हुआ था। वह कुण्डलपुर नगरी भगवान महावीर के जन्म के समय 15 माह तक रत्नवृष्टि एवं महान जन्मोत्सव से विशेष गरिमा को प्राप्त हुई। 'वीर', 'वर्द्धमान', 'सन्मति' एवं 'महावीर' नाम भगवान को कुण्डलपुर नगरी में प्राप्त हुए। बाल ब्रह्मचारी भगवान ने 30 वर्ष की अवस्था में विरक्त होकर जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर ली तथा 12 वर्ष तक घनघोर तपस्या की। उज्जयिनी में रुद्र द्वारा किये गये भयंकर उपसर्ग को समता–भावपूर्वक सहन करके 'महतिमहावीर' नाम से विभूषित भगवान ने जृम्भिका ग्राम में ऋजुकूला नदी के तट पर वैशाख शुक्ला दशमी को केवलज्ञान प्राप्त किया। समवसरण में विराजमान भगवान की प्रथम दिव्यध्वनि 66 दिन के पश्चात् गौतम गणधर के आने पर राजगृही में खिरी। 30 वर्ष तक असंख्य प्राणियों को धर्मामृत का पान कराने के पश्चात् कार्तिक कृष्णा अमावस्या को "पावापुरी" के जलमंदिर से तीर्थंकर महावीर ने मोक्षधाम को प्राप्त किया। वर्तमान बिहार प्रदेश के नालंदा जिले में अवस्थित त्रिवेणी तीर्थ–कुण्डलपुर, राजगृही, पावापुरी युग–युग तक भव्यजीवों का मोक्षमार्ग प्रशस्त करते रहें, यही मंगल भावना है।

आभार

23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की जन्मभूमि-वाराणसी में पौष कृष्णा एकादशी, 6 जनवरी 2005 को जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी परमपूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा एवं मंगल सानिध्य में आयोजित "भगवान पार्श्वनाथ जन्मकल्याणक तृतीय सहस्राब्दि महोत्सव" के उद्घाटन अवसर पर विमोचित इस शब्दकोष के वितरण में श्री धन्नालाल मोहनलाल जी जैन अजमेरा, धूलियान (प. बंगाल) ने ज्ञानदानस्वरूप अपना आर्थिक सहयोग प्रदान किया, एतदर्थ संस्थान उनका आभारी है।

—सम्पादक

Jainism & Lord Mahavir

Jain Religion, the ancientmost religion of the Indian land, is supposed to be the eternal & universal dharma, based on the principle of the victory over sensual pleasures. Those who get complete victory over *Karmas* are called '*Jin*' and their worshippers are called 'Jains'.

According to Jainism, the universe is not guided by any supreme authority or God but each soul is the Doer (*Karta*) & Enjoyer (*Bhokta*) of own *Karmas*. When the soul destroys all its Karmic entity, it elevates to the *Siddha-Shila* or *Moksha*, where it remains engrossed in infinite bliss for all times to come. This salvated soul is known as God, Bhagwan or *Parmatma*, who never incarnates in the world again.

According to Jain philosophy, 24 Tirthankars are born in each 4th *kal* and they propagate *Dharma Tirth* for innumerable beings to lead to the path of salvation. *Ahimsa* (Non-violence), *Satya* (Truth), *Achaurya* (Non-stealing), *Brahmacharya* (Celibacy) and *Aparigrah* (Non-possession) are the main principles preached by the Tirthankars. Complete or partial renouncement of physical, mental or vocal violence is specially mentioned for Jain followers. In the present age, the first Tirthankar was Lord Rishabhdev and the 24th Tirthankar was Lord Mahavir, who gave the immortal principle of "Live & Let Live" to the world.

Lord Mahavir was born to king Siddharth and Trishla on Chaitra Shukla Trayodashi at the Kundalpur city of Bihar state 2600 years ago. That Kundalpur Nagari was specially glorified with the showering of jewels for 15 months & divine birth-festival at the time of the birth of Lord.

The names Veer, Vardhman, Sanmati & Mahavir were attributed to Him at Kundalpur. Mahavir, a celibate since childhood, accepted *Jaineshwari Deeksha* at the age of 30 years being detached from the world. He performed hard penance for 12 years. He was honoured with the name 'Mahati Mahavir' by equanimously enduring the harsh atrocities made by Rudra at Ujjaini. Lord got Omniscience (*Kevalgyan*) at the bank of Rijukula river in Jrambhika village on Vaishakh Shukla Dashmi. The Lord got seated in Samavasaran. After 66 days, his first *Divya Dhvani* (resonant preaching sound) was revealed on the arrival of Gautam Gandhar at Rajgrihi. He preached innumerable beings for 30 years and then got salvation from the holy land of Pavapuri on Kartik Krishna Amavasya. May the trinity of Tirths situated at the Nalanda district, Bihar—"Kundalpur, Rajgrihi & Pavapuri" illuminate the path of salvation for the generations to come, this is the auspicious wish.

विश्वकोश का लघुरूप है यह शब्दकोश

एक ऐसे शब्दकोश निर्माण की मेरी इच्छा लगभग 15 वर्षों से थी जिसमें जैन धर्म के विशिष्ट शब्दों का हिन्दी से अंग्रेजी में रूपान्तरण एवं अर्थ हो ताकि हिन्दी और संस्कृत में रचित प्राचीन ग्रन्थो का कोई सरलता से अंग्रेजी में अनुवाद कर सके। 13 वर्ष पूर्व मैंने जे. एल. जैनी द्वारा लिखित अंग्रेजी के तत्त्वार्थसूत्र का स्वाध्याय पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रबल प्रेरणा से शुरु किया, तब भार्गव की Dictionary (English to Hindi) साथ में रखकर सभी शब्दों के अर्थ समझती थी। उस समय मैंने तत्त्वार्थसूत्र के बहुत सारे शब्दों का संकलन एक कॉपी में करके उसका अकारादि क्रम बनाया था, पुनः सर्वार्थसिद्धि टीका का अंग्रेजी अनुवाद भी देखने में आया तो पढ़कर अच्छा लगा कि कई लेखकों ने अपने अंग्रेजी ज्ञान का सदुपयोग तो किया है। उसके बाद तो बैरिस्टर चम्पतरायजी जैन, पं. सुमेरचन्द्र जैन दिवाकर, डॉ. माणिकचन्द जैन (खंडवा), जस्टिस जे. एल. जैनी आदि अनेक लेखकों द्वारा लिखित जैन धर्म की कई अंग्रेजी भाषा की पुस्तकें देखकर मन में बड़ा आल्हाद हुआ और यदा–कदा उनके देखने का प्रसंग भी आया तो भी मुझे हमेशा Dictionary का सहारा लेना ही पड़ता था, अतः तब भी धार्मिक शब्दों की Dictionary की आवश्यकता महसूस होती थी। स्कूल में मात्र 10 वीं कक्षा तक ही पढ़ने के कारण मेरा अंग्रेजी में कोई विशेष प्रवेश तो नहीं है किन्तु स्वरुचि के आधार पर मेरा छोटा–छोटा प्रयास इस ओर चलता रहा, यही कारण था कि सन् 1990 में मैंने सर्वप्रथम पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की अंग्रेजी पूजन बनाई, सन् 1992 में भगवान महावीर की एवं सन् 1997 में भगवान ऋषभदेव की पूजन लिखी। अत्यन्त सरल एवं टूटी–फूटी अंग्रेजी में भी लिखी गई ये तीनों पूजाएँ भक्तों को बहुत पसन्द आई जिससे मेरा उत्साह बढ़ा और आगे भी कुछ भजनों की

रचना अंग्रेजी में बनाने के भाव बने तथा समय-समय पर गद्य में भी लेखन किया। इन सबमें भी मुझे General Dictionary से शब्द बहुत खोजने पड़ते तो इच्छा और प्रबल होती कि जैनधर्म के शब्दों की एक Special Dictionary होनी ही चाहिये जिससे हम सरलतापूर्वक शब्द ढूंढकर यथास्थान प्रयोग कर सकें।

इसके अतिरिक्त, मैंने देखा कि वर्तमान में जैन साहित्य का अंग्रेजी अनुवाद करते समय कतिपय अनुवादक कहीं-कहीं Proper Nouns अथवा नामों का भी अनुवाद कर देते हैं, यथा-धवला हेतु Luminous, जयधवला हेतु Victorious luminous, अष्टसहस्री हेतु Octad of thousand, प्रमेयकमल मार्तण्ड हेतु Sun for the lotus of the objects of knowledge, जयमाला हेतु Garlands of victory इत्यादि, परन्तु इस शैली से पाठक को वास्तविक अर्थ का ज्ञान न होकर विपरीत ही प्रतिभास होने की आशंका रहती है, अतः इस प्रकार के अनुवाद की परम्परा वांछनीय प्रतीत नहीं होती है। दूसरे शब्दों में यदि कहें तो 'ज्ञानमती' नाम को Knowledge-Mind एवं 'चंदनामती' नाम को Sandal-Mind कहने से उन-उन व्यक्तित्वों का बोध भला कैसे हो पायेगा? 'प्रकाशचंद्र' नाम के लिए Light Moon लिखना जहाँ हास्यापद है, वहीं ऐसे अनुवाद से व्यक्ति विशेष का बोध भी भला कैसे हो सकता है? वस्तुतः नामों की 'यथा नाम तथा गुण' को साकार करने वाली व्याख्या तो की जा सकती है परन्तु अनुवाद नहीं। जैसे सन् 1956 में Justice J.L. Jaini द्वारा तत्त्वार्थ सूत्र के अंग्रेजी अनुवाद में सूत्रों को रोमनलिपि में ही दिया गया है, न कि मूलसूत्र का अनुवाद किया गया है। ऐसा ही संस्कृत, प्राकृत अथवा हिंदी टीकाओं के ग्रंथों में भी दृष्टिगत होता है। मूलसूत्र को अनुवाद द्वारा बदलने की परम्परा कहीं भी दृष्टिगोचर नहीं होती अन्यथा अब तक आचार्य कुंदकुंद, आचार्य उमास्वामी, आचार्य समंतभद्र आदि द्वारा लिखित मूलसूत्रों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता।

इसी प्रकार मैंने अनुभव किया कि कई स्थानों पर जैन मुनियों के लिए Jain Monk शब्द एवं आर्यिकाओं के लिए Jain Nun जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया है, जबकि दोनों ही शब्दों के लिए क्रमशः Jain Saint अथवा Jain Muni एवं Female Jain Saint अथवा Jain Sadhvi का प्रयोग श्रेयस्कर प्रतीत होता है। वस्तुतः Monk शब्द विशेष रूप से बौद्ध भिक्षुओं हेतु एवं Nun शब्द ईसाई साध्वियों हेतु प्रयुक्त किया जाता है। इस तरह की कमियों ने मुझे बार-बार एक ऐसे शब्दकोश के निर्माण की ओर उन्मुख किया जिसमें सर्वप्रामाणिकता हो एवं शब्दों के अर्थ और उनके अनुवाद की उपयोगिता और सर्वमान्यता हो।

समय बीतता गया, हमारे संघ का विहार सतत चलता रहा। इसी बीच मैंने अपनी गुरु पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी से निवेदन किया कि माताजी! वर्तमान पीढ़ी के लिये ऐसे एक शब्दकोश की अत्यन्त आवश्यकता है, और उन्होंने सहर्ष इस कार्य के प्रति अपनी सहमति प्रकट की। इस तरह भगवान महावीर के 2600 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के प्रसंग में एक शब्दकोश के संकलन की सारी योजना बनाई गई और इस परियोजना पर मैंने संकलन-कार्य प्रारंभ कर

३

दिया। काफी लंबे दौर तक मैंने इस कार्य को किया लेकिन समय की व्यस्तता और कार्य की जटिलता के कारण इस कार्य को स्वयं मेरे द्वारा करने में एक लम्बी समयावधि की आवश्यकता प्रतीत हुई। अत: इस कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने की उत्सुकता से हमने सहयोग लेने का विचार किया और इस कार्य की पूरी संकलन योजना डॉ. अनुपम जैन, इंदौर को बताई गई एवं इस कार्य को पूरा करके 25 अप्रैल 2002 भगवान महावीर जन्मकल्याणक वर्ष समापन तक इसे प्रकाशित करने का भाव दर्शाया।

मुझे प्रसन्नता हुई कि अनुपम जी ने इस परियोजना को गहराई से समझकर शीघ्र इसके संकलन को अपने दक्ष सहयोगियों विशेष रूप से जीवन प्रकाश जैन (इंदौर) एवं कोमलचंद जैन (इंदौर) से आगे गति प्रदान करवाई। इस मध्य 1-2 जैन शब्दकोश और दृष्टिगत हुए जो समय की मांग के अनुसार तैयार किये गये प्रतीत होते थे किन्तु हमारा विचार 'भगवान महावीर हिन्दी-अंग्रेजी जैन शब्दकोश' बनाने का इसलिये और प्रबल होता गया कि एक सर्वांगीण एवं निष्पक्ष ग्रन्थ के रूप में समाज के समक्ष ऐसा शब्दकोश आवे जिसमें जैन धर्म से सम्बन्धित लगभग सभी शब्द समाविष्ट हो। यह सुगम लगने वाला कार्य इसीलिये दुरूह होता चला गया और सन् 2001 से शुरू होकर सन् 2004 (3 वर्ष) तक पूरा हो सका।

सन् 2002 के चातुर्मास के मध्य तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली-प्रयाग तीर्थ (इलाहाबाद) एवं पुन: सन् 2003 में 18 जून से 2 जुलाई तक कुण्डलपुर (नालंदा) में पूज्य गणिनी माताजी के सानिध्य में इस ग्रंथ की वाचना आयोजित की गई। उचित संशोधन, परिवर्तन इत्यादि का क्रम चला और पुन: आवश्यक दिशा-निर्देश देकर वाचना हेतु अक्टूबर-नवम्बर 2003 का समय निर्धारित किया गया। 10 नवम्बर 2003 से नंद्यावर्त महल परिसर, कुण्डलपुर (नालंदा) में शब्दकोष की गंभीर वाचना पुन: प्रारंभ हुई। इस तरह वाचना के माध्यम से इस कार्य की समस्त गतिविधियों एवं संकलन पर महत्त्वपूर्ण निर्णय एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहा।

आर्यिका-चर्या की नित्य आवश्यक क्रियाओं का निर्वहन करते हुए उसके अतिरिक्त मेरा अधिकांश समय शब्दकोश वाचना में व्यतीत होने लगा। पूज्य गणिनी माताजी पूर्ण रूचि के साथ यथासंभव एक-एक शब्द पर ध्यान देती थीं एवं विविध ग्रंथ निकलवाकर उन-उन शब्दों का अन्वेषण करके आगमोक्त व्याख्या बताकर शब्दकोश की प्रामाणिकता को हर कदम पर सुनिश्चित कर देती थीं। जीवन प्रकाश, कोमलचंद जी एवं संघस्थ ब्र. (कु.) स्वाति वाचना के साथ-साथ अंग्रेजी व्याख्या में सहयोग करते थे। 29 जनवरी 2004 तक रात-दिन कठोर परिश्रम करके जून 2003 में देखे शब्दों की भी पुन: वाचना करते हुए सम्पूर्ण शब्दकोश को एक बार पुनर्परिवर्तन-संशोधन-नये शब्दों का जोड़ना-घटाना इत्यादि के द्वार से पार कर दिया गया। लगभग हर पृष्ठ में लाल निशानों की कतार देखने वाले को यही लगता था कि ये Correction नहीं वरन् Alteration हैं, पर वास्तविकता यह थी कि पूज्य ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में बैठने से शब्दों के अर्थ ठीक होते हुए भी आगम के परिप्रेक्ष्य में जो तथ्यात्मक व्याख्या उपलब्ध हुई, उससे कोश

की प्रामाणिकता कई गुना बढ़ गई। उठते-बैठते, सोते-जागते हर पल उस दिन देखे गये शब्दों के विषय में ऊहापोह, आपसी विचार-विमर्श, प्राचीन शास्त्रों का अवलोकन इत्यादि सभी क्रियाओं से समस्त संघ का वातावरण ही मानों शब्दकोशमयी हो गया था। मस्तिष्क रूपी व्योम में शब्दरूपी नक्षत्र ही सर्वत्र व्याप्त हो गये थे, वस्तुत: अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग की उस धारा में अवगाहन करते हुए जो असीम आल्हाद हृदय में उत्पन्न होता था, वह वचनातीत है। मेरे जीवन का यह अद्भुत स्वर्णिम अनुभव था। मन में कई बार विचार आता था कि ज्ञान का अंशमात्र भी जब उपलब्ध होता है तो कितनी संतुष्टि, कितना हर्ष, कितना सुख मिलता है, फिर केवली भगवान के केवलज्ञान से उत्पन्न आनंद को मापना तो तीनों लोकों में किसी के लिए भी सम्भव नहीं है।

अस्तु ! शब्दकोश का मैटर फाइनल होने से पूर्व एक बार पुन: ग्रंथ के आद्योपान्त अध्ययन का भाव मेरे हृदय में था, अत: 3 अप्रैल 2004, महावीर जयंती के पश्चात् मैंने पुन: यह काम हाथ में लिया और इस बार प्रत्येक पृष्ठ के एक-एक शब्द को स्वयं पढ़ा, कई स्थानों पर पूज्य माताजी से विचार-विमर्श करके व्याख्याएँ परिवर्तित कीं परन्तु जिस प्रकार आकाश के तारे गिनना संभव नहीं है, उसी प्रकार पूज्य माताजी से प्रत्येक शब्द पर चर्चा करना संभव नहीं था, अत: कदाचित् संभव है कि कुछ स्थानों पर ऐसे संशोधन अभी भी शेष बचे हों। वस्तुत: किसी भी शब्दकोश में प्रामाणिकता लाने हेतु जब पुन: पुन: उसका विशुद्धीकरण किया जाता है, तभी प्रामाणिक शब्द कोश की एक उत्कृष्ट कृति समाज के समक्ष आ पाती है। हम इस शब्दकोश को इसी आशा के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं कि जहाँ अभी भी संशोधन की आवश्यकता होगी, उसके विषय में सुधी पाठकजन हमें अवश्य सूचित करेंगे।

पूज्य गणिनी माताजी के उपकारों के प्रति कुछ भी कहना गंगा के जल से गंगा को ही संतर्पित करना है अत: उनकी प्रेरणा एवं सान्निध्य से संशोधित यह पवित्र कोश जैन शासन का अमूल्य खजाना मानकर हम समाज के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं, इससे लाभ प्राप्त कर यदि आप सभी ने अपनी भावी पीढ़ी द्वारा इसका मूल्यांकन करवाया तो हम लोग अपना प्रयास सार्थक समझेंगे।

संघस्थ क्षुल्लकरत्न श्री मोतीसागरजी महाराज ने भी समय-समय पर इसमें अपना योग्य निर्देशन एवं सुझाव प्रदान कर जो सहयोग दिया है वह उनकी धार्मिक अभिरुचि का प्रतीक है। वीर ज्ञानोदय ग्रन्थमाला के सम्पादक एवं दि. जैन त्रिलोक शोध संस्थान, जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर के अध्यक्ष - कर्मयोगी ब्र. रवीन्द्रकुमार जैन ने ग्रन्थ का संकलन एवं प्रकाशन का भार वहन करने के साथ-साथ यथासमय इस कोश के निर्माण में अपने सुझाव प्रदान कर इसे सर्वांगीण बनाया है क्योंकि शीघ्र सम्पन्नता के लक्ष्य से प्रारम्भ किया गया यह कार्य विलम्बता के कारण निश्चित रूप से महंगा पड़ा है फिर भी उन्होंने इसकी पूर्णता में जिस धैर्य का परिचय प्रदान किया है वह उनकी दूरगामी दृष्टि का परिचायक है क्योंकि इस प्रकार के मानक ग्रन्थ तो कभी-कभी ही प्रकाशित होने के स्वर्णिम अवसर आते हैं अत: इसके प्रकाशन से निश्चित ही दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध

संस्थान की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति में चार चाँद लगेंगे।

प्रस्तुत शब्दकोश को तैयार करने में डॉ. अनुपम जैन के साथ जीवनप्रकाश जैन एवं कोमलचन्द जैन का जो सहयोग रहा है उसके लिये उन्हें बहुत–बहुत आशीर्वाद है कि वे लोग इसी प्रकार जिनवाणी के प्रचार–प्रसार में सदैव योगदान देकर पुण्य अर्जन करते रहें।

इसी प्रकार कोश की वाचना में संघस्थ ब्र. (कु.) स्वाति जैन (M.Sc.- Biosciences) ने भी गुरुआज्ञा को शिरोधार्य करके पूरे परिश्रम के साथ भाग लिया और अंग्रेजी के अपने लौकिक ज्ञान को धार्मिक ज्ञान के साथ उपयोग करते हुए अनेक अंग्रेजी शब्दों का प्रकरणानुसार संशोधन भी कराया है, उसके लिये मेरा बहुत–बहुत आशीर्वाद है कि अपने लक्ष्य में दिन दूनी – रात चौगुनी उन्नति करते हुए इसी प्रकार सदैव जिनवाणी की सेवा करती रहे ।

अनुपम जी के लिये मेरा शुभाशीर्वाद तो है ही, यह भी प्रेरणा है कि वे सन् 1980 से जिस प्रकार पूज्य माताजी के शिष्य रूप में संघ एवं संस्था के साथ जुड़े हैं उसी प्रकार सदैव गुरु आज्ञा शिरोधार्य करके संस्था को अपना सहयोग प्रदान करते रहें।

भगवान महावीर एवं उनके मार्ग की प्रदर्शिका पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के करकमलों में इस शब्दकोश को समर्पित करते हुए असीम आनन्द की अनुभूति हो रही है। जिनधर्म की छत्रछाया एवं गुरु का वरदहस्त ही ऐसे पुनीत कार्यों की सिद्धि के लिये प्रमुख अवलम्बन होता है, उसकी सदैव प्राप्ति होती रहे इसी भावना के साथ ....

आर्यिका चंदनामती

भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर
नंद्यावर्त महल, कुण्डलपुर (नालंदा)
15-7-2004

THIS DICTIONARY
A concise form of Encyclopedia

For about 15 years, I had been eager to have compilation of such a dictionary in which the translation and meaning of specified Jain terminology may be available so that the ancient treatises composed in Hindi and Sanskrit may easily be translated from Hindi to English by anybody. On the intense inspiration of venerable Ganini Gyanmati Mataji, 13 years ago I started the study of Tattvartha Sutra translated into English by Justice J. L. Jaini. At that time, I had to use Bhargava Dictionary (English to Hindi) to understand the meanings of the words not familiar to me. By compiling many words of this English Tattvartha Sutra in a note book, I arranged them alphabetically also. Later I went through the English translation of the 'Sarvarthasiddhi Teeka' (a commentary book) and by reading this I was very pleased that many writers had rightly used their knowledge of English language. Thereafter going through many books of Jain literature written in English by Barrister Champatrai Jain, Pandit Sumerchandra Jain Diwakar, Dr. Manikchand Jain (Khandwa) and Shri J. L. Jaini etc., I felt great pleasure. But whenever I read them, I had to take the help of Dictionary, therefore, I felt a great need of a Dictionary of Jain terminology. Beacuse of my academic background only upto 10th standard, I was not having good command over English, but due to my own interest, I had been endeavouring for this and this was the reason that I firstly composed worshipping hymns in English in 1990 on Ganini Shri Gyanmati Mataji, in 1992 on Lord Mahavir and in 1997 on Lord Rishabhdev. All these compositions written in simple English were appreciated by devotees and this increased my enthusiasm. So, I started to compose religious hymns and other literary work in English. As I had to find words more often from General Dictionary in all these works, my wish became stronger that there should be a special Hindi to English Dictionary for about whole Jain terminology so that we may use the words appropriately in the English translation of Jain literature.

Besides this, I noticed that now-a-days while doing the English translation, some translators translate even the Proper Nouns or Names also, as 'Luminous' for Dhavla (धवला), 'Victorious Luminous' for Jai Dhavla (जयधवला), 'Octad of Thousand' for Ashtsahastri (अष्टसहस्री), 'Sun for the lotus of the objects of knowledge' for Prameya Kamal Martand (प्रमेयकमलमार्तण्ड), 'Garlands of Victory' for Jaimala (जयमाला) etc. but it is quite possible that by such a method, the reader may understand the opposite

meaning at the place of the real one. So such type of translation does not seem fully appropriate

In other words, if the name 'Gyanmati' is written as 'Knowledge-Mind' and the name 'Chandnamati' is written as 'Sandal-Mind', how can these two personalities be acknowledged? The denoting of 'Prakash Chandra' with 'Light Moon' is not only to be laughed but it also fails to introduce one with that particular person. In fact, the explanation of a name can be made describing the qualities according to it (the name) but the name can not be translated. For example, in the English translation of Tattvartha Sutra, Justice J.L. Jaini (1956) has given the basic *Sutras* (formulae) in Roman script at the place of their English translation. The similar pattern is seen in the scriptures of Sanskrit, Prakrit and Hindi commentaries also. The tradition of changing the original *Sutra* by translation is not noticed anywhere, otherwise the entity of fundamental *Sutras* written by Acharya Kund-Kund, Acharya Uma Swami, Acharya Samantbhadra etc. would have been threatened till now.

Similarly, I found that at a number of places the word 'Jain Monk' has been used for a 'Jain Muni' and 'Jain Nun' for an 'Aryika' However the use of 'Jain Saint' or 'Jain Muni' and 'Female Jain saint' or 'Jain Sadhvi' appears better. The reason is that the word 'Monk' is especially used for a Bauddha *Bhikshuk* and 'Nun' for a Christian sadhvi. Thus, all these shortcomings made me seriously desirous of the compilation of such a dictionary which is fully authentic and the meanings given in which, are broadly useful & unanimously accepted.

The Time was passing gradually and the *vihar* (*Padyatra*) of our Sangh (group) had been going on. Meanwhile, I requested Pujya Ganini Aryika Shri Gyanmati Mataji, my spiritual teacher, that there is the great need of a Jain Dictionary for the present generation. Upon this, She expressed her consent with happiness. In this way, on the event of 2600th birth ceremony of Lord Mahavir, I started the compilation of this dictionary with proper planning. For a long period I did it but due to the lack of time & complications in the work, it seemed to be a quite lengthy project to be completed on my own. To complete the work as early as possible we thought of having some co-operation and so in this concern, whole planning of the compilation of the dictionary, was explained to Dr. Anupam Jain, Indore and I expressed my wishes to complete it by the 25th of April 2002, the concluding day of the 2600th birth ceremonial year of Lord Mahavir.

I was pleased that Anupamji got this work started immediately with his capable associates specially Jeevan Prakash Jain (Indore) & Komal Chand Jain (Indore). During this period I also went through other Jain

Dictionaries, which seemed to be prepared according to the need of time but our conception of compiling 'Lord Mahavir Hindi-English Jain Dictionary' became stronger so that such a new dictionary, which is fully impartial & broad in meaning and containing near about the whole Jain terminolgy, may be presented to the society. And so this simple looking task became harder & lengthy and ultimately this could be completed in the year 2004 by starting form year 2001 i.e. in 3 years.

The *Vachna* of this Grantha was done firstly between the *Chaturmas* of the year 2002 at Tirthankar Rishabhdev Tapasthali Prayag Tirth (Allahabad) and then in the year 2003 from 18th June to 2nd July at Kundalpur (Nalanda) in the auspicious presence of Pujya Ganini Mataji. Suitable corrections & alterations etc were made and after giving proper directions, the next *Vachna* was settled for Oct.-Nov. 2003. Sessions of deep disussion & rethinking again started at Nandyavarta Mahal campus, Kundalpur (Nalanda) from 10th November 2003. In this way, we were observing continuously all the activites of this compilation.

Maximum of my time except that for my daily essential duties of *ARYIKA* life, started to be utilized in the *Vachna* of the dictionary. Pujya Ganini Mataji used to pay attention to each word with full interest as far as possible. She used to consult various scriptures for particular words and by telling the exact scriptural meaning of the words, used to confirm the authenticity of the dictionary at each step. Jeevan Prakash, Komal Chandji & Sanghastha Br. (Km.) Swati Jain used to co-operate in English translation along with the *Vachna*. We worked hard day & night and upto 29th Jan. 2004 whole of the dictionary was passed through the gateway of correction-addition-deletion etc. of the words along with the rechecking of the checked words in June 2003. The series of red marks almost in all the pages was indicating that it was not the correction but the alteration but the actual fact was that by the consultation of Pujya Gyanmati Mataji, scripture based factual explanations of various words had been obtained even when the previous written meanings were also correct and this added to the authenticity of the dictionary multiple times.

The atmosphere of the whole Sangh had been fully diverted towards the dictionary because of the thought process, mutual discussion, consultation of ancient scriptures etc. activities every moment for the words checked on that day. Only the stars like words had been dispersed all around in the sky of mind, infact the great delight of my heart on floating in the stream of vast knowledge, is beyond description. It was the unique golden opportunity of my life. A number of times I used to think that when even some drops of true knowledge are obtained, a lot of satisfaction, happiness & inner joy accompany it, then how it is possible for anybody in

3 *Loks* to measure the unlimited inner happiness of the Omniscient Lord owing to His Enlightenment (*Kevalgyan*).

Well! before the finalization of the matter of the dictionary, I was desirous of getting through the full contents once again, so accordingly I started this work after Mahavir Jayanti, 3rd Apr. 2004. This time, I read each word of every page and changed the explanations at a number of places by discussing with Pujya Gyanmati Mataji. But as it is impossible to count the stars of the sky, similarly it was not possible also to discuss each & every word with Pujya Mataji so there may remain some corrections at certain places even now. As a matter of fact, when discussion & needed corrections are made repeatedly, only then a fully authentic dictionary can be presented before the society. We are fully hopeful that efficient readers will surely intimate us about the corrections wherever needed.

To say anything for the beneficence of Pujya Ganini Mataji is an act of offering the holy water of Ganga back to Ganga. Therefore, taking it as a precious treasure of Jain-discipline, corrected by her presence & inspiration, we are presenting this holy Dictionary to the society. By getting its benefit, if all of you get it evaluated by your coming generation, we will take it as our useful attempt.

Time to time Kshullak Motisagarji Maharaj has also co-operated by his valuable guidance and suggestions, it is the symbol of his religious interest. Karmayogi Br. Ravindra Kumar Jain, the editor of Veer Gyanodaya Granthmala and the President of Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan, Jambudvip-Hastinapur, has made it widely useful by presenting his timely suggestions alongwith bearing the responsibility of the compilation and publication of this dictionary. As this work had been started with the view of finishing it shortly, but it took much time than the estimated target so this has certainly become more expensive. Even so, Ravindra Ji has shown great patience in its completion and that is the mark of his longsightedness. Infact the golden chances of the publication of such standardized compilations are rare and definitely by its publication Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan will get more international fame.

In preparing this dictionary, the co-operation of Jeevan Prakash Jain and Komalchand Jain, which they have given to Dr. Anupam Jain, is appreciable and for it I greatly bless them and wish that they may acquire spiritual merits by always bestowing their best co-operation in widely spreading *Jinvani*.

In the same way Sanghastha Br. (Km.) Swati Jain (M.Sc.-Biosciences), accepting the orders of Pujya Mataji, has also taken part diligently in the reading and discussion session of the dictionary and she has contributed her general knowledge of English in the translation of religious terms and

got the English words rectified, I bless a lot to her hoping that she will always be serving *Jinvani* with great success in achieving her goal

My hearty blessings are there for Anupam ji and my inspiration for him is that as he has been attached with Pujya Mataji and institution since 1980 as an earnest disciple, In the same way he may always be bestowing his co-operation to the institution forever by venerably accepting the orders of Pujya Mataji.

I am feeling great pleasure in presenting this dictionary in the auspicious hands of Pujya Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji, the spiritual leader on the path of Lord Mahavir. In the accomplishment of such reverential deeds the patronage of Jain religion and the great blessings of saints are the only prime support and these may always be acquired in future also, with these sentiments...............

Ariyka Chandnamati

Lord Mahavir Birthplace Kundalpur
Nandyavarta Mahal
Kundalpur (Nalanda) Bihar
15-7-2004

जैन शब्दकोश के विषय में मेरे विचार

संसार में प्रतिदिन हजारों प्रकार का साहित्य प्रकाशित होता है, किन्तु भाषा की कठिनाई के कारण उसे सभी लोग नहीं पढ़ पाते। उन्हें समझने के लिए शब्दकोश सशक्त माध्यम हैं। संसार की अनेक भाषाओं में अब तक शब्दकोश प्रकाशित हो चुके हैं, जिनके द्वारा विभिन्न भाषाओं तथा विषयों को सुगमता से समझा जा सकता है।

जैनधर्म संसार का प्राचीनतम धर्म है किन्तु वर्तमान में संख्या की दृष्टि से पूरे संसार में जैन धर्मावलंबी अति अल्पसंख्यक हैं। फिर भी भगवान महावीर के पश्चात् विगत 2500 साल में हजारों जैन ग्रंथों का लेखन प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी, कन्नड़, मराठी, गुजराती आदि भाषाओं में हुआ है, किन्तु विश्व में सर्वाधिक प्रचलित भाषा अंग्रेजी में तो नहीं के बराबर जैन साहित्य प्रकाशित हुआ है। जैन साहित्य का अंग्रेजी भाषा में प्रकाशन लगभग विगत 100 वर्ष में ही हुआ देखने में आता है।

जैन साहित्य को विश्व में प्रचारित करने की भावना से अभी 10–15 वर्षों से अंग्रेजी जैन शब्दकोश प्रकाशित करने का उपक्रम प्रारंभ हुआ। उसी श्रृंखला में जैन समाज की वरिष्ठ साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की शिष्या प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के भाव हिन्दी–अंग्रेजी जैन शब्दकोश तैयार करने के हुए, जिसके लिए उन्होंने पूज्य गणिनी ज्ञानमती माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

शब्दकोश तैयार करने की प्रक्रिया धीरे–धीरे प्रारंभ हुई। इस कार्य में सहयोग के लिए सक्षम तथा लगनशील व्यक्तियों का चयन कर टीम के साथ कार्य प्रारंभ करने के लिए डॉ. अनुपम जैन, इंदौर को योग्य समझकर उन्हें यह कार्यभार सौंपा गया। पहले हिन्दी भाषा के जैन धर्मग्रंथों से शब्दों का चयन तथा उनकी व्याख्या तदनंतर उनका अंग्रेजीरूपान्तरण निश्चितरूप से बहुत कठिन काम था। किन्तु दृढ़ संकल्प के कारण वह कठिन होते हुए भी हो गया।

आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के अतिरिक्त जिन–जिन महानुभावों ने इसमें अपना समय तथा शक्ति लगाई उन सबका नामोल्लेख इसमें किया गया है, किन्तु चंदनामती माताजी ने अपनी शक्ति से भी अधिक इसके लिए श्रम किया है, जिसके लिए गणिनी ज्ञानमती माताजी का आशीर्वाद उन्हें विशेषरूप से बल प्रदान करता रहा।

मुझे तो पूर्ण विश्वास है कि अब निकट भविष्य में जैन धर्म ग्रंथों का अंग्रेजी में प्रकाशन करने में सुगमता रहेगी और आगे बड़ी मात्रा में अंग्रेजी जैन साहित्य प्रकाशित होने लगेगा।

मेरी शुभकामना है कि यह भगवान महावीर हिन्दी–अंग्रेजी जैन शब्दकोश पूरे विश्व में समादर एवं सर्वमान्यता को प्राप्त हो तथा जैनधर्म के मर्म को समझकर सर्वत्र अहिंसा की प्रतिष्ठापना हो।

भगवान महावीर जन्मभूमि–कुण्डलपुर (नालंदा) | पीठाधीश क्षुल्लक मोतीसागर
14-7-2004

My opinion about Jain Dictionary

Thousands of the scriptures are being published daily in the world, but due to the language problem all people can not read them. For understanding all such scriptures, only dictionary is a prominent source. Various dictionaries have been published in various languages of the world and with their help different languages and subjects are understood & clarified easily.

Jain religion is the most ancient religion in the world, but, presently the population of Jain devotees in the world is at minority level. Then also, in last 2500 years after Lord Mahavir, writing of thousands of Jain treatises could be possible in many Indian languages like Prakrit, Sanskrit, Hindi, Kannad, Marathi, Gujarati etc but in the most popular language English, the number of published Jain scriptures is quite minimum. As a matter of fact, the writing of Jain treatises in English has been observed only in the preceding century.

In the attempt of spreading Jain literature worldwide, publication of English Jain dictionaries began since last 10-15 years. In the same series, Pragyashramni Aryika Shri Chandnamati Mataji, the able disciple of supreme Jain Sadhvi Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji, desired to compile a Hindi-English Jain dictionary and for that she took blessings of Pujya Gyanmati Mataji.

The process of dictionary-compilation started gradually. Dr. Anupam Jain (Indore) was entrusted with the responsibility of providing assistance in the work after selecting the team of efficient & devoted persons. Firstly collection of the Hindi words with their description from the Jain scriptures and thereafter their English translation, was really a tough task to perform. But because of the firm determination, this difficult task could reach at its final shape.

Names of all the devoted members, who applied their full effort for it, have been mentioned in this dictionary. But Aryika Shri Chandanamati Mataji worked hard beyond her capability and for that she was continuously getting power from the blessings of Ganini Gyanmati Mataji.

I am fully confident that the publication of Jain scriptures in English language will become easy in future and such scriptures will be available to the society in great number.

My hearty wish is that this Lord Mahavir Hindi-English Jain Dictionary may get high respect & unanimous validity throughout the world and by understanding the substantial theme of Jainism, the principle of Non-violence may be established all around.

Kundalpur (Nalanda)
14-7-2004

Kshullak Motisagar

एक अद्वितीय जैन केन्द्र

दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान

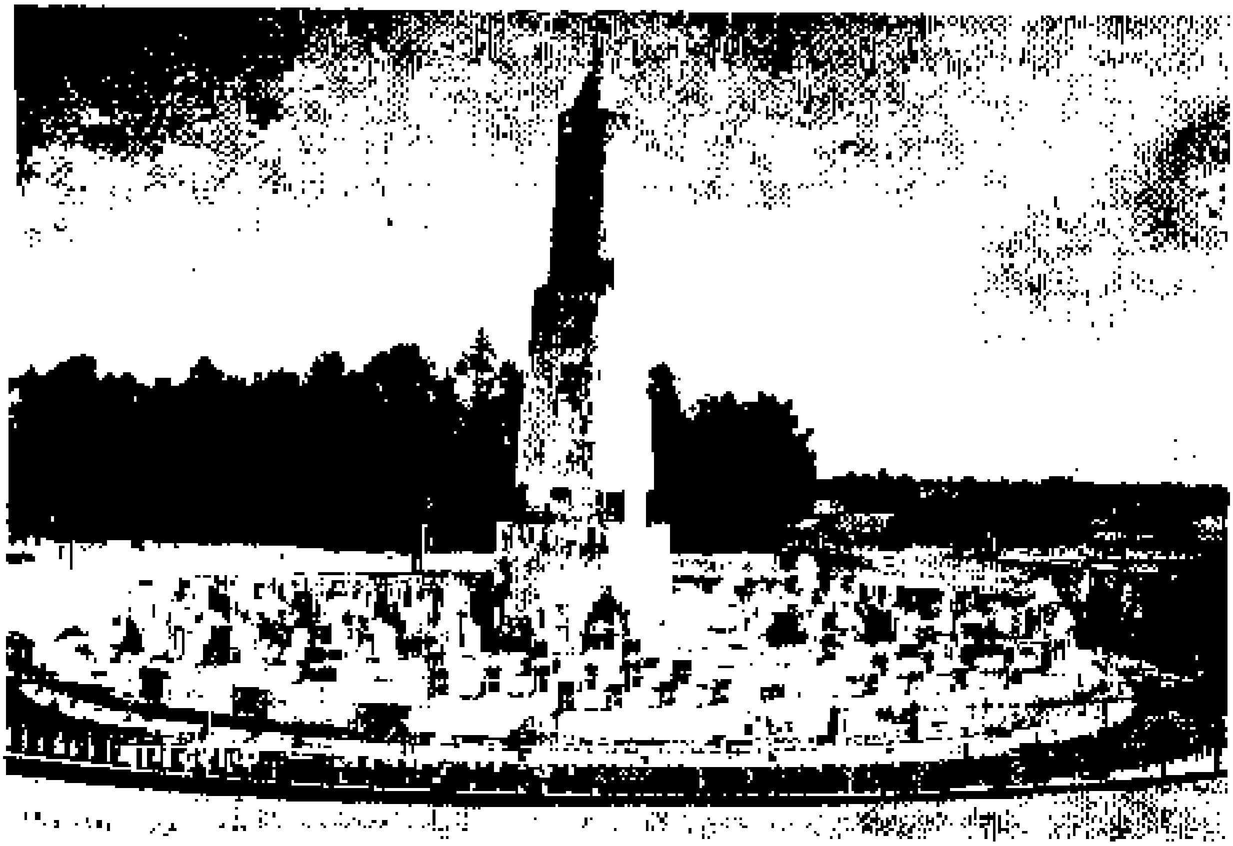

हस्तिनापुर (उ.प्र.) में निर्मित दर्शनीय स्थल जम्बूद्वीप

संक्षिप्त परिचय :

पिछले कुछ दशकों में राजधानी दिल्ली की उत्तर दिशा में उत्तरप्रदेश के जिला मेरठ स्थित पौराणिक तीर्थ **हस्तिनापुर** में एक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण का केन्द्र उभर कर आया है। 200 फुट के व्यास में सफेद और रंगीन पत्थरों से निर्मित जैन भूगोल की अद्वितीय वृत्ताकार रचना **'जम्बूद्वीप'** द्वारा अपने आधार पर वेष्टित हल्के गुलाबी संगमरमर से निर्मित 91 फुट ऊँचे **सुमेरु पर्वत** की शोभा आज किसके मन को आकर्षित नहीं करती है?

प्राचीन जैन साहित्य एवं भूगोल के परिचायक, वैज्ञानिकों के लिए शोध केन्द्र, आध्यात्मिक उन्नयन के लिए पवित्र स्थान, मानसिक शांति एवं जिनेन्द्र भगवान की पूजन–भक्ति के सम्पूर्ण साधनों तथा समस्त आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता सहित इस अनुपम तीर्थ की जनक संस्था का नाम है–**दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान (रजि.)**। जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा से 1972 में इस संस्थान का सूत्रपात किया गया। दिगम्बर जैन इंस्टीट्यूट ऑफ कास्मोग्राफिक रिसर्च (**Digambar**

Jain Institute of Cosmographic Research) के नाम से प्रसिद्ध इस संस्थान का आधारभूत लक्ष्य था– जम्बूद्वीप का निर्माण और यह जम्बूद्वीप ही अंततः संस्थान का मुख्य कार्यालय बन गया।

जंबूद्वीप की 30 एकड़ पवित्र भूमि पर संस्थान के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं/रचनाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नांकित है–

1. जंबूद्वीप रचना — जिनेन्द्र भगवान की 207 प्रतिमाओं से पावन भारतीय शिल्प और जैन भूगोल का अद्वितीय उदाहरण। आधुनिक आकर्षणों–बिजली के फौव्वारे, नौका–विहार इत्यादि सहित।

2. कमल मंदिर — भगवान महावीर की अतिशयकारी खड्गासन प्रतिमा इस मंदिर में विराजमान हैं।

3. ध्यान मंदिर — 24 तीर्थंकर भगवन्तों की प्रतिमाओं सहित 'ह्रीं' रचना इस मंदिर में विराजमान हैं, जो कि 'ध्यान' (Meditation) करने हेतु उत्तमोत्तम माध्यम हैं।

4. त्रिमूर्ति मंदिर — भगवान आदिनाथ, भरत एवं बाहुबली की खड्गासन प्रतिमाओं से इस मंदिर का नाम सार्थक है। कमल पर विराजमान भगवान नेमिनाथ एवं पार्श्वनाथ से इस मंदिर की शोभा द्विगुणित हो गयी है।

5. वासुपूज्य मंदिर — इस मंदिर में 12वें तीर्थंकर–वासुपूज्य स्वामी की खड्गासन प्रतिमा विराजमान है।

6. शांति–कुंथु–अरहनाथ मंदिर — जिन भगवन्तों के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणकों से हस्तिनापुर की भूमि परम–पावन हुई है, उन शांति–कुंथु और अरहनाथ भगवंतों की खड्गासन प्रतिमाएं इस मंदिर में विराजमान हैं।

7. ॐ मंदिर — अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु परमेष्ठियों की प्रतिमाओं सहित ॐ (ओम) रचना इस मंदिर में विराजित हैं।

8. विद्यमान बीस तीर्थंकर मंदिर — इस मंदिर में विदेह क्षेत्र के विद्यमान 20 तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ बीस कमलों पर विराजमान हैं।

9. सहस्रकूट मंदिर — जिनेन्द्र भगवान की 1008 प्रतिमाओं सहित।

10. भगवान ऋषभदेव मंदिर — धातु निर्मित भगवान ऋषभदेव की मूलनायक प्रतिमा एवं अन्य जिन प्रतिमाओं सहित।

11. भगवान ऋषभदेव कीर्तिस्तंभ — 'भगवान ऋषभदेव अन्तर्राष्ट्रीय निर्वाण महामहोत्सव वर्ष' में निर्मित, भगवान के जीवन चरित्र को प्रदर्शित करने वाला, 8 प्रतिमाओं से समन्वित 31 फुट ऊँचा कीर्तिस्तंभ।

12. इन्द्रध्वज मंदिर — निर्माणाधीन।

13. कैलाशपर्वत — प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की निर्वाणभूमि कैलाशपर्वत की आकर्षक प्रतिकृति। 4 फरवरी 2000 को लाल किला मैदान, दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा इस प्रतिकृति के समक्ष निर्वाणलाडू चढ़ाकर इसका उद्घाटन किया गया।

14. जम्बूद्वीप पुस्तकालय — प्राचीन हस्तलिखित एवं प्रकाशित लगभग 15000 ग्रंथों एवं पुस्तकों के संग्रह सहित।

15. जम्बूद्वीप औषधालय

16. ज्ञानमती कला मंदिरम् — हस्तिनापुर के पौराणिक इतिहास को प्रदर्शित करने वाली झांकियों सहित।

17. वीर ज्ञानोदय ग्रंथमाला — 1972 में संस्थापित इस ग्रंथमाला द्वारा अब तक लाखों की संख्या में 200 से अधिक ग्रंथों एवं पुस्तकों के संस्करणों का प्रकाशन हो चुका है।

18. सम्यग्ज्ञान मासिक पत्रिका — यह पत्रिका 1974 से लगातार प्रकाशित हो रही है, जिसमें जैन शास्त्रों के सार रूप लेखों एवं अन्य महत्त्वपूर्ण सूचनाओं का संकलन एक स्थान पर प्राप्त होता है।

19. जम्बूद्वीप भोजनालय — आने वाले दर्शनार्थियों को प्रतिदिन निःशुल्क शुद्ध (जैनचर्या के अनुरूप) भोजन उपलब्ध कराता है।

20. धर्मशालाएं — 200 से अधिक फ्लैट, बंगले इत्यादि, जिनमें ठहरने संबंधी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं (निःशुल्क व्यवस्था)।

21. मनोरंजन के साधन — तरह-तरह के झूले, बच्चों की रेल, नौका विहार, फौव्वारें, हरे-भरे लॉन, पूरे कैम्पस में घूमने के लिए ऐरावत हाथी (मोटर से संचालित), बिजली की आकर्षक व्यवस्था, सुन्दर प्राकृतिक दृश्य इत्यादि बरबस ही दर्शनार्थियों को इस भव्य रचना की तुलना 'स्वर्ग' से करने के लिए प्रेरित करते हैं।

दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान द्वारा आयोजित सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम

अक्टूबर 1981 — जम्बूद्वीप (हस्तिनापुर) स्थल पर **'जम्बूद्वीप ज्ञानज्योति सेमिनार'**।

31 अक्टूबर 1982 — फिक्की ऑडिटोरियम-दिल्ली में **'जम्बूद्वीप सेमिनार'** जिसका उद्घाटन श्री राजीव गांधी, तत्कालीन संसद सदस्य द्वारा किया गया।

अप्रैल 1985 — जम्बूद्वीप (हस्तिनापुर) स्थल पर **'जैन गणित और त्रिलोक विज्ञान'** विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, जिसका उद्घाटन उ.प्र. के तत्कालीन मंत्री प्रोफेसर वासुदेव सिंह द्वारा किया गया।

जून 1982 से अप्रैल 1985 — लालकिला मैदान, दिल्ली से तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरागांधी द्वारा 4 जून, 1982 को पूरे देश में भ्रमण करने हेतु **'जम्बूद्वीप ज्ञानज्योति'** का उद्घाटन किया गया। जनसाधारण में अहिंसा, चारित्र-निर्माण तथा विश्व बन्धुत्व के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हुए 1045 दिन तक देश भर में भ्रमण करने के पश्चात् यह ज्ञान ज्योति तत्कालीन रक्षामंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव (भूतपूर्व प्रधानमंत्री) द्वारा जम्बूद्वीप के मुख्य द्वार के समक्ष सदैव के लिए स्थापित कर दी गई।

1992 — **'अंतर्राज्यीय चारित्र निर्माण संगोष्ठी'** का जंबूद्वीप स्थल पर श्री नेमीचंद जैन, विधायक (मध्यप्रदेश) की अध्यक्षता में आयोजन किया गया।

'जैन गणित' एवं 'चारित्र निर्माण' पर हुई संगोष्ठियां मेरठ विश्वविद्यालय एवं दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गईं।

1993 — अयोध्या में अवध विश्वविद्यालय-फैजाबाद के संयुक्त तत्वावधान में **'भगवान ऋषभदेव-मानवीय संस्कृति के प्रथम प्रवर्तक'** विषय पर संगोष्ठी ।

अक्टूबर 1995 — मेरठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पंचदिवसीय **'गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती साहित्य संगोष्ठी-95'**।

मार्च-अप्रैल 1998 — तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 9 अप्रैल 1998 को तालकटोरा स्टेडियम, दिल्ली से देश भर में भ्रमण करने हेतु **'भगवान ऋषभदेव समवसरण श्रीविहार रथ'** का उद्घाटन। 3 वर्ष तक देशभर में तीर्थंकर भगवन्तों के सर्वोदयी सिद्धांतों एवं जैनधर्म की प्राचीनता का प्रचार-प्रसार करने के पश्चात् यह समवसरण इलाहाबाद उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश द्वारा तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली-प्रयाग तीर्थ (इलाहाबाद) में स्थापित कर दिया गया।

अक्टूबर 1998 — जम्बूद्वीप स्थल पर **'राष्ट्रीय कुलपति सम्मेलन'**, जिसका उद्घाटन किया गया-स्वर्गीय श्री राजेश पायलट (तत्कालीन संसद सदस्य द्वारा)।

फरवरी 2000 — तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 4 फरवरी 2000 को लाल किला मैदान, दिल्ली में एक वर्ष तक चलने वाले **'भगवान ऋषभदेव अंतर्राष्ट्रीय निर्वाण महामहोत्सव वर्ष'** का उद्घाटन किया गया।

इस युग में जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव पर '1008 संगोष्ठियों' की श्रृंखला, 'भगवान ऋषभदेव कीर्तिस्तंभों' का निर्माण तथा अनेक अन्य सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस वर्ष के अंतर्गत आयोजित किये गये ।

टोरण्टो, कनाडा, न्यू जर्सी आदि विदेश भूमियों पर भी इन्हीं प्रेरणाओं के माध्यम से 6 फरवरी 2000 को निर्वाण महामहोत्सव मनाया गया।

जून 2000 — जम्बूद्वीप स्थल पर 11 जून 2000 को **'जैनधर्म की प्राचीनता'** विषय पर *राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित* किया गया।

फरवरी 2001 — भगवान ऋषभदेव की दीक्षाभूमि–प्रयाग (इलाहाबाद) में **'तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली तीर्थ'** का नवनिर्माण। इस तीर्थ पर भगवान के दीक्षा कल्याणक के प्रतीक स्वरूप धातु के वटवृक्ष के नीचे 'ध्यान में लीन महायोगी ऋषभदेव की सवा पांच फुट उत्तुंग पिच्छी–कमण्डलु सहित खड्गासन प्रतिमा', केवलज्ञान कल्याणक के प्रतीक स्वरूप भगवान की चतुर्मुखी प्रतिमा सहित 'दिव्य समवसरण रचना' तथा निर्वाण कल्याणक के प्रतीक स्वरूप 50 फुट उत्तुंग 'कैलाशपर्वत' की भव्य रचना पर भगवान ऋषभदेव की 14 फुट उत्तुंग अत्यंत मनोहारी लालवर्णी पद्मासन प्रतिमा तथा तीन चौबीसी के प्रतीक स्वरूप 72 जिन प्रतिमाएं विराजमान हैं। 'ऋषभदेव कीर्तिस्तंभ' भी स्थापित है। 4 से 8 फरवरी 2001 तक 'भगवान ऋषभदेव पंचकल्याणक प्रतिष्ठा' एवं 1008 महाकुंभों से कैलाशपर्वत पर प्रतिष्ठित भगवान ऋषभदेव का 'महाकुंभमस्तकाभिषेक' कार्यक्रम।

फरवरी 2003 — भगवान महावीर की जन्मभूमि कुण्डलपुर (नालंदा) में **'नंद्यावर्त महल तीर्थ'** का निर्माण। भगवान महावीर मंदिर, भगवान ऋषभदेव मंदिर, नवग्रहशांति जिनमंदिर, त्रिकाल चौबीसी मंदिर और नंद्यावर्त महल (भगवान महावीर का जन्म महल) एवं उसमें स्थापित भगवान शांतिनाथ जिनालय इस तीर्थ के मुख्य आकर्षण हैं। महावीर के जन्मभूमि के प्रचार–प्रसार हेतु **भगवान महावीर ज्योति रथ** वर्तमान में सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रवर्तन कर रहा है।

इस संस्थान के द्वारा समय–समय पर विविध पंचकल्याणक प्रतिष्ठाएं एवं धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होते रहते हैं। संस्थान के अद्भुत कार्यकलाप की श्रेणी में है — **णमोकार महामंत्र बैंक,** जहाँ प्रतिवर्ष श्रद्धालु भक्तों द्वारा लाखों की संख्या में णमोकार मंत्र लिखकर जमा कराए जाते हैं, जो कि विश्वशांति की किरणें प्रसारित करने में अतिशय धरोहर स्वरूप हैं।

संस्थान द्वारा प्रदत्त पुरस्कार

गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार — सन् 1995 से प्रत्येक पाँचवे वर्ष यह पुरस्कार जैन धर्म पर उच्चस्तरीय शोध तथा संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु किसी भी जैन विद्वान को 1,00,000/– रुपये नगद की राशि, प्रशस्ति–पत्र इत्यादि के रूप में प्रदान किया जाता है।

जम्बूद्वीप पुरस्कार — सन् 2000 में स्थापित 25,000/– रुपये की नगद राशि सहित प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला पुरस्कार।

आर्यिका रत्नमती पुरस्कार — सन् 1999 में स्थापित 11,000/– रुपये की नगद राशि सहित प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला पुरस्कार।

कुण्डलपुर पुरस्कार — सन् 2004 में स्थापित 25,000/–रुपये की नगद राशि सहित

प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला पुरस्कार।

श्री छोटेलाल जैन पुरस्कार — सन् 2004 में स्थापित 11,000/–रुपये की नगद राशि सहित प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला पुरस्कार।

उपरोक्त पुरस्कारों के अतिरिक्त 'भगवान ऋषभदेव अंतर्राष्ट्रीय निर्वाण महोत्सव वर्ष' के अवसर पर घोषित 2,50,000/– रुपये की नगद राशि का 'भगवान ऋषभदेव नेशनल अवार्ड' एवं 11,000/– रुपये की नगद राशि का **'ब्राह्मी पुरस्कार'** भी संस्थान द्वारा प्रदान किया गया। भगवान ऋषभदेव नेशनल एवार्ड सन् 2003 में 'कुण्डलपुर महोत्सव' के अवसर पर तत्कालीन सांसद एवं पूर्व वित्त राज्य मंत्री **श्री वी.धनंजय कुमार जैन** को कुण्डलपुर (नालंदा) में प्रदान किया गया।

उपरोक्त सभी निर्माण योजनाएं, सामाजिक, धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्यक्रम **पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी** की पावन प्रेरणा से उनके ससंघ सानिध्य में इस संस्थान द्वारा आयोजित किये गये हैं। संघस्थ **प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी** का मार्गदर्शन एवं **पीठाधीश क्षुल्लकरत्न श्री मोतीसागर** जी महाराज का निर्देशन इन समस्त कार्यों में अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा है।

इस प्रकार यह संस्थान अपनी विभिन्न समर्पित कार्य योजनाओं द्वारा समाज की सेवा में प्रतिक्षण संलग्न है।

मानसिक शांति, आध्यात्मिक विकास, प्राकृतिक सौन्दर्य एवं अन्य अनेक अवसरों को एक साथ प्राप्त करने हेतु यह संस्थान जंबूद्वीप दर्शन के लिए आपको सादर आमंत्रित करता है।

संस्थान की सम्प्रेरिका

पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी – एक अद्भुत व्यक्तित्व

जिनके जीवन का प्रत्येक क्षण स्वर्णिम इतिहास का एक नया पृष्ठ होता है, जिनके बढ़ते चरणों का प्रत्येक कदम नूतन तीर्थ के निर्माण का पन्ना होता है, जिनकी दृष्टि का प्रत्येक बिन्दु एक सिन्धु का स्वरूप होता है, जिनके लेखन का प्रत्येक शब्द जिनागम का सार होता है तथा जिनकी प्रत्येक चर्या एवं क्रिया मूलाचार को साकार करने वाली होती है, ऐसी पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा से जहाँ हस्तिनापुर, अयोध्या, मांगीतुंगी आदि अनेक तीर्थों के जीर्णोद्धार एवं विकास हुए हैं, वहीं वे नित्य कई प्रेरणाओं के साथ समाज को नई राहें प्रदान कर रही हैं।

उन पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी का जन्म 22 अक्टूबर सन् 1934, आश्विन शुक्ला पूर्णिमा (शरदपूर्णिमा) को हुआ था। बचपन में ही धर्मग्रन्थों के स्वाध्यायादि के कारण एवं पूर्वजन्म के पुण्यसंस्कारवश मन में संसार से वैराग्य के अंकुर उत्पन्न हो गये और सन् 1952 में 18 वर्ष की युवावस्था में शरदपूर्णिमा के ही दिन आपने सप्तमप्रतिमारूप आजन्म ब्रह्मचर्यव्रत ग्रहण कर लिया,

४

पुनः सन् 1953 में क्षुल्लिका दीक्षा तथा सन् 1956 में वैशाख कृष्णा दूज के दिन सम्पूर्ण चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के प्रथम पट्टाधीश आचार्यश्री वीरसागर महाराज से आर्यिका दीक्षा धारण कर जैन समाज की प्रथम बालब्रह्मचारिणी आर्यिका एवं गणिनीप्रमुख जैसे सर्वोच्च पदों को सुशोभित किया है।

हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत, कन्नड और मराठी आदि भाषाओं में सरल साहित्य रचना आपके जीवन का प्रमुख अंग रहा है, इसीलिए 250 ग्रंथों की लेखिका बनकर आज आप समाज की सर्वोच्च लेखिका के रूप में मान्य हैं। वर्तमान में षट्खण्डागम ग्रंथ (लगभग 2200 वर्ष पूर्व लिखे सर्वप्रथम सूत्र ग्रंथ) पर आप संस्कृत टीका लिख रही हैं, जिसका प्रथम भाग (हिन्दी सहित) प्रकाशित होकर सभी के समक्ष आ चुका है। लगभग 2000 पृष्ठों में षट्खण्डागम की 12 पुस्तकों के लगभग 5500 सूत्रों की टीका लिखी जा चुकी है एवं 13वीं पुस्तक की टीका का लेखनकार्य द्रुतगति से चल रहा है। भगवान जिनेन्द्र से यह प्रार्थना है कि कलियुग की यह सरस्वती माता युग-युग तक जीवन्त रहे ताकि सच्चे ज्ञान का अमृत संसार को प्राप्त होता रहे।

इनकी सम्प्रेरणा से विश्व को पुनः अतिप्राचीन महापुरुष भगवान ऋषभदेव एवं महावीर स्वामी के सिद्धान्तों से परिचित होने का अवसर प्राप्त हुआ है अतः उन अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह एवं अनेकान्त के सिद्धान्त जन-जन तक पहुँचाकर उन्हें सर्वव्यापी बनाना चाहिए। **पूज्य माताजी का सर्वोदयी संदेश है कि मानव जीवन की श्रृंखला में क्रूरता को हटाकर प्राणीमात्र के प्रति मैत्रीभाव धारण करें, सदाचारी और शाकाहारी बनें, प्रत्येक प्राणी को निर्भय होकर जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें जिससे मानवीय संस्कृति पुनः जीवंत होकर सृष्टि की प्राकृतिक व्यवस्था को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर सके।** प्रत्येक सम्प्रदाय के साथ सौहार्द्र की भावना से सम्प्रदाय को धर्म का बाना पहनाकर पारस्परिक संघर्षों को न उत्पन्न कर भारतीय संविधान को गौरव प्रदान करते हुए अपने देश के गुलदस्ते की सुगंधि दुनिया में प्रसारित करना चाहिए।

–कर्मयोगी ब्र. रवीन्द्र कुमार जैन

(अध्यक्ष–दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान)

Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan
(The Unique Indian Jain Centre)

A Brief Introduction :

In the Northern direction of the capital city Delhi, in district Meerut of Uttar Pradesh, a centre of national and international attraction has emerged out in last decades in mythological pilgrimage **'Hastinapur'** in the form of 91 feet high **'Sumeru Parvat'** (mountain) built in light pink marble stone, surrounded at its base by the unique circular structure of Jain Geography. **"Jamboodweep"** of white and coloured stones in a diameter of 200 feet

The mother institution, which has given birth to this TIRTH, introductory to ancient Jain Literature & Geography, Research Centre for Scientists, a sacred place for Spiritual Upliftment, a symbol of Mental Peace and with ample means of worship of Lord *Jinendra* along with all the modern facilities, is **'Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan'** (Regd.), which was founded in 1972 by the pious inspiration of Pujya Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji. Basically, the Sansthan also known as **Digambar Jain Institute of Cosmographic Research** was oriented for the building of Jamboodweep, which later turned out to be its Head-office.

A brief sketch of the various schemes/structures, being carried out by the Sansthan on the holy 30 acres land of Jamboodweep is as follows:

1. **Jamboodweep Structure**– A unique example of Indian craft & Jain Geography with 207 idols of *Jinendra Bhagwan* and modern attractions like Electric Fountains, Boating etc.

2. **Lotus Temple**—Miraculous idol of Bhagwan Mahavir is consecrated in this temple.

3. **Meditation Temple**—Contains symbol idol of HREEM (ह्रीं) having the Idols of 24 Jain Tirthankars, a place for Meditation (*Dhyan*)

4. **Trimurti Temple**—Consisting of the idols of Bhagwan Adinath, Bharat & Bahubali along with Bhagwan Neminath and Parshvanath.

5. **Vasupujya Temple**—With the standing postured idol of 12th Tirthankar-Vasupujya Swami

6. **Shanti-Kunthu-Arahnath Temple**—Having the standing idols of the three Tirthankars, the four Kalyanaks (*Garbh, Janm, Tapa & Gyan*) of all of whom made the land of Hastinapur the most sacred place.

7. **'Om' Temple**—With the symbol idol of 'OM' (ॐ) depicting 5 *Permeshthis* (*Arihant, Siddha, Acharya, Upadhyaya & Sadhu*).

8. **Bees Tirthankar Temple**—The Idols of existing 20 Tirthankars of Videh Kshetra are consecrated on 20 lotuses in this temple.

9. **Sahastrakoot Temple**—With 1008 idols of *Jinendra* Bhagwan.

10. **Lord Rishabhdev Temple**—With *Moolnayak* metal idol of Lord Rishabhdev along with other metal idols.

11. **Bhagwan Rishabhdev Kirtistambh**—Constructed during 'Bhagwan Rishabhdev International Nirvan Mahamahotsava year' 31 feet high *stambh*, depicting the life of Bhagwan and with 8 idols.

12. **Indradhwaj Temple**—In progress.

13. **Kailash Parvat** —Attractive copy structure of the Kailash Parvat, the Salvation Tirth of Bhagwan Rishabhdev, the first Jain Tirthankar. It was inaugurated by Shri Atal Bihari Vajpayee, the PM, with offering Nirvan Ladoo on Feb. 4, 2000 at the Red Fort Ground, Delhi.

14. **Jamboodweep Library**—With a collection of about 15000 books, ancient hand written and published.

15. **Jamboodweep Dispensary**

16. **Gyanmati Kala Mandiram (Art Temple)**—With Jhankis (exhibition) related with the mythological history of Hastinapur.

17. **Veer Gyanodaya Granthmala**—Founded in 1972, it has published about above 200 Granthas (Scriptures) and books in number of lacs upto now.

18. **'Samyakgyan' Monthly Magazine**—Being published from 1974 continuosly with the Articles containing the essence of Jain Shastras.

19. **Jamboodweep Mess**—Providing the pure (as per Jain norms) food to the visitors everyday free of cost.

20. **Dharmashalas**—Flats, Bunglows etc. (above 200) with all the modern facilities of accomodation (without any charges).

21. **Means of Recreation**—Different types of Swings, Children train, Boating, Fountains, Green Lawns, Aeravat Elephant for going round the campus, attractive arrangement of electricity, Natural scenes etc. insist the visitors to compare it with the heaven.

Social & Academic Programmes By Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan

Oct. 1981 : Jamboodweep Gyanjyoti Seminar at Jamboodweep-Hastinapur.

Oct. 31, 1982 : Jamboodweep Seminar in FICCI Auditorium, Delhi,

inaugurated by Shri Rajeev Gandhi, the then M.P.

Apr. 1985 : International Seminar on **'Jain Mathematics and Cosmology'** at Jamboodweep-Hastinapur, Inaugurated by the then Minister of U.P. Government-Prof. Vasudev Singh.

June 1982—Apr. 1985 : 'Jamboodweep Gyan Jyoti' was inaugurated by the then Prime Minister Smt. Indira Gandhi from the Red fort Ground, Delhi for travelling in the whole country on June 4, 1982. It disseminated the message of *Ahimsa* (Non-violence), Character-Building and World Fraternity to the masses and after a travel of 1045 days, it was consecrated in front of the main gate of Jamboodweep, Hastinapur for all times to come by the then Defence Minister Shri P.V. Narsimha Rao (Ex-Prime Minister).

1992 : 'Interstate Charitra Nirman (Character Building) Seminar' at Jamboodweep, Hastinapur.

Seminars on 'Jain Mathematics' and 'Charitra Nirman' were organized in joint collaboration of Meerut University and Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan.

1993 : Seminar on **'Bhagwan Rishabhdev-The first Propagator of Human Culture'** at Ayodhya in joint collaboration with Avadh University, Faizabad.

Oct. 1995 : Five days **'Ganini Aryika Shri Gyanmati Literary Seminar-95'** in collaboration with Meerut University.

Mar.-Apr. 1998 : Inauguration of **'Bhagwan Rishabhdev Samavasaran Shrivihar Chariot'** by the then Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee on Apr. 9, 1998 from Talkatora Stadium, Delhi for travelling in the whole country. Spreaded the message of 'Universal Principles of Tirthankars' and 'Antiquity of Jainism' state by state for 3 years. Later, the Samavsaran was consecrated at Tirthankar Rishabhdev Tapasthali-Prayag Tirth (Allahabad) by the then Chief Justice of High court, Allahabad in Oct. 2002.

Oct. 1998 : 'National Vice-Chancellors' Conference' at Jamboodweep, Hastinapur.

Feb. 2000 : Inauguration of **'Bhagwan Rishabhdev International Nirvan Mahamahotsava Year'** by the then Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee in the Red Fort Ground, Delhi on Feb. 4, 2000 for one full year. A series of '1008 seminars on Bhagwan Rishabhdev', the first Tirthankar of Jainism in this age, along with the building of 'Bhagwan Rishabhdev *Kirtistambhs*' and other social & academic programmes were organized throughout the country in this year.

In the foreign countries like Toronto, Canada, New Jersy etc. also, the Nirvan Mahamahotsava was celebrated on Feb. 6, 2000 by such

inspirations.

June, 2000 : National Seminar on '**Antiquity of Jainism**' at Jamboodweep, Hastinapur on June 11, 2000.

Feb. 2001 : Establishment of '**Tirthankar Rishabhdev Tapasthali (Place of Penance) Tirth**' at **Prayag (Allahabad)** and organization of Mahamastakabhishek Mahotsava of Bhagwan Rishabhdev.

Feb. 2003 : Establishment of **Nandyavarta Mahal Tirth** at Bhagwan Mahavir Birthplace-Kundalpur (Nalanda). Bhagwan Mahavir temple, Bhagwan Rishabhdev temple, Navgrahshanti *Jin*-temple, Trikal Chaubeesi temple & Nandyavarta Mahal (the Birth palace of Lord Mahavir) with Bhagwan Shantinath Jinalaya are the prominent attractions of the Tirth. At present **Bhagwan Mahavir Jyoti Rath** is travelling throughout the country for the publicity of Mahavir Birhtplace.

Various *Panchkalyanak Pratishthas* and religious programmes are organized by this Sansthan at different times. One of the unique activities of the Sansthan is-**Namokar Mahamantra Bank**, in which lacs of written Namokar Mantras are submitted by devotees every year. Infact, these mantras are like a miraculous treasure to disperse the rays of world peace all around.

Awards By Sansthan

Ganini Gyanmati Award—started from 1995, presented every fifth year to a Jain scholar for high standarch research on Jainism or for co-operating in the academic activities of the Sansthan. It comprises an amount of Rs. 1,00,000/-in cash & citation etc.

Jamboodweep Award—Yearly award of Rs. 25,000/-in cash, started from 2004.

Aryika Ratnamati Award—Yearly award of Rs. 11,000/- in cash, started from 1999.

Kundalpur Award—Yearly award of Rs. 25,000/- in cash, started from 2004.

Shri Chhoteylal Jain Award—Yearly award of Rs. 11,000/- in cash, started from 2004.

Besides these, '**Lord Rishabhdev National Award**' of Rs. 2,50,000/-and '**Brahmi Award**' of Rs. 11,000/- were also presented by the Sansthan. These awards had been declared on the occasion of 'Bhagwan Rishabhdev International Nirvan Mahotsava year.'

'*Lord Rishabhdev National Award*' was presented to Shri V. Dhananjaya Kumar Jain, the then M.P. & Ex-Union Finance Minister in 2003 at Kundalpur (Nalanda) on the occasion of 'Kundalpur Mahotsava'

All the above construction schemes and social, religious & academic programmes have been carried out by the pious inspiration of **Pujya Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mata Ji in** her auspicious presence (with sangh). However all the arrangements of the above schemes/programmes have been devised by this Sansthan under the Guidance of **Pragya Shramni Aryika Shri Chandnamati Mataji** and the Direction of **Peethadhish Kshullakratna Shri Motisagar Ji Maharaj**.

Thus, the Sansthan is devoted to serve the society by its various dedicated schemes & programmes

All of you are welcome by heart by this Sansthan to visit Jamboodweep to avail the various opportunities of Mental Peace, Spiritual Upliftment, Natural Beauty and a lot of other attributes

INSPIRATOR OF THE SANSTHAN
A Remarkable Personality
Pujya Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji

Every moment of the life of whom is a new page of the golden history, every step of whom is the initiator of building a new Tirth, each point of view of whom is encompassing the ocean in itself, each word of the writings of whom is the essence of Jain-Agam (Scriptures) and every activity of whom is for depicting *'Moolachar'* (Jain scripture describing rules & norms for Jain-Sadhus), by the pious inspiration of such a reverend Jain Sadhvi-Pujya Ganini Pramukh Aryika Shiromani Shri Gyanmati Mata Ji, there had been the restoration and development of a number of Tirths (Pilgrimage-centres) as Hastinapur, Ayodhya, Mangitungi, Prayag, Kundalpur (Nalanda) etc. at one hand and on the other hand, she is providing new paths to the society with continuous new inspirations.

Pujya Ganini Shri Gyanmati Mataji was born on Oct.22, 1934, Ashwin Shukla Purnima (Sharad-Purnima). She developed the feeling of renunciation by studies of religious scriptures in childhood and fortune assembled in previous births. In 1952 at a young age of 18 years, she undertook the vow of celibacy for whole of her life in *Saptam Pratima* (Vratas mentioned for a *Shravak*) on the day of Sharad-Purnima only. Again by taking *Kshullika Deeksha* in 1953 and *Aryika Deeksha* from Acharya Shri Veersagar Ji Maharaj, the first disciple Acharya of Param Pujya Charitra-Chakravarti Acharya Shri Shantisagar Ji Maharaj, in 1956 on *Vaishakh Krishna Duj*, she has dignified the highest ranks of the first *Balbrahmacharini* (Celibacy vow since childhood) Aryika and Ganini Pramukh.

Writing simple literature in Hindi, Sanskrit, Prakrit, Kannad and Marathi

etc languages has been the main part of your life, and so being the author of 250 scriptures, today you are accepted as the topmost sadhvi writer of the society. At present, you are writing Sanskrit *Teeka* (Explanatory Note) on Shatkhandagam Grantha (First Sutra Grantha written about 2200 years back), its first part (with Hindi also) has been published. The *Teeka* on about 5.500 *sutras* of 12 books (4 parts) of Shatkhandagam has been completed in more than 2000 pages and the further work is in progress on the 13th book (Part V). We pray to Bhagwan Jinendra that this Saraswati Mata (Goddess of knowledge) of *Kaliyug* (present time) may live for ages so that the nectar of true knowledge may remain continuously available to the world.

By her inspiration, the world has got the opportunity to be introduced with the principles of the most ancient greatmen Bhagwan Rishabhdeva and Mahavir Swami again, so the principles of Non-violence, Truth, Non-stealing, Celibay, Non-possession and Anekant should be made universally acknowledged. **She says that in the series of human life, develop the feeling of friendliness towards all the creatures leaving aside the cruelity, become virtuous and vegetarian, give the right to each creature to live without any fear so that the human culture, being alive again, may give the real form to the natural arrrangement of Shristi (Universe).** With the feeling of friendliness with each community to cover it within the purview of Dharma and without giving way to mutual struggles, the aroma of the bouquet of the country should be dispersed to the world dignifying the Indian Constitution.

How to Reach Hastinapur ?

In the Meerut district of Uttar Pradesh of India, there is a historical Tirth (pilgrimage) 'Hastinapur'. It is 110 Kms. north of the capital city Delhi and at a distance of 40 Kms. from Meerut. There is a continuous bus service from Delhi to Hastinapur from I.S.B.T. (Inter state Bus Terminal) by U.P. Roadways and D.T.C. Train line is also there between Delhi and Meerut. There are also the buses by the name of Jamboodweep and these lead directly to the gate of Jamboodweep (Hastinapur). Taxis are also available for the journey from Delhi to Hastinapur.

At Jamboodweep, flats & bunglows with all the facilities of accomodation and meals are available along with proper & continuous supply of electricity and water.

—Karmayogi Br. Ravindra Kumar Jain

(President-Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan)

मेरा अनुभव

लौकिक शिक्षा प्राप्त करते समय प्रारंभ से ही 'डिक्शनरी' का प्रयोग प्रत्येक छात्र–छात्रा के लिए प्राय: अवश्यंभावी होता ही है, विशेष रूप से अंग्रेजी के अध्ययन के लिए। मेरा विद्यार्थी जीवन भी इसका अपवाद नहीं था। पर, आत्म–शिक्षा के क्षेत्र में आने का सौभाग्य प्राप्त होने के उपरांत भी पुन: Dictionary-consultation के स्थान पर स्वयं किसी 'शब्दकोश' के निर्माण का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त होगा, ऐसी कल्पना हृदय में कहीं भी नहीं थी।

वस्तुत: कर्मठ परिश्रम ही जिनके जीवन के हर क्षण का एकमात्र सत्य है, ऐसी भारतवर्ष की महान संस्कृति की वर्तमान साकार प्रतिरूपा–परमपूज्य गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी जैसी गुरु के चरणों को प्राप्त करने का ही यह सुफल है कि जिनधर्म प्रभावना के ऐसे ऐतिहासिक कार्यों को अपनी आँखों से देखने व उनसे जुड़ने का सुअवसर प्राप्त हो जाता है।

'भगवान महावीर हिन्दी–अंग्रेजी जैन शब्दकोश' के संदर्भ में सर्वप्रथम तपस्थली तीर्थ–प्रयाग में पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी को डॉ. अनुपम जैन एवं श्री जीवन प्रकाश जैन (इंदौर) के साथ चर्चा करते देखती थी, पुन: कुण्डलपुर (नालंदा) आने पर जब पूज्य माताजी ने मुझे भी इसकी वाचना में सम्मिलित होने का वात्सल्यपूर्ण आदेश दिया, तो हृदय में प्रसन्नता एवं भय की समन्वित धारा प्रवाहित हुई, कारण था कि कहाँ महान जैनधर्म के अगाध सिद्धांतों को स्वयं में समेटने वाला यह कोश और कहाँ मेरी नितांत अल्पज्ञता ! परन्तु फिर भी गुरुजनों का अनुग्रह एवं दूरदर्शिता अद्भुत ही होती है। पूज्य बड़ी माताजी एवं पूज्य छोटी माताजी के मुखारविन्द से जिनधर्म के मूलभूत सिद्धान्तों को सुनने–समझने का अवसर, उनके जीवन के अनुभवों से साक्षात्कार का अवसर और सबसे बढ़कर उनका निकट साहचर्य मेरे अपने लिए अविस्मरणीय हो गया है। पूज्य ज्ञानमती माताजी की अगाध ज्ञानराशि एवं पूज्य श्री चंदनामती माताजी का अपूर्व समर्पित परिश्रम ही इस कोश को वर्तमान प्रामाणिक रूप देने में सक्षम हो पाये हैं, यह तथ्य पूर्णतया सुनिश्चित है। मुझको भी इस कार्य में सहभागी बनने का सौभाग्य देकर पूज्य माताजी ने मुझ पर अप्रतिम उपकार किया है।

इस शब्दकोश के निर्माण में श्री जीवन प्रकाश जैन द्वारा किया गया परिश्रम वास्तव में प्रशंसनीय एवं आज के युवावर्ग के लिए अनुकरणीय है। 'बड़ी बहन' के रूप में अपने प्रति उनकी सम्मान भावना का मैं सदैव आदर करती हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना करती हूँ। श्री कोमलचंद जी जैन (इंदौर) का सरल व्यक्तित्व एवं संघस्थ ब्रह्मचारिणी बहनों का सहयोग भी इस शब्दकोश की यादों से सदैव जुड़ा रहेगा।

पुन: पुन: गुरुचरणों में इसी प्रकार के ज्ञानार्जन का लाभ प्राप्त होता रहे, इसी मंगल भावना के साथ,

दिनाँक : 16-7-2004

ब्र. (कु.) स्वाति जैन
M.Sc. (Biosciences)

My Experience

To use a dictionary, particularly for the subject English, remains almost essential for each student while going through the school education. My student life was also not an exception to it. But even after getting the fortune of coming into the field of spiritual-education, I, myself, will be a testimony to the formation of a spiritual Dictionary at the place of usual dictionary-consultation, even the Imagination of this fact was beyond my heart.

Infact, it is the great outcome of coming into the feet of a *Guru* like Ganini Pramukh Shri Gyanmati Mataji, the present lively form of the great Indian culture & for whom the hard work per moment is the only truth of the life, that such golden opportunities like directly visualizing & joining the historical incidents of *Prabhavna* of Jainism are obtained so

As for as 'Lord Mahavir Hindi-English Jain Dictionary' is concerned, firstly I used to see Pujya Pragya Shramni Aryika Shri Chandnamati Mataji discussing with Dr. Anupam Jain and Shri Jeevan Prakash Jain (Indore) at Tapasthali Tirth-Prayag, later after coming on Kundalpur (Nalanda), when Pujya Mataji affectionately ordered me also, to join its *Vachna*, a mixed current of delight & fear passed through my heart, the reason was that at one pole there was the dictionary encompassing the vast & diverse principles of great Jain religion and at the other pole, was my wide ignorance. But, infact the compassion and farsightedness of *Gurus* is always astonishing.

The golden chances of listening & understanding the fundamentals of Jainism directly by Pujya Gyanmati Mataji & Pujya Chandnamati Mataji, of being introduced with the experiences of their pious lives and moreover their close company have become greatly memorable for me. The vast knowledge of Pujya Ganini Mataji and the dedicated hard work of Pujya Chandnamati Mataji have made the present standarized form of this dictionary a reality, it is the true fact. Pujya Mataji has greatly obliged me by giving the fortune of getting associated with this historical work.

The efforts of Shri Jeevan Prakash Jain for this dictionary are really appreciable and worth-following for the youngsters of today. I always respect his feelings of regarding me as 'elder sister' and wish for his bright future. The humble nature of Shri Komal Chand ji Jain (Indore) and the co-operation of *Sanghastha Brahmacharini* Sisters will also remain memorable.

With the humble wish of getting such occasions of obtaining right knowledge in the holy feet of Pujya Mataji again & again,

Date : 16-7-2004 **Br. (Km.) Swati Jain**

M.Sc. (Biosciences)

जैन वाङ्मय का सार

भगवान महावीर हिन्दी-अंग्रेजी जैन शब्दकोश

भूमिका

पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की विस्तृत दृष्टि देखते हुए लगता है कि माताजी इस जगत के लिए भगवान का दिया एक ऐसा अमूल्य उपहार हैं जिनकी प्रेरणा, मार्गदर्शन और आशीर्वादरूप उपकार न सिर्फ जैन समाज अपितु समस्त जन समाज द्वारा सदियों तक याद किया जाता रहेगा। माताजी का व्यक्तित्व एक ऐसा अनोखा व्यक्तित्व है जिसकी बहुआयामी प्रतिभा का प्रभाव संपूर्ण धरा पर देश, धर्म और समाज के संरक्षण एवं कल्याण के लिए हितकर साबित हुआ है। जहाँ माताजी के नाम से ज्ञान की सार्थकता नजर आती है वहीं उनकी कृतियाँ इस सार्थकता को सिद्ध करती हुई नजर आती हैं। माताजी का वृहद् दृष्टिकोण देखते ही बनता है, एक या दो नहीं अपितु दो सौ से अधिक ग्रंथों का लेखन कार्य करना कोई सहज सी बात नहीं है। माताजी ने अपने जीवन में रत्नत्रय साधना के द्वारा जो अर्जित किया, उन्होंने लोगों की जागरूकता के लिए, समाज को सही मार्ग दिखाने के लिए और सच्चे आगम का बोध कराने के लिए अपने ही करकमलों से 250 ग्रंथों में संपूर्ण जैन वाङ्मय का ऐतिहासिक सार अंकित कर दिया जो आने वाले हजारों वर्षों तक जन-जन को सही दिशा और सही मार्ग की ओर इंगित करता रहेगा एवं जिसे पढ़कर देश, धर्म और काल की विपरीत स्थितियों में भी सच्चे आगम का ज्ञान प्राप्त कर प्राणीमात्र अपने जीवन का उद्धार कर सकेगा, ये ज्ञानमती माताजी के विस्तृत दृष्टिकोण का परिचायक है।

इसी श्रृंखला में उन्हीं की शिष्या प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने भी अपने गहरे चिंतन का परिचय देते हुए इस बात की चिंता व्यक्त की कि वर्तमान की इन बदलती परिस्थितियों में, बदलते परिवेश में और इन बदलती विचारधाराओं में जहाँ कि नव पीढ़ी के पास दैनिक कर्त्तव्य से अतिरिक्त धर्म और आगम के नाम पर समय की उपलब्धता का अभाव रहने लगा है, ऐसे समय में हमारे शास्त्र और आगम में निहित गूढ़ अर्थ, क्लिष्ट परिभाषाएं और सूत्र यदि समाज को अपनी ओर आकर्षित न कर अपनी क्लिष्टता के कारण लोगों की रुचि से परे होते जायेंगे तो एक दिन ऐसा भी हो सकता है कि हमारा आगम एक दृष्टि में अर्थ की अनुपलब्धता के कारण अरुचिकर साबित होता नजर आयेगा और जिसके परिणाम स्वरूप हमारा समाज दिशाविहीन भी हो सकता है। आर्यिका श्री चन्दनामती माताजी का कहना है कि शास्त्रीय ज्ञान में और परंपराओं में पारंगत गणिनी ज्ञानमती माताजी जैसे साधुओं का अस्तित्व आज तो इस समाज को देखने को मिल सकता है लेकिन इस तरह के महान ज्ञानी संतों का समागम हमेशा समाज को मिलता ही रहेगा, इस बात की कोई निश्चितता नहीं है। धर्म क्षेत्रों में दिशावरुद्ध होती परिस्थितियों

में चंदनामती माताजी के इस चिंतन की सराहना मैं शब्दों में नहीं कर सकता। अंततः माताजी ने इन विषम परिस्थितियों के उपचार स्वरूप समाज को समाज के ही अनुरूप सरल और रुचिकर भाषाओं (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं परिभाषाओं में जैन वाङ्मय के सार को कागजों पर अंकित करने की भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि जैनधर्म से संबंधित शब्दावलियों का एक शब्दकोश होना चाहिए जो अपने आप में विश्वकोश के स्वरूप में जन–जन को उपलब्ध हो सके और जिससे हमारे शास्त्रों को समझने एवं तदुपरांत उसके परिपालन करने में जैन–अजैन धर्मावलम्बियों की रुचि और धार्मिक रुझान वृद्धिंगत हो सके। इससे जैनधर्म के गर्भ का संरक्षण हो सकेगा और जैनधर्म की संस्कृति हमेशा–हमेशा जीवंत बनी रहेगी।

माताजी स्वयं इस दिशा में क्रियाशील हुईं और कार्य के दौरान सहयोग हेतु डॉ. अनुपम जैन, इंदौर के समक्ष अपनी विस्तृत योजना बताई और उन्होंने, माताजी के इस गहरे चिंतन एवं प्रयास की प्रशंसा करते हुए शीघ्र ही इस दिशा में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। चूँकि मैं स्वयं अनुपम जी का शिष्य रहा हूँ तो उन्होंने मुझे बुलाया और इस प्रोजेक्ट के बारे में मुझसे चर्चा की एवं जिस क्षेत्र में मैं बिल्कुल ज्ञानशून्य था, ऐसे कार्य की गहराई को बिना अंदाज किए समस्त रूपरेखा को समझकर 1 अक्टूबर 2001 से कार्य प्रारंभ कर दिया गया। हिन्दी शब्दों को उचित रूप में परिभाषित करने के लिए ब्र. (कु.) रजनी बहन जी का सहयोग लिया गया। बीच–बीच में जब शब्दों के अंग्रेजी रूपान्तरण में कठिनाइयों का अनुभव किया गया तब श्री कोमलचन्द जी जैन से अपना सहयोग प्रदान करने की स्वीकृति प्राप्त की गई। इस तरह उचित अंग्रेजी रूपान्तरण के साथ इस कार्य को समायोजित किया गया और पूज्य ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में इस कार्य की वाचना, पुनःशुद्धिकरण एवं अतिरिक्त संकलन हेतु इसका एक 600 पृष्ठीय विस्तृत टंकित संकलित प्रारूप 10 नवम्बर 2003 को कुण्डलपुर लाया गया। इसके उपरांत लगभग 6 माह शब्दकोश की वाचना में तथा 6 माह अतिरिक्त संकलन, कम्प्यूटरीकरण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य किया गया जिसके फलस्वरूप यह कार्य इस स्वरूप को पा सका है।

गंभीर विचार–विमर्श एवं मेहनत से किये इस कार्य की विषय–वस्तु में प्रामाणिकता लाने के लिए भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर में पूज्य गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी, पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी, पूज्य क्षुल्लक श्री मोतीसागर जी महाराज, ब्र. श्री रवीन्द्र कुमार जैन एवं ब्र. (कु.) स्वाति जैन (संघस्थ–ज्ञानमती माताजी) के सानिध्य में लगभग 6 महीने की वाचना आयोजित की गई। वाचना के दौरान एक–एक शब्द की हिन्दी–अंग्रेजी परिभाषाओं को सभी के व्यक्तिगत अभिमत, तर्क एवं दृष्टिकोण को सामूहिक रूप से ध्यान में रखते हुए आगम–सम्मत सारगर्भित तथ्यों को चयनित किया गया। कड़ी मेहनत वाले इस कार्य में शुरू से आखिरी तक एवं विशेषतः वाचना के दौरान पूज्य आर्यिका श्री चंदनामती माताजी की प्रगाढ़ अभिरुचि, अडिग लक्ष्य और अनथक मेहनत ने इस कार्य की सिद्धि को निश्चित किया। चंदनामती माताजी ने अपने नित्य सामायिक, स्वाध्याय आदि समस्त धार्मिक कर्तव्यों का पूरा निर्वाह करते हुए शब्दकोश के लिए प्रतिदिन एक–दो नहीं वरन् आठ–आठ घंटे की मेहनत सुबह, दोपहर और संध्याकालीन बैठकों में की। कार्य को निर्धारित समयावधि में सम्पन्न करने हेतु

कभी–कभी माताजी ने दस घंटे का अमूल्य समय भी समर्पित किया और सम्पूर्ण शब्दकोश को आगम के परिप्रेक्ष्य में खरा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कठोर आर्यिका चर्या के पालन के साथ माताजी का शब्दकोश के लिए इस लगन और समर्पण के साथ कार्य करना हमको जीवन में हर कार्य की सफलता के लिए परिश्रम की प्रेरणा देता है। ऐसी विदुषी माँ की आध्यात्मिक ऊर्जा निरन्तर वृद्धिंगत होती रहे और अनेकानेक विश्वस्तरीय कार्यों का सृजन करते हुए आप रत्नत्रयी ब्रह्मांड में अमरता को प्राप्त करें, भगवान महावीर से मैं ऐसी अंतरंग प्रार्थना करता हूँ।

वाचना के मध्य कई शब्दों की परिभाषाओं में अथवा उनके अंग्रेजी रूपान्तरण में काफी मंथन किया जाता था एवं पूज्य ज्ञानमती माताजी से परामर्श एवं विचार-विमर्श के साथ पूरे वाचना मण्डल की सलाह के निष्कर्ष स्वरूप अर्थ को चयनित किया जाता था। इसी के उदाहरणार्थ जब वाचना के दौरान जैन धर्म और साधुओं से संबंधित बड़ा ही प्रचलित शब्द 'पिच्छिका' का विवेचन आया तब इसका अंग्रेजी रूपान्तरण कहीं पर 'Brush तो कहीं पर Broom of peacock feathers' मिला। लेकिन यह रूपान्तरण किसी के गले नहीं उतरा और काफी जोड़–तोड़ के बाद इसका अंग्रेजी अनुवाद हो सका जिसे हमने कुछ इस तरह व्यक्त किया– 'An auspicious article of *Digambar* Jain saints made of pecock-feathers which are turned down naturally while dancing of a pecock'.इसी तरह एक 'कमंडलु' शब्द का अंग्रेजी अनुवाद क्षु. श्री मोतीसागर जी की विशेष सलाह से कुछ इस तरह व्यक्त करने की कोशिश की गयी– Special wooden water container with nozzle used by *Digambar* Jain ascetics. It is specially made by the use of African coconut.इसी तरह कई स्थानों पर हिन्दी विवेचन में गणिका शब्द देवी के रूप में प्रयुक्त पाया गया तब गलत (वेश्या) अर्थ से बचने के लिए इस शब्द को ही हटाने का निर्णय किया गया। इसी तरह दिव्यध्वनि, विद्याधर, गति, विमान, बिल, ह्रद, वापी आदि कई शब्दों का अंग्रेजी रूपान्तरण एवं करणानुयोग, न्याय आदि विषयक शब्दों को परिभाषित करना काफी रोचक रहा और ऐसे हर शब्द की परिभाषाओं की उचित संरचना और संयोजन होने पर एक विशेष आल्हाद की अनुभूति होती थी। ऐसे शब्दकोश की जिस तीर्थ त्रिवेणीरूपी धरती पर अर्थात् जहाँ भगवान महावीर ने जन्म लिया (कुण्डलपुर), जहाँ प्रथम दिव्यध्वनि खिरी (राजगृही) एवं जहाँ से भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया (पावापुरी) ऐसे दिव्य तीर्थों पर बैठकर भगवान महावीर जैन शब्दकोश की वाचना का निमित्त प्राप्त होना अपने आप में यह अभिप्राय रखता है कि इस शब्दकोश में प्रामाणिक रूप से संपूर्ण जैन वाङ्मय का सार निहित है। भगवान महावीर के ही सारे श्रुत को भगवान महावीर से ही संबंधित दिव्य धरती पर बैठकर भगवान महावीर के ही शासनकाल की शिष्या जिन्होंने संपूर्ण श्रुत पर ऐतिहासिक लेखन किया हो, गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में भगवान महावीर हिन्दी–अंग्रेजी जैन शब्दकोश की वाचना करना ऐसा शुभ संयोग अपने आप में मुझे इस कार्य की सफलता के प्रति विश्वस्त करता है।

अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी वाले इस कार्य से जुड़े प्रत्येक सदस्य ने अपना विशेष सहयोग प्रदान कर इस कार्य को सफल करने की कोशिश की। ब्र. रजनी बहन जी का जैनधर्म के क्षेत्र

में गहरा अध्ययन इस कार्य में विशेष सहयोगी रहा। इसी तरह सरल परिणामी श्री कोमलचंद जैन साहब (रिटायर्ड प्रिंसिपल,दमोह) का अंग्रेजी व्याकरण के क्षेत्र में दीर्घकालीन अनुभव हिन्दी परिभाषाओं का अंग्रेजी रूपान्तरण करने में विशेष सहयोगी रहा। कार्य के दौरान आप से मैंने चाहे जितनी नोक-झोंक की हो लेकिन उनके व्यवहार में मैंने हमेशा उत्कृष्ट सरलता को पाया। मैं उनको सहृदयता से प्रणाम करता हूँ। वाचना के दौरान विशेष निधि स्वरूप ब्रह्मचारिणी स्वाति बहन जी का सहयोग प्राप्त हुआ जिनकी तार्किक बुद्धि और मार्मिक ज्ञान ने इस कार्य की कुशलता में विशेष महत्व रखा।

व्यक्तिगत आनंद की अनुभूति तब हुई जब वाचना के दौरान मुझे दोनों माताजी के साथ धार्मिक चर्चा का तो सौभाग्य मिला ही, साथ में उनके व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी कई कहानियाँ सुनने का मौका भी मिला, उनकी अलग हँसी देखने का एवं उनके साथ स्वयं भी हँसने का मौका भी मिला जो मेरे जीवन के अविस्मरणीय पलों के रूप में स्थापित हैं। अंदरूनी बात कहूँ कि इस कार्य की विस्तृतता के कारण हास्यरूप से बीच-बीच में यह भी महसूस किया गया कि यह कार्य कभी खत्म भी होगा या नहीं, इसमें गलतियाँ निकलने का क्रम क्या हमेशा चालू रहेगा या कभी खत्म भी होगा? इस तरह की कल्पनाओं ने इस कार्य से जुड़े हर एक सदस्य को कम से कम एक बार तो घेर ही लिया। इसी के चलते मेरे साथ एक शुभ घटना घटी। मुझे राजकोट में किसी संस्थान में व्याख्याता के रूप में एक नौकरी मिली अतः मैंने माताजी के जन्मदिन 10 अक्टूबर 2003 को उनके चरणों में संपूर्ण कार्य का एक 600 पृष्ठीय विस्तृत टंकित संकलित प्रारूप (जिसकी वाचना एवं पुनःशुद्धिकरण शेष था) भेंट कर राजकोट जाने का मन बना लिया, सारी तैयारी भी की गई और घर से निकल भी गये, निकलते-निकलते जब इंदौर में विराजमान परमपूज्य उपाध्याय श्री निजानंद सागर जी महाराज के दर्शन करने मैं गया तो उनके मुख से पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी के सम्मान में जो शब्द निकले उन्होंने तो मेरा प्रोग्राम ही बदल दिया अर्थात् राजकोट जाते हुए मेरे कदम वापस हो गए। उन्होंने मुझे यही कहा कि माताजी के इस कार्य को पूरा किए बिना तुम्हें कुछ भी नहीं सोचना है तथा असमय में तुम्हारे द्वारा लिया गया यह निर्णय ठीक नहीं है। बहुत देर चर्चा के उपरांत निष्कर्ष रूप से उन्होंने मुझे एक ही बात कही कि 100000 रु. महीने की भी नौकरी यदि तुम्हे मिलेगी तो तुम नहीं जाओगे पहले माताजी के इस शब्दकोश का कार्य पूर्ण करो, जीवन में सफलता पाओगे। और मैं उनको वचन देकर दुबारा घर पहुँचा तब मुझे देखकर सब स्तब्ध हो गये कि ट्रेन छूट गई क्या? तब मैंने सारी बात घर वालों को बतायी और गुरु के वचन की महत्ता का ध्यान रखते हुए इस शब्दकोश की वाचना के लिए 18 नवंबर 2003 को कुण्डलपुर माताजी के पास पहुँचा और इस कार्य को पूज्य माताजी के सानिध्य में पूर्ण किया। आज सभी के कठोर परिश्रम से इस महान कार्य की पूर्णता पर मुझे बहुत प्रसन्नता है।

इस जटिल कार्य को यद्यपि अत्यंत ही सावधानी से किया गया है फिर भी कदाचित् संशोधन की संभावना हो सकती है चूँकि पाठक ही किसी कृति के सच्चे समीक्षक होते हैं अतः आपके रचनात्मक सुझाव एवं समीक्षा अपेक्षित हैं ।

दिनाँक : 16-7-2004

जीवन प्रकाश जैन, इंदौर
M.Sc. (Mathematics)

Essence of Jainism

Lord Mahavir Hindi-English Jain Dictionary

Preface

On looking at the far-sightedness of Ganini Aryika Shri Gyanmati Mataji, it can be felt that she is such a wonderful gift of the God to the world, that her inspiration, guidance and blessings will be remembered for the number of centuries not only by the Jain society but by the whole human world. The personality of adorable Mataji is so unique, that the effect of her multidimensional talent has proved beneficial for the protection of the whole earth, country, religion & the society. At one hand, the meaning of the name of Mataji encompasses the existence of knowledge in itself and at the other hand, the large number of treatises written by Mataji seem to prove her quality in accordance with her name. Broad mental horizon of Mataji is really amazing, whatever Mataji studied about Jain religion in her life, she wrote that all very significantly not only in one or two treatises but in about 250 treatises, for expressing the right way to lead to the path of salvation & for showering true scriptural knowledge on the society. By reading all these scriptures, even in the unfavourable conditions of country, religion & time, the whole human race will be able to get true path & knowledge for the true welfare.

In the same direction Pragyashramni Aryika Shri Chandnamati Mataji, the able disciple of Pujya Gyanmati Mataji, also expressed her deep thoughts that in the environment of drastically changing situations of concepts, new generation does not have almost any time for the study about religion & scriptures, in such a situation, if typical definitions, mysterious meanings & difficult formulae contained in our scriptures could not attract the interest of people, then in some aspect, a day may come, when the inclination of people towards scriptures descends towards zero level due to the unavailability of the proper meanings of difficult scriptural contents. And ultimately society may be misleaded. Aryika Shri Chandanamati Mataji says that the auspicious presence of the great knowledgeable saints having perfect conduct as described in the scriptures, like Shri Gyanmati Mataji, can be possible today but it is uncertain to anticipate the presence of such saints in future also. Really, I can not express my humble praise in words about the valuable thinking of Shri Chandnamati Mataji. Afterall, Mataji expressed her views that there should be a Jain dictionary containing small, simple & interesting description of Jain terminologies in Hindi &

English both languages, which will be helpful in easy understanding of the scriptures. In this way the encouragement of religious inclination of Jain and non-Jain devotees can be possible.

Mataji herself started to work in this direction & later for the assistance she explained the whole planning about this project to Dr. Anupam Jain, Indore. Dr. Jain praised it heartily and gave assurance for the best cooperation. As I have been a disciple of Anupamji, he called me & discussed about this project. After understanding the outlines of the project, even on being totally new in this working area, I started it without the imagination of its depth on 1st October 2001. For the better expression of Hindi definitions in dictionary, the co-operation of Br. (Km.) Rajni Jain was taken. Meanwhile, when English translation of technical terms was found difficult then the consent of Shri Komalchand Jain was taken for the co-operation in English translation. In this way, with the appropriate English & Hindi descriptions, a compilation-form of this dictionary in about 600 pages was brought to the auspicious presence of Shri Gyanmati Mataji at Kundalpur (Nalanda) for the discussion, rethinking & improvement session on 10th November 2003. Thereafter, on spending about 6 months in discussion with Mataji & another 6 months in some extra compilation of words, computerisation and other managerial activities, this dictionary has occupied a place in your hands.

For deriving authenticity in the subject matter, a reading session (Vachana) was conducted for about 6 months at Kundalpur in the auspicious presence of Ganini Aryika Shri Gyanmati Mataji, Pragyashramni Aryika Shri Chandnamati Mataji, Kshullak Shri Motisagarji Maharaj, Br. Shri Ravindrakumar Jain & Br. (Km.) Swati Jain (disciple of Mataji). While this session, description of each & every word was considered deeply with the mutual discussion and consultation of Mataji and then worthwhile definitions were selected. The success of such a hard work has been realized because of great devotion, deep interest and tireless efforts of Shri Chandnamati Mataji from the beginning upto the end, especially in the reading-session. For completing the work in definite time period, Mataji spent not only one or two hours per day but she worked hard even for 8-10 valubale hours. Such a hard work done by Mataji with observing most tough conduct of Jain asceticism, inspires us that 'hard work is the key factor for the success of any work.' I pray to Lord Mahavir that the spiritual energy of such a learned 'Maa' may increase continuously and she may become eternal in the universe of supremacy with the creation of many world class achievements.

In the reading-session, many times such words used to come for which everyone has to apply deep efforts for reaching to the right defini-

tions. For example, when the word पिच्छिका (*Picchikā*) came, then, its translation was found 'Brush or Broom of peacock feathers' but nobody was satisfied with this, and after a long exercise we could express its translation as-'An auspicious article of Digambar Jain saints made of pecock-feathers which are turned down naturally while dancing of pecock'. In the same way when the word कमंडलु (*Kamaṁḍalu*) came, then specially on the advise of Kshullak Shri Motisagarji Maharaj we could conclude this expression—'Special wooden water container with nozzle used by *Digambar* Jain ascetics. It is specially made by the use of African coconut'. When the word 'गणिका' (*Gaṇikā*) was found in the usual Hindi description, then for escaping from its wrong meaning (i.e. prostitute), it was decided to remove it from the dictionary. In this way, while translation it was very interesting to exercise over many technical terms like दिव्यध्वनि(*Divyadhvani*), विद्याधर (*Vidyādhara*), गति(*Gati*) , विमान (*Vimāna*), बिल(*Bila*), ह्रद (*Hrada*), वापी (*Vāpi*) etc. and also to exercise over the words related to subjects like *Karnanuyog* and *Nyay* etc. was much Interesting.

A great & auspicious coincidence of organising this reading-session of Lord Mahavir Hindi-English Jain Dictionary at the centre of joining of three great reverential pilgrimages related to Lord Mahavir—Kundalpur 'the birth place of Lord Mahavir', Rajgrihi 'the place of first resonant preaching of Lord Mahavir' and Pavapuri 'the salvation-place of Lord Mahavir, was a very great & auspicious coincidence in itself. Moreover, when it was organised in the auspicious presence of the supreme Jain female ascetic Ganini Aryika Shri Gyanmati Mataji, who has performed a very tremendous job of writing 250 treatises on the whole Jainology, then, it automatically shows the authenticity of the substantial matter contained in this dictionary. Overall, finding such an auspicious coincidence for working over this dictionary, I am very confident that the holy effect of this coincidence will make sure the success of this project.

Everyone attached with this project has played very significant role for the success of it. The cooperation of Br. (Km.) Rajni Jain, especially with her religious knowledge, was quite helpful. Also the vast experience of Shri Komalchand Jain (Retd. Principal, Damoh) in the field of English was very helpful in translation. He is such a liberal person that even I lost my temperament while discussion with him during translation, but he always gave me his advise with cool mind and tried to explain me. I pay my humble respect to him. One more special personality was Br. (Km.) Swati Jain, who provided her honourable services for it and her rational mentality & core knowledge was helpful in proving the worthiness of the work.

Personally, I enjoyed this project at the time when I got an opportunity to have religious discussions with both Mataji as well as the chances to listen to many stories related to their personal lives. I also had very precious lighter & funny moments with both Mataji and got chances to laugh with them with seeing their endless laughter. All these moments have occupied remarkable place in my heart. I would also like to share some secret about this project. Because of the lengthiness of the project everyone became tired & started to suspect over its completion. Everyone attached with this project was surrounded at least once with such kind of thoughts that 'whether the corrections will be removed completely or we will always be finding corrections in this dictionary.'

I also got through a remarkable incidence of my life, that I want to share with you. I got a job as a lecturer in a private institution at Rajkot and after submitting a compilation-form of this dictionary (in which reading and improvement session with mataji was to be organized), I prepared myself mentally to leave for Rajkot. After whole packing when I left home. I thought to have blessings of Pujya Upadhyaya Shri Nijanandsagarji Maharaj first, and I went to him. After listening to the opinion of Nijanandsagar ji Maharaj in respect of Pujya Gyanmati Mataji, my programme of leaving for Rajkot totally turned back. Maharaj ji told me only one thing that 'even If you get a job of 1,00,000/-Rs. per month, you will not leave to work for the project of dictionary. You will definitely get the sucess in your life.' And after assuring Maharaj ji, I went back to my home. Everybody was astonished and asked whether I left the train? Then, I explained everything and with giving importance to the utterance of a spiritual teacher into mind, I reached at Kundalpur at 18th Nov. 2003 for the reading-session & finished the job in the presence of Mataji. Today, I am very glad on its completion with the hard work of everyone.

Although this lengthy & complex work has been done with great care but possibility may be there for some improvements. As readers are the only right critic of any composition, therefore, your creative ideas and comments are expected.

Date : 16-7-2004

Jeevan Prakash Jain, Indore
M.Sc. (Mathematics)

ॐ

अ + उ + म् = ओम्

अरिहंत भगवान की दिव्य ध्वनि का प्रतीक ॐ शब्द है, इसके अंदर पूरी दिव्य ध्वनि का सार छिपा है । देवनागरी लिपि के प्रथम अक्षर 'अ' से इस ॐ का निर्माण प्रारंभ हुआ है । यह परम ब्रह्म का वाचक मंत्र सर्व संप्रदाय मान्य है तथा स्वर और व्यंजन की संपूर्ण वर्णमाला भी इसमें समाविष्ट है, क्योंकि दिव्य ध्वनि जब ओंकार रूप से प्रगट होती है तो समवसरण में बैठे असंख्य प्राणी अपनी – अपनी भाषा में उसे समझ लेते हैं । उसी द्वादशांग जिनवाणी के अंश रूप में आज संपूर्ण जैन साहित्य उपलब्ध है, उस साहित्य को हिन्दी व अंग्रेजी में समझने के लिए इस 'भगवान महावीर हिन्दी–अंग्रेजी जैन शब्दकोश' का प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है ।

अ

अ – *A.*

The first vowel of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी वर्णमाला का प्रथम स्वर ।

अंक – *Aṁka.*

Number, Name of a *Kuta* (summit)
संख्या, सौधर्म स्वर्ग का 17 वां पटल, रुचक, मानुषोत्तर व कुण्डल पर्वतस्थ एक कूट ।

अंकगणना – *Aṁka Gaṇanā.*

Numeration, Counting of numbers.
अंकों की गणना करना ।

अंक गणित – *Aṁka Gaṇita.*

Arithmatic ; a branch of Mathematics.
गणित की एक शाखा जो 0 से 9 तक के अंको पर आधारित है ।

अंक गति – *Aṁka Gati.*

Movement of numbers.
'अंकानां वामतोगतिः', अंक की गति सामान्यतः दांये से बायें होती है ।

अंकन्यास विधि – *Aṁkanyāsa Vidhi.*

A particular kind of ritual procedure of writing whole Hindi syllabary with sacred saffron paste on the various body-parts of the idol of Lord Jinendra with a golden-stick especially at the day of *Kevalgyan Kalyank* (day of attainment of omniscience) in *Panchkalyanak Pratishtha.*
पंचकल्याणक में केवलज्ञानकल्याणक के दिन प्रतिष्ठेय प्रतिमा पर विशेष मंत्र पढ़ते हुए प्रतिष्ठाचार्य द्वारा 'अ' से लेकर 'ह' तक अक्षर शरीर के विभिन्न अंगों में मंत्रित केशर द्वारा स्वर्ण शलाका से लिखा जाना ।

अंक प्रभ – *Aṁka Prabha*

Name of a summit situated at *Kundal* mountain
कुण्डल पर्वत पर स्थित कूट ।

अंक मय – *Aṁkamaya.*

With Numbers, Name of a summit situated at *Padmahrad* (a lake)
अंक सहित, पद्महृद पर स्थित कूट का नाम ।

अंक मुख – *Aṁkamukha.*

Narrow.
कम चौड़ा ।

अंकलेश्वर – *Aṁkaleśvara.*

Name of a Jain place of pilgrimage near Bharuch (Gujarat).
गुजरात प्रांत का एक जैन अतिशय क्षेत्र जो भरूच के पास स्थित है, जहाँ षट्खंडागम सूत्र ग्रंथ के लेखन का इतिहास जुड़ा हुआ है ।

अंक संदृष्टि – *Aṁka Saṁdṛṣṭi.*

Numeral symbolism
अंक संकेत अंक द्वारा प्रकट किये हुए संकेत को अंक संदृष्टि कहते हैं ।

अंकावती – *Aṁkāvatī.*

The capital city of Ramya country in eastern *Videh Kshetra* (a region)
पूर्व विदेह क्षेत्र में स्थित रम्या देश की राजधानी ।

अंकित – *Aṁkita.*

Marked
चिन्हित ।

अंकुरारोपण – *Aṁkurāropaṇa*

A sprouting, An initiating ritual procedure of worshipping.
बीज से नई उत्पन्न होने वाली कोंपल को एक स्थान से दूसरे स्थान में लगाना । वेदी प्रतिष्ठा व इन्द्रध्वज आदि विधानों के प्रारम्भ में योग्य मंत्रादि से अंकुरारोपण करने की एक विशेष विधि ।

अंकुरार्पण यंत्र – *Aṁkurārpaṇa Yantra.*

A metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
धातु की एक ऐसी प्लेट जिस पर अंकुरारोपण का मंत्र लिखा होता है ।

अंकुश रचना – *Aṁkuśa Racanā.*

Creation of thoughts in the shape of *Ankush* or *Tirak* in *Adhahpravrittikaran.*
करणानुयोग ग्रंथों के अनुसार सम्यग्दर्शन प्राप्ति के समय उप श्रेणी में स्थित महामुनियों के अधःप्रवृत्तकरण में परिणामों की तिर्यक् या अंकुश के आकार की रचना ।

अंकुशित – *Aṁkuśita.*

A fault in the posture of mediation
वन्दना या कायोत्सर्ग का एक दोष; अंकुश की भांति हाथ को मस्तक पर रखना अंकुशित दोष है ।

अंग – *Aṁga.*

A part of body or any otherthing, A country in *Bharat Kshetra Aryakhanda* (a region). Parts of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
किसी भी वस्तु या विषय के अलग अलग भाग, भरत क्षेत्र के आर्य खण्ड का एक देश, श्रुतज्ञान के आचारादि रूप एक – एक अवयव को अंग कहते हैं ।

अंगज – *Aṁgaja*

A name of the 11th *Rudra*
ग्यारहवें रुद्र का नाम ।

अंगज्ञान – *Aṁgajñāna.*

A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुत ज्ञान के 12 अंगों में से किसी एक अंग का ज्ञान ।

अंगद – *Aṁgada*

The second son of Sugreev, the great warrior.
सुग्रीव का द्वितीय पुत्र ।

अंगधर – *Aṁgadhara.*
Saints who possess the knowledge of twelve *Angas* (parts)
साधु जो 12 अंगों का ज्ञान रखते हों।

अंगनिमित्त ज्ञान – *Aṁganimitta Jñāna.*
Knowledge of omen conceived by touching or seeing the organs of human and *Tiryanch* beings.
मनुष्य व तिर्यंचों के अंग और उपांगों को देखकर या छूकर शुभ-अशुभ और सुख दुख को जान लेना।

अंगपण्णत्ति – *Aṁgapaṇṇatti.*
Name of a book written by *Bhattarak* Shubha Chandra
भट्टारक शुभचन्द्र द्वारा रचित एक ग्रन्थ।

अंगप्रविष्ट – *Aṁgapraviṣṭa.*
First part of scriptural knowledge (*shrutgyan*).
श्रुतज्ञान के दो भेदों में से एक। इसके आचारांग आदि बारह भेद होते हैं।

अंगबाह्य – *Aṁgabāhya*
Second part of scriptural knowledge (*shrutgyan*).
श्रुतज्ञान का एक प्रकार। इसके अनेक भेद होते हैं।

अंगहाराश्रय – *Aṁgahārāśraya.*
A type of dance
नृत्य के तीन भेदों में एक भेद।

अंगश्रुत – *Aṁgaśruta.*
A collection of eleven *Angas* (parts) of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
11 अंग सहित श्रुत को अंगश्रुत कहते हैं।

अंगांशधर – *Aṁgāṁśadhara.*
A class of Jain saints who possess the knowledge of a part of any *Anga* (an scriptural part).
एक अंग धारों की परम्परा समाप्त होने पर किसी एक अंग के अंश का ज्ञान प्राप्त करने वाले आचार्य।

अंगार – *Aṁgāra.*
Burning coal.
जलता हुआ कोयला।

अंगारक – *Aṁgāraka.*
Name of a country of *Bharat kshetra* (a region), Name of a *Vidyadhar* as described in Jain Ramayana.
भरत क्षेत्र का एक देश, जैन रामायण में वर्णित एक विद्याधर का नाम।

अंगारिणी – *Aṁgāriṇī.*
A type of super power obtained by Nami & Vinami from Goddess.
नमि, विनमि को देवियों से प्राप्त विद्या में से एक विद्या।

अंगावर्त – *Aṁgāvarta.*
Name of the city situated in the south of *Vijayardha* mountain of *Bharat kshetra* in *Jambudvip* (island).
जम्बूद्वीप के भरत क्षेत्र में स्थित विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

अंगिरनाथ – *Aṁgiranātha.*
Name of the 9[th] *Tirthankar* (Jaina Lord) of past era.
9वें भूतकालीन तीर्थंकर का नाम।

अंगिरेयक – *Aṁgireyaka.*
Name of a mountain of *Bharat kshetra* (a region).
भरत क्षेत्र के एक पर्वत का नाम।

अंगीभाव – *Aṁgībhāva.*
Mutually related phase
परस्पर संबंधित भाव।

अंगुल – *Aṁgula.*
Classification of an area unit (measure of a finger).
क्षेत्र प्रमाण का एक भेद; एक अंगुली की चौड़ाई बराबर माप, 8 यव (जौ) की मध्यभाग की मोटाई बराबर माप।

अंगुल पृथक्त्व – *Aṁgula Pṛthaktva.*
A finger measurement (3 to 9)
तीन अंगुल से नौ अंगुल तक का मापन।

अंगुलीचालन – *Aṁgulicālana*
A type of fault in *Kayotsarga* (meditative relaxation)
कायोत्सर्ग का एक अतिचार (दोष), अंगुलियाँ को चलाते हुए कायोत्सर्ग करना।

अंगोपांग – *Aṁgopāṁga.*
Different organs of the body, gross limbs & sublimbs.
मानव शरीर में मुख्य आठ अंग तथा अन्य उप अंग कहलाते हैं।

अंजन – *Aṁjana*
The first *Patal* (layer) of *Sanatkumar Mahendra Yugal* (heaven), Name of a thief, famous name in the first part of *Samyagdarshan.*
सानत्कुमार माहेन्द्र युगल (स्वर्ग) का प्रथम पटल या इन्द्रक, सम्यग्दर्शन के प्रथम अंग निःशंकित अंग में प्रसिद्ध एक चोर।

अंजन (कूट) – *Aṁjana (Kūṭa).*
Name of a summit situated at *Ruchak* mountain.
रुचकवर पर्वत के पूर्व दिशा में स्थित एक कूट।

अंजनगिरि – *Aṁjanagiri.*
Name of mountains in *Nandishvar* island.
नंदीश्वर द्वीप की पूर्वादि दिशाओं में ढोल के आकार वाले काले रंग के चार पर्वत।

अंजनमूल – *Aṁjanamūla.*
Name of an earth.
खर भाग की चित्रा पृथ्वी के नीचे स्थित पृथ्वियों में से एक पृथ्वी का नाम।

अंजनवर – *Amjanavara*

Name of the 12th sea and island from the end of Middle Universe

मध्यलोक के अंत से 12 वां सागर व द्वीप ।

अंजनशैल – *Amjanasaila*

Name of a mountain in *Videh kshetra* (a region).

विदेह क्षेत्र में स्थित भद्रशाल वन में एक दिग्गजेन्द्र पर्वत ।

अंजना – *Amjana*

Name of Hanuman's mother, Name of an earth of hell. Other name of *Pankprabha* earth.

हनुमान की माता, नरक की चौथी पृथ्वी, पंकप्रभा का अपर नाम ।

अंजनात्म – *Amjanātma.*

Name of a mountain

जम्बूद्वीप के नंदन वक्षार पर्वतों में एक पर्वत ।

अंजना पवनंजय – *Amjana Pavanamjaya.*

Name of Hanuman's parents, Name of a book

हनुमानजी के माता-पिता एवं उन्हीं के जीवन पर आधारित एक पुस्तक का नाम ।

अंजसा – *Amjasa.*

Truly

सत्य रूप से ।

अंजुका – *Amjuka.*

Name of an *Indrani* (a female celestial deity).

एक इन्द्राणी, दक्षिण इन्द्रों की 8 ज्येष्ठ देवियों में से एक ।

अंजुलि – *Amjuli.*

A measurement unit or a scale (hollowed hands placed together).

एक प्रकार का हथेली मापन ।

अंड – *Amḍa.*

Egg.

जो नख की त्वचा के समान कठोर है और जिसका आवरण शुक्र और शोणित से बना है ।

अंडज – *Amḍaja.*

Egg-born creatures.

अंडे से उत्पन्न होने वाले जीव ।

अंडर – *Amḍara.*

Organs of bulky hellish creatures.

स्थूल निगोदिया जीवों का शरीर विशेष, सप्रतिष्ठित प्रत्येक शरीर का एक अवयव ।

अंडा – *Amḍā.*

See - *Amḍa.*

देखें – अंड ।

अंत:करण – *Amtaḥkaraṇa.*

Place of internal vibration.

जो गुण-दोष के विचार और स्मरण में समर्थ है लेकिन इन्द्रियों के समान बाह्य में दिखाई नहीं देता उसे मन या अंत: करण कहते हैं ।

अंत:करण उपशम – *Amtaḥkaraṇa Upaśama.*

Internal subsidence (of aroused senses)

अंतरकरण पूर्वक उपशम ।

अंत:कोटाकोटी – *Amtaḥkoṭākoṭī.*

A number lying between 10^7 to 10^{14}

अंत:कोटाकोटी , एक करोड़ से अधिक और इसमें एक करोड़ का गुणा करने पर प्राप्त संख्या से कम संख्या को अन्त:कोटाकोटी कहते हैं ।

अंत:प्रेरणा – *Amtaḥpreraṇa.*

Implicit inspiration

अंतर्मन की प्रेरणा ।

अंत – *Amta.*

End, Nearness

इसके पर्याय शब्द हैं जैसे समाप्ति, समीपता या अवयव । अनेक अंत अर्थात् धर्म, इसलिए यह धर्म नाशक भी है ।

अंतकाल – *Amtakala.*

Ending period of lifetime of death

जीवन का अंत समय या मरण समय ।

अंतकृत केवली – *Amtakṛta Kevali*

Specific omniscient Lord, who become liberated after 48 minutes (*Antarmuhurta*) of getting omniscience

जो अंत कर्मों का अंत या विनाश करते हैं अर्थात् जिन्होंने संसार का अंत कर दिया हो ऐसे केवली वे दारुण उपसर्ग आदि सहन करके केवलज्ञानप्राप्ति के अन्तर्मुहूर्त पश्चात् ही मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं। भगवान महावीर के तीर्थ में ऐसे 10 अन्तकृत केवली हुए हैं ।

अंतड़ी – *Amtaḍī.*

Entrails.

आंत ।

अंतधन – *Amtadhana.*

A mathematical term

एक प्रकार का गणितीय पद, जिसे सूत्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है ।

अंतमति – *Amtamati.*

Thoughts at the time of death.

मरण समय के परिणाम ।

अंतरंग – *Amtaraṁga.*

Internal / Interim / Soul

इन्द्रियों की तरह मन की बाहर उपलब्धि नहीं होती, इसलिए इसे अंतरंग कहते हैं ।

अंतरंग परिग्रह – *Amtaraṁga Parigraha.*

Internal possessions

मिथ्यात्व, क्रोधादि कषाय एवं हास्यादि नो कषायें ।

अंतर – *Amtara.*

Difference in time in occuring the same events

again.
विरहकाल को अंतर कहते हैं, आशय यह है कि कोई एक कार्य विशेष हो चुकने पर जितने काल पश्चात् उसका पुन: होना सम्भव हो उस काल को अंतर कहते हैं।

अंतर आत्मन् – *Aṁtara Ātman.*
Inner soul, Interior self.
देखें – अंतरात्मा।

अंतरकरण – *Aṁtarakaraṇa.*
Intervallisation; making intervals in *Karmic* fruition with the help of spiritual efforts.
कर्मों के उदय को आध्यात्मिक साधनाओं द्वारा आगे–पीछे कर अंतर उत्पन्न करना।

अंतर कृष्टि – *Aṁtarakṛṣṭi.*
The name of the difference in intermediate *Krishties*
एक–एक कृष्टि सम्बन्धी अधान्तर कृष्टियों के अंतर की संज्ञा।

अंतरद – *Aṁtarada.*
Name of a planet.
88 ग्रहों में एक (84 वां ग्रह)।

अंतरद्वीपग – *Aṁtaradvīpaga.*
Human beings, resident of internal island.
अंतर्द्वीपों में रहने वाले मानव।

अंतरद्वीपिका – *Aṁtaradvīpikā.*
Women, resident of internal island.
अंतर्द्वीपों में रहने वाली स्त्रियाँ।

अंतरनिवासी देव – *Aṁtaranivāsī Deva.*
A type of peripatetic deities.
एक विशेष प्रकार के व्यंतर देव।

अंतरात्मा – *Aṁtarātmā.*
Inner soul, Interior self, A type of soul.
बाह्य विषयों से जीव की दृष्टि हटकर जब निज आत्मा की ओर झुक जाती है तब वह अंतरआत्मा कहलाती है अथवा आत्मा के तीन भेदों में एक भेद।

अंतरानुयोग द्वार – *Aṁtarānuyoga Dvāra.*
Subsection of knowledge
पदार्थों के अस्तित्व, संख्या, क्षेत्र, स्पर्श और स्थिति के ज्ञान के अंतरकाल का वर्णन अंतरानुयोग करता है।

अंतराय – *Aṁtarāya.*
Interruption, An obstacle in food of Jaina saints accidentally.
किसी भी कार्य में विघ्न होना अथवा त्यागी, व्रती साधुओं के आहार में विघ्न होना। इसके 32 प्रकार हैं, जिनके कारण साधु–साध्वियों को आहार के मध्य ही भोजन त्याग करना पड़ता है।

अंतराय कर्म प्रकृति – *Aṁtarāya Karma Prakṛti.*
The nature of obstructive *karma.*
जिस कर्म के उदय से दान, लाभ, भोग, उपभोग और वीर्य में विघ्न उत्पन्न हो।

अंतरायाम – *Aṁtarāyāma.*
The length of the intervallic *Karmic* aggregate in intervalization
अंतरकरण में जितने निषेकों का अभाव किया है वह अंतरायाम है।

अंतरिक्ष निमित्तज्ञान – *Aṁtarikṣa Nimitta Jñāna.*
The knowledge of worldly affairs obtained from the rising and setting of planets.
सूर्य, चन्द्र और ग्रहों इत्यादि के उदय व अस्त आदि को देखकर भविष्य सुख–दुःख या जन्म–मरण का ज्ञान लेना।

अंतरिक्ष स्थिति – *Aṁtarikṣa Sthiti.*
Position of celestial space (cosmos).
अंतरिक्ष का अर्थ आकाश है, उसकी स्थिति।

अंतरित – *Aṁtarita.*
Things related to ancient era
सुदीर्घ अतीतकालवर्ती पदार्थ।

अंतरद्वीप – *Aṁtaradvīpa.*
The landscape island situated in ocean where all *Kubhogbhumij* living beings are found.
समुद्र में स्थित भूखण्ड जिनमें कुभोगभूमिज मनुष्य और तिर्यंच रहते हैं।

अंतर्द्धान ऋद्धि – *Aṁtarddhāna Ṛddhi.*
A type of supernatural power, transforming one into invisibility
जिस ऋद्धि से अदृश्यता प्राप्त होती है।

अंतर्मग्न – *Aṁtarmagna.*
To absorbe into self-consciousness.
निश्चय रत्नत्रय द्वारा स्वयं साधक रूप से परिणमित होना।

अंतर्मुखचित्प्रकाश – *Aṁtarmukhacitprakāśa.*
A type of knowledge related to enlightenment
दर्शन अर्थात् जिसके द्वारा अंतरंग ज्ञान प्रकाश देखा जाए।

अंतर्मुहूर्त – *Aṁtarmuhurta.*
A small unit of time (less than 48 minutes).
एक मुहूर्त (48 मिनट) से कम व आवली से अधिक।

अंतर्विचारिणी – *Aṁtarvicāriṇī.*
A type of super power related to medicine *(Ayurveda)*
नमि, विनमि को देवियों द्वारा प्राप्त विद्याओं में से एक विद्या, जो विविध औषधियों से सम्बन्धित थी।

अंतर्व्याप्ति – *Aṁtarvyāpti.*
Internal concomitance.
अंतर्लीन होना।

अंतरस्थिति – *Aṁtarasthiti.*
See - *Aṁtarakaraṇa.*
देखें – अंतरकरण।

अंतश्चित्प्रकाश – *Aṁtaścitprakāśa.*
See - *Aṁtarmukhacitprakāśa.*
देखें – अंतर्मुखचित्प्रकाश।

अंतस्तत्त्व – *Amtastattva.*
The highest reality.
परमात्म तत्त्व वस्तु के निज स्वरूप को अंतस्तत्त्व कहते हैं।

अंतिम गुणहानि – *Amtima Guṇahāni.*
A mathematical term
एक गणितीय पद, नानागुणहानि की अंतिम गुणहानि।

अंतिमतीर्थ – *Amtimatīrtha.*
Era of Lord Mahavira
भगवान महावीर का शासन या तीर्थ काल।

अंत्यद्रव्य – *Amtyadravya.*
Ultimate *Nishek* (particle) of *Karma*
कर्म के अंतिम निषेक।

अंत्यसौक्ष्म्य – *Amtyasaukṣmya.*
Subtle body.
अत्यंत सूक्ष्म तत्त्व।

अंत्यस्थौल्य – *Amtyasthaulya.*
Grossness.
स्थूल का भाव या कर्म स्थौल्य कहलाता है।

अंध – *Amdha*
Name of the fourth *Paṭal* (layer) of the fifth hell.
पाँचवें नरक का चौथा पटल।

अंधपाषाण – *Amdhapāṣāṇa.*
A type of stone from which gold can not be extraced
पत्थर, जिसमें सुवर्ण पर्याय के प्रगट होने की योग्यता नहीं है।

अंधश्रद्धान – *Amdhaśraddhāna.*
Faith without verification, blind faith.
आगम की अपेक्षा किये बिना तत्त्वादि पर श्रद्धान करना।

अंधहस्ती न्याय – *Amdhahasti Nyāya.*
To make decision without having knowledge of overall aspects of anything
जन्मांध पुरुष द्वारा हाथी के यथार्थ स्वरूप को जाने बिना उसके किसी एक अंग को पकड़ कर उसे ही हाथी मान लेना। अर्थात् संपूर्ण स्वरूप को जाने बिना आंशिक ज्ञान के आधार पर निर्णय लेना।

अंधकवृष्णि – *Amdhrakavṛṣṇi.*
Grandfather of Lord Neminatha.
भगवान नेमिनाथ के पितामह।

अंबरतिलक – *Ambaratilaka.*
Name of a place situated in the north of *Vijayardha* mountain.
विजयार्द्ध का उत्तर श्रेणी का एक नगर।

अंबरीष – *Ambarīṣa.*
A type of residential deities
असुरकुमार भवनवासी देवों का एक भेद। जो नरक में जाकर नारकियों को आपस में लड़ाते हैं।

अंबा – *Ambā.*
Name of the wife of a peripatetic deity *Pratirup.* Mother's name of 'Vidur'
व्यंतर इन्द्र 'प्रतिरूप' की महिषी (देवी), विदुर की माँ (हरिवंश पुराण के अनुसार)।

अंबालिका – *Ambālikā.*
The name of Pandu's mother
पाण्डु की माँ (हरिवंश पुराण के अनुसार)।

अंबिका – *Ambikā*
The name of Dhritrashtra's mother. The female demigod of Jaina-Lord Neminath.
धृतराष्ट्र की माँ (हरिवंश पुराण के अनुसार), नेमिनाथ भगवान की यक्षिणी (अपरनाम कूष्माण्डी देवी)।

अंबुवात – *Ambuvāta.*
Moisturised air.
भाप मिश्रित वायु।

अंश – *Amśa.*
Part, Portion, Degree, Section
भाग, विधा, प्रकार तथा भेद।

अंशकल्पना – *Amśakalpanā.*
Partial imagination of any matter
वस्तु स्वरूप की विविध गुणों की अपेक्षा आंशिक कल्पना करना।

अंशग्रहण – *Amśagrahaṇa*
Partial acceptance of matter
अवयवी को भिन्न–भिन्न रूप या प्रमाणों से ग्रहण करना।

अ – *A.*
Negation, Smallness, Partial, Difference, Similarity
नकारात्मक, लघुता, आंशिक, अंतर, समानता।

अकंप – *Akampa*
The name of a king of '*Yadu*' dynasty
यदु (यादव) वंश का एक राजा।

अकंपन – *Akampana.*
The name of a chief disciple of Lord Mahavira.
भगवान महावीर का 8 वां गणधर।

अकंपनाचार्य – *Akampanācārya.*
Acharya (leader) of a group of 700 '*munis*' (Jain saints).
700 मुनियों के संघनायक (आचार्य), रक्षाबन्धन कथा के सूत्रधार।

अकण्डूयक – *Akaṇḍūyaka.*
Rejection of itching even suffering from eczema (by saints)
शरीर में खाज चलने पर भी न खुजाने की प्रतिज्ञा लेने वाले साधु।

अकतिसंचित – *Akatisamcita.*
Infinite amassed; origination of infinite micro

organisms at a time
अगणित, एकत्रित, एक समय में अनंत उत्पन्न होने वाले जीवों का समूह।

अकथा – *Akathā.*
Useless gossiping. Non-spiritual conversation.
तप स्वाध्याय आदि से रहित असम्बद्ध प्रलाप अकथा है।

अकबर – *Akabara.*
A Mughal emperor.
एक मुगल सम्राट (ई. 1556 – 1605)।

अकरण – *Akaraṇa.*
Subsidence, Cessation.
निर्धत्ति की अपेक्षा उपशम का एक भेद, जिसे अकरणोपशम कहते हैं।

अकरणोपशमना – *Akaraṇopaśamanā.*
A type of subsidence, cessation (related to *Karmas*)
प्रशस्त अप्रशस्त परिणामों के बिना जिन कर्म प्रदेशों का उदय काल प्राप्त नहीं हुआ है उनका उदयरूप परिणाम के बिना अवस्थित रहना।

अकर्तव्य – *Akartavya.*
Unperformable duties.
न किये जाने योग्य कर्तव्य (कार्य)। जैसे 5 पाप, 7 व्यसन आदि।

अकर्ता – *Akartā*
Undoer.
किसी कार्य को न करने का भाव। लोक में एक वस्तु का अन्य वस्तु के साथ सम्पूर्ण सम्बन्ध का निषेध किया है, इसलिए वस्तु स्वरूप परद्रव्य का अकर्ता ही है।

अकर्तृत्व – *Akartṛtva.*
One of the 47 powers acquired by the soul, Attitude for not doing something.
जीव को प्राप्त 47 शक्तियों में से 21वीं शक्ति, किसी कार्य को न करने का भाव।

अकर्म – *Akarma.*
Non functional, Pure-meditation.
अनुदय रूप कर्म प्रकृतियों के निषेक एक समय तक स्वरूप में रहकर दूसरे समय में पर प्रकृति रूप में रहकर तीसरे समय में अकर्मभाव को प्राप्त होते हैं।

अकर्मन् – *Akarman.*
Deprived of *karmas.*
कर्मरहित, कर्मास्रवरहित।

अकर्मभूमि – *Akarmabhūmi.*
A land of only enjoyment.
भोगभूमि जहां असि, मसि, आदि 6 कर्म नहीं होते।

अकर्मांश – *Akarmāṁśa.*
Liberated soul like Lord Arihant-deprived of *Karmas.*
कर्मरज रहित, घातिया कर्म रहित, केवली अरहंत।

अकलंक प्रतिष्ठा पाठ – *Akalaṁka Pratiṣṭhā Pāṭha.*
A book written by 'Aklankdev Bhatta'.
अकलंकदेव भट्ट द्वारा रचित संस्कृत में एक रचना जो दक्षिण भारत में प्रचलित है।

अकलंक भट्ट – *Akalaṁka Bhaṭṭa.*
A famous Jain *Acharya* (religious leader), author of *Tatvarth Rajvartik.*
एक प्रसिद्ध आचार्य (ई. 620 – 680), तत्त्वार्थ राजवार्तिक के कर्ता, जिन्होंने शास्त्रार्थ कर बौद्ध साधुओं को परास्त किया था। अकलंक देव आपका नाम है और भट्ट पूज्यतावाचक पद है। इनका नाम भट्टाकलंक देव भी है।

अकलंक स्तोत्र – *Akalaṁka Stotra.*
A spiritual hymn, praising hymn.
आचार्य अकलंक भट्ट (ई. 620 – 680) द्वारा संस्कृत में रचित जिन-स्तोत्र।

अकलेवर – *Akalevara.*
A liberated soul.
मोक्ष प्राप्त अशरीरी आत्मा।

अकल्पस्थापनाकल्प – *Akalpasthāpanākalpa.*
No commissioning of untrained saints.
अपरिपक्व साधुओं को अधिकृत न करना।

अकल्पस्थित – *Akalpasthita*
An ascetic possessing all basic restraints (following all the rules).
मूलगुणों से सहित साधु।

अकल्पिक – *Akalpika.*
Improper, Beyond imagination.
कल्पना से रहित।

अकल्प्य – *Akalpya.*
Unacceptable, Improper, Beyond the Imagination.
अकल्पनीय।

अकषाय – *Akaṣāya.*
Passion-free-ness.
क्रोध, मान, माया व लोभ आदि कषायों से दूर (निर्लिप्त) रहना।

अकषाय वेदनीय – *Akaṣāya Vedanīya.*
A quasi passional *karma.*
जिस कर्म के उदय से जीव नो कषाय का वेदन (अनुभव) करता है।

अकषायी – *Akaṣāyī.*
Passion-free living beings.
कषाय रहित या तीव्र कषाय रहित जीव।

अकस्मात् भय – *Akasmāt Bhaya.*
A fear of unexpected adversity.
7 भयों में से एक भय; अचानक किसी आपत्ति के आ जाने का भय।

अकाम निर्जरा – *Akāma Nirjarā.*
Involuntary dissociation of *Karmas*, Involuntary

wearing off
कर्म निर्जरा का एक भेद–इच्छा रहित होने पर भी इन्द्रिय विषयों का त्याग करते हुए भोग–उपभोग के निरोध को सहन करने से होने वाली कर्मों की निर्जरा ।

अकाम मरण – *Akāma Maraṇa.*
Involuntary death.
अनिच्छापूर्वक मरण हो जाना ।

अकाय – *Akāya.*
Non-body form, Non-embodied
ध्यान के योग से शुद्ध हुए और काय के बंधन से मुक्त जीव ।

अकारण दोष – *Akāraṇa Doṣa.*
Non-casual fallacy/fault.
बिना कारण कोई दोष हो जाना ।

अकारु – *Akāru.*
A division of fourth caste of Indo-Aryan society.
शूद्र जाति का एक भेद ।

अकार्य कारण शक्ति – *Akārya Karaṇa Śakti.*
One of the 47 powers acquired by the soul.
जीव की प्राप्त 47 शक्तियों में से एक ।

अकाल – *Akāla.*
Inauspicious or improper time.
दुर्भिक्ष, दुष्काल, असमय ।

अकाल नय – *Akāla Naya.*
Untimely standpoint/viewpoint i.e. a standpoint not based on time.
ऐसा नय जिसकी सिद्धि समय पर आधार नहीं रखती हो ।

अकाल मृत्यु – *Akāla Mṛtyu.*
Untimely death.
विषभक्षण आदि किसी बाह्य कारण वश समय से पहले आयु का क्षीण हो जाना ।

अकालाध्ययन – *Akālādhyayana.*
A type of defect in the right knowledge of soul
सम्यग्ज्ञान का एक दोष; स्वाध्याय के लिए निषिद्ध कालों में अध्ययन करना ।

अकालुष्य – *Akāluṣya.*
Pure, Auspicious consciousness.
अशुभ कार्य से निवृत्त और शुभ कार्य में प्रवृत्त होना अर्थात् कलुषता रहित परिणाम होना ।

अकिंचन्य – *Akiṁcanya.*
Possessionlessness, state of non-attachment.
परिग्रह से रहित अवस्था ।

अकिंचित्कर – *Akiṁcitkara.*
Inert, Indirectly active.
हेत्वाभास के 4 भेदों में से एक भेद जो साध्य की सिद्धि करने में असमर्थ हो ।

अकिंचित्कर हेत्वाभास – *Akiṁcitkara Hetvābhāsa.*
Useless fallacy, Inconsequential fallacy; the cause which is not helpful in achieving the goal
जो हेतु साध्य की सिद्धि करने में असमर्थ हो ।

अकीर्ति – *Akīrti*
Disgrace, Cause of shame or reproach
अपयश, बदनामी, लज्जा या कलंक का कारण ।

अकुशल – *Akuśala.*
Immoral, Inauspicious, Unskilled.
अशुभ, अमंगल, जो चतुर या होशियार न हो ।

अकुशलमूला निर्जरा – *Akuśalamūlā Nirjarā.*
A type of *karmic* dissociation.
निर्जरा के दो भेदों में एक भेद, वह निर्जरा जो अबुद्धिपूर्वक कर्म उदय आने पर स्वयमेव होती रहती है ।

अकुशलानुबन्धी – *Akuśalānubandhī.*
Fruition and destruction of *karmas* in their right time.
सविपाक निर्जरा–अपने समय से स्वयं कर्मों का उदय में आकर झड़ते रहना ।

अकृत – *Akṛta*
Unperformed work, A fault/ fallacy in proximity.
न किया गया कार्य, अभ्यागम दोष/ हेत्वाभास ।

अकृताभ्यागम – *Akṛtābhyāgama.*
Fruitful consequences for the work done by others, a fallacy
अभ्यागम दोष या हेत्वाभास–करे कोई और फल कोई भोगे ।

अकृति – *Akṛti.*
Non-square.
गणित संबंधी, अंक आदि जिसका वर्ग न किया हो ।

अकृतिधारा – *Akṛtidhārā.*
A mathematical non-square numeral sequence
अंकगणितीय संबंधित 14 धाराओं में से एक धारा का नाम ।

अकृत्रिम कर्म – *Akṛtrima Karma.*
Natural island, ocean etc. are called *Akritim Karma.*
अकृत्रिम द्वीप समुद्र आदि ।

अकृतिमातृकाधारा – *Akṛtimātṛkādhārā.*
A mathematical non-square generating sequence.
अंकगणित संबंधी 14 धाराओं में से 8 वीं धारा ।

अकृति संचित – *Akṛti Saṁcita.*
Collection of non-square numbers.
वर्ग न होने वाली संख्याओं का संचय ।

अकृत्रिम गृह – *Akṛtrima Gṛha.*
Natural hermitage; staying place of saints
वसतिका–प्राकृतिक गिरिगुफा आदि जहां रहने से मुनियों की इन्द्रियाँ विषयों की तरफ न दौड़ती हों और मन एकाग्र रहता हो, देवों के भवन ।

अकृत्रिम चैत्यालय - *Akrtrima Caityālaya.*
Natural temple
तीनों लोकों में अनादि काल से निर्मित शाश्वत स्वप्रतिष्ठित सदैव बने रहने वाले जिन मंदिर।

अकृत्स्नस्कंध - *Akrtsnaskandha.*
Incomplete aggregate of molecules (less than one particle in *Anant* i.e. infinite).
अपरिपूर्ण स्कंध, दो परमाणुओं से लेकर एक परमाणु कम अनंत परमाणुओं तक से बने हुए सर्व प्रकार के स्कंध।

अकृष्ट पच्य - *Akrsta Pacya.*
Paddy produced without sowing the seeds
बिना बोये उत्पन्न होने वाला धान्य।

अकेवल ज्ञान - *Akevalajñāna*
Knowledge deprived of omniscience
विकल पारमार्थिक प्रत्यक्ष-जो रूपी (आवरणयुक्त) पदार्थ को बिना किसी भी सहायता से स्पष्ट जानता है (अवधि एवं मन पर्यय ज्ञान)।

अक्रम - *Akrama.*
Something not in sequential order
अनादिकाल से परिणमन करते हुए गुण आदि।

अक्रमभाव - *Akramabhāva.*
Non functional phase
क्रियाओं से रहित भावनाएं।

अक्रमवर्ती - *Akramavarti.*
Non sequential but remaining the same like virtues, truths etc
जो अनादिकाल से परिणमन करते हुए भी एक रूप है जैसे, वस्तु व गुण।

अक्रमानेकान्त - *Akramanekānta.*
Non sequential type of manifold predication (*Anekanta*).
अनेक द्रव्यों में अथवा पर्यायों में सादृश्यता का बोध कराने वाला सदृश परिणाम।

अक्रियात्मन् - *Akriyatman.*
Inactiveness of soul.
मोक्ष होने पर जीव में क्रिया का नहीं होना।

अक्रियात्वगुण - *Akriyātvaguna.*
Non-activation control, Inactivity.
क्रिया से रहित-धर्म, अधर्म, आकाश, काल द्रव्यों में अक्रियात्व गुण पाया जाता है।

अक्रियावान - *Akriyāvāna.*
Motionless substances
क्रिया से रहित धर्मादि 4 द्रव्य।

अक्रियावाद - *Akriyāvāda.*
Non activism.
एक मत, जो जीवादि पदार्थों में क्रिया का एकांतरूप से अभाव मानता है।

अक्रियावादी - *Akriyavādi*
Non believer in moral and spiritual activities
धार्मिक क्रिया व अनुष्ठानों को न मानने वाला।

अक्रूर - *Akrūra*
Son of the king Vasudev of *Yadu* dynasty
यदु (यादव) वंश के एक राजा वसुदेव का पुत्र।

अक्रोश - *Akrośa*
Unsuitable place for saints for staying for four months of rainyseason.
साधु के चौमासा न करने योग्य स्थान जिसके एक, दो या तीनों ओर नदी, पहाड़ या हिंसक पशु हो।

अक्ष - *Akṣa.*
Axis, Soul, Name of a planet
गणितीय पद, मन वचन व काय के कृत, कारित व अनुमोदना के क्रम से पलटने से तीन-तीन भंग होते हैं, इन 9 भंग को अक्ष कहते हैं, 88 ग्रहों में से एक।

अक्षकर्म - *Akṣakarma.*
Any activity done by mind, speech and body.
मन-वचन-काय के द्वारा कुछ न कुछ करते रहना।

अक्षत - *Akṣata.*
Raw rice, unbroken used in worshipping Lord Arihant.
पूजन सामग्री के एक द्रव्य का नाम। इसमें धुले हुए चावल के पुंज भगवान के सामने चढ़ाकर अक्षयपद की प्राप्ति की कामना की जाती है।

अक्षपरिवर्तन (संचार) -
Akṣaparivartana (Sañcara).
Change of axis (propagation)
प्रमाद के भंग निकालने की एक विधि, एक स्थान को छोड़कर दूसरे स्थान पर जाने को अक्षपरिवर्तन कहते हैं।

अक्षपाद - *Akṣapāda.*
The name of a saint who is the founder of *Naiyayik* philosophy.
नैयायिक दर्शन के प्रवर्तक ऋषि का नाम।

अक्षबाल - *Akṣabāla.*
The 2nd *Tirthankar* (Jaina Lord) of eastern *Eravat kshetra* (region) of *Pushkarardha* island
पुष्करार्द्ध द्वीप के पूर्वीय ऐरावत क्षेत्र की वर्तमान चौबीसी के द्वितीय तीर्थंकर।

अक्षमाला - *Akṣamālā.*
The wife of Arkkirti (son of Bharat)
भरत के पुत्र अर्ककीर्ति की पत्नी का नाम।

अक्षम्रक्षण - *Akṣamrkṣana.*
The food taking activity of Jain saints like the fuel required for the running of an engine
दिगम्बर जैन मुनियों की आहार-चर्या का एक नाम। शरीररूपी गाड़ी को चलाने के लिए साधु द्वारा गाड़ी के ओंगन के समान भोजन को ग्रहण करना।

अक्षमृक्षण वृत्ति – *Akṣamṛkṣaṇa Vṛtti.*
See - *Akṣamṛkṣaṇa.*
देखें - अक्षमृक्षण ।

अक्षयनिधि व्रत – *Akṣayanidhi Vrata.*
A type of Jaina-vow.
10 वर्ष में 20 उपवास, 280 एकासना करना । इसकी विशेष विधि व्रतविधान संग्रह में देखें ।

अक्षयपदाधिकारी – *Akṣayapadadhikārī.*
Those who are deserving for salvation.
मुक्ति पद प्राप्त करने के अधिकारी ।

अक्षयफल दशमी व्रत –
Akṣayaphala Daśamī Vrata.
A type of Jaina- vow
10 वर्ष तक प्रतिवर्ष श्रावण शु 10 को उपवास करना ।

अक्षय राशि – *Akṣaya Rāśi.*
Inexhaustible.
अक्षय अनंतानंत; जिस राशि का कभी क्षय और अंत न हो ।

अक्षयानन्त – *Akṣayānanta.*
Indestructible.
जो अनन्तकाल में भी क्षय को प्राप्त न हो ।

अक्षर – *Akṣara.*
Eternal substances, Alphabets, Omniscience
द्रव्य रूप से जिसका विनाश न हो, स्वर आदि वर्ण, केवलज्ञान।

अक्षरच्युतक – *Akṣaracyutaka.*
A type of puzzles, asked by female deities for Marudevi.
देवांगनाओं द्वारा माता मरुदेवी के मनोरंजन के लिए पूछी गई पहेलियों का एक भेद ।

अक्षर ज्ञान – *Akṣarajñāna.*
A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*)
श्रुतज्ञान का एक भेद, पर्याय समास नामक श्रुतज्ञान को अनन्तरूपों से गुणित करने पर प्राप्त ज्ञान ।

अक्षरत्व – *Akṣaratva.*
Indestructibility of liberated soul.
मुक्त जीवों का अविनाशी गुण ।

अक्षरमातृका – *Akṣaramātṛkā.*
Collection of syllables.
सर्व अक्षरों का समूह, अक्षरमाला, वर्णमाला, अक्षरसाम्नाय आदि इसके पर्यायवाची नाम हैं ।

अक्षरमातृका ध्यान – *Akṣaramātṛkā Dhyāna.*
Meditation of holy chants.
पदस्थ ध्यान। जिसमें मातृका मंत्ररूप अक्षरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ।

अक्षरलिपि – *Akṣaralipi.*
Script 'hand-writing', writing system.
अक्षरों की बनावट या लिखावट ।

अक्षरश्रुत – *Akṣaraśruta.*
A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*)
अक्षरों से संबंधित श्रुतज्ञान ।

अक्षरसमास – *Akṣarasamāsa.*
A type of scriptural knowledge. A specific combination of words.
द्रव्य श्रुतज्ञान का एक भेद, विशेष प्रकार के अक्षरों का मेल ।

अक्षरसमास ज्ञान – *Akṣarasamāsa Jñāna.*
A type of scriptural (vocable) knowledge of matters
द्रव्य श्रुतज्ञान का एक भेद पर्यायसमास ज्ञान के ऊपर एक-एक अक्षर की वृद्धि होती है, इस वृद्धि प्राप्त ज्ञान को अक्षरसमास कहते हैं ।

अक्षरात्मक – *Akṣarātmaka.*
A type of scriptural knowledge; learnt by listening
श्रुतज्ञान का एक भेद है, अक्षरों से बने हुए शब्दों को सुनकर उसके अर्थ को समझ लेना ।

अक्षर संचार – *Akṣarasaṁcāra.*
Axis propagation, Axis change (in carelessness, lust etc.).
गणित संबंधी एक प्रक्रिया, प्रमाद के एक भेद का अनेक भंग रूप क्रम से परिवर्तित होना ।

अक्षवाटक – *Akṣavāṭaka.*
Arena, place of enjoyment.
रंगभूमि ।

अक्षवास – *Akṣavāsa.*
See - *Akṣabāṭa*
देखें - अक्षवाट ।

अक्षांश – *Akṣāṁśa.*
Latitude
भूमध्य रेखा से वृत्तीय दूरी ।

अक्षिप्र – *Akṣipra.*
A type of sensory-knowledge
मतिज्ञान का एक भेद । वस्तु को शनैः शनैः जानना ।

अक्षीण महानस – *Akṣīṇa Mahānasa.*
A kind of supernatural power; miraculous power of never ending food of a particular kitchen (*Chowka*) after food-taking of a great saint in it
ऋद्धि; जिसके प्रभाव से मुनि के आहार ग्रहण कर लेने पर रसोई का शेष भोजन अनगिनत लोगों को खिला देने पर भी समाप्त नहीं होता ।

अक्षीण महालय – *Akṣīṇa Mahālaya.*
A kind of supernatural power, miraculous power of never ending sitting in limited space.
ऋद्धिः जिसके प्रभाव से मुनि के समीप अल्प स्थान में भी अनगिनत जीव सुखपूर्वक आसानी से बैठ जाते हैं ।

अक्षीण परिभ्रमण – *Akṣīṇa Paribhramaṇa.*
Axial rotation
अक्ष के चारों ओर घूमना ।

अक्षेत्रवान – *Akṣetravāna.*
All matters except 'sky' which can not provide occupancy to other matters.
आकाश द्रव्य को छोड़कर बचे पाँच द्रव्य अक्षेत्रवान है क्यों कि उनमें अवगाहन प्रदान करने की क्षमता नहीं पायी जाती है ।

अक्षेप क्रिया – *Akṣepa Kriya.*
Activity without having any tension.
चिंता (तनाव अथवा भार) रहित कार्य क्रिया ।

अक्षेम – *Akṣema.*
Extreme misery, misfortune (pain, sadness, fear)
मारी, ईति व राष्ट्रविप्लव से पूर्ण ।

अक्षोभ – *Akṣobha.*
The name of a place in the north of *Vijayardha* mountain.State of non-agitation
क्षोभ रहित अवस्था, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

अखंड – *Akhamḍa.*
Indivisible.
अविभागी द्रव्य ।

अखोभिनी – *Akhobhinī.*
A very large number
गणित संबंधी संख्या प्रमाण, $(10,000,000)^6$ या $(10)^{42}$ ।

अगद – *Agada.*
Healthy.
रोग रहित, निरोगी ।

अगद ऋद्धि – *Agada Ṛddhi.*
The other name of *Aushadh Riddhi.*
औषध ऋद्धि का दूसरा नाम ।

अगमक – *Agamaka.*
Devoid of probative force.
प्रमाण देने में असमर्थता ।

अगम्य – *Agamya.*
Not apprehensive or which can not be known.
जिसको जाना न जा सके ।

अगर्हा – *Agarhā.*
Non confessing of faults(before the master).
अपनी निंदा–गर्हा न करना ।

अगस्त्य – *Agastya.*
A lunar which rises in autumn.
शरद् ऋतु में उदित होने वाला नक्षत्र ।

अगाढ़ – *Agāḍha.*
A fault related to *Samyagdarshan*, unstability of right faith
सम्यग्दर्शन का एक दोष; अस्थिर, चलायमान, दृढ़ता रहित ।

अगार – *Agāra.*
House, Residence.
घर, गृह, मकान ।

अगारी – *Agārī.*
Householder.
घर गृहस्थी के ममत्व से सहित श्रावक ।

अनगार – *Anagāra.*
All possessionless Jaina saints.
महाव्रतधारी मुनि, घर गृहस्थी के ममत्व से रहित निष्परिग्रही साधु ।

अगास देव – *Agāsa Deva.*
A poet who wrote a Jain scripture Chandra-prabhpuran
एक कवि जिन्होंने चन्द्रप्रभपुराण रचा ।

अगीतार्थ – *Agītārtha.*
Ignorant of the knowledge of scriptures.
शास्त्र के अर्थ या रहस्य को न समझने वाला ।

अगुण – *Aguṇa.*
Subsidence, Cessation.
उपशम, आत्मा के कर्म की निजशक्ति का कारणवश प्रगट न होना ।

अगुणी – *Aguṇī.*
A standpoint believing soul as an observing object.
47 नयों में नय का एक भेद, जिसकी अपेक्षा आत्मद्रव्य साक्षी ही है ।

अगुप्ती भय – *Agupti Bhaya.*
A type of fear.
खुले स्थान पर रहने से जीव को उत्पन्न होने वाला भय ।

अगुरु – *Aguru.*
A person who possesses wrong conduct, perverted faith & wrong view.
जो गुरु न हो अथवा जो मिथ्यावादी हो ।

अगुरुलघु – *Agurulaghu.*
Neither heavy nor light, Non-gravity-levity.
गुरुता और लघुता रहित, न भारी न हल्का। गोत्र कर्म के नाश से सिद्धों में यह गुण प्रगट होता है ।

अगुरुलघु नाम कर्म प्रकृति – *Agurulaghu Nāma Karma Prakṛti.*
A *Karmic* nature of constancy of individuality; matter free from lightness & heaviness
जिस कर्म के उदय से ऐसा शरीर प्राप्त हो जो लोहे के गोले के समान भारी और अर्क के तूल के समान हल्का न हो ।

अगुरुलघु चतुष्क – *Agurulaghu Catuṣka.*
A quartet of *Karmic* nature related to non-gravity-levity.
अगुरुलघु, उपघात, परघात, उच्छ्वास नामकर्म की चार प्रकृतियां ।

अगुरुलघु द्विक – *Agurulaghu Dvika.*
A dyad of *Karmic* nature related to non-gravity-levity.
अगुरुलघु, उपघात ये नामकर्म की दो प्रकृतियाँ।

अगुरुलघुत्व – *Agurulaghutva.*
Property of constancy, individuality; matter free from lightness & heaviness
मुक्तात्माओं के 8 गुणों में से एक गुण जो गोत्र कर्म के नष्ट होने से प्रकट होता है, जिसमें भारीपन व हल्कापन न हो।

अगृहीत ग्रहण अद्धा – *Agrhita Grahana Addha.*
Non admitted reception period.
ग्रहण न किया गया काल।

अगृहीत द्रव्य – *Agrhita Dravya.*
Quasi - matter; not adopted till now.
जिस कर्म, नोकर्म द्रव्य को जीव ने अभी तक ग्रहण नहीं किया हो।

अगृहीत मिथ्यात्व – *Agrhita Mithyatva.*
Intuitional perversity (wrong faith).
मिथ्यात्व कर्म के उदय से परोपदेश बिना सच्चे देवशास्त्रगुरु के प्रति अश्रद्धानरूप भाव होना।

अगृहीता – *Agrhita.*
Prostitute or licentious women
वेश्या स्त्री या स्वच्छन्द चारित्रहीन महिला।

अग्गल – *Aggala.*
Name of a poet.
श्रुतकीर्ति जी के शिष्य एवं चन्द्रप्रभचरित के रचयिता एक कवि।

अग्नि – *Agni.*
Fire.
आग, अग्निकायिक स्थावर नाम कर्म के उदय से प्रगट होने वाली ज्वाला।

अग्निकायिक – *Agnikayika.*
Firebodied beings
पंच स्थावर जीवों का एक भेद, जिनका शरीर अग्नि हो।

अग्निकुंड – *Agnikumda*
An auspicious fire - pit.
हवन के लिये अग्नि प्रज्ज्वलित करने का स्थान विशेष (गोल, त्रिकोण व चौकोर)।

अग्निकुमार – *Agnikumara.*
A type of deities.
भवनवासी देवों का एक भेद। ये तीर्थंकर भगवान के मोक्ष कल्याणक के बाद आकर अपने मुकुट से अग्नि प्रगट कर उनका संस्कार करते हैं।

अग्निगति – *Agnigati.*
A spell of magical power.
रोहिणी आदि अनेक दिव्य विद्याओं में से एक।

अग्निगुप्त – *Agnigupta*
One of the chief disciples of Lord Rishabhadev.
भगवान ऋषभदेव के चौरासी गणधर में 14वें गणधर का नाम।

अग्निचारण – *Agnicarana.*
A type of supernatural power of walking over fire-flame without causing any violence of micro beings (fire bodied)
ऋद्धि, जिसके प्रभाव से साधु अग्निशिखा के ऊपर चलने में समर्थ होते हैं। फिर भी उनके द्वारा अग्निकायिक जीवों की हिंसा नहीं होती है।

अग्निजीव – *Agnijiva.*
A type of firebodied beings
जो जीव अग्निकायिक में उत्पन्न होने के लिए विग्रहगति में जा रहा हो।

अग्निज्वाला – *Agnijvala.*
Fire flame, Name of a place in northern *Vijayardha* mountain
जलती आग, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

अग्नित्रय – *Agnitraya.*
Three kinds of fire used in sacrificial fire-pit. Three kinds of fire (anger, lust, hunger)
अग्निकुमार देवों के मुकुट से उत्पन्न हुई तीन गार्हपत्य, आहवनीय और दक्षिणाग्नि; क्रोध, काम और उदराग्नि को भी अग्नित्रय कहते हैं।

अग्निदत्त – *Agnidatta*
Name of a disciple of *Acharya* Bhadrabahu
आचार्य भद्रबाहु के 4 शिष्यों में एक।

अग्निदेव – *Agnideva.*
One of the chief disciples of Lord Rishabhadev.
भगवान ऋषभदेव के चौरासी गणधर में से 13 वां गणधर।

अग्निप्रभ देव – *Agniprabha Deva*
A stellar deity, Astral deity. Name of the 22nd *Tirthankar* (24 Jaina-Lords) of *Eravat Kshetra* (a region).
ज्योतिषी देव जिसने देशभूषण व कुलभूषण मुनि पर घोर उपसर्ग किया था, ऐरावत क्षेत्र की वर्तमान चौबीसी के 22 वें तीर्थंकर का नाम।

अग्निभूति – *Agnibhuti.*
One of the chief disciples of Lord Mahavira.
भगवान महावीर के द्वितीय गणधर का नाम।

अग्निमंडल – *Agnimamdala.*
A special type of warm air while breathingout in meditation.
प्राणायाम के समय निकलता हुआ एक प्रकार का श्वास, जो अभ्यास करने वाले को वशीकरण आदि कार्य में शुभ-अशुभ का सूचक होता है।

अग्निमंडल यंत्र – *Agnimamdala Yantra.*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
धातु की एक प्लेट जिस पर अग्नि मंत्र रं र र ... इत्यादि लिखा होता है।

अग्निमित्र – *Agnimitra.*
One of the chief disciples of Lord Rishabhadev.
भगवान ऋषभदेव के 84 गणधरों में से 15 वें गणधर का नाम।

अग्निल श्रावक – *Agnila Śrawaka*
Name of the householder to be born at the time of last Kalki king in the 5th era.
पंचम काल के अंतिम कल्की के समय होने वाला श्रावक।

अग्निवाहन – *Agnivāhana.*
A celestial deity
भवनवासी अग्निकुमार देव का एक इन्द्र।

अग्निशिखा – *Agniśikhā.*
Fire flame, A type of supernatural power
अग्निज्वाला, प्रज्वलित अग्नि का ऊपरी भाग, चारणऋद्धि के 8 भेदों में से एक।

अग्निशिखी – *Agniśikhī.*
A celestial deity
भवनवासी अग्निकुमार देव का एक इंद्र।

अग्निहोत्री – *Agnihotrī.*
One who keeps up sacrificial fire.
गार्हपत्य, आहवनीय, दक्षिणाग्नि इन तीन महाग्नियों में मंत्रों के द्वारा जिसके घर नित्य पूजा होती रहती है वह अग्निहोत्री कहलाता है।

अग्न्याभ – *Agnyābha.*
A class of special heavenly deities (of *Laukantik* type).
लौकांतिक देवों का एक कुल जिसकी संख्या 7007 होती है।

अग्र – *Agra.*
Foremost, Prominent.
प्रथम, प्रधान, मुखिया, श्रेष्ठ।

अग्रदेवी – *Agradevī.*
Chief female deities of *Indras.*
इन्द्र एवं देवों की प्रधान देवियों को अग्रदेवी कहते हैं।

अग्रन्थ – *Agrantha.*
An ascetic having no possession.
निर्ग्रन्थ अर्थात् अपरिग्रही साधु।

अग्रनिर्वृति क्रिया – *Agranirvṛtti Kriyā.*
To get salvated through prescribed procedure.
गर्भान्वयादि 53 क्रियाओं में अंतिम क्रिया-जिससे समस्त अघातिया कर्मों को नाश कर सिद्ध पद की प्राप्ति होती है।

अग्र पिंड – *Agra Pimḍa*
Mendicantal first mouthful (morsel).
भोजन का पहला ग्रास।

अग्रप्रलम्ब – *Agrapralamba.*
Vegetations having growth above the land.
जो भूमि में प्रविष्ट न हुए हों, जैसे फल, अंकुर, कोंपल पत्ते इत्यादि।

अग्रबीज – *Agrabīja.*
Grafting
अग्रभाग ही जिनका बीज हो, जैसे आर्यक व उदीची।

अग्रभाग – *Agrabhāga.*
End point, front part
नोक, सिरा भाग।

अग्रमण्डप – *Agramamaṇḍapa.*
Entrance porch
प्रथम मण्डप या मुख्य मंडप।

अग्रमुख – *Agramukha.*
Frontal part, obverse, acting as counter part
सामने का भाग जिसके द्वारा जाना जाता हो।

अग्रय – *Agraya.*
A synonym of *Shrutgyan* (scriptural knowledge).
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

अग्रवया – *Agravayā.*
Ancient name of present Agra city.
वर्तमान नगर – आगरा का प्राचीन नाम।

अग्रवीज – *Agravīja.*
Grafting.
पौधों की कलम बांधना।

अग्रश्रुत स्कंध – *Agraśrutaskandha.*
Group of a scripture Shatkhandagam and its commentary books.
षट्खंडागम और उनकी सर्व टीका, वृत्ति, व्याख्या आदि को अग्रश्रुतस्कंध या सिद्धांतग्रंथ कहते हैं।

अग्रस्थिति – *Agrasthiti.*
Lowest stage of final detachment.
जघन्य निर्वृत्ति के अंतिम निषेक की अग्रसंज्ञा है, उसकी स्थिति जघन्य अग्रस्थिति है।

अग्रहण वर्गणा – *Agrahaṇa Vargaṇā.*
A type of aggregate grouping of *karmic* molecules.
23 प्रकार की वार्गण वर्गणा का एक भेद।

अग्रायणी – *Agrayaṇī.*
The 2nd part of 14 *Purvas* (a type of scriptural knowledge).
द्वादशांग के अंतर्गत 12वें दृष्टिवाद अंग के 14 पूर्वों में दूसरा पूर्व।

अग्राह्य – *Agrāhya.*
Non assimilable
जो ग्रहण न किया जा सके।

अग्राह्य वर्गणा – *Agrahya Vargaṇā.*
A type of *karmic* molecule, non-assimilable.
ऐसी कर्म वर्गणाएं जो ग्रहण करने योग्य न हों।

अघ – *Agha.*
Sin, Name of a planet.
पाप, व्यसन, 88 ग्रहों में से 79 वें ग्रह का नाम।

अघनधारा – *Aghanadhārā.*

A mathematical non-cubic sequence

लोकोत्तर गणित सम्बन्धी 14 धाराओं में से उस धारा का नाम जिसका हर अंग अघन हो।

अघनमातृका धारा – *Aghanamātṛkā Dhārā.*

A mathematical sequence.

संख्यामान सम्बन्धी 14 धाराओं में से वह धारा जिसका कोई अंक किसी अन्य अंक का घनमूल न हो।

अघाती – *Aghāti.*

Non - destructive *Karmas*

ऐसे कर्म जिसमें जीव के अनुजीवी गुणों का विनाश करने की शक्ति नहीं पायी जाती। इनका नाश सिद्ध अवस्था में होता है।

अघोर – *Aghora.*

A type of supernatural power of pacifying the effect of natural calamities like drought etc. by the effect of continuous (pure) celibacy of a saint

ऋद्धि जिसके कारण साधु द्वारा अखंडब्रह्मचर्य बल से दुर्भिक्षादि उपद्रवों को अपनी इच्छा मात्र से तुरन्त शांत किया जा सकता है।

अचक्षुदर्शन – *Acakṣudarśana.*

Non-visual conation, Non-ocular conation.

चक्षु के अलावा शेष चार इन्द्रियों और मन से जो सामान्य प्रतिभास होता है।

अचक्षुदर्शनावरण – *Acakṣudarśanāvaraṇa.*

Non-visual conation obscuring *Karma*

चक्षु के अतिरिक्त अन्य किसी इन्द्रिय या मन की दर्शन शक्ति को आच्छादित करने वाला कर्म।

अचर ज्योतिषी विमान – *Acara Jyotiṣī Vimāna.*

Non- variable (immovable) stellar celestials' space-vehicles.

गति रहित ज्योतिष देवों के विमान। ढाई द्वीपों के बाहर सभी ज्योतिषी देवों के विमान स्थिर-अचल रहते हैं।

अचल – *Acala.*

Invariant, Stable, Motionless, A mountain *Meru* situated in the western *Dhatkikhand* (a region).

स्थिर, दृढ़, अटल, धातकीखंड के पश्चिम दिशा में स्थित मेरु पर्वत का नाम।

अचलयोग – *Acalayoga.*

Meditation with immovable posture on facing any calamity.

उपसर्ग परीषह आने पर सामायिक एवं ध्यान में योग से चलायमान न होना।

अचलात्म – *Acalātma.*

The largest time unit.

काल का विशालतम प्रमाण विशेष अर्थात् $(84)^{31} \times (10)^{80}$ वर्ष।

अचलादेवी – *Acalādevī.*

A female deity of the mountain-*Vidyut Prabh Gajadant*

विद्युत्प्रभ गजदंत की देवी।

अचलावली – *Acalāvalī.*

A time unit, Invariant trail.

काल का एक प्रमाण विशेष।

अचलित – *Acalita*

Invariant or stable.

क्रिया रहित अर्थात् चलायमान न होना।

अचाक्षुष – *Acākṣuṣa.*

Invisible beings.

सूक्ष्म परिणाम वाले स्कन्ध जो चक्षु इन्द्रिय से न देखे जा सकें।

अचार – *Acāra.*

Pickles - which are non-edible after twenty four hours according to Jain philosophy

कच्चे आम, नींबू आदि में नमक-मसाला, तेल आदि मिलाकर बनाया गया एक स्वादिष्ट खाद्य (खटाई)। चौबीस घंटे के पश्चात् यह त्रस जीवों से संसिक्त होने के कारण अभक्ष्य हो जाता है।

अचारित्र – *Acāritra*

Without right conduct

सम्यग्चारित्र का न होना।

अचिंता – *Acintā*

Wordless mental state

चिंता से रहित स्थिति।

अचित्त – *Acitta.*

Matter without life, Sterilized.

चित्त रहित अर्थात् जीव रहित, निर्जीव, प्रासुक।

अचित्तकरण – *Acittakaraṇa.*

Sterilization, In-animation.

किसी भी वस्तु को जीव रहित करना। जैसे-जल को गरम करके, वनस्पति को छिन्न-भिन्न आदि करके अचित्त किया जाता है।

अचित्त द्रव्य क्षेत्र – *Acitta Dravya Kṣetra.*

Occupying place of unconscious matters.

अचित्त द्रव्यों के रहने का स्थान।

अचित्त द्रव्य भाव – *Acitta Dravya Bhāva.*

Unconscious phase.

वह द्रव्य जिसमें उस द्रव्य का स्वामी जीवात्मा न हो।

अचित्त द्रव्य स्पर्शन – *Acitta Dravya Sparśana.*

Unconscious material touch.

जीव रहित द्रव्यों का स्पर्श करना।

अचित्त द्रव्याकृति – *Acitta Dravyākṛti.*

Unconscious material figuration.

अचित्त द्रव्यों की आकृति-आकार।

अचित्त नोकर्म द्रव्यबंध –

Acitta Nokarma Dravyabandha.

An un-consciously *karmic* bondage.

लकड़ी, सूपा, चटाई इत्यादि बाँधने वालों को लगने वाला कर्म

बंध।

अचित्त परद्रव्य – *Acitta Paradravya.*
Inanimate objects in the environment
वातावरण में उपस्थित जीव रहित द्रव्य।

अचित्त पाहुड़ – *Acitta Pāhuḍa*
Un-conscious gift (gems, gold etc.)
भेंट स्वरूप दिये गये मणि, सोना, रत्नादि अचित्त पाहुड़ कहलाते हैं।

अचित्त योनि – *Acitta Yoni*
Inanimate objects.
गुणयोनि के 9 भेदों में एक भेद। जो योनि अचेतन हो।

अचेतन – *Acetana.*
Inanimate
जिसमें देखने जानने की शक्ति न हो ऐसे द्रव्य। जीव द्रव्य के अतिरिक्त शेष पाँचों द्रव्य अचेतन होते हैं।

अचेतनत्व – *Acetanatva.*
Un-consciousness.
अचेतनपना।

अचेलक – *Acelaka.*
Saints without clothes and with no any allachment.
वस्त्र के साथ सम्पूर्ण परिग्रहों का त्याग करने वाले दिगम्बर जैन साधु।

अचेलकत्व – *Acelakatva.*
Nakedness without any attachment.
जैन साधु के 28 मूलगुणों में एक; वस्त्र के साथ सम्पूर्ण परिग्रह त्याग।

अचेल व्रत – *Acela Vrata.*
Vow of celibacy.
रात-दिन अखण्ड ब्रह्मचर्य को धारण करना।

अचैतन्य – *Acaitanya.*
Un - consciousness.
चैतन्य शक्ति से रहित, सापेक्ष धर्म या वस्तु के कुछ विरोधी धर्मों में एक।

अचौर्य – *Acaurya.*
Act of non - stealing.
पराई या रखी हुई वस्तु को ग्रहण नहीं करने का भाव या कर्म।

अचौर्याणुव्रत – *Acauryāṇuvrata.*
Vow of non - stealing.
5 अणुव्रतों का एक भेद, किसी की रखी, गिरी, भूली हुई वस्तु को बिना दिये न तो स्वयं लेना न दूसरों को देना।

अच्छवि – *Acchavi.*
A celibate saint (at the 14th stage of spiritual development)
काययोग को रोकने वाला स्नातक साधु, 14 वें गुणस्थानवर्ती अयोगकेवली।

अच्यवन लब्धि – *Acyavana Labdhi.*
Immortal achievement.
वह लब्धि या प्राप्ति जो एकबार प्राप्त होकर फिर कभी च्युत न हो।

अच्युत – *Acyuta.*
Indestructive, Imperishable, Son of Lord Rishabhadev.
अजर-अमर; जिसे नष्ट न किया जा सके, ऋषभनाथ भगवान का पुत्र तथा भरत का छोटा भाई।

अच्युत स्वर्ग – *Acyuta Svarga.*
Name of the 16th heaven.
सोलहवें स्वर्ग का नाम।

अच्युता – *Acyutā.*
A spell of magical power.
एक विद्या।

अच्युति – *Acyuti.*
Indestructibility.
दृढ़, निर्विकार, अचल।

अछेद – *Acheda.*
A mathematical quantity; the half of any number.
किसी भी राशि को आधा करने पर जो (गणितीय राशि) मिले।

अज – *Aja.*
Highest or maximum, Birth less, Paddy without fertility power, Billy goat.
अजघन्य, जन्म रहित, अंकुर उत्पन्न करने की शक्ति रहित धान, बकरा।

अज (देवता) – *Aja (Devatā).*
Presiding deity of a lunar.
पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम।

अजघन्य – *Ajaghanya.*
Non minimal.
जो जघन्य न हो। 1 जघन्य है और 2,3 आदि अजघन्य हैं।

अजघन्य पद – *Ajaghanya Pada.*
Non-minimal rank or step.
जो जघन्य पद नहीं है।

अजघन्य विभक्ति – *Ajaghanya Vibhakti.*
Division of non- minimal.
अजघन्य का भाग।

अजमेध – *Ajamedha.*
A violenceful sacrificial act.
महाकाल देव द्वारा चलाया गया एक हिंसामय यज्ञ।

अजर – *Ajara.*
A virtue, not to have old age (possessed by liberated soul, deities etc.), A liberated soul.
वृद्धावस्था की रहितता जो मोक्ष को प्राप्त आत्मा या देवतादि को होती है।

अजातशत्रु – *Ajātaśatru.*
A king of Magadh, Having no enemy.
मगध का एक राजा (ई.पू. 552 – 520) था, जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो या जन्म से ही जिसका कोई शत्रु न हो।

अजान फल – *Ajāna Phala.*
Unknown fruit, Not edible.
अभक्ष्य, जिसके नाम और गुण से हम अनभिज्ञ है।

अजितंजय – *Ajitamjaya.*
Name of a Jaina saint, Son of Kalkee-I (a king)
भगवान महावीर को सिंह की पर्याय में उपदेश देने वाले चारण ऋद्धिधारी मुनि का नाम, प्रथम कल्की (राजा) का पुत्र, जो पिता की गद्दी पर बैठा और जैन धर्म का दृढ़ श्रद्धानी हुआ।

अजितंधर – *Ajitamdhara.*
Name of the 8th *Rudra.*
11 रुद्रों में से अष्टम रुद्र का नाम।

अजित – *Ajita.*
Name of the demigod of Jaina-Lord Pushpadantnath, Invincible, Unconquered
पुष्पदंतनाथ भगवान का शासन यक्ष, जो किसी से जीता न जा सके।

अजितनाथ – *Ajitanātha.*
Name of the second *Tirthankar* (Jaina-Lord)
वर्तमान काल के दूसरे तीर्थंकर का नाम। आप महाराजा जितशत्रु एवं महारानी विजया के पुत्र थे। आपका जन्म माघ शु. 10 एवं मोक्ष चैत्र शु. 5 को हुआ। आपका वर्ण-क्षत्रिय, वंश-इक्ष्वाकु, देहवर्ण-तप्त स्वर्ण सदृश, चिन्ह-हाथी एवं आयु 72 लाख पूर्व वर्ष थी। आपकी जन्मभूमि अयोध्या (उ.प्र.) है।

अजितनाभि – *Ajitanābhi.*
Name of the 9th *Rudra.*
11 रुद्रों में नवम रुद्र का नाम।

अजितपुराण – *Ajitapurāṇa.*
Name of a book written by a poet- Vijaysingh
कवि विजयसिंह (ई. 1448) द्वारा रचित अपभ्रंश रचना।

अजितमती (आर्यिका) – *Ajitamatī (Āryikā)*
Name of an *Aryika*, the disciple of *Acharya* Shri Bahuballsagar Maharaj.
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज से दीक्षित क्षुल्लिका, इन्होंने आचार्य श्री बाहुबलीसागर महाराज से सन् 1991 में आर्यिका दीक्षा प्राप्त की।

अजितवीर्य – *Ajitavīrya.*
Name of a *Tirthankar* (Jaina-Lord) in *Videh Kshetra* (a region).
विदेह क्षेत्र में स्थित 20 वें अंतिम तीर्थंकर का नाम।

अजितसागर – *Ajitasāgara.*
Name of the 4th *Acharya* in the tradition of *Acharya* Shantisagar.
बीसवीं शताब्दी के प्रथम आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की परंपरा में हुए चतुर्थ पट्टाचार्य (आचार्य काल ई. सन् 1987–1990)। पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी से अध्ययन कर उनकी ही प्रेरणा से 1961 में आचार्य शिवसागर जी महाराज से मुनि दीक्षा प्राप्त की।

अजितसेन – *Ajitasena*
The son of king Ajitanjaya.
राजा अजितंजय का पुत्र, जिसने एक माह उपवासी मुनि को आहार देकर अपने पूर्वभव सुन दीक्षा धारण की थी।

अजीव – *Ajīva*
Inanimate, non-living
जीव रहित, निर्जीव, अचेतन, जड़ पदार्थ।

अजीवगत हिंसा – *Ajīvagata Hiṁsā.*
Violence occuring due to inanimate objects.
अजीवाधिकरण हिंसा, अजीव पदार्थ के आधार से होने वाली हिंसा।

अजीव भाव – *Ajīva Bhāva.*
Inanimate mode
अजीव की पर्याय।

अजीव विचय – *Ajīva Vicaya*
Respecting the nature of *karmas*
धर्म ध्यान, कर्म विपाक के बारे में विचार करना।

अजीव स्पृष्टिका – *Ajīva Spṛṣṭikā*
Bondage of *karmas* by touching inanimate objects with love and hatredness.
किसी अजीव पदार्थ को रागद्वेष रूप भावों से स्पर्श करने से होने वाला कर्मबंध, स्पृष्टिका क्रिया का एक भेद।

अजीवाधिकरण – *Ajīvādhikaraṇa*
A type of *karmic* flow on the basis of inanimate object.
अधिकरण का एक भेद, शस्त्र, धन आदि अजीव वस्तुओं के आधार से होने वाला आस्रव।

अज्ञ – *Ajña.*
Ignorant one, Stupid
अज्ञानी, अनुभव हीन, मूढ़।

अज्ञात – *Ajñāta*
Unknown, An activity without knowledge.
अनजान, बिना जाने प्रवृत्ति करना अज्ञात भाव है।

अज्ञातोञ्छ – *Ajñātoñcha.*
Unfamiliar house.
अपरिचित गृह स्थान।

अज्ञान – *Ajñāna.*
Ignorance, False cognition, Nescience
ज्ञान का अभाव या मिथ्याज्ञान।

अज्ञान चेतना – *Ajñāna Cetanā.*
Ignorant consciousness.
कर्म या कर्मफल चेतना।

अज्ञानतप – *Ajñāna Tapa.*
Austerity with false knowledge.

मिथ्याज्ञान सहित आत्मज्ञान या सम्यक्त्व रहित ज्ञान ।

अज्ञान निग्रहस्थान – *Ajñāna Nigrahasthāna*

Ignorantial flaw.

वादी के कथन का परिषद द्वारा विज्ञान किये जा चुकने पर यदि प्रतिवादी को विज्ञान नहीं हुआ है तो प्रतिवादी का अज्ञान इस नाम का निग्रहस्थान होगा ।

अज्ञान निवृत्ति – *Ajñāna Nivṛtti.*

Cessation of nescience

ध्यानयोग का फल , मोह, रागद्वेष रूप अज्ञान का दूर होना ।

अज्ञान परीषह – *Ajñāna Parīṣaha.*

Affliction caused due to lack of knowledge

अज्ञान अन्य कष्ट–ज्ञान प्राप्ति के लिए अनेक उपाय करते रहने पर भी ज्ञान प्राप्त न होने का दुख। इसे शांत भाव से सह लेना अज्ञान परिषहजय है ।

अज्ञानभाव – *Ajñāna Bhāva.*

Ignorance, False cognition, Nescience.

सम्यग्ज्ञान से अतिरिक्त आत्मा का परिणाम ।

अज्ञान मिथ्यात्व – *Ajñāna Mithyātva.*

Irrationality, Indiscrimination

मिथ्यात्व के पाँच भेदों में से एक, हित, अहित के विवेक से रहित होना अथवा अहित में प्रवृत्ति कराने वाला उपदेश ।

अज्ञानवाद – *Ajñānavāda.*

Agnosticism, Ignorantism.

लोक में अज्ञान व मिथ्यात्व का उपदेश व प्रचलन होना, एक मिथ्या मत ।

अज्ञानान्धकार – *Ajñānāndhakāra.*

Darkness of ignorance, Benighted in ignorance

अज्ञान स्वरूपी अंधकार – इससे आच्छादित व्यक्ति सम्यग्ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता ।

अज्ञानिक – *Ajñānika.*

Agnostic, persons with malicious knowledge

कुत्सित या थोड़ा ज्ञान जिनमें पाया जाये वे अज्ञानिक है ।

अज्ञानी – *Ajñānī.*

Ignorant , wrong believer ; who does not believe in the right path benefitting the soul.

मिथ्यादृष्टि; जिसे आत्मा के हित-अहित का विवेक न हो ।

अज्ञायक – *Ajñāyaka.*

Ignorant person, To be entangled in birth-death cycle

अज्ञानी, जो आत्मा के ज्ञायक भाव से अनभिज्ञ है अर्थात् जन्म, मरण से लिप्त रहना ही अज्ञायक बने रहना है ।

अञ्जन – *Añjana.*

Collyrium, Lampblack (as applied to the eyes).

काजल, कमला ।

अटट – *Aṭaṭa.*

A time unit, a period consisting of eighty four lacs of *aṭaṭaṁga*

एक बहुत बड़ा काल परिमाण, अर्थात् 84 लाख को 18 हजार जगह रख कर परस्पर गुणा करने से जो संख्या प्राप्त होती है उतने वर्षों का एक अटट ।

अटटांग – *Aṭaṭāṁga.*

A time unit - a period consisting of eighty four lacs of *truṭitas.*

84 लाख को 17 जगह रखकर परस्पर गुणा करने से जो संख्या प्राप्त हो उतने वर्षों का एक अटटांग ।

अट्ठाईस – *Aṭṭhāīsa.*

A number - twenty eight

एक अंक अर्थात् 28, दिगम्बर जैन साधुओं के मूलगुण भी 28 होते हैं ।

अठारह – *Aṭhāraha.*

A number - eighteen

एक संख्या अर्थात् 18 ।

अडड – *Aḍaḍa.*

A time unit

काल का एक प्रमाण विशेष, 84 लाख पूर्वांग का एक अडड जिसे पूर्व भी कहते हैं ।

अडडांग – *Aḍaḍāṁga.*

A time unit.

काल का एक प्रमाण विशेष , 84 लाख वर्ष का एक अडडांग या पूर्वांग ।

अढाईद्वीप – *Aḍhāīdvīpa.*

An island consisting universal islands - *Jambudvip, Dhatkikhand, Ardhapushkar,*

जम्बूद्वीप, धातकीखंड द्वीप और अर्द्धपुष्कर द्वीप मिलकर अढाईद्वीप कहलाते हैं ।

अढाईद्वीप प्रज्ञप्ति – *Aḍhāīdvīpa Prajñapti.*

A religious book written by *Acharya* Amitgati ji

आचार्य अमितगति (ई. 923 - 963) द्वारा रचित ग्रन्थ ।

अणत्थमिय कहा – *Aṇatthamiya Kahā.*

Books written by Poet - Raidhu and Poet - Harichandra.

रात्रिभुक्ति त्याग पर कवि हरिचन्द (ई.श. 14) एवं कवि रइधु (ई.श. 1400 -1479) द्वारा रचित ग्रंथों का नाम ।

अणिमा ऋद्धि – *Aṇimā Ṛddhi.*

A type of supernatural power of making body in the shape of a particle.

विक्रिया ऋद्धि का एक भेद; अणु के बराबर शरीर को करना अणिमा ऋद्धि कहलाती है। यह स्वाभाविक रूप से देवों में तथा तपस्या के प्रभाव से मुनियों में प्रगट होती है ।

अणु – *Aṇu.*

Particle, Atom.

अत्यंत सूक्ष्म पुद्गल, जिसका आदि मध्य अंत एक ही है ।

अणुचटन – *Aṇucaṭana.*

Sparks emitted from hot iron on hammering.

तपाये हुए लोहे के गोले आदि को घन आदि से पीटने पर फुलंगे निकलते हैं वह अणुचटन कहलाता है।

अणुछेदन – *Aṇuchedana.*

Cutting of atoms. Knowledge of the number of substances obtained by knowing some number of other substances containing atoms.

परमाणु मात्र एक आदि द्रव्यों की संख्या द्वारा अन्य द्रव्यों की संख्या का ज्ञान होना।

अणु परम – *Aṇu Parama.*

Ultimate particle

अद्वितीय अणु रूप।

अणु ब्रह्म व्रत – *Aṇu Brahma Vrata.*

Minor vow of celibacy.

ब्रह्मचर्याणुव्रत। स्वदार सन्तोषव्रत रखते हुए अन्य स्त्रियों से माँ, बहिन की तरह व्यवहार करना।

अणुवय रयण पईव – *Aṇuvaya Rayaṇa Paīva*

Name of a book written by a poet- Lakkhan

अणुव्रत रत्न प्रदीप विषय पर आधारित कवि लक्खण (वि. 1313) द्वारा रचित एक अपभ्रंश ग्रन्थ।

अणुविभंजन – *Aṇuvibhañjana.*

Splitting of atoms.

अणुओं का विभाग करना।

अणुव्रत – *Aṇuvrata.*

Minor vows like to desist from killing, sex behaviour etc.

हिंसादि पांच पापों का स्थूल रूप से या एकदेश त्याग करना।

अणुव्रतरत्नप्रदीप – *Aṇuvrataratnapradīpa.*

See - *Aṇuvaya Rayaṇa Paīva*

देखें – अणुवय रयण पईव।

अणुव्रती – *Aṇuvratī.*

Follower of minor vows (*Aṇuvrata*)

अणुव्रत को धारण करने वाला श्रावक।

अण्डज – *Aṇḍaja.*

See - *Aṁḍaja.*

देखें – अंडज।

अण्डर – *Aṇḍara.*

See - *Aṁḍara*

देखें – अंडर।

अण्डा – *Aṇḍā.*

See - *Aṁḍa*

देखें – अंड।

अण्ण – *Aṇṇa.*

The other name of Chamundarai

चामुण्डराय का अपर नाम।

अतत् – *Atata.*

Non-similarity in conceptions

वस्तु के सापेक्ष धर्म तत्-अतत्, जिनके भाव में परिणामों की सदृशता, विसदृशता का भेद होता है।

अतत्व शक्ति – *Atatva Śakti*

Power having no knowledge of real nature of things

तत्त्वस्वरूप न होने रूप शक्तियाँ अतत्व शक्ति है।

अतत्त्वश्रद्धान – *Atattvaśraddhāna*

False knowledge

मिथ्याज्ञान।

अतद्भाव – *Atadbhāva*

Non identity in the appearance and quality of a matter

स्वरूप भेद से जो द्रव्य है वह गुण नहीं और जो गुण है वह द्रव्य नहीं, यह अतद्भाव है।

अतदाकार स्थापना – *Atadākāra Sthāpanā*

Dissimilar installation

स्थापना निक्षेप का एक भेद, जिस प्रकार की वस्तु नहीं है उसमें उस आकार की स्थापना करना। जैसे नारियल में क्षेत्रपाल की स्थापना।

अतिअनिष्ट – *Atianiṣṭa*

Very undesirable (evil, misfortune).

अनिष्ट की अधिकता।

अतिअवर – *Atiavara.*

Extremely low

अत्यन्त अश्रेष्ठ (तुच्छ)।

अतिईर्षा – *Atiīrṣā.*

Excess jealousy

ईर्ष्या, डाह की अधिकता।

अतिउग्र – *Atiugra.*

Very violent, Very frightening.

बहुत तेज या क्रोधी।

अतिउच्च – *Atiucca.*

Very high.

बहुत ऊँचा।

अतिउज्ज्वल – *Atiujjvala*

Very bright.

अधिक प्रकाशवान्।

अतिउत्कर्ष – *Atiutkarṣa*

Eminent, Superior.

अधिक ऊँचा या उठा हुआ।

अतिउपशान्त – *Atiupaśānta.*

Very calm, Engrossed in meditation.

एकदम शान्त होना।

अतिउष्ण – *Atiuṣṇa.*

Very hot.

बहुत गर्म।

अतिऊर्ध्व – *Atiūrdhva.*
Very tall (high)
बहुत ऊँचा ।

अतिऋजुक – *Atirjuka*
Very polite, Having very simple nature.
अत्यन्त सरल ।

अतिकषाय उत्कटता – *Atikaṣāya Utkaṭatā*
Extreme intensity of passions
तीव्र कषाय की स्थिति ।

अतिकाय – *Atikāya*
A type of peripatetic deities (*Mahoraga*).
महोरग नाम की व्यन्तर जाति देवों का एक भेद ।

अतिकाल – *Atikāla.*
Delay, Very late
काल का अतिक्रमण या काल की अधिकता ।

अतिकुटिल – *Atikuṭila.*
Cunning, Very crooked.
अधिक, बेईमान ।

अतिकुपित – *Atikupita*
Very angry.
अत्यधिक क्रोधित होना ।

अतिकृपण – *Atikṛpaṇa.*
Very miser, Very stingy.
अधिक कंजूस, छोटे दिल का ।

अतिकोपना – *Atikopanā.*
Very irascible, Irritable, Hot tempered.
अधिक चिड़चिड़ा, क्रोधी ।

अतिकोपातुर – *Atikopātura.*
Prone to great anger
जल्दी, तीव्र क्रोध करने वाला ।

अतिक्रम – *Atikrama.*
Deterioration of mental purity, Transgression, Violation of Jain principles.
मन की शुद्धि में क्षति होना अतिक्रम है, उल्लंघन, मर्यादा को लांघ जाना ।

अतिक्रमण – *Atikramaṇa.*
Transgression.
अपराध, उल्लंघन, आगे बढ़ जाना ।

अतिक्रमणीय – *Atikramaṇīya.*
Fit to be transgressed.
मर्यादा भंग करने के योग्य, उल्लंघनीय ।

अतिक्रांत – *Atikrānta.*
Violation of rules conduct, A type of renunciation.
नियमों का उल्लंघन करना, सार्थक प्रत्याख्यान के 10 भेदों में दूसरा भेद ।

अतिक्रान्तचारिन् – *Atikrāntacārin.*
Who violates the rule of conduct.
नियमों के उल्लंघनरूप आचरण करने वाला ।

अतिक्रूर – *Atikrūra.*
Very cruel.
अधिक दुष्ट स्वभाव का ।

अतिक्लिष्ट – *Atikliṣṭa.*
Greatly disturbed, Very difficult.
अत्यन्त दुखी, संकटग्रस्त, अत्यन्त कठिन ।

अतिक्लेश – *Atikleśa.*
Great trouble, Anguish.
संक्लेश की अधिकता या तीव्र वेदना ।

अतिक्षान्तिका – *Atikṣāntikā.*
One deserving to be forgiven
क्षमा के ही योग्य ।

अतिक्षर – *Atikṣara*
Very harsh or severe.
अधिक तीखा, पीड़ाकर ।

अतिगच्छ – *Atigaccha.*
To elapse, escape
चुपके से चला जाना ।

अतिगत – *Atigata.*
To enter, To go
प्रवेश करना या जाना ।

अतिचार – *Aticāra.*
Infraction, Violation in religious rules and conduct.
किसी करने योग्य कार्य के न करने और त्याग करने योग्य पदार्थ का ग्रहण करने पर जो दोष लगता है ।

अतिथि – *Atithi.*
Honourable guest.
जिसके आने की कोई तिथि न हो, मेहमान ।

अतिथि पूजा – *Atithi Pūjā.*
Hospitality.
अभ्यागत का सत्कार, अतिथि संविभाग व्रत का अपर नाम अतिथि पूजा है ।

अतिथिसंविभाग – *Atithisaṁvibhāga.*
Hospitality.
अतिथि को भिक्षा, आहार, औषध और रहने के स्थान आदि मुख्य चार प्रकार से सेवा करना ।

अतिदुःखमा काल – *Atiduḥkhamā Kāla.*
A time period of 21000 years.
अवसर्पिणी काल का छठा व उत्सर्पिणी काल का प्रथम भाग (काल)– जो 21000 वर्ष का होता है ।

अतिनिरुद्ध – *Atiniruddha.*
A big shell situated in 5th land of *Dhumprabha* hell
पांचवी धूमप्रभा नरकभूमि में स्थित एक महानरक ।

अतिपात – *Atipāta.*
Killing, Violence.
हिंसा या मारधाड़ इत्यादि ।

अतिपुरुष – *Atipuruṣa.*
A type of peripatetic deities (*Kimpurush*).
किंपुरुष नाम की व्यंतर जाति देवों का एक भेद ।

अतिप्रसंग – *Atiprasaṁga.*
A sinful activity of undisciplined saints.
एक पाप स्थान, जो साधु बिना गुरु आज्ञा के स्वच्छन्द एकाकी विहार करता है उसके आज्ञालोप, अतिप्रसंगादि 5 पाप स्थान होते है ।

अतिप्रसाधन – *Atiprasādhana.*
Ornamentation, Decoration, To beautify.
अतिशृंगारित होना ।

अतिबल – *Atibala.*
One of the chief disciples of Jaina Lord Rishbhadev, Very powerful
भगवान ऋषभदेव के 76वें गणधर का नाम ।

अतिबाल विद्या – *Atibāla Vidyā.*
Knowledge gained from childhood.
बालपन से प्राप्त की जाने वाली विद्या ।

अतिभंग मुद्रा – *Atibhaṁga Mudrā.*
Disturbed posture of mind.
विचलित भावभंगिमा ।

अतिभारारोपण – *Atibhārāropaṇa.*
Over loading on cow etc. – an infraction of non-violence.
गायादि जीवों पर उनकी शक्ति से अधिक भार लादना यह अहिंसा अणुव्रत का एक अतिचार है ।

अतिरंजित – *Atiraṁjita.*
Exaggerated.
अतिशयोक्ति पूर्ण कथन ।

अतिलोलुपता – *Atilolupata.*
Voracity, too much greediness.
लालच, लोभ की अधिकता ।

अतिलौल्य – *Atilaulya.*
Too much greediness.
भोगोपभोग परिमाण व्रत का एक अतिचार; अतिगृद्धता, भोगों की अतितृष्णा ।

अतिविकट – *Ativikaṭa.*
Extremely difficult.
कठिन तपस्या, भीषण ।

अतिवीर – *Ativīra.*
Another name of *Bhagavan* Mahavira (24th Jaina-Lord).
भगवान महावीर के पाँच नामों में एक नाम; जो उज्जयिनी में तपस्या के समय रुद्र द्वारा प्रदान किया गया था ।

अतिवीर्य – *Ativīrya.*
Very powerful, The son of Bharat *Chakravarti* (emperor), Name of a king.
शक्तिशाली, भरत चक्रवर्ती का पुत्र, अतिवीर्य राजा जिसको लक्ष्मण ने वश में किया परन्तु वह मुनि हो गया ।

अतिवेलम्ब – *Ativelamba.*
Name of a deity of *Sarvratna* summit of *Manushottar* mountain
मानुषोत्तर पर्वतस्थ सर्वरत्न कूट का स्वामी भवनवासी वरुणकुमार देव ।

अतिव्याप्त – *Ativyāpta.*
Extention of the characteristic beyond the determined object
लक्षण के तीन दोषों में एक दोष - जो लक्ष्य से बाहर अलक्ष्य में भी चला जाए जैसे गौ का लक्षण सींग ।

अतिव्रत – *Ativrata.*
To go beyond
सीमा से बाहर ।

अतिशय – *Atiśaya.*
Excellence, Miracles, The thirty four excellences of Jaina-Lord.
चमत्कार, कोई विशेष बात, तीर्थंकरों के 34 अतिशय प्रसिद्ध हैं।

अतिशयित – *Atiśayita.*
Surpassing, Excellent.
श्रेष्ठ, प्रमुख ।

अतिशायन हेतु – *Atiśāyana Hetu.*
Cause of the absence of all passions & excreting matters from body.
जिसके कारण जीव से सम्पूर्ण अंतरंग व बाह्य मलों का अभाव हो ।

अतिशेष – *Atiśeṣa.*
Remaining.
अवशिष्ट या बचा हुआ भाग ।

अतिश्रान्त – *Atiśrānta.*
Extremely tired.
क्लांत, अत्यधिक थका हुआ ।

अतिसंग्रह – *Atisaṁgraha.*
Over accumulation.
आवश्यकता से अधिक परिग्रह इकट्ठा करना - नरक आयु के आस्रव का कारण ।

अतिसंधान – *Atisaṁdhāna.*
Illusive passion.
माया कषाय ।

अतिसर्ग – *Atisarga.*
To renounce.
स्वीकार न करना, कार्य भार से मुक्त करना ।

अतिसुषमा काल – *Atisuṣamā Kāla.*
Extremely pleasant period of worldly cycle (the 1st of *Avasarpini kal* & the 6th of *Utsarpini kal*)
अवसर्पिणी काल का पहला एवं उत्सर्पिणी काल का छठा काल जो 4 कोड़ा कोड़ी सागर वर्ष का होता है। इस काल में उत्तम भोगभूमि होती है और मनुष्यों की आयु 3 पल्य की होती है। अपने नाम के अनुरूप इसमें संसार के समस्त सुख उपलब्ध रहते हैं।

अतिसूक्ष्म – *Atisūkṣma.*
Micro particles.
पृथ्वी आदि स्कन्धों के 6 भेदों में एक। कर्म वर्गणा के अयोग्य स्कंध अतिसूक्ष्म कहे जाते हैं।

अतिस्थापन निषेक – *Atisthāpana Niṣeka*
Specific *karmic* aggregation.
जिन निषेकों में दूसरे निषेक न मिलाये जावें।

अतिस्थापना – *Atisthāpanā.*
Encroachment.
[illegible]

अतिस्थापनावली – *Atisthāpanāvali.*
Extreme installation trail.
वह आवली जिसमें किसी कर्म की स्थिति घटाकर उसके निषेकों को न मिलाया जाये।

अतिस्थूल – *Atisthūla.*
Very bulky like land, mountain etc.
स्कन्ध का एक भेद – भूमि, पर्वत आदि अतिस्थूल स्कंध कहे जाते हैं।

अतींद्रियज – *Atīndriyaja*
A kind of super happiness, which is beyond all the sensual pleasures.
सुख का एक भेद, जो मुक्त जीव को प्राप्त होता है।

अतींद्रिय सुख – *Atīndriya Sukha.*
Ultimate happiness beyond all sensual pleasures.
वह सुख जो इन्द्रियों की सहायता बिना आत्मा के ही द्वारा प्राप्त होता हो।

अतीत – *Atīta.*
Passed time.
भूतकाल, बीता हुआ काल।

अतीत पर्याप्ति – *Atīta Paryāpti.*
State beyond the completion & incompletion of 6 *Paryaptis* (i.e. state of in Siddhas).
सिद्धों की अवस्था जो पर्याप्ति–अपर्याप्तिपने से रहित होती है।

अतीत वाक् – *Atīta Vāk.*
State beyond the verbal expression
वचनातीत अवस्था।

अतीत समय राशि – *Atīta Samaya Rāśi.*
Past instant set.
भूतकाल की समय राशि।

अतीन्द्रिय ज्ञान – *Atīndriya Jñāna.*
Supereme knowledge without sensual intuition.
केवलज्ञान, इन्द्रियों से रहित ज्ञान।

अतुल – *Atula.*
Unrivalled, Incomparable, Immeasurable.
जिसकी तुलना न हो सके, अतुलनीय।

अत्यंताभाव – *Atyantābhāva.*
Absolute non-existence, Absolute negation
एक द्रव्य में दूसरे द्रव्य का अभाव होना, जैसे जीव का अभाव पुद्गल में व पुद्गल का अभाव जीव में होता है।

अत्यक्षर – *Atyakṣara.*
Exaggeration.
वस्तुस्थिति से अधिक कथन।

अत्यय – *Atyaya.*
Which can not be explained in words.
जो शब्द के द्वारा नहीं कहा जा सकता।

अत्याशात्य – *Atyāśātya.*
Degrade
निम्न स्तर होना।

अत्रप – *Atrapa.*
Impolite, Crude.
निर्लज्ज, अशिष्ट, अविनीत।

अत्राणभय – *Atrāṇabhaya.*
A type of fear due to the lack of own security
भय का एक प्रकार। आत्मरक्षा में समर्थ न होने पर सुरक्षा के अभाव में जो भय उत्पन्न होता है।

अत्रिलक्षणत्व – *Atrilakṣaṇatva.*
Absence of origination (production), destruction (consumption), continuity.
उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य रूप त्रिलक्षण का प्रतिपक्ष।

अथाख्यात – *Athākhyāta.*
Another name of *Yathakhyat Charitra* i.e. perfect conduct.
यथाख्यात चारित्र का अपरनाम।

अथाण – *Athāṇa.*
Pickles, Jams.
अचार – मुरब्बा जो आम, आंवलादि का बनता है।

अथालंद – *Athālanda.*
A method of passionless end of life (*Sallekhana*).
सल्लेखना की भक्त प्रत्याख्यानादि अनेक विधियों में एक विधि।

अदंड – *Adaṇḍa.*
Exempted from punishment.
दंड से मुक्त या बरी।

अदंडत्व अधिकार – *Adaṇḍatva Adhikāra.*
See - *Adaṇḍayatā Adhikāra.*
देखें – अदंडयता अधिकार।

अदंडयता अधिकार – *Adaṇḍayatā Adhikāra.*

Right (quality), not to be punished by others.
गुण अधिकता के कारण किसी अन्य के द्वारा दण्ड नहीं पा सकना रूप द्विजों के 10 मुख्य अधिकारों में 8 वां अधिकार है।

अदंतधोवन – *Adaṁtadhovana.*

Non-cleaning of teeth before food—a basic restraint of Jaina saints.
मुनिगण द्वारा गृहस्थ के समान भोजन से पूर्व दांतों को घिस घिसकर दातौन आदि से साफ नहीं करना अदंतधोवन व्रत कहलाता है यह साधु का एक मूल गुण है।

अदत्त – *Adatta.*

Unprovided, which is not given
बिना दिया हुआ।

अदत्तग्रहण – *Adattagrahaṇa.*

Taking away any thing without giving - a kind of theft
बिना दिया किंचित् ग्रहण कर लेना।

अदत्तादान – *Adattādāna.*

Appropriation of non-given things.
बिना दी हुई वस्तु को लेना चोरी है। यह अचौर्य व्रत का एक अतिचार है।

अदत्तादान विरति – *Adattādāna Virati.*

Abstinence from stealing.
अचौर्याणुव्रत का पालन करना अर्थात् चोरी का त्याग करना।

अदत्तादान विरमण – *Adattādāna Viramaṇa.*

See - *Adattādāna Virati.*
देखें – अदत्तादान विरति।

अद्भुत – *Adbhuta.*

Astonishing, Wonderful, Strange
आश्चर्यजनक, चमत्कार।

अदरख – *Adarakha.*

Ginger—non-edible in its wait form but edible in dried power form (according to Jaina philosophy).
एक कंदमूल; जिसमें सप्रतिष्ठित प्रत्येक वनस्पतिकायिक जीवों का अस्तित्व होने के कारण अभक्ष्य है। रत्नकरण्डश्रावकाचार के अनुसार गीली अदरख अभक्ष्य है, उसे सूखी सोंठ के रूप में मूलाचार ग्रन्थानुसार भक्ष्य माना है।

अदर्शन – *Adarśana.*

An affliction of non-vision, Non-intuition.
अध्यवसान का एक भेद है। आत्मतत्त्व का श्रद्धान न होना। 22 परीषहों का एक भेद।

अदान भाव – *Adāna Bhāva.*

Not to impart knowledge in jealousy.
मात्सर्य भाव, ईर्ष्या भाव से किसी को ज्ञान दान न करना।

अदीक्षा ब्रह्मचारी – *Adīkṣā Brahmacārī.*

A house-holder who follows the vow of celibacy.
गृहस्थ में रहते हुए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने वाला।

अदृष्ट – *Adṛṣṭa.*

Invisible, Providential, Past *karmas*
अदृश्य, दिखाई न देना।

अदृष्ट – *Adṛṣṭa*

Unperceived; unobserved, an infraction of paying reverence to the preceptors.
गुरु की दृष्टि से ओझल होकर अथवा पिच्छी से प्रतिलेखना न करके वंदना करना अदृष्ट दोष है।

अदेव – *Adeva*

Who is not defined as divine or deity
जो देव नहीं है। अर्थात् जिसमें सच्चे देव का लक्षण नहीं पाया जाता है।

अदोषोद्भावन – *Adoṣodbhāvana.*

Exposure of other's qualities
उच्च गोत्र के आस्रव का कारण, दूसरों के अच्छे गुणों को प्रगट करना।

अद्धा – *Addhā.*

A time period
काल की एक अवधि, यह समय का पर्यायवाची है।

अद्धा असंक्षेप – *Addhā Asaṁkṣepa.*

Least or smallest time period
जिससे छोटा कोई काल न हो।

अद्धाच्छेद – *Addhāccheda.*

A division of life time
अंतिम निषेक के काल को उत्कृष्ट अद्धाच्छेद कहते हैं।

अद्धानशन – *Addhānaśana.*

Definite period of vow, from 1 day to 6 months
उपवास का नियमित काल, एक दिन से लेकर छः मास पर्यंत।

अद्धापल्य – *Addhāpalya.*

A kind of time unit.
पल्य का एक भेद जिससे कर्मों की भवस्थिति, आयुस्थिति और कायस्थिति की गणना की जा सकती है।

अद्धायु – *Addhāyu.*

Immortal substances.
आयु का एक भेद अर्थात् द्रव्य जो अनादि काल से चला आ रहा है और अनंत काल तक चलेगा।

अद्धासागर – *Addhāsāgara.*

A time unit.
10 कोड़ाकोड़ी अद्धा पल्यों का एक अद्धासागर होता है।

अद्रि – *Adri.*

Mountain
पर्वत।

अद्वय – *Advaya.*

Unique, Lack of duality.
अद्वितीय, एकमात्र, द्वैत का अभाव।

अद्वैत - *Advaita.*
Non - duality , monism
एकत्व, जैसे जगत में ब्रह्म के अतिरिक्त अन्य कुछ नहीं है।

अद्वैत दर्शन - *Advaita Darśana.*
Philosophy of a non-duality; monism
ब्रह्माद्वैत मानने वाला मत।

अद्वैतवाद - *Advaitavada.*
Non - dualism
एक ही चीज को सबकुछ मान लेना - ब्रह्म, विज्ञान, आत्मद्रव्य आदि।

अद्वैतसिद्धि - *Advaitasiddhi.*
A book written by Madhusudana Sarasvati.
मधुसूदन सरस्वती द्वारा ई.श. 16 में रचित एक ग्रन्थ।

अध: - *Adhah.*
The lowest
निम्नतम, अधस्तन, निकृष्ट।

अध:करण - *Adhahkarana*
Low tended activity
करण लब्धि का एक भेद, ऊपर के समयवर्ती जीवों के परिणाम नीचे के समयवर्ती जीवों के परिणामों अर्थात् संख्या और विशुद्धि की अपेक्षा समान होते हैं, इसलिये इसे अध:प्रवृत्त करण कहा है।

अध:कर्म - *Adhahkarma.*
Injurious actions, A fault of food taking of saints.
पापकर्म - जिन कार्यों के करने से जीव की हिंसा होती है, जैन साधुओं के आहार संबंधी सबसे बड़ा दोष।

अध:प्रवृत्त - *Adhahpravrtta.*
Low tended activity.
नीचे अर्थात् नीच गति की तरफ झुका हुआ। देखें - अध:करण।

अध:प्रवृत्त भागाहार - *Adhahpravrtta Bhāgahāra.*
Low tended division
पल्य के अर्द्धच्छेद के असंख्यातवें भाग प्रमाण अध:प्रवृत्त संक्रम भागाहार होता है।

अध:प्रवृत्त संक्रमण - *Adhahpravrtta Samkramana.*
Low tended transition.
बंध रूप हुई प्रकृतियों के परमाणुओं का अपने बंध में संभवती प्रकृतियों में परमाणुओं का जो प्रदेश संक्रम होता है वह अध:प्रवृत्त संक्रमण है।

अध:प्रवृत्त संयत - *Adhahpravrtta Samyata.*
Mixing of restrained transition state with low tended transition state
जो संयत स्थान अधस्तन संयत के स्थानों से मिल जाते हैं।

अध:प्रवृत्तिकरण - *Adhahpravrttikarana.*
Low tended activity
देखें - अध:करण।

अध: व्यतिक्रम - *Adhah Vyatikrama.*
See - *Adhovyatikrama.*
देखें - अधोव्यतिक्रम।

अधम - *Adhama.*
Wretched, Vile, a base person.
नीच, हीन।

अधर्म - *Adharma.*
Irreligion, impiety.
मिथ्याधर्म, पाप अर्थात् धर्म का विपरीत रूप।

अधर्म द्रव्य - *Adharma Dravya.*
A type of matter (medium of rest).
जो ठहरते हुए जीव और पुद्गल को ठहरने में सहकारी होता है, प्रेरणा नहीं करता, जैसे-छाया पथिक को ठहरने में कारण होती है।

अधर्मास्तिकाय - *Adharmāstikāya.*
A type of *Astikay* (magnitude body).
अधर्म द्रव्य के प्रदेशों का कायरूप से बहुप्रदेशी होना। इसका कार्य भी अधर्मद्रव्य के समान है।

अधस्तन कृष्टि - *Adhastana Krsti.*
Lower *Krishti*
प्रथम, द्वितीय आदि कृष्टियों को अधस्तन कृष्टि कहते हैं।

अधस्तन द्वीप - *Adhastana Dvīpa.*
An inner island
दो तरह के द्वीपों में एक। विशेष वर्णन जम्बूद्वीपपण्णत्ति ग्रंथ में देखें।

अधस्तन राशि - *Adhastana Rāśi.*
Lower set (reg. *Karma*).
कर्म परमाणुओं के नीचे के निषेक या कर्म राशि।

अधस्तन विकल्प - *Adhastana Vikalpa.*
Lower abstraction.
नीचे का भेद भंग।

अधस्तन शिर: - *Adhastana Śirah.*
Lower top.
सिर को सतह की ओर अर्थात् उल्टा करना।

अधस्तन शीर्ष - *Adhastana Śīrṣa.*
Substances on the top of lower *Krishties.*
पूर्व कृष्टियों में दिया गया द्रव्य अधस्तन शीर्ष है।

अधारणा - *Adhāranā.*
Lack of concentration.
एकाग्रता का अभाव; जानी हुई वस्तु को कालान्तर में भूल जाना।

अधिक - *Adhika.*
Excess.
ज्यादा, बहुत इत्यादि।

अधिकरण - *Adhikarana.*
Locus, Substratum, The place in which the causes operate.
अधिष्ठान या आधार, जिसमें कोई वस्तु रहे।

अधिकार – *Adhikāra.*
Privilege, Domination.
अनुयोग, अधिकार, परिच्छेद, प्रकरण इत्यादि सब एकार्थवाची है।

अधिकारिणी क्रिया – *Adhikāriṇī Kriyā.*
To take up hurtful weapon.
हिंसा के साधनों को ग्रहण करने की क्रिया, यह आस्रव में कारणभूत 25 क्रियाओं में 9 वीं क्रिया है।

अधिगत चारित्र – *Adhigata Cāritra.*
Conduct caused due to subsidence & destruction of *Karmas.*
उपशम व क्षायिकचारित्र को अधिगत चारित्र कहते हैं।

अधिगत चारित्रार्य – *Adhigata Cāritrārya.*
Human beings having purified and right conduct.
उपशम व क्षायिकचारित्र को प्राप्त जीव अधिगत चारित्रार्य कहलाते हैं।

अधिगम – *Adhigama.*
Acquisition of knowledge by external sources.
मौखिक उपदेशों को सुनकर या लिखित उपदेशों को पढ़कर पदार्थों के गुण दोष आदि का ज्ञान होना।

अधिगमज – *Adhigamaja.*
Right faith derived from teaching or other's preaching.
वह सम्यग्दर्शन जो परोपदेश के द्वारा होता है।

अधिरचना – *Adhiracanā.*
Superstructure.
ऊर्ध्व रचना।

अधिष्ठान – *Adhiṣṭhāna.*
Moulded basement of temple, Resting place for idol
वेदी, पदस्थान, निवास, नियंत्रण शक्ति, आवास स्थान आदि।

अधिसहन – *Adhisahana.*
Bearing pain with calmness.
धैर्यतापूर्वक तीव्र वेदना को सहन करना।

अधीश्वर – *Adhīśvara.*
An identity of king.
राजा का एक भेद, जो 500 राजाओं का स्वामी हो।

अधोऽधिगम – *Adhoadhigama.*
A type of substantive position
द्रव्य निक्षेप का एक भेद।

अधोगलन – *Adhogalana.*
Lower decay
नीच कर्म की तरफ प्रवृत्त होना।

अधोगुरुत्व – *Adhogurutva.*
Gravitational force.
गुरुत्व का एक भेद–जैसे पुद्गल अधोगुरुत्व धर्म वाले हैं, और जीव ऊर्ध्वगुरुत्व धर्म वाले।

अधोग्रैवेयक – *Adhograiveyaka.*
A high place above 16 heavens.
16 स्वर्ग के ऊपर 9 ग्रैवेयक में नीचे के तीन ग्रैवेयक। जहां अहमिंद्र ही पैदा होते हैं।

अधोगौरव धर्म – *Adhogaurava Dharma*
A characteristic of matter
पुद्गल का एक गुणधर्म।

अधोधिम – *Adhodhima*
Substances like neem, mango, blackberry etc
नीम, आम, जामुन इत्यादि अधोधिम क्रिया से सिद्ध हुए द्रव्य को अधोधिम कहते हैं। अधोधिम क्रिया का अर्थ सचित्त और अचित्त द्रव्यों की शोधन क्रिया है।

अधोमुख – *Adhomukha*
Name of the 9[th] *Narada* (sage)
नवम नारद। अपर नाम उन्मुख।

अधोलोक – *Adholoka*
Lower part of the universe, lower world
लोक का निचला भाग। यहाँ 7 राजु में सातों नरक स्थित हैं।

अधोलोक सिद्ध – *Adholoka Siddha.*
Those salvated from lower world
अधोलोक अर्थात् सम भूमि भाग के नीचे से मुक्त हुए जीव। जैसे लवण समुद्र आदि में उपसर्ग के निमित्त से गिराये गये मुनि को सिद्ध पद की प्राप्ति होने से वे अधोलोक सिद्ध कहलाते हैं।

अधोव्यतिक्रम – *Adhovyatikrama.*
Downward trangression
दिग्व्रत का एक अतिचार, अज्ञान व प्रमाद से कुंआ, बावड़ी आदि नीचे स्थानों में जाने हेतु की गई मर्यादा का उल्लंघन करना।

अध्ययन – *Adhyayana*
Self study, study of scripture etc
धार्मिक अथवा लौकिक शास्त्रों को ज्ञान, विनय आदि गुण सहित पढ़ना।

अध्ययनकुशल साधु – *Adhyayanakuśala Sādhu.*
Learned Jaina-saints.
जो मुनि स्वाध्याय कर दो कोस गमन करता है और जहां आहार मिले ऐसी वसतिका में जाकर ठहरता है।

अध्ययन क्रिया – *Adhyayana Kriyā.*
Reading of books with reverence & devotion
समर्पण, विनय आदि सहित शास्त्र पढ़ना।

अध्यवसान – *Adhyavasāna*
State of uncertainity of soul because of Ignorance
स्व और पर का ज्ञान न होने से जीव की निश्चिति न होना यह अध्यवसान है।

अध्यवसाय – *Adhyavasāya.*
Mental efforts, temperament, Volitions (causing

Karmic bondage).
अभिप्राय, परिणाम, भाव, कषाय सहित भाव, वे भाव जिनसे कर्मों में स्थिति व अनुभाग पड़ता है।

अध्यवसाय स्थान – *Adhyavasāya Sthāna*
Place obtained by the result of *Karmic* bondage
सब मूल प्रकृतियों के अपने-अपने उदय में जो परिणाम उत्पन्न होते हैं उनकी ही अपनी-अपनी स्थिति के बंध में कारण होने से 'स्थिति बंध अध्यवसाय स्थान' है

अध्यात्म – *Adhyātma.*
Spiritual conduct.
समस्त रागादि विकल्पों को छोड़कर अपनी निर्मल आत्मा में आचरण करना अध्यात्म है।

अध्यात्मकमलमार्तण्ड – *Adhyātmakamalamārtaṇḍa*
A book written by *Pandit* Rajmallaji.
पं. राजमलजी (वि. सं 1632-1650) द्वारा रचित संस्कृत छन्द बद्ध एक आध्यात्मिक ग्रंथ।

अध्यात्मतरंगिनी – *Adhyātmataramgini.*
A book in Sanskrit language written by *Acharya* Somdev.
आचार्य सोमदेव द्वारा 40 श्लोक प्रमाण रचित ग्रंथ।

अध्यात्मपदटीका – *Adhyātmapadaṭīkā.*
A book written by *Bhattarak* Shubhchandra
भट्टारक शुभचन्द्र (ई.1516-1556) द्वारा रचित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ।

अध्यात्मपद्धति – *Adhyātmapaddhati.*
Meditation—method of knowing supreme spirit
आत्मा के ही आश्रय का निरूपण करना।

अध्यात्मभाषा – *Adhyātmabhāṣā.*
Meditational imagination.
द्रव्यशक्तिरूप शुद्ध भाव की भावना का कथन करना।

अध्यात्मरति – *Adhyātmarati.*
One engrossed in self.
स्व आत्मा के अनुभव में रत जिसको अन्य द्रव्य की अपेक्षा नहीं लेनी पड़ती।

अध्यात्मरहस्य – *Adhyātmarahasya.*
Mystry of supreme spirit, A book written by *Pandit* Aashadharji.
आत्मिक पहचान जिस तरह हो उसे अध्यात्म रहस्य कहते हैं, पं आशाधर कृत एक संस्कृत ग्रंथ।

अध्यात्मशास्त्र – *Adhyātmaśāstra.*
Scripture on spiritual knowledge (concept).
जिस ग्रंथ में अभेद रत्नत्रय की मुख्यता से आत्मस्वरूप का व्याख्यान किया जाता है। ऐसे समयसार, नियमसार, समाधि शतक आदि ग्रंथ।

अध्यात्मसंदोह – *Adhyātmasaṁdoha.*
A book written by *Acharya* Yogendudeva.
आचार्य योगेन्दुदेव (ई.श 9 उत्तरार्ध) द्वारा विरचित अपभ्रंश दोहा बद्ध आध्यात्मिक ग्रंथ।

अध्यात्म सवैया – *Adhyātma Savaiyā*
A book written by *Pandit* Roopchand Pandey.
पं. रूपचन्द पाण्डे (ई.श 1600-1625) द्वारा अध्यात्म पर रचित एक ग्रन्थ।

अध्यात्मसार – *Adhyātmasāra.*
A book written on spiritual matters.
अध्यात्म विषयक एक ग्रंथ (ई.श 17)।

अध्यात्मस्थान – *Adhyātmasthāna.*
Natural meditational place-free from all illusions.
विशुद्ध आत्मतत्व को प्राप्त करने का स्थान

अध्यारोप – *Adhyāropa.*
Super imposition - false imagination.
निराधार या मिथ्या कल्पना।

अध्यास – *Adhyāsa*
Erroneous transposition of attributes.
स्वपर लक्षणों का भेदज्ञान न होना अर्थात् मिथ्यारोपण करना

अध्रुव – *Adhruva.*
Transient nature, A type of sensory knowledge.
क्षणभंगुर, मतिज्ञान का एक भेद – बिजली, दीपक की लौ आदि अध्रुव या अस्थिर वस्तु का ज्ञान।

अध्रुव अनुप्रेक्षा – *Adhruva Anuprekṣā.*
Reflection on transientness.
अनित्य भावना : संसार के भोग्य पदार्थ नाशवान हैं, स्थिर नहीं हैं बारबार ऐसा चिंतन करना।

अध्रुव अवग्रह – *Adhruva Avagraha.*
Transient apprehension; a type of sensory knowledge.
मतिज्ञान का एक भेद, पर्वत आदि स्थिर पदार्थों का दर्शन के अनन्तर ग्रहण होना।

अध्रुव कर्म प्रकृति – *Adhruva Karma Prakṛti.*
A type of *Karmic* nature of inconstant binding.
148 कर्म प्रकृतियों में 73 कर्मप्रकृति जिनका बंध निरंतर नहीं होता।

अध्रुवग्राही – *Adhruvagrāhī.*
Transient grasping.
देखें – अध्रुव अवग्रह।

अध्रुव बन्ध – *Adhruva Bandha.*
Transient, Non-eternal bond (reg. *Karma*).
जो बंध निरन्तर न हो, अंतर सहित हो।

अध्वगत – *Adhvagata.*
A type of renunciation.
प्रत्याख्यान का एक भेद।

अध्वर – *Adhvara.*
Synonym of *Pooja* (worshipping).
पूजा का एक पर्यायवाची नाम।

अध्वा – *Adhvā*

Pervasion of islands & oceans

द्वीप सागरों की एक दिशा का विस्तार, इसे दुगुना करने पर रज्जू का प्रमाण निकलता है ।

अध्वान – *Adhvāna.*

Spatial path.

आकाश, अंतरिक्ष, नक्षत्र आदि मार्ग ।

अनंगक्रीड़ा – *Anaṁgakrīḍā.*

Un-natural sex.

काम सेवन के योग्य अंगों को छोड़कर अन्य अंगों व अन्य रीति से काम क्रीड़ा करना अनंगक्रीड़ा है ।

अनंत – *Anaṁta.*

Infinite, Endless.

जिसका अंत न हो, एक प्रकार का अलौकिक माप ।

अनंत कथा – *Anaṁtakathā.*

A book written by '*Acharya* Padmanandi'

आचार्य पद्मनन्दि (ई.1280–1330) की संस्कृत छंद बद्ध रचना ।

अनंतकायिक – *Anaṁtakāyika.*

General plants, A category of plants (one sensed).

मूली आदि वनस्पति जिनमें अनंत जीव निवास करते हैं और सभी की जन्म, मरण, आहार, श्वासोच्छ्वास आदि क्रियायें एक साथ होती हैं ।

अनंतकाल – *Anaṁtakāla.*

Infinite time.

काल जिसका आदि और अंत न हो ।

अनंतकीर्ति – *Anaṁtakīrti.*

Name of some *Acharyas.*

कुछ आचार्यों का नाम (1) प्रमाणनिर्णय के कर्ता (ई. श. 8), (2) यशःकीर्ति के दादागुरू व ललितकीर्ति (ई. 1189) के गुरू आदि ।

अनंत गणनांक – *Anaṁta Gaṇanāṁka.*

Infinite cardinals.

गणना के जो अनंत अंक हैं। ये अलौकिक गणित से संबंधित है।

अनंतगुणवृद्धि – *Anaṁtaguṇavṛddhi.*

Infinite fold increase.

किसी संख्या में अनंत का गुणा करने पर जो आये उतना किसी में जोड़ देना ।

अनंतज्ञान – *Anaṁtajñāna.*

Infinite spritual knowledge.

केवल ज्ञान जो सर्व लोकालोक के पदार्थों को एक साथ जान लेता है ।

अनंतचतुर्दशी व्रत – *Anaṁtacaturdaśī Vrata.*

A vow (fasting).

अनंतचतुर्दशी का व्रत जो 14 वर्ष तक भाद्रपद सुदी 14 को किया जाता है ।

अनंतचतुष्टय – *Anaṁtacatuṣṭaya*

Four-excellences of Jaina Lord (Infinite conation-knowledge, bliss & power).

अनंतदर्शन, अनंतज्ञान, अनंतसुख और अनंतवीर्य ये 4 मुख्य गुण केवली अर्हंत परमात्मा के प्रकट होते हैं ।

अनंतजीव – *Anaṁtajīva.*

Infinite *Nigod* beings are called *Anantjiva*

सूक्ष्मनिगोद राशि को अनंतजीव राशि कहते हैं ।

अनंत द्रव्य – *Anaṁta Dravya.*

Infinite substances found in universe.

लोकाकाश में पाये जाने वाले समस्त द्रव्य । ये कथन नागार्जुन आदि की अपेक्षा संभव है ।

अनंत धर्म – *Anaṁta Dharma*

Infinite diversity or manifoldness of nature (of any matter).

जीव द्रव्य या किसी भी वस्तु में पाये जाने वाले अनंत गुण अनंत धर्म कहलाते हैं, जो वचन गोचर नहीं किंतु ज्ञानगम्य होते हैं ।

अनंतधर्मत्व शक्ति – *Anaṁtadharmatva Śakti*

Infinite power of righteousness.

परस्पर भिन्न लक्षणस्वरूप जो अनंतस्वभाव उनसे मिला हुआ जो एक भाव जिसका लक्षण है ऐसी सत्तामयी अनंतधर्मत्व शक्ति है ।

अनंतनाथ – *Anaṁtanātha.*

The 14th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of present era.

वर्तमान काल के चौदहवें तीर्थंकर का नाम । आप महाराजा सिंहसेन एवं महारानी जयश्यामा के पुत्र थे । आपका जन्म ज्येष्ठ कृष्ण 12 एवं मोक्ष चैत्र कृष्ण अमावस को हुआ । आपका वर्ण-क्षत्रिय, वंश-इक्ष्वाकु, देहवर्ण-तप्त स्वर्ण सदृश, चिन्ह-सेही एवं आयु 30 लाख वर्ष थी । आपकी जन्मभूमि अयोध्या (उ.प्र.) है ।

अनंतनाथपुराण – *Anaṁtanāthapurāṇa.*

A religious book written by 'Shri Jannacharya ji'.

श्री जन्नाचार्य की एक रचना । (समय– ई. स.1209) ।

अनंतपर्यायमगत्व – *Anaṁtaparyāyamagatva.*

To involve in infinite modes.

द्रव्य का एक गुण जिसके द्वारा द्रव्य में अनंत पर्यायरूप परिणमन होता है ।

अनंतबल मुनि – *Anaṁtabala Muni.*

Name of an ancient Jaina saint.

मेरु की वंदना करके लौटते समय मार्ग में जिनसे रावण ने परस्त्री त्याग का व्रत ग्रहण किया था । इन्हें अनंतवीर्य भी कहते हैं ।

अनंतभाग – *Anaṁtabhāga.*

Infinite division.

किसी संख्या में अनंत का भाग देने पर जो राशि आवे वह अनंत भाग है ।

अनंतमती – *Anaṁtamatī.*

Female presiding deity of Lord Dharmnath, The

name of a spinster
भगवान धर्मनाथ की शासन देवी, एक कुंवारी कन्या जो सम्यग्दर्शन के लिए कारित अंग से प्रसिद्ध हुई।

अनंतरक्षेत्रस्पर्श – *Anantarakṣetrasparśa*
The substance which touches infinite matter.
एक आकाश प्रदेश में स्थित अनन्तानन्त पुद्गल स्कन्धों का संयोग सम्बन्ध द्वारा जो स्पर्श होता है वह क्षेत्र स्पर्श, एवं जो द्रव्य अनंतर द्रव्य के साथ स्पर्श करता है वह अनंतर क्षेत्र स्पर्श कहलाता है।

अनंतर गति सिद्ध – *Anantara Gati Siddha.*
Those who got salvation through human destinity (*Gati*)
जो केवल मनुष्य गति से ही सिद्ध (मुक्त) होते हैं अन्य गति से नहीं।

अनंतरथ – *Anantaratha.*
The son of the king Anaranya and the elder brother of Dasharatha.
राजा अनरण्य के पुत्र तथा दशरथ के बड़े भाई, दीक्षा के बाद जिनका नाम अनंतवीर्य हुआ।

अनंतर बंध – *Anantara Bandha.*
A type of *Karmic* bondage.
कार्माण वर्गणा स्वरूप से स्थित पुद्गल स्कंधों का मिथ्यात्वादिक प्रत्ययों के द्वारा कर्म स्वरूप से परिणत होने के प्रथम समय में जो बंध होता है।

अनंतरोपनिधा – *Anantaropanidhā.*
A place of examination of comparability (*Alpabahutva*).
जहां पर निरंतर अल्पबहुत्व की परीक्षा की जाती है यह अनंतरोपनिधा कही जाती है।

अनंतवर्मन – *Anantavarmana.*
A king of *Gang* dynasty of Odissa.
गंगवंशी राजा, जो उड़ीसा में राज्य करता था।

अनंतविजय – *Anantavijaya.*
The son of '*Bhagvan* Rishabhadev' (Jaina-Lord).
भगवान ऋषभदेव के पुत्र तथा भरतचक्रवर्ती के छोटे भाई।

अनंतवीर्य – *Anantavirya.*
Name of the 8th *Tirthankar* of *Videh kshetra* (region) and the 24th *Tirthankar* of past era and the first salvated soul of present era.
विदेह क्षेत्र के 8 वें एवं भूतकालीन 24 वें तीर्थंकर एवं भगवान ऋषभदेव के पुत्र जो इस युग में सर्वप्रथम मोक्ष गये।

अनंतवीर्य – *Anantavirya.*
Infinite power of knowing omniscience.
सिद्धों का एक गुण – केवलज्ञान के विषय में अनंत पदार्थों को जानने की शक्ति।

अनंतवीर्य – *Anantavirya.*
A disciple of *Pandit* Gonsen, Name of an *Acharya* of *Dravid* group.
गोणसेन पण्डित के शिष्य जिन्होंने सिद्धिविनिश्चय टीका ग्रन्थ की रचना की, द्रविड़ संघी आचार्य जिन्होंने जम्बूद्वीप पण्णत्ति ग्रंथ लिखा (ई.स. 975-1025)।

अनंतव्रत कथा – *Anantavrata Kathā.*
A religious book written by 'Padmanandji'.
पद्मनन्दिजी (ई. सन् 1328-1393) द्वारा रचित एक ग्रन्थ।

अनंतशक्ति – *Anantaśakti.*
Infinite power existed in all substances.
प्रत्येक द्रव्य में विद्यमान अनंतवीर्य।

अनंतसुख – *Anantasukha.*
Infinite bliss of omniscient.
केवलज्ञानी को प्राप्त हुआ सुख।

अनंता – *Ananta.*
Name of a chief *Aryika* in the assembly of Lord Sumatinath
तीर्थंकर सुमतिनाथ के समवसरण की मुख्य आर्यिकाओं में से एक।

अनंताणु वर्गणा – *Anantāṇu Vargaṇā.*
A type of aggregate of *Karmic* molecules.
अभव्यों से अनंतगुणे और सिद्धों से अनंतवें भाग प्रमाण से गुणित प्रदेशों वाली वर्गणा। 23 वर्गणाओं में से एक भेद।

अनंतानंत – *Anantānanta.*
Infinite times of infinite.
अनंत में अनंत का गुणा करने पर प्राप्त राशि।

अनंतानंत प्रदेशी वर्गणा – *Anantānanta Pradeśī Vargaṇā.*
A type of aggregate grouping of *Karmic* molecules.
एक परमाणु रूप वर्गणा से लेकर एक-एक परमाणु की वृद्धि करते हुए एक प्रदेशी वर्गणा से लेकर अनंतानंत क्रम पर आने वाली वर्गणा।

अनंतानुबंधी – *Anantānubandhī.*
A type of possessing passion leading to endless mundane existence.
अनंत संसार का कारण होने से मिथ्यादर्शन अनंत कहलाता है तथा जो कषाय उसके अनुबंधी हैं, वे अनंतानुबंधी क्रोध, मान, माया, लोभ हैं।

अनंतानुबंधी प्रकृति – *Anantānubandhī Prakṛti.*
Karmic nature of *Anantanubandhi.*
जिसके उदय से जीव का अनंत संसार से बन्ध होता है अथवा कषाय से अनुबंधित होना; अनंत संसार के कारण क्रोध, मान, माया, लोभ कषाय; जो सम्यग्दर्शन का घात करे।

अनंतानुबंधी चतुष्क – *Anantānubandhī Catuṣka.*
The four passions leading to endless mundane existence.
क्रोध, मान, माया, लोभ को अनंतानुबंधी चतुष्क कहते हैं।

अनंतावधि जिन – *Anantāvadhi Jina.*
The omniscient Lord (immortal one i.e. free from birth death cycle).

अंत और अवधि से रहित केवली भगवान।

अनंतावधि ज्ञान – *Anantāvadhi Jñāna.*
Knowledge of eternal substances
ऐसे पुद्गल द्रव्य का ज्ञान जिसका अंत और अवधि नहीं होते।

अनंश – *Anaṁśa.*
Indivisible, Without having the right of heir.
अखंड, जिसका पैतृक सम्पत्ति पर कोई अधिकार न हो।

अनक्षर वचन – *Anakṣara Vacana.*
Conducting mute dialogues of gestures.
चुटकी बजाना, अंगुली आदि के इशारे से दूसरों को अपने अभिमुख करना।

अनक्षरात्मक भाषा – *Anakṣarātmaka Bhāṣā.*
Language having mute dialogues of gestures, cries of animals etc.
द्वीन्द्रिय से लेकर असंज्ञी जीवों, पंचेन्द्रिय संज्ञी, मूक जीवों एवं बालक की भाषा।

अनक्षरात्मक श्रुतज्ञान – *Anakṣarātmaka Śrutajñāna.*
Mute knowledge gained by touching etc
जो श्रुतज्ञान अक्षरों के द्वारा न हो, जैसे शीत आदि के स्पर्श से इष्ट-अनिष्ट का ज्ञान होना।

अनगार – *Anagāra.*
Jaina - saint (homeless ascetic).
घर - गृहस्थी के ममत्व से रहित निष्परिग्रही साधु।

अनगार धर्म – *Anagāra Dharma.*
Conduct and discipline of Jaina - saints.
अट्ठाईस मूलगुणों से युक्त मुनिचर्या।

अनघ – *Anagha.*
Sinless, pious.
पाप रहित।

अनगार धर्मामृत – *Anagāra Dharmāmṛta.*
A religious treatise written by '*Pandit* Ashadharji'.
मुनिधर्म पर पं. आशाधर (ई. स. 1173 – 1243) द्वारा रचित शास्त्र।

अनतिवृत्ति – *Anativṛtti.*
Non-transgression, Non-violation.
उल्लंघन से रहित (शास्त्रानुकूल) वृत्ति।

अनधिगत चारित्र – *Anadhigata Cāritra.*
Pious conduct originated by preachings.
चारित्र मोह का क्षयोपशम होने पर बाह्य उपदेश के निमित्त से विरति परिणाम को प्राप्त करना।

अनधिगत चारित्रार्य – *Anadhigata Cāritrārya.*
Those (*Aryas*) having *Anadhigata Charitra.*
जो अन्दर में चारित्रमोह का क्षयोपशम होने पर बाह्य उपदेश के निमित्त से विरति परिणाम को प्राप्त हुए हों।

अनध्यवसाय – *Anadhyavasāya.*
Non-effort, Indecision or uncertaintity.
सम्यग्दर्शन का बाधक एक दोष, निश्चय करने के लिये अनुत्साह, आलस्य का होना।

अननुगामी – *Ananugāmī.*
A type of clairvoyance
अवधिज्ञान का एक भेद। जो अवधिज्ञान जीव के साथ अन्य क्षेत्र या अन्य भव में नहीं जाता।

अननुभाषण – *Ananubhāṣaṇa.*
A type of blame point (*nigrah sthan*)
निग्रह स्थान का भेद – वादी के तीन बार कहे और सभासद के जाने अर्थ को सुनकर प्रतिवादी कुछ न कहे तो वह अननुभाषण नामक निग्रह स्थान है।

अनन्तगुणहानि – *Anantaguṇahāni.*
Mode of infinite time decrease
अगुरुलघु गुण की 6 हानिरूप पर्यायों में एक पर्याय।

अनन्तज्ञान – *Anantajñāna.*
Infinite knowledge (omniscience)
केवलज्ञान।

अनन्त धर्मात्मकत्व – *Ananta Dharmātmakatva.*
Matter having infinite modification
द्रव्य; जिसमें अनेक गुण एवं पर्याय पायी जाती है।

अनन्तभाग वृद्धि – *Anantabhāga Vṛddhi.*
Mode of infinite part increase
अगुरुलघुगुण के अविभाग प्रतिच्छेदों की 6 वृद्धि रूप प्रतिसमय परिणमन होने वाली अर्थ पर्यायों में एक पर्याय।

अनन्तभाग हानि – *Anantabhāga Hāni.*
Mode of infinite part decrease.
अगुरुलघुगुण की स्वभाव अर्थपर्यायों में छः हानिरूप पर्यायों में एक पर्याय।

अनन्तरागम – *Anantarāgama.*
Supernatural scripture; transcendental resonant speech of *Tirthankars* (Jaina-Lords).
तीर्थंकरों के मुख से निकली दिव्य ध्वनि (वाणी)।

अनन्त वर्ग – *Ananta Varga.*
Infinite multiplied by infinite.
अनन्त का अनन्त में गुणा।

अनन्त विज्ञान – *Ananta Vijñāna.*
Supreme knowledge
केवलज्ञान।

अनन्त वियोजक – *Ananta Viyojaka.*
Infinitely dissociative
जो अनंतगुणा खंडित हो जाय।

अनन्त सम्यक्त्व – *Ananta Samyaktva.*
Infinite serenity (righteousness).
क्षायिक सम्यक्त्व; नौ लब्धियों में एक लब्धि।

अनन्तानुबन्धी कषाय – *Anantānubandhī Kaṣāya.*
Intense passion causing binding with worldly affairs infinitely

अनन्तसंसार के भ्रमण का अनुबंध कराने वाली कषाय ।

अनन्तानुबन्धी वियोजक – *Anantānubandhi Viyojaka.*

Separator of the passions causing to infinite births.

अनन्तानुबंधी कषाय का विसंयोजन (सक्रमण) करने वाला ।

अनन्य – *Ananya.*

Unique, Entire devotion

अभिन्न – जीव का स्वभाव ज्ञान और दर्शन ।

अनन्य परिणाम – *Ananya Parināma.*

Inalienable modes

अभिन्न परिणाम , शुद्धस्वरूप आत्मा का ज्ञान दर्शन रूप परिणाम।

अनन्यमय – *Ananyamaya*

Entire devotion

जिसके कारण जीव स्वभाव में ज्ञान दर्शन है, चैतन्य है ।

अनपवर्धक – *Anapavardhaka.*

Eternal

अजर – अमर ।

अनपवर्ति आयुष्क – *Anapavarti Āyuṣka.*

Those possessing prolonged life.

वे देव, नारकी, मोक्ष जाने वाले जीव आदि जिनकी आयु नहीं घटती अर्थात् अकाल मरण नहीं होता ।

अनपवर्त्यायुष – *Anapavartyāyuṣa.*

See - *Anapavarti Āyuṣka.*

देखें - अनपवर्ति आयुष्क ।

अनपायी – *Anapāyī*

Unadulterous persons.

अव्यभिचारी ।

अनपेक्ष – *Anapekṣa.*

Disregarding

स्वतंत्र, दूसरे की अपेक्षा न रखने वाला, निरपेक्ष ।

अनभिगत चारित्र – *Anabhigata Cāritra.*

Self conduct, not gained by others' preaching

जो चारित्र दूसरे के उपदेश के बिना प्राप्त हो ।

अनभिज्ञ – *Anabhijña.*

Unaware, Ignorant.

अव्युत्पन्न अर्थात् वस्तुस्वरूप का ज्ञान न होना ।

अनभिग्रहिक – *Anabhigrahika.*

Indiscriminate.

जिसकी विवेचना न की जा सके ।

अनभिग्रहीत – *Anabhigrahīta.*

Non - accepted.

दूसरे के उपदेश के बिना ही जो अश्रद्धान मिथ्यात्व कर्म के उदय से होता है ।

अनभिग्रहीत मिथ्यात्व – *Anabhigrahīta Mithyātva.*

See - *Anabhigrahīta.*

देखें – अनभिग्रहीत ।

अनभिलाप्य – *Anabhilāpya*

Speechless, Unutterable, Inexpressible.

ऐसे जीवादि पदार्थ जो केवलज्ञान गम्य हैं, वचनगम्य नहीं हैं ।

अनभिव्यक्त – *Anabhivyakta.*

Implicit, Inexpressed

जो व्यक्त न हो ।

अनभिव्यक्ति – *Anabhivyakti.*

Non - manifestation.

वस्तु के स्वरूप को प्रगट न करना ।

अनभिसंधिज – *Anabhisandhija.*

Being without bond, Involuntary.

अनुबंध रहित, अनिच्छितार्थ ।

अनभ्यावृत्ति – *Anabhyāvṛtti.*

Lack of repetition

पुनरुक्ति का अभाव ।

अनयंकरा भाषा – *Anayamkarā Bhāṣā.*

Vulgar language.

शील खण्डन करनेवाली, विद्वेष करनेवाली भाषा ।

अनय – *Anaya.*

Name of a planet, Misfortune, Injustice.

88 ग्रहो में 41 वें ग्रह का नाम, दुर्भाग्य, अन्याय ।

अनरण्य – *Anaraṇya.*

A king of *Raghu* dynasty.

रघु वंश का एक राजा, दशरथ के पिता ।

अनर्थक पदत्व – *Anarthaka Padatva.*

Improper representation of scriptures

आगम में जिस प्रकार से वस्तु व्यवस्था है उसी प्रकार से प्ररूपण न होना ।

अनर्थ दंड – *Anartha Daṇḍa*

Purposeless sinful activities.

मन वचन काय से होने वाली ऐसी क्रिया जो उपकारी न होकर मात्र पाप का अर्जन कराती है ।

अनर्थसंतति – *Anarthasantati.*

Lineage on the wrong path

मिथ्यात्व, पाप को बढ़ाने वाली परंपरा (राग, द्वेष, मोह इत्यादि)।

अनर्द्धि प्राप्तार्य – *Anarddhi Prāptārya.*

Arya, without any supernatural power.

ऋद्धि रहित आर्य ।

अनर्पण – *Anarpaṇa.*

Viewed from other standpoint, Devotionless.

समर्पण रहित ।

अनर्पित – *Anarpita.*

Something, not having prominece from one point of view.

प्रयोजन के अभाव में जिसकी प्रधानता नहीं रहती ।

अनल – *Anala.*

fire

अग्नि

अनलकायिक – *Analakāyika.*
Firebodied beings (one sensed)
अग्नि ही जिसका शरीर है, ऐसे अग्निकायिक जीव ।

अनवधि – *Anavadhi.*
Unlimited, infinite.
अवधि रहित, असीमित (अनंत काल, अनन्त सुख) ।

अनवधृत – *Anavadhṛta*
Giving up of irregularity of food
अनियमित, अमर्यादित भोजन त्याग करना ।

अनवधृत अनशन – *Anavadhṛta Anaśana*
Austerity related to fasting of desirable things, without the wish of future enjoyments.
निराकांक्ष अनशन तप; आगामी भोगों की आकांक्षा से रहित होकर अनशन तप करना ।

अनवधृत काल अनशन – *Anavadhṛta Kāla Anaśana.*
Fasting upto death time
शरीर छूटने तक उपवास धारण करना ।

अनवसर्पिणी सिद्ध – *Anavasarpiṇī Siddha.*
Those salvated from *Videh Kshetra* (a region)
विदेहक्षेत्र से सिद्ध, क्योंकि यहां अवसर्पिणी-उत्सर्पिणी आदि काल का विभाजन नहीं है ।

अनवस्था – *Anavasthā.*
A fault which is always followed.
वह दोष जिसका सदैव एक-दूसरे द्वारा अनुसरण होता रहे ।

अनवस्थाप्य – *Anavasthāpya.*
A type of repentance.
परिहार प्रायश्चित्त का एक भेद ।

अनवस्थित – *Anavasthita.*
A type of clairvoyance (*Avadhigyān*).
अवधिज्ञान का एक भेद। जो सम्यग्दर्शनादि गुणों के बढ़ने व घटने से बढ़े घटे या एक सा न रहे ।

अनशन – *Anaśana.*
Fasting
उपवास-आत्मिक बल की वृद्धि के लिए भोजन आदि का त्याग करना ।

अनस्तमी व्रत – *Anastamī Vrata.*
A type of vow.
प्रतिदिन सूर्योदय से 48 मिनिट बाद तथा सूर्यास्त से 48 मिनिट पहले भोजन करना तथा शेष समय में चारों प्रकार के आहार का त्याग ।

अनाकांक्ष – *Anākāṅkṣa.*
Mortification - freeness from worldly desires
इन्द्रियों के भोगों की इच्छा के बिना केवल मोक्ष की इच्छा से तप आदि अनुष्ठान करना ।

अनाकांक्ष क्रिया – *Anākāṅkṣa Kriyā.*
To disobey the prescribed Jaina discipline
श्रावक की 25 क्रियाओं में से एक क्रिया - आलस्य से आगम में कही हुई विधि का अनादर करना

अनाकार – *Anākāra*
Indeterminate, formless, A type of renunciation
निराकार – दर्शन उपयोग, सार्थक प्रत्याख्यान के 10 भेदों में से एक भेद।

अनाकार उपयोग – *Anākāra Upayoga.*
The indefinite conscious attentiveness
दर्शन उपयोग ।

अनागत – *Anāgata.*
Future time.
भविष्य काल, जो काल आने वाला है ।

अनागत प्रत्याख्यान – *Anāgata Pratyākhyāna.*
Renunciation for future
आगामी काल के लिए त्याग करना ।

अनागतावीक्षण – *Anāgatāvīkṣaṇa*
Anticipation.
भविष्य की अपेक्षा ।

अनागाढ – *Anāgāḍha*
Chronic.
पुराना, दीर्घ, स्थायी, रुका हुआ ।

अनाचरणीय – *Anācaraṇīya*
That which is prohibited or forbidden.
जो आचरण करने के योग्य न हो ।

अनाचार – *Anācāra.*
Misconduct, complete violation of observing vows
विषयों में अत्यन्त आसक्ति वश किसी व्रत को ग्रहण ही नहीं करना या किसी कारण से लिये हुए व्रतों को पूरी तरह छोड़ देना ।

अनात्मता – *Anātmatā.*
Selflessness, Deprived of soul
आत्मा से रहित ।

अनात्मभूत – *Anātmabhūta*
Non-self alienable, Non-integral
जो लक्षण वस्तु के स्वरूप में मिला हुआ न हो अर्थात् उससे पृथक् हो ।

अनात्मवाद – *Anātmavāda.*
Doctrine of not believing soul (self-deception)
आत्मवाद को न मानने वाला एक मिथ्या मत ।

अनाथ – *Anātha.*
Orphan, those having no parents or guardian
जिसके माता पिता आदि कोई संरक्षण करने वाला न हो ।

अनादर – *Anādara.*
Disrespect, A peripatetic deity of *Jambudvip* (island)

आदर न करना, बेइज्जत करना, जंबूद्वीप का अधिपति व्यंतर देव।

अनादि – *Anādi.*
Beginning - less
जिसका आदि न हो।

अनादि काल – *Anādi Kāla.*
Beginningless period.
जिस काल का कभी प्रारम्भ ही न हुआ हो।

अनादिनय – *Anādinaya.*
A standpoint which accepts existence of beginningless things.
एक पर्यायार्थिक नय– जो अतीतकाल की सत्ता अर्थात् समस्त भरत क्षेत्र, पर्वत, सरोवर, चन्द्र, सूर्य, नरक, स्वर्ग, मोक्ष आदि को स्वीकारता हो।

अनादिनिधन – *Anādinidhana.*
Which has neither beginning nor end
जिसकी न शुरूआत है और न ही अंत

अनादिबंध – *Anādibandha*
Beginningless binding of *Karmas*
जो कर्मबंध अनादि काल से चला आ रहा हो

अनादिबंधक – *Anādibandhaka.*
One with beginningless binding of *Karmas.*
अनादिकाल से जिसके बंध चला आ रहा है, कभी रुका नहीं हो।

अनादिबंधी प्रकृति – *Anādibandhī Prakṛti.*
Karmic nature of beginningless bindings
ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय, नाम, गोत्र, अन्तराय ये 6 कर्म प्रकृतियां।

अनादिमिथ्यादृष्टि – *Anādi Mithyādṛṣṭi*
One possessing beginningless wrong faith.
जो अनादिकाल से संसार में मिथ्यात्व सहित भ्रमण कर रहा हो।

अनादि सांत – *Anādi Sānta.*
Beginningless but with end
जो अनादि से चला आ रहा हो परन्तु उसका अंत हो जाये।

अनादृत – *Anādṛta.*
An infraction in paying reverence, Name of a peripatetic deity of *Jambuvrikah* (a tree).
वंदना के 32 अतिचारों में एक–वंदना में तत्परता या आदर का अभाव, जम्बूवृक्ष का व्यंतर देव।

अनादेय – *Anādeya.*
A *karmic* nature causing non-impressive & lustreless body.
नामकर्म की 93 प्रकृतियों में एक प्रकृति, जिसके उदय से प्रभारहित निस्तेज शरीर हो।

अनापन्न – *Anāpanna*
Not guilty.
दोष रहित।

अनाभोग – *Anābhoga*
An activity - sitting on uncleaned (unbroomed) place. To commit wrongful activities secretly
श्रावक की 25 क्रियाओं में से एक क्रिया, बिना देखी, बिना साफ की हुई जमीन पर उठना बैठना। लज्जादि के वश में लोगों से छिपाकर दोषादि करना भी अनाभोग कहलाता है (प्रतिक्रमण ग्रंथत्रयी से)।

अनायतन – *Anāyatana*
Perversity, Wrong perception, Non - receptacles.
जो धर्म के स्थान न हों, कुदेव, कुगुरु, कुधर्म व इनके सेवक ये 6 अनायतन हैं।

अनारंभ – *Anārambha*
Freedom from sinful actions.
आरम्भ रहित अवस्था, शुद्धात्म द्रव्य में स्थित होने के कारण योग के व्यापार से निवृत्त हो जाना।

अनार्य – *Anārya.*
Who is not virtuous person
जो गुणवान सज्जन न हो।

अनार्ष यज्ञ – *Anārṣa Yajña.*
Violenceful sacrificial rite.
यज्ञ का एक भेद। जो हिंसा से सहित होता है।

अनालब्ध – *Anālabdha.*
An infraction in paying reverence, to pay reverence with some expectation.
वंदना के 32 अतिचारों में एक – उपकरणादि की आशा से वंदना करना।

अनालोच्य वचन – *Anālocya Vacana.*
A type of untrue speech (disclosing others' wrong conduct)
असत्य का एक भेद– विपरीत सत् पदार्थ का प्रतिपादन करने वाला वचन।

अनावृत – *Anāvṛta.*
A peripatetic deity of *Jambu* island.
जम्बूद्वीप का रक्षक व्यंतर देव।

अनावृष्टि – *Anāvṛṣṭi.*
Drought.
वर्षा की कमी होना।

अनासक्ति – *Anāsakti.*
Non-attachment.
आसक्ति अर्थात् अनुरक्ति से रहित होना।

अनासाद – *Anāsāda.*
Unobstructive
बाधा रहित।

अनास्रव – *Anāsrava.*
Non-influx.
कर्मों का आस्रव न होना।

अनास्रव योग – *Anāsrava Yoga.*
Yoga not accompanied by *karmic* flow
कर्म आस्रव से रहित योग की क्रिया।

अनास्वाद्य – *Anāsvādya*
Not tastable
स्वाद रहित पदार्थ।

अनाहत चक्र – *Anāhata Cakra*
A cycle of paradoxical 'unstruct sound' achieved in meditation
जिसमें 'ह्रीं' के ध्यान से इस लोक में सिद्धि, ऋद्धि, ऐश्वर्य आदि प्राप्त होता है तथा संसार का नाश होता है।

अनाहार – *Anāhāra.*
Not having eaten, fasting
आहार का त्याग, उपवास।

अनाहारक – *Anāhāraka.*
One who observes abandonment related to *Karmic* intake
जीव का औदारिक, वैक्रियिक, आहारक इन तीन शरीर व आहारादि 6 पर्याप्तियों के योग्य वर्गणाओं को ग्रहण न करना।

अनिंदित – *Anindita.*
Blameless one, A type of peripatetic deity (*Kinnar*).
निंदा से रहित, व्यंतर देवों में किन्नर जाति के देवों का एक भेद।

अनिंद्रिय – *Anindriya*
Internal sense (mind)
जिसके इन्द्रियां नहीं पायी जाती, जैसे–मन।

अनिंद्रिय जीव – *Anindriya Jīva*
Salvated soul.
शरीर रहित सिद्ध, इनका ज्ञान व सुख अनिन्द्रिय अर्थात् केवल आत्मा से उत्पन्न हुआ है

अनिःसरणात्मक तैजस शरीर – *Aniḥsaraṇātmaka Taijasa Śarīra.*
A luminous body.
औदारिक, वैक्रियिक और आहारक शरीर में रौनक लाने वाला।

अनिःसृत – *Aniḥsṛta*
A type of sensory knowledge
मतिज्ञान का एक भेद। वस्तु के एक भाग को देखकर पूरी वस्तु को जान लेना अनिःसृत ज्ञान है।

अनिकाचितकरण – *Anikācitakaraṇa.*
Karmas influenced in 4 special stages (viz premature operation etc.).
उदीरणा, उत्कर्षण, अपकर्षण, संक्रमण चारों ही अवस्थाओं को प्राप्त कर्म।

अनिकेत – *Aniketa.*
A homeless Jain ascetic
साधु : गृहहीन, जिसका कोई नियत निवासस्थान न हो।

अनित्थं – *Anittham*
Irregular configuration
जिसके आकार के सदृश कुछ कहा नहीं जा सकता हो। जैसे–मेघ आदि।

अनित्थं संस्थान – *Anittham Saṁsthāna.*
Irregular association
संस्थान के दो भेदों में एक भेद। अनेक प्रकार के आकार जो बनते बिगड़ते रहते हैं।

अनित्य – *Anitya.*
Impermanent, Transient
क्षणभंगुर, विनाशीक।

अनित्य अव्यक्तव्य – *Anitya Avyaktavya*
Transient-cum-indescribable
क्षणिक जो कहने में न आवे।

अनित्य तादात्म्य – *Anitya Tādātmya*
Non-eternal identity
नश्वर शरीर का आत्मा के साथ एकत्वरूप संबंध होना।

अनित्यत्व – *Anityatva.*
Impermanence, transient existence
क्षणभंगुरता। जैसे–पर्याय अनित्य है।

अनित्य नय – *Anitya Naya*
A standpoint–to know transient situation of matter
47 नयों में से एक नय, आत्मद्रव्य अनित्य नय से राम–रावण की भांति अनवस्थायी है।

अनित्य निगोद – *Anitya Nigoda*
Impermanent *Nigod* life
इतर निगोद उन जीवों की राशि जो चतुर्गति में परिभ्रमण करते हुये निगोद में आते जाते रहते हैं।

अनित्यवाद – *Anityavāda*
Non-eternalism
एक स्वतंत्र वाद, एकांत से वस्तु को क्षणभंगुर मानने वाला मत।

अनित्य समा जाति – *Anitya Samā Jāti*
Parity as per non - eternality
साधर्म्य मात्र से तुल्य धर्म सहितपना सिद्ध हो जाने से सभी पदार्थों में अनित्यत्व का प्रसंग उठाना अनित्य समाजाति है।

अनिदान – *Anidāna.*
Bond-free, Desire free
आगामी भव में भोग आदि की आकांक्षा का न होना।

अनिन्द्रिय निबन्धन – *Anindriya Nibandhana.*
Mental control; controlling of sense organs.
मन पर नियंत्रण करना।

अनिह्नव – *Anihnava.*
Not to keep secret of the source of knowledge
जिस गुरु या शास्त्र से ज्ञान प्राप्त किया है उसका नाम नहीं छिपाना।

अनिबद्ध मंगल – *Anibaddha Maṁgala.*
To pay reverence to the Lord while beginning any auspicious literary job by a writer
ग्रन्थों को लिखने या वाचना प्रारंभ करते समय ग्रंथकर्ता के द्वारा जो देवतानमस्कार स्वयं रचा जाता है वह अनिबद्ध मंगल है।

अनियत – *Aniyata.*
Unrestricted. Indefinite movement.
जो नियत नहीं है, अर्थात् गतिशील है।

अनियत गामी – *Aniyata Gāmī.*
See - *Aniyata Cārī.*
देखें - अनियत चारी।

अनियत चारी – *Aniyata Cārī*
Saints having no certain schedule about walking around.
जिनको रहने का कोई निश्चित स्थान न हो तथा जो सतत विहार करते रहते हैं ऐसे जैन साधु।

अनियतवास – *Aniyatavāsa.*
See - *Aniketa*
देखें - अनिकेत।

अनियत विपाक – *Aniyata Vipāka.*
Uncertain fruition of *Karmas*
कर्मों का अनिश्चित समय पर उदय में आना।

अनियतवृत्ति – *Aniyatavṛtti.*
Restrictionless activities.
प्रतिबंधन से रहित कार्य-क्रियाएं।

अनिरुद्ध – *Aniruddha.*
Unobstructed, Grandson of Shri Krishna.
बाधा रहित, श्री कृष्ण का पोता व प्रद्युम्न का पुत्र।

अनिर्वचनीय – *Anirvacanīya.*
Inexpressible in words
अवक्तव्य, जिसका वचनों से कथन न हो सके।

अनिल – *Anila.*
Wind, A presiding deity of a lunar *'Swati'*, A king of *Rakshas* dynasty.
वायु, स्वाति नक्षत्र का अधिपति देवता, राक्षसवंश का एक राजा।

अनिवर्तकनाथ – *Anivartakanātha.*
The 20th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of future time.
भरतक्षेत्र के भविष्यकाल के 20वें तीर्थंकर।

अनिवर्तिन – *Anivartin.*
Unaccomplishment
अनिष्पन्नता।

अनिवार्यसत्ता – *Anivāryasattā.*
Inevitable existence.
अनिवार्य शासन का होना।

अनिवृत्तिकरण – *Anivṛttikaraṇa.*
Progressive results of all beings in the 9th advance spiritual stage of development (*Gunsthan*).
9 वां गुणस्थान, जिसमें सभी जीवों के परिणाम समानरूप से वृद्धि को प्राप्त होते हैं।

अनिश्रित – *Aniśrita.*
The object partly hidden and partly seen.
पदार्थ जो आंशिक गौण व आंशिक दृश्यमान हो।

अनिष्ट – *Aniṣṭa.*
Undesirable.
अप्रिय, अवांछित, मन को संताप देने वाला।

अनिष्टकारक – *Aniṣṭakāraka.*
Harmful
जो अनिष्ट कार्य में कारण हो, अभक्ष्य आदि।

अनिष्ट निवृत्ति – *Aniṣṭa Nivṛtti.*
Separation from undesirable (sins etc.)
पाप से निवृत्ति या पाप क्रिया का त्याग।

अनिष्टपक्षाभास – *Aniṣṭapakṣābhāsa.*
Favour - unacceptable
जो पक्षाभास वादी को इष्ट न हो।

अनिष्ट संयोग – *Aniṣṭa Saṁyoga.*
Undesirable coincidental meeting
आर्तध्यान का एक भेद; अप्रिय वस्तु या व्यक्ति के संयोग से निरन्तर चिंतित या दुखी रहना।

अनिष्णात श्रोता – *Aniṣṇāta Śrotā.*
Undeserving listeners
जिसका जिनवचन में प्रवेश नहीं है।

अनिष्पन्न – *Aniṣpanna.*
Non-existent, Incomplete
जो सम्पन्न न हुआ हो अर्थात् अपूर्ण कार्य।

अनिसृतग्राही – *Anisṛtagrāhī.*
Complete apprehension with partial expression.
अनिसृत मतिज्ञान ; वस्तु के एक भाग को देखकर पूरी वस्तु को जान लेना।

अनीक (देव) – *Anīka (Deva).*
A title of deities (who become like army).
देवों की 10 श्रेणियों में एक भेद, जो देव सेना के रूप में बन जाते हैं। वृषभ, रथ, तुरग (घोड़ा), मदगल (हाथी), नर्तक, गंधर्व और भृत्य वर्ग ये सौधर्म इन्द्र की सात अनीक सेनाएं हैं।

अनीकदत्त – *Anīkadatta.*
The son of Vasudeva and brother of Shri Krishna.
वसुदेव का पुत्र, श्रीकृष्ण का भाई।

अनीकपाल – *Anīkapāla.*
One - who was born with Anikadatta.
अनीकदत्त-अनीकपाल ये दोनों पुत्र देवकी ने एक साथ जन्मे थे जिन्हें कंस के भय से अलका सेठानी के यहां पहुंचा दिया था।

अनीकिनी – *Anīkinī.*
A division of ancient army.
प्राचीनकालीन सेना के 9 भेदों में से एक भेद।

अनीहार – *Anihāra.*
Peaceful death in own place
प्रायोपगमनमरण में उपसर्ग के अभाव में स्वस्थान में ही मरण होना।

अनु – *Anu*
Subsequently, According to
पीछे, सदृश्य, सचेत, अनुकूल रूप तक

अनुकंपा – *Anukampā*
Compassion, Sympathy.
दूसरे की पीड़ा से द्रवित हो जाना।

अनुकृति – *Anukṛti.*
A type of disquisition door (*Anuyogdvar*)
जो अनुयोगद्वार प्रत्येक स्थिति के स्थितिबंधाध्यवसाय स्थानों की समानता व असमानता को बतलाता है।

अनुकृष्टि – *Anukṛsti.*
Subsequent *krishti* - gradual destruction of passions
प्रति समय परिणामों में जो खण्ड उपलब्ध होते हैं।

अनुकृष्टि गच्छ – *Anukṛsti Gaccha.*
A mathematical term.
ऊर्ध्व गच्छ–सख्यात।

अनुकृष्टि चय – *Anukṛsti Caya.*
A mathematical term.
विवक्षित गुणहानि का ऊर्ध्वचय – अनुकृष्टि गच्छ।

अनुक्त – *Anukta.*
A type of sensory knowledge.
मतिज्ञान का एक भेद – बिना कहे, अभिप्राय मात्र से ही जान लेना।

अनुक्रम – *Anukrama.*
Succession, Order, Sequence
क्रम के अनुसार कथन करना।

अनुश्रेणी – *Anuśreṇī.*
Sequence, Lineage.
श्रेणीबद्ध, क्रमवार।

अनुगताकार – *Anugatākāra.*
Imitational knowledge.
सादृश्य, यह वही है ऐसा ज्ञान।

अनुगम – *Anugama.*
Confirming knowledge, Induction.
केवली, श्रुतकेवलियों की परम्परा के अनुरूप ज्ञान।

अनुगामी – *Anugāmī.*
Succeeding knowledge—a type of clairvoyance which remains occurring even in another incarnation of one.
अवधिज्ञान का एक भेद, अगले भव तक साथ–साथ जाने वाला ज्ञान।

अनुज्ञा – *Anujñā.*
To give right, Sanction.
आज्ञा, समाधि के समय साधक की एवं शुभाशुभ निमित्तों की परीक्षा करके आचार्य उसे अनुज्ञा देते हैं।

अनुग्रह – *Anugraha.*
Means beneficial to both giver and recipient
अपना तथा दूसरों का उपकार।

अनुचर – *Anucara.*
Attendant
अनुरागी, सेवक।

अनुचिंतन – *Anucintana.*
Constant reflection (thinking).
बारबार चिंतन करना

अनुजीवी गुण – *Anujivi Guna.*
Internal virtues
द्रव्यों के भावस्वरूप गुण। जैसे–सम्यक्त्व, चारित्र, सुख, चेतना।

अनुत् कषायी – *Anut Kaṣayi.*
One with less passions
अल्पकषाय से सहित जीव।

अनुत्कृष्ट – *Anutkṛṣta.*
Non- maximum.
जो उत्कृष्ट नहीं है। उत्कृष्ट और जघन्य के बीच की संख्या।

अनुत्कृष्ट अनुभाग बन्ध – *Anutkṛsta Anubhāga Bandha*
Non-maximal bond.
उत्कृष्ट से कम अनुभाग बंध का होना।

अनुत्कृष्ट प्रकृति बन्ध – *Anutkṛsta Prakṛti Bandha*
Non-maximal configuration bond.
उत्कृष्ट प्रकृति बंध से कम प्रकृति बंध होना।

अनुत्कृष्ट प्रदेश बन्ध – *Anutkṛsta Pradeśa Bandha.*
Non- maximal bond of space point.
उत्कृष्ट प्रदेश बंध से कम बंध होना।

अनुत्कृष्ट स्थिति बन्ध – *Anutkṛsta Sthiti Bandha*
Non-minimal life time bond (reg. *Karmas*).
उत्कृष्ट स्थिति बंध से कम बंध होना।

अनुत्तर – *Anuttara.*
The best.
जिस श्रुत का उत्तर नहीं है अर्थात् जिससे उत्कृष्ट कोई अन्य नहीं हो।

अनुत्तर गति – *Anuttara Gati.*
State of salvation.
सर्वोत्तम गति, निश्चित स्थिर गति, सिद्ध गति।

अनुत्तर ज्ञान – *Anuttara Jñāna.*
Omniscience.
केवल ज्ञान।

अनुत्तर देव – *Anuttara Deva.*
A type of heavenly aboding deities of 5 *Anuttar Viman*.
पांच अनुत्तर विमानों (विजय, वैजयन्त, जयंत, अपराजित,

सर्वार्थसिद्धि) मे रहने वाले देव

अनुत्तर स्वर्ग – *Anuttara Svarga*
The name of a heaven
कल्पातीत विमानों का एक भेद, ये विमान पाँच होते है – विजय, वैजयन्त, जयंत, अपराजित, सर्वार्थसिद्धि ।

अनुत्तरोपपादक – *Anuttaropapadaka*
A type of great saints who take birth in *Anuttar* heaven after their holy death .
ऐसे साधु जो समाधि मरण करके पंच अनुत्तरों में उत्पन्न होते हैं ।

अनुत्तरोपपादक दशांग –
Anuttaropapādaka Daśānga.
A part of scriptural knowledge (*Anangya*)
अंगप्रविष्ट श्रुतज्ञान का नवमा भेद, इसमें वर्णन है कि प्रत्येक तीर्थंकर के समय में 10 महामुनि उपसर्ग सहकर अनुत्तर विमानों में जन्म लेते है ।

अनुत्पत्ति धर्म – *Anutpatti Dharma*
Religion not initiated
जिस धर्म की उत्पत्ति न हुई हो ।

अनुत्पन्न देव – *Anutpanna Deva.*
A type of peripatetic deities.
जिस धर्म की उत्पत्ति न हुई हो ।

अनुत्पादानुच्छेद – *Anutpādānuccheda.*
Lack of non - existence of something.
अनुत्पाद (असत्व) का अभाव होना ।

अनुत्सर्पिणी सिद्ध – *Anutsarpini Siddha.*
Soul salvated from *Videh Kshetra* (a region).
विदेह क्षेत्र से मुक्त होने वाले, क्योंकि वहा काल विभाजन नहीं है।

अनुत्सेक – *Anutseka.*
Non-arrogance, Modesty.
श्रेष्ठ होते हुए भी अहंकार रहित होना ।

अनुदय – *Anudaya.*
Non-fruition of *karmas.*
कर्मों का उदय न होना ।

अनुदिश देव – *Anudiśa Deva.*
A type of heavenly aboding deities of 9 *Anudish Vimas.*
9 अनुदिश विमानों में जन्म लेने वाले देव ।

अनुदिश स्वर्ग – *Anudiśa Svarga.*
The name of a heaven.
कल्पातीत विमानों का एक भेद, ये संख्या में 9 होते हैं ।

अनुदीरित – *Anudīrita.*
Non - fruition of auspicious & inauspicious *karmas.*
सुख दुख देने वाले कर्मों का उदय नहीं होना ।

अनुदीर्ण – *Anudīrṇa.*
Non- fruition of *karmas.*
उदीरणा का विपरीत, जो कर्म उदीरणा को प्राप्त नहीं हुआ है ।

अनुदीर्णोपशामना – *Anudīrṇopaśāmanā*
Synonym of *Akaranopshamana* (a type of subsidence of *karmas*).
अकरणोपशामना का दूसरा नाम अनुदीर्णोपशामना है ।

अनुधर्म – *Anudharma*
Observance of righteous conduct
धर्म का अनुसरण करना ।

अनुपक्रमायुष्क – *Anupakramāyuska.*
Timely death (having complete age)
जो आयु पूर्ण करके मरे, जैसे देव, नारकी, भोगभूमि के जीव व चरमशरीरी जीव अनुपक्रमायुष्क कहलाते हैं ।

अनुपचरित – *Anupacarita*
Real, Unfactitious
उपाधि या उपचरित का अभाव ।

अनुपचरित असद्भूत नय –
Anupacarita Asadbhūta Naya.
Standpoint expressing the unitariness of different substances eg. unity of body & soul.
संश्लेष सहित वस्तुओं के संबंध को विषय करने वाला नय, जैसे 'शरीर जीव का है' ऐसा कहना ।

अनुपचरित नय – *Anupacarita Naya.*
Unfactitious standpoint
जो नय उपाधि या उपचार रहित कथन करे ।

अनुपचरित सद्भूत नय –
Anupacarita Sadbhūta Naya
Standpoint expressing the differentiation between virtues & virtuous one.
शुद्ध गुण व गुणी में भेद का कथन करना, जैसे केवलज्ञान आदि जीव के गुण है ।

अनुपम – *Anupama.*
Incomparable, The 84th chief disciple of Jaina-Lord Rishabhadev.
अतुलनीय, भगवान ऋषभदेव के चौरासीवें गणधर ।

अनुपमान – *Anupamāna.*
Name of a dominion (*Chamar*) of *Chakravarti.*
चक्रवर्ती की 49 विभूति में चमर का नाम ।

अनुपरिवर्तन – *Anuparivartana.*
Rotation.
विवर्तित ।

अनुपरिहारिक – *Anuparihārika.*
Sub attendant.
प्रतिहारी ।

अनुपलब्धि (हेतु) – *Anupalabdhi(Hetu).*
Something related to non-availability.
साध्य के सिद्ध करने के लिये जिस हेतु की प्राप्ति साध्य में न मिले ।

अनुपलम्भ – *Anupalambha*
Non-observation, Lack of perception.
अप्रत्यक्ष होना, बोध का अभाव ।

अनुपवास – *Anupavāsa.*
Fasting by taking only water
जल के सिवाय सर्व आहार छोड़कर उपवास करना ।

अनुपसंहारी – *Anupasamhāri*
A fallacy, an apparent but unreal reason; non-exclusive.
हेत्वाभास का एक भेद जिसमें अर्थात् पक्ष सपक्ष विपक्ष सभी ज्ञान की बातें आ जाती है ।

अनुपस्थापन – *Anupasthāpana.*
A type of expulsive repentance
परिहार प्रायश्चित का एक भेद ।

अनुपहारक – *Anupahāraka.*
Saints who accept purificatory courses.
जिनकल्प को धारण करने में असमर्थ साधुगण में 405 साधु परिहार विशुद्धि संयम धारण करते हैं, उनमें एक आचार्य होते हैं और आचार्य के पीछे जो धारण करते हैं वे अनुपहारक ।

अनुपात्त – *Anupātta.*
Unacceptable elements (by soul).
वे परमाणु जो आत्मा के द्वारा कर्म – नोकर्म रूप से ग्रहण करने योग्य नहीं हैं ।

अनुपात्त परांगना – *Anupātta Parāṅganā.*
Unacceptable other's wife.
नहीं ग्रहण करने योग्य परस्त्री ।

अनुपाप – *Anupāpa.*
Subtle sins.
सूक्ष्मता अथवा चतुराई से किया गया पाप ।

अनुपालना शुद्ध प्रत्याख्यान –
Anupālanā Śuddha Pratyākhyāna.
Renunciation having no interference
रोग में, उपसर्ग में, भिक्षा प्राप्ति के अभाव में, वन में जो प्रत्याख्यान पालन किया भग्न न हो ।

अनुप्रवेश – *Anupraveśa.*
Interpenetration.
अनुकरण ; दूसरों की बातों को अपने अंतरंग में डालना ।

अनुप्राणित – *Anuprāṇita.*
Imbue.
अपने रंग में रंगना, तर करना (प्रभाव डालना) ।

अनुप्रेक्षणा – *Anuprekṣaṇā.*
A type of conscious activity (keen observation).
श्रोत्र विशेषों में उपयोग का एक भेद ।

अनुप्रेक्षा – *Anuprekṣā.*
Meditative state, Contemplation.
किसी बात का बार-बार चिन्तवन करते रहना, ये अनित्य, अशरण आदि 12 प्रकार की होती है ।

अनुभय असत्य – *Anubhaya Asatya*
Which is neither true nor false
जो न सत्य हो न असत्य हो ।

अनुभय मनोयोग – *Anubhaya Manoyoga.*
Vibration in soul points through neutral (neither true nor false) mind
चित्त या स्वभाव की स्थिरता (जो न सत्य हो न असत्य हो) ।

अनुभय वचनयोग – *Anubhaya Vacanayoga*
Vibration in soul points through neutral (neither true nor false) speech
स्थिर अर्थात् यथार्थ वचन (जो न सत्य हो न असत्य हो)

अनुभय स्वभाव – *Anubhaya Svabhāva*
Equanimity (evenness of mind)
चित्त या स्वभाव की स्थिरता ।

अनुभव – *Anubhava.*
Experience
लौकिक व पारमार्थिक सुख-दुःख का वेदन

अनुभव प्रकाश – *Anubhava Prakāśa.*
A book written by '*Pandit* Deepchand Shah'
पं. दीपचन्द शाह (ई.1722) द्वारा रचित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ ।

अनुभाग – *Anubhāga.*
Intensity of *karmic* fruition
कर्मों की फलदान शक्ति ।

अनुभाग उदय – *Anubhāga Udaya.*
A type of *karmic* fruition
कर्म उदय का एक भेद ।

अनुभाग काण्डक – *Anubhāga Kaṇḍaka.*
Energy splitting (of *karmas*)
खंडन-अंतर्मुहूर्त तक जो अप्रशस्त कर्मों के अनुभाग का प्रतिसमय अनन्तगुणा घटना ।

अनुभाग कृष्टि – *Anubhāga Kṛṣṭi.*
Reduction of fruitional intensity of *karmas.*
कर्म की अनुभाग शक्ति का घटाना, समय समय अनंतअनुभाग शक्ति का घटना ।

अनुभाग घात – *Anubhāga Ghāta.*
Energy destruction of *karmas.*
अंतर्मुहूर्त तक जो अप्रशस्त कर्मों के अनुभाग का प्रतिसमय अनंतगुणा दूर होना ।

अनुभाग बंध – *Anubhāga Bandha.*
Energy bond of *karmas.*
कर्म बंध में कषायों के निमित्त से तीव्र या मंद फलदान शक्ति का पड़ना ।

अनुभाग रचना – *Anubhāga Racanā*
Creation of fruitional intensity of *karmas.*
कर्मों में जो फलदान शक्ति है उसकी जितनी स्थिति है उसमें आबाधाकाल को छोड़कर सर्व कर्म वर्गणाओं का बट जाना ।

अनुभाग सत्त्व – *Anubhāga Sattva.*
State of energy bond in soul
अनुभाग बंध का आत्मा में अवस्थित रहना।

अनुभाग स्थान – *Anubhāga Sthāna.*
State of energy (fruitful results of *karmas*).
कर्मों में फलदान शक्ति के अंशों का स्थान।

अनुभाग स्वामित्व सन्निकर्ष – *Anubhāga Svāmitva Sannikarṣa*
Power of energy (fruitful results of *karmas*.) in sense object contact.
कर्मों की फलदान शक्ति में इन्द्रिय सम्पर्क का अधिकार होना।

अनुभाषण – *Anubhāṣāṇa.*
Right pronunciation.
शुद्ध उच्चारण।

अनुभाषण शुद्ध प्रत्याख्यान – *Anubhāṣāṇa Śuddha Pratyākhyāna.*
Pure pronunciation of the lesson of renunciation according to saints.
गुरु के कहे अनुसार अक्षर इत्यादि का शुद्ध उच्चारण करते हुए प्रत्याख्यान पाठ करना।

अनुभूति – *Anubhūti.*
Realisation, Perception
अनुभव।

अनुभूत्यावरण कर्म – *Anubhūtyāvaraṇa Karma.*
Karmas causing obstruction in perception.
अनुभूति का आवरण करने वाला कर्म।

अनुमत – *Anumata.*
Approved of what has been done.
अनुमति प्राप्त, सम्मत, स्वीकृत।

अनुमति – *Anumati.*
Permission, Approval
सम्मति, आज्ञा।

अनुमति त्याग प्रतिमा – *Anumati Tyāga Pratimā.*
The 10th model stage of spiritual development (refraining from household activities)
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में 10 वीं प्रतिमा जिसमें आरंभ में अथवा परिग्रह में या इन दोनों से संबंधित संबंधी कार्यों में अनुमति नहीं होती है।

अनुमन्ता – *Anumantā.*
Consentor.
सम्मति या स्वीकृति देने वाला।

अनुमान – *Anumāna.*
Inference, Anticipation
साधन से साध्य का ज्ञान प्राप्त करना, जैसे – धुआं देखकर अग्नि का ज्ञान होना।

अनुमान बाधित – *Anumāna Bādhita.*
Refutable inference.
जिस साध्य की सिद्धि में अनुमान से बाधा आये।

अनुमानाभास – *Anumānābhāsa.*
Inferential fallacy.
जो अनुमान ठीक न हो, जिसमें साध्य व साधन का अविनाभाव सम्बन्ध न मिले।

अनुमानित – *Anumānita.*
A defect of self criticism
आलोचना का एक दोष – गुरु थोड़ा प्रायश्चित देकर अनुग्रह करेंगे ऐसा अनुमान करके माया भाव से आलोचना करना।

अनुमापक – *Anumāpaka.*
One who gives rise to an inference
अनुमान कराने वाला, जो अनुमान करने का आधार बन सके।

अनुमिति – *Anumiti*
Limited knowledge.
सीमित ज्ञान।

अनुमेयता – *Anumeyatā.*
Identity
तद्भाव।

अनुमोदक – *Anumodaka*
Supporter
किये जाने वाले कार्य के प्रति जिसका समर्थन हो।

अनुमोदन – *Anumodana.*
Approval, Approbation, Sanction.
स्वीकृति, अनुज्ञा।

अनुयोग – *Anuyoga.*
Four expositions of Jaina scriptures.
जैनागम के चारों भाग चार अनुयोग कहलाते हैं। प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग तथा द्रव्यानुयोग।

अनुयोगद्वार – *Anuyogadvāra.*
Disquisition door, Gateway of disquisition.
कहे जाने वाले अर्थ को जानने के उपायभूत अधिकार।

अनुयोगद्वार समास – *Anuyogadvāra Samāsa.*
A kind of scriptural knowledge (*Shrutgyan*) i.e. inferential knowledge.
अर्थलिंगज श्रुतज्ञान के बीस भेदों में एक।

अनुयोग समास – *Anuyoga Samāsa*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान का एक भेद – अनुयोग ज्ञान के ऊपर जितने ज्ञान के विकल्प हैं वे सब अनुयोग समास के भेद हैं।

अनुयोगी – *Anuyogī.*
Learned in four expositions of Jaina scriptures.
चार अनुयोगों को जानने वाला यह शब्द नैयायिक व वैशेषिक दर्शनकार आधार व आश्रय के अर्थ में प्रयुक्त होता है जैसे द्रव्य अपने गुणों का अनुयोगी है।

अनुरक्ति – *Anurakti.*
Predilection, Attachment.
आसक्ति, अनुराग।

अनुरथ – *Anuratha.*
Susidiary path or zig-zag way.
उपमार्ग, पगडंडी ।

अनुराग – *Anurāga.*
Attachment, Affection, Devotion.
लगाव, समर्पण या वात्सल्य ।

अनुराधा – *Anurādhā.*
The 17th lunar mansion, stars in Libra.
28 नक्षत्रों में एक नक्षत्र का नाम । इसका आकार मोती माला के समान होता है ।

अनुरुद्ध – *Anuruddha*
A king of *Shrenik & Nand* dynasty.
श्रेणिक वंश एवं नंद वंश का एक राजा (ई.पू. 467 – 458)।

अनुलोम – *Anuloma.*
Natural or regular order.
सामान्य की मुख्यता तथा विशेष की गौणता करने से जो अस्तिनास्तिरूप वस्तु प्रतिपादित होती है उसको अनुलोम क्रम कहते हैं ।

अनुवाद – *Anuvāda.*
Translation, Interpretation
प्रसिद्ध अर्थ के अनुकूल कथन करना ।

अनुवाद वाक्य – *Anuvāda Vākya.*
Translated sentence / utterance.
विधि का अनुवचन और विधि से जो विधान किया गया उसका अनुवचन ।

अनुवीचि भाषण – *Anuvīci Bhāṣaṇa.*
Speaking in accordance with sacred scriptural injunction.
पूर्वाचार्यों की परम्परा का अनुसरण करते हुए आगम के अनुसार बोलना ।

अनुवीचि याचना – *Anuvīci Yācanā.*
Polite request.
विनयपूर्वक प्रार्थना करना ।

अनुवृत्ति – *Anuvṛtti.*
Conformity, Likeness, Repeating the same.
पीछे से अनुसरण करने वाली प्रतीति को अनुवृत्ति कहते हैं ।

अनुवृत्तिप्रत्यय – *Anuvṛttipratyaya.*
Notion of sameness or similarity.
अनुवृत्ति अथवा समानता का भाव या कारण ।

अनुवृद्धि – *Anuvṛddhi.*
Subsequent increase.
समय समय पर वृद्धि ।

अनुशिष्ट – *Anuśiṣṭa.*
To speech according to scriptures.
आगम के अनुरूप उपदेश देना ।

अनुशिष्टि – *Anuśiṣṭi.*
Speech given by *Acharya* to a *kshapaka* saint.
प्रत्याख्यान विधि का एक अधिकार–आचार्य द्वारा क्षपक को उपदेश देना ।

अनुशीलन – *Anuśīlana.*
Deep thinking or study
श्रमपूर्ण सतत प्रयास ।

अनुशोचन – *Anuśocana.*
Continuous thinking.
बार-बार विचार करना ।

अनुश्रेणी – *Anuśreṇi.*
Sequence.
श्रेणिबद्ध या क्रमवार ।

अनुष्ठान – *Anuṣṭhāna*
Ritual activity, Ritual performance
अरहंतों में गुणानुराग रूप भक्ति करना (पूजा – विधान) ।

अनुसंचित अद्धा – *Anusaṃcita Addhā*
Accumulated period
संचित किया गया समय ।

अनुसमयापवर्तना – *Anusamayāpavartanā*
Simultaneous destruction of infinite sections (related to *karmas*).
एक ही समय में अनंतों स्पर्धकों का युगपत् घात करना ।

अनुसारी ऋद्धि – *Anusārī Ṛddhi.*
A type of supernatural power of perception.
एक ऋद्धि, दूसरे से किसी एक पद के अर्थ को सुनकर उस पद के आदि मध्य अंत का अर्थ धारण कर लेना ।

अनुसूर्य तप – *Anusurya Tapa.*
An austerity–to walk from east to west on the prickly hot day.
कायक्लेश तप का भेद – कड़ी धूप वाले दिन पूर्व से पश्चिम की ओर चलना ।

अनुस्नान – *Anusnāna.*
Engrossed in auspicious acivities (religious chanting etc.)
विशेष पूजादि क्रियाओं में जो मंत्र स्नानादि किया जाता है – मंत्रस्नान, अमृतस्नान ।

अनुस्मरण – *Anusmaraṇa.*
Recollection of memories.
पूर्व की अनुभूतियों को पुनःस्मरण करना ।

अनुस्मृति – *Anusmṛti.*
Rethinking of sensual pleasures.
भोगोपभोग परिमाण का दूसरा अतिचार : इंद्रिय विषयों के सुखों को बार बार याद करना ।

अनृजु – *Anṛju.*
Wicked person.
कुटिल – जो सरल मन, वचन, काय से अर्थ के अनुरूप चिन्तवन, भाषण व अभिनय न करता हो ।

अनृत वचन – *Anṛta Vacana.*
Speech full of violence
ऐसे वचन जिनसे हिंसा हो। असत्य वचन।

अनेक – *Aneka.*
Many. Several, Various, Abundant.
विविध, बहुत।

अनेक क्षेत्रस्थ – *Aneka Kṣetrastha.*
Installed/situated in many areas
अनेक क्षेत्रों में स्थित।

अनेकचित्त – *Anekacitta*
Manifold desires, fickle minded
चंचलपना।

अनेकत्व – *Anekatva.*
Variety. Diversity, Abundance.
अनेक रूप अथवा विविध भावों या पर्यायों में स्थित होना।

अनेक नय – *Aneka Naya.*
Different standpoints.
वस्तु के एक–एक धर्म को आश्रय करके नय के अनेक भेद अनेक नय कहलाते हैं।

अनेक प्रदेशत्व – *Aneka Pradeśatva.*
Something with different regionalism.
एक द्रव्य में अनेक प्रदेशों का होना।

अनेक प्रदेशी – *Aneka Pradeśī.*
Matter related to different regionalism.
व्यवहार नय से अनेक प्रदेश वाला द्रव्य।

अनेकान्त – *Anekānta.*
Doctrine of manifold predications
एक ही वस्तु में परस्पर विरोधी अनेक धर्मों की नयापेक्षया अविरोध रूप से प्रतीति। यह जैन धर्म का मूल सिद्धांत है।

अनेकान्त दर्शन – *Anekānta Darśana.*
Philosophy of manifold aspects
जैन दर्शन जो सापेक्षवाद को मानता है।

अनेकान्तवाद – *Anekāntavāda.*
Relative pluralism, description of properties of a matter from different aspects.
स्याद्वाद – वस्तु के अनेक धर्मों की अपेक्षा कथन करना।

अनेकान्तसागर (मुनि) – *Anekāntasāgara (Muni).*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Abhinandansagar Maharaj.
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा के वर्तमान आचार्य श्री अभिनंदनसागर महाराज के शिष्य (ई.श 20–21)।

अनेकान्तात्मकता – *Anekāntātmakatā.*
Property of having many aspects & modes.
द्रव्य के अनेक गुण – धर्म एवं पर्यायें।

अनेषण – *Aneṣaṇa.*
Fasting, Prohibition
अनशन, अवमौदर्य जो संयमसिद्धि और इन्द्रिय संयम की सिद्धि के लिए किया जाता है।

अनेकान्तिक हेत्वाभास – *Anekāntika Hetvābhāsa.*
Inconclusive fallacy.
जो हेतु पक्ष, विपक्ष व सपक्ष तीनों में रहता है।

अनोजीविका – *Anojīvikā.*
Dealings in vehicles.
गाड़ी, रथ, चक्र आदि स्वयं बनाना, दूसरे से बनवाना, गाड़ी आदि के बेचने का व्यापार करना।

अन्त:भित्ति – *Antaḥ Bhitti.*
Ending wall.
अंतिम दीवार

अन्त:स्थ राज्य – *Antaḥstha Rājya.*
Buffer state (a small state between two large ones)
दो बड़ी रियासतों के बीच एक छोटी रियासत।

अन्तरात्मा – *Antarātmā.*
The interior self.
आत्मा की ओर अभिमुख दृष्टि वाला।

अन्तर्ग्रथित – *Antargrathita.*
Interlaced.
अंदर की ओर, आंतरिक ग्रथित।

अन्तर्ग्रथित पाश – *Antargrathita Pāśa.*
Interlocking loops.
फंदा, सांकली रूप में बंधा हुआ होना।

अन्तर्दिवस – *Antardivasa.*
Less than a day (not a complete day).
दिवस से कुछ कम को अन्तर्दिवस कहते हैं।

अन्तर्वर्ती – *Antarvartī.*
Intervening (internal), hidden.
अंदर रहने वाला।

अन्तर्वत्नी – *Antarvatnī.*
Pregnant woman.
गर्भवती स्त्री।

अन्तर्व्याप्ति – *Antarvyāpti.*
Internal inseparable connection.
आंतरिक व्याप्ति।

अन्न – *Anna.*
Cereals, Grains.
मूंग, मोठ, चना, गेहूँ आदि।

अन्नपाननिरोध – *Annapānanirodha.*
An infraction of vow of non-violence; irregularity in food supplies.
अहिंसाणुव्रत का एक अतिचार, अपने आधीन पशु व मानव का खानपान रोक देना या समय पर न देना।

अन्नप्राशन क्रिया – *Annaprāśana Kriyā.*
The ceremony of giving rice boiled in milk to an

infant for the first time.
जन्म के 7/8 माह पश्चात् पूजन विधिपूर्वक बालक को अन्न खिलाना ।

अन्नशोधन – *Annaśodhana*
To clean the cereals (food grains) well
अन्न को अच्छी तरह साफ करना ।

अन्य – *Anya.*
Other, Different, Another
दूसरा, भिन्न, अलग

अन्यतीर्थिक – *Anyatīrthika.*
Heretic, Alien creeder/viewer
पाखंडी, नास्तिक ।

अन्यत्व – *Anyatva.*
Separateness (differentiation in soul & body).
एक द्रव्य का दूसरे से भिन्न होना, बारह भावनाओं में 5 वीं भावना; शरीरादि को आत्मा से भिन्न रूप में चिंतन करना ।

अन्यथाख्याति – *Anyathākhyāti.*
To get fame by wrong manifestation
मिथ्यापन से ख्याति प्राप्त करना ।

अन्यथानुपपत्ति – *Anyathānupapatti.*
Otherwise impossible, Incompatibility with mutual inconsistent.
अन्यरूप से उत्पत्ति न होना ।

अन्यथायुक्तिखण्डन – *Anyathāyuktikhaṇḍana.*
Contradiction by other means.
अन्य प्रकार की युक्ति से खण्डन ।

अन्यथासिद्धि – *Anyathāsiddhi.*
Wrongly attainment, Achievement with wrong condition.
मिथ्यापन से सिद्धि, जो मिथ्याज्ञान से प्रमाणित किया गया हो ।

अन्यदेवमूढ़ता – *Anyadevamūṛhtā.*
Worshipping of false deities.
वरदान पाने की आशा से रागी-द्वेषी देवी-देवताओं को सच्चे देव मानकर पूजा अर्चना करना ।

अन्यदृष्टि – *Anyadṛṣṭi.*
Wrong faith/ faithed; wrong believer.
मिथ्यादृष्टि ।

अन्यदृष्टिप्रशंसा – *Anyadṛṣṭipraśaṁsā.*
Praising of others wrong views, Praising heterodoxy.
सम्यग्दर्शन का अतिचार; मिथ्यादृष्टियों के मिथ्या श्रद्धा व ज्ञान चारित्र की मन से सराहना करना ।

अन्यदृष्टिसंस्तव – *Anyadṛṣṭisaṁstava.*
Praise of wrong believers.
सम्यग्दर्शन का एक अतिचार; मिथ्यादृष्टियों के ज्ञान, तप आदि की वचनों से तारीफ करना ।

अन्यमती – *Anyamati.*
Follower of wrong beliefs (faiths)
मिथ्या मत को मानने वाला

अन्यमनस्क – *Anyamanaska.*
Fickle (inconstant) mind
अवधानहीन, अस्थिर मन ।

अन्यमुद – *Anyamuda*
Attraction for something else
[illegible]

अन्ययोगव्यवच्छेद – *Anyayogavyavacchheda*
A religious book written by *Acharya* Hemichandra Suri. Discriminator in expressing virtues
श्वेताम्बराचार्य श्री हेमचन्द्र सूरि (ई 1088 – 1173) द्वारा रचा गया एक न्यायविषयक ग्रन्थ, दूसरे का विच्छेद करने वाला, जैसे अर्जुन ही धनुर्धर है, अन्य नहीं ।

अन्यरमारति – *Anyaramarati.*
Adultry, Dissoluteness.
एक व्यसन, परस्त्री सेवन ।

अन्यवश – *Anyavaśa*
One overpowered by others
निश्चय धर्म व श्रुतज्ञान को न जानने के कारण परद्रव्य में परिणत होने के कारण अन्यवश कहा है ।

अन्यविवाहाकरण – *Anyavivāhākaraṇa.*
Arranging marriage of others
ब्रह्मचर्यव्रत का एक अतिचार, दूसरों का विवाह कराना ।

अन्यापोह – *Anyāpoha.*
Mutual non-existence.
एक द्रव्य की एक पर्याय का उसकी दूसरी पर्याय में जो अभाव है।

अन्योन्य – *Anyonya.*
Mutual relativity.
परस्पर, एक दूसरे पर निर्भरता ।

अन्योन्यगुणकार शलाका –
Anyonyaguṇakāra Śalākā
Mutual multiple Log.
विरलनदेय विधान से करने पर जो शलाकाएं प्राप्त होती हैं।

अन्योन्यघटन – *Anyonyaghaṭana.*
Mutual togetherness.
परस्परता ।

अन्योन्यनिरपेक्ष – *Anyonyanirapekṣa.*
Independent.
परस्पर सापेक्षता से रहित ।

अन्योन्यप्रवेश – *Anyonyapraveśa.*
Mutual interpenetration.
परस्पर एक दूसरे में प्रवेश ।

अन्योन्यवृत्ति – *Anyonyavṛtti.*
Mutual effect of one thing on another, correlation.
वस्तु का एक दूसरे पर पारस्परिक प्रभाव ।

अन्योन्याभाव – *Anyonyābhāva.*
Mutual non-existence
पुद्गल की एक वर्तमान पर्याय में दूसरे पुद्गल की वर्तमान पर्याय का अभाव ।

अन्योन्याभ्यस्तराशि – *Anyonyābhyastarāśi.*
Mutual product set (related to maths).
तत्प्रमाणमात्र प्रमाण दो लिखकर परस्पर में गुणा करने से जो राशि आये ।

अन्योन्याश्रय – *Anyonyāśraya.*
Mutual dependent.
परस्पर में बाधायकी रूप से एक–दूसरे की अपेक्षा लागू रहना ।

अन्वय – *Anvaya.*
Logical connection with lineage (ancestry)
अपनी जाति को न छोड़ते हुए उसी रूप में अवस्थित रहना

अन्वयदत्ति – *Anvayadatti.*
To hand over all assests to successors.
जब गृहस्थ 9 वीं प्रतिमा धारण करता है तब अपना समस्त परिग्रह पुत्र या अन्य को दे देता है, यह अन्वयदत्ति कहलाता है ।

अन्वयदृष्टान्त – *Anvayadṛṣṭānta.*
Affirmative illustration.
जहां साधन की मौजूदगी में साध्य की मौजूदगी दिखाई जाए ।

अन्वय दृष्टान्ताभास – *Anvaya Dṛṣṭāntābhāsa.*
Illustrative apprehension of goal
अन्वय दृष्टांत का आभास होना, जहां साधन की मौजूदगी में साध्य की मौजूदगी न दिखाई जाती हो ।

अन्वय द्रव्य – *Anvaya Dravya.*
Mutually related substance
द्रव्य जो एक दूसरे से संबंधित हों ।

अन्वय द्रव्यार्थिक नय – *Anvaya Dravyārthika Naya.*
Standpoint related with substantive connection.
सर्व गुण पर्यायों में जो द्रव्य को अन्वय रूप व लगातार ग्रहण करती है वह दृष्टि ।

अन्वयव्यतिरेकी – *Anvayavyatireki.*
Affirmation-cum-negation, illustration of connection & negation.
जिस हेतु या साधन में अन्वय-व्यतिरेकी दोनों दृष्टांत हो ।

अन्वयव्याप्ति – *Anvayavyāpti.*
Mutual existence, presence.
साधन की मौजूदगी में साध्य की मौजूदगी बताना ।

अन्वयाभाव – *Anvayābhāva.*
Non- existence of coherence.
सहचर्य संबंध का अभाव ।

अन्वयिनिक – *Anvayinika.*
Dowry.
विवाह में लड़की एवं जमाता (दामाद) को दिया जाने वाला दहेज ।

अन्वयी – *Anvayī.*
Concomitant, continuant.
जो सर्व अवस्थाओं में साथ रहे, ऐसा गुण ।

अन्वर्थ – *Anvartha.*
Having quality according to the name
जैसा नाम हो वैसा ही पदार्थ हो ।

अन्वीक्षा – *Anvīkṣā.*
Supposition according to scriptures and practical experience
प्रत्यक्ष और आगम के आश्रित अनुमान ।

अन्वेषण – *Anveṣaṇa.*
Pursuance, Search.
मार्गणा, खोज, गवेषणा ।

अपकर्ष – *Apakarṣa.*
Deterioration, Declination
घटना (कम होना), हीन होना ।

अपकर्षण – *Apakarṣaṇa.*
Decrease in earned *karmas.*
पूर्वोपार्जित कर्मों की स्थिति एवं अनुभाग का कम हो जाना ।

अपकर्षण (करण) – *Apakarṣaṇa (Karaṇa).*
Decrease in earned *karmas.*
सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र के कारण पूर्वोपार्जित कर्मों की स्थिति व अनुभाग कम हो जाना ।

अपकर्ष समा – *Apakarṣa Samā.*
Lack of religionism by illustration.
साध्य में दृष्टांत से धर्म अभाव का प्रसंग ।

अपकार – *Apakāra.*
Detriment; harm, injury.
अनुग्रह का अभाव । दूसरे का बुरा करना ।

अपक्रम – *Apakrama.*
Law of movement (walking).
गमन–आगमन का नियम ।

अपक्वकर्म – *Apakvakarma.*
Unmatured *karmas.*
नहीं पके हुए कर्म अर्थात् समय से पहले कर्मों का फल मिलना ।

अपक्वपाचन – *Apakvapācana.*
Prematured fruition of *karmas.*
उदीरणा, अपक्व कर्मों का पाचन अर्थात् समय से पहले कर्मों का फल मिलना ।

अपगतवेद – *Apagataveda.*
Subdued sex
स्त्री वेद, पुरुष वेद और नपुंसकवेदरूप परिणामों के वेदन से उन्मुक्त होना ।

अपगम – *Apagama.*
Determination, Certainty.
अवाय, निश्चय ।

अपचय – *Apacaya*
Damage; waste.
किसी भी अवयव का छिन्न-भिन्न हो जाना ।

अपवित्र – *Apavitra.*
Without guile (deceit, cunning)
छल, माया आदि से रहित ।

अपदेश – *Apadeśa.*
To direct the meaning (explaining)
जिसके द्वारा अर्थ निर्देशित किये जायें ।

अपध्यान – *Apadhyāna*
Evil thoughts.
अनर्थदंड का एक भेद–दूसरों की जय, पराजय, मारना, बांधना, अपहरण आदि कैसे किया जाय इस प्रकार चिंतवन करना ।

अपमण्डल – *Apamandala*
A type of *Yoga* conception.
प्राणायाम धारणा; अमृतस्वरूप जल से सींचा हुआ चन्द्रमा के समान शुक्लवर्ण वरुणपुर ।

अपमान – *Apamāna.*
Insult, To show disrespect, Contempt.
निंदा, अनादर ।

अपमृत्यु – *Apamṛtyu*
Untimely death.
आयु के अपवर्तन से मृत्यु प्राप्त होना, अकाल मरण (कर्मभूमिज मनुष्य व तिर्यंचों के अकाल मरण संभव है) ।

अपर – *Apara.*
Indifference, West derection
समीपवर्ती पदार्थ, पश्चिम ।

अपरत्व – *Aparatva.*
Nearness, Proximity.
समीपवर्ती एवं छोटा या कम दिनों का ।

अपरम – *Aparama.*
Unreal, Impure, Not supreme.
जो उदय, उदीरणा, क्षय, क्षयोपशम ऐसे विविध विकारों से सहित है।

अपर विदेह – *Apara Videha.*
A region of *Sumeru* mountain, Name of summit & its protecting deity.
पश्चिम विदेह क्षेत्र; सुमेरु पर्वत के पश्चिम भाग में स्थित विदेह क्षेत्र

अपरविद्या – *Aparavidyā.*
Emperical knowledge
प्रतिद्वंद्वी या दूसरी विद्या ।

अपर व्यवहार – *Apara Vyavahāra.*
A type of pragmatic/practical standpoint.
आगम के 7 नयों में व्यवहारनय का एक भेद ।

अपर संग्रह – *Apara Saṃgraha.*
A type of synthetic standpoint.
आगम के 7 नयों में संग्रहनय का एक भेद ।

अपर संग्रहाभास – *Apara Saṃgrahābhāsa*
A hint for synthetic standpoint
धर्म अधर्म आदि को केवल द्रव्य-तत्त्वरूप से स्वीकार करके उनके विशेषों का निषेध करना ।

अपराजित – *Aparājita.*
Invincible Name of a demigod, A planet, A type of heavenly deities & *Anuttar Viman*, A summit of *Ruchak* mountain, Name of the cities in the north and south of *Vijayardha* mountain, Name of the doors of *Samavasarana* and *Jambudeep*
जो पराजित न किया जा सके अथवा जिसे जीता न जा सके। एक देव, एक ग्रह, कल्पातीत देवों व विमानों (अनुत्तर) का एक भेद, रुचक पर्वत का कूट, विजयार्ध की दक्षिण व उत्तर श्रेणी का नगर, समवशरण की तृतीय वेदिका का द्वार, जम्बूद्वीप के चार मुख्य द्वारों में से चौथा उत्तर द्वार ।

अपराजित संघ – *Aparājita Saṃgha.*
A group of *Digambar* Jaina saints
आचार्य अर्हद्बली (वी.नि.सं. 565-593) द्वारा स्थापित दिगम्बर साधु संघों में से एक संघ था ।

अपराजित (स्वर्ग) - *Aparājita (Svarga).*
One of the 5 '*Anuttar*' aboding places.
कल्पातीत स्वर्ग – पाँच अनुत्तर विमानों में चतुर्थ विमान ।

अपराजिता - *Aparājitā.*
Name of a *Vapi* (large lake) & a city
नंदीश्वर द्वीप के पश्चिम में स्थित एक वापी, पूर्व विदेह स्थित महावत्सा देश की मुख्य नगरी ।

अपराजिता (नाम) - *Aparājitā (Nāma).*
Name of a governing female deity of Jaina - Lord Mallinath
भगवान मल्लिनाथ की शासन देवी ।

अपराह्न - *Aparāhna.*
Early afternoon (midday about 3 p.m.).
दिन का तीसरा पहर (लगभग 3 बजे का समय) ।

अपराध – *Aparādha*
A crime, Sin, An offence
नियम विरुद्ध कार्य – परद्रव्य को ग्रहण करना इत्यादि ।

अपरिग्रह – *Aparigraha*
Non - possession, Non - attachment
अंतरंग व बाह्य दोनों रूप से लोभ, कषाय, संग्रह व ममत्व इत्यादि से दूर रहना ।

अपरिग्रहीता - *Aparigrahītā.*
A harlot without husband, Prostitute
पतिरहित वेश्या या व्यभिचारिणी स्त्रियाँ ।

अपरिग्रहीतागमन – *Aparigrahītāgamana.*
Enjoying unauthorised woman (harlot)
ब्रह्मचर्य अणुव्रत का एक अतिचार जिसका कोई स्वामी नहीं है ऐसी व्यभिचारिणी स्त्रियों के यहां आना जाना ।

अपरिणामी – *Apariṇāmī*
Immutable
परिणमन क्रिया से रहित ।

अपरिभूत – *Aparibhūta*
Unsurpassed, Venerable
अतिक्रान्त न किया हुआ, अपमान या अनादर से रहित ।

अपरिमार्जित – *Aparimārjita*
Unswept, Unpurified
बिना शोधन किया हुआ, प्रोषधोपवास का एक अतिचार ; शोधन किए बिना भूमि आदि पर बैठना ।

अपरिमित ज्ञान – *Aparimita Jñāna*
Unlimited knowledge, omniscience
केवलज्ञान जो असीमित होता है ।

अपरिवर्तमान परिणाम – *Aparivartamāna Pariṇāma.*
Volitional results with increase or decrease.
प्रतिसमय बढ़नेवाले या हीन होने वाले संक्लेश या विशुद्धिरूप परिणाम ।

अपरिवर्तमान माध्यम –
Aparivartamāna Mādhyama
Unchanging medium
परिवर्तन रहित माध्यम ।

अपरिशेष – *Apariśeṣa*
Whole, Complete.
सम्पूर्ण, जिसमें से कुछ भी शेष न हो ।

अपरिशेष प्रत्याख्यान – *Apariśeṣa Pratyākhyāna.*
A type of renunciation
सार्थक प्रत्याख्यान के दस भेदों में एक ।

अपरिस्पन्दात्मक पर्याय –
Aparispandātmaka Paryāya.
Immovable destinity or transit emotional modification.
भाव के दो भेद हैं-(1) परिस्पन्द जो क्रिया है तथा अन्य (2) अपरिस्पन्द जो परिणाम अर्थात् पर्याय हैं ।

अपरिस्रविता – *Aparisravitā.*
Not to express faults of defaulters
आचार्य का एक गुण , क्षपक के दोषों को सुनकर दूसरों के पूछने पर भी प्रगट न करना ।

अपरिस्राविता – *Aparisrāvitā.*
Unwashed, Non-flowing purificational quality.
जल बहाव आदि के द्वारा शोधन न किया हुआ ।

अपरिहार – *Aparihāra.*
Not to be rejected.
जिसका परिहार या त्याग न किया जा सके ।

अपरिहारिक – *Aparihārika.*
A tainted ascetic.
परिहार या त्याग न करने वाला ।

अपरिहीन – *Aparihīna.*
Perfect
पूर्ण, क्षीणता से रहित ।

अपरीत वर्गणा – *Aparīta Vargaṇā.*
A type of aggregate grouping of *karmic* molecules
ऐसी वर्गणा जो अनन्त व अनन्तानन्त से अतिरिक्त उपलब्ध नहीं होती है ।

अपर्याप्त – *Aparyāpta.*
Insufficient, Inadequate
पूर्ण न होना, जो पर्याप्तियों को पूर्ण न करे ।

अपर्याप्त काल – *Aparyāpta Kāla.*
A period of incomplete development.
जितने काल तक पर्याप्तियां पूर्ण न हों ।

अपर्याप्तनाम-कर्मप्रकृति –
Aparyāptanāma Karmaprakṛti
A type of *karmic* nature causing hindrance in the completion of 6 *Paryāptis* of body
आहार, शरीर, इन्द्रिय, श्वासोच्छ्वास, भाषा और मन इन 6 पर्याप्तियों को जिस नामकर्म के उदय से पूर्ण न किया जाये ।

अपर्याप्त योग – *Aparyāpta Yoga.*
Inadequate combination.
मिश्र काय योग ।

अपर्याप्ति – *Aparyāpti.*
In-completion (reg. sensual vitality etc.)
इन्द्रियादिरूप शक्ति की अपूर्णता ।

अपलाप – *Apalāpa.*
Concealment, Disguise
सत्य विचार व भावनाओं को छिपाना ।

अपलिप्त मन – *Apalipta Mana.*
Unattached mind
विषय कषायों से रहित मन ।

अपवर्ग – *Apavarga.*
Liberation, Salvation.
दुःखदायी जन्म से अत्यन्त विमुक्ति; मोक्ष ।

अपवर्ग निरूपण – *Apavarga Nirūpaṇa.*
Nature of emancipation.
मोक्ष का कथन ।

अपवर्तन – *Apavartana*
Reduction, Attenuation.
घटना (कम होना) ।

अपवर्तना घात – *Apavartanā Ghāta.*
Untimely death, Age time reduction.
अकालमरण, बध्यमान आयु का घटना ।

अपवर्तनोद्वर्तन – *Apavartanodvartana.*
Disturbance of perfect conduct.
प्रथम कण्डक घात होने पर चारित्र मोह के क्षपण में संज्वलन

चतुष्क के अनुभाग का क्रोध से लोभ पर्यन्त घटना ।

अपवर्तनोद्वर्तनकरण - *Apavartanodvartanakaraṇa.*
See - *Apavartanodvartana.*
देखें - अपवर्तनोद्वर्तन ।

अपवर्त्य - *Apavartya.*
Reduction in age.
विष, शस्त्र आदि बाह्य निमित्तों के मिलने पर आयु का घट जाना।

अपवाद - *Apavāda.*
Censure. Blame, Exception, Unique
अवर्णवाद, आक्षेप, अलौकिक ।

अपवाद मार्ग - *Apavāda Mārga.*
Exceptional way
असमर्थ ज्यों धारा शुद्ध आत्मभावना के सहकारीभूत प्रासुक आहार, ज्ञान व उपकरण आदि ग्रहण करने की आचरण करना अथवा मुनियों की उत्कृष्ट सर्वोत्कृष्ट उत्सर्ग मार्ग से भिन्न स्थविरकल्पी मुनियों की सराग चर्या । अपरनाम - अपवाद, व्यवहारनय, एकदेशत्याग, अपहृत संयम, सराग चारित्र, शुभोपयोग।

अपवाद लिंग - *Apavāda Liṁga.*
A soul with attachment
परिग्रह सहित लिंग ।

अपशब्द खंडन - *Apaśabda Khaṁḍana.*
A book written by '*Acharya* Shubhchandra'
आचार्य शुभचन्द्र द्वारा रचित न्याय विषयक एक ग्रन्थ ।

अपसरण - *Apasaraṇa.*
Regression
घटना - विशुद्धता की वृद्धि से स्थितिबंध का क्रम से घटना स्थितिबंधापसरण है ।

अपसिद्धान्त - *Apasiddhānta.*
Erroneous doctrine.
किसी अर्थ के सिद्धांत को मानकर नियम-विरुद्ध कथा प्रसंग करना ।

अपस्मार - *Apasmāra.*
Epilepsy.
स्मरण शक्ति का अभाव, मूर्छारोग ।

अपहृत - *Apahṛta.*
Detachment, Abducted.
दूर कर देना, अपहरण किया हुआ ।

अपहृत संयम - *Apahṛta Saṁyama.*
A type of restraint possessed by the saints of the 6th & 7th stage of spiritual development.
सरागचारित्र का अपरनाम-यह छठे सातवें गुणस्थानवर्ती मुनि के होता है ।

अपाच्य - *Apācya.*
West direction, Indigestible.
पश्चिम दिशा, जो पच (हजम) न सके ऐसा भोजन ।

अपात्र - *Apātra.*
Worthless, Vowless
सम्यक्त्व, शील और व्रत से रहित जीव, जो दान का पात्र न हो।

अपादान कारक - *Apādāna Kāraka*
Ablative case
षट्कारकों में पंचमविभक्तिरूप कारक ।

अपादान शक्ति - *Apādāna Śakti*
Power of self stability
उत्पाद व्यय से आलिंगित भाव का नाश होने से हानि को प्राप्त न होने वाली ध्रुवत्वमयी अपादान शक्ति है ।

अपाप - *Apāpa*
State of sinlessness, The 13th predestined *Tirthankara* (Jaina - Lord)
पाप रहित अवस्था, भावी तेरहवें तीर्थंकर, अपर नाम 'निष्पाप' व 'पुण्यमूर्ति' है ।

अपाय - *Apāya.*
Misfortune or calamity destroying the path of liberation
नाश, स्वर्ग व मोक्ष की क्रियाओं का विनाश करने वाली प्रवृत्ति ।

अपायविचय - *Apāyavicaya*
Cogitational meditation on worldly troubles
धर्मध्यान के 4 भेदों में एक; अपने व अन्य जीवों के कर्मों का नाश कैसे हो ऐसा विचार करना ।

अपार्थक - *Apārthaka*
Want of syntactical construction, incoherent.
जहाँ अनेक पद या वाक्यों का पूर्वापर क्रम से एक दूसरे से मेल न खाता हो अर्थात् असंबंधित अर्थ वाला हो ।

अपावन - *Apāvana.*
Vitiated, Not sacred, Unholy
अपवित्र ।

अपुनरागमन - *Apunarāgamana.*
Salvation, Liberation from the world.
जो आत्मा मोक्ष अवस्था को प्राप्त कर निराकुलतामय सुख का अनुभव कर चुकी है उसका पुनः संसार में लौटकर न आना ।

अपुनरुक्त अक्षर - *Apunarukta Akṣara*
The words which are not repeated again.
जो अक्षर दुबारा न आवे, अक्षरात्मक श्रुतज्ञान में जितने जितने जितने के अक्षर हैं वे 'अ' आदि अक्षर के संयोगादि करने से बनते हैं।

अपुनर्भव - *Apunarbhava.*
Free from rebirth.
दुबारा जन्म न होना ।

अपूर्वकरण - *Apūrvakaraṇa.*
The 8th spiritual stage of salvation among all 14 (a *Gunsthan*)
मोक्ष मार्ग के चौदह गुणस्थानों में आठवां गुणस्थान ।

अपूर्वकरण क्षपक - *Apūrvakaraṇa Kṣapaka*
Saints of the 8th *Gunsthan* - an advance stage

of spiritual development.
इपक श्रेणी चढ़ने वाला 8 वां गुणस्थानवर्ती साधक ।

अपूर्वकृष्टि – *Apūrvakṛṣṭi.*
A type of *Krishties.*
प्रथम समय में की गयी कृष्टियों की अपेक्षा द्वितीय समय में की गई नवीन कृष्टियां जिनको अपूर्व अनुभाग के कारण अपूर्वकृष्टि कहते हैं ।

अपूर्वचैत्यक्रिया – *Apūrvacaityakriyā.*
A type of devotional prayer
एक कृतिकर्म; छह माह के बाद जो चैत्य-जिनप्रतिमा का दर्शन होता है उसे अपूर्वचैत्य कहते हैं उनकी वंदना में भक्तिपाठ करना अपूर्व चैत्यक्रिया कहलाता है। जिसमें सिद्ध भक्ति, श्रुत भक्ति, चारित्र भक्ति, चैत्य भक्ति, पंचगुरु भक्ति, शांति भक्तिकी जाती है।

अपूर्व योग – *Apūrva Yoga.*
Unprecedented meditation
जो योग पहले कभी प्राप्त न किया हो ।

अपूर्व वाद – *Apūrvavāda.*
Doctrine of merit and demerit.
गुण-अवगुण का सिद्धान्त ।

अपृथक् विक्रिया – *Apṛthak Vikriyā.*
Inseparable transformation of body.
शरीर को ही नाना रूप परिणमित करना, शरीर से पृथक् अन्य विक्रिया का न होना ।

अपूर्व स्पर्धक – *Apūrva Spardhaka.*
Unprecedented fruitful *karmic* matters.
कर्म परमाणुओं के समूहरूप स्पर्द्धक जिनको अनिवृत्तिकरण परिणामों से अपूर्वरूप कर दिया जाये ।

अपूर्वार्थ – *Apūrvārtha.*
Previously unrecognized object, an object not known before.
जो पदार्थ पूर्व में किसी भी प्रमाण द्वारा निश्चित न हुआ हो ।

अपेक्षा – *Apekṣā.*
In regard of, Expectation, To anticipate.
विवक्षा, प्रधानता ।

अपेक्षाकृत – *Apekṣākṛta.*
Comparatively, Relatively.
विवक्षा, सापेक्ष-द्रव्य में गुण और स्वभाव अपेक्षाकृत होते है, विरोधी नहीं ।

अपोह – *Apoha.*
Doubt removal, Exclusion.
जिसके द्वारा संशय के कारणभूत विकल्प का निराकरण किया जाता है ।

अपोहरूपता – *Apoharūpatā.*
Doubtlessness, Exclusiveness.
एक पदार्थ के अभाव से दूसरे पदार्थ के सद्भाव को दर्शाना जैसे घट का अभाव ही पट है या द्रव्य का अभाव ही गुण है इत्यादि।

अपोहा – *Apohā*
Speculative knowledge
ईहाज्ञान का पर्यायवाची – जिसमें अवग्रह के द्वारा गृहीत अर्थ में नहीं जाने गये विशेष की तर्कणा करना ।

अपौरुषेय – *Apauruṣeya.*
Impersonal.
जो किसी के द्वारा बनाया न हो, वाच्य वाचक भाव से तथा पद-पंक्तियों के द्वारा प्रवाह रूप से आने के कारण आगम अपौरुषेय है।

अप् – *Ap.*
Water.
जल ।

अप्कायिक जीव – *Apkāyika Jīva.*
Water bodied beings (one sensed).
जल शरीर को धारण करने वाले जलकायिक एकेन्द्रिय जीव ।

अप्रकंप – *Aprakampa.*
Vibration-less.
कंपन रहित ।

अप्रकाश – *Aprakāśa.*
Absence of light i.e. darkness.
प्रकाश का अभाव अर्थात् अंधकार ।

अप्रणतिवाक् – *Apraṇativāk.*
Inspiration of ill - manners.
जिसे सुनकर तपोनिधि या गुणी जीवों के प्रति अविनय की प्रेरणा मिले ।

अप्रतिकर्म – *Apratikarma.*
Karma causing unopposition.
परम उपेक्षा संयम के बल से देह के प्रतिकार रहित होने से अप्रतिकर्म होता है ।

अप्रतिक्रमण – *Apratikramaṇa.*
State of non - repentance.
प्रतिक्रमण से रहित अवस्था; यह दो प्रकार की है – अज्ञानी जनों के आश्रित हेय उपादेय के विवेक शून्य निरर्गल प्रवृत्ति रूप, ज्ञानी जीवों के आश्रित अभेद रत्नत्रय या त्रिगुप्ति रूप अर्थात् ध्यान रूप है, ज्ञानीजनों के आश्रित प्रतिक्रमण का नाम निश्चय प्रतिक्रमण भी है ।

अप्रतिघात – *Apratighāta.*
Obstruction free body, without opposition.
जिनकी किसी मूर्तिक पदार्थ से रूकावट न हो, ऐसे कार्मण व तैजस शरीर ।

अप्रतिपक्ष प्रकृति – *Apratipakṣa Prakṛti.*
Types of *Karmic* nature without having their counter *Karmic* nature.
जिन कर्म प्रकृतियों की प्रतिपक्ष कर्म प्रकृतियां न हों ।

अप्रतिपत्ति – *Apratipatti*
Non - availability
अनुपलब्धि ।

अप्रतिपातिकी – *Apratipātikī*

Becoming deteriorate free due to restraint.

संयम परिणाम की वृद्धि होने से गिरावट का न होना अप्रतिपातिकी है।

अप्रतिपाती – *Apratipāti.*

Undestroyable knowledge

नष्ट न होने वाला–सर्वावधि–परमावधि नामक अवधिज्ञान एवं मनःपर्यय ज्ञान (केवलज्ञान होने तक) नहीं छूटते इसलिए इन्हें अप्रतिपाती कहा है।

अप्रतिबन्ध – *Apratibandha.*

Unrestricted, Unobstructed

निषेध, बंधन से रहित।

अप्रतिबुद्ध – *Apratibuddha.*

Egotistical nature of soul.

आत्मा का धर्म - नोकर्म में अहंबुद्धि का होना।

अप्रतिभा – *Apratibha.*

Without brilliance, want of genius and intellect.

प्रतिभा का अभाव, किसी कारण से वादी का समय पर उत्तर न देना।

अप्रतिभासत्व – *Apratibhasatva.*

Non-cognizability.

आभास से रहितता।

अप्रतियोगी – *Apratiyogī.*

Uncompetative, Unopposing, Unique.

जिसका कोई विरोधी न हो, जिस धर्म में जिस किसी धर्म का अभाव नहीं होता वह धर्म उस अभाव का अप्रतियोगी है।

अप्रतिवीर्य – *ApratiVirya*

Omnipotent.

अतुलशक्तिशाली।

अप्रतिशासन – *Apratiśāsana.*

One's domination over all states.

जिसका प्रतिद्वंदी शासक न हो, एक ही व्यक्ति का राज्य हो।

अप्रतिष्ठान – *Apratiṣṭhāna.*

Name of low esteemed place (of 7th hell).

सप्तम नरक का इन्द्रक बिल।

अप्रतिष्ठित प्रत्येक वनस्पति –

Apratiṣṭhita Pratyeka Vanaspati.

Non - parasitic plants.

वह वनस्पति जिसके आश्रय से साधारण निगोदिया जीव न रहें।

अप्रतिसरण – *Apratisaraṇa.*

Non-pursuit for the good.

अनुसरण रहित या जो अनुसरण के योग्य न हो।

अप्रत्यक्ष उपचार विनय –

Apratyakṣa Upacāra Vinaya.

Indirect reverential greetings, devotional worshipping etc.

परोक्ष विनय ; पंच परमेष्ठी गुरु आदि के सामने न होते हुए भी रूप सहित उनको नमस्कार, स्तुति, आज्ञा पालन करना।

अप्रत्यवेक्षित – *Apratyavekṣita.*

Not having seen

बिना देखे हुए। बिना देखे अथवा बिना शोधे किसी वस्तु को जमीन आदि पर रख देना दोषास्पद है।

अप्रत्याख्यान - *Apratyākhyāna.*

Partial renunciation

अपूर्ण त्याग, एक देश त्याग, थोड़ा चारित्र।

अप्रत्याख्यानावरण – *Apratyākhyānāvaraṇa*

Karma nature obscurring the partial vows (*Anuvrata*).

चार कषायों मे एक कषाय जो देश चारित्र अर्थात् अणुव्रत को नही होने देती है एवं यह क्रोध, मान, माया, लोभ इन चारों रूपों मे रहती है।

अप्रदेश – *Apradeśa.*

Mono spatial (related to particles)

एक प्रदेश परमाणु में उस प्रदेश को छोड़कर अन्य संज्ञा को प्राप्त होने वाला दूसरा प्रदेश न होने से एक परमाणु अप्रदेश है।

अप्रमत्त - *Apramatta.*

Non-carelessness

प्रमादरूप परिणामों का अभाव।

अप्रमत्तविरत - *Apramattavirata.*

The 7th *Gunsthan* - an advance stage of spiritual development, One perfect in vows.

7 वा गुणस्थान – संज्वलन, नोकषाय का मंद उदय होने से मुनि के प्रमाद रूप परिणाम का अभाव होना, 7वें गुणस्थानवर्ती मुनि को भी अप्रमत्तविरत कहते है।

अप्रमत्तसंयत – *Apramattasaṁyata*

Vigilantly restrained one.

सातवें गुणस्थान वाले साधु जो संयम को प्राप्त करके, प्रमाद का अभाव होने से अविचलित संयमी होते है एवं निरन्तर आत्म-ध्यान में लीन रहते है।

अप्रमा - *Apramā.*

Error, False knowledge.

भ्रांत ज्ञान, अयथार्थ जानकारी।

अप्रमाद - *Apramāda.*

Vigilance, Carefulness.

प्रमादी न होना, आत्मानुभव में लीन रहना।

अप्रमार्जित - *Apramārjita.*

Unbroomed, uncleaned

बिना देखी और बिना प्रमार्जित वस्तुएं, स्थान आदि।

अप्रमेय - *Aprameya.*

Unlimited, Undefined

अपरिमित, असीमित।

अप्रयत - *Aprayata.*

Non - vigilance, Carelessness.

अयत्नाचार, प्रमाद, असावधानी।

6

अप्रवीचार – *Apravicāra.*
Without sexual desire
कामसेवन का अभाव, 16 स्वर्गों से ऊपर के देव प्रवीचार रहित होते हैं ।

अप्रशस्त – *Apraśasta*
Evils, Not praised
जिन कार्यों से प्राणियों को पीड़ा होती है ।

अप्रशस्त विहायोगति – *Apraśasta Vihāyogati*
A type of *karmic* nature causing inauspicious spatial movement.
नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से आकाश में गमन असुहावना हो ।

अप्रशस्तोपशामना – *Apraśastopaśāmanā*
A type of subsidence, cessation (of *Karmas*).
अप्रशस्त उपशम के द्वारा जो प्रदेशाग्र उपशांत होता है उसमें उत्कर्षण, अपकर्षण तथा संक्रमण तो होता है लेकिन उदयावली के योग्य नहीं होता इसे देशकरणोपशामना भी कहते हैं ।

अप्रसिद्ध – *Aprasiddha.*
Unknown, Obscure. Not famous
जो प्रसिद्ध नहीं है, जो संदेह आदि से युक्त होने से अनिश्चित है ।

अप्रादेशिक – *Aprādeśika*
Indivisible space point of a matter.
एक प्रदेश जिसके विभाग न हों, पर परमाणु है ।

अप्राप्यकारी इंद्रियाँ – *Aprāpyakārī Indriyāṇi.*
Visionary senses, eye & mind.
जो इन्द्रियां पदार्थों को बिना स्पर्श किए दूर से जाने, चक्षु एवं मन।

अप्रायोजक – *Aprāyojaka.*
Inadmissible
अग्राह्य, अस्वीकृत ।

अप्रावृत – *Aprāvṛta.*
Nude, Uncovered
आवरण रहित, नग्न ।

अप्रासुक – *Aprāsuka.*
Impure, Unsterilized.
सचित्त, जो एकेन्द्रिय जीव सहित हो ।

अप्रिय – *Apriya.*
Unpleasant, sorrowful.
अरति, भय, खेद, शोक या मन को संताप कराने वाला ।

अप्रेरक – *Apreraka.*
Uninspiring.
उदासीन, जिससे प्रेरणा न मिल सके ।

अप्सरा – *Apsarā.*
Beautiful female deities
देवी-देवांगना, नृत्यकारिणी देवी ।

अबंध – *Abandha.*
Not subject to bondage of *Karmas*
कर्मों के बंध न होने की स्थिति ।

अबद्ध – *Abaddha.*
Unbound, Unrestrained
ज्ञानी जो कर्म करता हुआ भी नहीं बंधता ।

अबद्धायुष्क – *Abaddhāyuṣka.*
One without any *karmic* binding of age regarding next birth
जिन जीवों को आगामी आयु का बंध न हुआ है वे अबद्धायुष्क कहलाते हैं ।

अबध्यदेश – *Abadhyadeśa*
The city situated in *Videh Kshetra* (a region)
विदेह क्षेत्र में स्थित तीर्थंकर सुबाहु की नगरी का नाम

अबब – *Ababa*
A number (10,000,000)[11].
एक संख्या प्रमाण – (10,000,000)[11] ।

अबला – *Abalā.*
Woman, Name of a female deity.
अनाथ स्त्री, स्त्री, विद्युत्प्रभ गजदंत पर्वत के स्वस्तिककूट की व्यंतरदेवी ।

अबाधित – *Abādhita*
Unobstructed, Irrefutable
जो दूसरे प्रमाण से बाधित न हो ।

अबुद्धिपूर्वक – *Abuddhipūrvaka.*
With stupidity or senselessness, Desireless activities of a great saint.
विवेक रहित, वीतरागी मुनियों की इच्छा के बिना होने वाली क्रियाएं अबुद्धिपूर्वक कहलाती हैं ।

अब्बहुल भाग – *Abbahula Bhāga*
First earth of lower sub-universe, The third part of the first earth *Ratnaprabha* of hellish world
अधोलोक की प्रथम पृथ्वी रत्नप्रभा के तीन भागों में तीसरा भाग जो 80,000 योजन मोटा है तथा जिसमें प्रथम नरक स्थित है।

अब्बुद – *Abbuda.*
A number (10,000,000)[8].
एक संख्या प्रमाण – (10,000,000)[8] ।

अब्रह्म – *Abrahma.*
Uncelibacy, Lustfulness.
ब्रह्मचर्य का न होना, काम विकार, मैथुन भाव ।

अब्रह्मवर्जन – *Abrahmavarjana.*
Abandonment of Incontinence.
कुशील का निषेध; ब्रह्म की विपरीत क्रिया का निषेध ।

अबाधित विषयत्व – *Abādhita Viṣayatva.*
Irrefutable objectivity.
बाधा रहित विषय ।

अबाध्य – *Abādhya.*
Incapable of being contradicted
विरोध करने में असमर्थता ।

अबोधी – *Abodhi*
Ignorance of the truth
समझ या बुद्धि की कमी होना

अभक्ष्य – *Abhakshya*
Non - edible food
न खाने योग्य पदार्थ ।

अभयंकर – *Abhayamkara*
Name of a planet.
88 ग्रहों में से एक ग्रह ।

अभय – *Abhaya*
Courageous. Name of an *Anuttaropapadak*
निर्भय, भगवान महावीर के तीर्थ में हुए अनुत्तरोपपादकों (अनुत्तर स्वर्ग में जन्म लेने वाले देव) में से एक ।

अभयकीर्ति – *Abhayakirti*
A disciple of *Acharya* Ajitkirti.
ई. स. 1616 में अजितकीर्तिजी के शिष्य जिनके द्वारा अनन्तव्रत कथा नामक प्रधान कृति की रचना हुई ।

अभयकुमार – *Abhayakumara.*
The son of king Shrenik.
राजा श्रेणिक की नन्दिश्री रानी से उत्पन्न हुआ पुत्र ।

अभयचन्द्र – *Abhayacandra.*
An *Acharya* - the writer of Syadvada Bhushan
आचार्य (ई. श. 13) जिन्होंने लघीयस्त्रय पर स्याद्वादभूषण नाम की तात्पर्यवृत्ति टीका की रचना की, इस नाम के कुछ और आचार्य भी हुए हैं ।

अभयदान – *Abhayadāna.*
Amnesty. Making the beings fearless or giving protection to them. Providing / donating hermitage for the saint.
चार दानों में एक दान; प्राणियों के सर्वप्रकार के भय दूर करना । साधुओं के लिए वसतिका का दान करना

अभयनन्दि – *Abhayanandi.*
An *Acharya* saint, who wrote a treatise 'Jainendra Mahavritti'.
एक दिगम्बर जैन आचार्य, जिन्होंने ई. सन्. 930 – 950 में जैनेन्द्र महावृत्ति नामक प्रधान कृति की रचना की ।

अभयमती – *Abhayamati.*
Name of an *Aryika*, the disciple of *Acharya* Dharmsagar and younger sister of *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji of household life.
पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की शिष्या एवं गृहस्थावस्था की लघु बहन, जिन्होंने सन् 1964 में पूज्य माताजी से क्षुल्लिका दीक्षा ली एवं 1969 में आचार्य धर्मसागर जी महाराज से आर्यिका दीक्षा ग्रहण की । धर्मप्रभावना के साथ इन्होंने अनेक प्रकार का साहित्य सृजन भी किया है ।

अभयसेन – *Abhayasena.*
Acharya saint, who was disciple of *Acharya* Siddhasen.

आहार विहार के लिए [illegible] के गुप्त

अभयारण्य – *Abhayaranya*
Sanctuary
वन जहाँ पशु - पक्षी निर्भय होकर रहते हैं ।

अभवस्थ – *Abhavastha*
An emancipated or salvated soul
जो भव (संसार) में स्थित नहीं है अर्थात् जो सिद्ध है

अभव्य – *Abhavya*
Those not having potential to get salvation
जिस आत्मा में मोक्ष प्राप्त करने की योग्यता नहीं है ।

अभव्यत्व – *Abhavyatva*
Incapability for salvation
सम्यग्दर्शनादि पर्यायों की अभिव्यक्ति की योग्यता न होना ।

अभाव – *Abhāva.*
Non - existence, Negative aspect, Termination
एक पदार्थ की दूसरे पदार्थ में गैर मौजूदगी ।

अभाव भावशक्ति – *Abhava Bhavaśakti*
Power of expressing non-existance (lack)
आत्मा की अप्रवर्तमान पर्याय के अभवनरूप अभाव भावशक्ति है

अभाववाद – *Abhavavada*
Views of non-existance, Views of negative aspects
एक स्वतन्त्रवाद, जो मत भावरूप वस्तु को सर्वथा स्वीकार नहीं करता ।

अभाषा – *Abhasa*
Unsyllabary language (speechless)
जो शब्द कोई भाषारूप न हो, बाँसुरी, शंख, वीणा, मेघ आदि से उत्पन्न शब्द ।

अभिकल्पना – *Abhikalpanā.*
Meaningful supposition
सोद्देश्य कल्पना ।

अभिगत – *Abhigata.*
Acquired.
प्राप्त किया हुआ (या प्राप्त करना) ।

अभिगम – *Abhigama.*
Acquisition of knowledge, Attainment
निर्णीत ज्ञान, पास जाना या आना ।

अभिगमन – *Abhigamana*
Approach, Cohabitation, Going near
सम्मुख या समक्ष आना ।

अभिगृहीत – *Abhigṛhīta*
Wrong belief caused due to others' preaching.
दूसरों का उपदेश सुनकर जीवादि तत्वों में अश्रद्धा होना अभिगृहीत मिथ्यात्व है ।

अभिगृह – *Abhigṛha.*
Assertion, Secret resolution.
प्रतिज्ञा (साधु द्वारा आहार के लिए जाते समय लिया जाने वाला

विशेष नियम आदि) ।

अभिघात – *Abhighāta*

To attack. To hurt

आघात करना, प्रहार ।

अभिघातगति – *Abhighātagati*

Impact speed

गेंद आदि की गति ।

अभिचन्द्र – *Abhicandra.*

The 10th ethical founder (*kulkar*)

दसवें कुलकर का नाम ।

अभिजित – *Abhijita.*

Name of a lunar

एक नक्षत्र का नाम ।

अभिताप – *Abhitāpa*

Prickly hot, Pain or trouble

अत्यंत गर्मी, दुख या पीडा ।

अभिधान – *Abhidhāna.*

Something causing expression eg formulae etc

वाचक या प्रतिपादक – सूत्र आदि ।

अभिधान चिंतामणि कोष – *Abhidhāna Cintāmaṇi Koṣa*

A dictionary in *Sanskrit* language.

एक संस्कृत शब्द कोश ।

अभिधेय – *Abhidheya.*

Subject matter.

वाच्य या प्रतिपाद्य अथवा कथन करने योग्य विषय ।

अभिनन्दन – *Abhinandana.*

Ceremonial greetings, Praise, Applause.

प्रशंसा, अभिवृद्धि ।

अभिनन्दननाथ – *Abhinandananātha.*

Name of the 4th *Tirthankar* (Jaina-Lord).

वर्तमान के चौथे तीर्थंकर का नाम । आप महाराजा स्वयंवरराय एवं महारानी सिद्धार्था के पुत्र थे। आपका जन्म माघ शु. 12 एवं मोक्ष वैशाख शु. 6 को हुआ। आपका वर्ण–क्षत्रिय, वंश–इक्ष्वाकु, देहवर्ण–तप्त स्वर्ण सदृश, चिन्ह–बंदर एवं आयु 50 लाख पूर्व वर्ष थी। आपकी जन्मभूमि अयोध्या (उ.प्र.) है ।

अभिनन्दनसागर – *Abhinandanasāgara.*

Name of the 6th *Acharya* in the tradition of *Acharya* Shantisagar Maharaj.

बीसवीं सदी के प्रथम आचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांतिसागर महाराज की परंपरा के वर्तमान छठें पट्टाचार्य ।

अभिनिबोध – *Abhinibodha.*

Deductive reasoning, Sensory knowledge

मतिज्ञान का एक नाम, अनुमान ज्ञान, जैसे धुएं को देखकर अग्नि का ज्ञान ।

अभिनिर्वर्तन – *Abhinirvartana.*

Get rid of.

छुटकारा पाना ।

अभिनिवेश – *Abhiniveśa.*

Attachment, Obstinacy.

कर्मजनित स्वशरीर आदि द्रव्यों में आत्मीयपने का भाव

अभिनिवेशिक – *Abhiniveśika.*

Irrational.

विवेक रहित, न्यायविरुद्ध ।

अभिनिषद्या – *Abhiniṣadyā.*

A place of study or sitting

बैठने या पढ़ने का स्थान, आसन ।

अभिन्न – *Abhinna.*

Undivided, Inseparable.

अखंड, एकमेक अवस्था ।

अभिन्नपूर्वी – *Abhinnapūrvī.*

Saints having knowledge of 10th *Purva* (a part of scripture).

विद्यानुवाद नामक दशवपूर्व पढ़कर के जो च्युत न हों ऐसे निर्दोष साधु ।

अभिप्राय – *Abhiprāya.*

Motive, Intention, Meaning.

आशय, उद्देश्य ।

अभिप्रेत – *Abhipreta.*

Desirable, Intended.

जो इष्ट हो ।

अभिभव – *Abhibhava.*

Subjugation, Humiliation, Insult.

पराभव, दमन, पराभूत होना, अपमान ।

अभिमन्यु – *Abhimanyu.*

The son of Arjun.

सुभद्रा रानी से उत्पन्न अर्जुन का पुत्र ।

अभिमान – *Abhimāna.*

Haughtiness, Pride, Arrogance.

घमण्ड, मान कषाय के उदय से उत्पन्न अहंकार ।

अभियोग (देव) – *Abhiyoga (Deva).*

The serving deities.

जो देव दास कर्म, वाहनादि बनने का काम करते हैं ।

अभियोगी भावना – *Abhiyogī Bhāvanā.*

Desire of performing miracles (by saints).

साधु द्वारा रसादिक ऋद्धि में आसक्त होकर तंत्र, मंत्र, भूतकर्म व हास्य से आश्चर्य उत्पन्न करने की भावना ।

अभिरम – *Abhirama.*

Engrossed in enjoyment.

रमना अर्थात् मनोरंजन होना ।

अभिलाप – *Abhilāpa.*

Affirming of expounded subject.

प्रतिपाद्य विषय का प्रतिपादन करना ।

अभिलाप्य – *Abhilāpya*
Affirmable matter.
प्रज्ञापनीय-कथन करने योग्य पदार्थ ।

अभिलाषा – *Abhilāṣā*
Longing, Vehement desire
इच्छा-इन्द्रिय भोगों की इच्छा ही अभिलाषा है ।

अभिलाषी – *Abhilāṣī.*
Aspirant
इच्छुक, इच्छा या कामना करने वाला ।

अभिलेख – *Abhilekha.*
Inscription
लिखना, लेख ।

अभिलेखाङ्कित – *Abhilekhankita*
Inscribed.
लिखा हुआ, खुदा हुआ ।

अभिवृद्धि – *Abhivṛddhi.*
Continuous growth or increase, A presiding deity of a lunar.
उत्तरोत्तर वृद्धि, उत्तराभाद्रपद नामक नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम ।

अभिव्यक्त – *Abhivyakta.*
Expressed, Explicit.
प्रकाशित अथवा प्रगट किया हुआ ।

अभिव्यक्ति – *Abhivyakti.*
A manifestation, An expression.
वस्तु के स्वरूप का ज्ञान होना, प्रकट होना, प्रस्तुति ।

अभिव्यापक आधार – *Abhivyāpaka Ādhāra.*
Extensive base of extraction.
आधार का एक भेद - जहा तिल में तेल की तरह व्याप्त होकर रहे वह अभिव्यापक आधार है ।

अभिषंग – *Abhisaṅga.*
Greediness, Deep attachment, Defeat.
लोभ, पराजय ।

अभिषव – *Abhiṣava.*
Reverential procedure of anointing the idol of Jaina Lord.
भगवान का अभिषेक ।

अभिषवाहार – *Abhiṣavāhāra.*
Aphrodisic food, taking of fatty food
भोगोपभोग परिमाण व्रत का अतिचार; गरिष्ठ पदार्थों का सेवन करना ।

अभिषिक्त – *Abhiṣikta.*
Sprinkled, Anointed, Enthroned.
छिड़का हुआ, आर्द्र किया हुआ, जिसका अभिषेक हो चुका हो, प्रतिष्ठित, पदस्थ ।

अभिषेक – *Abhiṣeka.*
Anointment, reverential procedure of anointing the idol of Jaina Lord.
न्हवन, जिन प्रतिमा का विधिपूर्वक स्नान व प्रक्षाल करना ।

अभिषेक पुर – *Abhiṣeka Pura.*
A place of astrological deities
कल्पविमान (नगर) में एक भवन का नाम ।

अभिषेक वन्दना क्रिया – *Abhiṣeka Vandanā Kriyā.*
A devotional prayer, to be observed while anointment (*Abhishek*) of Jaina Lord by saints.
सिद्ध भक्ति, चैत्यभक्ति, पंचगुरु भक्ति, शांति भक्ति पढ़कर प्रतिदिन भगवान का अभिषेक देखते समय साधुओं को यह क्रिया करना चाहिए ।

अभिसन्धिज – *Abhisandhija.*
Voluntary
इरादे से, अभिप्रेत अर्थ ।

अभिसारिका – *Abhisārikā.*
Woman who keeps lovers tryst.
चपला, नगर अगना, इत्वरि-जो पर पुरुष के पास जाती है ।

अभीक्ष्णज्ञानोपयोग – *Abhīkṣṇajñānopayoga*
Ceaseless pursuit of knowledge.
निरन्तर जीवादि पदार्थों में अर्थात् सम्यग्ज्ञान में उपयोग को जोड़े रखना ।

अभूतार्थ – *Abhūtārtha.*
Unreal, Improbable.
असत्यार्थमय व्यवहार नय, जैसे जीव अमूर्तिक है लेकिन कर्मसंयोग से मूर्तिक कहना ।

अभूतोद्भावना वचन – *Abhūtodbhāvanā Vacana.*
A lie statement, Non existent
असत्य, जो नहीं है उसको है कहना ।

अभेद – *Abheda.*
Absence of difference, Identical.
जिसका कोई भेद न किया जा सके ।

अभेदवाद – *Abhedavāda.*
Principle of identity.
एकांत मत, अभेद को मानने वाला मत ।

अभेदस्वभाव – *Abheda Svabhāva.*
Unitary nature; identical
गुण गुणी आदिक में एकपना होने के कारण अभेद स्वभाव है ।

अभेदोपचार – *Abhedopacāra.*
Unitary exposition of different matters.
उपचार का एक भेद-भिन्न द्रव्यों में एकत्व करके कहना अभेदोपचार है ।

अभेद्य – *Abhedya.*
Indivisible, Name of a dominion of Bharat *Chakravarti.*
जो भेदा न जा सके, चक्रवर्ती की 49 विभूतियों में 22वीं विभूति 'कवच' का नाम ।

अभोक्ता - *Abhoktā*

One who does not experience joy, sorrow etc
ज्ञानी कर्म मात्र का ज्ञाता होने से कर्मों का भोक्ता नहीं है इसलिए उसे अभोक्ता कहा है ।

अभोक्तृत्व शक्ति - *Abhoktṛtva Śakti*

Controlling power in experiencing joy & sorrow
समस्त कर्मों से किए गये, ज्ञातृत्वमात्र भिन्न परिणामों के अनुभव का उपरमस्वरूप ।

अभोज्य - *Abhojya.*

Prohibited food.
न खाने योग्य भोजन ।

अभ्यंगस्नान - *Abhyaṁgasnāna.*

To take bath after massage with oil, ghee etc
घी, तैल इत्यादि से मालिश करके पुन: जल से स्नान करना ।

अभ्यंतर तप - *Abhyaṁtara Tapa.*

Internal austerity.
मन का नियमन करने वाला तप। यह तप 6: प्रकार का होता है-प्रायश्चित, विनय, वैयावृत्य, स्वाध्याय, व्युत्सर्ग, ध्यान ।

अभ्यंतरोपधि व्युत्सर्ग -
Abhyaṁtaropadhi Vyutsarga.

Renunciation of internal belongings as anger, passion etc
मिथ्यात्व, क्रोधादि 4 कषाय एवं नो कषाय कुल 14 प्रकार से अभ्यंतर परिग्रह का त्याग ।

अभ्यनुगत - *Abhyanugata*

Permission granted, Consent.
स्वीकृति ।

अभ्यनुज्ञा - *Abhyanujñā*

Admission, Permission.
स्वीकृति, आज्ञा, अनुमति ।

अभ्यन्तर शम्बूक - *Abhyantara Śambūka*

Internally spiral like a conch.
भीतर से शंख जैसा घुमावदार होना ।

अभ्यस्त - *Abhyasta.*

Practiced.
अभ्यास पूर्ण होना ।

अभ्याख्यान - *Abhyākhyāna.*

Malign, To speak ill of, Blamming
हिंसादि कार्य करके हिंसा से विरक्त मुनि या श्रावक पर उसका दोष लगाना ।

अभ्यागत - *Abhyāgata*

Visitors.
मेहमान, मुनियों को अतिथि तथा इनके सिवाय अन्य सर्व पात्रों को अभ्यागत कहते हैं ।

अभ्यादान - *Abhyādāna.*

Beginning, Initial stage
उपक्रम, प्रारम्भ, सूत्रपात करना ।

अभ्यास - *Abhyāsa*

Practice Study.
एक विषय के बार-बार ज्ञान होने से प्राप्त या उत्पन्न हुए संस्कार

अभ्युत्थान - *Abhyutthāna.*

Progress, Rising (as a mark of respect.)
उन्नति, विनय पूर्वक मुनि के सम्मुख जाना ।

अभ्युदय - *Abhyudaya*

Worldly prosperity
लौकिक सुख

अभ्युदयावह - *Abhyudayāvaha.*

Name of Divyapur (an auspicious creation) of *Samavasharan* (holy assembly of Jaina - Lords)
तीर्थंकर के समवशरण की रचना में जो दिव्यपुर बनता है उसका नाम

अभ्युपगम सिद्धान्त - *Abhyupagama Siddhānta.*

Principle of examining the matters
चार प्रकार के सिद्धान्तों-सर्वतंत्र, प्रतितंत्र, अधिकरण एवं अभ्युपगम में से एक, बिना परीक्षा किये किसी पदार्थ को मानकर उस पदार्थ की विशेष परीक्षा करना ।

अभ्र - *Abhra*

The sky. The 21st celestial deity & *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
आकाश, सौधर्म स्वर्ग का 21वां पटल व इन्द्रक ।

अभ्रांत - *Abhrānta.*

Correct, free from mistake.
भ्रांति से रहित ।

अभ्रावकाश (योग) - *Abhrāvakāśa (Yoga).*

To meditate in open sky.
खुले आकाश में योग धारण करना ।

अमनस्क - *Amanaska.*

One without *mind* (i.e. without mental power, perception or feeling)
मन से रहित असंज्ञी । एकेन्द्रिय से चार इंद्रिय तक सभी जीव अमनस्क रहते हैं ।

अमनोज्ञ - *Amanojña.*

Disagreeable, Crude, Clumsy.
अप्रिय, जो मन-इन्द्रियों को अच्छा न लगे ।

अमम - *Amama*

A time unit.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख अममांग का एक अमम ।

अममांग - *Amamaṁga*

A time unit
काल का एक प्रमाण विशेष ।

अमर - *Amara.*

Immortal, Eternal, All deities are also called as *Amar*.
जिसका कभी मरण न हो जैसे सिद्ध भगवान। चार प्रकार के

देवताओं को भी अमर कहते हैं ।

अमरकीर्ति गणी – *Amarakirti Gani.*

A disciple of '*Acharya* Chandrakirti'.

ई. सन् 1187–1190 में चन्द्रकीर्ति जी के शिष्य जिन्होंने नेमिणाहचरिउ प्रधान कृति की रचना की ।

अमरकोष टीका – *Amarakosa Tikā.*

A book written by '*Pandit* Ashadhar'

प. आशाधर (ई. सन् 1173–1243) द्वारा लिखित एक कृति ।

अमरण स्थान – *Amaraṇa Sthāna*

The 3rd, 12th and 13th spiritual stage of development (*Gunsthan*), where death could not take place

जीव के वे गुणस्थान जिनमें मरण नहीं होता, 3रा, 12वा, 13वा गुणस्थान ।

अमरलोक – *Amaraloka.*

Auspicious super place of salvated souls.

सिद्धालय, जहां मुक्तात्माएं विराजती है। देवताओं का एक नाम 'अमर' है इसलिए उनके निवास स्थान स्वर्ग को भी अमरलोक कहते हैं ।

अमरसेनचरिउ – *Amarasenacariu.*

A book written by Manikyaraj

ई. सन् 1519 में माणिक्यराज द्वारा रचित मुनि अमरसेन के जीवन वृत पर रचित एक ग्रन्थ ।

अमरावती – *Amarāvati.*

The city of '*Saudharm Indra*' (celestial deity)

सौधर्म इन्द्र के पुर का नाम ।

अमरेन्द्रकीर्ति – *Amarendrakīrti.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandisangh* (a group)

नन्दिसंघ की नागौर गद्दी के एक भट्टारक ।

अमर्यादित भोजन – *Amaryādita Bhojana.*

The stale food (non-edible).

समय विशेष की मर्यादाओं के बाहर खाद्य पदार्थों में जीवोत्पत्ति होने से वे खाद्य पदार्थ अमर्यादित भोजन कहलाते हैं ।

अमर्षण – *Amarsaṇa.*

Intolerance, Angerness.

धैर्यहीनता, असहनशीलता ।

अमलप्रभ – *Amalaprabha.*

The 7th *Tirthankar* (Jaina - Lord) of past era.

भूतकालीन सप्तम तीर्थंकर ।

अमलान – *Amalāna.*

Pure, sacred, free from all *Karmas*.

पवित्र, कर्ममल से रहित ।

अमात्य – *Amātya.*

A minister of the state.

देश का अधिकारी, मंत्री ।

अमारी – *Amāri.*

Killing prohibition, free from violence.

सुभिक्ष (हिंसा आदि का न होना) ।

अमावस्या – *Amāvasyā*

The last day of the dark fort night of a lunar month

प्रतिमाह के कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि, राहुबिम्ब के द्वारा एक-एक कलाओं के आच्छादित हो जाने पर इस तिथि में चन्द्रमा की एक ही कला दिखती है ।

अमित – *Amita.*

Immeasurable, Name of a space vehicle of some *Indras*.

जिसे मापा न जा सके, अहमिन्द्रों के लोकपालों के प्रधान विमानों में एक विमान ।

अमितगति – *Amitagati*

Immeasurable speed. A disciple of '*Acharya* Devsen' of *Mathur* group

ऐसी गति जिसको मापा न जा सके, आचार्य (ई. 923 – 963) जो देवसेन के शिष्य तथा नेमिषेण के गुरु थे, इस नाम के और भी कुछ आचार्य हुए हैं ।

अमितगति (देव) – *Amitagati (Deva)*

Name of a celestial deity

भवनवासी देवों के दिक्कुमार जाति के पहले इन्द्र का नाम ।

अमितगति श्रावकाचार – *Amitagati Śrāvkācāra.*

A book written by '*Acharya* Amitagati'

आचार्य अमितगति (ई. सन् 983 – 1023) द्वारा संस्कृत छन्दों में रचित एक ग्रंथ ।

अमितज्ञान – *Amitajñāna.*

Omniscience

केवलज्ञान अर्थात् अनंतज्ञान ।

अमिततेज – *Amitateja.*

The son of Arkkirti

अर्ककीर्ति का पुत्र था, अशनिघोष द्वारा बहन सुतारा के चुराये जाने पर महाज्वाला विद्या सिद्ध कर उसे हराया ।

अमितमति – *Amitamati.*

The wife of an ethical founder (*Kulkar*) 'Prasenjit'

एक कुलकर 'प्रसेनजित्' की पटरानी का नाम ।

अमितवाहन – *Amitavāhana.*

Name of a celestial deity

भवनवासी देवों की दिक्कुमार जाति के दूसरे इन्द्र का नाम ।

अमितसागर (मुनि) – *Amitasāgara (Muni).*

Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Dharmasagar Maharaj.

चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के तृतीय पट्टाधीश आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज के एक प्रभावक शिष्य (ई.श. 20–21) ।

अमितसेन – *Amitasena.*

A disciple of '*Acharya* Jaisenji'

आचार्य जयसेन के शिष्य (ई. 743 – 783) ।

अमुक्त - *Amukta.*
Non-liberated (not salvated).
जो मोक्ष को प्राप्त नहीं हुए हैं।

अमुख्यमंगल – *Amukhya Mamgala.*
Auspicious articles
गौण मंगल, पीली सरसों, पूर्ण कलश, वन्दनमाला, छत्र, दर्पण, उत्तम जाति का घोड़ा, कुमारी कन्या आदि ये अमुख्य मंगल हैं।

अमूढ़दृष्टि – *Amūrhadrsti.*
Unblurred perception, Unblemish perception.
सम्यग्दर्शन का चौथा अंग - मूढ़ता या मूर्खता से किसी कुदेव, कुधर्म, कुशास्त्र में श्रद्धा न लाना।

अमूर्त – *Amūrta.*
Formless, without body, intangible.
जो दृष्टिगत न हो, जिसमें स्पर्श, रस, गंध, वर्ण गुण नहीं पाया जाता हो।

अमूर्तत्व – *Amūrtatva.*
Non - corporality, Intangibility, Non-materiality.
अमूर्त द्रव्यों का भाव, अमूर्त द्रव्यों का एक गुण।

अमृत – *Amrta.*
Nectar; name of a dominion of *Chakravarti*
चक्रवर्ती की 49 विभूतियों में 'पेय पदार्थ' का नाम।

अमृतकल्प – *Amrtakalpa.*
Edible food. name of a dominion of *Chakravarti*.
चक्रवर्ती की 49 विभूतियों में 'खाद्यपदार्थ' का नाम।

अमृतकुम्भ – *Amrtakumbha.*
Nectar pitcher, Real state of self evidence.
अमृत से भरा कलश, समयसार के अनुसार जो प्रतिक्रमण आदि के विकल्पों से रहित तीसरी भूमिका है वह स्वयं साक्षात् अमृतकुम्भ है।

अमृतचन्द्र – *Amrtacandra.*
Name of a famous *Acharya* (saint).
पुरुषार्थसिद्ध्युपाय ग्रंथ व कुन्दकुन्द आचार्य के समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय के संस्कृत टीकाकार एक आचार्य (ई 905 - 955)।

अमृतधारा – *Amrtadhārā.*
A liquid Indian medicine, Name of a place in the south of *Vijayardha* mountain.
कपूर, पीपरमेंट व सत् अजवाइन से निर्मित एक तरल औषधि, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

अमृतसेन (आचार्य) – *Amrtasena (Ācārya).*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Subalsagar Maharaj
आचार्य श्री सुबलसागर महाराज के शिष्य (ई.श. 20-21)।

अमृतस्रावी ऋद्धि – *Amrtasrāvī Rddhi.*
A type of supernatural power of transforming food as the nectar on putting it into the hand of a great saint. Also it is a remedial super power of turning miraculously a diseased one into healthy one just by a kind looking or auspicious utterance of a great saint.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु के हाथ पर रखा कैसा भी आहार अमृतमय हो जाता है अथवा जिनके वचन अमृत के समान हितकारी होते हैं। इस ऋद्धि के प्रभाव से प्रसन्न हृदय वाले महर्षि से देखा गया रोगी जीव भी निरोगी हो जाता है।

अमृताशीति - *Amrtāśīti.*
A book written by *Acharya* 'Yogendudeva'.
आचार्य योगेन्दुदेव (ई.श.6) द्वारा रचित उपदेश मूलक विविध छन्दबद्ध अपभ्रंश भाषा के 82 पद्यों की एक रचना।

अमृषा – *Amrsa.*
True (truth).
सत्य।

अमेचक – *Amecaka.*
To identify uniformity of soul.
शुद्ध निश्चय नय से प्रगट ज्ञायकत्व ज्योतिमात्र से आत्मा की एक स्वरूपता या एकाकार को पहचानना।

अमेध्य – *Amedhya.*
An obstacle in food of saints (touching of impure substance).
अन्तराय, अशुचि वस्तु से स्पर्श लिप्त हो जाना।

अमोघ – *Amogha.*
Name of an arrow, Unfailing
एक बाण जिसे चक्रवर्ती जिनेन्द्र पूजन के पूर्व दिग्विजय के लिए फेंकता है।

अमोघमुखी शक्ति – *Amoghamukhī Śakti.*
A jewel of *Narayan*.
नारायण के सात रत्नों में एक रत्न का नाम।

अमोघ वर्ष – *Amogha Varṣa.*
A king of *Rashtrakuta* dynasty.
राष्ट्रकूट वंश का प्रसिद्ध राजा, जिनसेनाचार्य का शिष्य, अंत में जिन दीक्षा ली।

अमोह – *Amoha.*
Absence of delusion.
मोह से रहित।

अयत साध्य – *Ayata Sādhya.*
Careless, Effortless.
प्रयत्नहीन।

अयतन – *Ayatana.*
Carelessness, Without effort or pain.
बिना किसी प्रयत्न या कष्ट के।

अयत्न साध्य – *Ayatna Sādhya.*
Effortless due to lack of *karmas*.
कर्मों के अभाव का एक प्रकार। जिन कर्मों के अभाव में प्रयत्न कार्यकारी न हो जैसे देव- नरकायु।

अयत्नाचारी – *Ayatnācārī.*
Non - vigilant, Careless.

प्रमादी, असावधानी पूर्वक क्रिया करने वाला।

अयथाकाल – *Ayathākāla.*

Shedding off of *karmas* before their fruition
कर्मों की स्थिति पूरी होने से पहले ही तपस्या आदि से कर्मों की निर्जरा करना।

अयथार्थ – *Ayathārtha.*

Unreal.
जो यथार्थ नहीं है।

अयन – *Ayana*

A time unit (a period of six months), Time required for the movemet of Sun from south to north & north to south
काल का एक प्रमाण (छ माह), दक्षिण से उत्तर एवं उत्तर से दक्षिण में होने वाली सूर्य की गति से होने वाला काल का प्रमाण।

अयशःकीर्ति – *Ayaśaḥkirti*

A type of *karmic* nature causing dishonour
नामकर्म की एक प्रकृति जो अपयश का कारण है।

अयश – *Ayaśa.*

Infamy, Bad reputation.
अकीर्ति, अपयश।

अयुक्त – *Ayukta.*

Untenable, Unjustifiable, Separated, Incompatible.
अयोग्य अथवा जो मिला हुआ न हो।

अयुत – *Ayuta.*

A time unit
काल का एक प्रमाण–84 लाख अयुतांग का एक अयुत।

अयुतसिद्ध – *Ayutasiddha.*

Interdependency of matters.
अपृथक्पना; एक दूसरे के बिना न रहने वाला, जैसे द्रव्य में गुण और पर्याय।

अयुतांग – *Ayutāmga.*

A time unit.
काल का एक प्रमाण - 84 लाख अमम का प्रमाण काल।

अयोग – *Ayoga.*

Static (reg. *Karmic* vibration).
आत्मा के प्रदेशों का सकम्प न होना, कर्म-नोकर्म आकर्षण के लिए जीव की योग्य शक्ति का न चलना।

अयोग केवली – *Ayoga Kevali.*

Omniscient at the 14th stage of spiritual development, free from all *Karmic* vibrations.
14 वें गुणस्थानवर्ती केवली।

अयोगी – *Ayogi.*

See - *Ayogakevali.*
देखें – अयोगकेवली।

अयोध्य – *Ayodhya.*

A dominion, army chief of *Chakravarti*
चक्रवर्ती की 49 विभूतियों में एक विभूति 'सेनापति' का नाम।

अयोध्या – *Ayodhyā*

Birth place of Rishabhadev etc. five Jaina Lords (eternal birth place)
एक नगर का नाम, शाश्वत तीर्थ जहां प्रत्येक चतुर्थ काल में चौबीस तीर्थंकर जन्म लेते हैं, वर्तमान में हुण्डावसर्पिणी काल के दोष से यहाँ पर मात्र पाँच तीर्थंकर - ऋषभ, अजित, अभिनन्दन, सुमति एवं अनन्तनाथ भगवान ने जन्म लिया। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्मभूमि। वर्तमान में यहाँ के जैन तीर्थ (रायगंज) परिसर में 31 फुट उत्तुंग भगवान ऋषभदेव की खड्गासन प्रतिमा विराजमान है। सन् 1965 में आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज की प्रेरणा से यह प्रतिमा स्थापित की गई। 31 जं. सन् 1993 में गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से अनेक निर्माण हुए, भगवान ऋषभदेव का प्रथम बार महामस्तकाभिषेक हुआ और अयोध्या को ऋषभदेव जन्मभूमि के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त हुई। यहाँ पर जन्मे पाँच तीर्थंकरों की पाँच ऐतिहासिक टोंक बनी हुई हैं।

अयोनिज – *Ayonija*

Those who take birth with the power of three gems (Right perception, Right knowledge & Right conduct).
रत्नत्रय की शक्ति रूप संस्कार से जन्म धारने वाले जीव।

अर – *Ara.*

Name of the 18th present *Tirthankar* (Jaina - Lord), the 12 predestined *Tirthankar*, the 14th *Kamdev* & the 7th *Chakravarti*.
वर्तमान चौबीसी के 18 वें तीर्थंकर अरनाथ भविष्य के 12वें तीर्थंकर, 14 वें कामदेव तथा 7 वें चक्रवर्ती का नाम।

अरक्षा भय – *Araksā Bhaya.*

A type of fear.
मेरा कोई रक्षक नहीं है ऐसा भय करना।

अरण्य – *Aranya*

Forest
मनुष्य संचार से शून्य, बेलों व वृक्षादि से परिपूर्ण वन।

अरति – *Arati.*

Hatred, Passion, Disliking.
द्वेष, निरुत्सुकता, उदासीनता, अप्रीति।

अरति परिषह जय – *Arati Parisaha Jaya.*

Getting victory over affliction from hatred, passion etc.
रागद्वेष के कारणों के उपस्थित होने पर भी किसी से रागद्वेष नहीं करना।

अरति प्रकृति – *Arati Prakrti.*

A *karmic* nature causing hatred, passion etc.
जिसके उदय से इन्द्रियों के विषय आदि में उत्सुकता न हो।

अरति वाक् – *Arati Vāk.*

The words producing hatred, passion etc.
वह वचन जिसे सुनकर द्वेष भाव उत्पन्न हो जावें।

अरति वेदनीय - *Arati Vedaniya.*
Distress caused due to hatred, passion etc.
नोकषाय वेदनीयकर्म के उदय से अरति का वेदन (अनुभव) होना ।

अरत्युत्पादक वचन - *Aratyutpādaka Vacana*
Preachings generating disattachment
वह वचन जिसके सुनने से द्वेष भाव उत्पन्न हो जावे ।

अरदास - *Aradasa*
Petition, request, entreaty
विनती, अर्जी ।

अरनाथ - *Aranātha.*
The 18[th] *Tirthankar* (Jaina-Lord) of present era
वर्तमान चौबीसी के 18 वें तीर्थंकर । आप महाराजा सुदर्शन एवं महारानी मित्रसेना के पुत्र थे । आपका जन्म मगसिर शु. 4 एवं मोक्ष चैत्र कृ. अमावस्या को हुआ । आपका वर्ण-क्षत्रिय, वंश-कुरु, देहवर्ण-तप्त स्वर्ण सदृश, चिन्ह-मछली एवं आयु 84 हजार वर्ष थी । आपकी जन्मभूमि हस्तिनापुर (मेरठ) उ.प्र. है ।

अरबुद - *Arabuda.*
A large number-one hundred million.
एक संख्या, अरब (1000000000) ।

अरल सागर - *Arala Sāgara.*
Name of an ocean
पश्चिम तुर्किस्तान का एक समुद्र जो प्राचीन काल में कैस्पियन से मिला हुआ था ।

अरविंद - *Aravinda*
A lotus flower, A king of *Kuru* dynasty.
कमल फूल, कुरुवंश के एक राजा ।

अराग - *Arāga.*
Detachment
राग का अभाव ।

अरिंजय - *Arinjaya*
Name of cities in the south & north of *Vijayardha* mountain
विजयार्ध की उत्तर एवं दक्षिण श्रेणी के नगरों का नाम ।

अरि - *Ari*
An enemy, Delusion
शत्रु, 8 कर्मों में मोह को शत्रु की संज्ञा दी गई है ।

अरिकेसरी - *Arikesari.*
A king of *Chalukya* dynasty.
आप चालुक्यवंशी राजा थे ।

अरिमर्दन - *Arimardana*
A king (*Vidyadhar*) of *Rakshas* dynasty.
राक्षस वंश का एक विद्याधर ।

अरिष्ट - *Arista*
A special type of heavenly deities (*Laukantikdev*). First *Patal* (layer) of *Brahma* heaven, A summit of *Ruchak* mountain, Harmful.
लौकान्तिक देवों का एक भेद, ब्रह्म स्वर्ग का प्रथम पटल, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट । इस शब्द का सामान्य अर्थ अनिष्टकारी भी होता है ।

अरिष्टनेमि - *Aristanemi.*
Another name of Lord Neminath.
हरिवंश में उत्पन्न हुए 22वें राजा - समुद्रविजय के पुत्र भगवान नेमिनाथ का अपरनाम ।

अरिष्टय - *Aristaya.*
Small insects, occurred in the body of children due to sweat etc.
बच्चों के शरीर में पसीना आदि से जो पैदा होते हैं ऐसे क्षुद्र जीव ।

अरिष्टसम्भवा - *Aristasambhavā*
A type of peripatetic deities
आकाशोपपन्न व्यंतर देवों का एक भेद ।

अरिष्टसेन - *Aristasena.*
A chief disciple of Lord Dharmanath, Name of a *Chakravarti.*
धर्मनाथ तीर्थंकर के मुख्य गणधर, भरतक्षेत्र के भविष्यकालीन 12वें चक्रवर्ती ।

अरिष्टा - *Aristā*
Main city of *Kaccha* country of east *Videh* (region).
पूर्व विदेह क्षेत्र में स्थित कच्छ देश की मुख्य नगरी ।

अरिहंत - *Arihanta*
The omniscient Lord.
पंच परमेष्ठियों में प्रथम परमेष्ठी, जिन्होंने चार घातिया कर्मों का नाश कर दिया है । इनके अपरनाम-अर्हन्त, अरुहंत, अरहंत हैं ।

अरिहंत विभव - *Arihanta Vibhava.*
The grandeur of Lord Arihant—the *Samavasharan*.
अरिहंत भगवान की समवसरणरूपलक्ष्मी ।

अरुचि - *Aruci.*
Dislike, Aversion.
अनिच्छा ।

अरुण - *Aruṇa.*
The 6th *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven, Space vehicles of special types of heavenly deities (*Laukantik Dev*), A protecting deity of south *Arunvar* island & ocean.
सौधर्म स्वर्ग का छठा पटल, लौकांतिक देवों के दक्षिण दिशा के विमान, दक्षिण अरुणवर द्वीप एवं समुद्र का रक्षक देव ।

अरुणमणि - *Aruṇamaṇi.*
A poet, who wrote a book 'Ajit Purana'.
एक कवि (ई. 1659) जिन्होंने अजित पुराण ग्रंथ रचा ।

अरुणवर - *Aruṇavara.*
The 9[th] island and ocean of middle universe.
मध्यलोक का नवम द्वीप व सागर ।

अरुणाभास - *Aruṇābhāsa.*
The 10[th] island and ocean of middle universe.
मध्यलोक का दशम (दसवाँ) द्वीप व सागर ।

अरूपत्व – *Arūpatva.*
Formlessness, Non-materiality.
रूप से रहित होना ।

अरूपी – *Arūpī.*
formless, Non-material
जिसका आकार, रूप आदि नहीं है ।

अर्क – *Arka.*
The Sun
सूर्य ।

अर्ककीर्ति – *Arkakīrti*
The son of Bharat Chakravarti
भरत चक्रवर्ती का पुत्र जिसके नाम से सूर्यवंश आरम्भ हुआ ।

अर्घ – *Argha*
Auspicious offerings (as rice etc) for Jaina Lord
अनर्घ पद की प्राप्ति के लिए अरहन्त भगवान् के चरणों में चढ़ाई गई अष्टद्रव्य रूप पूजन सामग्री ।

अर्चन – *Arcana*
Worshipping, Adoration
पूजा करना ।

अर्चि – *Arci.*
Spark, Name of a heavenly spatial place
अग्नि का फुगार, प्रथम अनुदिश विमान ।

अर्चिनिका – *Arcinikā.*
Name of a chief female deity of an *Indra*
दक्षिण इन्द्रों की 8 ज्येष्ठ देवियों में एक ।

अर्चिमालिनी – *Arcimālinī.*
Name of a heavenly aboding place
9 अनुदिश विमानों में दूसरा विमान ।

अर्जुन – *Arjuna.*
The son of king Pandu, Name of a medicinal tree.
राजा पांडु का तीसरा पुत्र, एक औषधि वृक्ष का नाम ।

अर्णव – *Arṇava.*
The ocean
समुद्र ।

अर्ति – *Arti.*
Pain.
दुःख दर्द ।

अर्थ – *Artha*
Motive, Wealth, Meaning, Sense.
प्रयोजन, धन, शब्द का अर्थ ।

अर्थकथा – *Arthakathā.*
Money gossip.
25 क्रियाओं में दूसरी विकथा (धन से संबंधित) ।

अर्थक्रियाकारित्व – *Arthakriyākāritva.*
Practical utility, Causal efficiency.
वस्तु का लक्षण जिससे गुणपर्यायों का अपने – अपने रूप से परिणमन होता है ।

अर्थ क्रिया सामर्थ्य – *Artha Kriyā Sāmarthya*
Grasping capacity
अर्थग्रहण करने की शक्ति ।

अर्थग्रहण – *Arthagrahaṇa*
Comprehension of meaning, Gaining of wealth
ज्ञान (अर्थ) की प्राप्ति होना अथवा धन की प्राप्ति होना ।

अर्थजन्य – *Arthajanya*
Generated by an object (reg. knowledge)
एक दर्शन जो ज्ञान को पदार्थ से उत्पन्न मानता है ।

अर्थदर्शनार्य – *Arthadarśanārya*
A type of *Aryas* having right perception.
वह सम्यग्दृष्टि आर्य जिसको वचनों के विस्तार को सुने बिना अर्थ के समझने से सम्यक्त्व हो

अर्थनिबंधन – *Arthanibandhana.*
A type of composition
नाम का एक भेद – अर्थ आश्रय (संयोग) अर्थ निबंधन नाम है । वह एक जीव, अनेक जीव व अजीव की अपेक्षा संयोगी भंगों के भेद से 8 प्रकार का है (धवला के अनुसार) ।

अर्थनिमित्तक विनय – *Arthanimittaka Vinaya*
Expressing humility for self interest
अपने प्रयोजन या स्वार्थ के लिए विनय करना ।

अर्थपद – *Arthapada*
A type of meaningful phrase.
पद तीन प्रकार के होते हैं – अर्थपद, प्रमाण पद, मध्यम पद । इनमें अर्थपद एक से सात अक्षर का होता है ।

अर्थपरंपरा – *Arthaparaṁparā*
Assertion of meaning.
अर्थ पद का उच्चारण करके निक्षेप नयों के द्वारा तत्त्व निर्णय करना ।

अर्थपर्याय – *Arthaparyāya*
Indistinct mode, Deterioration of virtues.
गुणों के विकार को अर्थ पर्याय कहते हैं ।

अर्थपर्याय नैगम नय – *Arthaparyāya Naigama Naya.*
Object event figurative purport (meaning).
एक वस्तु में दो अर्थ पर्यायों को गौण मुख्य रूप से जानने के लिए नयज्ञानी का उत्पन्न अभिप्राय ।

अर्थपुनरुक्ति – *Arthapunarukti*
Tautology.
एक शब्द से जिस अर्थ की प्रतीति हो रही हो उसी अर्थ को पुनः अन्य शब्द से कहना ।

अर्थपुरुषार्थ – *Arthapuruṣārtha.*
Monetary efforts.
धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष चार पुरुषार्थों में एक, धन को कमाने के लिए किया गया परिश्रम ।

अर्थपौरुषी - *Arthapauruṣī*

Man involved in acquisition of wealth.

अर्थ-सिद्धि में लिप्त होना।

अर्थप्रकाश – *Arthaprakāśa.*

Expansion (illumination) of knowledge.

ज्ञान, जो स्व प्रकाशित होते हुए पदार्थों को भी प्रकाशित करता है।

अर्थप्रधान - *Artha Pradhāna*

Money oriented

धन प्रधान।

अर्थभेद – *Arthabheda.*

Difference in the meanings.

शब्दों के अर्थ में अंतर होना।

अर्थरुचि – *Artharuci*

A right perception through only meanings of the words

सम्यग्दर्शन के 10 भेदों में एक भेद – वह सम्यग्दर्शन जो वचनों के विस्तार सुने बिना अर्थ के समझने से पैदा हो।

अर्थलिंगज श्रुतज्ञान – *Arthalimgaja Śrutajñana.*

A type of scriptural knowledge (*shrutgyana*), Inferential knowledge.

अनुमान या धूमादिक पदार्थ रूप लिंग से उत्पन्न हुआ श्रुतज्ञान।

अर्थवाक्य – *Arthavākya.*

Meaningful sentence

वाक्य का एक भेद जिससे अर्थ का ज्ञान हो।

अर्थवाद - *Arthavāda.*

A kind of meaningful sentence.

वाक्य का एक रूप, जो स्तुति, निंदा, परकृति और पुराकल्प से चार प्रकार का होता है।

अर्थविकल्प ज्ञान – *Arthavikalpa Jñāna.*

Knowledge with alternative meanings regarding self (soul) & other (non-soul).

जिस ज्ञान में स्व–पर आकार प्रतिभासित होता है।

अर्थव्यंजन पर्याय नैगम नय –

Arthavyamjana Paryāya Naigama Naya.

Figurative standpoint of distinct and indistinct modes.

एक धर्मी में अर्थ व व्यंजन दोनों पर्यायों को विषय करने वाला नय।

अर्थव्यंजन पर्याय नैगमाभास –

Arthavyamjana Paryāya Naigamābhāsa.

Apprehension of figurative purport (meaning) of distinct and indistinct modes.

धर्मात्मा पुरुष में सुख व जीवमपने अथवा गुण व गुणी का सर्वथा भेद मानना।

अर्थशुद्धि – *Arthaśuddhi.*

Purification (righteousness) of the meanings - a part of right knowledge.

सम्यग्ज्ञान का दूसरा अंग–शब्दों का अर्थ शुद्ध करना।

अर्थसंक्रान्ति – *Arthasamkrānti*

Transition between *Dravya* & *Paryaya* during meditational phase

परिवर्तन; ध्यान में द्रव्य को छोड़कर पर्याय व पर्याय को छोड़कर द्रव्य को प्राप्त होना।

अर्थसंग्रह – *Arthasamgraha.*

Collection of wealth

धन संग्रह।

अर्थसंदृष्टि – *Arthasamdṛṣṭi.*

Symbolism (reg. meaning)

जहां वास्तविक दृष्टांतरूप भाव प्रगट किया जाये वह दर्शन अथवा अंक के सिवाय अन्य प्रकार से समझाना अर्थसंदृष्टि है।

अर्थसम – *Arthasama*

A type of scriptural knowledge (*shrutagyana*).

बीज पद से उत्पन्न संचित श्रुतज्ञान।

अर्थसमय – *Arthasamaya.*

Scriptural knowledge

कथन के निमित्त से ज्ञात हुए पंचास्तिकाय का ही वस्तु रूप से समवाय अर्थात् समूह।

अर्थसम्यक्त्व - *Arthasamyaktva.*

Perception of right knowledge.

अंग बाह्य आगमों को पढ़े बिना ही उनमें प्रतिपादित किसी पदार्थ के निमित्त से जो अर्थश्रद्धान होता है।

अर्थसम्यक्त्वार्य – *Arthasamyaktvārya.*

A type of '*Arya*' having right perception of matters.

अर्थसम्यक्त्व को धारण करने वाले आर्य।

अर्थसम्यग्दर्शन - *Artha Samyagdarśana.*

Right perception of scriptural knowledge

आगम को पढ़े बिना ही उसमें प्रतिपादित अर्थ या भाव को जानकर जो सम्यग्दर्शन होता है।

अर्थांतर – *Arthāmtara.*

Unrelated meaning

प्रकृत अर्थ से संबंध न रखने वाले अर्थ को अर्थांतर कहते हैं।

अर्थाख्यान – *Arthākhyāna.*

Reading of treatises related to conduct.

चरित्र पुराण ग्रंथ पढ़ना।

अर्थाचार – *Arthācāra.*

Absolute grasping of scriptures.

शास्त्र में कहे गये अनेकांत स्वरूप को ठीक–ठीक समझना अर्थाचार या अर्थशुद्धि है।

अर्थाधिगम – *Arthādhigama.*

Acquisition of knowledge of matters (through *Praman* & *Naya*).

प्रमाण और नय के द्वारा पदार्थ का ज्ञान होना।

अर्थापत्ति – *Arthāpatti.*

Inferential knowledge, supposition of the meaning.

स्थिति विशेष को देखकर किसी अर्थ का अनुमान लगाना। जैसे

बाद को देखकर बारिश का अनुमान लगाना

अर्थापदत्व – *Arthāpadatva*
Meaningless statement
अनर्थकपदत्व अथवा अर्थ का अभाव होना ।

अर्थावग्रह – *Arthavagraha.*
Clearly perceptible apprehension
स्पष्ट पदार्थों का ग्रहण, दर्शन के बाद ऐसा स्पष्ट ग्रहण हो कि पदार्थ का निर्णय कर सके ।

अर्थोपलब्धि – *Arthopalabdhi.*
The cognition of an object. Grasping.
पदार्थ की उपलब्धि, ज्ञान की प्राप्ति होना ।

अर्थोपसम्पत् – *Arthopasampata.*
To attempt in understanding the meanings.
सूत्रों के अर्थ के लिए यत्न करना ।

अर्दन – *Ardana.*
Pain, Trouble, Distress
आर्ति, पीड़ा, दुख ।

अर्द्धकथानक – *Arddhakathānaka*
Self autobiography written by '*Pandit* Banarsidas'
ई. 1641 में प. बनारसीदास द्वारा रचित अपनी आत्मकथा ।

अर्द्धक्रम – *Arddhakrama.*
Operation of meditation
योग क्रिया ।

अर्द्धगोलक – *Arddhagolaka.*
Hemisphere.
अर्द्धवृत्त ।

अर्द्ध चक्रवर्तिन् – *Arddha Cakravartin*
Semi *Chakravartin* (the ruler of all three parts of the Universe).
नारायण , त्रिखंडाधिपति ।

अर्द्धचन्द्र – *Arddhacandra.*
Half moon, identification symbol of the 8th *Tirthankar* (Jaina Lord).
आधा चन्द्रमा, वर्तमान के 8वें तीर्थंकर चन्द्रप्रभु का चिन्ह ।

अर्द्धच्छेद – *Arddhacchedа.*
Means, remainder should be '1' (one) when a number is continuously divided by '2' (two).
जिस संख्या को आधा करते हुए अंत में एक रह जावे ।

अर्द्धच्छेदक – *Arddhacchedaka.*
Logarithm. Log to the base 2.
जिस संख्या को आधा करते हुए अंत में एक रह जाए । अथवा जितनी बार 2 लिखने से वह संख्या आ जाये । जैसे 2×2×2×2=16 इस तरह अर्द्धच्छेद 4 हुए ।

अर्द्धस्थित – *Arddhasthita.*
Half seated.
अर्द्धासन ।

अर्द्धनाराच – *Arddhanārāca.*
An osseous structure, half interlocking and joining joints or semi-joints & bones
नामकर्म की 93 प्रकृतियों के अन्तर्गत छह संहननों में से एक, हड्डी (हड्डियों) की सन्धियाँ नाराच (कीलों) से आधी बंधी हों ।

अर्द्धपुद्गलपरावर्तन –
Arddhapudgala Parāvartana.
Half embodiment time cycle
द्रव्य परावर्तन काल का आधा काल ।

अर्द्धमंडलीक - *Arddhamandalīka.*
King; chief of 2000 kings.
एक राजा; दो हजार राजाओं का स्वामी ।

अर्द्धवर्तुलाकार - *Arddhavartulākāra.*
Semi circular.
आधा गोल ।

अर्द्धविक्षिप्त – *Arddhaviksipta*
Bewildered, Confused, Half-mad.
व्याकुल, भ्रांत, बुद्धिहीन ।

अर्द्धवृत्ताकार – *Arddhavṛttākāra.*
Semi circular.
आधा गोल ।

अर्द्धेन्द्रा – *Arddhendrā.*
The 4th dwelling place of hellish beings (of 5th hell).
पाँचवें नरक का चौथा इन्द्रक बिल ।

अर्धकंस – *Ardhakaṁsa*
A weighing unit.
तौल की अपेक्षा द्रव्यप्रमाण; 1 तुला = 1 अर्धकंस = 100 पल ।

अर्धकथानक – *Ardhakathānaka.*
See - *Arddhakathānaka.*
देखें – अर्द्धकथानक ।

अर्ध कर्ष – *Ardha Karṣa.*
Half pulled
आधा खिंचा हुआ ।

अर्धकांड – *Arddhakāṁda.*
A book written by Durgdev in 1032.
ई. सन् 1032 में दुर्ग देव द्वारा रचित मंत्र-तंत्र विषयक एक ग्रंथ ।

अर्धचिंता – *Ardhacintā*
Incomplete consideration.
अधूरा चिंतन ।

अर्धच्छेदराशि – *Ardhacchedarāśi.*
See - *Arddhacchedaka.*
देखें - अर्द्धच्छेदक ।

अर्धतुला – *Ardhatulā.*
A standard measure of weight.
तौल का एक प्रमाण ।

अर्धनाराच संहनन (नामकर्म प्रकृति) – *Ardhanārāca Samhanana (Nāmakarma Prakrti)*

Karmic nature causing osseous structure, half interlocking and pining joints.

वह कर्म जिसके उदय से हड्डी की संधि अर्धकीलित हो, पूरी कीलित न हो ।

अर्धपंचम – *Ardhapañcama.*

A number (unit)

एक संख्या (माप) ।

अर्धपर्यंकासन – *Ardhaparyankāsana*

A meditational posture.

योग सम्बंधी एक मुद्रा, जहां दाहिने पैर का पंजा जांघ के ऊपर और बाएं पैर को दाहिनी जांघ के नीचे रखा जाए, बाएं हाथ पर दाहिना हाथ रखकर निश्चल बैठा जाये ।

अर्ध पल – *Ardha Pala.*

A time unit (12 seconds)

काल का एक प्रमाण विशेष अर्थात 12 सेकंड ।

अर्धभार – *Ardhabhāra.*

A unit of standard measure.

तोल या माप का एक प्रमाण ।

अर्धमंडलीक – *Ardhamandalika*

See - *Arddhamandalika*

देखें - अर्द्धमंडलीक ।

अर्धमागधी – *Ardhamāgadhi.*

A divine excellence of *Tirthankar* (Jaina Lord).

तीर्थंकरों का देवकृत एक अतिशय ।

अर्धमानी – *Ardhamāni*

A unit of standard measure

तौल का एक प्रमाण ।

अर्धानशन – *Ardhānaśana.*

A type of fasting austerity : penance

एक अनशन तप ; एक बार भोजन या बेला, अष्टम आदि अनशन करना इसे ग्रहण और प्रतिलेखना काल में मुनि करते हैं ।

अर्पण भेद – *Arpana Bheda*

Great difference in the presentation

तत्पर्पण भाव में भेद ।

अर्पित – *Arpita.*

Offered, Prominent, Entrusted.

अर्पण किया हुआ, प्रधान या मुख्य ।

अर्यमा – *Aryamā.*

Name of presiding deity of a lunar.

उत्तराफाल्गुन नाम के नक्षत्र के अधिपति देव का नाम ।

अर्वाचीन पुरुष – *Arvācina Purușa.*

The person of modern generation.

वर्तमान युगीन पुरुष ।

अर्हंत – *Arhanta.*

Semi salvated soul, the omniscient Lord

छियालीस गुण सहित और अठारह दोष रहित समवशरण में विराजमान केवली भगवान, शरीर सहित जीवन्मुक्त परमेष्ठी, ये दो प्रकार के होते हैं - सामान्य अर्हंत और तीर्थंकर अर्हंत ।

अर्ह – *Arha*

To be respectable, Venerable.

योग्य, स्वीकार भाव प्रत्याख्यान संरक्षण के लिए; क्योंकि वे पूज्य और आराध्य होने का वर्णन अर्ह सूत्र से किया जाता है ।

अर्हन् – *Arhan.*

Semi salvated soul, the omniscient Lord

जो पंचकल्याणक की पूजा के योग्य होता है ।

अर्हत्पासा केवली – *Arhatpāsā Kevali.*

A book written by a poet Vrindavan.

कवि वृन्दावन (ई. 1791–1848) द्वारा हिन्दी भाषा में रचित, भाग्य निर्णय विषयक छोटा सा ग्रन्थ ।

अर्हत्प्रवचन – *Arhatpravacana*

A treatise written by Prabhachandra

प्रभाचंद्र जी (ई सन 950 - 1020) द्वारा रचित तत्वार्थ विषयक एक ग्रंथ ।

अर्हत्सेन – *Arhatsena.*

Disciple of *Acharya* Divakar Sen of *Sen* group

सेन संघ की गुर्वावली के अनुसार आप दिवाकर सेन के शिष्य तथा लक्ष्मण सेन के गुरु थे (ई. 623–663) ।

अर्हद्दत्त – *Arhadatta.*

Name of a prominent *Acharya.*

भगवान महावीर की मूल परंपरा में लोहाचार्य के पश्चात् आने वाले चार आचार्यों में एक (ई 38–58) ।

अर्हद्दत्त सेठ – *Arhadatta Setha.*

Father's name of last omniscient

अंतिम केवली श्री जम्बूस्वामी के पिता ।

अर्हद्दास (कवि) – *Arhaddāsa (Kavi)*

A disciple of '*Pandit* Aashadhar'

पं. आशाधर के शिष्य जिनकी प्रधान कृति पुरुदेव चम्पू है ।

अर्हद्बली – *Arhadvali.*

Name of a prominent *Acharya.*

भगवान महावीर के मोक्ष जाने के 683 वर्ष बाद कई आचार्य अंग पूर्व के एक भाग के ज्ञाता थे उनमें यह प्रसिद्ध हुए (ई. 38–66) ।

अर्हन्मंडलयंत्र – *Arhanmamdalayantra.*

A type of metallic plate engraved with some mystical and auspicious diagram.

अर्हन् मंडल मंत्र मुद्रित एक धातु की प्लेट ।

अलंकार – *Alamkāra.*

Ornamentation or Ornament.

आभूषण, भाषा सौन्दर्य की एक विधा ।

अलंकारचिंतामणि – *Alamkāracintāmani.*

A poetic book written by *Acarya* Ajitsen

आचार्य अजितसेन (ई. सन् 1250–60) द्वारा रचित काव्य

शिला पर आधारित एक ग्रन्थ ।

अलंकारोदय – *Alaṁkārodaya.*

A beautiful city in the core of earth

अलंकारोदय – पृथ्वी के भीतर अत्यन्त गुप्त एक सुन्दर नगर ।

अलक – *Alaka.*

Name of a planet.

एक ग्रह ।

अलका – *Alakā.*

Wife of *Seth* Sudrashti. A city in northern *Vijayardha* mountain

सेठ सुदृष्टि की स्त्री जिसने देवकी से उत्पन्न 6 पुत्रों को पाला, विजयार्द्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

अलकापुरी – *Alakāpuri.*

Name of a city of the 5th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh kshetra* (a region).

विदेह क्षेत्र में स्थित पाँचवें तीर्थंकर 'संजात' की नगरी का नाम ।

अलक्ष्य – *Alakṣya.*

Indefinable, Aimless

लक्ष्य विहीन एवं लक्ष्य से रहित होना ।

अलंकरण रहित – *Alaṁkaraṇa Rahita*

Unfigurative, Without having ornaments

अलंकार आभूषण से रहित ।

अलाभ – *Alābha.*

Non - acquirement, unprofitability (it is an affliction of saint also)

एक परीषह का नाम, भोजन आदि का लाभ न मिलने पर भी सदा संतुष्ट रहना ।

अलिंग ग्रहण – *Aliṅga Grahaṇa.*

Which is not absorbed by any sensual organ

जो किसी इन्द्रिय से ग्रहण में न आवे ।

अलीक वचन – *Alīka Vacana.*

False statement, Not genuine.

असत्य, अप्रिय वचन ।

अलुब्धत्व – *Alubdhatva.*

A virtue of donator; to be devoid of greed

दाता के गुणों में एक गुण; लोभ न होना ।

अलूषक – *Alūṣaka.*

One, not violating the vows of asceticism.

मुनि भक्त, जो साधुओं के व्रतों का उल्लंघन न करता हो ।

अलेपक – *Alepaka.*

Non - sticky drinkable liquids.

वह पीने की वस्तु जो हाथों में न चिपके ।

अलेश्या – *Aleśyā.*

The state devoid of all 6 *Karmic* stains (aura or coloration), it is found in *Ayog Kewali* & Lord Siddha.

छः प्रकार की लेश्याओं से रहित स्थिति, जिनमें कृष्णादि छः लेश्याएँ व छः प्रकार के भाव नहीं पाये जाते ऐसे अयोग केवली 14वें गुणस्थानवर्ती तथा सिद्ध भगवान की यह अवस्था होती है।

अलोक – *Aloka.*

A cosmic space

अलोकाकाश – लोक के बाहर अनंत आकाश है वह अलोक है

अलोभी – *Alobhī.*

Absence of greed.

लोभ से रहित ।

अलौकिक – *Alaukika.*

Supernatural, Extraordinary, Transcedental

जो लौकिक – प्रचलित व्यवहार से भिन्न हो, आश्चर्यकारी हो ।

अल्पकालिक प्रत्याख्यान – *Alpakālika Pratyākhyāna*

Renunciation of five sins for a short period of time

पाँच पापों का कुछ समय के लिये त्याग करना ।

अल्पचेलक – *Alpacelaka.*

Saints-being few-clothed viz. *Kṣullaka, Ailaka* etc.

क्षुल्लक, ऐलक आदि अर्थात् कम वस्त्र धारण करने वाले साधु ।

अल्पतर उदय – *Alpatara Udaya*

Scanty fruition of *Karmas.*

कर्म का अत्यंत कम उदय में आना ।

अल्पतर उदीरणा – *Alpatara Udīraṇā.*

Scanty premature rise of *Karmas*

असमय में कर्मों का कम उदय में आना ।

अल्पतर बंध – *Alpatara Bandha.*

Lesser binding of *Karmas*

बंध का एक भेद – पहले बहुत कर्म प्रकृतियों को बांधे फिर कम को बंध ।

अल्पतर संक्रम – *Alpatara Saṁkrama.*

Less transition of *karmas* untimely.

असमय में कर्मों का कम परिवर्तन होना ।

अल्प परिग्रह – *Alpa Parigraha*

Slight possession

कम परिग्रह ।

अल्प-पूर्ण उपचार – *Alpa-Pūrṇa Upacāra.*

Complete approach by little efforts.

अल्प कार्य में पूर्ण कार्य का उपचार – जैसे सामायिक काल में महाव्रतपना ।

अल्पबहुत्व – *Alpabahutva.*

Comparability of qualities in matters

पदार्थों का उनके अस्तित्व, लक्षण, संख्या, अवस्थान आदि थोड़े है या अधिक का निर्णय कर एक दूसरे की अपेक्षा कम व अधिक कहना ।

अल्पर्द्धि देव – *Alparddhi Deva.*

Deities with less supernatural power

कम ऋद्धि वाले देव ।

अल्पविद्या – *Alpavidyā.*
Minute type of knowledge.
अंगुष्ठ, प्रसेन, आदि 700 अल्पविद्याएँ कहलाती है।

अल्पसावद्य – *Alpasāvadya.*
To make less sinful
असि, मसि आदि पाप बंध के कारण सावद्य को कम करना।

अल्पसावद्य कर्मार्य – *Alpasāvadya Karmārya.*
Followers, being less sinful
ऐसे श्रावक, श्राविकाएं जो विरति व अविरति दोनों रूप से परिणत हैं।

अल्पहिंसा – *Alpahiṁsā*
Trifling (minute) violence.
सूक्ष्म हिंसा

अल्पायु – *Alpāyu.*
Short life
कम आयु

अल्पारम्भ – *Alpārambha*
Slight injurious activities.
थोडा आरम्भ; मनुष्य आयु के आस्रव का कारण।

अल्पावधिक – *Alpāvadhika.*
Of small time period
थोड़े समय का।

अल्हु – *Alhu.*
A poet who has written a book *'Anuvekkha'.*
ई श 16 के एक अपभ्रंश कवि जिन्होंने अणुवेक्खा नामक कृति की रचना की।

अवंति – *Avanti*
A country of *Bharat kshetra Arya khanda* (a region), A place near Ujjain city.
भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश, वर्तमान उज्जैन का पार्श्ववर्ती देश (नगर)।

अवंति वंश – *Avanti Vaṁśa.*
Dynasty of king Pradyot of Malwa (a region).
अवंति या मालवा के राजा प्रद्योत का वंश।

अवकाशांतर – *Avakāśāntara.*
Space, gap.
अंतराल, बीच का स्थान।

अवकाशदान – *Avakāśadāna.*
To provide accommodation (space).
आकाश द्रव्य का लक्षण–छः द्रव्यों को ठहरने के लिए स्थान देना।

अवक्तव्य – *Avaktavya.*
Inexpressible, Indescribable, Inexplicable.
जिसका कथन न हो सके, जैसे एक पदार्थ में अनेक स्वभाव रहते है जिनका कथन एक साथ नहीं हो सकता।

अवक्तव्य गुण वृद्धि – *Avaktavya Guṇa Vṛddhi.*
Indescribable fold increase
जो गुण वृद्धि कहने में न आवे।

अवक्तव्यता – *Avaktavyatā.*
Inexpressibleness
देखें - अवक्तव्य।

अवक्तव्यवाद – *Avaktavyavāda.*
Inexpressiblism.
एकान्तमत - जो वस्तु को सर्वथा अनभिलाप्य मानते है।

अवक्तव्य वृद्धि – *Avaktavya Vṛddhi.*
Inexpressible (infinite) increase.
संख्यात असख्यात भाग वृद्धि एव संख्यात, असख्यात गुण वृद्धि इनके मध्य में जो वृद्धि है वह अवक्तव्य वृद्धि है।

अवक्रान्त – *Avakrānta.*
A dwelling place of hellish beings (of first hell).
प्रथम नरक का बारहवाँ इन्द्रक बिल।

अवगम – *Avagama.*
Knowledge, Comprehension
धारणा, समझना, प्रत्यक्षीकरण।

अवगाढ़ – *Avagārha.*
A type of *Aryas* (noble persons), Occupancy, Pervasion
ऋद्धि रहित आर्यों में दर्शनार्य का एक प्रकार, दृढ, मजबूत।

अवगाढ़ रुचि – *Avagārha Ruci.*
Deep predilection.
सम्यग्दर्शन का एक भेद ; द्वादशांग के साथ अंग बाह्य का अध्ययन करके जो दृढ सम्यग्दर्शन होता है।

अवगाढ़ावगाढ़ – *Avagārhāvagārha.*
Deep pervasion
सम्यग्दर्शन का एक भेद परम अवगाढ सम्यग्दर्शन, केवल ज्ञान के द्वारा प्रकाशित जीवादि पदार्थ विषयक ज्ञान से जिनकी आत्मा विशुद्ध है वे परमावगाढ रुचि सम्यग्दृष्टि।

अवगाह – *Avagāha.*
Depth, To be learnt, Skill of Immersion.
गहराई होना, सीख लेना, डुबकी लगाना।

अवगाहन – *Avagāhana.*
Occupancy.
अवकाश, स्थान देना – आकाश द्रव्य का विशेष गुण।

अवगाहन गति – *Avagāhana Gati.*
A type of motion like motion of a boat, ship etc.
गति के दस भेदों में एक भेद ; नौका आदि की गति।

अवगाहनत्व – *Avagāhanatva.*
Adequancy to give space for other matters.
सभी द्रव्यों को अवकाश देने की शक्ति।

अवगाहना – *Avagāhanā.*
Measurement of living beings.
जीवों के शरीर की लम्बाई-चौड़ाई आदि को अवगाहना कहते है।

अवगुण – *Avaguṇa.*
Vices, Demerits.
दोष।

अवग्रह – *Avagraha.*
Apprehension, Sensational knowledge
मतिज्ञान का एक भेद–इन्द्रिय और पदार्थ के सामान्य प्रतिभास के बाद होने वाला प्रथम ग्रहण या ज्ञान ।

अवग्रहकाल – *Avagrahakāla.*
Compliance
लिए हुए नियमों का वर्तमान में पालन करने का विचार करना ।

अवग्रहलाप – *Avagrahalapa*
Wining of many hindrances (passions).
अनेक प्रकार की बाधाओं को जीतना ।

अवग्रहावरणीय कर्म – *Avagrahāvaraṇīya Karma.*
A type of *karma*, hindring sensational knowledge
वह कर्म प्रकृति जो अवग्रह मतिज्ञान को रोके ।

अवचनीय – *Avacanīya.*
Inexpressible, Unfit to be taught
जो कथन करने योग्य न हो ।

अवच्छिन्न – *Avacchinna*
Unseparated.
अभिन्नता, निज स्वरूप का बोध कराने वाले धर्म विशेष की संयुक्तता ।

अवच्छेदक – *Avacchedaka*
A prescription which explains the nature of matters.
वस्तु (द्रव्य) के स्वरूप का बोध कराने वाला धर्म विशेष ।

अवतंसिका – *Avataṃsikā*
Name of a dominion *Ratnamala* of Bharat *Chakrawarti*.
भरत चक्रवर्ती की एक विभूति – रत्नमाला का नाम ।

अवतर – *Avatara.*
Invocatory words.
अवतरित होना; पूजा के समय की जाने वाली आह्वान की क्रिया।

अवतार क्रिया – *Avatāra Kriyā.*
An act of consecration
मिथ्यात्व से दूषित किसी भव्य द्वारा यथार्थ देव – शास्त्र – गुरु व धर्म के संबंध में मुनिराज आदि से उपदेश प्राप्त कर समीचीन मार्ग को ग्रहण करना ।

अवदात – *Avadāta.*
Bright colour.
श्वेत, उज्ज्वल ।

अवदान – *Avadāna.*
Apprehension, Sensational knowledge.
जिसके द्वारा अन्य पदार्थों से अलग करके विवक्षित अर्थ जाना जाता है ।

अवद्य – *Avadya.*
Blameworthy.
निंद्य, निन्दनीय ।

अवद्यभावना – *Avadyabhāvanā*
To escape from faults like violence etc
हिंसादि दोषों से बचने की भावना ।

अवधा – *Avadhā.*
Segment, part.
हिस्सा, भाग ।

अवधारणा – *Avadhāraṇā.*
Conception, Determination
एकत्व द्वारा निश्चित अर्थ का बोध ।

अवधि – *Avadhi*
Limit, Period, Clairvoyance (a type of limited direct knowledge)
एक अंतराल विशेष, यह शब्द आत्मा, मर्यादा, ज्ञान आदि के अर्थ में प्रयोग होता है ।

अवधिज्ञान – *Avadhijñāna.*
Clairvoyance-the power of seeing in the mind either future events or things that exist or are happening out of sight upto a particular limit.
जो द्रव्य क्षेत्र काल और भाव की अपेक्षा अवधि अर्थात् सीमा से युक्त अपने विषयभूत पदार्थ को जाने ।

अवधिज्ञानावरण – *Avadhijñānāvaraṇa*
Obscurring the clairvoyance.
ज्ञानावरणीय कर्म के उदय से जीव के अवधिज्ञान का आवृत होना ।

अवधिज्ञानी – *Avadhijñānī.*
One who possesses clairvoyance knowledge
अवधिज्ञान का स्वामी जो चारों गति वाले हो सकते हैं– 1) भव प्रत्यय अवधिज्ञानी - नारकी, देव 2) गुण प्रत्यय अवधिज्ञानी - मनुष्य, तिर्यंच ।

अवधिजिन – *Avadhijina.*
Self-conqueror (saints) who is knower of clairvoyance
रत्नत्रय सहित अवधिज्ञानी मुनि अवधिजिन हैं ।

अवधिदर्शन – *Avadhidarśana.*
Perception through the faculty of clairvoyance
अवधिज्ञान से पहले होने वाला सामान्य अवलोकन ।

अवधिदर्शनावरण – *Avadhidarśanāvaraṇa.*
Obstructions in *Avadhidarshana*.
वह कर्म प्रकृति जो अवधिदर्शन को न होने दे ।

अवधिमरण – *Avadhimaraṇa.*
Same death to be in consecutive life.
वर्तमान में प्राप्त मरण की तरह ही आगे भी समान मरण प्राप्त हो तो ऐसे मरण को अवधि मरण कहते हैं ।

अवधृतकाल अनशन – *Avadhṛtakāla Anaśana.*
A type of fasting (pertaining to a particular period of time)
साकांक्ष अनशन अर्थात् नियमित काल (सीमा) को लेकर उपवास करना ।

अवध्यप्रलाप वचन – *Avadhyapralāpa Vacana.*
Meaningless talk, idle talk
जिस वचन में बकवाद ही बकवाद हो अर्थात् जो धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष पुरुषार्थ का उपदेशक वचन न हो।

अवध्या – *Avadhyā*
A city of *Gandhamalini kshetra* of *Videha kshetra* (a region)
विदेह क्षेत्र के गन्धमालिनी क्षेत्र की एक नगरी।

अवध्याधिकार – *Avadhyādhikāra.*
A moral concept of *Brahmins.*
ब्राह्मण के विद्याअध्ययन के 10 अधिकारों में एक।

अवनति – *Avanati.*
An act of bowing down
भूमि को स्पर्श कर नमस्कार करना।

अवनमन – *Avanamana.*
To sit on the earth
भूमि पर बैठना।

अवना – *Avanā*
A female peripatetic divinity of *Kamlakar* summit in the middle of *Sindhu* river
लवणा देवी ; सिन्धु नदी के मध्य कमलाकार कूट पर स्थित व्यंतर देवी।

अवनिपाल – *Avanipāla.*
The king.
राजा।

अवनिपाल कथा – *Avanipāla Kathā.*
A story related to kings
विकथा का भेद-राजाओं से संबंध रखने वाली कथा।

अवपीडक – *Avapīḍaka.*
Qualities of brilliancy & genuineness in *Acharyas.*
गुण, ऐसे आचार्य जो तेजस्वी, वर्चस्वी, ओजस्वी व बलवान् होते हैं।

अवबोध – *Avabodha.*
Knowledge, Conception.
ज्ञान, अवगम।

अवभासी – *Avabhāsī.*
One who knows.
जानने वाला।

अवमान – *Avamāna.*
Insult. A measurement unit of length.
तिरस्कार, गणना-प्रमाण का एक भेद जैसे - खेत मापने का डंडा आदि।

अवमौदर्य – *Avamaudarya.*
Austerity of reducing diet (less food taking than appetite)
बाह्य तप-जो स्वाभाविक आहार है उससे कम आहार ग्रहण करने की प्रतिज्ञा करना।

अवयव – *Avayava.*
Parts, Division, A type of *Gandharva* (deities).
वस्तु के हिस्से, अंग, तालगत गंधर्व देवों के 22 भेदों में एक भेद।

अवर स्थिति – *Avara Sthiti.*
The lowest state.
जघन्य स्थिति।

अवरोहक – *Avarohaka.*
Descending one.
नीचे उतरने वाला, नीचे दर्जे में आने वाला 11 वें गुणस्थानवर्ती उपशम श्रेणी वाले को अवरोहक कहते हैं।

अवरोहण – *Avarohaṇa.*
An act of descending
उतरना।

अवर्णवाद – *Avarṇavāda.*
Wrong - speaking or blasphemy about Jaina Lords, scriptures etc
केवली भगवान, जिनवाणी, जैन संघ, जिनधर्म व 4 प्रकार के देवों में मिथ्या दोष लगाना।

अवर्ण्यसमा – *Avarṇyasamā.*
Parity per certainty
न्याय विषयक एक जाति, पक्ष में असंदिग्धसाध्यसहितपने का प्रसंग देना।

अवलंब – *Avalamba.*
Support, Shelter.
सहारा, साधन अर्थात् कारण।

अवलंबना – *Avalambanā.*
An act of supporting
सहारे की एक क्रिया, जो अपनी उत्पत्ति के लिए इन्द्रियादिक का अवलम्बन लेता है, वह अवलंबना अवग्रह का चौथा नाम है।

अवलंबनाकरण – *Avalambanākaraṇa.*
Attenuation (regarding decrease in the *Ayu* i.e. lifespan of next-birth).
परभव संबंधी आयु की उपरिम स्थिति में द्रव्य का अपकर्षण द्वारा नीचे पतन करना।

अवव – *Avava.*
A large time unit.
काल का एक प्रमाण ; 84 लाख अववांग का एक अवव।

अववांग – *Avavāṁga.*
A large time unit.
काल का एक प्रमाण ; 84 लाख अटट का एक अववांग।

अवश – *Avaśa.*
Unrestricted, Unsubmissive.
जो अन्य के वश में नहीं है।

अवश्य – *Avaśya.*
Necessary, essential.
जरूरी, आवश्यक।

अवष्टम्भ – *Avastambha*
Power of particular *karma* producing sense of vision
बल–चक्षुदर्शन की शक्ति चक्षुदर्शनावरण, वीर्यान्तराय के क्षयोपशम से तथा अंगोपांग नामकर्म के बल से उत्पन्न होती है ।

अवसन्न – *Avasanna.*
Corrupted saint, fallen
अपसृत, मार्ग से गिरा हुआ, ज्ञान चारित्र आदि से भ्रष्ट मुनि ।

अवसन्न मुनि – *Avasanna Muni.*
An excluded saint from the group
अयोग्य सेवन के कारण जो मुनि संघ से बाहर कर दिया जावे ।

अवसन्नासन्न – *Avasannāsanna.*
An area unit
क्षेत्र प्रमाण का एक भेद; अनंतानंत परमाणुओं का समूह ।

अवसर्पिणी – *Avasarpiṇī.*
The half worldly time cycle period marked with reducing height, age, power etc. of all beings
दस कोड़ाकोड़ी सागरोपम का एक काल जिसमें जीवों की आयु, बल, ऊंचाई आदि क्रम से घटते जाते है ।

अवसाद – *Avasāda.*
Anguish, Ultimate end
दुःख, उदासी, समाप्ति ।

अवसाय – *Avasāya.*
Complete knowledge of matter.
पदार्थ के ज्ञान या निश्चय का नाम अवसाय है ।

अवस्तु – *Avastu.*
Non substance, Unreal.
द्रव्यरूप न होना ।

अवस्था – *Avasthā.*
State, Situation, Condition.
पर्याय, दशा, हालत ।

अवस्थान – *Avasthāna.*
Stopping place, A dwelling place of hellish beings of 7[th] hell.
ठहरने का स्थान, सातवें नरक का इन्द्रक बिल ।

अवस्था प्राप्ति – *Avasthā Prāpti.*
To get new life (stage).
उत्पाद– नवीन अवस्था की प्राप्ति ।

अवस्थित – *Avasthita.*
Steady, Fixed in number.
ध्रुव, स्थिर, धर्मादिक छहों द्रव्य कभी भी छह से कम ज्यादा नहीं होते, इसलिए अवस्थित कहलाते हैं ।

अवस्थित अवधिज्ञान – *Avasthita Avadhijñāna.*
Steady clairvoyance knowledge.
जो अवधिज्ञान एक सा रहे, घटे बढ़े नहीं ।

अवस्थित उग्र ऋद्धि – *Avasthita Ugra Ṛddhi.*
Name of a supernatural power of causing increase in the days of fasting of a saint
ऋद्धि ; जिसके प्रभाव से मुनि उपवास की संख्या कम न करे किन्तु जीवन पर्यन्त बढ़ाते हुए विहार करता रहे ।

अवस्थित बंध – *Avasthita Bandha*
Steady consecutive binding (of *Karma*)
पिछले समय मे जितना बंध किया है अगले समय में भी उतना ही बंध करना ।

अवस्थित भागाहार – *Avasthita Bhāgāhāra.*
A division of disquisition door (*Anuyogdvar*)
अनुयोगद्वार मे अन्तरोपनिधा का एक भेद (धवला टीका में) ।

अवस्थित वेदक – *Avasthita Vedaka.*
One with constant experience
स्थिर वेदन करने वाला ।

अवस्थित संख्या – *Avasthita Saṁkhyā.*
Steady number
जो संख्या स्थिर या एक सी रहे ।

अवहनन – *Avahanana.*
Shatter, To break into pieces
कूटना, पीटना ।

अवहरण – *Avaharaṇa.*
Stealing, Kidnapping
चुराकर ले जाना ।

अवहार – *Avahāra.*
A division of disquisition door (*Anuyogdvar*)
अनुयोग द्वार का एक प्रभेद ।

अवहार काल – *Avahāra Kāla.*
A time period.
भागाहाररूप काल का प्रमाण ।

अवाक शय्यासन तप – *Avāka Śayyāsana Tapa*
An austerity to sleep keeping face downward
कायक्लेश ; नीचे को मुख करके सोना ।

अवाक् – *Avāk.*
Taken aback, puzzled (perplexed)
चौंक जाना, व्याकुल हो जाना ।

अवाच्य – *Avācya.*
Speechless, Inexpressible.
न कहने योग्य ।

अवान्तरसत्ता – *Avāntarasattā.*
Power to show existence of each and every matter separately.
पृथक्–पृथक् पदार्थ का पृथक्–पृथक् स्वतंत्र अस्तित्व बताने वाली सत्ता ।

अवाय – *Avāya.*
Perceptual judgement.
मतिज्ञान का भेद–विशेष निर्णय द्वारा वस्तु का जो यथार्थ ज्ञान होता है ।

अविकल्प – *Avikalpa*
Without doubt, definite
भेद रहित, संकल्प रहित, हर्ष विषाद का न होना ।

अविकल्पक – *Avikalpaka.*
Defnite intuition. Absolute.
संदेह का अभाव, निस्संदेह ।

अविकारी – *Avikārī.*
Faultless i.e. passionless one
विकार शून्य, आत्मा में कषाय आदि विकारी भावों का अभाव।

अविकृतिकरण – *Avikṛtikaraṇa.*
A type of criticism-contemplation of pure soul.
आलोचना का एक भेद–माध्यस्थ्य भावना में कर्म से भिन्न आत्मा के निर्मल गुणों का चिंतन करना ।

अविज्ञातार्थ – *Avijñātārtha*
Unintelligible assertion.
निग्रह स्थान–ऐसा शब्द जिसका अर्थ तीन बार कहने पर भी प्रतिवादी और सभासदों को समझ में न आवे (न्याय विषयक)।

अविग्रह गति – *Avigraha Gati.*
Rectilinear motion; the motion without any bend (like of salvated soul).
कुटिलता या मोड़े रहित सीधी गति, जो सिद्धों की होती है, इसमें एक समय लगता है ।

अविग्रहा – *Avigrahā.*
Without a bend, Bend less motion (of salvated soul)
मुक्तजीव की मोड़े रहित गति ।

अविचल – *Avicala.*
Steadfast
स्थिर, दृढ़ ।

अविचल स्थिति – *Avicala Sthiti.*
Steadfast situation/position, to be steady in soul.
पाप, पुण्य से दूर होकर निज स्वरूप में रहना ।

अविचार – *Avicāra.*
Devoid of thinking, A type of holy death.
किसी भी विषय का चिन्तवन न होना, समाधिमरण–अचानक उपसर्गादि आने पर आत्मध्यान में लीन हो मरण करना ।

अविचारक – *Avicāraka.*
Irrational, illogical.
विवेक शून्य ।

अविच्युति – *Avicyuti.*
Remaining the same, *karma* in the state of existence or being operative.
विच्युति का अभाव ; कर्म का सत्ता, उदय या बंध में बना रहना।

अवितथ – *Avitatha.*
True statement.
सत्य तथ्य ।

अविद्धकर्ण – *Aviddhakarṇa.*
A famous *Charvak Acharya* (a religious instructor).
एक प्रसिद्ध चार्वाक आचार्य (ई. श. 8) ।

अविद्या – *Avidyā.*
Ignorance.
अज्ञान, जिसके कारण मन स्वाधीन न स्वरूप विस्मित हो जाता है ।

अविध्वंस – *Avidhvaṁsa.*
Non-destruction.
जिसका विनाश न हो ।

अविनाभाव – *Avinābhāva.*
Universal & invariable concomitance
सहभाव नियम तथा क्रमभाव नियम अविनाभाव कहलाता है अथवा जिसके बिना जिसकी सिद्धि न होवे उसको अविनाभावी संबंध कहते हैं ।

अविनाभावित्व – *Avinābhāvitva.*
Concomitant with goal.
जो साधन के साथ अविनाभावी है निश्चित हो अर्थात् साध्य के बिना न रहे ।

अविनीत – *Avinīta.*
Immodest, Indecent
अशिष्ट (शालीनता का अभाव) ।

अविनेय – *Avineya.*
Senseless
जिनमें सच्चे धर्म को सुनने व ग्रहण करने का गुण नहीं है ।

अविपाक – *Avipāka.*
Prematured fruition of *karmas.*
समय से पूर्व तप आदि से कर्मों का उदय में आना ।

अविपाकज निर्जरा – *Avipākaja Nirjarā.*
Immatured dissociation of *karmas*
निर्जरा का एक भेद , कर्म को तप आदि के द्वारा समय से पहले उदय में लाना ।

अविभक्त – *Avibhakta.*
Indivisible
अखंड ।

अविभक्ति – *Avibhakti.*
Indivisibility.
अविभाग या विभक्ति का अभाव ।

अविभाग अंश – *Avibhāga Aṁśa.*
Indivisible particle or atom.
अणु ; जिसका दूसरा भाग न हो सके ।

अविभाग प्रतिच्छेद – *Avibhāga Praticcheda.*
Indivisibility, exceedingly small.
शक्ति का अविभागी अंश, गुण व शक्ति का वह अंश जिसका दूसरा भाग न हो सके ।

अविभागी – *Avibhāgī.*
Indivisible; Infinitesimal

द्रव्य या परमाणु अर्थात् जिसे विभाजित न किया जा सके।

अविमन – *Avimana.*

Blissful.

आनंद मगल।

अविरत – *Avirata.*

Non abstinence vowless right believer

जो हिंसादि पाप पापों का नियमानुसार त्यागी न हो।

अविरतसम्यग्दृष्टि – *Aviratasamyagdṛṣṭi.*

True believers possessing right perception without vows

चौथा गुणस्थानवर्ती–जो व्रत आदि से रहित है किन्तु सच्चे देव शास्त्र गुरु पर श्रद्धा रखता है।

अविरति – *Avirati.*

Non-restraint, Non abstinence

व्रतों का धारण न करना या अव्रतरूप विकारी परिणाम।

अविराधना – *Avirādhanā*

Non-violation (not to revoke) of rules and conduct.

विराधना नहीं करना, सम्यक्त्व आदि गुणों का पालन करना।

अविराधित – *Avirādhita.*

Non-violated.

विराधना से रहित, सम्यक्त्व आदि गुणों का पालन करने वाला।

अविरुद्ध – *Aviruddha.*

Compatible, Non-contradictory.

विरोधी न होना, द्रव्य में सामान्य तथा विशेष का ज्ञान होना जो सम्यक्त्व को साधता है।

अविरुद्ध उत्तरचर अनुपलब्धि –

Aviruddha Uttaracara Anupalabdhi

Unavailability of past-variables due to basic reasons

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद, मुहूर्त के पहले भरणी का उदय नहीं हुआ है क्योंकि इस समय कृत्तिका का उदय नहीं पाया जाता।

अविरुद्ध कारण अनुपलब्धि –

Aviruddha Kāraṇa Anupalabdhi.

Unavailability of cause due to complimentary reasons

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद, यहां धुआं नहीं पाया जाता क्योंकि उसके अनुकूल अग्नि रूप कारण यहां नहीं है।

अविरुद्ध कार्य अनुपलब्धि –

Aviruddha Kārya Anupalabdhi.

Unavailability of effects due to complimentary reasons

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद, यहां पर अग्नि नहीं है क्योंकि यहां उसके अनुकूल धुआं रूप कार्य नहीं दिखता है।

अविरुद्ध पूर्वचर अनुपलब्धि –

Aviruddha Pūrvacara Anupalabdhi.

Unavailability of pre-variables due to basic reasons.

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद; एक मुहूर्त के बाद रोहिणी का उदय न होगा, क्योंकि इस समय कृत्तिका का उदय नहीं हुआ है।

अविरुद्ध व्यापक अनुपलब्धि -

Aviruddha Vyāpaka Anupalabdhi.

Pervasive non-availability due to basic essentials

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद; यहां शिंशपा नहीं क्योंकि यहां कोई किसी प्रकार का वृक्ष नहीं दिखता।

अविरुद्ध सहचर अनुपलब्धि –

Aviruddha Sahacara Anupalabdhi.

Covariant non-availability due to absence of dissimilarity

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद, इस बराबर पलड़े वाली तराजू में ऊंचापन नहीं है क्योंकि दूसरे पलड़े में नीचापन नहीं पाया जाता है।

अविरुद्ध स्वभाव अनुपलब्धि -

Aviruddha Svabhāva Anupalabdhi.

Unavailability of nature due to basic reasons.

अविरुद्ध अनुपलब्धि हेतु का एक भेद; इस भूतल पर घड़ा नहीं है क्योंकि उसका स्वरूप नहीं दिखता।

अविरुद्धोपलब्धि (हेतु) –

Aviruddhopalabdhi (Hetu).

Achievement without any opposition

बिना किसी विरोध के उपलब्धि होना।

अविरोध – *Avirodha.*

Non - contradictory

अनेकांत, किसी प्रमाण से बाधित न होना।

अविवक्षित – *Avivakṣita.*

Not intended, Unimplied

अप्रासंगिक।

अविवेक – *Aviveka.*

Lack of discrimination, Imprudence.

ज्ञान की कमी, अज्ञान।

अविशद – *Aviśada.*

A type of sensory knowledge *Avagraha*, Not clear, Indistinct.

अवग्रह का भेद–रूपादि विशेष को ग्रहण न करके पुरुष मात्र के सत्त्वादि विशेष को ग्रहण करने वाला।

अविशेषणसमा – *Aviśeṣaṇasamā.*

Parity through non-distinguishing

अविशेष्य में समानता होना।

अविशेष समा जाति – *Aviśeṣa Samā Jāti.*

Parity per non-difference

अविशेषपना स्वीकार कर चुकने पर पुनः प्रतिवादी द्वारा उठाया गया प्रतिषेध।

अविशेषस्वरूप – *Aviśeṣasvarūpa.*

Indistinguishable.

पृथक् न किये जाने योग्य द्रव्य का सामान्य स्वरूप ।

अविष्वग्भाव – *Avişvagbhāva.*
Similarity, Indivisibility.
अभेद रूप ।

अविसंवाद – *Avisaṁvāda.*
Non-contradictory conversation.
अचौर्य व्रत की एक भावना – साधर्मियों से झगड़ा नहीं करना ।

अविसंवादक – *Avisaṁvādaka.*
See - *Avisaṁvādī.*
देखें – अविसंवादी ।

अविसंवादी – *Avisaṁvādī*
One who does not make argument.
विवाद (तर्क) न करने वाला, अविवादी ।

अविहत – *Avihata.*
A synonym of '*Shrutagyan*' i.e. scriptural knowledge.
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम (धवला पुस्तक 13 के अनुसार) ।

अविहिंसा – *Avihiṁsā.*
Absence of violence
हिंसा का अभाव, अहिंसा ।

अवीचार – *Avicāra.*
Lack of arguments,Thoughtlessness.
अर्थ, व्यंजन और योगों के संक्रम के अभाव में किया गया ध्यान अथवा चिंतन या तर्क का अभाव होना ।

अव्यक्त – *Avyakta.*
A fault of criticism, Not manifested i.e. not clear.
आलोचना का एक दोष, जो प्रगट न हो–गुप्त हो, स्पष्ट न हो ।

अव्यतिरेक – *Avyatireka.*
Concomitance (co-existence) of means & goal
अन्वय दृष्टांत , जहां साधन की मौजूदगी में साध्य की मौजूदगी दिखाई जाती है ।

अव्यतिरेकी – *Avyatireki.*
Unseparated (co-existed).
देखें–अव्यतिरेक ।

अव्यभिचारी – *Avyabhicārī.*
Not-licentious, not immoral, Non-contradictory.
अविरोधी, एकनिष्ठ ।

अव्यय – *Avyaya.*
Eternal, Indestructible.
अविनाशी, सिद्धों का सुख ।

अव्ययीभाव – *Avyayībhāva*
Unchangeable, Indeclinable.
अपरिवर्तनशील, अखंडित, 4 मुख्य समासों में से एक; क्रिया विशेषण समास ।

अव्यवस्था – *Avyavasthā.*
Lack of organisation; disorderness.
व्यवस्था का अभाव ।

अव्यवहित – *Avyavahita.*
Immediate (without any interruption).
व्यवधान रहित, साथ मिला हुआ ।

अव्याघात – *Avyāghāta.*
Where splitting is restricted
जहां स्थिति कांडक घात न हो ।

अव्यापन्न – *Avyāpanna.*
Not to be much pervaded or diffused
जो बहुत विस्तीर्ण न हो ।

अव्याप्त – *Avyāpta.*
Not pervading (a fault of *lakshana* i.e. Characteristic).
लक्षण का एक दोष, लक्ष्य के एक देश में लक्षण का रहना ।

अव्याबाध – *Avyābādha.*
A type of special heavenly deities (*Laukantik*), Undisturbed mental peace.
लौकांतिक देवों का एक भेद, प्रतिजीवी गुण–वेदनीय कर्म के नाश से आकुलता का अभाव होना । सिद्धों में यह गुण प्रगट होता है ।

अव्युच्छिन्न – *Avyucchinna.*
Indestructible.
जो नष्ट न किया जा सके ।

अव्युत्पन्न – *Avyutpanna.*
Unknown things, one having no knowledge.
जो पदार्थ जाना हुआ न हो, जो किसी विषय में जानकार न हो ।

अव्युत्पन्न श्रोता – *Avyutpanna Śrotā.*
An unqualified listener; unaware.
जो वस्तु स्वरूप से अनभिज्ञ होता है ।

अव्रत – *Avrata.*
Without vows.
व्रत से रहित अवस्था ।

अव्रतीगृहस्थ – *Avratigṛhastha.*
Unrestricted householder with basic restraints (*Ashta Moolgunas*).
जो गृहस्थ व्रती तो नहीं है किन्तु अष्ट मूलगुणों का पालन करता है ।

अशन – *Aśana.*
Food.
आहार, जिससे भूख मिट जाये ।

अशन दोष – *Aśana Doşa.*
A fault of food
आहार का एक दोष जो दस प्रकार का होता है ।

अशनिधर – *Aśanidhara.*
Indras having thunderbolt as their weapon.
वज्र है शस्त्र जिनका ऐसे इन्द्र ।

अशनिपात – *Aśanipāta.*
Occurring of thunderbolt.

सहायक होना।

अशब्द – *Aśabda.*
Wordless or noiseless matter
परमाणु–जो स्वयं शब्द रूप न होकर भी शब्द का कारण हो।

अशय्याशयिनी – *Aśayyāśayinī.*
An education pertaining to witch-craft.
यह एक मंत्र विद्या है।

अशरण – *Aśaraṇa*
Insecure, Helpless. Without shelter.
असुरक्षित, जहां कोई शरण न हो, शरण बिना।

अशरणानुप्रेक्षा – *Aśaraṇānuprekṣā.*
Reflection on utter refugelessness, no shelter other than religion
12 भावनाओं में एक भावना; धर्म के अलावा कोई भी संसार में शरण नहीं है इस प्रकार बारबार चिंतन करना।

अशरीर – *Aśarīra*
Disembodied soul i.e. bodiless
शरीर रहित अर्थात् सिद्धों का एक गुण।

अशाश्वतवाद – *Aśāśvatavāda.*
Doctrine of transientness
क्षणिकवाद।

अशुचि – *Aśuci*
Impurity, Unclean.
अशुद्धि, अपवित्र।

अशुचित्व अनुप्रेक्षा – *Aśucitva Anuprekṣā.*
Reflection on impurity of body.
12 भावनाओं में एक भावना - शरीर की अपवित्रता एवं उससे भिन्न आत्मा की शुचिता का बारबार चिंतन करना।

अशुद्ध – *Aśuddha*
Impure
मैला, अपवित्र, कर्मबन्ध सहित।

अशुद्ध अर्थपर्याय नैगम -
Aśuddha Arthaparyāya Naigama.
Standpoint of impure object mode (*paryaya*).
अशुद्ध द्रव्य व उसकी किसी एक अर्थ पर्याय को गौण मुख्य रूप से विषय करने वाला नय।

अशुद्ध आचरण – *Aśuddha Ācaraṇa.*
Impure conduct, conduct with attachment.
राग सहित आचरण।

अशुद्ध जीव – *Aśuddha Jīva.*
Mundane being (with *karmic* bondage).
संसारी, कर्मबंध सहित जीव।

अशुद्धता – *Aśuddhatā.*
Impurity.
मैलापन, अपवित्रता, कर्मबंध से सहित होना।

अशुद्धद्रव्य अर्थपर्याय नैगम -
Aśuddha Dravya Arthaparyāya Naigama
See - *Aśuddha Arthaparyāya Naigama*
देखें – अशुद्ध अर्थपर्याय नैगम।

अशुद्ध द्रव्य नैगम - *Aśuddha Dravya Naigama*
Standpoint pertaining to impure substance meanings
जो नय अशुद्ध द्रव्य का संकल्प करे।

अशुद्धद्रव्य व्यंजनपर्याय नैगम –
Aśuddha Dravya Vyañjanaparyāya Naigama.
Standpoint of impure substance explicit modes.
जो नय अशुद्ध द्रव्य के आकार का संकल्प करे।

अशुद्धद्रव्यार्थिक नय –
Aśuddha Dravyārthika Naya
Impure substantive standpoint
वह नय जो अशुद्ध द्रव्य को ग्रहण करे।

अशुद्ध निश्चय नय – *Aśuddha Niścaya Naya.*
Standpoint of impure aspects of soul
जिस नय से अशुद्ध स्वभाव वर्णन हो जैसे जीव के मतिज्ञानादि।

अशुद्ध परिणाम – *Aśuddha Pariṇāma.*
Auspicious & Inauspicious sentiments
जीव का शुभ–अशुभ भाव (समयसार के अनुसार)।

अशुद्ध पर्याय – *Aśuddhaparyāya*
Impure successive body forms (*Paryaya*)
देव – नरक – तिर्यंच – मनुष्यस्वरूप पर्यायें जो परद्रव्य के संबंध से उत्पन्न होती है।

अशुद्ध पर्यायार्थिक नय -
Aśuddha Paryāyārthika Naya.
Impure model viewpoint, Impure relative aspect
चिरकाल स्थायी, सयोगी व स्थूल व्यंजन पर्याय ही जिसका प्रयोजन है।

अशुद्ध पारिणामिक भाव –
Aśuddha Pāriṇāmika Bhāva
Impure inherent volition.
जीवत्व (दस प्राणों से सहित), भव्यत्व, अभव्यत्व तीनों भाव विनाशशील पर्याय के आश्रित होने से पर्यायार्थिक नय की अपेक्षा।

अशुद्धसद्भूत – *Aśuddhasadbhūta.*
Impure substantive standpoint.
नय, अशुद्ध गुण और अशुद्ध गुणी में अथवा अशुद्ध पर्याय व अशुद्ध पर्यायी में भेद का कथन करना।

अशुद्ध सद्भूत व्यवहार नय –
Aśuddha Sadbhūta Vyavahāra Naya.
A standpoint differentiating virtues & virtuous one.
गुण-गुणी या अशुद्ध पर्याय और पर्यायवान का भेद करना जिस नय से हो। जैसे संसारी जीव की देव पर्याय।

अशुद्धोपयोग – *Aśuddhopayoga*

Impure conscious activity of soul

आत्मा का भाव जो शुद्ध वीतराग न हो किंतु शुभ व अशुभ रूप हो (अध्यात्म के अनुसार)।

अशुभ – *Aśubha*

Inauspicious.

जो शुभ न हो अथवा विपरीत हो।

अशुभकाययोग – *Aśubhakāyayoga.*

Vibration in soul points caused due to the wicked activities of the body.

पाप रूप क्रियाओं के द्वारा होने वाला योग अशुभकाय योग है।

अशुभ गति – *Aśubha Gati.*

Hellish and animal destinities (body forms)

नरक व तिर्यंच गति।

अशुभ तैजस – *Aśubha Taijasa.*

An inauspicious and destructive lustre caused by the anger of a saint involved in deep austerity

क्रोधवश साधु के बाएं कंधे से तैजस शरीर सहित आत्मप्रदेशों का फैलना जो नगरादि व साधु को भस्म कर देता है।

अशुभनामकर्मप्रकृति –

Aśubhanāmakarmaprakṛti.

Inauspicious physique making *karmas.*

जिस कर्म के उदय से रमणीयपना नहीं होता है एवं अंगों उपअंगों में अशुभता अर्थात् अशुभ लक्षण उत्पन्न होते हैं।

अशुभपरिणाम – *Aśubhapariṇāma*

Inauspicious volition

पाप बंधनकारक भाव।

अशुभमनोयोग – *Aśubhamanoyoga.*

Vibration in soul points caused due to wicked thought activities

पाप रूप विचारों के द्वारा होने वाला योग अशुभमनोयोग है।

अशुभयोग – *Aśubhayoga.*

Vibration in soul points caused due to inauspicious activities.

अशुभ कार्यों में मन वचन काय की प्रवृत्ति होना।

अशुभलेश्या – *Aśubhaleśyā.*

Inauspicious *karmic* stain/colouration.

कृष्ण, नील, कापोत लेश्या अशुभ लेश्या कहलाती हैं।

अशुभ वचन योग – *Aśubha Vacana Yoga.*

Vibration in soul points caused due to wicked speech activity.

कुत्सित या पापरूप वचन क्रिया से होने वाला योग।

अशुभविहायोगति – *Aśubhavihāyogati.*

Inauspicious movement

नामकर्म की एक प्रकृति; अप्रशस्त गति, ऊंट आदि की गति अशुभविहायोगति है।

अशुभ श्रुत – *Aśubha Śruta.*

Inauspicious & instigating preachings

अनर्थदंड का एक भेद, वह शास्त्र या उपदेश जिसके सुनने से जीव का अकल्याण हो, राग–द्वेष बढ़े।

अशुभोपयोग – *Aśubhopayoga.*

Inauspicious conscious activity of soul.

आत्मा का भाव अशुभ आशय सहित होना अर्थात् पाप का संचय होना।

अशून्यता – *Aśūnyatā.*

To be involved in worldly affairs

आत्मा का बाह्य पदार्थों के अवलम्बन तथा राग, द्वेष आदि से सहित होना।

अशैलेशी – *Aśaileśī.*

Not-rock like

शिला के समान जो न हो।

अशोक – *Aśoka.*

Name of a planet, A city of north of *Vijayardha*, A famous king of Magadh

एक ग्रह, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, वर्तमान भारतीय इतिहास का एक प्रसिद्ध मगध का राजा।

अशोकरोहिणी व्रत – *Aśokarohiṇī Vrata.*

A vow to be observed every month at *Rohini Nakshatra* (a lunar).

प्रतिमाह रोहिणी नक्षत्र के दिन किया जाने वाला उपवास। रोहिणी व्रत के नाम से इस व्रत की प्रसिद्धि है।

अशोकवन – *Aśokavana.*

Forest of *Fonesia Ashoka's* trees.

समवशरण में नाट्यशाला के आगे पूर्व दिशा में स्थित अशोक वृक्षों का वन।

अशोकवृक्ष – *Aśokavṛkṣa.*

The tree *Fonesia Ashoka* (known especially for its red flowers).

एक प्रकार के वृक्ष, अर्हंत भगवान का एक प्रातिहार्य, समवशरण में अशोकवन के वृक्ष।

अशोक संस्थान – *Aśoka Saṃsthāna.*

Name of a planet.

88 ग्रहों में एक ग्रह।

अशोका – *Aśokā.*

Main city of *Kumuda kshetra* of west *Videh* (a region). A *Vapi* (like large lake) in the south of *Nandishvar* island.

अपर विदेह के कुमुद क्षेत्र की प्रधान नगरी, नन्दीश्वर द्वीप की दक्षिण दिशा में स्थित एक वापी।

अशौच – *Aśauca.*

Greediness.

चारों प्रकार के लोभ में लिप्त रहना।

अश्रद्धा – *Aśraddhā.*

Want of faith, Lack of reverence.

अनास्था, अविश्वास, तत्वार्थों के प्रति अरुचि ।

अश्रद्धान – *Aśraddhāna.*
Wrong perception.
मिथ्यादर्शन ; जीव आदि पदार्थों का श्रद्धान न करना ।

अश्रुतनिश्रत – *Aśrutaniśrata.*
Not backed by spiritual learning
शास्त्रों के ज्ञान से सम्पन्न न होना ।

अश्रुपात – *Aśrupata.*
Shedding of tears, An obstruction in saint - food.
आँसू बहना, अंतरङ्ग , दुःख से आँसू निकलते देखकर साधु आहार छोड़ देते है ।

अश्रेणी – *Aśreṇi*
Non - sequential, A spiritual stage.
अक्रमवार, वक्र, संयत गुणस्थानों के विभाजन का एक रूप ।

अश्लील - *Aślila.*
Indecent, Wretched
असभ्य, कुत्सित ।

अश्लोक – *Aśloka.*
Dishonour , inauspicious words.
अशुभ वचन ।

अश्व - *Aśva.*
Horse, the significant mark of Jaina Lord Sambhavanath. One of the *Chakravarti's* 14 jewels. Name of a planet.
घोड़ा, सम्भवनाथ भगवान का चिन्ह, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में से एक, एक नक्षत्र ।

अश्वकंठ – *Aśvakaṇṭha.*
Name of a *Pratinarayana*
आगामी काल के भरत क्षेत्र के चौथे प्रतिनारायण का नाम ।

अश्वक्रांता – *Aśvakrāntā.*
Reduction of power of *karmic* molecules.
कर्मपरमाणुओं की अनुभाग शक्ति को घटाने की क्रिया ।

अश्वग्रीव – *Aśvagriva.*
Name of a *Pratinarayana*
भरत क्षेत्र के वर्तमान का पहला एवं आगामी 7 वें प्रतिनारायण का नाम ।

अश्वत्थ – *Aśvattha.*
The *Peepal*—holy fig-tree, *Ficus religiosa.*
पीपल का वृक्ष ।

अश्वत्थामा – *Aśvatthāmā.*
The son of *guru* Dronacharya. Name of an elephant.
गुरु द्रोणाचार्य का पुत्र, एक हाथी का नाम ।

अश्वपुरी – *Aśvapuri.*
Main city of *Padma kshetra* of west *Videh* (a region).
अपर विदेह स्थित पद्म क्षेत्र की प्रधान नगरी ।

अश्वमेघदत्त – *Aśvameghadatta*
Another name of Arjun.
अर्जुन का दूसरा नाम ।

अश्ववन – *Aśvavana.*
Name of the initiation forest of Jaina Lord Parshvanath.
भगवान पार्श्वनाथ के दीक्षा वन का नाम ।

अश्वसेन – *Aśvasena.*
Father's name of Jaina Lord Parshvanath
बनारस के राजा एवं भगवान पार्श्वनाथ के पिता का नाम ।

अश्वस्थान – *Aśvasthāna.*
Name of a planet
12 वें ग्रह का नाम ।

अश्विनी – *Aśvini.*
Name of a lunar. The wife of Dronacharya
एक नक्षत्र, द्रोणाचार्य की पत्नी ।

अश्विनी व्रत – *Aśvini Vrata.*
A vow
अश्विनी नक्षत्र में किया जाने वाला एक व्रत ।

अष्ट - *Aṣṭa.*
Eight.
आठ ।

अष्ट कर्म – *Aṣṭa Karma.*
Name of eight *karmas*
ज्ञानावरण, दर्शनावरण, वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम, गोत्र और अंतराय, ये आठ कर्म हैं ।

अष्टद्रव्य – *Aṣṭadravya*
Eight auspicious substances for Jaina worshipping
जैनधर्मानुसार पूजा करने के आठ द्रव्य – जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप, फल ।

अष्ट प्रवचन मातृका – *Aṣṭa Pravacana Mātṛkā*
8 kinds of vigilence and self control of Jaina saints.
माता के समान मुनि की रक्षा करने वाली 5 समिति और 3 गुप्ति । ये अष्टप्रवचन मातृका कहलाती है ।

अष्ट प्रातिहार्य – *Aṣṭa Prātihārya.*
8 auspicious emblems (devices) related to Lord Arihant
छत्र, चमर, अशोक वृक्ष, दुंदुभि, सिंहासन, भामंडल, दिव्यध्वनि, पुष्प वृष्टि ये आठ प्रातिहार्य तीर्थंकर केवली के होते हैं ।

अष्टमंगल द्रव्य – *Aṣṭamaṁgala Dravya*
Eight auspicious emblems (to be kept near the idol of Lord Jain).
जिन प्रतिमा के समीप रहने वाले आठ मंगल द्रव्य—भृंगार, कलश, दर्पण, चंवर, ध्वजा, बीजना, छत्र और सुप्रतिष्ठ ।

अष्टम – *Aṣṭama.*

The eighth, like the 8th earth (*Siddhashila*)

आठवां जैसे आठवीं पृथ्वी (सिद्धशिला)।

अष्टमध्यप्रदेश – *Aṣṭamadhyapradeśa*

Immobile eight central spaces of soul & universe

जीव के आठ मध्यप्रदेश, लोक के आठ मध्यप्रदेश।

अष्टम भक्त – *Aṣṭama Bhakta*

Fast of three continuous days.

तीन दिन का उपवास-तेला।

अष्टमी क्रिया – *Aṣṭamī Kriyā*

A method of devotional prayer of eighth day of each half of a month

सिद्ध भक्ति, श्रुतभक्ति, सालोचना चारित्रभक्ति, शांतिभक्तिपूर्वक अष्टमी क्रिया होती है। इसे साधुजन प्रत्येक अष्टमी को करते हैं।

अष्टमूलगुण – *Aṣṭamūlaguṇa.*

Specified 8 fundamental duties of Jain householders

पांच उदम्बर फलों एवं तीन मकारों (मद्य, मांस, मधु) का आजीवन त्याग करना, ये श्रावक के आठ मूलगुण हैं अथवा पांच उदम्बर फल त्याग, मद्य-मांस-मधु त्याग, रात्रि भोजन त्याग, जल छानकर पीना, जीवदया व प्रतिदिन देवदर्शन करना।

अष्टशती – *Aṣṭaśatī..*

A book written by '*Acharya* Aklanka Bhatta'

आचार्य अकलंक भट्ट (ई. श. 7) द्वारा देवागमस्तोत्र पर रचित न्याय का ग्रन्थ।

अष्टसहस्री – *Aṣṭasahasrī.*

A book written by *Acharya* Vidyanandji

आचार्य विद्यानन्द (ई. 775 – 840) कृत न्याय का ग्रन्थ। इस ग्रन्थ पर गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा स्याद्वादचिन्तामणि नामक हिन्दी टीका लिखी गई है (सन् ई. सन् 1969-70) जो तीन भागों में प्रकाशित हुई है।

अष्टांक – *Aṣṭāṅka.*

Infinite times increase

अनंतगुणवृद्धि।

अष्टांकवृद्धि – *Aṣṭāṅkavṛddhi.*

Infinite multiple increase in sinful degradation.

षट् स्थान पतित वृद्धि में अनंत गुण वृद्धि को अष्टांकवृद्धि कहते हैं।

अष्टांग – *Aṣṭāṅga.*

Eight organs of body, Eight limbs

देह के पृथक्-पृथक् आठ अंग — दो हाथ, दो पैर, नितम्ब, पीठ, हृदय व मस्तक।

अष्टांग हृदयोद्योत – *Aṣṭāṅga Hṛdayodyota*

A book written by '*Pandit* Ashadhar'.

पं. आशाधरजी (ई.स. 1173 – 1243) द्वारा विरचित एक संस्कृत काव्य ग्रन्थ।

अष्टांग सम्यग्ज्ञान – *Aṣṭāṅga Samyakjñāna.*

Right knowledge with eight parts.

शब्दाचार आदि 8 अंगों सहित सम्यक् ज्ञान।

अष्टादश – *Aṣṭādaśa.*

Eighteen, a number.

अठारह।

अष्टापद – *Aṣṭāpada.*

A wild animal. The place of salvation of Lord Rishabhadev, A place of pilgrimage developed in Badrinath as the salvation place of Lord Rishabhdev

एक पशु का नाम, भगवान आदिनाथ की निर्वाण स्थली इसे कैलाश पर्वत भी कहते हैं। बीसवीं शताब्दी में दिगम्बर जैन समाज के कतिपय विशिष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बद्रीनाथ में भगवान ऋषभदेव की निर्वाणस्थली के नाम से विकसित किया गया एक तीर्थ।

अष्टाविंशति – *Aṣṭāviṁśati.*

Twenty eight like 28 lunar, 28 basic restraints. 28 *Karma* forms etc.

अट्ठाईस, जैसे-28 नक्षत्र, 28 मूलगुण, 28 मोहनीय कर्म के भेद।

अष्टान्हिका – *Aṣṭāhnikā*

A Jaina worshipping festival of 8 days, A particular type of devotional prayer

अनादिनिधन एक पर्व – जो कार्तिक, फाल्गुन व आषाढ़ के महीने में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक आता है, जिसमें देवता नंदीश्वर द्वीप में जाकर वहाँ के 52 अकृत्रिम जिन मन्दिरों में दिन रात पूजा करते हैं। श्रावकगण इस पर्व में नंदीश्वर, सिद्धचक्र आदि विधान करते हैं तथा साधुगण सामूहिक रूप में सिद्धभक्ति, नंदीश्वर भक्ति, पंचगुरुभक्ति, शांतिभक्ति पढ़कर "नंदीश्वरपर्वक्रिया" करते हैं।

अष्टोत्तरसहस्र – *Aṣṭottarasahasra*

One thousand eight, like characteristics of Lord Arihant etc.

एक हजार आठ, जैसे-भगवान के 1008 लक्षण हैं, 1008 नाम हैं। इन्द्र 1008 कलशों से भगवान का जन्माभिषेक करते हैं।

असंकुट – *Asaṁkuṭa.*

Soul-points of any being pervaded through the universe while *Kevali Samudghat.*

जीव जो केवली समुद्घात के समय आत्मा के प्रदेशों से सम्पूर्ण लोकाकाश को व्याप्त करता है।

असंक्लेश – *Asaṁkleśa.*

Purity of thoughts without any sufferings.

संक्लेश परिणामों से रहित अवस्था, कषायों की मंदता।

असंक्षेपाद्धा – *Asaṁkṣepāddhā*

Minimal duration of trail.

जिससे छोटा कोई काल न हो।

असंख्यात – *Asaṁkhyāta.*

Innumerable.

जिसे गिना न जा सके, संख्यातीत, इसके पल्य, सागर आदि

असंख्य भेद है।

असंख्यात गुण वृद्धि – *Asaṁkhyāta Guṇa Vṛddhi.*
Innumerable times increase
किसी संख्या में असंख्यात का गुणा करने पर जो आए उतना किसी में जोड़ देना।

असंख्यात गुण हानि – *Asaṁkhyāta Guṇa Hāni.*
Innumerable times decrease
षट्गुणहानि, वृद्धि का एक भेद।

असंख्यात भाग वृद्धि – *Asaṁkhyāta Bhāga Vṛddhi*
Innumerable part increase
देखें – अनन्तभागवृद्धि।

असंख्यातासंख्यात – *Asaṁkhyātāsaṁkhyāta.*
Multiple of innumerable.
काल प्रमाण का एक भेद, गणनातीत राशि।

असंख्येय – *Asaṁkhyeya.*
See - *Asaṁkhyāta.*
देखें – असंख्यात।

असंख्येयाद्धा – *Asaṁkhyeyāddhā.*
A minimal duration of trail (*avali*).
आयु कर्म की आबाधा का जघन्यकाल, आवली का असंख्यातवां भाग प्रमाण।

असंख्येयासंख्येय – *Asaṁkhyeyāsaṁkhyeya.*
See - *Asaṁkhyātāsaṁkhyāta.*
देखें – असंख्यातासंख्यात।

असंग – *Asaṁga.*
Attachment free, detachment
परिग्रह त्याग, ममत्व का न होना।

असंगत – *Asaṁgata.*
Absurd, Inconsistent, Inappropriate
अर्थहीन, असम्बद्ध, अनुचित।

असंग महाव्रत – *Asaṁga Mahāvrata.*
Renunciation of possession - a great vow
परिग्रह त्याग महाव्रत।

असंज्ञी – *Asaṁjñī.*
Beings without mental power, Mindless beings.
मन रहित असैनी जीव, जो हित–अहित की शिक्षा न ले सके।

असंज्ञीत्वस्थिति – *Asaṁjñītvasthiti.*
Life time of beings having no mental power.
असंज्ञी जीवों की आयु।

असंचार – *Asaṁcāra.*
Lack of affirmation
प्रतिपत्ति अर्थात् निश्चय का न होना (न्याय विषयक)

असंदिग्ध – *Asaṁdigdha.*
Undoubtful, Authentic.
संदेह रहित वचन आदि, जिसमें अर्थ स्पष्ट हो और अक्षर व्यक्त होते हों।

असंप्राप्तसृपाटिकासंहनन –
Asaṁprāptasṛpāṭikāsaṁhanana.
Karmic nature causing ligatured osseous structure
जिस नामकर्म के उदय से हाड़ परस्पर नहीं बंधे हों, कीलित न हों।

असंबद्धप्रलाप – *Asaṁbaddhapralāpa*
Words deprived of religion, wealth, sex and salvation
ऐसे वचन जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों से रहित हों।

असंभव – *Asaṁbhava*
Impossible, A fault of characteristic
जो संभव नहीं है, लक्षण का एक दोष, लक्ष्य में लक्षण की असंभवता।

असंमोह – *Asaṁmoha*
Free from delusion
जो ज्ञान आगमपूर्वक व आदरपूर्वक होता है, वह ज्ञान ही असंमोह है।

असंयत – *Asaṁyata*
State of non - restraints, Uncontrolled one.
संयम से रहित आत्मा, असंयमी।

असंयत गुणस्थान – *Asaṁyata Guṇasthāna.*
Uncontrolled stage of spiritual development
पहले से चौथा गुणस्थान जहाँ स्वयम संयम नहीं है।

असंयतसम्यग्दृष्टि – *Asaṁyatasamyagdṛṣṭi.*
Vowless right believer living at the 4th stage of spiritual development.
चतुर्थ गुणस्थानवर्ती सम्यग्दृष्टि जीव जो असंयमी होते हैं।

असंयम – *Asaṁyama*
Non - restraint, Incontinence, Indiscipline.
इंद्रियों एवं मन को वश में न रखना तथा षट् काय के जीवों की रक्षा न करना।

असंयुक्त – *Asaṁyukta.*
Non-combined; separated.
जो सम्मिलित न हो, अलग हो।

असंसार – *Asaṁsāra.*
State of salvation.
फिर जन्म न लेना अर्थात् परमसुख की प्राप्ति असंसार है।

असग – *Asaga.*
A great poet, disciple of *Acharya* Nagnandi
ई. 988 के महाकवि एवं आचार्य नागनन्दि के शिष्य जिन्होंने भगवान महावीर चरित्र विषयक ग्रंथ लिखा।

असत्पोषकर्म – *Asatpoṣakarma.*
Maintenance of animals and slaves etc.
दूसरे जीवों के घातक कुत्ता, बिल्ली आदि का पालन, अपने दास–दासियों का पालन।

असत् - *Asat.*
False. Unreal. Non-existing.
मिथ्या, अवास्तविक, अभाव, अविद्यमान ।

असत्प्रतिपक्ष हेतु - *Asatpratipakṣa Hetu.*
Unreal and opposing causes.
जो हेतु प्रतिपक्षी एवं असत् हो ।

असतीपोषण - *Asatīpoṣaṇa*
Maintenance of prostitute etc.
वेश्या आदि कुनारियों का पोषण करना ।

असत्क्रिया - *Asatkriyā*
A sinful activity.
खोटी या पाप क्रिया ।

असत्ता - *Asattā.*
Non - existence.
सापेक्ष अथवा विरोधी धर्मों में एक, सत्ता-असत्ता ।

असत्य - *Asatya*
Unreal, False.
झूठ, जो तथ्य न हो, प्रमाद सहित अहितकारी घातक वचन ।

असत्य मनोयोग - *Asatya Manoyoga.*
False mental vibration
असत्य मन से होने वाले योग को असत्य मनोयोग कहते हैं ।

असत्य वचनयोग - *Asatya Vacanayoga*
False vocal vibration.
असत्य वचन द्वारा होने वाले योग को असत्य वचनयोग कहते हैं ।

असत्यार्थ उपचरित - *Asatyārtha Upacarita*
Wrong statement
किसी नगर या देश में रहने के कारण 'यह मेरा नगर है' ऐसा असत्य कहना ।

असत्यासत्य - *Asatyāsatya.*
To make false promise (of donating other's thing by own self)
जो वस्तु अपनी नहीं है वह वस्तु किसी और को देने का कथन करना ।

असत्योपचार - *Asatyopacāra.*
False conventional usage, Unreal custom.
भिन्न द्रव्यों में एकता का उपचार करना ।

असत्व - *Asatva.*
Non-existence.
जिसकी सत्ता न हो, अभाव ।

असद्गुणोद्भावन - *Asadguṇodbhāvana.*
Proclaiming noble qualities absent in oneself.
नीच गोत्र के आस्रव का एक कारण , जो गुण अपने में नहीं हैं उन्हें प्रकट करना ।

असद्भावस्थापना - *Asadbhāvasthāpanā.*
Installation of something not in actual form.
अतदाकार स्थापना, जिस वस्तु में ठीक आकार न झलके उसमें किसी की स्थापना करना ।

असद्वाद - *Asadvāda*
Theory of non-existence.
अस्तित्व हीनता (असत्य) का सिद्धान्त ।

असदारम्भ - *Asadārambha.*
An evil activity.
उच्च कुल के अयोग्य कार्य ।

असदृश उत्पाद - *Asadṛśa Utpāda.*
Invisible (hidden) production (ripening of fruits etc).
आम का हरितवर्ण से पीतवर्ण हो जाना असदृश उत्पाद है ।

असद्भूत - *Asadbhūta.*
Expressing the unitariness of distinct entities
जो मिले हुए पदार्थों को अभेदरूप ग्रहण करे, जैसे यह शरीर मेरा है ।

असद्रूप - *Asadrupa.*
Unrelativity
असम्बद्ध होना, सापेक्ष धर्म या वस्तु के कुछ विरोधी धर्मों में एक, सद्रूप - असद्रूप ।

असद्वेद्य - *Asadvedya.*
Pain causing *karmas.*
सद्वेद्य का विपरीत अर्थात् असातावेदनीय कर्म जिसके फलस्वरूप अनेक प्रकार के दुःख मिलते हैं ।

असन - *Asana.*
Initiation tree of Lord Abhinandannath
अभिनन्दननाथ भगवान का दीक्षा वृक्ष ।

असभ्य - *Asabhya.*
Uncouth; rude impolite.
अमानवीय, जो सभ्य न हो ।

असभ्य वचन - *Asabhya Vacana.*
Vulgar words.
अशिष्ट वचन, शिष्टाचार रहित वचन ।

असमपर्यंकासन तप - *Asamaparyaṁkāsana Tapa.*
An external austerity.
कायक्लेश; जिसमें पिंडलियां और स्फिक बराबर न मिलें ।

असमय फलोत्पत्ति - *Asamaya Phlotpatti.*
A transcendent of Lord Arihant of untimely ripening of fruits.
अरहंत भगवान का एक अतिशय, तीर्थंकरों के माहात्म्य से संख्यात योजनों तक वन का असमय में ही पत्र, फूल और फलों से संयुक्त हो जाना ।

असमवायी कारण - *Asamavāyī Kāraṇa.*
Non assemblage cause.
समवाय मय?° अभाव का कारण ।

असमान जातीय द्रव्य पर्याय - *Asamāna Jātīya Dravya Paryāya.*
Dissimilar genus event, State of dis-similarity between previous and the next *Paryayas* (body-

forms) as a human becomes deity in the next birth
जो अवस्था असमान परिणमन में हो, जैसे मनुष्य का देव हो जाना।

असमान परिणमन – *Asamana Pariṇamana*
Transfiguration (as transformation of a child into youth)
जिस परिणमन में या पर्याय पलटने में वस्तु एक आकार को छोड़कर दूसरे आकार को धारण कर ले, जैसे मनुष्य का बालक से युवा होना।

असमान परिणमनशील पर्याय – *Asamāna Pariṇamanaśīla Paryāya*
Dissimilar genus event, transmigration of human mode into divinity
जो अवस्था असमान परिणमन से हो, जैसे मनुष्य का देव हो जाना।

असमाधि – *Asamādhi.*
State of non-involvement in *Dharmadhyan & Shukladhyan.*
धर्म-शुक्ल ध्यान समाधि है इन्हें न करना असमाधि है।

असमाधि (दोष) – *Asamādhi (Doṣa).*
A fault of saints related to holy death (*Samadhi*).
दोष पूर्ण समाधि।

असमीक्षिताधिकरण – *Asamikṣitādhikaraṇa.*
Imprudent operation.
अनर्थदण्डाधिकरण का एक भेद ; बिना देखे वस्तु को रख देना।

असमीक्ष्याधिकरण – *Asamikṣyādhikaraṇa.*
Unnecessary involvement.
अनर्थदण्ड का चौथा अतिचार-प्रयोजन का विचार किये बिना मर्यादा के बाहर अधिक काम करना।

असम्मति – *Asammati.*
Disagreement, Rejection
असहमति, अस्वीकृति।

असम्यक् – *Asamyak.*
Unauthentic.
असमीचीन, अविश्वसनीय।

असर्वगत्व – *Asarvagatva.*
Unpervasive qualities.
जो सभी में व्याप्त न हो, यह एक साधारण धर्म है क्योंकि परमाणु आदि द्रव्य अव्यापी हैं और धर्म आदि द्रव्य परिमित असंख्यात प्रदेशी हैं।

असवाल – *Asavāla.*
Name of a poet.
ई.श. 15 के एक अपभ्रंश कवि जिनकी 'पासणाह चरिउ' एक प्रधान कृति है।

असहाय – *Asahāya.*
Helpless, Omniscience without help of sensual means.
जिसका कोई सहारा न हो, केवलज्ञान-क्योंकि यह इन्द्रिय प्रकाश, मन आदि की सहायता से नहीं होता।

असही – *Asahi*
A specific term used for obtaining permission of deities etc.
चैत्यालय आदि से निकलते समय वहां रहने वाले भूत यक्ष आदि से पूछकर निकलना।

असाक्षात् – *Asākṣāt.*
Not present. Invisible
जो साक्षात् – प्रत्यक्ष न हो।

असाता – *Asāta*
Pain, Trouble. Agony
दुःख।

असाता वेदनीय प्रकृति – *Asātā Vedanīya Prakṛti*
Pain causing *karmic* nature.
वह वेदनीय कर्म जिसके उदय से असाता या दुःख के कारण बनते हैं।

असाधारण – *Asādhāraṇa.*
Uncommon, Exceptional, Extraordinary
विशेष गुण।

असाधारण नियम – *Asādhāraṇa Niyama.*
Extraordinary restraints or rules.
विशेष नियम।

असाम्यता – *Asāmyatā.*
Inequality, Dissimilarity
असमानता, गणित संबंधी एक पद।

असावद्य कर्म – *Asāvadya Karma.*
Deeds free from sinfulness as saint's activities
जिसमें पाप के कारण आरम्भादि कार्य बिल्कुल न हो, जैसे – मुनि की क्रिया।

असावद्य कर्मार्य – *Asāvadya Karmārya*
A type of noble person (*Arya*), great saints free from household activities.
महाव्रती मुनि जो गृहस्थ सम्बन्धी कोई आरम्भ नहीं करते।

असिकर्म – *Asikarma.*
Armoury.
तलवार, धनुष आदि शस्त्र विद्या।

असिकर्मार्य – *Asikarmārya.*
Nobles, who are experts in armoury.
तलवार, धनुष आदि शस्त्र विद्या में निपुण आर्य।

असिक्थ – *Asiktha.*
Rice - water, scum of rice etc
पेय पदार्थ, कांजी जिसमें भात के कण न हों ऐसे मांड आदि।

असिद्ध – *Asiddha.*
Non - salvated, mundane beings, unproved.
संसारी जीव, जिसका निश्चय न हो या जो दूसरे प्रमाण से सिद्ध न हो।

असिद्धत्व – *Asiddhatva*
State of non-salvation
औदयिक भाव का एक भेद; सिद्ध पर्याय की प्राप्ति न होने रूप असिद्धत्व भाव है।

असिद्ध साध्य – *Asiddha Sādhya.*
Not proved by other means.
जो साध्य दूसरे प्रमाण से सिद्ध नहीं होता ।

असिद्ध हेतु – *Asiddha Hetu.*
Motive causes unachievement.
जिस हेतु से साध्य की सिद्धी न हो ।

असिपत्र – *Asipatra.*
A type of tree having sword edge type leaves found in hell.
तलवार की धार के समान पैने पत्तों वाले नारकीय वृक्ष (नरक में होने वाले वृक्ष) ।

असिरत्न – *Asiratna.*
Sword of *Chakravarti* (an emperor).
चक्रवर्ती की तलवार ।

असीम – *Asīma.*
Everlasting, Unlimited.
सीमा अर्थात् मर्यादा से रहित ।

असुर – *Asura.*
Violence promoting deities/demons.
देव, जिनकी हिंसा-कलह आदि में रति होती है ।

असुरकुमार – *Asurakumāra.*
Violence promoting deities/demons.
भवनवासी देवों में एक–जो तीसरे नरक तक जाकर नारकियों को उनके पूर्व भव संबंधी वैर का स्मरण कराकर परस्पर में लड़ाते हैं ।

असूत्र – *Asūtra.*
Lack of logic.
तर्क विरुद्ध या तर्कहीन, आगम विहीन ।

असूनृत वचन – *Asūnṛta Vacana.*
Rebuking, Vulgar words.
निंद्य, अप्रिय तथा पापयुक्त वचन ।

असूया – *Asūyā.*
Malice, Jealousy.
ईर्ष्या, असहिष्णुता, डाह ।

असेवक – *Asevaka.*
One who does not serve, One free from sensual pleasures.
सेवा न करने वाला, इन्द्रिय विषय भोगों में हेय बुद्धि रखना या उनमें राग द्वेष न करने वाला ।

अस्ति – *Asti.*
Existance, Present reality.
अस्तित्व, किसी वस्तु का होना, सत् ।

अस्तिकाय – *Astikāya.*
Substances; having a body of magnitude.
अस्तित्व (सत्ता) और कायत्व (बहुप्रदेशीपना)से सहित जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म और आकाश ।

अस्तित्व – *Astitva*
Existence.
सद्रूपत्व अर्थात् 'है पने' का भाव ।

अस्तित्व काल – *Astitva Kāla.*
Time of existance.
जीवन स्थिति का समय ।

अस्तित्व क्षेत्र – *Astitva Kṣetra.*
Extent of existence.
जीवोत्पत्ति का सीमा क्षेत्र ।

अस्तिनास्ति प्रवाद – *Astināsti Pravāda.*
Name of the 4th *Purva* (one of the 14 early-canons).
14 पूर्वो में चौथे पूर्व का नाम – इसमें सात अंगो में जीवादि वस्तु का स्वरूप है, इसके 60 लाख पद हैं ।

अस्तिनास्ति भंग – *Astināsti Bhaṁga.*
Viewpoint for existance & non-existence related to a matter.
द्रव्य में अपने द्रव्यादि की अपेक्षा अस्तिपना है व पर की अपेक्षा नास्तिपना है, दोनों को कहना अस्तिनास्ति है ।

अस्तेय – *Asteya.*
Non - stealing.
चोरी का त्याग, प्रमाद भाव से दूसरे की बिना दी हुई वस्तु नहीं लेना ।

अस्थि – *Asthi.*
Bone, which is an example of power of pride.
हड्डी, जो मान कषाय की शक्ति का उदाहरण है ।

अस्थित – *Asthita.*
Unfixed, Unsettled.
जो स्थित नहीं है, चलायमान है ।

अस्थिति – *Asthiti.*
Unfixed or unsettled position, Variation.
गतिशील, जीव के प्रदेशों की उथल-पुथल को अस्थिति कहते हैं ।

अस्थिर – *Asthira.*
Unsteady, Unstable.
जो स्थिर न रहता हो, चलायमान ।

अस्थिर नामकर्म प्रकृति – *Asthira Nāmakarma Prakṛti.*
Unsteady physique making *karmic* nature.
जिस कर्म के उदय से शरीर के धातु – उपधातु अपने अपने ठिकाने नहीं रहते ।

अस्नात – *Asnāta.*
One without taken bath.

बिना स्नान किया हुआ।

अस्नातक – *Asnātaka.*
Beings with worldly bondage.
बंधन से सहित संसारी।

अस्नान – *Asnāna.*
Non – bathing, a basic restraint of Jaina saint
साधु का एक मूलगुण, जल से नहाना रूप स्नानादि क्रियाओं को छोड़ देना।

अस्पृश्य – *Aspṛśya.*
Untouchables, Impure.
शूद्र का एक भेद जो स्पर्श करने योग्य न हो।

अस्पृष्ट – *Aspṛṣṭa.*
Untouched
स्पर्श से रहित।

अस्पृहा – *Aspṛhā*
Without desire, Disinterested
उपेक्षा, वैराग्य, साम्य अर्थात् राग-द्वेष रूप परिणामों का न होना।

अस्मिता – *Asmitā.*
One's self.
स्वाभिमान, इज्जत।

अस्वसंविदित – *Asvasaṁvidita.*
Worthless knowledge (not explaining about soul).
आत्मज्ञान का जिससे बोध न हो ऐसा स्वानुभव विहीन ज्ञान।

अहंकार – *Ahaṁkāra.*
The ego, proud.
घमंड, अभिमान।

अहंक्रिया – *Ahaṁkriyā.*
Egoism.
'मैं इस स्त्री आदि समस्त विषयों का स्वामी हूँ' इस प्रकार की क्रिया।

अहंप्रत्यय – *Ahaṁpratyaya.*
Word used for promoting the soul.
अहं प्रत्यय का प्रयोग आत्मा के उपकार करने वाले में किया गया है।

अहमिंद्र – *Ahamindra.*
Deities declaring 'I am *Indra*'.
'मैं इन्द्र हूँ' इस प्रकार अपने को इन्द्र उद्घोषित करने वाले कल्पातीत देव।

अहह – *Ahaha.*
A type of number - unit
संख्या प्रमाण का एक भेद।

अहिंसक – *Ahiṁsaka.*
The follower of non - violence.
जो मन, वचन, काय से त्रस जीवों का घात न स्वयं करता है, न दूसरों से कराता है और न दूसरों को अनुमोदना देता है।

अहिंसा – *Ahiṁsā.*
Non - violence, a basic Jaina vow
मन, वचन, काय से त्रस जीवों का घात न स्वयं करना, न दूसरों से कराना और न दूसरा करता हो तो उसे अच्छा मानना

अहिंसाव्रत – *Ahiṁsāvrata.*
The vow of non - violence
मन, वचन, काय से त्रस जीवों का घात न स्वयं करना, न दूसरों से कराना और न दूसरा करता हो तो उसे अच्छा मानना, यही अहिंसाव्रत कहलाता है।

अहिच्छत्र – *Ahicchatra*
The omniscience - place of Lord Parshvanath
भगवान पार्श्वनाथ के केवलज्ञान प्राप्ति का स्थान, वर्तमान जिला रामनगर उत्तरप्रदेश में स्थित। यहाँ पर पूज्य गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से ग्यारह शिखरों से युक्त तीस चौबीसी के भव्य मन्दिर का निर्माण किया गया है।

अहित – *Ahita.*
Harmful, Injurious
अग्राह्य, अनुचित, अनिष्ट आदि क्रियाओं को करना।

अहीन्द्रवर (द्वीप सागर) – *Ahīndravara (Dvīpa Sāgara).*
An ocean-island of middle universe
मध्यलोक में दिवरम सागर व द्वीप।

अहेतुक – *Ahetuka.*
Without cause or motive
द्रव्य का स्वभाव स्वतःसिद्ध है और वह अस्तित्व अनादि व अनंत अन्य साधन से निरपेक्ष होने से अहेतुक है।

अहेतुमत् – *Ahetumat.*
Authentic opinion
जो मत सर्वज्ञ की आज्ञा को ही केवल प्रामाणिक मानता है।

अहेतुवाद – *Ahetuvāda*
Doctrine of materialistic description according to Jaina texts.
जो हेतु से न कहा जा सके ऐसा जिनागम के अनुसार वस्तु का स्वरूप कहने का अधिकार।

अहोरात्र – *Ahorātra*
A time unit, day and night.
काल के प्रमाण का एक भेद, दिनरात, 24 घंटे का काल।

आ

आ – *A*

The second vowel of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का द्वितीय स्वर ।

आँख – *Amkha.*

Eyes.

नेत्र, चक्षु इन्द्रिय जिसके द्वारा रूप-रंग को देखा जाता है ।

आँच – *Amca.*

Heat.

तपन, गर्मी ।

आंत – *Amta*

Entrails, intestines

अतड़ी , मनुष्य के शरीर में पक्वाशय आमाशय में 16 आंतें रहती है ।

आँतरा – *Amtara.*

Internal stream.

जो अंतरंग में हो ।

आंध्र – *Amdhra.*

A region of middle *Aryakhand* and presently a state of India

मध्य आर्यखण्ड का एक देश तथा वर्तमान में भारत का एक राज्य आंध्रप्रदेश ।

आ – *Ā.*

Up to, As far as, Until.

'आ' पद 'तक' अर्थ में सीमा का प्रयोजक है ।

आउ – *Āu.*

A time unit.

काल का एक प्रमाण ; 84 लाख अउअंग काल प्रमाण ।

आउ अंग – *Āu Amga.*

A time unit.

काल का एक प्रमाण ; 84 लाख त्रुटित काल प्रमाण ।

आकंपित – *Ākampita.*

Trembling, A fault of criticism.

कंपन सहित, आलोचना का एक दोष, गुरु वंदना करके उनकी अनुकंपा पैदा कर फिर दोष कहना ।

आकर – *Ākara.*

Place where mines of gold etc. are found.

जहां पर सोने चाँदी की खान हुआ करती है ।

आकर्षण – *Ākarṣana.*

Attraction, Fascination.

वस्तु विशेष या अन्य पर विशेष झुकाव होना ।

आकर्ष-विकर्ष – *Ākarṣa- Vikarṣa.*

Attracted and repelled.

खींचना-छोड़ना (आकर्षण-प्रतिकर्षण) ।

आकस्मिक – *Ākasmika.*

Unexpected, Sudden. A type of fear.

अचानक, 7 भयों में एक भय अचानक आ जाने वाली विपत्ति की आशंका से जीवों को जो भय उत्पन्न होता है ।

आकांक्षा – *Ākāmksā.*

Desire, Ambition

इच्छा, अभिलाषा ।

आकार – *Ākara.*

Appearance, form, shape.

किसी वस्तु के भेद ग्रहण करने को आकार कहते है । जैसे घड़ा, छोटा, घट, पट इत्यादि ।

आकार मूलक – *Ākāra Mulaka.*

Figurative. object of different forms.

भिन्न - भिन्न वस्तु जो कुछ न कुछ आकाश को घेरती है ।

आकार योनि – *Ākāra Yoni.*

A type of female sex.

योनि के दो भेदो में एक भेद , स्त्रियों में तीन प्रकार के योनियों के आकार होते हैं, शंखावर्त, कूर्मोन्नत, वंशपत्र ।

आकारशुद्धि – *Ākāraśuddhi.*

A particular kind of ritual procedure of purifying the idol of Lord Jinendra with the 113 auspicious pitchers containing water mixed with different leaf-powders & pure ashes, to be observed in *Panchkalyanak Pratishtha*

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में जन्मकल्याणक के दिन 113 कलशों द्वारा (विभिन्न पत्तों के चूर्ण एवं भस्म आदि से सहित) प्रतिमाओं की विशेष शुद्धि हेतु की जाने वाली विधि ।

आकाश – *Ākāśa.*

Space, The sky.

6 द्रव्यों में एक अमूर्तिक अखंड द्रव्य, जो सभी द्रव्यों को अवगाह या स्थान देता है ।

आकाशगता चूलिका – *Ākāśagata Cūlikā.*

A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*).

श्रुतज्ञान; आकाश में गमन करने की विद्या एवं जप-तप आदि का वर्णन करने वाली चूलिका को आकाशगता चूलिका कहते हैं ।

आकाशगमन – *Ākāśagamana.*

Moving through the sky - a supernatural power.

अर्हन्तों के अतिशयों में एक, जिसमें भगवान आकाश मार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर गमन करते हैं ।

आकाशगामित्व ऋद्धि – *Ākāśagāmitva Ṛddhi.*

A supernatural power (for moving in the sky).

जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु सुखासन से बैठे-बैठे या खड़े रहकर बिना डग भरे आकाश में गमन कर सकते हैं ।

आकाशचारण ऋद्धि – *Ākāśacārana Ṛddhi.*

A supernatural power (of walking without touching land).

जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु, जीवों को बाधा न पहुंचे इस तरह चलते हुए भूमि से चार अंगुल ऊपर आकाश में गमन कर सकते हैं।

आकाशनैर्मल्य – *Ākāśanairmalya.*
Purification of sky; an excellence of Lord-Arihant.
अर्हन्त के देवकृत अतिशयों में एक जिसमें आकाश, धुआ और उल्कापात आदि से रहित होकर निर्मल हो जाता है।

आकाश प्रदेश – *Ākāśa Pradeśa.*
Space point (region)
आकाश के अनंत प्रदेश हैं।

आकाश भूत – *Ākāśa Bhūta.*
A type of peripatetic deities (ghost like)
भूतजाति के व्यंतरों का 7 वां भेद

आकाशोपपन्न देव – *Ākāśopapanna Deva*
A type of deities
देवों का एक प्रकार।

आकिञ्चन्य धर्म – *Ākiñcanya Dharma*
Sense of non-attachment, possessionlessness.
समस्त परिग्रह का त्याग करके 'कुछ भी मेरा नहीं है', इस प्रकार का निर्लोभ भाव रखना।

आकीर्ण – *Ākīrṇa.*
Pervasive
बिखरा हुआ, व्याप्त।

आकुञ्चन – *Akuñcana.*
Shrunk, Drawn together.
सिकुड़ा हुआ, झुका हुआ।

आकृति – *Ākṛti*
Figure, Appearance.
आकार–जिनसे जाति और उसके लिंग प्रसिद्ध किये जायें।

आक्रन्दन– *Ākrandana.*
Weeping, Wailing, Mourning, Lamentation
परिताप के कारण जो आंसू गिरने के साथ विलाप आदि होता है उससे खुलकर रोना। असाता वेदनीय कर्मों के आस्रव का कारण–पश्चाताप से अश्रुपात करते हुए रोना।

आक्रोश – *Ākrośa.*
Anger, a type of affliction to be beared by the saints.
क्रोध, 22 परिषहों में एक परिषह–दुष्ट जीवों के द्वारा कहे हुए कठोर शब्दों को सुनकर भी शान्त रहना आक्रोश परिषहजय है।

आक्षेपिणी कथा – *Ākṣepiṇī Kathā.*
Stories containing right knowledge with refutation of wrong principles.
जो अनेक प्रकार के एकांत मतों के निराकरणपूर्वक छः द्रव्य नौ पदार्थों का प्ररूपण करती है उसे आक्षेपिणी कथा कहते हैं।

आखड़ी – *Ākhaḍī.*
Taking an oath, solemn pledge.
प्रतिज्ञा, नियम।

आखेट – *Ākheṭa.*
Hunting
शिकार खेलना।

आख्यात – *Ākhyāta.*
Propounded, Proposed
कहा हुआ, बताया हुआ

आख्यान – *Ākhyāna.*
Tale, Narration, A legend
प्राचीनकालीन किसी राजा आदि की कथा।

आख्यायक – *Ākhyāyaka*
Narrator, Messenger
कहने वाला कथा वाचक।

आगत – *Āgata.*
Arrived, Income.
आया हुआ, आय।

आगन्तुक – *Āgantuka.*
Guest, Invited one (new comer).
नवागन्तुक, अतिथि।

आगमज्ञ – *Āgamajña*
One well versed in scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतकेवली अर्थात् जो जीव सर्व श्रुतज्ञान को जानता हो

आगमज्ञान – *Āgama Jñāna.*
Scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
सर्व श्रुतज्ञान।

आगम चक्षु – *Āgama Cakṣu.*
One having scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान के ज्ञाता साधु जो विविध गुणपर्याय वाले सर्वद्रव्यों में अनेकांतात्मक श्रुतज्ञानोपयोग रूप होकर परिणमित होते हैं।

आगमद्रव्यनिक्षेप – *Āgamadravyanikṣepa.*
Coding one learned (of any field) always even at the time when he is not involved in that profession
जो जीव किसी शास्त्र का ज्ञाता हो परन्तु वर्तमान में उपयोग उधर न हो तब भी उसे उस शास्त्र का ज्ञाता कहना।

आगमन – *Āgamana*
Induction, Arrival
जीवों का आना।

आगम परंपरा – *Āgama Paramparā.*
Scriptural traditions.
प्राचीन आचार्यों से चली आ रही श्रुत परम्परा।

आगम प्रमाण – *Āgama Pramāṇa.*
Scriptural proof (*Jinvani*)
जो धर्म सर्वज्ञ और वीतराग के द्वारा कहा गया है जिसे आचार्य परम्परागत उपदेश से जाना जाता है।

आगमबाधित – *Āgamabādhita.*
Causing hinderance to scripture
आगम के विरुद्ध तथ्य।

आगम भाव निक्षेप – *Āgama Bhāva Nikṣepa.*
Application of mind towards known scriptures.
जिस शास्त्र का ज्ञान हो उधर उपयोग लगाना।

आगम श्रवण – *Āgama Śravaṇa.*
Listening to the discourses of great one.
सर्वज्ञ प्रणीत शास्त्र को सुनना।

आगमाभास – *Āgamābhāsa.*
False/Pseudo - scriptures.
अनाप्त (रागी, द्वेषी और अज्ञानी) पुरुषों के द्वारा रचित शास्त्र।

आगमार्थ – *Āgamārtha.*
Meaning according to scriptures.
आगम के अनुसार तथ्य निर्णय करना या अर्थ करना।

आगमोक्त – *Āgamokta.*
Thoughts expressed in scriptures.
जो बात आगम में कही गई है।

आगमोपदेश – *Āgamopadeśa*
Preaching according to scriptures.
आगम के अनुसार उपदेश देना।

आगल – *Āgala.*
Gulp.
जल्दी से निगलना या हँफना।

आगाढ़ – *Āgāḍha.*
Strong, Accurate.
दृढ़, मजबूत।

आगाल – *Āgāla.*
To bring back the substance to its previous form
द्वितीयस्थिति के द्रव्य का अपकर्षण करके उसको प्रथम स्थिति में निक्षेपण करने को आगाल कहते हैं (लब्धिसार के अनुसार)।

आगुप्त – *Āgupta.*
Secret and protected place.
रक्षित स्थान।

आग्नेय – *Āgneya.*
Direction across south-east
पूर्व और दक्षिण दिशा के बीच वाली विदिशा।

आग्नेयी धारणा – *Āgneyī Dhāraṇā.*
A type of meditation (pertaining to fire conception for the burning of *Karmas*).
पिण्डस्थ ध्यान की 5 धारणाओं में दूसरी धारणा, इसमें कर्मों को जलाने की विधि का चिन्तन होता है।

आघात – *Āghāta.*
Blow, Injury.
मारना, घात करना।

आचण्ण (कवि) – *Ācaṇṇa (Kavi).*
A south Indian poet.
एक कन्नड़ कवि जिन्होंने वर्द्धमान पुराण की रचना की।

आचरण – *Ācaraṇa*
Behaviour. Conduct.
व्यवहार।

आचामक – *Ācāmaka.*
Bubbles of boiling water.
उबलते हुए पानी के बुलबुले।

आचाम्ल (आहार) – *Ācāmla (Āhāra).*
Light food viz. rice & rice water (scum) etc
काँजी सहित केवल भात के आहार को जिसे साधक अधिकतर लगातार उपवास में ही लेता है।

आचार – *Ācāra.*
Conduct, Practice
आचरण, चारित्र।

आचारवर्द्धन व्रत – *Ācāravarddhana Vrata.*
A type of vow
एक प्रकार का व्रत जिसमें सौ दिन उपवास एवं उन्नीस पारणा होती है।

आचार संपदा – *Ācāra Saṁpadā.*
Assests like right belief, right knowledge & right conduct.
सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र रूप संपत्ति।

आचारसार – *Ācārasāra.*
A book written by '*Acharya*' Veernandi.
आचार्य वीरनंदि (वि.सं. 656) कृत मुनि आचरण ग्रंथ।

आचारांग – *Ācārāṅga.*
A part of scriptural knowledge (*shrutgyan*) containing description about conduct of saints & householdess.
जिनवाणी के 12 अंगों में पहला अंग जिसमें मुनि एवं श्रावकों के आचरण का कथन है।

आचारांगधर – *Ācārāṁgadhara.*
Saints possessing knowledge of *Achar Anga* (a scriptural part).
आचार अंग के ज्ञाता मुनि।

आचार्य – *Ācārya.*
Prime egregious i.e. Head of Jain saints, the chief in *Digambar* Jaina saints
36 गुण सहित दिगम्बर जैन मुनि जो साधुओं को दीक्षा-शिक्षा देकर चारित्र आचरण कराते हैं एवं 5 प्रकार का आचार स्वयं पालते हैं।

आचार्य निमंत्रण – *Ācārya Nimantraṇa.*
A respectful religious activity of inviting *Pratishthacharya* (consecrator) for performing various religious rites in *Panchkalyanak Pratishtha Vidhan* etc
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं पूजन-विधान आदि के प्रारंभ में यजमान द्वारा प्रतिष्ठाचार्य को श्रीफल आदि देकर विशेष सम्मानपूर्वक पूजा-पाठ कराने का निवेदन करना।

आचार्य पद प्रतिष्ठापन क्रिया – *Ācāryapada-Pratiṣṭhāpana Kriyā*
Procedure to appoint as an *Acharya* rank to a Jaina saint
आचार्य पद ग्रहण करते समय सिद्ध भक्ति, आचार्य भक्ति, शान्ति भक्ति करना।

आचार्य परम्परा – *Ācārya Paramparā.*
Sequence of disciples of Jain *Acharya* saints with starting from Gautam Ganadhar.
गौतम स्वामी से लेकर आज तक चली आ रही आचार्यों की परम्परा।

आचार्य भक्ति – *Ācārya Bhakti*
A devotional prayer for an *Acharya* saint.
16 कारण भावना में 12 वीं भावना – आचार्य के प्रति गुणानुरागरूप भक्ति।

आचार्य वंदना – *Ācārya Vandanā*
Procedure of adoration for *Acharya* saints.
साधुओं का एक कृतिकर्म – लघु सिद्ध, श्रुत व आचार्य भक्ति पूर्वक सिद्धांत वेत्ता आचार्यों को नमस्कार करना।

आचेलक्य – *Ācelakya.*
Clothlessness; a basic restraint of Jaina-saints
मुनियों का एक मूलगुण–नग्न रहना।

आच्छादित – *Acchādita.*
Shaded, covered.
ढका हुआ।

आजानेय – *Ajāneya.*
The best types of horses
उच्च जाति के कुलीन घोड़े।

आजीवक – *Ājīvaka.*
Trairashivad; an independent philoshphy
एक एकांत दर्शन जिसका मत त्रैराशिवाद एक स्वतंत्र दर्शन हो।

आजीविका – *Ājīvikā.*
Livelihood.
धनोपार्जन के साथ जीवन यापन करना।

आज्ञा – *Ājñā.*
Order, Revelation, Discipline.
आदेश, श्रुतज्ञान – जीव अजीव आदि पदार्थ जिसके द्वारा जाने जाते हैं यह आप्त की आज्ञा आगम या जिनशासन।

आज्ञा कनिष्ठता – *Ājñā Kaniṣṭhatā.*
State of decline in scriptural knowledge (*shrutgyan*)
श्रुतज्ञान में हीनता तथा असंयम की बहुलता होना।

आज्ञाचक्र – *Ājñācakra.*
A meditational circuit in the body
मनुष्य के शरीर में 7 चक्रों में से ललाट का चक्र।

आज्ञापनी भाषा – *Ājñāpanī Bhāṣā.*
Dictatory language.
ऐसा वचन जिसमें आज्ञा सूचित हो। यह 8 प्रकार के अनुभय वचन का दूसरा भेद है।

आज्ञारुचि – *Ājñāruci*
Instructional predilection (a type of right faith)
सम्यग्दर्शन के 10 भेदों में से एक भेद, जो सर्वज्ञ वीतराग सर्वज्ञ की आज्ञानुसार श्रद्धा करने से हो।

आज्ञाविचय – *Ājñāvicaya.*
A type of *Dharmadhyan*, the principles taken on the faith of the scriptures, as being the teaching of the Arihant.
धर्मध्यान का एक भेद; युक्ति और उदाहरण की गति न होने पर आगम की प्रमाणता से वस्तु के श्रद्धान का विचार करना।

आज्ञाव्यापादिकी क्रिया – *Ājñāvyāpādikī Kriyā*
Wrong interpretation of scriptural contents due to inability to follow that.
शास्त्रोक्त आज्ञा का पालन न कर सकने के कारण उसका अन्यथा निरूपण करना।

आज्ञासम्यक्त्व – *Ājñā Samyaktva.*
A type of right perception, who attain right perception by following the preaching of Lord Jinendra.
सम्यग्दर्शन के दस भेदों में प्रथम भेद - जिनेन्द्र देव की आज्ञा को प्रधान मानकर 6 द्रव्यों में श्रद्धा होना।

आज्ञा सम्यक्त्वार्य – *Ājñā Samyaktvārya*
A type of *Arya* (noble persons), who attain right perception by following the preaching of Lord Jinendra.
आर्यों का एक प्रकार; जो जिनेन्द्र भगवान के वचनों को ही आज्ञा मानकर सम्यग्दर्शन को प्राप्त करते हैं।

आटे का मुर्गा – *Āṭe Kā Murgā*
Name of a religious novel containing the greatness of non-violence written by *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji.
गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित एक धार्मिक उपन्यास। जिसमें राजा यशोधर द्वारा मात्र आटे के मुर्गे की बलि दिये जाने से अनेक जन्मों तक उठाये गये दु:खों का वर्णन है।

आठवीं पृथ्वी – *Āṭhavīṃ Pṛthvī.*
The 8th earth (*Siddhashila*).
सिद्धशिला, ईषत्प्राग्भार–45 लाख योजन विस्तृत पृथ्वी।

आठ शुद्धी – *Āṭha Śuddhi.*
Eight particular kinds of purity related to mind, speech, body, food etc
मन, वचन, काय की शुद्धि, आहार की शुद्धि, ईर्यापथ शुद्धि, व्युत्सर्ग शुद्धि, शयनासन शुद्धि और विनयशुद्धि ये 8 शुद्धियाँ हैं।

आढक – *Āḍhaka.*
A unit of weight
तौल का एक प्रमाण।

आतंक – *Ātaṃka.*
Misfortune, Terror, Fear.
पीड़ा, अरति, भीति, त्रास, आशंका।

आलंकित – *Ālaṁkita.*
Perplexed, Terrified.
भयभीत, पीड़ाग्रस्त ।

आतप – *Ātapa.*
Warming sunlight
धूप, सूर्य की प्रभा जो उष्ण होती है ।

आतपत्र – *Ātapatra.*
A parasol - one of the 14 jewles of a *Chakravarti* (emperor)
चक्रवर्ती के 14 रत्नों में एक रत्न - छत्र ।

आतपन – *Ātapana.*
Fourth layer (*Patal*) of the third hell
तीसरे नरक का चौथा पटल ।

आतपन योग – *Ātapana Yoga.*
An austerity, to stand opposite to sun in summer season
एक तप, ग्रीष्म ऋतु में पर्वत के शिखर पर सूर्य के सम्मुख खड़े होकर योग धारण करना ।

आतोद्य – *Ātodya.*
Musical instruments.
वाद्यंत्र : ये तत, अवनत, घन, सुषिर के भेद से 4 प्रकार के होते हैं ।

आत्म – *Ātma.*
Soul, self
जीव, चैतन्य ।

आत्मख्याति – *Ātmakhyāti.*
A great commentary on 'Samaysar' written by *Acharya* Amritchandra
कुंदकुंदाचार्य कृत समयसार ग्रंथ पर संस्कृत में श्री अमृतचंद्र आचार्य कृत टीका ।

आत्मगत – *Ātmagata.*
Self - subjective.
आत्मभूत लक्षण; जो स्वभाव वस्तु के स्वरूप में मिला हो

आत्मचिकित्सक – *Ātmacikitsaka.*
Self-doctor, one who cures one-self (a meditator).
गुरु; आत्मा की चिकित्सा करने वाला ।

आत्मज्ञ – *Ātmajña.*
Those having knowledge of the self soul or having complete scriptural knowledge
आत्मा को जानने वाले भेदविज्ञानी अथवा सर्व श्रुतज्ञान के द्वारा आत्मा को जानने वाले श्रुतकेवली ।

आत्मज्ञान – *Ātmajñāna.*
Knowledge of soul or self
आत्मा के स्वरूप का ज्ञान ।

आत्मघात – *Ātmaghāta.*
Suicide.
आत्महत्या ।

आत्मतत्त्व – *Ātmatattva.*
Soul
जीव तत्व, चेतना लक्षणधारी ।

आत्मदर्शन – *Ātmadarśana.*
Self intuition, Introspection.
स्वयं को देखना, जानना व आचरण करते हुए आत्मा को सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यग्चारित्र में स्थापित करना ।

आत्मद्रव्य – *Ātmadravya*
Soul, A substitute name of *Mokshmarg* (path of salvation).
जिसका लक्षण चेतना तथा ज्ञान दर्शन की उपलब्धि है, निश्चय मोक्षमार्ग के अपर नामों में एक नाम ।

आत्मध्यान – *Ātmadhyāna*
Self consciousness.
आत्मा का ध्यान-जिससे केवलज्ञान उपलब्ध होता है ।

आत्मनिन्दन – *Ātmanindana.*
Self - condemnation.
सम्यग्दृष्टि के द्वारा अपने दोषों की स्वयं निन्दा और गर्हा करना।

आत्मनिष्ठ – *Ātmaniṣṭha.*
Concerned with the self subjective.
आत्मस्थित, शुद्धात्मानुभूति, कृतकृत्य ।

आत्मपरिणाम – *Ātmapariṇāma.*
Subjective modes of soul.
आत्मा की वृत्ति-प्रतिक्षण स्वभावरूप परिणमित होने के कारण स्वभावभूत परिणाम ।

आत्मप्रतीति – *Ātmapratīti.*
Self intimation. Another name of *Nishchay Mokshmarg* (path of salvation).
अंतरंग अन्तरात्मा, निश्चय मोक्षमार्ग के अपरनामों में एक नाम ।

आत्मप्रत्यक्ष – *Ātmapratyakṣa.*
Self perception by the soul i.e. Introspection.
आत्म तत्व रूपादि से रहित होने के कारण इन्द्रिय से दिखाई देने वाला नहीं है वह स्वयंगोचर होने वाला एव आत्मप्रत्यक्ष है ।

आत्मप्रदेश – *Ātmapradeśa.*
Space points of soul.
प्रत्येक आत्मा के प्रदेश जो असंख्यात होते हैं ।

आत्मप्रभावना – *Ātmaprabhāvanā.*
Influence of pure soul.
शुद्ध आत्मा का प्रकाशन अथवा अनुभवन ।

आत्मप्रवाद – *Ātmapravāda.*
A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*).
14 पूर्वों में 7 वां पूर्व, जिसमें आत्म द्रव्य का विस्तार से विवेचन है, इसके 26 करोड़ पद हैं ।

आत्मप्रशंसा – *Ātmapraśaṁsā.*
Self-praise.
स्वयं की प्रशंसा करना ।

आत्मभूत - *Ātmabhūta.*
Integral virtue, self natured, indigenous quality.
लक्षण–जो लक्षण वस्तु के स्वरूप में मिला हो उससे भिन्न न हो सके, जैसे जीव का लक्षण चेतना

आत्ममुख (हेत्वाभास) - *Ātmamukha (Hetvābhāsa).*
A fallacy in expressing self.
स्ववचन बाधित । जैसे मेरी मां बाँझ है ।

आत्मयज्ञ - *Ātmayajña.*
A supreme sacrificial act of purifying soul.
कोपाग्नि, कामाग्नि और उदराग्नि का वैराग्य और अनशन की आहुतियों से शमन करना । यति मुनि आदि इस यज्ञ से मुक्ति प्राप्त करते हैं ।

आत्मरक्ष - *Ātmarakṣa.*
Deities like body guards
वे देव जो अंगरक्षक के समान हो ।

आत्मरक्षा - *Ātmarakṣā.*
Self restraint from *karmic* bondage
आत्मा को कर्म बंधन से मुक्त कराने वाले संयम का आचरण ।

आत्मरक्षित - *Ātmarakṣita.*
Self-protected, A type of special heavenly deities (*Laukantik Dev*)
स्वयं के द्वारा रक्षित, लौकान्तिक देवों का एक भेद-जिनकी संख्या 27027 है ।

आत्मलीनता - *Ātmalīnatā.*
Self absorbedness (engrossed in meditation).
आत्म स्वरूप में लीन होना ।

आत्मवध - *Ātmavadha.*
Suicide.
आत्महत्या–स्वयं के द्वारा स्वयं की हत्या करना । जो कि महापाप और दुर्गति का कारण है ।

आत्मवश - *Ātmavaśa.*
Self-controlled.
जो परभाव को त्याग कर निर्मलस्वभाव वाले आत्मा को ध्याता है।

आत्मवाद - *Ātmavāda.*
A doctrine of identity (reg. pervasion of a soul everywhere).
एकांत मतों में एक मत जो मानता है कि एक ही परमात्मा रूप शक्ति है जो सर्व व्यापक है ।

आत्मवादी - *Ātmavādī.*
Believer in Soul.
आत्मा को मानने वाला ।

आत्मविकास - *Ātmavikāsa.*
Self upliftment
आत्मोन्नति ।

आत्मव्यवहार - *Ātmavyavahāra.*
Conception of self consciousness.
'मात्र अविचलित चेतना ही मैं हूँ' ऐसा मानना ।

आत्म–शम - *Ātma Śama.*
Self - subdue Self - conquerer.
स्वयं को जीतने वाला ।

आत्मश्रद्धान - *Ātmaśraddhāna*
Self - respect with self devotion.
शरीर और वचन के स्वरूप को आत्मा से भिन्न जानते हुए समय को वैराग्य और ज्ञान में व्यतीत करना ।

आत्मसंबोधन - *Ātmasambodhana.*
A book written by 'Gyanbhooshanaji'
ज्ञानभूषण जी (ई. सन् 1443-1505) द्वारा रचित अध्यात्म विषयक एक ग्रंथ ।

आत्मसंवित्ति - *Ātmasamvitti.*
Spiritual intuitions, A substitute name of *Nishchay Mokshmarg* (path of liberation).
आत्मा का अनुभव, निश्चयमोक्षमार्ग के अपर नामों में एक नाम।

आत्मसंवेदन - *Ātmasamvedana*
Self intuition, Self-experience.
स्वानुभूति या आत्मानुभूति ।

आत्मसंस्कार - *Ātmasamskāra.*
Self - improvement
निज परम आत्मा में शुद्ध संस्कार करना ।

आत्मसमाधि - *Ātmasamādhi.*
Self - absolute meditation
संसारी पर्याय में सम्यक्‌ विवेकीजन का राग आदि विकल्प रहित समाधि के द्वारा निजात्मा को देखना ।

आत्मसमुत्थ - *Ātmasamuttha.*
Something (bliss or fault) originated from the soul.
आत्मा से उत्पन्न होने वाला आनन्द या दोष ।

आत्मसात् - *Ātmasāt*
Absorbed or assimilated (knowledge).
आत्मा के साथ एकमेक किया हुआ ज्ञान ।

आत्मसुख - *Ātmasukha.*
Spiritual happiness or bliss.
स्वसंवेदन अर्थात् आत्मा का साक्षात् दर्शनरूप अनुभव होना ।

आत्मस्वभाव - *Ātmasvabhāva.*
Real nature of the soul
ज्ञान दर्शन से सहित आत्मा का स्वभाव ।

आत्मस्वरूप - *Ātmasvarūpa.*
Self-form of soul.
आत्म प्रकृति ।

आत्मस्वास्थ्य - *Ātmasvāsthya.*
Steadiness in spiritual health & behaviour.
स्वरूप में स्थिरता ।

आत्महत्या - *Ātmahatyā.*
Suicide.
स्वयं ही अपना जीवन समाप्त करना अर्थात् अपनी हत्या करना।

जो कि महापाप एवं दुर्गति का कारण है।

आत्महनन – *Ātmahanana.*
Self - deterioration.
क्रोधादि कषाय वश आत्मा के स्वरूप का हनन करना।

आत्महित – *Ātmahita.*
Benefiting self
स्व का कल्याण करना।

आत्मांगुल – *Ātmāṁgula.*
A finger measurement or 108th part of the full height of a man
भरत आदि क्षेत्रों में जिस काल मे जो मनुष्य हुए थे, उसी काल के मनुष्यों के अंगुल का माप अथवा उनकी ऊंचाई का 108 वां भाग।

आत्मांजन – *Ātmāṁjana.*
Name of a mountain, its summit and its protecting deity situated in east *Videh kshetra.*
पूर्व विदेह क्षेत्र का एक वक्षार (पर्वत), उसका एक कूट व उसका रक्षक देव।

आत्मा – *Ātmā.*
Soul
चैतन्य गुण से समन्वित शाश्वत तत्व जिसमे दर्शन, ज्ञान व चारित्र को प्राप्त करने की शक्ति हो और जो अजर-अमर हो।

आत्माधीनता – *Ātmādhīnatā.*
Self-dependency.
परवश न होकर आत्मा के आधीन होना।

आत्मानुपालन – *Ātmānupālana*
To protect the soul by perceptual judgements.
इस लोक तथा परलोक संबंधी उपायों से आत्मा की रक्षा करना।

आत्मानुभव – *Ātmānubhava*
Self-realisation.
स्वयं को जानना, स्वसंवेदन ज्ञान या शुद्धात्मानुभूति।

आत्मानुशासन – *Ātmānuśāsana.*
Self-discipline. A book written by '*Acharya* Gunbhadra'.
शम, दम आदि गुणों द्वारा आत्मा को अनुशासित करना। आचार्य गुणभद्र (ई. 803-895) द्वारा रचित संस्कृत श्लोक बद्ध आध्यात्मिक शास्त्र।

आत्माश्रय – *Ātmāśraya.*
Selfness.
स्वयं अपने लिए अपनी अपेक्षा बनाये रखना या आत्मनिर्भर होना या एक दोष (न्याय ग्रन्थ से)।

आत्मिक सुख – *Ātmika Sukha.*
Spiritual pleasure or bliss.
इंद्रियों के विषय के बिना ही अपने आत्मा में आत्मा से ही प्राप्त सुख।

आत्मीय स्वरूप – *Ātmīya Svarūpa.*
Self form of soul.
अस्तित्व - अनंत धर्मों की परस्पर अभेद वृत्ति।

आत्मोत्पन्न – *Ātmotpanna.*
Internal bliss
सुख का एक प्रकार। आत्मा के द्वारा उत्पन्न सुख

आत्मोपलब्धि – *Ātmopalabdhi.*
Achievement of spiritual stage of soul
अतीन्द्रिय ज्ञान द्वारा अंतरंग पदार्थ अर्थात् अन्तरात्मा का प्रत्यक्ष अनुभव करना।

आत्यन्तिक क्षय – *Ātyantika Kṣaya.*
Annihilation of karmas
कर्मों का पूर्ण रूपेण नष्ट हो जाना।

आत्यन्तिक शुद्धि – *Ātyantika Śuddhi.*
Utter purity of soul.
आत्मा की पूर्ण शुद्धि होना।

आत्रेय – *Ātreya.*
A place of *Bharat Kshetra* north *Arya Khand*
भरत क्षेत्र उत्तर आर्य खण्ड का एक देश।

आदर – *Ādara.*
Respect, A protecting peripatetic deity of south *Jambudvip.*
सम्मान, दक्षिण जम्बूद्वीप का एक रक्षक व्यन्तर देव।

आदाननिक्षेपण – *Ādānanikṣepaṇa.*
Carefulness in performing activities (putting & taking articles) by Jaina saints.
पाँच समितियों में एक समिति - शास्त्र, कमंडलु आदि उपकरणों को देख- भालकर पिच्छी से शोधन करके रखना-उठाना। यह जैन साधुओं का एक मूल गुण है।

आदि – *Ādi.*
Beginning, Primeval, Etcetera (etc.).
'प्रथम' के अर्थ में प्रयुक्त होता है जैसे ऋषभादि भगवान, 'प्रकार' के अर्थ में जैसे पूना आदि शहर, 'सामीप्य' के अर्थ में जैसे नदी आदिक क्षेत्र।

आदिकर्म – *Ādikarma.*
Six fundamental duties of mundane life given by Lord Rishabhdev (*Asi, Masi, Krishi, Vidya, Vanijya & Shilp*).
युग की आदि में कहे गये असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य एवं शिल्परूप छः कर्म।

आदितीर्थ – *Āditīrtha.*
Primeval place of pilgrimages, Ayodhya & Sammadshikhar are also called as eternal (*Shashwat*).
मूल अथवा प्राचीन तीर्थ-शाश्वत तीर्थ अयोध्या एवं शाश्वत तीर्थ सम्मेदशिखर।

आदित्य – *Āditya.*
The Sun, A type of special heavenly deities (*Laukantik Dev*). One of the 9 heavenly aboding places of celestial deities of *Anudisha* type.
सूर्य, लौकांतिक देवों का दूसरा भेद, 9 अनुदिश विमानों में एक

इन्द्रक विमान ।

आदित्यगति – *Ādityagati*

A king of *Rakshas* dynasty.
राक्षस वंश का एक राजा ।

आदित्ययश – *Ādityayaśa*

Name of the son of Bharat *Chakravarti*
चक्रवर्ती भरत का पुत्र, अपरनाम अर्ककीर्ति ।

आदित्यवंश – *Ādityavaṁśa*

Other name of *Surya Vansh* (a dynasty)
सूर्यवंश का अपरनाम ।

आदिधन – *Ādidhana*

A mathematical term
आदि द्रव्य को पद से गुणा करने पर आदिधन का प्रमाण निकलता है

आदिनाथ – *Ādinātha*.

The first *Tirthankar* (Jaina Lord), born in Ayodhya, His father was Nabhirai & mother was Marudevi. He took Jaina initiation in Prayag (Allahabad). After doing austerity for 1000 years, He got omniscience & ultimately got salvation from Kailash Parvat (a mountain)
ऋषभदेव– भरतक्षेत्र में वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर । चैत्र कृ. 9 को इनका जन्म अयोध्या में हुआ था । पिता का नाम नाभिराय तथा माता का नाम मरुदेवी था । अयोध्या में निर्मित 81 मंजिल ऊंचे सर्वतोभद्र नामक राजमहल में इनका निवास था । यशस्वती एवं सुनंदा नामक राजकन्याओं के साथ इनका विवाह हुआ जिनसे भरत, बाहुबली आदि 101 पुत्र तथा ब्राह्मी, सुन्दरी दो कन्याओं ने जन्म लिया । नीलांजना नामक अप्सरा का नृत्य देखते हुए ऋषभदेव को वैराग्य हुआ और प्रयाग नगरी में वटवृक्ष के नीचे जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर 1000 वर्षों तक तपस्या करने के बाद केवलज्ञान प्राप्त किया । पुनः 99000 वर्षों तक श्रीविहार करते हुए समवसरण में भव्य जीवों को उपदेश दिया और आयु के अन्त में 14 दिन का योग निरोध करके माघ कृ. 14 के दिन कैलाश पर्वत से मोक्ष प्राप्त किया । इन्होंने युग के आदि में प्रजा को असि, मसि, कृषि आदि षट्क्रियाओं का उपदेश देकर कर्मभूमि का शुभारम्भ किया तथा सर्वप्रथम अपनी पुत्रियों को लिपि एवं अंक विद्या सिखाई थी ।

आदिनाथ जयन्ती व्रत – *Ādinātha Jayanti Vrata*.

Vow (fasting) of Lord Adinath birth anniversary.
भगवान आदिनाथ की जन्म तिथि चैत्र कृष्ण 9 का उपवास ।

आदिनाथ निर्वाणोत्सव व्रत –

Ādinātha Nirvāṇotsava Vrata.

Vow (fasting) of liberation ceremony of Lord Adinath.
भगवान आदिनाथ की निर्वाण तिथि माघ कृ.14 का उपवास ।

आदिनाथ शासन जयन्ती व्रत –

Ādinātha Śāsana Jayanti Vrata.

A Jaina vow (fasting) reg. first resonant preaching day of Lord Rishabhdev
भगवान आदिनाथ की दिव्य ध्वनि के प्रथम दिवस फाल्गुन कृष्ण 11 का उपवास ।

आदिपुराण – *Ādipurāṇa*.

A treatise containing details about Lord Adinath written by *Acharya* Jinsen.
महापुराण – तीर्थंकर आदिनाथ के जीवनवृत्त पर जिनसेन आचार्य कृत अपूर्ण ग्रन्थ जिसे उनके शिष्य गुणभद्राचार्य ने पूर्ण किया ।

आदिपुरुष – *Ādipuruṣa*.

The first supreme soul of this age, Lord Adinath
अवसर्पिणी काल की कर्मभूमि के आदि नेता आदिनाथ भगवान – प्रथम तीर्थंकर ।

आदिब्रह्मा – *Ādibrahmā*

Another name of Lord Adinath, A book written by *Ganini Aryika* Gyanmati Mataji.
आदिनाथ भगवान जिन्होंने कर्मभूमि का मार्ग चलाया और षट्कर्म (असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य, शिल्प) की शिक्षा दी, गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित एक उपन्यास (ई. श. 20) ।

आदिमती (आर्यिका) – *Ādimati (Āryikā)*.

Name of a disciple *Aryika* of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji. She translated the treatise 'Gommatsar Karmakand' in Hindi on the inspiration of *Pujya* Mataji
गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की एक वरिष्ठ शिष्या (ई. श.20 उत्तरार्द्ध) । पूज्य माताजी की प्रेरणा से आर्यिका दीक्षा धारण कर आत्मकल्याण के साथ–साथ माताजी के मुख से गोम्मटसार कर्मकाण्ड पढ़कर उनकी ही प्रेरणा से उसका हिन्दी अनुवाद किया। अनंतर कई एक ग्रंथों का भी अनुवाद आपने किया है ।

आदिमद्वीप – *Ādimadvīpa*.

Jambudvip (an island)
जम्बूद्वीप ।

आदिमान – *Ādimāna*

With beginnig
परिणाम का एक भेद जो अनादि नहीं है (वस्तु की अपेक्षा) ।

आदिरूप – *Ādirūpa*.

Proto type, Primitive
प्रारम्भिक रूप ।

आदिलिंगव्यभिचार – *Ādiliṅgavyabhicāra*.

Using wrong genders controversially
स्त्रीलिंग के स्थान पर पुंलिंग तथा पुलिंग के स्थान पर स्त्रीलिंग का कथन करना ।

आदेयनाम कर्म प्रकृति –

Ādeya Nāma Karma Prakṛti.

Karma which causes lustre in body
जिस कर्म के उदय से शरीर कांति सहित होता है ।

आदेश – *Ādeśa*.

Order (command), Exposition, Extention, Investigation

आज्ञा देना, आदेश, मार्गणा, विस्तार-जहां जीवों की खोज की जाए (गोम्मटसार के अनुसार)।

आदेश प्ररूपणा - *Ādeśa Prarupaṇā*

An special exposition after investigation

मार्गणा के द्वारा विशेष कथन।

आदेश प्ररूपणा(बंध-उदय-सत्व) -

Ādeśa Prarūpaṇā (Bandha-Udaya-Satva).

An exposition of bondage, fruition & existence of *karmas* after investigation.

कर्मों के बंध-उदय-सत्व का मार्गणा द्वारा विशेष व्याख्यान।

आद्धा - *Āddhā*

A time unit.

काल, समय, अद्धा ये एकार्थवाची है।

आद्यान्तमरण - *Ādyāntamaraṇa.*

A type of death causing not repetition of the same binding & fruition of *karmas* in next birth.

मरण का एक भेद - वर्तमान काल के मरण या प्रकृति आदि के समान पुनः आगामी काल में बंध उदय नहीं हो।

आधान क्रिया - *Ādhāna Kriyā.*

An auspicious worshipping to be observed before pregnancy.

ऋतुमती स्त्री के चतुर्थ स्नान के पश्चात् गर्भाधान के पहले, अर्हन्त देव की पूजा के द्वारा मंत्र पूर्वक जो संस्कार किया जाता है।

आधार - *Ādhāra.*

Base, Support.

मूल स्थान, आकाश द्रव्य - सर्व द्रव्यों को अवगाहन (आधार) देता है परन्तु वह स्वयं अपना आधार है।

आधार आधेय सम्बन्ध -

Ādhāra Ādheya Sambandha.

Mutual dependent relations

जिसमें रखा जावे वह आधार जो आश्रय लेवे वह आधेय, जैसे गुणों का आधार द्रव्य है, शरीर में हाथ आदि।

आधारत्व - *Ādhāratva.*

Basic aptitude (of an *Acharya*).

आचार्य का एक गुण, चौदह पूर्व, दसपूर्व और नव पूर्व का ज्ञाता होना, समुद्र तुल्य गम्भीरता गुण, कल्पव्यवहार का ज्ञाता होना, प्रायश्चित्त शास्त्र का ज्ञाता होना इत्यादि।

आधि - *Ādhi.*

Mental distress

मानसिक व्यथा।

आधिकारिणी क्रिया - *Ādhikāriṇī Kriyā.*

Adoptation of violenceful instruments.

हिंसा के उपकरणों को ग्रहण करना, आस्रव की 25 क्रियाओं में 8 वीं क्रिया।

आधीन - *Ādhīna.*

Subjugated, Dependent.

पराधीन, पराश्रित।

आधुनिक भूगोल - *Ādhunika Bhūgola.*

Modern Geography.

दृष्टि पर द्वीप, उपद्वीप, महाद्वीप, जलवायु, पहाड़, नदी इत्यादि प्राकृतिक अवस्थाओं से संबंधित विषय।

आधोवधिक - *Ādhovadhika*

A variety of clairvoyance (*Avadhigyan*)

अवधिज्ञान का एक प्रकार।

आध्यात्मिक - *Ādhyātmika.*

Something spiritual (knowledge, contemplation etc. related to soul)

आत्मा से संबंधित ज्ञान एवं ध्यान का विषय।

आध्यान - *Ādhyāna.*

Repeated reflections

अनित्यादि 12 भावनाओं का बार-बार चिंतवन करना।

आनंद - *Ānanda*

Enjoyment, Ecstasy, The third past-birth name of Lord Parshvanath.

हर्ष, प्रसन्नता, भगवान पार्श्वनाथ के तृतीय पूर्व भव का नाम

आनंदपटह - *Ānandapaṭaha.*

A musical instrument (a beating drum).

एक वाद्य (नगाड़ा), यह आनंद के समय बजाया जाता है।

आनंद पाहुड - *Ānanda Pāhuḍa.*

Literature devoid of spiritual knowledge.

राग-द्वेष रहित जिन भगवान द्वारा निर्दिष्ट निर्दोष आचार्य परम्परा से प्राप्त 12 अंगों के वचनों का समुदाय अथवा उनका एकदेश परमानंद दो ग्रन्थिक पाहुड है, उसके अतिरिक्त शेष जिनागम आनन्द पाहुड है (कषाय पाहुड से)।

आनंदबोध - *Ānandabodha.*

Name of a writer of 'Nyay Makarand' & 'Nyay Deepavali' treatises.

ई. श 11-12 के एक साहित्य प्रवर्तक जिन्होंने न्याय मकरन्द और न्याय दीपावली की रचना की।

आनंदवती - *Ānandavatī.*

Name of the queen - the wife of 7th *Narayan* 'Datta'.

सातवें नारायण 'दत्त' की वर्तमान भव की पटरानी का नाम।

आनन्दसागर (आचार्य) - *Ānandasāgara (Ācārya)*

Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Munisuvratsagar Maharaj.

आचार्यश्री मुनिसुव्रतसागर महाराज के शिष्य (ई.श 20-21)।

आनंदा - *Ānandā.*

Name of a female divinity of *Anjan* Summit of *Ruchakvar* mountain, A *Vapi* (like large lake) of *Samavsharan.*

रूचकवर पर्वत के अंजन कूट की देवी का नाम, समवशरण के अशोक वन में स्थित छः वापियों में एक वापी।

आनंदिता - *Ānanditā.*

Name of a female divinity of *Vajra* summit of *Nandan* forest.

नन्दन वन के वज्रकूट की स्वामिनी देवकुमारी देवी

आनंदिनी - *Ānandinī.*

The name of a dominion *'Bheri'* of Bharat *Chakravarti* (emperor).

भरत चक्रवर्ती की विभूति 'भेरी' का नाम ।

आनक दुंदुभि – *Ānaka Dundubhi.*

A musical Instrument, Another name of Vasudeva

मधुर और गंभीर ध्वनिकारी एक नागलिक वाद्य–इसे डंडी से बजाया जाता है, वसुदेव का अपर नाम ।

आनत (इन्द्र) – *Ānata (Indra).*

A type of celestial deities

तेरहवें स्वर्ग के इन्द्र ।

आनत (स्वर्ग) – *Ānata (Svarga).*

Name of a heaven

13 वें स्वर्ग का नाम ।

आनपान – *Ānapāna.*

Breathing air, Respiration

श्वास में नीचे ऊपर वायु का आना जाना या श्वासोच्छ्वास ।

आनपान पर्याप्ति – *Ānapāna Paryāpti*

Respiratory completion.

नोकर्म वर्गणाओं के कुछ स्कंधों को श्वासोच्छ्वास रूप परिणमाने की जीव की शक्ति की पूर्णता ।

आनयन – *Ānayana.*

Ordering, Ordering someone to bring something from outside of his mental resolve

किसी वस्तु को मंगाना, गुणव्रत का पहला अतिचार – नियम लिए हुए स्थान के बाहर से कुछ मंगाना ।

आनर्थक्य – *Ānarthakya.*

Unnecessary, Unnecessary possession of things

अनावश्यक, भोग–उपभोग के लिए आवश्यकता से अधिक वस्तु रखना (भोगोपभोग परिमाण व्रत का एक अतिचार) ।

आनुकम्पिक – *Ānukampika.*

Compassionate

कृपापात्र ।

आनुपूर्वी – *Ānupūrvī.*

Regular order.

अनुलोम क्रम । इसके तीन भेद हैं–पूर्वानुपूर्वी (अनुलोम क्रम), पश्चादानुपूर्वी (प्रतिलोम क्रम), यथातथानुपूर्वी (यथा–तथा क्रम)।

आनुपूर्वी नामकर्म प्रकृति –

Ānupūrvī Nāma Karma Prakṛti.

A type of *Karmic* nature causing same shape of the soul-points of beings as the shape of their previous birth.

जिसके उदय से विग्रहगति में आत्म प्रदेशों का आकार पिछले (छोड़े हुए) शरीर के आकार का हो ।

आनुपूर्वी संक्रम – *Ānupūrvī Saṁkrama.*

First activity for internal operation related to delusive *karma*

एक निगलकर्म में संक्रम, अंतःकरण करने के प्रथम समय में मोहनीय कर्म संबंधी 7 करणों में प्रथम करण ।

आन्तरिक सज्जा – *Āntarika Sajjā.*

Interior decoration or furnishing

भीतरी सजावट ।

आन्ध्री – *Āndhrī*

A type of music.

6 स्वरवाली संगीत की एक जाति ।

आन्वीक्षिकी – *Ānvīkṣakī*

Science of logic

तर्क, आत्मविद्या ।

आपवादिक लिंग – *Āpavādika Liṅga*

White clothed *Digambar* Jain ascetics etc

परिग्रह सहित भेष या चिन्ह, आर्यिका (उपचार महाव्रती), ऐलक, क्षुल्लक आदि, जैनधर्म में दो मार्ग हैं - उत्सर्ग मार्ग और अपवाद मार्ग ।

आपात – *Āpāta.*

Emergency

आकस्मिक प्रसंग ।

आपृच्छना - *Āpṛcchanā.*

Obtaining permission, Asking.

आतापनादि योग के ग्रहण में, आहारादि की इच्छा तथा अन्य ग्रामादि को जाने में नमस्कार पूर्वक पूछकर गुरु आदि के अनुसार करना ।

आपृच्छा – *Āpṛcchā.*

See - *Āpṛcchanā*

देखें - आपृच्छना ।

आपेक्षिक - *Āpekṣika.*

Comparable, relative.

अपेक्षाकृत, तुलनात्मक ।

आप्त – *Āpta*

Real spiritual authority, Omniscient

वीतरागी, सर्वज्ञ और हितोपदेशी अर्हंत भगवान ।

आप्तता - *Āptatā.*

Spiritual stage of Lord-Arihant.

घातिया कर्मों के नाश से उत्पन्न अर्हंत अवस्था ।

आप्तपरीक्षा – *Āptaparīkṣā.*

A book written by *'Acharya* Vidyanandi'

आचार्य विद्यानन्दि (ई. 775-840) द्वारा रचित ईश्वर परीक्षा विषयक न्याय ग्रंथ ।

आप्तमीमांसा – *Āptamīmāṁsā*

A treatise written by *'Acharya* Samantabhadra'

तत्त्वार्थ सूत्र के मंगलाचरण पर आचार्य समन्तभद्र (ई.श. 2) द्वारा रचित एक न्यायपूर्ण ग्रंथ (तर्क की कसौटी पर सर्वज्ञ देव को सच्चे देव सिद्ध करने का न्याय संबंधी उत्तम ग्रन्थ) । इसका दूसरा नाम देवागम स्तोत्र भी है ।

आप्तमीमांसा टीका – *Āptamīmāṁsā Ṭīkā.*
A book (*Ashtashati Bhashya*) written by '*Acharya* Akalank Dev'.
देवागम स्तोत्र पर आचार्य अकलंक देव कृत एक सर्वस्फूल टीका जिसका नाम अष्टशती भाष्य है।

आप्तमीमांसा वचनिका – *Āptamīmāṁsā Vacanikā.*
Name of a treatise
जयचंद छाबड़ा कृत एक ग्रंथ।

आप्तमीमांसा विवृद्धि – *Āptamīmāṁsā Vivṛddhi*
A book written by 'Kumarsen'
कुमारसेन (ई.सन् 698) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

आप्तवचन – *Āptavacana*
Scriptural texts, preachings of the omniscient Lord
आगम, जिन्होंने जन्म जरादि अठारह दोषों का नाश कर दिया है उनके वचन।

आप्ताज्ञा – *Āptājñā.*
Scriptural texts, preaching of the omniscient Lord.
आगम, जिसके द्वारा समस्त अनंत धर्मों से सहित समस्त जीव अजीव आदि पदार्थ जाने जाते हैं।

आप्ताभास – *Āptābhāsa.*
False deities.
आप्त से इतर-मिथ्यादेव।

आप्तोपज्ञ – *Āptopajña.*
Auspicious preachings of Lord-Arihant.
सच्चे देव – आप्त का कहा हुआ।

आबाधा – *Ābādhā.*
A time period between binding & fruition of *Karmas.*
कर्म प्रकृति बंध होने के बाद जब तक उदयरूप व उदीरणा रूप वह कर्म प्रकृति हो तब तक का काल।

आबाधा आवली – *Ābādhā Āvali.*
Time - lag trail (invariant trail-a period of time separating two events, especially an action and its effect related to *Karmas*).
अचलावली; उदीरणा की अपेक्षा सब कर्मों की आबाधा एक आवली प्रमाण होती है।

आबाधा काण्डक – *Ābādhā Kāṇḍaka.*
Time - lag split (reg. *Karmic* theory).
कर्मस्थिति के जितने भेदों में एक प्रमाण वाली आबाधा है, उतने स्थिति के भेदों को आबाधाकाण्डक कहते हैं।

आबाधाकाल – *Ābādhākāla.*
Quiescence period - matter with fruition-less *Karmas.*
कर्मरूप होकर आया हुआ द्रव्य जब तक उदय या उदीरणा रूप न हो तब तक के काल को आबाधाकाल कहते हैं।

आभास – *Ābhāsa.*
Fallacy, False appearance.
मिथ्या, भ्रम।

आभिग्रहिक – *Ābhigrahika.*
Predetermined.
पूर्व निश्चित।

आभिग्रहिक मिथ्यादर्शन – *Ābhigrahika Mithyādarśana.*
Obstinate insular attachment to the wrong view.
पूर्व निश्चित गलत मान्यता, एकांत मिथ्यादर्शन।

आभिनिबोध – *Ābhinibodha.*
Sensory knowledge, knowledge obtained by mental capacity
मतिज्ञान का पर्यायवाची नाम, इन्द्रिय और मन की सहायता से अभिमुख और नियमित पदार्थ का ज्ञान होना।

आभिनिबोधिक ज्ञान – *Ābhinibodhika Jñāna.*
Sensory knowledge.
मतिज्ञान, जो ज्ञान इन्द्रिय व मन द्वारा जानने योग्य नियमित पदार्थों को सीधा जाने।

आभिनिवेशक मिथ्यादर्शन – *Ābhiniveśaka Mithyādarśana.*
Intuitional perversity (wrong faith).
अगृहीत मिथ्यात्व, परोपदेश बिना शुद्ध जीवादि पदार्थों के विषय में विपरीत श्रद्धान होना।

आभियोग्य (देव) – *Ābhiyogya (Deva).*
Low status servying deities, who transform themselves into conveyances as horse, lion etc.
देवों का एक पद जिस पद के धारक देव हाथी, घोड़ा, वाहन आदि बन जाने का काम करते हैं।

आभोग – *Ābhoga*
Conducting ritual activities with wrong intention.
पूजा महत्व आदि की अभिलाषा से कापोत लेश्यायुक्त भावों द्वारा अति प्रकट अनुष्ठान करना अर्थात् गलत कार्य करना आभोग है।

आभ्यन्तर – *Ābhyantara.*
Internal, Non essential qualities of soul like anger etc.
अंतरंग, उपधि (परिग्रह) का एक प्रकार – क्रोधादिरूप आत्मभाव आभ्यंतर उपधि है।

आभ्यन्तर उपकरण – *Ābhyantara Upakaraṇa.*
Internal body parts (protecting the objective senses).
द्रव्येन्द्रिय की रक्षा करने वाला भीतरी अंग।

आभ्यन्तर प्राण – *Ābhyantara Prāṇa.*
Internal vitalities
भाव प्राण; वीर्यान्तराय, मतिज्ञानावरण, इन्द्रियावरण आदि का क्षयोपशम।

आभ्यन्तर रचना – *Ābhyantara Racanā.*
Internal formation
आंतरिक रचना।

आमंत्रणी – *Āmantraṇī.*
Inviting language.
आठ प्रकार के अनुभयवचन में पहला भाषा - बुलाने वाले वचन।

आमर्शन – *Āmarśana.*
To touch any part of body.
शरीर के किसी एक भाग को स्पर्श करना।

आमर्षौषध – *Āmarṣauṣadha.*
A supernatural power of medication.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु के स्पर्श मात्र से जीव निरोगी हो जाते हैं।

आमाशय – *Āmāśaya.*
The stomach.
शरीर का एक अंग।

आमोक्ष – *Āmokṣa.*
Complete emancipation or salvation.
संसार से मुक्ति - सिद्धावस्था की प्राप्ति।

आमोद-प्रमोद – *Āmoda - Pramoda.*
Amusement, Merriment.
प्रसन्नता, खुशी, उल्लास।

आम्नाय – *Āmnāya.*
Sect, Tradition, Revision (a type of *Svadhyay*).
पंथ, परम्परा, उच्चारण की शुद्धि पूर्वक पाठ को पुनः पुनः दोहराना (स्वाध्याय का एक भेद)।

आम्र – *Āmra.*
Mango, Name of the Initiation-tree of Lord-Arahnath
फलों का राजा – आम, अरहनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम।

आम्रवन – *Āmravana*
Forest of mango-trees, Name of the initiation forest of Lord Shantinath.
आम के वृक्षों का वन, शांतिनाथ भगवान के दीक्षा वन का नाम (सहस्रआम्र)।

आयंबिल – *Āyambila.*
An austerity with single item food, Tasteless food.
स्वाद रहित, रूखा भोजन, नीरस भोजन।

आय – *Āya.*
Income, Profit.
आमदनी।

आयत चक्षु – *Āyata Cakṣu.*
Wide - fully opened eyes.
पूरी तरह से खुली आँखें।

आय - ज्ञान – *Āya Jñāna.*
A book written on astrology by 'Bhattavosari'.
भट्टवोसरि (ई.श. 10 उत्तरार्ध) द्वारा रचित एक ज्योतिष विषयक ग्रंथ।

आयत – *Āyata.*
Rectangle.
चतुरस्त्राकार।

आयतन – *Āyatana.*
Volume, Residence, Virtues, receptacles of right perception
किसी स्थान का त्रिविमीय माप, आवासीय स्थान, सम्यग्दर्शन आदि गुणों के आधार या आश्रय को आयतन कहते हैं, सच्चे देव शास्त्र गुरु और इनके उपासक – ये 6 आयतन कहलाते हैं।

आयापाय दर्शनोद्योत – *Āyāpāya Darśanodyota.*
A basic restraint (virtue) of *Acharya.*
आचार्य के 36 गुणों में एक गुण।

आयाम – *Āyāma.*
Length
लम्बाई।

आयाम विष्कंभ – *Āyāma Viṣkambha.*
Length and breadth.
लम्बाई और चौड़ाई।

आयु – *Āyu.*
Age
उम्र।

आयुकर्मप्रकृति – *Āyukarmaprakṛti.*
A *karmic* nature causing age binding
जिस कर्म के उदय से यह जीव निश्चित समय तक नरक, तिर्यंच, मनुष्य, देव के शरीर में रुका रहे।

आयुक्तकरण – *Āyuktakaraṇa.*
Inclination towards destruction of hermaphrodite libido (Neutralization).
नपुंसक वेद की क्षपणा या उपशामना के लिए उद्यत होकर प्रवृत्त होना – उद्यतकरण है, आरम्भकरण व आयुक्तकरण एकार्थक हैं।

आयुक्तता – *Āyuktatā.*
Capability of mixing.
मिला हुआ या मिलने की योग्यता।

आयुध – *Āyudha.*
Weapons.
सैन्य सम्बन्धी शस्त्र – अस्त्र।

आयुधपाल – *Āyudhapāla.*
Administrator of armoury.
आयुधशाला का अधिकारी।

आयुधशाला – *Āyudhaśālā.*
Armoury, Arsenal.
चक्रवर्ती के अस्त्र, शस्त्र इत्यादि रखने का स्थान।

आयुष्य – *Āyuṣya.*
Long life.
दीर्घ जीवन।

आयोधन – *Āyodhana.*
A king of *Hari* dynasty.
हरिवंश का एक राजा।

आयोध्य – *Ayodhya.*

Title of a jewel *'Senapati'* (army chief) of *Chakravarti* (emperor)
चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में 'सेनापति' नामक रत्न की संज्ञा ।

आयोपाय – *Ayopaya*

A virtue of *Acharya* to get disclosed the faults of a *Kshapak*
क्षपक के दोषों को निकलवाने का एक गुण, आचार्य का एक गुण।

आयोपायदर्शी – *Ayopāyadarsī*

An *Acharya* who gets the faults admitted by *Kshapak* (one wishing holy death).
क्षपक के दोषों को निकलवाने के गुण सहित निर्यापकाचार्य ।

आरंभ – *Arambha.*

Beginning, Tendency to cause pain to others
कार्य करने लगना, पापास्रव के 108 कारणों में से एक भेद – प्राणियों को दुःख पहुँचाने वाली प्रवृत्ति ।

आरम्भकोपदेश – *Arambhakopadesa*

Giving suggestion to rise from unnecessary violece.
खेती आदि करने वालों को पृथ्वी, जल, अग्नि, पवन आदि के आरंभ का उपाय बताना ।

आरम्भत्याग प्रतिमा – *Arambhatyāga Pratimā.*

The 8th *Pratima* (model stage of householders) of aversion from all the occupational activities.
श्रावक की आठवीं प्रतिमा , जीव हिंसा के कारण नौकरी, खेती, व्यापारादि के आरंभ से विरक्त होना ।

आरम्भवाद – *Ārambhavāda.*

The *Sankhya* theory of identity of cause and its effect.
कारण और कार्य के अस्तित्व का एक सांख्य दर्शन ।

आरक्षी – *Araksi.*

A police officer
रक्षा करने वाला राजकीय अधिकारी–कोतवाल ।

आरण (इन्द्र) – *Arana (Indra).*

A type of deities of *Aran* heaven.
कल्पवासी इन्द्रों का एक भेद ।

आरण स्वर्ग – *Ārana Svarga.*

Name of a heaven, its 2nd layer *(Patal)* & an aboding place.
स्वर्ग का पन्द्रहवां कल्प, आरण स्वर्ग का द्वितीय पटल व इन्द्रक विमान ।

आरम्भकथा – *Ārambhakathā.*

Talks about worldly activities.
विकथा के 25 भेदों में एक भेद , असि, मषि आदि कार्य संबंधी कथा करना ।

आरम्भी हिंसा – *Ārambhī Himsā.*

Inevitable violence in performing various duties.
हिंसा के 4 भेदों में एक भेद ; वह हिंसा जो हिंसा के संकल्प से न हो किन्तु असि आदि कर्मों एवं गृहस्थी प्रबन्ध करते हुए हो जाती है ।

आरा – *Ara*

Name of a dwelling place of *Pankprabha* earth. Name of a city of Bihar state
पंकप्रभा पृथ्वी के प्रथम इन्द्रक का नाम, बिहार राज्य के एक शहर का नाम ।

आरातीय – *Ārātiya.*

Acharyas (Jaina - saints) of present tradition.
वर्तमान परम्परा के आचार्य ।

आराधक – *Ārādhaka.*

Worshipper, Aspirant
आराधना करने वाला ।

आराधना – *Arādhanā.*

Adoration, Worshipping
भक्ति, सेवा, सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र, सम्यक्तप ये 4 आराधनाएँ हैं ।

आराधना (ग्रन्थ) – *Ārādhanā (Grantha)*

Name of a treatise, A book composed by *Ganini Gyanmati Mataji* in Sanskrit
भगवती आराधना का अमितगति (वि. 1050–1073) कृत संस्कृत रूपान्तरण, साधुओं की चर्या से संबंधित गणिनी ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित 450 श्लोकबद्ध एक संस्कृत ग्रन्थ (ई.श. 20)

आराधना कथाकोष – *Ārādhanā Kathakosa.*

A book written by 'Brahmachari Nemidatta'.
ब्र. नेमिदत्त (ई. 1518) द्वारा रचित कथाओं का एक संग्रह ।

आराधना पंजिका – *Ārādhanā Pañjikā.*

A commentary book of *Bhagvati Aradhana*
भगवती आराधना की टीका ।

आराधना संग्रह – *Ārādhanā Saṁgraha.*

A book written by '*Acharya* Padmanandi'
आचार्य पद्मनन्दि द्वारा रचित एक ग्रन्थ ।

आराधना सार – *Ārādhanā Sāra.*

A book written by '*Acharya* Devsen'.
आचार्य देवसेन (वि. 990-1012) द्वारा रचित एक चतुर्विध आराधना विषयक ग्रन्थ ।

आराधना सार समुच्चय – *Ārādhanā Sāra Samuccaya.*

A book written by '*Acharya* Ravichandra'.
आचार्य रविचन्द्र (ई.श.12-13)द्वारा रचित एक चतुर्विध आराधना विषयक ग्रंथ ।

आराधित – *Ārādhita.*

Adored, worshipped.
आराधना किया हुआ–अर्थात् संसिद्ध, राध, सिद्ध अथवा साधित।

आराम – *Ārāma.*

Hermitage.
साधुओं के लिए रहने योग्य विविक्त (एकांत) स्थान का नाम ।

आरोग्य – *Ārogya.*
Health, free of disease.
स्वस्थ, निरोग ।

आरोप – *Āropa.*
Allegation, Accusation, Blame
दोष लगाना, अध्यारोपण, एक वस्तु के गुणों को दूसरी वस्तु में आरोपित करना ।

आरोहक – *Ārohaka.*
One who climbs.
चढ़ने वाले। उपशम श्रेणी पर चढ़ने वाले एवं वे देव जो वृषभ आदि बने हुए आभियोग्य जाति के देवों पर सवारी करते हैं ।

आरोहक – अवरोहक – *Arohaka - Avarohaka*.
Ascender & descender.
चढ़ने-उतरने वाला, उपशम श्रेणी पर चढ़ने वाले को आरोहक तथा उतरने वाले को अवरोहक कहते हैं ।

आरोहण – *Ārohaṇa.*
Rising, climbing.
चढ़ना, गुणस्थानों का एक बढ़ता हुआ क्रम ।

आर्जव – *Ārjava.*
Simplicity, Straight forwardness
कुटिलता का अभाव अर्थात् मन वचन और काय की सरलता का नाम ।

आर्ति – *Ārti.*
See - Arti.
देखे – अर्ति ।

आर्त – *Ārta.*
Pain, Trouble
कष्ट, पीड़ा, दुःख का नाम आर्त है ।

आर्त्तध्यान – *Ārttadhyāna.*
Painful concentration, Mournful concentration.
इष्ट वियोग, अनिष्ट संयोग के निमित्त से निरंतर पीड़ा या दुःख रूप परिणाम होना ।

आर्त्तपरिणाम – *Ārtta Pariṇāma.*
See - *Arttadhyāna.*
देखें – आर्त्तध्यान ।

आर्द्रा – *Ārdrā.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र का नाम ।

आर्य – *Ārya.*
Noble persons, Son of '*Pavanveg Vidyadhar*' resident of Haripur at *Vijayardha* mountain
मनुष्य की दो जातियाँ (आर्य, म्लेच्छ) में एक जाति; जो स्वयं गुणवान हैं या गुणवानों के द्वारा मान्य हैं, भोग भूमि में जन्म लेने वाले पुरुष को आर्य व स्त्री को आर्या शब्द से जाना जाता है। विजयार्ध पर हरिपुर निवासी पवनवेग विद्याधर का पुत्र ।

आर्यक – *Āryaka*
A king of Magadh country
मगध देश का एक राजा ।

आर्य कूष्मांड देवी – *Arya Kūṣmāṇḍa Devī*
A supernatural power
एक विद्याधर विद्या का नाम ।

आर्यखण्ड – *Āryakhaṇḍa.*
Middle part among three parts of south *Bharat Kshetra*(region)
जम्बूद्वीप के दक्षिण भरत क्षेत्र के तीन खण्डों में मध्य का आर्यखंड है, यहां तीर्थंकर आदि महापुरुष होते हैं और मोक्ष जाते हैं ।

आर्यनंदि – *Āryanandi*
Disciple of '*Acharya* Chandrasen' and spiritual guide of Veersen ji
पंचस्तूप संघ की पट्टावली के अनुसार चंद्रसेन के शिष्य तथा वीरसेन (धवलाकार) के गुरु थे (ई. 767 - 798) ।

आर्यमंक्षु – *Āryamaṅkṣu.*
Name of a great *Acharya* saint
दिगम्बर आम्नाय में आपका स्थान आचार्य पुष्पदन्त तथा भूतबली के समकक्ष है। आचार्य गुणधर से आगत पेज्ज दोसपाहुड़ के ज्ञान को आचार्य परम्परा द्वारा प्राप्त करके आपने तथा नागहस्ति ने यतिवृषभाचार्य को दिया था ।

आर्यवचन – *Āryavacana.*
Nobleman's teachings
सज्जन, गुणधारियों के वचन ।

आर्यवती – *Āryavatī.*
A supernatural power.
एक विद्याधर विद्या का नाम ।

आर्यवृत्ति – *Āryavṛtti.*
Civilized instinct.
सज्जन की प्रवृत्ति ।

आर्य सत्य – *Ārya Satya.*
Noble truth.
सत्य का एक भेद, जनपद सत्य ।

आर्यासूत्र – *Āryāsūtra.*
The *Sutras* in *Aryachhand* of *Kashay Pahud.*
आर्या छन्द में निबद्ध कषाय पाहुड़ के गाथा सूत्र ।

आर्यसेन – *Āryasena.*
A spiritual guide *(Bhattaraka)*
भट्टारकों की पट्टावली में तीसरे क्रम पर एक गुरु का नाम ।

आर्यिका – *Āryikā.*
Jaina most virtuous and adorable female ascetics are called '*Aryika*', Name of a book written by *Ganini* Gyanmati Mataji.
नारी जीवन के उत्कृष्ट त्याग की अवस्था। दिगम्बर मुनियों के समान ही आर्यिकाओं की विधि होती है, एक साड़ी मात्र परिग्रह से सहित होते हुए भी ये उपचार से महाव्रती संयतिका कहलाती हैं। श्रावकजन मुनियों के समान ही इन्हें आहार देते समय नवधाभक्ति करते हैं। अहिंसा आदि पांच महाव्रतों का पालन करने वाली यह कर्म शत्रु का विनाश करने में तत्पर दिगम्बर जैन परम्परा की

आर्यिका कहलाती हैं। गणिनी ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित ग्रन्थ जिसमें दिगम्बर जैन परम्परा की साध्वियों का वर्णन है।

आर्यिका संघ – *Āryikā Saṃgha.*

Group of '*Aryikas*'

परम्परागत आर्यिकाओं के संगठन को आर्यिकासंघ कहते हैं, जिसमें एक मुख्य आर्यिका (गणिनी) भी होती है।

आर्षयज्ञ – *Ārṣayajña*

Oblation-particular auspicious articles offering into the sacred fire.

तीर्थंकर, गणधर तथा अन्य केवलियों के शरीर संस्कार हेतु अग्निकुमार इन्द्र के मुकुट से उत्पन्न त्रिविध अग्नियों के प्रतीक में हवन कुण्ड बनाकर मंत्रों के उच्चारण पूर्वक भक्तिसहित धूप, रस धान्य, घी आदि से आहुति देना।

आर्षवचन – *Ārṣavacana*

Words expressing the authenticity of scriptures

आगम की प्रामाणिकता का निर्देश करने वाले वचन।

आर्हन्त्य क्रिया – *Ārhantya Kriyā.*

An auspicious and sacred activity.

कर्त्रन्वय की क्रियाओं में छठी क्रिया – केवलज्ञान होने पर देवो द्वारा की जाने वाली अर्हतों की पूजा आदि।

आलंकारिक – *Ālaṃkārika.*

Ornamental, Splendid

अलंकार सहित।

आलब्ध – *Ālabdha.*

An infraction in meditative relaxation.

कायोत्सर्ग का एक अतिचार।

आलय – *Ālaya*

House, Abode. Dwelling place.

आवास, घर, निवास, गृह।

आलय विज्ञान – *Ālaya Vijñāna.*

Architecture (as a science), House construction concept.

वास्तु विज्ञान, आवास – निवास विज्ञान।

आलयांग – *Ālayāṅga.*

A type of wish fulfilling trees (heavenly) providing divinely palaces.

कल्पवृक्ष का एक भेद–जो रमणीय दिव्य भवनों को दिया करते हैं।

आलाप – *Ālāpa.*

Special conversation.

भाषण, किसी खास बात को कहना, विशेष कहना।

आलापक – *Ālāpaka.*

A group of connected words - sentence

शब्दों के समूह से बना वाक्य।

आलापन बंध – *Ālāpana Bandha.*

Bondage related to basic material and articles constituted by the same.

शकटों का, यानों का, रथों, तोरणों का काष्ठ से, लोहे, चमड़े की रस्सी इत्यादि से तथा इनसे लेकर अन्य द्रव्यों से आलापित अन्य द्रव्यों का जो बंध होता है।

आलाप पद्धति – *Ālāpa Paddhati.*

A book written by '*Acharya* Devasen'.

आचार्य देवसेन (वि 990-1012) द्वारा संस्कृत गद्य में रचित प्रमाण नय विषयक सूत्र ग्रंथ।

आलाबु – *Ālābu.*

A hollowed - out gourd (as used by *Vedic* ascetics to carry water)

तुम्बी; वैदिक साधुओं द्वारा जो जल के लिए उपयोग की जाती है।

आलुंछन – *Āluṃcchana.*

A form of self criticism.

आलोचना के 4 स्वरूपों में एक भेद – कर्मरूपी वृक्ष का मूल छेदने में समर्थ ऐसा समभावरूप स्वाधीन निज परिणाम।

आलेखित – *Ālekhita.*

Written displayed or Intuitional Illustration.

चित्रित, लिखा हुआ, ध्यान में स्थिरता के परिपुष्ट हो जाने पर ध्येय का स्वरूप ध्येय के सन्निकट न होते हुए भी स्पष्ट रूप से प्रतिभासित होना।

आलेख्याकार – *Ālekhyākāra.*

Painting with realness.

त्रिकाली - केवलज्ञान में त्रिलोक तथा तीनों काल की वस्तुएं चित्र के समान (आलेख्याकार) साक्षात भाषित होती हैं।

आलेपन – *Ālepana.*

Smearing, See - *Ālāpana Bandha.*

लेप, तेल, उबटन आदि का मलना, देखें – आलापन बंध।

आलोक – *Āloka.*

Light, Whole world, Vision.

प्रकाश, लोकपर्यंत, आलोक का नाम दर्शन भी है।

आलोकन वृत्ति – *Ālokana Vṛtti.*

Enlightenment.

ज्ञान के लिए आत्मा का व्यापार करना, दर्शन, स्वसंवेदन, वेदनरूप व्यापार को आलोकन वृत्ति कहते हैं।

आलोकित पान भोजन – *Ālokita Pāna Bhojana.*

To take purified and observed food.

अहिंसा महाव्रत की एक भावना अर्थात् देख शोध कर भोजन पान ग्रहण करना।

आलोचना – *Ālocanā.*

Criticism (assessment of self).

गुरु के पास अपने अपराधों को कहना।

आलोचना प्रायश्चित्त – *Ālocanā Prāyaścitta.*

Repentance for self-criticism.

जिस अपराध की गुरु के पास कहने से ही शुद्धि हो जाती है।

आलोचना शुद्धि – *Ālocanā Śuddhi.*

Modification by criticism.

आलोचना करके अपने दोष को मिटाना ।

आलोचित – *Ālocita*

Faults that have been accepted by disciple.
जिन दोषों की आलोचना की जा चुकी है ।

आवरण – *Āvaraṇa.*

Covering, Protection, Shield
जिसके द्वारा आवृत किया जाता है ।

आवर्जित करण – *Āvarjita Karaṇa.*

Self presence of an omniscient in the previous arrangement for the omniscient-overflow i.e. *Kevali Samudghat* (emanation)
केवली समुद्घात के अभिमुख होने को आवर्जित करण कहते हैं। इसमें केवली समुद्घात के लिए आवश्यक तैयारी की जाती है ।

आवर्त – *Āvarta.*

Turning movement of joined hands during *Samayik* etc. A king of *Rakshas* dynasty. A country of *Vindhyachala* of *Bharat kshetra*. A country of north *Bharat kshetra* in the middle of *Mlechcha khand*. A city of south of *Vijayardha*
सामायिक करने के समय जोड़े हुए हाथों को अपनी बांई तरफ से दाहिनी तरफ ले जाना, राक्षस वंश का एक राजा, भरत क्षेत्र विंध्याचल स्थित एक देश। भरत क्षेत्र के उत्तर मध्य में मध्यम्लेच्छ खण्ड का एक देश, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

आवर्तनता – *Āvartanatā.*

Turning motion, Rotation, Limited modification.
आवर्त करना, चारों ओर घूमना, सीमित परिणाम या परिवर्तन ।

आवली – *Āvali.*

An area unit, A time unit (one *Avali* is the blinking of an eye)
क्षेत्र का एक प्रमाण, काल का एक प्रमाण, जघन्य युक्तासंख्यात समयों की एक आवली होती है ।

आवली अचल – *Āvali Acala.*

See - *Ābādhā Āvali*
देखें – आबाधा आवली ।

आवली उच्छिष्ट – *Āvali Ucchiṣṭa.*

Small fragment of time unit.
उच्छिष्टावली ; सत्व के घटते हुए जो आवली मात्र स्थिति अवशेष रह जाती है उसका नाम उच्छिष्टावली है ।

आवली उदय – *Āvali Udaya.*

Fruition of *karmas* in *Avali* (a time unit).
आवली काल में उदय आने वाले कर्म ।

आवली वृन्द – *Āvali Vṛnda.*

A set of *Avalis* (a time unit).
आवली का समूह ।

आवश्यक – *Āvaśyaka.*

Necessary, Indispensable, Inevitable.
कषाय राग-द्वेष आदि के वशीभूत न होना अवश है तथा उस अवश का जो आचरण है वह आवश्यक है ।

आवश्यकापरिहाणि – *Āvaśyakāparihāṇi.*

Inevitable performance of observing particular 6 kinds of duties by a saint.
सोलह कारण भावना में एक भावना, छह आवश्यक क्रियाओं को यथा काल निर्दोषरूप से करना ।

आवागमन – *Āvāgamana.*

Transmigration. Arrival and departure.
भव-भ्रमण में भ्रमण करना, आना – जाना ।

आवास – *Āvāsa.*

Place of residence or abode
मकान, रमणीय तालाब, पर्वत और वृक्षादिक के ऊपर स्थित व्यंतर आदिक देवों के निवास स्थान को आवास कहा गया है ।

आवासक – *Āvāsaka.*

See - *Āvaśyaka*
देखें – आवश्यक ।

आविद्ध – *Āviddha.*

Whirling, Turning round with velocity.
गति दिया हुआ या छिदा हुआ ।

आविद्र – *Āvidra.*

Rotatory, Moving
भ्रमण करता हुआ, घूमता हुआ ।

आविर्भाव – *Āvirbhāva.*

Manifestation, Emergence, Appearance.
अभिव्यक्ति, प्रकट होना ।

आविष्कार – *Āviṣkāra.*

Discovery, Invention.
खोज ।

आविष्ट – *Āviṣṭa.*

Swayed, Engrossed, Devoted.
प्रविष्ट, निमग्न, लीन ।

आवीचिका मरण – *Āvīcikā Maraṇa*

Instantial death (destruction of the body).
जीव की आयु का प्रतिक्षण क्षीण होने रूप नित्य मरण ।

आवृत्त – *Āvṛtta.*

Covered, Bended.
ढका हुआ, मुड़ा हुआ ।

आवृत्तकरण – *Āvṛttakaraṇa.*

Obscuration (related to *Karmic* theory).
अन्य प्रकृति रूप करके कर्म का नाश करना ।

आवेष्टित – *Āveṣṭita.*

Wrapped, Covered
लिपटा या बंधा हुआ ।

आव्रजित – *Āvrajita.*

Migration
एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना ।

आशंसा – *Āśaṁsā.*
Desire, Hope.
इच्छा, आशा, अभिलाषा ।

आशय – *Āśaya.*
Intention, Sense.
इरादा, प्रयोजन, उद्देश ।

आशा – *Āśā.*
Hope, Desire. A female divinity of *Rucaka* mountain.
उम्मीद, चाह, रुचक पर्वत निवासी दिक्कुमारी देवी ।

आशातना – *Āśātanā.*
Destroying of disrespectful conduct.
कुचारित्र का क्षपण करना ।

आशाधर – *Āśādhara.*
A great writer of Anagardharmamrita.
ई. सन् 1173 - 1243 में जिन्होंने अनगारधर्मामृत प्रधान कृति की रचना की ।

आशीष – *Āśīṣa.*
Benediction, Blessing.
आशीर्वाद, मंगलकामना ।

आशीर्वाद – *Āśīrvāda.*
Blessing, Benediction.
आशीष, मंगलकामना या सद्भावना की अभिव्यक्ति ।

आशीर्विश (वक्षार) – *Āśīrviśa (Vakṣāra).*
Name of a mountain, its summit and protecting deity.
अपर विदेह स्थित वक्षार (पर्वत) व कूट व उसका रक्षक देव ।

आशीर्विष रस ऋद्धि – *Āśīrviṣa Rasa Ṛddhi.*
A type of supernatural power related to cursing one for his death by an angry saint.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से दुष्कर तप से युक्त मुनि द्वारा 'मर जाओ' कहने पर जीव मर जाता है ।

आशुभ्रमण – *Āśubhramaṇa.*
Swift rotation.
शीघ्रता से घूमना ।

आश्चर्य – *Āścarya.*
Surprise, astonishment. A summit situated in *Padmahrad* (a lake).
विस्मय, अचम्भा, पद्मद्रह में स्थित एक कूट ।

आश्चर्य पंचक – *Āścarya Pañcaka.*
Five auspicious omen (good occurrences).
पंचाश्चर्य – रत्नवृष्टि, पुष्पवृष्टि, देव दुंदुभि, मंद सुगंधित वायु प्रवाह, जय जयकार की ध्वनि यह तीर्थंकर एवं अन्य विशिष्ट महामुनियों के आहार के समय देवों द्वारा की जाती है ।

आश्रम – *Āśrama.*
Four stages of human life.
गुरुकुल एवं ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास ये चार आश्रम कहलाते हैं अथवा जहाँ विशुद्ध ज्ञान व दर्शन की प्रधानता हो ।

आश्रय – *Āśraya.*
Refuge, Shelter, Support.
आवास, पालक, सहारा ।

आश्रय – आश्रयी सम्बन्ध – *Āśraya - Āśrayī Sambandha.*
See - *Ādhāra - Ādheya Sambandha.*
देखें – आधार – आधेय सम्बन्ध ।

आश्लेषा – *Āśleṣā.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र ।

आषाढ़ – *Āṣāḍha.*
A city in the south of *Vijayardha* mountain. The fourth month (lunar) of the Hindu year : June-July.
विजयार्द्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, एक हिन्दी महीने का नाम (जून–जुलाई माह का समय) ।

आष्टान्हिक पर्व – *Āṣṭānhika Parva.*
An eight days function of Jainas.
अठाई पर्व – कार्तिक, फाल्गुन, आषाढ़ के अंतिम 8 दिन इस पर्व में किये गये विशेष अनुष्ठान महापूजा आदि इच्छित फल को प्रदान करते हैं ।

आसङ्ग – *Āsaṅga.*
Attachment with possession.
परिग्रह में आसक्ति होना ।

आसन – *Āsana.*
Postures (as in *yoga*), Seat.
योग की विभिन्न मुद्राएँ ।

आसनगृह – *Āsanagṛha.*
Place of meditation.
भवनवासी देवों के भवनों में योगस्थान ।

आसन्न भव्य – *Āsanna Bhavya.*
Supreme beings, who get salvated in short time.
जो भव्य जीव थोड़े भव धारणकर मोक्ष प्राप्त करेगा, निकट भव्य जीव ।

आसन्न मरण – *Āsanna Maraṇa.*
Death of demoralized saints.
जो साधु संघ से भ्रष्ट हो बाहर निकल गया ऐसे स्वच्छन्द, कुशील व पासत्थ साधु का मरण ।

आसव – *Āsava.*
Decoction, Distillate, Liquor. A type of wish fulfilling (heavenly) trees providing sweet juice.
औषधीय द्रव (अरिष्ट), एक मधुर रस, मद्यांग जाति के कल्पवृक्षों द्वारा भी यह रस प्राप्त होता है ।

आसादन – *Āsādana.*
Denying the truth proclaimed by another, by body and speech i.e. disregard of knowledge

ज्ञानावरणीय-दर्शनावरणीय कर्म के ... कारण, ... प्रकाश ... रहा है तब शरीर या वचन से उसका निरोध करना।

आसिका – *Asikā*

A particular activity of a saint—taking permission from deities, householders etc. for passing through the way etc.
मुनियों के आचार या समाचार का एक भेद, ठहरने की जगह से निकलते हुए देवता, गृहस्थ आदि से पूछकर गमन करना अथवा पाप क्रियाओं से मन को रोकना।

आसीधिका – *Āsīdhikā.*

Omen permission (taken while coming out from a temple etc.).
जिन मन्दिर अथवा यति का निवास अथवा मठ से निकलते समय उच्चारण करने का शब्द जिसका अर्थ वहाँ रहने वाले देव, इत्यादि से पूछकर बाहर आना है इसके लिये असही शब्द का भी प्रयोग होता है।

आसुर – *Āsura.*

A type of low status deities
नीच देवों में एक भेद।

आसुरी – *Āsurī*

Pertaining to evil spirits, A type of low status deities
निम्न वृत्ति सहित, नीच गति के देवों में एक।

आस्तिक्य – *Āstikya.*

An attribute of right perception i.e. having religious faith.
सम्यग्दर्शन का एक गुण - परलोक, पुण्य–पाप, आत्मा–परमात्मा में श्रद्धा रखना।

आस्थान मंडप – *Āsthāna Maṇḍapa.*

Conference hall, Place of assembly
सभा मंडप।

आस्थानांगण – *Āsthānāṅgaṇa.*

A land of *Samavasaraṇa* (assembly of Lord Arihant), where the worshipping of *Mānastambha* is observed by deities & human beings.
समवशरण की एक भूमि, यहाँ बैठकर मनुष्य एवं देव मानस्तम्भों की पूजा करते हैं।

आस्य – *Āsya.*

Face.
मुख।

आस्यनिर्विष ऋद्धि – *Āsyanirviṣa Ṛddhi.*

A supernatural power of transforming poison into nectar.
ऋद्धि, जिसके प्रभाव से विष भी अमृत बन जाता है।

आस्रव – *Āsrava.*

Influx, Inflow of *karmas*
सात तत्वों में तीसरा तत्व, कर्मों के आगमन को आस्रव कहते हैं।

आस्रव द्वार – *Āsrava Dvāra.*

Channels for influx of *Karmas*, The doors for the

Sense of life.
आस्रव के आने के 57 द्वार – 5 मिथ्यात्व, 12 अविरति, 25 कषाय 15 प्रमाद।

आस्रव त्रिभंगी – *Āsrava Tribhaṅgī*

A book on *karma* theory, Hindi translation of which is done by Ganini Shri Gyanmati Mataji
कर्म सिद्धान्त विषयक एक ग्रन्थ। इसका हिन्दी अनुवाद गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी कृत है।

आस्रवानुप्रेक्षा – *Āsravānuprekṣā*

Contemplation of soul (as it is free from influx of all *Karmas*)
निरन्तर आत्मा को द्रव्यरूप और भावरूप दोनों प्रकार के आस्रवों से रहित चिन्तवन करना।

आहत – *Āhata*

Wounded, hurt
घायल।

आहरण – *Āharaṇa*

Stealing.
चोरी करना।

आहवनीय – *Āhavanīya*

A sacred fire in which funeral ceremony of *Gaṇadharas* is performed
अग्नि: वह अग्नि जिससे गणधरों के शरीर का अग्नि संस्कार किया जाता है।

आह्वान – *Āhvāna.*

Invocation.
आमंत्रण, बुलाना, पूजन के पहले स्थापना में पूज्य की विनय के लिए आह्वान एक विधि है

आहार – *Āhāra*

Food or *Karmic* intake
भोजन–खाद्य, स्वाद्य, लेह्य, पेय चार प्रकार का है। अथवा नोकर्म वर्गणा आहारक, भाषा व मनोवर्गणा का ग्रहण करना आहार है। इनको ग्रहण करने वाले आहारक कहलाते हैं।

आहारक काय योग – *Āhāraka Kāya Yoga.*

Vibration in soul-points while translocation of *Aharak Sharir.*
आहारक शरीर के द्वारा करते हुए जो आत्मा के प्रदेश सकंप होते हैं उसे आहारक काय योग कहते हैं।

आहारक चतुष्क – *Āhāraka Catuṣka.*

Quartet assimilation pertaining to *Aharak Sharir.*
आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, बंधन, संघात।

आहारक द्विक – *Āhāraka Dvik*

Dyad assimilation pertaining to *Aharak Sharir*
आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग।

आहारक मार्गणा – *Āhāraka Mārgaṇā.*

An investigation stage expressed about assimilative (*Aharak*) and non - assimilative (*Anaharak*) state of beings

14 वी मार्गणा जिसमें जीवों के आहारक व अनाहारक का कथन है।

आहारक मिश्र काययोग – *Āhāraka Miśra Kāyayoga.*

Vibration in soul-points during the completion of *Aharak Sharir.*

आहारक शरीर की उत्पत्ति प्रारम्भ होने के प्रथम समय से लगाकर शरीर पर्याप्ति पूर्ण होने तक अन्तर्मुहुर्त के मध्यवर्ती अपरिपूर्ण शरीर के द्वारा उत्पन्न योग।

आहारक लब्धि – *Āhāraka Labdhi.*

Extra - ordinary power of translocation (related to soul).

एक ऋद्धि, प्रमत्त गुणस्थानवर्ती मुनि को आहारक शरीर बनाने की शक्ति का प्रगट होना।

आहारक वर्गणा – *Āhāraka Vargaṇā.*

A kind of *Karmic* molecules causing body formation.

वह पुद्गल स्कन्ध जिनसे औदारिक, वैक्रियिक व आहारक ये तीन शरीर बनते हैं।

आहारक शरीर – *Āhāraka Śarīra.*

Translocational body (which emanates from the body of a saint at the sixth stage of spiritual development i.e. 6th *Gunsthan).*

छठे गुणस्थानवर्ती प्रमत्त संयत साधु सूक्ष्म तत्त्व के विषय में जिज्ञासा होने पर जिस शरीर के द्वारा केवली भगवान के पास जाकर जिज्ञासा का समाधान करते हैं उसे आहारक शरीर कहते हैं।

आहारक शरीर अंगोपांग –

Āhāraka Śarīra Aṁgopāṁga.

Chief and secondary parts of *Aharak Sharir.*

वह नामकर्म जिसके उदय से मुनियों के मस्तक से जो आहारक शरीर निकलता है उसमें अंगोपांग होते हैं, उसे आहारक शरीर अंगोपांग कहते हैं।

आहारक शरीर नामकर्म प्रकृति –

Āhāraka Śarīra Nāmakarma Prakṛti.

A type of physique making *karmic* nature causing formation of translocational body (*Aharak Sharir*)

वह नामकर्म प्रकृति जिससे आहारक शरीर बनता है।

आहारक शरीर बंध – *Āhāraka Śarīra Baṁdha.*

Bondage of *Aharak Vargana* for the formation of translocational body (*Aharak Sharir*).

आहारक शरीर बनने के लिये आहारक वर्गणाओं का परस्पर मिल जाना।

आहारक समुद्घात – *Āhāraka Samudghāta.*

Divinely emanation of translocational body (*Aharak Sharir*).

सूक्ष्म तत्त्व के विषय में जिसे जिज्ञासा उत्पन्न हुई है उन परम ऋषि के मस्तक में से मूल शरीर से सम्पर्क बनाये रखकर एक हाथ ऊँचा सफेद रंग का सर्वांग सुन्दर पुतला निकलकर अन्तर्मुहूर्त में जहाँ कहीं भी केवली भगवान को देखता है वहाँ जाकर उनके दर्शन मात्र से ऋषि की जिज्ञासा का समाधान पाकर पुनः अपने स्थान में लौट आता है उसे आहारक समुद्घात कहते हैं।

आहार – काल – *Āhāra Kāla.*

A time limit related to *Digambar* Jain saint-food

दिगम्बर जैन साधुओं का भोजन काल – 3 मुहूर्त जघन्य, 2 मुहूर्त मध्यम, 1 मुहूर्त उत्कृष्ट काल है (मूलाचार ग्रन्थ के अनुसार)।

आहारचर्या – *Āhāracaryā.*

Food taking procedure of *Digambar* Jain saints.

श्रावक के द्वारा नवधाभक्तिपूर्वक जैन साधु को आहार के लिए आमंत्रित करने पर साधु द्वारा विधिपूर्वक उनके घर में दिन में एक बार खड़े होकर पाणि पात्र में भोजन लेना दिगम्बर जैन साधु की आहारचर्या कहलाती है।

आहारत्याग – *Āhāratyāga.*

Giving up of food, Fasting

अनशन, प्रोषधोपवास, सल्लेखना आदि में आहार का त्याग करना।

आहार दान – *Āhāra Dāna.*

Food offering with devotion to saints.

श्रद्धा भक्तिपूर्वक प्रासुक अन्न आदि आहार सुपात्र (मुनि, आर्यिका आदि) को देना।

आहारपर्याप्ति – *Āhāraparyāpti.*

Complete development of body after trans-migration.

एक शरीर को छोड़कर दूसरे नवीन शरीर के लिए कारणभूत जिन नोकर्म वर्गणाओं को जीव ग्रहण करता है उनको खलरसभाग परिणमाने की शक्ति नामकर्म के उदय से सहित जीव की शक्ति का पूर्ण हो जाना।

आहारपर्याप्ति नामकर्म –

Āhāra Paryāpti Nāma Karma.

Physique making *Karmic* nature causing complete formation of the body.

आहार वर्गणा के परमाणुओं को खल व रसभाग रूप परिणमाने के कारणभूत जीव की शक्ति की पूर्णता।

आहार वर्गणा – *Āhāra Vargaṇā.*

Assimilated molecules of *Karmas.*

देखें – आहारक वर्गणा।

आहार्य विपर्यय – *Āhārya Viparyaya.*

Conceiving of wrong knowledge according to wrong preaching.

दूसरे के गलत उपदेश से विपरीत शास्त्रज्ञान का ग्रहण।

आहारशुद्धि – *Āhāraśuddhi.*

Purity related to food.

मन, वचन, काय, द्रव्य, क्षेत्र व काल से आहार का शुद्ध होना।

आहार संज्ञा – *Āhāra Saṁjñā.*

Keen desire for food.

अन्नादि आहार ग्रहण करने की इच्छा होना।

आहुति मंत्र – *Āhuti Maṁtra.*

Chanting of *Mantras* (auspicious mystic words) while oblating

आहुति देते वक्त बोले जाने वाले मंत्र ।

आहृतादान – *Āhṛtādāna*

Receiving of stolen property by means of purchase.

अचौर्याणुव्रत का एक अतिचार, चोर से चोरी का माल खरीदना।

आह्लाद – *Āhlāda.*

Cheer, Joy, Exultation. Merriment.4

सुख, खुशी, हर्ष, प्रसन्नता ।

आह्वानन – *Āhvānana.*

Invocation

आमंत्रण–भावों की एकाग्रता के लिये पूजा के प्रारम्भ में जिनेन्द्र भगवान को हृदय में आमंत्रित करते हैं, उसी के प्रतीक रूप पुष्प से स्थापना करना ।

इ

इ – *I.*

The third vowel of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का तृतीय स्वर ।

इंगिनी (मरण) – *Ingini (Maraṇa).*

A type of holy death. Voluntary death.

सल्लेखना का एक भेद, शास्त्रविधि पूर्वक क्रमशः आहार का त्याग करके स्वाश्रित रहकर दूसरे के द्वारा वैयावृत्ति आदि नहीं कराते हुए समाधि ली जाती है, इस प्रकार की सल्लेखना उत्तम संहनन के धारी लेते है ।

इंद्र (देव) – *Indra (Deva).*

Celestial deity, Lord of deities

देवों का राजा, आज्ञा–ऐश्वर्य से युक्त देवों का स्वामी ।

इंद्र (नाम) – *Indra (Nāma)*

Son of the king Sahasrar.

राजा सहस्रार का पुत्र, माली को मारकर इन्द्र के सदृश राज्य किया, आगे रावण से युद्ध में हारकर दीक्षा ले निर्वाण प्राप्त किया।

इंद्रक – *Indraka.*

Middle dwelling places (*Vimāna*) of heaven & middle dwelling places (*Bill*) of hell

पटल, इंद्रक का अर्थ अन्तर्भूमि है, स्वर्गों में मध्य के विमान एवं नरकों के बिल ।

इंद्रगिरी – *Indragiri*

A king of *Hari* dynasty.

हरिवंश के एक राजा का नाम ।

इंद्रजीत – *Indrajīta.*

The son of Ravana

रावण के पुत्र जो बड़वानी से मुक्त हुए ।

इंद्र त्याग (क्रिया) – *Indra Tyāga (Kriyā).*

An auspicious and sacred act (reg. peaceful renouncement of all heavenly splendours by *Indra* for holy death).

गर्भान्वयादि क्रियाओं में से एक क्रिया, इन्द्र द्वारा आयु के अन्त में शांतिपूर्वक समस्त वैभव का त्याग कर तथा देवों को उपदेश देकर देवलोक से च्युत होना । यह इन्द्रपद त्याग क्रिया है ।

इंद्रधनुष – *Indradhanuṣa.*

Rainbow.

आकाश में बनने वाला सप्तरंगी धनुषाकार चिन्ह ।

इंद्रध्वज – *Indradhvaja.*

A type of worshipping to be performed by *Indras*

पूजा के पाँच (नित्यमह, आष्टान्हिक, इन्द्रध्वज, कल्पद्रुम, सर्वतोभद्र) भेदों में से एक भेद, जो इन्द्रों द्वारा मध्यलोक के 458 मंदिरों पर ध्वजा चढ़ाकर की जाती है ।

इंद्रध्वज विधान – *Indradhvaja Vidhāna*

A book written by *Gaṇini* Gyanmati Mataji related

10 *Pooja Vidhan* (worshipping)
गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा मध्यलोक के 458 अकृत्रिम जिन-चैत्यालयों की पूजन हेतु रचित एक अनुपम कृति (ई. स. 1978)। धर्म के प्रभाव से इस विधान को करने की प्राचीन परम्परा है। वर्तमान में अपने मनोरथों की सिद्धि हेतु भी लोग इस विधान को करते हैं।

इंद्रनंदि संहिता – *Indranandi Samhitā.*
A book written by '*Acharya* Indranandi'
आचार्य इन्द्रनंदि (ई. श. 10) की अपभ्रंश भाषाबद्ध कृति।

इंद्रपुर – *Indrapura*
Name of a city (present Indore).
वर्तमान इन्दौर, रेवा नदी के तट पर स्थित एक नगर।

इंद्रप्रस्थ – *Indraprastha.*
Name of a city (present Delhi).
प्रवास से लौटने पर युधिष्ठिर द्वारा बसाये गये नगर का नाम, यह कुरुक्षेत्र का भाग है इसलिये वर्तमान देहली ही इन्द्रप्रस्थ है।

इंद्रभूति – *Indrabhūti.*
Name of the first chief disciple of Lord Mahavira
भगवान महावीर के प्रथम गणधर का नाम, जो पूर्व में गौतम गोत्रीय ब्राह्मण थे।

इंद्रसुत – *Indrasuta.*
Father of *Kalki* king (Chaturmukh)
कल्की राजा चतुर्मुख के पिता।

इंद्राग्नि – *Indrāgni.*
A presiding deity of a lunar '*Vishakha*'.
विशाखा नक्षत्र के अधिपति देवता।

इंद्राणी – *Indrāṇī*
Wife of *Indra*
इन्द्र की पत्नी–शची।

इंद्राभिषेक – *Indrābhiṣeka.*
An auspicious and sacred act (reverential anointment of *Indra*).
गर्भान्वयादि क्रियाओं में एक क्रिया, इन्द्र पद पर आरूढ़ करने के लिए देवों द्वारा इन्द्र का अभिषेक किया जाना।

इंद्रायुध – *Indrāyudha.*
Name of a king (In the era of whom Harivansh Puran was composed by Jinsenacharya).
उत्तर भारत का एक राजा (ई. 750-783), इनके समय में ही जिनसेनाचार्य ने हरिवंश पुराण की रचना की थी।

इंद्रावतार – *Indrāvatāra.*
Incarnation of *Indra* as a *Tirthankar* (in the womb of mother).
गर्भान्वयादि क्रियाओं में एक, इन्द्र द्वारा सिद्ध भगवान को नमस्कार कर 16 स्वप्नों द्वारा माता को अपने अवतार की सूचना देना।

इंद्रिय – *Indriya.*
Organs of sense
जो सूक्ष्म आत्मा के अस्तित्व का ज्ञान कराने में सहायक हो। इन्द्रिय के पांच भेद हैं–स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु और कर्ण।

इंद्रिय अवग्रह – *Indriya Avagraha.*
Sensory apprehension
इन्द्रियों के द्वारा पदार्थ का प्राथमिक ग्रहण होना।

इंद्रिय अवाय – *Indriya Avāya*
Sensory judgement
इन्द्रियों के द्वारा विशेष चिन्हों को देखकर पदार्थ का निर्णय कर लेना।

इंद्रियज सुख – *Indriyaja Sukha.*
Sensual pleasure
इन्द्रियों के द्वारा उनके विषय भोगने को इन्द्रियज सुख कहते हैं।

इंद्रिय ज्ञान – *Indriya Jñāna*
Sensory knowledge
मतिज्ञान - इन्द्रिय और मन की सहायता से उत्पन्न ज्ञान।

इंद्रियजय – *Indriyajaya.*
Sensual restraint, subjugation
पाँचों इन्द्रियों को ज्ञान, वैराग्य, उपवास आदि के द्वारा वश में रखना।

इंद्रियपर्याप्ति – *Indriyaparyāpti.*
Complete development of senses
आहारवर्गणा के परमाणुओं को इन्द्रियाकार परिणमन कराने तथा इन्द्रिय द्वारा विषय ग्रहण करने के कारणभूत जीव की शक्ति की पूर्णता।

इंद्रिय प्रत्यक्ष – *Indriya Pratyakṣa.*
Emperical sense intuition based on observation and experience.
सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष, जो इन्द्रिय और मन की सहायता से पदार्थ को एकदेश स्पष्ट जानता है।

इंद्रिय प्रमाण – *Indriya Pramāṇa.*
Knowledge to be proved by senses.
परोक्ष प्रमाण- मतिश्रुत ज्ञान अथवा प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, ऐतिह्य, अर्थापत्ति, संभव, अभाव ये 8 प्रमाण हैं।

इंद्रिय प्राण – *Indriya Prāṇa*
Strength of senses, Vitalities.
जिनके द्वारा आत्मा जीवन संज्ञा को प्राप्त होती है, उन्हें प्राण कहते हैं।

इंद्रिय बल – *Indriya Bala.*
Sensual strength
10 प्राणों में एक भेद, वीर्यान्तराय एवं मतिज्ञानावरण कर्म के क्षयोपशम से प्राप्त इन्द्रियों की शक्ति।

इंद्रिय मार्गणा – *Indriya Mārgaṇā.*
Investigation of senses
एकेन्द्रियादि जाति नामकर्म के उदय से जीव की जो एकेन्द्रिय आदि अवस्था होती है।

इंद्रिय रोध – *Indriya Rodha.*
Sensual control

इन्द्रिय दमन, इन्द्रियों को अपने आधीन रखना।

इंद्रियलोभ – *Indriyalobha.*
Sensual greed.
लोभ का एक भेद।

इंद्रिय विवेक – *Indriya Viveka*
Discrimination related to sensual aversion
इन्द्रिय विषयों से वैराग्यरूप प्रवृत्ति होना।

इंद्रिय व्याधि – *Indriya Vyādhi.*
Diseases, Internal deterioration.
इन्द्रिय बीमारी, इन्द्रिय विषयों में आसक्ति, हर्ष, विषाद।

इंद्रिय संयम – *Indriya Samyama.*
Self restraint, desistance from sensual pleasure
पाँचों इन्द्रिय और मन को नियंत्रित कर अपने आधीन रखना

इंद्रिय सुख – *Indriya Sukha.*
Sensual pleasure
इन्द्रियों के द्वारा उनके विषयों को भोगना इन्द्रिय सुख है।

इंद्रोपपाद – *Indropapāda.*
An auspicious and sacred act (birth as an *Indra* by the effect of austerity)
गर्भान्वयादि क्रियाओं में से एक – तप के प्रभाव से वैमानिक देवों में इन्द्र रूप से उत्पाद होना।

इक्षुमती – *Ikṣumati.*
A river of *Bharat Kshetra Aryakhanda* (region)
भरत क्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी।

इक्षुरस – *Ikṣurasa.*
Sugar-cane juice.
गन्ने का रस जिससे शक्कर, गुड़ आदि बनते हैं। इस युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष उन्तालीस दिन के उपवास के पश्चात् हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस द्वारा इक्षुरस का प्रथम आहार ग्रहण किया था।

इक्षुवर – *Ikṣuvara*
Seventh island and ocean of middle universe.
मध्यलोक का सप्तम द्वीप व सागर (समुद्र)।

इक्ष्वाकुवंश – *Ikṣvākuvaṁśa.*
A dynasty originated from Lord Adinath.
भगवान आदिनाथ से यह वंश प्रारम्भ हुआ।

इच्छा – *Icchā.*
Desire, Will.
अभिलाषा, कामना।

इच्छाकार – *Icchākāra.*
Principle of voluntarism related to religious observances, A reverence paying word for junior Jain saints (*Kshullak* etc.).
सम्यग्दर्शनादि शुद्ध परिणाम व व्रतादिक शुभपरिणामों में हर्ष होना एवं अपनी इच्छा प्रवर्तना यह इच्छाकार है। ऐलक, क्षुल्लक व क्षुल्लिका तीनों की विनय के लिये 'इच्छाकार' या 'इच्छामि' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

इच्छादेवी – *Icchādevī.*
A female deity resident of *Ruchakvar* mountain
रुचकवर पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी।

इच्छानिरोध – *Icchānirodha*
Controlling of desires.
इच्छाओं का रोध करना।

इच्छानिषेध – *Icchāniṣedha.*
Prohibition of desires
इच्छाओं को रोक देना।

इच्छानुलोमनी – *Icchānulomanī*
Desirous, To be like others.
अनुभय वचन का एक भेद, जैसे– 'जैसा यह है वैसा मुझको होना चाहिये'।

इच्छानुलोमा – *Icchānulomā.*
Natural desire.
अनुभयवचन का एक भेद-मुझको भी ऐसा ही होना चाहिये, ऐसी इच्छा को प्रकट करने वाले वचन।

इच्छापरिमाण – *Icchāparimāṇa.*
Limitation of desires.
परिग्रह परिमाण– इसमें स्वर्ण, दास आदि बाह्य परिग्रह का परिमाण किया जाता है।

इच्छाराशि – *Icchārāśi*
Assumed quantity
त्रैराशिक गणित विधि की एक राशि–अपनी इच्छा से रखी गयी राशि।

इज्या – *Ijyā*
Substitute word for worshipping method.
पूजा विधि का पर्यायवाची शब्द, अर्हन्त भगवान की भक्ति करना

इतरनिगोद – *Itaranigoda.*
A type of *Nigod* related to 4 *Gatis*
जो नित्य निगोद से निकलकर अन्य पर्याय या जन्म धारण कर फिर निगोद में जाते हैं, इसे चतुर्गति निगोद भी कहते हैं।

इतरेतराभाव – *Itaretarābhāva.*
Mutual/reciprocal state of non-existance. Respective absence.
अन्योन्याभाव–पुद्गल द्रव्य की एक वर्तमान पर्याय में दूसरे पुद्गल की वर्तमान पर्याय का अभाव होना।

इतरेतराश्रय – *Itaretarāśraya*
Mutual dependency.
अन्योन्याश्रय–कारण का कार्य के व कार्य का उसी कारण के आश्रय होना यह एक दोष है।

इति – *Iti.*
End, Conclusion
इति शब्द के अनेक अर्थ हैं जैसे – समाप्ति, इस प्रकार आदि।

इतिवृत्त – *Itivṛtta.*
Synonym of *Itihas* (history)
इतिहास का पर्यायवाची है।

इतिहास – *Itihāsa.*
History
'इति इह आसीत्' यहाँ ऐसा हुआ-ऐसी अनेक भूतकालीन कथाओं का जिसमें निरूपण होता है उसे इतिहास कहते हैं। इतिवृत्त और ऐतिह्य इसके अपरनाम हैं।

इत्थं स्वरूप – *Ittham Svarūpa*
Definite/regular configuration.
इस प्रकार का स्वरूप।

इत्य – *Itya*
Here
यहाँ।

इत्वरिका – *Itvarikā.*
Licentious women
व्यभिचारिणी स्त्री।

इत्वरिका अपरिगृहीतागमन – *Itvarikā Aparigṛhītāgamana.*
An infraction of vow of celibacy
ब्रह्मचर्य अणुव्रत का एक अतिचार, बिना वियाही व्यभिचारिणी स्त्री से हास्यादि संबंध रखना।

इत्वरिकागमन – *Itvarikāgamana.*
Visiting an immoral woman.
ब्रह्मचर्य अणुव्रत का एक अतिचार, व्यभिचारिणी स्त्री के यहाँ आना जाना।

इत्वरिका परिगृहीतागमन – *Itvarikā Parigṛhītāgamana.*
Enjoying married woman.
ब्रह्मचर्य अणुव्रत का एक अतिचार, विवाहित व्यभिचारिणी स्त्री से हास्यादि संबंध रखना।

इन्द्रक निगोद – *Indraka Nigoda.*
Dwelling places of hellish beings
नरकों के इन्द्रक बिल।

इन्द्रच्छन्द – *Indracchanda.*
A radiant garland (string of pearls) worn by *Indra*, *Chakravarti* etc.
एक दैदीप्यमान हार, इसे इन्द्र, चक्रवर्ती आदि धारण करते हैं।

इन्द्रजाल – *Indrajāla.*
Dancing of *Indra*, Illusion, Deception.
विलक्षण क्रियाओं से युक्त इन्द्र का नृत्य, मायाजाल।

इन्द्रनीलमणि – *Indranīlamaṇi.*
Blue jewel, Sapphire.
नीलम रत्न : समवशरण में धूलिसाल कोट की रचना पद्मराग और इन्द्रमणि से की जाती है।

इन्द्रविधिदान क्रिया – *Indravidhidāna Kriyā.*
An auspicious and sacred act (to handover the duties by *Indra*).
45 वीं गर्भान्वय क्रिया-इस क्रिया में इन्द्र पद को प्राप्त जीव नम्रीभूत देवों को अपने अपने पदों पर नियुक्त करता है।

इन्द्रसुखोदय क्रिया – *Indrasukhodaya Kriyā.*
An auspicious and sacred act (to empower deities with super power reg heavenly space vehicles by *Indra*)
36 वीं गर्भान्वय क्रिया - इस क्रिया में इन्द्रपद को प्राप्त जीव देवों को अपने अपने विमानों की ऋद्धि प्रदान करता है।

इन्द्रिय निग्रह – *Indriya Nigraha.*
See - *Indriya Rodha.*
देखें - इंद्रिय रोध।

इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष – *Indriyārtha Sannikarṣa.*
Sensual close contact with objects producing knowledge
इन्द्रियों का पदार्थ के संपर्क से ज्ञान होना।

इन्द्रियावलोकन अब्रह्म – *Indriyāvalokana Abrahma.*
Attraction towards the beauty of ladies.
स्त्रियों के मनोहर अंगों को राग भाव से देखने रूप कुशील।

इभ – *Ibha*
Elephant, one of the 14 jewels of *Chakravarti.*
हाथी, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में एक सजीव रत्न।

इभकर्ण – *Ibhakarṇa.*
Name of a demigod.
एक वटवृक्षवासी यक्ष।

इभपुर – *Ibhapura.*
Former name of Hastinapur.
हस्तिनापुर का पूर्व नाम।

इभवाहन – *Ibhavāhana.*
Elephant as a conveyance.
हाथी रूप वाहन। सौधर्म इन्द्र ऐरावत हाथी पर बैठकर भगवान के कल्याणक में आते हैं।

इभ्या – *Ibhyā.*
Worshipping.
पूजन।

इला – *Ilā.*
Name of a summit and a female deity.
हिमवान पर्वत का कूट तथा रुचकवर पर्वत की दिक्कुमारी देवी।

इषुगति – *Iṣugati.*
Straight motion, Bow - like motion.
सरल अर्थात् धनुष से छूटे हुए बाण के समान मोड़ रहित गति।

इष्ट – *Iṣṭa.*
Desired.
जिसे वादी व प्रतिवादी सिद्ध करना चाहें।

इष्ट देवता – *Iṣṭa Devatā.*
Omniscient Lord, Desired deity
वीतरागी, सर्वज्ञ, हितोपदेशी अर्हंत देव।

इष्ट वियोग – *Iṣṭa Viyoga.*
Separation from the desired one.

इष्ट व प्रिय चेतन–अचेतन पदार्थ का बिछुड़ जाना ।

इष्ट वियोगज – *Iṣṭa Viyogaja*

Origination of sorrow by the separation of desired one.

इष्ट पदार्थ के वियोग होने पर उत्पन्न होने वाला दुःख । उसकी प्राप्ति की सतत चिन्ता करना दूसरा आर्तध्यान है ।

इष्टविषयसेवन अब्रह्म – *Iṣṭaviṣayasevana Abrahma.*

To be loose charactered

मर्यादा रहित इच्छा के अनुसार कामसेवन के भाव से आना जाना, खाना, पीना, संगति करना, उठना बैठना आदि ।

इष्ट संयोग – *Iṣṭa Saṁyoga.*

Coincidence with desired

इष्ट व प्रिय चेतन–अचेतन पदार्थ का मिलना ।

इष्ट साधन – *Iṣṭa Sādhana.*

Desired means.

वादी जिस साधन से साध्य को सिद्ध करना चाहे ।

इष्टानिष्ट – *Iṣṭāniṣṭa.*

Auspicious & inauspicious

शुभ व अशुभ ।

इष्टोपदेश – *Iṣṭopadeśa.*

Name of a book written by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद कृत 51 श्लोक प्रमाण आध्यात्मिक ग्रन्थ ।

इष्वाकार – *Iṣvākāra.*

Name of four mountains (straight like an arrow).

धातकीखंड व पुष्करार्ध द्वीपों की उत्तर–दक्षिण दिशाओं में एक–एक पर्वत है इस प्रकार 4 इष्वाकार पर्वत उन द्वीपों को आधे–आधे भाग में विभाजित करते हैं ।

इहभविक – *Ihabhavika.*

Of this world.

इस लोक का ।

इहलोकाशंसा प्रयोग – *Ihalokāśaṁsā Prayoga.*

Desire to become a king etc. related to this world.

इस लोक से संबंधित आकांक्षा होना ।

ई

ई – *I*

The fourth vowel of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का चतुर्थ स्वर ।

ईख – *Ikha.*

Sugar-cane.

गन्ना, इक्षु ।

ईति–भीति – *Iti-Bhīti.*

Calamities and fears

संकट व भय ।

ईप्सित – *Īpsita.*

Desired by the heart.

मनवांछित ।

ईर्या – *Īryā.*

Movement, Manner of moving

गति, गमन, योग ।

ईर्यापथ आस्रव – *Īryāpatha Āsrava.*

A type of *Karmic* flow

जो कर्म वर्गणा मात्र योगों से आये, कषाय का उदय न हो, वह 11 वें, 12 वें व 13 वें गुणस्थान में होता है ।

ईर्यापथकर्म – *Īryāpathakarma.*

Flow of non - binding *Karmas.*

योग से जिन कर्मों का आस्रव होता है पर बंध नहीं होता, अगले भव में बिना फल दिये ही झड़ जाते हैं ।

ईर्यापथ क्रिया – *Īryāpatha Kriyā.*

Act of walking carefully.

सूक्ष्म जीवों आदि को जमीन आदि पर देखते हुए चलना ।

ईर्यापथशुद्धि – *Īryāpathaśuddhi.*

Carefulness in walking

जीव दया के लिये 4 हाथ आगे देखकर चलना ।

ईर्यापथिक – *Īryāpathika.*

A type of repentance (*Pratikraman*)

7 प्रकार के प्रतिक्रमणों में एक भेद ।

ईर्यासमिति – *Īryāsamiti.*

Carefulness in walking.

देखें – ईर्यापथशुद्धि, यह मुनियों का एक मूलगुण है, 5 समितियों में प्रथम समिति ।

ईशान – *Īśāna.*

Name of a direction '*Disha*', Name of a heavenly mode.

पूर्वोत्तर कोण वाली विदिशा (एक दिशा का नाम), कल्पवासी स्वर्गों का दूसरा कल्प ।

ईशान इन्द्र – *Īśāna Indra.*

A celestial deity, the 2nd one among all 12 types of *Indras.*

ईशान स्वर्ग के उत्तर दिशा के श्रेणीबद्ध विमान में ईशान नाम का दूसरा कल्पवासी इन्द्र रहता है।

ईशित्व ऋद्धि - *Iśitva Ṛddhi*

A miraculous power of supremacy.

जैन ऋद्धि के प्रभाव से साधु को सारे जगत पर प्रभुत्व करने की शक्ति प्राप्त हो।

ईश्वर - *Iśvara*

God, Lord

अनन्तज्ञानादि परम ऐश्वर्य को प्राप्त करने वाले अर्हन्त और सिद्ध परमात्मा

ईश्वरकारणिक - *Iśvarakāraṇika.*

One who holds that God is the creator of universe

ईश्वर को सृष्टि निर्माता मानने वाला।

ईश्वरवाद - *Iśvaravāda*

Deism, Theism (related to faith in God).

एक एकांत मत जो आत्मा को ज्ञान रहित व असमर्थ एवं आत्मा के सुख-दुख, स्वर्ग-नरकादि सर्व ईश्वर द्वारा किया मानता है।

ईश्वरवादी - *Iśvaravādī*

Believer in God, Theist.

ईश्वरवाद को मानने वाला, जो ईश्वर को कर्ता व फलदाता मानते हैं।

ईश्वरसेन - *Iśvarasena.*

Name of an *Acharya.*

नंदिषेण प्रथम के शिष्य एवं नंदिषेण द्वितीय के गुरु।

ईषत् - *Iṣat*

Faintly, A little.

किंचित्।

ईषत्प्राग्भार - *Iṣatprāgbhāra.*

Slightly bent. Slightly concave, The 8th land above *Teenlok* (all three worlds).

तीन लोक के ऊपर 8वी भूमि, 45 लाख योजन चौड़ी सिद्धशिला।

ईषत्संसार - *Iṣatsaṁsāra.*

World of non-salvated beings but free from birth-death cycle.

अर्हतावस्था या संयोगकेवली की पुनः जन्म न होने से जीवनमुक्त अवस्था एवं अभी मोक्ष न होने से ईषत्संसार है।

ईसवी संवत् - *Īsavī Saṁvat.*

The Christian era

यह ईसामसीह के स्वर्गवास के बाद यूरोप में प्रचलित हुआ, इसकी स्थापना वीर निर्वाण के 527 वर्ष और विक्रम संवत् के 57 वर्ष पश्चात् हुई है।

ईहा - *Īhā.*

Keen desire, Curiosity, Speculation.

अवग्रह के द्वारा जाने गये पदार्थ के विषय में विशेष जानने की इच्छा या जिज्ञासा।

ईहावरणीय कर्म - *Īhāvaraṇīya Karma.*

An obscuring *karma* of keen desire or curiosity.

जिज्ञासा एवं इच्छाओं को रोकने वाला कर्म जिसके तीव्र क्षयोपशम से पदानुसारी बुद्धि प्राप्त होती है।

उ

उ - *U.*

The fifth vowel of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का पांचवा स्वर।

उक्त - *Ukta.*

Expressed. Mentioned, Spoken

कहा हुआ पदार्थ।

उक्त अवग्रह - *Ukta Avagraha.*

Expressed apprehension

मतिज्ञान का एक भेद, कहे हुए पदार्थ का ग्रहण होना।

उक्तग्राही - *Uktagrāhī*

Expressed grasping

देखें - उक्त अवग्रह।

उक्ति कौशल - *Ukti Kauśala.*

Art of speech

भाषणकला।

उक्षध्वज - *Ukṣadhvaja.*

Flags of *Samavasharana* (assembly of Lord Arihant).

वृषभाकृतियों से चिन्हित समवशरण की ध्वजाऐं।

उग्र - *Ugra.*

Fierce, Harsh

आतंकमय, तेज।

उग्रतप - *Ugratapa.*

A type of supernatural power.

एक ऋद्धि।

उग्रवंश - *Ugravaṁśa.*

Name of an ancient dynasty, Name of the dynasty of Lord Parshvanath

एक पौराणिक वंश, भगवान आदिनाथ के समय में स्थापित वंश, काश्यप राजा प्रथम उग्रवंशी हुआ, पार्श्वनाथ भगवान के वंश का नाम।

उग्रसेन - *Ugrasena.*

Name of the father of Rajul - who was going to be married with Lord Neminath, A king of Mathura.

राजुल (जिनका विवाह भगवान नेमिनाथ के साथ होना निश्चित हुआ था) के पिता, मथुरा का राजा व कंस के पिता।

उग्रादित्य - *Ugrāditya.*

Name of a *Brahmin* leader.

पूर्वार्द्ध के एक ब्राह्मण आचार्य (ई.सन् 828), जिन्होंने 'कल्याणकारक' नामक एक वैद्यक ग्रंथ लिखा।

उग्रोग्रतप - *Ugrogratapa.*

A type of supernatural power (of fasting with mental control in increasing order).

उग्र तप ऋद्धि का एक भेद – जीवन पर्यंत तीन गुप्ति सहित होकर एक-एक दिन अधिक वृद्धि के साथ उपवास करना ।

उच्च – *Ucca*
High, Lofty.
उत्कृष्ट, ऊँचा, उन्नत ।

उच्चकुल – *Uccakula.*
Noble class. Higher sect.
लोकपूजित या लोक मान्य कुल ।

उच्चगोत्र – *Uccagotra*
High status, an exogamous sub-division of caste group.
गोत्रकर्म का एक भेद ।

उच्चगोत्र कर्मप्रकृति – *Uccagotra Karmaprakṛti*
A type of *karmic* nature (reg. higher status)
वह कर्म जिसके उदय से लोक पूजित या लोक मान्य कुल में जन्म हो ।

उच्चत्व – *Uccatva.*
Superiority, Excellence, High
उत्कृष्टपना, उन्नतपना ।

उच्चपद – *Uccapada.*
The supreme place i.e. place of salvation.
उच्च स्थान, मोक्ष ही उच्च पद है ।

उच्चस्थान – *Uccasthāna.*
Requesting for occupying high seat to a saint for taking food (one of the *Navdha Bhakti*).
नवधा भक्ति में द्वितीय भक्ति, इसमें पात्र को पड़गाहन के पश्चात् उच्चस्थान पर बैठने के लिये निवेदन किया जाता है ।

उच्चाटन – *Uccaṭana.*
Driving away (by magical mean), Alienating, Estranging
एक प्रकार का जादू टोना, जादू मंत्र चलाना ।

उच्चार – *Uccāra.*
Pronunciation, Excretion.
वचनों का उच्चारण, विष्ठा को उच्चार कहते हैं ।

उच्चारण – *Uccāraṇa.*
Pronunciation
कथन करना, उद्घोषणा ।

उच्चारण वृत्ति – *Uccāraṇa Vṛtti.*
Name of a treatise
कषाय पाहुड के चूर्णिसूत्रों के आधार पर उच्चारणाचार्य द्वारा विस्तृत उच्चारण वृत्ति एवं आचार्य वप्पदेव द्वारा संक्षिप्त उच्चारण वृत्ति लिखी गई ।

उच्चारणाचार्य – *Uccāraṇācārya.*
Name of an *Acharya.*
एक आचार्य जिन्होंने कषाय पाहुड के चूर्णिसूत्रों के आधार पर उच्चारण वृत्ति नामक टीका लिखी ।

उच्चार प्रस्रवण समिति – *Uccāra Prasravaṇa Samiti.*
Excreting at purified place (with lacking of beings)
निर्जंतुक स्थान पर मलमूत्र विसर्जन करना ।

उच्छादन – *Ucchādana*
Concealing, Hiding
छिपाना ।

उच्छिष्टावली – *Ucchiṣṭāvalī*
Fragmentary period of time
कर्मों की स्थिति घटते-घटते जो आवली मात्र स्थिति शेष रह जाये उसका नाम उच्छिष्टावली है ।

उच्छेद – *Uccheda.*
Annihilation, Uprooted, Removal
उखाड़ देना, मूलोच्छेदन

उच्छेदवाद – *Ucchedavāda.*
Nihilism, Annihilationism
शून्यवाद, मूलोच्छेदन अथवा उखाड़ देना आदि का सिद्धान्त ।

उच्छ्रेणी – *Ucchreṇī.*
Vertical line (of development)
विकास, वृद्धि रेखा ।

उच्छ्वास – *Ucchvāsa.*
Pulse - beating, Respiration
साँस लेने को उच्छ्वास कहते हैं ।

उच्छ्वास नामकर्म प्रकृति – *Ucchvāsa Nāmakarma Prakṛti.*
A type of *karmic* nature causing respiration
वह नामकर्म जिसके उदय से उच्छ्वास चलता है ।

उच्छ्वास निःश्वासप्राण – *Ucchvāsa Niḥśvāsaprāṇa.*
Respiration
10 प्राणों में एक प्राण, शरीर नामकर्म के उदय से प्राप्त श्वासोच्छ्वास की प्रवृत्ति में कारणभूत शक्ति ।

उच्छ्वास-पर्याप्ति – *Ucchvāsa-Paryāpti.*
Completion of respiratory power
आहारवर्गणा के परमाणुओं को श्वासोच्छ्वासरूप परिणमन कराने में कारणभूत जीव की शक्ति की पूर्णता ।

उछव – *Uchava*
Rejoicing, festivity, ceremony
उत्सव, धर्मप्रभावना रूप रथयात्रा इत्यादि को भी उछव कहा जाता है ।

उज्जह दोष – *Ujjaha Doṣa.*
A fault of *Samadhimarana* (holy death).
समाधिमरण कराने वाला निर्यापक साधु यदि अकेला हो और वह आहारादि को जावे तो समाधिमरण करने वाले क्षपक साधु का मन विचलित हो जावे तो धर्म का अपयश हो, ऐसा दोष उज्जह दोष है ।

उज्जैनी – *Ujjaini.*

Present Ujjain city. where one of the 5 special names (Aliveer) of Lord Mahavira was given by a *Rudra*

प्राचीन मालवा देश की राजधानी, वर्तमान उज्जैन। यहाँ के श्मशान में ध्यानलीन भगवान महावीर के ऊपर रुद्र ने उपसर्ग किया था पुन. इन्हें अविचल देखकर चरणों में नत हो महतिमहावीर (अतिवीर) नाम प्रदान किया था। इसी प्रकार और भी अनेक ऐतिहासिक घटनाएं उज्जैन नगरी से जुड़ी हुई हैं।

उज्ज्वलित – *Ujjvalita.*

Made bright. Radiant, The 7th layer *(Patal)* of the 3rd hell

प्रकाशवान, दीप्तिमान, तीसरे नरक का सातवाँ पटल।

उज्झनशुद्धि – *Ujjhanaśuddhi.*

Purity of conduct, Detachment from worldly life.

दर्शन, ज्ञान व चारित्र शुद्धियों में एक शुद्धि, पुत्र, स्त्री, परिवार आदि से ममत्व का त्याग करना।

उञ्छवृत्ति – *Uñchavṛtti.*

Livlihood by collecting the remaining food-grains from the field after harvesting.

फसल कटने के बाद खेत से धान्य को बीनकर लाना एवं पकाकर खाना उञ्छवृत्ति कहलाती है। जीवंधर स्वामी की माँ रानी विजया ने 16 वर्ष तक तापसियों के आश्रम में रहकर उञ्छवृत्ति से जीवन यापन किया था, ऐसी कथा का जीवंधर चंपू में वर्णन है।

उडुपालन – *Uḍupālana.*

A king of *Vidyadhar* dynasty.

एक विद्याधर राजा जो पुत्र को राज्य सौंपकर दीक्षित हो गया था।

उत्कट – *Utkaṭa.*

Exceeding the actual measure, Vast, A king of *Rakshas* dynasty.

वास्तविक माप से अधिक, राक्षस वंश का एक राजा।

उत्कटुक – *Utkaṭuka.*

A sitting posture

बैठने की एक मुद्रा।

उत्कर – *Utkara.*

Wooden sawdust, Powder

आरी से लकड़ी को चीरने पर जो बुरादा निकलता है उसका नाम उत्कर है।

उत्करण काल – *Utkaraṇa Kāla*

Destructional or reducing period of *Karmic* powers.

कापदक–कर्मों की स्थिति, बंध, अनुभाग सत्व घटाने का काल।

उत्कारिकासन तप – *Utkārikāsana Tapa*

A type of sitting austerity.

कायक्लेश तप का एक भेद – ऊपर को संकुचित होकर बैठना।

उत्कर्षण – *Utkarṣaṇa.*

Up - traction or increase in period of *karmas.*

कर्मों की स्थिति (अनुभाग) को बढ़ाना।

उत्कल – *Utkala.*

Name of a state

उड़ीसा देश (वर्तमान का उड़ीसा प्रदेश)।

उत्कलिका – *Utkalikā*

Present city - Belgaon & Dharvad

भीमरथ और कृष्णगीरथ (कृष्णा) नदी के बीच का प्रदेश जो अब बेलगाँव व धारवाड़ कहलाता है।

उत्कीरण काल – *Utkiraṇa Kāla.*

Destructional or reducing period of *Karmic* powers.

कुल अनुभाग के कापदक करके उन्हें घातार्थ जिस अन्तर्मुहूर्त काल में स्थापित किया जाता है, उसे उत्कीरण काल कहते हैं।

उत्कीर्ण – *Utkīrṇa.*

Carved, Engraved

उभारना, बाहर निकालना।

उत्कीलन – *Utkīlana.*

A divine medicinal remedy.

एक दिव्य औषधि, जिसके द्वारा कीलित व्यक्ति को उत्कीलित किया जाता था।

उत्कृष्ट – *Utkṛṣṭa.*

Eminent, Excellent.

सर्वोच्च, श्रेष्ठ, उत्तम।

उत्कृष्ट अनन्तानन्त – *Utkṛṣṭa Anantānanta.*

Maximal endlessly endless, Infinitely infinite.

उत्कृष्ट अनंत, केवलज्ञान के अविभागी प्रतिच्छेदों के प्रमाण बराबर राशि।

उत्कृष्ट असंख्यात संख्यात –

Utkṛṣṭa Asaṁkhyāta Saṁkhyāta.

An infinitely infinite number.

जघन्य परीतानंत की संख्या से एक कम।

उत्कृष्ट आयु – *Utkṛṣṭa Āyu.*

Highest age time.

देव व नारकी की उत्कृष्ट आयु 33 सागर है तथा मनुष्य – तिर्यंचों की 3 पल्य है। कर्मभूमि में एक करोड़ पूर्व वर्ष है।

उत्कृष्ट कृष्टि – *Utkṛṣṭa Kṛṣṭi.*

Extreme & superior *Krishti* (gradual destruction of passions).

सबसे अधिक अनुभाग सहित अंतिम उत्कृष्ट कृष्टि है।

उत्कृष्ट क्षायिकलब्धि – *Utkṛṣṭa Kṣāyikalabdhi.*

Achievement of omniscience by destruction of *karmas.*

केवलज्ञान की प्राप्ति जिसमें उत्कृष्ट संख्या अविभाग प्रतिच्छेदों की होती है।

उत्कृष्ट चारित्र – *Utkṛṣṭa Cāritra.*

Exalted conduct, the highest state.

अति उच्च चारित्र।

उत्कृष्टता – *Utkṛṣṭatā*

Magnificence, superiority.

संदीपकता ।

उत्कृष्टपरीतानंत – *Utkṛṣṭaparītānanta.*
An uncountable number
जघन्ययुक्तानंत की संख्या से एक कम ।

उत्कृष्टयुक्तानंत – *Utkṛṣṭayuktānanta.*
An uncountable number.
जघन्य अनंतानंत की संख्या से एक कम ।

उत्कृष्ट विभक्ति – *Utkṛṣṭa Vibhakti.*
Highest division
समस्त निषेकों के प्रदेशों के काल को उत्कृष्ट स्थिति विभक्ति कहते हैं ।

उत्खनक – *Utkhanaka.*
Excavator.
खोदने वाला, उकेरने वाला ।

उत्खनन – *Utkhanana.*
Quarring, excavation.
खोदना ।

उत्तंस – *Uttaṁsa.*
A superior diamond engraved crown.
किरीट से भी उत्तम कोटि का रत्नजड़ित मुकुट ।

उत्तम – *Uttama.*
Superior, Supreme, Highest.
सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम, उच्चतम ।

उत्तम क्षमा – *Uttama Kṣamā*
Supreme forbearance (forgiveness).
10 धर्मों में पहला धर्म, क्रोध की उत्पत्ति के निमित्त मिलने पर परिणामों में मलिनता न होना ।

उत्तम जाति – *Uttama Jāti.*
Super cast of *Indra, Chakravarti, Arihant* & salvated soul.
उत्तम जाति चार हैं– दिव्या, विजयाश्रिता, परमा एवं स्वा । इन्द्र के दिव्या जाति, चक्रवर्ती की विजयाश्रिता, अर्हन्त भगवान की परमा एवं मुक्त जीवों की स्वा जाति होती है ।

उत्तम श्रावक – *Uttama Śrāvaka.*
Votary possessing vow of 10th & 11th *Pratima.*
10 वीं व 11 वीं प्रतिमाधारी व्रती ।

उत्तम संहनन – *Uttama Saṁhanana.*
Best osseous structure.
वज्रऋषभनाराच संहनन : जिसमें वज्र के समान दृढ़ नसें, कीलें व हाड़ हों ।

उत्तम स्थान – *Uttama Sthāna.*
Salvation, The supreme place.
सर्वोत्तम, श्रेष्ठ स्थान, मोक्ष ।

उत्तमा – *Uttamā*
Name of a female deity.
यक्ष जाति के व्यंतरों के इन्द्र पूर्णभद्र की मुख्य देवी का नाम ।

उत्तमार्थ – *Uttamārtha.*
A type of repentance, recounting the unexpiated sins (reg. whole life) and repenting for them.
प्रतिक्रमण का एक भेद, जन्म से मरणपर्यंत लगे हुए दोषों की शुद्धि करना ।

उत्तमार्थ प्रतिक्रमण – *Uttamārtha Pratikramaṇa*
Recounting the unexpiated sins (reg. whole life) and repenting for them
जन्मपर्यंत लगे हुए दोषों की शुद्धि करना, समाधि के समय किया गया प्रतिक्रमण । यह प्रतिक्रमण सल्लेखना के समय साधक द्वारा किया जाता है ।

उत्तमार्थ मरण – *Uttamārtha Maraṇa*
The best holy death (*Samadhi*)
उत्तम प्रयोजन जो मोक्ष है, उसकी साधना करने वाले साधक का समताभाव से आत्मध्यान करते हुए मरण होना अर्थात् समाधिमरण ।

उत्तम्भक – *Uttambhaka.*
Exciting condition
उत्तेजक स्थिति ।

उत्तर – *Uttara.*
Answer, Result, Name of the protecting deity of south *Ghratvar* island, A deity of *Shatar* heaven.
दक्षिण घृतवर द्वीप का रक्षक देव, शतार स्वर्ग का एक देव ।

उत्तरकल्प – *Uttarakalpa.*
Northern part of heavens.
स्वर्गों का उत्तर भाग ।

उत्तरकालीन – *Uttarakālīna.*
Subsequent.
बाद या भविष्य में उत्पन्न होने वाला ।

उत्तरकुमार – *Uttarakumāra.*
The son of king Virat.
राजा विराट का पुत्र, अर्जुन ने इसे सारथी बनाकर कौरवों से युद्ध किया था ।

उत्तरकुरु – *Uttarakuru.*
Best enjoying land in *Videh Kshetra* (a region).
विदेह क्षेत्र में स्थित एक क्षेत्र जहाँ उत्तम भोगभूमि होती है ।

उत्तरगुण – *Uttaraguṇa.*
Secondary virtues of saints.
मूलगुणों के अतिरिक्त पाले जाने वाले गुण उत्तरगुण कहलाते हैं। जैसे–मुनियों के 84 लाख गुण ।

उत्तरगुणनिर्वर्तना – *Uttaraguṇanivartanā.*
Substratum of the secondary attributes like painting on wooden place etc.
अजीवाधिकरण का एक भेद, लकड़ी वगैरह पर चित्र आदि बनाना।

उत्तरचर हेतु – *Uttaracara Hetu.*
Something causing accomplishment of the past in present.
पूर्व में जो हो गया है उसकी वर्तमान में सिद्धि करने वाला हेतु ।

उत्तरचूलिका – *Uttaracūlikā.*
An infraction of paying reverence (reg. criticism).
वन्दना का एक अतिचार, वन्दना को थोड़ी ही देर में समाप्त करके उसकी चूलिकारूप आलोचनादि को अधिक समय तक करना ।

उत्तरदिशा – *Uttaradiśā*
North direction
एक दिशा का नाम ।

उत्तरधन – *Uttaradhana.*
Common sum.
चयधन-एक कम पद के आधे का चय से और गच्छ से गुणा करने पर प्राप्त राशि ।

उत्तरपुराण – *Uttarapurāṇa.*
Name of a treatise written by *Acharya* Gunbhadra.
आचार्य गुणभद्र (ई. 898) कृत संस्कृत में अजितनाथ भगवान से महावीर भगवान तक चरित्र ग्रंथ ।

उत्तरप्रकृति – *Uttaraprakṛti.*
Secondary *karmic* nature, Secondary species (of *Karmas*)
मूल कर्म 8 है उनकी भेदरूप 184 कर्म प्रकृतियाँ ।

उत्तरप्रकृति विपरिणमना –
Uttaraprakṛti Vipariṇamanā.
Transition of secondary *karmic* nature.
सत् का अवस्थान्तर की प्राप्ति करना, जो प्रकृति देश या सर्व संक्रमण के द्वारा अन्य प्रकृति में संक्रमण को प्राप्त करायी जाये।

उत्तरप्रतिपत्ति – *Uttarapratipatti.*
Secondary treatise or exposition (except *Acharya*'s preaching)
आचार्य परम्परागत उपदेशों से बाहर की भिन्न श्रुतियाँ ।

उत्तर प्रत्यय – *Uttara Pratyaya.*
Subsidiary conditions.
प्रत्यय आस्रव को कहते हैं, मिथ्यात्व, अविरति, कषाय, योग के उत्तर भेद 57 को उत्तर प्रत्यय कहते हैं ।

उत्तरभाद्रपदा – *Uttarabhādrapadā.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र, तीर्थंकर विमलनाथ ने इसी नक्षत्र में जन्म लिया था।

उत्तरमीमांसा – *Uttaramīmāṁsā.*
A type of *Hindu* philosophical system.
मीमांसा दर्शन का एक भेद, इसे ब्रह्म मीमांसा या वेदांत भी कहते हैं।

उत्तरमुख – *Uttaramukha.*
Turned towards north.
कायोत्सर्ग, सामायिक आदि शुभकार्य उत्तर दिशा की ओर मुख करके करना ।

उत्तर वैक्रियक – *Uttara Vaikriyaka.*
Transformable protean body (variant).
मूल शरीर को छोड़कर पृथक् विक्रिया से बने शरीर ।

उत्तर व्रत – *Uttara Vrata.*
Subsidiary vows (secondary).
श्रावक के मूलगुण 8 होते हैं, अहिंसादि 12 व्रत उत्तर व्रत हैं ।

उत्तर हेतु – *Uttara Hetu.*
Secondary variable hypothesis.
पूर्व में जो हो चुका है उसकी वर्तमान से सिद्धि ।

उत्तराध्ययन – *Uttarādhyayana.*
A type scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
अंगबाह्य श्रुतज्ञान का एक भेद ।

उत्तरफाल्गुनी नक्षत्र – *Uttaraphālgunī Nakṣatra.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र, भगवान महावीर का गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान इसी नक्षत्र में हुआ था ।

उत्तराभाद्रपद नक्षत्र –
Uttarābhādrapada Nakṣatra
Name of a lunar
एक नक्षत्र का नाम ।

उत्तराभिमुख – *Uttarābhimukha.*
See - *Uttaramukha.*
देखें - उत्तरमुख ।

उत्तरार्ध (कूट) – *Uttarārdha (Kūṭa).*
Name of summits of *Vijayardha* mountain of *Bharat* & *Eravat* region.
भरत क्षेत्र के विजयार्ध पर्वत का 8वाँ एवं ऐरावत क्षेत्र के विजयार्ध पर्वत का दूसरा कूट ।

उत्तरायण – *Uttarāyaṇa.*
The Sun's northward progress.
सूर्य के अंतिम वीथी में स्थित होने से उत्तरायण, माघ माह से (मकर संक्रांति से) आषाढ माह तक (183 दिन) सूर्य उत्तरायन रहता है ।

उत्तरायन – *Uttarāyana.*
Movements towards north side (of Sun etc).
संचार, सूर्य का 6 माह (1 अयन) उत्तर दिशा की ओर संचार करना ।

उत्तराषाढ़ नक्षत्र – *Uttarāṣāṛha Nakṣatra.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र, ऋषभदेव का जन्म और दीक्षा इसी नक्षत्र में हुई थी ।

उत्तरित – *Uttarita.*
An infraction of meditative relaxation (standing with head upwords)
कायोत्सर्ग का एक अतिचार, सिर को ऊपर उठाकर खड़े होना।

उत्तरेन्द्र – *Uttarendra.*
Name of *Indras.*
भवनवासी, व्यंतर देवों के दो-दो इन्द्रों में दूसरे नम्बर का इन्द्र एवं 16 स्वर्गों के 12 इन्द्रों में दूसरे नम्बर का इन्द्र ।

उत्तरोत्तर कर्म प्रकृति – *Uttarottara Karma Prakṛti.*
Secondary *karmic* nature.
148 उत्तर कर्म प्रकृतियों के भी भेद-प्रभेद ।

उत्तानशय्यासन तप – *Uttānaśayyāsana Tapa.*
An austerity (reg sleeping with face upword)
कायक्लेश तप का एक भेद, ऊपर को मुख करके सोना ।

उत्तिंग – *Uttinga*
Very tender worms.
अति सुकुमार ईलि कृमि को उत्तिंग कहते हैं ।

उत्तुंग – *Uttunga.*
Lofty tapering, Highest
ऊँचा, उच्च ।

उत्थान – *Utthāna.*
Rising up, Awakening
ऊपर चढ़ना, उन्नति, उद्गम ।

उत्थितनिविष्ट – *Utthitanivista.*
A type of meditative relaxation (with wrong conceptions)
कायोत्सर्ग का एक भेद, ध्यान में खड़े हुए भी आर्त–रौद्र (खोटे) विचारों का चिन्तवन करना ।

उत्थितोत्थित – *Utthitotthita.*
A type of meditative relaxation in standing posture
कायोत्सर्ग का एक भेद, कायोत्सर्ग में खड़े होकर धर्म-शुक्ल ध्यानों का चिन्तवन करना ।

उत्पत्ति – *Utpatti.*
Origination, Birth.
जीवों की उत्पत्ति अर्थात् जन्म लेना ।

उत्पन्न – *Utpanna.*
Produced, Born
जन्मा अथवा पैदा हुआ ।

उत्पन्न स्थान सत्त्व – *Utpanna Sthāna Sattva.*
Reforming of *Karmas* by reducing *Karmic Sthiti*
पूर्व पर्याय में जो उद्वेलना व बिना उद्वेलना से सत्त्व हुआ है उसका उत्तर पर्याय में उत्पन्न होना। वहाँ उत्तर पर्याय में उस सत्त्व को उत्पन्न स्थान में सत्त्व कहा है ।

उत्पल – *Utpala.*
A summit of *Padma Hrada* (a lake).
पद्म ह्रद में स्थित एक कूट ।

उत्पलगुल्मा – *Utpalagulmā.*
Name of a *Vapi* (like large lakes) of *Nandan* forest of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के नंदनवन की पहली वापी ।

उत्पला – *Utpalā.*
Name of a *Vapi* (like large lakes) of *Nandan* forest of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के नंदन वन की तीसरी वापी ।

उत्पलांग – *Utpalāṅga.*
A time unit.
84 लाख अटट प्रमाण काल ।

उत्पलोज्ज्वला – *Utpalojjvalā.*
Name of a *Vapi* (like large lake) of *Sumeru* mountain
सुमेरु पर्वत के पूर्व-दक्षिण दिशा स्थित वापी ।

उत्पाद – *Utpāda.*
Product, origination of any matter into new existance
द्रव्य का अपनी पूर्व अवस्था को छोड़कर नवीन अवस्था को प्राप्त करना ।

उत्पाद अनुच्छेद – *Utpāda Anuccheda.*
Something emphasizing the destructibility of a substance in the state of its existence
द्रव्यार्थिक नय के आधार से जो सद्भाव की अवस्था में ही विनाश को स्वीकार करता है ।

उत्पादक – *Utpādaka.*
Producer, Manufacturer, Grower
बनाने वाला या उत्पन्न करने वाला ।

उत्पाद पूर्व – *Utpāda Pūrva.*
First early canon of Jaina, a type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुत ज्ञान के 14 पूर्वों में से प्रथम पूर्व, जीव पुद्गल आदि का जहाँ जैसा उत्पाद होता है उस स्वरूप वर्णन जिसमें हो ।

उत्पाद–व्यय–ध्रौव्य – *Utpāda-Vyaya-Dhrauvya.*
Production, destruction & permanence (these are three characteristics of matter).
उत्पत्ति, विनाश और ध्रुवत्व (स्थाईपना) जो द्रव्य के तीन लक्षण होते हैं

उत्पीडन – *Utpīḍana.*
Oppression, Harassment
आघात करना, दबाना ।

उत्प्रेक्षा – *Utprekṣā.*
A figure of speech, Comparison, Illustration.
एक अर्थालंकार, इसमें भेदज्ञानपूर्वक उपमेय में उपमान की प्रतीति होती है ।

उत्संज्ञासंज्ञा – *Utsaṃjñāsaṃjñā.*
Group of infinite molecules, an area unit.
क्षेत्र प्रमाण का एक भेद, अपर नाम – अवसन्नासन्न, अनन्तानन्त परमाणुओं का समूह ।

उत्सन्न – *Utsanna.*
Extinct, Ruined.
नष्ट, उजड़ा हुआ, विलुप्त ।

उत्सरण – *Utsaraṇa.*
Progression, Increasing
उत्कर्षण, स्थिति बंध बढ़ाकर एक-एक अन्तर्मुहूर्त समान बंध करना ।

उत्सर्ग – *Utsarga.*
Abandoning, Sacrifice, Excretion
त्याग, मलमूत्र त्याग ।

उत्सर्गपद्धति – *Utsargapaddhati*

A supreme dedicational system (of omniscient etc.) for getting salvation.
मोक्षमार्ग की वह पद्धति जिसमें वज्रवृषभनाराच प्रथम संहनन से ही ध्यान अथवा मोक्ष होता है।

उत्सर्गमार्ग – *Utsargamārga.*

Path of renunciation, a path of conduct of Jaina saints
जैन मुनियों के चारित्र के दो भेदों में प्रथम भेद – जहाँ पूर्ण त्याग होकर शुद्धोपयोग रूप वीतराग संयम हो।

उत्सर्गलिंग – *Utsargalinga.*

Form of unclothedness (of *Digambar* Jaina saints)
जैन साधु का द्रव्य (दिगम्बर) लिंग।

उत्सर्पिणी – *Utsarpiṇī.*

A large period of time, progressive half cycle, ascending cycle of time.
जिस काल में जीवों की आयु, बल, ऊँचाई आदि का उत्तरोत्तर विकास होता है. इसके 6 भेद हैं।

उत्साह – *Utsāha.*

Earnestness, Enthusiasm, Name of the 15th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of past era
उमंग, इच्छा, भूतकालीन 15 वें तीर्थंकर (उत्साहनाथ)।

उत्सेध – *Utsedha.*

Height.
ऊँचाई।

उत्सेधांगुल – *Utsedhāngula.*

A length unit
8 जौ प्रमाण माप, इससे जीवों के शरीर की ऊँचाई, देवों के निवास स्थान व नगरादि का प्रमाण मापा जाता है।

उदंबरफल – *Udambaraphala.*

Figs, Fruits of ficus genus class
उमर, कठूमर, पाकर, बड़, पीपल आदि वृक्षों के फल. ये त्रस जीवों के उत्पत्ति स्थान होने से अभक्ष्य हैं।

उदंक – *Udanka.*

Name of the 8th predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord).
ये भावी चौबीसी के आठवें तीर्थंकर हैं।

उदक – *Udaka.*

Water, Name of a mountain in the southern of *Lavan* ocean, Name of a peripatetic deity of lower universe.
जल, लवण समुद्र की दक्षिण दिशा के समीप का पर्वत, पश्चिम दिशा सम्बन्धी पाताल के शंख पर्वत का व्यंतर देव।

उदकवर्ण – *Udakavarṇa.*

Name of the 24th planet.
88 ग्रहों में 24 वाँ ग्रह।

उदकावास – *Udakāvāsa.*

Name of a mountain & a protecting deity of *Mahashankh* mountain in *Lavan* ocean.
लवण समुद्र में स्थित एक पर्वत एवं महाशंख पर्वत के रक्षक देव का नाम।

उदधि – *Udadhi.*

The ocean, Name of the daughter of Duryodhan.
समुद्र, दुर्योधन की पुत्री।

उदधिकुमार – *Udadhikumāra.*

A type of *Bhavanvasi* deity
भवनवासी देवों का एक भेद

उदधिरक्ष – *Udadhiraksa*

A king of *Rakshas* dynasty
राक्षस वंश का एक राजा।

उदय – *Udaya.*

Rising (of Sun etc.), Frution (of *Karmas*), Name of the 19th planet
सूर्य का उदित होना, द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के अनुरूप कर्मों के फल का प्राप्त होना, 88 ग्रहों में 19 वाँ ग्रह।

उदयकाल – *Udayakāla.*

Frution period, maturity time (of *Karmas*).
नियत काल : कर्म के उदय स्थान जिस समय उदय योग्य है उस ही काल में उदय होना।

उदयगुणश्रेणी आयाम – *Udayaguṇaśreṇī Āyāma.*

Rising geometric progression length (reg. specific *karmic* aggregate).
उदय रूप निषेकों में गुणकार क्रम से अपकर्षित द्रव्य दिया जाता है उन निषेकों की संख्या का प्रमाण।

उदयचन्द्र – *Udayacandra.*

Name of an *Acharya* of *Nandi* group, Name of a poet.
नन्दीसंघ (देशीयगण) की नयकीर्ति शाखा के एक गुरु, अपभ्रंश कवि – इनकी प्रधान कृति 'सुअंधदहमीकहा' है (समय ई. सन् 1150 – 1186)।

उदय त्रिभंगी – *Udaya Tribhangi.*

Rising tricombination (reg. *Karmas*).
उदय व्युच्छित्ति, उदय और अनुदय को उदय त्रिभंगी कहते हैं।

उदयदेव – *Udayadeva.*

Name of an *Acharya.*
वादीभसिंह की उपाधि से अलंकृत एक दिगम्बर आचार्य (ई. 770–860)।

उदय निष्पन्न – *Udaya Nispanna.*

Produced, Risen completely.
पूर्ण उदय।

उदयपर्वत – *Udayaparvata.*

Name of a city in the southern *Vijayardha* mountain.
विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

उदय व्युच्छित्ति – *Udaya Vyucchitti.*

Lack of *Karmic* fruition in future time.

उदय का आगे अभाव, जिस गुणस्थान में जितनी प्रकृतियों की उदय व्युच्छित्ति हो उनका उदय उसी गुणस्थान तक है, आगे नहीं।

उदयसेन – *Udayasena.*
Name of the disciple of '*Acharya* Gunsen-I'.
गुणसेन प्रथम के शिष्य तथा नरेन्द्रसेन के सधर्मा (ई. 1098)।

उदयसेन मुनि – *Udayasena Muni.*
Name of a Jaina-saint.
एक दिगम्बर मुनि, पं. आशाधर के शिष्य।

उदयस्थान – *Udayasthāna.*
Place of origination, fruition (reg. *Karmas*).
अपने फल के उत्पन्न करने में समर्थ कर्म अवस्था।

उदया – *Udayā.*
A king of *Shishunag* dynasty
शिशुनाग वंश का एक राजा।

उदयादि अवस्थित गुणश्रेणी आयाम –
Udayādi Avasthita Guṇaśreṇī Ayāma
A kind of stable geometric progression length related to *Karmic* destruction.
परिणामों की विशुद्धि की वृद्धि से अपवर्तनाकरण के द्वारा उपरितन स्थिति से हीन करके अन्तर्मुहूर्त काल तक प्रतिसमय उत्तरोत्तर असंख्यातगुणित वृद्धि के क्रम से कर्म प्रदेशों की निर्जरा के लिये जो रचना होती है

उदयादित्य – *Udayāditya.*
Name of a king and a Kannad poet.
भोजवंशी राजा जयसिंह के पुत्र (नरवर्मा के पिता, मालवा देश के राजा–ई. 1058-1093), उदयादित्यालंकार के रचयिता एक कन्नड कवि (ई.1150)।

उदयापन्न – *Udayāpanna.*
To be in operation (of *Karmic* fruition).
उदय को प्राप्त।

उदयाभाव – *Udayābhāva.*
Lack of fruition of *karma*.
कर्म उदय का अभाव।

उदयाभावी क्षय – *Udayābhāvī Kṣaya.*
Destruction of *karmas* without their fruition.
बिना फल दिये आत्मा से कर्मों का संबंध छूट जाना।

उदयावली – *Udayāvalī.*
A smallest time unit related to fruition of *Karmas*.
वर्तमान समय से लेकर आवली मात्र काल तक उदय आने योग्य कर्मों के निषेक।

उदराग्नि – *Udarāgni.*
Fire of hunger, an affliction to be beared by Jaina saints.
क्षुधा की बाधा, क्रोध, काम, उदर इन तीन अग्नियों में तीसरी अग्नि, इसमें मुनिजन अनशन की आहुति देकर आत्मयज्ञ करते हैं।

उदराग्नि प्रशमन वृत्ति –
Udarāgni Praśamana Vṛtti.
Pacification of hunger
साधु वृत्ति, उदराग्नि का निःस्वाद भोजन से प्रशमन करना (मिटाना)।

उदात्त – *Udātta.*
Noble and great one.
उच्च, उन्नत।

उदार – *Udāra.*
Munificent, Liberal, Generous
दानशील, मुक्तहृदय।

उदासीन – *Udāsīna*
Passive, Indifferent, Neutral.
तटस्थ, निःस्पृह, तत्त्ववेत्ता, जगत के समस्त तत्त्वों में मैं और मेरापन का संकल्प न होना।

उदासीन कारण – *Udāsīna Kāraṇa.*
Reasons of passiveness and neutrality
ऐसे कारण जो प्रेरक न हों जैसे धर्म अधर्म आदि द्रव्य जीव – पुद्गल की क्रिया में उदासीन कारण हैं।

उदासीन निमित्त – *Udāsīna Nimitta.*
Passive cause, cause having neutrality
देखें – उदासीन कारण। निष्क्रिय कारण।

उदाहरण – *Udāharaṇa.*
Example, Illustration.
दृष्टांत सहित किसी बात को कहना।

उदाहृत – *Udāhṛta.*
Exemplified.
दृष्टांत या उदाहरण दिया हुआ।

उदितपराक्रम – *Uditaparākrama.*
New strength, A king of *Ikshvaku* descendant
नया जोश, इक्ष्वाकु वंश का एक राजा।

उदीची – *Udīcī.*
North direction.
उत्तर दिशा।

उदीचीन – *Udīcīna.*
Northern.
उत्तर दिशा की ओर मुड़ा हुआ, उत्तर दिशा से संबंध रखने वाला।

उदीच्य – *Udīcya.*
North direction.
उत्तर दिशा।

उदीरक – *Udīraka.*
Who is involved in fruitional operations of *Karmas*.
उदीरणा करने वाला, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय और अंतराय इन तीन कर्मों की उदीरणा करने वाले (मिथ्यादृष्टि से लेकर क्षीण कषाय पर्यंत) जीव उदीरक कहलाते हैं।

उदीरणा – *Udīraṇā.*
Premature fruition of *Karmas*

स्थिति बिना पूरी किये ही कर्मों का फल देना ।

उदीरणा मरण – *Udīraṇā Maraṇa.*
See - *Kadalighāta (Maraṇa).*
देखे – कदलीघात (मरण) ।

उदीरणा व्युच्छित्ति – *Udīraṇā Vyucchitti.*
Lack of fruition of *karmas.*
जिन कर्मों की उदीरणा किसी गुणस्थान तक हो, आगे न हो, उदीरणा का अभाव ।

उदीर्ण – *Udīrṇa.*
That have passed from fruitional operation (regarding *Karmic* matter)
फलदान रूप से परिणत हुआ कर्म – पुद्गल स्कन्ध ।

उदुम्बरी – *Udumbarī.*
A river of *Bharat Kshetra* (a region).
भरत क्षेत्र की एक नदी ।

उद्दावण – *Uddāvaṇa.*
Causing turmoil to living beings.
जीवों को सताना, मारना आदि उपद्रव उद्दावण (उत्तापन) कहलाते है ।

उद्दिष्ट – *Uddiṣṭa.*
Intended, Purposeful, With motive.
जिसका विचार किया हो, उद्देश्य बंधा हो, नियत की हुई हो ।

उद्दिष्टत्याग प्रतिमा – *Uddiṣṭatyāga Pratimā.*
The 11th *Pratimā* (model stage) of renunciation of specific food
11 वीं प्रतिमा, जिसमें अपने निमित्त बनाये भोजन लेने का त्याग होता है ।

उद्देश – *Uddeśa.*
A subdivision of chapter, Enunciation
निर्देश विवेचनीय वस्तु के केवल नामोल्लेख करने को उद्देश कहते हैं ।

उद्देशिक – *Uddeśika.*
See - *Uddiṣṭa.*
देखे – उद्दिष्ट ।

उद्देश्य – *Uddeśya.*
Aim, Intention.
विवक्षित धर्म, लक्ष्य ।

उद्देश्यता – *Uddeśyatā.*
Aimful subject.
उद्देश्य में रहने वाला धर्म जैसे घट में घटत्व ।

उद्देश्यतावच्छेदक – *Uddeśyatāvacchedaka.*
One who divides the conceptions
एक धर्मी को अन्य धर्मी से व्यावृत्त करने वाला 'ता' प्रत्यय युक्त धर्म विशेष ।

उद्धत – *Uddhata.*
Arrogant, Haughty, Rude
ढीठ, घमंडी, व्यवहार हीन ।

उद्धभाषण – *Uddhabhāṣaṇa.*
True speech
सत्यव्रत की 5 भावनाओं में एक भावना – आगमानुकूल वचन बोलना, इसे अनुवीचिभाषण भी कहते हैं ।

उद्धारक – *Uddhāraka.*
Saviour, Deliverer
उद्धार करने वाला ।

उद्धारदेव – *Uddhāradeva.*
Name of the 10th *Tīrthaṅkar* (Jaina-Lord) of past time.
भूतकालीन चौबीसी के आठवें तीर्थंकर (उद्धरनाथ) ।

उद्धारपल्य – *Uddhārapalya.*
A time unit, A pit-measured unit.
काल का एक प्रमाण, पल्य के 3 भेदों में एक भेद, इससे द्वीप - समुद्रों का माप किया जाता है

उद्धार समय – *Uddhāra Samaya.*
A time period of deliverance (salvation).
मोक्ष प्राप्ति का समय काल ।

उद्धारसागर – *Uddhārasāgara.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण, 10 कोड़ाकोड़ी उद्धारपल्योपम काल का एक उद्धारसागर होता है ।

उद्दीपन – *Uddīpana.*
Provocation, Illumination, Stimulus.
उत्तेजक, प्रकाशन ।

उद्धृत – *Uddhṛta.*
Partial quantity, selected.
भाग की हुई राशि, निकाला हुआ, चयन किया हुआ ।

उद्बन्धन – *Udbandhana.*
Annihilation, Total destruction.
लोप करना, पूर्ण विनाश करना ।

उद्भज्ज – *Udbhajja.*
Sprouting plant.
अंकुरण वाली वनस्पति ।

उद्भव – *Udbhava.*
A king of *Yadu* dynasty, Origination, Evolution.
यदु (यादव) वंश का एक राजा, उत्पत्ति, रचना, स्रोत ।

उद्भवन – *Udbhavana.*
Exposure, Origination.
उद्भव होना ।

उद्भाव – *Udbhāva.*
Origination, Production, Appearance.
उत्पत्ति, सन्तति, उत्पादन ।

उद्भावन – *Udbhāvana.*
Enlightening.
प्रकाश करना ।

उद्भेदिम – *Udbhedima.*
A type of five - sensed - beings.
पंचेन्द्रिय जीवों का एक भेद, उद्भेदिम ।

उद्भ्रान्त – *Udbhrānta.*
Astray, Erring, Confused, Name of the fifth *Paṭal* (layer) of the first hell.
भ्रमित होना, प्रथम नरक का पाँचवा पटल ।

उद्यवन – *Udyavana.*
Devotion of soul towards true knowledge
आत्मा की सम्यग्दर्शनादि परिणति होना ।

उद्यानगृह – *Udyānagṛha.*
Garden, Hermitage
बगीचा ।

उद्यापन – *Udyāpana.*
Vow completing ceremony
किसी व्रत के पूर्ण होने के पश्चात दानादि के साथ किया जाने वाला अनुष्ठान ।

उद्योत – *Udyota.*
Cold effulgence, Radiance, Lustre.
चन्द्रमा, मणि (चन्द्रकांत मणि), जुगनू आदि के निमित्त से जो प्रकाश पैदा होता है उसे उद्योत कहते हैं ।

उद्योतकर – *Udyotakara.*
One who creates light, A founder of judicial literary.
उद्योत (प्रकाश) करने वाला, नैयायिकमत के एक साहित्य प्रवर्तक ।

उद्योत नामकर्म प्रकृति – *Udyota Nāmakarma Prakṛti.*
A *karmic* nature causing effulgence (lustrous) body.
जिसके निमित्त से शरीर में उद्योत होता है ।

उद्योतन – *Udyotana.*
Fair conception (free from any doubt, desire etc.)
शंका, कांक्षा आदि दोषों को दूर करना, इसको सम्यक्त्वाराधना कहते हैं ।

उद्योत शुद्धि – *Udyota Śuddhi.*
Careful act of walking (in day light).
सूर्य के प्रकाश में जब साफ भूमि दिखने लगे तब मुनि 4 हाथ भूमि देखकर चलते हैं इसे ही उद्योतशुद्धि कहते हैं ।

उद्वर्तन – *Udvartana.*
Rising up (from lower living state)
नरकगति व भवनत्रिकदेवगति से निकलना एवं उद्धार होना ।

उद्दिष्ट त्याग प्रतिमा – *Uddiṣṭa Tyāga Pratimā.*
The 11th *Pratima* (model stage) of devotees.
श्रावकों की 11 वीं प्रतिमा, गृहत्याग करके जीवनपर्यंत उद्दिष्ट आहार का त्याग कर देना, इस प्रतिमा के धारक ऐलक–क्षुल्लक कहलाते हैं ।

उद्वेग – *Udvega.*
Anxiety, Restlessness
इष्ट के वियोग में विकल भाव या घबराहट का भाव होना अर्थात् चिन्ता, खेद, विस्मय आदि का होना ।

उद्वेध – *Udvedha*
Particular width
पृथ्वी तल पर या बीच में चौड़ाई ।

उद्वेलन – *Udvelana.*
Perturbation, Perplexity, Something related to *Karmic* nature
बंधी हुई प्रकृति को परिणामों की विशेषता से अन्य प्रकृति रूप परिणमन कर नष्ट कर देना

उद्वेलनसंक्रमण – *Udvelanasaṁkramaṇa.*
Transition of *karmic* nature.
उद्वेलन 13 प्रकृतियों में किसी एक के परमाणुओं को उद्वेलन भागहार का भाग देकर एक भाग मात्र परमाणुओं को अन्य प्रकृतिरूप परिणमन करा देना ।

उनचास – *Unacāsa.*
Forty-nine
एक संख्या, संख्यात्मक, रज्जुप्रतर, रज्जु², $(7)^2 = 49$ । एक बार सम्मेदशिखर की वंदना करने वाला भव्य जीव अधिकतम 49 भव में नियम से मोक्ष प्राप्त करता है ।

ऊनोदर – *Unodara*
Semi-fasting, Under-eating, less food taking than appetite.
भूख से कम खाना । अपरनाम अवमौदर्य ।

उन्नततर *Unnatatara.*
Higher elevation.
उत्तुंग ।

उन्नीस – *Unnīsa.*
Nineteen.
19, देशावधि की क्रमिक वृद्धि के 19 काण्डक ।

उन्मग्नजला नदी – *Unmagnajalā Nadī*
Name of a river of *Vijayārdha* mountain.
विजयार्ध पर्वत की तमिस्र गुफा में बहने वाली नदी, इसे उन्मग्न इसलिये कहते हैं कि यह अपने जल में पड़े हुए द्रव्य को डुबाती नहीं है ।

उन्मग्ना – *Unmagnā.*
See - *Unmagnajalā Nadī.*
देखें – उन्मग्नजला नदी, इसके तट पर भरतेश की सेना ने विश्राम किया था ।

उन्मज्जन – *Unmajjana.*
Swimming, floating.
जल में तैरना ।

उन्मत्त – *Unmatta.*
Insane, Intoxicated, An infraction in posture of meditation

पागल, नशे में धुत, कायोत्सर्ग का एक अतिचार।

उन्मत्तजला - *Unmattajalā.*
A *Vibhanga* river of east *Videh* (a region)
पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी।

उन्मादी - *Unmādī.*
Fanatic, Mad man, Insane
पागल या विक्षिप्त व्यक्ति।

उन्मान - *Unmāna.*
Weighing instruments, Balance metric.
तराजू आदि द्रव्यों को ऊपर उठाकर जिनसे तौला जाता है वे तराजू आदि उन्मान हैं।

उन्मार्ग - *Unmarga.*
Wrong path, Bad conduct.
खोटा मार्ग, कुत्सित आचरण।

उन्मार्गगामी श्रमण - *Unmārgagāmī Śramaṇa.*
Demoralized saints
कुमार्गगामी या खोटे आचरण वाला साधु।

उन्मुंड - *Unmuṇḍa.*
A king of *Yadu* dynasty
यदु (यादव) वंश का एक राजा, कृष्ण के भाई बलदेव का ज्येष्ठ पुत्र।

उन्मुख - *Unmukha.*
Raising the face, Looking upwards, Name of 9th *Narad* (a sage) of present era
चेहरा उठाना, ऊपर देखना, नवम नारद - इनकी आयु कृष्ण के बराबर एक हजार वर्ष की थी।

उपकरण - *Upakaraṇa.*
Equipments, Apparatus, Instruments, Aids.
जिसके द्वारा उपकार किया जाता है उसे उपकरण कहते हैं।

उपकरण बकुश - *Upakaraṇa Bakuśa.*
A kind of saints having attachment in their articles.
बकुश मुनि का एक भेद, जिन साधुओं की आसक्ति पिच्छी-कमंडलु, शास्त्र आदि उपकरण की शोभा बढ़ाने में होती है।

उपकरण संयोगाधिकरण -
Upakaraṇa Saṃyogādhikaraṇa.
Contrary connection (or mixing) of requisites.
ठंडे बर्तन में गर्म वस्तु डालना, गर्म में ठंडी वस्तु डालना आदि।

उपकरणार्जन - *Upakaraṇārjana.*
Acquisition of means (articles).
उपकरण को प्राप्त करना।

उपकल्कि - *Upakalki.*
Rebellious kings who act against religion.
अवसर्पिणी के पंचम काल में प्रत्येक एक हजार वर्ष के बाद एक-एक कल्की तथा प्रत्येक 500 वर्ष के बाद एक-एक उपकल्की जन्म लेता है, ये धर्मद्रोही राजा होते हैं।

उपकार - *Upakāra.*
Beneficence, favour, Kindness.
भला, अनुग्रह, धर्म द्रव्य गतिरूप से तथा अधर्मद्रव्य स्थिति रूप से जीव और पुद्गल का उपकार करते हैं।

उपकारक - *Upakāraka.*
Beneficial, Helpful, Benefactor
उपकार करने वाला द्रव्य

उपकारी - *Upakārī.*
Beneficent, Good, Kindful
उपकार करने वाला।

उपकार्य-उपकारक संबंध -
Upakārya-Upkāraka Sambandha.
Beneficial relation
संबंध का एक भेद, जिस पर उपकार हो वह उपकार्य और जो उपकार करे वह उपकारक।

उपकृति - *Upakṛti.*
Obligation.
अनुग्रह, आभार।

उपक्रम - *Upakrama.*
An initial stage, Undertaking, A type of persuance in accordance with natural matters.
किसी कार्य को प्रारम्भ करना, प्रकृत-पदार्थ को श्रोताओं की बुद्धि में बैठा देना उपक्रम है, इसका दूसरा नाम उपोद्घात भी है।

उपगूहन - *Upagūhana.*
Protection, An act of safeguarding of other's faults and Increasing self virtues
सम्यग्दर्शन के 8 अंगों में 5 वाँ अंग, अपनी आत्मा के गुणों को बढ़ाना व दूसरों के दोषों को ढकना।

उपग्रह - *Upagraha.*
Satellites, Assistance, Encouragement
द्रव्य की शक्ति का आविर्भाव करने में कारण होना रूप, उपकार करना।

उपघात - *Upaghāta.*
False accusation
प्रशंसनीय ज्ञान में दूषण लगाना।

उपघात नामकर्म प्रकृति -
Upaghāta Nāmakarma Prakṛti.
A type of *karmic* nature (reg. harming self).
जिस कर्म के उदय से अपने अंगों से अपना घात हो।

उपचय - *Upacaya.*
Addition.
जोड़, अभिवृद्धि।

उपचरित - *Upacarita.*
Figurative usage (reg. unreal interpretation of matters).
अन्य वस्तु के धर्म को प्रयोजनवश अन्य वस्तु में आरोपित करना।

उपचरित-असद्भूतव्यवहार नय -
Upacarita - Asadbhūtavyavahāra Naya.
A type of figurative conception/perception.

जो सर्वथा भिन्न पदार्थों को अभेदरूप करे या माने जैसे यह मेरा मकान है ।

उपचरित व्यवहार – *Upacarita Vyavahāra.*

See - *Upacarita Svabhāva*

देखें – उपचरित स्वभाव

उपचरित सद्भूत व्यवहार नय – *Upacarita Sadbhūta Vyavahāra Naya.*

A figurative standpoint (reg. different virtues like sensory knowledge etc.).

उपाधि सहित गुण व गुणी में भेद को विषय करने वाला नय जैसे जीव के मतिज्ञान आदि गुण ।

उपचरित स्वभाव – *Upacarita Svabhāva.*

Formal nature

स्वभाव का भी अन्यत्र उपचार करना ।

उपचार – *Upacāra.*

Conventional usage (reg. unreal interpretation of matters)

अन्य वस्तु के धर्म को प्रयोजनवश अन्य वस्तु में आरोपित करना ।

उपचारकथन – *Upacārakathana.*

Formal statement.

व्यवहार कथन– 'कर्म जीव के स्वभाव का पराभव करता है' ऐसा कहना ।

उपचारछल – *Upacārachala*

Formal deceitful behaviour. Metaphoric presentation.

उपचार अर्थ में मुख्य अर्थ का निषेध करके वक्ता के वचनों का निषेध करना ।

उपचार नय – *Upacāra Naya.*

See - *Upacarita Asadbhūta Vyavahāra Naya.*

देखें – उपचरित असद्भूत व्यवहार नय ।

उपचार विनय – *Upacāra Vinaya.*

Formal respect, Reverential homage.

आचार्य आदि के समक्ष आने पर खड़े हो जाना, उनके पीछे-पीछे चलना और नमस्कार आदि करना ।

उपचितावयन पद – *Upacitāvayana Pada.*

Specified terms of organ diseases etc.

रोगादि के निमित्त मिलने पर किसी अवयव के बढ़ जाने से जो नाम बोले जाते हैं जैसे गलगंड, लम्बकर्ण आदि ।

उपदेश – *Upadeśa.*

Spiritual instruction, Preaching.

स्वाध्याय तप का एक भेद ।

उपदेशदर्शनाचार्य – *Upadeśadarśanācārya.*

A type of *Aryas* (noble persons).

ऋद्धि प्राप्त दर्शनार्य का एक भेद ।

उपदेश रुचि – *Upadeśa Ruci.*

Right belief generated by a sermon, preaching.

उपदेश सम्यक्त्व – तीर्थंकर आदि महापुरुषों के जीवन चरित्र को सुनकर जो सम्यग्दर्शन होता है ।

उपदेशसम्यक्त्वार्य – *Upadeśasamyaktvārya.*

A type of *Aryas* (noble persons) who get right faith by the preaching of saints.

ऋद्धि प्राप्त आर्य जिन्हें त्रिषष्ठि शलाका पुरुषों के पुराण (वृतान्त) के उपदेश से तत्वार्थ श्रद्धान उत्पन्न हुआ है ।

उपद्रवण – *Upadravaṇa.*

Sudden disturbance, Turmoil, Trouble

षट्काय के जीव समूह को दुःख देना, मारना आदि उपद्रव करना ।

उपधातु – *Upadhātu.*

Bodily humour (phlegm, wind, bile).

औदारिक शरीर में वात, पित्त, श्लेष्म, शिरा, स्नायु, चर्म, उदराग्नि ये 7 उपधातु हैं ।

उपधान – *Upadhāna.*

Religious observances.

आचाम्ल आहार, निर्विकृति आहार आदि शास्त्र में जो क्रिया कही हो उसका नियम करना ।

उपधि – *Upadhi.*

Non-essential qualities of soul

बाह्य और आभ्यंतर परिग्रह ।

उपनंदन – *Upanandana.*

A part of *Nandan* forest

नंदन वन का एक खण्ड ।

उपनय – *Upanaya.*

To show similarity between two objects by illustration.

पक्ष और साधन में दृष्टांत की सदृशता दिखाने को उपनय कहते हैं । जैसे – यह पर्वत भी वैसा ही धूमवान् है । अर्थात् दृष्टांत की अपेक्षा लेकर पक्ष में हेतु का दोहराना ।

उपनयाभास – *Upanayābhāsa.*

Subsequent fallacy, Wrong statement

उपनय का अयथाक्रम से कथन करना अर्थात् उपनय की जगह निगमन का व निगमन की जगह उपनय का कथन करना ।

उपनिषद भाष्य – *Upaniṣada Bhāṣya.*

A book written by 'Sureshvarji'.

वेदान्त साहित्य प्रवर्तक शंकर के शिष्य सुरेश्वर (ई. 820) कृत एक ग्रंथ ।

उपनीति – *Upanīti*

An auspicious and sacred act (performing sanctifying rites as sacred threading ceremony etc.)

गर्भान्वय एवं दीक्षान्वय क्रियाओं से संबंधित एक क्रिया, इसमें देवता एवं गुरु की साक्षी पूर्वक मुंडन, व्रतबंधन आदि संस्कार किये जाते हैं ।

उपनीति क्रिया – *Upanītikriyā.*

See - *Upanīti.*

देखें – उपनीति ।

उपन्यास – *Upanyāsa.*
Placing near or together, A novel
निकट रखना, मनोरंजक कथारूप पुस्तक ।

उपपत्ति – *Upapatti*
Evolution, Origination, Demonstration
आविर्भाव, कारण, हेतु, प्राप्ति ।

उपपत्तिसमा – *Upapattisamā*
Parity per logical ground.
पक्ष व विपक्ष दोनों ही कारणों की, वादी और प्रतिवादियों की यहाँ सिद्धि हो जाना ।

उपपात – *Upapāta*
See - *Upapāda.*
देखें - उपपाद

उपपाद – *Upapāda.*
Instantaneous birth of Infernal beings, celestial deities etc
उत्पत्ति, जन्म, देव और नारकियों का जन्म

उपपाण्डुक – *Upapaṇḍuka.*
A part of *Panduk* forest.
पाण्डुक वन का एक खण्ड ।

उपपादक्षेत्र – *Upapādaksetra.*
Regional place of birth (of *Indras* etc.).
उपपाद का क्षेत्र ।

उपपादगृह – *Upapādagṛha.*
Place of birth of *Indras* etc.
स्वर्ग के इन्द्र की उत्पत्ति का गृह, यह मानस्तम्भ के पास आठ योजन चौड़ा, इतना ही लम्बा, ऊँचा होता है ।

उपपादज – *Upapadaja.*
Hellish and heavenly souls - Infernal beings, *Indras* etc.
उपपाद जन्म से उत्पन्न होने वाले देव-नारकी ।

उपपादयोग स्थान – *Upapādayoga Sthāna.*
The place of soul before Incarnation .
योगों का स्थान अर्थात् आत्मा के प्रदेशों का सकंप जो नवीन शरीर धारण करने के पहले समय में होता है ।

उपपादसभा – *Upapādasabhā.*
Hall of genesis (origin) .
कल्पवासी देवों के चैत्यालय में सुधर्मा सभा के ईशान दिशा में उपपाद सभा है ।

उपपार्श्वसभा – *Upapārśvasabhā.*
Subplace (a hall) in the residence of peripatetic deities
व्यंतर देवों के भवनों में पश्चिम उत्तर दिशा में स्थित एक गृह ।

उपबृंहक – *Upabṛṃhaka.*
See - *Upagūhana*
आत्मगुणों को बढ़ाने वाला, देखें - उपगूहन ।

उपबृंहण – *Upabṛṃhaṇa.*
Strengthening faith, Development of one's spiritual qualities.
क्षमादि भावनाओं के द्वारा आत्मगुणों की वृद्धि करना अपरनाम उपगूहन ।

उपभोग – *Upabhoga.*
Consumption, Enjoyment of non consumable things
वस्त्र, अलंकार आदि उपभोग कहलाते हैं अर्थात् भोग करके फिर भोगने योग्य होना ।

उपभोगपरिभोग – *Upabhogaparibhoga.*
Consumption, Enjoyment .
वस्त्र, आभूषण आदि बारबार भोगने वाली वस्तु को उपभोग एवं खान-पान आदि एक बार भोगने वाली वस्तु को परिभोग (भोग) कहते हैं ।

उपभोग-परिभोग-परिमाण व्रत –
Upabhoga-Paribhoga-Parimāṇa Vrata.
Vow of limiting consumption and enjoyment
4 शिक्षाव्रतों का एक भेद, कुछ समय अथवा जीवन पर्यंत के लिये उपभोग-परिभोग पदार्थों का परिमाण करना ।

उपभोगपरिभोगानर्थक्य –
Upabhogaparibhogānarthakya
Accumulation of consumable and non consumable things beyond one's needs.
अनर्थदंड विरति का एक अतिचार, उपभोग-परिभोग से अधिक परिग्रह करना ।

उपभोग लोभ – *Upabhoga Lobha.*
Greediness (in consumption etc.)
लोभ का एक भेद, उपभोग वस्तुओं के प्रति आसक्ति ।

उपभोगान्तराय कर्मप्रकृति –
Upabhogāntarāya Karmaprakṛti.
Obstructive *karmas* of enjoyment
अंतराय कर्म का एक भेद, जो उपभोग पदार्थों के उपयोग में बाधा डाले ।

उपमन्दिर – *Upamandira.*
Subshrine .
चल मन्दिर, चैत्यालय आदि ।

उपमा – *Upamā.*
Simile .
समरूपता, समानता ।

उपमाकाल – *Upamākāla.*
A division of time unit .
व्यवहार पल्य, उद्धार पल्य, अद्धा पल्य उपमाकाल है ।

उपमान – *Upamāna.*
Analogy, Comparison, An object of comparison, A type of Mathematics
प्रसिद्ध पदार्थ की तुल्यता से साध्य के साधन को उपमान कहते हैं।

उपमान–उपमेय संबंध – *Upamāna-Upameya Saṁbaṁdha.*
Mutual relation between the objects of comparison.
वह संबंध जिससे किसी की तुलना की जाये वह उपमान एवं जो तुलना करने के योग्य हो वह उपमेय ।

उपमा प्रमाण – *Upamā Pramāṇa.*
Simile regarding measure (mathematical measurement)
लोकोत्तर मान के द्रव्यमान के दो भेदों में एक भेद, इसके पल्य, सागर, सूच्यंगुल, प्रतरांगुल, घनांगुल, जगतश्रेणी, जगत्प्रतर, लोक ये 8 भेद हैं ।

उपमा मान – *Upamā Māna.*
See - *Upamā Pramāṇa* .
देखें – उपमा प्रमाण ।

उपमा लोक – *Upamā Loka.*
Simile regarding universe
समरूप लोक ।

उपमा सत्य – *Upamā Satya.*
Truth with comparison (simile)
सत्य वचन के 10 भेदों में एक भेद, किसी असदृश पदार्थ की समानता किसी पदार्थ को देकर कहना ।

उपमिति – *Upamiti.*
Comparative knowledge
सादृश्य से प्राप्त वस्तुज्ञान ।

उपमिति भवप्रपंच कथा – *Upamiti Bhavaprapaṁca Kathā.*
A book written by '*Shvetambaracharya* Siddhirthi'
श्वेताम्बराचार्य सिद्धिर्षि (ई सन् 905) द्वारा रचित एक ग्रन्थ ।

उपमेय – *Upameya.*
Something comparable .
समानता या तुलना करने के योग्य ।

उपयुक्तदोष – *Upayuktadoṣa.*
A fault of hermitage.
वसतिका का एक दोष ।

उपयुक्त नोआगम भाव मंगल – *Upayukta Noāgama Bhāva Maṁgala.*
That which are suitable in volitional auspiciousness.
जो आगम के बिना ही मंगल के अर्थ में उपयुक्त है ।

उपयोग – *Upayoga.*
Conscious activity, Applied/functional consciousness, Cognition
जीव का लक्षण, चेतना की ज्ञान–दर्शन रूप परिणति ।

उपयोग (शुद्ध) – *Upayoga (Śuddha).*
Pure attention .
रागादि विकल्पों से रहित आत्मा की निश्चल दशा ही शुद्धोपयोग है ।

उपयोग (शुभ) – *Upayoga (Śubha).*
Gracious attention
दया, दान, पूजा, व्रत, शील आदि रूप शुभ रागरूप परिणाम होना ।

उपयोग आत्मा – *Upayoga Ātmā.*
Soul with right knowledge
स्व–पर को ग्रहण करने में लिप्त जीव एवं उसके परिणाम ।

उपयोग विशुद्ध – *Upayoga Viśuddha.*
See - *Upayoga Śuddha*
देखें – उपयोग शुद्ध ।

उपयोगिता क्रिया – *Upayogitā Kriyā*
An auspicious and sacred activity
दीक्षान्वय की एक क्रिया, पर्व के दिन उपवास में रात्रि के समय प्रतिमा योग धारण करके ध्यान करना ।

उपरत – *Uparata*
Alienated, one detached from worldly objects
विरक्त ।

उपरतबंध – *Uparatabaṁdha.*
Free from bondag of age *karma* .
ऐसा प्रकृति आयु का बंध जिसका पूर्व में बंध हुआ हो लेकिन वर्तमान काल में बंध नहीं हो रहा हो ।

उपराग – *Uparāga.*
Colour, Coloration, Darkening, Eclipse
रंगीन, लाली आदि से युक्त ।

उपरितन कृष्टि – *Uparitana Kṛṣṭi*
A type of *krishti* (gradual destruction of passions)
चरम, द्विचरम आदि कृष्टियों को उपरितन कृष्टि कहते हैं ।

उपरितन स्थिति – *Uparitana Sthiti.*
Position of upper specific *karmic* aggregation
ऊपर की स्थिति संबंधी निषेकों की उपरितन स्थिति कहते हैं।

उपरिद्वार – *Uparidvāra.*
Over-door, upper-door
ऊपर वाला दरवाजा ।

उपरिम कृष्टि – *Uparima Kṛṣṭi.*
See - *Uparitana Kṛṣṭi* .
देखें – उपरितन कृष्टि ।

उपरिमग्रैवेयक – *Uparimagraiveyaka.*
An upper most spatial region of a *Graiveyaka*
9 ग्रैवेयक में ऊपर के 3 सुमनस, सौमनस, प्रीतिंकर विमान ।

उपरिम द्वीप – *Uparima Dvīpa.*
Outer island .
बाहरी द्वीप ।

उपलक्षण – *Upalakṣaṇa.*
A type of metaphorical expression reg. some indication, Disclosure (of secrets) .
चिन्ह विशिष्ट, किसी ऐसी बात का ध्वनित होना जो वस्तुतः कही न गई हो ।

उपलब्धि – *Upalabdhi.*

Perception, Acquisition, Achievement

वस्तु तत्व का उपलब्ध किया जाना या ग्रहण किया जाना ।

उपलब्धिसमा जाति – *Upalabdhisamā Jāti.*

Parity per attainments .

वादी द्वारा कहे जा चुके कारण के अभाव होने पर भी साध्य धर्म का उपलब्ध हो जाना ।

उपलब्धि हेतु – *Upalabdhi Hetu.*

Cause of valid cognition Established hypothesis

प्राप्ति, विधि या निषेध रूप हेतु से किसी साध्य को सिद्ध करना।

उपलम्भ – *Upalambha*

Observation Experience

परिग्रहण, अनुभव, निश्चय करना ।

उपवन भूमि – *Upavana Bhūmi*

The 4th land of *Samavasharana* (garden like)

समवशरण की चौथी भूमि जहाँ चारों दिशाओं में अशोक सप्तच्छद, चंपक और आम के वृक्षों के वन होते हैं जिनमें से प्रत्येक के मध्य में चैत्य वृक्ष पर भगवान की प्रतिमा विराजमान रहती है ।

उपवास – *Upavāsa*

fasting, Introspective fasting .

बाह्य तप का एक भेद, अन्न, जलादि आहार का त्याग करना तथा विषय कषाय को छोड़कर आत्मा में लीन रहना ।

उपविष्टोत्थित – *Upaviṣṭotthita.*

A type of meditative relaxation (with spiritual thinking) .

कायोत्सर्ग का एक भेद, बैठे हुए धर्म व शुक्ल ध्यानों का चिन्तवन करना ।

उपविष्टोपविष्ट – *Upaviṣṭopaviṣṭa.*

A type of meditative relaxation (with thoughts of pain, trouble & cruelty etc.).

कायोत्सर्ग का एक भेद, बैठे हुए आर्त–रौद्र ध्यानों का चिन्तवन करना । अपरनाम उपविष्ट निविष्ट ।

उपवेल्लन – *Upavellana.*

A type of substantive positing.

द्रव्य निक्षेप का एक भेद, उपवेल्लन क्रिया से सिद्ध हुए एकगुणे, द्विगुणे एवं त्रिगुणे सूत्र, डोरा व वेष्टन आदि द्रव्य ।

उपवेशन – *Upaveśana.*

Seating, An obstacle in saints food (by sudden sitting) .

बैठना, साधु संबंधी आहार अंतराय का एक भेद, शारीरिक शिथिलता के कारण अचानक साधु का बैठ जाना ।

उपशम – *Upaśama.*

Subsidence, Cessation, A stoppage of *karmic* fruition

कर्म परमाणुओं को कुछ समय के लिये उदय आने के अयोग्य कर दिया जाना, यह क्रिया मोहनीय कर्म में होती है ।

उपशमक – *Upaśamaka*

Suppressor, Subsider, The suppressor of conduct deluding *karmas*

चारित्र मोहनीय कर्म का उपशमन कर्ता जीव ।

उपशमक अनिवृत्तिकरण –

Upaśamaka Anivṛttikaraṇa.

Subsider rising up at the 9th stage of spiritual development

9 वें गुणस्थान को प्राप्त उपशम श्रेणी चढ़ने वाला ।

उपशमक अपूर्वकरण –

Upaśamaka Apūrvakaraṇa

Subsider rising up at the 8th stage of spiritual development

8 वें गुणस्थान को प्राप्त उपशम श्रेणी चढ़ने वाला ।

उपशम कर्म – *Upaśama Karma*

Subsiding operations (reg. *Karmas*).

जिन कर्म परमाणुओं को उदय में आने के अयोग्य कर दिया जाय।

उपशम कषाय – *Upaśama Kaṣāya.*

Subsided passions

उदय में आने के अयोग्य कषाय ।

उपशमकरण – *Upaśamakaraṇa.*

The process of *upasham* (subsidence) .

जो कर्म उदयावली प्राप्त करने को असमर्थ हों, उदय में न आवें, दबे रहें ।

उपशमकाल – *Upaśamakāla.*

Period of *upasham.*

उदक योग्य काल के ऊपर से तत्काल स्थिति जहाँ घटे वहाँ उपशम योग्य काल है ।

उपशमचारित्र – *Upaśamacāritra.*

Subsidence character (conduct related to *upasham*).

समस्त मोहनीय कर्म के उपशम से 11 वें गुणस्थान में औपशमिक चारित्र होता है ।

उपशम भाव – *Upaśama Bhāva.*

Feelings produced by the subsidence of *Karmas*, Repentance feeling.

कर्मों के उपशमन से उत्पन्न भाव, अपनी भूल स्वीकार करके क्षमा मांग लेने पर उत्पन्न होने वाला भाव ।

उपशमश्रेणी – *Upaśamaśreṇī.*

Subsidential ladder, Subsidential progression (In 8, 9, 10, 11th *gunasthana*) .

चारित्र मोहनीय कर्म का उपशम करता हुआ साधक जिस श्रेणी अर्थात 8वें, 9वें, 10वें, 11वें इन 4 गुणस्थानों रूपी सीढ़ी पर चढ़ता है उसे उपशम श्रेणी कहते हैं ।

उपशम सत्वकाल – *Upaśama Sattvakāla.*

Subsidence - state period .

अन्तर्मुहूर्त काल उपशम सत्वकाल है ।

उपशम सम्यक्त्व – *Upaśama Samyaktva.*
Subsidential right belief. Subsidential serenity
दर्शन मोहनीय कर्म के उपशम से आत्मा में जो निर्मल श्रद्धान उत्पन्न होता है उसे उपशम सम्यक्त्व कहते हैं

उपशमसम्यग्दर्शन – *Upaśamasamyagdarśana.*
Origination of right perception due to *upasham*
दर्शन मोहनीय कर्म के उपशम से आत्मा में जो निर्मल श्रद्धान उत्पन्न होता है, यह प्रथमोपशम एवं द्वितीयोपशम सम्यग्दर्शन के भेद से 2 प्रकार का है।

उपशमसम्यग्दृष्टि – *Upaśamasamyagdṛṣṭi.*
One who acquires right faith due to *upashom*
उपशम सम्यक्त्व को प्राप्त करने वाला।

उपशमावली – *Upaśamāvali.*
Subsidential time (the smallest).
जिस आवली में कर्म का उपशम हो।

उपशांत – *Upaśānta.*
Unrevealed state of attachment and malice.
राग द्वेष की अप्रगट अवस्था।

उपशांतकरण – *Upaśāntakaraṇa*
Immaturity of *Karmas*
कर्म की उदयावली में आने की असमर्थता होना अर्थात् उदय में न आना, दबे रहना।

उपशांतकर्म – *Upaśāntakarma.*
Karmas existing but not fruitful.
कर्म की शक्ति की अप्रगटता या फल न देना किन्तु सत्ता में बैठे रहना।

उपशांतकषाय – *Upaśāntakaṣāya.*
Whose passions are subsided, Subsided passions
11 वाँ गुणस्थान जहाँ सर्व मोहनीय कर्म एक अन्तर्मुहूर्त के लिये उपशम रूप या दबा रहता है।

उपशांतद्रव्य – *Upaśāntadravya.*
Subsided matters (*dravya*)
उपशान्त अवस्था को प्राप्त द्रव्य।

उपशांतमोह – *Upaśāntamoha.*
Subsided delusion, The saint with quiescent passions.
उपशांत कषाय का अपर नाम।

उपशामक – *Upaśāmaka.*
Calming, Pacifying.
जो जीव कर्मों के उपशमन करने में व्यापार करते हैं उन्हें उपशामक कहते हैं।

उपसंयत – *Upasaṁyata.*
Controlled behaviour.
गुरुकुल में "मैं आपका हूँ" ऐसा कहकर उपचरण करना (समर्पण भाव से साधु के समान संयत होकर रहना)।

उपसंपदा – *Upasampadā*
Submission
साधुओं के औघिक समाचार का एक भेद, गुरुओं को आत्म समर्पण कर आज्ञानुसार आचरण करना

उपसमुद्र – *Upasamudra.*
Sub-ocean, Large reservoir containing ocean water
समुद्र का जल उपांत–प्रदेश में भूमि के प्रांतर में किसी बड़े स्थान में इकट्ठा हो जाने पर वह उपसमुद्र कहलाता है।

उपसर्ग – *Upasarga.*
Calamity, State of affliction, Prefix
पर के निमित्त से आने वाली विपत्ति या संकट, उपसर्ग 4 प्रकार के हैं – मनुष्य, देव, तिर्यंच और प्रकृति कृत। शब्द विशेष की रचनाओं में शब्द के आगे लगाये वाले अक्षर विशेष को भी हिन्दी व्याकरण में उपसर्ग कहा जाता है।

उपसौमनस – *Upasaumanasa*
A part of *Saumanasa* forest.
सौमनस वन का एक अन्तर्वर्ती वन।

उपस्थ (इन्द्रिय) – *Upastha (Indriya).*
Sex organ.
जननेन्द्रिय।

उपस्थापना – *Upasthāpanā.*
An expiation, Reinitiation
प्रायश्चित, किसी साधु का ऐसा अपराध हो जिससे उसकी दीक्षा छेदकर पुनः दीक्षा दी जाये।

उपांग – *Upāṁga.*
Sublimbs.
नाक, कान, आँख आदि को उपांग कहते हैं।

उपात्त – *Upātta.*
Assimilated, Acquired matters (*dravyas*)
आत्मा के रागादि परिणामों से कर्म और नोकर्मरूप में जिन पुद्गल द्रव्यों को ग्रहण किया जाता है वे उपात्त कहलाते हैं।

उपादान – *Upādāna.*
Motive, Cause of existence of material.
अन्तरंग कारण, जो द्रव्य तीनों कालों में अपने रूप से और अपूर्वरूप से वर्त रहा है वह उपादान कारण है।

उपादान-उपादेय संबंध –
Upādāna-Upādeya Sambandha.
Mutual relation between cause & means.
कारण कार्य संबंध।

उपादान कारण – *Upādāna Kāraṇa.*
Material cause, Affluent cause
जो पदार्थ स्वयं कार्य रूप परिणमन करे, जैसे घट की उत्पत्ति में मिट्टी।

उपादान कारण (क्षणिक) –
Upādāna Kāraṇa (Kṣaṇika).
Affluent cause (momentary).

क्षणिक रूप से उपादान कारण होना ।

उपादान कारण (शाश्वत) - *Upādāna Kāraṇa (Śāśvata).*
Affluent cause (eternal)
स्वयं व अमर उपादान कारण ।

उपादान भाव - *Upādāna Bhāva.*
Material cause
उपादान कारण रूप भाव

उपादेयबुद्धि - *Upādeyabuddhi*
Useful right knowledge
सम्यग्दृष्टि, हेय को छोड़कर ग्रहण करने योग्य पदार्थ को ग्रहण करना ।

उपाधि - *Upādhi.*
Rank, Alien belonging, Attachment, Requisites
पदवी, व्यवहार से मोह अर्थात् साधन के साथ अव्यापक और साध्य के व्यापक हेतु को उपाधि कहा जाता है ।

उपाध्याय - *Upādhyāya.*
Preceptor, Scriptural teacher
रत्नत्रय से संयुक्त जिनकथित पदार्थों के शूरवीर उपदेशक और निःकांक्ष भाव सहित, ऐसे मुनिराज ।

उपान्त्य समय - *Upāntya Samaya.*
Instant before the last time .
अंतिम से पूर्व का समय ।

उपाय-उपेय भाव - *Upāya-Upeya Bhāva.*
Goal with means .
जो साधक रूप है वह उपाय है और जो सिद्धरूप है वह उपेय है।

उपायविचय - *Upāyavicaya*
Doing meritorious works
धर्मध्यान का एक भेद—कुमार्ग में पड़े हुए जीवों के बारे में विचार करना कि ये मिथ्यात्व से कैसे छूटें । अपरनाम अपायविचय।

उपालंभ - *Upālambha.*
Censure, Expression of disapproval .
प्रतिषेध, दुर्वचन, उलाहना, स्थगित करना ।

उपासकाध्ययन - *Upāsakādhyayana.*
A type of scriptural knowledge *(Shrutgyan)*.
द्रव्यश्रुतज्ञान का सातवाँ अंग जिसमें श्रावक धर्म का विशेष विवेचन किया गया है ।

उपासना - *Upāsanā.*
Worshipping, Adoration .
शुद्धात्म भावना की सहकारी कारणरूप से की गई सेवा, पूजा, आराधना ।

उपासिका - *Upāsikā.*
A female lay votary.
श्राविका ।

उपेक्षणीय - *Upekṣaṇīya.*
What is to be ignored, negligible .
उपेक्षा करने योग्य वस्तु ।

उपेक्षा - *Upekṣā.*
Indifference, Negligence, Overlooking
रागद्वेष रूप परिणामों का नहीं होना, वैराग्य, संबंध न रखना ।

उपेक्षा संयम - *Upekṣā Saṁyama.*
Restraint without attachment
वीतरागता संयम ।

उपेय - *Upeya.*
Achievable
प्राप्त कर लेने के योग्य ।

उपेय-उपाय संबंध - *Upeya-Upāya Sambandha.*
Mutual relation between goal & means
सिद्ध व साधक रूप में संबंध ।

उपोद्घात - *Upoddhāta.*
See - *Upakrama* .
देखें - उपक्रम ।

उप्पल - *Uppala.*
A number (10,000,000)[14].
एक संख्या प्रमाण अर्थात् (10,000,000)[14] ।

उभय - *Ubhaya.*
Two dimensional, Having two sides, Both .
द्विविधि, जिसकी दो विधायें हों, दोनों प्रकार का ।

उभयदूषण - *Ubhayadūṣaṇa.*
A judicial bilateral fault
न्याय विषयक एक दोष । एकान्तरूप से अस्तित्व मानने पर जो दोष नास्तित्वाभाव रूप आता है अथवा नास्तित्वरूप मानने पर जो दोष अस्तित्वाभाव रूप आता है ।

उभयद्रव्य - *Ubhayadravya.*
A substance common to both sides (in *Purva* and *Apurva krishties*).
जो द्रव्य पूर्व व अपूर्व दोनों कृष्टियों को दिया उसे उभय द्रव्य कहते हैं ।

उभय प्रायश्चित्त - *Ubhaya Prāyaścitta.*
Bilateral repentance (to repent and become free from the same) .
अपने अपराध की गुरु के सामने आलोचना करके गुरु की साक्षीपूर्वक अपराध से निवृत्त होना (धवला से) ।

उभयबंध - *Ubhayabandha.*
Bilateral bondage (of body with soul and *karmas*).
जीव और कर्म का परस्पर में एक दूसरे की अपेक्षा से होने वाला बंध ।

उभयबंधी प्रकृति - *Ubhayabandhī Prakṛti.*
A type of *Karmic* nature having bilateral bindings
जिस प्रकृति का बंध सान्तर-निरन्तर अथवा सप्रतिपक्षी और निष्प्रतिपक्षी होता है उसे उभयबन्धी प्रकृति कहते हैं। जैसे देवगति आदि ।

उभय मन-वचन योग – *Ubhaya Mana-Vacana Yoga.*

Bilateral vibration caused by mind and speech (in observing truth & false nature of substances).
सत्य और असत्य दोनो रूप पदार्थ को जानने और कहने में जीव के मन, वचन के प्रयत्न से आत्मप्रदेशों में होने वाला परिस्पन्दन ।

उभयमोहिनी – *Ubhayamohini.*

Bilateral delusive passion .
अनंतानुबंधी प्रभाव को दर्शन और चारित्र दोनों में मोह उत्पन्न करने वाली होती है ।

उभयवाद – *Ubhayavada.*

Theory of two fold nature of reality or of the identity and difference
दोनों प्रकार का मत ।

उभयविकल – *Ubhayavikala.*

Unconnected with both
दोनों तरह से अपूर्ण ।

उभयशुद्धि – *Ubhayaśuddhi.*

Bilateral purity in words and its meaning
सम्यग्ज्ञान का एक अंग, व्यंजन और उसके वाच्य (अर्थ) अभिप्राय की शुद्धि उभयशुद्धि है । अपरनाम तदुभयशुद्धि ।

उभयसारी ऋद्धि – *Ubhayasari Ṛddhi.*

A type of super-natural power
पदानुसारी बुद्धि ऋद्धि का एक भेद – जिसके प्रभाव से नियम अथवा अनियम से एक बीजशब्द के उपरिम और अधस्तन ग्रंथ को एक साथ जाना जा सके ।

उभयातिचार – *Ubhayaticāra.*

An infraction of repentance (bilaterally).
प्रायश्चित्त का एक अतिचार, आलोचना और प्रतिक्रमण के अतिचार को उभयातिचार कहते हैं ।

उभयानंत – *Ubhayānanta.*

That which refers to both extremes.
लोक के मध्य में आकाश प्रदेश की पंक्ति को दो दिशाओं में देखने पर उनका अंत नहीं पाया जाता है, इसलिये उसे उभयानंत कहते हैं ।

उभयाव्यतिरेकी – *Ubhayāvyatireki.*

Doubtful absense of both complementary causes (not reaching) .
हेतु का एक भेद – अन्वयव्यतिरेकी जिसमें अन्वय दृष्टांत व व्यतिरेक दृष्टांत दोनों होते हैं ।

उभयासंख्यात – *Ubhayāsaṁkhyāta.*

Numerous space points in bilateral extremes .
लोकाकाश की दो दिशाओं में स्थित प्रदेश पंक्ति उभयासंख्यात है ।

उभयोदयबंधी प्रकृति –

Ubhayodayabandhi Prakṛti.

A *karmic* nature of bilateral bondages.
जो कर्म प्रकृति अपना उदय होने अथवा न होने पर भी बंधती है ।

उभारना – *Ubhāranā.*

To raise up, To rouse, To highlight
प्रकाशित करना, उठाना ।

उमा – *Umā.*

Mother's name of the 18th Jaina-Lord 'Mahabhadra' of *Videh Kshetra* (a region)
विदेह क्षेत्र में स्थित 18वें तीर्थंकर महाभद्र की माता ।

उमास्वामी – *Umāsvāmi.*

Name of a famous *Acharya*, the writer of Tattvartha Sutra & Umaswami Shravakachar.
एक प्रसिद्ध आचार्य का नाम जिन्होंने तत्वार्थ सूत्र एवं उमास्वामी श्रावकाचार ग्रंथ लिखे ।

उरग – *Uraga.*

A type of five sensed animal, Snake
पंचेन्द्रिय तिर्यंच का एक प्रकार, सर्प ।

उर:शृंग – *Uraḥśṛnga.*

Turret attached .
कंगूरे युक्त भवन आदि ।

उराल – *Urāla.*

Liberal, Bulky, Noble .
उदार, स्थूल, महान, उराल ये शब्द एकार्थवाची है, औदारिक शरीर को अवगाहना की अपेक्षा उराल कहते है ।

उरु बिल्व – *Urubilva.*

Former name of a place of Bihar state (Buddhagaya).
वर्तमान 'बुद्धगया' नामक एक नगर ।

उरेकित – *Urekita.*

Inlaid, Ornamented
जड़ा हुआ, पच्चीकारी किया हुआ ।

उरेखन – *Urekhana.*

Inlaying
जड़ना, पच्चीकारी करना ।

उर्मिमालिनी – *Urmimālini.*

A *Vibhanga* river situated in western *Videh* (a region).
अपर विदेह स्थित एक विभंगा नदी ।

उर्वक – *Urvaka.*

Infinite time increase
अनंत भाग वृद्धि की उर्वक अर्थात् 'उ' संज्ञा ।

उलूक – *Ulūka.*

Owl, A doctrine of inactivity
एक पक्षी – उल्लू , अक्रियावादी एकान्त मत ।

उल्का – *Ulkā.*

Meteor .
आकाश में पड़ने वाला दाहक तत्त्व (बिजली) ।

उल्कापात – *Ulkāpāta.*
The falling of a meteor
उल्कापिंड का टूट कर गिरना जो अजितनाथ आदि तीर्थंकरों के वैराग्य का कारण है ।

उवधि – *Uvadhi.*
An unwarranted behaviour
एक अतिचार, न्यासधारी पूर्वक अतिचार का अन्यथा कथन करना ।

उषित अन्न – *Uṣita Anna.*
Stale food. Not edible.
बासी व अमर्यादित भोजन, अग्नि पर पकाये हुए अथवा गर्म घी में तपाये हुए पदार्थ ।

उष्ट्रकूट श्रेणी – *Uṣṭrakūṭa Śreṇī.*
Camel back range
ऊँट की पीठ की तरह प्रदेशों की निषेक रचना को उष्ट्रकूट श्रेणी कहते हैं ।

उष्ण नामकर्म – *Uṣṇa Nāmakarma.*
Heat producing *karmas*
जिस कर्म के उदय से शरीरगत पुद्गल स्कन्धों में उष्णता होती है।

उष्ण परीषह – *Uṣṇa Pariṣaha.*
Heat the[illegible]ion
22 परीषहों में एक परीषह, ग्रीष्मकाल में उपवास आदि के कारण उत्पन्न दाह से पीड़ित होने पर प्रतिकार के बिना समतापूर्वक सहन करना ।

उष्ण योनि – *Uṣṇa Yoni.*
A type of *Yoni* (female genital organ).
गुणयोनि का एक भेद, जो योनि उष्ण स्पर्श रूप हो ।

उष्ण स्पर्श – *Uṣṇa Sparśa.*
Hot touch
गर्म आंच, आग आदि को स्पर्श करना ।

उष्णाष स्तम्भ – *Uṣṇāṣa Stambha.*
Coping stones, top-stone .
घर का शिखर या चोटी का पत्थर ।

उष्मगर्भकूट – *Uṣmagarbhakūṭa.*
Name of a summit of *Manushottar* mountain
मानुषोत्तर पर्वत का एक कूट ।

उष्माहार – *Uṣmāhāra.*
See - *Ojāhāra* .
देखें – ओजाहार ।

ऊह्य – *Uhya.*
Argumentation, Ellipsis .
तर्क वितर्क करना, अर्थपूरक वाक्य में से शब्दों का लोप होना ।

ऊ

ऊ – *Ū.*
The sixth vowel of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी लिपि का छठा स्वर ।

ऊठकोडि – *Ūṭhakoḍi.*
Three and a half crores.
साढ़े तीन करोड़ (पुढे निमाड–म.प्र. स्थित सिद्धवरकूट सिद्धक्षेत्र से दो चक्रवर्ती, दश कामदेव और साढ़े तीन करोड़ मुनि मोक्ष पधारे) ।

ऊनोदर – *Ūnodara.*
Less eating of diet, Small fasting .
अवमौदर्य तप, भूख से कम खाना ।

ऊमर – *Ūmara.*
One of the figs - a fruit, not edible according to Jain philosophy
उदम्बर फलों में एक फल का नाम, इनमें त्रस जीवों की योनिस्थान होने से अभक्ष्य है

ऊर्जयंत – *Ūrjayanta.*
Called Girnar mountain in Junagarh of Saurashtra.
गिरनार पर्वत जहाँ से श्री नेमिनाथ तीर्थंकर एवं शम्बु, अनिरुद्ध, प्रद्युम्न सहित 72 करोड़ मुनि मोक्ष गये ।

ऊर्जाहार – *Ūrjāhāra.*
Absorptional intake, Energy intake .
ओज आहार, पक्षियों के द्वारा अण्डे सेते समय जो ऊष्मा दी जाती है ।

ऊर्ध्वगच्छ – *Ūrdhvagaccha.*
Vertical variforms (in geometric regression)
गुणहानि आयाम में समयों या वर्गणाओं आदि का प्रमाण ।

ऊर्ध्वगति – *Ūrdhvagati.*
Higher/Upper destinity, Upward motion, Vertical life course.
जीव व पुद्गल का ऊर्ध्व गमन ।

ऊर्ध्वगमन – *Ūrdhvagamana.*
Upward movement.
शुद्ध या मुक्त जीव की गति–ऊपर गमन करना जीव का स्वभाव है, मुक्त जीव लोक शिखर पर विराजता है ।

ऊर्ध्वगुरुत्व – *Ūrdhvagurutva.*
Upward attractive force.
किसी चीज की ऊपर की तरफ से जाने की सामर्थ्य ऊर्ध्व गुरुत्व है ।

ऊर्ध्वगौरव धर्म – *Ūrdhvagaurava Dharma.*
Particular nature of salvated souls.
मुक्त जीव का धर्म, वे ऊपर ही जाते हैं ।

ऊर्ध्वग्रैवेयक – *Ūrdhvagraiveyaka.*
An upper most spatial region.
16 स्वर्गों से ऊपर नौ ग्रैवेयक में सुमनस, सौमनस, प्रीतिंकर

नाग के विमान ।

ऊर्ध्वचय – *Ūrdhvacaya.*
Loss in basic decreasing series.
ऊर्ध्वप्रचय में अर्थात् मूल गुणहानि में चय ।

ऊर्ध्वता सामान्य – *Ūrdhvatā Sāmānya.*
Common property of a matter
पूर्व और उत्तर पर्यायों में रहने वाले द्रव्य को ऊर्ध्वता सामान्य कहते हैं जैसे गोरस जो दूध व दही दोनों पर्यायों में होता है ।

ऊर्ध्वलोक – *Ūrdhvaloka.*
Upper world, Celestial world
लोक के तीन भेदों में एक भेद । जहाँ स्वर्गों की रचना है ।

ऊर्ध्वव्यतिक्रम – *Ūrdhvavyatikrama.*
Exceeding the limits set in the direction, namely upwards
दिग्व्रत का तीसरा अतिचार, लोभवश ऊपर की सीमा का उल्लंघन करना ।

ऊर्ध्व रेणु – *Ūrdhva Reṇu.*
A length unit, 8 *Sannasannas.*
लम्बाई का एक प्रमाण, आठ सन्नासन्न ।

ऊर्ध्वसूर्य तप – *Ūrdhvasūrya Tapa*
A type of austerity, Walking in peak noon time
कायक्लेश का भेद – सूर्य जब मस्तक पर पड़ता है (मध्यान्ह काल) ऐसे समय में गमन करना ।

ऊर्मिमालिनी – *Ūrmamālinī.*
Name of a river
पश्चिम विदेह के सीतोदा नदी के तट में तीसरी विभंगा नदी ।

ऊष्माहार – *Ūsmāhāra.*
See - *Ūrjāhāra*
देखें – ऊर्जाहार ।

ऊह – *Ūha.*
Elimination, Reasoning, Inductive reasoning.
तर्क के द्वारा पदार्थ के स्वरूप को जानना, यह श्रोता के 8 गुणों में से एक है ।

ऊह – *Ūha.*
A time unit, Inductive reasoning.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख ऊहांग प्रमाण काल ।

ऊहांग – *Ūhāṁga.*
A time unit.
काल का प्रमाण, 84 लाख ग्राहा प्रमाण काल ।

ऊहा – *Ūhā.*
Synonym word of *Iha* (reflective speculation, curiosity)
ईहा का पर्यायवाची ।

ऊहापोह – *Ūhāpoha.*
Uncertainty, In-decision.
हेतु का लक्षण, अनिश्चय की स्थिति ।

ऋ

ऋ – *Ṛ.*
The seventh vowel of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का सातवां स्वर ।

ऋक्षराज – *Ṛkṣarāja.*
A member of *Vanar* dynasty
वानरवंश का एक सदस्य एवं नल, नील का पिता ।

ऋक्षवान – *Ṛkṣavāna*
Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (a region)
भरत क्षेत्र के एक पर्वत का नाम ।

ऋजु – *Ṛju*
Straight, Linear, Plain
सरल, सीधा ।

ऋजुकायकृतार्थज्ञ – *Ṛjukāyakṛtārthajña*
One having knowledge of telepathy i.e. *Manah Paryay Gyan* (related to bodily activities).
काय के द्वारा किये जाने वाले कार्य को ऋजुमति मनःपर्यय ज्ञान के द्वारा जानने वाला ।

ऋजुकूला – *Ṛjukūlā.*
Name of the river on the bank of which Lord Mahavira attained omniscience
जिस नदी के किनारे भगवान महावीर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ ।

ऋजुगति – *Ṛjugati.*
Straight motion
वर्तमान शरीर को छोड़कर आगामी भव में जाते हुए जीव की जो सरल मोड़ा रहित एक समय वाली गति ।

ऋजुत्व – *Ṛjutva.*
To be well versed in telepathic knowledge (*Manah Paryay Gyan*).
यथार्थ मन, वचन और कायिक चेष्टागत होने से ऋजुमति मनःपर्ययज्ञान में ऋजुत्वपना है ।

ऋजुमति – *Ṛjumati*
A type of *Manah Paryay Gyan.*
वह ज्ञान जो दूसरे के मन में सरल रूप में स्थित रूपी पदार्थ को प्रत्यक्ष जानता है ।

ऋजुमनस्कृतार्थज्ञ – *Ṛjumanaskṛtārthajña.*
One having telepathic knowledge related to mental activities
मन के द्वारा किये जाने वाले कार्य को ऋजुमति मनःपर्यय ज्ञान के द्वारा जानने वाला ।

ऋजुवाक्कृतार्थज्ञ – *Ṛjuvākkṛtārthajña.*
One having telepathic knowledge (*Manah Prayay Gyan*) related to utterances.
वचन के द्वारा किये जाने वाले कार्य को ऋजुमति मनःपर्यय ज्ञान के द्वारा जानने वाला ।

ऋजुसूत्रनय – *Ṛjusūtranaya.*
Straight view point (related to present)
जो नय केवल वर्तमान काल संबंधी पर्याय को ग्रहण करता है।

ऋजुसूत्राभास – *Ṛjusūtrābhāsa.*
Bauddha's belief of momentariness (reg. internal and external thoughts of substances).
एक मिथ्या नय, बहिरंग–अंतरंग दोनों द्रव्यों का सर्वथा अपलाप करने वाली क्षणिकवादी बौद्धों की मान्यता क्योंकि उनकी मान्यतायें प्रतीति–प्रमाण से बाधित हैं।

ऋण – *Ṛṇa.*
Minus, Negative, Debt, Loan.
घटाना, कर्ज।

ऋत – *Ṛta.*
Fixed order, Truth, Pain, Trouble.
ऋत का अर्थ सत्य एवं दुःख दोनों में लिया जाता है।

ऋतु – *Ṛtu.*
Season, Name of first *Patal* (layer) and *Indrak* of *Saudharm* heaven.
मौसम (ऋतु–ये छः होती हैं–ग्रीष्म, शीत, वर्षा, हेमन्त, वसन्त, शिशिर), सौधर्म स्वर्ग का प्रथम पटल व इन्द्रक।

ऋतुकाल – *Ṛtukāla*
Menstrous period.
स्त्रियों का मासिक धर्म का काल।

ऋतुविहीन फलोत्पत्ति – *Ṛtuvihīna Phalotpatti.*
One of the super-natural happening of *Tirthankars* (Jaina-Lords), Unseasonal blossoming.
तीर्थंकरों के 34 अतिशयों में देवकृत अतिशय – असमय में फूल–फलों का वृद्धिगत हो जाना।

ऋद्धि – *Ṛddhi.*
Supernatural power, Miraculous success.
तपश्चरण के प्रभाव से कदाचित् किन्हीं योगीजनों अर्थात् महामुनियों को कुछ चमत्कारिक शक्तियाँ प्राप्त हो जाना।

ऋद्धिगौरव – *Ṛddhigaurava.*
Expression of dignity, venerability.
शिष्य, पुस्तक, कमण्डलु आदि के द्वारा अपना बड़प्पन या अभिमान प्रगट करना।

ऋद्धिप्राप्त आर्य – *Ṛddhiprāpta Ārya.*
Noble men (saints etc.) possessing supernatural powers.
सात या आठ प्रकार की ऋद्धियों को रखने वाले जैन साधु।

ऋद्धिमद – *Ṛddhimada.*
Pride of possessing supernatural power.
ऋद्धि प्राप्त होने पर गर्व करना या दूसरे साधुओं की अपेक्षा अपना बड़प्पन मानना।

ऋद्धीश – *Ṛddhīśa.*
13th *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग का 13 वाँ पटल।

ऋषभ – *Ṛṣabha.*
Bull - identifying symbol of the first Jaina-Lord Rishabhadev.
बैल–तीर्थंकर ऋषभदेव का चिन्ह।

ऋषभजयन्ती व्रत – *Ṛṣabhajayantī Vrata.*
Vow of the birthday celebration of Jaina-Lord Rishabhadev
भगवान आदिनाथ की जयन्ती चैत्र कृष्ण 9 को उपवास व पूजन।

ऋषभनाथ – *Ṛṣabhanātha.*
Name of the first *Tirthankara* (Jaina-Lord) Rishabhadev
वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर, नाभिराज के पुत्र। विशेष देखें–आदिनाथ।

ऋषि – *Ṛṣi.*
Saints with miraculous powers
ऋद्धि प्राप्त साधु को ऋषि कहते हैं जो 4 प्रकार के हैं – राजर्षि, ब्रह्मर्षि, देवर्षि, परमर्षि।

ऋषिकेश – *Ṛṣikeśa.*
Name of an *Acharya*, Holy place, A place of Vedic place of pilgrimage.
षट्कुंड पूजा के कर्ता आचार्य, एक वैदिक तीर्थस्थल का नाम।

ऋषिदास – *Ṛṣidāsa.*
An *Anuttaropapadak*, who takes birth in the space craft (*Anuttar*) in the era of Lord Mahavira
भगवान महावीर के शासन में अनुत्तर विमान में जन्म लेने वाले मुनि।

ऋषिपंचमी व्रत – *Ṛṣipañcamī Vrata.*
A famous Jain vow.
कुल 65 उपवास–5 वर्ष 5 मास तक आषाढ़ शुक्ल 5 से प्रारम्भ करके प्रति मास 2-2 पंचमियों को उपवास करना।

ऋषिपुत्र – *Ṛṣiputra.*
An author of 'Rishiputra Sanhita'
निमित्त शास्त्र तथा ऋषिपुत्र संहिता के रचयिता एक ज्योतिषाचार्य (ई. सन् 6-7 की सदि)।

ऋषिमंडल यंत्र – *Ṛṣimaṇḍala Yantra.*
A metallic plate engraved with auspicious and mystic words.
ऋषिमंडल स्तोत्र पर आधारित एक यंत्र विशेष।

ऋषिमंडल स्तोत्र – *Ṛṣimaṇḍala Stotra.*
A preventive religious hymn to release from evil spirits.
भूत प्रेत आदि बाधा तथा रोग शोकादि निवारक एक विशेष संस्कृत स्तोत्र (रचयिता–श्री गुणनन्दि मुनीन्द्र), जिसका गणिनी ज्ञानमती माताजी द्वारा हिन्दी पद्यानुवाद किया गया है।

ऋषिवंश – *Ṛṣivaṁśa.*
An ancient dynasty, *Somvansha.*
सोमवंश को ही ऋषिवंश कहा है।

ऋष्यमूक – *Ṛṣyamūka.*
Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (a region).
भरत क्षेत्र का एक पर्वत।

ए

ए – *E*

The eight vowel of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का आठवां स्वर ।

ए – *E*

Symbol for *ekendriya*

एकेन्द्रिय की सहनानी (संक्षिप्त सूचक) ।

एक – *Eka.*

Single, One

अकेला, अंग को एक कहते हैं, गणित का पहला अंक ।

एक–अंगधर – *Eka Angadhara.*

Acharyas possessing knowledge of one *Anga* (scriptural knowledge).

जिन आचार्यों को द्वादशांग के एक अंग का ज्ञान था, विनयदत्तादि 4 आचार्य ।

एक–अंशग्राही ज्ञान – *Eka-Amśagrahi Jñāna.*

Partial perceptual knowledge.

प्रमाण के द्वारा ग्रहण की गई वस्तु के एक अंश में वस्तु का निश्चय करने वाला ज्ञान ।

एक–अग्र – *Eka-Agra*

Concentration

ध्येय में एकाग्र होकर पदार्थ का ध्यान करना ।

एक–अजीव कर्म – *Eka-Ajiva Karma.*

Karmas related to non soul matters

द्रव्य कर्म–कार्मण स्कंधों की अवस्था अजीव कर्म है ।

एक–अजीव कषाय – *Eka-Ajiva Kaṣāya.*

Passion related to non soul matters

निक्षेप की अपेक्षा कषाय का एक भेद ।

एक–अनंत – *Eka-Ananta.*

Unidirectional finite (like sea)

एक दिशा में देखने पर उसका अंत नहीं पाया जाता इसलिये उसको एकानंत कहते हैं – जैसे अथाह समुद्र ।

एक–असंख्यात – *Eka-Asamkhyāta*

Something countless.

एक दिशा में स्थित प्रदेश पंक्ति, क्योंकि श्रेणीरूप से लोकाकाश की एक दिशा देखने पर प्रदेशों की गणना नहीं हो सकती ।

एक–एकसंगति – *Eka-Ekasamgati.*

One - to - one correspondence

एक का एक के साथ संबंध होना ।

एक–करवटनिद्रा – *Eka-Karavaṭanidra.*

An austerity, Sleeping with the single posture

कायक्लेश का भेद – एक करवट से सोना ।

एकक्षेत्र – *Ekakṣetra.*

A space point.

एक प्रदेश ।

एक क्षेत्रावगाह – *Eka Kṣetrāvagāha.*

Occupency of matters (at a common space) A relation of togetherness

एक संबंध – एक स्थान पर साथ रहने वाले द्रव्य ।

एकचर्या – *Ekacaryā.*

A vow for saints, solitary walking

मुनियों का एक व्रत, एकाकी विहार करना ।

एकचूड़ – *Ekacūḍa.*

A king of *Vidhyadhara* dynasty

विद्याधर वंश का एक राजा ।

एकजटि – *Ekajaṭi.*

Name of a planet

88 ग्रहों में से एक ग्रह का नाम ।

एकजीव – *Ekajiva*

The being (reg soul), A type of disquisition door (*Anuyogdvar*)

अनुयोगद्वार का एक भेद

एकजीव–एकअजीव कर्म – *Ekajiva-Ekaajiva Karma.*

Karma related to soul and non soul matters.

जीव के उपयोगस्वरूप राग–द्वेषादिक जीव कर्म, कार्मण स्कंधों की अवस्था अजीव कर्म ।

एकजीव–एकअजीव कषाय – *Ekajiva-Ekaajiva Kaṣāya.*

Passion related to soul and non soul matters.

निक्षेप की अपेक्षा कषाय के भेद ।

एकजीव–नानाअजीव कर्म – *Ekajiva-Nānaajiva Karma.*

A type of division of *karma*

कर्म के समवदान आदि भेदों में एक भेद ।

एकजीव–नानाअजीव कषाय – *Ekajiva-Nānāajiva Kaṣāya.*

A type of division of passion

निक्षेप की अपेक्षा कषाय का भेद ।

एकट्ठी – *Ekaṭṭhi.*

A mathematical unit of numbers.

एक गणितीय अंक इकाई, (बादाल)² ।

एकत्व – *Ekatva*

Unity, Harmony, Sameness, Solitude.

एकता, सदृशता, बराबरी, अकेलापन ।

एकत्व अनुप्रेक्षा – *Ekatva Anuprekṣā.*

Feeling of solitude one of the twelve reflections or 12 feelings of introspection (*Barah Bhawna*).

बारह भावनाओं में एक भावना – मैं अकेला ही जन्मता मरता हूँ, मेरा कोई साथी नहीं है, इस प्रकार चिंतन करना ।

एकत्वप्रत्यभिज्ञान – *Ekatvapratyabhijñāna.*

Unitary recognition

स्मृति और प्रत्यक्ष के विषयभूत पदार्थ में एकता दिखाते हुए जोड़रूप ज्ञान ।

एकत्व भावना – *Ekatva Bhāvanā.*

Feeling of unitariness (reg. difference in soul & family etc.)

कुटुम्ब परिवार आदि को आत्मा से भिन्न जानना ।

एकत्ववाद – *Ekatvavāda.*

Doctrine of uniformity. Monism.

एकतावाद

एकत्वविक्रिया – *Ekatvavikriyā.*

Transformation of oneself into wild animals etc. forms, this power is possessed by hellish beings

अपने शरीर को सिंह, व्याघ्र, हिरण, हंस आदि रूप से बना लेना एकत्वविक्रिया है। यह विक्रिया नरक में नारकी जीवों के होती है।

एकत्ववितर्क – *Ekatvavitarka.*

A type of supreme meditation which occurs in the 12th *Guṇasthāna* (spiritual stage)

शुक्लध्यान का दूसरा भेद जो 12 वें गुणस्थान में होता है, इस ध्यान से 4 घातिया कर्मों का नाश होता है।

एकत्ववितर्क अवीचार – *Ekatvavitarka Avīcāra.*

The absolute supreme meditation.

अर्थ, व्यंजन और योग की संक्रान्ति को हटाकर मन को निश्चल करके 12 वें गुणस्थान को प्राप्त करना और फिर ध्यान लगाकर पीछे नहीं हटना।

एकत्वसप्ततिका – *Ekatvasaptatikā.*

Name of a book on soul theory.

शुद्धात्म स्वरूप पर संस्कृत भाषा में रचित ग्रन्थ (ई.श. 11 का उत्तरार्ध)।

एकत्वस्थिति – *Ekatvasthiti.*

Position of absolute meditation.

निज शुद्धात्मा की उपलब्धि या निर्विकल्प सुख की स्थिति।

एकदशांगधारी – *Ekadaśāṅgadhārī.*

Arhanta possessing knowledge of 11 *Aṅgas* (scriptural knowledge).

11 अंगधारी 5 आचार्य – नक्षत्र, यशःपाल, पाण्डु, ध्रुवसेन और कंस।

एकदिशात्मक – *Ekadiśātmaka.*

One directional.

एक दिशा व मार्ग से संबंधित।

एकदेश – *Ekadeśa.*

Part, Partial

एक भाग, अवयव।

एकदेश विरति – *Ekadeśa Virati.*

Limited abstinence

देशव्रत – पापों का स्थूल रूप से त्याग करना (पंचम गुणस्थानवर्ती जीव)।

एकद्रव्य – *Ekadravya*

Unitariness in matters

धर्म, अधर्म और आकाश ये तीनों द्रव्य की अपेक्षा एक ही हैं।

एकाद्वित्रिलघुक्रिया – *Ekādvitrilaghukriyā.*

A method of poetics

छंद शास्त्र में प्रयुक्त एक क्रिया।

एकनय – *Ekanaya*

Common standpoint in complimentary matters.

नाम की अपेक्षा पृथक्–पृथक् हुए भी द्रव्य गुण पर्याय तीनों सामान्य रूप से एक सत् है, इसलिए किसी एक के कहने पर शेष अनुक्त का ग्रहण हो जाना।

एकनासा – *Ekanāsā*

Name of a female divinity of *Ruchakvar* mountain.

रुचकवर पर्वत की दिक्कुमारी/निवासिनी देवी।

एकपदार्थस्थित्व – *Ekapadārthasthitva.*

Contents of a matter. Unified, Indistinct

महासत्ता की अवान्तर सत्ता अर्थात् सर्वपदार्थ स्थित्व का सप्रतिपक्ष धर्म।

एकपर्यायमयत्व – *Ekaparyāyamayatva.*

See - *Ekapadārthasthitva*

देखें – एकपदार्थस्थित्व।

एकपर्वा – *Ekaparvā*

A supernatural knowledge of medicine.

एक औषधि विद्या जो नमि, विनमि को देवियों से मिली थी।

एकपादतप – *Ekapādatapa.*

An austerity. standing on a leg

एक पैर पर खड़ा होना (अनशनादि कायक्लेश का भेद)।

एकपार्श्वशय्यासन – *Ekapārśvaśayyāsana.*

An austerity, sleeping with the single posture.

किसी एक करवट से सोना (अनशनादि कायक्लेश का भेद)।

एकप्रदेशत्व – *Ekapradeśatva.*

See - *Ekapadārthasthitva.*

देखें – एकपदार्थस्थित्व।

एकप्रदेशी – *Ekapradeśī.*

Matter having single space-point.

काल द्रव्य एकप्रदेशी कहलाता है।

एक प्रस्तरीय (स्तंभ) – *Eka Prastarīya (Stambha).*

Monolithic.

स्मारक, एक ही ठोस पत्थर का बना खंभा।

एकफालक – *Ekaphālaka.*

Single piece clothed, Loin clothed ascetics.

एक कोपीन धारण करने वाले ऐलक एवं एक साड़ी धारण करने वाली आर्यिका।

एकभक्त – *Ekabhakta.*

Single dieting (in specified morning time).

जैन साधु का एक मूलगुण–सूर्योदय के तीन घड़ी पश्चात् और

सूर्यास्तकाल से तीन घड़ी पहले दिन में जीवन पर्यंत विधिपूर्वक एक ही बार आहार ग्रहण करना ।

एकभुक्ति – *Ekabhukti*

Single dieting (in specified time)

एक बार भोजन करना ।

एकयम – *Ekayama.*

A self restraint.

सामायिक शुद्धि संयम, यह एकयामिक रूप है :

एकरात्रिप्रतिमा (योग) – *Ekarātripratimā (Yoga).*

One night representation (an austerity in cremation ground).

तीन उपवास करने के बाद चौथी रात्रि में श्मशान में विधिवत् कायोत्सर्ग करते हुए सूर्योदय होने तक वहीं पर स्थित रहना ।

एकरूप – *Ekarupa*

Unified, Indistinct, Stereotyped.

एक प्रकार का, एक जैसा ।

एकरूपत्व – *Ekarūpatva.*

Unified, Indistinct, Stereotyped.

एक प्रकार का अर्थात् एक जैसा होना ।

एकल विहार समाचारी – *Ekala Vihāra Samācāri.*

One who makes conduct of solitary walking.

वह साधु (जिनकल्पी साधु) जो एकल विहार का आचरण करता है

एकविध अवग्रह – *Ekavidha Avagraha.*

Single way apprehension.

एक प्रकार के अथवा एक जाति के, एक या अनेक पदार्थों को जानना ।

एकशाटक – *Ekaśāṭaka.*

See - *Ekaphālaka*

देखें – एकफालक ।

एकशैल – *Ekaśaila*

Name of a *Vakshar* mountain in east *Videh* (a region).

पूर्व विदेह का वक्षारगिरि ।

एकश्रेणीवर्गणा – *Ekaśreṇivargaṇā.*

A type of aggregate grouping of *karmic* molecules (of single range).

कर्म अणुओं के समूहों का एक प्रकार ।

एक संख्या – *Eka Saṁkhyā.*

A number i.e. 1.

'एक' संख्या को नोकृति कहते हैं क्योंकि इसका वर्ग करके मूल में से घटाने पर वृद्धि नहीं होती बल्कि मूल संख्या ही नष्ट हो जाती है ।

एकसंग्रह – *Ekasaṁgraha.*

Acceptance of a devotee.

प्रतिबोधक मुनियों की स्वीकृति पूर्वक एक आराधक का ग्रहण ।

एकसंस्थान – *Ekasaṁsthāna*

Name of a planet

88 ग्रहों में 26 वें ग्रह का नाम

एक सौ उनहत्तर – *Eka Sau Unhattara*

A number - 169 (169 super human beings)

169 - 169 दिव्य पुरुष (महापुरुष) कहे जाते हैं (तिलोयपण्णत्ति के अनुसार) ।

एकस्थान उपवास – *Ekasthāna Upavāsa*

A vow (an austerity)

कायक्लेश तप, शरीर को कृश करना ।

एकस्थानीय – *Ekasthānīya.*

A type of *Karmic* fruitional bondage

अनुभाग बन्ध का एक नाम

एक हजार आठ – *Eka Hajāra Āṭha*

A number - 1008 (characteristics of *Tirthankar* - Jaina Lord.

तीर्थंकर भगवान के 1008 लक्षण होते हैं । सहस्रनाम स्तोत्र में भगवान के 1008 नाम हैं। सहस्रनाम विधान में 1008 अर्घ्य हैं।

एकांग – *Ekāṁga*

One organ activity (reverence with bending the head only)

नमस्कार का प्रकार (केवल सिर झुकाना एकांग नमस्कार है) ।

एकांत – *Ekānta*

One sided Absolute, A type of wrong perception

मिथ्यात्व के 5 भेदों में एक भेद – द्रव्य और पर्यायरूप पदार्थ में किसी एक अंश को जानकर यह समझ लेना कि इतना ही इसका स्वरूप है ।

एकांतभावात्मक – *Ekāntabhāvātmaka.*

Merely existent. Lonely.

एकान्त भाव से सहित ।

एकांत वृद्धि योगस्थान –

Ekānta Vṛddhi Yogasthāna.

See - *Ekāntānuvṛddhi Yogasthāna.*

देखें – एकांतानुवृद्धि योगस्थान ।

एकांत स्थान – *Ekānta Sthāna.*

Absolute place, Secluded place.

जहाँ किसी का आना जाना न हो ऐसा शून्य स्थान ।

एकांतानुवृद्धि – *Ekāntānuvṛddhi.*

Complete development of body.

नवीन शरीर धारण के दूसरे समय से लेकर एक समय कम शरीर पर्याप्ति के अन्तर्मुहूर्त समय तक जो योगस्थान हो वे एकांतानुवृद्धि हैं ।

एकांतानुवृद्धि योगस्थान –

Ekāntānuvṛddhi Yogasthāna.

A vibratory activity in complete development of body in womb

नवीन शरीर धारण के दूसरे समय से लेकर एक समय कम शरीर

व्याप्ति के अन्तर्मुहूर्त समय तक जो योगस्थान हो।

एकांतिक – *Ekāntika.*
Directed towards one object, one piece or region.
नियम से, एकांत से संबंधित

एकाकी – *Ekākī*
Alone, Solitary
अकेला, निर्जन।

एकाग्र – *Ekāgra*
Attentive, Concentrated, Single minded.
ध्यान-अनेक पदार्थों से हटकर एक विषय में चित्तवृत्ति को रोक देना।

एकादश – *Ekādaśa.*
A number-eleven
एक संख्या-ग्यारह।

एकादश अंगधर – *Ekādaśa Aṁgadhara.*
Jain *Acharyas* possessing knowledge of 11 *Angas.*
11 अंगधारी 5 आचार्य – नक्षत्र, यशपाल, पाण्डु, ध्रुवसेन, कंस।

एकानंत – *Ekānanta.*
Unidirectional finite (like ocean which seems to be endless).
जिस एक पदार्थ को देखने पर उसका अंत नहीं पाया जाता उसको एकानंत कहते हैं जैसे अथाह समुद्र।

एकानुपश्यी – *Ekānupaśyī.*
Present observer.
ध्यानपूर्वक देखने वाला।

एकान्त क्षणिकता – *Ekānta Kṣaṇikatā.*
Doctrine of abosiute momentariness.
बौद्धमत, जो एकांत से पदार्थ को क्षणिक मानता है।

एकान्त मिथ्यात्व – *Ekānta Mithyātva.*
One sided illusion, See - *Ekānta.*
अनेक धर्म या स्वभाव वाले पदार्थ में एक ही धर्म को मानना। देखें-एकांत।

एकान्तवाद – *Ekāntavāda.*
One sided method, doctrine of absolutism.
363 एकांत मत, जो एक-एक दृष्टि को मानने वाले हैं।

एकान्त वृद्धावृद्धि – *Ekānta Vṛddhāvṛddhi.*
One sided increase in purity.
देश संयत पंचम गुणस्थान के प्रथम समय से लगाकर अंतर्मुहूर्त पर्यंत अनंतगुणी विशुद्धता का बढ़ना।

एकार्थ समवाय – *Ekārtha Samavāya.*
One inherence in the same substratum
समान पदार्थों का समुदाय।

एकार्थ समवायी – *Ekārtha Samavāyī.*
Co - inherent in the same substratum
सहसयोगी पदार्थ।

एकालापक – *Ekālāpaka.*
A type of entertainment, one answer for two questions.
मनोरंजन का एक प्रकार, दो प्रश्नों का एक ही उत्तर मांगना।

एकावली यष्टि – *Ekāvalī Yaṣṭi.*
Binding in the same thread, like string of pearls.
जो लड़ी केवल मोतियों से बनायी जाती है, उसे सूत्र भी कहते हैं (अर्थात् एक लड़ी वाले मोतियों का हार)।

एकावली व्रत – *Ekāvalī Vrata*
A type of vow with special procedure.
एक उपवास और एक पारणा के क्रम से 24 उपवास और 24 पारणायें की जाती हैं।

एकासंख्यात – *Ekāsaṁkhyāta*
Countless number
एक दिशास्थित प्रदेश पंक्ति, क्योंकि उनकी गणना नहीं हो सकती।

एकीभावस्तोत्र – *Ekībhāvastotra.*
A philosophical hymn written by *Acharya* Vadiraj
आचार्य वादिराज (ई.सन् 1010-1065) कृत संस्कृत स्तोत्र जिसकी रचना करते हुए उनके शरीर का कुष्ठ रोग दूर हो गया था।

एकेन्द्रिय – *Ekendriya.*
Beings - having one sense.
जिसके मात्र स्पर्शन इन्द्रिय है, पाँच स्थावर जीव।

एकेन्द्रिय जाति नामकर्म – *Ekendriya Jāti Nāmakarma.*
A *karmic* nature causing one sensed beings.
जिस कर्म के उदय से एकेन्द्रिय जाति में जन्म मिलता है।

एकैक उत्तरप्रकृति बन्ध – *Ekaika Uttaraprakṛti Bandha.*
One one secondary configuration bond (reg *Karmas*)
अप्रमुख कर्म प्रकृतियों का बन्ध होना।

एकोनपंचाशत – *Ekonapaṁcāśata.*
A number, 49
एक संख्या अर्थात् उनचास (49)।

एकोनविंशति – *Ekonaviṁśati.*
A number, 19.
19 – देशावधि की क्रमिक वृद्धि के 19 काण्डक।

एणाजिन – *Eṇājina.*
Skin of deer.
मृग चर्म।

एतिकायन – *Etikāyana.*
One believing in ignorance.
एक अज्ञानवादी मत को मानने वाला।

एरादेवी – *Erādevī.*
Mother's name of Lord Shantinath.

भगवान शांतिनाथ की माता का नाम ।

एला – *Elā*

Cardamom

इलायची ।

एलाचार्य – *Elācārya.*

A secondary rank (title) of Jaina saints (*Acharya*). The other name of *Acharya* Kundkund.

आचार्य के चतुर्विध संघ में आचार्य की आज्ञा से जो श्रेष्ठ साधु संघस्थ अन्य साधुओं को मार्गदर्शन देता है उसे एलाचार्य कहते हैं, कुन्दकुन्द आचार्य का अपरनाम

एलाचार्य भट्टारक – *Elācārya Bhattāraka.*

A writer of 'Jvalamalinikalpa'

'ज्वालामालिनीकल्प' के रचयिता ।

एलेय – *Eleya*

A king of *Hari* dynasty.

हरिवंश के राजा दक्ष का पुत्र, अंत में दीक्षा धारण की ।

एवंभूत – *Evambhūta.*

Specific. Such as intrinsically genuine. A standpoint of exact understanding or perception

एक नय, जिस शब्द का जिस क्रियारूप अर्थ हो उसी क्रियारूप परिणमित पदार्थ को ग्रहण करना ।

एव – *Eva.*

Exclusively, infact.

निश्चयरूप से, इसी प्रकार ।

एवकार – *Evakāra.*

Exactly, Just (not liable to be changed).

नियामक अव्यय – जैसे अर्जुन ही धुरंधर है ।

एषणा – *Eṣaṇā.*

Eating & drinking, A fault of food and hermitage of saints.

अशन, पान, खाद्य और स्वाद्य का नाम एषणा है ।

एषणाशुद्धि – *Eṣaṇāśuddhi.*

Purification of food from 14 specified faults.

आहार शुद्धि – 14 मल दोषों से रहित सावधानीपूर्वक संयमी जन को आहार दान देना ।

एषणासमिति – *Eṣaṇāsamiti.*

Carefulness in alms, food accepting for saints.

5 समिति में एक समिति–मुनि का 46 दोषों से रहित आहार ग्रहण करना ।

एसोदसव्रत – *Esodasavrata.*

A type of fasting with specified procedure.

क्रम से 1 से लेकर 11 उपवास करना फिर एक हानि क्रम से 10 से लेकर 1 उपवास तक करना, बीच में 1-2 पारणा करना।

ऐ

ऐ – *Ai.*

The ninth vowel of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का नवां स्वर

ऐक्य – *Aikya.*

Unity, Indivisibility

एकता, अखंडता ।

ऐन्द्रियक – *Aindriyaka*

Empirical, Sensory

इन्द्रिय से संबंध रखने वाला ।

ऐन्द्रिय दुःख – *Aindriya Duḥkha.*

Sensual pain

इन्द्रियों के द्वारा प्राप्त दुःख ।

ऐन्द्रिय सुख – *Aindriya Sukha.*

Sensual pleasure

इन्द्रियों के द्वारा प्राप्त क्षणिक सुख ।

ऐतिह्य – *Aitihya.*

Scripture. Traditional instruction, History

इतिहास ।

ऐरावत – *Airāvata*

Name of a region (7th) of *Jambu* island, The name of *Saudharma Indra*'s elephant

जम्बूद्वीप का सातवाँ क्षेत्र, सौधर्म इन्द्र का हाथी ।

ऐरावत वर्ष – *Airāvata Varṣa.*

See - *Airāvata Kṣetra*

देखें – ऐरावत क्षेत्र ।

ऐरावती – *Airāvatī*

The other name of the mother of Lord Shantinath, Name of a river of *Sambhutaraman* forest.

भगवान शान्तिनाथ की माता का दूसरा नाम, सम्भूतरमण वन की नदी जिसके किनारे विद्याधर चन्दना को छोड़ गया था ।

ऐलक – *Ailaka.*

A loin-clothed Jaina saint

जैन संत जो मात्र एक वस्त्र (लंगोट) धारण करते हैं, केशलोंच करते हैं एवं पिच्छी-कमण्डलु रखते हैं ।

ऐलविल – *Ailavila.*

Kubera (God of wealth).

कुबेर ।

ऐशान – *Aiśāna.*

Name of the 2nd heaven, Name of an *Indra* who put parasol over the head of Lord on the event of birth ceremony of Lord.

द्वितीय स्वर्ग का नाम, द्वितीय इंद्र का नाम जो भगवान के जन्मकल्याणक में आकर भगवान के ऊपर छत्र लगाते हैं ।

ऐशानी - *Aiśānī*

A type of great knowledge or study

एक महाविद्या, यह विद्या रावण को प्राप्त थी।

ऐश्वर्य मद – *Aiśvarya Mada.*

Puff or pride of prosperity

8 मदों में एक मद, धन सम्पत्ति आदि का घमंड

ऐहिक फलानपेक्षा – *Aihika Phalānapekṣā.*

Quality of selfless donation.

दाता का पहला गुण-दान देने पर लौकिक फल की इच्छा न करना।

ऐहिक सुख – *Aihika Sukha.*

Worldly pleasures

इस लोक संबंधी सुख या लौकिक सुख।

ओ

ओ - *O.*

The tenth vowel of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का दसवां स्वर।

ओं – *Om.*

A sacred & mystic syllable. The symbolic representative mystic word *(Mantra)* for *Namokar Mantra.*

पंच परमेष्ठी वाचक मंत्र, णमोकार मंत्र का संक्षिप्त रूप (मंत्र)। इसे "ॐ" के रूप में भी पढ़ा/जाना जाता है।

ओखली – *Okhalī*

A small mortar

भोज्य पदार्थ को कूटने का एक उपकरण।

ओघ – *Ogha.*

General, Abstract, Synonym word for *Guṇasthāna* (spiritual stage of development)

सामान्य, गुणस्थान का पर्यायवाची शब्द।

ओघ निर्देश – *Ogha Nirdeśa.*

Summary Instruction.

देखें - ओघ।

ओघ संज्ञा – *Ogha Saṃjñā*

Instinct (See - *Ogha*)

देखें - ओघ।

ओडय्य देव – *Odayya Deva*

A poet of Kannad language.

कन्नड़ कवि, 1970 में कब्बिगर काव्य की रचना की।

ओज – *Oja.*

Sperm, Body lusture, shining, Resplendent (poetic quality).

शरीर में शुक्र नाम की धातु का नाम तथा औदारिक शरीर में इसका प्रमाण होता है, शारीरिक कांति अथवा तेज, काव्य के माधुर्य, ओज, प्रसाद गुणों में एक गुण।

ओजस्विता – *Ojasvitā.*

Exuberance, Splendour.

तेजस्वी, शक्तिशाली।

ओजाहार – *Ojāhāra.*

Absorptional intake.

कर्माहारादि छः आहारों में से एक आहार। अण्डे रूपी जीव की वृद्धि हेतु मुर्गी या कबूतरी जो उसे सेती है, उससे अण्डे को जो ऊर्जा या उष्णता मिलती है उसे ओजाहार कहा जाता है। यदि माता अण्डे को नहीं सेती है तो अण्डे का जीव मर जाता है- वर्तमान में कुछ लोग इसे भ्रांतिवश शाकाहारी अण्डा कहने लगे हैं जो कि बिल्कुल गलत है।

ओड्डावण – *Oḍḍāvaṇa.*

Making pain or trouble, See - *Uddāvaṇa*

जीव का उपद्रवण करना अर्थात् पीड़ा देना, देखे - उद्दावण ।

ओम् - *Om.*

See - *Om*

देखें - ॐ ।

ओलगशाला - *Olagaśālā.*

A residential place of deities

भवनवासी देवों के भवनों में नन्द्यावर्तगृह का नाम ।

ओसण्ण मरण - *Osaṇṇa Maraṇa.*

A type of death

17 प्रकार के मरण में 7वाँ भेद । मोक्षमार्ग में स्थित मुनियों का संघ जिसने छोड़ दिया है ऐसे पार्श्वस्थ, स्वच्छन्द, कुशील व संसक्त साधुओं का मरण

औ

औ - *Au*

The eleventh vowel of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का ग्यारहवां स्वर ।

औंड्र - *Auṇḍra*

A country of *Bharat Ksetra - Aryakhand* (a region)

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

औघिक - *Aughika*

An ideal conduct of saints

समाचार का एक भेद ।

औडव - *Auḍava*

A special and particular musical sound.

संगीत की 14 मूर्च्छनाओं के 56 स्वरों में 5 स्वरों से उत्पन्न एक विशिष्ट स्वर .

औत्कारिक - *Autkārika*

Splitting type

खण्डन रूप ।

औत्पत्तिक - *Autpattika*

Produced at a time.

एक ही समय पर उत्पन्न ।

औत्पत्तिकी - *Autpattiki*

A type of supernatural power

बुद्धि ऋद्धि का एक भेद ।

औत्सर्गिक मंत्र - *Autsargika Mantra.*

Particular auspicious mystic words (*Mantra*).

दीक्षिका के 7 प्रकार के मंत्र जो हर एक गर्भाधानादि क्रिया के प्रारम्भ में होम करते समय पढ़े जाते हैं ।

औत्सर्गिक लिंग - *Autsargika Linga.*

Unclothedness, Nakedness.

नग्नता (जो लिंग मुनि धारण करते हैं) ।

औदयिक भाव - *Audayika Bhāva.*

Feelings developed by *karmic* fruition.

जीव के 5 भावों में एक , जीव के जो भाव कर्म के उदय से उत्पन्न होते हैं ।

औदारिक - *Audārika.*

Gross body (produced in womb).

शरीर के 5 भेदों में प्रथम भेद - असंख्यात प्रदेशी स्थूल शरीर।

औदारिक काययोग - *Audārika Kāyayoga.*

Vibration of the soul due to gross body (*Audarik*)

औदारिक शरीर के निमित्त से होने वाला आत्मप्रदेशों का परिस्पन्दन ।

औदारिक चतुष्क - *Audārika Catuṣka.*

Gross body, gross limbs & sublimbs, gross body bondage, & gross body association are

combinedly called *Audarik Chatushka*
औदारिक शरीर, औदारिक अंगोपांग, औदारिक बन्धन, औदारिक संघात - इन चारों का समूह औदारिक चतुष्क कहलाता है ।

औदारिक द्विक - *Audārika Dvik.*
Gross body and gross limbs and sublimbs are combinedly called *Audarik Dvik*
औदारिक शरीर, औदारिक अंगोपांग, इन दोनों का युगल औदारिक द्विक कहलाता है ।

औदारिक मिश्र काययोग - *Audarika Miśra Kāyayoga*
Vibration in body due to *karmic* aid during completion of gross body.
शरीर पर्याप्ति पूर्ण होने से पूर्व कार्माण शरीर की सहायता से उत्पन्न होने वाला औदारिक काययोग ।

औदारिक शरीर - *Audārika Śarira.*
Gross body (of human beings & *Tiryanchs*).
शरीर के 5 भेदों में प्रथम भेद-नाम कर्म के उदय से उत्पन्न होने वाला मनुष्यों एवं तिर्यंचों का शरीर औदारिक शरीर कहलाता है ।

औदारिक शरीर अंगोपांग - *Audārika Śarira Aṅgopāṅga.*
A *karmic* nature causing development of limbs and sublimbs in body
जिस कर्म के उदय से औदारिक शरीर में अंग व उप-अंग बने ।

औदारिक शरीर नामकर्म प्रकृति - *Audārika Śarira Nāmakarma Prakṛti*
A physique making *karmic* nature causing development of gross body.
वह कर्म प्रकृति जिससे औदारिक शरीर के योग्य आहार वर्गणा का ग्रहण होकर शरीर बने

औदारिक शरीर बंध - *Audarika Śarira Bamdha*
A *Karmic* nature of binding of gross body with five types of bodies
5 शरीरों के साथ औदारिक शरीर का परस्पर बंध ।

औदारिक शरीर वर्गणा - *Audārika Śarira Vargaṇā.*
A type of aggregate grouping of *karmic* molecules (reg. gross body)
औदारिक शरीर की आहार वर्गणा जो अनंतानंत प्रदेश वाली है ।

औदारिक संघात नामकर्म - *Audārika Saṁghāta Nāmakarma.*
A physique making *karmic* nature causing association of body
वह कर्म प्रकृति जिसके निमित्त से औदारिक शरीर के लिये आयी हुई वर्गणा परस्पर छिद्र रहित मिल जावें ।

औदार्य चिंतामणि - *Audārya Cintāmaṇi.*
Name of a book written by *Bhattarak* Shrutsagar.
भट्टारक श्रुतसागर (वि. 1544-1556) द्वारा रचित 458 सूत्रबद्ध व्याकरण ।

औदासीन्य - *Audāsīnya.*
Bliss due to destruction of delusion (neutrality - freeness from all passions).
मोह के उपशम या क्षय से उत्पन्न सुख (उदासीनता - राग-द्वेष आदि से रहितता) ।

औद्देशिक - *Auddeśika.*
Particularised, A fault of saint's food
सांकेतिक, आहार का एक दोष - साधु के उद्देश्य से बनाया गया भोजन ।

औपपादिक - *Aupapādika*
Hellish beings or deities who take instantaneous birth
जो उपपाद जन्म से पैदा हों ऐसे देव व नारकी ।

औपशमिक चारित्र - *Aupaśamika Cāritra*
Subsidential conduct
मोहनीय कर्म के पूर्ण उपशम से प्राप्त चारित्र ।

औपशमिक भाव - *Aupaśamika Bhāva*
Subsidential disposition/volition.
मोहनीय कर्म के उपशम से जो भाव हैं ।

औपशमिक सम्यक्त्व - *Aupaśamika Samyaktva.*
Subsidential right faith, Subsidential righteousness.
सम्यग्दर्शन का एक भेद - यह दर्शन मोहनीय कर्म के उपशमन से उत्पन्न होता है ।

औपश्लेषिक आधार - *Aupaśleṣika Ādhāra.*
A kind of base - pertaining to immediate contact
आधार के तीन भेदों में एक भेद

औपाधिक - *Aupādhika.*
Something related to special title or virtues.
उपाधि या विशेष गुणों से संबंध रखने वाला ।

औम तिथि - *Auma Tithi.*
Assimilation of two lunar days.
तिथि का घटना (एक ही दिन दो तिथियों का आ जाना) ।

और्ध्वकालिक - *Aurdhvakālika.*
Something related with past or afterwards.
पिछले समय से सम्बद्ध या बाद का ।

औषध - *Ausadha.*
Medicines.
दवाईयाँ ।

औषधवाहिनी - *Ausadhavāhinī.*
Name of a *Vibhanga* river of *Videh* (region).
अपर विदेहस्थ विभंगा नदी ।

औषधि - *Ausadhi.*
Medicine, Medication, Herb, Drug, Name of a capital of Pushkal country of *Videh* (a region).
शारीरिक उपचार में उपयोगी सौंठ, मिर्च, पीपल आदि औषधियाँ कहलाती हैं, विदेहस्थ पुष्कल देश की राजधानी ।

औषधि कल्प – *Auṣadhi Kalpa*

Name of a book of medicines written by *Ācārya* Indranandi

आचार्य इन्द्रनन्दि (ई.श. 10-11) द्वारा रचित एक वैद्यक ग्रन्थ।

औस्तुभास – *Austubhāsa*

Name of a mountain & its peripatetic deity in eastern *Lavaṇ* ocean

लवण समुद्र के पूर्व दिशा के पाताल की वलिखेप दिशा के पर्वत एवं निवासीव्यंतर देव का नाम।

क

क – *Ka*

The first consonant of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी लिपि का पहला व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान कंठ है।

कंकेलि – *Kaṁkeli*

Name of a tree where Lord Mallinath got omnisciense (The tree *Kaṁkeli* Ashoka).

मल्लिनाथ भगवान के केवल ज्ञान वृक्ष (अशोक वृक्ष) का नाम।

कंगूरा – *Kaṁgūrā*

Finial, Upper ornamentation on the wall

दीवार आदि पर नक्काशी (सजावट)

कंचन – *Kaṁcana*

Gold, 9th *Paṭal* (layer) of *Saudharma* heaven

सोना, सौधर्म स्वर्ग का 9 वां पटल।

कंचनकामिनि – *Kaṁcanakāmini*

Gold and an attractive woman

सोना एवं सुन्दर स्त्री।

कंचन प्रभा – *Kaṁcana Prabhā*

Golden lustre, Name of a loving divinity of Mahabhim *Indra*

स्वर्ण के समान कांति, महाभीम नामक इन्द्र की वल्लभिका का नाम।

कंचुकी – *Kaṁcukī*

Attendants.

सेवक।

कंज – *Kaṁja*

Lotus flower

कमल।

कंजिक व्रत – *Kaṁjika Vrata*

A vow of taking only sour gruel food

किसी भी मास की प्रथमा से प्रारम्भ करके 97 दिन तक केवल कांजी आहार (जल व भात) लेना।

कंठस्थ कमल – *Kaṁṭhastha Kamala*

A place of meditative circuit in throat where 'A' of *Paṁchakshari Mantra* is installed

शरीर में कंठ स्थान जहां पर पंचाक्षरी मंत्र के 'अ' की स्थापना की जाती है।

कंदक – *Kaṁdaka*

Trap

हाथी को पकड़ने के लिए जो परिबन्ध होता है अथवा हिरण सुअर आदि को मारने के लिए बनाया गया फन्दा।

कंदबीज – *Kaṁdabīja*

Seed - roots and tubers/bulbous seed

जो कंद से उत्पन्न होते हैं । जो भूमि के नीचे होते हैं ।

कंदमूल – *Kaṁdamūla.*

Roots and tubers like Potato, Onion etc

आलू, शकरकन्द आदि जो जमीन के नीचे होते हैं, इनमें प्रायः अनन्तकाय होते हैं ।

कंदरा – *Kaṁdarā.*

Hemitage, Cave, Cavem

एक विविक्त वसतिका (पर्वत की कन्दरा-गुफा) जो साधुओं के अनेक साधुओं के ठहरने योग्य है ।

कंदर्प – *Kaṁdarpa*

Kamdev, those having the most lustrous & attractive body

कामदेव ।

कंदर्प – *Kaṁdarpa*

Amorous talk.

रागभाव की तीव्रतावश हास्य मिश्रित असभ्य वचन बोलना

कंदर्प कथा – *Kaṁdarpa Kathā.*

Sexual gossip.

काम विकार पूर्वक हास्यमयी बातें करना ।

कंपिलाजी (तीर्थ) – *Kaṁpilājī (Tīrtha).*

The birth-place of Lord Vimalnath in dist Farrukhabad (U.P.), where four auspicious events-*Garbh, Janma, Tap & Gyan* of Lord took place. It is also the birth-place of Draupadi. It's another name is Kampilya.

उत्तरप्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में भगवान विमलनाथ की जन्मभूमि एवं उनके 4 कल्याणकों (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान) से पवित्र तीर्थस्थल, राजा द्रुपद की राजधानी एवं सती द्रौपदी की जन्मभूमि। इसका अपरनाम कांपिल्य है ।

कंबल – *Kaṁbala*

Blanket, Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (region).

ऊपर से ओढ़ने का ऊनी वस्त्र, भरतक्षेत्र के कुछ पर्वतों में एक पर्वत ।

कंस – *Kaṁsa.*

A planet, A weighing unit, Son of king Ugrasen, Name of a demon.

एक ग्रह, तौल का एक प्रमाण, इस भव में राजा उग्रसेन का पुत्र, एक राक्षस का नाम ।

कंस (आचार्य) – *Kaṁsa (Ācārya).*

Disciple of *Achrya* Dhruvasen.

आचार्य ध्रुवसेन के एक शिष्य जो 11 अंगधारी आचार्य थे । समय – ई.पूर्व 91-59 ।

कंसकवर्ण – *Kaṁsakavarṇa.*

Name of a planet.

एक ग्रह ।

ककुत्थ – *Kakuttha.*

A king of *Ikshvaku* dynasty.

इक्ष्वाकु वंश का एक राजा ।

ककुद् – *Kakud.*

A summit, Chief, Superior, Hump of bull

पहाड़ का शिखर या चोटी, मुख्य, सर्वोत्तम, प्रमुख, बैल का कूबड़ ।

ककुद्मान – *Kakudmāna*

Humped.

कूबड़ से संबंधित ।

कक्ष – *Kakṣa.*

A meeting hall, A private room, Dry grass.

सभागृह, निजी कक्ष, सूखा घास-फूस

कक्षासन – *Kakṣāsana.*

A seat for doing study.

एक आसन जिस पर बैठकर अध्ययन किया जाए ।

कचयव – *Kacayava.*

Name of a planet

88 ग्रहों में छठा ग्रह ।

कच्छ – *Kaccha.*

A country of *Bharat Kshetra Aryakhanda* (region), Brother-in-law of Lord Rishabhdev.

भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश, भगवान ऋषभदेव की पत्नी यशस्वती के भाई का नाम ।

कच्छ (कूट) – *Kaccha (Kūṭa).*

Name of a summit & a deity at *Gajdanta* mountain

गजदन्त पर्वत का कूट व देव ।

कच्छउड – *Kacchauḍa.*

The place where infinitely infinite living beings occur. (Nigod - a place under 7 hells).

आवास; पुलवियों (निगोद) के आवास स्थान अर्थात् जिसमें अनंतानंत निगोद जीव आपूर्ण होते हैं ।

कच्छ परिंगित – *Kaccha Pariṁgita*

An infraction of meditative relaxation

कायोत्सर्ग का एक अतिचार ।

कच्छवद – *Kacchavada.*

Name of a summit of *Mandar* mountain (*Vakshar*) in eastern *Videh* (a region).

पूर्व विदेह स्थित मंदार वक्षार का एक कूट ।

कच्छविजय – *Kacchavijaya.*

A summit and protecting deity of *Malyavan Gajdant.*

माल्यवान् गजदन्त पर स्थित एक कूट व उसका रक्षक देव ।

कच्छा – *Kacchā.*

Name of a country of *Videh Kshetra* (a region).

विदेह क्षेत्र के एक देश का नाम ।

कच्छावती – *Kacchāvatī.*

Name of a city of *Videh kshetra* (a region)

विदेह क्षेत्र की एक नगरी का नाम ।

कछुआ – *Kachuā.*
Tortoise, significant sign of Lord Munisuvrat
एक जीव जो मुनिसुव्रतनाथ भगवान का चिन्ह भी है ।

कज्जलप्रभा – *Kajjalaprabhā*
Large *Vapis* (like lakes) situated in *Nandan* forest etc. in the region of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के नन्दन आदि वनों में स्थित वापिका ।

कज्जली – *Kajjalī.*
Name of a planet.
एक ग्रह ।

कटक – *Kaṭaka.*
Name of a big city of Orissa, Bracelet
उड़ीसा का एक नगर, हाथ का कड़ा (कंकण) ।

कटप्रू – *Kaṭaprū.*
Name of predestined 4th *Tīrthankar* (Lord Sarvayudh) of preceding era.
भावी कालीन [illegible] के पूर्व [illegible]

कटु – *Kaṭu*
Pungent, Bitter.
6 रस का एक भेद – कड़ुवा, तिक्त, चरपरा ।

कटु रस नामकर्म – *Kaṭu Rasa Nāmakarma.*
A *karmic* nature causing production of pungent flavour in the body.
जिसके उदय से शरीर में कटु रस हो ।

कटुवचन – *Kaṭuvacana.*
Pungent speech, Bitter words
वचनों की कटुता अर्थात् अनिष्टवचन ।

कट्टर – *Kaṭṭara.*
An orthodox, A conservative, Unyielding, Strict.
अचल, अपरिवर्तनीय, अटल धार्मिक ।

कड्ड – *Kaḍḍa.*
Past name of Punjab.
पंजाब देश का पूर्व नाम ।

कठूमर – *Kaṭhūmara.*
A fruit of ficus genus class
एक उदुम्बर फल का नाम ।

कठोर वचन – *Kaṭhora Vacana.*
See - *Kaṭuvacana.*
देखें – कटुवचन ।

कठोर स्पर्श नामकर्म – *Kaṭhora Sparśa Nāmakarma.*
Karmas causing hardness of body.
जिसकर्म के उदय से शरीर का स्पर्श कठोर हो ।

कड़छी – *Kaṛachī.*
Spoon; a domestic article.
चम्मच, पूर्तिकर्म के पांच भेदों में एक भेद ।

कथंचित् – *Kathaṁcit*
Relativity in some respects.
स्यात्, परस्पर अपेक्षा सहित होना ।

कथन पद्धति – *Kathana Paddhati*
Spiritual instructions, Preaching, Style of speech
उपदेश, महात्मा पुरुष या ऋषियों द्वारा जीवों को हित रूप वचन कहना ।

कथा – *Kathā.*
Sacred legend, Religious narration or story
जिससे धर्म का लाभ हो ऐसी कथा - यह 4 प्रकार की है - आक्षेपणी, विक्षेपणी, संवेगिनी, निर्वेदिनी ।

कथाकोष – *Kathākoṣa*
Books containing many religious stories
महान ग्रंथ जिनमें विभिन्न प्रकार की प्राचीन कथाओं का संग्रह होता है ।

कथान – *Kathāna.*
A number [illegible] (1[illegible]00,000)
संख्या प्रमाण का एक भेद, अर्थात् (10,000 000) ।

कथा पट्ट – *Kathā Paṭṭa*
Place of spiritual narration (*katha*)
कथा का स्थान या कथा का पटिया ।

कथा विचार – *Kathā Vicāra.*
A book written by Bhavsen Traividya.
ई. श. 13 में भावसेन त्रैविद्य द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

कदंब – *Kadamba*
A type of peripatetic deities (*Gandharva*), Name of a tree (initiation - tree of Lord Vasupujya)
गन्धर्व नाम के व्यंतर देवों का एक भेद, वासुपूज्यनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम ।

कदंब वंश – *Kadamba Vaṁśa.*
Name of a dynasty of north Karnatak
कर्नाटक के उत्तरीय भाग में जिसका नाम पहिले बनवास था, कदंब वंश राज्य करता था, जिसको आगे चलकर चालुक्यवंशी राजा ने नष्ट कर दिया ।

कदलिका युक्त – *Kadalikā Yukta*
Corbelled, Building.
पत्थर, लकड़ी या लोहे से युक्त भवन ।

कदली गृह – *Kadalī Gṛha.*
A special part of the residence of deities
भवनवासी देवों के भवनों में एक गृह (घर) ।

कदलीघात (मरण) – *Kadalīghāta (Maraṇa).*
Accidental death caused due to any of the main reasons.
विष, वेदना, भय, शस्त्रघात, संक्लेश आदि कारणों के द्वारा जो सहसा आयु का घात होता है उसे कदलीघात मरण या अकाल मृत्यु कहते हैं ।

कनक – *Kanaka.*

Gold, Protecting peripatetic deities of south *Kundalavaradvip* (Island) and *Ghritavara* ocean. Name of a planet.

स्वर्ण, दक्षिण कौण्डलवर द्वीप तथा घृतवर समुद्र के रक्षक व्यन्तर देव, ज्योतिष के ग्रहों में सैंतालीस ।

कनक (कूट) – *Kanaka (Kūṭa)*

Summits situated on *Ruchaka, Kundal, Saumanasa* and *Manushottara* mountains

रुचक पर्वत, कुण्डल पर्वत, सौमनस पर्वत तथा मानुषोत्तर पर्वत पर स्थित कूट ।

कनकचित्रा – *Kanakacitra*

Name of a divinity residing at *Ruchak* mountain

रुचक पर्वत के भीतरी पश्चिम स्वयंप्रभ कूट पर बसनेवाली देवी। यह तीर्थंकर के जन्म काल में नाल की रोपा करती है ।

कनकध्वज – *Kanakadhvaja*

Name of person who tried to kill *Pandavas* in greed of half kingdom. Name of an ethical founder (*kulkar*)

दुर्योधन द्वारा घोषित आधे राज्य के लालच में इसने कृत्या नामक विद्या को सिद्ध करके पाण्डवों को मारने का प्रयत्न किया, परन्तु स्वयं मारा गया था. भरत के आगामी उत्सर्पिणी काल के दूसरे काल में चौथे कुलकर का नाम ।

कनकनन्दि – *Kanakanandi.*

A disciple of Indranandi Siddhanta Chakravarti.

इन्द्रनन्दि सिद्धान्त चक्रवर्ती के शिष्य तथा नेमिचन्द्र सिद्धांत चक्रवर्ती के सहधर्मा थे (ई. 939) ।

कनकपंगव – *Kanakapamgava.*

Name of a predestined 5 th ethical founder (*kulkar*).

भरत क्षेत्र के आगामी उत्सर्पिणी के दूसरे दुषमाकाल मे 16 कुलकर होंगे उनमें पाचवें कुलकर ।

कनकपाद – *Kanakapāda.*

One who is able to possess successive mode of top caste.

जिसमें सुवर्ण पर्याय के प्रगट होने की योग्यता है ।

कनकपुंख – *Kanakapumkha.*

Name of a predestined ethical founder (*Kulkar*).

आगामी उत्सर्पिणी काल के एक कुलकर का नाम ।

कनकपुंजश्री – *Kanakapumjaśri.*

Name of a king of *Rakshas* dynasty

राक्षस वंश के एक विद्याधर राजा का नाम ।

कनकप्रभ – *Kanakaprabha.*

A summit of *Kundala* mountain, Predestined ethical founder (*Kulkar*), A deity of *Ghritavara* ocean.

कुण्डल पर्वत का एक कूट, आगामी उत्सर्पिणी काल के कुलकर का नाम, घृतवर सागर का देव ।

कनकमंजरी – *Kanakamamjari.*

Name of a *Vidyadhar* king's daughter

एक विद्याधर कन्या का नाम ।

कनकमाला – *Kanakamālā.*

Name of female divinities.

भवनवासी इन्द्र 'वैरोचन' की पाच अग्रदेवियों में एक देवी, वैमानिक दक्षिण इन्द्रों की प्रधान पत्नपिका ।

कनकराज – *Kanakarāja.*

Name of a predestined ethical founder (*Kulkar*)

आगामी उत्सर्पिणी काल के दूसरे काल के कुलकर का नाम ।

कनकश्री – *Kanakaśri.*

Name of a divinity.

भवनवासी इन्द्र 'वैरोचन' की चौथी अग्रदेवी ।

कनकसंस्थान – *Kanakasamsthāna.*

Name of a planet.

ज्योतिष के 88 ग्रहों में चौथा ग्रह ।

कनकसेन – *Kanakasena*

Spiritual guide of *Acharya* Baldeva

लगभग वि. 1082 में आप आचार्य बलदेव के गुरु थे ।

कनका – *Kanakā.*

A divinity resident of *Ruchaka* mountain

रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी ।

कनकाचल – *Kanakācala.*

Another name of *Sumeru* mountain

स्वर्णाचल, सुमेरु पर्वत का अपरनाम ।

कनकामर – *Kanakāmara.*

Disciple of *Acharya* Budhamangaldeva.

ई. सन् 965-1051 में आचार्य बुधमंगलदेव के शिष्य ।

कनकावली व्रत – *Kanakāvalī Vrata.*

A type of vow (fasting)

एक वर्ष तक बराबर प्रतिमास की शु. 1, 5, 10 तथा कृ. 2, 9, 12 इन 6 तिथियों में 72 उपवास करना ।

कनकोज्जवल – *Kanakojjavala.*

Name of Lord Mahavir of preceding (9th) birth

महावीर भगवान् का पूर्व का नवमा भव । एक विद्याधर था ।

कन्नौज – *Kannauja.*

A city of Uttarpradesh, famous for scents (perfumes).

उत्तरप्रदेश का एक नगर, जो इत्र के लिये प्रसिद्ध है ।

कन्या अलीक – *Kanyā Alīka.*

An observer who conceals the truth in critical time (reg. a daughter)

व्रती जो अपने तथा पर की कन्या रक्षा हेतु सत्य को भी छोड़ता हुआ सत्याणुव्रत धारी कहलाता है ।

कन्यादान – *Kanyādāna.*

Giving of (ones) daughter in marriage.

योग्य कन्या को योग्य वर के साथ देव व पंचों की साक्षी पूर्वक

दियाहन ।

कपट – *Kapaṭa.*

Deceit, Dissembling, Trickery

दूसरों को धोखा देना ।

कपाट – *Kapāṭa*

Gate, Door.

दरवाजा ।

कपाटगत केवली – *Kapāṭagata Kevalī*

A type of omniscient.

केवली समुद्घात के 4 भेदों में एक भेद कपाट समुद्घात को प्राप्त केवली ।

कपाटसमुद्घात – *Kapāṭasamudghāta*

A type of emanation (Samudghāta).

शरीर प्रदेशों को दण्ड समुद्घात में बताये गये बाहल्य और आयाम के द्वारा पूर्व पश्चिम में वातवलय से रहित सम्पूर्ण क्षेत्र के व्याप्त करने का नाम ।

कपाल – *Kapāla.*

Skull, Half of a water pot etc.

खोपड़ी, मिट्टी के घड़ा आदि के टुकड़े ।

कपित्थ – *Kapittha.*

A wood-apple, a fruit which is hard & sour in taste.

कैथा, एक फल जो खट्टा होता है ।

कपिल – *Kapila.*

Name of a *Brahmin*, who ultimately got initiated.

एक ब्राह्मण था जिसने राम को अपने घर में देख बहुत क्रोध किया था, बाद में राम का अतिशय जान उनका भक्त बन गया था ।

कपिशा – *Kapiśā.*

A river named by *'Kusiya'*.

वर्तमान 'कोसिया' नामक नदी ।

कपोत लेश्या – *Kapota Leśyā*

See - *Kāpota Leśyā*

देखें– कापोत लेश्या ।

कफ – *Kapha.*

Phlegm, Mucus

शरीर में कफ नामक धातु ।

कमंडलु – *Kamaṁḍalu.*

Special wooden water container with nozzle used by *Digambar* Jain ascetics. It is specially made by the use of African coconut.

शौच का उपकरण–दिगम्बर जैन साधुओं के पास पाया जाने वाला उपकरण जिसमें शुद्धि आदि के लिए जल होता है। यह अफ्रीका में पाये जाने वाले विशेष नारियल के उपयोग से बनाया जाता है ।

कमठ – *Kamaṭha.*

One who caused many calamities on Lord Parshvanath.

भरतक्षेत्र में पोदनपुर निवासी विश्वभूति ब्राह्मण का पुत्र था जिसने अपने छोटे भाई मरुभूति के साथ दस भव तक एकपक्षीय बैर किया, पुनः जब मरुभूति भगवान पार्श्वनाथ बने तब शंबर नामक ज्योतिष देव बनकर उन पर घोर उपसर्ग किया था ।

कमनीय – *Kamanīya*

Pleasing, Elegant, Affectionate, Beautiful

सुन्दर ।

कमनीय रूप – *Kamanīya Rūpa*

Pleasing, beautiful, lovely-form, Superness

मनोहर, सुन्दर रूप ।

कमल – *Kamala*

Lotus (a flower) Supernatural dwelling places of female deities, A time unit

एक प्रकार का फूल, जम्बूद्वीप की रचना में हिमवान, महाहिमवान आदि पर्वताचलों पर स्थित सरोवरों में बने हुए अकृत्रिम कमल जिन पर श्री, ह्री आदि देवियां रहती हैं, काल का एक विशेष प्रमाण ।

कमलनाल – *Kamalanāla.*

Stalks of lotus

कमल पुष्प की डंडी ।

कमलपूजा (पुष्पपूजा) –

Kamalapūjā (Puṣpapūjā).

Flower worshipping

पूजा का एक प्रकार, कमल के पुष्पों से पूजा करना ।

कमलभव – *Kamalabhava.*

Name of a poet who wrote Shantishvara Purana

ई. 1235 के एक कवि, जिन्होंने शांतीश्वर (शांतिनाथ) पुराण की रचना की ।

कमलांग – *Kamalāṁga.*

A time unit

काल का एक प्रमाण, 84 लाख नलिन प्रमाण काल ।

कमला – *Kamalā*

Name of a female divinity of a peripatetic deity 'Kal'.

व्यंतर इन्द्र 'काल' की यक्षिणी का नाम ।

कर – *Kara*

Rays, Hand

किरण, हाथ ।

करकण्डु चरित्र – *Karakaṇḍu Caritra.*

Name of books written by (1) *Muni* Kanakama, (2) *Acharya* Shubhachandra

(1) मुनि कनकाम (ई. 965-1051) द्वारा रचित एक ग्रंथ, (2) आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1554) की एक रचना ।

करण – *Karaṇa.*

Auspicious and inauspicious *Karmic* results of beings are called *Karaṇa.*

जीव के शुभ–अशुभ आदि परिणाम, यह तीन प्रकार के हैं – अधःकरण, अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण :

करणकारक – *Karaṇakāraka.*
The instrumental case (reg. grammar).
व्याकरण में प्रसिद्ध तथा नित्य बोलचाल में प्रयोग किये जाने वाले कर्ता, कर्म आदि 6 कारकों में तृतीय कारक

करण चिह्न – *Karaṇa Cinha*
Auspicious marks of Lotus, Swastika Conch shell etc on the body originating clairvoyance
शरीर पर शंख, कमल, स्वस्तिक, कलश आदि चिन्ह जिनसे मनुष्य व तिर्यंचों को अवधिज्ञान उत्पन्न होता है

करणलब्धि – *Karaṇalabdhi*
Attaintment of efficiency causing right perception in *Antarmuhurt.*
अन्तर्मुहूर्त में सम्यग्दर्शन के योग्य परिणामों की प्राप्ति कराने वाली लब्धि करण लब्धि कहलाती है, यह भव्य जीवों को ही होती है, इसके अंतर्गत जीव अधःप्रवृत्त करण, अपूर्वकरण और अनिवृत्तिकरण रूप तीन करण करता है।

करणवीर्य – *Karaṇavīrya.*
Active energy, Kinetic energy.
कार्य करने की शक्ति (ऊर्जा)।

करण सत्व – *Karaṇa Satva*
Operative state (active form) of *Karmas*
दश करणों में एक; बंधे हुए कर्म पुद्गल का कर्मरूप रहना सत्व करण है।

करणानुयोग – *Karaṇānuyoga.*
One of the four departments of Jaina scriptures which deals with the structure and constitution of *Loka*, the cosmos.
जैन आगम का एक भाग (अनुयोग) जिसमें लोक अलोक के विभाग को, युगों के परिवर्तन को तथा चारों गतियों को दर्पण के समान प्रगट किया है।

करणान्तर – *Karaṇāntara.*
Operative interval of *karmas*
कर्मों की एक अवस्था से दूसरी अवस्था को प्राप्त करना।

करण्ड – *Karaṇḍa.*
Basket or a box.
पिटारा।

करतल – *Karatala.*
Palm of hand.
हथेली।

करतल परिगृहीत – *Karatala Parigrhīta.*
To hold hands in marriage (wedlock)
पाणिग्रहण।

करताल – *Karatāla*
Cymbal, Clapping.
झांझ, मंजीरा, तालियां बजाना।

करुण स्वर – *Karuṇa Svara.*
Piteous cry.
दीनतापूर्ण आवाज।

करुणा – *Karuṇā*
Compassion, Pity, Kind
दीनों पर दया, अनुकंपा रखना।

करुणादत्ति – *Karuṇādatti.*
Compassionate feelings (reg. donation of medicine, food etc).
दीन दुःखी जीवों को दयापूर्वक यथायोग्य आहार, औषध, अभयदान आदि देना।

करुणावृत्ति – *Karuṇāvṛtti*
Compasssionate attitude
अनुकंपा, दयारूप प्रवृत्ति होना।

करोत क्रिया – *Karota Kriyā.*
Doing activity without anticipation.
करने रूप कोई भी क्रिया अर्थात् जिसमें जानने रूप क्रिया भासित नहीं होती

कर्कश – *Karkaśa.*
Harsh, Cruel.
कठोर एवं कटु वचन, स्वभाव आदि।

कर्ण – *Karṇa.*
The ear, Hypotenuse,Name of a great warrior of *Mahabharat.*
श्रवणेन्द्रिय, त्रिभुज के समकोण के सामने की रेखा, कौरव पक्ष का एक महारथी जिसका जन्म कुन्ती से अविवाहित अवस्था में हुआ था।

कर्ण इन्द्रिय – *Karṇa Indriya*
A sense of hearing.
श्रोत्र इन्द्रिय जो शब्दों को अपना विषय बनाती है।

कर्णधार – *Karṇadhāra.*
Steersman, Boatman
खेवटिया, प्रमुख।

कर्णपार्य – *Karṇapārya.*
An *Acharya* who wrote 'Neminath Purana'
ई.सन् 1140 के एक आचार्य (कन्नड़ कवि) जिन्होंने नेमिनाथ पुराण की रचना की।

कर्णविधि – *Karṇavidhi.*
An ancient procedure of piercing the ears.
जब बालक 3 व 4 वर्ष का हो जावे तब मुंडन कराके उसी समय कान बींधे जाना (कर्ण छेदना)।

कर्णश्रृंग – *Karṇaśṛnga.*
Turret rising over the *Karṇa* or corner.
कोने पर बनी हुई बुर्जी।

कर्णाग्र – *Karṇāgra*
Ear lobes (lobate).
कान का बाहरी भाग।

कर्णिका – *Karṇikā.*
Ear-ring, The middle finger, The pericarp of a

lotus. Fruit stalk
कानों का आभूषण, मध्य अंगुली, कमल आदि फूल का मध्य भाग।

कर्त्तव्य – *Karttavya.*
Duty, Moral obligations.
जो उचित हो या होना चाहिए– श्रावक के दान, पूजा, शील उपवास आदि धर्म।

कर्त्तव्य कौमुदी – *Karttavya Kaumudī.*
Name of a Hindi book.
एक नीतिपूर्ण हिन्दी ग्रंथ।

कर्ता – *Kartā.*
Agent, Doer, Subject
कार्य करने वाला। परद्रव्य और आत्मद्रव्य का कोई भी संबंध न होने से आत्मा किसी का कर्ता नहीं है।

कर्ताकारक – *Kartākāraka*
Nominative case.
व्याकरण में प्रसिद्ध तथा नित्य बोलचाल में प्रयोग किये जाने वाले कर्ता, कर्म, करण आदि छः कारकों में प्रथम कारक।

कर्ताबुद्धि – *Kartābuddhi*
Wrong perception of doer
अज्ञानी – जो यह मानता है कि मैं परजीवों का उपकार करता हूं, जिलाता हूं, एकांत से निमित्त को प्रमुख मानने वाला।

कर्तावाद – *Kartāvāda.*
Theism, doctrine of supremacy.
ईश्वरवाद। ईश्वर को ही जगत का कर्ता मानने वाला मत।

कर्तृत्व – *Kartṛtva.*
Believing oneself to be benevolent or wrong doer for others.
अपने को दूसरों का उपकार, अपकार करने वाला मानना।

कर्तृत्वनय – *Kartṛtvanaya*
Acting - standpoint.
आत्मद्रव्य को रंगरेज की भांति रागादि परिणामों का कर्ता मानना

कर्तृसमवायिनी क्रिया – *Kartṛsamavāyinī Kriyā.*
A kind of verb.
क्रिया का एक भेद, आस्ते गच्छति आदि क्रियाओं को कर्तृसम- वायिनी क्रिया कहते हैं।

कर्त्रन्वयादि क्रिया – *Kartranvayādi Kriyā.*
Special achievements gained by following the right views.
यह सात प्रकार की है, ये वे क्रियायें हैं जो पुण्य करनेवाले लोगों को प्राप्त हो सकती है और जो समीचीन मार्ग की आराधना करने के फलस्वरूप प्राप्त होती हैं।

कर्नाटक – *Karnāṭaka.*
Presently a south state of India.
दक्षिण भारत का एक राज्य। जहाँ की मातृभाषा कन्नड़ है।

कर्म – *Karma.*
All omen deeds, Aggregate material substances related to soul. A religious term
कर्म कारक, क्रिया, आत्मा के साथ बंधने वाले विशेष जाति के पुद्गल स्कंध।

कर्म कलंक – *Karma Kalaṁka.*
Karma stain
ज्ञानावरणादि 8 कर्म।

कर्मकांड – *Karmakāṇḍa.*
A book written by *Ācārya* Sumatikīrti. See- *Kriyākāṇḍa.*
आचार्य सुमतिकीर्ति (ई.सन् 1556-73) द्वारा रचित एक ग्रन्थ। देखें - क्रियाकांड।

कर्मकारक – *Karmakāraka*
Accusative case
व्याकरण में प्रसिद्ध तथा नित्य बोल चाल में प्रयोग किये जाने वाले कर्ता, कर्म, करण आदि छः कारकों में द्वितीय कारक।

कर्मकाल – *Karmakāla.*
Functional time
कार्य संपादन का समय।

कर्मक्षपणा – *Karmakṣapaṇā*
Deterioration or destruction of *karmas*
ज्ञान, तप आदि के द्वारा कर्मों की निर्जरा करना या होना।

कर्मक्षयव्रत – *Karmakṣayavrata.*
A vow for destruction of *karmas*
कर्मों के क्षय के लिए उपवास विधि जिसमें 148 उपवास तथा 148 ही पारणा होते हैं, इसे कर्मदहन व्रत के नाम से जाना जाता है।

कर्मक्षेत्र – *Karmakṣetra*
Functional quarter, space, area etc.
कर्मभूमि, कृत्य करने की भूमि।

कर्मग्रंथि – *Karma Granthi.*
Karmic knot
कर्म की गांठ। जो कि प्रत्येक जीव के साथ अनादिकाल से बंधी हुई है।

कर्मचूर व्रत – *Karmacūra Vrata*
A vow for the destruction of *karmas.*
देखें – कर्मक्षय व्रत।

कर्मचेतना – *Karmacetanā.*
Consciousness of experience of action.
रागद्वेष सहित कार्य करने के उद्यम में तन्मय होना। जैसे रसोई बनाना आदि कार्यों में लीन होना।

कर्मजस्वभाव – *Karmajasvabhāva.*
Intellectual or natural developed by practical experience (of *Karmas*).
कर्म से उत्पन्न होने वाला स्वभाव, जीव का मूर्तत्व रूप तथा अचेतनत्व कर्मजस्वभाव है।

कर्मजा ऋद्धि – *Karmajā Ṛddhi.*
A type of supernatural power

द्वादशांग श्रुत के योग्य विनय से उत्पन्न होने वाली 'वैनयिकी' और उपदेश के बिना ही विशेष तप की प्राप्ति से आविर्भूत हुई चतुर्थ 'कर्मजा' प्रज्ञारूप ऋद्धि होती है।

कर्मज्ञान मैत्री – *Karmajñāna Maitri*

The state of accumulation of *karma* & knowledge

जब तक ज्ञान की कर्म सामान्यता भलीभाँति परिपूर्णता को प्राप्त नहीं होती तब तक कर्म और ज्ञान का एकत्रितपना कहा गया है।

कर्मतद्व्यतिरिक्त नोआगम – *Karma Tadvyatirikta Noāgama*

The *Karmic* matter which has been assumed to be the form of *karmas*.

ज्ञानावरणादि मूलप्रकृतिरूप अथवा इनके मतिज्ञानावरणादि उत्तरप्रकृति रूप परिणत हुआ कार्मणवर्गणारूप पुद्गल द्रव्य।

कर्मत्व – *Karmatva.*

The basic/fundamental quality of *Karmas*

प्रत्येक कर्म में रहने वाला सामान्य व नित्यधर्म कर्मत्व है।

कर्मदहन यंत्र – *Karmadahana Yantra.*

A metallic plate engraved with an auspicious mystical diagram (related to destruction of *karmas*).

एक यंत्र लिखित धातु की प्लेट जिसकी आराधना कर्म के दहन में सहायक होती है।

कर्मदहन विधान – *Karmadahana Vidhāna.*

A book written by *Ganini* Gyanmati Mataji regarding reverential worshipping

गणिनी ज्ञानमती माताजी एवं अन्य लेखक द्वारा रचित एक पूजन-विधान।

कर्मनारकी – *Karmanāraki*

Hellish *karmic* aggregate.

नरक गति के साथ आये हुए कर्मद्रव्यसमूह को कर्मनारकी कहते हैं।

कर्मनिर्जरा व्रत – *Karmanirjarā Vrata.*

A vow for destruction of *karmas*

कर्म निर्जरा के लिये किया जाने वाला एक प्रकार का व्रत जिसमें आषाढ़ से आश्विन तक प्रत्येक शुक्ला चतुर्दशी के चार उपवास होते हैं। इसकी पूरी विधि देखें व्रत विधान संग्रह एवं किशनसिंह क्रियाकोश में।

कर्मपरमाणु – *Karmaparamāṇu.*

Karma particles, species of *karmas*.

जो परमाणु क्रियारूप परिणमित होता है अर्थात् पुद्गल कर्म वर्गणायें।

कर्मपरिणाम – *Karmapariṇāma.*

Karmic consequences

उदय, कर्म का फल।

कर्मप्रकृति – *Karmaprakṛti.*

Karmic nature (results of delusion, passion etc. bad and good deeds) attached with soul

जो कर्मवर्गणा रूप पुद्गल के स्कंध जीव के रागद्वेषादिक परिणामों के निमित्त से जीव के साथ बंधकर ज्ञानावरणादि रूप हो जाते हैं।

कर्मप्रकृति टीका – *Karmaprakṛti Ṭīkā.*

A book written by *Acharya* Gyanabhooshana

आचार्य ज्ञानभूषण- II (ई. सन् 1525-59) द्वारा रचित एक ग्रन्थ।

कर्मप्रकृति रहस्य – *Karmaprakṛti Rahasya.*

A book written by *Acharya* Abhayanandi

आचार्य अभयनन्दि (ई. 930-950) कृत एक ग्रन्थ।

कर्मप्रकृति विधान – *Karmaprakṛti Vidhāna.*

A book written by *Pandit* Banarasidas.

पं. बनारसीदास (ई. 1616-1667) द्वारा रचित कर्मसिद्धान्त विषयक भाषा ग्रन्थ।

कर्मप्रत्यय – *Karma Pratyaya.*

Reason of flow of *karmas* (all 8).

8 कर्मों के आस्रव या आने के कारण : मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय, योग

कर्मप्रदेश – *Karmapradeśa.*

Karmic particles points

कर्म परमाणु।

कर्मप्रवाद – *Karmapravāda.*

8th early canon (*Purva*) of scriptural knowledge

14 पूर्वों में 8 वाँ पूर्व, जिसमें ज्ञानावरणादि कर्मों का बन्ध, उदय, उदीरणा, सत्ता आदि का कथन है। इसके एक करोड़ 80 लाख मध्यम पद हैं।

कर्मप्राभृत टीका – *Karmaprābhṛta Ṭīkā.*

A book written by *Acharya* Samantabhadra.

आचार्य समंतभद्र (ई. श. 2) कृत कर्मसिद्धान्त विषयक एक संस्कृत भाषा बद्ध ग्रन्थ।

कर्मप्रायोग्य पुद्गल – *Karmaprāyogya Pudgala.*

Matters fit to be manifested as *karmas*

कार्मण वर्गणाएं - कर्मरूप परिणमित होने वाली पुद्गल वर्गणाएं।

कर्मफल – *Karmaphala.*

Karmic results (bliss, pain etc.).

किये गये कर्म से उत्पन्न सुख - दुख कर्मफल है।

कर्मफल चेतना – *Karmaphala Cetanā.*

Consciousness of *karmic* consequences (fruition).

कर्मों के फल अर्थात् सुख-दुख का अनुभव करना।

कर्मबंध – *Karmabandha.*

Karmic bindings with soul.

जीव और कर्मवर्गणाओं का परस्पर एक क्षेत्रावगाह संबंध होना।

कर्मबंधक – *Karmabandhaka.*

Being attached to *karmic* bondages.

कर्मों का बंध करने वाला जीव।

कर्मभाव – *Karmabhāva.*

Karmic sentiments

जो पुद्गल द्रव्य आत्मा के रागद्वेष भावों के निमित्त से कर्मरूप परिणमन करते हैं।

कर्मभूमि – *Karmabhumi*
Land of action
जहाँ के निवासी असि, मसि, कृषि, विद्या,वाणिज्य, शिल्प इन षट् कर्मों से अपनी आजीविका चलाते हैं अथवा जहाँ मोक्ष का साधक संयम धर्म पाला जा सके।

कर्मभूमिज – *Karmabhūmija.*
Beings born in the land of action
कर्मभूमि में जन्म लेने वाले जीव।

कर्मभूमिज म्लेच्छ – *Karmabhūmija Mleccha.*
Beings born in *Mlechchha* land of action
5 भरत, 5 ऐरावत तथा 160 विदेहों में, 170 आर्यखंड, 850 म्लेच्छ खंड हैं। इनमें पैदा होने वाले असि, मसि आदि षट् कर्म तो करते हैं परन्तु धर्म साधन नहीं करते इसलिये म्लेच्छ कहलाते हैं।

कर्ममल विप्रमुक्त – *Karmamala Vipramukta.*
Free from the stains of *karmas* i.e. Lord *Arihant, Siddha.*
अरहंत, सिद्ध परमेष्ठी – जो कर्म कलंक (घाति–अघाति) से रहित हैं।

कर्ममाषा – *Karmamāṣā.*
A weighing unit.
एक तौल का प्रमाण।

कर्ममीमांसा – *Karmamimāṃsā.*
Philosophy of *karmic* investigation
षट्दर्शन में एक दर्शन।

कर्मयोग – *Karmayoga.*
Philosophy of action, *karmic* activity (vibration).
संयोग–कर्मों के उदय से ही आत्मा के प्रदेशों का कम्पन होना।

कर्मवर्गणा – *Karmavargaṇā.*
Karmic variforms (group of *karmic* molecules)
द्रव्यवर्गणा का एक भेद जिनमें आठ प्रकार के कर्म स्कन्धों के भेद कर्मवर्गणा है।

कर्मवाद – *Karmavāda.*
Karmic theory, Doctrine of casuality.
एक मत जो क्रिया से ही मोक्ष मानते हैं।

कर्मवादी – *Karmavādi.*
Believer in *karmic* theory.
कर्मवाद को मानने वाले।

कर्मविपाक – *Karmavipāka.*
Karmic fruition.
कर्मों के उदय को कर्मविपाक कहते हैं।

कर्मविमुख – *Karmavimukha.*
Inert, Inactive, One escaped from the duties.
कर्तव्य से विमुख या कर्तव्य के प्रति उदासीन।

कर्मविस्रसोपचय – *Karmavisrasopacaya*
Karmic natural aggregation
कर्म की उम्मीदवार वर्गणा।

कर्म बीज – *Karma Vija.*
Things causing *karmic* binding.
रागद्वेष या कर्म प्रत्यय जिनसे कर्म बंध होता है।

कर्मपरिणाम – *Karmaparināma*
Karmic annihilation (destruction)
कर्म प्रकृति का बंध, उदय या सत्ता से छूट जाना।

कर्मशक्ति – *Karmaśakti.*
Karmic power
सिद्ध रूप फल को प्राप्त करना।

कर्म शरीर – *Karma Śarira.*
Karmic body
कार्मण शरीर।

कर्मश्लेष – *Karmaśleṣa*
Karmic adhesion
मिथ्यात्व–आत्मा में रागादि कषाय भी कर्मों के श्लेष का कारण है।

कर्म संवत्सर – *Karma Saṃvatsara*
A year time for a work
कार्य करने का वर्ष।

कर्म सन्यास – *Karma Sanyāsa.*
Renunciation from *karmas* (destruction of *karmas*).
कर्मों का क्षय।

कर्मसमवायिनी क्रिया – *Karmasamavāyini Kriyā.*
Different activities of *karmic* assemblage
ओदन को पकाना, घड़े को फोड़ना आदि क्रियाएँ।

कर्मस्कंध – *Karmaskandha*
Karmic aggregate
पुद्गल कार्मण स्कंध।

कर्मस्तव – *Karmastava.*
A renowned book on *karmic* theory
कर्म सिद्धान्त विषयक एक प्रसिद्ध ग्रन्थ।

कर्म स्थिति – *Karma Sthiti.*
Karmic duration
कर्म बंध का एक भेद, स्थिति बंध।

कर्मस्पर्श – *Karmasparśa.*
Mutual contact of *karmas*
कर्मों का कर्मों के साथ स्पर्श होना।

कर्मादान – *Karmādāna.*
Flow of *karmas*
आस्रव।

कर्माधीन – *Karmādhina.*
Dependence on *karmas*.
कर्मों के आधीन होना जैसे जीव प्रदेशों का विस्तार कर्माधीन है, स्वाभाविक नहीं।

कर्मार्य – *Karmārya.*
A type of *Aryas* (noble persons)

कषायें तीन प्रकार है-साध्य कषायें, अल्प साध्य कषायें, असाध्य कषायें ।

कर्मावस्था - *Karmāvasthā.*

Stage of *karmas.*

कर्म अवस्था 3 तरह की होती है - बंध, उदय, सत्ता ।

कर्माहार - *Karmāhāra.*

Karmic intake

आत्मा के द्वारा द्रव्य एवं भाव कर्मों के ग्रहण करने को कर्माहार कहते हैं ।

कर्मेन्द्रिय - *Karmendriya*

Organs of *karmic* operations

हाथ-पैर आदि शरीर के अंग ।

कर्मोदय - *Karmodaya.*

Karmic fruition

कर्मों के फल भोगने के काल को कर्मोदय कहते हैं ।

कर्मोदय अवस्था - *Karmodaya Avasthā*

Rising (fruition) state of *karmas*, Operative *karmic* matters.

उदयकरण, कर्म प्रदेशों का फल देने लगना उदयावस्था है ।

कर्मोपाधिनिरपेक्ष-सापेक्ष नय -

Karmopādhinirapekṣa-Sāpekṣa Naya

Viewpoint regarding angerness, proud etc., the state of impurity in soul

जो जीव के अशुद्ध भावों को माने जैसे जीव को क्रोधी-मानी आदि कहना ।

कर्वट - *Karvaṭa.*

Village surrounded by mountains, A group of 200 villages.

पर्वतों से घिरा हुआ ग्राम, एक कर्वट में 200 गाँव होते हैं ।

कर्ष - *Karṣa.*

1/4 *Pala*, a measure, Pulling, Ploughing.

एक पल का चौथाई भाग, नापने की इकाई, घसीटना, खींचना, हल जोतना ।

कर्षण - *Karṣaṇa.*

Cultivation (reg. all passions).

जोतना, खेती करना, जीव के सुख-दुखरूप धान्य को उत्पन्न करने वाले कर्म रूप खेत को क्रोध आदि के द्वारा जोतना (कर्षण करना) ।

कलंकलि भाव - *Kalaṁkali Bhāva.*

Blemish sentiments, Worldly wandering

खोटे, बुरे भाव ।

कलकल पृथिवी (आठवीं) -

Kalakala Pṛthivī (Āṭhavīṁ).

The 8th earth under 7 land of hell.

7 नरक भूमि के नीचे आठवीं पृथ्वी जहाँ निगोदिया जीव हैं ।

कलधौतनन्दि - *Kaladhautanandi.*

Name of an *Acharya* saint.

ई. सन् 893-923 के एक आचार्य का नाम

कलश - *Kalaśa*

A rounded pitcher (small)-an auspicious article.

जिनेन्द्र प्रतिमाओं के पास सुशोभित 8 मंगल द्रव्यों में एक द्रव्य।

कलश वाहक - *Kalaśa Vāhaka.*

Pitcher (a water pot) carrier.

कलश को ले जाने वाला ।

कलश शुद्धि - *Kalaśa Śuddhi*

A particular kind of ritual procedure of purifying the metallic *Kalsha* (pinnacle), which is to be placed on the top of the temple spire with 81 pitchers filled with pure water.

मंदिर के शिखर पर चढ़ाये जाने वाले स्वर्ण, ताम्र अथवा पाषाण के कलश की विशेष विधिपूर्वक 81 जलकलशों द्वारा की जाने वाली शुद्धि ।

कलशारोहण - *Kalaśārohaṇa.*

Consecration of *Kalash* (rounded pinnacle with 7,9 or 11 divisions) at the summit of a newly built Jain-temple

जिनमंदिर की पूर्णता पर विशेष धार्मिक विधिपूर्वक शिखर के ऊपर सोने, तांबे या पाषाण का कलश चढ़ाना, यह मंदिर की पूर्णता का प्रतीक है ।

कलह - *Kalaha.*

Quarrelling, Strife.

क्रोधादि के वश होकर तलवार, लाठी और असभ्य वचन आदि के द्वारा दूसरों को सन्ताप उत्पन्न करना ।

कलह कथा - *Kalaha Kathā.*

Quarrelsome talk, habitually complaining

25 विकल्पों में एक कथा; असभ्य वचन या झगड़ा कराने वाली क्रियाओं का कथन करना ।

कलहपाहुड - *Kalaha Pāhuḍa.*

Presenting quarrelsome matters

गधा, जीर्ण वस्तु और विष आदि द्रव्य कलह के निमित्त हैं, इसलिये उपचार से इन्हें भी कलह कहते हैं। इस कलह के निमित्त भूत द्रव्य का भेजना कलह पाहुड कहलाता है। यहाँ पाहुड-प्राभृत का अर्थ भेंट है ।

कला - *Kalā.*

72 kinds of arts, skills.

बहत्तर कलाएं या गणित विद्या ।

कलिंग - *Kaliṅga.*

A country of *Bharat Kshetra Aryakhanda* (region)

भरत क्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

कलि ओज राशि - *Kali Oja Rāśi.*

A quantity which is obtained by subtracting 4 with one (1) as remainder.

जिस राशि को चार से अपहृत करने पर 'एक' अंक शेष रहता है।

कलिकाल सर्वज्ञ – *Kalikāla Sarvajña.*

A title given to Kundkund *Acharya*

यह कुन्दकुन्द आचार्य (ई. श. 127-179) को प्रदान की गई उपाधि है किन्तु कलिकाल में कोई भी चार घातिया कर्म नष्ट करने वाले सर्वज्ञ नहीं होते हैं। इन्होंने समयसार, षट्प्राभृत आदि कई ग्रंथों की रचना की।

कलिकुंड दंड यंत्र – *Kalikunda Danda Yantra.*

A metallic plate engraved with some auspicious mystic words

एक धातु की मंत्र लिखित प्लेट

कलिचतुर्दशी व्रत – *Kalicaturdaśī Vrata*

A type of vow (particular fasting)

आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन – इन चार महीनों की शुक्ल चतुर्दशी तिथियों का बराबर 4 वर्ष तक उपवास करना

कलुषता – *Kaluṣatā.*

Passion.

कषाय।

कलेवर – *Kalevara.*

Name of a planet, The dead body.

एक ग्रह, मृत शरीर।

कल्की – *Kalki*

Oppressive kings for Jain religion, who commits aggression on saints.

साधुजनों पर अत्याचार करने वाले धर्मद्रोही राजा, ये जैन धर्म के विरोधी होते हैं।

कल्प – *Kalpa.*

A kind of supposition for heaven

स्वर्ग–इन्द्र, सामानिक आदि भेदों की जहाँ कल्पना की जाती है।

कल्पकाल – *Kalpakāla.*

20 x 10^{14} *Sagara* years (a long time period)

दश कोड़ाकोड़ी सागर प्रमाण अवसर्पिणी और उतना ही उत्सर्पिणी, ये दोनों मिलकर अर्थात् 20 कोड़ाकोड़ी सागर प्रमाण काल।

कल्पदशक – *Kalpadaśaka.*

Ten grades prevalent among the residential celestial beings.

वैमानिक इंद्र आदि देवताओं में दस प्रकार की कल्पना करना (श्रेणीबद्ध करना)।

कल्पद्रुम – *Kalpadruma.*

A type of worshipping (*pooja-vidhan*)

पूजा का एक प्रकार अथवा यज्ञ जो चक्रवर्तियों के द्वारा किमिच्छक दान देकर किया जाता है जिसमें जगत के सर्व जीवों की आशाएँ पूर्ण की जाती हैं।

कल्पद्रुम विधान – *Kalpadruma Vidhāna.*

Name of a book written by *Ganini Aryika* Gyanmati Mataji related to specific procedural worshipping.

गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित पूजा-विधान (भक्ति का महाकाव्य)। रचना – ई. सन् 1987।

कल्पनापोढ – *Kalpanāpoḍha.*

Conceptual, Deep imagination

मन की भावना संबंधी।

कल्पभूमि – *Kalpabhūmi*

Holy assembly place (6 th land of *Samavasharan*).

समवशरण की छठी भूमि।

कल्पवासी देव – *Kalpavāsī Deva.*

A type of celestial deities

सोलह स्वर्गों में रहने वाले वैमानिक देव।

कल्पवृक्ष – *Kalpavṛkṣa.*

Wish fulfilling trees

ऐसे वृक्ष जो पृथिवी रूप होते हुए जीवों को उनके पुण्य कर्म का फल देते हैं, ये दस प्रकार के होते हैं। स्वर्ग एवं भोगभूमि में ये कल्पवृक्ष होते हैं।

कल्पव्यवहार – *Kalpavyavahāra*

A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)

अंगबाह्य श्रुत–जिसमें साधुओं के योग्य आचरण का और अयोग्य आचरण होने पर प्रायश्चित विधि का वर्णन है।

कल्पशास्त्र – *Kalpaśāstra*

A judicial book (code of conduct)

जिसमें अपराध के अनुरूप दण्ड का विधान कहा है।

कल्पस्थित – *Kalpasthita.*

Observing scriptural rules

शास्त्रों के नियमों का पालन करना।

कल्पान्तकाल – *Kalpāntakāla.*

A time of disaster (end period of *Avasarpini kal*).

अवसर्पिणी के अंत का काल, भरत, ऐरावत में 49 दिन घोर पवनादि चलते हैं, आर्यखण्ड की रचना बिगड़ जाती है, फिर 49 दिन सुवृष्टि होकर पुनः रचना होती है।

कल्पाकल्प – *Kalpākalpa*

A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)

अंगबाह्य श्रुत – इसमें द्रव्य क्षेत्र काल और भाव की अपेक्षा मुनियों के लिए योग्य अयोग्य दोनों कार्यों का वर्णन है।

कल्पातीत देव – *Kalpātīta Deva*

Three types of *Indras* reside above all 16 heavens (*Kalps*).

इन्द्र, सामानिक आदि भेदों की कल्पना से रहित अहमिंद्र देव जो नौ ग्रैवेयक, नौ अनुदिश और पाँच अनुत्तर विमान में रहते हैं

कल्पातीत विभाग – *Kalpātīta Vibhāga*

A classification of super world above all 16 heavens (*Kalps*)

नौ ग्रैवेयक, नौ अनुदिश और 5 अनुत्तर विमान।

कल्पोपन्न देव – *Kalpopanna Deva*

Deities born in *Kalpa* heavens.

जो कल्पों अर्थात् 16 स्वर्गों में उत्पन्न होते हैं।

कल्प्य – *Kalpya.*

Acceptable, Permissible

व्यवहार में आने योग्य, उचित, योग्य, करणीय कर्तव्यों का विधि विधान, नियम ।

कल्प्यव्यवहार – *Kalpyavyavahara.*
See *Kalpavyavahāra.*
देखें – कल्पव्यवहार ।

कल्प्याकल्प्य – *Kalpyākalpya.*
See - *Kalpākalpa*
देखें – कल्पाकल्प ।

कल्मष – *Kalmaṣa.*
Sin, vice
पाप ।

कल्याण – *Kalyāṇa.*
10 th early canons (*Purva*) of scriptural knowledge (*Shrutgyan*). Name of a super saint.
श्रुतज्ञान का 10 वाँ पूर्व, एक ऋद्धिधारी साधु ।

कल्याणक – *Kalyāṇaka.*
Auspicious events (related to Lord Jina's lives).
तीर्थंकर के जीवन में ५ प्रतिष्ठित अवसर, जो जगत के लिये कल्याणकारी होते हैं – गर्भ कल्याणक, जन्म कल्याणक, तप कल्याणक, ज्ञान कल्याणक एवं निर्वाण कल्याणक ।

कल्याणकल्पतरु स्तोत्र – *Kalyāṇakalpataru Stotra.*
Name of a book written by *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji containing 44 specific eulogical poetic rythm
गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित चौबीस तीर्थंकर स्तुति काव्य, जिसमें एकाक्षरी छन्द से लेकर अनेकानेक (144) छंद समाविष्ट हैं ।

कल्याणक व्रत – *Kalyāṇaka Vrata.*
A type of special Jaina vow
कल्याणक तिथि में उपवास तथा अगले दिन आचाम्ल भोजन (इमली व भात) खाना, इस प्रकार पंचकल्याणक की 120 तिथियों के 120 उपवास करना ।

कल्याणकारक – *Kalyāṇakāraka.*
A book written by *Acharya* Ugraditya
आचार्य उग्रादित्य (ई. 828) द्वारा रचित एक वैद्यक ग्रन्थ ।

कल्याणकारी – *Kalyāṇakārī.*
Auspicious, Prosperous, Beneficial.
हितकर, मंगलप्रद, सुखकर, लाभदायक ।

कल्याणकीर्ति – *Kalyāṇakīrti.*
Name of an *Acharya*, the writer of 'Gyanchandrabhyudaya'
ई. सन् 1439 के एक आचार्य जिन्होंने ज्ञानचन्द्राभ्युदय ग्रंथ की रचना की ।

कल्याणत्रैलोक्यसार यन्त्र – *Kalyāṇatrailokyasāra Yantra*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic words
एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट ।

कल्याणमंदिर स्तोत्र – *Kalyāṇamandira Stotra*
A religious hymn written by Kumudchandra-svami on Lord Parshvanath.
आचार्य कुमुदचंद्रस्वामी कृत संस्कृत में पार्श्वनाथ स्तुति ।

कल्याणवाद पूर्व – *Kalyāṇavāda Pūrva.*
An early book of canons (*Purva*) describing all the events of the universe.
जिसमें सूर्य, चन्द्रमा, ग्रह, नक्षत्र और तारागणों के चार क्षेत्र, उपपादस्थान, गति, वक्रगति तथा उनके फलों का, पक्षी के शब्दों का और अरिहन्त अर्थात् तीर्थंकर बलदेव, वासुदेव और चक्रवर्ती आदि के गर्भावतार आदि महाकल्याणकों का वर्णन है ।

कल्लोल – *Kallola*
Water waves.
जल की लहर, तरंग ।

कवक – *Kavaka.*
Fungi as Mushroom etc.
एकेन्द्रिय वनस्पति-कुकुरमुत्ता आदि ।

कवच – *Kavaca.*
A kind of special preaching for ascetocism (reg. holy death), Armour
सल्लेखना, क्षपक को वैराग्योत्पादक उपदेश देना ।

कवयव – *Kavayava.*
Name of a planet.
एक ग्रह का नाम ।

कवल – *Kavala.*
1000 rice grains is 1 *Kavala.*
ग्रास, एक हजार चावलों के प्रमाण का एक ग्रास होता है ।

कवल चन्द्रायन व्रत – *Kavala Candrāyana Vrata.*
A special type of vow (pertaining to food taking).
कवल प्रमाण भोजन का एक व्रत – अमावस्या के दिन उपवास, पश्चात् प्रतिपदा के दिन एक कवल, आगे प्रतिदिन एक-एक ग्रास की वृद्धि से चतुर्दशी के दिन चौदह ग्रास, पूर्णिमा के दिन उपवास और फिर एक-एक ग्रास प्रतिदिन कम करते हुए चतुर्दशी के दिन एक ग्रास और अमावस्या के दिन उपवास ।

कवलाहार – *Kavalāhāra.*
A kind of food taking
मुख में कवल या ग्रास लेकर भोजन करना (केवली भगवान के कवलाहार नहीं होता है) ।

कवाटक – *Kavāṭaka.*
A mountain near to *Malayagiri* mountain in *Bharat Kshetra Aryakhanda* (region).
भरत क्षेत्र आर्यखण्ड में मलयगिरि पर्वत के निकट स्थित एक पर्वत ।

कश्मीर – *Kaśmīra.*
A king of *Hoon* dynasty.
हून वंश का एक राजा ।

कषना – *Kaṣanā.*
Passions causing troublas
पीड़ा पहुँचाना, क्रोधादि परिणाम आत्मा को कुगति में ले जाने के लिये कसते हैं ।

कषाय – *Kaṣāya*
Passion (anger, proud, illusion, greed etc.)
आत्मा में होने वाली क्रोधादि रूप कलुषता । क्रोध, मान, माया, लोभ रूप चार कषाय हैं ।

कषाय कालक – *Kaṣāya Kālaka.*
Anticipation of passions in different times
अल्पबहुत्व – चारों गतियों में कषाय काल की सरतम्यता ।

कषाय कुशील – *Kaṣāya Kuśīla.*
A passionate saint (who has not controlled passions).
कुशील साधु का एक भेद ; जिन्होंने संज्वलन कषाय के उदय को वश में नहीं किया है ।

कषाय चारित्र मोहनीय कर्म –
Kaṣāya Cāritra Mohanīya Karma
Delusive *karmas* with passionate conduct.
मोहनीय कर्म का एक भेद; जिसके कषाय वेदनीय और नोकषाय वेदनीय दो भेद हैं ।

कषाय निस्यंद – *Kaṣāya Nisyanda*
Passionless.
कषाय से रहित होना ।

कषायपाहुड़ – *Kaṣāyapāhuḍa.*
A book written by *Acharya* Gunadhara (reg. basic principles).
आचार्य गुणधर (ई. श. 1 पूर्वपाद) द्वारा रचित मूल सिद्धान्त ग्रन्थ ।

कषाय प्रत्यय – *Kaṣāya Pratyaya.*
Passions like anger, proud, illusion, greed etc.
कर्म बंध प्रत्यय का एक भेद; क्रोध, मान, माया, लोभ, प्रमाद आदि कषाय रूप प्रत्यय ।

कषायप्रवृत्ति – *Kaṣāyapravṛtti.*
Colouration; activities (related to mind-speech-body); full of passion
लेश्या; कषाय से अनुरंजित मन–वचन–काय की प्रवृत्ति

कषायप्राभृत – *Kaṣāyaprābhṛta.*
A book written by *Acharya* Yativrashabh
यतिवृषभाचार्य (ई. 143-173) कृत एक सिद्धान्त ग्रन्थ ।

कषाय भाव – *Kaṣāya Bhāva.*
Volition of passion.
क्रोधादि विकारी भाव ।

कषाय मल – *Kaṣāya Mala.*
See - *Kaṣāya Bhāva.*
देखें - कषाय भाव ।

कषाय मार्गणा – *Kaṣāya Mārgaṇā*
Passionless investigation
कषाय मार्गणा द्वारा जीवों का अन्वेषण ।

कषाय मोहनीय – *Kaṣāya Mohanīya*
Passion deluding *karma*
मोहनीय कर्म का एक भेद, जिसके कषाय वेदनीय और नोकषाय वेदनीय दो भेद हैं ।

कषाय रस – *Kaṣāya Rasa*
One of the five *Rasas* (tastes) i.e. pungent.
पांच रसों (मीठा, खट्टा, कड़ुवा, कषायला, चरपरा) में से एक रस । जैसे आँवले का स्वाद ।

कषाय विग्रह – *Kaṣāya Vigraha*
Controlling of the passions
कषाय समूह को उत्पन्न न होने देना – उनको अंकुश से मार डालना ।

कषाय विजय – *Kaṣāya Vijaya*
Victory over passions.
कषाय को आत्मा से समाप्त कर देना ।

कषाय विषय – *Kaṣāya Viṣaya*
Objects causing passions
इष्ट–अनिष्ट पदार्थ जो कषायरूप परिणाम पैदा करते हों

कषाय वेदनीय – *Kaṣāya Vedanīya.*
Feelings of passions
चारित्र मोह का एक भेद, इसके 16 भेद हैं ।

कषाय शक्ति – *Kaṣāya Śakti.*
Power of passions
क्रोध, मान, माया, लोभ आदि कषायों की शक्ति ।

कषाय संलेखना – *Kaṣāya Saṃlekhanā.*
Suppression and destruction of passion.
कषायों को सम्यक् प्रकार से दमन या कृश करना ।

कषायसमुद्घात – *Kaṣāyasamudghāta.*
Extrication or formation of passions
बाह्य निमित्त पाकर कषाय की तीव्रता में जीव के आत्म प्रदेश शरीर से तिगुने फैल जाते हैं, यह कषाय समुद्घात है ।

कषाय स्थान – *Kaṣāya Sthāna.*
Degree of passion (intensity)
कषायों के स्थान शक्ति या फल देने की सामर्थ्य की अपेक्षा 4 हैं; तीव्रतर, तीव्र, मंद, मंदतर या उत्कृष्ट, अनुत्कृष्ट, जघन्य, अजघन्य अनुभागरूप ।

कषायात्मा – *Kaṣāyātmā*
Souls involved in passions.
संसारी आत्मा जो क्रोधादि विकारों से सहित है ।

कषायाध्यवसाय स्थान –
Kaṣāyādhyavasāya Sthāna.
Perseverance place of passion.
कषाय के अंश जो कर्मों की स्थिति पड़ने में कारण हैं ।

कांचन – *Kāñcana*
Gold, Space vehicle of the 9th *Indra* of

Saudharma heaven
नौवां, सौधर्म स्वर्ग का 9 वां इन्द्रक विमान।

कांजी बारस व्रत – *Kāmji Bārasa Vrata.*
A type of vow (fasting).
दशलक्षण भाद्रपद शु. 12 को व्रत करना।

कांजीर – *Kāmjira.*
A bitter matter.
कटुक पदार्थ–पाप प्रकृतियों की अनुभाग शक्ति का एक उदाहरण।

कांडक – *Kāmdaka.*
Infinite splits, Innumerableth part of *Angul*
सूच्यंगुल के असंख्यातवें भाग को काण्डक कहते हैं।

कांडक आयाम – *Kāmdaka Ayāma.*
Parts with lack of aggregates of *karmic* molecules
जिस कांडक में जिन स्पर्धकों का अभाव किया वह काण्डकायाम है।

कांडक घात – *Kāmdaka Ghāta.*
Combination of destructible *karmic* matters and the remaining *karmic* aggregates
नाश करने योग्य कर्म के द्रव्य को जिनकी स्थिति घटाई हो तो उन के आवली मात्र निषेकों को छोड़कर अन्य सर्व शेष स्थिति के निषेकों में मिला देना, इसको कांडोत्करण भी कहते हैं।

कांडक द्रव्य – *Kāmdaka Dravya.*
Remaining *karmic* aggregates (to be combined with others).
जितने कर्म के निषेकों की स्थिति घटाकर अन्य में मिलायी जाती है अर्थात् स्थिति कांडक के निषेकों के परमाणु।

कांडक संक्रमण – *Kāmdaka Samkramana*
A type of transition (from one state to another)
संक्रमण का एक भेद।

कांतिमान – *Kāmtimāna.*
Effulgent, Radiant, Luminious, Lustrous
तेजस्वी, प्रभावान, दीप्त।

कांदर्पिक – *Kāmdarpika.*
Uncivilised speech with deep passions
राग के उद्रेक से हंसते हुए अशिष्ट वचन बोलना।

कांपिल्य – *Kāmpilya.*
The birth place of Lord Vimalnath, its another name is Kampilaji.
विमलनाथ भगवान की जन्म नगरी का नाम। जो उत्तरप्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में है। इसका अपरनाम कंपिलाजी है।

काकंदी – *Kākamdi.*
The birth place of Lord Suvidhinath (Pushpadant).
सुविधिनाथ (पुष्पदंतनाथ) भगवान की जन्मभूमि। जो उत्तरप्रदेश के गोरखपुर जिले में है।

काकतालीय न्याय – *Kākatāliya Nyāya*
Effortless fortunate (viz. falling of food grain into the open mouth of crow)
बिना पुरुषार्थ के सहज ही इच्छित वस्तु प्राप्त हो जाना, जैसे जिस समय कौआ ने मुँह खोला उसी समय वृक्ष से फल गिरा और मुँह में आ गया

काकवर्ण – *Kākavarna.*
Name of a king of Magadh
मगध राज्य के शिशुनाग वंश का राजा।

काकिणी – *Kākini.*
One of the 14 jewels of *Chakravarti* (emperor)
चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक।

काकुत्स्थ चारित्र – *Kākustha Caritra*
A book written by *Acharya* Vadiraj.
आचार्य वादिराज (ई. 1030-1040) द्वारा रचित एक ग्रन्थ।

कातन्त्ररूपमाला – *Kātantrarupamālā.*
Name of a book written by *Acharya* Bhavsen Traividya on grammar
आचार्य भावसेन त्रैविद्य कृत व्याकरण ग्रन्थ जिसका हिन्दी अनुवाद (कातन्त्र-व्याकरण) गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी ने किया है।

कान्यकुब्ज – *Kānyakubja.*
Old name of present city Kannauja of Uttar-pradesh, A community of Brahmin.
उत्तरप्रदेश स्थित वर्तमान नगर कन्नौज का पूर्व नाम, ब्राह्मणों की एक जाति का नाम।

कापथघट्टन – *Kāpathaghattana.*
To destroy all forms of falsehood, cause of pains
दुःखों के कारण मिथ्यात्व आदि को नष्ट करना।

कापिष्ठ – *Kāpiṣtha.*
A king of *Yadu* dynasty, Name of the 8th heaven.
यदु (यादव) वंश का एक राजा, आठवाँ कल्पस्वर्ग।

कापिष्ठ (देव) – *Kāpiṣtha (Deva).*
Name of a deity of *Kapistha* heaven.
कापिष्ठ स्वर्ग के देव।

कापोत लेश्या – *Kāpota Leśyā.*
Grey aura, a wrong conception (to blame others etc.) of life.
दूसरों के ऊपर रोष करना, दूसरों की निंदा करना, दूसरों से ईर्ष्या करना, प्रशंसा किये जाने पर धन आदि देवें इत्यादि सभी कपोत लेश्या के चिन्ह हैं।

काम – *Kāma.*
Sex, Desire, Lust.
स्त्री–पुरुष के परस्पर संयोग की अभिलाषा काम है।

कामकथा – *Kāmakathā.*
Lustful tales.
काम, रागादि भाव से लिप्त कथा।

कामचर – *Kāmacara.*
One of the universal deities.
लौकान्तिक देवों में एक देव जिनकी संख्या 21021 होती है।

कामचांडाली कल्प – *Kāmacāṇḍālī Kalpa*
A book written by *Acharya* Mallishena
आचार्य मल्लिषेण (ई.सं. 1047) द्वारा रचित एक मंत्र–तंत्र विषयक ग्रंथ ।

कामतत्त्व – *Kāmatattva*
Elements of sex
स्त्री–पुरुष के परस्पर संयोग रूप राग, मोह, रति आदि भाव ।

कामतीव्राभिनिवेश – *Kāmatīvrābhiniveśa.*
Excessive sexual passion (an infraction of vow of celibacy).
ब्रह्मचर्याणुव्रत का एक अतिचार, कामसेवन की तीव्र इच्छा रखना ।

कामद – *Kāmada.*
Name of the 5th *Rudra.*
11 रुद्रों में 5 वाँ रुद्र ।

कामदेव – *Kāmadeva.*
A great title, 24 great persons with charming body. A chief disciple of Lord Adinath
24 महापुरुषों का एक उच्च पद है, अति सुन्दर शरीर वाले 24 कामदेव थे, जिनमें प्रथम बाहुबली भगवान थे, भगवान ऋषभदेव के 84 गणधरों में एक ।

कामना – *Kamanā.*
Desire, Lust, Wish
अभिलाषा, इच्छा, आकांक्षा, राग ।

कामपुरुषार्थ – *Kāmapuruṣārtha.*
Sexual vigour.
पुरुषार्थ का एक भेद जो विवाह परम्परा से प्रारंभ होता है ।

कामपुष्प – *Kāmapuṣpa.*
A city in south of *Vijayardha* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

कामराज – *Kāmarāja.*
Name of a celibate, the writer of 'Jaikumar Puran'.
जयकुमार पुराण के कर्ता एक ब्रह्मचारी, समय – ई. 1498 ।

कामरूपित्व – *Kāmarūpitva.*
A type of super natural power (transforming one into many forms simultaneously).
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु इच्छानुसार एक साथ अनेक रूप बनाने में समर्थ होते हैं ।

कामरूप्य – *Kāmarūpya.*
A country of *Bharat ksetra Aryakhanda* (a region).
भरत क्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

कामविकार – *Kāmavikāra.*
Lust, Sex emotions.
प्रेम, विषय वासना, भोग की इच्छा से कामासक्त होना ।

कामवृष्टि – *Kāmavṛṣṭi* .
Name of a supremacy (jewel) of Bharat Chakravarti (emperor).
चक्रवर्ती का 'गृहपति' रत्न

कामसुख – *Kāma Sukha*
Sexual enjoyment
संभोग, पंचेन्द्रिय से उत्पन्न सुख ।

कामा – *Kāmā.*
Name of a chief beloved of *Indras*
उत्तरेन्द्रों की वल्लभाओं की एक महत्तरिका ।

कामाग्नि – *Kāmāgni.*
Lust, An internal fire.
काम इच्छा, आत्म यज्ञ सम्पन्न करने के लिये हवन की जाने वाली तीन अग्नियों (क्रोधाग्नि, कामाग्नि, उदराग्नि) में से एक

कामिनिका – *Kāminikā.*
Name of a chief beloved of *Indras.*
उत्तरेन्द्रों की वल्लभाओं की एक महत्तरिका ।

कामिनी – *Kāminī.*
Name of a female divinity of *Saudharma* etc heavens
सौधर्म आदि स्वर्ग की एक देवी का नाम ।

कामुक – *Kāmuka.*
Lustful, Erotic
कामासक्त, कामातुर ।

कामोद्दीपक – *Kāmoddīpaka*
Erotic (kindling or producing sexual desires).
कामुक, काम की तीव्रता को बढ़ाने वाला ।

काम्य मंत्र – *Kāmya Mantra.*
A *mantra* (sacred verse) for worshipping etc.
पूजाविधान आदि के लिये एक मंत्र ।

काय – *Kāya.*
Body.
शरीर ; काय के छह भेद हैं–पंचस्थावर के 5 एवं 1 त्रसकाय ।

कायकर्म – *Kāyakarma.*
Activities performed by bodies.
संसार अवस्था में स्थित जीवों के होने वाला कर्म ।

कायक्लेश – *Kāyakleśa.*
Physical mortification, An external austerity.
शरीर को वश में रखने के लिये अनेक प्रकार के शरीर क्लेश को क्लेश न समझते हुए तप करना ।

कायक्रिया – *Kāyakriyā.*
Activities of body.
शरीर सम्बन्धी क्रिया ।

कायक्रोधविवेक – *Kāyakrodhaviveka.*
An act of controlling anger.
भौंहे संकुचित करना इत्यादि शरीर की प्रवृत्ति न होना ।

कायगुप्ति – *Kāyagupti.*
Physically self controlling.
कायक्रिया से निवृत्ति होना, शरीर के हलनचलन को वश में रखना ।

कायत्व – *Kāyatva*

Extention, Pervasion.

बहुप्रदेशीपना ।

कायदण्ड – *Kāyadaṇḍa.*

Corporal punishment

शरीर ताडन, सजा देना ।

कायदुष्प्रणिधान – *Kāyaduṣpraṇidhāna.*

Activities like laziness mental unsteadiness etc. while *Sāmāyika* (practicing equanimity)

सामायिक शिक्षाव्रत का एक अतिचार, सामायिक करते हुए शरीर का दुष्टरूप प्रवर्तन करना, आलस्य या निद्रा रूप हो जाना, स्थिर आसन न होना ।

कायनिसर्गाधिकरण – *Kāyanisargādhikaraṇa.*

Support to the natural creation (flow of *karmas*) of the body.

कर्मों के आस्रव का आधार, 11 वाँ अजीवाधिकरण शरीर का व्यवहार करना ।

कायपरावर्तन – *Kāyaparāvartana.*

Transformation from sinful activities to sacred-ness.

आवर्त–पाप व्यापार से काय को हटाना, अवस्थान्तर को प्राप्त करना ।

कायप्रतिमा – *Kāyapratimā.*

One having supreme radiance (lustrous body) with complete & perfect characteristics

स्थावर प्रतिमा–केवलज्ञान होने के बाद सर्व लक्षणों से युक्त जितने समय इस लोक में विहार करते हैं उतने समय शरीर सहित प्रतिबिम्ब ।

कायप्रत्याख्यान – *Kāyapratyākhyāna.*

Bodily renunciation.

शरीर के द्वारा भविष्यत् काल में अतिचार नहीं करना ।

कायप्रवीचार – *Kāyapravīcāra.*

Copulation, Masturbation

शरीर से मैथुन सेवन करना ।

कायप्राण – *Kāyaprāṇa*

Presence of vitality in body.

शरीर नामकर्म के उदय से कायबल प्राप्त होता है। शरीर की चेष्टा उत्पन्न करने का सामर्थ्यरूप ।

कायबल – *Kāyabala.*

A type of supernatural power.

ऋद्धि - (1) जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु मास, चातुर्मास आदि रूप कायोत्सर्ग करते हुए भी परिश्रम का अनुभव नहीं करते । (2) जिसके उपयोग से मुनि तीनों लोकों को कनिष्ठ अंगुलि पर उठाकर अन्यत्र स्थापित करने में समर्थ होते हैं ।

काय भवस्थ – *Kāya Bhavastha.*

Born and reborn in the same body form.

एक ही शरीर और भव में बारबार जन्म लेना ।

कायमार्गणा – *Kāyamārgaṇā.*

Investigation of different body forms.

काय संबंधी जीव; जो छह प्रकार के है–पृथिवीकायिक, अपकायिक, तेजकायिक, वायुकायिक, वनस्पतिकायिक और त्रसकायिक ।

काययोग – *Kāyayoga.*

Bodily activities.

वात, पित्त व कफ आदि के द्वारा उत्पन्न परिश्रम से जो जीव प्रदेशों का परिस्पन्द होता है वह काययोग कहा जाता है ।

कायवंदना – *Kāyavandanā.*

To pay homage bodily.

मन, वचन, काय की शुद्धि पूर्वक प्रदक्षिणा करना, नमस्कार करना ।

कायविवेक – *Kāyaviveka*

Toleration of afflictions or distress (like austerity).

अपने शरीर से अपने शरीर के उपद्रव को दूर न करना ।

कायशुद्धि – *Kāyaśuddhi.*

Bodily purity, cleanliness of body.

शरीर, वस्त्र आदि की शुद्धि रखना और विनयवान होना कायशुद्धि है ।

कायसमिति – *Kāyasamiti.*

Any body - activity with care (reg protecting all micro beings etc.).

जीवों की रक्षा आदि करते हुए सम्यक् प्रकार से व्यावहारिक प्रवृत्ति करना ।

कायस्थिति – *Kāyasthiti.*

State of soul in different body forms.

एक काय का परित्याग किये बिना अनेक भवविषयक कायस्थिति होती है ।

काय स्वभाव – *Kāya Svabhāva.*

Nature of body.

अशुचि, अपवित्रता शरीर का स्वभाव है ।

कायिक – *Kāyika.*

Related to body (all types of activities etc.).

काय के द्वारा की जाने वाली शुभ–अशुभ क्रियाएँ जो आस्रव का कारण है ।

कायिकी – *Kāyikī.*

Bodily activity with bad intention.

दुष्ट भाव युक्त होकर उद्यम करना कायिकी क्रिया कहलाती है।

कायोत्सर्ग – *Kāyotsarga.*

Spiritual or meditative relaxation, (detachment with body), Reciting of 'Namokar Mantra' 9 times in 27 breathing cycles.

मुनियों का छठा आवश्यक कर्म, शरीर आदि से ममत्व त्याग आत्मा के सम्मुख होना, 27 श्वासोच्छ्वास में 9 बार णमोकार मंत्र का जाप्य करना ।

कारक - *Kāraka*

Case (reg. grammar)

व्याकरण में प्रसिद्ध तथा नित्य की बोलचाल में प्रयोग किये जाने वाले कर्ता, कर्म, करण आदि छह कारक होते हैं।

कारक कारण - *Kāraka Kāraṇa.*

Generating cause

सम्पादन करने वाला कारण, हेतु।

कारण - *Kāraṇa.*

Inference of effect, cause

कार्य के प्रति नियामक हेतु को कारण कहते हैं।

कारण कार्य भाव - *Kāraṇa Kārya Bhāva.*

Cause effect phase

निमित्त के होने पर कार्य का होना।

कारण कार्य संबंध - *Kāraṇa Kārya Sambandha.*

Relation between causes and efforts

निमित्त उपादान-कारण की सहायता से कार्यरूप परिणत हो जाना।

कारण परमतत्त्व - *Kāraṇa Paramatattva.*

Supreme soul devoid of all *karmas*.

द्रव्यकर्म, भावकर्म, नोकर्म से रहित परमात्मा।

कारण परमात्मा - *Kāraṇa Paramātmā*

Conscious element existing in all beings.

कारण परमात्मा देश कालायच्छिन्न शुद्ध चेतन सामान्य तत्त्व है, जो मुक्त संसारी तथा चींटी व मनुष्य सब में अन्वयरूप से पाया जाता है।

कारण प्रत्यय - *Kāraṇa Pratyaya*

Ascertainments causing right perception etc.

जिन बिम्ब दर्शन आदि सम्यग्दर्शन के कारण प्रत्यय हैं।

कारण विपर्यास - *Kāraṇa Viparyāsa.*

Misunderstanding, Misapprehension

कार्य के कारण को कुछ का कुछ समझना अर्थात् सही अर्थ नहीं समझ पाना।

कारण विरुद्ध व अविरुद्ध उपलब्धि - *Kāraṇa Viruddha va Aviruddha Upalabdhi.*

Cause for favourable and unfavourable happenings.

हेतु का एक भेद अन्वय-व्यतिरेक हेतु।

कारण शुद्ध जीव - *Kāraṇa Śuddha Jīva*

Soul with causes of purity.

शुद्ध निश्चय नय से सहजज्ञानादि परम स्वभाव गुणों का आधार होने के कारण 'कारण शुद्ध जीव' है।

कारण शुद्ध पर्याय - *Kāraṇa Śuddha Paryāya.*

Body-forms (*Paryay*) with causes of purity.

शुद्ध निश्चय नय से सिद्ध अनंतचतुष्टय स्वरूप भाव परिणति कारण शुद्ध पर्याय है।

कारण समवसार - *Kāraṇa Samavasara.*

Scriptural knowledge gained through reverential causes

उपादेयभूत तथा पाद्यवन्दक रूप से भेद को प्राप्त पंच परमेष्ठी के वाचक शब्दों के आश्रित जो श्रुतज्ञान होता है।

कारणस्वभावज्ञान - *Kāraṇasvabhāvajñāna.*

Instinctive knowledge with having supreme causes.

जो केवल इन्द्रिय रहित और असहाय है वह स्वभाव ज्ञान है और उसका जो कारण परम पारिणामिक भाव में स्थित त्रिकाल निरुपाधिक सहजज्ञान है, वह कारण स्वभाव ज्ञान है।

कारणानुपलम्भ - *Kāraṇānupalambha.*

Non observation of the cause; absence of cause

कारण की प्राप्ति न होना।

कारित - *Kārita*

Something getting done by others

दूसरे के द्वारा कराया गया कार्य कारित कहलाता है।

कारुण्य भावना - *Kāruṇya Bhāvanā.*

Kind emotions, compassionate feelings.

दुखी प्राणियों का दुःख दूर हो ऐसा बारबार विचार (चिंतन) करना।

कार्तिकेयानुप्रेक्षा - *Kārtikeyānupreksā.*

A book written by *Acharya* Kumar Kartikeya.

आचार्य कुमार कार्तिकेय (ई.श. 2 मध्य) द्वारा रचित वैराग्य भावनाओं का प्रतिपादक प्राकृत गाथा बद्ध ग्रन्थ।

कार्तिकेयानुप्रेक्षा टीका - *Kārtikeyānupreksā Tikā.*

A commentary book written by Shubhchandra *Bhattarak*

आचार्य कार्तिकेय विरचित कार्तिकेयानुप्रेक्षा पर भट्टारक शुभचन्द्र (ई.स. 1543) की संस्कृत टीका।

कार्तिकेयानुप्रेक्षा वचनिका - *Kārtikeyānupreksā Vacanikā.*

A Hindi commentary book written by *Pandit* Jaichand Chhabra.

कार्तिकेयानुप्रेक्षा पर पंडित जयचन्द छाबड़ा (ई.सन् 1806) कृत वचनिका।

कार्मण काय - *Kārmaṇa Kāya.*

Body related to *karmic* vibrations.

कार्मण शरीर नामकर्म के उदय से होने वाली काय को कार्मण कहते हैं।

कार्मण काययोग - *Kārmaṇa Kāyayoga.*

Karmic bodily activities.

कार्मण शरीर नामकर्म के उदय से जो कार्मण शरीर हो, इसके निमित्त से आत्मा में कर्म ग्रहण करने के लिए आत्मप्रदेशों का चंचलपना।

कार्मण काल – *Kārmaṇa Kāla.*

Karmic time period.

कार्मण शरीर में रखा जाता है वह कार्मण काल होता है

कार्मण योग – *Kārmaṇa Yoga.*

Karmic activities in soul (vibration)

कार्मण शक्तियुक्त आत्मप्रदेशों का परिस्पन्दन ।

कार्मण वर्गणा – *Kārmaṇa Vargaṇā*

Karmic Variform, Aggregate of *karmic* molecules

वर्गणा का एक भेद ।

कार्मण शरीर बंध – *Kārmaṇa Śarīra Bandha.*

Binding of *karmic* body

5 शरीरों की वर्गणा के साथ कार्मण वर्गणा का परस्पर बंध होना या मिलना ।

कार्य – *Kārya*

Any activity or deed.

क्रिया, काम, इत्यादि ।

कार्य–कारण संबंध – *Kārya Kāraṇa Sambandha.*

Relation between effects & causes, Inference.

अनुमान– कार्य को देखकर कारण का अनुमान, जैसे बाढ़ को देखकर वर्षा का अनुमान करना ।

कार्य चतुष्टय – *Kārya Catuṣṭaya.*

Combination of four powers - Omniscience, Omniperception, Infinite bliss & Omnipotent

केवलज्ञान, केवलदर्शन, अनंतसुख, अनंतशक्ति (वीर्य) युक्त फलरूप अनंत चतुष्टय का प्रगट होना ।

कार्य परमाणु – *Kārya Parmāṇu.*

Particles which are Indivisible.

स्कन्धों से पृथक् हुए अविभागी अंश कार्य परमाणु है ।

कार्य परमात्मा – *Kārya Parmātmā.*

Supreme Soul.

कर्म कलंक से रहित आत्मा ।

कार्य विरूद्ध व अविरूद्ध हेतु – *Kārya Viruddha va Aviruddha Hetu.*

Reason behind favourable & unfavourable effects.

हेतु का एक भेद ।

कार्य शुद्ध जीव – *Kārya Śuddha Jīva.*

Salvated Soul, One who has got deliverance.

मुक्त आत्मा ।

कार्य शुद्ध पर्याय – *Kārya Śuddha Paryāya.*

Pure results of supreme destructional volitions.

सादि अनंत परमोत्कृष्ट क्षायिक भाव की जो शुद्ध परिणति है ।

कार्य समयसार – *Kārya Samayasāra.*

Supreme spiritual stage attained by reverential deeds.

ध्यान आदि कारण समयसार के द्वारा शुद्धात्मा की उपलब्धि हो जाना ।

कार्य समा जाति – *Kārya Samā Jāti.*

Parity per efforts (attempts are transient in nature)

प्रयत्न से उत्पन्न होने वाला शब्द अनित्य है, जिसके अनन्तर स्वरूप का लाभ है, वह न होकर होता है, जैसे घटादि कार्य अनित्य है और जो होकर नहीं होता है, ऐसी अवस्था रहते 'प्रयत्नकार्यानित्यत्वात्' यह प्रतिषेध कहा जाता है ।

कार्य साङ्कर्य – *Kārya Sāṅkarya.*

Variety of effects, mixing of activities together

कार्य का सम्मिश्रण, मिलावट ।

कार्य स्वभाव ज्ञान – *Kārya Svabhāva Jñāna*

Sacred omniscience

जो सकल विमल केवलज्ञान है वही कार्य स्वभाव ज्ञान है

काल – *Kāla.*

Time period

वर्तमान व्यवहार में सेकेण्ड, घण्टा, दिन, वर्ष, शताब्दी आदि काल कहलाते है परन्तु आगम में उत्सर्पिणी, अवसर्पिणी आदि कालों का प्रमाण कोड़ाकोड़ी सागर में मापा जाता है ।

काल (अल्पबहुत्व) – *Kāla (Alpabahutva).*

A time period with comparability.

अपकर्ष, उपशमन, क्षपण आदि में होने वाले काल का अल्पबहुत्व।

काल (षट्काल) – *Kāla (Saṭkāla).*

Six division of time period.

अवसर्पिणी तथा उत्सर्पिणी काल के छः छः भेद, सुषमसुषमा, सुषमा, सुषमदुष्षमा, दुष्षमसुषमा, दुष्षमा और अतिदुष्षमा ये षट्काल कहलाते हैं ।

कालक – *Kālaka.*

Name of a planet.

एक ग्रह का नाम ।

कालकूट – *Kālkūṭa*

A country of *Bharat Kshetra Arya khand* (a region)

भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश ।

कालकेतु – *Kālaketu.*

Name of a planet.

एक ग्रह का नाम ।

कालक्रम – *Kālakrama.*

Successiveness in time.

काल का क्रम ।

कालतोया – *Kālatoyā.*

A river of east *Arya khand* (region).

पूर्व आर्य खण्ड स्थित एक नदी ।

कालदेश – *Kāladeśa*

Preaching according to situations

उपदेश–काल और देश को देखकर ही उपदेश देना ।

कालद्रव्य – *Kāladravya.*

Time factor.

जो सभी द्रव्यों के परिणमन में सहकारी है ।

कालनय – *Kālanaya.*

A view point related to time.

जो नय समय का आश्रय लेकर कथन करे जैसे गर्मी के दिनों में पकने वाले आम ।

कालनिबन्धन – *Kālanibandhana.*

Affiliation with time.

जो अर्थ जिस काल में प्रतिबद्ध है वह काल निबन्धन कहा जाता है

कालपरिवर्तन – *Kālaparivartana.*

Change of time or timely change

उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी काल के बीस कोड़ाकोड़ी सागर के जितने समय हैं उनमें क्रमशः उत्पन्न हुआ और क्रमशः मरण भी किया । यह सब मिलाकर एक काल परिवर्तन है ।

कालपूजा – *Kālapūjā*

Special occasional worshipping (reg. *Paryushan, Panchkalyanak* etc).

तीर्थंकरों के पंचकल्याण की तिथियां तथा अन्य दशलक्षण आदि पर्व के दिनों को निमित्त बनाकर जो पूजा की जाती है वह काल पूजा है ।

कालप्रदेश – *Kālapradeśa.*

Time instant.

काल क्षेत्र अथवा काल का एक प्रदेश ।

कालप्रतिक्रमण – *Kālapratikramaṇa.*

Time penitential retreat.

काल संबंधी दोषों से परिणामों की निवृत्ति होना अथवा जिस काल में प्रतिक्रमण करने को कहा है उसी काल में करना चाहिए।

कालप्रत्याख्यान – *Kālapratyākhyāna.*

Renunciation related to time.

काल का आश्रय करके किसी वस्तु का त्याग करना ।

कालप्रमाण – *Kālapramāṇa.*

Limitation of time.

काल या समय मर्यादा ।

काल प्ररूपणा – *Kāla Prarūpaṇā.*

Description of lowest and highest positions of matter.

जिसमें पदार्थों की जघन्य और उत्कृष्ट स्थिति का वर्णन हो ।

कालमंगल – *Kālamaṁgala.*

Very auspicious time.

जिनमहिमा से सम्बंध रखने वाला काल अथवा कल्याणक की तिथियां आदि ।

कालमुखी – *Kālamukhī.*

A type of knowledge or study.

एक विद्या ।

कालयुति – *Kālayuti.*

Time union.

जीव आदि द्रव्यों का दिन, महीना और वर्ष आदि कालों से साथ मिलाप होना ।

काललब्धि – *Kālalabdhi.*

Time of attainment or achievement

कार्य सम्पन्न होने का समय

कालवर्गणा – *Kālavargaṇā*

Aggregate of *karmic* molecules related to time

कर्म द्रव्य की अपेक्षा एक समय अधिक एक आवली से लेकर उत्कृष्ट कर्म स्थिति तक और नोकर्म द्रव्य की अपेक्षा एक समय से लेकर असंख्यात लोक प्रमाण काल तक सब काल वर्गणा कहलाती है ।

कालवाद – *Kālavāda*

Time theory.

काल ही सबको उत्पन्न तथा विनाश करता है अर्थात् काल को सब कुछ मान लेना ।

कालवादी – *Kālavādī*

A believer in time

कालवाद को मानने वाला ।

कालव्यभिचार – *Kālavyabhicāra*

Time inconclusive fallacy

भविष्यत् आदि काल के स्थान पर भूत आदि काल का प्रयोग करना ।

कालशुद्धि – *Kālaśuddhi.*

A part of right knowledge using time rightly

सम्यग्ज्ञान का अंग-स्वाध्याय के योग्य काल में ही शास्त्र पठन-पाठन आदि करना कालाचार या कालशुद्धि है ।

काल श्वपाकज – *Kāla Śvapākaja.*

Name of a caste (reg. *Vidyadhars*)

एक विद्याधर जाति । श्वपाक विद्या से श्वपाकज नाम से प्रसिद्ध हुई ।

कालसंयोग पद – *Kālasaṁyoga Pada.*

Terms related to time.

शरद, बसन्त इत्यादि काल संयोग पद हैं क्योंकि शरद और बसन्त ऋतु के संयोग से ये संज्ञायें व्यवहार में आती हैं ।

कालसंसार – *Kālasaṁsāra.*

Worldly span of time.

परमार्थ काल के निमित्त से होने वाले परिस्पन्द और अपरिस्पन्द रूप परिणमन जिनमें व्यवहार काल का विभाग भी होता है ।

कालसामायिक – *Kālasāmāyika.*

To keep equanimity all times, seasons.

ग्रीष्म आदि किसी भी ऋतु के आने पर उसमें राग द्वेष नहीं करना समता भाव रखना अथवा आगमकथित तीन कालों में विधिवत् सामायिक करना ।

कालस्तव – *Kālastava.*

Eulogical description of most auspicious time viz. birth of Lord etc.

भगवान् के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और निर्वाण कल्याणकों की प्रशस्त क्रियाओं से जो महत्ता को प्राप्त हो चुका है ऐसे काल का गुणगान करना ।

कालस्पर्शन – *Kālaspar\u015bana.*
Combination (touch) of any matter with time entity
काल द्रव्यों का अन्य द्रव्यों के साथ संयोग होना ।

कालाचार – *Kālācāra*
A part of right knowledge (reading, study etc of scripture in right time)
सम्यग्ज्ञान का एक अंग , स्वाध्याय के योग्य काल में ही शास्त्र का पठन पाठन आदि करना ।

कालाणु – *Kālāṇu.*
Atoms of time, time particles.
निश्चय काल , काल द्रव्य जो रत्न राशिवत् भिन्न-भिन्न एक-एक आकाश के प्रदेशों पर स्थित है ।

कालातिक्रम – *Kālātikrama.*
Offering food either too early or too late is untimely food
अतिथिसंविभाग का अतिचार , मुनि आदि पात्रों को दान देने के काल का उलंघन कर आहार दान करना ।

कालातीत – *Kālātīta*
Untimely fallacy.
हेत्वाभास के 5 भेदों में एक भेद ।

कालातीत हेत्वाभास – *Kālātīta Hetvābhāsa.*
A fallacy related to past time
हेत्वाभास का एक भेद, अतीतकाल ।

कालात्ययापदिष्ट – *Kālātyayāpadiṣṭa.*
Fallacy of negation in the real characteristic of matter.
हेत्वाभास - जिस हेतु का विषय-साध्य प्रत्यक्षादि प्रमाणों से बाधित हो । जैसे 'अग्नि ठण्डी है क्योंकि वह पदार्थ है' ।

कालानुगम – *Kālānugama.*
Study of time.
जिसमें समय का वर्णन हो ।

कालानुयोग – *Kālānuyoga*
A type of expositions of matters.
सत्, संख्या, क्षेत्र, स्पर्शन अनुयोगों के द्वारा जाने गये द्रव्यों की स्थिति का वर्णन कालानुयोग करता है ।

कालावधि – *Kālāvadhi.*
Time period, Span
समय सीमा ।

कालिक – *Kālika.*
Timely done work
समय में होने वाला कार्य .

काली – *Kālī.*
Female demigod of Lord Pushpadant, A type of knowledge or study.
भगवान पुष्पदंत की शासक यक्षिणी (महाकाली), एक विद्या ।

कालीघट्टपुरी – *Kālīghaṭṭapurī*
Present Kolkata (Calcutta)
वर्तमान कोलकाता (कलकत्ता) ।

कालीदास – *Kālīdāsa.*
Name of a famous poet
वर्तमान इतिहास में चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ई. 375-413 के प्रसिद्ध कवि थे

कालुष्य – *Kāluṣya*
Impure thoughts with passions
क्रोध, मान, माया और लोभ - इन चार कषायों से युक्त दूषित चित्त ।

कालोद सागर – *Kāloda Sāgara*
Second ocean of middle universe.
मध्य लोक का द्वितीय सागर जो धातकीखंड द्वीप को घेरकर स्थित है ।

काव्यानुशासन – *Kāvyānuśāsana.*
A book written by *Acharya* Hemchadra Suri ji
आचार्य हेमचन्द्र सूरि (ई.1088-1173) कृत एक ग्रन्थ ।

काव्यालंकार टीका – *Kāvyālaṃkāra Tīkā.*
A book written by *Pandit* Ashadhar ji
पं. आशाधर (ई. 1173-1243) कृत काव्य शिक्षा पर एक ग्रंथ ।

काशमीर – *Kāśamīra.*
A state of north India, 'Kashmir', A country of *Bharat Kshetra Aryakhand* (a region).
वर्तमान का ही काश्मीर जिसकी राजधानी श्रीनगर है, भरत क्षेत्र पूर्व आर्यखण्ड का एक देश ।

काशी – *Kāśī*
A great regional place, the birth place of 4 *Tirthankars* (Jaina Lords) & its another name is Banaras, A country of *Bharat kshetra*-middle-*Arya khand* (a region).
उत्तरप्रदेश का एक प्रसिद्ध तीर्थ जो तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ (स्थान - भदैनी) एवं पार्श्वनाथ (स्थान - भेलूपुर) की जन्मभूमि है, इसका अपरनाम बनारस है, भरत क्षेत्र मध्य आर्य खण्ड का एक देश । इसी के निकट चन्द्रपुरी एवं सिंहपुरी(सारनाथ) तीर्थ हैं जहाँ तीर्थंकर चन्द्रप्रभ एवं श्रेयांसनाथ जन्मे थे । ये दोनों तीर्थ वर्तमान में काशी के अन्तर्गत ही माने जाते हैं ।

काष्ठा – *Kāṣṭā.*
A time unit.
काल प्रमाण का एक भेद ।

काष्ठ – *Kāṣṭha.*
Wood, Timber
लकड़ी ।

काष्ठ कर्म – *Kāṣṭha Karma.*
A type of *karma.*
कर्म का एक भेद ।

काष्ठ शिल्पी – *Kāṣṭha Śilpī.*
A wood craftsman
लकड़ी का कार्य करने वाला कारीगर ।

काष्ठा – *Kāṣṭhā*
A time unit
काल का एक प्रमाण विशेष–15 निमेष=1 काष्ठा (2 सैकेंड)।

काष्ठा संघ – *Kāṣṭhā Saṁgha*
A group of *Digambar* Jain saints
दिगम्बर साधुओं का एक भेद ।

काष्ठी – *Kāṣṭhī.*
Name of a planet
एक ग्रह का नाम ।

कास – *Kāsa.*
Cough
खाँसी, जुकाम, छींक आना ।

किंकणी – *Kiṁkaṇī.*
A small bell.
घुंघरू या छोटी घंटियाँ ।

किंकर – *Kiṁkara.*
Attendants, Name of a member of the dynasty of Changdev
सेवक, चंगदेव के वंशज सदस्य का नाम ।

किंचिदून – *Kiṁcidūna.*
Occupancy of *Siddhas* (salvated souls)
सिद्धों की अवगाहना–अंतिम शरीर के आकार से कुछ कम ।

किंचिद् ग्रहण – *Kiṁcid Grahaṇa*
A little acceptance, A type of obstacle in saint-food.
अल्प ग्रहण, अंतराय; हाथ या पाँव द्वारा भूमि से कुछ उठाना।

किंपुरुष (देव) – *Kiṁpuruṣa (Deva).*
A type of peripatetic celestials.
व्यंतर देवों का एक भेद ।

किंपुरुष (यक्ष) – *Kiṁpuruṣa (Yakṣa).*
Demigod of Lord Dharmanath.
भगवान धर्मनाथ का शासन यक्ष ।

किंवदन्ती – *Kiṁvadantī.*
Legedary
लोक प्रचलित उक्ति ।

किंट किटिका – *Kiṁṭa Kiṭikā.*
Rattling sound of bones.
हड्डी के चटकने की आवाज ।

किन्नर – *Kinnara.*
A type of peripatetic celestials.
व्यंतर देवों का पहला भेद अथवा गान में रति करने वाले देव ।

किन्नर (यक्ष) – *Kinnara (Yakṣa).*
A demigod of Lord Anantnath.
अनंतनाथ भगवान का शासक यक्ष ।

किन्नर क्रांत – *Kinnara Krānta.*
Name of a city of peripatetic celestials
व्यंतर देवों के एक नगर का नाम ।

किन्नर गीत – *Kinnara Gīta.*
A city in south of *Vijayardha* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

किन्नरावर्त – *Kinnarāvarta*
Name of a city of *Kinnar* deities
किन्नर देवों का एक नगर ।

किन्नरोत्तम – *Kinnarottama*
A type of demigods
किन्नर देवों का एक भेद ।

किरण – *Kiraṇa.*
Rays of sun, moon etc
सूर्य, चन्द्रमा आदि से विकरित होती रश्मि ।

किरणावली – *Kiraṇāvalī*
A group of rays
किरणों का समूह ।

किरणोद्दीप्त वृत्त – *Kiraṇoddīpta Vṛtta.*
Radiant circle
प्रकाश की किरण का वृत्त (गोलाकार) ।

किरमजी – *Kiramajī.*
A kind of dark colour, An illustration of power of greed.
अनंतानुबंधी लोभ का शक्ति दृष्टांत ।

किल्विषक देव – *Kilviṣaka Deva.*
Sinful deities, Menials.
चाण्डाल की उपमा को धारण करने वाले देव ।

किल्विषी भावना – *Kilviṣī Bhāvanā.*
Sinful emotions or thinking
पाप या मायावी भावना–श्रुतज्ञान, केवली, धर्म, आचार्य, उपाध्याय, साधु में दोषारोपण करना तथा उनकी दिखावटी भक्ति करना ।

किशनसिंह – *Kiśanasiṁha.*
Name of a Hindu poet
ई. स. 1716-1728 के एक हिन्दी कवि ।

किष्किंध – *Kiṣkiṁdha.*
Name of a mountain, residential place of Sugreev, A *Vidyadhar* king
दक्षिण भारत का एक पर्वत, सुग्रीव की निवासभूमि, एक विद्याधर राजा ।

किष्किंविल – *Kiṣkiṁvila*
Name of an omniscient.
भगवान वीर के तीर्थ में एक अन्तकृत केवली का नाम ।

किष्कु – *Kiṣku.*
An area unit (cubit), A residential mountain of *Vidyadharas.*

क्षेत्र का रमणीय विशेष–अपरनाम किष्कु या गज, विद्याधरों के कैलास–पर्वत का नाम।

किष्कुपुर – *Kiskupura.*
Name of a city of *Vidyadharas* situated at *Kisku* mountain.
किष्कु पर्वत पर स्थित एक विद्याधर नगर।

कीचड़ – *Kicara.*
Mud, moss, an illustration of power of greed.
दलदल, काई, लोभ की शक्ति दृष्टांत।

कीर्तन – *Kirtana.*
Extolling, Recitation, A way to worship the God
जिनेन्द्र भगवान के अनन्त चतुष्टय आदि गुणों की भक्ति अथवा त्रिकाल वन्दना करना।

कीर्ति – *Kirti.*
Renown, Fame, Name of a king of *Kuru* dynasty
यश, कुरुवंश का एक राजा।

कीर्ति (देवी) – *Kirti (Devi)*
Name of a female deity (at *Neel* mountain).
नील पर्वत पर स्थित केसरीद्रह स्वामिनी देवी

कीर्तिकूट – *Kirtikuta.*
Name of a summit of *Neel* mountain.
नील पर्वत स्थित नवम कूट।

कीर्तिधर – *Kirtidhara*
A famous & ancient *Acharaya*, A king of family of *Ikshvaku*
प्राचीन आचार्य, इक्ष्वाकु वंश का एक राजा।

कीर्तिमती – *Kirtimati*
A female divinity resident of *Ruchak* mountain
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी का नाम।

कीर्तिमान – *Kirtimana.*
Renowned, Famous, A king of family of *Ikshvaku*
जानामाना, प्रसिद्ध, इक्ष्वाकु वंश का एक राजा।

कीर्तिमुख – *Kirtimukha.*
Monumental face of glory.
यश की मुद्रा या चिन्ह।

कीर्तिवर्मा – *Kirtivarma.*
A king of family of Chalukya
कर्नाटक के जैन कवि, चालुक्यवंशी राजा।

कीर्तिवीर्य – *Kirtivirya.*
Father's name of 8th *Chakravarti* (emperor), 'Subhaum'
सुभौम चक्रवर्ती के पिता का नाम।

कीर्तिषेण (कीर्तिसेन) – *Kirtiseṇa (Kirtisena).*
Disciple of *Acharya* Amitsen and spiritual teacher of Jinsena.
ई. 763-813 में आप अमितसेन के शिष्य व हरिवंशपुराणकार श्री जिनसेन के गुरु थे।

कीर्तिस्तंभ – *Kirtisambha*
An auspicious stone-pillar of the glory of Jain religion.
जिनधर्म की कीर्तिपताका फहराने वाला एक स्तंभ विशेष। अनेक प्राचीन तीर्थों पर हजारों वर्ष पुराने कीर्तिस्तम्भ निर्मित हैं। सन् 1974 में भगवान महावीर 2500वाँ निर्वाणोत्सव के समय, सन् 2000 में भगवान ऋषभदेव अंतर्राष्ट्रीय निर्वाण महोत्सव के मध्य तथा सन् 2001 में भगवान महावीर 2600वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव में देश के अनेक भागों में एवं ... के रूप में अनेक कीर्तिस्तम्भों का निर्माण हुआ है। दिल्ली–कनाट प्लेस (शिवाजी स्टेडियम के पास) दिगम्बर जैन मंदिर प्रांगण में निर्मित एक कीर्तिस्तम्भ इसका सबसे एक उदाहरण है।

कीलक संहनन – *Kilaka Samhanana.*
Pined/ Nailed body joint
शरीर जिसमें हड्डी परस्पर कीलित हों।

कीलकसंहनन नामकर्म प्रकृति –
Kilakasamhanana Nama Karma Prakrti.
A type of *Karmic* nature related to articulation constitution
नामकर्म; जिसके उदय से ऐसी हड्डी हों जो परस्पर कीलित हों।

कुंचित – *Kuncita.*
An infraction in posture of meditation
मुख का मुड़ा होना, कायोत्सर्ग का अतिचार।

कुंजरावर्त – *Kunjaravarta.*
A city in south of *Vijayardha* mountain. Another name of Hastinapur.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर। हस्तिनापुर का अपर नाम।

कुंड – *Kunda.*
Pool, Pit, Pond, Tank.
हौज, जम्बूद्वीप के प्रत्येक क्षेत्र में दो–दो कुण्ड हैं जिनमें कि पर्वत से निकलकर नदियां पहले उन कुण्डों में गिरती हैं। फिर कुण्डों से निकलकर क्षेत्रों में बहती हैं जैसे भरत क्षेत्र में गंगा कुण्ड व सिन्धु कुण्ड हैं।

कुंडल – *Kundala.*
Ear-ring, circle, A summit of *Ruchaka* mountain.
कर्णभूषण, मंडलाकार, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट।

कुंडलक – *Kundalaka*
See - *Kundala.*
देखें – कुंडल।

कुंडलगिरि – *Kundalagiri.*
A place of pilgrimage having mountains in circular base
11 वे द्वीप का कुण्डलाकार पर्वत, जिस पर 4 चैत्यालय हैं, 13 द्वीप के चैत्यालय में इनकी गणना है।

कुंडलपुर – *Kundalapura.*
A place of pilgrimage, the holy birth place of Lord Mahavira which is situated in the Nalanda

district of Bihar State

2600 वर्ष प्राचीन एक जैन तीर्थ, भगवान महावीर की जन्म नगरी का नाम, जो बिहार राज्य के नालन्दा जिले में स्थित है, जन्मभूमि विकास की श्रृंखला में गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से यहाँ नन्द्यावर्त महल नामक तीर्थ का निर्माण किया गया है। निर्माण समय - ई.स. 2003-2004। कुंडलपुर के प्रचार-प्रसार हेतु सन् 2003-2004 में महावीर ज्योति रथ का प्रवर्तन देश के विविध प्रांतों में किया गया।

कुंडलपुर तीर्थ पूजा – *Kundalapura Tirtha Pūjā.*

Name of a worshipping book written by *Aryika* Chandanamati Mataji

एक कृतिका, प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चन्दनामती माताजी द्वारा भगवान महावीर की जन्मभूमि पर रचित पूजा संग्रह। रचना - ई.स. 2007।

कुंडलवर द्वीप सागर –

Kundalavara Dvipa Sagara

11th island & ocean of middle universe.

मध्य लोक का 11 वाँ द्वीप-सागर।

कुंडलवर पर्वत – *Kundalavara Parvata*

Name of a mountain

कुंडलवर द्वीप के मध्य एक पर्वत।

कुंती – *Kunti.*

Daughter of king Andhakvrashni

राजा अन्धकवृष्णि की पुत्री, वसुदेव की बहन, राजा पाण्डु की रानी, 3 पाण्डवों की माँ।

कुंथलगिरि (तीर्थ) – *Kunthalagiri (Tirtha).*

Name a *Digambar* Jaina place of pilgrimage in Usmanabad dist. of Maharashtra from where Kulbhushan & Deshbhushan *Munis* (saints) got salvation. In 1955 *Samadhi* (holy death) of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagarji Maharaj took place here

महाराष्ट्र प्रांत के उस्मानाबाद जिले में अवस्थित एक दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र। यहाँ से कुलभूषण और देशभूषण नामक दो मुनि मुक्त हुए हैं। यहीं पर सन् 1955 में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज समाधिस्थ हुए थे।

कुंथु – *Kunthu.*

Three-sensed beings

तीन इंद्रिय जीव।

कुंथुनाथ – *Kunthunātha.*

Name of the 17th *Tirthankar* (Jaina Lord), who was the 6th *Chakravarti* (emperor) & 13th *Kamdev*.

भरतक्षेत्र के 17वें वर्तमान तीर्थंकर, छठे चक्रवर्ती व 13वें कामदेव का नाम (बृहद् जैन शब्दार्णव में)। इनका जन्म हस्तिनापुर में वैशाख शु. 1 को हुआ था। पिता का नाम महाराजा सूरसेन एवं माता का नाम महारानी श्रीकांता था। गृहस्थधर्म एवं राज्य संचालन के पश्चात् जैनेश्वरी दीक्षा धारण की और तपस्या करके सम्मेदशिखर से मोक्षधाम को प्राप्त किया।

कुंथुसागर (आचार्य) – *Kunthusāgara (Acārya).*

1) Name of a *Digambar* Jain *Acharya*, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar Maharaj. 2) Name of a saint the disciple of *Acharya* Shri Mahavirkirti Maharaj.

1) चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रमुख शिष्यों में से एक विशिष्ट ज्ञानी आचार्य (ई.स. 20-21)। इन्होंने संस्कृत भाषा में अनेक ग्रंथ रचे हैं। 2) आचार्य श्री महावीरकीर्ति महाराज के एक प्रसिद्ध शिष्य (ई.स. 20-21)।

कुंद – *Kunda*

Blunt, Slow-witted. A city in north of *Vijayardha* mountain.

मन्द बुद्धि, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर

कुंदकुंद – *Kunda Kunda.*

Name of a chief *Acharya*

एक प्रसिद्ध दिगम्बर जैन आचार्य (ई.स. 127-179) जिन्होंने समयसार आदि तत्त्वज्ञान पूर्ण कई अनेक प्राकृत ग्रंथ लिखे। इनके चार अपरनाम भी हैं - एलाचार्य, वक्रग्रीव, गृद्धपिच्छाचार्य, पद्मनन्दि।

कुंदकुंद का भक्ति राग –

Kunda Kunda Ka Bhakti Raga.

A poetry book written by *Ganini* Gyanmati Mataji.

गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित एक कृति। जिसमें आचार्य कुंदकुंद की प्राकृत भक्तियों का हिन्दी पद्यानुवाद है।

कुंदकुंद के भक्ति प्रसून –

Kunda Kunda Ke Bhakti Prasūna.

The book written by *Ganini* Gyanmati Mataji

गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित एक कृति।

कुंदकुंद मणिमाला – *Kunda Kunda Maṇimālā.*

The book written by *Ganini* Gyanmati Mataji

गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी द्वारा संग्रहीत एक कृति। जिसमें आचार्य कुंदकुंद के सभी उपलब्ध ग्रंथों में से 111 गाथाएं (अतिप्रमुख) संकलित की गई हैं। यह हिन्दी पद्यानुवाद सहित प्रकाशित हुई है।

कुंभ – *Kumbha.*

Chief disciple of Lord Rishabhadev & Aranath, Father's name of Lord Mallinath

भगवान ऋषभदेव तथा अरनाथ के गणधर एवं मल्लिनाथ भगवान के पिता का नाम (कुंभराज)।

कुंभकर्ण – *Kumbhakarna*

Younger brother of Ravana

रावण के छोटे भाई, जो बड़वानी (बावनगजा) से मोक्ष गये हैं। जैन महाभारत के अनुसार इनके छह माह तक सोते रहने का कथन नहीं है।

कुंभोज बाहुबली (तीर्थ) –

Kumbhoja Bāhubali (Tirtha).

A famous *Digambar* Jain place of pilgrimage of south India. On the inspiration of *Charitra*

Chakravarti Acharya Shri Shantisagarji Maharaj. *Muni* Shri Samantbhadra Maharaj got the Idol of Lord Bahubali consecrated here.
दक्षिण भारत का एक प्रसिद्ध तीर्थ। मुनि श्री समंतभद्र महाराज की कर्मस्थली· यहाँ चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की प्रेरणा से मुनि श्री समंतभद्र महाराज ने भगवान बाहुबली की प्रतिमा स्थापित करवायी है।

कुगुरू – *Kugurū.*
A preacher or teacher with bad conduct, follower of wrong path
आरम्भ, परिग्रह में संलग्न साधु तथा पाखण्डी वेषधारी साधु।

कुटिल अवलोकन – *Kutila Avalokana.*
Mean or cruel observation or view.
वक्र दृष्टि, जो अवलोकन ज्ञानावरण व दर्शनावरण के सद्भाव का प्रतीक है।

कुटिलता – *Kutilatā.*
Deceitful cunningness, Cruelty, Crookedness
वक्रता, मायाचारी, सरलता का अभाव।

कुटीचर – *Kuticara.*
1) Deceitful person. 2) A kind of saint
1) छली कपटी एवं दुष्ट, 2) मठ में रहने वाले ब्राह्मण साधु।

कुट्टक – *Kuttaka.*
Indetermined equation
अज्ञात समीकरण।

कुडइ – *Kudai*
Walls of temples, houses etc
जिनगृह, घर और भवन की जो भीतें बनायी जाती हैं उसे कुडइ कहते हैं।

कुडव – *Kudava*
A unit of weight
तौल का एक प्रमाण विशेष, 3 तुला = 1 कुडव। एक 'पाव' को एक 'कुडव' कहते हैं।

कुड्याश्रित – *Kudyāśrita.*
An infraction in posture of meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का अतिचार, भित्ती के आधार से खड़े होना आदि।

कुणिक – *Kuṇika.*
A king of Magadh kingdom
ई. पू. 525–546 में मगध का राजा तथा राजा श्रेणिक का पुत्र जिसने अपने पिता को पिंजरे में डालकर अद्भुत कष्ट पहुँचाया था।

कुत्ता – *Kutta.*
Dog, A low mean person, The trigger of a gun.
एक जानवर, श्वान, नीच व्यक्ति, बंदूक का घोड़ा।

कुत्सा – *Kutsā.*
Disgust, Reproach, Contempt.
ग्लानि; अपने दोषों को ढांकना तथा दूसरे के कुल-शील आदि में दोष लगाना, भर्त्सना करना।

कुत्सित – *Kutsita.*
Vile, Contemptible, Disgusting
घृणित, अधम, दुश्चरित्र, जो लज्जा भय आदि के वश कुत्सित धर्म, गुरु, देव आदि की वंदना करता है वह मिथ्यादृष्टि है।

कुथित – *Kuthita*
Rotten or mouldy (grains etc.)
खराब, फुई लगा हुआ अन्न अर्थात् जिसको जन्तुओं ने स्पर्श किया हो।

कुथुमि – *Kuthumi.*
Name of an agnostic or ignorant person.
अज्ञानवादी- अज्ञानवाद मत को मानने वाले का नाम।

कुदेव – *Kudeva.*
False deities.
जो देव रागद्वेष से दूषित होकर भाग-वरदान देते हैं एवं अपने साथ स्त्री, अस्त्र-शस्त्र, वस्त्र आदि परिग्रह रखते हैं।

कुधर्म – *Kudharma.*
False religion - belief in violence etc
जिस धर्म या धर्मग्रंथ में हिंसादि पापाचरण को धर्म माना गया हो।

कुधर्माकांक्षा – *Kudharmākāṅkṣā.*
Desire for false religion (*kudharm*)
कुधर्म आदि अन्य धर्मवालों के धर्म में अभिलाषा करना।

कुध्यान – *Kudhyāna.*
Wicked thoughts.
खोटे ध्यान- आर्त, रौद्र ध्यान जो संसार को बढ़ाने वाले हैं।

कुनाल – *Kunāla.*
King of the family of *Mauryas* of Magadha kingdom.
मगधदेश के मौर्य वंश का एक राजा।

कुपात्र – *Kupātra.*
Undeserving, Worthless, Moralless.
मिथ्यादृष्टि जीव या कुलिंगी साधु, इन्हें दान देने से कुभोग भूमि में जन्म होता है।

कुप्य – *Kupya.*
This includes silk, cotton cloth, silken garments, sandal-wood paste etc. attachments
रेशम, कपास और कोसा के वस्त्र तथा चंदन आदि कुप्य कहलाते हैं।

कुबेर – *Kubera.*
Lord of wealth, Demigod of Lord Arahanath and *Lokpal* of *Indras*.
अरहनाथ भगवान का शासन यक्ष, इन्द्र के उत्तर दिशा का लोकपाल, देव जो सौधर्म इन्द्र की आज्ञा से तीर्थंकर के जन्म से 15 माह पूर्व रत्नवृष्टि करता है एवं केवलज्ञान हो जाने पर समवशरण की रचना करता है।

कुबेरकान्त – *Kuberakānta.*
Name of a dominion '*Bhandar Grah*' of Bharat *Chakravarti* (emperor).

भरत चक्रवर्ती की विभूति मण्डारवेह का नाम ।

कुबेरदत्त – *Kuberadatta*

A king of the *Ikshvaku* dynasty

इक्ष्वाकु वंश का एक राजा ।

कुब्जक–संस्थान नामकर्म –

Kubjaka-Saṃsthāna Nāmakarma

Name of a *karma* nature causing humpback.

जिस कर्म के उदय से जीव का शरीर कुबड़ा होता है ।

कुभाषा – *Kubhaṣa.*

Secondary & minor languages.

कु अर्थात् ईषत् (लघु) भाषा, यह सात सौ भेदों में विभक्त है ।

कुभोग भूमि – *Kubhoga Bhūmi*

The land of beastly people

लवण समुद्र व कालोदधि समुद्र में 96 अंतर्द्वीपों में पाई जाने वाली भोगभूमि ।

कुमत – *Kumata.*

False view or doctrine.

खोटा मत (जैन धर्म से बहिर्भूत, जिसमें हिंसा आदि पापों की मान्यता हो) ।

कुमतिज्ञान – *Kumatijñāna.*

False sensual knowledge.

मिथ्यात्व सहित मतिज्ञान ।

कुमानुष – *Kumānuṣa.*

Persons having beast form.

कुभोगभूमि या अन्तर्द्वीपज मनुष्य जो पशुओं के समान मुख को धारण करते हैं ।

कुमानुष द्वीप – *Kumānuṣa Dvīpa.*

Inner islands *Lavan*- *Kolod* oceans where beast bodied people reside.

लवणोद व कालोद स्थित अंतर्द्वीप जहां कुमानुष बसते हैं ।

कुमार – *Kumāra.*

Demigod of Lord Shreyansnath.

श्रेयांसनाथ भगवान का शासन यक्ष ।

कुमारनन्दि – *Kumāranandi.*

Name of an *Acharya* saint.

न्याय विजय एवं भूपाल चतुर्विंशति के कर्त्ता आचार्य । इस नाम के और भी कुछ आचार्य हुए हैं ।

कुमार श्रमण – *Kumāra Śramaṇa*

Called 5 *Tirthankars* (Jaina-Lord) who were celibate from their childhood

बाल ब्रह्मचारी वासुपूज्य, मल्लिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर स्वामी–5 तीर्थंकर ।

कुमारसेन – *Kumārasena.*

The name of an *Acharya* saints.

आचार्य जिनसेन के परम्परा गुरु एवं आचार्य प्रभाचन्द्र के गुरु (ई. 898), काष्ठा संघ के संस्थापक एक आचार्य (ई. 698)।

कुमार स्वामी (कार्तिकेय) –

Kumāra Svāmi (Kārtikeya).

An *Acharya* who wrote a book 'Kartikeyanupreksha'

एक आचार्य–कार्तिकेयानुप्रेक्षा ग्रंथ के कर्ता ।

कुमारिल भट्ट – *Kumārila Bhaṭṭa.*

Name of an *Acharya* saint, and a profounder of Hindu philosophy

मीमांसक मत के आचार्य एवं हिन्दू धर्म का प्रभावशाली प्रचारक।

कुमारी – *Kumārī.*

A girl, unmarried.

अविवाहित कन्या ।

कुमार्ग – *Kumārga.*

Wrong path

खोटा या मिथ्यादृष्टि का मार्ग जो संसार वर्धक है ।

कुमुद – *Kumuda.*

A time unit. A city in north of *Vijayardh* mountain

श्वेतकमल, काल का एक प्रमाण विशेष–84 लाख कुमुदांग प्रमाण काल, विजयार्द्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

कुमुद (पर्वत तथा कूट) –

Kumuda (Parvata & Kūṭa)

Name of a mountain, a summit & a protecting deity of *Devkuru*, A summit of *Ruchak* mountain

देवकुरु का दिग्गजेन्द्र पर्वत, एक कूट व उसका रक्षक देव, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट ।

कुमुद प्रभा – *Kumuda Prabhā*

Name of a *Vapi* (large lake) in the *Nandan* forest of *Sumeru* mountain.

सुमेरु पर्वत के नन्दनादि वनों में स्थित एक वापी ।

कुमुदवती – *Kumudavatī.*

Daughter of Devakaraj, Name of the club (*Gada*) of Shrikrisna.

देवकराज की पुत्री तथा पाण्डु के भाई विदुर की पत्नी, एक गदा जिसे कुबेर ने श्री कृष्ण को प्रदान की थी ।

कुमुदशैल – *Kumudaśaila.*

A mountain situated in *Bhadrashal* forest.

भद्रशाल वन में स्थित एक दिग्गजेन्द्र पर्वत ।

कुमुदांग – *Kumudāṅga.*

A large time unit.

84 लाख नियुत प्रमाण काल ।

कुमुदा – *Kumudā.*

See - *Kumuda Prabhā.*

सुमेरु पर्वत के नन्दन आदि वनों में स्थित एक वापी ।

कुमुदेंदु – *Kumudeṃdu.*

Name of a Kannad poet, Another name of *Acharya* Kumudchandra.

एक कन्नड़ कवि (ई. 1275) जिनकी प्रधान कृति रामायण है, कुमुदचन्द्र आचार्य का अपरनाम इनका नाम सिद्धसेन दिवाकर भी

है एवं कल्याणमंदिर स्तोत्र व षट्दर्शन समुच्चय के कर्त्ता हैं।

कुरलकाव्य - *Kuralakāvya.*
Name of a book written in Tamil language
आचार्य एलाचार्य अपरनाम कुन्दकुन्द (ई. श.2) कृत अध्यात्म नीति विषयक तमिल भाषा में रचित एक ग्रंथ

कुरला - *Kuralā.*
Gargles, to rinse the mouth
कुल्ला करना-साधक को कषायले द्रव्य से कुरले करने पर जीभ और कानों में सामर्थ्य प्राप्त होती है।

कुरु - *Kuru*
A country of *Bharat kshetra Arya khand*, Name of the dynasty of Lord Kunthunath & Dharmnath.
भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश, शांतिनाथ, कुन्थुनाथ व अरहनाथ तीर्थंकरों का वंश।

कुरुक्षेत्र - *Kurukṣetra*
An area of *Jambudvip* (island), the place where Kauravas and Pandvas fought battle.
जम्बूद्वीप में स्थित एक क्षेत्र, देवकुरु व उत्तरकुरु, कृष्ण और जरासंध की युद्धभूमि। इसी युद्धभूमि में पाण्डव कौरवों से लड़े थे।

कुरुचन्द्र - *Kurucandra*
A king of the *Kuru* dynasty
कुरु वंश का एक राजा।

कुरुजांगल देश - *Kurujāṅgala Deśa*
Name of a country, the capital of which is Hastinapur.
सरस्वती नदी के बांयी ओर एक देश जिसकी राजधानी हस्तिनापुर है।

कुरुवंश - *Kuruvaṁśa*
Name of an ancient dynasty
सोमप्रभ द्वारा चलाया गया वंश इसकी परम्परा में ही शांति, कुंथु और अर- ये तीन तीर्थंकर हुए।

कुर्युधर - *Kuryudhara*
Nephew of Duryodhana.
दुर्योधन का भांजा। जिसने शत्रुंजय पर्वत पर ध्यानस्थ पांडवों को तप्त लोह आभूषण पहनाए थे।

कुल - *Kula.*
Family, Genus, Race, Lineage.
पिता का वंश, आचार्य के शिष्य समुदाय को भी कुल कहते हैं।

कुलकर - *Kulakara.*
Ethical founders.
तृतीय काल (भोग भूमि) के अंत में राजाओं की भांति मुख्य पुरुष (14) जिनमें से अंतिम नाभिराय के पुत्र भगवान ऋषभदेव हुए।

कुलकुंड पार्श्वनाथ विधान -
Kulakuṇḍa Pārśvanātha Vidhāna.
A book written by *Acharya* Padmanandi
आचार्य पद्मनन्दि (ई 1280-1330) कृत पूजापाठ विषयक संस्कृत ग्रंथ।

कुलक्रिया - *Kulakriyā.*
Renunciation without restraints.
यदि अष्ट मूल गुण व सप्त व्यसन त्याग आदि क्रियाएं बिना किसी नियम के हों तो उन्हें व्रत न कहकर कुल क्रिया कहते हैं।

कुलचन्द्र - *Kulacandra.*
A disciple of *Acharya* Kulbhushana.
आचार्य कुलभूषण के शिष्य तथा माघनन्दि मुनि कोल्लापुरीय के गुरु थे। समय - ई.1078-1108।

कुलचर्या क्रिया - *Kulacaryā Kriyā.*
Activities of different racial traditions (reg. ritual etc.)
अपनी कुल परंपरा के अनुसार देव पूजादि गृहस्थ के षट्कर्मों को यथाविधि नित्य पालना।

कुलटा - *Kulaṭā.*
Unchaste woman, An adulteress.
चारित्रहीन स्त्री।

कुलदेवता - *Kuladevatā.*
A family god, the principal deities worshipped in a family
कुल परम्परा के अनुसार पूजे जाने वाले देवता।

कुलधर - *Kuladhara.*
The other name of *Kulkar* (ethical founder).
कुलकर का पर्यायवाची नाम।

कुलपर्वत - *Kulaparvata.*
Name of the mountains of *Jambudvip* (island).
जम्बूद्वीप में स्थित सात क्षेत्रों के विभाजक 6 कुलाचल।

कुलपुत्र - *Kulaputra.*
Name of the predestined 7th *Tirthankar* (Jaina Lord).
भावीकालीन 7 वें तीर्थंकर का नाम।

कुलभद्र - *Kulabhadra.*
An *Acharya* saint, the writer of 'Sarsamuchchaya' treatise.
सारसमुच्चय ग्रंथ के कर्ता एक आचार्य (ई. 937)।

कुलभूषण - *Kulabhūṣaṇa*
The disciple of Padmanandi Aviddha and spiritual teacher of Kulachandra
पद्मनन्दि आविद्ध के शिष्य तथा कुलचन्द्र के गुरु थे। समय - ई. 1023 - 1078।

कुलमद - *Kulamada.*
Family puff, proudness of family.
8 मदों में एक; पिता के वंश का घमंड करना।

कुलविद्या - *Kulavidyā.*
Knowledge obtained from paternal side
पितृपक्ष से प्राप्त हुई विद्या।

कुलाचल - *Kulācala*
Mountain.

पर्वत । जम्बूद्वीप में हिमवान् आदि छह कुलाचल हैं ।

कुलावधि – *Kulāvadhi*
A type of knowledge or education of *Brahmins*.
ब्राह्मणों में दी जाने वाली एक विद्या अर्थात् 'कुलाचार की रक्षा करना रूप कुलावधि अधिकार है'

कुलिंग – *Kulinga*.
False deities, persons etc. i.e. impious.
खोटा या मिथ्यादृष्टियों का लिंग ।

कुलोत्तुंग चोल – *Kulottunga Cola*.
The king of Chol country
ई. 1070-1118 में चोल देश का राजा ।

कुवलयमाला – *Kuvalayamālā*
A treatise of *Acharya* Dyotansun
आचार्य द्योतन सूरि (ई. 778) की रचना है ।

कुविचार – *Kuvicāra*.
False thinking, Wrong decisions
अनर्गल विचार ।

कुश – *Kuśa*.
One of the sons of king Ram. A kind of grass.
रामचन्द्र जी के पुत्र, घास का एक प्रकार ।

कुशपुर – *Kuśapura*.
A coutry of *Bharat kshetra* in middle *Arya khand* (a region)
भरत क्षेत्र मध्य आर्य खण्ड का एक देश ।

कुशलमूला निर्जरा – *Kuśalamūlā Nirjarā*.
Destruction of *Karmas* by afflictions.
परिषह के जीतने पर जो निर्जरा होती है ।

कुशलवर द्वीप सागर – *Kuśalavara Dvīpa Sāgara*.
Name of an island and ocean of middle universe
मध्य लोक के एक द्वीप व सागर का नाम ।

कुशाग्र – *Kuśāgra*.
Sharpness of mind, Intelligence
तीक्ष्ण बुद्धि ।

कुशान वंश – *Kuśāna Vamśa*.
Another name of *Bhritya* dynasty.
भृत्यवंश का अपरनाम ।

कुशास्त्र – *Kuśāstra*.
Heterodox canons, False scriptures.
कुमार्ग बताने वाले शास्त्र ।

कुशील – *Kuśīla*.
Bad character, Bad behaviour
शील या ब्रह्मचर्य न पालना, स्वभाव में न रहना ।

कुशील संगति – *Kuśīla Samgati*
Evil (bad) company (with characterless persons)
खोटी अथवा राग बढ़ाने या उन्मार्ग की ओर ले जाने वालों की संगति ।

कुश्रुति – *Kuśruti*.
Listening of bad tales etc.
खोटी या राग बढ़ाने वाली कथा आदि सुनना ।

कुष्मांड – *Kuṣmāṇḍa*.
A type of peripatetic deities (*Pishach*- Vampire)
पिशाच जातीय व्यन्तर देवों का एक भेद ।

कुष्मांड गणमाता – *Kuṣmāṇḍa Gaṇamātā*
A type of supernatural power or knowledge
एक प्रकार की विद्या ।

कुसंगति – *Kusamgati*.
Evil (bad) company (with characterless persons)
खोटी अथवा राग बढ़ाने या उन्मार्ग की ओर ले जाने वालों की संगति ।

कुसंसर्ग – *Kusamsarga*
False or invalid intercourse
लम्पट या व्यसनी का संग ।

कुसुम – *Kusuma*.
A river of *Bharat kshetra* (a region), Flower
भरत क्षेत्र के उत्तर पर्वत पर स्थित एक नदी, फूल ।

कुहा – *Kuhā*
A river of *Arya khand* situated in *Bharat kshetra* (a region)
भरत क्षेत्र स्थित आर्य खण्ड की एक नदी ।

कूट – *Kūṭa*.
Summit of mountain, Deception, Trick.
पर्वत पर स्थित चोटी, धोखा संबंधी योजना, छल आदि ।

कूट पाश – *Kūṭa Pāśa*
Trap (related to deception).
फंदा, पिंजड़ा, कूट यन्त्र ।

कूटलेख क्रिया – *Kūṭalekha Kriyā*
Activity of forgery (related to documents).
सत्याणुव्रत का अतिचार–ठगने के लिए असत्य लेख लिखना ।

कूट शाल्मली – *Kūṭa Śālmalī*
Thorny trees in hell
नरक में कांटेदार झाड़-पेड़ ।

कूटस्थ अलीक – *Kūṭastha Alīka*.
A type of lie.
झूठ का एक भेद ।

कूटस्थनित्य – *Kūṭasthanitya*
Statically permanent
अपरिणामी, उत्पाद व्यय ध्रौव्य से रहित (सांख्य सम्प्रदाय की मिथ्या मान्यता) ।

कूटाचल – *Kūṭācala*
A mountain situated in *Bharat kshetra* (a region).
भरत क्षेत्र में स्थित एक पर्वत ।

कूर्म – *Kūrma.*
Tortoise, significant mark of Lord Munisuvrata.
कछुआ; मुनिसुव्रत भगवान का चिन्ह ।

कूर्मोन्नत योनि – *Kūrmonnata Yoni*
Tortoise like raised female genital organ (*Yoni*)
योनि का एक भेद। इसी से तीर्थंकर, चक्रवर्ती आदि महान पुरुष पैदा होते हैं ।

कूष्माण्डी देवी – *Kūsmāṇḍi Devi.*
Female demigod of Lord Neminath.
नेमिनाथ भगवान की यक्षिणी देवी का नाम, अपरनाम अम्बिका देवी ।

कृत – *Kṛta.*
Self - performed
आत्मा द्वारा स्वतंत्र भाव से किया जाने वाला कार्य ।

कृतक – *Kṛtaka.*
Accomplisher, Doer
जो पदार्थ अपने स्वभाव की सिद्धि में दूसरे के व्यापार की इच्छा करता है उसे कृतक कहते हैं ।

कृतकत्व – *Kṛtakatva.*
Related to production
उत्पादक, अनुष्ठित, निर्मित ।

कृतकृत्य – *Kṛtakṛtya.*
Contented, having attained one's aim.
कृतार्थ– जिनको कुछ करना शेष नहीं रहा ऐसे सिद्ध भगवान ।

कृतकृत्य छद्मस्थ – *Kṛtakṛtya Chadmastha.*
Beings at the 12th stage of spiritual development (*Gunsthan*)
12 वां क्षीणकषाय गुणस्थानवर्ती –जो घातिया कर्म की प्रकृतियों के शेष द्रव्य का अन्तर्मुहूर्त में अभाव कर देता है ।

कृतकृत्यवेदक – *Kṛtakṛtyavedaka.*
One who is trying to achieve right perception.
क्षायिक सम्यग्दर्शन ग्रहण के पहले समय तक जीव निष्ठापक कहलाता है, निष्ठापक को कृतकृत्य वेदक सम्यग्दृष्टि कहते हैं ।

कृतज्ञता – *Kṛtajñatā.*
Gratitude, Gratefulness.
आभार, उपकार को मानना ।

कृतनाश हेत्वाभास – *Kṛtanāśa Hetvābhāsa.*
A fallacy; consequences borne by somebody else who is not related with that.
करे कोई और भरे कोई अर्थात् फल कोई भोगे यह कृतनाश दोष होता है ।

कृतमाल – *Kṛtamāla.*
A deity of Tamisrakuta situated at *Vijayardha* mountain.
विजयार्द्ध पर्वत पर स्थित तमिस्रकूट का स्वामी देव ।

कृतमाला – *Kṛtamālā.*
A river of *Bharat kshetra* in *Aryakhand* (region)
भरत क्षेत्र आर्य खण्ड की एक नदी ।

कृतयुग्म – *Kṛtayugma.*
The number which is completely divisible by 4.
जिस राशि में 4 का भाग देने पर कुछ भी शेष न रहे । जैसे 16/4।

कृतवर्मा – *Kṛtavarmā.*
Father's name of Lord Vimalnath
विमलनाथ भगवान के पिता का नाम ।

कृति – *Kṛti.*
Self performed work, treatise, Square of any number.
रचना, किसी राशि के वर्ग को भी कृति कहते हैं ।

कृतिकर्म – *Kṛtikarma.*
Reverential conduct with religious observance.
वंदना, सामायिक आदि क्रियाओं में की जाने वाली विशेष विधि। अंग बाह्य के 14 प्रकीर्णकों में छठा जिसमें अर्हंत, सिद्ध, आचार्य और साधु की पूजा विधि का वर्णन है ।

कृतिकार्य – *Kṛtikārya*
Name of an *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* and 14 *Purvas.*
एक आचार्य जो श्रुतकेवली भद्रबाहु के पश्चात् तृतीय 11 अंग चौदह पूर्व धारी हुए, अपरनाम क्षत्रिय था ।

कृतिधारा – *Kṛtidhārā.*
A mathematical progression or sequence.
गणित की एक श्रेणी 1, 4, 9, 16 ($1^2, 2^2, 3^2, 4^2$)........ $(a^{1/2})^2$ वर्गधारा - एक, चार आदि केवलज्ञान तक कृतिधारा होती है ।

कृतिमातृकधारा – *Kṛtimātṛkadhārā.*
Square generation sequence.
गणित की एक श्रेणी–1, 2, 3 {$(1^2)^{1/2}$, $(2^2)^{1/2}$, $(3^2)^{1/2}$}........ $a^{1/2}$ वर्ग मातृकाधारा–कृतिधारा के जितने वर्ग स्थान होंगे ।

कृतिमूल – *Kṛtimūla.*
Square root of any number.
किसी राशि के वर्गमूल को कृतिमूल कहते हैं ।

कृत् – *Kṛt.*
See - *Kṛta.*
देखें - कृत ।

कृत्तिका – *Kṛttikā.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र का नाम ।

कृत्स्न – *Kṛtsna.*
Complete, Extesive
सम्पूर्ण, समस्त । सब के साथ व्याप्ति दिखलाने वाला एक पद 'कृत्स्न' ।

कृपा – *Kṛpā.*
Kind, Compassion, Mercy.

अनुकम्पा, रहम, करुणा, दयालुता ।

कृमि – *Kṛmi.*
Worm - two sensed beings
लट, घाव आदि में पाये जाने वाले दो इन्द्रिय जीव ।

कृश – *Kṛśa.*
Lean and weak, slim.
दुर्बल, शक्तिहीन, क्षीण – जैसे सल्लेखना में कषाय एवं शरीर को कृश करना ।

कृशीकरण – *Kṛśīkaraṇa.*
Deterioration of health by austerity
कायक्लेश तप के द्वारा शरीर को कृश करना

कृषि – *Kṛṣi.*
A type of noble persons (*Aryas*). Farming. Cultivation, Agriculture.
आर्य; अल्प सावद्य कर्मार्य का एक प्रकार, कृषि कर्म, खेती से आजीविका करना ।

कृष्टि – *Kṛṣṭi.*
Gradual destruction of passions & *Karmic* particles
कृश करना; कर्म परमाणुओं के अनुभाग को कम करना ।

कृष्टिकरण – *Kṛṣṭikaraṇa.*
Gradual destruction of passions
संज्वलन चतुष्क की कषायों के सूक्ष्म खण्ड करना ।

कृष्टि संग्रह सूक्ष्म – *Kṛṣṭi Saṁgraha Sūkṣma.*
Collection of infinite *Krishties*-gradual destruction of passions
अनंत कृष्टियों के समूह का नाम संग्रह कृष्टि है ।

कृष्ण – *Kṛṣṇa.*
The son of Vasudeva, 16th predestined *Tirthankar* (Jaina - Lord).
वसुदेव और देवकी का पुत्र । भविष्यकालीन चौबीसी के 16वें तीर्थंकर (निर्ममत्व) होंगे ।

कृष्णगंगा – *Kṛṣṇagaṁgā.*
Name of a river.
नदी; यह हिमकूट पर्वत की प्रसिद्ध गंगाबल झील से निकलती है । इसका नाम गांगेय भी है ।

कृष्णगिरि – *Kṛṣṇagiri.*
A mountain of *Bharat kshetra* in *Arya khand* (region).
भरत क्षेत्र के आर्यखंड का एक पर्वत ।

कृष्णदास – *Kṛṣṇadāsa.*
Name of a celibate who wrote many treatises.
एक ब्रह्मचारी, जिन्होंने मुनिसुव्रत पुराण, विमल पुराण जैसी कृतियों की रचना की ।

कृष्णपंचमी व्रत – *Kṛṣṇapaṁcamī Vrata.*
A type of vow (fasting).
पाँच वर्ष तक प्रतिवर्ष ज्येष्ठ कृष्ण 5 का उपवास ।

कृष्णपक्ष – *Kṛṣṇapakṣa*
Dark fortnight period of a month.
प्रत्येक माह के प्रारंभ में 15 दिन की अंधेरी रात (एकम से अमावस तक) को कृष्णपक्ष कहते हैं ।

कृष्णप्रभ – *Kṛṣṇaprabha.*
Name of a guard - deity of temples or auspicious place
प्रतिष्ठा मण्डप के एक द्वारपाल का नाम ।

कृष्णमती – *Kṛṣṇamati*
Name of the 19th *Tirthankar* of past era
भूतकालीन उन्नीसवें तीर्थंकर ।

कृष्णराज – *Kṛṣṇarāja.*
A king of *Rashtrakut* dynasty
राष्ट्रकूट वंश का राजा अथवा दक्षिण लाट देश के राजा श्री वल्लभ के पिता थे ।

कृष्णलेश्या – *Kṛṣṇaleśyā.*
A type of *Leshya* i.e. *karmic* stain. Aura
षट्लेश्याओं में प्रथम लेश्या – कृष्ण लेश्या से युक्त जीव दुराग्रही, तीव्र बैर-क्रोध, निर्दय, क्लेश एवं काम में आसक्त होता है

कृष्णा – *Kṛṣṇā.*
A female deity of *Chamarendra*
असुरकुमार (चमरेन्द्र) की पाँच अग्रदेवियों में एक ।

केंद्रवर्ती वृत्त – *Keṁdravartī Vṛtta.*
Initial or centralised circle, central core
मध्य स्थित एक वृत्त ।

केंद्रित – *Keṁdrita*
Concentrated or centered at nucleus. a state of meditation.
चित्त को एक बिन्दु पर स्थिर करना, योग आदि करना ।

केकय – *Kekaya.*
A country of *Bharat kshetra Arya khand* (a region)
भरत क्षेत्र के आर्य खण्ड का एक देश ।

केकयी – *Kekayī.*
Wife of the king Dashrath.
राजा दशरथ की रानी, भरत की माँ ।

केतु – *Ketu.*
Name of a planet
एक ग्रह का नाम ।

केतुमाल – *Ketumāla.*
A city in north of *Vijayardh* mountain
? विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

केतुमाला – *Ketumālā.*
Name of a city of *Vidyadharas.*
विद्याधरों की एक नगरी ।

केरल – *Kerala.*
A state in south India.
मध्य आर्यखण्ड (दक्षिण भारत) का एक प्रांत ।

केवल – *Kevala*
Alone, One only.
एक, अकेला ।

केवलज्ञान – *Kevalajñāna.*
Omniscience, Absolute superme knowledge.
पूर्ण ज्ञान, सर्वज्ञपना जो एक समय में त्रिकालवर्ती सर्व पदार्थों के गुणपर्यायों को जानता है ।

केवलज्ञानातिशय – *Kevalajñānātiśaya.*
Transcedental bliss of omniscients.
केवलज्ञान के 10 अतिशय, जो तीर्थंकरों को केवलज्ञान होने पर होते हैं ।

केवलज्ञानावरण – *Kevalajñānāvaraṇa*
Obstraction in perfect knowledge (omniscience)
वह कर्म जो केवलज्ञान को रोके ।

केवलज्ञानी – *Kevalajñānī.*
Omniscient-one who has got perfect knowledge
सर्वज्ञ-अर्हंत, सिद्ध परमात्मा आदि जिनको केवलज्ञान प्राप्त है।

केवलदर्शन – *Kevaladarśana.*
Absolute perception.
अनंत दर्शन- सर्व पदार्थों को एक साथ देखने की शक्ति, जो केवली के दर्शनावरणीय कर्म के नाश से उत्पन्न होती है ।

केवलदर्शनावरण – *Kevaladarśanāvaraṇa.*
Obstruction in absolute perception.
वह कर्म जो केवल दर्शन को रोके ।

केवललब्धि – *Kevalalabdhi.*
Nine attainments related to omniscience.
दान, लाभ, भोग, परिभोग, वीर्य, सम्यक्त्व, दर्शन, ज्ञान और चारित्र ये 9 केवल लब्धियां कहलाती हैं । जो अर्हंत के 13 वें गुणस्थान में होती हैं ।

केवल वीर्य – *Kevala Virya.*
Infinite energy.
अनंत बल ।

केवलव्यतिरेकी – *Kevalavyatireki.*
Causes with negative inference
हेतु जिसमें सिर्फ व्यतिरेक दृष्टांत पाया जाता है ।

केवलान्वयी – *Kevalānvayī.*
Affirmative illustration.
वह हेतु जो पक्ष और सपक्ष में रहता है तथा विपक्ष से रहित है वह केवलान्वयी है ।

केवली – *Kevali.*
Omniscient. Liberated soul
13 वें, 14 वें गुणस्थानवर्ती केवलज्ञान प्राप्त अर्हंत परमात्मा ।

केवली अवर्णवाद – *Kevalī Avarṇavāda.*
Derogation to omniscient, ill-speaking of omniscient (a cause of flow of delusion *karma*).
दर्शन मोहनीय कर्म के आस्रव का एक कारण; केवली को झूठा दोष लगाना ।

केवली प्रज्ञप्त धर्म – *Kevalī Prajñapta Dharma.*
Religion as propounded by the omniscient.
सर्वज्ञ के द्वारा कहा हुआ धर्म ।

केवली मरण – *Kevalī Maraṇa*
Salvation (a holy death of omniscient).
पंडित पंडित मरण; केवली को जन्म मरण से मुक्ति प्राप्त होना।

केवली समुद्घात – *Kevalī Samudghāta.*
Omniscient overflow in different stages, Emanation done by omniscient.
दण्ड, कपाट, प्रतर और लोकपूरण रूप जीव प्रदेशों की अवस्था को केवलीसमुद्घात कहते हैं ।

केश – *Keśa.*
Name of a planet, Hair (of the head), A ray.
एक ग्रह का नाम, सिर के बाल, किरण ।

केशरि – *Keśari.*
Lion.
सिंह ।

केशरियाजी (ऋषभदेव) – *Keśariyājī (Ṛṣabhadeva).*
Name of a *Digambar* Jain *Atishay Kshetra* (a place of pilgrimage) of Lord Rishabhdev near Udaipur (Raj.). Due to the tradition of offering *Keshar* (saffron) it is famous by the name of Keshariyaji.
राजस्थान के उदयपुर शहर से 64 किमी. दूर खेरवाड़ा तहसील में कोयल नामक छोटी-सी नदी के किनारे स्थित एक अतिशय तीर्थ क्षेत्र। भगवान के नाम पर गाँव का नाम भी ऋषभदेव तथा केशर चढ़ाने की प्रथा के कारण केशरिया जी प्रचलित है। यहाँ एक लघु पहाड़ी पर पूज्य ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से अयोध्या तीर्थ का निर्माण चल रहा है ।

केशलोंच – *Keśaloñca.*
Plucking or uprooting of hair (of head, beard & moustache), a basic virtue of Jaina saints
मूल गुण, जैन साधुओं-साध्वियों के 28 मूलगुणों में एक जिसमें साधु अपने सिर, दाढ़ी व मूंछ के बालों को हाथ से उखाड़ते हैं तथा साध्वियाँ अपने सिर के केशों को हाथ से उखाड़ती हैं। केशलोंच के दिन निर्जल उपवास भी किया जाता है एवं यह क्रिया 2, 3 या 4 माह में की जाती है ।

केशव – *Keśava.*
A king of *Suseema* city of *Mahavats* country in east *Videha kshetra* (region).
पूर्व विदेह में महावत्स देश की सुसीमा नगरी का राजा, सुविधि का पुत्र था। श्रीकृष्ण का अपरनाम ।

केशवचन्द्र – *Keśavacandra.*
An *Acharya* of *Nandi sangh Balatkar gana.*
नन्दीसंघ बलात्कार गण के ग्वालियर गद्दी के एक आचार्य ।

केशवराज – *Keśavarāja.*
Name of a Kannad poet

ई. सन् 1150 के एक कन्नड़ कवि जिन्होंने शब्दमणिदर्पण नामक एक कृति की रचना की।

केशववर्णी – *Keśavavarṇi.*

Name of a celibate who wrote a commentary book on Gommatsar in Sanskrit language

एक ब्रह्मचारी जिसने गोम्मटसार की संस्कृत टीका रची।

केशवसेन – *Keśavasena.*

Name of a poet who wrote Munisuvrat Puran etc. many books.

एक कवि-मुनिसुव्रत पुराण, चतुर्विंशति स्तोत्र आदि के कर्ता।

केशवाणिज्य – *Keśavāṇijya.*

Dealing in slaves and animals.

पन्द्रह खरकर्मों में एक दासी, दास व पशुओं का व्यापार (सागार धर्मामृत के अनुसार)।

केशवापक्रिया – *Keśavāpakriyā.*

Ceremony of hair removing from the head.

मुण्डन करना; पूजा विधि पूर्वक बालक के सिर पर उस्तरा फिरवाना, तत्पश्चात् गुरु नमस्कार कराना एवं आशीर्वाद लेना आदि कार्य।

केशाग्र – *Keśāgra.*

A length unit.

क्षेत्र का एक प्रमाण विशेष।

केसरिसेन – *Kesarisena.*

Name of a chief disciple (*Gandhar*) of Lord Ajitnath.

अजितनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम।

केसरी ह्रद – *Kesari Hrda.*

Name of a reservoir (pond) of *Neel* mountain

नील पर्वत पर स्थित एक ह्रद (तालाब) इसमें से सीता व नरकांता नदियां निकलती हैं।

कैकय – *Kaikaya.*

Name of a country in the northern *Bharat kshetra* (region).

भरत क्षेत्र के उत्तर का एक देश।

कैकेयी – *Kaikeyī.*

See- *Kekayī.*

देखें - केकयी।

कैटभ – *Kaiṭabha.*

Name of the son of king Hemnath of Ayodhya

अयोध्या नगरी में हेमनाथ राजा का पुत्र तथा मधु का छोटा भाई।

कैप्सियन – *Kaipsiyana.*

Name of an ocean.

एक सागर।

कैरल – *Kairala.*

See - *Kerala.*

देखें - केरल।

कैलाश पर्वत – *Kailaśa Parvata*

Name of a reverential mountain from where Lord Rishabhdev got salvation. Presently it is situated in China country

अष्टापद, जहाँ से वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव मोक्ष पधारे। वर्तमान में यह चीन देश में स्थित है। प्रथम चक्रवर्ती सम्राट भरत ने भगवान के मोक्ष पधारने के पश्चात् त्रिकाल चौबीसी के 72 तीर्थंकरों की रत्न प्रतिमाओं से युक्त 72 जिनालय कैलाशपर्वत पर बनवाये थे। ई. सन् 2000 में पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा द्वारा "भगवान ऋषभदेव अंतर्राष्ट्रीय निर्वाण महोत्सव" का उद्घाटन राजधानी दिल्ली के लालकिला मैदान में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 72 जिनालय से युक्त कृत्रिम कैलाशपर्वत रचना के समक्ष निर्वाणलाडू चढ़ाकर किया गया था, बाद में यह कैलाशपर्वत जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर में स्थापित किया गया। पुनः महोत्सव वर्ष के समापन में 60 फुट ऊंचा कैलाशपर्वत (72 जिनालयों सहित) नवनिर्मित तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली-प्रयाग तीर्थ में निर्मित किया गया। इसी प्रकार अन्य स्थानों में भी कैलाशपर्वत का निर्माण किया गया है।

कैल्विष – *Kailviṣa.*

Deities of lower category

नीच जाति के देव।

कोंकण – *Koṁkaṇa.*

A west Indian coastal city.

पश्चिमी समुद्र तट पर बसा एक प्रदेश।

कोका – *Koka*

Another name of Mathura city.

मथुरा नगरी का दूसरा नाम।

कोकिल – *Kokila*

The black cuckoo, space vehicle of *Shatarendra*.

कोयल, शतारेन्द्र के यान (विमान) का स्वरूप (चिन्ह)।

कोकिल पंचमी व्रत – *Kokila Pañcamī Vrata.*

A type of vow (fasting).

पांच वर्ष तक प्रतिवर्ष आषाढ़ कृ.5 तक प्रत्येक कार्तिक कृ 5 तक प्रत्येक पंचमी का उपवास।

कोट – *Koṭa.*

Boundary wall, A castle, A rampart.

गढ़, प्राचीर, परकोटा।

कोटर – *Koṭara.*

The hollow part of a tree

वृक्ष में पाई जाने वाली पोल अथवा सुरंगनुमा छेद।

कोटि – *Koṭi.*

10,000,000 (One Crore)

एक करोड़।

कोटिप्पकोटि – *Koṭippakoṭi.*

Count of $(10,000,000)^3$

एक संख्या - $(10,000,000)^3$

कोटिशिला – *Koṭiśilā*

An auspicious and sacred seat (*Shila*-large stone) from where crores of saints got salvation.
निर्वाणशिला-वह शिला जहा से करोड़ों मुनि सिद्ध पद को प्राप्त हुए।

कोटेश्वर – *Koteśvara*.

Name of a *Kannad* poet.
एक कन्नड़ कवि (ई. सन् 1500) जिनकी एक कृति 'जीवन्धर-षट्पादि' है।

कोड़ा कोड़ी – *Koṛā Koṛi*.

Square of one crore. $(10,000,000)^2$
करोड़ x करोड़ अर्थात् $(10,000,000)^2$ ।

कोड़ासन – *Koṛāsana*.

Straw mats, A type of *Yoga* exercise
चटाई, एक योगासन का नाम।

कोणपट्ट – *Koṇapaṭṭa*.

Scroll marking
किनारे की शिला।

कोणीय अङ्कन – *Koṇiya Aṅkana*.

Angular creation.
कोणीय रचना।

कोत्किल – *Kotkila*.

An activist, One who performs religious observances.
एक क्रियावादी।

कोप – *Kopa*.

Wrath, Anger, Resentment.
क्रोध, गुस्सा, रोष।

कोप्पण – *Koppaṇa*.

Name of a historical and ancient place in Hyderabad region.
निजाम हैदराबाद स्टेट के रायचूर जिले का ग्राम, वर्तमान में यहां एक दुर्ग तथा भग्न दीवारी है जो चालुक्य कालीन का प्रतीक है।

कोमलता – *Komalatā*.

Tenderness, Meakness, Softness.
सुकुमारता, मृदुता, नाजुकता।

कोलाहल – *Kolāhala*

Tumult, uproar. A mountain of *Bharat kshetra* (region)
चिल्लाहट, शोरगुल, भरत क्षेत्र का एक पर्वत।

कोश – *Kośa*.

Name of a planet, Treasure, Fund, Accumulated wealth
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 14 वा ग्रह, संचित धन, खजाना।

कोशल – *Kośala*.

A country of *Bharat kshetra* (region).
भरत क्षेत्र का एक देश।

कोशिनी – *Kośini*.

Mother's name of the 7th *Narayana*. 'Datta'
सातवें नारायण 'दत्त' की माता का नाम।

कोष्ठबुद्धि – *Koṣṭhabuddhi*.

A type of supernatural power related to intellect.
एक ऋद्धि-जिसके प्रभाव से उत्कृष्ट धारणा ज्ञान से युक्त साधु जो गुरु के उपदेश से अनेक प्रकार के ग्रंथो में से शब्द रूपी बीज-पदों को अपने बुद्धिरूपी कोष्ठ में धारण कर लेते हैं।

कोष्ठा – *Koṣṭhā*.

Absolute conception (unfrogettable)
धारणा-जानी गई वस्तु का कालान्तर में विस्मरण नहीं होना।

कोसल – *Kosala*.

See - *Kośala*.
देखे - कोशल।

कोसियारुत्व – *Kosiyāruttva*

Silk worm.
रेशम को उत्पन्न करने वाला कीड़ा।

कौण्डकुण्डपुर – *Kauṇḍakuṇḍapura*.

Name of a village related to *Acharya* Padmanandi 'Kund-Kund'.
एक गाँव जिसके नाम पर आचार्य पद्मनन्दि 'कुन्द-कुन्द' नाम से ख्यात हुए।

कौत्कुच्य – *Kautkucya*

Passionate speech with wrongful physical intention.
अनर्थदंड व्रत का अतिचार – असभ्य संभाषण सहित काय की कुचेष्टा करना।

कौमारदेव – *Kaumāra Deva*.

Name of an *Acharya* Padmanandi No.2
नन्दिसंघ देशीयगण के अनुसार पद्मनन्दि नं.2 का नाम।

कौमार सप्तमी व्रत – *Kaumāra Saptami Vrata*.

A type of vow (fasting).
भादों सुदी सप्तमी का व्रत।

कौमुदी – *Kaumudi*.

Indian club, a mace (weapon).
बलदेव, नारायण की गदा का नाम।

कौरव – *Kaurava*.

The 100 sons of Dhritrashtra (called *Kauravas*).
धृतराष्ट्र के दुर्योधन आदि 100 पुत्र कौरव कहलाते हैं।

कौशल देश – *Kauśala Deśa*.

See -*Kosala*.
देखे - कोसल।

कौशांबी – *Kauśāmbī*

Name of a Jaina place of pilgrimage, birth-place of *Tirthankar* (Jaina Lord) Padmaprabhu.
छठे तीर्थंकर पद्मप्रभु की जन्मभूमि, इनके गर्भ, जन्म, तप व

ज्ञान कल्याणक यहीं हुए हैं। कौशाम्बी से लगभग 10 किमी दूर पभोसा [illegible] ज्ञानकल्याणक माने जाते हैं यह उस समय कौशाम्बी का ही उद्यान रहा होगा। सती चन्दना द्वारा भगवान महावीर को ऐतिहासिक आहार कौशाम्बी में ही दिया गया था।

कौशिक – *Kauśika*
Owl, Name of an activist, a system of knowledge, a city of *Vidyadhars* & its king
उल्लू, क्रियावादी, विद्या निकाय, विद्याधरों की नगरी एवं राजा का नाम।

कौशिकी – *Kauśikī.*
Name of a river of eastern *Aryakhand* (region)
पूर्व आर्यखण्ड की एक नदी।

कौशेय – *Kauśeya.*
Silky cloth.
रेशमी (वस्त्र)।

कौस्तुभ – *Kaustubha*
Name a jewel of *Narayan*
नारायण की मणि का नाम।

कौस्तुभाभास – *Kaustubhābhāsa.*
A mountain in *Lavana* ocean
लवण सागर में स्थित एक पर्वत।

क्रतु – *Kratu.*
Yagya, a type of religious and sacrificial activity.
यज्ञ– यह देवपूजा विधि का पर्यायवाची शब्द है।

क्रम – *Krama.*
Sequence, Chain, Order, System.
काल भेद से वृत्ति होना।

क्रमकरण – *Kramakaraṇa.*
Orderization, Classification.
अनिवृत्तिकरण काल में मोहनीय का स्थितिबंध स्तोक; ज्ञानावरण दर्शनावरण अंतराय का स्थितिबंध समान; किन्तु मोहनीय के स्थितिबंध से असंख्यात गुणा तथा नाम गोत्र का स्थिति बंध तुल्य परन्तु पूर्व से असंख्यातगुणा और वेदनीय कर्म का स्थिति बंध विशेष अधिक होता है। जब इस क्रम से स्थितिबंध होता तब इसे क्रमकरण कहते हैं।

क्रमण – *Kramaṇa.*
Name of a deity of *Manushottar* mountain.
मानुषोत्तर पर्वत के कनककूट का स्वामी भवनवासी सुपर्ण कुमार देव।

क्रम नियमित – *Krama Niyamita.*
Regular (proper) sequences.
क्रमबद्ध प्रणाली के अनुसार।

क्रमपूर्व – *Kramapūrva.*
Preceding anything in sequence
क्रम से पूर्व।

क्रमप्रवाह – *Kramapravāha.*
Current order
धारावाहिक।

क्रमप्रवृत्त – *Kramapravṛtta*
Successive occurence (of *Paryay* - body forms)
पर्याय का द्रव्य में क्रमरूप से प्रवृत्त होना।

क्रमबद्ध – *Kramabaddha.*
In sequential order
नियति, अपने-अपने समयों में क्रमपूर्वक पर्याय प्रगट होना।

क्रमभाव – *Kramabhāva*
Successive occurrence.
अविनाभाव का एक भेद; पूर्वचर व उत्तर चरों में तथा कार्यकारणों में क्रमभावी नियम होता है जैसे–मेघ व वर्षा में।

क्रमभावी – *Kramabhāvī.*
The extrinsic aspects.
देखें– क्रमप्रवृत्त।

क्रमभू – *Kramabhū.*
See- *Kramapravṛtta*
देखें – क्रमप्रवृत्त।

क्रमवर्तित्व – *Kramavartitva*
Successive occurrences of *Paryay*-body forms respectively.
पर्यायों का क्रम के साथ उत्पन्न होना तथा क्रम से अन्तर नहीं पड़ना।

क्रमवर्ती – *Kramavartī.*
One which sequentially revolving or occurring.
अनादिकाल से जो क्रम से परिणमनशील है द्रव्य की पर्यायों को क्रमवर्ती माना है।

क्रमविवृद्ध – *Kramavivṛddha*
Rising by degrees
क्रम से बढ़ना।

क्रमविष्कंभ – *Kramaviṣkambha.*
Dimensional order.
परिमाण संबंधी क्रम।

क्रमहानि – *Kramahāni.*
Decreasing series.
क्रमशः उत्तरोत्तर हानि।

क्रमार्पण – *Kramārpaṇa.*
Dedication in the feet.
क्रम–चरण, अर्पण–समर्पण अर्थात् चरणों में समर्पण।

क्रमार्पित – *Kramārpita.*
Presented consecutively
चरणों में समर्पित।

क्राकचिक – *Krākacika.*
Measurement of sawn timber.
चीरी हुई लकड़ी का मापन।

क्रियमाण – *Kriyamāṇa.*
While presenting.
प्रस्तुत करते हुए।

क्रियान्तर निवृत्ति – *Kriyāntara Nivṛtti.*
Abstinence from the attempts of gaining knowledge from the learned persons
चारित्र पर्याय, ज्ञेयों के आश्रय से क्रमपूर्वक जानने की निवृत्ति से निजात्मा में परिणति।

क्रिया – *Kriyā.*
Activities (of householders)
किया जाने वाला कार्य, आदिपुराण में क्रिया के 3 भेद भी हैं - गर्भान्वय, दीक्षान्वय, कर्त्रन्वय। मूलाचार में मुनि आर्यिकाओं के लिए 13 प्रकार की क्रियाएं मानी है अथवा सम्यक्त्ववर्धिनी आदि 25 क्रियाएं भी होती हैं।

क्रियाऋद्धि – *Kriyārddhi.*
A type of supernatural power
एक ऋद्धि। इसके दो भेद हैं चारण व आकाश गामित्व।

क्रियाकर्म – *Kriyākarma.*
See - *Kṛtikarma.*
देखें - कृतिकर्म।

क्रियाकलाप – *Kriyākalāpa.*
A book edited by Pandit Pannalal Jain Soni containing description of essential duties of saints, A book written by *Pandit* Ashadharji.
मुनियों की षडावश्यक क्रियाओं का एक ग्रंथ जिसमें देववंदना, प्रतिक्रमण पाठ आदि हैं (पं. पन्नालाल जैन सोनी द्वारा संपादित), अमरकोष पर प. आशाधर जी (ई. 1175-1243) कृत एक टीका।

क्रियाकांड – *Kriyākāṃḍa.*
Ritual activities, Religious observances.
क्रिया के द्वारा अभिहित कर्म, शास्त्रोक्त सत्कर्म।

क्रियाकोश – *Kriyākośa.*
A book written by *Pandit* Kishan Singh and the other book by *Pandit* Daulatram ji.
पं. किशन सिंह (ई.1727) कृत हिन्दी छन्दबद्ध तथा पं. दौलतराम (ई.1738) कृत हिन्दी छन्दबद्ध भाषा - क्रिया प्रतिपादक ग्रंथ।

क्रियागति – *Kriyāgati.*
An activity of motion.
गमन रूप क्रिया।

क्रियाधिकरणी – *Kriyādhikaraṇī.*
An activity related to violence.
आस्रवकारी 25 क्रियाओं में एक क्रिया। यह हिंसा के उपकरण ग्रहण करने से होती है।

क्रियानय – *Kriyānaya.*
A standpoint of activism related to the principles of spiritualism.
चारित्र प्रधान आत्मा के ज्ञान विधि की साध्यता की सिद्धि का बोधन कराने वाला नय।

क्रियानिमित्तक – *Kriyānimittaka.*
Activities caused due to some particular reasons.
पाचन, नर्तक आदि, क्योंकि क्रियाओं के निमित्त से ये नाम व्यवहार में आते हैं।

क्रियानिरोध – *Kriyānirodha.*
Control of external and internal activities (right conduct)
सम्यक्चारित्र; ज्ञानी जीव के जो संसार के कारणों को नष्ट करने के लिए बाह्य अंतरंग क्रियाओं का निरोध होता है।

क्रियान्तर निवृत्ति – *Kriyāntara Nivṛtti.*
See - *Kriyāntara Nivṛtti.*
देखें - क्रियांतर निवृत्ति।

क्रियामंत्र – *Kriyāmantra.*
Mantras (auspicious mystic words) for special activities.
गर्भाधान आदि क्रियाओं में सिद्धपूजन के लिए व्यवहृत सात पीठिकामंत्र।

क्रियावती शक्ति – *Kriyāvatī Śakti.*
Power of action (related to living and non-living beings).
सक्रियता; 6 द्रव्यों में जीव और पुद्गल में यह शक्ति होती है।

क्रियावाची – *Kriyāvācī.*
Words derivated from verbs.
शब्द; क्रिया, जाति, गुण आदि वाचक शब्द।

क्रियावाद – *Kriyāvāda.*
Doctrine of performing religious observance regularly
एकांत मत, जो नित्य कर्म करने से ही मोक्ष मानता है।

क्रियावादिन् – *Kriyāvādin.*
Believer in action, Activist.
वादी, अभियोक्ता, क्रिया को मानने वाला।

क्रियावान – *Kriyāvāna.*
Those who are active in performances.
परिस्पंदन स्वभाव वाले समस्त जीव पुद्गल द्रव्य।

क्रियाविशाल – *Kriyāviśāla.*
13th *Purva* (part of scriptural knowledge).
14 पूर्व में से 13वां पूर्व। इसमें व्याकरण शास्त्र तथा शिल्पकला आदि अनेक गुणों का वर्णन है।

क्रियाशक्ति – *Kriyāśakti.*
Power of performances acquired by soul.
कारक के अनुसार होने रूप भावमयी जीव की 40वीं शक्ति।

क्रियाहीन ज्ञान – *Kriyāhīna Jñāna.*
Knowledge devoid of essential conducts.
आचरण रहित ज्ञान।

क्रीडापर्वत – *Krīḍāparvata.*
Name of a mountain
तुलसीश्याम नामक पर्वत जिसे श्री कृष्ण का क्रीडा पर्वत कहा जाता है।

क्रीडाशाला – *Krīḍāśālā.*
One of the palaces of astral deities, a place of amusement.
ज्योतिष देवों के प्रासादों में एक स्थान।

क्रूर – *Krūra.*
Cruel, Harsh, Fierce.
दुष्ट स्वभावी जीव।

क्रोध – *Krodha.*
Anger, Rage, Resentment (a fault).
4 कषायों में प्रथम कषाय, अपने और दूसरे के घात या अहित करने रूप क्रूर परिणाम।

क्रोध अनन्तानुबन्धी – *Krodha Anantānubandhī.*
Endless binding of anger.
पत्थर की रेखा के समान क्रोध।

क्रोध अप्रत्याख्यान – *Krodha Apratyākhyāna.*
Anger, non-refutable.
पृथ्वी की रेखा के समान क्रोध।

क्रोध उपशमाद्धा – *Krodha Upaśamāddhā.*
Subsidence period of anger.
क्रोध के उपशमन का काल।

क्रोध कांडक – *Krodha Kāṁḍaka.*
Destruction of anger.
क्रोध का क्षय होना।

क्रोध कर्मप्रकृति – *Krodha Karmaprakṛti.*
Karmic nature of anger.
क्रोधकर्म प्रकृति का सत्व, उदय, उदीरणा की अपेक्षा विशेष व्याख्यान।

क्रोध प्रत्याख्यान – *Krodha Pratyākhyāna.*
Renunciation of anger
क्रोध को उत्पन्न नहीं होने देना।

क्रोधशक्ति – *Krodhaśakti.*
Cosequences of anger.
अनंतानुबंधी आदि चारों क्रोधकषाय की क्रम से शक्ति–शिला रेखा, पृथ्वी रेखा, धूलि रेखा, जल रेखा के समान है।

क्रोध संज्वलन – *Krodha Saṁjvalana.*
Momentary angerness.
जल रेखा के समान क्रोधी, चौथी कषाय का प्रथम भेद।

क्रोधाग्नि – *Krodhāgni.*
Intense anger (like fire).
3 अग्नि में एक–क्रोधाग्नि, जो जीव के विवेक को नष्ट कर देती है।

क्रोधी – *Krodhī.*
Angry, hot-tempered, To be angry.
क्रोध करने वाला, क्रोधी होना।

क्रोश – *Krośa.*
A length unit, 2 miles, 3.32 kms
लम्बाई मापन की एक इकाई।

क्रौंच – *Krauṁca.*
Name of a king, A wading bird.
एक राजा–जिसने स्वामी कार्तिकेय पर उपसर्ग किया था, एक पक्षी का नाम।

क्रौंचवर द्वीप व सागर –
Krauṁcavara Dvīpa & Sāgara.
An island & ocean of middle universe.
मध्यलोक का 16वां द्वीप व समुद्र।

क्लान्त – *Klānta.*
Tired, Wearied.
थका हुआ, मुरझाया हुआ।

क्लिश्यमान – *Kliśyamāna.*
The afflicted - those who suffer from anguish and distress
असातावेदनीय के उदय से जो दुःखी है।

क्लिष्ट – *Kliṣṭa.*
Difficult, Painful, Wretched, Distressed.
कठिन, कष्ट ग्रस्त, संकट ग्रस्त, दुःखी।

क्लेश – *Kleśa.*
Tormentation, Suffering, Affliction
असातावेदनीय कर्म के उदय से दुःखी होना, संक्लेश, मानसिक संताप।

क्लेशवाणिज्य – *Kleśavāṇijya.*
Wrong advice of selling the slaves to earn money.
अनर्थदण्ड का एक भेद अर्थात् पापोपदेश का एक प्रकार।

क्वाथतोय – *Kvāthatoya.*
A country in north *Aryakhand* of *Bharat Kshetra.*
भरत क्षेत्र उत्तर आर्य खण्ड का एक देश।

क्षण – *Kṣaṇa.*
A moment, An instant of a particular event.
सबसे जघन्य काल, एक समय।

क्षणभंगसिद्धि – *Kṣaṇabhaṁgasiddhi*
A book written by a Bauddha judicious writer 'Archat'.
बौद्ध नैयायिक 'अर्चट' द्वारा रचित एक कृति। समय ई.श. 7-8।

क्षणयोगनिद्रा – *Kṣaṇayoganidrā.*
Short sleep of a Jaina saint (a type of meditation pertaining to rest)
अल्पकाल निद्रा; साधुजन शरीरश्रम को दूर करने के लिए जो निद्रा लेते हैं वह क्षणयोगनिद्रा है (अनगार धर्मामृत)।

क्षणलवप्रतिबुद्धता – *Kṣaṇalavapratibuddhatā.*
Momentous awakening and enlightening.

काल विशेष; प्रत्येक क्षण व लव में होने वाला प्रतिबोध ।

क्षणिक – *Kṣaṇika*.

Momentary.
क्षणभंगुर पर्याय, जो प्रतिक्षण विनष्ट होती है ।

क्षत्रिय – *Kṣatriya*.

The second *Varna* of later Indo Aryan Society i.e warriors, Name of a saint possessing knowledge of 11 *Angas* &14 *Purvas*
चार वर्णों के अंतर्गत दूसरा वर्ण, 11 श्रुतधर मुनियों में तीसरे मुनि जो 11 अंग और 14 पूर्व के धारी थे

क्षपक – *Kṣapaka*.

Saints (at the 8th, 9th, 10th & 12th *Gunsthan*) involved in destroying of *Karmas*, Those saints who are ultimately engrossed for holy death (*Samadhi*) are also called *Kshapak*.
चारित्रमोहनीय का क्षय करने में प्रयत्नशील मुनि । ये 8, 9, 10, 12 वें गुणस्थानों में रहते हैं अर्थात् क्षपक श्रेणी पर चढ़ने वाले मुनि क्षपक कहलाते हैं। समाधिमरण में रत मुनि ।

क्षपकश्रेणी – *Kṣapakaśreṇi*.

Auspicious stages related to destruction of *karmas*.
मुक्ति सोपान; जहां चारित्रमोहनीय का नाश किया जाता है वह श्रेणी अर्थात् 8वां, 9वां, 10वां, 12वां गुणस्थान । जिस पर आरोहण कर तीन पाण्डवों ने शत्रुंजय पर्वत से मोक्ष प्राप्त किया था वे भी क्षपक कहलाते हैं ।

क्षपण – *Kṣapaṇa*.

The act of destruction of *karmas*.
कर्मों की निर्जरा करना, नष्ट करना ।

क्षपणकाल – *Kṣapaṇakāla*.

Period of *Karmic* eradication or annihilation.
अल्पबहुत्व, मोहनीय कर्म नाश काल की तारतम्यता ।

क्षपणसार – *Kṣapaṇasāra*.

A book written by *Acharya* Nemichandra Siddhanta Chakravarti.
आचार्य नेमिचंद सिद्धान्त चक्रवर्ती (ई.981) द्वारा रचित मोहनीय कर्म के क्षपण विषयक एक ग्रंथ ।

क्षपणा – *Kṣapaṇā*.

Fasting, A penance.
प्रतिक्रमण, व्रत आदि के द्वारा कर्मों का क्षय करना ।

क्षपित कर्मांशिक – *Kṣapita Karmāṁśika*.

Part of *karmas* which is to be eradicated.
क्षपणा करते हुए शेष बचा अल्प द्रव्य, जिसे शीघ्र ही क्षय कर दिया जाता है ।

क्षमण – *Kṣamaṇa*.

A request made to *Acharya* saint for forgiving.
भक्तप्रत्याख्यान विधि के 40 अधिकारों में 31वां अधिकार, आचार्य आदि से क्षमा की याचना ।

क्षमणा – *Kṣamaṇā*.

To beg for forgiveness mutually.
भक्तप्रत्याख्यान विधि के 40 अधिकारों में 13वां अधिकार; अन्योन्य क्षमा की याचना करना ।

क्षमा – *Kṣamā*.

Forgiveness
दाता के सात गुणों में एक गुण, उत्तम क्षमादि 10 धर्मों में पहला धर्म, क्रोध के साक्षात् कारण मिलने पर थोड़ा भी क्रोध न करना ।

क्षमा धर्म – *Kṣamā Dharma*.

See - *Kṣamā*
देखें – क्षमा ।

क्षमावाणी व्रत – *Kṣamāvāṇī Vrata*.

A type of vow.
आसोज कृ.1 को सबसे क्षमा मांगकर उपवास करना ।

क्षय – *Kṣaya*.

Destruction, Annihilation (of *karmas*)
कर्मों के आत्यंतिक नाश को क्षय कहते हैं ।

क्षयदेश – *Kṣayadeśa*.

Last place of the destruction of *karmas*.
कर्म के क्षय होने का अंतिम स्थान; जो कर्म प्रकृति अन्य प्रकृति रूप होकर नाश होती है ऐसी परमुखोदयी प्रकृति के अंतिम कांडक की अंतिम फाली ।

क्षयोपशम – *Kṣayopaśama*.

Destruction-cum-subsidence (of *karmas*).
कर्मों के एकदेश का क्षय तथा एकदेश का उपशम होना ।

क्षयोपशम लब्धि – *Kṣayopaśama Labdhi*.

Attainment of right faith by the destruction and subsidence of *Karmas*
ज्ञानावरणीय कर्म के एक देश क्षय को क्षयोपशम कहते हैं। क्षयोपशम होने पर आत्मा में जो ज्ञान उत्पन्न होता है उसे क्षयोपशम लब्धि कहते हैं ।

क्षांति – *Kṣāṁti*.

Peace, Patience, Forgiveness.
क्षमा, क्रोध को जीतना, इससे सातावेदनीय का आस्रव होता है।

क्षायिक उपभोग – *Kṣāyika Upabhoga*.

Infinite enjoyment after destruction of obstructive *karmas*
उपभोगान्तराय कर्म के नष्ट हो जाने से आत्मा के अनंत उपभोग होता है, सिंहासन, छत्र, चमर, आदि विभूतियां प्राप्त होना ।

क्षायिक चारित्र – *Kṣāyika Cāritra*.

An attainment related to annihilating conduct.
दर्शन मोह की 3 तथा चारित्र मोह की 25 इस तरह कुल 28 प्रकृतियों का निरवशेष विनाश होना ।

क्षायिक ज्ञान – *Kṣāyika Jñāna*.

Infinite knowledge after destruction of obstructive *karmas*.

ज्ञानावरण कर्म के क्षय से उत्पन्न होने वाला अनन्त ज्ञान

क्षायिक दान – *Kṣāyika Dāna*

An attainment related to annihilating donation
नौ लब्धियों में एक लब्धि; दानान्तराय कर्म के नष्ट हो जाने से प्रकट होती है, जिससे अनन्त जीवों का उपकार करने की सामर्थ्य होती है।

क्षायिक भाव – *Kṣāyika Bhāva.*

Volition produced due to destruction of *karmas*.
कर्मों के क्षय से उत्पन्न होने वाला भाव।

क्षायिक भोग उपभोग – *Kṣayika Bhoga Upabhoga.*

Infinite bliss produced due to destruction of *karmas*.
भोगान्तराय एवं उपभोगान्तराय के नष्ट हो जाने से आत्मा में अनंत भोग एवं उपभोग उत्पन्न होना।

क्षायिक लब्धि – *Kṣāyika Labdhi.*

9 special attainments due to destruction of *Karmas*
कर्मों के क्षय से प्राप्त होने वाली लब्धियाँ, ये 9 होती हैं, ये सयोगी, अयोगी केवलियों में पाई जाती हैं।

क्षायिक लाभ – *Kṣāyika Lābha.*

Gain after the destruction of *karmas*.
लाभान्तराय कर्म के क्षय से प्राप्त लब्धि। जिसके फलस्वरूप अर्हन्त अवस्था में अत्यंत शुभ असाधारण पुद्‌गल स्कन्ध प्राप्त होते रहते हैं।

क्षायिक वीर्य – *Kṣāyika Vīrya.*

Vitality gained after destruction of *karmas*
वीर्यान्तराय कर्म के अत्यन्त क्षय से क्षायिक अनंत वीर्य प्रगट होता है। जिसके फलस्वरूप केवली को बराबर अनंत पदार्थ को जानने की सामर्थ्यता प्राप्त होती है।

क्षायिक सम्यक्त्व – *Kṣāyika Samyaktva.*

Polite (pure) reverential development after destruction of delusive *karmas*.
दर्शन मोहनीय की 7 कर्म प्रकृतियों के क्षय होने से आत्मा में जो निर्मल श्रद्धान उत्पन्न होता है।

क्षायिक सम्यग्दृष्टि – *Kṣāyika Samyagdṛṣṭi.*

Annihilating serene vision (right perception after annihilation of *karmas*).
दर्शन मोहनीय को क्षपण करने पर प्राप्त सम्यग्दर्शन सहित मनुष्य।

क्षायिक सुख – *Kṣāyika Sukha.*

Infinite bliss after destruction of obstructive *karmas*.
वेदनीय कर्म के क्षय से उत्पन्न होने वाला अनंत सुख।

क्षायोपशमिक भाव – *Kṣāyopaśamika Bhāva.*

Volitional gain after annihilation and subsidence of *karmas*.
कर्मों के क्षय और उपशम से उत्पन्न होने वाला भाव।

क्षायोपशमिक सम्यक्त्व – *Kṣāyopaśamika Samyaktva*

Right belief gained after annihilation and subsidence of *karmas*
चार अनन्तानुबंधी कषाय, मिथ्यात्व और सम्यग्मिथ्यात्व इन छह प्रकृतियों के उदयाभावी क्षय और इन्हीं के सदवस्थारूप उपशम से देशघाती तथा सम्यक्त्व प्रकृति के उदय से होने वाला तत्वार्थ श्रद्धान।

क्षार – *Kṣāra*

Salty Alkaline liquids
खारा, नमक जैसा स्वाद, समुद्र का जल खारा होता है, अवसर्पिणी पंचम काल के अंत में 7 दिन तक कुवृष्टि अर्थात् खारे पानी की वर्षा होती है।

क्षार राशि – *Kṣāra Rāśi.*

Name of a planet.
88 ग्रहों में एक ग्रह।

क्षितिशयन – *Kṣitiśayana*

A basic restraint of saint, sleeping on the earth
साधु का एक मूलगुण–भूमि शयन जीवन पर्यंत प्रासुक भूमि या तृणादि से बने संस्तर पर किसी एक करवट से शयन करना।

क्षितिसार – *Kṣitisāra.*

Name of a dominion of Bharat Chakravarti (emperor)
भरत चक्रवर्ती की एक विभूति 'सब का कोट' का नाम।

क्षिप्त वितान – *Kṣipta Vitāna.*

A cocave, canopy.
खोखला, टेंटुआ।

क्षिप्रमतिज्ञान – *Kṣipramatijñāna*

Easily attainable knowledge
जल्दी ग्रहण होने वाला ज्ञान।

क्षिप्रमतिज्ञानावरण – *Kṣipramatijñānāvaraṇa*

Obscuring *karma* of *kshipramatigyan* (easily attainable knowledge)
क्षिप्र मतिज्ञान को रोकने वाला कर्म।

क्षीण कषाय – *Kṣīṇa Kaṣāya.*

Destroyed passion, 12th *Gunsthan*-stage of spiritual development
12वाँ गुणस्थान, उसमें ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय और अंतराय कर्म का क्षय हो जाता है।

क्षीणमोह – *Kṣīṇamoha.*

One delusionless at the 12th stage of spiritual development.
मोहनीय कर्म का क्षय करने वाले 12 वें गुणस्थानवर्ती निर्ग्रंथ वीतराग साधु।

क्षीर पयोधर – *Kṣīra Payodhara.*

Rainy clouds of milk and water.
उत्सर्पिणी काल सम्बन्धी अतिदुखमा काल के आरम्भ में 7 दिन तक जल और दूध की निरन्तर वर्षा करने वाले मेघ।

क्षीरफल – *Kṣīraphala.*
A type of fig (fruit) containing a kind of milk
साधारण वनस्पति; जिनफलों को तोड़ने पर दूध निकलता है।

क्षीररस – *Kṣīrarasa.*
Name of a planet .
88 ग्रहों में एक ग्रह ।

क्षीरवर द्वीप व सागर –
Kṣīravara Dvīpa va Sāgara.
Name of the fifth island and ocean of middle universe.
मध्य लोक में क्षीर वर नामक पंचम द्वीप एवं समुद्र ।

क्षीरवृक्ष – *Kṣīravṛkṣa.*
Milk producing tree.
दूध जिन से निकले ऐसे गूलर आदि के वृक्ष ।

क्षीरस्रावी ऋद्धि – *Kṣīrasrāvī Ṛddhi.*
A type of supernatural power (reg. changing of food into milk)
ऋद्धि; जिससे हस्ततल पर रखे हुए रूखे आहारादिक तत्काल ही दुग्धपरिणाम को प्राप्त हो जाते हैं।

क्षीरसिन्धु – *Kṣīrasindhu.*
Another name for *Ksheer Sagar* (an ocean), the water of which is used for anointing *Tirthankars*
क्षीरसागर, जिसके जल से भगवान का जन्माभिषेक किया जाता है।

क्षीरोदधि – *Kṣīrodadhi.*
Name of an ocean.
क्षीरसागर; इसके जल से इन्द्र तीर्थंकरों का जन्माभिषेक करते हैं एवं तीर्थंकर द्वारा केशलोंच किये हुए केशों को इसी समुद्र में क्षेपण करते हैं।

क्षीरोदा – *Kṣīrodā.*
Name of a river in *upper Videh* (region).
अपर विदेह स्थित एक विभंगा नदी ।

क्षुद्रध्वजा – *Kṣudradhvajā.*
Trivial flags.
भवनवासी देवों के चैत्यालयों में महाध्वजा के आश्रित लगने वाली अन्य लघु ध्वजाएँ ।

क्षुद्रभव – *Kṣudrabhava.*
Mean worlds or helling world.
एक अन्तर्मुहूर्त में लब्धपर्याप्तक जीव के संभव भव ।

क्षुद्र सर्वतोभद्र – *Kṣudra Sarvatobhadra.*
A type of penance.
तप का एक प्रकार ।

क्षुद्रहिमवान् – *Kṣudrahimavān.*
Name of a summit at the bank of *Padmadrah* - a big pond.
पद्मद्रह के तट पर विदिशा का एक कूट ।

क्षुधा – *Kṣudhā.*
Hunger, Appetite.
भूख । 22 परीषहों में एक परिषह (भूख जनित वेदना को सहना) ।

क्षुल्लक – *Kṣullaka.*
Junior Jaina saint (Loin-clothed ascetic).
11वीं उद्दिष्ट त्याग प्रतिमाधारी श्रावक जो एक लंगोटी व एक चादर धारण करते हैं।

क्षुल्लक दीक्षा – *Kṣullaka Dīkṣā.*
Initiation or consecration for *Kshullak* (lion clothed ascetic) stage.
श्रावक द्वारा गृहत्याग कर क्षुल्लक रूप में दिगम्बर परम्परा की लघु दीक्षा धारण कर संत बनना ।

क्षुल्लक भव – *Kṣullaka Bhava.*
The shortest period of life
आयु बंध के होने पर जो सबसे जघन्य विश्रमण काल है ।

क्षेत्र – *Kṣetra.*
Area, Region, Quarter, Sub continent.
स्थान, वर्तमान काल सम्बन्धी निवास । किस गुणस्थान या मार्गणा स्थान वाले जीव लोक में कहां और कितने भाग में पाये जाते हैं यह जानकारी क्षेत्र के द्वारा मिलती है।

क्षेत्र ऋद्धि – *Kṣetra Ṛddhi.*
A type of supernatural power.
एक प्रकार की ऋद्धि, यह दो प्रकार की है – अक्षीण महानस, अक्षीण महालय ।

क्षेत्रज्ञ – *Kṣetrajña.*
Knower of forms (of beings).
जीव के स्वरूप को क्षेत्र कहते हैं और इसके जानने वाले को क्षेत्रज्ञ कहते हैं।

क्षेत्र धर्मा – *Kṣetradharmā.*
A king of *Shishunag* dynasty of Magadh.
मगध राज्य के शिशुनाग वंश का एक राजा ।

क्षेत्रनिबन्धन – *Kṣetranibandhana.*
Unification of areas (villages, cities etc.).
जोड़ना, संबंध करना; ग्राम व नगर आदि क्षेत्र निबंधन हैं, क्योंकि निश्चित क्षेत्र में उनका सम्बन्ध पाया जाता है।

क्षेत्रपरिवर्तन – *Kṣetraparivartana.*
Transmigration, Changing of space.
पंच परावर्तन का दूसरा भेद; असंख्य प्रदेशी लोकाकाश के एक एक प्रदेश में उत्पन्न होकर समस्त प्रदेशों में जीव का जन्म मरण होना ।

क्षेत्रपाल – *Kṣetrapāla.*
A type of protecting deity, whose idol is usually installed in *Digambar* Jaina temples.
जिनशासन के रक्षक देव । ये पाँच प्रकार के होते हैं – विजयभद्र, वीरभद्र, मणिभद्र, भैरव, अपराजित । दिगम्बर जैन मंदिरों में रक्षकदेव के रूप में इनकी तदाकार एवं अतदाकार प्रतिमाएँ विराजमान करने की प्राचीन परम्परा है।

क्षेत्रपूजा – *Kṣetrapūjā.*
Worshipping of holy places.
तीर्थंकरों के गर्भ, जन्म आदि पंच कल्याणक जहां जहां हुए हैं उन स्थानों की विधिपूर्वक पूजा करना।

क्षेत्र प्रत्याख्यान – *Kṣetra Pratyākhyāna.*
Area renunciation
अयोग्य, संयम की हानि, संक्लेश परिणामों को उत्पन्न करने वाले क्षेत्र के त्याग करने का संकल्प करना।

क्षेत्र प्रदेश – *Kṣetra Pradeśa.*
Locations, Pointing places
विशेष स्थान।

क्षेत्रप्रमाण – *Kṣetrapramāṇa.*
Existing areas.
क्षेत्र प्रमाण दो प्रकार का है; संख्यात, असंख्यात, अनंत प्रदेश वाले पुद्गल द्रव्य को अवगाह देने की अपेक्षा अवगाह क्षेत्र, दूसरा पाद, वितस्त प्रमाणांगुल आदि की अपेक्षा विभाग निष्पन्न क्षेत्र।

क्षेत्रप्रयोग – *Kṣetraprayoga.*
Method of application of area.
क्षेत्र के उपयोग संबंधी तरीका।

क्षेत्रफल – *Kṣetraphala.*
Area.
क्षेत्र का मापन।

क्षेत्रभवानन्नुगामी – *Kṣetrabhavānanugāmi.*
A type of clairvoyance (*Avadhigyan*).
अननुगामी अवधिज्ञान के 3 भेदों में एक उभयानन्नुगामी : जो ज्ञान जीव के साथ अन्य क्षेत्र और अन्य भव में नहीं जाता।

क्षेत्रभवानुगामी – *Kṣetrabhavānugāmi.*
A type of clairvoyance (*Avadhigyan*).
अवधिज्ञान, जो भरत ऐरावत और विदेह आदि क्षेत्रों में तथा देव, नारक, मनुष्य और तिर्यंच भव में भी साथ जाता है।

क्षेत्रमंगल – *Kṣetramaṁgala.*
Auspicious areas.
दीक्षा, केवलज्ञानोत्पत्ति क्षेत्र एवं लोकपूरणसमुद्घात द्वारा पूरित सभी लोक के प्रदेश क्षेत्र मंगल कहलाते हैं।

क्षेत्रमिति – *Kṣetramiti.*
Mensuration.
गणित का एक विभाग।

क्षेत्रयुति – *Kṣetrayuti.*
Combination of areas.
मिलना; जीवादि द्रव्यों का नरकादि क्षेत्रों के साथ मिलना।

क्षेत्रलोक – *Kṣetraloka.*
Universe (Infinite area).
अनंत आकाश (अलोकाकाश); यह सप्रदेशी है एवं ऊपर से नीचे तथा तिरछे सर्वत्र फैला हुआ है इसलिए क्षेत्र लोक कहलाता है।

क्षेत्र वर्गणा – *Kṣetra Vargaṇā.*
Area variform (*Karmic aggregates*).
एक प्रदेशी अवगाहना से लेकर कुछ कम घनलोक तक सब वर्गणाएं।

क्षेत्रवान – *Kṣetravāna.*
One possessing character of occupancy like sky (in all 6 matters)
आकाश द्रव्य; क्योंकि उसका अवगाहन लक्षण कहा गया है शेष 5 द्रव्य क्षेत्रवान नहीं हैं।

क्षेत्रविपाकी कर्म – *Kṣetravipāki Karma.*
The *karma* causing the same appearance in transmigratory phase (*Vigrahgati*) also.
जिस कर्म के उदय से जीव का आकार विग्रहगति में पूर्वपर्याय जैसा बना रहता है।

क्षेत्रविपाकी कर्म प्रकृति –
Kṣetra Vipāki Karma Prakṛti
The *karmic* nature causing same appearance in transmigratory phase (*Vigrahgati*) also (reg. all beings)
नरक, तिर्यंच, देव, मनुष्य गत्यानुपूर्वी ये 4 प्रकृतियां इनका उदय विग्रहगति में ही होता है।

क्षेत्रवृद्धि अतिचार – *Kṣetravṛddhi Aticāra.*
Unwarranted behaviour of encroachment.
दिग्व्रत का अतिचार; की गई क्षेत्र की मर्यादा में एक तरफ बढ़ा लेना, दूसरी तरफ घटा देना।

क्षेत्रशुद्धि – *Kṣetraśuddhi.*
Purity of area
चारों दिशाओं में 28 धनुष प्रमाण क्षेत्र में विष्ठा, मूत्र, हड्डी, केश, नख, चमड़े आदि के अभाव को क्षेत्र शुद्धि कहते हैं।

क्षेत्रसंयोग पद – *Kṣetrasaṁyoga Pada.*
Name or title related to particular regions.
माथुर, वालभ, दाक्षिणात्य और औदीच्य इत्यादि क्षेत्रसंयोग पद नाम हैं।

क्षेत्रसंसार – *Kṣetrasaṁsāra.*
Universe of living beings
स्वक्षेत्र व परक्षेत्र के भेद से क्षेत्रसंसार दो प्रकार का है; कर्मोदय से छोटे बड़े शरीर में आत्मा का रहना स्वक्षेत्र एवं गर्भादि नौ प्रकार की योनियों के आधीन रहना परक्षेत्र संसार है।

क्षेत्र सामायिक – *Kṣetra Sāmāyika.*
Equanimity - concentration of mind with non attachement of places.
सामायिक; आत्म स्वरूप को रमणीय स्थान मानकर कोई भी ग्राम, नगरादि बाह्य स्थान को मनोज्ञ या अमनोज्ञ न मानना।

क्षेत्रस्तव – *Kṣetrastava.*
Eulogical praising of reverential and holy places-birth place of *Tirthankars* (Jaina-Lords) etc.
तीर्थंकरों के गर्भ, जन्म आदि कल्याणकों के द्वारा पवित्र हुए नगर, वन, पर्वत आदि का गुणगान करने को क्षेत्र स्तव कहते हैं।

क्षेत्रस्पर्शन – *Kṣetrasparśana.*
Touching of 5 matters (*dravyas*) with sky as a

5th matter
अन्य द्रव्यों का आकाश द्रव्य के साथ संयोग को क्षेत्रस्पर्शन कहते हैं ।

क्षेत्रादिग्रंथ – *Ksetrādigrantha.*
Attachments (like area, wealth etc of 10 types).
परिग्रह, व्यवहार नय की अपेक्षा क्षेत्र, धन, धान्य आदि 10 प्रकार का परिग्रह ग्रंथ है क्योंकि ये अभ्यंतर ग्रंथ के कारण हैं और उनका त्याग करना निर्दिष्ट है ।

क्षेत्रानुगम – *Ksetrānugama.*
Induction of areas, Generalisation of areas.
अपनी-अपनी संख्या से गुणित अवगाहनारूप क्षेत्र ।

क्षेत्रार्य – *Ksetrārya.*
A type of noble persons (*Aryas*)
भरत, ऐरावत व विदेहों के 170 आर्यखण्ड निवासी मानव ।

क्षेत्रोपसंयत – *Ksetropasamyata.*
Auspicious and sacred places appropriate for saints.
मुनि का उस क्षेत्र में रहना जहां संयम व तप की वृद्धि हो ।

क्षेप – *Ksepa.*
Reverential offering of rice etc , Reproach, Blame, Passing of time
द्रव्यादि चढ़ाना, निन्दा, बुराई, समय गुजारना ।

क्षेमंकर – *Ksemamkara.*
Name of the 3rd *Kulkar* (ethical founder) & city in southern *Vijayardh* (mountain) & a universal deity.
तृतीय कुलकर का नाम, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, लौकान्तिक देवों का एक भेद ।

क्षेमंधर – *Ksemamdhara.*
Name of the 4th *Kulkar* (ethical founder).
वर्तमानकालीन चतुर्थ कुलकर ।

क्षेम – *Ksema.*
Happiness or welfare state
मारी, ईति व राष्ट्रविप्लव आदि के अभाव को क्षेम कहते हैं ।

क्षेमकीर्ति – *Ksemakīrti.*
A disciple of *Acharya* Yashah Kirti.
यशः कीर्ति के शिष्य (समय ई 998) ।

क्षेमचन्द्र – *Ksemacandra.*
Name of a great *Digambar* Jain saint.
एक महान दिगम्बर जैन मुनि (ई. 1558-1601) ।

क्षेमचरी – *Ksemacarī.*
Name of a city of *Vidyadhars*
विद्याधरों की एक नगरी का नाम ।

क्षेमपुर – *Ksemapura.*
A city in south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

क्षेमपुरी – *Ksemapurī.*
A main city of *Sukachchha* country in east *Videh* (region).
पूर्व विदेह में स्थित सुकच्छ देश की मुख्य नगरी ।

क्षेमा – *Ksemā.*
Main city of *Kachchha* country of east *Videh* (region).
पूर्व विदेह स्थित कच्छ देश की एक मुख्य नगरी ।

क्षेमेन्द्रकीर्ति – *Ksemendrakīrti.*
Name of a *Bhattarak* (learned person).
नन्दीसंघ बलात्कार गण के विशेष गद्दी के एक भट्टारक

क्षोभ – *Ksobha.*
Disturbance.
अस्थिरता–निर्विकार निश्चल चित्त की वृत्ति का विनाशक जो चारित्रमोह है ।

क्षौम्या – *Ksaumyā.*
A divine power possessed by Ravan.
रावण को प्राप्त एक विद्या ।

क्षौद्रवर द्वीप व सागर – *Ksaudravara Dvīpa va Sāgara*
An island and ocean of middle universe.
मध्यलोक के सातवें द्वीप व सागर का नाम ।

क्ष्वेलौषध ऋद्धि – *Ksvelausadha Ṛddhi.*
A type of supernatural power.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु की लार, मल, कफ आदि भी जीवों के रोग दूर करने में सक्षम होते हैं ।

ख

ख – *Kha.*
The second consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी लिपि का दूसरा व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान कंठ है ।

खंड – *Khaṁḍa.*
Part, Division, fragment, Chapter, Section
भाग, हिस्सा, शास्त्र आदि के भाग, मकान का हिस्सा आदि ।

खंडकल्पना – *Khaṁḍakalpanā.*
Imagination of partition-region(of indivisible matters like sky etc.)
विभाग कल्पना; आकाश द्रव्य अविभागी (अखण्ड) है फिर भी उसमें (प्रदेशरूप) खण्ड कल्पना हो सकती है ।

खंड कृष्टि – *Khaṁḍa Kṛṣṭi.*
Medium attenuation, a part of *krishti* (gradual destruction of passions).
कृष्टि का भाग ।

खंडदेव – *Khaṁḍadeva.*
Name of a literary writer.
पूर्व मीमांसा दर्शन के एक प्रवर्तक जिन्होंने 'भाट्टदीपिका' आदि ग्रंथों की रचना की ।

खंडनखंडखाद्य – *Khaṁḍanakhaṁḍakhādya.*
A book written by 'Shri Harsh'.
वेदान्त साहित्य प्रवर्तक 'श्री हर्ष' द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

खंडप्रपात – *Khaṁḍaprapāta.*
Name of summit (*kuta*) & a cave of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत पर स्थित एक कूट एवं एक गुफा ।

खंडशलाका – *Khaṁḍaśalākā.*
Piece log, Section (a large piece).
किसी शिला का वृहद् भाग ।

खंडिका – *Khaṁḍikā.*
A city in north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, दूसरे नरक का छठा इन्द्रक बिल ।

खंडित – *Khaṁḍita.*
Division of any quantity, Wornout, Mutilated.
गणित की भागाहार विधि में भाज्य राशि को भागहार करना, मूर्ति आदि का कोई हिस्सा टूट जाना ।

खंडोत्कीर्णकाल – *Khaṁḍotkīrṇa Kāla.*
A fragmentary period.
अंतरकरण; एक स्थिति खंडोत्कीर्णकाल में अतर की मिथ्यात्व होती है ।

ख – *Kha*
Sky, Sense organ, Infinite
आकाश, इन्द्रिय, अनन्त या अनन्त की अपेक्षा संख्यानी ।

खगपति – *Khagapati.*
Vidyadhar king.
विद्याधर राजा ।

खगपुर – *Khagapura*
Name of the city of 5th *Baldev* and *Narayan*
5 वे बलदेव सुदर्शन एवं 5 वे नारायण पुरुषसिंह के नगर का नाम ।

खगेश्वर – *Khageśvara.*
Vidyadhar, those proficient in super power by birth.
विद्याधर ।

खचर – *Khacara.*
Vidyadhar – those proficient in super power by birth, Sky moving beings
विद्याधर, तिर्यंच जीवों के तीन भेदों में एक भेद; आकाश में चलने वाले नभचर जीव ।

खचराचल – *Khacarācala.*
Name of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध पर्वत

खटोलना गीत – *Khaṭolanā Gīta.*
Name of a book.
एक ग्रंथ का नाम, समय – ई श 17 ।

खट्वाङ्ग – *Khaṭvāṅga*
Human skull placed on a bone (symbol of a terrific divinity).
एक हड्डी पर मानव खोपड़ी का होना ।

खड्ग – *Khaḍga.*
Sword, One of the 14 jewels of *Chakravarti* (emperor).
तलवार, चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक ।

खड्गपुरी – *Khaḍgapurī.*
A main city of *Avarta* country of east *Videh* (region)
पूर्व विदेह में स्थित आवर्ता देश की मुख्य नगरी ।

खड्गा – *Khaḍgā.*
A main city of *Subalgu* country of western *Videh* (region)
अपर विदेह में स्थित सुवल्गु देश की मुख्य नगरी ।

खड्गासन – *Khaḍgāsana.*
A type of meditative relaxation, A posture of meditation, Salvation posture of Lord Mahavir
कायोत्सर्ग , दोनों हाथ लम्बे लटकाकर 4 अंगुल के अंतर से पैरों को रखकर सीधा ध्यानस्थ खड़ा होना । भगवान महावीर ने इसी खड्गासन मुद्रा से मोक्ष प्राप्त किया था ।

खदिरसार – *Khadirasāra.*
Name of king Shrenik (in 3rd precedent birth).
एक भीलों का राजा जिसने मांस का त्याग किया था, पुन

गतका तीसरे भव में वही श्रेणिक राजा हुआ।

खर कर्म – *Khara Karma.*
Injurious trades, to use animals in transportation etc.
प्राणियों को पीड़ा उत्पन्न करने वाले व्यापार। जैसे बोझा ढोना, तेल निकालना आदि।

खरतरगच्छ – *Kharataragaccha.*
A group of *Shvetambar* Jain saints.
श्वेताम्बरों के विविध गच्छों में एक।

खरदूषण – *Kharadūṣaṇa.*
The son of Meghprabh
मेघप्रभ का पुत्र, रावण की बहन चंद्रनखा को हर कर उससे विवाह किया था।

खरभाग – *Kharabhāga.*
A part of the *Ratnaprabha* earth of hell
नरक की प्रथम पृथ्वी रत्नप्रभा के तीन भागों में प्रथम भाग। यह 16 हजार योजन मोटा एवं भवनवासी देवों का निवास स्थान है।

खर्वट – *Kharvaṭa*
One of the glories of *Chakravarti* (emperor), low-lying land of a mountain with having 200 villages.
चक्रवर्ती का 34 वां वैभव, पर्वत से वेष्ठित बस्ती, इसके अधीन दो सौ गांव होते हैं। अपरनाम कर्वट है।

खल – *Khala.*
Wicked, vicious, Threshing-floor, store of unthreshed corn.
खलिहान, दुष्ट व्यक्ति।

खलीनित – *Khalīnita.*
An infraction in the meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार; लगाम से पीड़ित घोड़ेवत् मुख को हिलाते हुए खड़े होना।

खलूरिका – *Khalūrikā*
Armoury, Archery learning place, Parade ground
आयुधशाला, धनुर्विद्या सीखने का स्थान, परेड का मैदान।

खांड – *Khāṁḍa.*
Unrefined and uncrystallized sugar.
कच्ची शक्कर, शुभ (पुण्य) कर्म प्रकृतियों के द्विस्थानीय अनुभाग का उदाहरण।

खांसना – *Khāṁsanā.*
Coughing, To cough
कफ आदि के कारण हवा को आवाज के साथ गले से बाहर फेंकना।

खातफल – *Khātaphala.*
A measure unit, Volume.
क्षेत्रफल को गहराई से गुणा करने पर खात फल होता है।

खातिका – *Khātikā.*
Name of the 2nd auspicious land of *Samavsharan* -the holy assembly of Jaina Lord.
समवशरण की द्वितीय भूमि।

खाद्य – *Khādya.*
Edible materials, food, cereals etc
खाने योग्य पदार्थ, लड्डू आदि।

खारवेल – *Khāravela.*
A king of the family of *Kuru* of Kaling country (state).
कलिंग देश का कुरुवंशी राजा था।

खारी – *Khārī.*
A measure unit
तौल का प्रमाण विशेष।

खुजली – *Khujalī.*
Itching, Eczema.
शरीर में सुरसुरी महसूस होना।

खुर – *Khura.*
Hoof, A scented matter.
घोड़े के पद चिन्ह, एक प्रकार का सुगंधित द्रव्य।

खुरपा – *Khurapā.*
A weeding or scraping instrument.
घास छीलने का एक औजार, जो सज्वलन कषाय माया की शक्ति का उदाहरण है।

खेचर – *Khecara.*
Another name of *Vidyadhars*, moving through the sky.
विद्या के द्वारा आकाश में गमन करने वाले मनुष्य अर्थात् विद्याधर।

खेचर जीव – *Khecara Jīva.*
Vidyadhar–those proficient in super power by birth, Sky moving beings.
विद्याधर मनुष्य, आकाश में उड़ने वाले नभचर पक्षी आदि।

खेचरनी – *Khecaranī.*
Another name of female *Vidyadhars*.
विद्याधर स्त्रियां।

खेट – *Kheṭa.*
Area surrounded by mountains and rivers.
पर्वत और नदी से घिरा हुआ ग्राम, नगर।

खेटक – *Kheṭaka.*
Villages, one of glories of *Baldev*.
गांव, बलदेव के वैभवों में एक वैभव। 8000 खेटक बलदेव के अधीन होते हैं।

खेद – *Kheda.*
Pain, Sorrow, Affliction.
अनिष्ट की प्राप्ति होना, दुख, शोक, अवसाद।

खोह – *Khoha.*
The hollowness of a tree, A cave.
वृक्ष की कोटर; साधुओं के निवास या ध्यान योग्य स्थान।

ख्याति – *Khyāti.*
Glory, Fame.
प्रसिद्धि, यश, कीर्ति, प्रतिष्ठा।

ग

ग – *Ga*

The third consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी लिपि का तीसरा व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान कंठ है।

गंग – *Ganga*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of 10 *purvas* and 11 *angas*.
दस पूर्व और ग्यारह अंगधारी मुनियों में दसवें मुनि अपरनाम गंगदेव था, हस्तिनापुर के राजा गंगदेव का पुत्र।

गंगकीर्ति – *Gamgakirti.*

Name of a *Bhattarak* (learned person).
नंदी संघ बलात्कार गण की शाखा गद्दी के एक भट्टारक।

गंगदेव – *Gamgadeva.*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of 10 *purvas* & 11 *angas*.
एक आचार्य जिनका नाम 'देव' था, भद्रबाहु प्रथम के पश्चात् दसवें, 11 अंग व पूर्वधारी हुए थे।

गंगा – *Gamgā.*

The first river of *Jambudvip* among all 14.
जम्बूद्वीप की 14 महानदियों में प्रथम नदी, यह पद्म सरोवर के पूर्व द्वार से निकली है।

गंगाकुंड – *Gamgākumda.*

A pool of *Bharat Kshetra* (region) from which the Ganga river originates
भरत क्षेत्र स्थित एक कुंड जिसमें से गंगा नदी निकलती है।

गंगाकूट – *Gamgākūṭa.*

A summit situated at '*Himvana*' mountain.
हिमवान् पर्वत स्थित एक कूट।

गंगातट – *Gamgātaṭa.*

Bank of river, the 'Ganga'.
गंगा नदी का किनारा जहां से लक्ष्मण ने अनेक देवों एवं विद्याधर राजाओं को अपने वश में किया था।

गंगादास – *Gamgādāsa.*

Disciple of Dharmachandra *Bhattarak*
धर्मचन्द्र भट्टारक के शिष्य ई. सन् 1690-1693 सम्मेद विलास, सम्मेदशिखर पूजा, भुक्तस्कंध पूजा आदि के कर्ता।

गंगादेवी – *Gamgādevī.*

A female deity of *Gangakund* and *Gangakut*.
गंगाकुण्ड तथा गंगाकूट की स्वामिनी देवी।

गंगास्नान – *Gamgāsnāna.*

To take bath in the Ganga river.
गंगा नदी में जाकर स्नान करना।

गंडविमुक्त देव – *Gamḍavimukta Deva.*

The disciple of Maghnandi Muni Kollapuriya.
माघनंदि मुनि कोल्हापुरीय के शिष्य तथा भानुकीर्ति व देवकीर्ति के गुरु थे। समय ई. 1133-1163।

गंध – *Gamdha.*

Smell, Odour, Scent, Fragrance
जो सूंघा जाता है अर्थात् सुगन्ध या दुर्गंध।

गंधअष्टमी व्रत – *Gamdha Aṣṭamī Vrata*

A type of vow of long time fasting
352 दिन एक कुल 288 उपवास तथा 64 पारणा।

गंधकुटी – *Gamdhakuṭī.*

Seat of Lord in *Samavashran* - the holy assembly of Jaina Lord.
समवशरण के मध्य भगवान के बैठने का स्थान।

गंधकूट – *Gamdhakūṭa.*

A summit situated at *Shikhari* mountain
शिखरी पर्वत पर स्थित एक कूट।

गंधदेव – *Gamdhadeva.*

A protector deity of *Nandishwar dvip* (island) and *Kshaudravar*
नन्दीश्वर द्वीप तथा क्षौद्रवर का रक्षक देव।

गंधनामकर्म – *Gamdhanāmakarma.*

Karma causing odourous body.
जिसके उदय से शरीर में गंध हो।

गंधमादन (पर्वत) – *Gamdhamādana (Parvata).*

Name of a *Gajdant* mountain
सुमेरु पर्वत की चारों दिशाओं में स्थित गजदन्त पर्वतों में से एक।

गंधमालिनी – *Gamdhamālinī.*

An area in western *Videh* (region), Name of a summit (*koot*) of *Devamal Vakshar* and its protecting deity, Name of a *Vibhanga* river of *Videh* (region)
अपर विदेह स्थित एक क्षेत्र, देवमाल वक्षार का एक कूट, देवमाल वक्षार गंधमालिनी कूट का रक्षक देव, विदेह क्षेत्र स्थित एक विभंगा नदी।

गंधमाली – *Gamdhamālī*

A deity of *Gandhmali* summit (*Koot*) of *Gandhmadan Gajdant* mountain
गन्धमादन गजदन्त के गंधमाली कूट का स्वामी देव।

गंधयंत्र – *Gamdhayamtra*

A metallic plate engraved with some auspicious and mystic words
एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट।

गंधर्व – *Gamdharva.*

Ruling demigod of Lord Kunthunath, An art of music
कुन्थुनाथ का शासक यक्ष, संगीत विद्या।

गंधर्वदेव – *Gamdharva Deva.*

A type of peripatetic deities.
व्यंतर देवों का एक प्रकार।

गंधर्वनगर – *Gandharva Nagara.*

A city of *Vidyadhars*. An illusory image of a city of clouds.

विद्याधरों की एक नगरी, मेघों से निर्मित काल्पनिक नगर।

गंधर्वपुर – *Gandharvapura.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

गंधर्वविवाह – *Gandharva Vivāha.*

A kind of marriage conducted by mutual pledge

इसमें स्त्री पुरुष स्वयं एक दूसरे को वर लेते हैं, कोई वैवाहिक विधि नहीं होती।

गंधर्व शास्त्र – *Gandharva Śāstra*

A book containing musical subject matter

सौ से अधिक अध्यायों से युक्त गीत-वाद्य संबंधी तथ्यों का प्रतिपादक शास्त्र।

गंधर्वसेन – *Gandharvasena.*

The father of the king Vikramaditya.

राजा विक्रमादित्य के पिता।

गंधवती – *Gandhavatī.*

Name of a city & a summit (*koot*).

एक नगरी, शिखरी कुलाचल पर स्थित कूट।

गंधवान् – *Gandhavān.*

Name of a mountain.

हैरण्यवत् क्षेत्र के मध्य में कूटाकार एक वैताढ्य पर्वत।

गंधव्यास – *Gandhavyāsa.*

A summit (*koot*) of *Gajdant* mountain.

गजदन्त पर्वत का एक कूट।

गंधसमृद्ध – *Gandhasamṛddha.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

गंधहस्ती महाभाष्य – *Gandhahasti Mahābhāṣya.*

A book (Tatvarth Sutra Tika) written by *Acharya* Samant Bhadra.

आचार्य समंतभद्र (ई. श. 2) कृत तत्त्वार्थ सूत्र की एक टीका।

गंधा – *Gandhā.*

An area of western *Videh* (region).

अपर विदेह स्थित एक क्षेत्र। अपरनाम वल्गु।

गंधार पन्नग – *Gandhāra Pannaga.*

A type of *Nagkumar* deities.

नागकुमार भवनवासी देवों की एक जाति।

गंधारी – *Gandhārī.*

A king of *Kuru* dynasty.

कुरु वंश का एक राजा।

गंधिला – *Gandhilā.*

An area of western *Videh*, Name of a summit (*koot*) and protecting deity of *Devmal Vakshar.*

अपर विदेह स्थित एक क्षेत्र, देवमाल वक्षार का कूट व उसका देव।

गंधोदक – *Gandhodaka.*

Sacred fragrant water (pertaining to anointment of a Jaina idol)

सुगंधित प्रासुक जल; भगवान का न्हवन (अभिषेक) से पवित्र जल।

गंधोदक वृष्टि – *Gandhodaka Vṛṣṭi.*

One of the excellences of omniscient— showering of [illegible] fragrant water.

अर्हन्तों के केवलज्ञान के अतिशयों में एक, सुगन्धित जल वर्षा।

गंभीर – *Gambhīra.*

Earnest Sober, A type of peripatetic deities.

शांत, गहन, महोरग जाति के व्यंतर देवों की एक जाति।

गंभीर मालिनी – *Gambhīra Mālinī.*

A river of western *Videh* (region)

अपर विदेह स्थित एक विभगा नदी।

गंभीर शासन – *Gambhīra Śāsana.*

Another name of Jain *Shasan.*

जैन शासन का एक नाम।

गंभीरा – *Gambhīrā.*

A river of the east *Aryakhand* (region).

पूर्व आर्य खण्ड स्थित एक नदी।

गंभीरावर्त – *Gambhīrāvarta.*

Name of a dominion 'conch' of *Chakravarti* (emperor).

चक्रवर्ती की विभूति 'शंख' का नाम।

गगनखंड – *Gaganakhaṇḍa.*

Part of sky.

नभ या आकाश खंड; जहां ज्योतिष देव अपनी-अपनी परिधियों में परिक्रमा से संचार करते हैं।

गगनचन्द्र – *Gagana Candra.*

Name of spiritual initiator of 'Bali'.

सुग्रीव के भाई बाली के दीक्षा गुरु।

गगनचरी – *Gaganacarī.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain. Those who move in the sky.

विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, आकाश में गमन करने वाले विद्याधर।

गगन नंदन – *Gagana Nandana.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

गगनानंद – *Gaganānanda.*

A king of *Vanar* dynasty.

वानर वंश का एक राजा।

गच्छपद – *Gacchapada.*

Number of terms.

कई पद।

गच्छप्रतिबद्ध – *Gaccha Pratibaddha.*

An auspicious method for holy death or

voluntary death
स्वेच्छया प्राण त्याग विधि का एक प्रकार

गच्छ विनिर्गति – *Gaccha Vinirgati.*
See - *Gaccha Pratibaddha*
देखें – गच्छ प्रतिबद्ध ।

गज – *Gaja.*
Elephant. 29th *Patal* (layer) and *Indrak* of *Saudharm* heaven One of the five jewels of *Chakravarti* (emperor) in all 14. An area measurement unit.
हाथी, सौधर्म स्वर्ग का 29वां पटल व इन्द्रक, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में से एक सजीव रत्न, क्षेत्र का प्रमाण विशेष इसे किष्कु भी कहते हैं

गजकुमार – *Gajakumāra.*
The son of Vasudeva and younger brother of Krishna.
अन्तकृत केवली वसुदेव का पुत्र, कृष्ण का अनुज, विरक्त होने पर जिसके श्वसुर सोमशर्मा ने क्रोधाग्नि के कारण सिर पर जलती हुई सिगड़ी रखी थी ।

गजदंत – *Gajadanta.*
Mountains having the shape of elephant teeth.
विदेह क्षेत्र में सुमेरु पर्वत की चारों दिशाओं में सौमनस, विद्युत्प्रभ, माल्यवान, गन्धमादन नामक चार गजदंताकार पर्वत ।

गजपंथा (तीर्थ) – *Gajapanthā (Tirtha).*
Name of a *Digambar* Jaina place of pilgrimage near Nasik city of Maharashtra. Seven *Balbhadras* and 8 crore *Munis* got salvation from here.
नासिक (महाराष्ट्र) के निकट एक सिद्धक्षेत्र (तीर्थ) – यहां से बलभद्र आदि 8 करोड़ मुनि मोक्ष गये हैं ।

गजपुर – *Gajapura*
A city of *Bharat Kshetra* (region. Another name of Hastinapur.
भरत क्षेत्र का एक नगर। हस्तिनापुर का अपरनाम ।

गजबाण – *Gajabāṇa.*
An arrow having divine power.
दिव्यास्त्र बाण, इसे सिंहबाण से रोका जाता है ।

गजवती – *Gajavatī.*
A river of *Varun* mountain in *Bharat kshetra* (region)
भरत क्षेत्र के वरुण पर्वत पर स्थित एक नदी ।

गजवाहन – *Gajavāhana*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा ।

गजस्नान – *Gajasnāna.*
Elephant bath, continuity in bondage of *karmas* with their regular destruction
हाथी का स्नान करना, कर्म निर्जरा होने पर पुनः पुनः कर्म बंध होने की स्थिति को भी गजस्नान की उपमा दी गई है। क्योंकि जैसे हाथी स्नान करके पुन. अपनी सूंड से ही धूल को अपने ऊपर डाल लेता है, उसी प्रकार गृहस्थ श्रावक भी पूजा पाप कर्मों की निर्जरा करके पुनः पुनः पापों का बन्ध करता है, उसकी इसी अवस्था को गजस्नान की उपमा दी गई है ।

गजस्वन – *Gajasvana*
Name of an assisting devotee of Ram (a *Vidyadhar*)
राम का सहायक एक विद्याधर । यह विद्याधरों का महारथी था।

गजांकित ध्वजा – *Gajāṁkita Dhvajā.*
A type of flag of *Samavsharan* bearing the figure of elephant
समवशरण में दस प्रकार की ध्वजाओं में एक ध्वजा । इस पर गज की आकृति चिन्हित होती है ।

गजारात्याराव – *Gajārātyārāva*
Resonance/roaring of lion
सिंहनाद, जिन (तीर्थंकर) जन्म सूचक चतुर्विध ध्वनियों में एक ध्वनि ।

गण – *Gaṇa.*
Group of three (saints etc)
तीन चिरदीक्षित साधुओं का समूह, वृद्ध मुनियों का समुदाय (धवला एवं राजवार्तिक के अनुसार) ।

गणग्रहण क्रिया – *Gaṇagrahaṇa Kriyā*
An act of consecration—departing of passionful deities and installing passionless deities
दीक्षान्वय क्रियाओं की चौथी क्रिया; जहां दीक्षित जैनी अपने घर से सारे देवों को विदाकर वीतराग देव की पूजा व स्थापना करता है

गणधर – *Gaṇadhara*
Chief disciple (*Gandhar*) of *Teerthankar* (Jaina Lord)
तीर्थंकर के प्रमुख शिष्य, इनके अन्य नाम गणी, गणीश, गणपति, गणेश आदि भी हैं। ये समस्त श्रुत के पारगामी, सातों ऋद्धियों के धारक, मुनियों के स्वामी एवं चार ज्ञानधारी होते हैं।

गणधरकीर्ति – *Gaṇadharakīrti.*
Disciple of *Acharya* Kuvalayachandra
ई.सन् 1132 में आचार्य कुवलयचन्द्र के शिष्य ।

गणधरवलय यंत्र – *Gaṇadharavalaya Yantra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious and mystic words.
धातु की एक मंत्र लिखित प्लेट ।

गणधरवलय विधान – *Gaṇadharavalaya Vidhāna*
Name of a worshipping composition composed by *Ganini* Shri Gyanmati Mataji.
'णमो जिणाणं' आदि गणधरवलय मंत्रों पर आधारित पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित एक पूजन विधान ।

गणधरवलय व्रत – *Gaṇadharavalaya Vrata.*
A type of vows to be observed for particular 48 days in the reverence of particular 48 *Mantras*
णमो जिणाणं आदि गणधर वलय के 48 मंत्र हैं इनके 48 व्रत

किए जाते हैं यही गणधरवलय व्रत कहलाते हैं।

गणनकृति – *Gananakṛti*

A type of squaring (reg. counting)

कृति का एक भेद।

गणना – *Gaṇanā*

Counting, Calculation

गिनती करना, हिसाब लगाना।

गणनाथ भक्ति – *Gaṇanātha Bhakti.*

Adoring of *Acharya* saints

आचार्य भक्ति; सोलह कारण भावनाओं में एक भावना।

गणनानंत – *Gaṇanānanta.*

Numerical infinite counting

अनंत गणना।

गणना प्रमाण – *Gaṇanā Pramāṇa.*

Mathematical calculation (reg. measurement)

लौकिक एवं लोकोत्तर मान, लौकिक मान 6 प्रकार का एवं लोकोत्तर मान द्रव्य क्षेत्र आदि की अपेक्षा से 4 प्रकार का है।

गणना संख्यात – *Gaṇanā Saṃkhyāta.*

Mathematical calculation (according to Jaina philosophy)

जैन दर्शन के अनुसार एक गणितीय प्रमाण।

गणपोषण काल – *Gaṇapoṣaṇa Kāla.*

Nurturing period of disciples under *Acharyas.*

दीक्षादि 6 कालों का एक भेद, आचार्य का निश्चय व्यवहार काल में स्थित होकर शिष्यगणों का पोषण करना।

गणबद्ध – *Gaṇabaddha.*

A type of peripatetic deities.

चक्रवर्ती की निधि और रत्नों की रक्षा करने वाले 16000 गणबद्ध जाति के व्यंतरदेव।

गणवर्द्धन – *Gaṇavarddhana.*

Expansion of the community members

धर्म अनुयायियों की वृद्धि करना।

गणाधिप – *Gaṇādhipa.*

Religious preceptor.

धर्माचार्य।

गणिका – *Gaṇikā.*

Serving female deity of *Indras* with enchanting gestures

महत्तरी (विशेष देखिये) - जो देवों में एक एक इन्द्र की दो-दो होती हैं।

गणिका – *Gaṇikā.*

Prostitute.

वेश्या (वेश्या को नगरवधू, लंजिका, रूपाजीवा, विलासिनी, पणिका आदि नामों से जाना जाता है)।

गणित – *Gaṇita.*

A branch of study - Mathematics, Arithmetic

अंक विद्या, एक लौकिक विषय जिसका उपयोग सर्वत्र आगम आदि में होता है।

गणितज्ञ – *Gaṇitajña*

Mathematician, An astronomer

गणित विषय का जानकार या ज्ञाता।

गणितधारा – *Gaṇitadhārā.*

Mathematical sequences

गणित का एक भाग।

गणित परिकर्म – *Gaṇita Parikarma*

A kind of *Drishtivad Anga* containing mathematical contents

12वें दृष्टिवाद अंग का एक भेद, जिसमें गणित के करण सूत्रों का वर्णन है।

गणितशास्त्र – *Gaṇitaśāstra*

Mathematics.

गणित।

गणितसारसंग्रह – *Gaṇitasārasaṃgraha.*

A book written by Mahaviracharya

महावीराचार्य (ई. 800-830) द्वारा रचित एक गणित विषयक ग्रंथ।

गणिनी – *Gaṇinī*

Chief in *Aryikas* (*Digambar* Jain female ascetics). There are 24 *Ganinis* (Chief *Aryikas*) in all 24 holy assemblies of *Tirthankars* (Jaina Lords).

जैनाचार्यों के समान ही आर्यिका का एक प्रमुख पद जो शिष्याओं को शिक्षा-दीक्षा देकर आर्यिका संघ का संचालन करती है। मुनियों के समान आर्यिकाओं के भी 28 मूलगुण होते हैं और वे उपचार से महाव्रती कही जाती हैं। इसी प्रकार आचार्य के समान गणिनी के भी 36 मूलगुण होते हैं। गणी शब्द गणधर या आचार्य पद के लिए प्रयुक्त होता है उसी से आर्यिका प्रमुख के लिए गणिनी शब्द बना है। तीर्थंकर के समवसरण में मुनियों में प्रमुख गणधर एवं आर्यिकाओं में प्रमुख गणिनी होती हैं। 24 तीर्थंकरों की 24 गणिनी माताओं के नाम क्रमशः - ब्राह्मी, प्रकुब्जा, धर्मार्या, मेरुषेणा, अनन्तमती, रतिषेणा, मीनार्या, वरुणा, घोषार्या, धरणा, धारणा, सेनार्या, पद्मा, सर्वश्री, सुव्रता, हरिषेणा, भाविता, यक्षिला, बंधुषेणा, पुष्पदंता, मंगिनी, राजीमती (राजुलमती), सुलोचना एवं चन्दना।

गणिमान – *Gaṇimāna.*

Counting.

लौकिकमान। एक-दो-तीन आदि गणना।

गणी – *Gaṇī.*

(1) *Gandhar* (chief disciple of *Tirthankar*). (2) A knower of 11 *Angas* (parts of super knowledge). (3) Head of *Gana* or ascetic group.

1) गणधर देव, इसी के अर्थवाची अन्य शब्द गणीश, गणेश, गणपति आदि भी हैं। 2) ग्यारह अंग का ज्ञाता। 3) साधु संघ का प्रमुख।

गणोपग्रहण क्रिया – *Gaṇopagrahaṇa Kriyā.*

An auspicious activity of providing spiritual

knowledge, vows etc
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में 28 वीं क्रिया - इसमें आचार्य भुजाधिपति को भुजपालन, दीक्षार्थियों को दीक्षा और धर्मार्थियों को धर्म का ज्ञान देते हैं ।

गतदेह – *Gatadeha*
Bodiless salvated soul (Lord Siddha)
अशरीरी सिद्ध भगवान।

गतभ्रम – *Gatabhrama*
A king of *Rakshas* dynasty
राक्षस वंश का एक राजा ।

गति – *Gati*.
Movement, motion. Destinity, body form i.e. form of the body (of beings) in which one (soul) exists.
चाल, गति नाम कर्म के उदय से जो पर्याय हो, नरक, तिर्यंच, मनुष्य व देव ये जीवों की 4 गतियां हैं ।

गति-अगति (सामान्य) – *Gati-Agati (Sāmānya)*.
Probability of getting any body form (*Gati*) by transmigration.
किस स्थान से मरकर किस गति में जीव उत्पन्न हो सकता है और किसमें नहीं

गति-अगति (गुण प्राप्ति) – *Gati-Agati (Guṇa Prāpti)*.
Possibility of virtues in different body forms (*Gatis*).
किस गति से किस गति में उत्पन्न जीव कौन-कौन से गुण उत्पन्न करने के योग्य हो सकता है ।

गति-अगति (गुणस्थान प्राप्ति) – *Gati-Agati (Guṇa Sthāna Prāpti)*.
Probability of getting any body form (*Gati*) after dying from one spiritual stage (*Gunsthan*).
गुणस्थान से गति सामान्य अर्थात् किस गुणस्थान से मरकर जीव किस गति में उत्पन्न हो सकता है और किसमें नहीं ।

गति द्विक – *Gati Dvika*.
Dyad of *Karmic* nature related to *Gati*
गति, गत्यानुपूर्वी (जैसे-तिर्यंच गति, तिर्यंच गत्यानुपूर्वी आदि) ।

गतिनामकर्म प्रकृति – *Gatināmakarma Prakṛti*.
Karmic nature causing any *Gati*.
जिस कर्म के उदय से जीव मनुष्य, तिर्यंच, देव व नरक गति को प्राप्त करता है।

गति परिणाम – *Gati Pariṇāma*.
Nature to go upwards (pre-salvation stage)
जीव की ऊर्ध्वगति के स्वभाव का एक भेद।

गति परिस्पन्द – *Gati Parispanda*.
Vibrational motion
बाह्य अभ्यंतर निमित्त के वश उत्पन्न होने वाला काय का परिस्पन्दन।

गति प्रायोग्य – *Gati Prāyogya*.
Experimental motion.
गति का एक भेद; बाण चक्र आदि की गति ।

गति प्रायोग्यानुपूर्वी – *Gati Prāyogyānupūrvī*
Pretransmigratory succession of one's body
विग्रहगति में पूर्व शरीर का आकार बेनाम नहीं होना ।

गतिबन्धाभाव – *Gatibandhābhāva*
Lack of binding of any *Karmic* nature related to any *Gati* for the next birth (i.e. lack of transmigration), Motion without constraint
आगे के भव के लिए चारों गतियों के बन्ध का अभाव होना, गति का एक भेद, एरण्ड बीज आदि की गति ।

गतिभ्रमण काल – *Gatibhramaṇa Kāla*.
Wandering period of five sensed beings (reg body forms).
पंचेन्द्रियों में कुल परिभ्रमणकाल पूर्वकोटि पृथक्त्व अधिक 1000 सागर प्रमाण है ।

गतिमार्गणा – *Gatimārgaṇā*
Investigation of beings in different body forms.
चार गतियों में जीवों की खोज, कर्म बद्ध संसारी जीव मिल जायेंगे ।

गतिलघुत्व – *Gati Laghutva*
Levitational motion
गति का एक भेद; तुंबडी रुई आदि की (ऊपर जाने वाली) गति।

गतिहीन – *Gatihīna*.
Static, Steady
गतिरहित, सिद्ध परमेष्ठी या धर्म-अधर्म-आकाश-काल द्रव्य ।

गदा – *Gadā*.
A club, an Indian weapon
एक तरह का भारतीय अस्त्र।

गदा विद्या – *Gadā Vidyā*
A type of supernatural power (causing glory, victory etc.)
एक विद्या, इससे युद्ध में जय और कीर्ति मिलती है ।

गद्यकथाकोष – *Gadyakathākoṣa*.
Name of a book (treatise).
एक ग्रन्थ का नाम ।

गद्यचिन्तामणि – *Gadyacintāmaṇi*.
A book written by *Acharya* Vadeebh Singh.
आचार्य वादीभसिंह ओडय देव (ई. 770-860) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

गमक – *Gamaka*.
Informer, Counsellor
संकेतक, सुझाव देने वाला ।

गमन – *Gamana*.
Migration.
एक स्थान से दूसरे स्थान जाना ।

गमनहेतुत्व – *Gamanahetutva*.
Cause of migration
एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में कारण ।

गमनागमन तप – *Gamanāgamana Tapa.*

An austerity (physical mortification) journey on foot to pilgrimage without stoppage

कायक्लेश–तीर्थादि एक स्थान से दूसरे स्थान जाना और बिना विश्रांति के स्वस्थान लौट आना

गया – *Gayā.*

Name of a place in Bihar state (a place of pilgrimage)

बिहार प्रांत में एक स्थान का नाम ।

गरिमा – *Garimā*

Excellence, A type of supernatural power of making miraculously heavy body

ऋद्धि, जिस ऋद्धि के प्रभाव से वज्र से भी गुरुतर अर्थात् भारी शरीर बनाया जा सके ।

गरिष्ठ रस – *Gariṣṭha Rasa*

Fatty foods (reg. edibles).

घृत आदि से बने सभी पदार्थ गरिष्ठ रस कहलाते हैं।

गरुड़ – *Garuḍa*

Ruling demigod of Jaina Lord Shantinath, 4th *Patal* (layer) of *Sanatkumar* heaven, Eagle or a large vulture

शांतिनाथ भगवान का शासन यक्ष । सानत्कुमार स्वर्ग का चौथा पटल । एक विशालकाय पक्षी ।

गरुड़ध्वज – *Garuḍadhvaja.*

Name of a city in the south of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की दक्षिणश्रेणी का एक नगर ।

गरुड़पंचमी व्रत – *Garuḍapañcamī Vrata.*

A type of vow to be observed in *Shravan* month.

पांच वर्ष तक प्रतिवर्ष श्रावण शु. 5 का उपवास ।

गरुड़यंत्र – *Garuḍayantra.*

A space vehicle

आकाशगामी एक वाहन

गरुड़वाहिनी – *Garuḍavāhinī.*

A type of divine power to fly over the sky.

एक विद्या, इससे आकाश में गमन होता है ।

गरुड़व्यूह – *Garuḍavyūha.*

A kind of strategy (reg. army)

एक विशिष्ट सैन्य-व्यूह, ऐसी रचना चक्रव्यूह को भंग करने के लिए की जाती है।

गरुड़ेंद्र – *Garuḍendra.*

A celestial deity (*Indra*)

एक इन्द्र, वंशधर पर्वत पर पूर्वभव के पुत्र देशभूषण व कुलभूषण मुनियों का राम लक्ष्मण द्वारा उपसर्ग निवारण किये जाने पर गरुड़ेन्द्र ने उनको संकट के समय सहायता का वर दिया।

गर्दतोय – *Gardatoya.*

A division of special heavenly deities (*Laukantik*).

लौकान्तिक देवों का एक भेद ।

गर्भकल्याणक – *Garbhakalyāṇaka.*

An auspicious event (celebration of state of conception of *Tirthankar* - Jaina Lord)

भगवान के पांच कल्याणकों में एक अर्थात् भगवान का गर्भ में आना । इस समय भगवान की माता 16 स्वप्न देखती हैं।

गर्भगृह – *Garbhagṛha*

Confinement room, Sanctum, a sacred place or shrine cell.

मंदिर के बीच का प्रधान भाग जिसमें मुख्य भगवान की प्रतिमा रखी जाती है, कल्पवासी देवों के भवनों में एक गृह ।

गर्भज – *Garbhaja*

Those born by uterus, Uterine born

जो तिर्यंच, मनुष्य माता के रज व पिता के वीर्य के संयोग से पैदा हों : जरायुज, अण्डज, पोत ये तीन गर्भजन्म के भेद हैं ।

गर्भाधान क्रिया – *Garbhādhāna Kriyā.*

Conception procedure, an auspicious act of householders

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में पहली क्रिया । विशेष देखें– आदिपुराण ।

गर्भान्वय क्रिया – *Garbhānvaya Kriyā.*

53 types of auspicious activities (conception procedure etc.)

गर्भाधान आदि 53 क्रियाएँ ।

गर्व – *Garva.*

Pride, Conceit, Arrogance.

घमण्ड, मान कषाय ।

गर्हण – *Garhaṇa*

Blaming self, Censuring self

निंदा, आत्मनिंदा, गुरु का अपने दोषों के प्रति निंदन गर्हण करना ।

गर्हा – *Garhā.*

Confessing own faults before the spiritual teacher

गर्हण, गुरु के समक्ष अपने दोष प्रगट करना ।

गर्हित वचन – *Garhita Vacana.*

Despised speech, Contemptible or ignoble words.

कर्कश-वचन, निष्ठुर भाषण, पैशुन्य वचन आदि ।

गलितावशेष – *Galitāvaśeṣa.*

Decaying of remainders.

गुणश्रेणी आयाम के द्वितीयादि समयों में गुणश्रेणी आयाम क्रम से एक एक निषेक की घटती होना ।

गवेषणा – *Gaveṣaṇā.*

Investigation, Search.

अन्वेषण, खोज, मार्गणा ।

गव्यूति – *Gavyūti.*

A traditional measurement unit.

एक कोस या दो मील की दूरी का माप ।

गांगेय – *Gangeya*

A king of *Kuru* dynasty

कुरुवंश का एक राजा ।

गांधर्व विवाह – *Gandharva Vivāha.*

See - *Gandharva Vivaha*

देखें - गंधर्व विवाह ।

गांधार – *Gandhāra*

A vowel, Present Afaganistan, West side of Jahalum of Punjab. A country of *Bharat kshetra* in *Arya khand* (a region)

एक स्वर, वर्तमान कन्धार या अफगानिस्तान देश, पंजाब के जेहलुम से पश्चिम का भाग, भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश ।

गांधार (कूट) – *Gandhāra (Kūṭa)*

A summit of *Shikhari* mountain

शिखरी पर्वत पर स्थित एक कूट

गांधारी – *Gandhāri*

Ruling female demigod of Lord Vasupujyanath, Name of the wife of Dhritrastra

भगवान वासुपूज्य की शासन यक्षिणी, धृतराष्ट्र की पत्नी ।

गाय – *Gāya*

Cow, A type of listener

एक पशु, श्रोता का एक भेद, जैसे गाय तृण खाकर दूध देती है, वैसे ही जो श्रोतागण थोड़ा उपदेश सुनकर बहुत लाभ लिया करते हैं ।

गारव – *Gārava.*

Pride, Arrogance

गर्व या बड़प्पन होना; यह तीन प्रकार का है–ऋद्धि गारव, रस गारव, स्रात गारव ।

गारुड़ तत्त्व – *Gāruḍa Tattva.*

Soul as an ultimate being

आत्मा; विद्वानों ने इसे शिव, गरुड़ व काम कहा है क्योंकि यह आत्मा ही गुणरूपी रत्नों का समूह है ।

गारुड़ी विद्या – *Gāruḍi Vidyā.*

Knowledge which removes the venomous effect by Incantation.

सर्प का विष उतारने वाली विद्या ।

गारुड़मणि – *Gāruḍmaṇi.*

A type of gem causing the removal of the effect of snake poison

सर्प के विष को दूर करने वाली गरुड़ मणि।

गार्ग्य – *Gārgya.*

One follower of non-activism

एक अक्रियावादी ।

गार्हपत्य – *Gārhapatya*

A sacred fire.

अग्निकुमार देव के मुकुट से उत्पन्न हुई तीन प्रकार की अग्नियों में से एक अग्नि; जो तीर्थंकर के निर्वाणोत्सव में तीर्थंकर के शरीर का संस्कार करके पूजा का अंग होकर पवित्र मानी जाती है ।

गार्हपत्य (कुंड) – *Gārhapatya (Kuṇḍa)*

Sacrificial pit of fire

होम करते हुए जो तीर्थंकर की निर्वाण की अग्नि की स्थापना का तीर्थंकर कुंड बनाया जाता है ।

गिरनार (तीर्थ) – *Girnāra (Tīrtha)*

Name of a place of pilgrimage, from where Lord Neminath got salvation. It is situated in Gujarat state

गुजरात प्रान्त में स्थित भगवान नेमिनाथ की निर्वाणभूमि के नाम से प्रसिद्ध एक तीर्थ। जूनागढ़ से राजुल को ब्याहने हेतु बारात लेकर आये नेमिनाथ को पशु बंधन देखकर वैराग्य हो गया था, अतः उन्होंने वहां से सीधे गिरनार पर्वत पर जाकर दीक्षा धारण की, पुनः केवलज्ञान प्राप्तकर यहीं से मोक्ष प्राप्त किया। नेमिनाथ को दीक्षित देखकर राजुल ने भी वहीं आर्यिका दीक्षा लेकर तप किया। आचार्य श्री कुंदकुंद स्वामी ने अपने संघ के साथ गिरनार पर्वत की वंदना की। उनके प्रभाव से पर्वत पर विराजमान पाषाण की अम्बिका देवी ने "सत्यपथ निर्ग्रंथ दिगम्बर" शब्द का तीन बार उच्चारण किया था।

गिरि – *Giri.*

A mountain. Name of the kings of *Yadu & Hari* dynasties

पर्वत, यदु (यादव) वंश एवं हरिवंश के राजाओं का नाम ।

गिरिकूट – *Girikūṭa*

A mountain of *Bharat Kshetra* (a region) near *Eravati* river.

ऐरावती नदी के पास स्थित भरत क्षेत्र का एक पर्वत ।

गिरिकूटक – *Girikūṭaka.*

Name of a high palace of Bharat Chakravarti

भरत चक्रवर्ती का एक बहुत ऊंचा राजमहल ।

गिरिदारिणी – *Giridāriṇī*

A divine power possessed by 'Ravan'

रावण को प्राप्त एक विद्या ।

गिरिपात – *Giripāta.*

Falling from a precipice (steep mountain etc.)

पर्वत से गिरना, लोकमूढ़ता, धर्म लाभ मानकर पर्वत से गिरना ।

गिरिशिखर – *Giriśikhara.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध पर्वत की उत्तर दिशा का एक नगर ।

गीतरति – *Gītarati*

A type of peripatetic deities.

गंधर्व जाति के व्यंतर देवों का एक भेद ।

गीतरस – *Gītarasa.*

See - *Gitarati*

देखें - गीतरति ।

गीतवीतराग – *Gītavītarāga.*

Name of a book.

ऋषभदेव भगवान के 10 जन्म पर लिखित एक ग्रंथ ।

गुंजाफल – *Gunjāphala*
A traditional weighing unit
तौल का एक प्रमाण, 2 धान्यमाष फल = 1 गुंजाफल ।

गुड़ – *Guḍa*
Lump of raw sugar, an example for the fruition of meritorious *Karmas*.
गन्ने के रस से बना एक मीठा पदार्थ, पुण्य कर्म प्रकृतियों के अनुभाग का एक उदाहरण ।

गुण – *Guṇa*.
Virtues, Attributes, Merits
पूरे द्रव्य में जो व्यापक हो व द्रव्य के साथ सर्व पर्यायों में पाए जावें । द्रव्य के साथ सहभावी हो

गुणक – *Guṇaka*.
A multiplier, A factor
जिस राशि द्वारा किसी अन्य राशि का गुणा किया जावे ।

गुणकार – *Guṇakāra*
Effective, Potential, Efficient.
गुणकारक

गुणकीर्ति – *Guṇakīrti*
Name of an *Acharya* saint and a poet.
श्रेणिक पुराण, पद्मपुराण आदि के रचयिता एक मराठी कवि, देशीयगण के आचार्य (ई. 990-1045) ।

गुण गुणी भेद – *Guṇa Guṇi Bheda*.
Distinction between the virtues & the virtuous one
भेद स्वभाव, गुणगुणी में संज्ञा, संख्या, लक्षण और प्रयोजन की अपेक्षा भेद ।

गुणगुरु – *Guṇaguru*.
Perfect or virtuous chief saint.
गुणों में प्रधान गुरु ।

गुणचन्द्र – *Guṇacandra*.
Name of an *Acharya* saint.
ई सन् 1556-96 में आचार्य यशकीर्ति के शिष्य जिन्होंने मौनव्रत कथा नामक ग्रंथ की रचना की ।

गुणत्व – *Guṇatva*.
State with qualities.
सम्पूर्ण गुणों में रहने वाला ।

गुणदोष – *Guṇadoṣa*.
Virtues and vices.
सविचार भक्तप्रत्याख्यान विधि के 40 अधिकारों में 24 वां अधिकार; आलोचना के गुण दोषों का वर्णन ।

गुणधर – *Guṇadhara*.
Name of an *Acharya*.
एक आचार्य, लोहाचार्य के शिष्य (ई.श.1 पूर्वपाद), जिन्होंने कषायपाहुड़ ग्रंथ की रचना की ।

गुणधरकीर्ति – *Guṇadharakīrti*.
A disciple of *Acharya* Kuvalaychandra.
आचार्य कुवलयचंद के शिष्य (ई सन्1132)

गुणनन्दि – *Guṇanandi*.
A disciple of *Acharya* Jainandi
आचार्य जयनन्दि के शिष्य तथा वज्रनन्दि के गुरु (ई.436-442) ।

गुणन – *Guṇana*.
Multiplication
गुणा करना ।

गुणनिमित्तक ज्ञान – *Guṇanimittaka Jñāna*.
Clairvoyance originated due to the subsidence & destruction of *Karmas*
गुणप्रत्यय अवधिज्ञान, जो अवधिज्ञान क्षयोपशम, तप, नियम आदि के कारण होता है

गुणनिमित्तक नाम – *Guṇanimittaka Nāma*
The names like Krishna, Mahavira etc. which are pronounced to express virtues
ऐसे नाम जो गुणों के निमित्त से व्यवहार में आते हैं, जैसे कृष्ण, महावीर आदि ।

गुणपरावर्तन – *Guṇaparāvartana*
Transmission from one *Guṇsthan* (spiritual stage) to another
एक विवक्षित गुणस्थान से अविवक्षित गुणस्थान रूप परावर्तन ।

गुणपर्याय – *Guṇaparyāya*.
Categories (*Paryay*) known due to having variations in virtues.
जिन पर्यायों में गुणों के द्वारा अन्वयरूप एकत्व का ज्ञान होता है

गुणप्रत्यासत्ति – *Guṇapratyāsatti*
Mutual acceptance with virtues.
संयोगसंबंध, गुणों द्वारा परस्पर एक दूसरे को ग्रहण करना ।

गुणबन्धकथा – *Guṇabandhakathā*.
Defamatory gossip
अवगुणों को कहने वाली विवेचना ।

गुणभद्र – *Guṇabhadra*.
Name of *Acharyas*, disciple of *Acharya* Jinsen (II) etc.
आचार्य जिनसेन द्वितीय के शिष्य ई. 870-910 उत्तरपुराण आदि के कर्ता इस नाम के और भी कुछ आचार्य हुए ।

गुणभद्र भट्टारक – *Guṇabhadra Bhaṭṭāraka*.
The writer of religious treatise (Dhanyakumar charit etc).
पूजा कल्प, धन्यकुमार चरित आदि के कर्ता ।

गुणभूषण – *Guṇabhūṣaṇa*.
Name of a poet, the writer of 'Shravkachar'.
कवि, भव्यजन चित्तवल्लभ, श्रावकाचार आदि के कर्ता ।

गुणयोग – *Guṇayoga*.
Virtues (conscious or unconscious) causing the formation of matters.
अचित्त या सचित्त गुण जिनसे पुद्गल आदि द्रव्यों का योग होता

है।

गुणयोनि – *Guṇayoni*
Basic place of birth (reg. body form)
जीवों के शरीर ग्रहण का आधार रूप स्थान, ये गुणों की अपेक्षा 9 प्रकार की होती है।

गुणरत्नाचार्य – *Guṇaratnācārya.*
Name of an *Acharya* saint.
आचार्य, षट्दर्शन समुच्चय टीका के कर्ता।

गुणवर्म – *Guṇavarma*
Name of a poet the writer of 'Pushpadant Puran'
पुष्पदन्तपुराण के कर्ता, कर्नाटक के एक जैन कवि (ई 1230)

गुण वृद्धि – *Guṇa Vṛddhi*
Increasing series (in properties).
गुणाकार रूप अधिक अधिक द्रव्य जिसमें पाया जाये

गुणव्रत – *Guṇavrata*
Vows which increase virtues
गुणों को बढ़ाने वाले तथा अणुव्रतों का उपकार करने वाले व्रत, दिग्व्रत, देशव्रत, अनर्थदण्डव्रत

गुणश्रेणी – *Guṇaśreṇī.*
Multiple progression
गुणकार रूप जहां कर्म के निषेकों में श्रेणीरूप क्रम से कर्म द्रव्य दिया जायें।

गुणश्रेणी आयाम – *Guṇaśreṇī Āyāma.*
Multiple progression length.
गुणश्रेणी के कर्म निषेकों का प्रमाण।

गुणश्रेणी निक्षेपण – *Guṇaśreṇī Nikṣepaṇa.*
Multiple progression injection.
द्वितीयादि समयों में असंख्यात गुणा द्रव्य अपकर्षण कर उदयावली एवं गुण श्रेणी आयाम में निक्षेपण करना।

गुणश्रेणी निर्जरा – *Guṇaśreṇī Nirjarā.*
Multiple progression dissociation.
जब कर्मों की निर्जरा प्रतिसमय क्रमशः असंख्यात गुणी संख्यात हो तो इसे गुणश्रेणी निर्जरा कहते हैं।

गुणश्रेणी शीर्ष – *Guṇaśreṇī Śīrṣa.*
Multiple progression top.
सम्यक्त्व प्रकृति के अंतिम स्थितिकांडक की जब तक जघन्य स्थिति का अंतिम समय प्राप्त नहीं होता है वह स्थिति गुणश्रेणी शीर्ष कहलाती है।

गुणसंक्रमण – *Guṇasaṁkramaṇa.*
Transition of *karmic* particles into different natures.
समय समय गुणाकार के क्रम से कर्म परमाणु पलट कर अन्य प्रकृति रूप होना।

गुणसमुदाय – *Guṇasamudāya.*
Accumulation of virtues (related to matters)
द्रव्य का लक्षण। गुणों का समुदाय द्रव्य होता है।

गुणसागर (मुनि) – *Guṇasāgara (Muni).*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Dharmasagar Maharaj
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के तृतीय पट्टाधीश आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज के एक प्रभावक शिष्य (ई श. 20 ...)।

गुणसेन – *Guṇasena.*
A disciple of *Acharya* Veersen Swami
आचार्य वीरसेन स्वामी के शिष्य (ई 1073)।

गुणस्थान – *Guṇasthāna*
Stage of spiritual development
मोह और मन, वचन, काय की प्रवृत्ति के कारण जीव के परिणामों में प्रतिक्षण होने वाले उतार चढ़ाव को गुणस्थान कहते हैं।

गुणहानि – *Guṇahāni*
Decreasing series in virtues
जिसमें गुणाकार रूप हीन द्रव्य पाया जाता है।

गुणहानि आयाम – *Guṇahāni Āyāma.*
Number of instant in one *Gunahani*
एक गुणहानि के समय के समूह को गुणहानि आयाम कहते है।

गुणहानि स्पर्द्धक – *Guṇahāni Spardhaka.*
Geometric regression super varform (aggregate of *karmic* molecules)
एक गुणहानि के स्पर्द्धकों या कर्म द्रव्य की वर्गणाओं का समूह।

गुणा – *Guṇā.*
Multiplication.
एक गणितीय प्रक्रिया।

गुणाकार शलाका – *Guṇākāra Śalākā*
Multiple counting (reg. a mathematical quantity)
विरलन देय विधान से जो राशि प्राप्त हो।

गुणाढ्य – *Guṇāḍhya*
Rich in virtues.
गुण रूपी रत्नों का धनी।

गुणाधिक – *Guṇādhika*
Super virtuous personalities (reg. right knowledge etc.).
जो सम्यग्ज्ञानादि गुणों में बड़े चढ़े हैं वे गुणाधिक हैं।

गुणानुराग – *Guṇānurāga.*
Devotion towards virtues.
गुणों एवं गुणवानों के प्रति भक्ति होना।

गुणारोपण – *Guṇāropaṇa.*
Imparting attributes - the ceremony of consecration of an idol
प्रतिष्ठा विधान की विधि का एक भेद, प्रतिमा में गुणों का आरोपण करना।

गुणार्थिक नय – *Guṇārthika Naya.*
Standpoint of accepting attributes of matter.
द्रव्य सामान्य को ग्रहण करने वाला नय।

गुणावां (तीर्थ) – *Guṇāvām (Tīrtha).*
Name of a place in Navada district of Bihar which is the salvation land of the first chief disciple (*Gandhar*) of Lord Mahavira
भगवान महावीर के प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी की निर्वाणभूमि। बिहार प्रान्त के नवादा जिले में स्थित इस तीर्थ पर पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से नवनिर्मित मंदिर में श्री गौतम गणधर की लाल पाषाण प्रतिमा विराजमान है (स्थापना समय-ई. सन् 2004) ।

गुणित – *Guṇita*
Multiplied
गुणाकार विधि में गुण्य राशि को गुणकार द्वारा गुणित कहा जाता है ।

गुणिदेश – *Guṇideśa.*
The residence of a substance
गुणी द्रव्य का देश, यह एक वस्तु के अनेक धर्मों की अभिव्यक्ति है ।

गुणीनय – *Guṇīnaya*
A standpoint by which soul is supposed to accept virtues
आत्मद्रव्य गुणी नय से गुणग्राही है, शिक्षक के द्वारा जिसे शिक्षा दी जाती है ऐसे कुमार की भांति ।

गुणोत्तर श्रेणी – *Guṇottara Śreṇī.*
Geometrical progression
एक गणितीय श्रेणी ।

गुणोपचार – *Guṇopacāra*
Change of nature with respect to association of different virtues
कार्यविधि, स्थान, गुणों के साहचर्य से आत्मा भी गुणसंज्ञा को प्राप्त होती है ।

गुणौघ – *Guṇaugha.*
Merits, virtues, One of the 1008 names of Lord Jinendra
गुणसमूह, भगवान जिनेन्द्र के 1008 नामों में से एक नाम ।

गुण्य – *Guṇya.*
Multiplicable number.
जिस राशि को किसी अन्य राशि से गुणा किया जाये ।

गुप्तफल्गु – *Guptaphalgu.*
A chief disciple of Lord Rishabhadeva.
ऋषभदेव भगवान के चौरासी गणधरों में एक ।

गुप्तयज्ञ – *Guptayajña.*
See - *Guptaphalgu.*
देखें – गुप्तफल्गु ।

गुप्त वंश – *Gupta Vaṁśa.*
Dynasty of *Gupt's.*
चन्द्रगुप्त से स्कंदगुप्त भानुगुप्त तक चलने वाला वंश, समय – ई. 320-507 ।

गुप्तसंघ – *Guptasaṁgha.*
Name of a saint group (traditional).
मूलसंघ के विघटन के पश्चात् अनेक अवान्तर संघों में से एक संघ ।

गुप्तसंवत् – *Guptasaṁvat.*
An era that of Chandragupt (began in 320 Chrislian era)
गुप्त साम्राज्य के प्रथम सम्राट चन्द्रगुप्त द्वारा ई. 320 से स्थापित किया गया एक संवत् ।

गुप्ति – *Gupti.*
Restraint, Self control (in attachments, passions etc.)
सम्यक् प्रकार से योगों का निग्रह करना अर्थात् मन-वचन-काय की स्वच्छन्द प्रवृत्ति को रोकना।

गुप्तिऋद्धि – *Gupti Ṛddhi*
Name of a disciple of Guptishruti
गुप्तिश्रुति के शिष्य तथा शिवगुप्ति के गुरु थे। समय-ई. 23

गुप्तिगुप्त – *Guptigupta.*
Another name of *Acharya* Arhadvali.
इस नाम से कथित आचार्य अर्हद्वली का अपरनाम । समय-ई. 38-48 ।

गुप्तिवान् – *Guptivān*
One having self control or restraints in attachments, passions etc.
योग निग्रह करने वाला अर्थात् तीन गुप्ति वाला ।

गुप्तिश्रुति – *Guptiśruti*
Name of the disciple of Vinayandhara and the teacher of Guptriddhi.
विनयंधर के शिष्य तथा गुप्तिऋद्धि के गुरु। समय-ई. 13 ।

गुप्तिसागर (उपाध्याय)
Guptisāgara (Upādhyāya)
Name of the disciple of *Acharya* Shri Vidyasagar Maharaj, who got *Upadhyay* rank from *Acharya* Shri Vidyanand Maharaj.
आचार्यश्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित एक मुनि (ई.श. 20-21), इन्होंने आचार्यश्री विद्यानंद महाराज से उपाध्याय पद प्राप्त किया ।

गुफा – *Guphā.*
Cave, Hiding place, A den
कंदरा, गुहा, छिपने का स्थान ।

गुमानी राम – *Gumānī Rāma.*
The son of *Pandit* Todarmalji, the founder of *Gumani Panth.*
पं. टोडरमलजी के पुत्र जिन्होंने गुमानी पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ में भगवान की प्रतिमा का अभिषेक नहीं करते हैं बल्कि सामने एक घड़ा या परात रखकर उसमें अभिषेक करते हैं। इस पंथ का एक मंदिर जयपुर में है ।

गुम्बद – *Gumbada.*
Round vault, Cupola.
शिखर ।

गुम्बदाकार – *Gumbadākāra*
Domical
गुम्बद के आकार का ।

गुरु – *Guru*
Teacher, spiritual teacher, saints (*Acharya, Muni* etc.), Heavy, Name of a day (Thursday), One of the 9 planets
निर्ग्रंथ, सम्यग्दर्शन ज्ञान चारित्र इन गुणों के द्वारा जो बड़े बन चुके हैं अर्थात् आचार्य, उपाध्याय व साधु तीनों परमेष्ठी सच्चे गुरु कहलाते हैं। भारी; सप्ताह का एक दिन; नवग्रह में से एक, इस ग्रह के अरिष्ट की शांति के लिए महावीर भगवान की उपासना की जाती है।

गुरु उपास्ति – *Guru Upāsti*
Veneration for spiritual teachers
आचार्य आदि वीतरागी गुरुओं की पूजा करना तथा उनकी सेवा में सदा तत्पर रहना ।

गुरुतत्त्वविनिश्चय – *Gurutattvaviniścaya.*
A book written by *Shvetambaracharya* Yashovijay.
श्वेताम्बराचार्य यशोविजय (ई. 1638-1688) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

गुरुत्व – *Gurutva.*
Gravitational force. Eminence. Greatness.
भारी, जो किसी भी तरफ किसी चीज को ले जाये वह गुरुत्व है, पुद्गल अधोगुरुत्व और जीव ऊर्ध्व गुरुत्व धर्म वाले हैं, बड़प्पन, महानता

गुरुत्वगति – *Gurutvagati.*
Gravitational motion.
गति का एक भेद; पत्थर आदि की नीचे की ओर जाने वाली गति।

गुरुदक्षिणा – *Gurudakṣiṇā.*
That which is dedicated to a spiritual preceptor
शिक्षा समाप्ति के बाद शिष्य के द्वारा गुरु आज्ञानुसार दी जाने वाली दक्षिणा ।

गुरुपरम्परा – *Guruparamparā.*
Tradition of Spiritual Teachers (*Acharyas*)
आचार्य परम्परा ।

गुरुपूजा – *Gurupūjā.*
Paying reverence to teachers
शुभोपयोग, धर्मानुरागपूर्वक गुरु की उपासना करना ।

गुरुभक्तिमान् – *Gurubhaktimān.*
Devotion towards spiritual teacher
गुरु का बहुमान ।

गुरुमत – *Gurumata.*
Name of a doctrine established by Prabhakar Mishra
पूर्व मीमांसा का एक सम्प्रदाय, प्रभाकर मिश्र का एक मत ।

गुरुमूढ़ता – *Gurumūḍhatā.*
Belief in false preceptor of spiritual teachers
हिंसादि पाप क्रियाओं से रत आरम्भ परिग्रह में लिप्त रहने वाले साधुओं को गुरु मानकर उनकी भक्ति, वंदना, प्रशंसा आदि करना ।

गुरुवन्दना – *Guruvandanā.*
Reverential respect to teachers (*Acharyas, Munis* etc.)
रत्नत्रयधारक यति, आचार्य, उपाध्याय, साधु आदि के उत्कृष्ट गुणों को जानकर श्रद्धा सहित विनय करना ।

गुरुसाक्षी – *Gurusākṣī*
Presence of teacher.
गुरु की प्रत्यक्षता ।

गुरुस्थानाभ्युपगमन क्रिया –
Gurusthānābhyupagamana Kriyā
An auspicious activity related to entrusting the responsibility of saint group to an able saint performed by the head *Acharya* (spiritual teacher) of the group
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; प्रसन्नतापूर्वक शिष्य को योग्य समझकर गुरु अपने संघ के आधिपत्य का गुरुपद प्रदान करें, तो उसे विनयपूर्वक स्वीकार करना

गुरु स्पर्श – *Guru Sparśa.*
Paying respect to spiritual teacher by touching feet
आचार्य आदि वीतरागी गुरुओं के भक्ति से चरण छूना ।

गुरु स्पर्श नामकर्म – *Guru Sparśa Nāmakarma*
Karmas causing heavy body
जिस कर्म के उदय से शरीर भारी हो ।

गुल्म – *Gulma.*
A division of an army
सेना का एक अंग जिसमें 9 रथ, 9 हाथी, 45 पैदल और 27 घोड़े रहते हैं ।

गुहिलराज – *Guhilarāja*
Acharya Shaktikumar, the writer of Jambudvip Pragyapti.
जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति के कर्ता आचार्य शक्तिकुमार ।

गुह्य – *Guhya*
Secret, Private.
रहस्य, गोपनीय ।

गुह्यक – *Guhyaka.*
Ruling demigod of Lord Mahavira, A type of deities (reg. showering jewels etc.)
भगवान महावीर का शासन देव (अपरनाम-मातंग यक्ष), देवों की एक जाति; जो देव तीर्थंकरों के कल्याणकों तथा विहार के समय रत्नवृष्टि और पुष्पवृष्टि करते हैं ।

गूंगा – *Gūṁgā.*
Dumb
जिसमें बोलने की शक्ति नहीं है ।

गूढ़ क्षुल्लक – *Gūrha Ksullaka*

Perfect loin-clothed Jaina saints (junior in rank)

क्षुल्लक के तीन भेदों में एक भेद; जिन्होंने व्रतों के पालन करने का पूर्ण अभ्यास कर लिया है वे साहसपूर्वक व्रतों को ग्रहण कर लेते हैं ।

गूढ़दंत – *Gūrhadanta.*

Name of the 4th predestined *Chakravarti* (emperor)

भविष्यकालीन चौथे चक्रवर्ती का नाम

गूढ़ब्रह्मचारी – *Gūrhabrahmacārī.*

Imperfect celibates or saints (readopting worldly life later on)

जो कुमार अवस्था में मुनि होकर मुनियों के पास विद्याभ्यास करें, फिर असमर्थ होकर व राजा आदि की प्रेरणा से गृहस्थ में आ जावें ।

गृद्धता – *Gṛddhatā.*

Greediness

लोभ, आसक्ति ।

गृद्धपिच्छ – *Gṛddhapiccha.*

Another names of *Acharya* Kund-Kund and *Acharya* Umaswami

कुंदकुंद एवं उमास्वामी आचार्य का अपरनाम ।

गृद्धपृष्ठ – *Gṛddhapṛstha*

A type of suicide (due to the fear of king etc.)

दुष्काल, राजा आदि के भय से शस्त्र से मरना ।

गृद्धि – *Gṛddhi.*

Greediness, Passional longings or desires

लोभ, पिपासा-विषयों की अति लालसा ।

गृह – *Gṛha.*

Residence, Homes. Dwelling places.

घर, समाज के विभिन्न वर्गों के आवास ।

गृहकर्म – *Gṛhakarma.*

Installation of Idols in temples.

गृहस्थ द्वारा करने योग्य कर्म, स्थापना निक्षेप से कर्म का एक भेद; जिनगृहों में प्रतिमा की स्थापना करना ।

गृहकूटक – *Gṛhakūtaka*

Name of a dominion (*Varsha Ritu Nivas*) of *Chakravarti* (emperor).

चक्रवर्ती की एक विभूति 'वर्षा ऋतु निवास' का नाम ।

गृहक्षोभ – *Gṛhaksobha.*

Affliction due to mundane life, A king of *Raksha* dynasty.

गृहस्थी में उत्पन्न संक्लेश, राक्षस वंश का एक राजा ।

गृह त्याग क्रिया – *Gṛha Tyāga Kriyā.*

An auspicious act (abandoning of worldly life with entrusting responsibilities to successor).

गर्भान्वय की 53 एवं दीक्षान्वय की 48 क्रियाओं में एक; वैराग्यवान गृहस्थ द्वारा ज्येष्ठ पुत्र को सर्व सम्पत्ति व कुटुम्बपोषण का भार सौंपकर गृहत्याग कर दीक्षा लेना ।

गृहपति – *Gṛhapati*

The chief person of the house. A Jewel of *Chakravarti* (emperor).

घर का प्रबंधक, चक्रवर्ती का एक सजीव रत्न ।

गृहस्थ – *Gṛhastha.*

House holders, members of mundane life.

स्त्री सहित रहकर धर्म, अर्थ, काम पुरुषार्थ का सेवन करने वाले ।

गृहस्थ आश्रम – *Gṛhastha Āśrama*

The life of householder leading worldly life.

चार आश्रमों में एक; इस आश्रम में विवाह के बाद गृहस्थ समाज सेवा के कार्यों में प्रवृत्त होता है ।

गृहस्थधर्म – *Gṛhastha Dharma*

Worldly or mundane life with religious observances

देवपूजा, गुरुपास्ति-स्वाध्याय-संयम-तप और दानरूप षट्कार्यों में प्रवृत्ति, पाँच अणुव्रत, तीन गुणव्रत, 4 शिक्षाव्रतों का पालन करना ।

गृहस्थाचार्य – *Gṛhasthācārya.*

An ideal person of mundane life

जो गृहस्थों में विद्या, बुद्धि, प्रभाव, चारित्र में बड़ा हो व धार्मिक क्रिया करा सकता हो ऐसा उत्तम गृहस्थ ।

गृहस्थापित दोष – *Gṛhasthāpita Doṣa.*

A fault of hermitage.

वसतिका का एक दोष, गृहस्थ द्वारा स्वयं के लिए बनवाया गृह, साधु आश्रय के काम करना ।

गृहिमूलगुणाष्टक – *Gṛhimūlaguṇāṣṭaka*

8 basic restraints of householders

गृहस्थ के 8 मूलगुण; 5 अणुव्रतों का पालन, मद्य, मांस, मधु का त्याग (रत्नकरण्डश्रावकाचार के अनुसार) ।

गृहीतग्रहण – *Gṛhītagrahaṇa.*

Acquired knowledge.

ईहाज्ञान; अवग्रह से ग्रहण किये पदार्थ को विशेष जानने की ओर उन्मुखता ।

गृहीत द्रव्य – *Gṛhīta Dravya.*

Acquired matter, changed form of matter.

ग्रहण किया गया द्रव्य, द्रव्य परिवर्तन ।

गृहीतमिथ्यात्व – *Gṛhītamithyātva.*

Wrong conception (acquired by the false speech)

दूसरे के द्वारा मिथ्या उपदेश सुनकर जीवादि पदार्थों के विषय में जो मिथ्या श्रद्धान रूप भाव उत्पन्न होता है ।

गृहीता – *Gṛhītā.*

Characterless married woman, concubine.

परस्त्री, विवाहित स्त्री-जो दूसरे के अधीन रहती हो ।

गृहीशिता क्रिया – *Gṛhīśitā Kriyā*

An auspicious act (leading worldly life ideally)

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं का एक भेद; धार्मिक क्षेत्र में तथा ज्ञान के क्षेत्र में वृद्धि करता हुआ, अन्य गृहस्थों के द्वारा सत्कार

किये जाने योग्य गृहस्थाचार्य होता ।

गेंडा – *Geṁḍā*

Rhinoceros—significant symbol of Lord Shreyansnath

श्रेयांसनाथ भगवान् का चिह्न ।

गेह – *Geha.*

House, home, dwelling place, residence

घर, रहने का स्थान ।

गो अलीक – *Go Alīka.*

Telling a lie for saving the life of cow

गाय की रक्षा के लिए झूठ बोलना, ऐसा करने पर भी व्रती श्रावक सत्याणुव्रतधारी कहलाता है ।

गोक्षीर फेन – *Gokṣīra Phena.*

A city in the northern *Vijayardh* mountain

विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

गोचरी प्रतिक्रमण – *Gocarī Pratikramaṇa.*

Repentance for sins after food taking activity by a saint

गोचरी से आने पर साधु द्वारा किया जाने वाला प्रतिक्रमण ।

गोचरी वृत्ति – *Gocari Vṛtti*

Procedure of food taking of Jaina saints.

जैनसाधु की आहारचर्या को गोचरी वृत्ति कहते हैं क्योंकि गाय की भाँति वह दातार के प्रति निस्पृह रहते हैं ।

गोणसेन – *Goṇasena.*

Name of a disciple of Siddhantdeva

सिद्धान्त देव के शिष्य तथा अनंतवीर्य के गुरु थे। समय-ई 960-1000 ।

गोत्र – *Gotra.*

Race, Clan, An exogamous subdivision of a caste

संतानक्रम से चला आया आचरण जो उच्च, नीच का ज्ञान कराता है ।

गोत्र कर्म प्रकृति – *Gotra Karma Prakṛti.*

Status determining *Karmas.*

जिस कर्म के उदय से जीव उच्च और नीच कहा जाता है या उच्च-नीच कुल में उत्पन्न होता है ।

गोदावरी – *Godāvarī.*

A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

गोदोहन आसन – *Godohana Āsana.*

A posture of sitting (like to milk)

कायक्लेश का एक भेद; गौ को दुहने की भाँति बैठना ।

गोपसेन – *Gopasena.*

A disciple of Shantisen

शांतिसेन के शिष्य और भावसेन के गुरु। समय-ई.948 ।

गोपालक – *Gopālaka.*

Livelihood by fostering cows.

गो पालन के द्वारा आजीविका चलाने वाला ।

गोपुच्छक – *Gopucchaka*

A group of *Digambar* Jain saints.

दिगम्बर साधुओं का एक जैनाभासी संघ ।

गोपुर – *Gopura.*

Houses constructed on the door of rampart

कोट के दरवाजों पर जो घर बने होते हैं ।

गोमती – *Gomatī.*

A river of *Bharat Kshetra* in east *Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र पूर्वी आर्यखण्ड की एक नदी ।

गोमूत्रिका गति – *Gomūtrikā Gati.*

Curved motion (in the style of urination of cow)

गाय के चलते समय मूत्र करना अनेक मोड़ों वाला होता है, इसी प्रकार तीन मोड़े वाली विग्रहगति ।

गोमेदक – *Gomedaka*

Name of an earth layer in the base of *Ratnaprabha* earth, A precious stone

रत्नप्रभा पृथ्वी के खरभाग के 16 पटलों में एक पटल का नाम, एक कीमती पत्थर ।

गोमेध – *Gomedha*

Ruling demigod of Jaina Lord Neminath

नेमिनाथ भगवान् का शासन देव ।

गोम्मटसार – *Gommaṭasāra*

A book written by *Acharya* Nemichandra Siddhant Chakravarti

चामुंडराय की प्रेरणा से आचार्य नेमिचंद्र सिद्धांत चक्रवर्ती (ई.श. 11 पूर्वार्ध) द्वारा रचित एक सिद्धान्त ग्रंथ ।

गोम्मटसार पूजा – *Gommaṭasāra Pūjā*

The worship of 'Gommatsar Granth' written by Pandit Todarmal.

पंडित टोडरमल (ई. 1736) कृत गोम्मटसार ग्रंथ की भाषा पूजा ।

गोम्मटेश्वर – *Gommaṭeśvara*

The statue of Lord Bahubali situated at Shravanbelgola.

दक्षिणी भारत के श्रवणबेलगोला में चामुंडराय (गोमट्ट) द्वारा स्थापित 57 फुट उत्तुंग भगवान बाहुबली की प्रतिमा का नाम।

गोरति – *Gorati.*

Name of a *Vidyadhar*—one proficient in super power by birth.

एक महारथी विद्याधर ।

गोरस – *Gorasa*

Milk, curd, ghee etc

दूध, दही, घी आदि ।

गोलाचार्य – *Golācārya.*

Name of an *Acharya*

नंदिसंघ देशीयगण के एक आचार्य ।

गोवदन – *Govadana.*

Ruling demigod of Lord Rishabhdev

भगवान् ऋषभदेव के शासन देव ।

गोवर्द्धन – *Govarddhana.*

The 4th omniscient after Lord Mahavira.

भगवान वीर के पश्चात् हुए चौथे श्रुतकेवली ।

गोशय्यासन तप – *Gośayyāsana Tapa*

A posture of sitting like a cow, it is a type of *Kayklesh Tap* (a penance).

कायक्लेश तप का एक भेद; गौ के बैठने की भाँति बैठना ।

गोशाल – *Gośāla.*

Name of the founder of a false doctrine

एक मिथ्यामत प्रवर्तक ।

गोशीर्ष – *Gośīrṣa.*

A mountain of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का मलयगिरि के निकट स्थित एक पर्वत ।

गोष्ठ – *Gostha*

Cow pen, byre.

गोशाला; वास्तुविद्या का एक महत्वपूर्ण अंग ।

गोसर्ग काल – *Gosarga Kāla.*

A period of specific noon time

दो घड़ी दिन चढ़ने के बाद से लेकर मध्याह्नकाल में दो घड़ी कम रहने तक का समय ।

गौड़ – *Gauḍa.*

A country of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

गौड़पाद – *Gauḍapāda*

Spiritual teacher of 'Shankaracharya' (a celebrated Hindu ascetic)

शंकराचार्य के दादा गुरु। समय-ई. 780 ।

गौड़िया – *Gauḍiyā.*

Brahma Sampraday (a religious community) pertaining to dualism

ब्रह्म सम्प्रदाय जो द्वैतवादी है ।

गौण – *Gauṇa.*

Secondary, Concealed.

जो मुख्य न हो, अनर्पित; विवक्षा से रहित ।

गौणसेन – *Gauṇasena.*

A disciple of *Acharya* Siddhantsen

आचार्य सिद्धान्तसेन के शिष्य ।

गौण्यनामपद – *Gauṇyanāmapada.*

A type of *Upakram*

उपक्रम का एक भेद ।

गौतम – *Gautama.*

A subcaste of *Brahmins* (the first chief disciple (*Gandhar*) of Lord Mahavira was of the same subcaste), One of the stars.

ब्राह्मणों का एक गोत्र (भगवान महावीर के प्रथम गणधर 'इन्द्रभूति' का गोत्र भी गौतम था, इसीलिए वे 'गौतम गणधर' के नाम से प्रसिद्ध हुए), सप्तर्षि तारामण्डल में से एक ।

गौतमी पुत्र – *Gautamī Putra*

An ancient warrior (king), beginner of *Shak* era

राजा सातकर्णी (शालिवाहन) जिसने शकों के अंतिम राजा नरवाहन को वी. नि. 606 (ई. 79) में परास्त करके शक संवत् की स्थापना की ।

गौरव – *Gaurava*

Eminence, Grandeur, Dignity

महत्व, बड़प्पन, सम्मान, अतिचार का एक भेद, वन्दना का एक अतिचार, भोजन उपकरण आदि की चाह न करना आदि गौरव दोष है ।

गौरिक – *Gaurika.*

A type of *Vidyadhars*—those proficient in super power by birth

विद्याधरों की एक जाति ।

गौरी – *Gauri.*

Ruling female demigod of Lord Vasupujya, A super knowledge, Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain

भगवान् वासुपूज्य की शासन देवी,एक विद्या, विजयार्ध पर्वत की उत्तरश्रेणी का एक देश ।

गौरीकूट – *Gaurikūṭa.*

A city of *Vidyadhars*

विद्याधरों की एक नगरी ।

गौरीविद्या – *Gaurividyā*

A super knowledge, initiator of *Gaurik Vidyadhar* dynasty.

एक विद्या; जिससे गौरिक विद्याधर वंश की उत्पत्ति हुई ।

ग्यारह – *Gyāraha.*

Eleven, regarding 11 *Rudras*, 11 spiritual stages of Jain householders

एक संख्या, ग्यारह रुद्र, श्रावक की ग्यारह प्रतिमा आदि ।

ग्रंथ – *Grantha.*

A literary composition, treatise, A knot, Possessions (external, internal)

गणधर देव से रचा गया द्रव्यश्रुत ग्रंथ कहा जाता है। गांठ, बंध, परिग्रह; अंतरंग, बहिरंग के भेद से दो प्रकार का है ।

ग्रंथकर्ता – *Granthakartā.*

Basically chief disciple of Lord Arihant, *Acharyas* & general writers are called *Granthkarta*.

मुख्य रूप से गणधर स्वामी एवं सामान्य रूप से ग्रंथ का लेखन करने वाले आचार्य एवं विद्वान को ग्रंथकर्ता कहते हैं ।

ग्रंथसम – *Granthasama.*

A type of substantive identity of matter.

द्रव्यनिक्षेप का एक भेद ।

ग्रंथि - *Granthi*
Name of a planet, A Joint, A knot
एक ग्रह का नाम, गांठ

ग्रंथिम - *Granthima.*
See - *Granthasama.*
देखें - ग्रंथसम ।

ग्रह - *Graha*
88 planets as Mercury, Venus, Mars etc
बुध, शुक्र, मंगल इत्यादि 88 ग्रह हैं

ग्रहण - *Grahana*
Acceptance, Acquisition, Receiving, Eclipse
स्वीकार करना, अवग्रह, आलम्ब, सूर्य या चन्द्रग्रहण पड़ना

ग्रहणकाल - *Grahanakāla*
The time-period of solar or lunar eclipse
सूर्यग्रहण या चन्द्रग्रहण का काल ।

ग्रहण प्रायोग्य वर्गणा - *Grahana Prayogya Vargana*
A type of aggregate of *Karmic* molecules
बंध के योग्य या बंधनीय पुद्गल वर्गणा ।

ग्रहण विधि - *Grahana Vidhi*
Procedure of accepting vows
गुरु से व्रतों का उपदेश जानने के बाद उनमें व्रत ग्रहण करना।

ग्रहांग - *Grahānga*
A type of wish fulfilling trees (*Kalpavrkshas*)
कल्पवृक्षों का एक भेद; जो आवश्यकतानुसार रत्नमहल, मणग्रह आदि देते हैं ।

ग्रहावती - *Grahāvati*
A *Vibhanga* river of east *Videh Kshetra* (region)
पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी ।

ग्रहीत गुणाकार - *Grahita Gunākāra.*
Assumed multiplier.
गुणकाररूप से ग्रहण किया गया द्रव्य ।

ग्राम - *Grāma*
Village, Rural place
बाड़,आवृत, उद्यान और जलाशयों से युक्त कृषकों आदि की निवास भूमि ।

ग्रामदाह - *Grāmadāha.*
An obstacle in saint food on having burning incident in a village.
जिस ग्राम में साधु आहार के लिए गए हैं यदि वहाँ अग्नि आदि का प्रकोप हो जाये तो यह ग्रामदाह नाम का अंतराय होता है ।

ग्रास - *Grāsa.*
Morsel, mouthful (reg. food).
कवल; 1000 चावलों का एक कवल ।

ग्राहवती - *Grāhavati.*
See - *Grahavati.*
देखें - ग्रहावती ।

ग्राह्य - *Grāhya.*
Admissible, Acceptable
ग्रहण करने योग्य ।

ग्राह्य-ग्राहक भाव - *Grāhya-Grāhaka Bhāva*
Sentimentally acceptance of matters
ज्ञेय-ज्ञायक के द्वारा ग्रहण किये गये इन्द्रियों के विषयभूत पदार्थ।

ग्राह्य वर्गणा - *Grāhya Vargana.*
Acceptable aggregate of *Karmic* molecules
ग्रहण करने योग्य पुद्गल कर्म वर्गणा

ग्रीवाधोनयन - *Grivadhonayana*
An infraction in the posture of meditation—bending of head downward
कायोत्सर्ग का एक अतिचार-ग्रीवा को नीचे की तरफ झुकाना ।

ग्रीवावनमन - *Grivāvanamana.*
See - *Grivadhonayana.*
देखें ग्रीवाधोनयन ।

ग्रीवोन्नमन - *Grivonnamana.*
An infraction in the posture of meditation
कायोत्सर्ग का एक अतिचार ।

ग्रीवोर्ध्वनयन - *Grivordhvanayana.*
An infraction in the posture of meditation, raising head upward.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार, ग्रीवा को ऊपर उठाना ।

ग्रैवेयक देव - *Graiveyaka Deva*
A type of deities (residents of 9 *Graiveyaks*)
16 स्वर्गों से आगे 9 ग्रैवेयकों में रहने वाले देव ।

ग्रैवेयक स्तूप - *Graiveyaka Stūpa*
A special structure of *Samavasharan*-holy assembly of Lord.
ग्रैवेयक विमान के आकार का समवशरण का स्तूप ।

ग्रैवेयक स्वर्ग - *Graiveyaka Svarga.*
A heavenly place beyond all 16 heavens
16 स्वर्गों के ऊपर स्थित 9 पटल, अहमिन्द्र देवों की निवास भूमि ।

ग्लान - *Glāna.*
One having diseased body (reg. saint).
रोगी साधु अथवा रोग आदि से क्लांत शरीर वाला ।

ग्लानि - *Glāni.*
Aversion, Langour
घृणा ।

घ

घ – *Gha*

The fourth consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का चतुर्थ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान कण्ठ है ।

घंटा – *Ghaṇṭā*

Bell, A metallic disc struck as a bell

ऊँची और गंभीर ध्वनि वाला एक वाद्य ।

घटमान योगी – *Ghaṭamāna Yogī.*

A meditator (the one expert in meditation and *Yoga*)

जिसको योग या ध्यान का अच्छा अभ्यास हो ।

घटयात्रा – *Ghaṭayātrā.*

An auspicious pitcher-procession for carrying water to perform purificatory rites. It is generally conducted by the married woman

मंदिर शुद्धि, वेदी शुद्धि, शिखर शुद्धि हेतु तथा पंचकल्याणक आदि के प्रारंभ में सौभाग्यवती महिलाओं के द्वारा विशेष विधिपूर्वक नदी, सरोवर या कुएं से मंगल कलशों में भरकर जल लाने के लिए निकाली जाने वाली शोभायात्रा ।

घटस्थानोपयोगी यंत्र – *Ghaṭasthānopayogī Yantra.*

A metallic plate engraved with some auspicious and mystic words

एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट ।

घटा – *Ghaṭā.*

The 7th *Patal* (layer) of the 4th hell

चौथे नरक का 7वां पटल ।

घटिका – *Ghaṭikā.*

A time unit (a period of 24 minutes)

काल का एक प्रमाण-24 मिनिट की एक घटिका (एक घड़ी) ।

घटीयंत्र – *Ghaṭīyantra.*

A device of irrigation

कृषि की सिंचाई का एक यंत्र ।

घड़ी – *Ghaṛī.*

A time unit (a period of 24 minutes)

देखें - घटिका ।

घन – *Ghana.*

Cube.

किसी राशि को परस्पर तीन बार गुणा करना ।

घनधारा – *Ghanadhārā.*

A cubic sequence.

14 धाराओं में एक धारा; घन संख्या का समूह जैसे 2 का घन 8 ।

घनफल – *Ghana Phala.*

Volume.

आयतन ।

घनमातृक धारा – *Ghanamātṛka Dhārā*

A mathematical sequence

14 धाराओं में एक, एक को आदि लेकर केवलज्ञान के आसन्न घनमूल पर्यंत स्थान ।

घनमूल – *Ghanamūla*

Cube root.

गणित में घनराशि का मूल अंक-जैसे 64 का घनमूल 4 है ।

घनरथ – *Ghanaratha.*

Father's name (of past birth) of Lord Kunthunath.

कुंथुनाथ भगवान् के पूर्वभव के पिता का नाम ।

घनरव – *Ghanarava.*

Father's name (of past birth) of Lord Arahnath

अरहनाथ भगवान के पूर्वभव के पिता का नाम ।

घनलोक – *Ghanaloka.*

Volume of universe

ब्रह्माण्ड (सर्व लोकाकाश 343 घनराजू प्रमाण) का आयतन ।

घनवात – *Ghanavāta.*

Atmosphere.

वायुमण्डल, लोक को वेष्टित करने वाले तीन वातवलयों में द्वितीय वलय ।

घनसार – *Ghanasāra.*

A type of sandal.

एक प्रकार का चंदन ।

घनांगुल – *Ghanāṃgula.*

Cubic finger

अंगुल के घन को घनांगुल कहते हैं, जिसमें लम्बाई, चौड़ाई एवं मोटाई विवक्षित रहती हो ।

घनाकार – *Ghanākāra.*

Cubical shape (of solid matters).

ठोस त्रिविमीय आकृति ।

घनाघन धारा – *Ghanāghana Dhārā*

A type of cubic equation.

द्विरूपवर्ग धारा में जो राशि वर्ग रूप है उस प्रत्येक राशि का घनाघन (घन का घन) इस धारा में प्राप्त होता है ।

घनोदधि – *Ghanodadhi.*

Circle of humid atmosphere.

लोक को वेष्टित करने वाले तीन वातवलयों में प्रथम वलय ।

घम्मा – *Ghammā.*

Name of the first hell

प्रथम नरक की पृथ्वी का रूढ़िनाम ।

घर – *Ghara.*

Home, House, Residence.

गृह, निवास, आवास ।

घाट – *Ghāṭa.*

Name of the 5th *Indrak* or *Patal* (layer) of *Sharkara Prabha* earth, Bank of a river.

शर्कराप्रभा पृथिवी के 5वें इन्द्रक या पटल का नाम, नदी का किनारा ।

घाटा – *Ghāṭā.*

The 6[th] *Paṭal* (layer) of the 4[th] hell.

चौथे नरक का छठा पटल ।

घात – *Ghāta.*

A blow, A stroke. Indice, raising of number to the given power. The 5[th] *Paṭal* (layer) of the 2[nd] hell.

धक्का, प्रहार, चोट, गणित में गुणनफल, दूसरे नरक का 5वां पटल ।

घातकत्व निदान – *Ghātakatva Nidāna.*

An evil thought of harming someone in next birth.

घातक कषायरूप निदान; 'परलोक में मैं किसी का बुरा करूँ' आदि

घातकृष्टि – *Ghātakṛṣṭi.*

Destructed *Krishtis* (gradually destructed passions)

जिन कृष्टियों का नाश किया हो, उन्हें घातकृष्टि कहते हैं ।

घातांक – *Ghātāṁka.*

Indices or Power (of a number).

किसी गणितीय संख्या की घात का अंक ।

घातायुष्क – *Ghātāyuṣka*

A type of deities (who are born in lower heavens due to degradation)

जो अधिक आयु बांधकर बाद में संक्लेश परिणामों के कारण नीचे के स्वर्गों में उत्पन्न होते हैं ।

घातिया कर्म – *Ghātiyā Karma*

Destructive *Karmas.*

जिसके उदय से जीव के ज्ञानादिक अनुजीवी गुणों का घात होता है ।

घाती – *Ghātī.*

Destructive

प्रहार, आघात, नष्ट करने वाला ।

घाती कर्म प्रकृति – *Ghātī Karma Prakṛti.*

Nature of destructive *Karmas*

26 देशघाती एवं 21 सर्वघाती कर्म प्रकृतियाँ ।

घुटुक – *Ghuṭuka.*

The son of Bhim, the *Pandav.*

पांडव भीम और हिडिम्बा का पुत्र। युद्ध में यह अश्वत्थामा के द्वारा मारा गया था ।

घुना अन्न – *Ghunā Anna.*

Cereals infested with worms or insects

अनेक त्रस जीव और फुई इत्यादि लगा अन्न ।

घृतवर द्वीप सागर – *Ghṛtavara Dvīpa Sāgara.*

The 6[th] island and ocean of middle universe

मध्यलोक का छठा द्वीप व सागर ।

घृणा – *Ghṛṇā.*

Hate, Aversion, Disgust

जुगुप्सा, ग्लानि ।

घृतस्रावी – *Ghṛtasrāvī.*

A type of supernatural power (reg. turning tasteless food into delicious).

एक रस ऋद्धि; जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु के हाथ में दिया गया रूखा-सूखा आहार तत्काल घी के समान रसवाला हो जाता है।

घोटकपाद – *Ghoṭakapāda.*

An infraction of meditative relaxation (pertaining to feet)

कायोत्सर्ग का एक अतिचार। जैसे घोड़ा अपना एक पांव अकड़ाकर या लंगड़ा करके खड़ा हो जाता है वैसे खड़ा होना ।

घोटमान – *Ghoṭamāna.*

Unstable phase with decrease & increase.

योगस्थान; हानि वृद्धि सहित अनवस्थित भाव का नाम ।

घोटमानयोगस्थान – *Ghoṭamānayogasthāna*

Unstable dispositions

परिणाम योगस्थान, जो आत्मा के प्रदेश एक से न रहे, घटते-बढ़ते रहें ।

घोड़ा – *Ghoṛā.*

Horse, an auspicious significant, Symbol of the 3[rd] *Tirthankar* (Jaina-Lord) Sambhavnath

एक मंगल, तीसरे तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का चिन्ह ।

घोर गुण – *Ghora Guṇa*

Those (super saints) having supreme virtues

उत्कृष्ट पराक्रम सहित हैं गुण जिनके, घोर गुण (ऋद्धिधारी मुनि) कहे जाते हैं ।

घोर तप – *Ghora Tapa*

A supernatural power of doing hard penance even after illness.

जिस ऋद्धि के प्रभाव से ज्वर आदि से पीड़ित होने पर भी साधु अत्यंत कठिन तप करने में सक्षम होते हैं ।

घोर पराक्रम – *Ghora Parākrama.*

A type of supernatural power of having omnipotent like power of making dry to the water of an ocean etc.

जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु अनुपम तप करते हुए तीन लोक के संहार की शक्ति से सम्पन्न और सहसा समुद्र के जल को सुखा देने की सामर्थ्य से युक्त होते हैं ।

घोर ब्रह्मचर्य – *Ghora Brahmacarya.*

A supernatural power of having continuous celibacy.

ऋद्धि-जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु सर्वगुणों से सम्पन्न होकर अखंड ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं ।

घोरा – *Ghorā.*

A divine power possessed by 'Ravana'.

एक विद्या; यह रावण को प्राप्त थी ।

घोलमान - *Gholamāna*

See - *Ghūrṇamāna*

देखें - घूर्णमान ।

घोष - *Ghoṣa*

A habitation of herdsmen, Outcry, Roar, Name of a celestial deity

अहीरों की बस्ती, शब्द का एक भेद, भवनवासी देवों के स्तनित कुमार आदि के प्रथम इन्द्र का नाम ।

घोषणा - *Ghoṣaṇā*.

Proclamation or declaration, a type of announcement with kettle-drum

जन-जन तक किसी निर्णय की सूचना पहुंचाना। परिव्राजकक्रिया के 27 सूत्रपदों में एक सूत्रपद: जो मुनि नगाड़े संगीत आदि की घोषणा का त्याग करके तपस्या करता है उसकी तपस्या सफल होने पर दुंदुभिघोष होता है

घोषसम - *Ghoṣasama*

Resonance (regarding scriptural knowledge *Shrutgyān*).

अनुयोग श्रुतज्ञान, जो घोष अर्थात् द्रव्यानुयोग द्वार के साथ उत्पन्न होता है इस कारण घोषसम कहलाता है ।

घोषसेन - *Ghoṣasena*.

Initiation spiritual teacher of the 7th *Narayan* (reg. past birth).

7वें नारायण के पूर्व भव के दीक्षा गुरु का नाम ।

घोषा - *Ghoṣā*.

A type of divine musical instrument.

देवों के द्वारा विद्याधरों को दी गई एक वीणा ।

घोषार्या - *Ghoṣāryā*.

The name of chief female ascetic (*Ganini Aryika*) in the assembly of Lord Suvidhinath

सुविधिनाथ (पुष्पदंतनाथ) तीर्थंकर के संघ की मुख्य आर्यिका अर्थात् गणिनी ।

घोषावती - *Ghoṣāvatī*.

A musical instrument-a supernatural lute.

चार दिव्य वीणाओं में एक वीणा; विष्णुकुमार मुनि द्वारा उपसर्ग हटाये जाने पर देवों ने यह वीणा पृथ्वी पर रहने वालों को दी थी।

घ्नत - *Ghnata*.

A process of multiplication, Killed-one.

गुणित, अभ्यस्त, घ्नत, हत सब एकार्थवाची हैं ।

घ्राण - *Ghrāṇa*.

Nose-a smelling sense.

नासिका; 5 इन्द्रियों में तीसरी इन्द्रिय ।

च

च - *Ca*

The sixth consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का छठवां व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान तालु है ।

चंगदेव - *Caṁgadeva*.

An ancestor of poet Haridev

मयणपराजय चरिउ के रचयिता कवि हरिदेव के पूर्वज ।

चंचत् (चंचु) - *Caṁcat (Caṁcu)*.

Name of the 11th *Paṭal* (layer) of '*Saudharm*' heaven

सौधर्म स्वर्ग के 11वें पटल का नाम ।

चंचल - *Caṁcala*.

Unsteady, restless, fickle

अस्थिर

चंड - *Caṁḍa*.

A great writer, A king of *Rakshasa* descendent

ई. पू. 3 का एक प्राकृत विद्वान् जिन्होंने प्राकृत लक्षण नाम का एक प्राकृत व्याकरण लिखा, राक्षस वंश का एक राजा ।

चंडवेग - *Caṁḍavega*.

Name of a '*Vibhuti*' dominion of Bharat Chakravarti (emperor)

भरत चक्रवर्ती की एक विभूति 'दण्ड रत्न' का नाम ।

चंडवेगा - *Caṁḍavegā*.

A river which flows from *Varun* mountain of *Bharat Kshetra* (a region), A miraculous power

भरतक्षेत्र के वरुण पर्वत पर स्थित एक नदी, एक विद्या जो अर्ककीर्ति के पुत्र अमिततेज ने सिद्ध की थी ।

चंडशासन - *Caṁḍaśāsana*.

A king of *Malay* country.

मलय देश का एक राजा ।

चंडिका - *Caṁḍikā*.

A passionate or enraged woman, title of the goddess Durga.

एक देवी का उपनाम ।

चंद - *Caṁda*.

Some, a few, one or two, Name of a summit and its deity.

कुछ, थोड़ा, अपर विदेह में स्थित देवमाल वक्षार का एक कूट व देव ।

चंदन - *Caṁdana*.

Sandalwood, An earth situated under *Chitra* earth

एक प्रकार की सुगंधित लकड़ी, चित्रा पृथिवी के नीचे स्थित 14 पृथिवियों में एक ।

चंदन कथा – *Caṁdana Kathā*

A book written by *Acharya* Shubhchandra-5.

आचार्य शुभचंद्र-5 (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

चंदनछट्ठी कहा – *Caṁdanachaṭṭhī Kahā.*

A book written by *Pandit* Lakhu.

पंडित लखू (ई. श. 13 का पूर्वपाद) द्वारा रचित कथा।

चंदनषष्ठी व्रत – *Caṁdanaṣaṣṭhī Vrata.*

A particular vow to be followed for 6 years

6 वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद कृष्णा छठ तिथि को उपवास करना।

चंदना – *Caṁdanā.*

Daughter of the king Chetaka of Vaishali (maternal aunt of Lord Mahavira). The chief *Aryika* (*Ganini*)-Jaina female saint in the *Samavasharan* of Lord Mahavira.

राजा चेटक की पुत्री, जो भगवान महावीर स्वामी की एक मौसी थी और आगे चलकर उन्हीं के समवसरण में मुख्य आर्यिका (गणिनी) हुई।

चंदनाचरित्र – *Caṁdanācaritra.*

Name of a book

चंदना के चरित्र पर आधारित एक ग्रंथ।

चंदनामती (आर्यिका) – *Caṁdanāmatī (Āryikā)*

The chief disciple of supreme Jaina female ascetic *Aryika* Shri Gyanmati Mataji and also the younger sister of the household life of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji, who born at 18th May 1958 and after having studied upto 10th standard, in the small age of 13th years old only she took oath for the vow of celibacy for whole life in year 1971 Thereafter at 13th Aug. 1989 she took Jaina-initiation (for *Aryika* stage) from *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji. Because of her sharpeness, brilliancy, great poetic genius and creativity she has got popularity over the horizon of the world. In this connection she has composed hundreds of the religious hymns, worshipping compositions, treaties, commentary books etc. With hard penance and observing all duties perfectly, she has overall devoted herself for the protection and development of the Jaina culture and heritage.

गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रमुख शिष्या जिन्होंने सन् 1971 में 13 वर्ष की बाल अवस्था में ही आजन्म ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर 13 अगस्त 1989, श्रावण शुक्ला ग्यारस को हस्तिनापुर में पूज्य ज्ञानमती माताजी से आर्यिका दीक्षा प्राप्त की। आपका जन्म 18 मई 1958, ज्येष्ठ कृष्णा अमावस्या को टिकैतनगर-बाराबंकी उ.प्र. में हुआ। आप गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की गृहस्थावस्था की लघु बहन भी हैं। दीक्षापूर्व आपका नाम माधुरी जैन था, आपने हाईस्कूल तक लौकिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद धार्मिक अध्ययन में शास्त्री एवं विद्यावाचस्पति की उपाधि प्राप्त की। आपने बाल्यकाल में ही हजारों की संख्या में गोम्मटसार जीवकाण्ड-कर्मकाण्ड आदि की सम्पूर्ण गाथाओं को प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी भाषाओं में कंठस्थ कर लिया था यह आपकी तीक्ष्ण बुद्धि का परिचायक है। इसके अतिरिक्त आप सैकड़ों भजनों, विधान, चालीसा, पूजन इत्यादि मुक्त काव्य की रचयित्री हैं। आपने सतत गुरु वैय्यावृत्ति, स्वाध्याय, चिन्तन, मनन, तपश्चरण, धर्म अध्ययन एवं प्रवचन आदि के साथ अनेक साहित्य का सृजन किया है जिनमें षट्खण्डागम ग्रंथ की हिन्दी टीका, महावीर स्तोत्र (पूज्य गणिनी ज्ञानमती माताजी कृत) की संस्कृत एवं हिन्दी टीका, जम्बूद्वीप ज्ञान ज्योति, अवध की अनमोल मणि, मंगल ज्ञानाञ्जलि आदि प्रमुख हैं। तीर्थ संरक्षण एवं धर्म के विकास में आपकी विशेष रुचि के फलस्वरूप आपने जम्बूद्वीप (हस्तिनापुर), तपस्थली (प्रयाग), मांगीतुंगी, अयोध्या, कुण्डलपुर (नालंदा) इत्यादि उद्धारित तीर्थों की रचना में सफल मार्गदर्शन प्रदान किया है। गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से संपादित होने वाले सभी कार्यों में आपकी सहभूमिका रहती है।

चंदप्पहचरिउ – *Caṁdappahacariu.*

A book written by Brahmadamodar.

ब्रह्मदामोदर द्वारा रचित चंद्रप्रभ चरित्र। समय-ई. श.17 मध्य।

चंद्र – *Caṁdra.*

The moon, Name of a summit of *Devmal Vakshar* mountain and its protecting deity, A summit of *Ruchak* mountain, 2nd & 3rd *Patala* (layers) of *Saudharma* heaven, Name of Kuber's palace & a cave etc.

चंद्रमा, अपर विदेह स्थित देवमाल वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव, रुचक पर्वत का एक कूट, सौधर्म स्वर्ग का दूसरा व तीसरा पटल, दक्षिण अरुणवर द्वीप का एक रक्षक व्यन्तर देव, सुमेरु पर्वत के नन्दन आदि वनों के ऊपर भाग में स्थित कुबेर का भवन व गुफा।

चंद्रर्षि महत्तर – *Caṁdarṣi Mahattara.*

A *Shvetambar Acharya.*

श्वेताम्बर पंचसंग्रह प्राकृत तथा उसकी स्वोपज्ञ टीका के रचयिता एक प्रसिद्ध श्वेताम्बर आचार्य (ई. श. 9-10)।

चंद्रकान्त – *Caṁdrakānta*

A king of *Yadu* dynasty

वसुदेव का पुत्र, यदुवंश का राजा।

चंद्रकीर्ति – *Caṁdrakīrti*

An *Acharya* who was the disciple of Malladhārideva.

नंदीसंघ देशीय गण के एक आचार्य, मल्लधारी देव के शिष्य (ई. 1043-1073)।

चंद्रकूट – *Caṁdrakūṭa.*

A summit of *Ruchak* mountain, Name of a summit of *Vakshar* mountain and its deity.

रुचक पर्वत का एक कूट, वक्षारगिरि के कूट व देव का नाम।

चंद्रगिरि – *Caṁdragiri.*

A mountain at Shravanbelgola

श्रवणबेलगोला में स्थित एक पर्वत।

चंद्रगुप्त – *Candragupta*

A king of *Maurya* empire.

चन्द्रगुप्त मौर्य (ई. पू. 322-298); मौर्य साम्राज्य के संस्थापक, भद्रबाहु श्रुतकेवली के शिष्य, जैनेश्वरी दीक्षा लेने वाले अंतिम सम्राट् ।

चंद्रग्रहण – *Candragrahaṇa.*

An eclipse of the moon

राहु का चन्द्रमा को आच्छादित करना ।

चंद्रचिन्ह – *Candracinha.*

A kind of *Kuru* descendant, The significant symbol of Lord Chandraprabha. The symbol of Lord Svayamprabha present at *Videh Kshetra.*

कुरुवंश के एक राजा का नाम, चन्द्रप्रभ भगवान का चिन्ह, विदेह क्षेत्र में स्थित स्वयंप्रभ भगवान का चिन्ह ।

चंद्रचूल – *Candracula.*

A chief disciple of Lord Rishabhdeva

भगवान ऋषभदेव के 84 गणधरों में एक गणधर ।

चंद्रदेव – *Candradeva*

Son of Jarasandh. A type of stellar deities.

जरासंध का पुत्र, ज्योतिष्क देवों के 5 भेदों में से एक भेद ।

चंद्रद्रह – *Candradraha.*

Name of a *Droh* (large pond or lake)

उत्तरकुरु के दस द्रहों में से दो का नाम चन्द्र है, सीतावन नील पर्वत से साढ़े पाँच सौ योजन दूर नदी के मध्य में स्थित है ।

चंद्रद्वीप – *Candradvipa.*

An island situated in *Lavana* ocean.

लवणसागर में स्थित एक द्वीप ।

चंद्रधर – *Candradhara*

Name of a super person, a *Baldev*

भावी शलाका पुरुष; एक बलदेव का नाम ।

चंद्रनंदि – *Candranandi.*

Preceptor of Bhagvati Aradhanakar Shivarya, Preceptor of Kumarnandi.

भगवती आराधनाकार शिवार्य के दादा गुरु (ई. श. 1 का प्रारंभ), कुमारनन्दि के गुरु (ई. 716) ।

चंद्रनखा – *Candranakhā.*

Daughter of Ratnashrava & sister of Ravana.

रत्नश्रवा की पुत्री और रावण की बहन जिसने रावण की मृत्यु पर दीक्षा धारण की ।

चंद्रपर्वत – *Candraparvata.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

चंद्रपुर – *Candrapura.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain, Birth place of Lord Chandraprabhu

विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, चन्द्रप्रभु भगवान की जन्मनगरी (चंद्रपुरी), जो वाराणसी नगरी के पास स्थित है ।

चंद्रप्रज्ञप्ति – *Candraprajñapti.*

A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*), A *Shvetamber* book and also the name of a book written by *Acharya* Amitgati.

अंगश्रुत ज्ञान का एक भेद; इसमें चन्द्रमा की आयु, परिवार, ऋद्धि आदि का 36 लाख 5000 पदों में वर्णन है, एक श्वेताम्बर ग्रंथ एवं आचार्य अमितगति द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

चंद्रप्रभ – *Candraprabha.*

A disciple of Jaysingh Suri.

जयसिंह सूरि के शिष्य जिन्होंने प्रमेयरत्नकोष तथा दर्शनशुद्धि आदि न्यायविषयक दो ग्रंथ लिखे। समय-ई.1120 ।

चंद्रप्रभचरित – *Candraprabhacarita*

Name of books written by different *Acharyas* separately.

आचार्य वीरनन्दि (ई. 950-999) कृत महाकाव्य, आचार्य श्रीधर (ई.श. 14) की प्राकृत रचना, आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) की संस्कृत रचना ।

चंद्रप्रभु – *Candraprabhu.*

Name of the 8[th] *Tirthankar* (Jaina-Lord)

8वें तीर्थंकर; इनका जन्म चन्द्रपुरी के इक्ष्वाकुवंशी राजा महासेन एवं रानी लक्ष्मणा के यहाँ हुआ। इनकी 10लाख पूर्व की आयु तथा 150 धनुष (छह सौ हाथ) शरीर की ऊँचाई थी ।

चंद्रबाहु – *Candrabāhu.*

A *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh Kshetra* (region).

विदेह क्षेत्र के एक तीर्थंकर ।

चंद्रभ – *Candrabha.*

A Kannad poet who wrote Gommateshvar Charit

एक कन्नड़ कवि (ई. श. 1605) जिन्होंने गोम्मटेश्वर चरित की रचना की ।

चंद्रभागा – *Candrabhāgā.*

The present Chinab river of Punjab.

पंजाब की वर्तमान चिनाब नदी ।

चंद्रमा – *Candramā.*

The Moon.

चन्द्र विमान ।

चंद्रमाल – *Candramāla.*

Name of a mountain (*Vakshargiri*) in the western *Videh.*

पश्चिम विदेह का एक वक्षारगिरि ।

चंद्ररथ – *Candraratha.*

A king of *Vidyadhar* dynasty.

विद्याधर वंश का एक राजा ।

चंद्रवंश – *Candravaṁśa.*

The name of *Som* dynasty.

सोमवंश; बाहुबलि के पुत्र सोमयश ने इस वंश की स्थापना की थी ।

चंद्रवर्मा – *Candravarmā.*
A king of *Yadu* dynasty
यदुवंश का एक राजा, कृष्ण का एक पुत्र ।

चंद्रविमान – *Candra Vimāna*
The Moon, Space vehicles
चन्द्रमा, 2 जंबूद्वीप के + 4 लवण समुद्र के + 12 धातकी खण्ड के + 42 कालोदधि के + 72 पुष्करार्द्ध के इस प्रकार ढाई द्वीप में कुल 132 चंद्रविमान गमनशील है ।

चंद्रशेखर – *Candraśekhara*
A king of *Vidyadhar* descendant
विद्याधर वंश का एक राजा, विशालाक्ष विद्याधर का पुत्र ।

चन्द्रसागर (मुनि) – *Candrasāgara (Muni).*
Name of a *Digambar* Jain saint, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar ji Maharaj.
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रमुख 7 मुनि शिष्यों में से एक। ये राजस्थान, इंदौर तथा मध्यप्रदेश में सिंहवृत्ति का पालन करने वाले एक कट्टर आगम परम्परा पोषक आचार्यकल्प के रूप में प्रसिद्ध हुए ।

चंद्रसेन – *Candrasena.*
Spiritual teacher of Aryanandi ji.
आर्यनन्दि के गुरु (ई. 742-773) ।

चंद्रानन – *Candrānana.*
A *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र के विद्यमान 20 तीर्थंकर में एक तीर्थंकर का नाम ।

चंद्राभ – *Candrābha.*
Name of the 11th *Kulkar* (ethical founder). A city in the south of *Vijayardh* mountain, A type of *Laukantik* deities, A king of *Yadu* descendant.
11वें कुलकर का नाम, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, लौकान्तिक देवों की एक जाति, यदु (यादव) वंश का एक राजा।

चंद्राभा – *Candrābhā.*
Name of a chief female deity.
ज्योतिषी देवों में इन्द्र चन्द्र की पट्ट महादेवी ।

चंद्रावर्त – *Candrāvarta.*
A king of *Rakshas* descendant.
राक्षसवंश का एक राजा ।

चंद्रोदय – *Candrodaya.*
A book written by *Acharya* Prabhachandra.
आचार्य प्रभाचन्द्र नं. 3 (ई. 797) कृत एक ग्रंथ ।

चंपक वृक्ष – *Campaka Vṛkṣa.*
Name of initiation tree of Lord Munisuvratnath.
मुनिसुव्रतनाथ भगवान के दीक्षावृक्ष का नाम, जो नील वन में स्थित था ।

चंपा – *Campā.*
A city in the north of *Vijayardh* mountain, A variety of flower.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, एक फूल का नाम ।

चंपापुर – *Campāpura*
An ancient *Digambar* Jain place of pilgrimage near Bhagalpur, Bihar, where 5 auspicious events (*Panchkalyanaks*) of the life of Lord Vasupujyanath took place
वासुपूज्यनाथ तीर्थंकर की पंचकल्याणक स्थली, वर्तमान बिहार प्रान्त में यह तीर्थ स्थित है। यहाँ भगवान वासुपूज्यनाथ के गर्भ एवं जन्मकल्याणक हुए हैं। इस क्षेत्र के नजदीक ही मन्दारगिरी है जहाँ इनके भगवान के अन्य तीन कल्याणक हुए हैं। अतएव यह स्थली भगवान वासुपूज्यनाथ की पंचकल्याणक स्थली के रूप में मान्य है। केवल यही एक ऐसा तीर्थ है जहाँ किसी तीर्थंकर के पाँचों कल्याणक एक ही स्थान पर हुए हैं ।

चंवर – *Camvara*
An auspicious article which is to be kept near *Tirthankars'* (Jaina-Lords') idol.
प्रतिमा के पास में विद्यमान रहने वाले अष्ट मंगल द्रव्यों में एक ।

चकवा – *Cakavā.*
A large orange-brown duck, the Sheldrake the significant symbol of Lord Sumatinath
सुमतिनाथ भगवान का चिह्न ।

चक्र – *Cakra*
A wheel ring, a group, a circular shape, First *Patal* (layer) of *Sanatkumar* heaven, Prime jewel of *Chakravarti* (emperor), See - *Dharmacakra*.
सनत्कुमार स्वर्ग का प्रथम पटल, चक्रवर्ती का एक प्रधान रत्न, देखें - धर्मचक्र ।

चक्रक – *Cakraka.*
A fault of coming back on the same point after having a long discussion, Name of a space vehicle.
वादी की बात करते हुए पुनः पुनः घूमकर वहीं आ जाना चक्रक दोष है, महेन्द्र स्वर्ग का एक विमान ।

चक्रधर – *Cakradhara.*
See - *Candradhara*
देखें - चंद्रधर ।

चक्रधर्मा – *Cakradharmā*
A king of *Vidyadhar* dynasty
विद्याधर वंश का एक राजा ।

चक्रध्वज – *Cakradhvaja*
A king of *Vidyadhar* dynasty, A religious flag with the mark of wheel (*Chakra*).
विद्याधर वंश का एक राजा, चक्र चिह्नांकित समवशरण की ध्वजा।

चक्रपुर – *Cakrapura.*
A city of *Bharat Kshetra* (region). A city in the south of *Vijayardh* mountain
भरतक्षेत्र का एक नगर, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

चक्रपुरी – *Cakrapurī.*
Name of the capital of *Gandha* country in *Videh*

(region)
अपर विदेह के गंधा नामक देश की राजधानी ।

चक्रपूजा – *Cakrapuja.*
Worshipping of the wheel before starting world conquering by a *Chakravarti* (emperor)
चक्रवर्तियों द्वारा दिग्विजय के शुभारंभ में की जाने वाली चक्र की पूजा ।

चक्ररत्न – *Cakraratna.*
A divine circular weapon (*Chakra*) possessed by *Chakravarti* (emperor) etc. as a jewel
सुदर्शनचक्र; जो चक्रवर्ती व अर्द्धचक्रवर्ती के होता है ।

चक्ररथ – *Cakraratha.*
Soul of 'Sita', a predestined *Chakravarti* (emperor).
सीता का जीव, यह चक्रवर्ती राजा होगा रावण-लक्ष्मण के जीव इसके पुत्र होंगे ।

चक्रलाभक्रिया – *Cakralabhakriyā*
An auspicious act of getting precious jewels due to spiritual merits '*Punya*'.
गर्भान्वय की एक क्रिया, पुण्य के प्रताप से नवनिधि व चक्ररत्न की प्राप्ति ।

चक्रवर्ती – *Cakravartī.*
Universal monarch, world conqueror, emperor
चक्ररत्न का स्वामी। यह षट्खण्डाधिपति, दिग्विजयी, 32 हजार राजाओं का अधिराजा, 14 रत्नों, 9 निधियों का तेजस्वी अधिपति होता है ।

चक्रवाक – *Cakravāka.*
The *Chakwa* bird; a large orange brown duck, A space vehicle of 'Shukrendra'.
एक पक्षी-चकवा, शुक्रेन्द्र का यान (विमान) ।

चक्रवान् – *Cakravān.*
A city in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

चक्रवाल – *Cakravāla.*
See - *Cakravan*
देखें - चक्रवान् ।

चक्रवाल व्रत – *Cakravāla Vrata.*
Name of a vow to be observed with particular procedure at different *Nakshatra* days related to their respective lunar months. For eg. observing vow at the day of *Chitra Nakshatra* in the month of *Chaitra*.
प्रत्येक मास से संबंधित नक्षत्र में यह व्रत 3 वर्ष 3 माह तक किया जाता है जैसे-चैत्रमास में चित्रा नक्षत्र के दिन, वैशाख मास में विशाखा नक्षत्र के दिन व्रत करना। इस व्रत के एक-एक उपवास का लाख-लाख उपवास से भी अधिक फल होता है। इसकी पूर्ण विधि मराठी व्रत कथा संग्रह एवं आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित व्रतविधिसुमनावली पुस्तक में देखें ।

चक्रव्यूह – *Cakravyūha.*
An array of soldiers in the form of a circle
एक विशिष्ट सैन्य रचना; इसमें राजा मध्य में रहता है और उसके चारों ओर अंगरक्षक होते हैं, इसकी चक्राकार रचना में एक हजार आरे होते हैं ।

चक्राभिषेक क्रिया – *Cakrābhiṣeka Kriyā.*
An auspicious and sacred act (reg. anointment of *Chakri*) after conquering the world.
गर्भान्वय की एक क्रिया; दिग्विजय पूर्ण कर नगर में प्रवेश करते समय चक्री का अभिषेक करना ।

चक्रायुध – *Cakrāyudha.*
A king of *Vidyadhara* descendant, First chief disciple of Lord Shantinath.
विद्याधर वंश का एक राजा, शांतिनाथ भगवान के प्रथम गणधर।

चक्री – *Cakrī.*
The *Chakravarti*, emperor, universal monarch
चक्रवर्ती ।

चक्रेश – *Cakreśa.*
See - *Cakravarti*
चक्ररत्न के स्वामी, देखें - चक्रवर्ती ।

चक्रेश्वरी – *Cakreśvarī.*
Ruling female deity of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव की शासन देवी ।

चक्षु:श्रवा – *Cakṣuḥśravā.*
A sanke having hearing sense through eyes.
सर्प, यह आँख के मार्ग से ही सुनता है ।

चक्षु – *Cakṣu.*
Name of a deity of *Manushottar* mountain.
मानुषोत्तर पर्वत का एक देव ।

चक्षु इन्द्रिय – *Cakṣu Indriya.*
Visual sense organ, sense of sight, ocular sense.
आँखें, जिसके द्वारा संसारी जीव पदार्थों को देखता है उसे चक्षु इन्द्रिय कहते हैं ।

चक्षुदर्शन – *Cakṣudarśana.*
Visionary conation, ocular perception.
चक्षु इंद्रिय के द्वारा पदार्थ का ज्ञान होने से पूर्व जो सामान्य प्रतिभास होता है वह चक्षुदर्शन है।

चक्षुदर्शनावरण – *Cakṣudarśanāvaraṇa.*
Obscuring *Karma* of visionary conation
दर्शनावरण कर्म के 9 भेदों में एक भेद; जो कर्म चक्षु के द्वारा वस्तु का सामान्य ग्रहण न होने दे ।

चक्षुमित्र – *Cakṣumitra.*
A king of *Shak* descendant.
शक वंश का एक राजा ।

चक्षुष्मान – *Cakṣuṣmāna.*
Name of the 8th *Kulkar* (ethical founder), Name of the protecting peripatetic deity of south

Manushottar mountain and *Pushkarardh* island
आठवें कुलकर का नाम, मानुषोत्तर पर्वत एवं पुष्करार्ध द्वीप का रक्षक देव ।

चतुःस्थानीय – *Catuḥsthānīya.*
The actual fruition of the *Karmic* matters having strong or mild attributes.
अनुभाग बंध; प्रशस्त कर्म प्रकृतियों का गुड़, खाण्ड, शर्करा और अमृत रूप एवं अप्रशस्त कर्म प्रकृतियों का लता, दारू, अस्थि, शैलरूप अनुभाग बंध चतुःस्थानीय कहलाता है ।

चतुरंक – *Caturaṁka.*
Infinite increase.
असख्यातभाग वृद्धि की चतुरंक संज्ञा है ।

चतुरंग – *Caturaṁga.*
Bowing down with bending both hands and knees. Four parts of an army.
नमस्कार का एक प्रकार अर्थात् दोनों हाथ व दोनों घुटने नमाना, सेना के और 4 अंग; अश्व, गज, रथ और पैदल सैनिक ।

चतुरस्र – *Caturasra.*
Quadrilateral.
चर्तुभुज अर्थात् चार भुजाओं वाला ।

चतुरावश्यक – *Caturāvaśyaka.*
Four super necessities of the 7th stage of spiritual development.
अनंतगुणी विशुद्धि, अप्रशस्त प्रकृतियों की अनंतगुणी हानि, प्रशस्त प्रकृतियों में अनंतगुणी वृद्धि, स्थिति बंधापसरण ये 4 आवश्यक कार्य अधःप्रवृतकरण संयत अर्थात् सप्तम गुणस्थानवर्ती मुनि के होते हैं ।

चतुराश्रम – *Caturāśrama.*
The four stages of life.
ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व सन्यास आश्रम ।

चतुरिन्द्रिय – *Caturindriya.*
Four - sensed beings.
स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु ये 4 इंद्रियां जिन जीवों के होती हैं वे चतुरिन्द्रिय जीव हैं। जैसे—मक्खी, मच्छर आदि ।

चतुरिन्द्रिय जाति नामकर्मप्रकृति – *Caturindriya Jāti Nāmakarmaprakṛti.*
A type of *Karmic* nature causing four sensed beings.
नामकर्म की एक प्रकृति; जिसके उदय से जीव 4 इन्द्रिय कहा जाता है ।

चतुर्गति – *Caturgati.*
Four body forms or destinities; Hell, Animals and Plants, Human beings and Deities.
चार गतियाँ, नरक, तिर्यंच, मनुष्य व देवगति ।

चतुर्गति-निगोद – *Caturgati-Nigoda.*
Falling back into the lower world from the higher form of life.
इतर निगोद; जो त्रस पर्याय पाकर फिर निगोद में उत्पन्न हुए हैं ऐसे जीव चतुर्गति निगोद कहलाते हैं ।

चतुर्ज्ञान-सिद्ध – *Caturjñāna-Siddha.*
Those who have got salvation because of four types of super knowledge (according to *Bhutprajnapan Naya*).
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा 4 ज्ञान से सिद्ध होने वाले जीव ।

चतुर्णिकाय – *Caturnikāya.*
Four types of deities.
भवनवासी, व्यंतर, ज्योतिष्क, वैमानिक इन 4 निकायों के देव ।

चतुर्थकाल – *Caturthakāla.*
The fourth division of *Avasarpini Kal* (regressive half cycle of time)
अवसर्पिणी काल के 6 भेदों में दुषमा-सुषमा नामक चौथा भेद, जिसमें 24 तीर्थंकर जन्म लेते हैं ।

चतुर्थच्छेद – *Caturthacchheda.*
Number of times that a number can be divided by 4.
किसी संख्या को 4 से जितनी बार भाग दिया जा सके ।

चतुर्थज्ञान – *Caturthajñāna.*
Telepathy (*Manahparyay Gyan*); a type of knowledge.
मनःपर्यय ज्ञान ।

चतुर्थ-भक्त – *Caturtha-Bhakta.*
A kind of a particular fasting
पहले और तीसरे दिवस दिन में दो बार भोजन लेना और बीच के दिन कुछ नहीं लेना।

चतुर्थीविद्या – *Caturthīvidyā.*
The 4th ethical propounded knowledge (*Dandniti*)
आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता, दण्डनीति इन 4 विद्याओं में चौथी दंडनीति विद्या ।

चतुर्दश – *Caturdaśa.*
Fourteen—14 *Gunsthan*, 14 *Purva* etc.
चौदह—चौदह पूर्व, चौदह गुणस्थान इत्यादि ।

चतुर्दश गुणस्थान – *Caturdaśa Guṇasthāna.*
Fourteen *Gunsthan*-stages of spiritual developments.
14 गुणस्थान; मिथ्यात्व, सासादन, मिश्र, अविरत सम्यग्दृष्टि, देशविरत, प्रमत्त, अप्रमत्त, अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण, सूक्ष्म-सांपराय, उपशांत मोह, क्षीणमोह, सयोगकेवली, अयोगकेवली।

चतुर्दश नदी – *Caturdaśa Nadī.*
Fourteen rivers of *Jambudvip* (an island).
जम्बूद्वीप की 14 महानदियाँ; गंगा, सिंधु, रोहित, रोहितास्या, हरित, हरिकांता, सीता, सीतोदा, नारी, नरकांता, सुवर्णकूला, रूप्यकूला, रक्ता, रक्तोदा ।

चतुर्दश परिग्रह – *Caturdaśa Parigraha.*
Fourteen types of internal attachments.
14 प्रकार के अंतरंग परिग्रह—मिथ्यात्व, हास्यादि नव नोकषाय एवं क्रोधादि चार कषाय ।

चतुर्दश पूर्व – *Caturdaśa Pūrva.*
Fourteen *Purvas* - early canons (texts)
उत्पाद पूर्व, अग्रायणीय, वीर्यप्रवाद, अस्तिनास्ति प्रवाद, ज्ञानप्रवाद, सत्यप्रवाद, आत्मप्रवाद, कर्मप्रवाद, प्रत्याख्यान, वीर्यानुवाद, कल्याणवाद, प्राणावाद, क्रियाविशाल, लोकबिन्दुसार ।

चतुर्दश पूर्वधर – *Caturdaśa Pūrvadhara.*
Acharyas possessing knowledge of 14 *Purvas*
14 पूर्व के ज्ञाता 5 मुनि, विष्णु, नन्दिमित्र, अपराजित, गोवर्धन, भद्रबाहु ।

चतुर्दश पूर्वित्व – *Caturdaśa Pūrvitva.*
A type of supernatural power possessed by great saints (Shrut Kevalis).
एक प्रकार की ऋद्धि। द्वादशांग श्रुतज्ञान को धारण करने वाले महर्षि अर्थात् श्रुतकेवली इस ऋद्धि के धारी होते हैं ।

चतुर्दश भूत ग्राम – *Caturdaśa Bhūta Grāma*
Fourteen *Jiva Samas* are called *Chaturdash Bhutgram.*
चौदह जीव समास ही चौदह भूत ग्राम अर्थात् जीवसमूह कहलाते है।

चतुर्दश मनु – *Caturdaśa Manu.*
Fourteen *Kulkars* (ethical founders).
14 कुलकर ।

चतुर्दश महारत्न – *Caturdaśa Mahāratna.*
Fourteen jewels of *Chakravarti* (emperor).
चक्रवर्ती के 14 रत्न ।

चतुर्दश मार्गणा – *Caturdaśa Mārgaṇā.*
Fourteen ways of soul quest
14 मार्गणा; गति, इन्द्रिय, काय, योग, वेद, कषाय, ज्ञान, संयम, दर्शन, लेश्या, भव्यत्व, सम्यक्त्व, संज्ञित्व, आहार ।

चतुर्दश राजू – *Caturdaśa Rājū.*
Fourteen *Raju*, measure of the universe.
14 राजू, लोक का प्रमाण ।

चतुर्दशी क्रिया – *Caturdaśī Kriyā.*
A type of devotional prayer
कृतिकर्म; सिद्ध भक्ति, चैत्यभक्ति, श्रुतभक्ति, पंचगुरुभक्ति, शांतिभक्ति, समाधिभक्तिपूर्वक त्रिकालदेव वंदना करना ।

चतुर्दशी व्रत – *Caturdaśī Vrata.*
A Jaina vow (fasting for specific time).
14 वर्ष तक प्रतिमास की दोनों चतुर्दशियों को 16 प्रहर का उपवास करना ।

चतुर्दिक मुखदर्शन – *Caturdika Mukhadarśana.*
Four sided face—a supernatural bliss of Lord Arihant
अर्हंत भगवान के केवलज्ञान का एक अतिशय, सबकी ओर मुख करके स्थित होना ।

चतुर्द्वीप – *Caturdvīpa.*
India, Seedlya, Balktriya & Sariyana all four countries are togetherly called *'Chaturdvip'*.
भारत की सीमा पर स्थित देश सीदिया, बैक्ट्रिया, सरियाना एवं भारत, चारों मिलकर चतुर्द्वीप कहलाते हैं ।

चतुर्दोष – *Caturdoṣa*
Particular four faults related to food.
संयोजना, अप्रमाण, अङ्गार और धूम आहार के ये 4 दोष होते हैं।

चतुर्थभुक्त – *Caturthabhukta.*
A type of abandonment of food (fasting)
दो उपवास; चार भोजन बेला का त्याग करना ।

चतुर्भावना – *Caturbhāvanā.*
Four types of emotions or sentiments
मैत्री, प्रमोद, कारुण्य, माध्यस्थ भावना ।

चतुर्भुज – *Caturbhuja.*
Quadrilateral, four-armed figure.
चार भुजाओं वाला; समानान्तर भुजाओं से बना हुआ चित्र ।

चतुर्भुज समलम्ब – *Caturbhuja Samalamba.*
Trapezium
चार भुजाओं वाला चित्र जिसमें आमने-सामने की कोई दो भुजाएं समानान्तर होती हैं ।

चतुर्मास – *Caturmāsa.*
Particular four months of rainy season (staying time of Jain-saints at a place with some restrictions)
वर्षाऋतु के 4 मास, वर्षायोग, आषाढ़ सुदी 14 से कार्तिक वदी चतुर्दशी की पिछली रात्रि में (अर्थात् साढ़े तीन मास में) वर्षायोग स्थापन क्रिया की जाती है फिर भी व्यवहार में कार्तिक सुदी 14 तक साधु प्रायः एक स्थान पर ठहरते हैं इसलिए चतुर्मास नाम सार्थक है ।

चतुर्मासिक प्रतिक्रमण – *Caturmāsika Pratikramaṇa.*
A type of penitence which is to be conducted after four months' staying of a Jain saint in rainy season
प्रतिक्रमण का एक भेद; चार-चार माह में किया जाने वाला प्रतिक्रमण।

चतुर्मुख – *Caturmukha*
Having four faces (reg. Lord Arihant in *Samavasharan*), Name of a city in southern *Vijayardh* mountain, Name of the 7th *Narad* (a learned sage)
समवसरण में अर्हन्त भगवान का चारों दिशाओं में मुख दिखाई देना, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, सातवें नारद का नाम ।

चतुर्मुखदेव – *Caturmukhadeva.*
A writer who wrote 'Padupachasi' & 'Harivanshpuran'.
पद्धणवासी एवं हरिवंश पुराण के कर्ता ।

चतुर्मुखमह – *Caturmukhamaha.*
A type of worship (performed by kings).
सर्वतोभद्र पूजा, पूजा का एक भेद जो मुकुटबद्ध राजाओं के

द्वारा की जाती है ।

चतुर्मुख यज्ञ – *Caturmukha Yajña.*
See - *Caturmukhamaha.*
देखें - चतुर्मुखमह ।

चतुर्मुखी – *Caturmukhī.*
A city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

चतुर्विंशति पूजाविधान – *Caturvimśati Pūjāvidhāna*
Name of a text of worship.
चौबीसी पूजा विधान की एक किताब ।

चतुर्विंशति मंडल यंत्र – *Caturvimśati Maṁḍala Yaṁtra.*
A metal-plate engraved with some auspicious and mystic words.
एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट ।

चतुर्विंशतिसंधान काव्य – *Caturvimśatisaṁdhāna Kāvya.*
A book written by *Pandit* Jagannath.
ई. सन् 1647 में पं. जगन्नाथ द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

चतुर्विंशतिस्तव – *Caturvimśatistava.*
Eulogy of 24 *Tirthankars* (Jain Lords).
अंगबाह्य श्रुत के 14 प्रकीर्णकों में एक प्रकीर्णक, तीर्थंकरों के गुणों का कीर्तन करना ।

चतुर्विध उदय – *Caturvidha Udaya.*
Four kinds of fruition
प्रकृति, स्थिति, अनुभाग, प्रदेश रूप उदय ।

चतुर्विध बंध – *Caturvidha Bandha.*
Four types of *Karmic* bondage
4 प्रकार का कर्मबंध; प्रकृति, प्रदेश, अनुभाग, स्थिति बंध ।

चतुर्विध संघ – *Caturvidha Saṁgha.*
Group of *Muni* (saint), *Aryika* (female Jain ascetic) & Devotees (male, female)
मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका इन चारों के समुदाय को चतुर्विध संघ कहते हैं ।

चतुर्विधामर – *Caturvidhāmara.*
Four types of deities.
4 निकाय के देव – भवनवासी, व्यंतर, ज्योतिष्क, वैमानिक ।

चतुश्चारित्रसिद्ध – *Catuścāritrasiddha.*
Those who have got salvation because of four super conducts.
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा 4 चारित्र से सिद्ध होने वाले जीव।

चतुष्टय – *Catuṣṭaya.*
Infinite perception-knowledge-bliss and potence togetherly called *Chatushtay.*
अनंतदर्शन, अनंतज्ञान, अनंतसुख, अनंतवीर्य ये चार अनंतचतुष्टय कहलाते हैं ।

चतुष्टयी वृत्ति – *Catuṣṭayī Vṛtti.*
Four uses of money (acquisition, saving or protection, growth, expenses)
अर्थ की 4 वृत्तियां – अर्जन, रक्षण, वर्धन, व्यय ।

चतुष्पाद – *Catuṣpāda.*
Name of a planet, Quadruped – any animal with four legs
एक ग्रह का नाम, चार पैर वाले जंतुओं को भी चतुष्पाद कहते हैं।

चत्तारिमंगल पाठ – *Chattārimaṁgala Pāṭha.*
A religious lesson in Jainism to be pronounced daily in the reverence of four Jain supreme identities – Arihant, Siddha, Sadhu & Kevali, for the beneficence of the life. The lesson is –
"Chattari Mangalam – Arihant Mangalam Siddha Mangalam, Sahu Mangalam, Kevalipannatto Dhammo Mangalam. Chattari Loguttama – Arihant Loguttama, Siddha Loguttama, Sahu Loguttama, Kevalipannatto Dhammo Loguttama. Chattari Saranam Pavvajjami – Arihant Saranam Pavvajjami, Siddha Saranam Pavvajjami, Sahu Saranam Pavvajjami, Kevalipannatto Dhammo Saranam Pavvajjami."
चत्तारिमंगलं – अरिहंत मंगलं, सिद्ध मंगलं, साहू मंगलं, केवलिपण्णत्तो धम्मो मंगलं। चत्तारि लोगुत्तमा – अरिहंत लोगुत्तमा, सिद्ध लोगुत्तमा, साहु लोगुत्तमा, केवलिपण्णत्तो धम्मो लोगुत्तमा। चत्तारि सरणं पव्वज्जामि – अरिहंत सरणं पव्वज्जामि, सिद्ध सरणं पव्वज्जामि, साहु सरणं पव्वज्जामि, केवलिपण्णत्तो धम्मो सरणं पव्वज्जामि।
अर्थ – लोक में मंगल चार हैं – अरिहंत, सिद्ध, साधु एवं केवली भगवान् द्वारा कहा गया धर्म। लोक में चार ही उत्तम हैं – अरिहंत, सिद्ध, साधु एवं केवली प्रणीत धर्म।
चार की ही मैं शरण लेता हूं – अरिहंत की, सिद्ध की, साधु की और केवली भगवान् द्वारा प्रणीत धर्म की ।
णमोकार मंत्र के साथ नित्य ही जिनमंदिर में यह मंगल पाठ पढ़ने की भी परम्परा है जिससे जीवन मंगलमयी होता है।

चन्द्रकांतशिला – *Candrakāntaśilā.*
The cliffs of moon-stone having melting property.
चन्द्रकांत मणि से निर्मित एक शिला, ये शिलाएं रात्रि में चन्द्रमा की किरणों का स्पर्श पाकर द्रवीभूत होने लगती हैं ।

चन्द्र परिवार – *Candra Parivāra.*
Family of *Indra* 'Chandra' (an astral deity).
ज्योतिषी देवों में चन्द्र नाम का इन्द्र होता है, उसके परिवार में 1 सूर्य, 88 ग्रह, 28 नक्षत्र, 66975 कोड़ाकोड़ी तारे होते हैं।

चन्द्रप्रभ शतपदि – *Candraprabha Śatapadi*
Name of a book written in Kannad language
सन् 1578 में लिखा गया कन्नड़ भाषा में एक ग्रंथ ।

चन्द्रप्रभा – *Candraprabhā.*
Name of a palanquin used for Lord Mahavira, while going for initiation

भगवान महावीर दीक्षावन के लिए इस नाम की पालकी पर बैठकर गये थे

चन्द्रहास – *Candrahāsa.*

Name of a divine sword of Ravan.
एक खड्ग, रावण ने इसे साधनपूर्वक सिद्ध किया था ।

चमत्कार – *Camatkāra.*

Amazement, Astonishment, Splendour, Supernatural events .
विस्मय, आश्चर्य, उत्कर्ष, लोकमूढ़ता; लौकिक चमत्कारों के प्रति आकर्षित होना सम्यग्दर्शन का एक दोष है ।

चमर – *Camara.*

Flywhisk, See - *Camvara.*
देखें-चवर। इस नाम का इन्द्र जो तीर्थंकर के जन्मोत्सव में चमर ढोरता है ।

चमरी – *Camarī.*

A special cow having a tale with beautiful and soft hair
एक विशिष्ट गाय, इसकी पूँछ के बाल सुंदर और कोमल होते हैं। जिनसे चमर बनाये जाते हैं ।

चमरेन्द्र – *Camarendra.*

Name of an *Indra*.
भवनवासी के असुरकुमार जाति के देवों का प्रथम इन्द्र ।

चमू – *Camū*

A division of army
सेना का एक अंग। इसमें 729 रथ, इतने ही घोड़े, 3645 प्यादे और इतने ही घुड़सवार सैनिक होते हैं ।

चमूपति – *Camūpati.*

Commander-in-chief, a live jewel of *Chakravarti* (emperor).
सेनापति, यह चक्रवर्ती का एक सजीव रत्न है ।

चय – *Caya.*

Common difference , Loss or gain, Heap, Platform
दो गणितीय पद के बीच का अंतर, श्रेणी व्यवहार गणित में समान हानि या समान वृद्धि के परिणाम को चय कहते हैं, ढेर, ऊँचा स्थान आदि ।

चयधन – *Cayadhana.*

Sum of common differences.
सर्व स्थानों में जो-जो चय बढ़े उन सब चयों का जोड़ जो प्रमाण हो ।

चय प्रमाण – *Caya Pramāṇa.*

A mathematical result.
सर्वधन में पद के वर्ग का भाग देने पर जो लब्ध आये उसमें संख्यात का भाग देने पर चय का प्रमाण निकलता है ।

चरक – *Caraka.*

A type of low caste (*Mlechchha*) people
म्लेच्छ जाति का उपभेद, ये वन में रहते हैं ।

चर ज्योतिष्क लोक – *Cara Jyotiṣka Loka*

Universe (reg. astral), space for wandering astral deities.
मनुष्य लोक। ढाई द्वीप के ज्योतिष्क देव मेरु से 1121 योजन दूर रहकर उसके चारों ओर घूमते रहते हैं, इसके बाहर के ज्योतिष्क देव गमन नहीं करते ।

चरण – *Caraṇa.*

Ascetic conduct, involving in introspection
चारित्र; अपने में अर्थात् ज्ञानस्वभाव में ही निरंतर रमण करना

चरणसार – *Caraṇasāra.*

A book written by *Acharya* Padmanandi.
चारित्रसार, आचार्य पद्मनंदि (ई.श. 11 उत्तरार्ध) कृत एक ग्रंथ ।

चरणानुयोग – *Caraṇānuyoga.*

An *Anuyog* (a division of particular treatises) dealing with principles of conduct prescribed for the householders as well as saints.
4 अनुयोगों में एक अनुयोग; जिसमें मुख्य रूप से गृहस्थ और मुनियों के व्रत-नियम-संयम का वर्णन किया गया हो ।

चरम – *Carama.*

Ultimate, final, A king of *Hari* descendant
अंतिम, हरिवंश का एक राजा ।

चरमदेह – *Caramadeha.*

Ultimate body, through which one attains salvation in the same birth.
अंतिम शरीर, जिससे मोक्ष हो ।

चरम फालि – *Carama Phāli.*

The last resultant mixing of *Karmic* molecules.
कर्मों की स्थिति घटाकर कर्म परमाणुओं को जो अंतसमय नीचे के निषेकों में मिलाया जाता है ।

चरमफालि पतन काल – *Caramaphāli Patana Kāla.*

Last decaying time (reg. *Karmic* matter).
कर्म के द्रव्य की अंतिम फालि को नीचे के निषेकों में मिलाने का अंतिम समय ।

चरमशरीरी – *Caramaśarīrī.*

Beings to be salvated in the same birth.
मोक्षगामी जीव; उसी भव से मोक्ष जाने वाला ।

चरमांग – *Caramāṅga.*

One having ultimate body and who will get salvation in the same birth.
चरम शरीरी एवं तद्भव मोक्षगामी जीव ।

चरमावली – *Caramāvalī.*

Last or ultimate *Avali* (a time period).
अंतिम आवली ।

चरमोत्तम देह – *Caramottama Deha.*

Ultimate body of beings who will get salvation in the same birth.
अंतिम एवं उत्कृष्ट शरीर अर्थात् मोक्षगामी जीवों की देह ।

चरविमान – *Caravimāna.*
See - *Cara Jyotiṣka Loka.*
देखें - चर ज्योतिष्क लोक ।

चरु – *Caru.*
Naivedya (edible articles), an offering article of worshipping.
पूजा का एक द्रव्य, नैवेद्य ।

चर्चा – *Carcā.*
Discussion, Consideration, The 4th *Patal* (layer) of the 4th hell.
विचार-विमर्श करना, चौथे नरक का चतुर्थ पटल ।

चर्चिका – *Carcikā.*
A time unit
काल का एक प्रमाण, 84 लाख ह्रस्व प्रहेलिका प्रमाण काल, यह संख्यात काल का एक भेद है ।

चर्म – *Carma.*
Skin, leather
त्वचा, चमड़ा ।

चर्मज – *Carmaja.*
Something made of the skins of dear, elephant, lion etc.
मृग, गज, व्याघ्र, चीता आदि के चर्म से बना वस्त्र आदि ।

चर्मण्वती – *Carmaṇvatī.*
A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand.*
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

चर्मनिक्षिप्त – *Carmanikṣipta.*
Edible materials placed in leather pots are non-edible.
अभक्ष्य; चमड़े के बर्तन में रखे हुए घी, तेल आदि खाद्य पदार्थ।

चर्मरत्न – *Carmaratna.*
A jewel of *Chakravarti* (emperor) helps in walking through water without sinking
चक्रवर्ती का एक अचेतन रत्न। जिसे जल पर बिछा देने से थलवत् गमन होता है ।

चर्या – *Caryā.*
Observance, Routine duties.
आचरण, चारित्र ।

चर्या परीषह – *Caryā Pariṣaha.*
Observance affliction, walking penance etc.
कठिन तपस्या के साथ चर्या करना। चलते समय थकान, तीक्ष्ण कांटे आदि की पीड़ा को सहन करना ।

चर्याश्रावक – *Caryāśrāvaka.*
Observance of a householder.
अभ्यासी श्रावक का आचरण; दर्शन प्रतिमा से अनुमति त्याग प्रतिमा तक ।

चल – *Cala.*
Moving, Unsteady, Restless, A fault of right perception (pertaining to passions).
जो कुछ काल तक स्थिर रहकर चलायमान हो जाता है। सम्यग्दर्शन के तीन दोषों में एक दोष, जल कल्लोल की तरह नाना विषयों में चलायमान रहना ।

चलनी – *Calanī.*
A type of listener who grasp meaningless thoughts.
श्रोता का एक भेद; सारभूत तत्त्व को छोड़कर जो निस्सार तत्त्व को ग्रहण करे ।

चलप्रदेश – *Calapradeśa.*
Some of the space points of soul
जीव के 8 मध्यप्रदेशों को छोड़कर बाकी के प्रदेश ।

चलप्रभ – *Calaprabha*
Space vehicle of *Varundeva.*
वरुण देव का यान ।

चलबिम्ब प्रतिष्ठा – *Calabimba Pratiṣṭhā.*
Installation ceremony of small idols
एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा सकने वाली प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा ।

चलशव – *Calaśava*
A title for the saints having wrong conceptions or belief.
मिथ्यादृष्टि साधु की उपाधि ।

चलशील – *Calaśīla.*
Irrelevant or vulgar talks or speeches.
कंदर्प और कौत्कुच्य इन दो प्रकार के वचनों को पुनः पुनः प्रयोग करना चलशीलता है ।

चल संख्या – *Cala Saṁkhyā.*
Variable number, a mathematical term.
एक गणितीय पद, x,y,z तरह की संख्या ।

चलाचल – *Calācala.*
Movables and immovables (reg. all beings).
संसारी जीव के चलित, अचलित, चलिताचलित प्रदेशों में तीसरा भेद ।

चलित – *Calita.*
In moving state, In motion.
स्पंदन, हिलना, विचलित होना या बिगड़ जाना ।

चलितरस – *Calitarasa.*
Non edible liquids, fermented oil etc.
अभक्ष्य; जिन चीजों का स्वाद बिगड़ गया हो ऐसे घी, तेल आदि।

चलितस्कंध – *Calitaskandha.*
Aggregate of movable particles.
पुद्‌गल द्रव्य के द्वय अणु आदि संख्यात, असंख्यात, अनंत परमाणु के स्कंध चलित हैं ।

चलुलित दोष – *Calulita Doṣa.*
A fault pertaining to irregular singing of prayer
वंदना के 32 दोषों में से एक; पाठ को पंचम स्वर में गा गाकर बोलना ।

चल्लितापि – *Callitāpi.*
A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

चांडाल – *Cāṇḍāla.*
The untouchables, a sinful person (used as a rebuke) pertaining to the obstacle in saint-food
अस्पर्श्य शूद्र; चाण्डालादि के दिख जाने पर या उसका शब्द कान में पड़ जाने पर आहार में अन्तराय हो जाता है ।

चाँदखेड़ी (तीर्थ) – *Cāṃdakheṛī (Tīrtha).*
Name of a Digamber Jain *Atishay Kshetra* in Jhalavad Dist. (Raj.) at the bank of river Rupli the miraculous idol of Lord Rishabhdev is installed here
राजस्थान के झालावाड़ जिले में रूपली नदी के तट पर अवस्थित एक दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र। यहाँ पर भगवान ऋषभदेव की चमत्कारिक प्रतिमा विराजमान है

चाँदराय – *Cāṃdarāya.*
A king of *Malwa*
मालवा के राजा (ई. 1428) ।

चाक्षुष – *Cākṣuṣa.*
Visible which can be seen by eyes.
आँखों से दिखने योग्य ।

चाक्षुष स्कन्ध – *Cākṣuṣa Skandha.*
A type of solid aggregates (eg. molecules)
स्थूल स्कन्ध को चाक्षुष कहते हैं ।

चातुर्द्वीपिक भूगोल – *Cāturdvīpika Bhūgola.*
The name of an ancient composition of geography
एक भूगोल जो रामकृष्णदास जी के लेख के अनुसार वैदिक धर्म में मान्य सप्तद्वीपिक भूगोल से अधिक प्राचीन है

चातुर्मास – *Cāturmāsa.*
See - *Caturmāsa*
देखें - चतुर्मास ।

चातुर्मासिक प्रतिक्रमण – *Cāturmāsika Pratikramaṇa.*
See - *Caturmāsika Pratikramaṇa.*
देखें - चतुर्मासिक प्रतिक्रमण ।

चान्द्रीचर्या – *Cāndrīcarya*
Procedure of food taking of a Jain saints without any partiality in devotees.
मुनि की आहारचर्या, चन्द्रमा की चांदनी के समान मुनि आहार के लिए धनिक-निर्धन सभी के घर जाते हैं ।

चाप – *Cāpa.*
Arc
धनुष पृष्ठ ।

चामत्कारिक – *Cāmatkārika.*
Astonishing, Amazing, Surprising.
आश्चर्य या अतिशयकारी ।

चामर – *Cāmara.*
Name of the chief disciple of Lord Padmaprabhu
पद्मप्रभु भगवान के मुख्य गणधर का नाम ।

चामीकर – *Cāmīkara*
Gold (a metal)
स्वर्ण ।

चामीकर यंत्र – *Cāmīkara Yantra.*
A type of syringe; a water pump.
जलक्रीड़ा में काम में आने वाला स्वर्णमय यंत्र (पिचकारी) ।

चामुंड – *Cāmuṇḍa.*
A king of *Rakshasa* dynasty.
राक्षस वंश का एक राजा ।

चामुंडराय – *Cāmuṇḍarāya.*
A prominent person, who got installed a huge idol (57 ft. high) of Lord Bahubali at Shravanbelgola
इसका एक नाम गोम्मट था, आपने श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में भगवान बाहुबली की विशालकाय प्रतिमा स्थापित करवाई थी ।

चामुंडराय पुराण – *Cāmuṇḍarāya Purāṇa.*
A book written by 'Chamundaray'.
ई. 978 में लिखित चामुंडराय की एक कृति ।

चारण क्षेत्र – *Cāraṇa Kṣetra.*
A special place for moving.
घूमने का स्थान ।

चारण – *Cāraṇa.*
A protecting deity of 'Nabhigiri' (mountain).
नाभिगिरी का एक रक्षक देव ।

चारण ऋद्धि – *Cāraṇa Ṛddhi*
A supernatural power of moving in the sky
एक ऋद्धि जिसके प्रभाव से आकाश में गमन किया जा सके।

चारणकूट व गुफा – *Cāraṇakūṭa va Guphā.*
Summit and cave of Yamdeva (deity) in south *Nandan* forest of *Sumeru* (mountain)
सुमेरु पर्वत के नन्दन आदि वनों के दक्षिण में स्थित यमदेव का कूट व गुफा ।

चारणा – *Cāraṇā.*
Name of the chief *Aryika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Shreyansanath.
श्रेयांसनाथ भगवान के समवसरण की मुख्य गणिनी आर्यिका का नाम। दूसरा नाम 'धारणा' भी इंगित है ।

चारित्र – *Cāritra.*
Conduct, Character, Virtue.
देशव्रत या महाव्रतरूप आचरण व्यवहार चारित्र एवं आत्मस्वभाव में रमण करना निश्चय चारित्र है ।

चारित्र औपशमिक – *Cāritra Aupaśamika.*
Conduct causing lack of passions, lusts, desires etc.
चारित्रमोहनीय के उपशम से जो वीतराग भावरूप चारित्र हो ।

चारित्र क्षायिक – *Cāritra Kṣāyika.*
Conduct formed due to destruction of delusions.
चारित्रमोहनीय के नाश से जो चारित्र प्राप्त हो ।

चारित्रपंडित – *Cāritrapaṇḍita.*
Noble and learned person having good conduct.
सामायिक छेदोपस्थापना आदि पाँच प्रकार के चारित्र के धारक मुनि।

चारित्रपाहुड़ – *Cāritrapāhuḍa.*
A book written by *Acharya* Kundkund
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-129) द्वारा रचित एक ग्रंथ

चारित्रबाल – *Cāritrabāla.*
Restraintless or vowless person
अणुव्रत-महाव्रत आदिरूप चारित्र से रहित प्राणी ।

चारित्रभक्ति – *Cāritrabhakti.*
A composition written by Kundkund-Pujyapad *Acharya.*
श्री कुंदकुंद एवं पूज्यपाद आचार्य कृत संस्कृत-प्राकृत की 10 भक्तियों में एक भक्ति ।

चारित्रभूषण – *Cāritrabhūṣaṇa.*
Name of an *Acharya,* spiritual teacher of *Acharya* Vidyanandi.
इनके मुख से ही देवागम स्तोत्र का पाठ सुनकर श्री विद्यानन्दि आचार्य जिन दीक्षित हो गये थे। समय -ई. 750-815 ।

चारित्रमोहनीय कर्म – *Cāritramohanīya Karma.*
Conduct deluding *Karmas.*
चारित्र या आचरण को मोहित करने वाला कर्म; मोहनीय कर्म का एक भेद, जिसके उदय से जीव के असंयम भाव होता है।

चारित्रमोह उपशमक – *Cāritramoha Upaśamaka*
One who subsides the delusion related to conduct.
चारित्र मोह का उपशम करने वाला साधक ।

चारित्रमोह क्षपक – *Cāritramoha Kṣapaka.*
The destroyer of conduct deluding *Karmas.*
चारित्रमोहनीय कर्म को नष्ट करने वाला ।

चारित्र लब्धि – *Cāritra Labdhi.*
Attainment of right conduct.
चारित्र की प्राप्ति ।

चारित्रलब्धिव्रत – *Cāritralabdhi Vrata.*
A type of vow (fasting) to be observed for different 137 days for the attainment of particular 13 kinds of right conduct (*Samyakcharitra*).
यह व्रत 13 प्रकार के चारित्र की लब्धि के लिए किया जाता है। अहिंसा महाव्रत के 14, सत्य के 8, अचौर्य के 8, ब्रह्मचर्य के 20, परिग्रहत्याग के 24, रात्रिभोजन त्याग का 1, ईर्यासमिति का 1, भाषा समिति के 10, एषणासमिति के 46, आदान निक्षेपण, प्रतिष्ठापन समितियों के 1-1, तीनगुप्ति के 3 ऐसे 137 व्रत किये जाते हैं। विशेष विधि, मंत्र एवं पूजा "व्रतविधि एवं पूजा" भाग 2 पुस्तक में देखें ।

जाप्य मंत्र –ॐ ह्रीं सम्यक्चारित्रलब्ध्य त्रयोदशविधचारित्रेभ्यो नमः ।

चारित्रवाद – *Cāritravāda*
Doctrine of actionism (reg. conduct)
एक एकांतवादी मत 'क्रियावाद' का नाम

चारित्रविनय – *Cāritravinaya*
Reverential conduct, Absorption in conduct with knowledge and faith
इंद्रिय और कषायों के प्रणिधान या परिणाम का त्याग करना तथा गुप्ति समिति आदि चारित्र के अंगों का पालन करना ।

चारित्रवृद्ध – *Cāritravṛddha.*
Abundance in character and austerity
चारित्र - तप आदि की अधिकता ।

चारित्रशुद्धि – *Cāritraśuddhi*
Purification of conduct with different vows
अहिंसादि प्रत्येक व्रत की पाँच-पाँच भावनाएं हैं, पाँच व्रतों की पच्चीस भावनाएँ हैं, इनका पालन करना ।

चारित्रशुद्धि व्रत – *Cāritraśuddhi Vrata*
A particular vow related to purification of conduct.
1234 अंगों के उपलक्ष में एक उपवास एक पारणा क्रम से 6 वर्ष, 10 माह, 8 दिन में 1234 उपवास करना ।

चारित्रसार – *Cāritrasāra*
A book written by Chamunderay.
चामुण्डराय (ई.श. 10-11) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

चारित्राचरण – *Cāritrācaraṇa.*
Those who are constantly devoted in right conduct.
पांच महाव्रतों में, तीनों गुप्तियों में तथा पाँचों समितियों में अत्यन्त प्रयत्नयुक्त रहने वाले ।

चारित्राचार – *Cāritrācāra*
Observance of right conduct
5 महाव्रत, 5 समिति, 3 गुप्ति रूप सम्यक् चारित्र का पालन करना।

चारित्राराधना – *Cāritrārādhanā.*
A type of observance of right conduct.
4 आराधनाओं में एक भेद; सम्यक् चारित्र को यथायोग्य रीति से दृढ़तापूर्वक धारण करना ।

चारित्रार्य – *Cāritrārya.*
A type of noble persons, saints believing in right conduct.
चारित्र को पालने वाले मुनि. इनके अभिगत चारित्रार्य तथा अनभिगत चारित्रार्य दो भेद हैं ।

चारु – *Cāru.*
Elegant, Graceful, A king of *Kuru* dynasty.
प्रिय, शानदार, कुरुवंश का एक राजा ।

चारुकीर्ति – *Cārukīrti.*
An *Acharya* of *Nandisangh.*

नंदिसंघ के एक आचार्य का नाम ।

चारुकृष्ण – *Cārukṛṣṇa.*

A king of *Yadu* dynasty
यदु वंश का एक राजा ।

चारुदत्त – *Cārudatta.*

A king of *Yadu* dynasty, Name of the chief disciple of Lord Sambhavanath
यदु वंश का एक राजा, संभवनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम जिन्हें 'चारुषेण' (चारुसेन) भी कहा जाता है ।

चारुदत्त चारित्र – *Cārudatta Cāritra.*

A book written by *Acharya* Somkirti
आचार्य सोमकीर्ति [illegible] (ई. [illegible]) कृत एक [illegible]

चारुपद्म – *Cārupadma.*

A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा ।

चारुपाद – *Cārupāda*

One who is going to be 23rd (predestined) *Tirthankar* (Jaina-lord).
भविष्यत्कालीन 23वें तीर्थंकर देवपाल का जीव ।

चारुरूप – *Cārurūpa.*

See - *Cārupadma.*
देखें - चारुपद्म ।

चारुसेन – *Cārusena.*

The chief disciple of Lord Sambhavanath.
संभवनाथ भगवान के मुख्य गणधर ।

चार्वाक – *Cārvāka.*

Speaking agreeably, The name of a materialistic philosophy.
सर्वजनप्रिय होने की संज्ञा, नास्तिक मत को मानने वाला एकांत दर्शन ।

चालन – *Cālana.*

A divine medicine.
एक दिव्य औषधि; इससे बंधे हुए व्यक्ति को चलाया जा सकता है ।

चालिसिय – *Cālisiya.*

A type of conduct deluding *Karmas.*
चारित्र मोहनीय; 40 कोटाकोटी स्थिति बंध वाले कर्म चालिसिय कहलाते हैं ।

चालुक्य वंश – *Cālukya Vaṁśa.*

Name of a dynasty.
एक वंश का नाम जिसमें अरिकेसरी (ई. 949-974) आदि राजा हुए ।

चिंतवन – *Ciṁtavana.*

Rethinking on a particular subject.
किसी विषय पर बार-बार चिंतन करना ।

चिंता – *Ciṁtā.*

Inductive logic, A kind of sensory knowledge.
अन्तःकरण की वृत्ति का पदार्थों में व्यापार करना, जैसे—जहाँ धुआँ होगा वहाँ अग्नि अवश्य होगी, मतिज्ञान का एक नाम।

चिंतागति – *Ciṁtāgati.*

Son of the king Suryaprabh of *Suryaprabh* city in the north of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी में सूर्यप्रभ नगर के राजा सूर्यप्रभ का पुत्र ।

चिंताजननी – *Ciṁtājananī.*

Name of a jewel *'Kankini'* of *Chakravarti* (emperor) used for lightening.
चक्रवर्ती के 14 रत्नों में 'कांकिणी' अजीव रत्न, इससे अंधकार दूर किया जाता है ।

चिंतानिरोध – *Ciṁtānirodha*

Concentration, Meditation.
एकाग्रता; चित्त की वृत्ति को एक ही विषय में लगाना चिंतानिरोध अर्थात् ध्यान है ।

चिंतामणि – *Ciṁtāmaṇi.*

Wish-fulfilling gem, Name of an *Acharya.*
चिंतित वस्तु को प्रदान करने वाला एक रत्न। मूलसंघ के विभाजन के बाद वादिराज सघनतप्त की शाखा में हुए एक आचार्य ।

चिंतामणि यंत्र – *Ciṁtāmaṇi Yaṁtra.*

A metallic plate engraved with some auspicious and mystic words.
मंत्र लिखित एक धातु की प्लेट ।

चिंतारक्ष – *Ciṁtārakṣa.*

Father's name of Lord Shantinath (reg. past birth).
शांतिनाथ भगवान के पूर्व भव के पिता का नाम ।

चितिशक्ति – *Citiśakti.*

Power of consciousness.
अजड़त्व अर्थात चेतनत्व स्वरूप चितिशक्ति है ।

चित्कर्म – *Citkarma.*

Activities causing accumulation of *Punya* (meritorious *Karmas*).
जिससे पुण्यकर्म का संचय हो वह चित्कर्म है ।

चित्त – *Citta.*

Consciousness of the soul.
आत्मा के चैतन्यविशेषरूप परिणाम को चित्त कहते हैं ।

चित्तनिरोध – *Cittanirodha.*

Concentration, Meditation
देखें - चिंतानिरोध ।

चित्तप्रसाद – *Cittaprasāda.*

Auspicious observances.
शुभोपयोग : दान, पूजा, व्रत, शील आदि शुभ राग तथा चित्तप्रसाद रूप परिणाम शुभ हैं ।

चित्तविकार – *Cittavikāra.*

Agitation of mind.
भाव अर्थात् चित्त में विकार उत्पन्न होना ।

चित्तवृत्ति – *Cittavṛtti.*

State of mind, trend of thought, Inclination.

मनःस्थिति ।

चित्तरक्ष – *Cittaraksa.*

Father's name of Lord Dharmanath (of past birth).
धर्मनाथ भगवान के पूर्व भव के पिता का नाम ।

चित्तेन्द्रिय निरोध – *Cittendriya Nirodha.*

A basic restraint of saints (controlling of senses).
मुनियों का एक मूलगुण : 5 इंद्रियों तथा मन को वश में रखना।

चित्प्रकाश – *Citprakāśa*

Spiritual consciousness.
स्वसंवेदन, अन्तर्मुखचित्प्रकाश दर्शन है एवं बहिर्मुख चित्प्रकाश ज्ञान है ।

चित्र – *Citra.*

A picture, A painting, Sketch, Name of a Jain temple in *Nandan* forest of *Meru* mountain and an another mountain
चित्तशक्ति या अनुभव का नाम चित्त है, वह चित्त ही जिसका प्राण या रक्षण है, उसे चित्र कहते हैं मेरु के नंदनवन में एक जिनमंदिर का नाम, सीता नदी के पूर्व तट का पर्वत ।

चित्रक – *Citraka.*

A painter, an artist, Name of the summit situated in the forest of *Sumeru*, Name of an *Ayurvedic* medicine
चित्रकार, सुमेरु के वनों में स्थित कूट का नाम, एक आयुर्वेदिक औषधि ।

चित्रकर्म – *Citrakarma.*

Paintings or Statues of deities, human or hellish beings in dancing mood.
पट, भित्ति, काष्ठ आदि का तख्ता आदि पर नाचने आदि क्रिया में प्रवृत्त देव, नारकी, तिर्यंच एवं मनुष्यों की प्रतिमाओं को चित्रकर्म कहते हैं ।

चित्रकारपुर – *Citrakārapura.*

A city of *Bharat Kshetra* (region).
भरतक्षेत्र का एक नगर ।

चित्रकूट – *Citrakūṭa.*

Name of a city, A city in the south of *Vijayardh* mountain.
एक शहर का नाम, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

चित्रगुप्त – *Citragupta.*

Name of the 17th predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord).
भावी सत्रहवें तीर्थंकर का नाम ।

चित्रगृह – *Citragṛha.*

A special part of the residence of some deities.
भवनवासी देवों के भवनों में एक गृह ।

चित्रप्रभा – *Citraprabhā.*

A *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग का एक पटल ।

चित्रभवन – *Citrabhavana.*

Name of the residence and the cave Kuber in *Nandanvan* (a forest) of '*Sumeru*' mountain.
सुमेरु पर्वत के नंदन आदि वनों में स्थित कुबेर का भवन व गुफा।

चित्रमती – *Citramati.*

Mother's name of the 8th *Chakravarti* (emperor) 'Subhaum'
8वें चक्रवर्ती 'सुभौम' की माता का नाम ।

चित्ररथ – *Citraratha*

A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा ।

चित्रलाचरण – *Citralācaraṇa*

Variegated (unstable) conduct (having different types of nature).
मन को जो प्रमादस्वरूप करे वह चित्तल एवं ऐसे चित्तल आचरण वाला चित्रलाचरण होता है ।

चित्रवती – *Citravatī.*

A river of the east *Arya Khand* (region)
पूर्व आर्यखण्ड की एक नदी ।

चित्रवसु – *Citravasu*

A king of *Hari* dynasty.
हरिवंश का एक राजा ।

[illegible] – *[illegible]*

Name of the 10th *Chakravarti* (emperor) of future time.
भावी शलाका पुरुष, 10वें चक्रवर्ती का नाम ।

चित्रविचित्र – *Citravicitra.*

Variegated, A king of *Kuru* dynasty.
रंग-बिरंगा, कुरुवंश का एक राजा ।

चित्रांगदा – *Citramgadā.*

Name of the chief disciple of Arjun.
अर्जुन का प्रधान शिष्य ।

चित्रा – *Citrā.*

Name of a lunar, A female deity of *Ruchak* mountain
एक नक्षत्र; पद्मप्रभु भगवान के गर्भ नक्षत्र का नाम, रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी देवी ।

चित्रा पृथिवी – *Citrā Pṛthvī.*

Name of an earth of middle universe with 1000 *Yojanas*
मध्यलोक की 1000 योजन मोटी पृथिवी का नाम, यह चित्र विचित्र अनेक धातुओं, मणियों से युक्त होती है ।

चित्सुखाचार्य – *Citsukhācārya.*

Name of a promoter of *Vedant* literature.
वेदांत साहित्य प्रवर्तक (ई. 1250) जिन्होंने 'चित्सुखी' नामक ग्रंथ रचा ।

चित्सुखी – *Citsukhī.*

Name of a *Vedant* treatise written by Chitsukhacharya.
वेदांत साहित्य प्रवर्तक चित्सुखाचार्य (ई.1250) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

चिदम्बर – *Cidambara*
An addressing word for one at the supreme spiritual state
चेतना ही है अम्बर अर्थात् वस्त्र जिनका, ऐसी अर्हन्त सिद्ध आत्मा को चिदम्बर शब्द से सम्बोधित किया है ।

चिदानन्द – *Cidānanda*
Supernatural enjoyment, bliss
आत्म अनुभव या आत्मा का आनंद ।

चिद्रूप – *Cidrūpa*
Consciousness of soul
चेतन आत्मा का स्वरूप ।

चिद्विलास – *Cidvilāsa.*
Delight in thought, the illusory nature of the world, A book written by *Pandit* Deepchand
संसार का मायावी स्वभाव, पं. दीपचन्द जी शाह (ई. 1722) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

चिन्मय – *Cinmaya.*
Consciousness of soul
आत्मा का चैतन्य स्वरूप ।

चिरकाल स्थायी – *Cirakāla Sthāyī.*
Steady for infinite time.
अनन्तकाल तक स्थायी रहने वाली जैसे, स्वभाव द्रव्य व्यंजन पर्याय ।

चिलात – *Cilāta*
A country of middle *Mlechchhakhand* (region) in the north *Bharat Kshetra* (region).
उत्तर भरतक्षेत्र के मध्यम्लेच्छखण्ड का एक देश ।

चिलातपुत्र – *Cilātaputra.*
Name of an *Anuttaropapadak* in the era of Lord Mahavira
भगवान् वीर के तीर्थ के एक अनुत्तरोपपादक साधु ।

चिन्ह – *Cinha.*
Emblem, Sign, Symbol
निशान, संकेत, छाप, प्रतीक ।

चुगलखोर – *Cugalakhora.*
One who deals in slander, A sycophant, A back-biter
दूसरे की शिकायत या चुगली करने वाला ।

चुलुलित – *Cululita.*
An infraction of meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार ।

चूड़ादेवी – *Cūḍādevī.*
Mother's name of the 12th *Chakravarti* (emperor) 'Brahmadatta'.
12वें चक्रवर्ती ब्रह्मदत्त की माता का नाम। अपरनाम-चूला ।

चूड़ामणि – *Cūḍāmaṇi.*
A commentary book written by Tumbulacharya, Crest jewel, A city in the north of *Vijayardh* mountain
तुम्बुलाचार्य द्वारा रचित कषाय-प्राभृत तथा षट्खण्डागम के आद्य 5 खण्डों पर कन्नड़ भाषा में 84000 श्लोक प्रमाण एक टीका, सिर का आभूषण, भरत चक्रवर्ती का चिंतामणि रत्न, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

चूर्णसूत्र – *Cūrṇasūtra.*
Epithet, Aphorism, a short remark which contains a great meaning.
अल्प शब्दों में महान अर्थ का सारगर्भी विवेचन करने वाले पद चूर्णि सूत्र कहलाते हैं ।

चूर्णसूत्रवृत्ति – *Cūrṇasūtravṛtti.*
A book written by Uchcharanacharya.
उच्चारणाचार्य द्वारा यतिवृषभाचार्य (ई. 150-180) कृत कषाय प्राभृत के चूर्ण सूत्रों पर लिखित एक किताब ।

चूर्णि – *Cūrṇi*
See - *Cūrṇasūtra.*
देखें - चूर्णसूत्र ।

चूर्णिका – *Cūrṇikā.*
Pounded rice or grain.
भेद का एक प्रकार; उड़द, मूंग आदि का जो खंड किया जाता है, वह चूर्णिका है ।

चूलगिरि (तीर्थ) - *Cūlagiri (Tīrtha).*
Name of a Jaina place of pilgrimage in Barwani (M.P.), the salvation place of a lot of *Munis* (saints) including Indrajeet, Kumbhkarna etc It's another name is Bavangaja.
मध्यप्रदेश में बड़वानी नगर में स्थित एक सिद्ध क्षेत्र जहाँ से इन्द्रजीत, कुम्भकर्ण आदि अनेक मुनि मोक्ष गये हैं ।

चूलिका – *Cūlikā*
Peak, Summit, A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
पर्वत की चोटी, श्रुतज्ञान; दृष्टिप्रवाद अंग का 5वाँ भेद ।

चूलितांग – *Cūlitāṅga.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख प्रयुत प्रमाण काल ।

चूलित – *Cūlita.*
A time unit.
84 लाख चूलितांग प्रमाण काल ।

चूली – *Cūlī.*
A fire place (used for cooking food).
पूतिकर्म का एक भेद, पंचसून आरंभ में एक; चूल्हा ।

चेटक – *Ceṭaka.*
A king of Vaishali who was maternal grand father of Lord-Mahavira, A male servant.
वैशाली नगरी के राजा व भगवान महावीर के नाना, सेवक, दास।

चेटी – *Ceṭī.*
A female maid servant.
दासी, सेविका ।

चेतन – *Cetana.*
Sentient being. Rational, Psychical, Conscious.
अनुभवरूप भाव का नाम चेतन है अथवा जानने वाला आत्मा, जीव ।

चेतनपुद्गल धमाल – *Cetanapudgala Dhamāla.*
A book written by Buchiraj in 1532.
बूचिराज द्वारा ई. सन् 1532 में रचित एक ग्रंथ ।

चेतना – *Cetanā.*
Consciousness, Vigour, Vitality.
जिस शक्ति के सान्निध्य से आत्मा ज्ञाता-दृष्टा अथवा कर्ता-भोक्ता है ।

चेदि – *Cedi.*
An area of 'Malwa' near to 'Chanderi', A country of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region), A city situated at *Vindhyachal.*
मालवा प्रांत की चन्देरी नगरी के समीपवर्ती एक प्रदेश, भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश, विन्ध्याचल पर्वत पर स्थित एक नगर ।

चेर – *Cera.*
A country in middle *Arya Khand* (region). Past name of Kerala state.
मध्य आर्यखण्ड का एक देश, केरल का प्राचीन नाम ।

चेलना – *Celanā.*
Queen of the king Shrenik (Bimbsar) of Magadh.
मगध के राजा श्रेणिक (बिम्बसार) की पटरानी; पति को बौद्धमती से जैनी बनाया था ।

चेला-चेली – *Celā-Celī.*
A type of possession; male and female servants.
10 प्रकार के परिग्रह में एक भेद, दास-दासी ।

चेष्टा – *Ceṣṭā.*
Endeavour, Gesture, Activity.
किसी वस्तु के लेने व छोड़ने के लिए सक्रिय होना, प्रयत्न या प्रयास करना ।

चैतन्य – *Caitanya.*
Conscious soul, Rationality, perception.
चित् स्वरूप आत्मा, जीव, ज्ञान, संवेदन ।

चैतन्यप्राणरक्षा – *Caitanya Prāṇa Rakṣā.*
Absolute non-violence; protection of consciousness with the lack of passionate thoughts.
निश्चय अहिंसा; रागादि का अभाव क्योंकि यह शुद्ध चैतन्य प्राण की रक्षा का कारण है ।

चैतन्यानुविधायी – *Caitanyānuvidhāyī.*
Result related with only consciousness.
उपयोग; चैतन्य अन्वयी अर्थात् चैतन्य को छोड़कर अन्यत्र नहीं रहता वह परिणाम ।

चैत्य – *Caitya.*
The idol of Jaina-Lord.
भगवान की प्रतिमा ।

चैत्यगृह – *Caityagṛha.*
A temple.
जिनालय ।

चैत्यचैत्यालय – *Caityacaityālaya.*
A Jain temple, where idols of Jaina Lord are consecrated for worshipping.
जिन प्रतिमा व उनका स्थान अर्थात् मंदिर 'चैत्य' व 'चैत्यालय' कहलाते हैं ।

चैत्यद्रुम – *Caityadruma.*
A type of divinely trees having idols of Lord Arihant in *Samavasaran.*
चैत्यवृक्ष, जो समवसरण एवं देवों के भवन के अकृत्रिम मंदिरों में होते हैं, इनके मूलभाग में जिनप्रतिमाएं विराजमान रहती हैं ।

चैत्यप्रासाद भूमि – *Caityaprāsāda Bhūmi.*
The first land of *Samavasharan* (the holy assembly of Lord Arihant).
समवशरण की प्रथम भूमि ।

चैत्यभक्ति – *Caityabhakti.*
Act of adoration. Name of a composition (prayer).
सिद्ध-अरहंत प्रतिमाओं के प्रति श्रद्धान एवं गुणानुराग, पूज्यपाद एवं कुंदकुंद आचार्य कृत प्राकृत की 10 भक्तियों में से एक भक्ति ।

चैत्यभूमि – *Caityabhūmi.*
The land for temple (related to eternal Jain idols).
भवनवासी आदि सभी देवों के जिनमंदिरों में चैत्यभूमि होती है जो अकृत्रिम जिन प्रतिमा से युक्त होती है ।

चैत्यवन्दना – *Caitya Vandanā.*
Reverential visits of temples with self-involvement.
आत्माधीन होकर जिनबिम्ब आदिकों की वंदना करना ।

चैत्यवासी – *Caityavāsī.*
A particular stream of *Shvetambar* saints.
श्वेताम्बर साधु परम्परा के एक गच्छ का नाम ।

चैत्यवृक्ष – *Caityavṛkṣa.*
Super auspicious tree-temple with having super articles including Idols of Lord Jin.
तीन छत्र, घंटा, अष्ट मंगल द्रव्य और चारों दिशाओं में जिन प्रतिमाओं से युक्त वृक्ष, इन्द्रादि इनकी पूजा करते हैं ।

चैत्यालय – *Caityālaya.*
A type of temple without having *Kalash* at the top of dome.
ऐसा मंदिर जिसके शिखर पर कलश न हो ।

चैत्र – *Caitra.*
Name of a Hindi month.
हिन्दी माह का नाम ।

चैत्रोद्यान – *Caitrodyāna.*
Name of a forest, Initiation place of Lord Naminath.
चैत्रवन; नमिनाथ भगवान के दीक्षा वन का नाम ।

चोरकथा – *Corakathā.*

A theft-*gossip*, stories of deception or stealing.
एक विकथा; चोरों की चौरकर्म संबंधी कथन ।

चोरी – *Corī.*

Theft, Robbery, Stealth, Concealment
रखे हुए, गिरे हुए, भूले हुए अथवा धरोहर रखे हुए परद्रव्य का हरना ।

चौंसठ ऋद्धिव्रत – *Cauṁsaṭha Ṛddhivrata.*

A type of vow (fasting) to be observed for different 64 days related to 64 supernatural powers of great saints.
महामुनियों के चौंसठ ऋद्धियों की अपेक्षा 64 व्रत किये जाते हैं। इनके मंत्र, पूजा एवं विधि को 'व्रतविधि एवं पूजा' भाग 2 पुस्तक में देखना चाहिए ।
समुच्चय मंत्र – ॐ ह्रीं चतुःषष्टिऋद्धिभ्यो नमः ।

चौइन्द्रिय – *Cauindriya.*

Four sensed beings (e.g. tasting, touching, smelling, seeing).
स्पर्श, रसना, घ्राण, चक्षु इन्द्रिय वाले जीव चौइन्द्रिय कहलाते हैं। कर्णेन्द्रिय, मन को छोड़कर इनके 8 प्राण होते हैं ।

चौका विधान – *Caukā Vidhāna.*

Procedure for purification pertaining to saint-food
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव की शुद्धि, मन शुद्धि, वचन शुद्धि, काय शुद्धि, आहार शुद्धि ।

चौबीसी पूजा – *Caubīsī Pūjā.*

Name of a book containing worshipping hymns of all 24 *Tīrthaṅkaras* (Jaina-Lords) etc.
एक ग्रंथ (किताब) जिसमें चौबीसों भगवान की पूजा आदि उल्लेखित हैं ।

चौरार्थादान – *Caurārthādāna.*

Acceptance of stolen materials.
अचौर्याणुव्रत का एक अतिचार; चोरी का लाया हुआ माल लेना।

चौरासी लाख योनि – *Caurāsī Lākha Yoni.*

84 lacs state of birth cycle of beings.
9 प्रकार गुण योनि के विशेष भेद: पृथ्वी, जल, अग्नि, वायुकाय, नित्य-इतर निगोद में प्रत्येक की 7-7 लाख योनि, प्रत्येक वनस्पति की 10 लाख, दो इन्द्रिय से चतुरिन्द्रिय तक प्रत्येक की 2-2 लाख, पंचेन्द्रिय तिर्यंच-देव-नारकी की 4-4 लाख, मनुष्य की 14 लाख कुल मिलाकर 84 लाख योनियाँ होती हैं ।

चौर्य व्यसन – *Caurya Vyasana.*

To be habitual in theft
चोरी करने की बुरी आदत ।

चौर्यानंद – *Cauryānanda.*

To feel pleasure in stealing activities
रौद्रध्यान का एक भेद; चोरी करने, कराने व उसकी अनुमति देने में आनन्द मानना ।

चौल क्रिया – *Caul Kriyā.*

An auspicious act of mundane life, shaving of the head.
गर्भान्वय क्रिया का एक संस्कार; मुंडन कर्म ।

च्यवन – *Cyavana.*

To be fallen or deviated
च्युत होना ।

च्यवन कल्प – *Cyavana Kalpa.*

Avoiding infractions in right perception, knowledge and conduct
दर्शन ज्ञान चारित्र के अतिचारों का टालना च्यवन कल्प कहा जाता है ।

च्यावित शरीर – *Cyāvita Śarīra.*

Cast off body.
कदलीघात के द्वारा आयु के छिन्न हो जाने से छूटे हुए शरीर को च्यावित शरीर कहते हैं ।

च्युत शरीर – *Cyuta Śarīra.*

Expired body.
कदलीघात मरण के बिना कर्म के उदय से झड़ने वाले आयुकर्म के क्षय से अपने आप पतित शरीर ।

च्युति – *Cyuti.*

A falling, Perishing, Transmigration of deities.
विमानवासी देवों की गति उत्तम है, इसलिए उनके मरण के लिए च्युत शब्द का प्रयोग किया है ।

छ

छ – *Cha.*

The seventh consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का सप्तम व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान तालु है ।

छंदन – *Chandana.*

Observance according to the will of spiritual teacher-*'Acharya'*

ग्रहण किये हुए पुस्तक आदि उपकरणों में, विनय के काल में, वन्दन-सूत्र के अर्थ को पूछना इत्यादिक में आचार्य आदि की इच्छा के अनुकूल वर्तना ।

छंदबद्ध चिट्ठी – *Chamdabaddha Citthi.*

A letter written by *Pandit* Jaichand Chhabra

पं. जयचंद छाबड़ा (ई. 1833) द्वारा लिखित अध्यात्म रहस्यपूर्ण एक पत्र ।

छंदशतक – *Chamdaśataka.*

A book written by a poet Vrindavan.

कवि वृन्दावन द्वारा रचित (ई. 1800-1848) भाषा पद संग्रह।

छंदशास्त्र – *Chamdaśastra.*

Prosody–the science of versification, many books written by *Jainacharyas.*

छन्दोनुशासन, व्याख्यालंकार, पिंगल आदि अनेक आचार्यों एवं पंडितों द्वारा रचित ग्रंथ ।

छंदानुशासन – *Chamdānuśāsana.*

Name of a book (reg. prosody).

छन्द शिक्षा विषयक एक ग्रंथ का नाम ।

छंदोबिंदु – *Chamdobimdu.*

A prosody written by Nagvarm

नागवर्म (ई. सन् 990) द्वारा रचित एक छन्दशास्त्र ।

छक्कमुवएस – *Chakkamuvaesa.*

Name of a treatise pertaining to mundane activities.

गृहस्थ षट्कर्म विषयक एक ग्रंथ ।

छठा अणुव्रत – *Chatha Aṇuvrata.*

Sixth model stage;to renounce night meal.

रात्रि भोजन का त्याग करना, जैन साधुओं के 5 महाव्रतों के साथ-साथ यह छठा अणुव्रत माना गया है। इसका पालन करते हुए वे मन-वचन-काय से रात्रि भोजन की अनुमोदना भी नहीं करते ।

छत्र – *Chatra.*

Parasol made with precious metal to be hung above the Jaina-Lord (an auspicious emblem of Lord Arihant). A jewel of *Chakravarti* (emperor)

भगवान् के आठ प्रातिहार्यों में एवं चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक ।

छत्रचूड़ामणि – *Chatracūḍāmaṇi.*

A story on Jeevandhar Swami written by Vadibhsingh Odayadev.

वादीभसिंह ओडयदेव (ई. 770-860) कृत जीवन्धर स्वामी का चरित ।

छत्रत्रय – *Chatratraya.*

Triple parasol, an auspicious emblem of Lord Arihant

[illegible] ये तीनों लोकों के स्वामित्व को सूचित करते हैं ।

छत्रपति – *Chatrapati*

A poet who wrote many books like Dvadashanupreksha, Udyamprakash etc

अवागढ़ (मथुरा) के एक कवि (वि.1916 पौष शुक्ल 1) जिन्होंने द्वादशानुप्रेक्षा, उद्यमप्रकाश आदि रचनाएं कीं ।

छत्रपुर – *Chatrapura.*

Name of a place of the past birth of Lord Mahavira

भगवान महावीर के पूर्व भव की नगरी का नाम ।

छत्रसेन – *Chatrasena*

Name of a *Bhattarak* of *Sen* group and an another *Acharya.*

सेन संघ के एक भट्टारक एवं अन्य आचार्य का नाम ।

छद्म – *Chadma*

Disguise, Hypocrisy, Deception

ज्ञानावरण व दर्शनावरण को छद्म कहते हैं, धोखा, ठग, वेष बदलते हुए ।

छद्मस्थ – *Chadmastha.*

Beings with hypocrisy or disguised form (upto 12th stage of spiritual development)

छद्म अर्थात् ज्ञानावरण व दर्शनावरण में रहने वाले जीव, शुद्धात्म ज्ञान की अपेक्षा अल्पज्ञ जीव, 12वें गुणस्थान तक जीव छद्मस्थ होते हैं ।

छद्मस्थ वीतराग – *Chadmastha Vitarāga.*

Detached, non-omniscient saint at the 11th-12th stage of spiritual development

ग्यारहवें-बारहवें गुणस्थान वाले मुनि छद्मस्थ वीतराग कहलाते हैं।

छन्ना – *Channā.*

Filter cloth (a piece of cloth used for filtering the water)

जल गालन अर्थात् पानी को छानने का कपड़ा ।

छब्बीस – *Chabbīsa.*

Twenty six.

26; छब्बीस प्रकृतिसत्त्व आदि ।

छयालीस – *Chayālīsa.*

Forty six (a number).

46; अर्हंत भगवान के छयालीस गुण इत्यादि ।

छर्दि – *Chardi.*

Vomiting, an obstacle of saint-food

साधु संबंधी अंतराय का एक भेद; वमन हो जाना ।

छल – *Chala.*
Deception, Illusion, Fraud.
वादी के वचन से दूसरा अर्थ कल्पनाकर उसके वचन में दोष देना, मायाचारी, धोखा करना ।

छलना – *Chalanā.*
To deceive, To cheat, To dodge.
छल करना ।

छलनी – *Chalanī.*
A sieve, a strainer
चलनी ।

छह – *Chaha.*
Six (essential activities of householders).
6; श्रावक के दान, पूजा, गुरुपास्ति, स्वाध्याय, संयम, तप छह आवश्यक कर्म आदि ।

छहढाला – *Chahaḍhālā.*
A book written by *Pandit* Daulatram - II.
पं. दौलतराम - II (ई. सन् 1798-1866) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

छहारदशमी व्रत – *Chahāradaśamī Vrata.*
A famous vow in *Shvetambar* sect.
श्वेताम्बर आम्नाय में प्रचलित एक व्रत ।

छाग – *Chāga.*
A billy-goat, significant symbol of Lord Kunthunath.
बकरा; कुन्थुनाथ भगवान का चिन्ह ।

छाया – *Chāyā.*
Shadow, Image.
प्रकाश के आवरणभूत शरीर आदि का प्रतिबिम्ब ।

छायारहित्य – *Chāyārāhitya.*
Shadowlessness; an excellence of Lord Arihant.
अर्हंत भगवान के जन्म का एक अतिशय; छाया से रहित होना।

छायावत् – *Chāyāvat.*
Liberated soul, like reflected image.
मुक्तजीव; छाया के प्रतिबिम्ब के समान पुरुष के आकार को धारण करने वाला ।

छाया-व्याख्या टीका – *Chāyā Vyākhyā Ṭīkā.*
A book written by Nagoji Bhatta.
योगदर्शन साहित्य प्रवर्तक नागोजी भट्ट (ई.श. 17) कृत एक रचना ।

छाया-संक्रामिणी – *Chāyā Saṁkrāminī.*
A type of super knowledge.
एक प्रकार की विद्या; भगवान ऋषभदेव की भक्ति द्वारा नमि-विनमि को प्राप्त विद्या ।

छिद्र (घटाछिद्र) – *Chidra (Ghaṭāchidra).*
Hole, opening, A type of listener, totally unable to understand any preaching.
छेद, श्रोता का एक भेद-जिनके हृदय में कुछ भी उपदेश नहीं रहते ।

छिन्नगति – *Chinnagati.*
A type of motion (reg. pervaded sound wave).
गति का एक भेद; मृदंग भेरी शंखादि के शब्द जो दूर तक आते हैं, वे पुद्गलों की छिन्नगति हैं ।

छिन्न निमित्त ज्ञान – *Chinna Nimitta Jñāna.*
A type of symbolic knowledge.
देव, दानव, राक्षस, मनुष्य और तिर्यंच के द्वारा छेदे गये शस्त्र एवं वस्त्रादिक तथा प्रासाद, नगर और देशादिक चिन्हों को देखकर त्रिकालभावी शुभ, अशुभ मरण, विविध प्रकार के द्रव्य और सुख-दुख को जानना ।

छींक – *Chīṁka.*
Sneeze (controlling sneezing is a physical mortification).
अयन आदि कायक्लेश का एक भेद; छींक, जंभाई आदि को रोकना ।

छूआछूत – *Chūāchuta.*
Untouchability.
सूतक, पातक एवं शूद्रादि का विचार ।

छेद – *Cheda.*
An infraction of vow of non-violence (piercing the organs of animals), *Karmic* destruction, Hole, Opening .
अहिंसाणुव्रत का एक अतिचार; पशुओं के कान, नाक आदि अवयवों का भेदना, कर्मों का क्षय, सुराख ।

छेदगणित – *Chedagaṇita.*
Logarithm
लघुगणक ।

छेदना – *Chedanā.*
To bore, To pierce, To cut off.
पृथक् करने वाली क्रिया ।

छेदपिंड – *Chedapiṁḍa.*
A book written by Indranandi ji.
इन्द्रनन्दि (श. 10-11) द्वारा कृत एक प्रायश्चित विषयक ग्रंथ ।

छेदप्रायश्चित्त – *Chedaprāyaścitta.*
A type of repentance.
प्रायश्चित्त का एक भेद; दिवस, पक्ष, महीना आदि की प्रव्रज्या का छेद करना ।

छेदविधि – *Chedavidhi.*
A method of repentance for maintaining restraints.
प्रमाद द्वारा हुए अनर्थ को दूर करने के लिए प्रायश्चित विधि से छेदन करके संयम रूप धर्म में स्थापना करना ।

छेदोपस्थापक – *Chedopasthāpaka.*
Jain saints observing 28 *Moolguns* (basic virtues).
छेदोपस्थापना अर्थात् 28 भेदरूप मूलगुण उन भेदरूप मूलगुणों का पालन करने वाले मुनि छेदोपस्थापक कहे जाते हैं ।

छेदोपस्थापना – *Chedopasthāpanā.*
See - *Chedavidhi*
देखें - छेदविधि ।

छोटेलाल जैन – *Choṭelāla Jaina.*
Father's name of *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji; a special personality (year 1906-1969) of Agrawal Jain caste resident of Tikaitnagar, U.P., got married with Mohinidevi of Mahmoodabad, U.P. and became father of 9 daughters & 4 sons. Among them 3 daughters Ku. Maina, Ku. Manovati, Ku. Madhuri & 1 son Ravindrakumar turned to the path of salvation and became the first celibate & supreme *Aryika Ganini Pramukh* Shri Gyanmati Mataji of 20th century, *Aryika* Shri Abhaymati Mataji, *Aryika* Shri Chandanamati Mataji & *Karmayogi Bramhchari* Shri Ravindra kumar Jain respectively. Ultimately his wife also turned to the path of salvation as *Aryika* Shri Ratnamati Mataji and got great holy death with sallekhana.
एक विशेष व्यक्तित्व–जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के गृहस्थ अवस्था के पिता। पूर्वी उ.प्र. में जिला बाराबंकी के टिकैतनगर कस्बे में अग्रवाल जैन जातीय गोयल गोत्रीय श्रेष्ठी श्री धन्यकुमार जी के तीन पुत्रों में द्वितीय पुत्र (ई. सन् 1906-1969)। सन् 1932 में इनका विवाह महमूदाबाद-जिला सीतापुर (उ.प्र.) के श्रेष्ठी श्री सुखपालदास जैन की कन्या मोहिनीदेवी के साथ हुआ और सन् 1934 में आपके दांपत्य जीवन के प्रथम पुष्प के रूप में एक कन्यारत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम पड़ा मैना, जो वर्तमान में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के रूप में बीसवीं शताब्दी की प्रथम बालब्रह्मचारिणी साध्वी (आर्यिका) हुई हैं। इनके कुल 9 पुत्रियाँ और 4 पुत्र हुए जिनमें से तीन कन्यारत्न कु. मैना (गणिनी ज्ञानमती), कु. मनोवती (आर्यिका अभयमती), कु. माधुरी (आर्यिका चंदनामती) एवं एक पुत्र कर्मयोगी ब्र. रवीन्द्र कुमार जैन त्याग के मार्ग पर अग्रसर हुए। आपने 25 दिसम्बर 1969 को जैनधर्म की सल्लेखना विधिपूर्वक समाधिमरण प्राप्त किया। इसके पश्चात् आपकी धर्मपत्नी मोहिनीदेवी ने सन् 1971 में आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज से आर्यिका दीक्षा लेकर 'रत्नमती' नाम प्राप्त किया ।

ज

ज – *Ja.*
The eighth consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी वर्णमाला का आठवाँ व्यंजन। इसका उच्चारण-स्थान तालु है ।

जंगम-प्रतिमा – *Jaṁgama-Pratimā.*
Body of *Digambar* Jain saint which is symbolic form of Lord-Arihant
[illegible] वीतराग निर्ग्रन्थ साधु की देह उसकी आत्मा में घर होने के कारण जिनमार्ग में जंगम प्रतिमा कही जाती है अथवा ऐसे साधुओं के लिए अपनी और अन्य जीवों की देह जंगम प्रतिमा है, समवसरण मण्डित अर्हंत भगवान भी जंगम जिनप्रतिमा हैं ।

जंघा चारण ऋद्धि – *Jaṁghā Cāraṇa Ṛddhi.*
A type of supernatural power of violenceless movement without bending the knees.
ऋद्धि, जिसके प्रभाव से घुटनों को मोड़े बिना पृथिवीकायिक जीवों को बाधा न करके गमन किया जा सके ।

जंजाल – *Jaṁjāla.*
Trouble, pain, affliction
कष्ट ।

जंतु – *Jaṁtu*
Living beings of lower level, insects etc.
चतुर्गतिरूप संसार की नाना योनियों में जन्म धारण करने वाले जीव ।

जंबूदीवपण्णत्ति – *Jaṁbūddīvapaṇṇatti.*
Name of a book written by *Acharya* Padmanandi.
आचार्य पद्मनन्दि नं. 4 (ई. 977-1043) द्वारा रचित ग्रंथ ।

जंबूद्वीप संग्रहणी – *Jaṁbūddīva Saṁghāyaṇī.*
Name of a book written by Shvetambaracharya Haribhadrasuri.
श्वेताम्बर आचार्य श्री हरिभद्रसूरि (ई.480-528) कृत एक ग्रंथ ।

जम्बूद्वीप – *Jambūdvipa.*
First island of the middle universe (with 78 natural temples); its grand model structure has been constructed at Hastinapur (Meerut, U.P.), on the inspiration of *Ganini Pramukh* Shri Gyanmati Mataji.
मध्यलोक का प्रथम द्वीप। इसमें 78 अकृत्रिम चैत्यालय हैं, जिनमें सुमेरु पर्वत के 16, गजदंत के 4, जम्बू-शाल्मलि वृक्ष के 2, वक्षारगिरि के 16, विजयार्द्ध पर्वत के 34 एवं षट्कुलाचलों के 6 चैत्यालय हैं ।
पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से 'दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान' द्वारा जम्बूद्वीप की आगम वर्णित भव्य रचना का निर्माण हस्तिनापुर (जिला-मेरठ, उ.प्र.) में किया गया

है (सन् ई.सन 1985)। जम्बूद्वीप की रचना के निर्माण के कारण यह विशाल परिसर 'जम्बूद्वीप स्थल' के नाम से जाना जाता है, जिसमें कमलमंदिर, ध्यानमंदिर, ॐ मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर, तेरहद्वीप रचना मंदिर इत्यादि अनेक सुन्दर जिनालय निर्मित हैं। धरती का स्वर्ग नाम से ख्यात यह तीर्थ पर्यटकों के साथ-साथ शोधकर्ताओं के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र है। पूज्य माताजी की प्रेरणा से 4 जून सन 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरागांधी द्वारा राजधानी दिल्ली से उद्घाटित 'जम्बूद्वीप ज्ञान ज्योति रथ' (जम्बूद्वीप मंडल सहित) द्वारा 1045 दिन तक देशव्यापी धर्मप्रभावना करने के पश्चात 28 अप्रैल 1985 को तत्कालीन रक्षामंत्री श्री पी.वी. नरसिंहराव द्वारा यह ज्ञानज्योति अखण्ड रूप से जम्बूद्वीप में स्थापित की गयी।

जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति – *Jambūdvīpaprajñapti.*
Name of a book written by *Acharya* Amitgati. A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*) containing description about whole *Jambudvip.*
आचार्य अमितगति (ई. 993-1046) द्वारा रचित ग्रंथ, परिकर्म दृष्टिवाद श्रुत का एक भेद; इसमें 3 लाख 25 हजार पदों के द्वारा जंबूद्वीप का सम्पूर्ण वर्णन है।

जंबूद्वीपव्रत – *Jambūdvīpa Vrata.*
A type of vow (fasting) to be observed for different 78 days related to the 78 natural temples of *Jambudvip*
जंबूद्वीप के सुदर्शनमेरु के 16, गजदंत के 4, जंबू-शाल्मलिवृक्ष के 2, वक्षार के 16, विजयार्ध के 34, षट्कुलाचल के 6 ऐसे 16+4+2+16+34+6= 78 जिनमंदिरों के 78 व्रत करना होते हैं। मंत्र, पूजा एवं विधि 'व्रतविधि एवं पूजा' भाग 2 पुस्तक से देखना चाहिए।
समुच्चय मंत्र—ॐ ह्रीं जंबूद्वीपसंबंधि-अष्टसप्ततिजिनालय-जिनबिंबेभ्यो नमः।

जंबूद्वीपसमास – *Jambūdvīpasamāsa.*
Name of a book written by *Acharya* Umaswami
आचार्य उमास्वामी (ई. श. 1-2) कृत संस्कृत गद्य में रचित ग्रंथ।

जंबूमती – *Jambūmatī.*
A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी।

जंबूवृक्ष – *Jambūvṛkṣa*
Blackberry tree. The first island of middle universe is called *Jambudvip* on the name of this natural (*Akratrim*) tree. Initiation tree of Lord Vimalnath
जामुन का वृक्ष; अकृत्रिम जम्बूद्वीप रचना के अनुसार सुमेरु पर्वत की उत्तर दिशा में उत्तरकुरु भोगभूमि में स्थित पृथ्वीकायिक एक अकृत्रिम वृक्ष। इसके नाम पर 'जम्बूद्वीप' का नाम सार्थक हुआ है। हस्तिनापुर में निर्मित जम्बूद्वीप रचना के अंदर यह वृक्ष पंचधातु धातु से निर्मित किया गया है, जिस पर एक जिनमंदिर है. विमलनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम।

जंबूवृक्षस्थल – *Jambūvṛkṣa Sthala.*
Region of *Jambuvriksha* (a super tree)
जम्बूवृक्ष सामान्य स्थल, 500 योजन विस्तार युक्त है, मध्य में 8 योजन एवं किनारों पर 2 कोस मोटा है।

जंबूशंकुपुर – *Jambūśaṅkupura.*
A city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिणी श्रेणी का एक नगर।

जंबूस्वामी – *Jambūsvāmī.*
The last omniscient of the present age.
भगवान महावीर के पश्चात् अंतिम एवं तृतीय अनुबद्ध केवली (ई.पू. 503-465), ये राजगृही में जन्मे एवं मथुरा से मोक्ष प्राप्त किया।

जंबूसामिचरिउ – *Jambūsāmicariu*
Name of a book written by poet "Veer"
कवि वीर द्वारा ई. सन 1019 में रचित ग्रंथ।

जंबूस्वामीचरित्र – *Jambūsvāmīcaritra*
Name of a book written by *Pandit* Rajmalla.
पं. राजमल्ल (ई. 1575-1593) द्वारा रचित संस्कृत काव्य, इसमें 2400 पद एवं 13 सर्ग हैं।

जंभाई – *Jambhāī*
Yawn (to stop yawning is a physical mortification).
उबासी, अयनादि कायक्लेश का एक भेद; जंभाई, छींक आदि को रोकना।

जगच्चंद्र सूरि – *Jagaccandra Sūri.*
Name of a *Shvetambar* Jain *Acharya.*
तेरहवीं शताब्दी के एक श्वेतांबर आचार्य; दिलवाड़ा मंदिर के निर्माता।

जगती – *Jagatī.*
The world, the earth, Vedic metre.
संसार, पृथ्वी, एक वैदिक छन्द।

जगतुंग – *Jagatuṅga.*
A king of *Rashtrakuta* dynasty.
राष्ट्रकूट वंश का राजा, राज्यकाल (ई. 1807), अमोघवर्ष प्रथम के पिता।

जगत् – *Jagat.*
Universe, Temporal world.
लोक। 343 घन राजू को लोक कहते हैं।

जगत्कीर्ति – *Jagatkīrti.*
Name of *Acharyas.*
इस नाम के काष्ठासंघ व नन्दिसंघ में आचार्य हुए।

जगत्कुसुम – *Jagatkusuma.*
Name of a summit of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वत का एक कूट।

जगत्-घन – *Jagat-Ghana.*
Volume of universe, unit of 343 *Rajus*
(जगतश्रेणी)³=343 राजू। 343 घन राजू लोक का घनफल है।

जगत्प्रतर – *Jagatpratara.*
Area of universe, unit of 49 *Rajus.*
(जगतश्रेणी)²=49 राजू, जगतश्रेणी के वर्ग को जगत्प्रतर कहते हैं।

जगत्श्रेणी – *Jagatśreṇī.*
Length of universe, unit of *7 Rajus.*
7 राजू प्रमाण लोकपंक्ति, एक प्रदेश चौड़े और 7 राजू लम्बे आकाश प्रदेशों की पंक्ति को जगत्श्रेणी कहते हैं।

जगत्सुंदरी प्रयोगमाला – *Jagatsundarī Prayogamālā.*
A book written by *Acharya* Yashahkirti
आचार्य यशःकीर्ति (ई.श. 13) की एक रचना।

जगत्स्रष्टा – *Jagatsraṣṭā.*
Supreme being, the creator of the universe
जगत् को बनाने वाला अर्थात् कर्मरूपी ईश्वर।

जगदीश भट्टाचार्य – *Jagadīśa Bhaṭṭācārya.*
Name of a promoter of *Vaisheshik* philosophy
वैशेषिक दर्शन के एक साहित्य प्रवर्तक जिन्होंने भाष्य सूक्ति नामक एक रचना की।

जगदेकमल्ल – *Jagadekamalla.*
Name of a king
ई. 1024 के एक राजा।

जगन्नाथ – *Jagannātha.*
The writer of the book 'Sukh Nidhan'.
'सुख निधान' के रचयिता (ई. 1642-1646)।

जगमोहनदास – *Jagamohanadāsa.*
The writer of the book 'Dharmaratnodyot'.
'धर्मरत्नोद्योत' के कर्ता एक हिन्दी कवि (ई. 1807)।

जघन्य अंतरात्मा – *Jaghanya Antarātmā.*
Beings with right faith but not observing vows.
सम्यक् श्रद्धा के साथ व्रतों को न रखने वाले अविरत सम्यग्दृष्टि जीव।

जघन्य अजघन्य – *Jaghanya Ajaghanya.*
The lowest (minimum) and the other than lowest.
सबसे छोटा पद जघन्य एवं जघन्य से आगे के सभी विकल्प अर्थात् जघन्य से भिन्न सब भेद अजघन्य स्वरूप हैं।

जघन्य अनन्तानन्त – *Jaghanya Anantānanta.*
A measure of infinite numbers.
जघन्य युक्तानन्त का वर्ग।

जघन्य अनुभाग – *Jaghanya Anubhāga.*
A division of *Anubhag Bandh*; the lowest (minimum) power (energy of *karmas*) of matter (related to wrong faithed one).
अनुभाग बंध के 14 भेदों में एक भेद। सातवें नरक में प्रथमोपशम सम्यक्त्व के सम्मुख हुआ मिथ्यादृष्टि जीव मिथ्यात्व गुणस्थान के अंत समय में जघन्य नीच गोत्र का अनुभाग बंध करता है।

जघन्य अवगाहना – *Jaghanya Avagāhanā.*
Lowest (minimum) occupancy (pertaining to beings).
सबसे छोटी शरीर की ऊँचाई। उत्पन्न होने से तीसरे समय में सूक्ष्मनिगोदिया लब्ध्यपर्याप्तक जीव की घनांगुल के असंख्यातवें भागप्रमाण शरीर की जघन्य अवगाहना होती है।

जघन्य असंख्यात – *Jaghanya Asaṁkhyāta*
A transcendental number (a mathematical term)
2; अलौकिक गणना की अपेक्षा गणना।

जघन्य असंख्येयासंख्येय – *Jaghanya Asaṁkhyeyāsaṁkhyeya.*
A transcendental number (a mathematical term).
जघन्य युक्तासंख्येय का द्वितीय वर्ग।

जघन्य आयु – *Jaghanya Āyu*
The lowest life period
मनुष्य एवं तिर्यंच में एक उच्छ्वास के 18वें भाग क्षुद्रभव की जघन्य आयु होती है जबकि देव व नारकी में दस-दस हजार वर्ष की जघन्य आयु होती है

जघन्य आराधना – *Jaghanya Ārādhanā.*
A type of adoration
तेजोलेश्या के धारक क्षपक की भक्तप्रत्याख्यान आराधना।

जघन्य कषायांश – *Jaghanya Kaṣāyāṁśa.*
Lowest part of passions.
कषाय के जघन्य अंश, जघन्य भाव।

जघन्य कृष्टि – *Jaghanya Kṛṣṭi.*
Lowest destruction of passion
सबसे स्तोक (कम) अनुभाग वाली प्रथम कृष्टि जघन्य कृष्टि है।

जघन्यगुण – *Jaghanyaguṇa*
Matters having one or minimum properties.
एक अथवा कम से कम गुण। जैसे कि जघन्य गुण वाले परमाणु का बंध नहीं होता। यह एक विशेषणरूपपद है जिसे कहीं भी घटाया जा सकता है।

जघन्य ज्ञान – *Jaghanya Jñāna*
Minimum knowledge.
पर्यायज्ञान। सूक्ष्म निगोदिया लब्ध्यपर्याप्तक के सबसे जघन्य ज्ञान होता है।

जघन्य धर्मध्यान – *Jaghanya Dharmadhyāna.*
Religious observances of lowest kind.
उत्तम, मध्यम, जघन्य में धर्मध्यान का तीसरा भेद। यह चौथे-पाँचवें गुणस्थान में घटित होता है।

जघन्य नक्षत्र – *Jaghanya Nakṣatra.*
Lunars of 15 *Muhurta* (a *muhurta* is of 48 minutes).
जो नक्षत्र 15 मुहूर्त के होते हैं उनको जघन्य नक्षत्र कहते हैं।

जघन्य निर्वृत्त्यपर्याप्त – *Jaghanya Nirvṛttyaparyāpta.*
Lowest period of life of living beings.
जघन्य आयुबंध की जघन्य पर्याप्तनिर्वृत्ति संज्ञा है अर्थात् भव के प्रथम समय से जघन्य आयुबंध के अंतिम समय तक जघन्य निर्वृत्ति होती है।

जघन्य पद – *Jaghanya Pada*
A type of disquisition door *'Anuyogadvar'* (neg. lowest)
24 अनुयोगद्वारों में एक भेद; जघन्य विभक्ति।

जघन्य परमाणु – *Jaghanya Paramāṇu.*

Atom with the property of least degree.
एक गुण स्निग्धता या रूक्षता होने से बंध अयोग्य जघन्य परमाणु है ।

जघन्य परीतानन्त – *Jaghanya Parītānanta.*

A mathematical term of infinite measure.
जघन्य असंख्यातासंख्यात को तीन बार वर्गित संवर्गित करके इसमें द्रव्यों के प्रदेशों आदि रूप मे कुछ राशियाँ जोड़ना ।

जघन्य परीतासंख्यात् – *Jaghanya Parītāsaṁkhyāt*

A mathematical term of infinite measure.
असंख्यात संख्या प्रमाण का एक भेद ।

जघन्य पात्र – *Jaghanya Pātra.*

A vowless religious observer with right faith.
व्रतरहित सम्यग्दृष्टि ।

जघन्य प्रोषधोपवास – *Jaghanya Proṣadhopavāsa.*

A type of fasting (related to *Ashtami, Chaturdashi*).
अष्टमी, चतुर्दशी को एकासन अथवा आचाम्ल निर्विकृति आहार करना ।

जघन्य भाव – *Jaghanya Bhāva.*

Low sentiments.
निम्न भाव ।

जघन्य युक्तानन्त – *Jaghanya Yuktānanta.*

A mathematical term (reg. numbers)
जघन्य परीतानन्त की दो बार वर्गित संवर्गित राशि ।

जघन्य युक्तासंख्यात – *Jaghanya Yuktāsaṁkhyāta.*

A mathematical term (reg. numbers).
जघन्य परीतासंख्यात की वर्गित संवर्गित राशि ।

जघन्य योगस्थान – *Jaghanya Yogasthāna.*

Lowest grade of vibratory activity of soul.
स्थान प्ररूपणा के अनुसार श्रेणि के असंख्यातवें भाग मात्र जो असंख्यात स्पर्धक हैं उनका एक जघन्य योग स्थान होता है ।

जघन्यलब्धि – *Jaghanyalabdhi.*

Minimum attainments of spiritual virtues (like restraint etc.).
जघन्य क्षयोपशम या संयमादि गुणों की प्राप्ति ।

जघन्य वर्ग – *Jaghanya Varga.*

Minimum group or class of particles etc.
जघन्य अनुभाग युक्त परमाणु को जघन्य वर्ग कहते हैं ।

जघन्य वर्गणा – *Jaghanya Vargaṇā*

Lowest aggregate of *Karmic* molecules.
जघन्य वर्ग के समूह का नाम जघन्य वर्गणा है ।

जघन्य विभक्ति – *Jaghanya Vibhakti.*

See - *Jaghanya Pada.*
देखें - जघन्य पद ।

जघन्य संख्यात – *Jaghanya Saṁkhyāta.*

A mathematical number.
एक में एक का भाग देने या गुणा करने में हानिवृद्धि नहीं होती इसलिए जघन्य संख्यात का अंक 2 है ।

जघन्य स्थितिबंध – *Jaghanya Sthitibandha.*

Lowest *Karmic* binding state
संक्लेश के कम होने से कर्मों का जघन्य स्थितिबंध होता है।

जघन्य स्पर्धक – *Jaghanya Spardhaka.*

Group of lowest *Varganas* (aggregate of *Karmic* molecules).
जघन्य वर्गणाओं का समूह जघन्य स्पर्धक है ।

जटामुकुट – *Jaṭāmukuṭa.*

Crown of matted and braided type of hair (pertaining to idols)
प्रतिमाओं का लक्षण; जटा मुकुट धारण न करना मोह के अभाव का प्रतीक है ।

जटायु – *Jaṭāyu.*

The famous vulture related to mythology.
सीता द्वारा वन में श्री सुगुप्ति मुनि को आहारदान के समय वृक्ष पर बैठे गृद्ध पक्षी को जातिस्मरण हो आया। मुनिराज के चरण प्रक्षालन के जल के प्रभाव से उसका शरीर स्वर्णमय बन गया और उसका नाम जटायु पड़ गया। मुनिराज के उपदेश से उसने अणुव्रत धारण किये तथा सीताहरण के समय रावण द्वारा शक्ति प्रयोग से मारे जाने पर राम द्वारा णमोकार मंत्र सुनकर मरणोपरान्त देव हुआ ।

जटासिंहनंदि – *Jaṭāsiṁhanandi.*

Name of an *Acharya*, the writer of 'Varanga Charitra'
वरांग चारित्र के रचयिता एक आचार्य ।

जटिल – *Jaṭila.*

Complex, Complicated.
कठिन, उलझा हुआ ।

जठराग्नि – *Jaṭharāgni.*

Digestive fire, the fire of the stomach which helps in digestion of food.
उदराग्नि ।

जड़ – *Jaḍa.*

Non-sentient, fool, senseless material, Basic cause.
जीव या संवेदना रहित पदार्थ ।

जतु – *Jatu.*

Name of a council of *Indra.*
इन्द्र की तीसरी भीतरी सभा का नाम ।

जनक – *Janaka.*

Originator, Father of 'Sita' and the king of Mithilapuri.
प्रारंभ करने वाला, मिथिलापुरी के राजा सीता के पिता ।

जननाभिषव – *Jananābhiṣava.*

An auspicious bathing (anointment) of Jaina Lord (*Tirthankar*).
तीर्थंकरों का जन्माभिषेक ।

जननाशौच – *Jananāśauca.*
State of ritual impurity after a child-birth
जन्म का अशौच या सूतक ।

जनपद – *Janapada.*
A territory of a country, a populated place.
देश का एक आबाद भाग ।

जनपद सत्य – *Janapada Satya.*
A type of truth: regional language.
10 प्रकार के सत्यों में एक सत्य—आर्य व अनार्य भेदयुक्त बत्तीस जनपदों में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधक वचन ।

जनसंसर्ग – *Janasaṁsarga.*
Communication and public relation.
लौकिकजनों की संगति। साधुओं के संयम भाव पे आंच आने से इसका निषेध किया है ।

जनार्दन – *Janārdana.*
A Marathi poet and writer of 'Shrenik Charit', An epithet of Vishnu
मराठी कवि, श्रेणिक चरित के रचयिता (ई. 1768), विष्णु को भी जनार्दन कहते हैं ।

जन्नाचार्य – *Jannācārya*
A Kannad poet, the writer of 'Anantnath Puran'.
कन्नड़ कवि (ई. 1170-1225), अनन्तनाथ पुराण के रचयिता।

जन्म – *Janma.*
Birth, Incarnation of soul.
जीव के नवीन शरीर की उत्पत्ति होना जन्म कहलाता है। गर्भ, सम्मूर्छन, उपपाद के भेद से जन्म 3 प्रकार का होता है ।

जन्मकल्याणक – *Janmakalyāṇaka.*
Celebration of the birth event of Jaina Lord
भगवान के पाँच कल्याणकों में एक, तीर्थंकरों के जन्म का उत्सव।

जन्मकल्याणक-वंदना –
Janmakalyāṇaka-Vaṁdanā.
A reverential devotional act with prayer.
कृतिकर्म; सिद्ध भक्ति, चारित्र भक्ति व शान्ति भक्ति पढ़कर वंदना करना ।

जन्मदत्त – *Janmadatta.*
Name of the 3rd *Chakravarti* – emperor (reg. pre-destined era).
भावी शलाका पुरुष; तीसरे चक्रवती का नाम ।

जन्मभूमि – *Janmabhūmi.*
Birth place or Native place.
जन्म का स्थान ।

जन्मरहितता – *Janmarahitatā.*
Immortality, a virtue of *Siddhas* (super beings)
सिद्धों का एक गुण जो आयुकर्म के नष्ट होने पर प्रगट होता है- अवगाहनत्व या जन्म-मरण रहितता ।

जन्मसंस्कार क्रियामंत्र –
Janmasaṁskāra Kriyāmaṁtra.
Rituals for birth ceremony.
एक गर्भान्वय क्रिया 'जन्म संस्कार' के मंत्र ।

जन्मांध – *Janmāṁdha.*
Blind from birth.
जन्म से अंधा ।

जन्मातिशय – *Janmātiśaya.*
Ten extraordinary and super excellences of *Tirthankar's* (Jaina Lord's) birth.
तीर्थंकर के जन्म के स्वेद रहितता, निर्मल शरीर आदि 10 अतिशय ।

जन्माभिषेक – *Janmābhiṣeka.*
Auspicious bathing (anointment) of Jaina Lord
सौधर्म-ईशान इन्द्रों द्वारा पांडुकशिला पर बाल तीर्थंकर की अभिषेक क्रिया ।

जन्मेजय – *Janmejaya.*
A king of *Kuru* dynasty
कुरुवंशी राजा परीक्षित का पुत्र और शतानीक का पिता (ई. पू. 1450-1420) ।

जप – *Japa.*
Counting silently the beads of rosary with meditation (chanting mystic words)
ध्यान करना या मंत्रों का स्मरण करना ।

जयंत – *Jayaṁta.*
Name of an '*Anuttar*' heaven, Name of a summit of *Ruchak* mountain, A door of *Jambudvip* (an island), Cities in the north & south of *Vijayardh* mountain, Name of a planet and a demigod
एक अनुत्तर स्वर्ग का नाम, रुचक पर्वत का एक कूट, जम्बूद्वीप की जगती का द्वार, विजयार्ध की दक्षिण व उत्तर श्रेणी के नगर, एक ग्रह एवं एक यक्ष का नाम ।

जयंत (स्वर्ग) – *Jayaṁta (Svarga).*
Name of a heavenly space craft (abiding place)
एक अनुत्तर विमान, यह नव ग्रैवेयक के ऊपर स्थित है ।

जयंतभट्ट – *Jayaṁtabhaṭṭa.*
Name of the writer of 'Nyaya Manjari'
ई. 840 के 'न्याय मंजरी' ग्रंथ के कर्ता ।

जयंता – *Jayaṁtā.*
A city of *Videh Kshetra* (region), Name of a large well of *Nandishvardvip* (an island), Name of a female deity resident of *Ruchak* mountain.
विदेह क्षेत्र की एक नगरी, नन्दीश्वर द्वीप की एक वापी, रुचक पर्वत पर निवास करने वाली एक देवी का नाम ।

जयंतिकी – *Jayaṁtikī.*
Name of a female divinity resident of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी महत्तरिका ।

जयंती – *Jayaṁtī.*
A Jubilee, a birthday celebration, Name of a divinity of *Ruchak* mountain.
जन्म उत्सव आदि, रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी देवी ।

जय – *Jaya*

Victory. Name of the pre-destined 21st *Tirthankar*, Other name of *Acharya* Jaisen of *Moolsangh*, Name of chief disciples of Lord Rishabhdev, Vimalnath and Anantnath, Name of the 11th *Chakravarti* (emperor), Name of a city in the south & the north of *Vijayardha* mountain

भावीकालीन 21वें तीर्थंकर, मूलसंघ के आचार्य जयसेन का अपरनाम, भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम, विमलनाथ व अनंतनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम, 11वें चक्रवर्ती का नाम, विजयार्ध की उत्तर व दक्षिण श्रेणी का नगर ।

जयकीर्ति – *Jayakīrti.*

Name of the 10th predestined *Teerthankar* (Jaina Lord), An *Acharya* of *Kasthasangh* (a group of Jaina saints).

भावीकालीन 10वें तीर्थंकर, काष्ठासंघ के आचार्य ।

जयकुमार – *Jayakumāra.*

The son of king Somprabh, who was the army-chief of Bharat Chakravarti, Name of a chief disciple of Lord Adinath.

कुरुवंशी राजा सोमप्रभ का पुत्र, भरत चक्रवर्ती का सेनापति, आदिनाथ भगवान का 71वाँ गणधर ।

जयचंद छाबड़ा – *Jayacaṁda Chābaṛā.*

A great personality who wrote commentaries on many books like 'Prameyratnamala' etc.

एक विद्वान जिन्होंने सर्वार्थसिद्धि (वि. 1861), प्रमेयरत्नमाला (वि. 1863), द्रव्य संग्रह (वि. 1863) आदि ग्रंथों पर वचनिकाएं लिखी ।

जय जिनेन्द्र – *Jaya Jinendra.*

A greeting word pronounced in Jaina community.

जैनों में परस्पर विनय और प्रेमभाव प्रकट करने के लिए जयजिनेन्द्र शब्द बोला जाता है ।

जयदेव – *Jayadeva.*

Name of the 6th pre-destined *Tirthankar* (Jaina Lord).

जयसेन प्रतिष्ठा पाठ के अनुसार छठवें भविष्यत्कालीन तीर्थंकर।

जयद्रथ – *Jayadratha.*

Name of a warrior (related to *Mahabharat*).

जरासंघ का एक योद्धा, इसने अभिमन्यु का वध किया था ।

जयधवला – *Jayadhavala.*

A book written by *Acharya* Yativrishabh

आचार्य यतिवृषभ (ई. 150-180) कृत कषायपाहुड़ ग्रंथ की 60,000 श्लोक प्रमाण विस्तृत टीका है ।

जयनंदि – *Jayanaṁdi.*

The disciple of Devnandi & the spiritual teacher of Gurunandi.

देवनन्दि के शिष्य व गुरुनन्दि के गुरु (वि. शक सं. 308-358)।

जयनाथ – *Jayanātha.*

Name of the 21st predestined *Tirthankar* (Jaina Lord)

भावीकालीन 21वें तीर्थंकर का नाम ।

जयपाल – *Jayapāla.*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* (scriptural knowledge).

11 अंगधारी पांच मुनियों में दूसरे मुनि (वी. नि. 363-383)।

जयपुर – *Jayapura.*

Name of a city of *Bharat Kshetra* (region).

भरतक्षेत्र का एक नगर ।

जयपुरी – *Jayapurī.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

जयबाहु – *Jayabāhu.*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of some *Angas* (scriptural knowledge).

आचारांगधारी 4 मुनियों में तीसरे मुनि, अपरनाम यशोबाहु ।

जयभद्र – *Jayabhadra.*

Name of a great *Acharya* saint.

आचारांगधारी 4 मुनियों मे दूसरे मुनि ।

जयमित्र – *Jayamitra.*

A saint among 7 particular saints (*Saptarishis*).

सप्तऋषियों में एक मुनि। राम के भाई शत्रुघ्न के शासन काल में इन सप्तऋषियों के प्रभाव से मथुरा नगरी में फैली महामारी दूर हुई थी ।

जयमित्रहल – *Jayamitrahala.*

Name of the writer of 'Mallivah Kavya'.

अपभ्रंश कवि, 'मल्लिणाह कव्व' के रचयिता ।

जयराज – *Jayarāja.*

A king of *Kuru* dynasty.

एक कुरुवंशी राजा ।

जयरामा – *Jayarāmā*

The mother's name of Jain Lord Suvidhinath (Pushpadantnath).

सुविधिनाथ (पुष्पदंतनाथ) भगवान की माता का नाम ।

जयराशि – *Jayarāśi.*

A great person, the writer of 'Tatvopaplava Simgh'.

ई. 725-825 'तत्वोपप्लव सिंह' के कर्ता एक नैयायिक विद्वान।

जयवंत – *Jayavaṁta.*

The writer of 'Tattvarth Balbodh'.

तत्त्वार्थ बालबोध के कर्ता ।

जयवती – *Jayavatī.*

The mother's name of first *Baldev* 'Vijay'

प्रथम बलदेव विजय की माता का नाम ।

जयवन्ती – *Jayavantī.*

The mother's name of the 4th *Baldev* 'Suprabh'

चौथे बलदेव सुप्रभ की माता का नाम ।

जयवराह – *Jayavarāha.*

A king of Saurashtra.

पश्चिम में सौराष्ट्र देश का राजा (ई. 778-803) ।

जयवर्मा – *Jayavarmā.*

The son of the king Shrishen of Simhpurnagar of Gandhila (a country).
गन्धिला देश में सिंहपुरनगर के राजा श्रीषेण का पुत्र ।

जयवान् – *Jayavān*

Name of the 5th saint among 7 particular saints (*Saptarishis*)
सप्तऋषियों में 5वें ऋषि

जयविलास – *Jayavilāsa.*

Name of a commentary writer of 'Gyanarnava'
ज्ञानार्णव ग्रंथ के टीकाकार ।

जयश्यामा – *Jayaśyāmā*

The mother's name of Lord Vimalnath and Lord Ananthnath
विमलनाथ एवं अनंतनाथ भगवान की माता का नाम ।

जयसागर – *Jayasāgara.*

Name of *Acharya.*
ई. श. 17 में जयसागर नाम के दो आचार्य हुए ।

जयसिंह – *Jayasimha.*

First king of *Bhoj* dynasty.
प्रथम भोजवंशी राजा ।

जयसेना – *Jayasenā.*

A female deity of *Dharendra.*
धरणेन्द्र की ज्येष्ठा देवी ।

जयसेनाचार्य – *Jayasenācārya.*

Name of an *Acharya*, who wrote simple Sanskrit *Teeka* (commentary book) on Samaysar, Pravachansar etc.
एक आचार्य जिन्होंने समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय आदि ग्रंथों पर 'तात्पर्यवृत्ति' नामक सरल संस्कृत टीका लिखी है (अनुमानित समय ई. श. 12 का पूर्वार्ध) ।

जया – *Jayā.*

Name of the ruling female demigod of Lord Arehnath, A type of super knowledge (*Mantra Vidya*).
अरहनाथ भगवान की शासन यक्षिणी। एक विद्याधर विद्या व एक मंत्र विद्या ।

जयावती – *Jayāvatī.*

The mother's name of Jain Lord Vasupujyanath.
वासुपूज्यनाथ भगवान की माता का नाम ।

जयावह – *Jayāvaha.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

जयावाचना – *Jayāvācanā.*

Right exposition of principles of Jain religion.
जिनेन्द्र भगवान द्वारा कहे गए सिद्धांतों के अर्थ की व्याख्या करना जयावाचना कहलाती है ।

जरत्कुमार – *Jaratkumāra.*

One who causes in the death of Shri Krishna.
एक यदुवंशी राजकुमार जिनके बाण से श्रीकृष्ण की मृत्यु हुई।

जरा – *Jarā*

Infirmity, Old age, A king of *Yadu* dynasty
तिर्यंचों और मनुष्यों का आयुकृत देहविकार (बुढ़ापा आदि), यदु (यादव) वंश के एक राजा का नाम ।

जरापल्ली पार्श्वनाथ स्तोत्र –

Jarāpalli Pārśvanātha Stotra

A book of religious composition composed by *Bhattark* Padmanandi
भट्टारक पद्मनंदि नं. 10 (ई. 1328-1393) की एक 10 पद्यों वाली रचना ।

जरायु – *Jarāyu.*

The membrane enveloping a foetus, placenta
एक मांस से बने जाल के समान आवरण को जरायु कहते हैं। यह गर्भ जन्म का एक भेद है ।

जरासंध – *Jarāsamdha.*

A king of *Hari* dynasty, Name of the 9th *Pratinarayan.*
हरिवंश के एक राजा का नाम, 9वें प्रतिनारायण का नाम।

जल – *Jala.*

Water.
पानी, केवलज्ञान का एक अतिशय, निर्मल सुगंधित जल की वृष्टि ।

जलकांत – *Jalakānta.*

Name of an *Indra* (celestial aboding deity)
उदधिकुमार भवनवासी देवों के एक इन्द्र का नाम ।

जलकाय – *Jalakāya.*

Sterilized water, water without any aquatic beings.
जलकायिक जीव से रहित जल को जलकाय कहते हैं ।

जलकायिक – *Jalakāyika.*

Water bodied beings.
5 स्थावरों का एक भेद; जल ही जिन जीवों का शरीर है ।

जलकेतु – *Jalaketu*

Name of the 82nd planet.
82वें ग्रह का नाम।

जलगता चूलिका – *Jalagatā Cūlikā.*

A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
द्वादशांग श्रुतज्ञान का एक भेद; दृष्टिवाद अंग के 5 भेदों में चूलिका का प्रथम भेद ।

जलगालन – *Jalagālana.*

Water filtration.
जल को उपयोग में लेने से पहले स्वच्छ दुहरे छन्ने से छानना, छने हुए जल का प्रयोग जैनी श्रावक की पहचान है ।

जलचर – *Jalacara.*

5 sensed aquatic beings.
जल में ही विचरण करने वाले पांच इंद्रिय जीव ।

जलचारण – *Jalacārana.*
A type of supernatural power (reg. walking on water)
ऋद्धि; जिसके प्रभाव से जल मार्ग में स्थल तुल्य आवागमन किया जा सके।

जलज – *Jalaja*
Lotus flower.
कमल।

जल जीव – *Jala Jiva.*
Water bodied animates (One to be born as an aqua being).
जो जीव जलकायिक में उत्पन्न होने के लिए विग्रहगति में जा रहा है उसे जल जीव कहते हैं।

जलदकुमार – *Jaladakumāra.*
Deities of *Meghkumar Jati* (race)
मेघकुमार जाति के देव।

जलधि – *Jaladhi*
The ocean, receptacle of water, A king of *Yadu* dynasty
समुद्र, यदु (यादव) वंश के एक राजा का नाम।

जलपथ – *Jalapatha.*
Water way, Past name of 'Panipat' city.
जल मार्ग, वर्तमान की पानीपत नगरी का पूर्व नाम (प्रवास से लौटने पर पाण्डव सकुल जलपथ नगर में रहने लगे)।

जलप्रभ – *Jalaprabha.*
See - *Jalakanta.*
देखें - जलकांत।

जलमंडल यंत्र – *Jalamaṇḍala Yantra.*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट।

जलादिवासन यंत्र – *Jalādivāsana Yantra.*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic words
एक मंत्र लिखित धातु की प्लेट।

जलावर्त – *Jalāvarta.*
Whirlpool, A city in the south of *Vijayardh* mountain
जलभंवर, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

जलाशय – *Jalāśaya*
Reservoir, Tank, Pond
जल ही है आश्रय जिसका अर्थात् जल के आश्रयरूप स्थान को जलाशय, सरोवर आदि कहते हैं।

जलौषधऋद्धि – *Jalausadharddhi.*
A type of supernatural power (related to medicinal treatment by sweat).
ऋद्धि; जिसके प्रभाव से अंगरज (पसीना) से भी जीवों के रोग नष्ट हो जाते हैं।

जल्प – *Jalpa.*
Disputation, wrangling (discussion pertaining to justice).
नैयायिकों द्वारा छल, जाति व निग्रहस्थान का प्रयोग करके दूसरे के पक्ष का खण्डन करना एवं उसे न्याय मानना। अन्याय का प्रयोग निषिद्ध होने से जिनमार्ग में समर्थवचन को जल्प कहते हैं, जहाँ छल, जाति व निग्रहस्थान के भेदरूप लक्षण इष्ट नहीं किया जाता।

जल्पनिर्णय – *Jalpanirnaya.*
Name of a book written by *Acharya* Vidyanandi.
आचार्य विद्यानंदि (ई. 775-840) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

जल्पवितंडा – *Jalpavitaṇḍā.*
Wrangling and argumentation for favourable decision.
जीतने की इच्छा से वादी-प्रतिवादी में वाग्युद्ध या प्रलाप रूप विसंवाद।

जल्हिगले – *Jalhigale.*
Name of a writer who wrote a book 'Anupeharas'.
एक अपभ्रंश कवि जिन्होंने 'अनुपेहारास ग्रंथ' की रचना की।

जसहरचरिउ – *Jasaharacariu.*
Name of a book written by a poet Pushpadant.
ई. श. 10 के उत्तरार्ध में एक अपभ्रंश कवि पुष्पदंत द्वारा रचित ग्रंथ।

जह्नु – *Jahnu.*
A king of *Ikshvaku* dynasty.
इक्ष्वाकु वंश का एक राजा।

जांबूनदा – *Jāmbūnadā.*
Circumference of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत की परिधि।

जांबूनदा – *Jāmbūnadā.*
A type of super power.
एक विद्या का नाम।

जागृति – *Jāgrti.*
Wakefulness, Alertness, Awareness, Vigilance.
सतर्कता, सचेत, जागते रहना।

जातकतिलक – *Jātakatilaka.*
Name of a book written by *Acharya* Shridhar.
आचार्य श्रीधर कृत ज्योतिष विषयक एक ग्रंथ।

जातकर्म – *Jātakarma.*
Celebration of purificatory rites (on the birth of a child).
जन्म संस्कार।

जात संस्कार – *Jāta Saṁskāra.*
A ritual celebration on the birth of a child (caste nomination).
पुत्र की जन्मकालीन क्रिया।

जाति – *Jāti.*
Caste, Race, Class, Community

द्रव्यों में आपस में भेद रहते भी जिससे समान बुद्धि उत्पन्न हो उसे जाति कहते हैं, माता का वंश या जीवों का वर्ग भेद, वर्णव्यवस्था। वर्तमान में जैन में अग्रवाल, खण्डेलवाल, पोरवार, पद्मावती-पुरवाल आदि 84 जातियाँ प्रसिद्ध हैं ।

जाति नामकर्म प्रकृति – *Jāti Nāmakarma Prakṛti.*

A type of *Karmic* nature (related to different beings).

जिस कर्म के उदय से जीव एकेन्द्रिय, द्वीन्द्रिय आदि कहलाता है।

जातिपदगत भंग – *Jātipadagata Bhaṁga.*

A division related to caste.

भंग का एक भेद; जहाँ एक जाति के भाव ग्रहण हो, जैसे क्षायोपशमिक ज्ञान के 4 भेद होते हैं ।

जातिमंत्र – *Jātimantra.*

Mantras related to castes.

जाति संस्कार का कारण होने वाले मंत्र ।

जातिमद – *Jātimada.*

Racial puff, pride of caste.

उत्तम जाति में उत्पन्न होने का अभिमान ।

जातिवाचक नाम – *Jātivācaka Nāma.*

Words or names indicating different genus of beings.

जिनसे जाति का बोध होता है, जैसे गौ, मनुष्य आदि ये सब जातिवाचक नाम हैं ।

जातिविद्या – *Jātividyā.*

A type of super power.

विद्या का एक भेद ।

जाति संकर – *Jāti Saṁkara.*

Caste hybridisation, intercaste marriage.

एक जाति का दूसरी जाति के साथ विवाह संबंध होना 'जाति संकर' है। जैसे-अग्रवाल जैन की लड़की या लड़के का खण्डेलवाल जैन के लड़के या लड़की से विवाह होना। त्रिलोकसार गाथा नं. 9 से 24 में जातिसंकर को दोष माना है। इसे अन्तर्जाति संबंध भी कहते हैं, यह दोषास्पद है ।

जातिस्मरण – *Jātismaraṇa.*

Recollection or rememberance of the memories of past births.

सम्यग्दर्शन की उत्पत्ति का एक कारण; पूर्व जन्म की किसी घटना विशेष का स्मरण हो जाना (बहुत से तीर्थंकरों के वैराग्य का कारण) ।

जात्यंतर ज्ञान – *Jātyantara Jñāna.*

A type of acquired knowledge related to genus of beings.

जात्यंतर रूप कारण से उत्पन्न हुआ तत्संबंधी ज्ञान ।

जात्यंतर भाव – *Jātyantara Bhāva.*

A conclusive idea obtained from the combination of different aspects.

अनेकांत; अनेक धर्मों (वस्तु स्वभावों) के एकरसात्मक मिश्रण से उत्पन्न स्याद ।

जात्यार्य – *Jātyārya.*

A type of *Aryas* (noble persons), descendants of *Bhoj, Ikshvaku* etc.

अनृद्धि प्राप्त आर्य का एक भेद; जो इक्ष्वाकु, भोज आदि उत्तम कुलों में उत्पन्न हुए हैं ।

जानूपरि व्यतिक्रम – *Jānūpari Vyatikrama.*

A type of obstacle related to saint food (crossing anything of knee height).

साधु संबंधी आहार अंतराय का एक भेद, घुटने प्रमाण काठ के ऊपर उलंघ जाना ।

जान्वधः परामर्श – *Jānvadhaḥparāmarśa*

A type of obstacle in saint food, touching below the feet.

साधु संबंधी आहार अंतराय का भेद, पैर के नीचे हाथ से स्पर्श करना ।

जाप – *Jāpa.*

Counting silently the beads of rosary with meditation (chanting mystic words).

ध्यानपूर्वक मंत्रों का स्मरण-उच्चारण करना ।

जामन – *Jāmana.*

Sour milk used as a coagulant, rennet.

दूध को जमाने के लिए प्रयुक्त होने वाला दही या अन्य खट्टा पदार्थ।

जालंधर – *Jālandhara.*

Name of a city (of Punjab state) and a king

एक नगर (पंजाब प्रांत) एवं राजा का नाम ।

जिज्ञासा – *Jijñāsā.*

Curiosity, inquiry, inquisitiveness.

अज्ञात पदार्थ के जानने की इच्छा ।

जिणयत्तकहा – *Jiṇayattakahā.*

Name of a book pertaining to scripture

एक ग्रंथ का नाम (ई. श. 13) ।

जिणरत्तिकहा – *Jiṇarattikahā.*

Name of a book.

रात्रि भुक्ति विषयक ग्रंथ का नाम (ई. श. 15) ।

जिणरत्तिविहाणकहा – *Jiṇarattivihāṇakahā.*

Name of a book written by Narsen.

ई. श. 13 के अंत पाद में नरसेन कृत एक ग्रंथ ।

जितकषाय – *Jitakaṣāya.*

Controlling of passions. A name of Lord in all 1008 names.

व्यवहार से क्रोधादि कषायों के जीतने से और निश्चय से अकषायस्वरूप शुद्धात्मभावना में रत रहना, भगवान के 1008 नामों में एक नाम ।

जितदंड – *Jitadaṇḍa*

Name of an *Acharya*

लोहाचार्य के बाद हुए अनेक आचार्यों में से एक आचार्य ।

जितनाभि – *Jitanābhi.*

Name of the 9th *Rudra.*

९वें रूद्र का नाम ।

जितमोह – *Jitamoha*

Conqueror of delusion, A name of Lord in all 1008 names.

मोह को जीतकर अपने आत्मा के ज्ञानस्वभाव के द्वारा अन्य द्रव्यभावों से अधिक जानने वाले मुनि, भगवान के 1008 नामों में एक नाम ।

जितशत्रु – *Jitaśatru*

Name of kings of *Ikshvaku* and *Yadu* dynasties, Father's name of Lord Ajitnath and name of the 2nd *Rudra*.

इक्ष्वाकु एवं यदु (यादव) वंश के राजाओं का नाम, अजितनाथ भगवान के पिता एवं द्वितीय रूद्र का नाम ।

जितारि – *Jitāri*

A king of *Yadu* dynasty.

यदु (यादव) वंश के एक राजा का नाम ।

जितेन्द्रिय – *Jitendriya*.

An ascetic who has subdued his senses, A name of Lord in all 1008 names

जो इन्द्रियों को जीतकर ज्ञानस्वभाव के द्वारा अन्य द्रव्य से अधिक आत्मा को जानते हैं, भगवान के 1008 नामों में एक नाम ।

जिन – *Jina*.

Lord Arihant, the supreme being, conqueror of all passions & senses.

अर्हत भगवान जिन्होंने क्रोध, मान, माया, लोभ इन कषायों को एवं राग, द्वेष, मोह एवं इंद्रिय विषय इत्यादि को जीत लिया है ।

जिनकल्प – *Jinakalpa*.

The saints on the path of Lord Jina in search of omniscience

जिनेन्द्र प्रभु के समान आत्म चिंतन के लिए एकाकी विहार करने वाले मुनि, जिन्होंने राग-द्वेष और मोह को जीत लिया है।

जिनगुण ख्याति – *Jinaguṇa Khyāti*.

Glorious attainments of Lord Jinendra Dev.

जिनेन्द्र भगवान के चौंतीस अतिशय, आठ प्रातिहार्य, पांच कल्याणक आदि ।

जिनगुणसंपत्ति व्रत – *Jinaguṇasaṁpatti Vrata*.

Vows related to virtues of Lord Arihant (63 vows to be conducted with in 10 months).

अर्हंत देव के 10 जन्मातिशयों की 10 दशमियाँ, केवलज्ञान के 10 अतिशयों की दश दशमियाँ, देवकृत 14 अतिशयों की 14 चतुर्दशियाँ, 8 प्रातिहार्यों की 8 अष्टमियाँ, षोडशकारण भावनाओं की 16 प्रतिपदाएं, एवं पाँच कल्याणकों की 5 पंचमियाँ इस प्रकार 63 तिथियों के 63 उपवास 10 माह में करना ।

जिनगुणस्तुति – *Jinaguṇastuti*.

A composition of eulogy

पात्रकेसरी रचित स्तोत्र, भक्ति विषयक एक रचना।

जिनचतुर्विंशति स्तोत्र – *Jinacaturviṁśati Stotra*.

Name of a book written by Jinchandrabhatta.

जिनचंद्रभट्ट (ई. सन् 1450-1514) द्वारा रचित एक रचना।

जिनचंद्र – *Jinacandra*.

Name of some *Acharyas*.

इस नाम से नन्दिसंघ आदि में कई आचार्य हुए हैं ।

जिनदत्तचरित – *Jinadattacarita*

Name of a book, written by *Acharya* Gunbhadra.

आचार्य गुणभद्र (ई. 870-910) द्वारा रचित संस्कृत श्लोकबद्ध एक रचना ।

जिनदत्ता – *Jinadattā*

Name of a beloved female deity of *Indras*

दक्षिण इन्द्रों की वल्लभिका का नाम ।

जिनदास – *Jinadāsa*.

A saint disciple of Sakalkirti and writer of Jambusvami Charit.

सकलकीर्ति के शिष्य एक मुनि; जम्बूस्वामी चरित आदि के रचयिता ।

जिनदासी – *Jinadāsī*.

Name of a beloved famale deity of *Indras*, The mother's name of Jambusvami (the last omniscient).

उत्तरेन्द्रों की वल्लभिका का नाम, अंतिम केवली जम्बूस्वामी की माता ।

जिनदीक्षी – *Jinadīkṣī*

One consecrated in Jaina-initiation.

जिनदीक्षा को धारण करने वाला ।

जिननन्दि – *Jinanandi*.

Spiritual teacher of Shivkoti, the writer of the book 'Bhagvati Aradhana'.

भगवती आराधना के कर्ता शिवकोटि के गुरु (ई. श.1 का पूर्वपाद) ।

जिननिलय – *Jinanilaya*.

The temple of Jaina-Lord or *Tirthankar*.

जिनमंदिर ।

जिनपुर – *Jinapura*

Temples in the city of aboding deities and peripatetic deities.

भवनवासी देवों एवं व्यंतर देवों के नगर में जिन चैत्यालय ।

जिनपूजा पुरन्दर व्रत – *Jinapūjā Purandara Vrata*.

A type of vows to be observed with particular procedure.

किसी भी मास की शुक्ला 1 से लेकर 8 तक उपवास या एकाशना करना ।

जिनबिंब – *Jinabimba*.

Image or idol of Lord Jinendra.

अर्हंत प्रतिमा ।

जिनबिम्ब दर्शन – *Jinabimba Darśana*.

Visiting and paying reverence to the idols of Lord Arihant.

तीर्थंकर, केवली आदि की प्रतिमाओं को प्रणाम करना एवं सर्व प्रकार पूजा, विनय, वात्सल्य आदि करना। षट्खंडागम में इसे सम्यग्दर्शन की उत्पत्ति का एक कारण माना है ।

जिनभवन – *Jinabhavana*

Natural temples

जिनमंदिर; कृत्रिम-अकृत्रिम चैत्यालय ।

जिनभास्कर – *Jinabhāskara.*

A king of *Rakshas* dynasty.

राक्षस वंश के एक राजा का नाम ।

जिनमत – *Jinamata.*

Jain religion propagated by Lord Arihant

श्री अरहंत देव का बताया हुआ धर्म ।

जिनमती (आर्यिका) – *Jinamati (Āryikā).*

Name of the first disciple *Aryika* of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji. She translated 'Prameya-kamalmartand' treatise in Hindi on the inspiration of *Pujya* Mataji.

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रथम शिष्या। इन्होंने 1955 में क्षुल्लिका श्री वीरमती माताजी (वर्तमान-गणिनी ज्ञानमती माताजी) में आजन्म ब्रह्मचर्य व्रत एवं दसवीं प्रतिमा के व्रत धारण कर क्रमशः आचार्य श्री वीरसागर महाराज एवं आचार्य श्री शिवसागर महाराज से क्षुल्लिका एवं आर्यिका दीक्षा ग्रहण की। पुनः ज्ञानमती माताजी से बालबोध से लेकर जिनधर्म के समस्त उच्चकोटि के ग्रंथों का अध्ययन करते हुए उनकी प्रेरणा से प्रमेयकमलमार्तण्ड नामक न्याय ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद किया ।

जिनमहिमा दर्शन – *Jinamahimā Darśana.*

Perception of excellences of Lord Jinendra.

सम्यग्दर्शन की उत्पत्ति के 5 कारणों में एक कारण; जिनेन्द्र भगवान की पंचकल्याणक आदि महिमा को देखकर सम्यग्दर्शन की प्राप्ति ।

जिनमातृका – *Jinamātṛkā.*

Serving female deities of the mother of Lord Jinendra.

कुलाचलों की निवासिनी छः दिक्कुमारी देवियाँ, जो जिनमाता की सेवा करती हैं ।

जिनमुखावलोकन व्रत –

Jinamukhāvalokana Vrata.

A type of vow (daily seeing of Lord first).

भाद्रपद कृ. 1 से आसौज कृ. 1 तक एक माह पर्यंत प्रतिदिन अन्य किसी का मुख देखे बिना विशेष मंत्रों के उच्चारण सहित देव दर्शन करना। पूरी विधि 'व्रत तिथि निर्णय' में देखें ।

जिनमुद्रा – *Jinamudrā.*

Lustrous posture of Lord Jinendra.

जिनेन्द्र भगवान की शांत, दैदीप्यमान और अतिशयी मुद्रा ।

जिनयज्ञ – *Jina Yajña.*

Worshipping Lord Jinendra

जिनेन्द्र की पूजा ।

जिनयज्ञ कल्प – *Jinayajña Kalpa*

A book containing worshipping lessons

पूजा पाठ विषयक एक रचना ।

जिनयज्ञ काव्य – *Jinayajña Kāvya.*

A book written by Pandit Ashadhar

पं. आशाधर जी द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

जिनराज – *Jinarāja.*

Name of a *Pandit*, the learned person in *Ayurved*

एक पंडित एवं आयुर्वेद के विद्वान ।

जिनरात्रि व्रत – *Jinarātri Vrata.*

A type of vow (to be observed for 14 years with keeping awake in the nights).

14 वर्ष पर्यंत प्रत्येक वर्ष फाल्गुन कृ. 14 को उपवास, रात्रि जागरण एवं पहर-पहर में जिनदर्शन करना ।

जिनरूपता क्रिया – *Jinarūpatā Kriyā.*

An auspicious and sacred act (reg. Jaina consercration).

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; यथा अवसर जिन दीक्षा लेना ।

जिनलिंग – *Jinaliṅga.*

Lustrous posture of Lord Jinendra

जिनेन्द्र भगवान के समान अंतरंग में वीतरागता और बाह्य में परिग्रह से रहित निर्विकार यथाजात बालकवत् रूप ।

जिनवचन – *Jinavacana.*

Great preachings of Jaina Lord

आगम या जिनेन्द्र भगवान के वचन ।

जिनवन्दना – *Jinavandanā.*

Paying reverence to Lord Arihant with proper procedure

जिनदर्शन; अर्हंत भगवान को दर्शन विधिपूर्वक नमस्कार करना।

जिनवर – *Jinavara.*

Tirthankars, Jaina Lords.

तीर्थंकर, अरिहंत भगवान ।

जिनवर वृषभ – *Jinavara Vṛṣabha.*

Tirthankars (Jaina-Lords).

जिनवरों में श्रेष्ठ तीर्थंकर परमदेव 'जिनवर वृषभ' कहलाते हैं ।

जिनवाणी – *Jinavāṇī.*

Resonant preaching of Lord Jinendra (in the form of scripture).

सब जीवों के हित का उपदेश देने वाली श्री अर्हंत भगवान की वाणी। यह द्वादशांग रूप होती है ।

जिनशतक – *Jinaśataka.*

Name of a book written by *Pandit* Bhudhardas.

हिन्दी कवि भूधरदास (ई. सन् 1724-37) कृत एक ग्रंथ का नाम ।

जिनशतक स्तोत्र – *Jinaśataka Stotra.*

A religious hymn written by *Acharya* Vasunandi.

आचार्य वसुनन्दि (ई. 1043-1053) कृत एक स्तोत्र ।

जिनशासन – *Jinaśāsana.*
The discipline of Lord Arihant, Jainism
जिनेन्द्र भगवान का शासन ।

जिनसंहिता – *Jinasaṁhitā.*
A book (Jaina code) written by *Acharya* Devasen.
आचार्य देवसेन कृत दर्शनसार की भाषा वचनिका ।

जिनसहस्रनाम – *Jinasahasranāma*
1008 names of Lord Jinendra.
तीर्थंकर (भगवान) के सौधर्म इन्द्र द्वारा स्तुत 1008 नाम ।

जिनसहस्रनाम स्तोत्र – *Jinasahasranāma Stotra.*
A religious hymn written by *Pandit* Ashadhar.
आचार्य श्री जिनसेन स्वामी कृत एवं पं. आशाधर जी कृत एक रचना ।

जिनसागर – *Jinasāgara.*
An *Acharya*, disciple of Devendrakirti and writer of 'Jivandhar Puran'
देवेन्द्र कीर्ति के शिष्य, जीवन्धर पुराण आदि के रचयिता ।

जिनसेन – *Jinasena.*
Name of an *Acharya*, the writer of Mahapuran.
महापुराण के कर्ता श्री जिनसेनाचार्य ।

जिनस्तुतिशतक – *Jinastutiśataka.*
Religious hymns written by *Acharya* Samantbhadra and by *Acharya* Vasunandi.
आचार्य समन्तभद्र (ई.श.2) एवं आचार्य वसुनन्दि (ई. 1043-1053) कृत इस नाम के अलग-अलग स्तोत्र ।

जिनायतन – *Jināyatana.*
The Jain temples (natural & man made).
जिनमंदिर—यह अकृत्रिम-कृत्रिम के भेद से दो प्रकार के होते हैं।

जिनालय वंदना – *Jinālaya Vandanā.*
Paying reverence to natural and man made temples (place of pilgrimages).
अकृत्रिम-कृत्रिम चैत्यालयों की वंदना करना ।

जिनेन्द्रबुद्धि – *Jinendrabuddhi.*
Another name of *Acharya* Pujyapad.
आचार्य पूज्यपाद का अपरनाम ।

जिनेश्वर – *Jineśvara.*
The Lord Jinendra (propagator of Jaina discipline).
तीर्थंकर, ये धर्मतीर्थ के प्रवर्तक होते हैं ।

जिवानी – *Jivānī.*
Filtration of water.
जल को कपड़े से छानकर कपड़े को उलटा करके जल डालना जिवानी है इसे वापस उसी कुएं या जलाशय में डाला जाता है इस विधि को ही जिवानी कहते हैं ।

जिह्वा – *Jihvā.*
Tongue (an organ of body).
रसना इन्द्रिय, जिससे चखकर स्वाद जाना जाता है ।

जिष्णु – *Jiṣṇu.*
Conqueror of sensual pleasures.
जितेन्द्रिय, अरिहंत भगवान, दिगम्बर मुनि ।

जीतहार – *Jītahāra.*
Winning & losing (reg. any case).
जय-पराजय; वस्तु तत्व की व्यवस्था हो जाने पर प्रतिवादी की जीत एवं वादी की हार कहलाती है ।

जीमूत – *Jīmūta.*
Name of a dominion (Bathroom) of *Chakravarti* (emperor).
चक्रवर्ती की एक विभूति 'स्नानगृह' का नाम ।

जीरापल्ली पार्श्वनाथ स्तोत्र –
Jīrāpalli Pārśvanātha Stotra.
See - *Jarāpalli Pārśvanātha Stotra.*
देखें - जरापल्ली पार्श्वनाथ स्तोत्र ।

जीवंधर – *Jīvaṁdhara.*
King Satyandhar's son, who got salvation
राजा सत्यंधर का पुत्र, अंत में दीक्षा धारण कर मोक्ष प्राप्त किया ।

जीवंधर चम्पू – *Jīvaṁdhara Campū.*
Name of a treatise written by Harichand.
जीवंधर स्वामी के चारित्र विषयक हरिचन्द (ई.श. 10 का मध्य) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

जीवंधरचरित्र – *Jīvaṁdharacaritra.*
Name of the books written by poet Raidhu & *Acharya* Shubhchandra in different times.
कवि रइधू (ई. 1439) कृत अपभ्रंश काव्य, आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1546) कृत संस्कृत छन्दबद्ध ग्रंथ ।

जीवंधरपुराण – *Jīvaṁdhara Purāṇa.*
Name of a scripture written by *Acharya* Jinsagar.
आचार्य जिनसागर (ई. 1730) की एक रचना ।

जीवंधर शतपदी – *Jīvaṁdhara Śatapadī.*
Name of a book written by *Acharya* Koteshvar.
आचार्य कोटेश्वर (ई. 1500) की एक रचना ।

जीव – *Jīva.*
Soul, living beings.
7 तत्वों एवं 6 द्रव्यों में प्रथम; जो जानता देखता है उसे जीव कहते हैं ।

जीव अनुभाग – *Jīva Anubhāga.*
Knowing all the matters (including all beings).
समस्त द्रव्यों का जानना जीव अनुभाग है ।

जीवकचिन्तामणि – *Jīvakacintāmaṇi.*
A book written in Tamil By Tirutakkatevar.
ई. श. 7 के मध्यपाद में तिरुतक्कतेवर द्वारा रचित एक तमिल काव्य ।

जीवगति – *Jīvagati.*
Upwards moving nature of the soul (*Siddhagati*).
गमन, ऊर्ध्व गमन करना जीव का स्वभाव है ।

जीवघात – *Jivaghāta.*
Killing of living beings.
जीवों का घात अर्थात् जाने-अनजाने में उनकी हिंसा करना ।

जीवतत्त्वप्रदीपिका – *Jivatattvapradipikā.*
Name of a composition written by *Brahmachari* Keshava Varni
गोम्मटसार जीवकांड पर ब्रह्मचारी केशव वर्णी (ई. 1359) कृत कर्णाटक वृत्ति ।

जीवत्व – *Jivatva.*
Consciousness
व्यवहारनय से जो तीनों कालों में चार प्राणों से एवं निश्चयनय से चैतन्य प्राणों से जीता है वह आत्मा का जीवत्व गुण है ।

जीवद्यशा – *Jivadyaśā.*
Daughter of Jarasandh (a *Pratinarayan*), the king of Rajgrih
राजगृह नगर के राजा जरासन्ध (प्रतिनारायण) की पुत्री ।

जीवन – *Jivana.*
Life, life existence, lifetime.
आयु आदि प्राणों का धारण करना जीवन है ।

जीवनलोभ – *Jivanalobha.*
Greed for life, wish to live-long
लोभ का एक भेद; जीवन जीने का लालच ।

जीवन्मुक्त – *Jivanmukta.*
Emancipated, Liberated or Salvated one.
मोक्ष को प्राप्त जीव ।

जीवन्मुक्तिविवेक – *Jivanmuktiviveka.*
A book written by Vidyaranya.
एक साहित्य प्रवर्तक विद्यारण्य (ई. 1350) कृत एक ग्रंथ ।

जीवपरिणाम – *Jivaparināma.*
Sentiments of living beings
जीव के भाव; मोक्ष मार्ग में व्यवहारक्रिया सहित आत्मपरिणाम ही प्रधान है ।

जीवप्रदेश – *Jivapradeśa.*
Space points of soul.
आत्मप्रदेश ।

जीवबंध – *Jivabandha.*
Bonds of *Karmas* with soul.
जीव से कर्मों का बंध होना ।

जीवभाव – *Jivabhāva.*
Internal attitudes of soul.
जीव के निज तत्त्व; औपशमिक, क्षायिक, क्षायोपशमिक, औदयिक और पारिणामिक ये 5 भेद जीव के स्वतत्त्व कहे गये हैं ।

जीवमोक्ष – *Jivamokṣa.*
A kind of salvation.
जीवमोक्ष, पुद्गल मोक्ष एवं जीव पुद्गल मोक्ष में से मोक्ष का एक प्रकार ।

जीवयुति – *Jivayuti.*
A type of mixing of matters or beings.
द्रव्ययुति का एक भेद; एक कुल, ग्राम, बिल, गुफा या अटवी में जीवों का मिलना ।

जीवरक्षा – *Jivarakṣā.*
Protecting or saving the lives of living beings.
सूक्ष्म आदि प्राणीमात्र की रक्षा करना अर्थात् हिंसा न करना ।

जीवराशि – *Jivarāśi*
Totality of living beings, a collection of living beings.
समस्त जीवों का कुल योग; अनंतानंत ।

जीवविचय – *Jivavicaya.*
Religious observance, spiritual contemplation
धर्मध्यान के 10 भेदों में तीसरा भेद; इसमें द्रव्यार्थिक-पर्यायार्थिक नयों से जीव के स्वरूप का चिंतन किया जाता है ।

जीवविपाकी प्रकृति – *Jivavipākī Prakṛti.*
The *Karmas* which cause fruition directly pertaining to soul
जिनका विपाक जीव में होता है, ऐसी 78 प्रकृतियाँ। वेदनीय की 2, गोत्र की 2, घातिकर्मों की 47, विहायोगति की 2, गति की 4, जाति की 5, श्वासोच्छ्वास की 1, तीर्थंकर की 1 तथा त्रस, यशःकीर्ति, बादर, पर्याप्त, सुस्वर, आदेय और सुभग इन सात युगलों की 14 प्रकृतियाँ; इस प्रकार कुल 78 प्रकृतियाँ ।

जीवसंपात – *Jivasampāta.*
An obstacle in saint-food (falling of any insect between feet).
साधु संबंधी आहार अंतराय; आहार करते समय साधु के दोनों पैरों के बीच किसी जीव का गिर जाना ।

जीवसंस्थान – *Jivasaṁsthāna.*
Transmigration (passing of soul into another body) of soul with the same body form as that of previous birth.
विग्रह गति में आनुपूर्वी नामकर्म के उदय से बना जीव के पूर्व शरीर का आकार (संस्थान) ।

जीवसमास – *Jivasamāsa*
Calssification of living beings, Taxonomy.
पदार्थों का संग्रह करने वाले नाना जीव व नाना प्रकार के जीवों की जातियाँ। जीवसमास 14 होते हैं ।

जीवसमुदाहार – *Jivasamudāhāra.*
A type of disquisition door *'Anuyogdvar'* (reg detailed report of any matter or beings).
पदमीमांसा आदि 8 अनुयोगद्वारों में एक भेद ।

जीवसिद्धि – *Jivasiddhi.*
A book written by *Acharya* Samantbhadra.
आचार्य समन्तभद्र (ई. श. 2) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

जीवस्थान – *Jiva Sthāna.*
Dwelling place of living beings.
जीवों के रहने के स्थान, इन्हें जीव समास भी कहते हैं ।

जीवा – *Jivā.*
Chord of a circle.

एक गणितीय पद अथवा धनुष की डोर ।

जीवाधिकरण – *Jivādhikaraṇa.*

The substratum (an underlined basis) of soul, It is of 108 kinds

अधिकरण का एक भेद, यह संरम्भ-समारम्भ-आरम्भ, कृत-कारित-अनुमोदना एवं 4 कषायों आदि के भेद से 108 प्रकार का है ।

जीवाधिगमोपाय – *Jivādhigamopāya*

Disquisition door (*Anuyogdvar*) providing real knowledge about soul

सत् संख्या आदि 8 अनुयोगद्वार जिनके द्वारा जीव तत्त्व का ज्ञान होता है ।

जीविका – *Jivikā.*

Livelihood, means of subsistence or occupation

धनोपार्जन का साधन; अग्नि जीविका, वनजीविका, अनोजीविका, स्फोट जीविका और भाटकजीविका ।

जीवित – *Jivita.*

Alive, full of life

जीवन से परिपूर्ण ।

जीवितपूर्व – *Jivitapūrva.*

Salvated souls.

सिद्धों को जीवितपूर्व कहा जाता है ।

जीवितावधिक प्रत्याख्यान – *Jivitāvadhika Pratyākhyāna.*

A type of renunciation (reg. avoiding violence).

मैं आमरण स्थूल हिंसादि पापों को नहीं करूँगा ऐसा संकल्प कर त्याग करना ।

जीविताशंसा – *Jivitāśaṁsā.*

An infraction of voluntary death (*Sallekhana*), to have the wish of living more.

सल्लेखना का एक अतिचार; अधिक समय तक जीवित रहने की आकांक्षा होना ।

जुगुप्सा – *Jugupsā.*

Aversion, Reproach, Disgust.

घृणा या ग्लानि होना ।

जुगुप्सा कर्मप्रकृति – *Jugupsā Karmaprakṛti.*

A *Karmic* nature, causing to cover own faults and disclosing others

जिसके उदय से अपने दोषों का संवरण (ढँकना) और परदोषों का अधिकरण (प्रगट करना) होता है ।

जुगुप्सा वेदनीय – *Jugupsā Vedaniya.*

The act of imputation on others and to keep jealousy with noble persons.

दूसरों के कुल-शील आदि में दोष लगाना एवं विशिष्ट वर्ग, कुल आदि की क्रिया में तत्पर पुरुषों से ग्लानि करना ।

जुहार – *Juhāra.*

A word of greeting, paying reverence to Jaina-Lord.

युग के प्रारम्भ में सर्व संकटों को हरने वाले, जीवों की रक्षा करने वाले भगवान ऋषभदेव को प्रणाम हो। परस्पर नमस्कार करने के लिए जुहार शब्द का प्रयोग किया जाता है ।

जैतुगिदेव – *Jaitugideva*

A king of *Bhoj* dynasty.

भोजवंश के एक राजा का नाम ।

जैन – *Jaina.*

The follower of Lord Jinendra, a member of Jain community

जो जिनेन्द्र भगवान का उपासक हो और जिसने जैन कुल में जन्म पाया हो ।

जैनतर्कवार्तिक – *Jainatarkavārtika.*

A book written by 'Shantyacharya'

शान्त्याचार्य (ई. 993-1118) द्वारा संस्कृत छन्दों में रचित न्यायविषयक ग्रंथ ।

जैनदर्शन – *Jainadarśana.*

Jain philosophy.

जिनेन्द्र भगवान के द्वारा प्रतिपादित दर्शन ही जैनदर्शन है ।

जैनदीक्षा – *Jainadikṣā.*

Jaina - consecration (initiation)

निर्ग्रन्थदीक्षा ।

जैनधर्म – *Jainadharma.*

Jain religion (a great religion of non-violence)

आत्मधर्म या जिनेन्द्र प्रणीत धर्म ।

जैन भारती – *Jaina Bhāratī.*

Name of a treatise containing the essence of Jainalogy written by *Ganini* Shri Gyanmati Mataji.

पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा सन् 1974 में लिखित एक ग्रंथ, जिसमें जैनधर्म के सारूप में सम्पूर्ण विषय वस्तु (सृष्टिव्यवस्था, चारों अनुयोग, सूतक-पातक, ध्यान आदि) निहित है। यह हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी भाषाओं में उपलब्ध है ।

जैनशतक – *Jainaśataka.*

Name of a spiritual book written by the poet Bhudhardas.

कवि भूधरदास (वि. 1791) द्वारा 107 भाषा छन्दों में रचित एक आध्यात्मिक कृति ।

जैनश्रावक – *Jainaśrāvaka.*

A Jaina follower (Jaina householder following the prescribed conducts), member of Jain community.

विशुद्ध आचरण धारण करने वाले श्रावक (अष्ट मूलगुण, ग्यारह प्रतिमा इत्यादि का पालन करने वाला गृहस्थ) ।

जैनश्रुति – *Jainaśruti.*

Resonant preaching of Lord Jinendra (in the form of scripture)

जिनवाणी, इसका प्रसार आचार्य परम्परा से हुआ है ।

जैनसंघ – *Jainasaṁgha*

Different groups of Jain saints.

दिगम्बर संघ के मूल भेद, सेनसंघ, नंदिसंघ, सिंहसंघ एवं देवसंघ ये 4 मूल संघ हुए हैं, श्री अर्हद्बली के समय इनका समर्थन किया गया था ।

जैनाचार – *Jainācāra.*
Conduct followed by the members of Jaina community (Jaina-ethics)
जिनेन्द्र भगवान के द्वारा जो श्रावक और साधु के योग्य आचरण का उपदेश दिया गया है वह जैनाचार है ।

जैनाभासी संघ – *Jaināhhāsī Saṃgha.*
Different groups of saints following Jain principles besides from *Digambar* Jain *Moolsangh.*
दिगम्बर जैन मूलसंघ के अतिरिक्त काष्ठा संघ, श्वेताम्बर, द्रविड़, यापनीय, और निःपिच्छ (माथुर संघ) ये 5 जैनाभासी संघ कहलाते हैं ।

जैनाभिमत भूगोल – *Jainābhimata Bhūgola.*
Geographical theory according of Jain conception.
जैन अभिमत के अनुसार लोक (अधोलोक, ऊर्ध्वलोक, मध्यलोक) एवं तीन प्रकार के वातवलयों आदि का वर्णन। जैनमत के अनुसार जम्बूद्वीप आदि पृथिवी स्थिर है तथा सूर्य, चन्द्रमा, तारे आदि के विमान भ्रमणशील हैं ।

जैनेन्द्र व्याकरण – *Jainendra Vyākaraṇa.*
A book written by *Acharya* Pujyapad.
आचार्य पूज्यपाद (ई.श. 5 के मध्यपाद) कृत एक संस्कृत व्याकरण ग्रंथ। इस ग्रंथ की 'जैनेन्द्र प्रक्रिया टीका' का गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी ने हिन्दी अनुवाद किया है जो अभी अप्रकाशित है ।

जैबलि प्रवाहण – *Jaibali Pravāhaṇa.*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा ।

जैमिनी – *Jaimini.*
An investigator (a profounder) of *Mimamsadarshan* (a philosophical system).
मीमांसादर्शन के आद्यप्रवर्तक। समय-ई.पू. 200 ।

जोंक – *Jonka.*
A leech. A type of bad listener.
एक जीव जो शरीर में चिपककर खराब खून को पीता है। जघन्य श्रोता का एक प्रकार, जो गुण छोड़कर सिर्फ अवगुणों को ही ग्रहण करे ।

जोड़ – *Joṛa.*
Addition, Connection, Joint.
दो वस्तुओं या संख्याओं का मिलना ।

जोणीपाहुड़ – *Joṇipāhuṛa.*
Name of a book written by *Acharya* Dharsen.
आचार्य धरसेन (वी.नि. 600) कृत मंत्र-तंत्र विषयक ग्रंथ ।

जोधराज गोदी – *Jodharāja Godī.*
Name of a book written by *Acharya* Dharsen.
सांगानेर निवासी, हिन्दी पद्य में धर्म सरोवर, प्रीतिंकर चरित्र आदि कृतियों के कर्ता ।

ज्योतिरंग – *Jyotiraṅga.*
Lustre providing *Kalpavrikshas* (wish fulfilling trees)
10 प्रकार के कल्पवृक्षों में एक वृक्ष का नाम; ये प्रकाशमान कांति के धारक होते हैं ।

ज्ञप्तिक्रिया – *Jñaptikriyā.*
Activity of knowing
जानने रूप क्रिया ।

ज्ञप्ति-परिवर्तन – *Jñapti-Parivartana.*
Change in acquainted knowledge
जानी हुई वस्तु के जानने में पुनः पुनः परिवर्तन होना ।

ज्ञात – *Jñāta.*
Known.
जान लेना या मालूम होना ।

ज्ञाता – *Jñātā.*
Knowledgeable one, one who has perfect knowledge
सर्व पदार्थों आदि को जो जानता हो, आत्मा का ज्ञाता-दृष्टा स्वभाव होता है ।

ज्ञातृकथांग – *Jñātṛkathāṅga.*
A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
द्वादशांग श्रुतज्ञान का छठा अंग। इसमें 5 लाख 56 हजार पद हैं ।

ज्ञान – *Jñāna.*
Knowledge related to self and others (a virtue of soul).
जीव का एक गुण, इससे स्व और पर का बोध होता है ।

ज्ञानकल्याणक – *Jñānakalyāṇaka.*
A great celebration for omniscience, attained by Lord Arihant.
भगवान के पांच कल्याणकों में से चतुर्थकल्याणक; केवलज्ञान प्राप्त होने पर देवों द्वारा मनाया जाने वाला महोत्सव ।

ज्ञानकल्याणक वन्दना – *Jñānakalyāṇaka Vandanā.*
A type of reverential & devotional prayer.
कृतिकर्म; सिद्ध-श्रुत-चारित्र-योगि व शांतिभक्ति पूर्वक वंदना करना ।

ज्ञानकीर्ति – *Jñānakīrti.*
Name of an *Acharya* who wrote 'Yashodhar Charit'
'यशोधर चरित' के रचयिता (ई. 1602) ।

ज्ञानक्रिया – *Jñānakriyā.*
An activity of gaining knowledge.
जानने रूप क्रिया ।

ज्ञानचन्द्र – *Jñānacandra.*
A *Bhattarak* who wrote 'Panchastikay Tika'
वि.सं. 1775 (ई. 1718) के एक भट्टारक जिन्होंने पंचास्तिकाय टीका लिखी ।

ज्ञानचक्षु – *Jñānacakṣu*

Omniscience.

साधु को आगम चक्षु एवं सिद्धों को ज्ञानचक्षु वाला कहा है ।

ज्ञानचेतना – *Jñānacetanā.*

Cognitive consciousness

चेतना का एक भेद, केवलज्ञान रूप शुद्ध चेतना को ज्ञान चेतना कहते हैं ।

ज्ञानज्योतिटीका – *Jñānajyoti Tīkā.*

The Hindi commentary on Samaysar written by *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji

समयसार ग्रंथ की संस्कृत टीका द्वय (आचार्य श्री अमृतचंद्र सूरि एवं श्री जयसेनाचार्य कृत) पर पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित हिन्दी टीका (समय-बीसवीं सदी का उत्तरार्ध)।

ज्ञानदान – *Jñānadāna.*

Act of giving or imparting knowledge

दान का एक भेद; धर्म से अनभिज्ञ जीवों के लिए धर्मोपदेश देना तथा आत्मज्ञान के साधनभूत शास्त्रादि प्रदान करना देना ।

ज्ञानदीपक – *Jñānadīpaka.*

A book written by *Acharya* Brahmadev

आचार्य ब्रह्मदेव (ई. 1292-1323) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

ज्ञाननंदि – *Jñānanandi*

An *Acharya* of *Nandi* group.

नन्दिसंघ के एक आचार्य का नाम ।

ज्ञाननय – *Jñānanaya .*

Viewpoint of acquiring religious knowledge.

अर्थ, शब्द, ज्ञान तीन भेदों में नय का एक भेद; धर्म को जानने वाला ज्ञान ।

ज्ञानपंचमी – *Jñānapaṁcamī.*

A book written by poet Viddhanu

कवि विद्धणु (ई. 1366) कृत एक ग्रंथ जिसमें श्रुतपंचमी व्रत का माहात्म्य दर्शाया है ।

ज्ञानपंडित – *Jñānapaṁḍita.*

One who is involved in right knowledge.

मति आदि पाँच प्रकार के सम्यग्ज्ञान से जो परिणत है ।

ज्ञानपच्चीसी व्रत – *Jñānapaccīsī Vrata.*

A type of vow (related to 14 *Purvas* & 11 *Angas*).

श्रुतज्ञान संबंधी ग्यारह अंगों की 11 एकादशी और चौदह पूर्वों की 14 चतुर्दशी इस प्रकार 25 उपवास करना एवं उनकी पृथक-पृथक् जाप करना ।

ज्ञानपर्याय – *Jñānaparyāya.*

Instinctive true knowledge

स्वपर तत्त्व की यथावस्थित अनुभूतिरूप पर्याय ।

ज्ञानप्रवाद – *Jñānapravāda.*

A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).

अंग द्रव्यश्रुतज्ञान का 5वाँ पूर्व। इसमें मति आदि 8 ज्ञान का विशेष कथन है, इसके एक कम एक करोड़ पद हैं ।

ज्ञानबाल – *Jñānabāla.*

Unknown to reality.

जीवादि पदार्थों का यथार्थ ज्ञान जिनको नहीं है ।

ज्ञानभूषण – *Jñānabhūṣaṇa*

Name of *Bhattarak* of *Nandi* group

नन्दिसंघ में इस नाम से हुए भट्टारक ।

ज्ञानमती – *Jñānamatī (Gaṇinī Āryikā)*

Name of the supreme ranked Jaina female ascetic, who is the chief disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Veersagar Maharaj in the tradition of *Acharya* Shri Shantisagarji Maharaj. She born at 22nd october 1934 in Takaitnagar (Barabanki) & took oath for the vow of celibacy and for renunciation of the homely affairs in the small age of 18 years only, from *Acharya* Shri Deshbhushan Maharaj in year 1952. Thereafter she accepted Jaina-Initation (for *Aryika* stage) in 1956 from *Acharya* Veersagar Maharaj. Her childhood name was *Ku. Maina Jain*. She studied upto 3rd standard only but she is the most venerable, supreme knowledgeable & seniour personality among all Jain saints. She is having number of invaluable credits over the society concerning with the protection & development of the Jaina culture & heritage. She is only the first Jaina asceitc who has performed tremendous job of writing more than 250 scriptures including commentaries, inspiring novels & story books etc. in the history of last 2500 years after Mahavira. Number of substantial & worthwhile seminars and religious programmes has been conducted at national & internation level. She has got constructed on her inspiration beautiful geographical creation of Jambudvip at Hastinapur, which is the centre of attraction in the world. Moreover the construction & development of Ayodhya, Mangitungi, Tapasthali (Prayag), Kundalpur (Nalanda) etc many reverential places has been taken palce on her valuable inspiration.

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी की परंपरा में हुए प्रथम पट्टाचार्य श्री वीरसागर जी महाराज की एक योग्य शिष्या एवं बीसवीं शताब्दी की प्रथम बालब्रह्मचारिणी गणिनी आर्यिका, जिन्होंने 18 वर्ष की अल्प आयु में आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज से ई. सन् 1952 में बाराबंकी में आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत धारण कर, आचार्यश्री देशभूषण महाराज से ही 1953 में चैत्र कृ. 1 को महावीर जी (राज.) में क्षुल्लिका दीक्षा धारण की एवं ई. सन् 1956 में वैशाख कृ. 2 को माधोराजपुरा (राज.) में आचार्यश्री वीरसागर जी महाराज से आर्यिका दीक्षा प्राप्त की। आपका जन्म 22 अक्टूबर 1934, शरदपूर्णिमा के दिन टिकैतनगर (बाराबंकी), उ.प्र. में हुआ, आपका बचपन का नाम कु. मैना जैन था, आपकी माता श्रीमती मोहिनीदेवी एवं पिता श्री छोटेलाल जैन थे। आप परिवार की कुल तेरह संतानों में प्रथम संतान हैं। आपने माँ को दहेज में प्राप्त

पद्मनंदिपंचविंशतिका ग्रन्थ का नियमित स्वाध्याय एवं पूर्वजन्म में प्राप्त दृढ़ वैराग्य संकल्पों के बल पर त्याग मार्ग को धारण कर जैनशासन के वर्तमान आकाश पर छिटके नक्षत्रों में दैदीप्यमान सूर्य की भाँति अपनी प्रकाश-रश्मियों को प्रकीर्णित किया है। भगवान महावीर के पश्चात् जहाँ 2500 वर्ष के इतिहास में किसी भी जैन साध्वी द्वारा शास्त्र लेखन की कोई मिसाल दृष्टिगोचर नहीं होती थी वहीं ज्ञानमती माताजी ने षट्खंडागम, समयसार, नियमसार इत्यादि की हिन्दी-संस्कृत टीकाएं, जैन भारती, ज्ञानामृत, कातन्त्र व्याकरण, जिनेन्द्र भास्कर, प्रवचन निर्देशिका आदि स्वाध्याय ग्रन्थ, प्रतिज्ञा, संस्कार, भक्ति, आदिब्रह्मा, आटे का मुर्गा, जीवनदान इत्यादि मार्मिक जैन उपन्यास, द्रव्यसंग्रह-रत्नकरंडश्रावकाचार इत्यादि के हिन्दी पद्यानुवाद, इन्द्रध्वज, कल्पद्रुम, सर्वतोभद्र, तीनलोक, सिद्धचक्र, विश्वशांति महावीर विधान आदि अनेक मौलिक ग्रन्थों को मिलाकर 250 से अधिक ग्रंथों का सृजन कर इतिहास को बदला है। आपने गोम्मटसार, परीक्षामुख, न्यायदीपिका, प्रमेयकमलमार्तण्ड, अष्टसहस्री, तत्त्वार्थराजवार्तिक, सर्वार्थसिद्धि, अनगारधर्मामृत, मूलाचार, त्रिलोकसार जैसे अनेक ग्रंथों का अध्यापन अपने अनेक शिष्य-शिष्याओं तथा संघस्थ साधुओं को कराया जिसके फलस्वरूप कई विद्वान आचार्य एवं आर्यिकाओं ने जन्म लिया, जिनमें आचार्य अजितसागर, आचार्य वर्द्धमानसागर, आचार्य अभिनंदनसागर, आर्यिका रत्नमती, आर्यिका जिनमती, आर्यिका चन्दनामती आदि प्रमुख हैं। पूज्य ज्ञानमती माताजी ने लौकिक शिक्षा में कक्षा तीन तक अध्ययन किया है लेकिन उनकी गहरी अकादमिक रुचि एवं दूरदृष्टिकोण के परिणाम स्वरूप उनकी प्रेरणा से सन् 1985 में 'जैन गणित एवं त्रिलोक विज्ञान' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर में सम्पन्न हुआ। पुनः कई संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं और सन् 1998 में 'भगवान ऋषभदेव राष्ट्रीय कुलपति सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया, जिसके फलस्वरूप देश में पढ़ाई जाने वाली पाठ्यपुस्तकों में 'भगवान महावीर को जैनधर्म का संस्थापक' उल्लिखित करने जैसी भ्रान्तियों का निराकरण होने हेतु पर्याप्त बल मिला एवं पाठ्यपुस्तकों में भगवान ऋषभदेव को इस युग में जैनधर्म का प्रथम प्रवर्तक लिखा जाने लगा। माताजी का बहुआयामी दृष्टिकोण किसी भी क्षेत्र के विकास से अछूता नहीं रहा। जैनधर्म एवं संस्कृति के संरक्षण एवं विकास में भी माताजी ने जैन भूगोल की अद्वितीय रचना-जम्बूद्वीप का निर्माण हस्तिनापुर में कराया, जहाँ स्वर्ग से कम अनुभूति नहीं होती। इसी श्रृंखला में अयोध्या, मांगीतुंगी, प्रयाग (तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली तीर्थ), कुण्डलपुर-नालंदा (नंद्यावर्त महल तीर्थ) आदि अनेक तीर्थों का निर्माण एवं विकास भी माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ। माताजी को उनकी अपार विद्वत्ता के सम्मान में अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा डी.लिट्. की मानद उपाधि भी प्राप्त है। जंबूद्वीप ज्ञानज्योति (सन् 1982), भगवान ऋषभदेव समवसरण श्रीविहार (सन् 1998) एवं भगवान महावीर ज्योति (सन् 2003) रथों के अखिल भारतीय प्रवर्तन की सम्प्रेरिका तथा भगवान ऋषभदेव जन्मजयंती महोत्सव वर्ष (सन् 1997), प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित भगवान ऋषभदेव अंतर्राष्ट्रीय निर्वाण महामहोत्सव वर्ष (सन् 2000) और भगवान पार्श्वनाथ जन्मकल्याणक तृतीय सहस्राब्दि महोत्सव वर्ष (सन् 2005) जैसे महान आयोजनों की भी आप प्रेरणास्रोत हैं।

ज्ञानमद – *Jñānamada.*

Pride or puff of knowledge

ज्ञान का घमंड होना ।

ज्ञानमार्गणा – *Jñānamārgaṇā.*

A type of knowledgeable investigation about beings

14 मार्गणाओं में एक मार्गणा, ज्ञान के द्वारा जीवों का अन्वेषण।

ज्ञानमीमांसा – *Jñānamīmāṁsā*

A part of *Vedic* Philosophy

वैदिक दर्शन का एक भेद; मीमांसा.

ज्ञानमूढ़ – *Jñānamūṛha.*

A title of the saint, devoid of right conduct

सम्यक्त्वआचरण से भ्रष्ट साधु की उपाधि ।

ज्ञानयोग – *Jñānayoga*

A branch of *Yoga*

योग की एक शाखा जो ज्ञान से संबंधित है ।

ज्ञानविनय – *Jñānavinaya*

Internal penance; paying reverence to right knowledge

अंतरंग तप का एक भेद; सम्यग्ज्ञान को आदर सम्मानपूर्वक ग्रहण करना अथवा ज्ञान, ज्ञान के उपकरण एवं ज्ञानी पुरुषों में भक्ति आदर भाव होना ।

ज्ञानवृद्ध – *Jñānavṛddha*

One having abundant right knowledge

तत्त्वज्ञान आदि गुणों की जिसमें अधिकता हो ।

ज्ञानशक्ति – *Jñānaśakti.*

One of the 47 powers acquired by the soul

जीव की 47 शक्तियों में एक शक्ति, ज्ञेय पदार्थों में विशेष रूप से उपयुक्त होने वाली आत्मा की एक साकारोपयोगी शक्ति अर्थात् ज्ञान ।

ज्ञानशल्य – *Jñānaśalya.*

Dishonour of right knowledge

अकाल में पढ़ना और ज्ञान का अविनयादिक करना ।

ज्ञानशुद्धि – *Jñānaśuddhi.*

Acquiring real knowledge (meaningful extraction) of the universe.

ज्ञानरूपी प्रकाश से सारे लोक का सार जान लेना ।

ज्ञानसंस्कार – *Jñānasaṁskāra.*

Paying reverence to scriptures.

विनय के साथ शास्त्र आदि को पढ़ना ।

ज्ञानसमय – *Jñānasamaya.*

Right time of gaining right knowledge.

मिथ्यात्व के अभाव में होने वाला आत्मज्ञान ही ज्ञानसमय है। ज्ञानसमय भावश्रुतरूप होता है (यह दिगम्बर महामुनियों में ही होता है) ।

ज्ञानसागर – *Jñānasāgara*

1) Name of a disciple of Shribhushan who wrote a book 'Akshar Bavani' 2) Name of an *Acharya*, the disciple of *Acharya* Shivsagar Maharaj. 3) Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Sumatisagar Maharaj.

1) श्रीभूषण के शिष्य (ई. श. 17 का पूर्वार्द्ध) जिन्होंने अक्षर बावनी नामक ग्रंथ की रचना की । 2) आचार्य शिवसागर महाराज के आचार्य-शिष्य (ई.श. 20-21), जो अनेक संस्कृत साहित्य के रचयिता हुए । 3) आचार्यश्री सुमतिसागर महाराज के उपाध्याय-शिष्य (ई.श.20-21), सराकोद्धारक मुनि के रूप में आपकी विशेष पहचान है ।

ज्ञानसार – *Jñānasāra*

Two different books written by (1) *Acharya* Devasen (2) *Muni* Padyasingh

आचार्य देवसेन (ई. 933-955) एवं मुनि पद्मसिंह (ई. 1089) कृत ज्ञानसार नामक ग्रंथ ।

ज्ञानसूर्योदय नाटक – *Jñānasuryodaya Nāṭaka*

Name of a book written by *Acharya* Vadichandra.

आचार्य वादिचन्द्र (1580-1607) द्वारा रचित एक रूपक काव्य।

ज्ञानाकार – *Jñānākāra.*

Power of the soul (super consciousness).

चैतन्य शक्ति का एक भेद; स्वात्मा ।

ज्ञानाचार – *Jñānācāra.*

Right practice of right knowledge

काल, विनय, उपधान, बहुमान, अनिह्नव, व्यंजन, अर्थ, तदुभय इन 8 शुद्धि से युक्त सम्यग्ज्ञान का अभ्यास करना ।

ज्ञानातिशय – *Jñānātiśaya*

Ten excellences of the omniscience of Lord Arihant

अर्हंत भगवान के केवलज्ञान के 10 अतिशय ।

ज्ञानाराधना – *Jñānārādhanā.*

Contemplation of right knowledge

आराधना का एक भेद; सत्य ज्ञान का मनन करना ।

ज्ञानार्णव – *Jñānārṇava.*

Name of a book written by *Acharya* Shubhchandra.

आचार्य शुभचन्द्र (अनुमानित समय ई. 1003-1068) द्वारा लिखित ध्यान विषयक ग्रंथ ।

ज्ञानावरण – *Jñānāvaraṇa.*

Obscuring *Karmas* of knowledge

जीव के ज्ञान को आवृत करने वाले एक कर्म विशेष का नाम।

ज्ञानी – *Jñānī*

A learned person, a person possessing right knowledge.

पूर्णरूप की अपेक्षा केवलज्ञानी ही वास्तव में ज्ञानी हैं, मोक्षमार्ग में भेदविज्ञानी को ज्ञानी कहते हैं ।

ज्ञानेश्वर – *Jñāneśvara.*

Name of the 17[th] *Teerthankar* (Jaina Lord) of the past era

भूतकालीन सत्रहवें तीर्थंकर ।

ज्ञानोद्योतन – *Jñānodyotana.*

Enlightenment of the real knowledge

यथार्थ वस्तु का ज्ञान होने से विपरीतता का चला जाना ।

ज्ञानोपकरण – *Jñānopakaraṇa.*

Sources of real knowledge.

शास्त्र आदि जहाँ से ज्ञान मिलता है ।

ज्ञानोपयोग – *Jñānopayoga.*

Cognitive consciousness

उपयोग का एक भेद; इसके मतिज्ञान आदि 8 भेद हैं ।

ज्ञायक – *Jñāyaka*

A learned person, knower of right knowledge.

ज्ञाता, जानने वाले ।

ज्ञायक शरीर – *Jñāyaka Śarīra*

Body of a learned person, who knows real nature of *Karmas*.

कर्मस्वरूप के जानने वाले जीव का शरीर ।

ज्ञेय – *Jñeya.*

Recognizable objects

पदार्थ; जानने योग्य सर्व ही द्रव्य गुण पर्याय ।

ज्ञेय-ज्ञायक संबंध – *Jñeya-Jñāyaka Sambandha.*

Relation between the object (matter) & the knower

पदार्थ और उसके जानने वाले का संबंध ।

ज्ञेय तत्त्व – *Jñeya Tattva.*

Knowledgeable substances (elements).

जानने योग्य तत्त्व; सात तत्त्व ।

ज्ञेयाकार – *Jñeyākāra*

Characteristic knowledge of matter.

उपयोग का एक भेद; पदार्थाकार ज्ञान का होना ।

ज्ञेयाकार परिणमन – *Jñeyākāra Pariṇamana.*

Involvement into the knowledge of soul.

ज्ञेयाकार रूप आत्मा में परिणमन ।

ज्ञेयार्थ – *Jñeyārtha.*

Recognizable matters.

ज्ञेय रूप पदार्थ ।

ज्यामिति – *Jyāmiti.*

A branch of mathematics, Geometry.

गणित की एक शाखा, एक गणितीय विषय ।

ज्येष्ठ – *Jyeṣṭha.*

A kind of peripatetic deities (*Kinnars*).

किन्नर जातीय व्यंतर देवों का एक भेद ।

ज्येष्ठ जिनवर अभिषेक – *Jyeṣṭha Jinavara Abhiṣeka.*

Daily anointment of Lord Rishabhdev in the month of *Jyeshtha* with reciting special prayer.

ज्येष्ठ मास में विशेष पाठ पढ़ते हुए प्रतिदिन किया जाने वाला भगवान ऋषभदेव का विशेष कलशाभिषेक ।

ज्येष्ठ जिनवर व्रत – *Jyeṣṭha Jinavara Vrata.*
A type of vow to be observed with special procedure in the month of *Jyeshtha*
उत्तम 24 वर्ष, मध्यम 12 वर्ष व जघन्य 1 वर्ष तक, प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को उपवास व अन्य दिन एकाशन करना। इस व्रत में पूरे ज्येष्ठ मास तक ज्येष्ठ जिनवर अभिषेक एवं पूजा की जाती है ।

ज्येष्ठ स्थिति कल्प – *Jyeṣṭha Sthiti Kalpa*
One special virtue of Jain preceptors
पंचमहाव्रतधारी आचार्यों का एक गुण ।

ज्येष्ठा – *Jyeṣṭhā.*
Name of a lunar.
28 नक्षत्रों में एक नक्षत्र का नाम। इसका स्वामी इन्द्र है, आकार ... है। तीर्थंकर ... का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था ।

ज्योति – *Jyoti.*
Radiance, Light, Lustre, The 8th *Patal* (layer) of the first hell
परम ज्योति का अपरनाम, परम ज्योति, प्रथम नरक के खर भाग का 8वाँ पटल ।

ज्योतिरस – *Jyotirasa*
Name of an earth in all 14 (accordig to Jaina philosophy).
चित्रा पृथिवी के नीचे स्थित 14 पृथिवियों में एक पृथिवी, जिसकी मोटाई 1000 योजन है ।

ज्योतिर्ज्ञान विधि – *Jyotirjñāna Vidhi.*
Name of an astrological book written by *Acharya* Shridhar.
आचार्य श्रीधर कृत ज्योतिष शास्त्र विषयक एक ग्रन्थ। समय-ई. सन् 799 ।

ज्योतिषकरंड – *Jyotiṣakaraṇḍa*
Name of great book written by a *Shvetambar Acharya.*
जिनभद्रगणी (वि. 650) से पूर्व किसी श्वेताम्बर आचार्य द्वारा रचित ज्योतिर्लोक तथा काल गणना विषयक सूत्रबद्ध अर्धमागधी ग्रंथ ।

ज्योतिषचारण ऋद्धि – *Jyotiṣacāraṇa Ṛddhi.*
A type of supernatural power related to movement.
चारण ऋद्धि का एक भेद; जिसके प्रभाव से तपस्वी नीचे ऊपर फैलने वाले ज्योतिषी देवों के विमानों की किरणों का अवलम्बन करके गमन करते हैं ।

ज्योतिष देव – *Jyotiṣa Deva.*
A type of deities with lustre, stellar deities.
चतुर्विध देवों में एक प्रकार के देव; ये उज्ज्वल किरणों से युक्त होते हैं, इनके चन्द्रमा, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारे ये 5 भेद हैं। ये ज्योतिषी विमानों में रहते हैं ।

ज्योतिष लोक – *Jyotiṣa Loka.*
An upper part of universe.
पृथ्वी तल से 790 योजन की ऊँचाई से 900 योजन की ऊँचाई तक एक सौ दस योजन में स्थित लोक ।

ज्योतिष विद्या – *Jyotiṣa Vidyā*
Knowledge of the past & future according to astrology.
सूर्य चन्द्र आदि ज्योतिष्क देवों की गतिविधि से भूत-भविष्यत को जानने वाला महानिमित्त ज्ञान ।

ज्योतिष्मान – *Jyotiṣmāna.*
Name of a planet (56[th] among 88)
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 56वाँ ग्रह ।

ज्वलन – *Jvalana*
The eldest son of Shyama, the queen of Vasudev.
वसुदेव की रानी श्यामा का ज्येष्ठ पुत्र। यह अग्निवेग का अग्रज था

ज्वाला – *Jvālā.*
The mother's name of the 15[th] *Tirthankar* (Jaina Lord) of *Videh Kshetra* (region).
विदेहक्षेत्रस्थ 20 तीर्थंकरों में 15वें तीर्थंकर 'ईश्वर' की माता का नाम ।

ज्वालामालिनी – *Jvālāmālinī*
Name of the ruling female demigod of Lord Chandraprabhu, Name of a female deity.
तीर्थंकर चन्द्रप्रभु की यक्षिणी (शासन देवी), एक विद्या देवी का नाम ।

ज्वालामालिनी कल्प – *Jvālāmālinī Kalpa.*
Name of a book written by *Bhattarak* Indranandi
भट्टारक इन्द्रनंदि (ई. सन् 939) कृत 372 पद्य वाला एक तांत्रिक ग्रंथ ।

ज्वालिनी कल्प – *Jvālinī Kalpa.*
Name of a book written by *Bhattarak* Mallishen
भट्टारक मल्लिषेण (ई. 1047) कृत लघुकाय तांत्रिक (तंत्र-मंत्र) ग्रंथ।

झ

झ – *Jha.*

The nineth consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का नवां व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान तालु है

झंझावात – *Jhamjhāvāta*

Heavy rainy storm
जलवृष्टि सहित जो वायु बहती है उसे झंझावात कहते हैं ।

झरना – *Jharanā*

Waterfall.
पहाड़ों से निकलने वाली जलधारा ।

झष – *Jhaṣa.*

Name of the 3rd *Patal* (layer) of the 5th hell
5वें नरक का तीसरा पटल ।

झषक – *Jhaṣaka.*

See - *Jhaṣa.*
देखें - झष ।

झषका – *Jhaṣakā.*

See - *Jhaṣa.*
देखें - झष ।

झांझ – *Jhāmjha.*

A cymbal to be kept near the idol of Lord Jinendra, Passion, Anger, Wickedness.
जिनेन्द्र देव की प्रतिमाओं के समीप विद्यमान रहने वाले 108 मंगल द्रव्यों में एक, चित्त का बुरा संवेग, क्रोध, दुष्टता ।

झारी – *Jhārī*

A pitcher having a long neck & a spout, to be kept near the idol of Lord Jinendra.
जिनेन्द्र देव की प्रतिमाओं के समीप विद्यमान रहने वाले अष्ट मंगल द्रव्यों में से एक, इस झारी से भगवान का अभिषेक भी किया जाता है ।

ट

ट – *Ṭa.*

The eleventh consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी लिपि का ग्यारहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है ।

टंक – *Ṭamka.*

Man made water reservoirs etc, Name of a commentator of Vedic literature.
शिलामय पर्वतों में उकेरे गये वापी, कुआ, तालाब और जिनघर आदि टंक कहलाते हैं । वेदांत साहित्य के एक टीकाकार; द्रविडाचार्य टंक ।

टंकण – *Ṭamkaṇa.*

A city near Girikula mountain and Eravati river, To do typing.
ऐरावती नदी व गिरिकूट पर्वत के निकट स्थित एक नगर, टाइप करना ।

टंकण द्वीप – *Ṭamkaṇadvipa.*

A country of *Bharat kshetra* (region).
भरत क्षेत्र का एक देश ।

टंकोत्कीर्ण – *Ṭamkotkīrṇa.*

Something engraved, An adjective word for pure soul.
टाँकी से उत्कीर्ण अक्षर, चित्र आदि । आत्मा के ज्ञायक स्वभाव को भी टंकोत्कीर्ण के समान कहा है ।

टंडाणा गीत – *Ṭamḍāṇā Gīta.*

Name of a book related to true philosophy of life
संसार दुख दर्शन विषयक एक ग्रंथ ।

टिप्पणी – *Ṭippaṇī*

Notes, Comments.
भाष्य, टीका ।

टीका – *Ṭīkā.*

Commentary, Explanation, Exposition.
व्याख्या, विशद व्याख्यान ।

टोडरमल – *Ṭodaramala.*

A very learned and extraordinary *Pandit* who wrote commentary on a number of Jain scriptures.
जयपुर के एक पंडित (ई.श 1740-1767) जिन्होंने गोमट्टसार, लब्धिसार, क्षपणासार, त्रिलोकसार इत्यादि कई ग्रंथों की हिन्दी टीका की ।

टीला – *Ṭīlā.*

Mound, A hillock.
पृथिवी के तल से ऊँचा भाग ।

ठ ड ढ

ठ– *Tha.*

The twelfth consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी लिपि का बारहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है।

ठकाप्पा (कवि) – *Thakāppā (Kavi)*

Name of a Marathi poet.
एक मराठी कवि जिन्होंने पाण्डव पुराण की रचना की।

ड – *Da.*

The thirteenth consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी लिपि का तेरहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है।

डाँस – *Dāṁsa.*

A type of listeners of low category (creating disturbances).
श्रोता; जो उपदेश तो बिल्कुल ही ग्रहण न करें परन्तु सारी सभा को डाँस (मच्छर) के समान व्याकुल कर दे।

डामर – *Dāmara.*

The father's name of Lord Parshvanath (of past birth). Agitation.
पार्श्वनाथ भगवान के पूर्वभव के पिता का नाम, अहंकार।

ड्योढ गुणहानि – *Dyodha Guṇahāni.*

A mathematical quantity.
गुणहानि आयाम को ड्योढ़ा करने पर मिले प्रमाण को ड्योढ गुणहानि कहते हैं।

ढ – *Dha.*

The fourteenth consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी लिपि का चौदहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है।

ढिग – *Dhiga.*

Nearness.
पास, समीपता।

ढूंढिया पंथ – *Dhūṁḍhiyā Paṁtha.*

Non- Idolater sect of *Shvetambers*
श्वेताम्बर संप्रदाय का स्थानकवासी मत।

ण

ण – *Na*

The fifteenth consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी लिपि का पन्द्रहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है।

णमोकार धाम– *Namokāra Dhāma*

Name of a newly built place of pilgrimage situated at Sanavad (M.P.) and constructed on the inspiration of Ganini Shri Gyanmati Mataji
इंदौर (म.प्र.) के निकट सनावद में सन् 1996 में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से एवं क्षुल्लक श्री मोतीसागर जी की भावनानुसार उनके ससंघ सान्निध्य में इस तीर्थ का शिलान्यास हुआ। यहाँ णमोकार महामंत्र के 35 अक्षरों को 35 अलग पंखुड़ियों पर उत्कीर्ण करवाकर पंचपरमेष्ठी की प्रतिमाएं विराजमान करने की योजना माताजी ने दी। वर्तमान में इस नवोदित तीर्थ पर भगवान ऋषभदेव की सवा सात फुट उत्तुंग पद्मासन प्रतिमा विराजमान है तथा प्राकृतिक सौन्दर्य से युक्त इस तीर्थ का दर्शन करने हेतु दूर-दूर से श्रद्धालु पधारते हैं।

णमोकार मंत्र – *Namokāra Mantra.*

"Namo Arihantanam, Namo Siddhanam, Namo Ayariyanam, Namo Uvajjhayanam, Namo Loe Savvasahunam." It is an omnipotent *Mantra* (an assemblage of super auspicious mystic words) of Jaina religion
'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आइरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्वसाहूणं' यह जैन शासन का मूलमंत्र (सर्वशक्तिमान मंत्र) है, जिसमें पंचपरमेष्ठियों अर्थात् अरहन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और लोक के सर्व साधुओं को नमस्कार किया गया है। इससे 84 लाख मंत्रों की उत्पत्ति हुई है। यह अनादिनिधन (शाश्वत), अपराजित मंत्र कहा जाता है।

णमोकार मंत्र पूजा– *Namokāra Mantra Pūjā.*

Name of a worshipping hymn written by *Ganini* Shri Gyanmati Mataji based on the eulogy of *Panchparmeshthi* (Arihant, Siddha, Acharya, Upaddhyay & Sadhu).
गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी (ई. श. 20 उत्तरार्द्ध) द्वारा लिखित पंचपरमेष्ठियों की भक्ति पर आधारित एक पूजा, इसे प्रतिदिन एवं णमोकार व्रत में करने की परंपरा है।

णमोकार यंत्र – *Namokāra Yantra.*

A metallic plate engraved with some auspicious mystic words *Namokāra Mantra* or some numbers.
णमोकार मंत्र या अंक लिखित धातु की प्लेट।

णमोकार विधान – *Namokāra Vidhāna.*

Name of a *Vidhan*-procedural worshipping composition.

आर्यिका श्री अभयमती माताजी (ई. श. 20 उत्तरार्द्ध) एवं अन्य लेखकों द्वारा रचित णमोकार मंत्र के 35 अक्षरों पर आधारित एक पूजा विधान ।

णायकुमारचरिउ – *Nāyakumāracariu.*

Name of a book.

नागकुमार चरित्र विषयक एक ग्रंथ ।

णिक्खोदिम – *Nikkhodima*

A process of digging downward for obtaining some matters or water etc.

क्रिया पुष्करिणी, वापी, कूप, तड़ाग, जयन और सुरंग आदि निष्खनन क्रिया से सिद्ध हुए द्रव्य ।

णेमिणाहचरिउ – *Nemiṇāhacariu.*

A book written by *Acharya* Amarkirti.

आचार्य अमरकीर्ति (ई.सन् 1187) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

त

त – *Ta.*

The sixteenth consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी लिपि का सोलहवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान दंतमूल है ।

तंडुल – *Taṁḍula.*

See - *Taṁdula.*

देखे – तंदुल ।

तंदुल – *Taṁdula.*

Rice; one among the 8 articles used for worshipping of Jaina Lord.

चावल, पूजन के अष्टद्रव्यों में से एक द्रव्य, जिसे अक्षत भी कहते हैं।

तंतुचारण ऋद्धि – *Taṁtucāraṇa Ṛddhi.*

A supernatural power for becoming so small as to walk on the spider's web.

ऋद्धि; जिसके प्रभाव से मुनिजन अति लघु होकर मकड़ी के तंतु के ऊपर चरण रखते हुए उसे बिना बाधा पहुँचाये गमन करते हैं ।

तंत्र – *Taṁtra.*

A charm and enchantment, a mystical formula for the attainment of super natural powers

जादू-टोना; चिकित्सा, भक्ति, मंत्र आदि की पद्धति ।

तंत्ररत्न – *Taṁtraratna.*

Name of a book written by Parthsarthi Mishra.

पार्थसारथिमिश्र द्वारा रचित एक साहित्य ग्रंथ ।

तंत्रवार्तिक – *Taṁtravārtika.*

Name of a commentary book written by Kumarili Bhatta.

मीमांसा दर्शन की कुमारिल भट्ट (ई.700) रचित एक टीका ।

तंत्रवार्तिक टीका – *Taṁtravārtika Ṭīkā.*

Name of a book written by Someshvar Bhatta.

मीमांसा दर्शन का सोमेश्वर भट्ट द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

तंत्रसिद्धांत – *Taṁtrasiddhāṁta.*

Doctrines of mystic formula expressed in the scriptures.

सिद्धांत के भेद; जो अर्थ सर्व शास्त्रों में अविरुद्धता से माना जाये सर्वतन्त्र सिद्धान्त है एवं जो बात एक शास्त्र में सिद्ध व दूसरे में असिद्ध पायी जावे तब वह प्रतितंत्र सिद्धांत होता है ।

तक्षक – *Takṣaka.*

Carver, Carpenter.

बढ़ई, लकड़ी का काम करने वाला ।

तक्षशिला – *Takṣaśilā.*

Former name of the present city of Punjab 'Taksila'.

वर्तमान टैक्सिला, उत्तर पंजाब का एक प्रसिद्ध नगर । सिंधु नदी

से जेहलम तक के समस्त प्रदेश का नाम तक्षशिला था, जिस पर सिकंदर के समय राजा अम्भी राज्य करता था ।

तट – *Tata.*

The bank of a river, A king of *Rakshas* dynasty, Name of a city of *Vijayardh* mountain region
नदी का किनारा, राक्षस वंश का एक राजा, विजयार्ध पर्वत का एक नगर ।

तडित्प्रभ – *Taditprabha.*

Name of some water reservoirs.
देवकुरु का ह्रद (तालाब), निषध पर्वत से उत्तर की ओर नदी के मध्य में स्थित 5 महाह्रदों में एक ह्रद

तडिद – *Tadida.*

Lightening, reason for the worldly detachment of Lord Chandraprabha & Mallinath.
बिजली चमकना; चन्द्रप्रभु भगवान एवं मल्लिनाथ भगवान का वैराग्य कारण ।

तडिद्वक्त्र – *Tadidavaktra.*

The king of *Vidyadhars.*
विद्याधरों का राजा; राम का पक्षधारी ।

ततक – *Tataka.*

The first *Patal* (layer) of the 2nd hell.
द्वितीय नरक का प्रथम पटल ।

तत् – *Tat.*

The same (pronoun), that thing, A stringed musical instrument
सर्वनाम पद, पूर्व प्रकरण में आये हुए अर्थ का परामर्शक होता है। तार से बजाये जाने वाले वीणा आदि वाद्य ।

तत्त्व – *Tattva.*

The 4th *Patal* (layer) of the 4th hell.
चौथे नरक का चौथा पटल ।

तत्त्व – *Tattva.*

Nature of things, Reality, Elements, Essence, Principle.
प्रयोजन भूत वस्तु के स्वभाव को तत्त्व कहते हैं। जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा, मोक्ष ये 7 तत्त्व जिनागम में बताये गये हैं। पुण्य व पाप को मिलाकर तत्त्व 9 हो जाते हैं, परमार्थ में एक शुद्धात्मा ही प्रयोजनभूत तत्त्व है ।

तत्त्वकथा – *Tattvakatha.*

A sacred legend which inspires to move on the path of deliverance.
मोक्षमार्ग में प्रेरित करने वाली कथा, अपरनाम धर्मकथा ।

तत्त्वक्रिया – *Tattvakriya.*

A type of auspicious activity (study with silence).
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में 25 वीं क्रिया; मौनाध्ययन संस्कार।

तत्त्वज्ञ – *Tattvajña.*

One possessing real and true knowledge.
तत्त्वों का यथार्थ ज्ञाता ।

तत्त्वज्ञान – *Tattavajñāna.*

The knowledge of truth or reality of any matter.
तत्त्वों को जानकर आत्मा का विशेष बोध या मनन करना ।

तत्त्वज्ञानतरंगिणी – *Tattavajñānatarangini.*

Name of a book written by *Acharya* Gyanbhushan
आचार्य ज्ञानभूषण (ई 1447-1495) द्वारा रचित शुद्ध चैतन्य प्रतिपादक ग्रंथ ।

तत्त्वज्ञानी – *Tattvajñāni*

One who has the real knowledge of matter, A philosopher, A metaphysician
तत्त्वों का जानने वाला, तत्त्वज्ञाता ।

तत्त्वचिंतन – *Tattavacintana*

Act of deep thinking over 7 *tattva* (matters)
शुभोपयोग; सात तत्त्वों का मनन करना ।

तत्त्वत्रयप्रकाशिका – *Tattvatrayaprakāśikā.*

A commentary book in Sanskrit written by *Bhattarak* Shrutsagar
भट्टारक श्रुतसागर (ई.1487-1499) कृत एक संस्कृत टीका (ज्ञानार्णव ग्रंथ के गद्य भाग पर) ।

तत्त्वदीपिका – *Tattvadipika.*

A book written by *Acharya* Bramadeva
आचार्य ब्रह्मदेव (वि श. 12 पूर्व) द्वारा संस्कृत भाषा में रचित आध्यात्मिक ग्रंथ ।

तत्त्वनिर्णय – *Tattvanirnaya*

A book written by *Acharya* Shubhchandra
आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक न्याय विषयक ग्रंथ ।

तत्त्वनिर्णिनीषु – *Tattvanirninisu.*

One who wants to determine the truth
जो सच को ज्ञात करना चाहता है ।

तत्त्वप्रकाशिका – *Tattvaprakāśikā.*

A book written by *Acharya* Yogendudeva.
आचार्य योगेन्दुदेव (ई.श.6) द्वारा रचित तत्त्वार्थ सूत्र की प्राकृत भाषाबद्ध एक टीका ।

तत्त्वमाला – *Tattvamālā.*

A Hindi book on 7 *tattvas*, written by Brahamchari Seetalprasad
ब्र. शीतलप्रसाद कृत सात तत्त्वों पर हिन्दी पुस्तक ।

तत्त्वरुचि – *Tattvaruci.*

Reverence with interest for *tattvas*.
सम्यग्दर्शन; तत्त्व श्रद्धान या तत्त्वों के प्रति रुचि होना ।

तत्त्ववती धारणा – *Tattvavati Dhārana.*

Auspicious conceptual meditation with contemplation.
पिंडस्थ ध्यान की एक धारणा जिसमें 'अपनी आत्मा को अतिशय युक्त, सिंहासन पर आरूढ़, कल्याण की महिमा सहित, देव दानव धरणेन्द्रादि से पूजित है,' ऐसा चिन्तन करना । तत्पश्चात् अपने

शरीर में प्राप्त आठों कर्मों से रहित निर्मल पुरुषाकार आत्मा का चिंतवन करना ।

तत्वविचार – *Tattvavicāra*

Analysis of doctrines of reality (related to matters)

कर्तव्य के निमित्त रूप पदार्थों का विचार कर परंतु स्वरूप ...

तत्वशक्ति – *Tattvaśakti.*

Power of nature of an element

वस्तु के स्वभाव को तत्त्व कहते हैं वही तत्त्व शक्ति भी कहलाती है ।

तत्वश्रद्धान – *Tattvaśraddhāna.*

Faith on all 7 *tattvas* (real matters)

7 तत्वों पर श्रद्धान ।

तत्वसंतति – *Tattvasamtati*

Tradition related to matters

तत्व परम्परा ।

तत्वसमास – *Tattvasamāsa.*

Name of a treatise written by Maharshi Kapil.

सांख्य मत के मूल प्रणेता महर्षि कपिल की एक कृति का नाम ।

तत्वसमीक्षा – *Tattvasamīkṣā.*

Name of a commentary book written by Vachaspati Mishra.

वेदांत साहित्य प्रवर्तक वाचस्पति मिश्र (ई.840) की ब्रह्मसिद्धि पर लिखी समीक्षा ।

तत्वसार – *Tattvasāra.*

A book written by *Acharya* Devasen.

आचार्य देवसेन (ई.933-955) द्वारा रचित प्राकृत गाथाबद्ध एक ग्रंथ ।

तत्वानुशासन – *Tattvanuśāsana.*

A book written by *Acharya* Samantabhadra.

आचार्य समन्तभद्र (ई.श.2) द्वारा रचित एक ग्रंथ, जो न्यायपूर्वक तत्त्वों का अनुशासन करता है ।

तत्वार्थ – *Tattvārtha.*

Things ascertained as they are.

वस्तु का यथार्थ स्वभाव, जो तत्त्व के द्वारा निश्चय किया जाये । अथवा तत्स्वरूप पदार्थ । जीव, पुद्गलकाय, धर्म, अधर्म, काल और आकाश, यह तत्त्वार्थ कहे गये हैं, जो कि विविध गुण पर्यायों से संयुक्त हैं ।

तत्वार्थबोध – *Tattvārthabodha.*

A book written by *Pandit* Budhjana

पं. बुधजन (ई. 1814) द्वारा रचित तत्वार्थ विषयक एक ग्रंथ ।

तत्वार्थभावना – *Tattvārtha Bhāvanā.*

Thinking of ascertained reals.

ध्यानशुद्धि की हेतु भूत ज्ञानशुद्धि में सहायक चिंतन ।

तत्वार्थरत्नप्रभाकर – *Tattvārtharatnaprabhākara.*

A book written by *Acharya* Prabhachandra.

आचार्य प्रभाचन्द्र 8 (ई.सन् 1432) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

तत्वार्थराजवार्तिक – *Tattvārtharājavārtika*

A book written by *Acharya* Aklanka Bhatta

आचार्य अकलंक देव (ई. 620–680) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

तत्वार्थवृत्ति – *Tattvārthavṛtti*

Name of a commentary book written on '*Tattvārthasūtra*'

तत्वार्थसूत्र टीका विषयक एक ग्रंथ, आचार्य श्री श्रुतसागर सूरि द्वारा लिखित ।

तत्वार्थश्रद्धान – *Tattvārthaśraddhāna*

Faith on all real matters.

तत्त्व रूप पदार्थ की प्रतीति या श्रद्धा करना ।

तत्वार्थसार – *Tattvārthasāra.*

A book written by *Acharya* Amritchandra.

आचार्य अमृतचंद्र (ई.905-955) द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ, तत्वार्थ का प्रकरण ।

तत्वार्थसार दीपक – *Tattvārthasāra Dīpaka.*

A book written by *Acharya* Sakalkirti.

आचार्य सकलकीर्ति (ई. 1406-1442) कृत सात तत्त्व विवेचना (संस्कृत ग्रंथ) ।

तत्वार्थसूत्र – *Tattvārthasūtra.*

A great treatise written by *Acharya* Umasvami.

आचार्य उमास्वामी (ई.श.2) कृत मोक्षमार्ग, तत्वार्थ दर्शन विषयक 10 अध्यायों में सूत्रबद्ध ग्रंथ । अपरनाम–मोक्ष शास्त्र । एक बार पाठ करने से एक उपवास के फल की प्राप्ति कराने वाला ।

तत्वार्थसूत्र लघु – *Tattvārthasūtra Laghu.*

A book written by a celibate Prabhachandra

ई. सन् 700 में प्रभाचन्द्र ब. द्वारा रचित तत्वार्थ संबंधी एक ग्रंथ ।

तत्वार्थसूत्र टीका – *Tattvārthasūtra Ṭīkā.*

Name of a commentary book

कन्नड़ कवि योगदेव (ई.1550) कृत एक टीका ।

तत्वार्थसूत्र वृत्ति – *Tattvārthasūtra Vṛtti.*

A book written by Bhaskarnandi.

ई. सन् 1296 में भास्कर नन्दि कृत एक ग्रंथ ।

तत्वार्थाधिगम – *Tattvārthādhigama.*

Knowledge of ascertained reals or truth.

तत्वों के अर्थ का ज्ञान ।

तत्वोपदेशकृत – *Tattvopadeśakṛta.*

One who reveals the real nature of things.

तत्वों का उपदेश करना ।

तत्वोपलब्धि – *Tattvopalabdhi.*

Internally self developed knowledge.

आत्मानुभव, निज तत्वोपलब्धि के बिना सम्यक्त्व की उपलब्धि नहीं होती ।

तत्पाक्षिक – *Tatpākṣika.*

Of similar opinion, Holding similar view.

एक ही पक्ष में होना अर्थात् एक ही विचारधारा होना ।

तत्प्रतियोगी – *Tatpratiyogi.*
knowledge of relative imagination of matters or anything else
यह प्रदेश उस प्रदेश से दूर है इस प्रकार का ज्ञान तत्प्रतियोगी नाम का प्रत्यभिज्ञान कहलाता है ।

तत्प्रदोष – *Tatpradoṣa.*
Jealousy, Spite (a fault).
ज्ञानावरण, दर्शनावरण कर्म के आस्रव का एक कारण; तत्त्वज्ञान के उपदेश कर्ता के प्रति मुख से कुछ न कहते हुए हृदय में ईर्ष्या रखना।

तत्प्रमाण – *Tatpramāṇa.*
Evaluation of something based on its qualities
लौकिक प्रमाण का एक भेद; अश्वादि की ऊंचाई गुण आदि के द्वारा मूल्य निर्धारण करना ।

तत्सेवी – *Tatsevī.*
A fault of criticism.
आलोचना का एक अतिचार । बड़े प्रायश्चित से बचने हेतु पार्श्वस्थ मुनि का गुरु के पास न जाकर पार्श्वस्थ मुनि के पास अपने दोष कहना ।

तथाकार – *Tathākāra.*
Assent of the instructions of Lord Arihant.
समाचार का एक भेद; जीवादि का परम्परा से चला आया उपदेश और सूत्रादि का अर्थ - इनमें जो अर्हंत ने कहा वह सत्य है, ऐसा समझना ।

तदाकार – *Tadākāra.*
Copy of the similar form (same appearance).
उसी आकार का ।

तदाकारता – *Tadākāratā.*
Structural similarity
उसी रूप परिणत हो जाना ।

तदाकार स्थापना – *Tadākāra Sthāpanā*
Similar representation.
निक्षेप; पाषाण आदि में जिसकी स्थापना करनी हो उसकी वैसी ही मूर्ति बनाना ।

तदाभास – *Tadābhāsa.*
To have same impression.
उस जैसा अनुभव होना (आवश्यक नहीं कि वह सत्य हो) ।

तदाहृतादान – *Tadāhṛtādāna.*
Purchasing of stolen materials
अचौर्याणुव्रत का एक अतिचार; चोर से चोरी का माल खरीदना।

तदिंद्रियालोचन – *Tadiṃdriyālocana.*
Staring at the beauty of a woman (with some bad intention).
10 प्रकार के आस्रव में एक भेद; स्त्रियों के सुन्दर शरीर का अवलोकन करना ।

तदुत्पत्ति – *Tadutpatti.*
To be produced similarly.
उसके अनुसार उत्पन्न होने वाला ।

तदुभय उपक्रम – *Tadubhaya Upakrama.*
A type of materialistic persuance.
अर्थाधिकार उपक्रम का एक भेद ।

तदुभय ज्ञानाचार – *Tadubhaya Jñānācāra.*
Reading hymns, lessons etc. with proper pronunciation and understanding
अर्थ का ठीक ठीक जानते हुए शुद्ध पाठ आदि पढ़ना ।

तदुभय प्रत्ययिक जीव बंध –
Tadubhaya Pratyayika Jīva Bandha
Sentiments devolped through the fruition & prematured fruition of *karmas*.
जीव भाव बंध का एक भेद, कर्मों के उदय और उदीरणा से तथा उनके उपशम से जो भाव उत्पन्न होते हैं (अर्थात् जीव के क्षयोपशमिक भाव) ।

तदुभय प्रतिक्रमण – *Tadubhaya Pratikramaṇa*
Both self criticism and repentance done simultaneously against faults.
दोषों को दूर करने के लिए आलोचना और प्रतिक्रमण दोनों एक साथ करना

तदुभय प्रायश्चित्त – *Tadubhaya Prāyaścitta.*
A type of repentance (related to self criticism)
प्रायश्चित्त के 10 भेदों में एक भेद; आलोचना और प्रतिक्रमण दोनों का संसर्ग होने पर दोषों का शोधन होने से तदुभय प्रायश्चित्त है ।

तदुभय वक्तव्यता – *Tadubhaya Vaktavyatā.*
A type of statement or exposition
वक्तव्यता के 3 भेदों में एक भेद; स्वसमय, परसमय दोनों का निरूपण करके जहां पर समय को दोषयुक्त दिखलाकर स्वसमय की स्थापना की जाती है ।

तदुभयसारी ऋद्धि – *Tadubhayasārī Ṛddhi.*
A type of super natural power.
बुद्धि ऋद्धि का एक उपभेद; जो बुद्धि नियम अथवा अनियम से एक बीजशब्द को ग्रहण करके उपरिम अधस्तन ग्रंथ को एक साथ जानती है ।

तदुभयाधिकरण – *Tadubhayādhikaraṇa.*
A type of substratum (underlying basis).
अधिकरण का एक भेद जो विष, लवण, क्षार, कटुक, अग्नि आदि दस प्रकार का होता है ।

तद्भव मरण – *Tadbhava Maraṇa.*
Leaving of the present body (death)
वर्तमान शरीर का छूट जाना ।

तद्भवस्थ केवली – *Tadbhavastha Kevalī.*
An omniscient (of the same birth in which he got omniscience)
जिस पर्याय में केवलज्ञान प्राप्त हुआ उसी पर्याय में स्थित केवली।

तद्भार्य – *Tadbhārya.*
Servant.

सेवन ।

तद्भाव – *Tadbhāva.*
Intrinsic nature.
गुण का गुण में अथवा पर्याय का पर्याय में सद्भाव या तद्रूपता।

तद्भाव तदुपचार – *Tadbhāva Tadupacāra.*
Conventional usage
उपचार का एक भेद, जैसे गाड़ी वाले पुरुष को गाड़ीवाला कहना।

तद्विलक्षण – *Tadvilakṣaṇa.*
Knowledge acquired by studying the scriptures (reg. extraordinariness).
प्रत्यभिज्ञान का एक भेद; यह उससे विलक्षण है इस प्रकार का ज्ञान होना ।

तनक – *Tanaka.*
The 2nd *Patal* (layer) of the 2nd hell.
दूसरे नरक का द्वितीय पटल ।

तनुरक्षक देव – *Tanurakṣaka Deva*
Attendant deities of *Indras*.
इन्द्र की सेवा में रहने वाले आत्मरक्षक जाति के देव ।

तनुवात – *Tanuvāta.*
Thin air, Rarefied air.
हल्की वायु, तीन लोक को वेष्टित करने वाले 3 वातवलयों में से एक का नाम ।

तनुसंताप – *Tanusamtāpa.*
A type of external austerity or physical mortification
बाह्य तप का एक भेद, इसे कायक्लेश भी कहते हैं

तन्त्रयुक्ति – *Tantrayukti.*
Administrative (Governing) policy.
नियंत्रण, प्रशासन करने की नीति ।

तन्मनोहरांगनिरीक्षण त्याग – *Tanmanoharāṅganirīkṣaṇa Tyāga.*
Renunciation of watching the beauty of women
ब्रह्मचर्य व्रत की दूसरी भावना; स्त्रियों के मनोहर अंगों को देखने का त्याग ।

तन्मय – *Tanmaya.*
Absorbed, Engrossed.
तल्लीन, मग्न होना ।

तप – *Tapa.*
Austerity, Penance.
इच्छाओं का निरोध करना, तप के द्वारा कर्मों की निर्जरा होती है। 6 बाह्य एवं 6 अभ्यंतर मिलाकर 12 प्रकार के तपों का पालन जैनसाधु करते हैं ।

तप-उद्योतन – *Tapa-Udyotana.*
To make self enlightened and pure by penance.
तप आराधना; संयम भावना में तत्पर रहकर तपस्वरूप निर्मल बनाना ।

तपऋद्धि – *Tapa Ṛddhi.*
A type of supernatural power for observing hard penance.
कई-कई उपवास करना, खुले आकाशादि के नीचे तपस्या करना, घोर ब्रह्मचर्य आदि का पालन करने की शक्ति ।

तपकर्म – *Tapakarma.*
Observances regarding austerity.
तप धारना ।

तपकल्याणक – *Tapakalyāṇaka.*
The 3rd auspicious event of *Tirthankars'* (Jaina Lord) lives (related to austerity)
तीर्थंकरों के पंच कल्याणकों में तृतीय, दीक्षा कल्याणक। इस कल्याणक में विशेष रूप से लौकांतिक देव आकर भगवान के वैराग्यभाव की प्रशंसा करते हैं ।

तपकल्याणक वंदना – *Tapakalyaṇaka Vandanā.*
Worshipping prayer of an auspicious event of *Tirthankar's* (Jaina-Lord) life.
कृतिकर्म , सिद्ध-चारित्र – योगि व शांति भक्ति ।

तपगुरु – *Tapaguru.*
A prime ascetic (*guru*) having special virtue in austerity.
तप गुण में प्रधान गुरु ।

तपन – *Tapana.*
The 3rd *Patal* (layer) of the 3rd hell.
तीसरे नरक का तीसरा पटल ।

तपन (कूट) – *Tapana (Kūṭa).*
Name of a summit of *Vidyutprabh Gajdant* mountain and its deity, Name of a summit of *Ruchak* mountain
विद्युत्प्रभ गजदंत का कूट व देव, रुचक पर्वत का कूट ।

तपनतापि – *Tapanatāpi*
A type of deities (related to sky).
आकाशोपपन्न देव का एक भेद ।

तपनीय – *Tapanīya.*
The 19th *Patal* (layer) and *Indrak* of *Saudharm* heaven, A summit of *Manushottar* mountain.
सौधर्म स्वर्ग का 19 वां पटल व इन्द्रक, मानुषोत्तर पर्वत पर स्थित एक कूट ।

तपनीय – *Tapanīya.*
That which can be mortified; Reddish lustre like heated gold.
जिसे तपाया जा सके , तपाये गये सोने के समान लाल ।

तपनीयमयी – *Tapanīyamayī.*
Circumference of *Sumeru* mountain (like heated gold).
सुमेरु पर्वत की परिधि; तपाये हुए स्वर्ण के समान है ।

तप प्रायश्चित्त – *Tapa Prāyaścitta.*
Austerity for atonement.

गुरुजन द्वारा शिष्य के दोष को दूर करने के लिए दिया गया तप का आदेश ।

तप भावना – *Tapa Bhāvanā.*

To practice austerity or penance
अनशन आदि बारह प्रकार के निर्मल तप को करना ।

तपमद – *Tapamada.*

Pride of austerity.
अपने तप के प्रति घमंड की भावना होना तथा स्वयं को दूसरों से अधिक तपस्वी मानना ।

तपविद्या – *Tapavidyā.*

Supernatural powers, sanctified by fasting related to austerity.
षष्ठ और अष्टम आदि उपवासों(बेला तेला आदि) से सिद्ध की गयी विद्याएं ।

तपविनय – *Tapavinaya.*

Paying reverence to one higher in austerity.
तप करने में अपने से जो ऊंचा है उसमें भक्ति करना ।

तपशुद्धि – *Tapaśuddhi.*

Purity through austerity.
सदा संयम, समिति, ध्यान और योगों में प्रमाद रहित होते हुए तपश्चरण तथा तेरह प्रकार के चारित्र में उद्यमी रहते हुए पापों का नाश करना ।

तपस्वी – *Tapasvī.*

One who observes austerity.
जो विषयों की आशा से रहित हो, चौबीस प्रकार के परिग्रह से रहित हो और ज्ञान–ध्यान–तप में लवलीन हो ।

तपश्चरण – *Tapaścaraṇa.*

Observance of austerity.
तप का आचरण करना ।

तपाचार – *Tapācāra.*

Observance of austerity.
बारह प्रकार के तपों का आचरण करना; अनशन, अवमौदर्य, रसपरित्याग, वृत्ति–परिसंख्यान, कायक्लेश और विविक्तशय्यासन ये 6 बाह्य तप है एवं प्रायश्चित, विनय, वैयावृत्य, स्वाध्याय, ध्यान और व्युत्सर्ग ये 6 अंतरंग तप हैं ।

तपाराधना – *Tapārādhanā.*

Reverential prayer with austerity.
4 आराधना में एक; तप का सेवन करना ।

तपित – *Tapita.*

The 2nd *Paṭal* (layer) of the 3rd hell.
तीसरे नरक का द्वितीय पटल ।

तपोद्योत – *Tapodyota.*

See - *Tapa - Udyotana.*
देखें – तप–उद्योतन ।

तपोनिधिव्रत – *Taponidhivrata.*

A vow of fasting for 1067 days with particular procedure.
एक व्रत का नाम जिसमें 1067 दिन विधि पूर्वक व्रत किये जाते है । विशेष देखें–हरिवंशपुराण ग्रंथ में ।

तपोरूपा – *Taporūpā.*

A type of divine power or knowledge
एक विद्या; यह रावण को सिद्ध थी ।

तपोवृद्ध – *Tapovṛddha.*

Saints more experienced or senior in austerities.
तप करने में जो बड़े अर्थात् अनुभवी है ।

तपोशुद्धिव्रत – *Taposuddhi Vrata.*

A type of fasting for 78 days with particular procedure.
अंतरंग तप तथा बाह्य तप के कुल 78 उपवास विधि पूर्वक करना । विशेष देखें–हरिवंशपुराण ग्रंथ में ।

तप्त – *Tapta*

Heated, hot.
तपा हुआ, गर्म ।

तप्त ऋद्धि – *Tapta Ṛddhi.*

A type of supernatural power of causing complete digestion i.e. freeness from the formation of urine, faecal matter etc.
जिस ऋद्धि से खाया हुआ अन्न धातुओं सहित क्षीण हो जाता है अर्थात् मल–मूत्रादि रूप परिणमन नहीं होता ।

तप्त जला – *Tapta Jalā.*

A *Vibhaṅga* river of the east *Videh Kshetra* (region).
पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी ।

तमःप्रभा – *Tamahprabhā.*

The sixth earth of the hell, having darkness.
नरक की छठी पृथ्वी, जिसकी प्रभा अंधकार के समान है वह तमःप्रभा भूमि है ।

तम – *Tama.*

Darkness.
जिससे दृष्टि में प्रतिबंध होता है और जो प्रकाश का विरोधी है ।

तमक – *Tamaka.*

Flushing with anger
गुस्से से चमकना ।

तमसा – *Tamasā.*

A river of *Bharat kshetra* in *Arya khand* (region)
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

तमस् – *Tamas.*

Darkness
अंधकार ।

तमस्विनी – *Tamasvinī.*

Night, dark night.
रात, अंधेरी रात ।

तमालपत्र – *Tamālapatra.*

A leaf of a particular tree "*Tamal*".
तमाल वृक्ष का पत्ता ।

तमिस्र – *Tamisra.*

Darkness

अंधकार ।

तमिस्रा – *Tamisrā*

Dark night, a night during the wane of the moon, A cave of the *Vijayardh* mountain.

अंधेरी रात, विजयार्ध पर्वत की गुफा ।

तमो – *Tamo.*

Darkness

अंधकार ।

तमोबाण – *Tamobāṇa*

An arrow that disperses darkness.

अंधकार का प्रसार करने वाला बाण, इसे भास्कर बाण से प्रभावहीन किया जाता है ।

तरक – *Taraka.*

To deliberate, to discuss. To conjecture (about) or to interpret, The 1st *Patal* (layer) of the 2nd hell

विचार करना, चर्चा करना, अनुमान लगाना । द्वितीय नरक का प्रथम पटल ।

तरु – *Taru*

Trees

वृक्ष ।

तरुण संसर्ग – *Taruṇa Saṁsarga.*

Union or association with youngs (which is prohibited in relation to observing celibacy).

जवान, तरुणजनों की संगति जो कि शास्त्र अनुसार निषेध है (ब्रह्मचर्य पालन के संदर्भ में) ।

तरुणसागर (मुनि) – *Taruṇasagara (Muni)*

Name of a famous saint, the disciple of *Acharya* Shri Pushpadantsagar Maharaj.

आचार्यश्री पुष्पदंतसागर महाराज के एक प्रभावक शिष्य, 20वीं शताब्दी में सबसे छोटी उम्र में दीक्षा धारण कर अपनी ओजस्वी प्रवचनशैली से आप क्रांतिकारी संत के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं।

तरेप्पन क्रिया व्रत – *Tareppana Kriyā Vrata.*

The vows related to 53 basic restraints of householders.

श्रावक की 53 क्रियाओं के व्रत-अष्टमूलगुण, बारह व्रत, बारह तप, समता भाव, ग्यारह प्रतिमाएं, चार दान, पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन त्याग, सम्यग्दर्शन सम्यग्ज्ञान और सम्यक्चारित्र के व्रत । इनकी विधि व्रत विधि ग्रंथों में देखें ।

तरेसठ शलाकापुरुष चरित्र –

Taresaṭha Śalākāpuruṣa Caritra.

Name of a composition written by Chmundarai.

चामुण्डराय द्वारा रचित संस्कृत भाषाबद्ध एक रचना (ई.श 10-11) ।

तर्क – *Tarka.*

Argument, Inductive reasoning, Logic.

उपलब्धि और अनुपलब्धि की सहायता से होने वाला व्याप्तिज्ञान जैसे - धुएं को देखकर अग्नि का ज्ञान होना ।

तर्क विरुद्ध – *Tarka Viruddha.*

Opposition against absolute facts of scriptures (related to Jain philosophy).

आगम प्रामाणिकताओं से विरोध मानना ।

तर्क संगति – *Tarka Saṁgati.*

Following the absolute facts of Jaina-scriptures

आगम प्रामाणिकताओं को अपनाना या मानना ।

तर्क संग्रह – *Tarka Saṁgraha.*

A book written by Shivaditya.

वैशेषिक साहित्य प्रवर्तक शिवादित्य का एक ग्रंथ ।

तर्कामृत – *Tarkāmṛta.*

A book written by Shivaditya.

वैशेषिक साहित्य प्रवर्तक शिवादित्य का एक ग्रंथ ।

तर्जित – *Tarjita.*

An infraction in paying reverence to *Acharya.*

वंदना का एक अतिचार ; तर्जनी अंगुली के द्वारा अन्य साधुओं को भय दिखाते हुए अथवा आचार्य आदि से स्वयं तर्जित होकर वंदनादि करना ।

तर्पणी – *Tarpaṇī.*

Wooden pots.

लकड़ी के बर्तन ।

तस्कर – *Taskara.*

Smuggler, Robber

चोर, लुटेरा ।

ताड़पत्र – *Tāṛapatra.*

Palm leaf, leaves of Palm tree (used for writing scriptures in ancient times).

ताड़वृक्ष के पत्ते, जो प्राचीन काल में लिखने के काम आते थे ।

तात्पर्यवृत्ति – *Tātparyavṛtti.*

Name of commetary books; written by *Acharya* Abhaynandi & *Acharya* Jaisen separately

आचार्य अभयनन्दि (ई.930-950) द्वारा रचित तत्वार्थ सूत्र की टीका का नाम, आचार्य जयसेन (ई. श. 11-12) कृत समयसार, प्रवचनसार, व पंचास्तिकाय की टीकाएँ ।

तादात्म्य संबंध – *Tādātmya Saṁbandha.*

Complimantary relationship.

जो संबंध कभी न छूटे, जैसे अग्नि और उष्णता ।

ताप – *Tāpa.*

To have pain, distress, mental agony.

असातावेदनीय के आस्रव का कारण; अपवाद आदि के कारण खिन्न हो तीव्र संताप होना ।

तापन – *Tāpana.*

The 4th *Patal* (layer) of the 3rd hell.

तीसरे नरक का चौथा पटल ।

तापस – *Tāpasa.*

An ascetic, A country of *Bharat Kshetra* in the west *Arya khand* (region).

एक तपस्वी, भरतक्षेत्र के पश्चिम आर्यखण्ड का एक देश।

तापी – *Tāpī.*

A river of *Bharat kshetra* in *Arya khand* (region).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी।

तामस दान – *Tāmasa Dāna*

To donate with ignorance and error.

जिसमें पात्र अपात्र का ख्याल न किया हो, अतिथि का सत्कार न किया हो, जो निन्द्य हो, ऐसे दान को तामस दान कहते हैं।

तामिल वेद – *Tāmila Veda.*

Name of a literature.

एलाचार्य (अपरनाम कुन्दकुन्द) कृत कुरल काव्य का अपरनाम (तमिल वेद)।

तामिस्र गुहक – *Tamisra Guhaka.*

A summit of the *Vijayardh* mountain of *Bharatkshetra* (region).

भरतक्षेत्र सम्बन्धी विजयार्ध पर्वत का एक कूट।

ताम्रचूल – *Tamracūla.*

Name of a peripatetic deity.

भूतरमण नामक वन का भूत जाति का एक व्यंतर।

ताम्रपत्र – *Tāmrapatra.*

Copper plate

तांबे की प्लेट, जिसका उपयोग यंत्र आदि बनाने में होता है।

ताम्रा – *Tāmrā.*

A river of the east *Aryakhand* (region).

पूर्व आर्यखण्ड में स्थित एक नदी।

तारंगा (तीर्थ) – *Tāraṅgā (Tīrtha).*

Name of a *Digambar* Jaina mountaineous place of pilgrimage in Mahasana dist. of Gujarat, from where three and a half crores of *Munis* (saints) got salvation.

गुजरात के महसाणा जिले में अरावली पर्वतमालाओं की एक मनोरम टेकरी पर अवस्थित एक सिद्धक्षेत्र। यहाँ के पर्वत से साढ़े तीन करोड़ मुनियों ने मोक्ष प्राप्त किया है।

तार – *Tāra.*

The 3rd *Patal* (layer) of the 4th hell

चतुर्थ नरक का तृतीय पटल।

तारक – *Tāraka.*

A type of peripatetic deities, Name of the 2nd *Pratinarayan.*

पिशाच जातीय व्यंतर देवों का एक भेद, वर्तमान काल का द्वितीय प्रतिनारायण।

तारण पंथी – *Tāraṇa Paṁthī.*

Non-idolator sect of *Digambara* Jain tradition.

दिगम्बर जैनों में मूर्ति पूजा को न मानने वाला एक नया पंथ।

तारणस्वामी – *Tāraṇasvāmī*

The writer of a book 'Upadesh Shuddhasar'

तारण पंथ को प्रारंभ करने वाले, उपदेशशुद्धसार के रचयिता (लगभग 500 वर्ष पूर्व)।

तारा – *Tārā.*

The mother's name of 8th *Chakravarti* Subhaum (an emperor)

8 वें चक्रवर्ती सुभौम की वर्तमान माता।

तारा – *Tārā.*

A type of stellar deities, Aboding space vehicle of stellar deities

ज्योतिषी देवों का एक भेद। ज्योतिषी देवों के विमान।

ताल – *Tāla*

Pond (tank), The palm tree, Name of a musical instrument (a kind of cymbal).

तालाब, ताड़ का वृक्ष, एक घनवाद्य (मजीरा)।

तालाब – *Talāba.*

Pond, the 8th dream of Bharat Chakravarti (an emperor) out of 16 dreams

भरत चक्रवर्ती के 16 स्वप्नों में 8वां स्वप्न, जिसमें मध्य भाग में सूखा तालाब देखा।

तिक्त रस – *Tikta Rasa.*

Pungent flavour, bitter in taste.

कडुवा रस या स्वाद।

तिक्तरस नामकर्म – *Tiktarasa Nāmakarma.*

Karmic nature causing pungent flavour in body

जिसके उदय से शरीर में तीखा रस हो।

तिगिंछ – *Tigiṁcha.*

Name of a pond situated at *Nishadh* mountain.

निषध पर्वत पर स्थित एक द्रह।

तिजारा (तीर्थ) – *Tijārā (Tīrtha).*

Name of a *Digambar* Jain *Atishay Kshetra* (a place of pilgrimage) of Lord Chandraprabh in Alvar dist. Rajsthan.

राजस्थान के अलवर जिले में स्थित एक सुन्दर नगर जहाँ चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अवस्थित है।

तितिक्षा – *Titikṣā.*

Forbearance, Endurance

सहनशक्ति, सहिष्णुता, त्याग, क्षमा।

तितिणदा – *Tittiṇadā.*

A type of infraction, to become garrulous.

अतिचार का एक भेद, रस में आसक्त होना और वाचाल होना।

तिथि – *Tithi.*

Traditional date, Date of a lunar or solar month.

भारतीय परम्परा में अनादिकाल से प्रचलित प्रत्येक माह के कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष की तिथियाँ, जो तिथि तीन मुहूर्त या छः घड़ी उदय में हो उसको मानना चाहिए। हर एक तिथि का प्रमाण 54 घड़ी से 65 घड़ी तक या कुछ कम 66 घड़ी का होता है।

तिमिंगिल – *Timingila.*
A colossal fish (largest whale).
एक सम्मूर्छन महामत्स्य का नाम, जिसकी अवगाहना 1000 योजन की है ।

तिमिस्रगुह्य – *Timisraguhya.*
Name of a summit of *Vijayardh* mountain in *Airavat Kshetra* (region).
ऐरावत क्षेत्र स्थित विजयार्ध के 9 कूटों में से तीसरा कूट ।

तिमिस्र (गुफा) – *Timisra (Guphā).*
Name of a cave of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत की गुफा; जहां से गंगा नदी निकलती है ।

तिमिस्र नरक – *Timisra (Naraka).*
The 5th *Patal* (layer) of the 5th hell .
5 वें नरक के 5 वें पटल का नाम ।

तिरस्कारिणी – *Tiraskāriṇī.*
A type of super power
एक विद्या । नमि, विनमि को दी हुई सोलह विद्या निकायों की विद्याओं में एक विद्या ।

तिरुतक्कतेवर – *Tirutakkatevara.*
Name of the writer of 'Jivan Chintamani'
जीवन चिन्तामणी कृति के रचयिता ।

तिरोधान – *Tirodhāna.*
To create restriction, Concealment.
बाधा डालना, रोकना, छिपाना; कर्म मोक्ष के हेतु का तिरोधान करने वाला है ।

तिरोभाव – *Tirobhāva.*
Concealment, Disappearance (by divine power).
दैविक शक्ति; अदृश्य हो जाना । शून्य हो जाना ।

तिर्यंच – *Tiryaṁca .*
The beings other than human, celestial & infernal beings.
मनुष्य, देव और नारकी जीवों को छोड़कर शेष एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय तक के जीव तिर्यंच कहलाते हैं। मन वचन काय की कुटिलता को प्राप्त, निकृष्ट अज्ञानी और जिनके अत्यधिक पाप की बहुलता पायी जाये, उनको तिर्यंच कहते हैं ।

तिर्यंच आयु – *Tiryaṁca Āyu*
Life course of subhuman beings (*Tiryanch Jiva*)
4 आयु कर्मों का एक भेद ; जिस कर्म के उदय से आत्मा तिर्यंच के शरीर में रुका रहता है ।

तिर्यंचगति – *Tiryaṁcagati.*
One of the 4 body forms or destinities (*Gatis*) i.e. *Gati* of animals, the beings other than human, celestial & infernal beings.
4 गतियों में एक गति; मनुष्य, देव और नारकी जीवों को छोड़कर शेष एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय जीवों की गति, जो मायाचारी, आर्तध्यान आदि से प्राप्त होती है ।

तिर्यंचगति नामकर्म प्रकृति –
Tiryaṁca Gati Nāma Karma Prakṛti.
A type of *karmic* nature causing *Tiryanch Gati.*
वह कर्म जिसके उदय से तिर्यंच की पर्याय में जन्म है ।

तिर्यंच जीव – *Tiryaṁca Jīva.*
Animal and plants, beings other than human, celestial & infernal beings.
मनुष्य, देव और नारकी जीवों को छोड़कर शेष एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय जीव तिर्यंच जीव कहलाते है। मन वचन काय की कुटिलता को प्राप्त, निकृष्ट अज्ञानी और जिनके अत्यधिक पाप की बहुलता पायी जाये, उनको तिर्यंच कहते हैं ।

तिर्यंच पंचेन्द्रिय – *Tiryaṁca Pañcendriya.*
All animals (except human beings) having 5 sense-organs
मनुष्य को छोड़कर पांच इन्द्रियों वाले समस्त पशु पक्षी इत्यादि जीव ।

तिर्यंचयोनिज – *Tiryaṁcayonija.*
Beings born in *Tiryanch* form.
जो तिर्यंच की योनियों से उत्पन्न हों 84 लाख योनि में तिर्यंच की योनि 62 लाख है ।

तिर्यंच लोक – *Tiryaṁca Loka.*
Middle universe.
मध्य लोक, यह असंख्यात वलयाकार द्वीपों और समुद्रों से शोभायमान है।

तिर्यंच लोक सिद्ध – *Tiryaṁca Loka Siddha.*
Salvated personalities (*Siddha Bhagwan*) of the middle universe.
मध्य लोक से होने वाले सिद्ध ।

तिर्यक् – *Tiryak.*
Oblique or Tilt, Subhuman beings.
तिरछा, टेढ़ा, आड़ा, तिर्यंच गति के जीव ।

तिर्यक् आयत चतुरस्र – *Tiryak Āyata Caturasra.*
Cuboid.
घन ।

तिर्यक् गच्छ – *Tiryak Gaccha..*
A mathematical quantity.
गुण हानियों का प्रमाण ।

तिर्यक् गत्यानुपूर्वी – *Tiryak Gatyānupūrvī.*
Subhuman (*Tiryanch*) life course succession.
देखें – तिर्यंगतिप्रायोग्यानुपूर्वी ।

तिर्यक् चतुष्टय – *Tiryak Catuṣṭaya.*
A quartet related to subhuman beings (*Tiryanch*).
तिर्यंच गति, तिर्यंचगत्यानुपूर्वी, तिर्यंचआयु, उद्योत ।

तिर्यक् द्विक – *Tiryak Dvika.*
A dyad related to subhuman beings (*Tiryanch*).
तिर्यंच गति व आनुपूर्वी ।

तिर्यक्प्रचय – *Tiryak Pracaya.*
Three dimensional extension
प्रदेशों का समूह।

तिर्यक् प्रतर – *Tiryak Pratara.*
Square of *Raju* (a measurement unit).
राजू x राजू।

तिर्यक् लोक – *Tiryak Loka.*
Middle universe.
मध्य लोक।

तिर्यक् सामान्य – *Tiryak Sāmānya.*
General property.
अनेक द्रव्यों मे अथवा अनेक पर्यायों में जो सादृश्यता का बोध करने वाला सदृश्य परिणाम होता है, वह तिर्यक् सामान्य है।

तिर्यक् सूर्यतप – *Tiryak Sūryatapa.*
A type of austerity (pertaining to the walking in the day time).
कायक्लेश, सूर्य को तिर्यक् (दायें-बायें) करके गमन करना।

तिर्यग्योनि – *Tiryagyoni.*
Form of *Tiryanch* beings i.e. the beings other than celestial, infernal and human beings.
तिर्यंचयोनि, उपपाद जन्म वाले और मनुष्यों के अलावा शेष सभी एकेन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक के जीव तिर्यंचयोनि वाले कहलाते हैं।

तिर्यग्व्यतिक्रम – *Tiryagvyatikrama.*
Exceeding the limits set in the direction, namely horizontally.
दिग्व्रत का एक अतिचार; समान धरातल मे की गई सीमा का उलंघन करना।

तिर्यगेकादश – *Tiryagekādaśa.*
Fruition of specified eleven *karmic* nature of *Tiryanch* beings.
11 कर्म की ऐसी प्रकृतियां जिनका उदय तिर्यंचगति में होता है; तिर्यंचगति, तिर्यंच गत्यानुपूर्वी, एकेन्द्रियादि 4 जाति, आतप, उद्योत, स्थावर, सूक्ष्म, साधारण।

तिर्यग्गति – *Tiryaggati.*
Tiryanch form.
तिर्यंच गति।

तिर्यग्गतिप्रायोग्यानुपूर्वी – *Tiryaggatiprāyogyānupūrvī.*
Existence of old body form before taking the new birth (reg. *Tiryanch Gati*).
वह नामकर्म जिसके उदय से तिर्यंचगति में जाते हुए विग्रहगति में पूर्व के शरीर के आकार के समान जीव (आत्मप्रदेश) का आकार बना रहे।

तिर्यग्त्रिक – *Tiryagtrika.*
A triplet related to *Tiryanch* beings.
तिर्यंचगति, तिर्यंचगत्यानुपूर्वी, तिर्यंच आयु।

तिर्यग्वाणिज्या – *Tiryagvanijyā.*
Livelihood by selling animals.
पशुओं को बेचकर आजीविका चलाना।

तिल – *Tila*
Name of a planet, an oilseed (sesame seed), a mole or black spot (on the face etc.).
88 ग्रहों मे 28 वा ग्रह, तेल उत्पादक बीज, शरीर पर विशेष काला चिन्ह।

तिलक – *Tilaka.*
Sectarian mark made (with saffron, sandal etc.) chiefly on the forehead, A city in the north of *Vijayardh* mountain, Name of the initiation - tree of Lord Kunthunath
केसर आदि से ललाट में जो टीका लगाया जाता है उसे तिलक कहते हैं। विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, भगवान कुन्थुनाथ के दीक्षा वृक्ष का नाम।

तिलकदान विधि – *Tilakadana Vidhi.*
A particular kind of ritual procedure of putting special saffrom paste at the navel-place of the idol of Lord Jinendra with a golden-stick especially at the day of *Kevalgyan Kalyanak* (day of attainment of omniscience) in *Panchkalyanak Pratishtha.*
स्वर्ण सुहागिनी महिला (पति के साथ गठबंधन करके) के द्वारा घिसे गये कल्कचूर्ण से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में केवलज्ञान कल्याणक के दिन प्रतिष्ठाचार्य द्वारा जिनप्रतिमा की नाभि मे स्वर्णशलाका से मन्त्रपूर्वक की जाने वाली विशेष विधि।

तिलका – *Tilakā.*
A city in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

तिल-तुष-भाव – *Tila Tuṣa Bhāva.*
An attitude of non-attachment.
भेदज्ञान होने पर अनासक्ति या निर्ममत्व भाव (दिगम्बर साधु तिल-तुष मात्र भी परिग्रह नहीं रखते)।

तिलपुच्छ – *Tilapuccha.*
Name of a planet (22nd out of 88).
88 ग्रहों मे 22 वा ग्रह।

तिलोयपण्णत्ति – *Tiloyapannatti.*
A book written by *Acharya* Yativrishabh.
आचार्य यतिवृषभ (ई.143-173) द्वारा रचित करणानुयोग का प्राकृत गाथाबद्ध अति प्राचीन प्रामाणिक ग्रंथ, जिसमे तीन लोक का विस्तृत वर्णन है।

तीन – *Tina.*
Three (three jewels of Jain philosophy etc.)
एक संख्या, तीन लोक, तीन चौबीसी, रत्नत्रय (तीन रत्न), तीन अज्ञान इत्यादि।

तीन-चौबीसी व्रत – *Tina Caubisi Vrata.*
A type of fasting to be observed for 3 years on a particular day.
लगातार तीन वर्ष तक भाद्रपद कृ. 3 को उपवास करना। अथवा तीन चौबीसी के 72 तीर्थंकरों से संबंधित 72 व्रत करना। इस

के दिन उन-उन तीर्थंकर के नाममंत्र का जाप्य करना ।

तीर्णकर्ण – *Tirnakarna.*

A country of *Bharat kshetra* in the northern *Arya khand* (region).

भरतक्षेत्र के उत्तर आर्यखण्ड का एक देश ।

तीर्थंकर – *Tirthamkara.*

24 Lords of Jaina, propagator of eternal religion

संसार सागर को स्वयं पार करने तथा दूसरे को पार कराने वाले महापुरुष; धर्मतीर्थ के प्रवर्तक, पंचकल्याणकों से पूजित, प्रत्येक कल्प (चतुर्थ काल) में ये 24 होते हैं। जैसे- वर्तमान काल के 24 तीर्थंकर हैं- ऋषभदेव, अजितनाथ, संभवनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, पद्मप्रभनाथ, सुपार्श्वनाथ, चन्द्रप्रभनाथ, पुष्पदंतनाथ, शीतलनाथ, श्रेयांसनाथ, वासुपूज्यनाथ, विमलनाथ, अनन्तनाथ, धर्मनाथ, शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ, मल्लिनाथ, मुनिसुव्रतनाथ, नमिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ एवं महावीर स्वामी। इस प्रकार त्रिकाल की अपेक्षा अनंतानंत तीर्थंकर भूतकाल में हो चुके हैं एवं भविष्य में भी होंगे ।

तीर्थंकर जन्मभूमि – *Tirthamkara Janmabhūmi*

The 16 birth-places of 24 *Tirthankars* (Jaina-Lords)-(1) Ayodhya (U.P.) of Rishabhdev, Ajitnath, Abhinandannath, Sumatinath & Anantnath, (2) Shravasti (U.P.) of Sambhavanath, (3) Kaushambi (U.P.) of Padmaprabhunath, (4) Varanasi (U.P.) of Suparshvanath, Parshvanath (5) Chandrapuri (Varanasi) of Chandraprabhunath (6) Kakandi (U.P.) of Pushpadantnath (7) Bhadrikapuri (Bihar) of Shaetalnath (8) Sinhpuri (Varanasi) of Shreyansnath (9) Champapuri (Bihar) of Vasupujyanath (10) Kampilapuri (U.P.) of Vimalnath (11) Ratnapuri (U.P.) of Dharmanath (12) Hastinapur (U.P.) of Shantinath, Kunthunath & Arahnath (13) Mithilapuri of Mallinath & Naminath (14) Rajgrahi (Bihar) of Munisuvratnath (15) Shauripur (Bateshvar-U.P.) of Neminath (16) Kundalpur (Nalanda-Bihar) of Lord Mahavira.

सैद्धान्तिक नियमानुसार भरतक्षेत्र के समस्त तीर्थंकर अयोध्या में ही जन्म लेते हैं इसलिए उसे शाश्वत तीर्थ कहा जाता है किन्तु हुण्डावसर्पिणी काल दोष के निमित्त से इस युग के चौबीसों तीर्थंकर अलग-अलग स्थानों पर जन्मे हैं अतः 24 भगवानों की 16 जन्मभूमियाँ हैं। 1.अयोध्या (फैजाबाद, उ.प्र.)–ऋषभदेव, अजितनाथ, अभिनंदननाथ सुमतिनाथ, अनंतनाथ, 2. श्रावस्ती (बहराइच–उ.प्र.)–संभवनाथ, 3. कौशाम्बी (उ.प्र.)–पद्मप्रभुनाथ, 4. वाराणसी (उ.प्र.)–सुपार्श्वनाथ, पार्श्वनाथ, 5. चन्द्रपुरी (वाराणसी)–चन्द्रप्रभुनाथ, 6. काकन्दी (उ.प्र.)–पुष्पदंतनाथ, 7. भद्रिकापुरी (बिहार)–शीतलनाथ, 8. सिंहपुरी (वाराणसी)–श्रेयांसनाथ, 9. चम्पापुरी (भागलपुर, बिहार)–वासुपूज्यनाथ, 10.काम्पिल्यपुरी (फर्रुखाबाद)–विमलनाथ, 11. रत्नपुरी (फैजाबाद, उ.प्र.)–धर्मनाथ, 12. हस्तिनापुर (मेरठ, उ.प्र.)–शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ, 13. मिथिलापुरी–मल्लिनाथ, नमिनाथ, 14. राजगृही (नालंदा-बिहार)–मुनिसुव्रतनाथ, 15. शौरीपुर (बटेश्वर–उ.प्र.)–नेमिनाथ, 16. कुण्डलपुर (नालंदा–बिहार)–महावीर स्वामी ।

तीर्थंकर जन्मभूमि विधान –

Tirthamkara Janmabhūmi Vidhāna

A procedural worshipping composition (*Vidhan*) written by *Aryika* Shri Chandanamati Mataji on 16 birth-places of 24 Jaina-Lords.

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणानुसार उनकी शिष्या आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा रचित 24 तीर्थंकरों की 16 जन्मभूमियों पर आधारित एक पूजा–विधान (रचना काल–ई. सन् 2003) ।

तीर्थंकर नामकर्म प्रकृति –

Tirthamkara Nāma Karma Prakṛti.

Auspicious *Karmic* nature causing the state of *Tirthankar* (Jaina -Lord).

नामकर्म की एक पुण्य प्रकृति, इसका बंध सोलहकारण भावना भाने से होता है। ऐसे परिणाम केवल मनुष्य भव में और वहाँ भी किसी तीर्थंकर अथवा केवली के पादमूल में ही होने संभव हैं ।

तीर्थंकर बेला व्रत – *Tirthamkara Belā Vrata.*

A type of fasting with particular procedure in the regard of all 24 *Tirthankars* (Jaina-Lord).

विधिपूर्वक 24 तीर्थंकरों के दो–दो उपवास करना ।

तीर्थंकर भक्ति – *Tirthamkara Bhakti.*

Name of a book written by *Acharya* Samantbhadra.

आचार्य समंतभद्र (ई.120-185) कृत स्तुति विद्या भक्ति स्तोत्र, अपरनाम जिनशतक ।

तीर्थंकर व्रत – *Tirthamkara Vrata.*

24 continuous fastings for 24 *Teerthankars* (Jaina-Lords).

तीर्थंकरों के नाम से 24 दिन लगातार उपवास करना ।

तीर्थ – *Tirtha.*

Place of pilgrimage, auspicious means for the path of salvation.

जो संसाररूपी सागर से तिरावे अर्थात् पार करे उसे तीर्थ कहा गया है, इसका दो प्रकार से वर्णन है। 1. भावतीर्थ–सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र रूप परिणत आत्मा। 2. द्रव्य तीर्थ–तीर्थंकर भगवन्तों की पंचकल्याणक भूमियाँ, अन्य सिद्धक्षेत्र इत्यादि। जैसे–अयोध्या, सम्मेदशिखर, गिरनार, कुण्डलपुर आदि ।

तीर्थकाल – *Tirthakāla.*

Governing era (discipline period) of Lord.

तीर्थंकरों का शासन काल; वर्तमान में महावीर स्वामी का तीर्थकाल चल रहा है ।

तीर्थ क्षेत्र – *Tirtha Kṣetra.*

Place of pilgrimages, related to 5 auspicious events of the life of Jaina Lord etc.

गर्भादि पंचकल्याणक क्षेत्र व अन्य केवली के सिद्ध स्थान व

अतिशय क्षेत्र ।

तीर्थ दर्शन – *Tirtha Darśana.*

Paying reverence (in direct or indirect way) to place of pilgrimages

संयम की विराधना न करते हुए सस्तर मन से तीर्थ वंदना करना ।

तीर्थयात्रा – *Tirthayātrā.*

Pilgrimage—a journey made by a pilgrim

श्रावक का कर्तव्य, संयम के साथ तीर्थों की वंदना करना ।

तीर्थराज – *Tirtharāja.*

Greatest place of pilgrimages—Ayodhya & Sammedshikhar

जहां तीर्थंकर जन्मे अथवा मुक्त हुए ऐसे अयोध्या और सम्मेदशिखर तीर्थक्षेत्र को तीर्थराज कहते हैं।

तीर्थविहार – *Tirthavihāra.*

Saints moving towards place of pilgrimages.

मुनि, आचार्य आदि साधुओं का तीर्थों के लिए गमन करना ।

तीर्थव्युच्छेद – *Tirthavyuccheda.*

Absence of religiousness.

धर्म का विच्छेद या अभाव होना , तीर्थंकर पुष्पदन्त से लेकर धर्मनाथ पर्यन्त सात तीर्थों में जिनधर्म की व्युच्छित्ति हुई है शेष सोलह तीर्थंकरों के तीर्थों में धर्म की परम्परा निरन्तर रही है। भगवान महावीर के मोक्ष जाने के पश्चात् 683 वर्ष तक श्रुतकेवली से अंगधारी तक मुनि हुए हैं उसके बाद भी मुनि, आर्यिका आदि चतुर्विध संघ 20317 वर्ष तक रहेगा। 683+20317= 21000 वर्ष तक यह तीर्थ रहेगा पुन: पंचमकाल में इस धर्मतीर्थ का नाश हो जाएगा ।

तीर्थस्नान – *Tirthasnāna.*

To take bath in a holy river or place, Ceremonial bath.

वैदिक परम्परानुसार गंगा आदि तीर्थों में स्नान करना, मिथ्यात्वादि दोषों से मलिन प्राणी ऐसे तीर्थस्नान से विशुद्ध नहीं हो पाता है। जैनशासन के अनुसार अरिहंत परमेष्ठी द्वारा प्रतिपादित ज्ञानरूपी गंगा में अवगाहन करना ही वास्तविक तीर्थस्नान है ।

तीव्र – *Tīvra.*

Intense, Acute.

भाव; क्रोधादि कषायों की तीव्रता को तीव्र भाव कहते हैं ।

तीव्र कामाभिनिवेश – *Tīvra Kāmābhiniveśa.*

Intense sex desire

काम क्रिया के प्रति तीव्र इच्छा होना ।

तीस चौबीसी व्रत - *Tisa Caubīsī Vrata.*

A type of vows to be observed for particular 720 days in the reverence of 720 *Tirthankars* (Jaina-Lords) of past, present & future time related to five Bharat & five Eravat Kshetra.

ढाई द्वीप संबंधी पांच भरत एवं पांच ऐरावत क्षेत्र के वर्तमान, भूत, भविष्यत्‌काल संबंधी 24-24 तीर्थंकरों के कुल 720 तीर्थंकरों के 720 व्रत ।

तीसरी भूमिका – *Tisarī Bhūmikā*

Modified state of soul

प्रतिक्रमण आदि के विकल्पों से रहित शुद्धात्मा की भूमिका ।

तीसिय – *Tīsiya*

State of obscuring *karmas* of right knowledge, right perception etc

जिन कर्मों की तीस कोड़ाकोड़ी (सागर) की उत्कृष्ट स्थिति है ऐसे ज्ञानावरण, दर्शनावरण, अन्तराय, वेदनीय को तीसिय कहते हैं।

तुंगवरक – *Tuṅgavaraka.*

A mountain of *Bharat kshetra* in *Arya khand* (region)

भरतक्षेत्र आर्य खण्ड का एक पर्वत ।

तुंबर – *Tumbara.*

A type of peripatetic deities

गन्धर्व नामक व्यंतर जाति का एक भेद ।

तुंबुरव – *Tumburava*

Ruling demigod of Lord Sumatinath

सुमतिनाथ भगवान का शासक यक्ष (तुंबुरु देव) ।

तुंबुलाचार्य – *Tumbulācārya.*

Name of a great *Acharya*

एक आचार्य जिन्होंने षट्खण्ड के प्रथम पांच खण्डों पर चूड़ामणि नामक टीका की रचना 84000 श्लोकों में की (ई. श. 3-4)। अपरनाम तुम्बुलूर आचार्य

तुट्यंग – *Tuṭyaṅga.*

A time unit.

84 लाख कमल प्रमाणकाल ।

तुटिक – *Tuṭika.*

A great mathematical quantity

तुट्यंग में 84 लाख का गुणा करने से प्राप्त संख्या ।

तुरग – *Turaga.*

Horse.

घोड़ा, अश्व ।

तुरीय चारित्र – *Turīya Cāritra.*

A super conduct, to be observed in the 10th stage of spiritual development (*Gunsthan*)

चौथा सूक्ष्मसाम्पराय चारित्र, यह 10वें गुणस्थान में होता है ।

तुरुष्क – *Turuṣka.*

Present Turkistan.

वर्तमान तुर्किस्तान ।

तुलसीदास – *Tulasīdāsa.*

A great personality of India, who wrote Ramayana.

रामायण के रचयिता (वि. 1680) ।

तुला – *Tulā.*

A weighing unit

तौल का प्रमाण विशेष, तराजू ।

तुलिंग – *Tulinga.*
A country of *Bharat kshetra* in *Aryakhand* (region)
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

तुल्य – *Tulya*
Equivalent, Similarity.
समान, सदृश

तुल्य बल विरोध – *Tulya Bala Virodha*
Having opposition equally.
विरोध का एक प्रकार, ज्ञान को मान लेने पर सब पदार्थों का शून्यपना नहीं बन पाता है और सबको शून्यपना मान लेने पर स्वसंवेदन की सत्ता नहीं ठहरती है वह तुल्य बल विरोध है ।

तुषमाषभिन्नम् – *Tusamāṣabhinnam.*
Distinction between body and soul
छिलके और उड़द की तरह शरीर और आत्मा भी भिन्न है ।

तुषार – *Tuṣāra.*
Frost, Ice, Dew
बर्फ या ओस ।

तुषित – *Tuṣita*
A type of *Laukantik* deities.
लौकान्तिक देवों का एक भेद ।

तूर्ण – *Tūrṇa.*
Immediate, Hasteness.
शीघ्रता

तूर्य – *Turya.*
A musical instrument.
एक सुषिर वाद्य ।

तूर्यांग – *Tūryāṅga.*
A type of wish fulfilling tree *(Kalpavriksha).*
तूर्यांग आदि का एक कल्पवृक्ष जो वाद्य प्रदान करता है।

तूष्णीक – *Tūṣṇika*
Devil; a type of peripatetic deities.
पिशाच जातीय व्यन्तर देवों का एक भेद ।

तृणफल – *Tṛṇaphala.*
A weighing unit
तौल का एक प्रमाण विशेष ।

तृणमय आसन – *Tṛṇamaya Āsana.*
A grass-mat
तृण से बनी चटाई ।

तृणसंस्तर – *Tṛṇasaṁstara.*
A type of substratum made of dry & harmless grass (related to Jain saints).
4 प्रकार के संस्तरों में एक भेद; गांठ रहित तृण से बना हुआ छिद्र रहित संस्तर ।

तृण स्पर्श – *Tṛṇa Sparśa.*
Affliction in the grassy resting with troublesome materials.
22 परीषहों में एक परीषह, सूखे तिनके, कंकर, पत्थर आदि की वेदना को समतापूर्वक सहन करना ।

तृतीय काल – *Tṛtīya Kāla.*
A type of particular time period (plentitude-cum-penury)
सुषमा दुषमा काल, इसमें जघन्य भोगभूमि की व्यवस्था होती है।

तृतीय भूमिका – *Tṛtīya Bhūmikā.*
See - *Tisari Bhumika.*
देखें- तीसरी भूमिका ।

तृतीय मूल – *Tṛtīya Mūla.*
The square root of the 2nd square root
गणित संबंधी ; द्वितीय मूल के मूल को तृतीय मूल कहते हैं ।

तृप्ति – *Tṛpti.*
Satisfaction, Gratification
संतोष, संतुष्टि ।

तृषा – *Tṛṣā.*
Thirst (controlling thirst is an affliction).
प्यास, 22 परीषहों में एक परीषह ।

तृष्णा – *Tṛṣṇā.*
Thirst, Desire.
प्यास, इच्छा, लालसा, लोभ होना ।

तृष्णा-वशीकरण – *Tṛṣṇā Vaśīkaraṇa.*
Overpowering on all hopes and desires
स्वयं आशाओं का दास न बनते हुए आशाओं को अपना दासी बना लेना ।

तेंदु – *Tendu.*
Name of an Indian tree, called initiation - tree of Lord Shreyansnath.
श्रेयांसनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम (पद्मपुराण के अनुसार); महापुराण के अनुसार यह तुम्बुरू वृक्ष है ।

तेईस – *Teisa.*
Twenty three, type of aggregatal grouping of *karmic* molecules or variforms.
23 ; वर्गणा के भेद ।

तेईस वर्गणा – *Teisa Vargaṇā.*
23 variforms or aggregates of *karmic* molecules.
अणु वर्गणा, संख्याताणुवर्गणा, असंख्याताणुवर्गणा आदि 23 प्रकार की वर्गणाएं होती हैं ।

तेईस सिंह – *Teīsa Siṁha.*
Twenty three lions-the 1st dream of Bharat Chakravarti (an emperor) out of 16 dreams.
भरत चक्रवर्ती को आए 16 स्वप्नों में प्रथम स्वप्न । इसका फल है वीर के अतिरिक्त 23 तीर्थंकरों के समय दुष्ट नयों की उत्पत्ति का अभाव होगा ।

तेज – *Teja.*
Lustre, Glitter, fire.
गर्मी, चमक, दीप्ति, प्रभा, प्रकाश, अग्नि ।

तैजकायिक – *Tejakāyika.*
Fire bodied living beings.
5 स्थावर जीवों में एक; अग्नि आदि में उत्पन्न जीव।

तैजसेन – *Tejasena*
A king of *Yadu* dynasty.
यदु (यादव) वंश का एक राजा।

तेजस्वी – *Tejasvi.*
Lustrous bodied beings. A king of *Ikshvaku* dynasty, A chief disciple of Lord Adinath.
शारीरिक एवं आत्मिक प्रभा से युक्त जीव, इक्ष्वाकुवंश का एक राजा, आदिनाथ भगवान का एक गणधर।

तेजांग – *Tejāṁga.*
A type of wish fulfilling tree (*Kalpavriksha*) pertaining to light.
एक प्रकार का कल्पवृक्ष, जो प्रकाश देते हैं।

तेजोजराशि – *Tejojarāśi*
A mathematical quanlity, A chief disciple of Lord Rishabhdev.
जिस राशि को चार से अपहृत (भाग) करने पर शेष तीन अंक रहते हैं, भगवान ऋषभदेव का 62 वां गणधर (तेजोराशि)।

तेजोलेश्या – *Tejoleśyā.*
Yellow aura, virtuous condition of soul.
पीत लेश्या; कर्तव्य को जानना, सबमें समभाव रखना, दया और दान में तत्पर रहना, मृदुभाषी और ज्ञानी होना।

तेरह – *Teraha.*
Thirteen (13 types of faults and 13 types of conducts in Jainalogy)
क्रोधादि; पांच पाप, चार कषाय, जुगुप्सा, भय, रति, अरति ये 13 दोष हैं, एवं पांच महाव्रत, पांच समिति और तीन गुप्ति इस प्रकार चारित्र के 13 भेद रूप।

तेरहपंथ – *Teraha Paṁtha.*
A division of Jain (*Digambar*) religious community.
दिगम्बर जैन सम्प्रदाय का एक विभाग। वर्तमान में दिगम्बर परम्परा में बीसपंथ और तेरहपंथ दो परम्पराएँ प्रचलित हैं। इनमें से बीसपंथ आगम सम्मत क्रियाओं को मानने वाला प्राचीन पंथ है एवं तेरहपंथ अनुमानित 400 वर्ष पूर्व कतिपय विद्वानों द्वारा स्थापित किया गया एक नया पंथ है।

तेरहविध क्रियास्थान – *Terahavidha Kriyāsthāna.*
Particular 13 reverential duties (6 essentials, bowings to *Panch-Parmeshthi*, *Asahi*, *Nisahi*).
छह आवश्यक, पंच परमेष्ठी नमस्कार, असही और निसही ये तेरह क्रियाएं हैं।

तेला व्रत – *Telā Vrata.*
Three days vow (fasting).
एक दिन एकाशन के बाद तीन दिन का उपवास करना।

तैजस – *Taijasa.*
Luminous, Lustrous, Bright.
चमक, दीप्ति, प्रभा, कांति।

तैजस द्रव्य वर्गणा – *Taijasa Dravya Vargaṇā*
A type of aggregates of *karmic* molecules producing lustre in body
23 वर्गणाओं में एक वर्गणा, जो शरीर को कांति देती है।

तैजस शरीर – *Taijasa Śarīra*
Luminous body
5 प्रकार के शरीरों में एक, स्थूल शरीर में दीप्ति या तेज में कारणभूत जो सूक्ष्म शरीर होता है उसे तैजस शरीर कहते हैं।

तैजस शरीर नामकर्म प्रकृति –
Taijasa Śarīra Nāmakarma Prakṛti.
A type of *Karmic* nature causing lustre in body.
जिसके उदय से तैजस वर्गणाओं का आकर्षण तैजस शरीर बनने के लिए हो।

तैजस शरीर बंध – *Taijasa Śarīra Bandha.*
A kind of bond of luminous molecules (reg. body).
5 प्रकार के बंधन नामकर्म के भेदों में एक भेद, गृहीत तैजस पुद्गल स्कंधों का परस्पर मिल जाना।

तैजस संघात नामकर्म –
Taijasa Saṁghāta Nāmakarma.
Karmic nature causing luminous body.
जिसके उदय से तैजस वर्गणाएं परस्पर छेद रहित एकमेक हो जाएं।

तैजस समुद्घात – *Taijasa Samudghāta.*
Electric overflow, Phosphorescent extrication
जीवों के अनुग्रह और विनाश में समर्थ तैजस शरीर की रचना के लिए तैजस समुद्घात होता है। यह शुभ तैजस और अशुभ तैजस दो प्रकार का है।

तैतिल – *Taitila.*
A country situated in *Bharat kshetra* (region)
भरत क्षेत्र में स्थित एक देश।

तैरश्चिक – *Tairaścika.*
A mountain of *Bharat kshetra* (region)
भरत क्षेत्र में स्थित एक पर्वत का नाम।

तैलमर्दन – *Tailamardana.*
Oil rubbing or smearing
तेल मालिश आदि करना।

तैला – *Tailā.*
A river of *Bharat kshetra* in *Aryakhand* (region).
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी।

तोता – *Totā.*
Parrot, Shap of the *Viman* of 'Shukra' *Indra.*
एक पक्षी, शुक्र इन्द्र के विमान का आकार जिस पर बैठकर इन्द्र नंदीश्वर द्वीप की वन्दना को जाते हैं।

तोयंधरा – *Toyaṁdharā.*
Name of a female deity of *Vijaykuta*
नन्दनवन में स्थित विजयकूट की स्वामिनी दिक्कुमारी देवी।

तोया – *Toyā.*
A king of *Rakshasa* dynasty
राक्षसवंश का एक राजा ।

तोयस्तम्भिनी – *Toyastambhini*
A supernatural power of propping water.
जल का स्तम्भन करने वाली एक विद्या, रावण ने यह सिद्ध की थी ।

तोरण – *Toraṇa.*
An arched gateway, a decorative and welcoming symbol.
वंदनवारदार बनाया हुआ द्वार, सिंहद्वार, अस्थाई रूप से बनाया हुआ शोभाद्वार ।

तोरणद्वार – *Toraṇadvāra.*
Doors of *Samavasharan* (an assembly of Lord Arihant).
समवशरण की आठ भूमियों के मूल में स्थित द्वार। जैसे–प्रथम धूलिशाल कोट की चारों दिशाओं में चार तोरणद्वार हैं इत्यादि ।

तोरणाचार्य – *Toraṇācārya.*
A spiritual teacher of *Acharya* Pushpanandi.
आचार्य पुष्पनन्दि जी के गुरु, समय ई. 678 के लगभग ।

तोरमाण – *Toramāṇa.*
A king of *Huna* dynasty.
हूण वंश का एक राजा ।

तोलामुलितेवर – *Tolāmulitevara.*
Name of an *Acharya* (writer of 'Chulamani').
ई. श. 7 से पूर्व के एक आचार्य जिन्होंने चूलामणि नामक ग्रंथ की रचना की ।

तौल – *Taula.*
Weighing or weight.
मापना; तौल की अपेक्षा द्रव्य प्रमाण ।

त्यक्त – *Tyakta.*
Given up, Something left.
छोड़ा गया ।

त्यक्त ज्ञायक शरीर – *Tyakta Jñāyaka Śarīra.*
The body left with renouncement.
नोआगम द्रव्य कर्म का एक भेद; कर्मस्वरूप के जानने वाले जीव का संन्यास रूप परिणामों से छोड़ा गया शरीर । यह तीन प्रकार का है–भक्तप्रत्याख्यान, इंगिनी व प्रायोपगमन ।

त्यक्त दोष – *Tyakta Doṣa.*
A fault of food taking.
मुनियों के आहार का एक दोष; झूठा भोजन छोड़ना या खाते पीते समय भोजन को नीचे गिराना।

त्यक्त शरीर – *Tyakta Śarīra.*
Leaving the body voluntarily (auspicious death)
जो शरीर स्वयं शांतिपूर्वक समाधिमरण द्वारा त्यागा गया हो ।

त्यक्तावास – *Tyaktāvāsa.*
Living in deserted place.
अचौर्य व्रत की एक भावना, दूसरों के छोड़े हुए ऊजड़ स्थान में निवास करना ।

त्याग – *Tyāga.*
Renunciation (related to all passions).
छोड़ना, विरक्त होना, सारे पर द्रव्यों के मोह को छोड़कर संसार देह और भोगों से उदासीन रूप परिणाम करना ।

त्यागधर्म – *Tyāgadharma.*
Doctrine of renunciation.
10 धर्मों में एक धर्म; सचेतन और अचेतन समस्त परिग्रह की निवृत्ति एवं संसार–शरीर–भोगों से उदासीनता ।

त्रयदंड – *Trayadaṁḍa.*
Three types of punishment.
मन-वचन-काय के अशुभ क्रियारूप तीन दंड हैं ।

त्रयात्मक द्रव्य – *Trayātmaka Dravya.*
Substances having three properties (origination, destruction and continuity)
द्रव्य में उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य ये तीन आत्मारूप लक्षण होते हैं इसलिए उन्हें त्रयात्मक द्रव्य कहा जाता है ।

त्रयोदश द्वीप – *Trayodaśa Dvīpa.*
13 Islands of middle universe.
मध्यलोक के 13 द्वीप (प्रारंभिक); जम्बूद्वीप से लगाकर रुचकवर द्वीप, यहीं तक अकृत्रिम 458 जिनमंदिर हैं। तेरहद्वीप की रचना पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर में निर्मित हो रही है ।

त्रसकाय – *Trasakāya.*
Mobile beings (two sensed to five sensed beings).
स्थावर जीवों को छोड़कर दो इन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक के जीव ।

त्रसघात – *Trasa Ghāta.*
Destruction of micro beings
त्रस जीवों का घात होना, जो मांस, शहद आदि पदार्थों के सेवन से होता है ।

त्रस चतुष्क – *Trasa Catuṣka.*
A quartet (related to mobile beings-*Trasa*) of some *Karmic* nature.
त्रस, बादर, प्रत्येक, पर्याप्त ।

त्रसत्व – *Trasatva.*
Mobileness in the beings
जीवों के चलन की क्रिया, त्रस पर्यायपना ।

त्रसदशक – *Trasadaśaka.*
Ten types of particular *Karmic* nature (related to mobile beings-*Trasa*)
त्रस, बादर, पर्याप्त, प्रत्येक, स्थिर, शुभ, सुभग, सुस्वर, आदेय, यशःकीर्ति कर्म प्रकृतियाँ ।

त्रस नामकर्म प्रकृति – *Trasa Nāma Karma Prakṛti.*
Mobile physique making *karmic* nature .
जिस कर्म के उदय से त्रस काय में जन्म हो ।

त्रसनाड़ी – *Trasanāḍī.*

A channel or tunnel of mobile beings

लोक के बहु मध्य में एक राजु लम्बा और कुछ कम तेरह राजु ऊंचा त्रस जीवों का निवास क्षेत्र ।

त्रसनाली – *Trasanālī*

Channel of the mobile bios

लोक के मध्य भाग में एक राजू लम्बी, चौड़ी और कुछ कम 13 राजू ऊंची त्रसनाली है । त्रसजीव इसके अंदर ही रहते हैं बाहर नहीं ।

त्रसरेणु (त्रटरेणु) – *Trasareṇu (Traṭareṇu).*

An area unit

क्षेत्र का प्रमाण विशेष 8 त्रटरेणु का एक त्रसरेणु ।

त्रसलोक – *Trasaloka.*

Name of a particular universe (middle universe)

सुमेरु पर्वत के मूल से एक राजू लम्बे चौड़े क्षेत्र में तिर्यक् त्रसलोक स्थित है, इसे मध्यलोक भी कहते हैं ।

त्रसित – *Trasita.*

The 10th *Patal* (layer) of the1st hell.

प्रथम नरक का दसवां पटल ।

त्रस्त – *Trasta.*

Troubled, frightened, The 2nd *Patal* (layer) of the 3rd hell

संतापित, तृतीय नरक का दूसरा पटल ।

त्रायस्त्रिंश – *Trāyastriṃśa.*

Thirty three. A type of deities (33 in number).

तैंतीस; 33, देवों के इन्द्र, सामानिक आदि दस भेदों में से एक भेद। इनकी संख्या 33 है ।

त्रिकच्छेद – *Trikacchеda.*

Method of dividing a number by three, many times.

एक ही संख्या में कई बार तीन से भाग जाता हो ।

त्रिकरण – *Trikaraṇa*

Three types of pure attitudes of soul involved in penance.

जीव के तीन प्रकार के विशुद्ध परिणाम; अधःप्रवृत्तकरण, अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण ।

त्रिकलिंग – *Trikaliṃga.*

A country of middle *Arya Khand* (region).

मध्य आर्यखण्ड का एक देश ।

त्रिकाल – *Trikāla.*

Past, Present and Future.

भूत, भविष्य, वर्तमान ।

त्रिकाल चौबीसी व्रत – *Trikāla Caubīsī Vrata.*

A type of vows to be observed for particular 72 days in reverence to 72 Tirthankers of past, present & future time.

जंबूद्वीप के भरतक्षेत्र के भूतकालीन, वर्तमानकालीन एवं भविष्यकालीन ऐसे तीन चौबीसी के 72 व्रत ।

त्रिकालज्ञता – *Trikālajñatā*

To have unlimited knowledge of present, past and future.

तीनों कालों का ज्ञान होना ।

त्रिकाल वंदना – *Trikāla Vandanā.*

Act of paying reverence three times a day

पूर्वाह्न, मध्याह्न व अपराह्न में की जाने वाली वन्दना ।

त्रिकाल सामायिक – *Trikāla Sāmāyika*

Practice of equanimity three times a day.

पूर्वाह्न, मध्याह्न व अपराह्न में की जाने वाली सामायिक ।

त्रिकाली पर्याय – *Trikālī Paryāya*

Infinite body forms in past, present and future times.

तीन कालों में क्रम से होने वाली अनन्त पर्यायें ।

त्रिकूट – *Trikūṭa.*

A mountain situated in *Bharat kshetra* (region). name of a city of *Vidyadhars*

भरत क्षेत्र में एक पर्वत, विद्याधरों की एक नगरी ।

त्रिकृति – *Trikṛti.*

To pay reverence three times a day

कृतिकर्म; प्रदक्षिणा, नमस्कारादि क्रियाओं का तीन बार करना अथवा एक दिन में जिन देव, गुरु और ऋषियों की तीन बार वंदना करना (त्रिकृत्या) ।

त्रिकोण रचना – *Trikoṇa Racanā.*

A particular triangular sequence of the fruition of *Karmas.*

उदयागत कर्म निषेकों की त्रिकोण रचना, एक एक घटता हुआ निषेक उदय में आना ।

त्रिखंड – *Trikhaṃḍa.*

Three *Mlechchhakhand* divisions

तीन म्लेच्छखण्डों को त्रिखण्ड कहते हैं ।

त्रिखंडाधिपति – *Trikhaṃḍādhipati.*

Sovereign of three *Khands* (divisions) of *Bharat Kshetra* etc.

भरत-ऐरावत आदि क्षेत्रों के तीन खंडों के अधिपति राजा; प्रतिनारायण, नारायण, ये तीन खंडों के अधिपति होते हैं ।

त्रिगर्त – *Trigarta.*

A country of *Bharat kshetra* in middle *Arya Khand* (region).

भरत क्षेत्र मध्य आर्य खण्ड का देश ।

त्रिगुणसार व्रत – *Triguṇasāra Vrata.*

A vow (fasting) of 30 days with particular method.

क्रमशः 1, 1, 2, 3, 4, 5, 4, 4, 3, 2, 1 इस प्रकार 30 उपवास करना तथा बीच के दस स्थान व अंत में एक-एक पारणा करना व णमोकार मंत्र का त्रिकाल जाप्य करना ।

त्रिगुप्ति – *Trigupti.*

Controlling the activities of mind, speech and body, Father's name of Lord Ananinath (reg. past

birth).
मन, वचन, काय की प्रवृत्ति को रोककर वश में रखना, यह संवर का एक कारण है। अनन्तनाथ भगवान के पूर्व भव के पिता का नाम।

त्रिगुप्तिगुप्त – *Triguptigupta.*
Escaping from the three worldly activities (of mind speech & body)
मन वचन काय इन तीनों योगों से गुप्त होना त्रिगुप्तिगुप्त है।

त्रिचूड – *Tricūḍa.*
A king of *Vidyadhar* dynasty.
विद्याधर वंश का एक राजा।

त्रिजट – *Trijaṭa.*
A king of *Rakshas* dynasty
राक्षसवंश का एक राजा, रावण का पक्षधर एक विद्याधर।

त्रिज्ञानसिद्ध – *Trijñānasiddha.*
A type of salvated beings (possessing three basic knowledges)
भूतप्रज्ञापनन्य की अपेक्षा से तीन ज्ञान से सिद्ध होने वाले जीव।

त्रिज्या – *Trijyā.*
Radius
किसी भी वृत्त के कर्ण का आधा भाग।

त्रिदशंजय – *Tridaśaṁjaya.*
A king of *Ikshvaku* dynasty ...
इक्ष्वाकुवंश का एक राजा। अंत में पुत्र को राज्य सौंपकर दीक्षा ली थी।

त्रिदोष – *Tridoṣa.*
Three thorns as obstacle in the path of salvation
तीन शल्य; मिथ्या, माया, निदान जो व्रती में नहीं होना चाहिए।

त्रिधाकरण – *Tridhākaraṇa.*
Three divisions of wrong (false) *Karmas.*
मिथ्यात्व के तीन खंड करने की विधि को त्रिधाकरण कहते हैं, मिथ्यात्व, सम्यक्मिथ्यात्व, सम्यक्प्रकृति।

त्रिनेत्र – *Trinetra.*
A name of Lord Arihant among 1008 names.
भगवान के 1008 नामों में एक नाम।

त्रिपंचाशत – *Tripaṁcāśata.*
Fifty three.a number (53 auspicious activities of householders).
त्रेपन, 53 (गर्भान्वय की 53 क्रियाएँ आदि)।

त्रिपंचाशत् भाव – *Tripaṁcāśat Bhāva.*
Fifty three types of subsidential disposition.
जीवों के औपशमकादिभाव जो 53 प्रकार के हैं।

त्रिपदधर तीर्थंकर – *Tripadadhara Tīrthaṁkara.*
Jaina Lords possessing three great titles (*Tirthankar* Shantinath, Kumthunath and Aranath).
शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ तीर्थंकर, ये तीनों 'कामदेव', 'चक्रवर्ती' एवं 'तीर्थंकर' तीन पदधारी थे। इनका जन्म हस्तिनापुर में हुआ था।

त्रिपर्वा – *Triparvā.*
A type of knowledge of medicines.
एक औषधी विद्या।

त्रिपातिनी – *Tripātinī.*
See - *Triparvā.*
देखें – त्रिपर्वा।

त्रिपुर – *Tripura*
A country of *Bharat kshetra Vindhyachal* (region)
भरत क्षेत्र विन्ध्याचल (विजयार्ध) का एक देश।

त्रिपुरारि – *Tripurāri.*
A name of Lord Arihant among 1008 names, conqueror of birth, affliction by age & death
भगवान के 1008 नामों में एक नाम, तीन शत्रु अर्थात् द्रव्यकर्म, भावकर्म, नोकर्म को जीतने वाले, जिन्होंने जन्म, जरा, मरण इन तीन पुरों को जीत लिया है।

त्रिपृष्ठ – *Tripṛṣṭha.*
One of the past birth of Lord Mahavir who was the first *Narayan* in the time of Lord Shreyansnath.
भगवान महावीर के पूर्व भव में से एक भव–श्रेयांसनाथ भगवान के समय में हुआ प्रथम नारायण, जो बाद में महावीर स्वामी हुए।

त्रिप्रदक्षिणा – *Tripradakṣiṇā.*
Circumabulation, To revolve three times around a saint or temple.
तीन परिक्रमा।

त्रिबार सामायिक – *Tribāra Sāmāyika.*
Observing equanimity three times with meditation.
पूर्वान्ह, मध्यान्ह, अपरान्ह तीनों कालों में सामायिक करना।

त्रिभंगी – *Tribhaṁgī.*
Three types of *Karmic* nature.
कर्म प्रकृतियों के तीन भेद–बंध, उदय, सत्ता।

त्रिभंगीसार – *Tribhaṁgīsāra.*
Name of a commentary book.
विभिन्न आचार्यों द्वारा रचित आस्रव बन्ध सत्व आदि नाम वाली 6 त्रिभंगियों का संग्रह।

त्रिभाग – *Tribhāga.*
A third part.
एक तिहाई हिस्सा।

त्रिभुवन – *Tribhuvana.*
The three worlds, the entire universe
देखें – त्रिलोक।

त्रिभुवनकीर्ति – *Tribhuvanakīrti*
Name of an *Acharya* and a *Bhattarak.*
नन्दिसंघ बलात्कारगण शुभचन्द्र आम्नाय (वि.1499-1538)

सूरत गद्दी के एक भट्टारक, काष्ठा संघ के एक आचार्य ।

त्रिभुवनचंद्र – *Tribhuvanacandra*

An *Acharya* of *Kashtha sangh*

काष्ठा संघ के एक आचार्य ।

त्रिभुवनचूड़ामणि – *Tribhuvana Cūṛāmaṇi*

Two *Siddhayatana* summits of *Bhadrashal* forest.

भद्रशाल वन में स्थित दो सिद्धायतन कूट ।

त्रिभुवनस्वयंभू – *Tribhuvanasvayambhu*

Son of the poet Svayambhu.

कवि स्वयंभू के पुत्र जिसने बृहत्सर्वज्ञसिद्धि की रचना की ।

त्रि मकार – *Tri Makāra.*

Wine, meat, honey (the three inedible things)

मदिरा, मांस, मधु । तीन न खाने योग्य पदार्थ जिनका प्रारंभ 'म' शब्द से है ।

त्रिमुख – *Trimukha.*

Ruling demigod of Lord Sambhavnath

संभवनाथ भगवान का शासन यक्ष ।

त्रिमूढ़ता – *Trimūṛhatā.*

Three faults in right faith

सम्यग्दर्शन के 25 दोषों में 3 दोष । लोक मूढ़ता, देवमूढ़ता, गुरुमूढ़ता ।

त्रियोग – *Triyoga*

Vibration in the spaces of soul (due to activities of mind, speech and body)

मन, वचन, काय के हलन चलन से आत्मा के प्रदेशों का सकम्प होना ।

त्रिरत्न – *Triratna.*

Three jewels of Jaina religion- Right faith, Right knowledge & Right conduct.

जैन धर्म के तीन रत्न, सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र ।

त्रिलक्षण कदर्थन – *Trilakṣaṇa Kadarthana.*

A book written by Patrakesari no.1.

पात्रकेसरी नं. 1 (ई.श. 6-7) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

त्रिलक्षणत्व – *Trilakṣaṇatva.*

Substances having three factors (origination, destruction and continuity).

द्रव्य जो उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य तीन लक्षणात्मक होते हैं ।

त्रिलोक – *Triloka.*

The three worlds - lower world, middle world and upper world.

अधोलोक, ऊर्ध्वलोक और मध्यलोक ।

त्रिलोकगुरु – *Trilokaguru.*

One who is great in all three worlds.

अनंत ज्ञानादि महान् गुणों के द्वारा जो तीन लोकों में भी महान् है ।

त्रिलोकतीज व्रत – *Trilokatīja Vrata.*

A type of fasting.

तीन वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल तीज का उपवास करना ।

त्रिलोकबिंदुसार – *Trilokabindusāra.*

Name of 14th *Purva* (parts of scriptural knowledge)

चौदहवां पूर्व । इसमें तीन लोक का स्वरूप, 26 परिकर्म आदि का कथन है इसके पद 12 करोड़ पद हैं ।

त्रिलोकमंडन – *Trilokamaṇḍana.*

Name of an elephant.

एक हाथी, रावण ने इसको मदमस्त अवस्था में पकड़कर त्रिलोकमंडन नाम रखा था ।

त्रिलोकव्याप्त – *Trilokavyāpta.*

One who is diffused in all three worlds

जो तीनों लोकों में व्याप्त है, लोकपूरण समुद्घात, केवली भगवान के आत्मप्रदेशों का घनलोकप्रमाण सर्व लोक में फैल जाना ।

त्रिलोकसार – *Trilokasāra.*

A book of *Karananuyog* written by *Acharya* Nemichandra Siddhant Chakravarti

आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती द्वारा ई.श. 11 पूर्व में रचित करणानुयोग से सम्बंधित लोकविभाग विषय पर प्राकृत ग्रंथ ।

त्रिलोकसार टीका – *Trilokasāra Ṭīkā.*

A commentary book written by *Acharya* Madhava Chandra

आचार्य माधवचन्द्र त्रैविद्य कृत त्रिलोक ग्रंथ की टीका ।

त्रिलोकसार व्रत – *Trilokasāra Vrata*

A type of fasting with particular procedure

त्रिलोकाकार रचना के अनुसार विशेष विधि द्वारा किए जाने वाला एक व्रत जिसमें तीस उपवास एवं 11 पारणाएं होती हैं ।

त्रिलोकीय – *Trilokiya.*

Father's name of Lord Naminath reg. past era

नमिनाथ भगवान के पूर्व भव के पिता का नाम ।

त्रिवर्गगतवाद – *Trivargagatavāda.*

A doctrine of solitariness

एक एकांत मत ।

त्रिवर्ग महेंद्र-मातलि जल्प –

Trivarga Mahendra Matali Jalpa.

A book written by *Acharya* Somdeva.

आचार्य सोमदेव (ई. 943-968) कृत एक न्याय ग्रंथ ।

त्रिवर्ण – *Trivarṇa.*

Three caste divisions (*Kshatriya*, *Vaishya* and *Shudra*).

क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये तीन वर्ण ।

त्रिवर्णाचार – *Trivarṇācāra.*

A book written by Somdeva *Bhattarak*.

सोमदेव भट्टारक (ई. 1610) कृत पूजा-अभिषेक, सूतक-पातक आदि विषयक ग्रंथ ।

त्रिवलित – *Trivalita.*

A fault of religious activities.

कायोत्सर्ग का एक अतिचार, वंदना का एक अतिचार, कटि,

शीश, मस्तक आदि पर तीन बल पड़ जाना ।

त्रिवेद – *Triveda*

The three *Vedas*, classification of three genders
स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद ।

त्रिवेदसिद्ध – *Trivedasiddha.*

Beings salvated from all genders (in accordance with *Bhaved*)
भाववेद की अपेक्षा जो तीनों वेदों से सिद्ध होते हैं त्रिवेदसिद्ध कहलाते हैं। द्रव्य से पुरुष वेदी, भाव से स्त्री वेदी एवं नपुंसक वेदी भी सिद्ध पद को प्राप्त कर सकते हैं ।

त्रिषष्टि कर्म प्रकृति – *Trisasti Karma Prakrti.*

Sixty three types of *karmic* nature (which are destroyed by Lord Arihant)
63 कर्म प्रकृतियां, जिनके नाश से अरहंत परमेष्ठी होते हैं ।

त्रिषष्टि शलाका पुरुष – *Trisasthi Śalākā Purusa.*

Sixty three great personages (who attain salvation through any birth).
24 तीर्थंकर+12 चक्रवर्ती+9 नारायण+9 प्रतिनारायण+9 बलभद्र=ये 63 महापुरुष 63 शलाकापुरुष कहलाते हैं। प्रथमानुयोग के ग्रंथों में इनका वर्णन पाया जाता है ।

त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्र –
Trisasthi Śalākā Purusa Caritra.

Name of books written by Chamundraya and *Shvetambaracharya* Hemchandra seperately.
चामुण्डराय (ई.श.10-11) एवं श्वेताम्बराचार्य हेमचन्द्र (ई. 1088-1173) द्वारा रचित ग्रंथों का नाम ।

त्रिषष्टिस्मृतिशास्त्र – *Trisasthismrtiśāstra*

A book written by *Pandit* Ashadharji
पं. आशाधर जी (ई. 1173-1243) द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ ।

त्रिसंयोगीस्थान प्ररूपणा –
Trisamyogisthāna Prarūpaṇā

Particular representation of different *karmic* nature
कर्म प्रकृतियों का उदय आदि की अपेक्षा विशेष निरूपण ।

त्रीन्द्रिय – *Trindriya.*

Living beings having three sense organs.
जीव, जिनके स्पर्शन, रसना और घ्राण ये तीन इन्द्रियां होती हैं। जैसे-चींटी, खटमल आदि ।

त्रीन्द्रिय जाति नामकर्म प्रकृति –
Trimdriya Jāti Nāmakarma Prakṛti.

A *karmic* nature causing birth in *Tiryanch* destination
जिसके उदय से स्पर्शन, रसना, घ्राण इन तीन इन्द्रियधारी तिर्यंचों में जन्म हो ।

त्रुटरेणु – *Trutarenu*

An area unit.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष, आठ सन्ना – सन्नाओं (सन्नासन्न) का एक त्रुटरेणु ।

त्रुटित – *Trutita.*

A time unit.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख त्रुटितांग प्रमाण काल ।

त्रुटितांग – *Trutitānga.*

A time unit
काल का एक प्रमाण, 84 लाख कमल प्रमाण काल ।

त्रैकाल्ययोगी – *Traikālyayogi.*

The disciple of Golacharyaji
एक आचार्य (ई. 920 – 930) जो गोलाचार्य (ई. 900 - 920) के शिष्य तथा अभयनन्दि (ई. 930 - 950) के गुरु थे ।

त्रैराशिक – *Trairāśika*

Rule related to three mathematical quantities
गणित संबंधी तीन राशियाँ – प्रमाण, फल व इच्छाराशि ।

त्रैराशिकवाद – *Trairāsikavāda.*

Doctrine related to the conception of trio thoughts (like *Jiva, Ajiva, Jiva-ajiva* etc.)
सर्व वस्तुओं को त्र्यात्मक मानना अर्थात् तीन राशियों द्वारा वर्णन करने का सिद्धान्त जैसे जीव, अजीव, जीवाजीव; लोक, अलोक, लोकालोक आदि ।

त्रैलोक्यजिनालयव्रत – *Trailokyajinālaya Vrata.*

A type of vow (fasting) to be observed for different 48 days in regard to different temples of *Trailok* (three worlds)
तीन लोक में अकृत्रिम-शाश्वत जिनमंदिर 856, 97, 481 हैं। अधोलोक के भवनवासी देवों के 10 भेदों के मंदिरों की अपेक्षा 10, मध्यलोक के पर्वत आदि के 12, व्यंतरों के 8, ज्योतिषवासी के 5, वैमानिक देवों की अपेक्षा 12 एवं सिद्धशिला के सिद्धों की अपेक्षा 1 ऐसे 10 + 12+8+5+12+1=48 व्रत किये जाते हैं। उत्कृष्ट विधि में उपवास, मध्यम में अल्पाहार, जघन्य में एकासन किया जाता है। इनकी विधि एवं मंत्र 'व्रतविधि एवं पूजा' पुस्तक भाग-2 से देखना चाहिए ।
समुच्चय मंत्र- ॐ ह्रीं त्रैलोक्यशाश्वतजिनालयजिनबिम्बेभ्यो नमः।

त्रैलोक्य दीपक – *Trailokya Dīpaka.*

A book written by Vamdeva.
वामदेव (ई. 13 - 14) द्वारा रचित एक ग्रन्थ ।

त्रैविद्यदेव – *Traividyadeva*

Title for some *Acharyas* in *Nandi sangh* (group) etc.
कतिपय आचार्यों की उपाधि जैसे नन्दि संघ के देशीयगण की गुर्वावली के अनुसार पांच आचार्यों की उपाधि, कातंत्र रूपमाला व्याकरण के भावसेन- त्रैविद्य टीकाकार आदि ।

त्रैविद्य विश्वेश्वर – *Traividya Viśveśvara.*

A learned person of *Dravid sangh* (group) etc.
द्रविड़ संघ के एक विद्वान का नाम ।

त्र्यंग नमस्कार – *Tryanga Namaskāra.*

A type of bowing, in which both hands are folded with joining them and head is bowed.

नमस्कार का एक भेद; दोनों हाथ और सिर से नमस्कार करना ।

त्वक्स्पर्श - *Tvak Sparśa.*

Touch of skin.

त्वचा स्पर्श ।

त्वचा - *Tvacā.*

Skin, Bark.

वृक्ष, गच्छ या स्कन्धों की छाल, चमड़ी ।

त्वष्टा - *Tvaṣṭā.*

Name of a presiding deity of *Citra* lunar.

चित्रा नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम ।

त्वष्टियोग - *Tvaṣṭiyoga*

Deeply engrossment into the supreme soul.

ब्रह्मयोग ।

थ

थ - *Tha.*

The seventeenth consonant of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का सत्रहवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान दंतमूल है ।

थलचर - *Thalacara.*

Animals living on Land terrestrial

पंचेन्द्रिय तिर्यंचों के 3 भेदों में एक भेद; धरती पर चलने वाले तिर्यंच जीव ।

थानक पंथी/थानकवासी - *Thānaka Pamtha/Thānakavāsī*

A *śvetambar* Jain sect

श्वेताम्बर जैन पंथ; ये प्रतिमा को नहीं पूजते हैं, साधु वस्त्र एवं मुंह पर पट्टी रखते हैं ।

थावर - *Thāvara.*

Stable object, One sensed immobile beings like inanimate objects.

यह एक प्राकृतिक शब्द है-इसका सामान्य अर्थ है स्थिर अथवा स्थावर वस्तु एवं स्थावर एकेन्द्रिय जीव (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति कायिक जीव) को भी थावर कहते हैं ।

थावर प्रतिमा - *Thāvara Pratimā.*

Stable image of any thing.

व्यवहार से चंदन, कनक, महामणि, स्फटिक आदि से बनी प्रतिमा थावर प्रतिमा कहलाती है ।

थोस्सामिदंडक - *Thossamidamdaka.*

A lesson for the prayer of Jaina Lord

थोस्सामिहं जिणवरे-इत्यादिरूप एक चौबीस तीर्थंकर स्तुति का प्राकृत पाठ ।

द

द – *Da*
The eighteenth consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का अठारहवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान दंतमूल है।

दंड – *Daṃḍa*
Punishment
सजा। मन, वचन, कायरूप तीन प्रकार का दंड होता है।

दंड - दंडी संबंध – *Daṃḍa - Daṃḍi Sambandha.*
Relation of infliction & Inflicting one
जो वस्तु के स्वरूप में मिला न हो। दंड के सम्बन्ध से पुरुष को दंडी कहना।

दंडपति – *Daṃḍapati*
Leader of an army
समस्त सेना का नायक।

दंड समुद्घात – *Daṃḍa Samudghāta*
Expansion of spaces of soul in term of 14 *Rāju*.
केवली के समुद्घात करने का प्रथम चरण; केवली भगवान की आयु कर्म की स्थिति वेदनीय, नाम, गोत्र के बराबर करने के लिए आत्मा के प्रदेश बाहुल्य को छोड़कर दण्डरूप से 14 राजु तक फैल जाते हैं।

दंडासन तप – *Daṃḍāsana Tapa*
A type of posture of meditation (sitting erectly).
कायक्लेश; दण्ड के समान सीधा बैठना।

दंतवाणिज्य – *Daṃta Vāṇijya.*
Business of ivory.
हाथी दांत का व्यापार करना।

दंशमशक - परीषह – *Daṃśamaśaka - Parīṣaha.*
To tolerate insect-bite affliction.
22 परीषहों में एक परीषह; मच्छर, मक्खी, बिच्छू, चींटी आदि के द्वारा की गयी बाधा को बिना प्रतिकार किये सहन करना एवं मन, वचन, काय से उनको बाधा न पहुंचाना।

दंभ – *Daṃbha.*
Proud, arrogance.
अभिमान।

दक्ष – *Dakṣa.*
Skilled one, expert, A king of *Hari* dynasty.
कुशल, मुनिसुव्रतनाथ भगवान का पोता, हरिवंश का एक राजा।

दक्षिण – *Dakṣiṇa.*
South direction
एक दिशा।

दक्षिण कल्प – *Dakṣiṇa Kalpa.*
Southern part of *Patals* (levels) of all 16 heavens.
16 स्वर्गों के पटलों का दक्षिणी भाग, जहां दक्षिण दिशा के इन्द्रों का निवास होता है, जैसे-सौधर्म इन्द्र, सानत्कुमार इन्द्र आदि।

दक्षिणाग्नि – *Dakṣiṇāgni*
A sacred fire of square fire-pit
चौकोर कुंड की अग्नि।

दक्षिणायन – *Dakṣiṇāyana.*
Period of the movement of the sun towards the south of equator (period between summer and winter solstices)
सूर्य का 'आदि' में पाया जाने वाला अयन दक्षिणायन एवं 'अन्त' में पाया जाने वाला अयन उत्तरायण कहलाता है।

दक्षिणार्ध – *Dakṣiṇārdha.*
Name of a summit & a deity of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध पर्वत के एक कूट व देव का नाम।

दण्डकारणिक – *Daṇḍakāraṇika.*
An administrator who can punish, A magistrate.
दण्ड देनेवाला अधिकारी।

दण्डक्रीड़ा – *Daṇḍakrīḍā.*
A game which is played by stick, rod.
दण्ड से खेला जाने वाला खेल।

दण्डधार – *Daṇḍadhāra.*
The 45[th] son of king Dhratrashtra.
राजा धृतराष्ट्र और रानी गांधारी का 45 वां पुत्र।

दण्डनीति – *Daṇḍanīti.*
Harsh policy of a ruler, the ethics of a ruler.
प्रशासन विद्या, यह प्रशासन की 4 विद्याओं में एक विद्या है।

दण्डरत्न – *Daṇḍaratna.*
One of the 14 jewels of *Chakravarti*.
14 रत्नों में एक रत्न; चक्रवर्ती का एक निर्जीव रत्न। यह सेना के आगे चलता है।

दत्त – *Datta.*
Name of the 7[th] *Narayana* of *Bharat kshetra* (region).
भरतक्षेत्र के वर्तमान सातवें नारायण।

दत्तक – *Dattaka.*
Adopted son, Name of a chief disciple of Lord Chandra Prabhu.
गोद लिया हुआ पुत्र, चन्द्रप्रभु भगवान के मुख्य गणधर का नाम।

दत्तावधान बुद्धि – *Dattāvadhāna Buddhi.*
An intelligence which is caused in making interest about any subject.
किसी विषय में रुची या श्रद्धा होना।

दत्ति – *Datti.*
Four types of Donation.
दान; इसके 4 भेद हैं – दयादत्ति, पात्रदत्ति, समदत्ति, अन्वय दत्ति।

दत्ति कर्म – *Datti Karma.*
Some religious duties of householders.
गृहस्थों का कर्तव्य । चार प्रकार का दान देना; पात्रों को भक्ति से एवं दुःखियों को दया से ।

दधिमुख – *Dadhimukha.*
Name of particular 16 mountains in *Nandishwardvip* (island).
नंदीश्वर द्वीप की 16 वापियों के मध्य स्थित दही के समान 16 सफेद वर्ण के पर्वत ।

दन्दशूक – *Dandaśūka.*
A typical weapon.
फणयुक्त एक शस्त्र, इसका गरुडास्त्र से निवारण किया जाता है।

दम – *Dama*
Subduing of feelings, self control
जितेन्द्रियता; इन्द्रियों को सम्यक रूप से दमन करना।

दमित – *Damita.*
See - *Dānta*
देखें - दान्त ।

दमितारि – *Damitāri.*
A *Pratinarayan* who was the son of king Kirtidhar Kevali.
एक प्रतिनारायण, यह राजा कीर्तिधर केवली का पुत्र था ।

दया – *Dayā.*
Compassion, Mercy.
अनुकंपा ।

दयादत्ति – *Dayādatti.*
To be kindful to others.
अनुग्रह करने योग्य प्राणियों के समूह पर दयापूर्वक मन, वचन, काय की शुद्धि के साथ उनके भय को दूर करना ।

दयाभाव – *Dayābhāva.*
Merciful feelings, kind nature
कारुण्य भावना ।

दयामूर्ति – *Dayāmūrti.*
Embodiment of mercy.
सचित्त त्याग प्रतिमाधारी श्रावक को दयामूर्ति कहा गया है ।

दयार्द्र – *Dayārdra.*
Compassionate; tender hearted
दूसरे की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझना ।

दयालु – *Dayālu.*
Compassionate, merciful, kind person
दयाभाव रखने वाला ।

दयावती – *Dayāvatī.*
The mother's name of 12th *Teerthankar* (Jaina-Lord) of *Videh kshetra* (region)
विदेह क्षेत्र में स्थित 12 वें तीर्थंकर चन्द्रानन की माता ।

दर्दुर – *Dardura.*
Frog, cloud.
मेंढक, बादल, मेघ ।

दर्प – *Darpa*
Pride, conceit, pompness, arrogance.
अहंकार, घमंड ।

दर्पण – *Darpaṇa.*
Mirror; an auspicious device which is to be kept near Lord Idol.
शीशा, एक मंगल; अकृत्रिम प्रतिमाओं के समीप स्थित 108 मंगल द्रव्यों में एक मंगल द्रव्य ।

दर्पणतुल्य भूमि – *Darpaṇatulya Bhūmi.*
An excellance of Lord Arihant (Land to have like mirror).
अरहंतों के केवलज्ञान का एक अतिशय, दर्पण के समान भूमि का स्वच्छ होना ।

दर्शक – *Darśaka*
Spectators, on lookers
देखने वाला ।

दर्शन (उपयोग) – *Darśana (Upayoga).*
Functional consciousness of conation vision [illegible]
उपयोग का एक भेद; यह पदार्थ को सामान्य, अनाकार (निर्विकल्प) रूप से ग्रहण करता है, इसके 4 भेद हैं (चक्षु, अचक्षु, अवधि, केवल) ।

दर्शन (षट्) – *Darśana (Ṣaṭ).*
Six philosophies- *Jaina, Bauddha, Naiyayika, Sankhya, Vedanta* and *Vaisheshik.*
6 दर्शन; जैन, बौद्ध, नैयायिक, सांख्य, वैशेषिक, वेदान्त ।

दर्शन कथा – *Darśana Kathā.*
A sacred legend
सती मनोवती नामक एक कन्या द्वारा गजमोती चढ़ाकर जिनेन्द्र भगवान के दर्शन करने की एक प्राचीन रोमांचक कथा जिस पर गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने 'प्रतिज्ञा' नामक धार्मिक उपन्यास लिखा है ।

दर्शनक्रिया – *Darśanakriyā.*
Watching beauty with lust or passion, an activity of householder
श्रावक की 25 क्रियाओं में एक; रागवश प्राणी का रमणीय रूप को देखना ।

दर्शन गुण – *Darśana Guṇa.*
Characteristics of the right faith.
प्रशम, संवेग, आस्तिक्य, अनुकंपा ये 4 सम्यग्दर्शन के गुण हैं।

दर्शन-ज्ञान-चारित्र – *Darśana Jñāna Cāritra.*
Three jewels of Jainas (Right faith, Right knowledge & Right conduct).
रत्नत्रय; सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यक्चारित्र इन तीनों गुणों को रत्नत्रय कहते हैं ।

दर्शन चेतना – *Darśana Cetanā.*
Consciousness causing apprehension of supreme soul.
जिस चेतना में महासत्ता या सामान्य का प्रतिभास हो ।

दर्शन पंडित - *Darśana Paṇḍita.*
One having destructional-cum-subsidential right perception.
क्षायिक, क्षायोपशमिक और औपशमिक सम्यग्दर्शन से जीव दर्शन पंडित होता है।

दर्शन पाहुड - *Darśana Pāhuḍa.*
A book written by *Acharya* Kund-Kund
आचार्य कुंदकुंद (ई.127-179) कृत सम्यग्दर्शन विषयक एक ग्रंथ

दर्शन प्रतिमा - *Darśana Pratimā.*
First model stage of right faith (pertaining to householders).
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में पहली प्रतिमा; निर्मल सम्यग्दर्शन के साथ अष्टमूलगुण का पालन करना और सप्त व्यसन का त्याग करना।

दर्शन बाल जीव - *Darśana Bāla Jīva*
One ignorant with false belief
तत्त्वार्थश्रद्धान रहित मिथ्यादृष्टि जीव।

दर्शन मार्गणा - *Darśana Mārgaṇā.*
A type of investigation related to beings
14 मार्गणाओं में एक मार्गणा जिसमें दर्शन उपयोग सहित जीवों को खोजा जाता है।

दर्शन मोह - *Darśana Moha.*
Right faith deluding *Karmas.*
मोहनीय कर्म का एक भेद; जो सम्यग्दर्शन को प्रगट नहीं होने देता। इसके मिथ्यात्व, सम्यक् मिथ्यात्व, सम्यक्त्व प्रकृति ये तीन भेद हैं।

दर्शन मोह क्षपक - *Darśana Moha Kṣapaka.*
Destroyer of right faith deluding *Karmas.*
दर्शन मोहनीय कर्म को नष्ट करने वाला क्षायिक सम्यग्दृष्टि।

दर्शनमोहनीय कर्म - *Darśanamohanīya Karma.*
Right faith deluding *Karmas.*
जिस कर्म के उदय से देवशास्त्र गुरु एवं तत्त्वों के प्रति अश्रद्धान का भाव होता हो, यह सम्यग्दर्शन का घात करती है।

दर्शनवाद - *Darśanavāda.*
Name of a philosophy (related to wrong perception)
एक एकान्त मत।

दर्शन विनय - *Darśana Vinaya.*
Reverence to right faith
सम्यग्दर्शन के अंगों का पालन, भक्ति पूजा आदि गुणों को धारण तथा शंका आदि दोषों के त्याग को सम्यक्त्व विनय या दर्शन विनय कहते हैं।

दर्शनविशुद्धि - *Darśanaviśuddhi.*
Purity of right faith
16 कारण भावना में पहली भावना; सम्यग्दर्शन की अत्यन्त निर्मल व दृढ़ हो जाना। इसके होने पर ही तीर्थंकर प्रकृति का बंध संभव है।

दर्शनविशुद्धि व्रत - *Darśanaviśuddhi Vrata.*
A Jaina vow (fasting) with particular procedure
औपशमिकादि तीनों सम्यक्त्वों के आठ अंगों की अपेक्षा 24 अंग के एक उपवास एक पारणा के क्रम से 24 उपवास करना एवं णमोकार मंत्र का जाप करना।

दर्शनशुद्धि ([illegible]) - *Darśanaśuddhi ([illegible]).*
A book written by *Acharya* 'Chandraprabh Suri'.
आचार्य चन्द्रप्रभ सूरि (ई.1102) द्वारा रचित एक न्याय ग्रन्थ।

दर्शन श्रावक - *Darśana Śrāvaka.*
A householder follower of first model stage of right faith.
दर्शन प्रतिमा धारी जो पंच उदुम्बर सहित सातों व्यसनों का परित्याग आदि करता है।

दर्शनसागर (आचार्य) - *Darśanasāgara (Ācārya).*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Nirmalsagar Maharaj
आचार्यश्री निर्मलसागर महाराज के शिष्य (ई.श. 20-21)।

दर्शनसार - *Darśanasāra.*
A book written by *Acharya* Devasen
आचार्य देवसेन (ई.133) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

दर्शनाचरण - *Darśanācaraṇa.*
Observance of all parts of right perception
सम्यग्दर्शन के 8 अंगों का पालन करना।

दर्शनाचार - *Darśanācāra.*
Observance of right perception
5 प्रकार के आचार का एक भेद; अतिचार रहित सम्यग्दर्शन का पालन करना।

दर्शनाराधना - *Darśanārādhanā.*
A type of devotional prayer of right faith
4 आराधना में एक भेद, निर्दोष सम्यग्दर्शन की आराधना करना, इससे जीवादि सात तत्त्वों और उनके प्रतिपादक गुरु, शास्त्रों पर श्रद्धान होता है।

दर्शनार्य - *Darśanārya.*
A kind of noble persons with right perception
ऋद्धि प्राप्त आर्य के 5 भेदों में एक भेद; सम्यग्दृष्टि मनुष्य दर्शनआर्य होते हैं।

दर्शनावरण - *Darśanāvaraṇa.*
Perception covering *Karma*, Faith deluding *Karma.*
8 कर्मों में एक कर्म; जिस कर्म के उदय से जीव के दर्शन गुण पर आवरण होता है।

दर्शनावरण-चतुष्क - *Darśanāvaraṇa Catuṣka.*
A quartet (*Chakshu, Achakshu, Avadhi & Keval*) of conation obscurring *Karmic* nature.
दर्शनावरणीय कर्म प्रकृति का चतुष्क-चक्षु, अचक्षु, अवधि व केवलदर्शनावरण।

दल - *Dala .*
Group, Making half mathematically.

समूह, गणितीय रूप से जोड़ा करना ।

दश करण – *Daśa Karaṇa*

Ten operational *Karmic* activities.

कर्म की 10 अवस्थाएं: बन्ध, उत्कर्षण, संक्रमण, अपकर्षण, उदीरणा, सत्त्व, उदय, उपशम, निधत्ति और निकाचना ।

दशकरण चूलिका – *Daśakaraṇa Cūlikā*

A part or lesson of 'Gommatsar-Karmakanda' treatise.

गोम्मटसार-कर्मकांड ग्रंथ का एक अध्याय, इसमें 10 करणों का स्वरूप है ।

दश द्वार – *Daśa Dvāra.*

Ten means of air-exit in the body

प्राणायाम की वायु निकलने के सूक्ष्म छिद्र तालुरन्ध्र ।

दश धर्म – *Daśa Dharma.*

Ten right virtues of Jain religion (forgiveness etc.).

उत्तम क्षमा आदि दस लक्षण धर्म ।

दश धर्मध्यान – *Daśa Dharmadhyāna*

Ten types of religious observances

अपाय विचय, उपाय विचय, विपाकविचय, विराग विचय, लोक विचय, भव विचय, जीव विचय, आज्ञा विचय, संस्थान विचय और संसार विचय ये 10 धर्मध्यान हैं (प्रतिक्रमण ग्रन्थत्रयी से) ।

दशपूर्वित्व ऋद्धि – *Daśapūrvitva Ṛddhi.*

A type of supernatural power

बुद्धि ऋद्धि का एक भेद ।

दशपूर्वी – *Daśapūrvī*

Great knowledge of 10 *Purvas*.

अभिन्नदशपूर्वी मुनियों की बुद्धि दशपूर्वी कहलाती है ।

दश प्राण – *Daśa Prāṇa.*

Ten types of vitalities of living beings (pertaining to senses, mind speech body etc.).

पाँच इन्द्रिय प्राण, मन, वचन, काय बलरूप तीन बल प्राण, श्वासोच्छ्वास और आयु ये दस प्राण हैं ।

दश भक्ति – *Daśa Bhakti.*

The collection of different particular devotional prayers.

प्राकृतभाषा की सिद्धभक्ति, श्रुतभक्ति, चारित्रभक्ति, योगिभक्ति, आचार्यभक्ति, पंचमहागुरुभक्ति, चतुर्विंशति तीर्थंकर भक्ति एवं निर्वाणभक्ति, वर्तमान में उपलब्ध ये आठ भक्तियाँ ही आचार्य श्री कुन्दकुन्द स्वामी द्वारा रचित "दशभक्ति" नाम से प्रसिद्ध हैं। संस्कृत की चैत्यभक्ति एवं वीरभक्ति श्री गौतमस्वामी द्वारा रचित हैं तथा आचार्य श्री पूज्यपादस्वामी द्वारा रचित सिद्ध, श्रुत, चारित्र, योगि, आचार्य, पंचगुरु, चतुर्विंशतितीर्थंकर, नंदीश्वर, निर्वाण, शांति एवं समाधिभक्ति ये 11 भक्तियाँ "दशभक्ति" नाम से प्रसिद्ध हैं। वर्तमान में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित षोडषकारण भक्ति, दशलक्षण भक्ति, जम्बूद्वीप भक्ति, पंचमेरु भक्ति, सुदर्शनमेरु भक्ति, तीर्थंकर जन्मभूमि भक्ति, ये छह भक्तियाँ वर्तमान हैं जो यथायोग्य पर्व आदि के समय पढ़ी जाती हैं।

दशरथ – *Daśaratha.*

Father's name of Ram, Lakshman, Bharat & Shatrughna.

राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के पिता का नाम ।

दशलक्षण पर्व – *Daśalakṣaṇa Parva*

A particular religious festival of Jaina to be observed for particular ten days in a year

भादों माघ एवं चैत्र के महीने में शुक्ला पञ्चमी से चतुर्दशी तक आने वाला एक जैन धार्मिक पर्व जिसे दशलक्षण पर्व के नाम से जाना जाता है ।

दशलक्षण व्रत – *Daśalakṣaṇa Vrata.*

Jainas' 10 days fasting, pertaining to 10 virtues

भादों सुदी 5 से 14 तक दशधर्म के 10 व्रत करना ।

दशवर्ष – *Daśavarṣa*

A time unit (of 10 years).

काल का प्रमाण विशेष ।

दशवर्षसहस्र – *Daśavarṣasahasra*

A time period of 10 thousand years

दस हजार वर्षों का काल प्रमाण ।

दश विकार – *Daśa Vikāra.*

Ten types of lustful sensual desires of human being.

काम के वेग, चिंता, स्त्री को देखने की इच्छा, दीर्घनिःश्वास, ज्वर, शरीर का दग्ध होना, भोजन न रुचना, मूर्छा, उन्माद, प्राणों में संदेह, मरण ।

दश वैकालिक – *Daśa Vaikālika*

A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*)

अंगबाह्य श्रुत का 7 वां प्रकीर्णक, इसमें मुनियों की गोचरी आदि कृतियों का वर्णन किया गया है ।

दशशतसहस्र – *Daśaśatasahasra.*

10,00,000, Ten Lacs.

दस लाख ।

दशसहस्र – *Daśasahasra*

10,000, Ten thousand

दस हजार ।

दशस्थान – *Daśasthāna.*

Ten specific places in body to concentrate the mind

शरीर में नेत्र युगल, दोनों कान, नासिका का अग्रभाग, ललाट, मुख, नाभि, मस्तक, हृदय, तालु, भौंहों का मध्य भाग ये दस स्थान हैं। इन स्थानों में से किसी एक पर चित्त एकाग्र करने से ध्यान की अवस्था प्राप्त होती है ।

दशस्थिति कल्प – *Daśasthiti Kalpa*

Characteristics of 10 basic restraints of saints.

व्यवहार चारित्रधारी साधु के 10 स्थितिकल्प; अचेलकत्व, उद्दिष्ट भोजन त्याग, शय्यागृह वसतिका बनवाने का त्याग, राजपिंड का

त्याग, कृतिकर्म, पत्र को भी व्रत देना, विनय, प्रतिक्रमण, मासैकवासता, चातुर्मास करना ।

दशांग धूप – *Daśāṁga Dhūpa*

Ten types of incenses; fragrant gum or aromatic ...
धूप में मिलाने वाली 10 वस्तुएं–अगर, तगर, चन्दन, मलयागिरि चंदन, तज, पत्रज, छारछबीला (छैल छबीला), पाढरी, खस, नागर मोथा, गर्दीवन ।

दशांग भोग – *Daśāṁga Bhoga.*

10 types of enjoyments related to food, sleeping etc.
10 प्रकार के भोग–भाजन, भोजन, शय्या, सेना, यान, आसन, निधि, रत्न, नगर और नाट्य ।

दशा – *Daśā.*

Condition, circumstances.
स्थिति परिस्थिति–जीवन आदि की अवस्था; बाल्य, यौवन आदि ।

दशाध्यायी सूत्र – *Daśādhyāyī Sūtra.*

Another name of 'Tattvarth Sutra' written by *Acharya* Umasvami
आचार्य उमास्वामी कृत तत्त्वार्थसूत्र का अपरनाम, जिसमें दश अध्याय हैं ।

दशानन – *Daśānana.*

Special name of *Pratinarayan*, Ravana, the king of *Rakshas* descendant.
8 वें प्रतिनारायण रावण का विशेष नाम जो कि राक्षस वंश का राजा था ।

दशार्ण – *Daśārṇa.*

Eastern part of Malwa, A country of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)
मालवा का पूर्व भाग, भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

दही – *Dahi.*

Curd.
छह रसों में से एक रस ।

दांडीक – *Dāṁḍīka.*

A country of *Bharat Kshetra* in south *Arya Khand* (region)
भरत क्षेत्र के दक्षिण आर्य खण्ड का एक देश ।

दांत – *Dāṁta.*

Teeth.
दन्त ।

दाता – *Dātā.*

Donator.
दान को देने वाले ।

दातार – *Dātāra.*

Donator of food, medicines etc.
श्रद्धा, भक्ति, संतोष आदि 7 गुणों के साथ आहार आदि दान करने वाला ।

दातार दोष – *Dātāra Doṣa.*

Fault of donator, jealousy angerness, proud etc.
ईर्ष्या, क्रोध, खिन्न भाव, कोप, अभिमान आदि दातार के दोष हैं ।

दान – *Dāna.*

Donation.
स्व–पर के उपकार के लिए आहार, औषध, ज्ञान व अभय आदि दूसरों को प्रदान करना ।

दानकथा – *Dānakathā.*

A book written by poet Bharamal ji
कवि भारामल (ई. 1756) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

दानधर्म – *Dānadharma.*

An essential principle of donation
आहारदान, विद्यादान, औषधि दान आदि का सिद्धान्त ।

दानवीर – *Dānavīra.*

Extremely charitable, A title, Philanthrophist.
महान दानी व्यक्तियों की एक उपाधि; भामाशाह को यह उपाधि प्राप्त थी ।

दानवीर्य – *Dānavīrya.*

The main interrogator in the assembly of Lord Suparshvanath.
सुपार्श्वनाथ भगवान के समवसरण के मुख्य श्रोता (प्रश्नकर्ता) का नाम ।

दानांतराय – *Dānāṁtarāya.*

A type of obstacle related to donation
अंतराय के पाँच भेदों में से एक; जिसके उदय से मनुष्य दान देने की इच्छा करता हुआ भी नहीं दे पाता है ।

दानांतराय कर्म प्रकृति – *Dānāṁtarāya Karma Prakṛti.*

An obscuring *Karmic* nature in the activity of donation.
अंतराय कर्म का एक भेद; वह कर्म प्रकृति जिसके उदय से कोई दान देना चाहे, परन्तु दे न सके ।

दान्त – *Dānta.*

Sense subdued or controlled.
दमन किया हुआ, नियंत्रित। उत्तमचारित्र वाले मुनियों का एक नाम पंचेन्द्रिय विषयों को रोकने में लीन होने से उन्हें दान्त कहा जाता है ।

दामनंदि – *Damanandi.*

Disciple of Sarvachandra and spiritual teacher of Veernandi.
ई. 943-973 में सर्वचन्द्र के शिष्य और वीरनन्दि के गुरु थे ।

दामोदर (कवि) – *Dāmodarara (Kavi).*

Name of a poet of the year 1230.
ई. सन् 1230 के एक कवि जिन्होंने णेमिणाह चरिउ की रचना की ।

दामोदर (ब्रह्म) – *Damodara (Brahma).*

Name of a disciple of Jinachandra *Bhattarak.*

जिनचन्द्र भट्टारक के शिष्य सिरिपाल संदिक(1450–1514) एव वद्धमाणचरिउ के रचयिता ।

दारिका – *Darika.*

Prostitute.

वेश्या – जो धन के लिए पुरुष का सेवन करती है ।

दारू – *Dārū*

A typt of wine, A king of *Yadu* dynasty.

शराब, यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

दारुवेणि – *Dāruveṇi.*

A river of *Arya Khand* (region)

आर्य खण्ड की एक नदी ।

दार्शनिक श्रावक – *Dārśanika Śrāvaka.*

See - *Darśana Śrāvaka.*

देखें – दर्शन श्रावक ।

दावाग्नि – *Dāvāgni*

Forest conflagration (burning of forest).

जंगल की अग्नि ।

दासत्व – *Dāsatva*

Servitude; being in the service of God

सेवकपने की भावना; सम्यग्दृष्टि का वात्सल्य गुण। सिद्ध प्रतिमा, जिनबिम्ब, जिनमन्दिर, चार प्रकार के संघ में और शास्त्रों में वात्सल्य भाव भी दासत्व कहलाता है ।

दासी दास – *Dāsī Dāsa.*

Men and women servants.

10 प्रकार के बाह्य परिग्रह में एक– स्त्री और पुरुष नौकर ।

दासीदास प्रमाणातिक्रम – *Dāsīdāsa Pramāṇātikrama.*

An infraction of possessional limitation of keeping servants.

परिग्रह परिमाणव्रत का एक अतिचार; दास दासी के लिए हुए प्रमाणों का उल्लंघन करना ।

दिक् – *Dik.*

Directions, A mountain situated in *Lavan* ocean.

दिशाएँ, लवण समुद्र में स्थित एक पर्वत ।

दिक्पालबलि शुद्धि – *Dikpālabali Śuddhi.*

A particular kind of obstacle removing ritual activity to be observed in *Panchkalyanak Pratishtha* with three circumabulation of *Mandap* & auspicious offerings.

दशदिक्पालों की पूजा; पंचकल्याणक प्रतिष्ठा आदि महान अनुष्ठान कार्यों में विघ्नों को दूर करने के लिए मंदिर या मण्डप की तीन प्रदक्षिणा देते हुए विशेष नैवेद्य आदि को अर्पण करते हुए यह विधि प्रतिष्ठाचार्य यजमान से सम्पन्न कराते हैं ।

दिक्कुमार देव – *Dikkumāra Deva.*

A type of deities having residence (*Bhavanvasi*).

भवनवासी देवों के 10 भेदों में एक भेद ।

दिक्कुमारी – *Dikkumārī.*

Eight particular female deities who come to serve the mother of *Tirthankars* (Jaina-Lords)

श्री, ह्री, धृति, कीर्ति, बुद्धि, लक्ष्मी, शांति और पुष्टी ये आठ दिक्कुमारी देवियाँ हैं जो तीर्थंकर माता की सेवा करने के लिए आती हैं (प्रतिष्ठा तिलक के आधार से) ।

दिक् वास – *Dik Vāsa*

A mountain situated in *Lavan* ocean.

लवण समुद्र में स्थित एक पर्वत ।

दिक्शुद्धि – *Dik Śuddhi.*

Directional purity, an activity of Jaina saints for *Svadhyay.*

धवला आदि सिद्धान्त ग्रंथों के स्वाध्याय हेतु की जाने वाली एक विशेष क्रिया; पिछली रात्रि में वैरात्रिक स्वाध्याय के पश्चात् चारों दिशाओं में 27–27 श्वासोच्छ्वासपूर्वक 9–9 बार णमोकार मंत्र पढ़कर पौर्वाह्णिक स्वाध्याय हेतु दिक्शुद्धि की जाती है। इसी प्रकार पौर्वाह्णिक (प्रातःकालीन) स्वाध्याय के पश्चात् आपराह्णिक स्वाध्याय हेतु 21–21 उच्छ्वासों में 7–7 बार चारों दिशाओं में णमोकार मंत्र पढ़ा जाता है और अपराह्णिक स्वाध्याय के पश्चात् पूर्व रात्रिक स्वाध्याय हेतु 15–15 उच्छ्वासों में 5–5 बार चारों दिशाओं में णमोकार मंत्र पढ़ा जाता है। ये दिक् (दिशा) शुद्धि कहलाती है ।

दिगंतरक्षित – *Digaṁtarakṣita*

A type of deities

लौकांतिक देवों का एक भेद इनकी संख्या 25025 है ।

दिगंतर गति – *Digaṁtara Gati*

Unnatural movement of soul.

जीव की विभाव गति अर्थात् कर्म वश नीचे, तिरछे, और ऊपर गति करना ।

दिगंबर – *Digambara.*

A Jain saint living sacrificial and passionless life with nakedness.

दिशारूपी वस्त्र को धारण करने वाले नग्न जैनमुनि अथवा जैनमुनियों की जिनमुद्रा।

दिगंबर संघ – *Digambara Saṁgha*

Group of *Digambar* Jain saints.

मूल दिगम्बर जैन साधु संघ ।

दिग् विरति – *Dig Virati*

A vow of restriction pertaining to movement in particular direction.

दशों दिशाओं में गमनागमन की मर्यादा करना ।

दिगम्बर आम्नाय – *Digambara Āmnāya.*

A sect of Jains.

जैनों में वह भेद (मत) जो साधु एवं भगवान को निर्ग्रंथ वस्त्रादि रहित दिगम्बर मानते हैं। वर्तमान में जैनधर्म में दो आम्नाय प्रचलित हैं–दिगम्बर एवं श्वेताम्बर। इनमें से अनादिकाल से चली आ रही प्राचीन दिगम्बर आम्नाय है ।

दिगम्बर प्रतिमा – *Digambara Pratimā.*
Idol of Lord Arihant and Siddha with natural appearance
अरहंत सिद्ध की ध्यानमई नग्न मूर्ति ।

दिगम्बर मुद्रा – *Digambara Mudrā.*
Nackedness, natural image.
दिगम्बरपने को दिखाने वाली मूर्ति या मुनि का वेश ।

दिगम्बर मुनि (साधु) – *Digambara Muni (Sādhu).*
Digambar saints, free from all worldly attachments
नग्न; वस्त्र आभूषण आदि समस्त परिग्रह रहित साधु, जो इन्द्रिय विजयी 28 मूलगुणधारी होते हैं एवं जीवदया पालन हेतु मोर पंख की पिच्छी व शरीर शुद्धि हेतु जल के लिए काष्ठ का कमंडलु रखते हैं ।

दिगवलोकन – *Digavalokana*
An infraction of meditative relaxation (*Kayotsarga*) (to watch in all directions).
कायोत्सर्ग का एक अतिचार; आठों दिशाओं की तरफ देखना।

दिगाचार्य – *Digācārya.*
Acharyas having knowledge of all directions.
सर्व दिशाओं के ज्ञाता आचार्य ।

दिग्गजेंद्र – *Diggajendra.*
Mountains in *Bhadrashal* forest in either side of *Sumeru* mountain in *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में सुमेरू पर्वत के दोनों ओर भद्रशाल वन में सीता व सीतोदा नदी के तट पर स्थित दो-दो पर्वत ।

दिग्नाग – *Dignāga.*
Name of a Bauddhist personality
एक बौद्ध विद्वान ।

दिग्पाल – *Digpāla.*
A type of guardian deities.
दिक्कुमार जाति के देव, लोकपाल इन्हीं देवों में से होते हैं ।

दिग्वसतिका – *Digvasatikā.*
Name of a dominion (*Sabhabhumi*) of Bharat Chakravarti.
भरत चक्रवर्ती की 5वीं विभूति 'सभाभूमि' का नाम ।

दिग्वास – *Digvāsa.*
Former name of *Digambar* Jain community.
A name of Jain Lord.
दिगम्बर सम्प्रदाय को पूर्व में निर्ग्रन्थ श्रमण संघ के नाम से पुकारा जाता था। उपरांत वह दिग्वास और फिर दिगम्बर कहलाने लगा। भगवान के 1008 नामों में से एक नाम ।

दिग्वासी देव – *Digvāsī Deva.*
Paripatetic celestials (deities).
व्यंतर देव का अपर नाम ।

दिग्विजय – *Digvijaya.*
Great victory or world conquest.
महान विजय अर्थात् चक्रवर्ती द्वारा छह खंडों की विजय ।

दिग्व्रत – *Digvrata.*
A great vow of renouncement (restrictions in place/wandering, business etc.)
प्रथम गुणव्रत; दिशाओं विदिशाओं में जाने का एवं व्यापारादि करने की मर्यादा का नियम कर लेना ।

दिन – *Dina.*
A day (from sunrise to sunset)
सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय ।

दिनकर – *Dinakara*
The sun, Name of ruling deity of a lunar '*Hast*'
सूर्य, 'हस्त' नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम ।

दिनप्रतिमायोग – *Dinapratimā Yoga.*
A type of physical mortification. An external austerity
एक प्रकार का कायक्लेश तप ।

दिनेश – *Dineśa*
The Sun.
सूर्य ।

दिवस पृथक्त्व – *Divasa Pṛthaktva.*
A duration of three to nine days
3 से 9 दिन के बीच के दिवस ।

दिवाकरनंदि – *Divākaranandi.*
Disciple of Chandrakirti and spiritual teacher of Shubhchandra.
ई. 1068-1098 में चन्द्रकीर्ति के शिष्य तथा शुभचन्द्र के गुरु थे।

दिवा भोजन – *Divā Bhojana.*
To take food during only day time.
दिन में भोजन करना (रात्रि भोजन का त्याग करना) ।

दिवा मैथुन त्याग – *Divā Maithuna Tyāga.*
Renouncement of sensual enjoyment during day time (6^{th} model stage of householders).
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में छठी प्रतिमा, दिन में मैथुन सम्बंधी चेष्टा का त्याग करना (कहीं इस प्रतिमा का नाम रात्रिभुक्ति त्याग भी है) ।

दिव्य – *Divya.*
Super natural, divine.
दैविक,अलौकिक ।

दिव्यतिलक – *Divyatilaka.*
A city in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

दिव्यध्वनि – *Divyadhvani.*
Resonant preaching of Lord Arihant, omniscient revelation in the form of *Omkar* sound.
केवलज्ञान होने के पश्चात् अर्हंत भगवान के सर्वांग से एक विलक्षण गर्जना रूप ॐकार ध्वनि खिरना ।

दिव्यपाद – *Divyapāda.*
Name of 23rd predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord).
जम्बूद्वीप भरतक्षेत्र में स्थित 23 वें भाविकालीन तीर्थंकर का नाम (हरिवंशपुराण के आधार पर), दूसरे ग्रंथों में इनका नाम जयदेव है ।

दिव्यपुर – *Divyapura*
A part of *Samavasarana*, assembly of Lord Arihant
समवसरण का एक भाग ।

दिव्यभाषा – *Divyabhāṣā*
Resonant voice of Lord Arihant (*Divyadhvani*).
नाना भाषाओं (718) में परिणत होने के अतिशय से सम्पन्न अर्हद्वाणी (दिव्यध्वनि) ।

दिव्यभूमि – *Divyabhumi.*
The assembly land of Lord Arihant
स्वाभाविक भूमि से एक हाथ ऊंची समवसरण की भूमि, इसके एक हाथ ऊपर कल्पभूमि होती है। हरिवंशपुराण के आधार से यह व्यवस्था मानी है तथा तिलोयपण्णत्ति में एक हाथ ऊपर से एक-एक हाथ ऊंची बीस हजार सीढ़ियाँ मानी हैं ।

दिव्य मनुष्य – *Divya Manusya.*
Some Jaina great personalities.
ऋद्धियुक्त शलाका पुरुष, कामदेव और विद्याधर ।

दिव्ययोजन – *Divyayojana.*
An area unit
क्षेत्र का प्रमाण विशेष ।

दिव्य रत्न – *Divya Ratna.*
A divine gem.
चक्रवर्ती की विभूति का एक रत्न, इसकी रक्षा देव करते हैं ।

दिव्यवाद – *Divyavāda.*
See – *Divyapāda.*
देखें – दिव्यपाद ।

दिव्या – *Divyā.*
A division of *Indras* – celestial deities
चार उत्तम जातियों में एक इन्द्र की जाति ।

दिव्याष्टगुण – *Divyāṣṭaguṇa*
Eight virtues of salvated one
सिद्ध परमेष्ठी के 8 गुण; अनंतज्ञान, अनंतदर्शन, अव्याबाधत्व, सम्यक्त्व, अवगाहनत्व, सूक्ष्मत्व, अगुरुलघुत्व, अनंतवीर्य ।

दिव्यौषध – *Divyausadha.*
A divine medicine, A city in the south of *Vijayardh* mountain.
सर्वरोगविनाशक एक दैविक औषधि, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

दिश संस्थित – *Diśa Saṁsthita.*
Name of a planet.
एक ग्रह ।

दिशांजय क्रिया – *Diśāñjaya Kriyā.*
A type of auspicious activity (winning the universe).
गृहस्थ की गर्भान्वय आदि 53 क्रियाओं में एक क्रिया-षट्खण्ड सहित समुद्रान्त पृथिवी को जीतकर वहाँ अपनी सत्ता स्थापित करना ।

दिशा – *Diśā.*
Direction (east, west etc.), Name of a planet.
पूर्व, पश्चिम आदि दिशा, ज्योतिष के 88 ग्रहों में 50 वां ग्रह ।

दिशामंत्य – *Diśāmantya.*
Another name of Sumeru mountain.
सुमेरु पर्वत का अपरनाम ।

दिशामादि – *Diśāmādi.*
See - *Diśāmantya.*
देखें - दिशामंत्य ।

दिशानुचार – *Diśānucāra.*
See - *Diśāmantya.*
देखें - दिशामंत्य ।

दिशा-विदिशा – *Diśās-Vidiśā*
Directions & subdirections
पूर्व पश्चिम आदि 4 दिशा एवं ईशान आग्नेय आदि 4 विदिशा कहलाती हैं ।

दीक्षा – *Dīkṣā.*
Initiation, Consecration for a religious ceremony, an act of undertaking religious observances.
वैराग्य की उत्तम भूमिका को प्राप्त होकर अपने सब सगे संबंधियों से क्षमा मांगकर गुरु की शरण में जाकर संपूर्ण परिग्रह का त्याग कर देना ।

दीक्षाकाल – *Dīkṣākāla*
Time period of *Diksha* (Initiation or consecration).
दीक्षा ग्रहण करने का समय ।

दीक्षागुरु – *Dīkṣāguru.*
Preceptor (a spiritual teacher) granting initiation.
दीक्षा देने वाले गुरु ।

दीक्षाचार्य – *Dīkṣācārya.*
Initiation – preceptor, Initiator.
दीक्षा देने वाले आचार्य ।

दीक्षाद्यक्रिया – *Dīkṣādyakriyā.*
Undertaking *Diksha* as a junior saint (*Kshullak*).
गर्भान्वय आदि 53 क्रियाओं में एक क्रिया; क्षुल्लक व्रत रूप उत्कृष्ट श्रावक की दीक्षा लेना ।

दीक्षाविधि – *Dīkṣāvidhi.*
Procedure for granting *Diksha* (consecration or initiation).
कृतिकर्म, सिद्ध भक्ति, योगि भक्ति, लोचकरण, नामकरण, नाग्न्य प्रदान, पिच्छिका प्रदान, सिद्ध भक्ति आदि विधि ।

दीक्षित – *Dikṣita.*
Initiated one.
जिसने दीक्षा धारण की है।

दीतिदेवी – *Ditidevi*
Female deity of 'Dhamendra'
धरणेन्द्र की देवी।

दीनता – *Dinata*
Wretchedness.
दयनीय अवस्था, गरीबी, दरिद्रता।

दीप – *Dipa.*
A lighted lamp. An auspicious device which is to be kept near idol in the temple, A worshipping article.
मंदिरों में प्रतिमा के समीप रहने वाले 108 उपकरणों में से एक, पूजा सामग्री का एक द्रव्य।

दीपन – *Dipana*
A king of *Hari* dynasty
हरिवंश का एक राजा।

दीपमालिका व्रत – *Dipamālikā Vrata*
A vow of Deepawali festival.
कार्तिक कृ. 30 को वीरनिर्वाण के दिन उपवास करना, शाम को दीपक जलाना एवं भगवान महावीर स्वामी का मंत्र जाप्य करना।

दीपसेन – *Dipasena.*
Name of an *Acharya*, disciple of *Acharya* Nandisen
आचार्य; नंदिसेन के शिष्य तथा धरसेन के गुरु (श्रुतावतार में दिये कथानुसार)।

दीपांग – *Dipāṅga*
A type of wish fulfilling tree (*Kalpavriksha*) providing lighted lamps
कल्पवृक्षों का एक भेद, जो दीप प्रदान करते थे।

दीपावली – *Dipāvali*
A great festival, the day when *Nirvan* (Liberation) of Lord Mahavira took place.
एक त्यौहार; महावीर भगवान का निर्वाण दिवस। इस दिन भगवान महावीर ने पावापुरी जलमंदिर से निर्वाण प्राप्त किया था तब देवों ने आकर दीपमालिका मनाई थी।

दीप्त ऋद्धि – *Dipta Ṛddhi.*
A type of supernatural power of increasing lustre in the body like Sun.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से सूर्य के समान शरीर की दीप्ति बढ़ती है।

दीप्ति – *Dipti.*
Effulgance, Lustre, Radiance
तेज,चमक,प्रभा। इक्ष्वाकुवंशी एक राजा का नाम।

दीर्घ अक्षर – *Dirgha Akṣara.*
A word with two syllables (*Matra*).
दो मात्रा वाला अक्षर।

दीर्घतपस्वी – *Dirghatapasvi.*
One deeply involved in austerity.
ऊंची (बड़ी) तपस्या करने वाला।

दीर्घदंत – *Dirghadanta*
Name of a predestined *Chakravarti.*
भविष्यकालीन द्वितीय चक्रवर्ती।

दीर्घदर्शी – *Dirghadarśi.*
One foresighted, discerning or learned
दूरदर्शी; दूर तक की बात सोचने वाला।

दीर्घ बाहु – *Dirgha Bāhu.*
Long arms, A king of *Hari* dynasty
लंबी बांहें, हरिवंश का एक राजा।

दीर्घवृत्ताकार – *Dirghavṛttākāra*
Elliptical figure.
अण्डवृत्ताकार।

दुःख – *Duḥkha.*
Sorrow, Grief, Trouble, Pain
असातावेदनीय के उदय से होने वाला खेद व आकुलतारूप परिणाम।

दुःखदायक – *Duḥkhadāyaka.*
Pain causing activities.
दुःख देने वाली भावना, कार्य आदि जैसे हिंसादि पांच पाप इस लोक और परलोक में दुख देने वाले हैं।

दुःख निरोध – *Duḥkha Nirodha*
Cessation of sorrow.
दुःख का अभाव अथवा दुःख को रोक देना।

दुःखमा काल – *Duḥkhamā Kāla.*
See – *Dusamā Kāla*
देखें – दुषमा काल।

दुःखरूप – *Duḥkharūpa.*
Irksome, Troublesome, Distressing.
हिंसादि पाप दुःख के कारण होने से दुःखरूप कहलाते हैं।

दुःख वेदनीय – *Duḥkha Vedanīya.*
Pain causing *Karmas*
असाता वेदनीय कर्म।

दुःखसमुदय – *Duḥkhasamudaya.*
Causal chain of sorrow.
दुःख का समूह।

दुःपक्व आहार – *Duḥpakva Āhāra.*
A fault related to food; articles not well cooked or digested.
भोगोपभोगपरिमाण शिक्षाव्रत का एक अतिचार; अधपके और अधिक पके आहार का ग्रहण करना।

दुःप्रणिधान – *Duḥpraṇidhāna.*
Arrogant or illusive tendency (an infraction).
सामायिक शिक्षा व्रत का एक अतिचार। सामायिक के समय मन-वचन-काय की प्रवृत्ति रागरूप या प्रमादरूप होना।

दुःप्रमाण – *Duḥpramāṇa.*
Results of wrong conceptions.

मिथ्याप्रमाण, मिथ्यात्व से जिस समय कोई तत्वविचार करता है तब उस समय उसके लिये प्रमाण भी दुःप्रमाण हो जाता है ।

दुःशासन - *Duhśāsana.*
The son of Dhritrashtra
धृतराष्ट्र का पुत्र, जिसने सती द्रौपदी का अपमान किया था ।

दुःश्रुति - *Duhśruti.*
Listening false scriptures (related to misguiding or instigating).
अनर्थदण्ड का एक भेद। चित्त को मलिन करने वाले शास्त्रों का सुनना ।

दुःस्वर नाम कर्म प्रकृति - *Duhsvara Nāma Karma Prakṛti.*
A *Karmic* nature causing bad voice
एक कर्म प्रकृति जिसके उदय से स्वर अच्छा न मिले ।

दुगुंछा - *Dugumchā.*
Disgust.
ग्लानि ।

दुग्ध - *Dugdha.*
Milk.
दूध-छह रसों में एक रस ।

दुग्धरसी व्रत - *Dugdharasī Vrata.*
A vow in which only milk is to be taken
भाद्रपद शुक्ल 12 को विधिपूर्वक 12 वर्ष तक व्रत करते हुए केवल दूध का आहार लेना ।

दुग्धवारिधि - *Dugdhavāridhi.*
Name of the ocean of milk, another name of *Ksheer* ocean.
मध्यलोक के पाँचवें समुद्र क्षीरसागर का अपरनाम; इसी समुद्र से तीर्थंकरों के जन्माभिषेक का जल इन्द्रों द्वारा लाया जाता है तथा इसी में तीर्थंकरों द्वारा लुंचित केशराशि का क्षेपण किया जाता है ।

दुन्दुभक (दुन्दुभि) - *Dundubhaka (Dundubhi).*
Name of a planet.
एक ग्रह का नाम ।

दुन्दुभीनाद - *Dundubhināda.*
An auspicious emblem of Lord (sound of kettle-drum).
भगवान के आठ प्रातिहार्यों में एक प्रातिहार्य एवं पंचाश्चर्यवृष्टि में से एक (नगाड़े की आवाज) ।

दुराग्रही श्रोता - *Durāgrahī Śrota.*
Wrong pursuer (a type of obstinate listener).
अनुचित आग्रह करने वाला हठी श्रोता ।

दुर्गंध नामकर्म - *Durgamdha Nāmakarma.*
The *Karma* causing bad odour in body.
वह कर्मप्रकृति जिससे शरीर में दुर्गंध हो ।

दुर्गंधा - *Durgamdhā.*
A girl, having bad smelling body.
दुर्गन्धित शरीर प्राप्त एक कन्या; जिसे पूर्वभव में दिगम्बर मुनिराज को कड़वी तुमड़ी का आहार देने के पाप से यह दशा प्राप्त हुई थी। पुनः सुगंधदशमी व्रत के प्रभाव से वह सुगन्धा बन गई। (विशेष वर्णन सुगंधदशमी व्रत कथा में देखें)

दुर्गम - *Durgama.*
Inaccessible.
जहाँ पहुंचना कठिन हो ।

दुर्गाटवी - *Durgāṭavī.*
A hermitage on the mountain
पर्वत के ऊपर तपसी

दुर्जन - *Durjana.*
A villain, scoundrel, Cruel.
दुष्ट, दुराचारी व्यक्ति ।

दुर्दर - *Durdara.*
An infraction of meditative relaxation, A mountain of *Bharat Kshetra* middle *Arya Khand* (region).
कायोत्सर्ग एवं वंदना का एक अतिचार, भरतक्षेत्र मध्य आर्यखण्ड के मलयगिरि के निकट स्थित एक पर्वत ।

दुर्दर्श - *Durdarśa.*
A king of *Yadu* Dynasty.
यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

दुर्दान्त - *Durdānta.*
Rampant, Violent, of aggressive nature, uncontrolled.
जिसको वश में करना कठिन हो ।

दुर्द्धर - *Durddhara.*
Extraordinary difficult (penance etc.) A king of *Yadu* dynasty, A city in the north of *Vijayardh* mountain.
कठिन (तपस्या आदि), यदु (यादव) वंश का एक राजा, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

दुर्ध्यान - *Durdhyāna.*
Sorrowful & aggressive conception (i.e. *Arta* & *Raudra Dhyan*).
आर्त और रौद्र ध्यान, ये संसार के कारण हैं ।

दुर्नय - *Durnaya.*
False standpoint or viewpoint.
एक-दूसरे की अपेक्षा न करके एकांत से किसी विषय का प्रतिपादन करने वाला नय जैसे-जीव नित्य ही है। इसे मिथ्यानय भी कहते हैं ।

दुर्भग नामकर्म प्रकृति - *Durbhaga Nāma Karma Prakṛti.*
A *Karmic* nature pertaining to unfortune (reg. awkward body)
दुर्भाग्य से संबंधित एक कर्म प्रकृति, जिसके उदय से बेडौल, कुरूप शरीर प्राप्त होता है ।

दुर्भाषा - *Durbhāṣā.*
Rude, Violent, Merciless & husky language.
कर्कश, कटु, निष्ठुर, परकोपी, जीवों की हिंसा करने वाली

आदि भाषा ।

दुर्भिक्ष – *Durbhikṣa.*
Dearth, Famine
अकाल ।

दुर्मुख – *Durmukha.*
Name of the 7th *'Narada'*.
सप्तम नारद, जरासंध का पुत्र ।

दुर्योधन – *Duryodhana.*
The eldest son of Dhritrashtra
धृतराष्ट्र का पुत्र, दुःशासन आदि सौ भाइयों का अग्रज ।

दुर्विनीत – *Durvinita.*
Uncultured
असभ्य, अविनयी ।

दुश्चित्त – *Duścitta.*
Of evil intention or motive, wicked.
कुत्सित अभिप्राय अथवा बुरे विचारों वाला ।

दुश्शासन – *Duśśāsana.*
See - *Duḥśāsana.*
देखें – दुःशासन ।

दुश्श्रुति – *Duśśruti.*
See - *Duḥśruti.*
देखें – दुःश्रुति ।

दुषमा काल – *Duṣamā Kāla.*
A period of 21000 years is called one *Dushama Kal* or misery period (presently this period is going on).
अवसर्पिणी काल का 5 वां और उत्सर्पिणी काल का दूसरा भेद। इस काल का समय 21 हजार वर्ष का होता है (वर्तमान में यही काल चल रहा है।) ।

दुषमा दुषमा काल – *Duṣamā Duṣamā Kāla.*
A period of 21000 years, time of penury or period of decay (this period will occur after 18500 years).
अवसर्पिणी काल का छठा 21000 वर्ष का काल। इस काल में धर्म, अग्नि और राजा इन तीनों का अभाव होने से केवल अधर्मरूप क्रियाएँ होती हैं, इसमें मनुष्य पशुवत् आचरण करता है एवं वर्तमान से लगभग 18500 वर्ष बाद यह काल आयेगा। इस काल में तीर्थंकर आदि त्रैसठ शलाका महापुरुष जन्म लेते हैं ।

दुषमा सुषमा काल – *Duṣamā Suṣamā Kāla.*
Period of about one *Korakori Sagar* (a long period of crores of years) is called *Dushama Sushama Kala* i.e. period with misery and pleasure.
अवसर्पिणी काल का चौथा और उत्सर्पिणी काल का तीसरा भेद। यह 42 हजार वर्ष कम एक कोड़ाकोड़ी सागर का होता है ।

दुष्कृत – *Duṣkṛta.*
Bad deeds.
कुत्सित-खोटा कार्य; बुरा कार्य ।

दुष्टनिग्रह – *Duṣṭanigraha.*
To punish the corrupted, wicked or vicious persons
दुष्टों को दंड देना (राजा या क्षत्रिय का एक कर्तव्य) ।

दुष्ट प्रमृष्ट निक्षेप – *Duṣṭa Pramṛṣṭa Nikṣepa.*
Placing something carelessly (a type of *Ajivadhikaran*).
अजीवाधिकरण का एक भेद; दुष्टता पूर्वक असावधानी से वस्तु को रखना ।

दुष्टवाक्यानुस्मरण – *Duṣṭavākyānusmaraṇa.*
Adoption of fallacious speech (remembering of cruel thoughts)
कलुषित वचनों का स्मरण करना ।

दुष्प्रकृष्ट – *Duṣprakṛṣṭa.*
With having much cruelty or wickedness.
बुराई की उत्कृष्टता ।

दुष्प्रणिधान – *Duṣpraṇidhāna.*
See - *Duḥpraṇidhāna.*
देखें – दुःप्रणिधान ।

दुष्प्रत्याख्यान – *Duṣpratyākhyāna.*
Bad renunciation.
खोटा त्याग। जैसे-दिन में भोजन त्याग करके रात में खाना ।

दुष्प्रमाण – *Duṣpramāṇa.*
See - *Duḥpramāṇa*
देखें – दुःप्रमाण ।

दुष्प्रमार्जित निक्षेप – *Duṣpramārjita Nikṣepa.*
Placing something carelessly or wrongfully.
अजीवाधिकरण के भेद निक्षेप का एक उपभेद; दुष्टतावश असावधानी से वस्तु को रखना ।

दुष्प्रयुक्त निक्षेप – *Duṣprayukta Nikṣepa.*
Involvement in wicked and vicious activities.
अजीवाधिकरण का एक भेद, मन वचन काय की दुष्टता पूर्वक प्रवृत्ति करना ।

दुस्वर नामकर्म – *Dusvara Nāmakarma.*
Karmic nature causing bad voice.
नामकर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से स्वर खराब हो ।

दूत – *Dūta.*
A messenger.
संदेशवाहक ।

दूध – *Dūdha.*
See - Milk.
देखें – दुग्ध ।

दूर घ्राणत्व ऋद्धि – *Dūra Ghrāṇatva Ṛddhi.*
A supernatural power of super-distantial attainment of smelling.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु को घ्राण-इन्द्रिय के उत्कृष्ट विषय क्षेत्र से भी संख्यात योजन दूर स्थित गंध जानने की सामर्थ्य प्राप्त होती है ।

दूर दर्शित्व ऋद्धि – *Dūra Darśitva Ṛddhi.*
A supernatural power of super-distantial attainment of vision
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु को चक्षु इन्द्रिय के उत्कृष्ट विषय क्षेत्र से भी संख्यात योजन दूर स्थित वस्तु को देखने की सामर्थ्य प्राप्त होती है ।

दूर प्रकृष्टि – *Dūra Prakṛṣṭi.*
Magnetic effect (as a quality), Power of attraction.
दूर से खींचना ।

दूरभव्य – *Dūrabhavya*
False believers.
मिथ्यादृष्टि जीव, जो बहुत ज्यादा काल में मुक्त होते हैं अर्थात् जो आगे जाकर ये स्वीकार करेंगे कि केवली भगवान का मुख्य सर्व सुखों में उत्कृष्ट है ।

दूरवर्ती – *Duravarti.*
Something situated at a long distance like *Sumeru* mountain etc.
अपने से दूर स्थित पदार्थ जैसे- सुमेरु पर्वत आदि ।

दूर श्रवणत्व ऋद्धि – *Dūra Śravaṇatva Ṛddhi.*
A super distantial power of hearing
बुद्धि ऋद्धि का एक प्रकार; जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु को श्रोत्र इन्द्रिय के उत्कृष्ट विषय क्षेत्र से भी संख्यात योजन दूर स्थित ध्वनि या शब्दों को सुनने की सामर्थ्य प्राप्त होती है ।

दूरस्पर्शत्व ऋद्धि – *Dūrasparśatva Ṛddhi*
A supernatural power of remote touching.
बुद्धि ऋद्धि का एक प्रकार (स्पर्श से संबंधित); जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु को स्पर्शन इन्द्रिय के उत्कृष्ट विषय क्षेत्र से भी संख्यात योजन की दूरी पर स्थित ठंडा गर्म आदि सभी प्रकार के स्पर्श को जान लेने की सामर्थ्य प्राप्त होती है ।

दूरातिदूर भव्य – *Dūrātidūra Bhavya.*
Beings who can never get salvation due to some external reasons.
जिनके बाहरी कारण सम्यग्दर्शनादि के न मिलने पर अनंतकाल में भी मोक्ष नहीं होता है (अभव्य जीवों के समान) ।

दूरापकृष्टि – *Dūrāpakṛṣṭi.*
A type of *Krishti* (gradual destruction of passions).
कर्मों का स्थितिकाण्डकघात होते-होते जब सबसे जघन्य पल्योपम के संख्यातवें भाग प्रमाण स्थिति शेष रह जाती है वह स्थिति दूरापकृष्टि है ।

दूरार्थ – *Dūrārtha.*
Far reaching, far off (related to great personalities, places etc.).
जो पदार्थ क्षेत्र से दूर है या काल की अपेक्षा राम, रावण आदि दूरार्थ कहलाते हैं ।

दूरास्वादित्व ऋद्धि – *Dūrāsvāditva Ṛddhi.*
Super distantial attainment of taste.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु को रसना इन्द्रिय के उत्कृष्ट विषय क्षेत्र से भी संख्यात योजन दूर स्थित खट्टे, मीठे आदि अनेक प्रकार के रसों का स्वाद लेने की सामर्थ्य प्राप्त होती है।

दूषण – *Dūṣaṇa.*
Contaminating, Disgracing, Blaming
आक्षेप, दोष, अवगुण, दोष लगाने की क्रिया या भाव ।

दूषणाभास – *Dūṣaṇābhāsa.*
Wrong blame
असत् आरोप, झूठा दोष ।

दृग – *Dṛga.*
Eyes
नेत्र, लोचन, चक्षु, आँख, नयन ।

दृढ़चर्याक्रिया – *Dṛḍhacaryākriyā.*
To have strict faith in own philosophy
दीक्षान्वय की 48 क्रियाओं में एक, शास्त्र के अर्थ का अवधारण करके स्वमत में दृढ़ता धारण करना ।

दृढ़नेमि – *Dṛḍhanemi*
A king of *Yadu* dynasty.
यदु (यादव) वंश का एक राजा, समुद्र विजय का पुत्र ।

दृढ़रथ – *Dṛḍharatha.*
Name of a king of *Yadu* dynasty
यदु (यादव) वंश के एक राजा का नाम ।

दृढ़राज्य – *Dṛḍharājya.*
Father's name of Lord Sambhavnath.
संभवनाथ तीर्थंकर के पिता का नाम (दृढ़राज) ।

दृढ़व्रत – *Dṛḍhavrata*
Irrevokable vow.
अखंड व्रत ।

दृश्यकला – *Dṛśyakalā.*
Visual art.
दिखने या दिखाने वाली कला ।

दृश्यचित्र – *Dṛśyacitra.*
Landscape painting, picturesque
दिखलाई देने वाला चित्र ।

दृश्यमान द्रव्य – *Dṛśyamāna Dravya.*
Visible objects.
वर्तमान समय में दिखाई देने वाला द्रव्य; किसी भी स्पर्धक या कृष्टि आदि में पूर्व का द्रव्य या निषेक या वर्गणाएँ तथा अब मिलाया गया द्रव्य दोनों मिलकर दृश्यमान द्रव्य होता है ।

दृष्ट – *Dṛṣṭa.*
An infraction of meditative relaxation, Perceived, seen
कायोत्सर्ग एवं वंदना का एक अतिचार, दिशाओं की तरफ देखना अथवा दूसरे देखें तब अधिक उत्साह से स्तुति करना ।

दृष्टांत – *Dṛṣṭānta.*
Illustration, Example, Instance.
हेतु की सिद्धि में साधनभूत कोई दृष्ट पदार्थ जिससे कि वादी व प्रतिवादी दोनों सम्मत हों ।

दृष्टा – *Drsta.*
Eye witness
देखने वाला ।

दृष्टान्ताभास – *Drstantabhasa.*
False citation (a kind of imaginary perception)
असत्य दृष्टांत, जो दृष्टांत सदृश दिखते हुए भी असत्य होता है ।

दृष्टि – *Drsti*
View, Sight, Vision.
दर्शन, देखने की वृत्ति, अवलोकन, चक्षु प्रकाश आदि ।

दृष्टिनिर्विष ऋद्धि – *Drstinirvisa Rddhi*
A type of supernatural power (making one cured by casting a glance of a saint).
जिस ऋद्धि के प्रभाव से प्रसन्नचित्त साधु के द्वारा देखने मात्र से रोग व विष से पीड़ित जीव स्वस्थ और निर्विष हो जाता है ।

दृष्टिप्रवाद – *Drstipravada*
A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
द्वादशांग श्रुत का 12 वाँ अंग जिसमें 363 मिथ्यात्व मतों का निराकरण है, यह दृष्टिवाद का अपरनाम है ।

दृष्टिभेद – *Drstibheda.*
Differences in view or vision.
विचारों में या दृष्टिकोण में भेद या अंतर होना ।

दृष्टिवाद – *Drstivada.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
अंगप्रविष्ट श्रुतज्ञान का बारहवाँ भेद, जिसके 5 भेद हैं- परिकर्म, सूत्र, प्रथमानुयोग, पूर्वगत, चूलिका ।

दृष्टिविष ऋद्धि – *Drstivisa Rddhi.*
A type of supernatural power (reg. a look causing curse).
जिसके बल से रोषयुक्त हृदय वाले महर्षि के द्वारा देखा गया जीव सर्प द्वारा काटे गये के समान मर जाता है। जैनसाधु इस ऋद्धि का कभी उपयोग नहीं करते हैं ।

दृष्टिशक्ति – *Drstisakti.*
Power of vision.
दर्शन क्रियारूप शक्ति, जिसमें ज्ञेयरूप आकार का विशेष नहीं है ऐसे दर्शनोपयोगमयी (सत्तामात्र पदार्थ से उपयुक्त होने स्वरूप) है।

देय – *Deya.*
A mathematical quantity.
वह संख्या जो फैलाई हुई (विरलन) संख्या पर रखकर परस्पर गुणित की जावे ।

देयद्रव्य – *Deyadravya.*
Matters to be added into *Nishek* and *Krushti* (specific *Karmic* aggregate).
देने योग्य पदार्थ (व्यवहारिक अर्थ), जो द्रव्य निषेकों व कृष्टियों आदि में जोड़ा जाता है, उसे देय द्रव्य कहते हैं (सैद्धान्तिक अर्थ)।

देयवस्तु – *Deyavastu.*
Things to be donated like food, medicines, books etc.
आहार, औषधि, शास्त्र, अभयदान देने वाली वस्तुएँ । इनके दान से दाता और पात्र दोनों के गुणों में वृद्धि होती है ।

देव – *Deva.*
God, Deity, Celestials
देव शब्द का प्रयोग अर्हंत व सिद्ध भगवन्तों के लिए तथा देवगति में जन्म लेने वाले संसारी जीवों के लिए होता है ।

देव – *Deva.*
Name of an *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* and 10 *Purvas*.
भद्रबाहु प्रथम (श्रुत केवली) के पश्चात् दसवें आचार्य जो 11 अंग व 10 पूर्व के धारी हुए। समय – वी. नि. 315–329।

देव ऋद्धि – *Deva Rddhi*
Eight types of supernatural powers (attainments) of deities.
देवों की 8 प्रकार की ऋद्धियाँ-अणिमा, महिमा, लघिमा, गरिमा आदि जिनके निमित्त से वे नाना प्रकार के रूप आदि बनाते हैं ।

देव ऋद्धि दर्शन – *Deva Rddhi Darsana.*
A cause of attainment of right faith (perception)
सम्यग्दर्शन की उत्पत्ति का एक कारण; सौधर्मेन्द्रादिक देवों की महाऋद्धियों को देखकर सामान्य मिथ्यादृष्टि देवों में सम्यग्दर्शन की उत्पत्ति होती है ।

देवकृत अतिशय – *Devakrta Atisaya.*
Fourteen excellences (extraordinary occurrences) of Lord Arihant (done by deities)
तीर्थंकरों के 34 अतिशयों में से 14 अतिशय जो देवों द्वारा किये जाते है, जैसे-संख्यात योजनों तक वन असमय में ही पत्र, फूल और फलों की वृद्धि से संयुक्त हो जाते हैं, कंटक और रेती आदि को दूर करती हुई सुखदायक वायु चलने लगती है इत्यादि। तिलोयपण्णत्ति के अनुसार 11 अतिशय केवलज्ञान के एवं देवकृत 13 अतिशय माने गये हैं ।

देवकी – *Devaki.*
The mother's name of Lord Krishna
कंस की बहन जो वसुदेव को विवाही गई, कृष्ण की माता ।

देवकीर्ति – *Devakirti.*
An *Acharya*; disciple of Anantveerya.
आचार्य, ई. 990-1040 में अनंतवीर्य के शिष्य व गुणकीर्ति के सहधर्मा थे ।

देवकुरु – *Devakuru.*
A land of enjoyment situated in *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में मेरुपर्वत के दक्षिण में स्थित उत्तम भोगभूमि ।

देवकूट – *Devakuta*
Name of a summit of *Chandragiri Vakshar* in western *Videh*.
अपर विदेह स्थित चन्द्रगिरि वक्षार का एक कूट ।

देवगढ़ (तीर्थ) – *Devagarha (Tirtha).*
Name of an ancient place of pilgrimage famous for its artistic sculptures.

म.प्र. का एक प्राचीन तीर्थ, जहाँ की प्राचीन कलाकृतियाँ एवं उनसे युक्त जैन मंदिर विशेष दर्शनीय हैं।

देवगति (देव सामान्य) - *Devagati (Deva Sāmānya.)*
Celestial form, Divine life course.
संसार परिभ्रमण की 4 गतियों (देव, नारकी, मनुष्य, तिर्यंच) में से एक गति।

देवगति नामकर्म प्रकृति - *Devagati Nama Karma Prakṛti*
Karmic nature causing birth in the form of deities
जिस कर्म के उदय से जीव देवगति में जन्म लेता है।

देवगति प्रायोग्यानुपूर्वी - *Devagati Prāyogyānupūrvī.*
Shape of the previous body in transmigratory phase while tending to the celestial state (A *karmic* nature).
नामकर्म, देवगति में जा रहे जीव के आत्मप्रदेशों का आकार पूर्व शरीर आकारवत् रहना।

देवगत्यानुपूर्वी - *Devagatyānupūrvī.*
See - *Devagati Prāyogyānupūrvī.*
देखें - देवगति प्रायोग्यानुपूर्वी।

देवगर्भ - *Devagarbha.*
A king of *Hari* dynasty, the son of king Bindusar
हरिवंश का एक राजा, जो राजा बिन्दुसार का पुत्र व शतधनु नृप का पिता था।

देवगुरु - *Devaguru.*
A *Digambar* Jain saint possessing supernatural power
एक चारण ऋद्धिधारी मुनि, इन्होंने अंतिम समय में वानर को णमोकार मंत्र सुनाया था जिससे मरकर वह सौधर्म स्वर्ग में चित्रांगद नामक देव हुआ था।

देवचंद्र - *Devacandra.*
Name of the disciple of 'Maghnandi Kolhapuriya'
ई. 1133-1163 में माघनन्दि कोल्हापुरीय के शिष्य।

देवचतुष्क - *Devacatuṣka.*
Quartet of particular *Karmic* nature (reg. celestial beings).
देव गति, देवगत्यानुपूर्वी, वैक्रियिक शरीर व वैक्रियिक अंगोपांग इन 4 कर्मप्रकृतियों का समूह।

देवच्छंद - *Devacchanda.*
A special place (*Garbhgrah*) in natural (eternal) temples.
अकृत्रिम चैत्यालयों के एक विशेष स्थान का नाम (गर्भगृह)।

देवजी - *Devajī.*
Name of the writer (*Pandit*) of 'Sammed Shikhar Vilas' etc.
पंडित; सम्मेदशिखर विलास, परमात्म प्रकाश की भाषा टीका के कर्ता।

देवता - *Devatā.*
Lord, Deities, Celestial beings.
अर्हंत, सिद्ध आदि भगवान अथवा स्वर्ग में रहने वाले देव।

देवताभास - *Devatābhāsa.*
A false appearance of deities.
देव का आभास; देव न होते हुए भी देव जैसा लगना।

देवतिलक - *Devatilaka*
A commentator of 'Kalyanamandir Stotra' (a treatise)
कल्याणमंदिर स्तोत्र के टीकाकार।

देवत्रिक - *Devatrika.*
Triplet of *Karmic* nature related to celestial body form
देवगति, देवायु, देवगत्यानुपूर्वी।

देवत्व - *Devatva.*
State of Godness.
परमात्मपना।

देवदत्त - *Devadatta.*
A king of *Yadu* dynasty, Name of the writer of 'Jambuswami Charitra'.
यदु (यादव) वंश का एक राजा, शिखर महात्म्य, जम्बूस्वामी चरित, चारुदत्तचरित्र के कर्ता एक विद्वान् पंडित।

देवदत्ता - *Devadattā.*
A reverential palanquin (pertaining to Lord Vimalnath).
एक पालकी, तीर्थंकर विमलनाथ इसी पर आरूढ़ होकर दीक्षा लेने हेतु सहेतुक वन गये थे।

देवदर्शन - *Devadarśana*
Paying reverence to Lord- Arihant with proper procedure
जिनेन्द्र भगवान का विधिपूर्वक दर्शन करना, जिससे करोड़ों उपवास का फल प्राप्त होता है।

देवदारु - *Devadāru.*
Tree-Cedar, the initiation tree of Lord Parshvanath.
पार्श्वनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम।

देवदूष्य - *Devadūṣya.*
Punishable by deities
देव के द्वारा दण्डनीय।

देवद्रव्य (देवधन) - *Devadravya (Devadhana).*
Offering auspicious substances for worshipping Lord.
पूजा, चैत्यालय आदि के निमित्त अर्पण किया हुआ द्रव्य।

देवद्विक - *Devadvika.*
Dyad of *Karmic* nature related to celestial destination.
देवगति व आनुपूर्वी (देवगत्यानुपूर्वी)।

देवद्विज - *Devadvija.*
The supreme being, Lord Jinandra
जिनेन्द्र देव, स्वयं भू आदि परमदेव सम्बन्धी रत्नत्रय की शक्ति रूप संस्कार से जन्म लेने वाले ।

देवनंदि - *Devanandi.*
Disciple of Yashonandi and spiritual teacher of Jayanandi.
ई. 336-386 में यशोनन्दि के शिष्य एवं जयनन्दि के गुरु थे।

देवनंदि - *Devanandi.*
1) An *Acharya* who wrote a number of books
2) Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Kunthusagar Maharaj
1) आचार्य पूज्यपाद का अपरनाम इन्होंने सर्वार्थसिद्धि, इष्टोपदेश, समाधितंत्र आदि ग्रंथों की रचना की। 2) आचार्यश्री कुंथुसागर श्री महाराज के एक प्रसिद्ध शिष्य (ई.श. 20-21) ।

देवपाल - *Devapāla.*
Name of the predestined 23rd *Teerthankar* (Jaina-Lord)
भावीकालीन तेईसवें तीर्थंकर का नाम ।

देवपुत्र - *Devaputra.*
Name of the 6th predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord).
भावीकालीन छठवें तीर्थंकर का नाम ।

देवपूजक - *Devapūjaka.*
A worshipper of Lord Arihant
जिनेन्द्र देव की पूजा करने वाला ।

देवपूजा - *Devapūjā.*
Worshipping of Lord Arihant.
श्रावक के षट्आवश्यक कर्तव्यों में प्रथम कर्तव्य, अष्ट द्रव्यों से अरहंत, सिद्ध भगवन्तों की पूजा करना ।

देवप्रभ - *Devaprabha.*
An *Acharya* who wrote 'Pandav Purana'.
पाण्डव पुराण (प्राकृत) के कर्ता एक आचार्य ।

देवभक्ति - *Devabhakti.*
Devotion towards Lord Jinendra
जिनेन्द्र देव के गुणों में विशेष अनुराग ।

देवभद्र - *Devabhadra.*
A *Bhattarak*; disciple of *Pandit* Ashadharji.
पं. आशाधरजी (ई. 1173-1243) के शिष्य, एक भट्टारक।

देव भवन - *Deva Bhavana.*
Abode of deities.
चारों निकायों के देवों के भवन (प्रत्येक भवनों में जिनमंदिर होते हैं) ।

देवभाव - *Devabhāva.*
A chief disciple of Lord Rishabhdeva.
भगवान् ऋषभदेव के चौरासी गणधरों में एक गणधर।

देवमंत्री - *Devamantri.*
Ruling deity of 6th Lunar '*Pushya*'.
छठवें नक्षत्र 'पुष्य' के अधिपति देवता का नाम ।

देवमातृक - *Devamātṛka.*
Countries having rain fall.
वर्षा के जल से सींचे जाने वाले देश ।

देवमाल - *Devamāla.*
A mountain situated in western *Videh Kshetra* (region)
अपर (पश्चिम) विदेह स्थित एक वक्षार पर्वत ।

देवमूढ़ता - *Devamūṛhatā.*
Believing in false deities.
मिथ्यादेवों की आराधना करना ।

देवयश - *Devayaśa.*
Name of the 19th *Teerthankar* (Jaina Lord) of *Videh kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में स्थित 19 वें तीर्थंकर का नाम ।

देवरमण - *Devaramaṇa.*
A part of first forest *Bhadrashal* of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के प्रथम वन भद्रशाल का एक भाग ।

देवरम्या - *Devaramyā.*
Name of a dominion, '*Chandani*' of Bharat Chakravarti.
भरत चक्रवर्ती की एक विभूति 'चाँदनी' का नाम ।

देवराज - *Devarāja.*
The king of deities, Father's name of 18th *Teerthankar* (Jaina-Lord) Mahabhadra situated in *Videh Kshetra* (region).
देवताओं के राजा इन्द्र, विदेह क्षेत्र में स्थित 18 वें तीर्थंकर महाभद्र के पिता का नाम ।

देवर्षि - *Devarṣi*
A special type of heavenly deities (*Loukantik Dev*).
लौकांतिक देव ।

देवल - *Devala.*
Name of a *Sankhya* philosopher.
एक सांख्य प्रवर्तक या सांख्य विचारक ।

देवलोक - *Devaloka.*
Celestial world (heaven).
देवगति या सुरलोक ।

देववंदना - *Devavandanā.*
Trikal (three times a day) *Samayik* (act of procedural adoration to Lord Arihant).
त्रैकालिक सामायिक में विधिपूर्वक चैत्य व पंचगुरुभक्ति सहित वंदना करने को देववंदना कहते हैं। श्री वसुनंदि आचार्य की मूलाचार टीका के अनुसार, "सामाइयं णाम-सामायिकं नाम भवति। जीवितमरणलाभालाभसंयोगविप्रयोग बन्धारिसुखदुःखादिषु समेतसमत्वं समानपरिणामः त्रिकालदेववंदनाकरणं च तत्सामायिकं व्रतं भवति।" अर्थात् "जीवन-मरण, लाभ-अलाभ, संयोग-वियोग, बंधु-शत्रु और सुख-दुःख आदि में जो समान परिणाम

का होना है और त्रिकाल में देववंदना करना है वह सामायिक व्रत है।" इस देववंदना में छह प्रकार का कृतिकर्म भी होता है। यथा- "आदाहीणं, पदाहीणं, तिक्खुत्तं, तिऊणदं, चदुस्सिरं, बारसावत्तं, चेदि।" (1) वंदना करने वाले की स्वाधीनता, (2) तीन प्रदक्षिणा, (3) तीन भक्ति संबंधी तीन कायोत्सर्ग, (4) तीन निषद्या- 1. ईर्यापथ कायोत्सर्ग के अनन्तर बैठकर आलोचना करना और चैत्यभक्ति संबंधी क्रिया-विज्ञापन करना. 2. चैत्यभक्ति के अंत में बैठकर आलोचना करना और पंचमहागुरुभक्ति संबंधी क्रिया विज्ञापन करना, 3. पंचगुरुभक्ति के अंत में बैठकर आलोचना करना, (5) चार शिरोनति, (6) बारह आवर्त। यही सब सामायिक विधि में आता है। सम्पूर्ण विधि मूलाचार, आचारसार, अनगारधर्मामृत, क्रियाकलाप एवं पूज्य गणिनी ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित 'दिगम्बर मुनि' एवं 'मुनिचर्या' ग्रंथों से जानना चाहिए।

देववर (द्वीप, सागर) - *Devavara (Dvīpa, Sāgara).*
The 3rd island and ocean at the end of middle universe.
मध्यलोक के अंत में तृतीय सागर व द्वीप।

देवविमान - *Devavimāna.*
Space vehicles of deities.
देवों के विमान, तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्नों में 13 वाँ स्वप्न जिसका फल यह होता है कि उत्पन्न होने वाला जीव स्वर्ग से अवतीर्ण होगा।

देवशर्मा - *Devaśarmā.*
The 5th chief disciple of Lord Rishabhanath
भगवान ऋषभदेव के 84 गणधरों में से 5वें गणधर का नाम।

देवसंगीत - *Devasaṁgīta.*
An aboding place of *Bramha-Bramhottar* heaven.
ब्रह्म-ब्रह्मोत्तर स्वर्गों का दूसरा इन्द्रक विमान।

देवसुंदर - *Devasundara.*
Name of a commentator of 'Bhaktamar Stotra Tika'.
भक्तामर स्तोत्र टीका के कर्ता।

देवसत्य - *Devasatya.*
The 39th chief disciple of Lord Rishabhdeva.
भगवान ऋषभदेव के 39 वें गणधर का नाम।

देवसमिति - *Devasamiti.*
A *Patal* (layer) of 3rd heaven
तीसरे स्वर्ग युगल 'ब्रह्म-ब्रह्मोत्तर युगल' का एक पटल।

देवसेन - *Devasena.*
An *Acharya*, disciple of Veersen (*Dhavalakar*).
आचार्य; ई. 820-870 में वीरसेन (धवलाकार) के शिष्य महाधवल सिद्धांत 40,000 श्लोक के कर्ता।

देवसेन - *Devasena.*
Father's name of the 5th *Teerthankar* (Jaina-Lord) of *Videh kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में स्थित 5 वें तीर्थंकर के पिता का नाम।

देवसेवा - *Devasevā*
- Eulogical worshipping of Lord Arihant
देवपूजा, अभिषेक व 8 द्रव्य से पूजन, स्तुति करना।

देवांगना - *Devāṁganā.*
Female deities.
देवियाँ-इनका जन्म केवल प्रथम एवं दूसरे स्वर्ग में होता है और वे 16 स्वर्गों तक अपने-अपने नियोगी देवों द्वारा ले जायी जाती हैं।

देवागम स्तोत्र - *Devāgama Stotra.*
A religious hymn written by *Acharya* Samantbhadra.
आचार्य समन्तभद्र द्वारा रचित एक स्तोत्र। अपरनाम-आप्तमीमांसा।

देवाग्नि - *Devāgni*
Name of the 12th chief disciple of Lord Rishabhadeva.
भगवान ऋषभदेव के 12 वें गणधर का नाम।

देवायु कर्म - *Devāyu Karma.*
Celestial life-span *Karma*, Celestial Longevity determining *Karma*.
आयु कर्म का एक भेद; जिसके उदय से जीव निश्चित समय तक देव शरीर में रुका रहे।

देवावर्णवाद - *Devāvarṇavāda.*
False allegations for heavenly deities.
दर्शनमोहनीय कर्म के आस्रव का एक कारण; स्वर्गलोक में रहने वाले देवी-देवता सुरापान करते हैं, मांस खाते हैं-इस प्रकार देवगति के देवों पर मिथ्या आरोप लगाना।

देवाश्रय - *Devāśraya.*
Temple.
देवालय, मंदिर।

देवी - *Devī.*
Female deity, female celestial
देवांगना।

देवीदास - *Devīdāsa.*
Name of a Hindi poet.
एक हिन्दी कवि, जो बनारसीदास के समकालीन थे इन्होंने हिन्दी छंदों में प्रवचनसार, परमानंदविलास आदि की रचना की।

देवेंद्रकीर्ति - *Devendrakīrti.*
Name of *Bhattaraks* (of *Nandisangh* etc.)
नन्दिसंघ सूरत शाखा के आद्य भट्टारक (ई. 1393-1442), कथाकोष आदि के रचयिता सांगानेर के भट्टारक (वि. 1640-1662)।

देश - *Deśa.*
A country, a part of earth.
पृथिवी का वह भाग जिसका कोई विशिष्ट नाम हो और जिसके अंदर अनेक प्रदेश, ग्राम आदि हों, जैसे-भारत देश आदि।

देशकथा - *Deśakathā.*
Local gossip.
25 विकथाओं में एक कथा।

देशकाल – *Deśakāla.*

Something related to the place and time.

क्षेत्र एवं अवसर या समय के अनुसार कुछ विशेष होना ।

देशघाती प्रकृति – *Deśaghāti Prakṛti*

Destroying configurations (i.e. *Karmic* nature)

जो जीव के स्वाभाविक (अनुजीवी) गुणों का एक देश घात करें, देशघाती कर्म प्रकृतियां 26 हैं ।

देश चारित्र – *Deśa Cāritra.*

A conduct of householder at the 5th stage of spiritual development.

विकल चारित्र: श्रावक का पांचवें गुणस्थान का आचरण ।

देशजिन – *Deśajina.*

The Jaina saints possessing high spiritual knowledge

आचार्य, उपाध्याय, साधु देशजिन कहलाते हैं क्योंकि सकलजिनों के समान देशजिन में भी तीन रत्न पाये जाते हैं ।

देशत्याग – *Deśatyāga.*

Gradual renunciation of sins (duty of householder).

श्रावक धर्म; पापों का कुछ अंशों में त्याग करना ।

देशना – *Deśanā.*

Discourses (related to matters) by *Tirthankars* and *Acharyas*.

तीर्थंकरों व आचार्यों द्वारा छः द्रव्यों और नौ पदार्थों इत्यादि के उपदेश का नाम देशना है ।

देशनालब्धि – *Deśanālabdhi.*

Instructional attainment (of right perception) in one's life

सम्यग्दर्शन की 5 लब्धियों में एक लब्धि; देशना देने वाले आचार्य आदि की प्राप्ति होना तथा उपदिष्ट अर्थ के ग्रहण, धारणा विचारण की सामर्थ्य प्राप्त होना ।

देशप्रत्यक्ष – *Deśapratyakṣa*

Partial direct acquirement of knowledge.

एकदेश प्रत्यक्ष ज्ञान, जैसे अवधिज्ञान, मनःपर्ययज्ञान ।

देशप्रत्यासत्ति – *Deśapratyāsatti.*

A cause of bonding or co-relation of two matters or elements.

संयोग का एक भेद; दो द्रव्यों के अवयवों का सम्बंध होना ।

देशभूषण – *Deśabhūṣaṇa.*

Name of a great *Acharya* possessing supreme knowledge (omniscience), A famous *Acharya* of 20th century, the spiritual preceptor (Initiator) of Ganini Gyanmati Mataji.

कुंथलगिरि सिद्धक्षेत्र से मोक्ष प्राप्त करने वाले केवली, जिनका उपसर्ग श्री रामचंद्र जी ने दूर किया था, बीसवीं शताब्दी के एक प्रसिद्ध आचार्य जिनसे गणिनी ज्ञानमती माताजी ने सन् 1952-53 में आजन्म ब्रह्मचर्य व्रत एवं क्षुल्लिका दीक्षा धारण की ।

देशविरत – *Deśavirata.*

Partial vow, Partial abstinence.

पांचवां गुणस्थान, यहां श्रावक की 11 प्रतिमाओं का पालन होता है ।

देशव्रत – *Deśavrata.*

Vow of restriction on moving beyond the set limits of area

See - *Deśāvakāśika Vrata.*

देखें - देशावकाशिक व्रत ।

देशव्रती – *Deśavratī.*

One observing the rules and regulation of a householder.

देशसंयमी - श्रावक व्रतों को पालने वाला ।

देशसंधि – *Deśasandhi.*

The joining land of two countries (borders).

दो देशों की सीमा भूमि ।

देशसंयत – *Deśasaṁyata.*

See – *Deśavratī.*

देखें – देशव्रती ।

देश संयम – *Deśa Saṁyama.*

Partial control (reg. good conduct of householder)

श्रावक का चारित्र, 12 व्रत (पाँच अणुव्रत, तीन गुणव्रत, चार शिक्षाव्रत) आदि पालन करना ।

देशसत्य – *Deśasatya.*

Different regional words having same meaning (i.e. same basic truth).

सत्य के दश भेदों में से एक; नियत समय के लिए जो वचन अलग-अलग प्रांत, नगर, ग्राम आदि में प्रचलित होता हो या विभिन्न भाषाओं में बोला जाता हो ।

देशस्पर्श – *Deśasparśa.*

Binding of two matters (or of their particles).

एक द्रव्य के देश अर्थात् अवयव का अन्य द्रव्य के देश अर्थात् उसके अवयव के साथ स्पर्श करना ।

देशांश – *Deśāṁśa.*

Part of any matter, Longitude.

अवयव का एक अंश, भूमध्य रेखा से पूर्व या पश्चिम की दूरी।

देशाख्यान – *Deśākhyāna.*

To describe a country, mountain, island, ocean etc., of a part of universe.

लोक के किसी एक भाग के देश, पर्वत, द्वीप तथा समुद्र आदि का विस्तारपूर्वक वर्णन करना ।

देशातिचार – *Deśāticāra.*

A type of infraction related to mind, speech and body.

अतिचार का एक भेद; मन, वचन, काय तथा कृत, कारित, अनुमोदना के भेद से देशातिचार अनेक प्रकार का है ।

देशात्मवाद – *Deśātmavāda.*
Doctrine of believing extrinsic pleasures.
बहिरात्मपना, जो शुद्धात्म अनुभूति से विमुख इन्द्रिय सुख में आसक्ति एवं देह को आत्मा मानता है ।

देशावकाशिक व्रत – *Deśāvakāśika Vrata.*
Vow of keeping restriction in movement, food eating, sensual pleasures etc. to a limit.
प्रथम शिक्षाव्रत–दिग्व्रत की सीमा के अन्तर्गत दैनिक गमनागमन में घर, बाजार, गली, मोहल्ला आदि की सीमा करना । निश्चित [illegible] मैथुन करने का त्याग अथवा मौन धारण करना आदि ।

देशावधि – *Deśāvadhi.*
A part of clairvoyance (partial direct knowledge).
अवधिज्ञान का प्रथम भेद; यह अवधिज्ञानावरण के क्षयोपशम से होता है ।

देशी नाममाला – *Deśī Nāmamālā.*
A Sanskrit dictionary.
एक संस्कृत शब्द कोश ।

देशीय गण – *Deśiya Gaṇa.*
A branch of *Nandisangh.*
नन्दिसंघ की एक शाखा ।

देशोपशम – *Deśopaśama.*
A type of partial subsidence (related to *Karma* theory).
उपशम का एक भेद ; सम्यक्त्व प्रकृति संबंधी देशघाती के उदय को देशोपशमना कहते हैं ।

देह – *Deha.*
Body, a type of peripatetic celestial.
शरीर, काया, पिशाच जातीय व्यंतर देवों का एक भेद ।

देहत्रय – *Dehatraya.*
Three kinds of body.
औदारिक, तैजस, कार्मण ये तीन शरीर ।

देहदेवालय – *Dehadevālaya.*
Body as a temple; Place of Lord in the inner part of one's body.
निज परमात्मा का इस नश्वर शरीर रूपी देवालय में स्थान ।

देहप्रमाणत्व शक्ति – *Dehapramāṇatva Śakti.*
Ultimate power of a body (reg. occupancy)
अतीत अनन्तर (अन्तिम) शरीरानुसार अवगाह परिणामरूप देहप्रमाणपना होना ।

देहमान – *Dehamāna.*
Investigation related to the body of beings.
जीवों की शारीरिक अवगाहना का प्रमाण ।

देहरहितता – *Deharahitatā.*
Bodilessness, the state of salvation (a virtue of *Siddha*).
सिद्ध परमेष्ठी का शरीर से रहित होने का गुण ।

देही – *Dehī.*
Embodied beings
शरीरधारी जीव

दैत्य – *Daitya.*
A type of knowledge, Demon, Evil spirit
एक प्रकार की विद्या, राक्षस ।

दैत्याकार जलचर – *Daityākāra Jalacara.*
Large aquatic beings
बड़ा जलचर, व्हेल मछली आदि जीव ।

दैव – *Daiva.*
Accumulation of results of good and bad deeds of past life.
भाग्य–प्राणी ने पूर्व भव में जिस पाप या पुण्य कर्म का संचय किया है वह दैव कहा जाता है ।

दैववाद – *Daivavāda.*
Fatalism.
भाग्यवाद, एकांतमत जो मात्र दैव या भाग्य को ही मानते हैं, पुरुषार्थ को निरर्थक समझते हैं ।

दैवसिक – *Daivasika.*
A type of repentance (about faults of a day)
प्रतिक्रमण का एक भेद ; दिन में लगे हुए दोषों की आलोचना करना ।

दैवी मीमांसा – *Daivī Mīmāṁsā.*
A philosophy related to fate.
नियति का विशेषरूप से विचार ।

दो गुणहानि – *Do Guṇahāni.*
A kind of decreasing series.
गुणहानि आयाम को दो गुना करने पर जो प्रमाण प्राप्त होता है ।

दोग्रंथिक पाहुड़ – *Dogranthika Pāhuḍa.*
Supreme treatise (commandments) containing knowledge of all 12 *Angas.*
जिन भगवान् के द्वारा निर्दोष श्रेष्ठ विद्वान आचार्यों की परम्परा से भव्य जनों के लिए भेजे गये बारह अंगों के वचनों का समुदाय अथवा उनका एकदेशपरमानंद ।

दोलायित – *Dolāyita.*
An infraction of meditative relaxation (mental & bodily fluctuation).
कायोत्सर्ग का एक अतिचार, हिंडोले की भांति शरीर का अथवा मन का डोलना ।

दोष – *Doṣa.*
Faults.
त्रुटि, कमी, रागद्वेष आदि 18 दोष, अरिहंत परमात्मा इनसे रहित होते हैं ।

दोष–दर्शन – *Doṣa Darśana.*
Viewing defects of one
अवगुणों और गलतियों को देखना ।

दोष निर्घातन विनय – *Doṣa Nirghātana Vinaya.*
Reverence causing eradication of passions

दोष को नाश करने वाली विनय ।

दोषाधान – *Doṣādhāna.*

Acquiring faults, keeping faults

दोष को धारण करना ।

दोहापाहुड – *Dohāpāhuḍa.*

A treatise written by *Acharya* Yogendudeva.

आचार्य योगेन्दु देव (ई.श.6 उत्तरार्ध) कृत एक ग्रंथ ।

दौर्भाग्य – *Daurbhāgya.*

Bad luck, Unfortune.

दुर्भग नामकर्म: रूप आदि गुणों से युक्त होकर भी अप्रीतिकर अवस्था होना ।

दौलतराम – *Daulatarāma.*

Name of *Pandits*, who wrote a number of books on Jainism

पंडित; 1. पद्मपुराण, आदिपुराण, हरिवंशपुराण आदि की वचनिका के कर्ता, क्रियाकोष, अध्यात्म बारहखड़ी आदि के कर्ता, समय – वि. 1777–1829 । 2. छहढाला, पदसंग्रह के कर्ता (समय–वि. 1855–1923) ।

द्यानतराय – *Dyānatarāya.*

A writer who wrote number of books on Jainism.

आगरा निवासी एक लेखक 'पंडित' जिन्होंने धर्मविलास, पूजापाठ व भक्ति स्तोत्र आदि अनेक ग्रंथों की रचना की । समय – ई. सन् 1676–1723 ।

द्युति – *Dyuti.*

Light, radiance, splendour.

कांति, शरीर, वस्त्र और आभूषण आदि की कांति ।

द्युतिलक – *Dyutilaka.*

A city of *Vidyadhars.*

विद्याधरों की एक नगरी ।

द्युतिश्रुति – *Dyutiśruti.*

Name of an *Agradevi* of Sun.

सूर्य की एक अग्रदेवी का नाम ।

द्यूतक्रीडा – *Dyūtakrīḍā.*

Gambling, Betting etc

एक व्यसन – जुआ देखना, जुआ लगाना, शर्त लगाना आदि कषाय रूप परिणाम ।

द्योत्यद्योतक भाव – *Dyotyadyotaka Bhāva.*

A relation between one enlightening and enlightened one.

संबंध का एक भेद । प्रकाशित करने वाला द्योतक एवं प्रकाशित होने वाला पदार्थ द्योत कहलाता है ।

द्रमिल – *Dramila.*

A part of the south India.

दक्षिण भारत का एक भाग जो मद्रास सेरिंगापट्टम और कामोरिम तक फैला हुआ है ।

द्रविक – *Dravika.*

A liquid substance or melted substance.

पतला, तरल पदार्थ ।

द्रविड़देश – *Draviḍadeśa.*

A region of south India, associated with *Acharya* Kund-Kund

दक्षिण भारत का एक भाग, जिसमें आचार्य कुन्दकुन्द हुए ।

द्रविड़ संघ – *Draviḍa Saṃgha.*

A group of *Digambar* Jain saints

दिगम्बर परम्परा के अन्तर्गत एक साधु संघ ।

द्रविड़ाचार्य – *Draviḍācārya.*

Name of an *Acharya* promotor of *Vedant* literature.

वेदांत साहित्य के प्रवर्तक एक आचार्य ।

द्रव्य – *Dravya.*

Matter, Substance, Reality.

गुण और पर्याय का समूह या जो उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य से युक्त है उसे द्रव्य कहते हैं। द्रव्य 6 होते हैं – जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश और काल ।

द्रव्य–अंतर – *Dravya Antara.*

Dissimilarity in form of matters.

अंतर का एक भेद; किसी समर्थ द्रव्य की किसी निमित्त में अमुक पर्याय का अभाव होने पर निमित्तान्तर में जब तक वह पर्याय पुनः प्रकट नहीं होती ।

द्रव्य अधिकरण – *Dravya Adhikaraṇa.*

Physical stratum.

द्रव्य का आधार ।

द्रव्य अनुयोग – *Dravya Anuyoga.*

One of the 4 expositions (*Anuyoga*) of Jainism, dealing with substances (matters) & metaphysics

4 अनुयोगों में एक–पदार्थों के अस्तित्व तथा उनके प्रमाण का वर्णन अथवा शुद्ध–अशुद्ध जीव आदि छः द्रव्यों का वर्णन।

द्रव्य अप्रतिक्रमण – *Dravya Apratikramaṇa.*

Reverential view for the accepted matters in the past.

अतीतकाल में जो परद्रव्यों का ग्रहण किया था, उनको वर्तमान में अच्छा जानना, उनका संस्कार रहना, उनके प्रति ममत्व भाव का होना ।

द्रव्य अप्रत्याख्यान – *Dravya Apratyākhyāna.*

Lust or desire for illusive matters

रागादि विषयों की आकांक्षा रूप अप्रत्याख्यान के दो भेदों में एक भेद ।

द्रव्य अवसन्न – *Dravya Avasanna.*

To become immoral (reg. a saint).

किसी पथिक या साधु का मार्ग भ्रष्ट हो जाना ।

द्रव्य आचार्य – *Dravya Ācārya.*

A preceptor.

पंचाचार का पालन जो स्वयं करें एवं दूसरों को भी करावें।

द्रव्य आरोप – *Dravya Āropa.*

To characterise a matter into anothers.

एक द्रव्य में दूसरे का आरोपित या उपलक्षित करना, जैसे दर्पण ने प्रतिबिम्ब को देखकर 'यह दर्पण की पर्याय है' ऐसा कहना।

द्रव्य आस्रव – *Dravya Āsrava.*
Physical or material influx.
जीव में मिथ्यात्व आदि कारणों से पुद्गलों का कर्म रूप में आगमन होना।

द्रव्य इंद्रिय – *Dravya Indriya.*
Physical senses (for touch, taste, smell etc.)
स्पर्शन, रसन, घ्राण, चक्षु और श्रोत्र ये 5 द्रव्य इंद्रियां होती हैं।

द्रव्य उदय - *Dravya Udaya.*
Physical fruition (reg. *Karmas*).
द्रव्य, क्षेत्र, काल, व भाव के निमित्त के वश से कर्मों के फल का प्राप्त होना।

द्रव्य उपक्रम – *Dravya Upakrama.*
A type of *Upakram* – a pursuance in accordance with natural matters.
उपक्रम का एक भेद (उपक्रम–जो प्रकृत प्रदत्त पदार्थ के अर्थ को अपने समीप करता है)।

द्रव्य उपचार – *Dravya - Upacāra.*
Conventional usage of one matter for another
सद्भूत व्यवहार या भेदोपचार ; एक द्रव्य में अन्य द्रव्य का उपचार करना।

द्रव्य उपशम – *Dravya Upaśama.*
A type of subsidence (reg. matters).
निक्षेपों की अपेक्षा उपशम का एक भेद।

द्रव्य कर्म – *Dravya Karma.*
Gyanavaran etc. 8 *Karmas* are called *Dravya Karma*
ज्ञानावरण आदि आठों कर्मों को द्रव्य कर्म कहते हैं।

द्रव्य कषाय – *Dravya Kaṣāya.*
Physical – passions
जीव या द्रव्य कर्म का क्रोधादि रूप होना, निक्षेप की अपेक्षा कषाय का एक भेद।

द्रव्यगुण – *Dravya Guṇa.*
Common & specific virtues of substance or matter.
द्रव्य के गुण दो तरह के है ; सामान्य गुण जो सभी द्रव्यों में पाये जाते हैं, विशेषगुण जो हर एक ही में पाये जाते हैं।

द्रव्य छेदना – *Dravya Chedanā.*
Knowledge of one matter gained by other one (by penetration).
एक द्रव्य से दूसरे द्रव्य का ज्ञान होना।

द्रव्यत्व – *Dravyatva.*
Substantiality.
द्रव्य के 6 सामान्य गुणों में एक ; जिस शक्ति के निमित्त से द्रव्य हमेशा एकसा नहीं रहता, उसकी पर्यायें हमेशा बदलती रहती हैं।

द्रव्य तीर्थ – *Dravya Tīrtha.*
Place of pilgrimages.
तीर्थंकरों की कल्याणक भूमियाँ, सिद्धक्षेत्र, अतिशयक्षेत्र आदि; जिनकी वंदना-अर्चना संसार से तिरने में सहायक होती है। जैसे-अयोध्या, सम्मेदशिखर, कुण्डलपुर आदि।

द्रव्य दृष्टि – *Dravya Dṛṣṭi.*
Substantive standpoint.
द्रव्य नय।

द्रव्य ध्येय - *Dravya Dhyeya.*
To concentrate mind on the virtuous matters.
अध्यात्म वेत्ताओं के अनुसार 4 प्रकार के ध्येय पदार्थों में एक; सत् या गुणपर्यायवान् पदार्थ में एकाग्र होना।

द्रव्य नपुंसक – *Dravya Napuṁsaka.*
Hermaphrodite
स्त्री व पुरुष दोनों प्रकार के लिंगों से रहित।

द्रव्य नमस्कार – *Dravya Namaskāra.*
Physical reverential greeting
वचन और काय से किया गया नमस्कार, द्रव्य नमस्कार है।

द्रव्य नय – *Dravya Naya*
Physical standpoint
जो दृष्टि या अपेक्षा 'द्रव्य सामान्य' को ग्रहण करे।

द्रव्य निक्षेप – *Dravya Nikṣepa.*
Substantive installing.
द्रव्य का आगामी या पूर्व पर्याय की अपेक्षा कथन करना, जैसे राजपुत्र को राजा कहना।

द्रव्य निबंधन – *Dravya Nibandhana.*
Binding of two matters.
जो द्रव्य जिन द्रव्यों का आश्रय करके परिणमन करता है, अथवा जिस द्रव्य का स्वभाव द्रव्यान्तर से प्रतिबद्ध है।

द्रव्य निमित्त – *Dravya Nimitta.*
Physical cause (reg. *Karmic* binding & furition)
द्रव्य, क्षेत्र, काल व भाव की अपेक्षा से कर्मों का बन्ध व उदय होना।

द्रव्य निमित्तक – *Dravya Nimittaka.*
Circumstential transformation of matters.
द्रव्य कर्म का निमित्त पाकर क्रोधादि कषायरूप परिणमन होना।

द्रव्य निर्ग्रन्थ – *Dravya Nirgrantha.*
Physically naked, with material detachment.
जो समस्त बाह्य परिग्रहों से निर्लिप्त हैं।

द्रव्य निर्जरा – *Dravya Nirjarā.*
Objective shedding, objective physical dissociation
कर्मों का समय पर फल देकर या तप आदि के द्वारा झड़ जाना।

द्रव्य निर्विचिकित्सा – *Dravya Nirvicikitsā.*
Not to hate the dirty-bodied Jain saints.
दिगम्बर जैन साधुओं के मलिन शरीर को देखकर ग्लानि न करना।

द्रव्य परमाणु – *Dravya Parmāṇu.*
Particles of matters.
बाह्य पदार्थ का अंश मात्र।

द्रव्य परिवर्तन – *Dravya Parivartana.*
Modification of material forms.
द्रव्य की पर्याय का बदलना ।

द्रव्य पर्याय – *Dravya Paryāya.*
Different forms of matters.
द्रव्य के जितने प्रदेश रूप अंश हैं वे सभी द्रव्य पर्याय कहलाते हैं।

द्रव्य पर्याय आरोप – *Dravya Paryāya Āropa.*
Treatment of model appearance (*Paryaya*) into matter and matter into model appearance.
अशुद्ध द्रव्यार्थिक नय से द्रव्य में पर्याय का और पर्याय में द्रव्य का उपचार करना ।

द्रव्य पल्य – *Dravya Palya.*
A time unit related to Jaina philosophy.
एक योजन लम्बे, चौड़े तथा गहरे गर्त को तत्काल उत्पन्न भेड़ के बालों (जिनका दूसरा खण्ड न हो सके) से भर कर 100 वर्ष में एक-एक बाल निकाला जाये और जब वह गर्त खाली हो जाये इसमें जितना समय लगता है वह समय 'पल्य' कहलाता है ।

द्रव्य पाप – *Dravya Pāpa.*
Sinful nature of *Karmas* (substantive sin).
कर्म की पाप रूप 100 प्रकृतियां ।

द्रव्य पुण्य – *Dravya Puṇya.*
The *Karma* matter faciliating the pleasures & merits
भाव पुण्य के निमित्त से उत्पन्न होने वाले साता वेदनीय आदि शुभ प्रकृति रूप पुद्गल परमाणुओं का पिण्ड ।

द्रव्य पुरुष – *Dravya Puruṣa.*
Male by gender.
पुरुषवेद; निर्माण व अंगोपांग नामकर्म के उदय से शरीर में पुरुष के चिन्ह बनना ।

द्रव्य पूजा – *Dravya Pūjā.*
Physical worship (with 8 reverential materials).
पंच परमेष्ठी के सम्मुख भक्ति भाव से जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप व फल रूप श्रेष्ठ अष्ट द्रव्य समर्पित करना ।

द्रव्य प्रतिक्रमण – *Dravya Pratikramaṇa.*
Reading Pratikraman Dandak etc. religious key lessons is called *Dravya Pratikraman.*
गौतम गणधर द्वारा रचित प्रतिक्रमण दण्डक आदि सूत्र पाठ पढ़ना द्रव्यप्रतिक्रमण है ।

द्रव्य प्रत्याख्यान – *Dravya Pratyākhyāna.*
Resolution for the renunciation of non-acceptable matters.
अयोग्य आहार, उपकरण वगैरह पदार्थों को ग्रहण नहीं करूंगा ऐसा संकल्प करना ।

द्रव्य प्रमाण – *Dravya Pramāṇa.*
Numerical measure of substances.
एक परमाणु से लेकर महास्कन्ध पर्यन्त, संख्यात, असंख्यात और अनन्त या पल, तुला, और कुडव आदि द्रव्य प्रमाण है।

द्रव्य प्राण – *Dravya Prāṇa.*
Physical vitalities essential to life
10 प्राण; 5 इन्द्रियां, मन, वचन, काय, आयु तथा श्वासोच्छ्वास।

द्रव्य बंध – *Dravya Bandha.*
Physical binding, Physical bondage
राग और कषायों के निमित्त से कर्म वर्गणाओं का आत्मा के प्रदेशों के साथ परस्पर मिल जाना ।

द्रव्य भाव – *Dravya Bhāva.*
Nature of substance.
तत्व; द्रव्य का स्वरूप ।

द्रव्य भाषा – *Dravya Bhāṣā.*
Lexical speech
शब्दात्मक भाषा ।

द्रव्य मन – *Dravya Mana*
Objecive mind
जो हृदय स्थान में आठ पंखुड़ी के कमल के आकार वाला है, तथा अंगोपांग नाम कर्म के उदय से मनोवर्गणा के स्कन्ध से उत्पन्न हुआ है ।

द्रव्य मल – *Dravya Mala*
Eight *Karmas* obscuring knowledge etc
ज्ञानावरणादि 8 कर्म ।

द्रव्य मोक्ष – *Dravya Mokṣa.*
Installation of supreme soul of *Siddhashila*
8 कर्मों एवं शरीरादि से छूटकर शुद्धरूप आत्म द्रव्य का सिद्धशिला पर विराजमान हो जाना ।

द्रव्य मोह – *Dravya Moha.*
Physical delusion
मोह का एक भेद, जीव के द्रव्यादि सम्बन्धी मूढ़भाव ।

द्रव्य युति – *Dravya Yuti.*
State of the unity of matters.
समीपता या संयोग का नाम युति है; जीवयुति, पुद्गलयुति और जीवपुद्गलयुति के भेद से द्रव्य युति तीन प्रकार की है ।

द्रव्य योग – *Dravya Yoga.*
Vibration in soul-points owing to physical activities (related to mind, speech & body)
मन वचन काय की क्रिया से जीव के प्रदेशों का चंचल या सकम्प होना ।

द्रव्य लिंग – *Dravya Liṃga.*
Physical sign or appearance (related to a saint).
बाहरी भेष; साधु का बाहरी चिन्ह, परिग्रह रहित व पिच्छी कमण्डलु सहित होना ।

द्रव्य लेश्या – *Dravya Leśyā.*
Physical aura, physical colouration.
वर्ण नामकर्म के उदय से उत्पन्न हुआ जो शरीर का वर्ण है उसको द्रव्य लेश्या कहते हैं ।

द्रव्य वचन – *Dravya Vacana.*
Physical speech or pronunciation.
पौद्गलिक शब्द वर्गणा जो वचन रूप से परिणमन करती है ।

द्रव्यवाद – *Dravyavāda.*
A doctrine of *Sankhya* philosophy
एक सांख्यदर्शन ।

द्रव्यविचिकित्सा – *Dravyavicikitsā.*
Physical disgust (pertaining to excreta etc.)
विष्ठा आदि पदार्थों में ग्लानि का होना ।

द्रव्य विशेष – *Dravya Viśeṣa.*
Excellence of a matter.
जीव पुद्गलादि में अमूर्तिक-मूर्तिक विशेष धर्म ।

द्रव्य वेद – *Dravya Veda.*
Something related to gender formation.
निर्माण व अंगोपांग नामकर्मों के उदय में शरीर में पुरुष-स्त्री व नपुंसक के चिन्ह बनना ।

द्रव्य शक्ति – *Dravya Śakti.*
Substantial capacity.
मूल पदार्थ की शक्ति ।

द्रव्य शल्य – *Dravya Śalya.*
Physical sting, physical thorn (related to *Karmas*)
मिथ्यादर्शन, माया, निदान ऐसे तीन शल्यों की जिन से उत्पत्ति होती है ऐसे कारणभूत कर्म को द्रव्यशल्य कहते हैं।

द्रव्यशुद्धि – *Dravyaśuddhi.*
To make the body pure with water etc. means.
जल आदि से शरीर की शुद्धि करना, अथवा कुष्ठरोग, शिरोरोग, कुत्सित स्वप्न, रुधिर, विष्ठा, मूत्र, लेप, अतिसार आदि का शरीर में न रहना ।

द्रव्य श्रमण – *Dravya Śramaṇa*
Out wordly saints, See - *Dravya Liṅga.*
देखें – द्रव्य लिंग ।

द्रव्यश्रुत – *Dravyaśruta.*
A type of scriptural knowledge, *Jinwani.*
आचारांग आदि बारह अंग, उत्पादपूर्व आदि चौदह पूर्व और सामायिकादि 14 प्रकीर्णकस्वरूप ज्ञान ।

द्रव्यसंग्रह – *Dravyasaṁgraha.*
A book written by *Acharya* Nemichand Siddhant Chakravarti
आचार्य नेमिचन्द सिद्धांत चक्रवर्ती का षड् द्रव्य प्रतिपादक एक प्रसिद्ध ग्रंथ। समय - ई. सन् 900 से 1000 के मध्य इसका हिन्दी पद्यानुवाद गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा किया गया है। इसकी संस्कृत टीका श्री ब्रह्मदेवसूरी के द्वारा की गई है।

द्रव्यसंयोगपद – *Dravyasaṁyogapada.*
A special type of nomenclature associated with something.
धन्य, गौव, दण्डी, छत्री, गर्भिणी इत्यादि द्रव्यसंयोग पद नाम हैं क्योंकि धन, गृह, दण्ड, छत्ता इत्यादि द्रव्य के संयोग से ये नाम व्यवहार में आते हैं ।

द्रव्य संवर – *Dravya Saṁvara.*
Stoppage of *karmic* influx.
सम्यक्त्व आदि के द्वारा कर्मास्रव का निरोध करना ।

द्रव्य संसार – *Dravya Saṁsāra.*
Physical world
जिसमें जीव पुद्गल परमाणुओं को अनंत बार शरीर और कर्मरूप में ग्रहण तथा विसर्जन करता है ।

द्रव्य सम्यग्दृष्टि – *Dravya Samyagdṛṣṭi*
One having keen desire & eligible talent for getting right perception
जो जीव अपने कल्याण का इच्छुक है अर्थात् जिसमें आगामी काल में सम्यक्त्व होने की योग्यता है यह द्रव्य निक्षेप की अपेक्षा कथन है ।

द्रव्य सल्लेखना – *Dravya Sallekhanā*
Physical holy death (by leaving off food etc.)
भोजन आदि का क्रमपूर्वक त्याग करके शरीर को कृश करना।

द्रव्य सामायिक – *Dravya Sāmāyika.*
Physically avoiding all evils
चेतन – अचेतन द्रव्यों में इष्ट – अनिष्ट रूप विकल्प नहीं करना द्रव्य सामायिक है ।

द्रव्य स्त्री – *Dravya Strī.*
Female by gender.
अंगोपांग नामकर्म के उदय से शरीर में स्त्री के चिन्ह धारक जीव।

द्रव्यस्तव – *Dravyastava.*
Physical praising, act of eulogy.
स्तुति; शुभ लक्षणों से युक्त 24 तीर्थंकरों के शरीर की छवि का कीर्तन करना ।

द्रव्यस्पर्श – *Dravyasparśa.*
Physical touch
एक द्रव्य का दूसरे द्रव्य से स्पर्श होना ।

द्रव्य स्वभाव – *Dravya Svabhāva.*
Nature of matters
द्रव्य का स्वतत्त्व अर्थात् स्वस्वभाव ।

द्रव्यांश – *Dravyāṁśa.*
Parts of a matter.
द्रव्य का एक भाग; उत्पाद व्यय ध्रौव्य रूप परिवर्तन पूरे द्रव्य में होता है किसी एक अंश में नहीं ।

द्रव्यात्मक – *Dravyātmaka.*
Objective.
बाह्य पदार्थ विषयक ।

द्रव्यानुयोग – *Dravyānuyoga.*
See – *Dravya Anuyoga.*
देखें – द्रव्य अनुयोग ।

द्रव्यारोप – *Dravyāropa*
See – *Dravya Āropa.*
देखें - द्रव्य आरोप ।

द्रव्यार्थिक नय – *Dravyārthika Naya.*
A standpoint which emphasizes the attributes of a substance. substantial standpoint.
एक नय; जो पर्याय को गौण करके द्रव्य का मुख्यता से कथन

करता है ।

द्रव्याश्रय – *Dravyāśraya*

Attributes related to matters.

गुण; जो द्रव्य के आश्रय से रहते हैं ।

द्रव्यास्तिक नय – *Dravyāstika Naya.*

Substantive standpoint

देखें - द्रव्यार्थिक नय ।

द्रव्येंद्रिय – *Dravyendriya.*

See – *Dravya Indriya.*

देखें - द्रव्य इन्द्रिय ।

द्रव्योदय – *Dravyodaya.*

See – *Dravya Udaya.*

देखें - द्रव्य उदय ।

द्रव्योपचार – *Dravyopacāra.*

See – *Dravya Upacāra.*

देखें - द्रव्य उपचार ।

द्रव्योपशम – *Dravyopaśama.*

See – *Dravya - Upaśama.*

देखें - द्रव्य उपशम ।

द्रह – *Draha.*

Pond, Large water reservoir.

ह्रद, तालाब, सरोवर ।

द्रहवती – *Drahavatī.*

A *Vibhanga* river of the east *Videh kshetra* (region).

पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी ।

द्रुम – *Druma.*

Tree

वृक्ष ।

द्रुमसेन – *Drumasena.*

Name of a great *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas*.

11 अंगों के ज्ञाता पाँच आचार्यों में चौथे आचार्य ।

द्रोण – *Droṇa.*

A weighing unit, A hermitage surrounded by rivers and mountains.

तौल का एक प्रमाण (16 द्रोण = 1 खारी), नदी और पर्वत से वेष्टित बसती ।

द्रोणगिरि (तीर्थ) – *Droṇagiri (Tīrtha).*

Name of a place of pilgrimage situated in Bundelkhand (M.P), it is salvation land of many *Munis* (saints) including Gurudatta.

बुंदेलखंड (म.प्र.) में स्थित एक रमणीय सिद्धक्षेत्र। यह गुरुदत्त आदि अनेक मुनिवरों की निर्वाणस्थली है ।

द्रोणाचार्य – *Droṇācārya.*

The teacher of 'Kauravas' and 'Pandavas' and the father of 'Ashvatthama'.

कौरवों तथा पाण्डवों के गुरु तथा अश्वत्थामा के पिता ।

द्रोणामुख – *Droṇāmukha.*

Port; docks.

बंदरगाह; जलयानों के ठहरने का स्थान ।

द्रौपदी – *Draupadī*

Wife of Arjun (the daughter of king Drupad).

अर्जुन की पतिव्रता स्त्री, राजा द्रुपद की पुत्री। वैदिक महाभारत में द्रौपदी को पाँचों पाण्डवों की पत्नी स्वीकार किया है परन्तु जैन महाभारत (हरिवंशपुराण) में द्रौपदी को मात्र अर्जुन की पत्नी महान शीलवती नारी कहा है ।

द्वंद – *Dvanda.*

Conflict, quarrel, tension, Pair, couple.

कलह, लड़ाई, युग्म (जोड़ा) ।

द्वयंग नमस्कार – *Dvayaṅga Namaskāra.*

Greeting, to pay reverence with folding and bending hands

दोनों हाथों को जोड़कर नमस्कार करना ।

द्वयणु – *Dvayaṇu.*

A molecule of two atoms.

दो अणु वाला स्कंध ।

द्वयर्धगुणहानि – *Dvayardhaguṇahāni.*

A type of decreasing series.

गुणहानि आयाम को ड्योढ़ा (द्वयर्ध) करने पर जो प्रमाण प्राप्त हो ।

द्वयाश्रय महाकाव्य – *Dvayāśraya Mahākāvya.*

A book written by *Shvetambaracharya* Hemchandra Suri.

श्वेताम्बराचार्य हेमचन्द्र सूरि (ई.1088–1173) की एक रचना।

द्वात्रिंशतिका – *Dvātriṁśatikā.*

Name of a prayer written by Amitgati *Acharya*.

आचार्य अमितगति द्वारा रचित 32 श्लोक वाला सामायिक पाठ।

द्वादशवर्षी दुर्भिक्ष – *Dvādaśavarṣī Durbhikṣa.*

Twelve years dearth or famine which caused the origination of the Shvetambar Jain sect.

वीर निर्वाण के 133 वर्ष पश्चात् अर्थात् आज से लगभग 2400 वर्ष पूर्व पंचम श्रुतकेवली 'भद्रबाहु' के काल में उज्जैन आदि उत्तरभारत के क्षेत्रों में 12 वर्षीय दुर्भिक्ष (अकाल) पड़ा, जिसकी आचार्य भद्रबाहु द्वारा भविष्यवाणी सुनकर सभी दिगम्बर मुनि दक्षिण भारत चले गये। परन्तु कुछ मुनि उत्तर में रह गये, उन्हीं से इस भीषण अकाल में श्वेताम्बर मत की उत्पत्ति हुई (देखें-भद्रबाहु चरित, भावसंग्रह आदि) ।

द्वादश व्रत – *Dvādaśa Vrata.*

12 types of vows of householders.

श्रावक के 12 व्रत; 5 अणुव्रत, 4 शिक्षाव्रत, 3 गुणव्रत ।

द्वादश संयम – *Dvādaśa Saṁyama.*

12 types of restraints.

12 प्रकार का संयम; पांच इन्द्रिय व मन को वश में रखना एवं पृथ्वी आदि छः काय के जीवों की रक्षा करना ।

द्वादशांग – *Dvādaśāṁga.*
Twelve parts of scriptural knowledge.
श्रुत के 12 अंग ; द्रव्यश्रुत रूप द्वादशांग की रचना गणधर करते हैं इसे ही जिनवाणी कहते हैं ।

द्वादशांगपूजा – *Dvādaśāṁgapūjā.*
A book written by Shribhooshana.
ई. सन् 1579-1619 में श्रीभूषण कृत एक श्रुतपूजा ।

द्वादशानुप्रेक्षा – *Dvādaśānuprekṣā.*
Contemplation of twelve types of feelings cause apathy (freedom from worldly affairs).
12 भावनाओं (अनित्य, अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व, अशुचि, आस्रव, संवर, निर्जरा, लोक, बोधिदुर्लभ एवं धर्म) का चिंतन, जिससे वैराग्य पैदा होता है ।

द्वादशी व्रत – *Dvādaśī Vrata.*
Twelve Jaina vows for twelve years.
12 वर्ष तक प्रति वर्ष भाद्रपद शु. 12 को उपवास करना ।

द्वापुरी – *Dvāpurī.*
Name of the birth city of the 2nd *Narayana* 'Dvipreshtha'
द्वितीय नारायण द्विपृष्ठ की जन्म नगरी का नाम ।

द्वार – *Dvāra.*
Doors (of different types)
दरवाजा, फाटक, प्रवेश द्वार, तोरण ।

द्वारवंग – *Dvāravaṁga.*
A place, present Darbhanga district.
वर्तमान दरभंगा जिला ।

द्वार स्तंभ – *Dvāra Staṁbha.*
Jamb, side beams of the entrance door.
प्रवेश द्वार के स्तंभ ।

द्वारापेक्षण – *Dvārāpekṣaṇa.*
To wait at the door to offer food to any recipient (saint etc.).
आहार दान के लिए द्वार पर पात्र की राह देखते हुए खड़े होना।

द्वारावती – *Dvārāvatī.*
Another name of Dvaraka city.
श्रीकृष्ण की महानगरी ; इसकी रचना देवों ने की थी और द्वीपायन मुनि के क्रोध से यह भस्म हुई थी ।

द्विकावली व्रत – *Dvikāvalī Vrata.*
A type of vow (fasting).
एक व्रत; इसमें 48 बेला और इतनी ही पारणाएं की जाती हैं।

द्विगु – *Dvigu.*
Numeral compound word.
तत्पुरुष समास का एक भेद ; जिसमें पूर्वपद संख्यावाचक होता है ।

द्विचरमकाल – *Dvicaramakāla.*
The time less than one *Samay* than the ultimate time.
अंतिम समय से एक समय पूर्व का काल द्विचरमकाल कहलाता है ।

द्विचरम देही – *Dvicarama Dehī.*
Deities having two human births (last two life-courses) before getting salvation).
जो देव अंतिम दो बार मनुष्य के भव लेकर निर्वाण प्राप्त करते हैं, वे द्विचरम देही कहलाते हैं ।

द्विचरमावली – *Dvicaramāvalī*
A time period (last 2 *Avali*).
अंतिम दो आवली ।

द्विचारित्रसिद्ध – *Dvicāritrasiddha*
The soul who gets salvation through two types of super conducts (in accordance with *Bhutprajnapana Naya*).
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा दो चारित्र से सिद्ध होने वाले जीव।

द्विचूड़ – *Dvicūḍa.*
A king of *Vidyadhar* dynasty.
विद्याधर वंश का एक राजा ।

द्विज – *Dvija*
Those twice-born (first by womb and another by sacraments)
एक बार गर्भ से तत्पश्चात संस्कारों से (जिसमें व्रतचरण और शास्त्राभ्यास संस्कारित किया जाता है) जन्म लेने वाले द्विज कहलाते हैं। वर्तमान में विशेषरूप से ब्राह्मण जाति के लिए प्रचलित शब्द ।

द्विजपति – *Dvijapati.*
The best one (i.e. sacramented one), Name of a poet.
श्रेष्ठ, संस्कार युक्त कंपवेध की पीढ़ी में उत्पन्न एक कवि का नाम ।

द्विज्ञानसिद्ध – *Dvijñānasiddha.*
The soul who gets salvation by two types of super knowledges (in accordance with *Bhutprajnapan Naya*)
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा दो ज्ञान से सिद्ध होने वाले जीव ।

द्वितीयगुण – *Dvitīyaguṇa.*
Second stage of virtues
भाग: अबन्ध गुण में अविभाग प्रतिच्छेद की वृद्धि होने पर गुण की द्वितीयादि अवस्था विशेषों को द्वितीय गुण आदि संज्ञा होती है ।

द्वितीय गुणहानि – *Dvitīya Guṇahāni.*
A decreasing series.
प्रथम गुणहानि से जहां द्रव्य चय आदि का प्रमाण आधा पाया जाता है ।

द्वितीय मूल – *Dvitīya Mūla.*
Cube of the 1st cube (related to maths).
प्रथम मूल के मूल को द्वितीय मूल कहते हैं ।

द्वितीय वर्ग – *Dvitīya Varga.*
Square of first square (mathematically).
प्रथम वर्ग का पुनः वर्ग करना ।

द्वितीय शुक्लध्यान – *Dvitīya Śukladhyāna.*
Second supreme meditation; an attainment of

12th stage of spiritual development (*Gunsthan*)
एकत्ववितर्क शुक्लध्यान, यह 12 वें गुणस्थान में होता है ।

द्वितीय संग्रह कृष्टि – *Dvitīya Saṁgraha Kṛsti.*
A type of *krishti*-gradual destruction of *karmas*
4 कषायों की तीन-तीन कृष्टि होती हैं इस तरह संग्रहकृष्टि 12 होती हैं, उनमें दूसरी कृष्टि ।

द्वितीय स्थिति – *Dvitīya Sthiti.*
Second life time
अंतरकरण या अंतर स्थिति के उपरिवर्ती सर्वस्थिति का नाम द्वितीय स्थिति है ।

द्वितीयावली – *Dvitīyāvali.*
A specified time period (related to *Avali*).
उदयावली से ऊपर के आवली प्रमाण काल को द्वितीयावली या प्रत्यावली कहते हैं ।

द्वितीयोपशम सम्यक्त्व – *Dvitīyopaśama Samyaktva.*
Second subsidential right belief.
उपशम श्रेणी चढ़ने वाले साधु को क्षयोपशम सम्यग्दर्शन से पुनः जो उपशम सम्यक्त्व होता है उसे द्वितीयोपशम सम्यग्दर्शन कहते हैं ।

द्विदल – *Dvidala.*
Grains (pulse etc.) having two opposite faces alike are called non-edible when mixed with raw milk & curd (prepared from raw milk) etc.
दो दल वाले धान्य आदि को कच्चे दूध या कच्चे दूध से निर्मित दही-छाछ के साथ मिलाने पर वह अभक्ष्य द्विदल कहलाता है। वर्तमान में कुछ लोग गर्म प्रासुक दूध और दही में भी इन वस्तुओं को मिलाकर द्विदल मानकर अभक्ष्य कहते हैं, किन्तु 'आमगोरससम्पृक्तं' इत्यादि सागारधर्मामृत जैसे ग्रंथों के प्रमाणानुसार यह गलत है ।

द्विपद – *Dvipada.*
Having two feet.
दो पैर वाला ।

द्विपर्वा – *Dviparvā.*
A super knowledge of medicine.
एक औषध विद्या, दिति-अदिति द्वारा नमि और विनमि विद्याधरों को दी हुई 16 निकायों की विद्याओं में एक विद्या ।

द्विपृष्ठ – *Dvipṛṣṭha.*
The second *Narayana* of the present era.
वर्तमान युग में द्वितीय नारायण, जिसने कोटिशिला को अपने मस्तक तक ऊपर उठा लिया था ।

द्विरद – *Dvirada.*
An elephant. The first of the 16 dreams which was seen by the mother of *Tirthankar* (Jaina-Lord) at the time of *Garbhakalyanak*.
हाथी, तीर्थंकर की माता द्वारा गर्भावस्था में देखे गये 16 स्वप्नों में प्रथम स्वप्न ।

द्विरूप वर्ग धारा – *Dvirupa Varga Dhārā.*
Dyadic square sequence.
14 धाराओं में एक, जिसमें दो के वर्ग से प्रारम्भ कर पूर्व-पूर्व स्थानों का वर्ग करते हुये उत्तर-उत्तर स्थान प्राप्त होते हैं ।

द्विरूप घन धारा – *Dvirūpa Ghana Dhārā.*
Dyadic cube sequence.
14 धाराओं में एक; द्विरूप वर्गधारा में जो-जो वर्ग रूप राशि है, उन वर्गरूप राशियों की जो घनरूप राशि है उनकी धारा को द्विरूप घनधारा कहते हैं। $(2^3, 2^{3+1}, 2^{3+1+1}$..............) ।

द्विरूप घनाघन धारा – *Dvirūpa Ghanāghana Dhārā.*
Dyadic cube non cube sequence
14 धाराओं में एक; 2 के घन का घन करके फिर वर्ग करना। $(2^3)^3, (2^3)^{3+1}, (2^3)^{3+1+1}$.............. ।

द्विसंधान महाकाव्य – *Dvisaṁdhāna Mahākāvya.*
A treatise written by Dhananjaya.
पाण्डव चरित्र पर धनन्जय कवि द्वारा रचित एक ग्रंथ। जिसमें रामायण और महाभारत दोनों कथाओं से संबंधित अर्थ निकलता है ।

द्विस्थानीय – *Dvisthānīya.*
A type of actual fruition of *Karmic* matters
अनुभाग बंध, अप्रशस्त प्रकृतियों की अपेक्षा लता दारु रूप अथवा नीमकांजीर रूप तथा प्रशस्त प्रकृतियों की अपेक्षा गुड़-खाण्ड रूप बंध ।

द्वीन्द्रिय जाति नामकर्म – *Dvīndriya Jāti Nāmakarma.*
A *Karmic* nature causing birth in the form of two sensed beings.
वह कर्म प्रकृति जिससे द्वीन्द्रिय जाति प्राप्त हो जैसे-शंख, सीप इत्यादि ।

द्वीन्द्रिय जीव – *Dvīndriya Jīva.*
That which has two senses.
जिन जीवों के स्पर्शन-रसना दो इन्द्रियां होती हैं, शंख कृमि आदि ।

द्वीप – *Dvīpa.*
Island, continent surrounded by sea.
मध्यलोक में स्थित समुद्रों से वेष्टित जम्बूद्वीपादि भूखण्डों को द्वीप कहते हैं। मध्यलोक में असंख्यात द्वीप हैं ।

द्वीपकुमार – *Dvīpakumāra.*
A type of deities (having abodes)
भवनवासी देवों का एक भेद ।

द्वीपसागरप्रज्ञप्ति – *Dvīpasāgaraprajñapti.*
A type of scriptural knowledge (*shrutgyan*).
अंग श्रुतज्ञान का एक भेद, दृष्टिवाद (12 वें अंग) का एक भेद; जिसमें असंख्यात द्वीप व सागरों का 52 लाख 36 हजार पदों में वर्णन है ।

द्वीपसागर सिद्ध – *Dvīpasāgara Siddha.*
The soul who gets salvation from some island,

ocean
द्वीप-सागर से मुक्त होने वाले जीव ।

द्वीपायन – *Dvīpāyana.*
A king of *Kuru* dynasty, by whose passionate anger Dwarika was burnt when he was in *Muni* stage
कुरुवंश के एक राजा, जो आगे चलकर एक मुनि हुए जिनके क्रोध से द्वारिका भस्म हुई। इनका अपरनाम-द्वैपायन मुनि भी है। विशेष कथा हरिवंशपुराण एवं पाण्डवपुराण में देखें ।

द्वीपार्धचक्रवाल – *Dvīpārdhacakravāla.*
Name of *Manushottar* mountain.
मानुषोत्तर पर्वत ।

द्वेष – *Dveṣa.*
Aversion, Antipathy, Hatred.
अप्रीति या वैरभाव होना। क्रोध, मान, अरति, शोक, जुगुप्सा, भय ये सभी द्वेष के ही रूप हैं ।

द्वेषकी क्रिया – *Dveṣakī Kriyā.*
A kind of activity of violence
एक प्रकार की हिंसा क्रिया ।

द्वेषोदय – *Dveṣodaya.*
Fruition of *Karmas* related to anger, malice etc.
क्रोधादि द्वेष प्रकृतियों का उदय ।

द्वैत – *Dvaita.*
Nature of duality.
बन्ध और मोक्ष, राग और द्वेष, कर्म और आत्मा तथा शुभ और अशुभ इस प्रकार की बुद्धि द्वैत के आश्रय से होती है ।

द्वैतनय – *Dvaitanaya.*
A viewpoint that mind and matter are two different elements.
दृष्टि; जिसकी अपेक्षा ज्ञान-ज्ञेय, पर के प्रतिबिम्बों से सम्पृक्त दर्पण की तरह अनेक है ।

द्वैत पक्ष – *Dvaita Pakṣa.*
Doctrine of dualism.
वैशेषिक; द्रव्य गुण, कर्म आदि को सर्वथा भिन्न मानने वाला पक्ष (मत) ।

द्वैतवाद – *Dvaitavāda.*
Doctrine of dualism (related to spiritual matters).
आत्मा और परमात्मा को तथा पुरुष-प्रकृति को पृथक् मानना।

द्वैताद्वैत नय – *Dvaitādvaita Naya.*
Viewpoint of dualism and non-dualism.
एक दृष्टिकोण जिसके अनुसार आत्मद्रव्य ज्ञान ज्ञेय अद्वैत नय से पश्चात् ईंधन समूहरूप परिणत अग्नि की भांति एक है एवं द्वैतरूपनय से पर के प्रतिबिम्बों से सम्पृक्त दर्पण की भांति अनेक है ।

द्वैताद्वैतवाद – *Dvaitādvaitavāda.*
Name of a *Vedant* philosophy (*Nimbak*).
निम्बक वेदांत; (ई.12) में निम्बार्काचार्य ने इसकी स्थापना की, वेदांत पारिजात, सौरभ व सिद्धांतरत्न इसके प्रमुख अंग हैं।

द्वैधीभाव – *Dvaidhībhāva.*
Dual nature as a virtue of king
राजा का एक गुण, शत्रुओं से यथावश्यक संधि और विग्रह करा देना ।

द्वैपायन – *Dvaipāyana.*
See - *Dvīpāyana.*
देखें - द्वीपायन ।

ध

ध – *Dha*

The nineteenth consonant of *Devanagari* syllabary.
देवनागरी वर्णमाला का उन्नीसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण-स्थान दन्तमूल है ·

धनंजय – *Dhanamjaya.*

A *Digambar* Jain poet.
दिगम्बर आम्नाय के एक कवि (धनंजय नाममाला, विषापहार स्तोत्र आदि के कर्ता) ।

धनंजय निघण्टु – *Dhanamjaya Nighantu.*

A Sanskrit dictionary.
एक संस्कृत शब्दकोष ।

धन – *Dhana.*

Wealth, That which consists of wealth such as money, property, cow etc.
रुपया, पैसा, सोना, मकान आदि सम्पत्ति ।

धनकुमारचरित्र – *Dhanakumāracaritra.*

A book written by *Acharya* Gunbhadra
आचार्य गुणभद्र (ई. 1182) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

धनद – *Dhanada.*

Lord of wealth (*Dhankuber*), Name of a guardian deity (*Lokpal*).
धन कुबेर, तीर्थंकर भगवान के पंचकल्याणकों में रत्नवृष्टि करने वाले एवं समवसरण की रचना करने वाले देव, चार दिशाओं में से उत्तर दिशा के लोकपाल का नाम ।

धनद कलश व्रत – *Dhanada Kalaśa Vrata.*

A vow of worshipping Lord Arihant with all 8 auspicious *Dravyas* (articles).
व्रत; भाद्रपद कृ. 1 से 15 तक पूरे महीने प्रतिदिन चन्दनादि मंगलद्रव्ययुक्त कलशों से जिनभगवान् का अभिषेक व पूजन करना।

धनदेव – *Dhanadeva.*

Name of the 6th chief disciple of Lord Rishabhanath, The son of Kuberdatta.
ऋषभनाथ के छठे गणधर, एक वैश्य कुबेरदत्त का पुत्र ।

धनधान्य प्रमाणातिक्रम – *Dhanadhānya Pramāṇātikrama.*

Exceeding the set limits of grains, cattle and wealth (an infraction).
परिग्रह परिमाणव्रत का एक अतिचार : धन, गाय, भैंस एवं धान्य पदार्थ संग्रह के लिए की हुई मर्यादा का उल्लंघन करना।

धनपति – *Dhanapati.*

Lord of wealth, The name of Lord Arahnath in the past birth
धनकुबेर (देखें-धनद), अरहनाथ भगवान के पूर्व भव का नाम।

धनपाल – *Dhanapāla.*

A type of peripatetic celestials, Name of the writer of 'Bhavisyadatta Charitra'.
यक्ष जाति के व्यंतर देवों के 12 भेदों में नवां भेद, 'भविष्यदत्त चरित्र' प्राकृत के कर्ता ।

धनपालक – *Dhanapālaka.*

The 60th chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 60 वें गणधर का नाम ।

धनप्रभ – *Dhanaprabha.*

A king of *Rakshas* dynasty.
राक्षसवंश का एक राजा ।

धनराशि – *Dhanarāśi.*

Set of positive quantity, Quantity which is to be added into the principal amount.
जिस राशि को मूल राशि से जोड़ा जाये वह धनराशि कहलाती है।

धनवाहिक – *Dhanavāhika.*

Name of a chief disciple (*Gandhar*) of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम ।

धनश्री – *Dhanaśrī.*

Name of a wealthy woman.
सेठानी, जो हिंसा पाप में प्रसिद्ध हुई है ।

धनाधीश – *Dhanādhīśa.*

Kuber, the semi-god of wealth.
कुबेर; इन्द्र की आज्ञा से जो तीर्थंकरों के गर्भ के 6 माह पूर्व से रत्नवृष्टि एवं समवशरण की रचना करता है ।

धनिष्ठा – *Dhaniṣṭhā.*

Name of a lunar.
एक नक्षत्र का नाम ।

धनुष – *Dhanuṣa.*

A bow, an area unit.
क्षेत्र का एक प्रमाण (4 हाथ का एक धनुष) । दण्ड, युग, मूसल, नाली ये अपरनाम हैं ।

धनुषपृष्ठ – *Dhanuṣapṛṣṭha.*

Surface of an arc.
किसी भी धनुष इकाई की सतह ।

धन्य – *Dhanya.*

Felicitous, Name of a saint of the era of Lord Mahavira.
अभिनंदनीय; एक मुनि भगवान महावीर के तीर्थ के अनुत्तरोपपादकों में से एक ।

धन्यकुमारचरित्र – *Dhanyakumāracaritra.*

See – *Dhanakumāracaritra.*
देखें - धनकुमारचरित्र ।

धन्वन्तरि – *Dhanavantari.*

The semi god of health.
स्वास्थ्य के देवता, मेरुदत्त सेठ के आयुर्वेदिक परामर्शदाता ।

धम्मपरिक्खा – *Dhammaparikkhā.*

A book written by Harishena

धर्मपरीक्षा, ई.सन् ९८७ में हरिषेण कृत एक ग्रंथ ।

धम्मरसायण – *Dhammarasāyaṇa.*

A book written by a saint, Padmanandiji

मुनि पद्मनन्दि (ई. ९७७) कृत एक ग्रंथ ।

धरण – *Dharaṇa*

A weighing unit, Father's name of Lord Padmaprabh, The son of Lakshaman, Name of an island situated in *Videh Kshetra* (region).

तौल का एक प्रमाण, तीर्थंकर पद्मप्रभ के पिता, लक्ष्मण का पुत्र, विदेहक्षेत्र पूर्व दिशा में स्थित एक द्वीप ।

धरणा – *Dharaṇā.*

Name of the *Ganini* (chief *Aryika*) in the holy assembly of Lord Sheetalnath.

शीतलनाथ भगवान के समवशरण की गणिनी (मुख्य आर्यिका) का नाम ।

धरणानंद – *Dharaṇānanda.*

Name of the second *Indra* of *Nagkumar* deities.

भवनवासी नागकुमार देवों का द्वितीय इन्द्र, अधोलोक में प्रथम पृथ्वी के खर भाग में इनके भवन हैं ।

धरणी – *Dharaṇī.*

The earth, Installation, A city in the north of *Vijayardh* (mountain), The name of the *Ganini* (chief *Aryika*) in the *Samavasharan* of Lord Shreyansnath

पृथिवी, स्थापना, प्रतिष्ठा, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, श्रेयांसनाथ भगवान के समवशरण में गणिनी (मुख्य आर्यिका) का नाम ।

धरणीतिलक – *Dharaṇītilaka.*

A city of *Bharat Kshetra* (region), A city in the south of *Vijayardh* mountain.

भरतक्षेत्र का एक नगर, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

धरणीधर – *Dharaṇīdhara.*

A king of 'Ayodhya' of *Ikshvaku* dynasty.

इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न अयोध्या का एक राजा ।

धरणीमौलि – *Dharaṇīmauli.*

A great mountain which is well known by the name *Kishkindhgiri.*

एक पर्वत, जो किष्किंधगिरि के नाम से विख्यात है ।

धरणेंद्र – *Dharaṇendra.*

Name of the governing demigod of Lord Parshvanath.

भगवान पार्श्वनाथ का शासन यक्ष, जिसने तपस्या करते समय उनका उपसर्ग निवारण किया था ।

धरसेन – *Dharasena.*

The spiritual teacher or preceptor of *Acharya* Pushpadant and Bhootbali.

एक आचार्य, जिन्होंने पुष्पदंत-भूतबली को जैन सिद्धांत पढ़ाया और इन दोनों आचार्यों ने धवलादि मूल ग्रंथों की रचना की।

धराधर – *Dharādhara.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

धर्म – *Dharma.*

Religion, Daily observances of religious rites.

"उत्तमे सुखे धरतीति धर्मः" अर्थात् जो प्राणियों को उत्तम सुख में पहुँचा दे, उपासना करना, सत्कर्म ।

धर्म (नाम) – *Dharma (Nāma).*

Name of chief disciples (*Gandhars*) of Lord Vasupujya and Lord Shreyansnath, Name of the 3rd *Baldev*, Another Name of *Acharya* Dharmasen

वासुपूज्य एवं श्रेयांसनाथ भगवान के प्रमुख गणधर, तीसरे बलदेव, श्रुतकेवली आचार्य धर्मसेन का अपरनाम ।

धर्म (पुरुषार्थ) – *Dharma (Puruṣārtha).*

One of the four essential duties of a householder i.e. to follow religion.

४ पुरुषार्थों (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) में प्रथम पुरुषार्थ, धर्म रूप चेष्टा जो सभी सुखों की दाता है ।

धर्म (स्वभाव) – *Dharma (Svabhāva).*

The real nature of an element

वस्तु का स्वभाव ही धर्म है ।

धर्म अनुप्रेक्षा – *Dharma Anuprekṣa.*

Contemplation of religion

धर्म के स्वरूप का बारबार चिंतन करना ।

धर्म अवर्णवाद – *Dharma Avarṇavāda.*

Wrong or ill speaking about right religion.

जिनेंद्र कथित अहिंसा धर्म में झूठे दोष लगाना, धर्म की निंदा करना ।

धर्म उपकार – *Dharma Upakāra.*

Beneficial acts to overcome one from the troubles of mundane life to get one into the right pleasure (bliss)

जीवों को संसार के दुःखों से निकालकर उत्तम सुख में पहुंचाना धर्म-उपकार है ।

धर्मकथा – *Dharmakathā.*

Religious story.

धर्म में दृढ़ करने वाली कथा, आक्षेपिणी, विक्षेपिणी, संवेदिनी, निर्वेदिनी के भेद से ४ प्रकार की है ।

धर्मकर्त्ता – *Dharmakartta.*

The propagators (Omniscient, Preceptors) of the religion (reg. salvation)

सर्वज्ञदेव, गणधर, आचार्य धर्म के कर्ता कहलाते हैं ।

धर्मकीर्ति – *Dharmakīrti.*

Name of a Bauddha philosopher.

एक बौद्ध गुरु ।

धर्मघोष - *Dharmaghoṣa.*
A writer of 'Chintamani Parshvanath Kalp' etc.
चिंतामणी पार्श्वनाथ कल्पादि के कर्ता ।

धर्मचक्र - *Dharmacakra.*
Reverential wheel related to *Samavasharan* – assembly of Jaina Lord.
तीर्थंकर जिनेन्द्र के समवशरण में विद्यमान देवोपनीत चक्र, हजार आरों वाले ये धर्मचक्र समवशरण की चारों दिशाओं में होते हैं

धर्मचक्र विधान - *Dharmacakra Vidhāna.*
A worshipping book written by *Arvika* Shri Abhayamati Mataji.
गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से आर्यिका श्री अभयमती माताजी (ई.श. 20 शताब्दि) द्वारा रचित एक पूजा विधान पुस्तक ।

धर्मचक्र व्रत - *Dharmacakra Vrata.*
A type of vow (fasting).
एक व्रत; धर्मचक्र के 1000 आरों की अपेक्षा से एक उपवास और एक पारणा के क्रम से हजार उपवास, आदि अंत में पृथक् रूप से बेला किया जाता है ।

धर्मचक्री - *Dharmacakri.*
Lord Jinendra having *Dharmachakra* ahead
जिनेन्द्र देव; इनके आगे धर्मचक्र चलता है ।

धर्मदत्तचरित्र - *Dharmadattacaritra.*
A book written by *Acharya* Dayasagar Suri.
आचार्य दयासागर सूरि (ई. 1429) कृत एक ग्रंथ ।

धर्मद्रव्य - *Dharmadravya*
Medium of motion of *Jiva* & *Pudgal*, one of the six entities (matters).
6 द्रव्यों में एक द्रव्य; जो जीव व पुद्गल के गमन में सहायक, अचेतन एवं अरूपी है ।

धर्मधर - *Dharmaṁdhara.*
Name of the writer of 'Nagkumar Charit' and 'Shreepal Charit'
नागकुमार चरित्र तथा श्रीपाल चरित्र के रचयिता ।

धर्मध्यान - *Dharmadhyāna.*
Righteous (religious) meditation.
4 ध्यानों में एक; शुभध्यान इसके 4 भेद हैं–आज्ञा विचय, अपाय विचय, विपाक विचय और संस्थान विचय ।

धर्मनंदि - *Dharmanaṁdi.*
A *Bhattarak* of *Nandi* group.
नन्दिसंघ बलात्कारगण के एक भट्टारक ।

धर्मनाथ - *Dharmanātha.*
Name of the 15th *Tirathankara* (Jaina-Lord).
वर्तमानकालीन 24 तीर्थंकरों में से 15वें तीर्थंकर का नाम, जिनका जन्म रत्नपुरी (निकट अयोध्या, उ.प्र.) एवं मोक्ष सम्मेदशिखर जी से हुआ ।

धर्मपत्नी - *Dharmapatni*
A lawfully married woman.
अपनी ही जाति की जिस कन्या के साथ अग्नि की साक्षीपूर्वक विवाह किया जाता है एवं जो पूजा प्रतिष्ठा धर्म आदि शुभकार्यों में साथ रहती है ।

धर्मपरीक्षा - *Dharmaparīkṣā.*
A book written by *Acharya* Amitgati
आचार्य अमितगति द्वारा वि. 1070 में रचित एक ग्रंथ या कथानक ।

धर्मपात्र - *Dharmapātra.*
Religious characters like saint, householders etc.
उत्तम धर्म के साधने वाले उत्तम (मुनि), मध्यम (श्रावक) व जघन्य (अविरत सम्यग्दृष्टि) पात्र ।

धर्मपाल - *Dharmapāla.*
Name of a *Bauddha* philosopher.
नालन्दा विश्वविद्यालय के आचार्य एक बौद्ध नैयायिक थे ।

धर्मपुत्र - *Dharmaputra.*
Another name of Yudhishthir
अपरनाम-युधिष्ठिर ।

धर्मप्रभावना - *Dharma Prabhāvanā.*
Propagation of religion.
धर्म की प्रभावना करना, समुचित रीति से अज्ञानरूपी अंधकार को हटाकर जैनधर्म की महिमा को फैलाना ।

धर्मप्रिय - *Dharmapriya.*
Zealous in religion, Name of the grandfather of Jambuswami; father's name of Arheddas.
धर्मानुरागी, जम्बूस्वामी के पितामह; अर्हद्दास के पिता ।

धर्मफल - *Dharmaphala.*
Attainment of all virtuous things (reg. wealth, health, beauty etc.).
राज्य, संपदाएं, भोग्य, योग्य कुल में जन्म, सुरूपता, आयु, आरोग्य आदि की उपलब्धि (धर्म पालन के पुण्य से प्राप्त)।

धर्मभावना - *Dharmabhāvanā.*
See – *Dharma Anuprekṣā.*
देखें – धर्म अनुप्रेक्षा ।

धर्मभूषण (भट्टारक) - *Dharmabhūṣaṇa (Bhaṭṭāraka).*
A *Bhattarak* who wrote 'Parmeshthi Puja', etc. many books.
परमेष्ठीपूजा, रत्नत्रयोद्यापन आदि के कर्ता ।

धर्मभूषण - *Dharmabhūṣaṇa.*
Name of a great *Acharya*, An *Acharya* of *Nandi* group.
एक आचार्य जिनके आदेश पर गोम्मटसार की कर्नाटक भाषा में वृत्ति लिखी गई थी, नन्दिसंघ के एक आचार्य–न्यायदीपिका प्रमाण विस्तार के कर्ता ।

धर्ममंत्र – *Dharmamantra.*
Auspicious mystic words
गर्भाधान आदि क्रियाओं में व्यवहृत पीठिका और जाति मंत्र ।

धर्ममित्र – *Dharmamitra.*
A king who gave first food (reg. *Parana*) to Lord Kunthunath at Hastinapur
एक राजा; कुंथुनाथ तीर्थंकर को हस्तिनापुर में प्रथम पारणा कराने वाले ।

धर्ममित्रार्य – *Dharmamitrārya*
A king who got salvation with Bharat *Chakravarti*.
भरत चक्रवर्ती के साथ दीक्षित तथा निर्वाण प्राप्त एक नृप ।

धर्ममूढ़ता – *Dharmamūḍhatā.*
Religious ignorance. silliness.
लोकमूढ़ता; धर्मलाभ मानकर नदी-समुद्र आदि में स्नान करना, बालू, पत्थर आदि का ढेर लगाना, पर्वत से गिरना, अग्नि में जलना आदि ।

धर्मयुगल – *Dharmayugala.*
Religious philosophy of polytheism
अनेकांत; प्रतिपक्ष धर्म सहित सत्ता (जैसे –नित्य-अनित्य, सत्ता-असत्ता आदि) ।

धर्मरत्न – *Dharmaratna.*
A saint who was the Initiator (preceptor) of Hanuman
एक मुनि; हनुमान के दीक्षागुरु ।

धर्मरत्नाकर – *Dharmaratnākara.*
A book written by *Acharya* Jaisen
आचार्य जयसेन (ई. 998) कृत सप्ततत्त्व निरूपक एक संस्कृत श्लोकबद्ध श्रावकाचार ।

धर्मरथ – *Dharmaratha.*
Name of a great saint.
मुनि; जिनके पास रावण ने प्रतिज्ञा ली थी कि जो परस्त्री मुझे न चाहेगी उसके साथ बलात्कार न करूंगा ।

धर्मरसिक – *Dharmarasika.*
Name of a book written on lustral anointment of Lord Idols.
पंचामृत अभिषेक आदि पर रचित एक ग्रंथ ।

धर्मरुचि – *Dharmaruci.*
Devotion towards religion, Past-birth name of a *Chakravarti* 'Sanatkumar'.
धर्म के प्रति रुचि होना, चक्रवर्ती 'सनत्कुमार' के पूर्व भव का नाम ।

धर्मलक्षण – *Dharmalakṣaṇa.*
Basic characteristics of religion, Nature of a substance.
सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यग्चारित्र – ये धर्म के लक्षण हैं। वस्तु का स्वभाव भी धर्मलक्षण कहा जाता है ।

धर्मविलास – *Dharmavilāsa.*
Name of a religious book written by *Pandit* Dyanatrai
पं. द्यानतराय (ई. 1733) द्वारा रचित एक पदसंग्रह ।

धर्मवीर्य – *Dharmavīrya.*
Name of the main listener in the assembly (*Samavasharan*) of Lord Padmaprabhu
पद्मप्रभु भगवान के मुख्य श्रोता का नाम ।

धर्मशर्माभ्युदय – *Dharmaśarmābhyudaya.*
Name of two books (1) written by poet Asag (2) written by poet Harichand
कवि असग (ई. 988) कृत धर्मनाथ तीर्थंकर चरित, कवि हरिचन्द (ई. 10 का मध्य) कृत एक संस्कृत काव्य ।

धर्मश्रवण – *Dharmaśravaṇa.*
The act of listening to sacred books etc
धर्म शास्त्र आदि को सुनना ।

धर्मश्री – *Dharmaśrī.*
Name of the chief *Aryika (Ganini)* in the assembly of Lord Sambhavnath
संभवनाथ भगवान के समवसरण में गणिनी आर्यिका (मुख्य आर्यिका) का नाम ।

धर्मसंग्रह – *Dharmasaṁgraha.*
A book written by a poet Medhavi
10 अधिकारों में बद्ध कवि मेधावी (वि. 1541) की एक रचना ।

धर्मसागर – *Dharmasāgara*
A disciple of *Acharya* Veersagar
आचार्य श्री वीरसागर महाराज के शिष्य, चारित्रचक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज की पट्ट परम्परा के तृतीय पट्टाधीश आचार्य (ई. सन् 1969–1987 तक) ।

धर्मसागर स्वामी (सिंहसंघ) – *Dharmasāgara Svāmī (Siṁhasaṁgha).*
A writer who wrote 'Jeev Vichar', Saptatatvi etc books.
जीव विचार, सप्ततत्त्वी, नयचक्र, नवपदार्थी, द्रव्यचक्र आदि के कर्ता ।

धर्मसूरि – *Dharmasūri.*
A disciple of *Acharya* Mahendrasuri
आचार्य महेन्द्रसूरि के शिष्य (ई. 1209) एवं जम्बूस्वामी रासा के कर्ता ।

धर्मसेन – *Dharmasena.*
Name of a great *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas*, Name of a *Bhattarak*
एक आचार्य; 11 अंग 10 पूर्व के ज्ञाता 11 महामुनियों में 11 वें मुनि, भट्टारक; सज्जन चित्तवल्लभ चरित्र के कर्ता ।

धर्मस्थल (तीर्थ) – *Dharmasthala (Tirtha).*
Name of a famous Jain place of pilgrimage in Karnataka state, where a grand idol of Lord Bahubali has been consecrated by *Dharmadhikari* Shri Virendra Hegde.
कर्नाटक का एक प्रसिद्ध तीर्थ, जहाँ धर्माधिकारी श्री वीरेन्द्र हेगड़े

द्वारा भगवान बाहुबली की विशाल प्रतिमा की स्थापना की गई है।

धर्मस्थान – *Dharmasthāna.*

The place for performing religious rituals (pilgrimages, temples etc.)
तीर्थक्षेत्र, जिनालय आदि स्थान ।

धर्मस्वाख्यात तत्त्व – *Dharmasvākhyāta Tattva.*

Truth proclaimed by religion
यथार्थ धर्म का निजस्वरूप ।

धर्माकर दत्त – *Dharmākara Datta.*

Another name of poet Archal
अर्चट कवि का अपर नाम ।

धर्माचार्य – *Dharmācārya.*

Religious leader, a virtuous person
गणाधिप (गणधर), चतुर्विध संघ के आचार्य ।

धर्मानुप्रेक्षा – *Dharmānuprekṣā.*

See – *Dharma Anuprekṣā.*
देखें - धर्म अनुप्रेक्षा ।

धर्मानुराग – *Dharmānurāga.*

Religious zeal or devotion.
धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हुए उसका जीवन पर्यंत पालन करना ।

धर्मामृत – *Dharmāmṛta.*

A book written by *Acharya* Nayasen.
आचार्य नयसेन (ई. 1125) कृत 14 कथाओं का एक संग्रह ।

धर्मार्या – *Dharmāryā.*

See - *Dharmaśrī.*
देखें – धर्मश्री ।

धर्मास्तिकाय – *Dharmāstikāya.*

One of the 5 entities (matters), spatially extended.
5 अस्तिकाय द्रव्यों में एक द्रव्य, जो बहुप्रदेशी और अजीव है। यह जीव एवं पुद्गल की गति में सहकारी होता है ।

धर्मी – *Dharmī.*

A religious person.
जिसमें धर्म (स्वभाव) पाया जाता है ।

धर्मोपदेश – *Dharmopadeśa.*

Religious sermon.
स्वाध्याय तप का एक भेद; धर्म का उपदेश देना ।

धर्मोपदेशपीयूषवर्षा श्रावकाचार – *Dharmopadeśapīyūṣavarṣā Śrāvakācāra.*

Name of a book.
ई. सन् 1518-28 में रचित एक ग्रंथ ।

धर्मोपदेष्टा – *Dharmopadeṣṭā.*

Preceptor, Religious teacher (saint or sage).
वक्ता, धर्म का उपदेश देने वाला, जो समस्त श्रुत को जानता है एवं जिसके मन, वचन, काय की प्रवृत्ति शुद्ध है ।

धर्म्य – *Dharmya.*

Virtuous concentration.
उत्तम क्षमादि लक्षण वाला धर्म है, जो धर्म से युक्त होता है वह धर्म्य है ।

धव – *Dhava.*

Name of the initiation-tree of Lord Parshvanath.
पद्मपुराण के अनुसार भगवान पार्श्वनाथ के दीक्षा वृक्ष का नाम, उत्तरपुराण के अनुसार दीक्षा वृक्ष देवदारु है ।

धवल (कवि) – *Dhavala (Kavi).*

A poet, the writer of 'Harivanshpuran'.
अपभ्रंश भाषाबद्ध हरिवंश पुराण के कर्ता ।

धवल रुधिर – *Dhavala Rudhira.*

One of the excellences of Lord Arihant, to have milky blood
भगवान अर्हंत के जन्म के 10 अतिशयों में एक, दूध के समान धवल रुधिर ।

धवल सेठ – *Dhavala Seṭha.*

A wealthy person of Kaushambi city
कौशाम्बी नगर का एक सेठ, श्रीपाल को समुद्र में गिराने वाला।

धवला (टीका) – *Dhavalā (Ṭīkā).*

A book written by *Acharya* Virsen
आचार्य भूतबलि (ई. 136-156) कृत षट्खण्डागम ग्रंथ के प्रथम 5 खण्डों पर आचार्य वीरसेन स्वामी (ई.816) द्वारा लिखित विस्तृत टीका ।

धातकीखंड (द्वीप) – *Dhātakīkhaṃḍa (Dvīpa).*

An island situated in middle universe.
मध्यलोक में स्थित द्वितीय द्वीप जिसकी सब रचना जम्बूद्वीप से दूनी-दूनी है ।

धातकीखंडसिद्ध – *Dhātakīkhaṃḍasiddha.*

Beings who get salvation from *Dhatkikhand* (island).
धातकीखंड द्वीप से सिद्ध होने वाले जीव ।

धातकी वृक्ष – *Dhātakī Vṛkṣa.*

Particular tree situated in *Dhatkikhand* (island).
धातकीखंडद्वीप में पृथ्वीकायिक रत्नों से निर्मित आंवले का वृक्ष, जिससे धातकीखण्ड द्वीप का नाम सार्थक होता है। इसके परिवारवृक्ष 2 लाख 80 हजार 238 हैं ।

धातु – *Dhātu.*

Metal (like gold, silver, brass etc.) particular 7 elements in the body like blood, bone, flesh etc.
पीतल, सोना, चाँदी इत्यादि धातु कहलाती हैं और शरीर में पाये जाने वाले 7 द्रव्य (धातु)-खून, अस्थि, मज्जा आदि को धातु कहते हैं ।

धातु चतुष्क – *Dhātu Catuṣka.*

Earth, water, fire, air are called *Dhatu Chatushka*
पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु ।

धान्य – *Dhānya.*

Corn, grain such as rice, wheat etc. (cereals).
बाह्य परिग्रह का एक भेद; जौ, गेहूं, चना आदि ।

धान्य मान प्रमाण – *Dhānya Māna Pramāṇa.*

Measuring unit for cereals.

धान्य मापने का एक मान ।

धान्यमाष फल – *Dhānyamāṣa Phala.*

A weighing unit

तौल का एक प्रमाण विशेष। 16 श्वेत सर्षप फल = 1 धान्यमाष फल ।

धान्यरस – *Dhānyarasa.*

Rice water, cereals juice etc

गेहूँ, सोयाबीन आदि का दूध एवं चावल का माँड आदि को धान्यरस कहते है ।

धारणा – *Dhāraṇā.*

Retention of known objects.

मतिज्ञान के 4 भेदों में एक भेद, अवायज्ञान के द्वारा जाने गये पदार्थ का विस्मरण नहीं होना ।

धारणा – *Dhāraṇā.*

5 conceptual stages of meditation (*Pindastha*).

पिण्डस्थ ध्यान की 5 धारणाएँ मानी हैं–पार्थिवी, आग्नेयी वायवी, वारुणी एवं तत्त्वरूपवती ।

धारणा (नाम) – *Dhāraṇā (Nāma).*

Chief *Aryika's (Ganini's)* name in the assembly of Lord Shrayansnath.

श्रेयांसनाथ भगवान के समवसरण की गणिनी–मुख्य आर्यिका का नाम ।

धारणावरणी कर्म – *Dhāraṇāvaraṇī Karma.*

Karmas obscuring the retentive power of knowledge.

एक प्रकार का कर्म जो धारणा शक्ति पर आवरण डालता है तथा इसके तीव्र क्षयोपशम से कोष्ठबुद्धिनामक ऋद्धि भी प्रगट होती है ।

धारणी – *Dhāraṇī.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

धारा – *Dhārā.*

Flow, Sequences (related to maths).

प्रवाह, गणित संबंधी सर्वधारा, वर्गधारा आदि 14 धारा ।

धारागृह – *Dhārāgṛha.*

Name of a dominion '*Sheetgrah*' of Bharat Chakravarti (an emperor).

भरत चक्रवर्ती की एक विभूति 'शीतगृह' (श्रम–विनाशी स्नानगृह) का नाम ।

धाराचारण ऋद्धि – *Dhārācāraṇa Ṛddhi.*

A type of super natural power (violenceless movement).

चारण ऋद्धि का एक भेद; जिसके प्रभाव से मुनि मेघों से छोड़ी गयी जलधाराओं में स्थित जीवों को पीड़ा न पहुंचाकर उनके ऊपर से जाते हैं ।

धारा नगरी – *Dhārā Nagarī.*

Present Dhar city in Madhya pradesh, where Mantun-gacharya composed Bhaktamar Stotra

मध्यप्रदेश का एक नगर; जहाँ के कारागार में मानतुंग आचार्य द्वारा भक्तामर स्तोत्र की रचना हुई ।

धारावाहिक ज्ञान – *Dhārāvāhika Jñāna.*

Continuous contemplation of anything

किसी विषय विशेष का शृंखलाबद्ध ज्ञान ।

धारिणी – *Dhāriṇī.*

A type of knowledge related to medicines.

एक औषध विद्या ।

धार्मिक क्रिया – *Dhārmika Kriyā.*

Religious activity.

धार्मिक क्षेत्र में श्रावक व साधुजन द्वारा किया जाने वाला कायिक अनुष्ठान इत्यादि ।

धिक् – *Dhik.*

A type of reproach

आरम्भिक दंड व्यवस्था का एक भेद; "धिक्कार है–जो रोकने पर भी अपराध करते हो।" इस दण्ड व्यवस्था का प्रयोग अंतिम 5 कुलकरों द्वारा किया जाता था ।

धीमान् – *Dhīmān.*

Wise, Intelligent, A king of *Yadu* dynasty

बुद्धिमान (विद्वान्), यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

धीर – *Dhīra.*

Fortitude, Resolute, Patient, Father's name of Lord Mallinath (of past birth).

घोर उपसर्गों पर विजय प्राप्त करने वाले (आचार्य आदि) अथवा ध्येयों के प्रति जिनकी बुद्धि गमन करती है या प्रेरणा करती है उन्हें धीर कहते हैं। मल्लिनाथ तीर्थंकर के पूर्वभव के पिता ।

धृतरथ – *Dhṛtaratha.*

A king of *Kuru* dynasty.

कुरुवंश का एक राजा ।

धूप – *Dhūpa*

Fragrant gum or resin; one of the 8 worshipping articles of Lord Arihant

जिन भगवान की पूजन की अष्टद्रव्य सामग्री का एक द्रव्य, जिसके अग्नि में 'खे' (स्वाहा) कर अष्टकर्मों को दहन करने की भावना भायी जाती है ।

धूपघट – *Dhūpaghaṭa.*

Aromatic & lustrous pots kept in *Samavsharan* – holy assembly of Lord

समवशरण की नाट्यशालाओं के आगे वीथियों के दोनों ओर धूपधूम्र से युक्त पात्र ।

धूपदशमी व्रत – *Dhūpadaśamī Vrata.*

A vow (fasting) on the day of *Dhupadashmi*, one of the Jaina festival.

दशलक्षण पर्व में आने वाली दशमी को शीतलनाथ भगवान की पूजा–अर्घ्य एवं उपवास करना। धूपदशमी के दिन मंदिरों

से सामूहिककल्प में अग्नि में धूप खेने की प्राचीन परम्परा है ।

धूम – *Dhūma.*
Name of a planet.
ज्योतिषी के 88 ग्रहों में से 24 वां ग्रह ।

धूमकेतु – *Dhūmaketu*
Name of a planet (comet). Name of a demon.
ज्योतिषी के 88 ग्रहों में 25 वां ग्रह, कुशस्थलगामी एक असुर; जिसका विमान रुक्मिणी के महल पर रुक गया था ।

धूमचारणऋद्धि – *Dhūmacāraṇaṛddhi*
A type of supernatural power, passing through spreaded smoke without any violence of micro beings.
एक चारण ऋद्धि; जिसके प्रभाव से मुनिजन नीचे ऊपर और तिरछे फैलने वाले धुएँ का अवलम्बन करके अस्खलित पादक्षेप करते हुए गमन करते हैं ।

धूमप्रभा – *Dhūmaprabhā.*
Name of the earth of the 5th hell, having smoky radiance.
पांचवें नरक की पृथिवी का नाम– जिस पृथिवी की प्रभा धुएँ के समान है वह भूमि धूमप्रभा है ।

धूलिशाल – *Dhūliśāla.*
The first rampart of *Samavasharan*-the holy assembly of Lord Arihant.
समवशरण के बाहरी भाग में रत्नों की धूलि से निर्मित वलयाकार प्रथम कोट ।

धृत – *Dhṛta.*
A king of *Kuru* dynasty, Name of a summit of *Nishadh* mountain and its deity.
कुरुवंश का एक राजा, निषध पर्वत का एक कूट व उसका देव।

धृततेज – *Dhṛtateja.*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा, धृतोदय का पुत्र और धृतयश का पिता।

धृतधर्मा – *Dhṛtadharmā.*
A king of *Kuru* dynasty.
राजा धृतव्यास के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतपद्म – *Dhṛtapadma.*
A king of *Kuru* dynasty.
अनेक कुरुवंशी राजाओं के पश्चात् हुआ एक राजा ।

धृतमान – *Dhṛtamāna.*
A king of *Kuru* dynasty.
राजा धृतयश के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतयश – *Dhṛtayaśa.*
A king of *Kuru* dynasty.
धृततेज के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतराज – *Dhṛtarāja.*
A king of *Kuru* dynasty
राजा धृत के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतराष्ट्र – *Dhṛtarāṣṭra.*
Father of Duryodhan including all 100 Kaurvas.
दुर्योधन आदि सौ कौरव पुत्रों के पिता; एक कुरुवंशी राजा ।

धृतवीर्य – *Dhṛtavīrya.*
A king of *Kuru* dynasty.
धृतेन्द्र के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतव्यास – *Dhṛtavyāsa.*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंशी राजा शान्तनु का पुत्र ।

धृतिंकर – *Dhṛtiṁkara.*
A king of *Kuru* dynasty.
एक कुरुवंशी राजा ।

धृतिकूट – *Dhṛtikūṭa.*
Name of the summits situated at *Nishadh* & *Ruchak* mountains
निषध एवं रूचक पर्वत पर स्थित कूटों के नाम ।

धृतिक्रिया – *Dhṛtikriyā.*
An auspicious activity (worshipping the Lord for the well growth of the child in womb).
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में से चौथी क्रिया; गर्भाधान के सातवें महीने में गर्भ की वृद्धि के लिए पूजा पाठ एवं गर्भ के बालक को आशीर्वाद देना ।

धृतिक्रिया मंत्र – *Dhṛtikriyā Mantra.*
Some particular type of mantras mystic words.
सज्जातिभागी भव, सद्गृहिभागी भव, आदि धृतिक्रिया के मंत्र हैं ।

धृतिक्षेम – *Dhṛtikṣema.*
A king of *Kuru* dynasty.
धृतिमित्र राजा के पश्चात् हुआ एक कुरुवंशी राजा ।

धृतिदृष्टि – *Dhṛtidṛṣṭi.*
A king of *Kuru* dynasty.
धृतद्युति का पूर्ववर्ती कुरुवंशी राजा ।

धृतिदेव – *Dhṛtideva.*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंशी राजा, इसके पूर्व अनेक राजा हो गये थे ।

धृतिदेवी – *Dhṛtidevī.*
A female presiding deity of *Tiginchha* pond (*Sarovar*) and *Dhrati* summit situated at *Nishadh* mountain.
निषध पर्वत पर स्थित तिगिंछ ह्रद व धृतिकूट की स्वामिनी देवी ।

धृतिभावना – *Dhṛtibhāvanā.*
Steadfast; calm in nature.
धैर्यरूपी परिणाम धारण करना ।

धृतिमित्र – *Dhṛtimitra.*
A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंशी राजा; यह गंगदेव के पश्चात् हुआ था ।

धृतिषेण – *Dhṛtiṣeṇa.*
Name of a great *Acharya* possessing knowledge

of 11 *Angas* & 10 *Purvas*.
भद्रबाहु प्रथम (श्रुतकेवली) के पश्चात् हुए 11 अंग व 10 पूर्वधारी ग्यारह आचार्य (ई. पू. 263-245) ।

धृतेन्द्र – *Dhṛtendra*.
A king of *Kuru* dynasty.
धृतपद्म के पश्चात् हुआ कुरुवंशी राजा ।

धृतोदय – *Dhṛtodaya*.
A king of *Kuru* dynasty
धृतधर्मा के पश्चात् हुआ कुरुवंशी राजा ।

धृष्टद्युम्न – *Dhṛṣṭadyumna*.
Brother of Dropadi, the chief warrior of Kaurvas.
द्रौपदी का भाई, जिसने कौरव दल के सेनापति को युद्ध में असि प्रहार से मारा था ।

धृष्टार्जुन – *Dhṛṣṭārjuna*.
Another name of Dhrashtadyumn, a warrior of Krishna.
कृष्ण का योद्धा, अपरनाम धृष्टद्युम्न ।

धैर्या – *Dhairyā*.
A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region).
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

धैवत – *Dhaivata*.
Voice of horse.
स्वर; अश्व के स्वर को धैवत कहते हैं ।

धैवती – *Dhaivatī*.
Something one pertaining to a vocal tune.
संगीत के षड्ज स्वर से सम्बंध रखने वाली एक जाति ।

धौरित – *Dhaurita*.
A type of horses.
अश्वों की एक जाति ।

ध्याता – *Dhyātā*.
A meditator.
धर्म व शुक्लध्यानों को ध्याने वाले योगी को ध्याता कहते हैं अर्थात् ध्यान करने वाला मुनि ।

ध्यान – *Dhyāna*.
Meditation, Engrossment of mind.
मन का किसी एक विषय पर एकाग्र होना ध्यान कहलाता है। यह 4 प्रकार का है – आर्तध्यान, रौद्रध्यान, धर्मध्यान एवं शुक्लध्यान ।

ध्यानप्रवाह – *Dhyānapravāha*.
Course of meditation.
संपूर्ण ध्यान की स्थिति ।

ध्यानशुद्धि – *Dhyānaśuddhi*.
Controlling & concentrating of mind through meditation.
रूप, रसादि विषयों में दौड़ते हुए एवं क्रोध को प्राप्त हुए चंचल मन को अपने वश में करना अर्थात् एकाग्र कर लेना ।

ध्यानस्तव (शास्त्र) – *Dhyānastava (Śāstra)*.
Name of a book written by Bhaskarnandi on meditation
भास्करनंदि कृत ध्यान विषयक एक ग्रंथ ।

ध्यानस्थ – *Dhyānastha*.
One engrossed in deep meditation
योगी; ध्यान में मग्न साधक ।

ध्यानस्थ पुरुष – *Dhyānastha Puruṣa*.
An omniscient engrossed in deep meditation.
ध्यान में स्थित पुरुष, केवली; अन्तस्तत्त्व का वेदन करने वाले परम जिनयोगीश्वर ।

ध्यानांतरिकी – *Dhyānāntarikī*.
Internal meditational state
ध्यान-मग्न स्थिति ।

ध्येय – *Dhyeya*
The subject of meditation
ध्यान के विषय; पंचपरमेष्ठी, अनुप्रेक्षाएं, अध्यात्म आदि ।

ध्रुव – *Dhruva*.
Fixed, Constant, A type of scriptural knowledge
स्थिर, निश्चित, अग्रायणीयपूर्व की 14 वस्तुओं में तीसरी वस्तु ।

ध्रुव अवग्रह – *Dhruva Avagraha*
Lasting apprehension
जो यथार्थ ग्रहण निरंतर होता है; जैसा प्रथम समय में शब्द आदि का ज्ञान हुआ था आगे भी वैसा ही होता रहता है, कम या ज्यादा नहीं होता यह ध्रुव-अवग्रह है ।

ध्रुवग्राही – *Dhruvagrāhī*.
One who is constantly involved in grasping of knowledge.
जो सतत ज्ञान प्राप्त करने में प्रयत्नशील है।

ध्रुवचारी – *Dhruvacārī*.
One progressing on the path of salvation constantly
जो सतत मोक्ष मार्ग पर अग्रसर है ।

ध्रुवपद – *Dhruvapada*.
A type of disquisition door (*Anuyogdvar*).
अनुयोगद्वार के भेदपद के 13 पदों में एक पद ।

ध्रुवबन्धी प्रकृति – *Dhruvabandhī Prakṛti*.
A *Karmic* nature, constantly involved in binding (related to living beings).
जिस कर्म प्रकृति का बंध निरंतर होता है ।

ध्रुवराज – *Dhruvarāja*.
The son of Krishnaraj - I, the king of 'Latdesh' in south.
दक्षिण में लाटदेश के नरेश कृष्णराज प्रथम का पुत्र ।

ध्रुवराशि – *Dhruvarāśi*.
Fixed or constant quantity
जो राशि कभी घटे-बढ़े नहीं, स्थिर राशि ।

ध्रुवशून्य वर्गणा – *Dhruvaśūnya Vargaṇā*
A type of aggregate of *Karmic* molecules
23 पुद्गल वर्गणाओं में एक वर्गणा; इसका गुणकार मिथ्यादृष्टि

जीवराशि में असंख्यात लोक का भाग देने से जो लब्ध आवे उतना है ।

ध्रुवसेन – *Dhruvasena.*

Name of a great *Acharya*, possessing knowledge of 11 *Angas*

भगवान महावीर स्वामी के पीछे हुए 11 अंगों के ज्ञाता 5 आचार्यों में चौथे आचार्य, अपरनाम द्रुमसेन ।

ध्रुवस्कंध वर्गणा – *Dhruvaskaṁdha Vargaṇā.*

A type of aggregate of *Karmic* molecules.

23 पुद्‌गल वर्गणाओं में एक वर्गणा ।

ध्रुवीय रेखा – *Dhruvīya Rekhā.*

Axial line

ध्रुवीय देशांतर रेखा ।

ध्रुवोदयी प्रकृति – *Dhruvodayī Prakṛti.*

Karmic nature with concomitant fruition up to their annihilation.

उदय व्युच्छित्ति पर्यंत जिनका उदय होता है उन्हें ध्रुवोदयी प्रकृति कहते हैं ।

ध्रौव्य – *Dhrauvya.*

Substantial continuity or permanence.

द्रव्य की स्वभाव रूप स्थिरता का नाम ध्रौव्य है ।

ध्वजभूमि – *Dhvajabhūmi.*

The 5th land of *Samavasharana* - assembly of Lord.

समवशरण की पाँचवी भूमि ।

ध्वजमाल – *Dhvajamālā.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

ध्वजा – *Dhavajā.*

Flag, an auspicious device which is kept with idols of Lord Arihant.

झंडा, जिन प्रतिमा के समीप विद्यमान रहने वाले 108 उपकरणों में एक ।

ध्वनि – *Dhwani.*

Sound, Resonant preaching of *Tirthankars* (Jaina-Lords).

शब्द, प्रतिध्वनि, कोलाहल, वाद्ययंत्र की ध्वनि, तीर्थंकरों की ओंकार रूप दिव्यध्वनि ।

ध्वांत – *Dhvāṁta.*

Darkness.

अंधकार ।

ध्वान – *Dhvāna.*

Buzzing, Humming.

शब्द, गुनगुनाना, भिनभिनाना ।

न

न – *Na*

The twentieth consonant of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का बीसवां व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान दन्त है ।

नंद – *Naṁda.*

Father's name of Lord Naminath in the past birth, Name of initiation-tree of Lord Shantinath, Name of Lord Mahavira in the 3rd past birth, Deity of a summit of *Manushottar* mountain, The foster father of Krishna, Delight, Joy.

भगवान नमिनाथ के पूर्वभव के पिता का नाम, शांतिनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम (पद्मपुराण के अनुसार), भगवान महावीर के तृतीय पूर्वभव का नाम जब उन्होंने तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया, मानुषोत्तर पर्वत के कूट का देव, कृष्ण के पालक पिता, आनंद, प्रसन्नता ।

नंदक – *Naṁdaka.*

Name of a saint, who used to take food in forest.

मासोपवासी मुनि, इन्होंने वन में ही आहार लेने का नियम किया था ।

नंदकवि – *Naṁdakavi.*

A *Pandit* who wrote 'Sudershan Charitra'.

पंडित, सुदर्शन चरित्र के कर्ता ।

नंदन – *Naṁdana.*

Name of a chief disciple (*Gandhar*) of Lord 'Rishabhdev', A king of *Yadu* dynasty, A city in the north of *Vijayardh* mountain.

भगवान ऋषभदेव के 7 वें गणधर का नाम, यदु (यादव) वंश का एक राजा, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

नंदन (कूट) – *Naṁdana (Kūṭa).*

Name of summits of *Ruchak* and *Sumeru* mountains & *Nandanvan* (forest).

नंदनवन का प्रथम कूट एवं रूचक एवं सुमेरू पर्वत पर स्थित कूटों के नाम ।

नंदन (देव) – *Naṁdana (Deva).*

Deity of a summit of *Manushottar* mountain.

मानुषोत्तर पर्वत के एक कूट का देव ।

नंदन (स्वर्गपटल) – *Naṁdana (Svargapaṭala).*

The 7th *Patal* (layer) of *Saudharm* & *Ishan* heavens.

सौधर्म और ईशान स्वर्ग का 7 वाँ पटल ।

नंदनपुर – *Naṁdanapura.*

Name of the birth city of *Pratinarayan* 'Merak'.

एक नगर, तीसरे प्रतिनारायण 'मेरक' की जन्म भूमि ।

नंदनवन – *Naṁdanavana.*

A forest of *Sumeru* mountain.

सुमेरु पर्वत का द्वितीय वन, जिसकी चारों दिशाओं में चार चैत्यालय हैं ।

नंदपुरी – *Nandapuri.*

Name of a city (related to *Baldev*).

बलदेव 'सुप्रभ' के पूर्व भव के नगर का नाम ।

नंदभूपति – *Nandabhūpati.*

A king of Siddharthnagar.

सिद्धार्थनगर का एक राजा; जिसने तीर्थंकर श्रेयांसनाथ को आहार देकर पंचाश्चर्य प्राप्त किये थे ।

नंदवती – *Nandavati.*

Name of a large well of *Nandishvardvip* (island), Name of a female deity of *Ruchak* mountain

नंदीश्वर द्वीप की वापी का नाम, रूचक पर्वत की दिक्कुमारी देवी का नाम ।

नंदसप्तमी व्रत – *Nandasaptamī Vrata.*

A particular vow to be followed for seven years

सात वर्ष तक प्रतिवर्ष भादों सुदी 7 को उपवास करना ।

नंदा – *Nandā.*

Name of a river of *Bharat kshetra* in *Aryakhand* (region), A large well in *Nandishverdvip* (island), A female deity of *Ruchak* mountain, Mother's name of Lord sheetalnath, A type of exposition

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी, नंदीश्वर द्वीप के पूर्व दिशा में स्थित एक वापी, रूचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी देवी, शीतलनाथ भगवान की माता का नाम (अपरनाम सुनन्दा), वाचना का एक भेद – अन्य दर्शनों को पूर्वपक्ष करके उनका निराकरण करते हुए अपने पक्ष को स्थापित करने वाली व्याख्या।

नंदावती – *Nandāvatī.*

A large well in the east of *Nandishvardvip* (island).

नंदीश्वर द्वीप की दिशा में स्थित एक वापी ।

नंदि – *Nandi.*

Protecting deity of *Nandishvardvip* (island).

नंदीश्वर द्वीप का एक रक्षक देव ।

नंदि अन्वय – *Nandi Anvaya.*

A group of saints of *Dravid sangh*

द्रविड़ संघ के एक गच्छ का नाम ।

नंदिगुरु – *Nandiguru.*

Name of the writer of 'Prayashchitta Samuchchaya Tika' etc.

प्रायश्चित्त समुच्चय टीका, प्रायश्चित्त चूलिका टीका के कर्ता।

नंदिघोषा – *Nandighoṣā.*

A large lake situated in *Nandishvardvip* (island), Name of a female deity of *Ruchak* mountain.

नंदीश्वर द्वीप की पूर्व दिशा में स्थित एक वापी, रूचक पर्वत वासिनी दिक्कुमारीदेवी ।

नंदिन – *Nandina.*

Name of the 3rd predestined *Narayan.*

आगामी तीसरे नारायण का नाम ।

नंदिनी – *Nandinī.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain, Name of a female beloved deity of a peripatetic *Indra.*

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, गंधर्व व्यंतर के इन्द्र गीतरस की वल्लभिकादेवी ।

नंदिप्रभ – *Nandiprabha.*

A protecting deity of north *Nandishvardvip* (island).

उत्तर नन्दीश्वर द्वीप का एक रक्षक देव ।

नंदिभद्र – *Nandibhadra.*

A great saint whose another name is 'Nandavardhana'.

एक चारण ऋद्धिधारी मुनि, इनका अपरनाम नंदिवर्धन है ।

नंदिभूति – *Nandibhūti.*

Name of the 4th predestined *Narayan.*

आगामी चतुर्थ नारायण ।

नंदिभूतिक – *Nandibhutika*

Special name of a predestined *Narayan* 'Nandibhuti'.

भावि शलाका पुरुष, नारायण नन्दिभूति का विशेष नाम ।

नंदिमित्र – *Nandimitra.*

Name of the predestined 2nd *Narayan*, the 7th *Balbhadra*, the 82nd chief disciple (*Gandhar*) of Lord Rishabhdev, Name of a great saint possessing knowledge of 14 *Purvas.*

आगामी दूसरे नारायण, सातवें बलभद्र, वृषभदेव के 82 वें गणधर, पांच श्रुतकेवली मुनियों में 14 पूर्व के ज्ञाता दूसरे मुनि का नाम ।

नंदिवर्द्धन – *Nandivarddhana.*

A king of *Shishunaga* descendant of 'Magadh', Name of a great *Acharya.*

मगध देश का एक शिशुनागवंशी राजा, श्रुत के पारगामी एक आचार्य ।

नंदिवर्द्धना – *Nandivarddhanā.*

Name of two female deities of *Ruchak* mountain.

रूचक पर्वत निवासिनी दो दिक्कुमारी देवियाँ ।

नंदिषेण – *Nandiṣena.*

Name of an *Acharya*, 6th *Balbhadra*, Past-birth name of Lord Chandraprabhu & Lord Suparshvanath, the 3rd predestined *Narayan.*

पुन्नाट संघी एक आचार्य जितदण्ड के शिष्य और दीपसेन के गुरु, छठें बलभद्र का नाम, चन्द्रप्रभु एवं सुपार्श्व भगवान के पूर्व भव का नाम, भरतक्षेत्र के आगामी तीसरे नारायण ।

नंदिषेणा – *Nandiṣenā.*

Name of a female deity of *Ruchak* mountain.

रूचक पर्वत की दिक्कुमारी देवी ।

नंदिसंघ – *Nandisangha.*

A group of *Digambara* Jain saints

दिगम्बर जैन साधुओं का एक संघ ।

नंदी – *Nandi.*

The 80[th] chief disciple (*Gandhar*) of Lord Rishabhdeva, Name of a peripatetic deity of *Nandishvardvip* (island), The first predestined *Narayan*, A great saint

भगवान ऋषभदेव के 80 वें गणधर का नाम, नंदीश्वर द्वीप का स्वामी व्यंतरदेव, आगामी प्रथम नारायण, 5 श्रुतकेवली मुनियों में प्रथम मुनि ।

नंदीशोकपुर – *Namdiśokapura.*

A city situated in the west of *Meru* and the east of *Dhatkikhanddvip* (island).

धातकीखंड द्वीप के पूर्व मेरु की पश्चिम दिशा का एक नगर।

नंदीश्वर कथा – *Namdiśvara Kathā.*

A book written by *Acharya* Shubhchandra.

आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक संस्कृत छन्दबद्ध ग्रंथ ।

नंदीश्वर द्वीप – *Namdiśvara Dvīpa.*

The 8[th] island of the middle universe where deities come for worshipping

मध्यलोक का अष्टम द्वीप। यहां 52 जिनालय हैं जिनमें आष्टाह्निक पर्वों में देव आकर पूजा करते हैं ।

नंदीश्वरपंक्ति व्रत – *Namdiśvara Pamkti Vrata.*

A particular type of vow (fasting) for 108 days.

108 दिन के विधिवत् उपवास करना ।

नंदीश्वर पूजा – *Namdiśvara Pūja.*

Worshipping of Lord Jina installed at *Nandishvardvip* (island).

नंदीश्वर द्वीप में स्थित जिनप्रतिमाओं की पूजा करना ।

नंदीश्वरमह – *Namdiśvaramaha.*

See - *Namdiśvara Pūjā.*

देखें - नंदीश्वर पूजा ।

नंदीश्वर सागर – *Namdiśvara Sāgara.*

The ocean surrounding the 8[th] *Nandishvaradvip* (island).

आठवें नंदीश्वर द्वीप को घेरे हुए समुद्र का नाम ।

नंदोत्तर – *Namdottara.*

Name of a summit & its deity of *Manushottar* mountain.

मानुषोत्तर पर्वत के कूट व देव का नाम ।

नंदोत्तरा – *Namdottarā.*

Name of large lake of *Nandishvardvip* (island), A female deity of *Ruchak* mountain, A large lake in the *Samavsharan* – the assembly of Lord Arihant.

नंदीश्वर द्वीप की एक वापी, रूचकगिरि के एक कूट की देवी, समवशरण के अशोकवन एवं मानस्तंभ के निकट एक वापी ।

नंद्यावर्त – *Namdyāvarta.*

Name of a special *Swastik*, Name of a dominion of Bharat Chakravarti (an emperor), Camp place of Bharat Chakravarti, Name of initiation tree of Lord Shantinath

एक विशेष प्रकार से बनाये गये स्वस्तिक का नाम, भरत चक्रवर्ती की एक विभूति 'आवर्ती' का नाम, भरत चक्रवर्ती की शिविर स्थली, शांतिनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम ।

नंद्यावर्त महल – *Namdyāvarta Mahala.*

The 7 Storeyed palace in which Lord Mahavir was born. On the auspicious inspiration of *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji, its grand model is constructed at Kundalpur (Nalanda-Bihar), the birth-place of Lord Mahavira.

कुण्डलपुर के राजा सिद्धार्थ का 7 मंजिला राजमहल जिसमें महारानी त्रिशला ने चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को भगवान महावीर को जन्म दिया था। उस समय इसी महल के आँगन में 15 माह तक करोड़ों रत्नों की वर्षा हुई थी। ई. सन् 2003 में भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर (नालन्दा-बिहार) में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की मंगल प्रेरणा द्वारा उसी जन्मस्थल के प्रतीक में नंद्यावर्त महल का निर्माण किया गया है ।

नकुल – *Nakula.*

One of the 5 Pandavas.

पाँच पाण्डवों में एक-जो तप करके सर्वार्थसिद्धि विमान में जन्मे।

नक्षत्र – *Nakṣatra.*

Name of a great saint possessing knowledge of 11 *Angas*

11 अंगधारी 5 मुनीश्वरों में प्रथम मुनि (ई. पू. 182-164)।

नक्षत्र (ज्योतिष देव) – *Nakṣatra (Jyotiṣa Deva).*

A type of astral deities

ज्योतिष्क देवों का एक भेद ।

नक्षत्रमाला – *Nakṣatramālā.*

A garland of 27 pearls or flowers.

27 लड़ियों का एक हार ।

नक्षत्रमाला व्रत – *Nakṣatramālā Vrata.*

A type of particular vow (fasting).

प्रथम अश्विनी नक्षत्र से लेकर एकान्तरा क्रम से 54 दिन में 27 उपवास करना ।

नख – *Nakha.*

Nails.

नाखून। मनुष्य के शरीर में 20 नख होते हैं ।

नख समानता – *Nakha Samānatā.*

Growthlessness of nails; an excellence of omniscient or Lord Arihant.

केवलज्ञान के 10 अतिशयों में एक; केवलज्ञान होने पर अर्हत के नख नहीं बढ़ते ।

नग – *Naga.*

A king of *Yadu* dynasty.

यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

नगनत्व – *Nagnatva.*

State of natural appearance; free from all worldly attachments, Nakedness

निर्ग्रंथता या दिगम्बरत्व, जिसने संपूर्ण परिग्रह का त्याग किया हो।

नगर – *Nagara.*
A city, A town
राज्य के सभी वर्गों के प्रधान लोगों की निवास स्थली, जो 4 द्वार व कोट सहित हो ।

नगरनायिका – *Nagaranāyikā*
Prostitute.
वेश्या, जो स्त्री केवल धन के लिए पुरुष का सेवन करती है ।

नगरी – *Nagarī.*
Capital city.
प्रत्येक महाक्षेत्र की राजधानी ।

नति – *Nati.*
Act of prostration, bowing down to pay reverence to Lord Arihant.
नमस्कार; पाँच अथवा आठ अंगों से जिनेन्द्रदेव के चरणों में प्रणाम करना ।

नतित्रय – *Natitraya.*
To bow-down three times with pure mind, speech & body.
मन, वचन, काय पूर्वक तीन बार नमस्कार करना ।

नथमल बिलाला (कवि) –
Nathamala Vilāla (Kavi).
Name of a Hindi poet, the writer of 'Jinagunvilas'.
जिनगुणविलास ग्रंथ के रचयिता एक हिन्दी कवि (ई. सन् 1767-78) ।

नदी – *Nadī.*
River.
वर्तमान उपलब्ध गंगा, यमुना आदि नदियों के अतिरिक्त जैनागम के अनुसार 14 महानदियाँ एवं लाखों की संख्या में उपनदियाँ बतायी गयी हैं ।

नन्दा वाचना – *Nandā Vācanā.*
An exposition containing interpretation of true religion.
विविध मत-मतान्तरों का निराकरण करते हुए सत्य धर्म को स्थापित करने वाली व्याख्या नंदा - वाचना कहलाती है ।

नन्नराज – *Nannarāja.*
A king of Varddhamanpur; 'Harivansh Puran' was composed in his time.
वर्द्धमानपुर के राजा, जिनके समय में ही जिनसेन आचार्य ने हरिवंश पुराण की रचना की थी। समय-ई. 778-803 ।

नपुंसकवेद – *Napuṁsakaveda.*
Hermaphrodite Libido (related to being in which characteristics of both the sexes are combined), Neuter.
जो न स्त्रीरूप है और न पुरुषरूप एवं वेद की प्रबल वेदना से युक्त और सदा कलुषचित है उसे नपुंसकवेद जानना चाहिए। जैन सिद्धांत के अनुसार, एक इंद्रिय से लेकर चार इन्द्रिय तक सभी जीव, पंचेन्द्रिय सम्मूर्छन जीव एवं नारकी जीवों के नियम से नपुंसक वेद ही होता है। देवों में नपुंसक वेद नहीं होता है। मनुष्य और तिर्यंचों में स्त्री, पुरुष, नपुंसक तीनों वेद होते हैं ।

नपुंसकवेद कर्म प्रकृति –
Napuṁsakaveda Karma Prakṛti.
Karmic nature causing impotent being
जिसके उदय से जीव नपुंसक संबंधी भावों को प्राप्त होता है अर्थात् मोहनीय कर्म के चारित्र मोह की नोकषाय की प्रकृति ।

नपुंसकवेद सिद्ध – *Napuṁsakaveda Siddha.*
Being who get salvation from *Purushved* (as *Dravya Ved*) even after possessing *Napunsak Ved* (as *Bhav Ved*)
द्रव्य से पुरुष वेदी हो भाव से नपुंसक वेद से सिद्ध हो सकते हैं। यहाँ 'भाव से नपुंसक वेद' का अर्थ कलुषित रूप परिणाम न होकर मात्र मोहनीय कर्म की एक प्रकृति का उदय ही विवक्षित है।

नभ – *Nabha*
Name of a planet.
आकाश; 88 ज्योतिष ग्रहों में 35 वां ग्रह ।

नभचर जीव – *Nabhacara Jīva*
Space-living animates (those flying in the sky).
पंचेन्द्रिय तिर्यंच जीवों का भेद; आकाश में गमन करने वाले जीव जैसे-चिड़िया, कबूतर आदि ।

नभस्तिलक – *Nabhastilaka*
A city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

नभो वर्गणा – *Nabho Vargaṇā.*
A type of aggregate of *Karmic* molecules.
23 वर्गणाओं में एक वर्गणा का नाम ।

नमस्कार – *Namaskāra.*
Prostration, act of reverential bowing down.
पंचपरमेष्ठी के गुणों का स्मरण और कीर्तन करना तथा हाथ जोड़कर पंचांग अथवा साष्टांग नमन करना ।

नमस्कार मंत्र – *Namaskāra Mantra.*
See – *Namokāra Mantra.*
देखें - णमोकार मंत्र ।

नमस्क्रिया – *Namaskriyā.*
Paying greetings with pure mind, speech & body.
विधिपूर्वक नमन करने की क्रिया; प्रसन्नतापूर्वक शुद्ध मन, वचन, काय के साथ तीन बार शिरोनति करना ।

नमि – *Nami.*
Name of a chief disciple (*Gandhar*) of Lord Rishabhdev, The son of the brother-in-law of Lord Rishabhdev, Name of an omniscient.
भगवान आदिनाथ के 75 वें गणधर का नाम, वृषभदेव के साले कच्छ राजा का पुत्र, एक अन्तकृत केवली ।

नमिनाथ – *Naminātha.*
Name of the 21[st] *Tirthankar* (Jaina-Lord).
वर्तमान काल के 21 वें तीर्थंकर; राजा विजय और रानी वप्पिला के पुत्र, जिनकी आयु 10 हजार वर्ष, ऊंचाई 15 धनुष एवं जन्मनगरी-मिथिलापुरी थी ।

नमिष – *Namiṣa.*
See - *Nandini*
देखें - नंदिनी ।

नमिसागर (मुनि) – *Namisāgara (Muni)*
Name of a *Digambar* Jain saint, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar Ji Maharaj.
चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के प्रमुख 7 मुनि शिष्यों में से एक। इनकी प्रेरणा से दिल्ली एवं पश्चिमी उत्तरप्रदेश में अनेक स्थानों पर शिक्षण संस्थान तथा पारमार्थिक औषधालय खुले हैं। समय-ई. श. 20 ।

नमोऽस्तु – *Namostu.*
Reverential word used while bowing down before the saints etc.
विनय; साधु इत्यादि को नमन करना। दिगम्बर मुनिराज एवं आर्यिका माताओं के चरणों में नमन करते समय 'नमोऽस्तु' कहा जाता है ।

नम्रता – *Namratā.*
Politeness, Meekness, Humbleness
विनीतभाव, विनम्रता ।

नय – *Naya.*
A standpoint or viewpoint, which gives partial knowledge of a thing in some particular aspect of it.
दृष्टिकोण, वस्तु के अनेक धर्मों में से किसी एक धर्म की विवक्षानुसार कथन करने की पद्धति ।

नयकीर्ति – *Nayakīrti.*
The spiritual teacher or preceptor of Padmanandi-6, A disciple of Kaidhautanandi (a saint).
आचार्य पद्मनन्दि नं. 6 के गुरू, देशीयगण की तृतीय शाखा में कलधौतनन्दि के शिष्य ।

नयचक्र – *Nayacakra.*
Number of books are there by the title '*Nayachakra*'. Name of *Sudarshan Chakra Rama.*
नयचक्र नाम के कई ग्रंथ हैं जिनमें नय व प्रमाण के विषय का निरूपण है. नीति से युक्त सुदर्शन चक्र रत्न ।

नयदृष्टि – *Nayadṛṣṭi.*
A viewpoint of knowing the things with poly ends (Right perceptions).
सम्यग्दृष्टि; वस्तु स्वभाव को विवक्षानुसार या अनेक नयों से जानने वाला ।

नयनंदि – *Nayanandi.*
Name of a great Jaina saint.
नन्दिसंघ देशीयगण, माणिक्यनन्दि के विद्या शिष्य, द्रव्यसंग्रहकार नेमिचन्द्र सैद्धान्तिकदेव के शिष्य ।

नयनसुख (कवि) – *Nayanasukha (Kavi).*
Name of a Hindi poet
अनेक आध्यात्मिक हिन्दी पदों के रचयिता ।

नयनाभिराम – *Nayanābhirāma.*
Visual charm, beautiful in looks & pleasing to the heart.
प्रियदर्शन; आंखों को प्रसन्न करने वाला अर्थात् सुंदर लगने वाला।

नयनोन्मीलनयंत्र – *Nayanonmīlanayantra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
नयनोन्मीलन मंत्र लिखित धातु की प्लेट ।

नयप्रमाण – *Nayapramāṇa.*
Philosophical viewpoints for knowing about all beings (reg. right knowledge).
सम्यग्ज्ञान को प्रमाण एवं प्रमाण के अवयव को नय कहते हैं, इनके द्वारा जीवादि पदार्थों का ज्ञान होता है ।

नयवाद – *Nayavāda.*
Doctrine of viewpoint, Synonym word for scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम ।

नयविवरण – *Nayavivaraṇa.*
A book written by *Acharya* Vidyanandi
आचार्य विद्यानन्दि (ई. 775-840) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

नयसेन – *Nayasena.*
Name of a Kannad Jain poet.
कन्नड़ जैन कवि; धर्मामृत, समय परीक्षा, धर्म परीक्षा के रचयिता (समय-ई. सन् 1125) ।

नयांतरविधि – *Nayāṁtaravidhi.*
A synonym word of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम ।

नयाधिपति – *Nayādhipati.*
Viewpoint of absolutism or realism.
निश्चयनय सापकतन व नयाधिपति है ।

नयार्थ – *Nayārtha.*
A method of expressing or exposition of scriptures.
आगम का अर्थ करने की 5 विधि में एक-व्यवहार निश्चयनय रूप से अर्थ जानना ।

नयुत – *Nayuta.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख नयुतांग प्रमाण काल ।

नयुतांग – *Nayutāṁga.*
A time unit.
काल का प्रमाण विशेष, 84 लाख पूर्व प्रमाण काल ।

नर – *Nara.*
Men, Male.
पुरुष - धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष इन चार पुरुषार्थों का नयन करने वाले नर होते हैं। ये सामान्य व्याख्या है परन्तु कोई-कोई नर पापाचार में भी लिप्त होते हैं ।

नरक आयु – *Naraka Āyu.*
Hellish life.
जिसके उदय से जीव नरक में जाकर नारकी शरीर में निश्चित

समय तक बना रहे ।

नरकगति – *Narakagati.*
Hellish destination (destinity).
नरकों जीवों की गति अर्थात् जहां जीव प्रचुररूप में पापकर्मों के परिणामस्वरूप पहुंचता है और निरंतर दुःख को प्राप्त करता है ।

नरकगति नामकर्म प्रकृति – *Narakagati Nāma Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing birth in hell.
जिसके उदय से नरकगति में जन्म हो ।

नरकगत्यानुपूर्वी नामकर्म प्रकृति – *Narakagatyānupūrvī Nāma Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing transmigratory motion in the same previous body-outline while movement of the soul towards infernal birth (i.e. Hell).
नामकर्म, जिसके उदय से नरक में जाते हुए पूर्व शरीर के प्रमाण आत्मा का आकार विग्रह गति में बना रहे ।

नरकचतुष्क – *Narakacatuṣka.*
A quartet of *Karmic* nature related to hell.
नरकगति, नरकगत्यानुपूर्वी, वैक्रियिक शरीर, वैक्रियिक अंगोपांग कर्म प्रकृतियों का समूह ।

नरकत्रिक – *Narakatrika.*
A triplet of *Karmic* nature related to hell.
नरक, नरकगत्यानुपूर्वी व नरक आयु कर्म प्रकृतियों का समूह।

नरकद्विक – *Narakadvika.*
A couple or dyad of *Karmic* nature related to hell
नरकगति व नरकगत्यानुपूर्वी ।

नरकप्रस्तर – *Narakaprastara.*
Hellish dwelling places.
नरक के श्रेणीबद्ध बिल नरक कहलाते हैं, श्रेणीबद्ध बिलों के मध्य में जो नरकवास हैं वे नरक इन्द्रक तथा वहां के प्रकीर्णक बिल नरक प्रस्तर कहलाते हैं ।

नरकबिल – *Narakabila.*
Sequential dwelling places in the hell.
इन्द्रक, श्रेणीबद्ध, प्रकीर्णक ये तीन प्रकार के नरक बिल होते हैं।

नरकमुख – *Narakamukha.*
Name of the 8th *Narad.*
आठवां नारद, अपरनाम नरवक्त्र ।

नरकलोक – *Narakaloka.*
Hellish universe or world.
अधोलोक; जहां रत्नप्रभा, शर्कराप्रभा आदि 7 पृथिवियाँ (नरक) हैं ।

नरकांतक – *Narakāntaka.*
The 6th summit of *Neel Kulachal.*
नील कुलाचल के 9 कूटों में छठा कूट ।

नरकांता कुंड – *Narakāntā Kuṇḍa.*
Name of a reservoir of water (related to *Neel* mountain).
जिसमें नीलपर्वत से निकलने वाली नरकांता नदी गिरती है ।

नरकांता कूट – *Narakāntā Kūṭa.*
A summit situated at '*Neel*' mountain
नील पर्वत पर स्थित एक कूट ।

नरकांता देवी – *Narakāntā Devī.*
A female deity, resident of *Narkanta Kund.*
नरकांता कुण्ड निवासिनी एक देवी ।

नरकांता नदी – *Narakāntā Nadī.*
A main river of *Ramyak* area.
रम्यक क्षेत्र की प्रधान नदी ।

नरकायु कर्म प्रकृति – *Narakāyu Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing hellish life course i.e. *Gati* (or destinity) in the hell.
वह कर्म प्रकृति जिसके उदय से नरक गति में नरक आयु भोगी जाती है ।

नरकेन्द्रक – *Narakendraka.*
Indrak – layer of hell
देखें – नरक प्रस्तर। नरक का इन्द्रक प्रस्तर ।

नरगीत – *Naragīta.*
A city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

नरचंद्र – *Naracandra*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group and a writer of 'Jyotishsar'
नंदिसंघ के एक भट्टारक का नाम एवं ज्योतिषसार के कर्ता ।

नरतगति – *Narataguti.*
Hellish life course.
नरक गति ।

नरधर्मा – *Naradharmā.*
A king of *Bhoj* dynasty.
भोजवंश का एक राजा ।

नरपति – *Narapati.*
Name of kings in the time (discipline) of Lord Naminath & Lord Vasupujya.
नमिनाथ एवं वासुपूज्य भगवान के तीर्थ में हुए राजा ।

नरमद – *Naramada.*
A country of *Bharat Kshetra* in the west *Arya Khand* (region).
भरतक्षेत्र पश्चिम आर्यखण्ड का एक देश ।

नरलोक – *Naraloka.*
Human world.
मनुष्य लोक; ढाई द्वीप, 45 लाख योजन विस्तार वाला। इसे मर्त्यलोक, मानव लोक, मनुष्य लोक भी कहते हैं क्योंकि यहीं तक मनुष्यों का जन्म होता है, आगे नहीं ।

नरवर्मा – *Naravarmā.*
A king of *Bhoj* dynasty.
एक भोज वंशी राजा ।

नरवाहन – *Naravāhana.*
Name of a commander (related to Magadh king-

dom)
मगधदेश की प्रश्न वंशावली के अनुसार शक जाति का एक सरदार ।

नरसिंहभट्ट – *Narasimhabhatta.*
Name of a writer.
आचार्य समंतभद्र कृत जिनशतक (स्तुति विद्या) की टीका के कर्ता ।

नरसेन – *Narasena.*
A poet who wrote 'Shreepal Charit' etc. books.
श्रीपाल चरित आदि के रचयिता एक कवि ।

नरहरि – *Narahari.*
A king of *Kuru* dynasty
कुरुवंश का एक राजा ।

नरेंद्रकीर्ति – *Narendrakirti.*
A *Bhattarak* of *Nandi* group.
नन्दिसंघ के एक भट्टारक ।

नरेन्द्रसेन – *Narendrasena.*
A disciple of *Acharya* Gunasen
आचार्य गुणसेन के शिष्य एवं सिद्धांतसार संग्रह आदि के रचयिता ।

नर्तकीसेना – *Nartakīsenā.*
One of the army among 7, of *Achyutendra.*
अच्युतेन्द्र की सात प्रकार की सेना में एक सेना ।

नर्मदा – *Narmadā.*
A river of the east-south *Arya Khand* (region).
पूर्वी-दक्षिणी आर्यखण्ड की एक नदी ।

नल – *Nala.*
Name of the cousin of Sugreev, the king.
सुग्रीव के चाचा ऋक्षरज का पुत्र ।

नलगच्छ – *Nalagaccha.*
Name of a village of *Pandit* Ashadhar
गाँव; जहाँ पं. आशाधर जी रहा करते थे ।

नलदियार – *Naladiyāra.*
A book written in Tamil language.
तमिल भाषा में लिखा एक ग्रंथ ।

नलिनगुल्म – *Nalinagulma.*
Past-birth name of Lord Shreyansnath & Lord Vimalnath.
श्रेयान्सनाथ एवं विमलनाथ भगवान के पूर्व भव के नाम ।

नलिनगुल्मा – *Nalinagulmā.*
Name of a *Vapi* (like large lake) of the *Sumeru* mountain.
सुमेरु की ऐशान दिशा में 4 वापियों में से दूसरी वापी ।

नलिनध्वज – *Nalinadhvaja.*
Name of the predestined 9th *Kulkar* (ethical founder).
भावि 9 वें कुलकर का नाम ।

नलिनपुंख – *Nalinapuṅkha.*
Name of the predestined 10th *Kulkar* (ethical founder).
भावि 10 वें कुलकर का नाम ।

नलिनपुंगव – *Nalinapuṅgava.*
Another name of *Nalinapunkh* (the 10th *Kulkar*).
भावि 10 वें कुलकर 'नलिनपुंख' का विशेष नाम ।

नलिनप्रभ – *Nalinaprabha.*
Name of the predestined 7th *Kulkar* (ethical founder)
भावि 7 वें कुलकर का नाम ।

नलिनराज – *Nalinarāja.*
Name of the predestined 8th *Kulkar* (ethical founder).
भावि 8 वें कुलकर का नाम ।

नलिनांग – *Nalināṅga.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख पद्म प्रमाण काल ।

नलिना – *Nalinā.*
A *Vapi* (like large lake) in *Nandana* and other forests of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के नन्दन आदि वनों में स्थित एक वापी ।

नलिनावर्त – *Nalināvarta.*
Name of a summit of *Nalinkut Vakshar* of the east *Videh* (region) and its protecting deity .
पूर्व विदेह स्थित नलिनकूट वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव ।

नलिनी – *Nalinī.*
Name of a *Vapi* (large lake) in *Champak* forest of *Samavasharan* - assembly of Lord Arihant.
समवशरण के चम्पक वन की 6 वापियों में दूसरी वापी ।

नव – *Nava.*
New, Nine (9 *Baldev*, 9 *Pratinarayan* etc.), a great number.
नवीन, 9 (नौ); नव बलदेव, नव प्रतिनारायण, नव नारद इत्यादि, यह संख्या अकाट्य है ।

नव अनुदिश – *Nava Anudiśa.*
Nine high heavenly places above 9 *Graiveyaks* (places of super souls).
ऊर्ध्वलोक में 9 ग्रैवेयक के ऊपर 9 विमान, जिनमें सम्यग्दृष्टि पैदा होते हैं, यहां के अहमिंद्र अधिक से अधिक मनुष्य के दो भव लेकर मोक्ष जाते हैं ।

नवक समयप्रबद्ध – *Navaka Samayaprabaddha.*
Newly instant effective bond.
नूतन समय प्रबद्ध का नाम नवक समयप्रबद्ध है। बंध होने के बाद थोड़े समय तक जो कर्म के निषेक संक्रमण आदि के योग्य न हुवे हों ।

नवकार श्रावकाचार – *Navakāra Śrāvakācāra.*
A book written by *Acharya* Yogendudev

आचार्य योगीन्दुदेव (ई.स. 6, उत्तरार्द्ध) द्वारा अपभ्रंश भाषा में रचित एक ग्रंथ ।

नवकेवल लब्धि – *Navakevala Labdhi.*

Special nine attainments possessed by Lord Arihant

क्षायिक भाव; 4 घातिया कर्मों के क्षय से 9 विशेष गुण केवली अर्हंत के प्रगट होते हैं; दान, लाभ, भोग, उपभोग, वीर्य, सम्यक्त्व, दर्शन, ज्ञान और चारित्र ।

नवकोटि शुद्ध – *Navakoti Śuddha.*

Absolute purity (reg. mind speech & body etc).

मन, वचन, काय को कृत, कारित, अनुमोदना से गुणा करने पर नौ प्रकार (3×3=9) से शुद्ध अहिंसा व्रत आदि ।

नवग्रह – *Navagraha.*

Nine planets (Sun, Moon etc.)

रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु। जन्मकुंडली के माध्यम से इनके शुभ-अशुभ फल को जाना जाता है ।

नवग्रह व्रत – *Navagraha Vrata.*

Name of a vow to be observed with particular worshipping specially for the peace in unfavourable conditions of planets.

आषाढ़, कार्तिक, फाल्गुन इन तीन अष्टान्हिका पर्वों में एक दिन पूर्व से सप्तमी से पूर्णिमा तक ऐसे 9-9 दिन यह व्रत 3 वर्षों तक किया जाता है। अथवा आषाढ़ आदि किसी भी अष्टान्हिक के महिने से लगातार 9 महिने तक प्रत्येक माह की शुक्ला सप्तमी से पूर्णिमा तक भी यह व्रत किया जाता है। इनके मंत्र व पूजा को "व्रतविधि एवं पूजा" पुस्तक से देखें। समुच्चय मंत्र-ॐ ह्रीं नवग्रहारिष्टनिवारक श्रीचतुर्विंशतितीर्थंकरेभ्यो नमः । अथवा

-ॐ ह्रीं नवग्रहारिष्टनिवारक श्रीपद्मप्रभादिनवतीर्थंकरेभ्यो नमः ।

नवग्रहशांति चौबीस तीर्थंकर –

Navagraha Śānti Caubīsa Tīrthaṁkara.

The 24 *Tirthankars* (Jaina-Lords) for the peace of unfavourable positions of relative planets given by the last omniscient saint Bhadrabahu (Sun-Lord Padmaprabhu), (Moon-Lord Chandraprabhu), (Mars-Lord Vasupujyanath), (Mercury-Lord Vimalnath, Anantnath, Dharmanath, Shantinath, Kunthunath, Arahnath, Naminath, Mahavir),(Jupiter-Lord Rishabhdev, Ajitnath, Suparshvanath, Abhinandannath, Sumatinath, Sheetalnath, Sambhavanath, Shreyansnath), (Venus-Lord Pushpadantnath), (Saturn-Lord Munisuvrat), (*Rahu*-Lord Neminath), (*Ketu*-Lord Mallinath, Parshvanath).

इस युग के अंतिम श्रुतकेवली मुनिराज भद्रबाहु के द्वारा रचित नवग्रहशांति स्तोत्र में नौ ग्रहों की शांति हेतु चौबीसों तीर्थंकरों का क्रम इस प्रकार बताया है—1. सूर्यग्रह की शांति हेतु-पद्मप्रभ, 2. चन्द्रग्रह-चन्द्रप्रभनाथ 3. मंगलग्रह-वासुपूज्यनाथ, 4. बुधग्रह-विमलनाथ, अनंतनाथ, धर्मनाथ, शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ, नमिनाथ, महावीर, 5. गुरुग्रह-ऋषभदेव, अजितनाथ, सुपार्श्वनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, शीतलनाथ, संभवनाथ, श्रेयांसनाथ 6. शुक्रग्रह-पुष्पदंतनाथ, 7. शनिग्रह-मुनिसुव्रतनाथ, 8. राहुग्रह-नेमिनाथ, 9. केतुग्रह-मल्लिनाथ, पार्श्वनाथ ।

नवग्रहशांति नव तीर्थंकर –

Navagraha Śānti Nava Tīrthaṁkara.

The 9 *Tirthankars* (Jaina-Lords) for the peace of unfavourable positions of relative planets according to the scriptures (Sun—Lord Padmaprabhu), (Moon—Lord Chandraprabhu), (Mars—Lord Vasupujyanath), (Mercury—Lord Mallinath), (Jupiter—Lord Mahavir), (Venus—Lord Pushpadantnath), (Saturn—Lord Munisuvrat), (*Rahu*—Lord Neminath), (*Ketu*—Lord Parshvanath).

कतिपय आगम प्रमाणों के आधार पर नवग्रहों की शांति करने वाले नौ तीर्थंकरों के नाम बताये हैं। सूर्यग्रह शांति हेतु -पद्मप्रभ भगवान, चन्द्रग्रह-चन्द्रप्रभ भगवान, मंगलग्रह-वासुपूज्य भगवान, बुधग्रह-मल्लिनाथ भगवान, गुरुग्रह-महावीर भगवान, शुक्रग्रह-पुष्पदंत भगवान, शनिग्रह-मुनिसुव्रत भगवान, राहुग्रह-नेमिनाथ भगवान, केतुग्रह-पार्श्वनाथ भगवान ।

नवग्रैवेयक – *Navagraiveyaka.*

The nine high heavenly places (above 16 heavens)

16 स्वर्ग के ऊपर अधो, मध्य, ऊर्ध्व ग्रैवेयक के तीन-तीन विमान, यहां 23-31 सागर तक क्रमशः उत्कृष्ट आयु होती है ।

नवतत्त्व – *Navatattva.*

Nine entities or Nine essential matters

9 पदार्थ; जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा, मोक्ष, पुण्य और पाप ।

नवदेवता – *Navadevatā.*

Nine reverential and supreme objects (according to Jaina philosophy).

पंचपरमेष्ठी (अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, सर्व साधु), जिनधर्म, जिनागम, जिन चैत्य (प्रतिमा), जिन चैत्यालय यह नवदेवता कहलाते हैं ।

नवदेवता पूजा – *Navadevatā Pūjā.*

A worshipping hymn composed by Ganini Gyanmati Mataji.

गणिनी ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित नवदेवताओं की प्रसिद्ध नित्यपूजा, जो जैन समाज के लोगों द्वारा व्यापकरूप से प्रतिदिन की जाती है ।

नवधात्याग – *Navadhā Tyāga.*

Renunciation with 9 forms (reg. mind, speech, body etc.).

कृत, कारित, अनुमोदना को मन, वचन, काय से गुणा करके नव प्रकार से त्याग करना ।

नवधा भक्ति – *Navadhā Bhakti.*

Nine-fold method of showing respect to a saint while offering meals as high seat etc.

आहार दान देते समय 9 प्रकार की भक्ति: पड़गाहन, उच्चस्थान, पादप्रक्षालन, पूजन, नमस्कार, मनशुद्धि, वचनशुद्धि, कायशुद्धि, आहार शुद्धि ।

नवनंद – *Navanamda*

Name of a king of *Nand* dynasty of Magadh kingdom.

मगधदेश के नंद वंश का एक प्रसिद्ध राजा ।

नव नव संवेग – *Nava Nava Samvega.*

Ever growing fear of a worldly life

मनुष्यलोक में प्रतिक्षण उत्पन्न होने वाले नये - नये भय ।

नवनारद – *Nava Narada.*

Nine *Narads* (particular super beings)

9 नारद - भीम, महाभीम, रुद्र, महारुद्र, काल, महाकाल, दुर्मुख, नरकमुख एवं अधोमुख ।

नवनारायण – *Nava Nārāyana*

Nine *Narayans* (great personalities) governing three divisions (*Khand*) of *Bharat Kshetra*(region)

63 शलाका पुरुषों में 9 नारायण जो प्रतिनारायण को मारकर तीन खण्ड के स्वामी अर्धचक्री होते हैं - त्रिपृष्ठ, द्विपृष्ठ, स्वयंभू, पुरुषोत्तम, पुरुषसिंह, पुरुषपुंडरीक, दत्त, लक्ष्मण, कृष्ण ।

नवनिधि – *Navanidhi*

Nine treasures of *Chakravarti* (emperor).

चक्रवर्ती को प्राप्त नवनिधियाँ: काल, महाकाल, पाण्डु, माणवक, शंख, पद्म, नैसर्प, पिंगल और नानारत्न ।

नवनिधि व्रत – *Navanidhi Vrata.*

A type of particular vow (fasting).

नवनिधि व्रत में 31 उपवास होते हैं, 14 चौदस, 9 नवमी, 3 तीज, 5 पंचमी ।

नवनीत – *Navanita.*

Butter

मक्खन - मर्यादित शुद्ध दूध या दही से निकाले गये मक्खन में भी 48 मिनिट के बाद त्रस जीव उत्पन्न हो जाने से अभक्ष्य हो जाता है ।

नवपदार्थ – *Navapadārtha.*

See – *Navatattva.*

देखें - नवतत्त्व ।

नव पुण्य – *Nava Punya.*

See – *Navadhabhakti.*

देखें - नवधाभक्ति ।

नवपूर्वधर – *Navapūrvadhara*

Acharyas possessing knowledge of 9 *Purvas.*

नौ पूर्व को धारण करने वाले उत्तम मुनि ।

नवप्रतिनारायण – *Navapratinārāyana.*

Nine *Pratinarayans* (great personalities).

63 शलाका पुरुषों में 9 प्रतिनारायण जो अर्द्धचक्री होते हैं, इनकी आयुधशाला में चक्ररत्न उत्पन्न होता है तथा ये नारायण के द्वारा अपने ही चक्ररत्न से मारे जाते हैं (अश्वग्रीव, तारक, मेरक, मधुकैटभ, निशुम्भ, बलि, प्रहरण, रावण और जरासंघ)।

नव बलदेव – *Nava Baladeva*

Nine *Baldevs* (the kind of 63 great personalities).

63 शलाका पुरुषों में 9 बलभद्र जो नारायण के भाई होते हैं एवं मोक्ष या स्वर्ग जाते हैं। (विजय, अचल, धर्म, सुप्रभ, सुदर्शन, नन्दीषेण, नन्दिमित्र, राम व बलराम) ।

नव ब्रह्मचर्य गुप्ति – *Nava Brahmacarya Gupti.*

Nine kinds of attributes for maintaining the vow of celibacy.

तिर्यंचनी, मनुष्यिनी और देवांगना इन तीन प्रकार की स्त्रियों का मन, वचन, काय से सेवन नहीं करना ये नव ब्रह्मचर्य गुप्तियाँ हैं (प्रतिक्रमण ग्रंथत्रयी से) ।

नवमिका – *Navamikā.*

A female deity of *Ruchak* mountain

रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी देवी ।

नवमी – *Navami.*

9th day of a lunar month, Name of female deities.

प्रत्येक माह के कृष्ण व शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि (चैत्र कृष्णा नवमी भगवान ऋषभदेव की जन्म एवं दीक्षातिथि तथा सम्राट् चक्रवर्ती भरत की जन्मतिथि), रुचक पर्वत की दिक्कुमारी देवी, व्यन्तरेन्द्र की वल्लभिका का नाम ।

नवराष्ट्र – *Navarāṣṭra.*

A country in the south of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र के दक्षिण आर्यखण्ड का एक देश ।

नवीन अवस्था प्राप्ति – *Navina Avastha Prāpti.*

Transmigration, Origination.

उत्पाद, नये रूप की प्राप्ति होना ।

नवीन पर्याय प्राप्ति – *Navina Paryāya Prāpti.*

Transmigration, Origination.

देखें - नवीन अवस्था प्राप्ति ।

नवोन्मेष – *Navonmeṣa.*

Innovation

नया प्रकाश, नई चमक, नवीन प्रवर्तन ।

नव्यन्याय – *Navyanyāya.*

A judicial philosophy.

न्याय दर्शन का एक विषय जिस पर सर्वप्रथम ई. सन् 1200 में गंगेश ने तत्त्वचिन्तामणि नामक ग्रंथ की रचना की ।

नष्ट – *Naṣṭa.*

Destructed, Annihilated, A particular method related to Mathematicsmece.

समाप्त, अक्षसंचार गणित में संख्या के आधार पर अक्ष या भंग का नाम बताना 'नष्ट' विधि कहलाती है ।

नष्ट भंग – *Naṣṭa Bhanga.*

A type of mathematical method.

प्रमादों के भंग निकालने की 5 विधियों में एक, संख्या के द्वारा भेद निकालना ।

नहुत – *Nahuta.*

A large mathematical quantity (10,000,000)*.

गणित विषयक प्रमाण; $(10,000,000)^4$ ।

नहुष – *Nahusa.*
A king of *Som* dynasty of 'Kaling'.
कलिंग देश के सोमवंशी राजा का नाम । समय- ई. 619-644 ।

नाग – *Nāga*
Snake, Serpent, The 3rd *Patal* (layer) of *Sanatkumar* heaven. A family of elephants, Name of a great *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas*
सर्प, सनत्कुमार स्वर्ग का तृतीय पटल, हाथी की एक जाति, 11 अंग, 10 पूर्व के धारी 11 मुनियों में पांचवें मुनि ।

नागकुमार (देव) – *Nāgakumāra (Deva).*
A type of deities with significant mark of snake.
भवनवासी देवों के 10 भेदों में एक भेद; इनमें इन्द्र भूतानंद धरणानंद हैं, इनके मुकुट में सर्प का चिन्ह होता है ।

नागकुमार काव्य – *Nāgakumāra Kāvya.*
Name of three compositions.
नागकुमार चरित विषयक मल्लिषेण, धर्मधर, माणिक्यराज कृत तीन काव्य ।

नागकुमारचरिउ – *Nāgakumāracariu*
A book written by *Acharya* Dharmdhar
आचार्य धर्मधर (ई. सन् 1454) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

नागगिरी – *Nāgagiri.*
Name of some particular mountains.
अपर विदेह स्थित एक वक्षार, सूर्यगिरि वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव, भरत क्षेत्र आर्य खण्ड का एक पर्वत ।

नागचन्द्र – *Nāgacandra.*
A Kannada poet who wrote 'Mallinath Purana'.
मल्लिनाथ पुराण के कर्ता एक कन्नड़ कवि ।

नागचन्द्र गृहस्थ – *Nāgacandra Gṛhastha.*
A writer of Padmapuran (Kannad).
पद्मपुराण (कन्नड़) 6000 श्लोक के कर्ता ।

नागचन्द्र मुनि – *Nāgacandra Muni.*
Saint; a commentator of 'Tattvanushasan' and 'Labdhisar'.
तत्त्वानुशासन व लब्धिसार टीका के कर्ता ।

नागदत्त – *Nāgadatta.*
Name of a saint & a deity.
एक साधु जिसको सर्प के डस जाने पर वैराग्य हुआ था, आभियोग्य जाति के देवों में मुख्य देव ।

नागदत्ता – *Nāgadattā.*
Name of a palanquin (related to Lord Dharmanath).
तीर्थंकर धर्मनाथ की शिविका (पालकी) जिस पर बैठकर वे वन में गये थे ।

नागदास – *Nāgadāsa.*
The last king of Shrenik dynasty of 'Magadh'.
मगध देश के श्रेणिक वंश का अंतिम राजा ।

नागदेव – *Nāgadeva*
Name of the poet of 'Mayan Parajaya'
कवि, मयण पराजय, पार्श्वपुराण प्राकृत के कर्ता ।

नागदेव पंडित – *Nāgadeva Paṃḍita.*
A writer of 'Sharadi Namamala'
शारदी नाममाला के कर्ता ।

नागद्रुम – *Nāgadruma.*
A small evergreen tree having fragrant yellow flowers.
नाग केसर का वृक्ष ।

नागपुर – *Nāgapura.*
A city of *Bharat Kshetra* (region).
भरत क्षेत्र का एक नगर ।

नागप्रिय – *Nāgapriya.*
Name of a mountain of *Bharat kshetra* (region)
भरत क्षेत्र के एक पर्वत का नाम ।

नागपाल – *Nāgapāla.*
Name of a mountain in the western *Videh* (region)
पश्चिम विदेह सीतोदा नदी के उत्तर तट पर तीसरा वक्षार पर्वत।

नागरमण – *Nāgaramaṇa*
A part of *Bhadrashal* forest.
भद्रशाल वन का एक खण्ड ।

नागराज – *Nāgarāja.*
A Kannad Jain poet who wrote 'Punyashrav Champu'
कर्नाटक जैन कवि पुण्याश्रव चम्पू के कर्ता ।

नागवर्म (कवि) – *Nāgavarma (Kavi).*
Name of Kannad poets.
कन्नड़ कवि (ई. सन् 990 एवं 1145) के नाम ।

नागवर्माचार्य – *Nāgavarmācārya.*
Name of a Kannad Jain poet, The commander of king Udyaditya, a writer of 'Gyansar' etc
कन्नड़ जैन कवि, उदयादित्य राजा का सेनापति, चंद्रचूड़ामणि शतक व ज्ञानसार के कर्ता ।

नागवाहिनी – *Nāgavāhinī.*
A type of study or knowledge. Name of a bed-stead of Lakshaman.
एक विद्या, लक्ष्मण की एक शय्या ।

नागवृक्ष – *Nāgavṛkṣa.*
Name of the initiation - tree of Lord Chandrapraph.
चन्द्रप्रभ तीर्थंकर का वैराग्य वृक्ष, इसी वृक्ष के नीचे उन्हें केवलज्ञान हुआ था ।

नागवेलंधर – *Nāgavelaṃdhara.*
A type of *Nagkumar* deity.
वेलन्धर जाति के नागकुमार देव ।

नागश्री – *Nāgaśrī.*
Name of the daughter of a Brahmin Agnibhuti

having particular tale with her
अग्निभूति ब्राह्मण की पुत्री। कुपित होकर इसने मुनि को विष मिश्रित आहार दिया जिससे 5 वें नरक में उत्पन्न हुई पुनः कई भवों के बाद द्रौपदी हुई ।

नागसेन – *Nāgasena.*
Name of a saint possessing knowledge of 11 *Angas* and 10 *Purvas*. A writer of Tattvanushasan
भद्रबाहु प्रथम के पश्चात् पाँचवें 11 अंग व 10 पूर्वधारी मुनि (वी.नि. 229-247)। इनका अपरनाम नाग है ।

नागहस्ती – *Nāgahasti.*
Name of a great saint
आचार्य पुष्पदन्त एवं भूतबलि के समकक्ष में एक मुनि। व्यापकरित के शिष्य और जितदण्ड के गुरु (समय- ई. 93-162) ।

नागार्जुन – *Nāgarjuna.*
A great personality of *Buddha*. Name of a writer of *Ayurved.*
एक बौद्ध विद्वान (आचार्य पूज्यपाद स्वामी से प्राप्त पद्मावती मंत्र को सिद्ध करके इन्होंने स्वर्ण बनाने की विद्या प्राप्त की)। कर्नाटक जैन कवि-वैद्यक शास्त्र में पारंगत एवं नागार्जुन कल्प आदि वैद्यक ग्रंथों के कर्ता ।

नागास्त्र – *Nāgastra*
A type of armament in the form of snake
नागरूप एक अस्त्र, इसे नष्ट करने के लिए गरुड़ अस्त्र का प्रयोग किया जाता है ।

नागोजी भट्ट – *Nāgoji Bhaṭṭa.*
Name of a commentator, the promoter of *Yoga* philosophy.
योगदर्शन के साहित्य प्रवर्तक (ई.श.17), इन्होंने छाया व्याख्या नामक टीकाएँ लिखी ।

नागौर – *Nāgaura*
Name of a place
एक स्थान जिसके नजदीक कहीं माण्डलगढ़ नगर में पं. आशाधर जी का जन्म हुआ था ।

नाग्न्य – *Nāgnya.*
Image of natural appearance (reg. saint), nakedness, it is an affliction of Jaina saints.
22 परीषह में एक परीषह; साधु द्वारा नग्न दिगम्बर रूप को धारण कर लज्जा एवं कामविकार को जीतना ।

नाचिराज – *Nācirāja.*
A Kannad poet who wrote a commentary book on 'Amarkosh' in Kannad.
कन्नड़ जैन कवि, अमरकोश की कन्नड़ टीका के कर्ता ।

नाटक – *Nāṭaka*
Drama, Acting, Gesture.
अभिनय करना, हाव भाव व्यक्त करना, तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक कर देव हर्षित होकर नाना प्रकार के नाटक करते हैं।

नाटक समयसार – *Nāṭaka Samayasāra.*
A book written by *Pandit* Banarsidas.
प. बनारसीदास द्वारा समयसार पर रचित एक ग्रंथ ।

नाट्यशाला – *Nāṭyaśālā.*
Place of dancing related to *Samavashran* (assembly of Lord Arihant).
समवशरण में जहां देवकन्याएँ नृत्य करती हैं ।

नाड़ी – *Naḍī.*
Pulse, Nerve, Measurement unit of time.
देहस्थित शिरा, समय का एक मापन ।

नाथधर्म कथा – *Nāthadharma Kathā.*
The 6th part of *Dvadshang* (scriptural knowledge)- a supreme tale containing conversation related to Lord etc.
ज्ञातृधर्म कथा, द्वादशांग का छठा अंग जिसमें गणधर देवकृत प्रश्नों के उत्तर व तीर्थंकर, गणधर आदि संबंधी धर्म कथा का वर्णन होता है। इसके 5 लाख 56 हजार मध्यम पद हैं ।

नाथ वंश – *Natha Vaṁśa.*
Name of the dynasty of Mahavira.
भगवान महावीर का वंश ।

नादग्रह – *Nādagraha.*
A part of the palace of deities
भवनवासी देवों के भवनों में एक कक्ष ।

नाना गुणहानि – *Nānā Guṇahāni.*
Various geometric regressions.
गुणहानियों के समूह को नानागुणहानि कहते हैं ।

नाना-जीव एक-अजीव – *Nānā-Jīva Eka-Ajīva.*
Pertaining to different types of living beings and one non living being.
अनेक जीव और एक अजीव ।

नाना-जीव नाना-अजीव – *Nānā-Jīva Nānā-Ajīva.*
Theory of many animates & inanimates.
अनेक जीव और अनेक अजीव ।

नाभांत – *Nābhānta.*
A city in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

नाभिकमल – *Nābhikamala.*
Navel place, the center point of all *Mantras* (mystic words).
नाभि जहां से मंत्रों के उच्चारण को बताया गया है, नाभि स्थान; पदस्थ ध्यान मंत्रों के स्थापन योग्य 10 स्थानों में एक स्थान ।

नाभिकीर्ति – *Nābhikīrti.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदि संघ के एक भट्टारक का नाम ।

नाभिगिरी – *Nābhigiri.*
Circular mountain at the center of *Haimvata* etc. areas.
भरत, ऐरावत व विदेह क्षेत्र को छोड़कर शेष हैमवत आदि चार क्षेत्रों के मध्य भाग में गोल पर्वत ।

नाभिनाल – *Nābhināla.*

Umbilical cord.

संतान की उत्पत्ति के समय नाभि से सम्बद्ध नाल, इसे शिशु के गर्भाशय से बाहर आने पर काट दिया जाता है ।

नाभिराय – *Nābhirāja.*

The 14[th] *Kulkar* (ethical founder) of the present age.

वर्तमान कल्प के 14 वें कुलकर। शिशु की नाभि नाल काटने का उपाय बताने से इस नाम से विख्यात हुए, भगवान ऋषभदेव के पिता एवं अयोध्या के राजा ।

नाभेय – *Nābheya.*

The son of Nabhiray i.e. *Teerthankar* Rishabhdeva.

नाभिराय के पुत्र तीर्थंकर वृषभदेव ।

नाम – *Nāma.*

Name; which shows meaning of any article or object.

जीवादि तत्वों के निरूपण के लिये 4 निक्षेपों में एक- जिसके द्वारा अर्थ जाना जावे अथवा अर्थ को जो अभिमुख करे ।

नाम अग्रायणीपूर्व – *Nāma Agrāyaṇīpūrva.*

A type of scriptural knowledge, *Shrutgyan* (one part of the 14 *Purvas*).

श्रुतज्ञान के अग्रायणीपूर्व का एक भेद ।

नाम अनन्त – *Nāma Ananta.*

To designate *'Anant'* (infinite) to living - non living beings and mixed substances.

अनंत के 11 भेदों में एक भेद; कारण के बिना ही जीव अजीव और मिश्र द्रव्य की अनंत संज्ञा करना ।

नाम अंतर – *Nāma Antara.*

To have dissimilarity in any object.

निक्षेप की अपेक्षा अंतर का एक भेद ।

नाम उपक्रम – *Nāma Upakrama.*

A type of *Upakrama* (a type of pursuance in accordance with natural matters).

उपक्रम के 5 भेदों में एक भेद ।

नाम उपशम – *Nāma Upaśama.*

A type of subsidence or cessation (related to *Karmic* theory)

निक्षेपों की अपेक्षा उपशम का एक भेद, इसके गौण्य नाम एवं नोगौण्य नाम दो भेद हैं ।

नाम कर्म – *Nāma Karma.*

Physique making *Karma*

8 कर्मों में एक कर्म; जिस कर्म के उदय से जीव देव-मनुष्यादि कहलाता है अथवा जो नाना प्रकार के शरीर की रचना करता है ।

नाम कर्म क्रिया – *Nāma Karma Kriyā.*

To give name to the born child at the 12[th] day after its birth.

गर्भान्वय क्रिया का 7 वां संस्कार, जन्म के 12 वें दिन पूजा व द्विज आदि के सत्कार पूर्वक बालक का कोई योग्य नाम रखना ।

नाम कषाय – *Nāma Kaṣāya.*

A type of passion (in accordance with *Nikshep*)

निक्षेप की अपेक्षा कषाय के 8 भेदों में एक भेद ।

नाम काल – *Nāma Kāla.*

Word denoting to time

'काल' इस प्रकार का शब्द नामकाल कहलाता है ।

नाम छेदना – *Nāma Chedanā.*

That which gives the knowledge of differentiation in the substances.

छेदना का एक भेद; सचित्त और अचित्त द्रव्यों को अन्य द्रव्यों से पृथक् करके जो संज्ञा का ज्ञान कराती है ।

नाम ध्येय – *Nāma Dhyeya.*

Meditation or contemplation on some particular *Mantras* (mystic words) or name

ध्येय का जो वाचक शब्द वह नामरूप ध्येय है। नामरूप ध्येय अर्थात् अनेक प्रकार के मंत्रों व स्वर व्यंजन आदि का ध्यान ।

नामनय – *Nāmanaya.*

Exposition of any matter by using some words

पदार्थ को शब्द द्वारा कहा जाना नाम नय है ।

नामनिक्षेप – *Nāmanikṣepa.*

Representing one with the name, opposing its virtues.

नाम के अनुरूप गुण न होने पर भी लोक व्यवहार में जो नामकरण किया जाता हो ।

नाम निबंधन – *Nāma Nibandhana*

Pronouncing Something according to its qualities.

जिस नाम की वाचकरूप से प्रवृत्ति में जो अर्थ अवलम्बन होता है, वह नाम निबन्धन है, क्योंकि उसके बिना नाम की प्रवृत्ति संभव नहीं है ।

नाम पद – *Nāma Pada.*

A designated name, A type of *Upakrama* (A type of pursuance in accordance with the natural matter).

नाम उपक्रम का एक भेद ।

नाम परिपाटी – *Nāma Paripāṭī.*

Order (lineage) pertaining to name, Nomenclature.

नाम परम्परा ।

नाम पूजा – *Nāma Pūjā.*

Worshipping with pronouncing the name of Lord Arhant.

अर्हंत भगवान का नाम उच्चारण करते हुए पूजा करना ।

नाम प्रतिक्रमण – *Nāma Pratikramaṇa.*

Repentance due to pronouncing bad or demeritorius names.

किए गये अयोग्य नाम के दोष को दूर करने के लिए प्रतिक्रमण सूत्रों का उच्चारण अथवा किसी का नाम 'प्रतिक्रमण' रख देना ।

नाम प्रत्यय – *Nāma Pratyaya.*
Identified name for something specific
विशेष नाम के द्वारा पहचाना जाने वाला ।

नाम प्रत्याख्यान – *Nāma Pratyākhyāna.*
Resolution for not to pronounce bad (unmeritorious) names
अयोग्य नाम का मैं उच्चारण नहीं करूँगा' ऐसा संकल्प ।

नाम मंगल – *Nāma Maṅgala.*
Auspicious names-Lord Arhant, Siddha, & Acharyas' names etc.
वीतराग भगवान् के अर्हन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु इन नामों को नाम मंगल कहते हैं ।

नाम सत्य – *Nāma Satya.*
A type of truth, to name conscious, unconscious matters even in the absence of them
10 प्रकार के सत्य में एक भेद, पदार्थों के न होने पर भी सचेतन और अचेतन द्रव्य की संज्ञा करना ।

नाम सम – *Nāma Sama.*
A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान का एक भेद, द्रव्यश्रुत के साथ रहने अर्थात् उत्पन्न होने के कारण शब्द अक्षरों में स्थित श्रुतज्ञान 'नामसम' कहलाता है ।

नाम सामायिक – *Nāma Sāmāyika.*
State of equanimity (pertaining to liked or disliked names about any matter).
प्रिय-अप्रिय नाम आदि सुनकर हर्ष या विषाद नहीं करना ।

नाम स्तव – *Nāma Stava.*
Eulogical praising of 1008 names of Lord Arihant
चौबीस तीर्थंकरों के गुणों के अनुसरण द्वारा उनके 1008 नामों से स्तुति करना ।

नारक – *Nāraka.*
Hellish beings.
नरक के जीव ।

नारकी – *Nāraki.*
Denizens (beings) of hell.
नरक वासी जीव; ये हुण्डक संस्थान, नपुंसक, पंचेन्द्रिय, कृष्ण, रौद्र ध्यान, अशुभ लेश्या वाले ही होते हैं ।

नारत – *Nārata.*
See – *Nāraka.*
देखें – नारक ।

नारद – *Nārada.*
Particular superbeings.
देखें – नवनारद ।

नाराचसंहनन कर्मप्रकृति – *Nārācasaṁhanana Karmaprakṛti.*
Karmic nature causing formation of strong skeleton.
6 संहनन में तीसरा संहनन जिस कर्म के उदय से शरीर में हड्डियों की संधियाँ परस्पर नाराच अर्थात् कील से जुड़ी होती हैं ।

नारायण – [illegible]
See – *Nava Narāyana*, The chief listener in the assembly of Lord Kunthunath, the son of Lord Shantinath
देखें – नवनारायण, तीर्थंकर कुंथुनाथ के मुख्य श्रोता, तीर्थंकर शांतिनाथ का पुत्र ।

नारी – *Nāri.*
A woman, Name of a river of *Ramyak Kshetra* (region).
स्त्री, रम्यक क्षेत्र की नदी जो महापुण्डरीक पर्वत से निकलती है ।

नारीकूट – *Nārikuṭa*
Name of a summit of *Rukmi* mountain
रुक्मि पर्वत का एक कूट ।

नालिका – *Nālikā.*
A river of the east *Arya Khand* (region), A time unit
पूर्वी आर्यखण्ड की एक नदी, काल का एक प्रमाण ।

नाली – *Nāli*
A unit of area and time measurement.
क्षेत्र व काल का प्रमाण विशेष, 24 मिनिट=1 नाली (घड़ी) ।

नाश – *Nāśa.*
Destruction, Annihilation.
व्यय; नष्ट होना ।

नासाग्र – *Nāsāgra*
To concentrate the eyes on the tip of the nose at the time of meditation.
नासा का अग्र भाग; ध्यान मुद्रा में नासा के अग्रभाग पर दृष्टि स्थिर की जाती है ।

नासारिक – *Nāsārika*
A country in west *Arya Khand* of *Bharat Kshetra* (region).
भरत क्षेत्र पश्चिमी आर्यखण्ड का एक देश ।

नास्ति अवक्तव्य – *Nāsti Avaktavya.*
Negation–cum–Indescribable.
7 भंगों में एक भंग, पर द्रव्य क्षेत्र काल भाव के कथन से द्रव्यनास्ति एवं युगपत् अभेद विवक्षा से वस्तु अवक्तव्य है ।

नास्ति भंग – *Nāsti Bhaṅga.*
A type of seven fold prediction, *Saptbhangi.*
सप्तभंगी का द्वितीय भंग (भेद), धर्मान्तर का निषेध करने वाला बोधजनक वाक्य। जैसे-पुस्तक 'पुस्तक' रूप से अस्ति है और 'चौकी' रूप से नास्ति है ।

नास्तिक – *Nāstika.*
Atheist
एक एकान्त मत जो आत्मा व पुण्य-पाप आदि का अस्तित्व न मानने वाला है ।

नास्तिक्यवाद – *Nāstikyavāda.*
Doctrine of atheism

चार्वाक मत इत्यादि ।

नास्तित्व – *Nāstitva.*

Non-existence, negation

जिसका कोई अस्तित्व नहीं है, द्रव्यों का एक सामान्य स्वभाव, द्रव्य का परस्वरूप नहीं होना ।

निष्कल – *Niṣkala*

A type of meditation, Supreme soul salvated one, devoid of all attachments.

ध्यान का एक प्रकार, परमात्मा; शरीर रहित सिद्ध परमात्मा ।

निःकषाय – *Niḥkaṣāya*

Devoid of passion, Predestined 14th *Tirthankar's* (Jaina-Lord's) name.

कषाय से रहित होना, भावीकालीन 14वें तीर्थंकर। अपरनाम विमलप्रभ ।

निःकांक्षित – *Niḥkāṁkṣita.*

To have no desire for worldly comforts.

सम्यग्दर्शन के 8 अंगों में दूसरा अंग; लोक परलोक संबंधी भोगों की आकांक्षा नहीं करना ।

निःकाचित् – *Niḥkācit*

A state of *Karma* which is to be faced compulsorily

कर्म की एक अवस्था; जिस कर्म का फल नियम से भोगना ही पड़ता हो जिसमें अपकर्षण, उत्कर्षण, संक्रमण न हो ।

निःकृतिवाक्य – *Niḥkṛtivākya.*

Deceitful or misguiding language.

सत्यप्रवाद नामक छठे पूर्व में वर्णित 12 प्रकार की भाषा का 8 वां भेद; ऐसी भाषा जिससे दूसरों को प्रवंचित किया जाता है।

निःक्राम – *Niḥkrāma.*

A type of *Talgat Gandharva* (deities)

तालगत गन्धर्व के 22 भेदों में एक भेद ।

निःशंकित् – *Niḥśaṁkit.*

To be completely doubtless about the preachings of Jain Lord, Free from all type of fears

सम्यग्दर्शन का एक अंग; आप्त के कहे वचनों में संशय नहीं करना, सप्त भयों से रहित रहने वाला ।

निःशल्य – *Niḥśalya.*

The virtue of vowees, free from worldly stings (passions etc).

व्रती का लक्षण; जो मिथ्या, माया, निदान शल्य से रहित हो ।

निःशल्य अष्टमी व्रत – *Niḥśalya Aṣṭamī Vrata.*

A particular type of vow.

16 वर्ष पर्यंत प्रति भाद्रपद शुक्ला 8 को उपवास करना ।

निःश्रेयस – *Niḥśreyasa.*

Spiritual enjoyment, supreme bliss.

जन्म जरा मरण रोग व शोक के दुःखों से और सप्त भयों से रहित अविनाशी तथा कल्याणमय शुद्ध सुख अर्थात् मोक्ष का अविनश्वर अतीन्द्रिय सुख ।

निःश्वास – *Niḥśvāsa.*

Out breath, Exhalation, A time unit

सांस बाहर निकालना, काल का एक प्रमाण ।

निःसंगत्व – *Niḥsaṁgatva*

Non- attachment.

परिग्रह से रहितपना ।

निःसंगत्व भावना क्रिया – *Niḥsaṁgatva Bhāvanā Kriyā*

An auspicious & sacred act; an activity of non-attachment (related to purity of conduct).

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक, एकल विहारी होकर अधिकाधिक चारित्र में विशुद्धि करना ।

निःसरणात्मक तैजस शरीर – *Niḥsaraṇātmaka Taijasa Śarīra.*

Beneficient or magnificient electric body coming out from a great saint causing intense auspicious or inauspicious results respectively.

निःसरणात्मक तैजस शरीर के दो भेद होते हैं-शुभ और अशुभ। (1) अकाल, महामारी आदि प्राकृतिक आपदाओं से द्रवित होकर महातपस्वी मुनि के दायें कंधे से निकलने वाला तैजस शरीर शुभ होता है, जो 12 योजन तक समस्त आपदाओं का विनाश कर पुनः महामुनि के शरीर में प्रवेश कर जाता है। (2) उग्र चारित्र वाले मुनि के अति क्रोधित अवस्था में उनके बायें कंधे से जलती हुई अग्नि के समान निकलने वाला तैजस शरीर अशुभ होता है जो 12 योजन तक सब कुछ भस्मसात करके पुनः उन मुनि को भी भस्म कर देता है ।

निःसृत – *Niḥsṛta.*

Taken out (matter etc)

बाहर प्रगट पदार्थ या निकला हुआ पदार्थ ।

निःसृत ज्ञान – *Niḥsṛta Jñāna.*

A type of sensory knowledge, knowing something completely.

मतिज्ञान का एक भेद। अवग्रहादि ज्ञानों का एक विषय; विद्यमान पूरी वस्तु को जानना निःसृत ज्ञान है ।

निंदन – *Nindana.*

Condemn, Reproach, Blaming.

निन्दा अथवा दोषारोपण ।

निंदा – *Niṁdā.*

Condemnation, Blame or blaming.

छिद्रान्वेषण करना, दोष देना, बुरा-भला कहना ।

निंब – *Niṁba.*

The Neem (tree), Example of fruition of sinful *karmic* nature

नीम (वृक्ष), पाप प्रकृतियों के अनुभाग उदय का उदाहरण ।

निकटावती – *Nikaṭāvatī.*

A mountain of *Jambudvip* (island).

जम्बूद्वीप के 'हरि' क्षेत्र में स्थित एक पर्वत ।

निकल – *Nikala.*
See - *Nikkala.*
देखें – निःकल ।

निकारित – *Nikārita.*
See - *Nikkācit*
देखें – निःकाचित्

निकाय – *Nikāya.*
Group, Class, Corpus, System, Organization.
समूह, भवनवासी, व्यन्तर, ज्योतिष्क और वैमानिक–देवों के ये चार निकाय हैं ।

निकृति – *Nikṛti.*
A type of illusion or deceit
वंचना माया का एक भेद – बेईमानी, अधमपना, धोखा ।

निकेत – *Niketa.*
Aboding place, house, Temple.
भवन, गृह, मंदिर ।

निकोत – *Nikota.*
Lowest form of life, Originating place of one-sensed beings.
निगोद; नास्तिक, दुराचारी, विषयासक्त, तीव्र मिथ्यात्वी यहां उत्पन्न होते हैं एवं एक श्वांस में 18 बार जन्म मरण के महादुख सहते हैं ।

निक्षेप – *Nikṣepa.*
Installation, Differentiation of things by different names etc.
रखना, नामादि के द्वारा वस्तु में भेद करने के उपाय को न्यास या निक्षेप कहते हैं ।

निक्षेपणा – *Nikṣepaṇa.*
Mixing, Installing something
डालना, किसी वस्तु को रखना ।

निक्षेपादानसमिति – *Nikṣepādānasamiti.*
Carefulness in handling the things avoiding anytype of violence (a virtue of saint).
मुनि की 5 समितियों में चौथी समिति; वस्तुओं को देखकर रखना और उठाना ।

निक्षेपाधिकरण – *Nikṣepādhikaraṇa.*
Cleaning, Act of wiping away.
अजीवाधिकरण आस्रव का एक भेद; इसके 4 भेद हैं ।

निक्षेपार्थ – *Nikṣepārtha.*
Knowing about the matters by *Nikshep Vidhi* (installation method).
निक्षेप विधि से पदार्थों के स्वरूप को जानना ।

निक्षेपिणी – *Nikṣepiṇī.*
A religious story pertaining to presentation of self favour, A type of knowledge.
4 धर्म कथाओं में एक कथा; इसमें अपने पक्ष का प्रतिपादन किया जाता है, एक विद्या ।

निखंडित – *Nikhaṇḍita.*
A type of renunciation
सार्थक प्रत्याख्यान के 10 भेदों में एक भेद ।

निगड़ – *Nigaṛa*
Fetters; an important article used by soldiers or police
बेड़ी; सैन्य सामग्री का एक अंग ।

निगमन – *Nigamana.*
Right Deduction, A logical conclusion.
साधन को दुहराते हुए साध्य के निश्चयरूप वचन को निगमन कहते हैं। जैसे–धूमवाला होने से यह अग्निवाला ही है ।

निगमनाभास – *Nigamanābhāsa.*
A fallacy of logical conclusion
निगमन की जगह उपनय का कथन करना ।

निगूढ़तर्क – *Nigūṛhatarka.*
Abstract reasoning.
सारभूत तर्क ।

निगोत – *Nigota*
Lowest form of life, Originating place of one-sensed beings.
एकेन्द्रिय जीवों का जन्मस्थान–निगोद ।

निगोद – *Nigoda.*
Lowest forms of life, Originating place of one-sensed beings.
एकेन्द्रिय जीवों का उत्पत्ति स्थान। नित्य निगोद, इतर निगोद इसके दो भेद हैं। नास्तिक,दुराचारी, विषयासक्त तीव्र मिथ्यात्वी यहाँ उत्पन्न होते हैं एवं एक श्वांस में 18 बार जन्म–मरण के महादुख सहते हैं। ये नरक के नीचे निगोद स्थान है तथा तीन लोक में अन्यत्र भी निगोदिया जीव पाये जाते हैं, जैसे–काई इत्यादि ।

निगोद बादर – *Nigoda Bādara.*
A type of *Nigod* beings.
निगोदिया जीव जिनका शरीर किसी आधार से हो ।

निग्रह – *Nigraha.*
Act of controlling, Censure, Restriction.
स्वच्छन्द प्रवृत्ति को रोकना अर्थात् नियंत्रित करना, वश में करना, दमन करना ।

निग्रह स्थान – *Nigraha Sthāna.*
Not to give any argument when the other party puts unreasonable blames.
खण्डनकार, प्रतिवादी द्वारा अपने पर दिये गये दोषों का निराकरण न करना ।

निघंटु – *Nighaṇṭu.*
Name of a mythological book, Name of books written (1) by *Shvetambaracharya* Hemchandrasuri and (2) by *Acharya* Padmanandi.
एक पौराणिक ग्रंथ, श्वेताम्बराचार्य श्री हेमचन्द्रसूरि (ई. 1088–1143) एवं आचार्य पद्मनन्दि (ई. 1280–1330) कृत ग्रंथों का नाम ।

निचली कृष्टि – *Nicalī Kṛṣṭi.*

Lower attenuation (gradual destruction of passions).
प्रथम, द्वितीय आदि कृष्टि को निचली कृष्टि कहते हैं ।

निछावर – *Nichābara.*

Propitiatory offerings (related to charity).
भेंट करना, उंडेल देना, लुटाना ।

निज – *Nija.*

Personal, Private
स्वयं का, अपना, स्वकीय, आत्मीय ।

निजगणानुपस्थापना – *Nijagaṇānupasthāpanā.*

A type of repentence or atonement
परिहार प्रायश्चित्त का एक भेद ।

निजात्मज्ञान विमुखता – *Nijātmajñāna Vimukhatā.*

Aversion from own true knowledge.
मिथ्या ज्ञान, निजात्मा के परिज्ञान से विमुख होना ।

निजात्माष्टक – *Nijātmāṣṭaka.*

Spiritual composition composed by *Acharya* Yogendudev.
आचार्य योगेन्दु देव (ई.श.6) द्वारा रचित सिद्ध स्वरूपानुवाद विषयक आठ अपभ्रंश दोहे । अपरनाम-निजाष्टक ।

निजानंदसागर (उपाध्याय) – *Nijānandasāgara (Upādhyāya).*

Name of a saint, the disciple of *Muni* Shri Dayasagar Maharaj.
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा के एक मुनि श्री दयासागर महाराज के शिष्य (ई.श. 20-21)। हिन्दी, कन्नड़ भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी में धारावाहिक प्रवचन के द्वारा आप जैनधर्म की विशेष प्रभावना में तत्पर हैं।

नित्य – *Nitya.*

Permanent, Constant, Eternal.
द्रव्य के 11 सामान्य स्वभावों में एक; अनेक पर्यायों में वह यही है इस प्रकार द्रव्य का सदैव पाया जाना ।

नित्यक्रिया – *Nityakriyā.*

Essential duties for saints, householders etc.
षट् आवश्यक, मुनि – श्रावक के नित्य करने योग्य देववंदना आदि आवश्यक क्रियाएँ ।

नित्यता विपाक – *Nityatā Vipāka.*

Unfailing fruition of *Karmas*.
कर्मों का नित्य उदय ।

नित्यत्व – *Nityatva.*

Permanence, Eternity.
द्रव्य का नित्यता का गुण ।

नित्यनय – *Nityanaya.*

Standpoint of eternity.
47 नयों का एक भेद; आत्मद्रव्य को नट की भाँति अवस्थायी जानना ।

नित्यनिगोद – *Nityanigoda.*

Eternal lowest life or permanent lowest life.
निगोद का एक भेद; जो जीव अनादिकाल से निगोद पर्याय में है और जिन्होंने अभी तक अन्य पर्याय नहीं पायी है ।

नित्यमह – *Nityamaha*

To worship Lord Jinendra daily with 8 auspicious articles
नित्य पूजा। प्रतिदिन घर से गन्ध, पुष्प, अक्षत आदि ले जाकर जिनालय में श्री जिनेन्द्रदेव की पूजा करना। इसका अपर नाम सदार्चन है ।

नित्यमहोद्योत – *Nityamahodyota*

A book written by *Pandit* Ashadharji.
पं. आशाधर (ई. 1173-1243) की एक कृति ।

नित्यरसी व्रत – *Nityarasī Vrata.*

A particular type of vow (fasting)
ज्येष्ठ कृ. 1 से ज्येष्ठ पूर्णिमा तक कृ. 1 को उपवास तथा 2-15 तक एकासना करना। पुनः शु. 1 को उपवास और 2-15 तक एकासन करना ।

नित्यवाद – *Nityavāda.*

Eternalism
नित्यता को मानने वाला एक एकान्त मत ।

नित्यवाहिनी – *Nityavāhinī*

A city in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

नित्यसमाजाति – *Nityasamājāti.*

Parity per eternity, Permanance, eternalism.
अनित्य में भी नित्यत्व का प्रसंग उठाना नित्य समाजाति है ।

नित्यानंद – *Nityānanda.*

Eternal bliss, Another name for *Mokshamarg*, the path of salvation.
नित्य बना रहने वाला अर्थात् अविनश्वर सुख (मोक्षसुख), निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम ।

नित्यानित्य – *Nityānitya.*

Permanent-cum-impermanent.
द्रव्य द्रव्यार्थिक नय की अपेक्षा नित्य एवं पर्यायार्थिक नय की अपेक्षा अनित्य है ।

नित्यालोक – *Nityāloka.*

A summit situated at *Ruchak* mountain.
रूचक पर्वत पर स्थित एक कूट ।

नित्योद्योत – *Nityodyota.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain, A summit of *Ruchak* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, रूचक पर्वत पर स्थित एक कूट ।

नित्योद्योतिनी – *Nityodyotinī.*

A city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

निदर्शन - *Nidarśana.*
Illustration, Example
दृष्टान्त ।

निदान - *Nidāna.*
Prime cause. To desire for enjoyment in the next birth
कारण। आर्तध्यान का भेद, जिसका अर्थ है भोगों की आकांक्षा। सल्लेखना का एक अतिचार; आगामी काल में भोगों की इच्छा। तीन शल्यों में से एक।

निदान आर्तध्यान - *Nidāna Ārtadhyāna.*
To observe conduct of austerity for getting all sensory pleasures in the next birth
तीव्र कामादि वासना से प्रेरित होकर त्याग-तपस्या के फलस्वरूप परलोक में इन्द्रिय सुख प्राप्त करने की निरन्तर आकांक्षा करना।

निदान प्रत्यय - *Nidāna Pratyaya.*
Pain due to not getting desirable matter.
अनुपलब्ध इष्ट पदार्थ के चिंतन से हुआ आर्तध्यान ।

निदान शल्य - *Nidāna Śalya.*
Constant vehement desires for worldly pleasures.
देखे, सुने, अनुभव में आये हुए भोगों में निरंतर चित को लगाए रखना ।

निद्रा - *Nidrā*
Sleep, Slumber
मद, खेद और परिश्रमजन्य थकावट को दूर करने के लिए शयन या विश्राम करना ।

निद्रा कर्म प्रकृति - *Nidrā Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing sleep.
वह कर्म प्रकृति जिससे निद्रा का उदय होता है ।

निद्राद्विक - *Nidrādvika.*
Dyad of *Karmic* nature related to sleep.
निद्रा एवं प्रचला ये दो कर्म प्रकृतियाँ ।

निद्रा निद्रा - *Nidrā Nidrā.*
Deep sleep
निद्रा की पुनः पुनः प्रवृत्ति होना ।

निद्रा निद्रा कर्म प्रकृति - *Nidrā Nidrā Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing deep sleep.
दर्शनावरणीय कर्म-जिसके उदय से गाढ़ निद्रा आये, कठिनता से जागे ।

निद्रापंचक - *Nidrāpaṁcaka.*
Group of five *Karmic* nature (conation obscuring) causing deep sleep.
दर्शनावरणीय कर्म-निद्रा, निद्रा निद्रा, प्रचला, प्रचलाप्रचला, स्त्यानगृद्धि, ये पाँच निद्रापंचक कहलाते हैं ।

निधत्त - *Nidhatta.*
A type of Karmic state.
जिन बंधे हुए कर्मों का उत्कर्षण या अपकर्षण तो संभव हो, पर संक्रमण होना संभव नहीं हो ।

निधान - *Nidhāna.*
Treasure.
खजाना, अर्हन्त भगवान गुणों के निधान अर्थात् खजाना होते हैं।

निधि - *Nidhi*
Treasure, Jewels (nine according to Jaina philosophy).
समवशरण के गोपुरों के बाहर विद्यमान शंख आदि 9 निधियाँ, देखें-नवनिधि ।

निधुरा - *Nidhurā.*
A river of the east *Arya Khand* of *Bharat Kshetra* (region)
परलोक पूर्वी आर्यखण्ड की एक नदी ।

निम्नहुत - *Nimnahuta.*
A large mathematical quantity $(10,000,000)^5$.
एक विशाल गणितीय संख्या $(10,000,000)^5$ ।

निन्हव - *Ninhava*
Concealment in exposition of knowledge.
ज्ञानावरण-दर्शनावरण कर्म के आस्रव का कारण - ज्ञान को छिपाना, पूछने पर 'मैं नहीं जानता' ऐसा कह देना ।

निबंध - *Nibaṁdha.*
Binding, fastening, to compose treatise.
बांधना, कसना, रचना करना, अवरोध ।

निबंधन - *Nibaṁdhana.*
Binding, Fastening, Restraining. A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan; Purva*)
जो द्रव्य जिसमें सम्बद्ध है उसे निबंधन कहा जाता है, अग्रायणीपूर्व की पंचम वस्तु की बीस प्राभृतों में कर्म प्रकृति नामक चतुर्थ प्राभृत के 24 योगद्वारों में 7 वां योगद्वार ।

निबद्धमंगल - *Nibaddhamaṁgala.*
An auspicious deed; paying reverence to Lord Arihant in eulogical form.
ग्रंथकार के द्वारा जो स्तुतिपरक श्लोक के रूप में भगवान को नमस्कार किया जाता है वह निबद्ध मंगल कहलाता है ।

निमंत्रण - *Nimaṁtraṇa.*
Invitation.
बुलाना, आह्वान, न्यौता, आमंत्रण ।

निमग्ना - *Nimagnā.*
A river in the west of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की पश्चिमी दिशा की एक नदी ।

निमज्जन - *Nimajjana.*
To sink into the water.
जल में डूबना ।

निमित्त - *Nimitta.*
Purpose, Motive.
कारण, हेतु, साधन आदि ।

निमित्तक उत्पाद - *Nimittaka Utpāda.*
Origination with some cause

परद्रव्य में होने वाला उत्पाद ।

निमित्त कारण – *Nimitta Kāraṇa*

External cause, efficient cause

जो पदार्थ स्वयं कार्य रूप न हो किन्तु कार्य के होने में सहयोगी हो ।

निमित्त ज्ञान – *Nimitta Jñāna.*

Science of omens. Prognostics

अंतरिक्ष, भौम, अंग, स्वर, व्यंजन, लक्षण, चिन्ह (छिन्न), स्वप्न इन 8 निमित्तों से भूत – भावी शुभाशुभ बात का ज्ञान होना ।

निमित्त–नैमित्तिक संबंध – *Nimitta-Naimittika Sambandha.*

Cause and effect relationship.

जो एक दूसरे के कार्य रूप परिणाम में एक दूसरे को परस्पर सहायक है ।

निमित्तवाद – *Nimittavāda.*

Doctrine of cause and effect

एक परतंत्रवाद, निमित्तवाद को मानने वाला एक एकांतमत ।

निमित्तशास्त्र – *Nimittaśāstra.*

A book written by Rishiputra

ई.श. 6 में ऋषिपुत्र कृत एक ग्रंथ ।

निमित्तशास्त्र – *Nimittaśāstra.*

A composition showing results of different causes.

निमित्तों का फल बताने वाला शास्त्र ।

निमिष – *Nimiṣa.*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

निमेष – *Nimeṣa.*

A time unit.

काल का एक प्रमाण, चक्षु टिमकार, असंख्यात समय ।

निम्ब – *Nimba.*

Neem (known for its bitter taste & medicinal uses)

नीम ।

निम्बसदृश अनुभाग – *Nimbasadṛśa Anubhāga.*

Fruitional intensity of *Karmas* as bitter as neem.

कड़वे नीम के समान पाप प्रकृतियों की फलदानरूप शक्ति ।

नियतकाल अनशन – *Niyatakāla Anaśana.*

Fasting for some particular or fixed time period.

निश्चित समय की उपवास करना ।

नियतकाल सामायिक – *Niyatakāla Sāmāyika.*

Spiritual meditation, Contemplation about Lord Arihant.

सामायिक व्रत का एक भेद; निश्चित समय में कृतिकर्म पूर्वक आसन आदि लगाकर पंच परमेष्ठी आदि के स्वरूप या निजात्मा का चिंतवन करना। यह सामायिक चारित्र का भी एक भेद है ।

नियत प्रदेशत्व – *Niyata Pradeśatva.*

Fixed pointedness.

जो अनादि संसार से लेकर संकोच विस्तार से लक्षित है और जो चरम शरीर के परिमाण से कुछ न्यून परिमाणों में अवस्थित होता है, ऐसा लोकाकाश प्रमाण आत्म अवयवत्व जिसका लक्षण है [illegible] ।

नियत विपाक – *Niyata Vipāka.*

Ascertained fruition (related to *Karmas*).

ध्रुव उदय कर्म प्रकृतियां ।

नियत वृत्ति – *Niyata Vṛtti.*

Fixed stratum. Fixed abiding.

संकर व्यतिकर रहित अपने स्वरूप में अवस्थित रहना वस्तु की नियतवृत्ति है। जैसे–अग्नि नियत उष्ण स्वभावी है ।

नियति – *Niyati.*

Fate, destiny; fortune

द्रव्य, क्षेत्र, काल व भावरूप चतुष्टय से समुदित नियत कार्यव्यवस्था को नियति कहते है ।

नियतिनय – *Niyatinaya.*

A standpoint related to fate.

47 नयों में एक नय, जिसकी उष्णता नियमित होती है ऐसी अग्नि की भाँति आत्मद्रव्य नियतस्वभाव रूप भासित होता है ऐसा जानना ।

नियतिवाद – *Niyativāda*

Fatalism, Determinism, Principle of destiny.

भाग्यवाद–यह मिथ्या एवं सम्यक् के भेद से 2 प्रकार का होता है। एकांत में भाग्य पर ही अवलम्बित रहना मिथ्या नियतिवाद है और अनेकांत से भाग्य और पुरुषार्थ दोनों को गौण–मुख्य विवक्षा से स्वीकार करना सम्यक् नियतिवाद है ।

नियतिवादी – *Niyativāda.*

Believer of fatalism

नियतिवाद का पक्षधर – एकांतपक्षी ।

नियन्ता – *Niyantā.*

Regulator (reg. something)

नियमानुसार संचालन करने वाला ।

नियन्तृ – *Niyantṛ.*

Controller.

नियंत्रण करने वाला। सारथि, चालक, दण्ड देने वाला ।

नियम – *Niyama.*

Restraint, Vow. Restriction

देव शास्त्र गुरु की साक्षी में अभिप्रायपूर्वक किया गया कोई भी त्याग नियम कहलाता है। जैसे-उपवास, रसपरित्याग आदि ।

नियमसार – *Niyamasāra.*

Name of a treatise written by *Acharya* Kund-Kund.

आचार्य कुंदकुंद (ई. 127-179) कृत प्राकृत भाषा में एक ग्रंथ ।

नियमसार टीका – *Niyamasāra Tīkā.*

A book written by *Acharya* Kund-Kund.

मुनि पद्मप्रभ मलधारी देव (ई. 1140-1185) कृत नियमसार ग्रंथ पर टीका। इसका हिन्दी अनुवाद गणिनी ज्ञानमती माताजी

द्वारा किया गया है जो जम्बूद्वीप हस्तिनापुर से प्रकाशित है। इसमें मुनियों के व्यवहार एवं निश्चय रत्नत्रय का सुन्दर वर्णन है। इस ग्रंथ की प्राकृत गाथाओं का हिन्दी अनुवाद पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा किया गया है, जो 'नियमसार पद्यावली' के नाम से प्रकाशित हुआ है।

नियमसार प्राभृत – *Niyamasāra Prābhṛta.*
A commentary treatise in Sanskrit-Hindi written by Pujya Ganini Shri Gyanmati Mataji on *Niyamsar Grantha.*
नियमसार की प्राकृत गाथाओं पर पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा ई. सन् 1984-85 में रचित "स्याद्वाद चन्द्रिका" नामक संस्कृत एवं हिन्दी टीका से समन्वित एक ग्रंथ। इस ग्रंथ पर पं. शिवचरनलाल जैन-मैनपुरी (उ.प्र.) द्वारा बृहत्काय शोध प्रबंध लिखा गया है।

नियमित सान्द्र – *Niyamita Sāndra.*
Regular solid.
एक प्रकार की ठोस आकृति से संबंधित।

नियुत – *Niyuta.*
A time unit.
काल का प्रमाण विशेष, 84 लाख नियुतांग प्रमाण काल।

नियुतांग – *Niyutāṅga.*
A time unit.
84 लाख पूर्व प्रमाण काल।

नियोग – *Niyoga.*
Injunction.
अनुयोग के 5 पर्यायवाची नामों में एक नाम।

निरंजन – *Niraṁjana*
Untainted (pure), Another name of *Mokshmarga* (path of salvation)
परमशुद्ध, निश्चय मोक्ष मार्ग का एक अपरनाम।

निरंतर – *Niraṁtara.*
Continuous, Constant.
नित्य, लगातार होने वाला, सतत, अविच्छिन्न, सदा बना रहने वाला।

निरंतरबंधी प्रकृति – *Niraṁtarabaṁdhī Prakṛti.*
Constant *Karmic* nature (reg. binding).
जो प्रकृतियां अन्तर्मुहूर्त आदि काल तक निरंतर रूप से बंधती हैं।

निरंतर सिद्ध – *Niraṁtara Siddha.*
Continually salvating beings.
अंतर की अपेक्षा निरंतर सिद्ध होने वाले जीव, 8 समय अंतर एवं मास में दो समय अंतर से सिद्ध होने वाले जीव।

निरंश – *Niraṁśa.*
Non-divisible particles.
अवयव रहित; अखंड परमाणु, द्रव्यार्थिक नय से परमाणु में निरंशपना होता है।

निरतगति – *Niratagati.*
Destination of hell, hellish life course or destinity.
नरकगति।

निरतिचार – *Niraticāra.*
Non-transgression, Non-violation
दोष न लगाना; अतिचार रहित।

निरतिशय – *Niratiśaya.*
Ordinary, without any wonder or transcendent.
अतिशय रहित, साधारण।

निरतिचारता – *Niraticāratā.*
State of faultlessness, state of non-transgression, Non-violation
निरतिचार या निर्दोषता का भाव निरतिचारता है।

निरनुबंधा – *Niranubandhā.*
Discontinuity in the binding of new *Karmas*
नवीन कर्मबंध रहित असंख्य., अविपाक निर्जरा का एक भेद, सम्यग्दृष्टियों की अविपाक निर्जरा इच्छा निरोध होने के कारण निरनुबंधा है।

निरनुबन्ध योग – *Niranubandha Yoga.*
Activities (reg.mind, speech & body) without binding of new *Karmas.*
बंध रहित योग।

निरन्वय – *Niranvaya.*
Inapplicability, Discrete, Irrelevance.
संगतिरहित, सम्बंधरहित, असंबद्ध।

निरपराध – *Niraparādha.*
Innocent, Blameless, Guiltless.
निर्दोष, कलंकरहित, निरीह।

निरपेक्ष – *Nirapekṣa.*
Without expectation, Independent.
स्वाश्रित; किसी दूसरे की अपेक्षा न रखने वाला, जैसे-केवलज्ञान।

निरपेक्ष नय – *Nirapekṣa Naya.*
View point of one sidedness or being prejudiced
एकांत नय (मिथ्यानय); जो दूसरे पक्ष की अपेक्षा न करते हुए एक पक्ष का ही कथन करता है।

निरब्बुद – *Nirabbuda.*
A large mathematical quantity i.e. $(10,000,000)^8$.
एक विशाल गणितीय संख्या।

निरर्थक – *Nirarthaka.*
Useless, Meaningless.
अर्थहीन, जिसका कोई अर्थ नहीं है।

निरर्थखण्डन – *Nirarthakhaṇḍana.*
Rejoinder or refutation on the ground of meaninglessness.
अर्थ-प्रयोजन रहित खंडन।

निरवद्यक्रिया – *Niravadyakriyā.*
Sinless, faultless activities (i.e. pure)
पाप रहित क्रिया।

निरवयव – *Niravayava.*
Indivisible

जिसके अवयव न किए जा सकें ।

निराकरण – *Nirākaraṇa.*
Refutation
खण्डन, हटना ।

निराकांक्ष – *Nirākāṅkṣa.*
Free from all desires.
इच्छा से रहित ।

निराकांक्ष अनशन – *Nirākāṁkṣa Anaśana.*
Fasting without any worldly desire
बिना किसी लौकिक आकांक्षा के अनशन करना ।

निराकार उपयोग – *Nirākāra Upayoga*
Apprehension of shapelessness.
दर्शनोपयोग; जिसमें आकार रहित पदार्थ का सामान्य आभास होता है, अर्थात् विशेष रहित ज्ञान का नाम निराकार उपयोग है।

निराकार स्थापना निक्षेप – *Nirākāra Sthāpanā Nikṣepa*
Unmatching installation of two different images.
किसी वस्तु में किसी की स्थापना जिसमें उसका आकार वैसा न हो ।

निराकुलता – *Nirākulatā*
Calmness, Peace of mind, Unperturbedness.
सुख अर्थात् आकुलता से रहित होना ।

निराकृत – *Nirākṛta.*
Refuted.
खंडित या अलग किया हुआ ।

निरागार – *Nirāgāra.*
Renouncer of household (mundane) life
परिग्रह एवं घर-गृहस्थी से रहित अर्थात् साधु, इसका अपरनाम अनगार है ।

निराभरण – *Nirābharaṇa*
Completely freeness from all ornament (a characteristic of Jina-Lord Idol)
आभूषण से रहितता जिनप्रतिमाओं का एक लक्षण, जो राग अभाव का एक सूचक है ।

निरायुध – *Nirāyudha.*
Weaponlessness-absolute freeness from all types of worldly passions (a characteristic of Jaina-Lord Idol))
आयुध से रहितता-जिन प्रतिमाओं का एक लक्षण जो भय, हिंसा, कषाय आदि के अभाव का सूचक है ।

निरालंब ध्यान – *Nirālamba Dhyāna.*
Supreme meditation.
आलम्बन रहित शुक्ल ध्यान, जहां पर ध्यान, ध्येय एवं ध्याता का कोई विकल्प नहीं होता है ।

निरावरण – *Nirāvaraṇa*
Unveiling, Uncovered.
आवरण से रहित (केवलज्ञान), मुनियों के द्वारा बिना आवरण के शयन करना कायक्लेश तप का एक लक्षण है ।

निराशा – *Nirāśā*
Hopelessness, Disappointment, Despondency Despair
आशा रहितता ।

निरास्रव – *Nirāsrava*
Devoid of attachments, ill-feelings etc
सम्यग्दृष्टि जीव अर्थात् राग, द्वेष और मोह से रहित होता निरास्रव कहलाता है ।

निराहारता – *Nirāhāratā.*
To be foodlessness- an excellence of Lord Arihant (free from hunger)
भोजन का अभाव, अर्हंत भगवान के केवलज्ञान का एक अतिशय ।

निरीति – *Nirīti*
Lack of different calamities
ईतियों का अभाव; अतिवृष्टि, अनावृष्टि, मूषक, शलभ, शुक और निकटवर्ती शत्रु ये 6 ईतियां हैं ।

निरीह – *Nirīha*
Desireless, Submissive
इच्छा रहित होना, पराधीन

निरुक्ति – *Nirukti*
Commentary, Explanation, Etymological interpretation of words
व्युत्पत्ति, शब्दों की व्युत्पत्ति (व्याकरण) सहित व्याख्या ।

निरुद्ध अविचार भक्त प्रत्याख्यान – *Niruddha Avicāra Bhakta Pratyākhyāna.*
Slow renunciation of food for ritualistic death
सल्लेखना की एक विधि-रोग से पीड़ित हो जाने के कारण जिसका जंघाबल क्षीण हो गया है, ऐसे मुनि इस विधिपूर्वक समाधि ग्रहण करते हैं ।

निरुपक्रम आयुष्क – *Nirupakrama Āyuṣka*
Beings having non reducible age or to have timely death (according to Jaina philosophy)
अनपवर्तित आयुष्क देव, नारकी, भोगभूमिज तिर्यंच व मनुष्य जिनका अकालमरण नहीं होता ।

निरुपभोग – *Nirupabhoga.*
Devoid of worldly enjoyments
उपभोग रहित होना–तैजस और कार्मण शरीर की भाँति ।

निरुपम – *Nirupama*
Incomparable, Excellent
उपमा रहित, अनुपम ।

निरुपलेप – *Nirupalepa.*
Blameless, Stainless, Uncontaminated
कलंक, दाग अथवा धब्बा रहित होना ।

निरूपणा – *Nirūpaṇā*
Act of defining, exposition or investigation.
नय, गति आदि की दृष्टि से कथन या अन्वेषण करना ।

निरोध - *Nirodha.*

Restraining. Controlling.

रोकना, नियंत्रित करना - गमन, भोजन, शयन और अध्ययन आदि विविध क्रियाओं में भटकने वाली चित्तवृत्ति को रोक देना ।

निर्गमन - *Nirgamana.*

To go out

चले जाना, किसी गति से निकलकर किसी अन्य गति व गुणस्थान आदि में जन्म लेना

निर्ग्रंथ - *Nirgrantha*

Unattached & possessionless saint, who is just going to be omniscient

निर्ग्रन्थ साधु का एक भेद; वे साधु जिनके मोह का नाश हो गया है एवं अन्तर्मुहूर्त के बाद ही केवलज्ञान होने वाला है (बारहवें गुणस्थानवर्ती) ।

निर्ग्रन्थलिङ्ग - *Nirgranthalinga.*

Possessionless & passionless sign, state of *Digambar* saint.

दिगम्बर मुनि, जिनमुद्रा अर्थात् अर्हन्त मुद्रा, निष्परिग्रह लिंग (चिह्न) ।

निर्जर पंचमी व्रत - *Nirjara Pancami Vrata.*

A particular type of vow (fasting).

प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ला 5 से लेकर कार्तिक शुक्ल 5 तक की कुल 9 पंचमियों के उपवास 5 वर्ष पर्यन्त करना ।

निर्जरा - *Nirjarā.*

Dissociation or destruction of *Karmas*.

पूर्वबद्ध कर्मों का एकदेश झड़ना ।

निर्जरा अनुप्रेक्षा - *Nirjarā Anuprekṣā.*

Contemplation on dissociation of *Karmas.*

निर्जरा में निमित्त ऐसे अनशन आदि 12 प्रकार के तप का विचार करना ।

निर्जल व्रत - *Nirjala Vrata.*

A vow (fasting) even without taking water.

उपवास; जल का भी त्याग कर उपवास रखना। हर व्रत को करने में उत्कृष्ट विधि निर्जल व्रत (उपवास) की होती है ।

निर्णय - *Nirnaya.*

Decision, Doubtlessness.

निश्चय; संशय का न होना ।

निर्दंड - *Nirdanda.*

Freedom of soul from all types of faults (reg. mind, speech or body).

मनदण्ड या मनोयोग, वचनदण्ड और कायदण्ड के योग्य द्रव्यकर्म तथा भावकर्मों का अभाव होने से आत्मा निर्दण्ड (निर्दोष) होती है ।

निर्दुःख - *Nirduhkha.*

Sorrowlessness, Name of a planet.

दुःख रहित अवस्था, एक ग्रह; 88 ग्रहों में 60 वां ग्रह ।

निर्देश - *Nirdeśa.*

Instruction, Direction.

आदेशपूर्वक किसी बात को कहना, विवक्षित वस्तु के स्वरूप का कथन करना ।

निर्देश आदेश ओघ - *Nirdeśa Ādeśa Ogha*

Detailed instruction related to spiritual investigation & stage of spiritual development.

मार्गणा और गुणस्थान के स्वरूप का कथन ।

निर्दोष - *Nirdoṣa.*

Innocent, Blameless

दोष रहित; समस्त पापमल कलंकरूपी कीचड़ से रहित अर्थात् पवित्र ।

निर्दोष सप्तमी व्रत - *Nirdoṣa Saptamī Vrata*

A particular type of vow (fasting).

भाद्रपद सुदी सप्तमी को दोष रहित प्रोषधोपवास करना एवं सात वर्ष करके उद्यापन करना ।

निर्द्वंद - *Nirdvandva.*

Unopposed, without dispute, Devoid of duality.

संकल्प-विकल्प से रहित होना, कलह से रहित होना ।

निर्धन - *Nirdhana*

Pauper, poor, needy

गरीब, धनहीन व्यक्ति ।

निर्धूतमोह - *Nirdhūtamoha.*

Destroyer of delusion.

मोह को जिन्होंने नष्ट कर दिया है ।

निर्धूम अग्नि - *Nirdhūma Agni.*

Smokeless fire-one of the 16 dreams of the mother of *Tirthankar* (Jaina-Lord).

तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्नों में एक स्वप्न, जिसका फल कर्मरूपी ईंधन को जलाने वाला पुत्र होगा ।

निर्नामिक - *Nirnāmika.*

The son of king Gangdev who took birth later as the 9th *Narayana* 'Krishna'.

राजा गंगदेव का पुत्र था जिसने मुनि बन तपस्या की और अगले भव में 'कृष्ण' नामक नवां नारायण हुआ ।

निर्निमेष दृष्टि - *Nirnimeṣa Dṛṣṭi.*

Unwinking eyes; an excellence of Lord Arihant.

पलक झपकने का अभाव; अर्हंत भगवान के केवलज्ञान के 11 अतिशयों में एक ।

निर्बाध - *Nirbādha.*

Uncontradicted, Unrestricted.

बाधा रहित ।

निर्भरानंद - *Nirbharānanda.*

Full of bliss.

आत्म आनंद से भरपूर ।

निर्मंत्र - *Nirmantra.*

Destruction of *Mantra*-power, Name of the 56th planet.

किसी की मंत्र शक्ति को निर्मूल कर देना, 88 ग्रहों में 56 वें ग्रह का नाम ।

निर्मल आकाश – *Nirmala Ākāśa*

Absolute pure sky, Immaculateness of sky (an excellence of Lord – Arihant).
14 देवकृत अतिशयों में एक अतिशय; आकाश का धुआँ, उल्कापातादि से रहित होकर निर्मल हो जाना ।

निर्मल जल – *Nirmala Jala.*

Pure & holy water of river etc. (an excellence of Lord-Arihant).
देवकृत 14 अतिशयों में एक अतिशय; तालाब आदि का जल निर्मल हो जाना ।

निर्मलनाथ – *Nirmalanātha.*

Name of the 16th predestined *Tirthankar.*
भावीकालीन 16वें तीर्थंकर का नाम (श्रीकृष्ण का जीव) ।

निर्मल शरीर – *Nirmala Śarīra.*

Serene body of Lord Arihant (an excellence of birth).
पवित्र (मल रहित) शरीर; तीर्थंकर भगवान के जन्म का एक अतिशय ।

निर्मलसागर (आचार्य) – *Nirmalasāgara (Ācārya).*

Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Vimalsagar Maharaj
आचार्यश्री विमलसागर महाराज (भिण्ड) के शिष्य (ई.श. 20-21), इनकी प्रेरणा से गिरनार सिद्धक्षेत्र का विकास हुआ है ।

निर्माण नाम कर्म प्रकृति – *Nirmāṇa Nāma Karma Prakṛti.*

Physique making *Karma* (related to body formation).
यह कर्म जिसके निमित्त से शरीर के अंगोपांगों की रचना होती है।

निर्माणरज – *Nirmāṇaraja.*

A heavenly deity (*Laukantik Deva*)
एक लौकान्तिक देव ।

निर्माणरजस् – *Nirmāṇarajas.*

A hevenly deity (*Laukantik Deva*).
एक लौकान्तिक देव ।

निर्माणस्थल – *Nirmāṇasthala.*

A place under construction.
निर्माणाधीन स्थान ।

निर्माल्य द्रव्य – *Nirmālya Dravya.*

The worshipping articles made offered to the Lord.
जो अष्टद्रव्य सामग्री मंत्र बोलकर जिनेन्द्रादि की पूजा में चढ़ा दी जाये ।

निर्मूढ – *Nirmūḍha.*

One rational, who is capable of knowing the super soul of self.
मूढ़ता रहित, निजपरमात्मा को जानने में समर्थ होना ।

निर्मोह – *Nirmoha*

Attachmentless, a characteristic of a saint.
साधु का एक लक्षण, मोह से रहित होना ।

निर्यान – *Niryāna.*

To get free from worldly transmigration.
संसार पर्यटन से निकल जाना निर्यान कहलाता है ।

निर्यानपथ – *Niryānapatha.*

The path of getting free from the worldly cycle
संसार पर्यटन से निकलने का मार्ग ।

निर्यापक – *Niryāpaka.*

A main preceptor who gets the holy procedure of voluntary death (*Samadhi*) of an another saint accomplished
समाधि मरण करने वाले क्षपक की वैयावृत्ति करने में उद्यमी साधु ।

निर्यापकाचार्य – *Niryāpakācārya.*

A preceptor or spiritual leader of other saints.
निर्यापक मुनियों को नियत करने वाले आचार्य ।

निर्लेपन – *Nirlepana.*

State of absolute completion (reg. food, body, senses etc.)
आहार, शरीर, इन्द्रिय और श्वासोच्छ्वास अपर्याप्तियों की निवृत्ति (धवला पु. 14) ।

निर्लोभ – *Nirlobha*

Greedless.
शौच धर्म, चारों प्रकार के लोभ से रहित होना ।

निर्वर्ग – *Nirvarga.*

That which is unseen or invisible forever.
जो सर्वथा असदृश हो ।

निर्वज्ञप्तिविद्या – *Nirvajñaptividyā.*

A spiritual knowledge or study regarding *Vidyadhars*
एक विद्याधर विद्या ।

निर्वर्तना – *Nirvartanā.*

Accomplishment.
निष्पादन या रचना ।

निर्वस्त्र – *Nirvastra.*

See – *Nagnatva*
देखें – नग्नत्व ।

निर्वर्त्यकर्म – *Nirvartyakarma.*

New research by a performer, to produce something new.
कर्ता के द्वारा जो पहिले न हो ऐसा नवीन कुछ उत्पन्न किया जाना।

निर्वहण – *Nirvahaṇa.*

Acquiring right faith and other virtues with calmness (free from anxiety)
सम्यग्दर्शन आदि गुणों को निराकुलता से धारण करना – परीषहादिक आने पर व्याकुल चित्त न होकर सम्यग्दर्शन आदि धर्म में तत्पर रहना ।

निर्वाण – *Nirvāṇa.*

Liberation, Salvation, Emancipation.

मोक्ष, जन्म-मरण से मुक्ति प्राप्त कर सिद्ध पद को धारण करना।

निर्वाणकल्याणक – *Nirvāṇakalyāṇaka.*

Holy event of salvation of Lord-Arihant.

पंचकल्याणकों में एक कल्याणक; तीर्थंकरों के निर्वाण के अवसर पर देवों द्वारा मनाया जाने वाला उत्सव ।

निर्वाणकल्याणक वन्दना – *Nirvāṇakalyāṇaka Vandanā*

A devotional prayer related to the holy event of salvation of Lord Arihant.

कृतिकर्म, सिद्ध - श्रुत - चारित्र - योगि-निर्वाण व शांति भक्ति करना ।

निर्वाणपथ – *Nirvāṇa Patha.*

Path of salvation.

संसार से उपरत करने का अथवा परम सुख को प्राप्त करने का मार्ग ।

निर्वाणभक्ति – *Nirvāṇabhakti.*

A devotional prayer for salvation of one, A composition composed by *Acharya* Kund-Kund & *Acharya* Pujyapad

10 भक्तियों में एक भक्ति-आचार्य कुंद-कुंद द्वारा प्राकृत में रचित एवं आचार्य पूज्यपाद द्वारा संस्कृत में रचित ।

निर्वाण भूमि – *Nirvāṇa Bhūmi.*

Holy place of salvation

सिद्धक्षेत्र, जहां से तीर्थंकर व सामान्य केवली मोक्ष गए हों। जैसे - कैलाशपर्वत, सम्मेदशिखर जी, चम्पापुर, गिरनार, पावापुरी इत्यादि।

निर्वाणसंपत्ति यंत्र – *Nirvāṇasampatti Yantra.*

A metallic plate engraved with auspicious mystic words.

मंत्र लिखित धातु की एक प्लेट ।

निर्वाण संवत् – *Nirvāṇa Saṁvat.*

The era of salvation of Lord.

भगवान के निर्वाण का समय-काल अर्थात् वर्ष । वर्तमान में भगवान महावीर के निर्वाण के समय से प्रारंभ 'वीर निर्वाण संवत्' सर्वाधिक प्राचीन संवत् के रूप में प्रचलित है। वर्तमान सन् 2003-2004 में वी.नि.सं. 2530 चल रहा है ।

निर्विंध्या – *Nirvindhyā*

A river of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

निर्विकल्प – *Nirvikalpa.*

Free from all confusions, fixed, settled

विकल्पों से रहित ।

निर्विकल्पता – *Nirvikalpatā.*

State of unconfusedness, without perplexity

विकल्पों से रहित रहना ।

निर्विकल्प ध्यान – *Nirvikalpa Dhyāna.*

Absolute meditation

निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम

निर्विकल्प समाधि – *Nirvikalpa Samādhi.*

Absolute meditation, the state of indeterminate ecstasy

समस्त विकल्पों से रहित परम समाधि को प्राप्त होना ।

निर्विकल्प सुख – *Nirvikalpa Sukha.*

Indeterminate enjoyment, Supreme bliss.

समस्त विकल्पों से रहित मोक्ष सुख ।

निर्विकार – *Nirvikāra.*

Pure, without any defect.

विकार रहित ।

निर्विकृति – *Nirvikṛti.*

Tasteless substance like buttermilk etc.

जिस आहार को परस्पर मिलाने से विशेष स्वाद उत्पन्न होता है उसे विकृति कहते हैं, विकृति से रहित छाछ आदि को निर्विकृति कहते हैं ।

निर्विकृति आहार – *Nirvikṛti Āhāra.*

Tasteless food.

व्यंजन रस आदि विशेष स्वादपूर्ण पदार्थों से रहित आहार ।

निर्विचिकित्सा – *Nirvicikitsā.*

To have unwavering belief with free from any disgust on viewing excreta of saints.

घृणा नहीं करना, सम्यग्दर्शन के 8 अंगों में तीसरा अंग; रत्नत्रय से पवित्र साधुओं के मलिन शरीर, मलमूत्रादि से घृणा न करते हुए वस्तुस्वरूप का विचार करना। परोपकार के निमित्त भी इस गुण का पालन करना चाहिए ।

निर्विण्ण – *Nirviṇṇa*

One with disregard for worldly things

विरक्त - संसार, शरीर, भोगों से उदासीन साधु ।

निर्वृत्ति – *Nirvṛtti.*

Formative sense, Subtype of physical sense

नामकर्म के द्वारा होने वाली रचना विशेष (इन्द्रिय) को निर्वृत्ति कहते हैं। जैसे-आँख की पुतली आदि ।

निर्वृत्ति अक्षर – *Nirvṛtti Akṣara.*

Words pronounced by the living beings.

जीवों के मुख से निकले शब्द, यह व्यक्त और अव्यक्त ऐसे दो प्रकार से होते हैं ।

निर्वृत्ति इंद्रिय – *Nirvṛtti Indriya.*

Formative sense (reg. organic structure of any matter).

द्रव्येन्द्रिय, इन्द्रियों के आकाररूप शुद्ध आत्म प्रदेशों का होना आभ्यन्तर एवं पुद्गलों का इन्द्रियों के आकार रूप होना बाह्य निर्वृत्ति है ।

निर्वृत्ति भक्ति – *Nirvṛtti Bhakti.*

A devotional prayer for salvation of one.

श्रावक अथवा श्रमण द्वारा सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यक्चारित्र की भक्ति करना। निर्वृत्तिभक्ति (निर्वाणभक्ति) है (नियमसार से) ।

निर्वृत्ति मार्ग – *Nirvṛtti Mārga.*

Path of salvation.
त्याग मार्ग, मुनि व त्यागी होने की तरफ मलन (महाव्रतों को धारण करना)।

निर्वेगिनी कथा – *Nirvegini Katha.*
Story which produces feelings of asceticism or detachment.
4 धर्मकथाओं में एक कथा - संसार, शरीर और भोगों में वैराग्य को उत्पन्न करने वाली कथा। अपरनाम-निर्वेदनी कथा।

निर्वेद – *Nirveda.*
Detachment, Aversion from the worldly affairs
सब अभिलाषाओं का त्याग निर्वेद कहलाता है - संसार, शरीर, भोगों से वैराग्य भाव।

निर्वेदिनी कथा – *Nirvedini Katha.*
See – *Nirvegini Katha.*
देखें - निर्वेगिनी कथा।

निर्वैर – *Nirvaira.*
Peaceable, enmitiless feelings.
संपूर्ण प्राणियों में मैत्रीभाव होना अर्थात् किसी से वैर न होना।

निर्व्याकुल चित्त – *Nirvyakula Citta.*
Mind free from all agitations
सुख; शांत मन अर्थात् व्याकुलताओं से रहित मन।

निर्व्याघात – *Nirvyāghāta*
Lack of forceful impact or splitting.
भित्तिकादयकघात का अभाव निर्व्याघात कहलाता है।

निर्हेतुक – *Nirhetuka.*
Destitute of a cause.
हेतु रहित या कारण रहित।

निर्हेतुकत्व – *Nirhetukatva.*
Causelessness.
हेतुरहितपना।

निलय – *Nilaya.*
Name of the 40th planet, An aboding place.
88 ग्रहों में 40 वें ग्रह का नाम, रहने के स्थान; भवन, भवनपुर, आवास, के भेद से निलय तीन प्रकार के है।

निवास – *Nivāsa.*
Residence, Abode.
रहने का स्थान या घर।

निवृत्ति – *Nivṛtti.*
Devoid of all desires, Detachment from worldly life, Abstinence.
समस्त अभिलाषाओं का त्याग करना।

निर्वृत्त्यपर्याप्त – *Nirvṛttyaparyāpta.*
Period of completion of eligible state (i.e. 6 *Paryapti*) for body making in (*Antarmuhurta*)
पर्याप्ति नामकर्म के उदय से युक्त जीव के जब तक शरीर पर्याप्ति पूर्ण न हो उतने काल तक उसे निर्वृत्ति अपर्याप्त कहते है (अर्थात् एक समय कम शरीर–पर्याप्ति संबंधी अन्तर्मुहूर्त पर्यन्त काल)। इस अवस्था को सर्वज्ञ ही जानते हैं।

निवेशन – *Niveśana*
Entrance, Investment, Act of establishing
स्थापन, प्रवेश, उद्धरण -

निशिभोजन कथा – *Niśibhojana Kathā.*
Name of a book written by poet Bharamal
कवि भारामल (ई. 1756) द्वारा हिन्दी भाषा में रचित कथा।

निशुंभ – *Niśumbha.*
The 5th *Pratinarayana* of the present era
वर्तमान के 5 प्रतिनारायणों में पाँचवें प्रतिनारायण।

निश्चय – *Niścaya.*
Absolute conception or belief, determination
पदार्थ की विशेष रूप से तथा संशयादि से रहित अवधारणा निश्चय कहलाती है, दृढ़ विश्वास, असंदिग्ध अवधारणा।

निश्चय अनशन – *Niścaya Anaśana.*
Absolute fasting with conquering the worldly desires.
मुनि अवस्था में विषय सुख की अपेक्षा न करते हुए अर्थात् मन व इंद्रियों को जीतते हुए आत्मसुख में ही निवास करना।

निश्चय अनुप्रेक्षा – *Niścaya Anuprekṣā*
Reflection about absolutism (knowledge of soul is supreme)
मुनि अवस्था में शुद्ध निश्चय नय से आत्मा का स्वरूप देवादि पर्यायों से रहित ज्ञानस्वरूप मात्र है इस तरह का चिंतन करना।

निश्चय अमूढदृष्टि – *Niścaya Amūḍhadṛṣṭi.*
One absolutely undeluded or absolute undeluded view (reg. faith on realism)
यथार्थ दृष्टि वाला; मिथ्यात्व, रागादि, शुभाशुभ संकल्प-विकल्पों में इष्ट बुद्धि को छोड़कर त्रिगुप्तिरूप विशुद्ध ज्ञान दर्शन स्वभाव में निश्चल अवस्थान करने वाला मुनि।

निश्चय अहिंसा – *Niścaya Ahiṁsā.*
Absolute non-violence.
मुनि अवस्था में प्रमाद व राग आदि का उत्पन्न न होना।

निश्चय आचार – *Niścaya Ācāra.*
See - *Niścayācāra*
देखें - निश्चयाचार।

निश्चय आराधना – *Niścaya - Ārādhanā.*
Absolute spiritual prayer or meditation, Synonym word for *Mokshamarga*, the path of salvation.
निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम। मुनि अवस्था में सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र व तप इन चारों की आराधना व्यवहार आराधना है, इस व्यवहार आराधना के द्वारा आत्मा में एकाग्र परिणति का होना निश्चय आराधना है।

निश्चय आलोचना – *Niścaya Ālocanā.*
Absolute introspection.
जीव द्वारा परिणामों को समभाव में स्थापित कर निज आत्मा में तन्मय होना निश्चय आलोचना है। यह मुनि अवस्था में घटित होती है।

निश्चय उपगूहन – *Niścaya Upagūhana.*

Absolutely free from all passions.

मुनि अवस्था में सिद्धों की अर्थात् शुद्धात्मा की भक्ति से युक्त होना और रागादि भावों से युक्त नहीं होना अर्थात् अपने निरंजन-निर्दोष आत्मा को दूषित करने वाले मिथ्यात्व रागादि विभावधर्मों का विनाश करना ।

निश्चय कर्ताकर्म – *Niścaya Kartākarma.*

A viewpoint of taking self as the doer of own pure volitions.

आत्मा वास्तव में अपने शुद्ध भावों का कर्ता है तथ पुद्गलद्रव्य के निमित्त से होने वाले भावों का कर्ता नहीं है ।

निश्चयकाल – *Niścaya Kāla.*

Time factor causing transformation of any entity.

काल जो परिणमन करने में कारण होता है अर्थात् जो सर्वद्रव्यों के परिणमन में उदासीन निमित्त कारण है, इसी के आधार पर व्यवहार काल जाना जाता है ।

निश्चयक्षमा – *Niścayakṣamā.*

Absolute liberal conduct, free from agitation on others' misconduct.

साधुओं आदि को दुर्जन द्वारा गाली-गलौज, उपहास, तिरस्कार आदि करने पर भी उनके मन में कलुषता का उत्पन्न न होना व्यवहार क्षमा है तथा क्रोध के अभाव में आत्मा में तन्मयता का होना निश्चय क्षमा है ।

निश्चयगुप्ति – *Niścayagupti.*

Absolute purity of soul (with mind, speech & body)

मुनि अवस्था में सहज शुद्ध आत्म-भावनारूप गुप्त स्थान में संसार के कारणभूत रागादि के भय से अपने को छिपाना अर्थात् मन वचन काय की रागादि प्रवृत्तियों से निवृत्त होना ।

निश्चयगुरु – *Niścayaguru.*

One having absolute perception of knowing himself

निश्चय से आत्मा ही आत्मा का गुरु है क्योंकि मोक्ष सुख का ज्ञान कर स्वयं ही उस परम हितकर ज्ञान उसकी प्राप्ति में अपने को लगाता है ।

निश्चयज्ञान – *Niścayajñāna.*

Absolute or right knowledge of self

सम्यक् व निर्विकल्प अपने स्वरूप का वेदन करना निश्चय ज्ञान है। यह मुनि अवस्था में ही होता है ।

निश्चयचारित्र – *Niścayacāritra.*

Absolute right conduct, absolute meditation.

साधु जीवन में व्यवहार चारित्र के बल से अंतरंग-बहिरंग विकल्पों को त्याग कर आत्म स्वरूप में तन्मय होना ।

निश्चय तप – *Niścaya Tapa.*

Absolute austerity (completely engrossed into oneself)

मुनि अवस्था में निज स्वरूप में परिणमन होना अर्थात् समस्त परद्रव्य की इच्छा को रोकना निश्चय तपश्चरण है ।

निश्चय दर्शन – *Niścaya Darśana*

View of absolute perception (soul is supreme).

परम चैतन्य की विलास रूप लक्षण वाली प्रतीति अर्थात् शुद्धात्म तत्त्व ही उपादेय है ऐसी दृढ़ प्रतीति। इसका निश्चय चारित्र के साथ अविनाभावी संबंध है ।

निश्चय धर्म – *Niścaya Dharma.*

Being engrossed in oneself.

मुनि अवस्था में रागद्वेष को छोड़कर निजात्मा में वास करना ।

निश्चय ध्यान – *Niścaya Dhyāna*

Absolute meditation or complete engrossment.

मुनि अवस्था में समस्त विकल्पों को छोड़कर और आत्मस्वरूप में मन को एकाग्र कर आत्मा के आनन्द में निमग्न हो जाना ।

निश्चय नय – *Niścaya Naya.*

Absolute standpoint

जो नय वस्तु के असली स्वभाव या अभेद रूप को ग्रहण करता है ।

निश्चय निर्विचिकित्सा – *Niścaya Nirvicikitsā.*

Tending towards knowing oneself or soul perfectly.

मुनि अवस्था में समस्त राग-द्वेष आदि विकल्प रूप तरंगों का त्याग करके निर्मल आत्मानुभव लक्षण की निज शुद्धात्मा में स्थिति करना ।

निश्चय पंचाशत – *Niścaya Pañcāśata.*

Name of a treatise.

शुद्धात्मस्वरूप विषयक एक ग्रंथ-पद्मनंदिपंचविंशतिका का एक अध्याय ।

निश्चय पूजा – *Niścaya Pūjā.*

To achieve the super knowledge of self.

मुनि अवस्था में "जो परमात्मा है वह ही मैं हूं तथा जो स्वानुभवगम्य मैं हूं वही परमात्मा है, इसलिए मैं ही मेरे द्वारा उपासना के योग्य हूं" ऐसा विचार करना। अर्थात् आत्मा के ध्यान में एकाग्र हो जाना ।

निश्चय प्रतिक्रमण – *Niścaya Pratikramaṇa.*

Absolute penitential retreat for good & bad *Karmas.*

पूर्वकृत जो अनेक प्रकार के विस्तार वाले शुभ व अशुभ कर्म हैं, उनको आत्मा से पृथक् करके आत्मलीन होना। यह मुनि अवस्था में ही घटित होता है ।

निश्चय प्रत्याख्यान – *Niścaya Pratyākhyāna.*

Absolute renunciation (to have real knowledge).

मुनि अवस्था में अपने से भिन्न पदार्थों को पर जान उन्हें उसी समय छोड़ देना । अतः वास्तव में ज्ञान ही प्रत्याख्यान है ऐसा निश्चय कर आत्मा में स्थिर हो जाना ।

निश्चय प्रभावना – *Niścaya Prabhāvanā.*

Enlightening the soul by the influence of right belief-knowledge & conduct.

मुनि अवस्था में सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र रूप रत्नत्रय के प्रभाव से आत्मा को प्रकाशमान करना ।

निश्चय प्राण – *Niścaya Prāṇa.*
Absolute consciousness
शुद्ध ज्ञान व दर्शन निश्चय प्राण है।

निश्चय प्रोषधोपवास – *Niścaya Prosadhopavāsa.*
Engrossment into self with renouncing all kinds of food taking.
मुनि अवस्था में चतुर्विध आहार छोड़कर आत्मा के ध्यान में निमग्न होना ।

निश्चय ब्रह्मचर्य – *Niścaya Brahmacarya.*
Absolute engrossment into own soul.
ब्रह्म शब्द का अर्थ निर्मल ज्ञान स्वरूप आत्मा है, मुनि अवस्था में उस आत्मा में लीन होना निश्चय - ब्रह्मचर्य है ।

निश्चय भक्ति – *Niścaya Bhakti.*
Engrossment into self.
मुनि अवस्था में आत्मगुणों में तन्मयता निश्चयभक्ति है ।

निश्चय भोक्ता भोग्यभाव – *Niścaya Bhoktā Bhogyabhāva*
Absolute consumption of self (self engrossment).
शुद्धात्मा ही भोग्य अर्थात् अनुभव करने योग्य है तथा शुद्धात्मा ही भोक्ता अर्थात् अनुभव करने वाला है, ऐसा निश्चय कर आत्मा में स्थिर हो जाना। यह मुनि अवस्था में ही घटित होता है ।

निश्चय मोक्षमार्ग – *Niścaya Mokṣamārga.*
Absolute path of salvation
मुनियों में होने वाली निश्चय सम्यग्दर्शन, ज्ञान एवं चारित्ररूपी रत्नत्रय की एकता अर्थात् शुक्लध्यान की अवस्था ।

निश्चय रक्षा – *Niścaya Rakṣā.*
Absolutely devoid of lust, passion etc.
वीतराग मुनियों के रागादि का अभाव होना जिसे निश्चय नय से अहिंसा भी कहते हैं ।

निश्चय रत्नत्रय – *Niścaya Ratnatraya.*
To be engrossed completely into the soul with right faith, knowledge & conduct.
आत्मा का श्रद्धान, आत्मा का ज्ञान और आत्मा में ही लीन होना।

निश्चय वंदना – *Niścaya Vandanā.*
To pay reverence absolutely to soul with right perception, knowledge & conduct.
मुनियों द्वारा दर्शन, ज्ञान व चारित्र स्वरूप उत्तम आत्मा की वंदना करना ।

निश्चय वात्सल्य – *Niścaya Vātsalya.*
To keep real affection for soul.
मुनियों द्वारा रागादि विकल्पों से रहित आनंदरूप सुखमय आत्मा के प्रति प्रीति करना ।

निश्चय विनय – *Niścaya Vinaya.*
Reverence with supreme purity of soul.
शुद्धात्मा के प्रति विनम्रता, लीनता एवं शुद्धि निश्चय विनय है।

निश्चय वीर्य – *Niścaya Vīrya.*
Super power of soul.
शुद्ध आत्म स्वरूप की शक्ति ।

निश्चय व्रत – *Niścaya Vrata.*
Self realisation, the super character of one.
शील अर्थात् अपनी आत्मा से अपनी आत्मा में प्रवृत्ति करना।

निश्चय श्रुतकेवली – *Niścaya Śrutakevalī.*
Great saints, absolutely well-versed in scriptural knowledge
सर्व श्रुत को जानने वाले वीतरागीमुनि ।

निश्चय षडावश्यक – *Niścaya Ṣaḍāvaśyaka*
Synonym word for *Mokṣamarg*, path of salvation
निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम ।

निश्चय संयम – *Niścaya Saṁyama.*
Absolute restraint
सम्यग्दर्शन ज्ञान चारित्र में परिणत आत्मा में आत्मनिष्ठता होना।

निश्चय संवर – *Niścaya Saṁvara*
Complete stoppage of sensual pleasures with absolute engrossment into self
5 इन्द्रियों के विषयों से निवृत्त हो शुद्धात्मतत्त्व रूप परिणति ।

निश्चय समिति – *Niścaya Samiti.*
Absolute behaviour
अपने स्वरूप में सम्यक् प्रकार से गमन अथवा परिणमन करना ।

निश्चय सम्यग्दर्शन – *Niścaya Samyagdarśana.*
Absolute perception or belief
पर द्रव्यों से भिन्न आत्मा में रुचि - श्रद्धान होना ।

निश्चय साधु – *Niścaya Sādhu.*
The perfect saint.
जो अनन्तज्ञानादि स्वरूप शुद्धात्मा की साधना करते हैं ।

निश्चय स्तवन – *Niścaya Stavana.*
See - *Niścaya Bhakti.*
देखें - निश्चय भक्ति ।

निश्चय स्थितीकरण – *Niścaya Sthitīkaraṇa.*
Absolute diversion towards spiritualism.
काम, क्रोध, मद, लोभ आदि भावों के होने पर अपनी आत्मा को धर्म में स्थित करना ।

निश्चय स्वाध्याय – *Niścaya Svādhyāya.*
Absolute introspection for spiritual progress.
मुनि अवस्था में अपनी आत्मा में ही लीनता रूप आत्म-अध्ययन करना ।

निश्चय हिंसक – *Niścaya Hiṁsaka.*
One who has not given up attachment, malice etc
जो प्रमाद व राग द्वेष आदि से सहित है ।

निश्चयाचार – *Niścayācāra.*
Absolute religious conduct & behaviour.
परद्रव्यों से भिन्न शुद्धात्म तत्त्व में श्रद्धा, ज्ञान, आचरण, तप शक्ति को न छिपाते हुए परिणमन (आचरण) करना निश्चयाचार है ।

निश्चयावलंबी – *Niścayāvalambi*
Saint having absolute devotion in spiritualism
साधु; जो निश्चय व अभेद रत्नत्रय की साधना करते हैं ।

निश्चल – *Niścala.*
Name of the 61[st] planet
88 ग्रहों में 61 वें ग्रह का नाम ।

निश्चल चित्त – *Niścala Citta.*
Absolute concentration on the soul.
सर्व द्रव्यों में रागद्वेष का अभाव तथा आत्मस्वरूप में लीन रहना

निश्रा – *Niśra*
Shelter, Support
आश्रय, सहारा ।

निषंग – *Nisanga.*
A quiver; a case for holding arrows.
तरकश, सैन्य सामग्री का एक अंग ।

निषण्ण निषण्ण व्युत्सर्ग –
Niṣaṇṇa Niṣaṇṇa Vyutsarga.
A type of bad meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का एक भेद; बैठकर अशुभ ध्यान करना ।

निषद्य – *Niṣadya.*
After being seated, Dead body of a saint.
बैठकर, साधु का मृत शरीर ।

निषद्यका – *Niṣadyakā.*
Place of reverential cremation for saints (*Samadhisthal*)
साधु का समाधि स्थल ।

निषद्या क्रिया – *Niṣadyā Kriyā.*
Auspicious ceremony related to the seating of newly born baby with worshipping the Lord.
गर्भान्वय क्रिया का 9 वां संस्कार, इस क्रिया में सिद्ध भगवान की पूजा विधिपूर्वक करके किसी शुद्ध आसन पर बालक को बैठना सिखाया जाता है ।

निषद्या परिषह जय – *Niṣadyā Pariṣaha Jaya.*
To endure the afflictions caused by the postures of meditation.
तपस्या काल में एक आसन से स्थिर रहने से उत्पन्न वेदना-उपसर्ग आदि को सहन करना ।

निषध – *Niṣadha.*
A mountain of *Jambudvip* (island), Name of a king of *Yadu* dynasty, The son of *Baldev*.
जम्बूद्वीप के षट्कुलाचलों में से तीसरा कुलाचल (पर्वत), यदु (यादव) वंश का एक राजा, बलदेव का एक पुत्र, निषध देश का अधिपति नृप ।

निषध देव – *Niṣadha Deva.*
Protecting deity of a summit of *Nishadh* mountain.
निषध पर्वत के निषध कूट का रक्षक देव ।

निषधकूट – *Niṣadhakūṭa.*
Name of a summit of '*Nishadh*' and *Sumeru* mountains.
निषध पर्वत का एक कूट तथा सुमेरु पर्वत के सौमनस व नन्दनवन में स्थित एक कूट

निषधद्रह – *Niṣadhadraha.*
Name of a lake situated in the north of *Nishadh* mountain
निषध पर्वत से उत्तर की ओर नदी के मध्य स्थित सातवां ह्रद ।

निषध पर्वत – *Niṣadha Parvata.*
Name of a mountain situated in *Jambudvip* (an island).
जम्बूद्वीप के कुलाचलों में से एक पर्वत ।

निषाद – *Niṣāda.*
Name of a tone (sound), An ancient tribe.
संगीत के सात स्वरों में एक स्वर, एक जंगली आदिम जाति भील ।

निषादिनी – *Niṣādini.*
5[th] type of music in all 8 kinds.
संगीत की 8 जातियों में पांचवी जाति ।

निषिक्त – *Niṣikta.*
Spread, Sprinkled, Pervaded.
व्याप्त किया हुआ, छिड़का हुआ ।

निषिद्धिका – *Niṣiddhikā.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान में अंगबाह्य का 14 वाँ विकल्प। इसमें बहुत प्रकार के प्रायश्चित्त का वर्णन किया गया है ।

निषिधिका – *Niṣidhikā.*
Place of salvation of Lord Arihant etc. or place of reverential cremation.
अर्हंत आदि भगवान के निर्वाण क्षेत्र व मुनिराज के समाधि स्थान को निषिधिका कहते हैं ।

निषेक – *Niṣeka.*
Specific aggregate of *Karmic* molecules.
एक समय में जितनी कर्म वर्गणाएं उदय में आकर झड़ती हैं उनका समूह ।

निषेध – *Niṣedha.*
Negation, Negative element, Prevention.
प्रतिषेध, रोकना, प्रतिबंधक नियम ।

निषेधसाधक हेतु – *NiṣedhasAdhaka Hetu.*
Reason pertaining to negation
वह हेतु जो किसी बात का अभाव सिद्ध करे ।

निषेधिका – *Niṣedhikā.*
Entering in the temple etc. places with the permission of the governing deities there.
मंदिर, वसतिका आदि स्थानों में प्रवेश के समय वहाँ के अधिष्ठाता देव से आज्ञा लेना अर्थात् 'निःसही' बोलते हुए प्रवेश करना ।

निष्कंप – *Niṣkampa.*
Name of a king of *Yadu* dynasty
यदु (यादव) वंश का एक राजा। समुद्रविजय के भाई विजय का पुत्र ।

निष्कल – *Niṣkala.*
See - *Niḥkala.*
देखें - निःकल ।

निष्कम्पता – *Niṣkampatā.*
Steadiness in faith and austerity including self discipline and self control.
स्थिर, चंचलता से रहित, दृढ़ बने रहना ।

निष्कषाय – *Niṣkaṣāya.*
See - *Niḥkaṣāya.*
देखें - निःकषाय ।

निष्कांक्षित – *Niṣkāṃkṣita.*
See - *Niḥkāṃkṣita.*
देखें - निःकांक्षित ।

निष्कांक्षित अनशन – *Niṣkāṃkṣita Anaśana.*
An austerity of great fasting (leaving food-taking) up to the time of death being desire - less.
अनशन का एक भेद; भक्तप्रत्याख्यान आदि अनेक प्रकार के मरणों में मरण पर्यंत आहार का त्याग करते हुए आकांक्षा रहित बने रहना ।

निष्काम – *Niṣkāma.*
Without desire.
इच्छा रहित ।

निष्कुट क्षेत्र – *Niṣkuṭa Kṣetra.*
A region which is located in the topmost corner of the universe outside of the mobile channel.
लोक शिखर का कोण भाग ।

निष्क्रांति क्रिया – *Niṣkrānti Kriyā.*
An auspicious and sacred act (related to initiation).
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया, दीक्षा कल्याणक की क्रियाएं, वैराग्य पूर्वक राज्य को त्यागना इत्यादि क्रियाओं के साथ दिगम्बर व्रत को धारण कर केशलौंच आदि करना ।

निष्क्रिय परमाणु – *Niṣkriya Paramāṇu.*
Inactive particles.
क्रिया रहित परमाणु ।

निष्क्रियत्व शक्ति – *Niṣkriyatva Śakti.*
Supreme power of inactivity (of *Siddhas*).
समस्त कर्मों के अभाव से प्रवृत्त आत्मप्रदेशों की निस्पन्दता स्वरूप निष्क्रियत्व शक्ति है, जो कि सिद्ध अवस्था में प्रगट होती है।

निष्ठा – *Niṣṭhā.*
Faith, Belief, Firmness.
आस्था, विश्वास, दृढ़ता ।

निष्ठापक – *Niṣṭhāpaka.*
Accomplisher, one who fulfills religious duties. धार्मिक कार्य आदि को संपन्न करने वाला ।

निष्ठीवन – *Niṣṭhīvana.*
To spit out, an infraction of meditative relaxation; an obstacle related to saint food, coming out phlegm in mouth.
थूकना, कायोत्सर्ग का एक अतिचार, आहार अन्तराय; आहार करते समय साधु के द्वारा कफ आदि थूक देने पर निष्ठीवन नाम का अंतराय होता है ।

निष्ठुर – *Niṣṭhura.*
Harsh, Merciless, Cruel.
कठोर, कर्कश ।

निष्पत्ति – *Niṣpatti.*
Origination, Completion, Certainty.
जन्म, उत्पत्ति, समाप्ति, पूर्णता ।

निष्पन्न योगी – *Niṣpanna Yogī.*
Absolute meditator, One who is completely engrossed in meditation
पूर्णयोगी पुरुष निर्विकल्प शुद्धात्म अवस्था में निष्पन्न योगी कहे जाते हैं ।

निष्परिग्रह – *Niṣparigraha.*
Deprived of possession or attachment
संपूर्ण परिग्रह से रहित होना ।

निष्पाप – *Niṣpāpa.*
Sinless, Name of the 13th predestined *Tirthankar* (Jaina Lord).
समस्त पापों से रहित, 13 वें भाविकालीन तीर्थंकर का नाम ।

निष्प्रतीकार – *Niṣpratīkāra.*
Unopposing.
प्रतिकार रहितता ।

निष्प्राण – *Niṣprāṇa.*
Lifeless.
निर्जीव अर्थात् जिसमें प्राण न हों ।

निसर्ग – *Nisarga.*
Natural state, Nature
स्वभाव या प्रकृति ।

निसर्ग क्रिया – *Nisarga Kriyā.*
Encouraging for the sinful or wrong activities, Abetting.
आस्रव को बढ़ाने वाली श्रावक की 25 क्रियाओं में सत्रहवीं क्रिया; जो प्रवृत्ति पाप का कारण है उसमें सम्मति देना ।

निसर्गज – *Nisargaja.*
Independent perception of right faith (*Samyakdarshan*).
सम्यग्दर्शन का एक भेद; जो पर के उपदेश के बिना सहज उत्पन्न होता है। इसके चार कारण हैं- जाति स्मरण, वेदना अनुभव, जिनबिम्बदर्शन अथवा देवर्द्धि दर्शन ।

निसर्गाधिकरण – *Nisargādhikaraṇa.*
To be involved in wrongful activities.

अजीवाधिकरण का एक भेद; मन, वचन, और शरीर के द्वारा दुष्ट प्रवृत्ति करना ।

निसही – *Nisahi.*

'*Nisahi*', a word to be pronounced at the time of entering into the temples etc.

मंदिर, चैत्यालय, मठ, नसति आदि में प्रवेश करने के लिए वहां रहने वाले भूत, यक्ष, आदिकों से 'निसही' इस शब्द को बोलते हुए पूछकर प्रवेश करना

निसीधिका – *Nisidhikā*

See – *Nisahi*

देखें - निसही ।

निसृत – *Nisṛta*

Perception of an exposed thing.

मतिज्ञान, सामने विद्यमान पूरी वस्तु को जानना ।

निसृष्टार्थ – *Nisṛṣṭārtha.*

Best message conveyor

संदेशवाहक सर्वश्रेष्ठ दूत, कार्य में सफलता प्राप्त करना इसका उद्देश्य रहता है ।

निस्तरण – *Nistaraṇa.*

To be with right perception-knowledge & conduct strictly upto the ultimate time of death.

सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चारित्र का आमरण निर्दोष पालन करते हुए परीषह तथा उपसर्गों के उपस्थित रहने पर भी उनसे चलायमान न होकर सम्यग्दर्शनादि को भवपर्यन्त तक पहुँचा देने को निस्तरण कहते हैं, जिससे वे अन्य भव में भी अपने साथ आ सकें ।

निस्तारण मंत्र – *Nistāraṇa Mantra*

A pain relieving *Mantra* (mystic words).

कष्ट निवारक मंत्र, गर्भान्वय क्रियाओं में इन मंत्रों से होम होता है।

निस्स्वभावता – *Nissvabhāvatā.*

Devoid of any intrinsic nature, Essencelessness.

स्वभावरहितता ।

निहत शत्रु – *Nihata Śatru.*

Conqueror of enemies, Name of a king of *Hari* dynasty

शत्रु को पराजित करने वाला, हरिवंश का एक राजा ।

निहार – *Nihāra.*

See - *Nīhāra.*

देखें - नीहार ।

नीच – *Nīca.*

People from low caste, Low-caste group.

निम्न, नीच गोत्र व नीच कुल आदि ।

नीचकुल – *Nīcakula.*

Low caste group.

निंद्य कुल जहां प्रायः आचार-विचार हीन रहते हैं ।

नीचगोत्र – *Nīcagotra.*

Group of low-caste persons

नीच कुल । पर की निंदा करने से नीच गोत्र में जन्म होता है।

नीचगोत्र कर्म प्रकृति – *Nīcagotra Karmaprakṛti.*

Karmic nature causing birth in low-caste group

वह कर्म प्रकृति जिसके उदय से गर्हित कुल में जन्म होता है ।

नीचत्व – *Nīcatva.*

Mean mentality.

नीचपना ।

नीचदेव – *Nīcadeva.*

A type of low deities.

किल्विष आदि निम्न जाति के देव ।

नीचपद उद्धार – *Nīcapada Uddhāra.*

Progressive life from the lower stage

निम्न कुल में जन्म लेकर भी धर्म के प्रभाव से आत्मा को सुसंस्कारित करना। जैसे-यमपाल चाण्डाल ने अहिंसा धर्म का पालन कर देवपर्याय को प्राप्त किया था ।

नीचैर्वृत्ति – *Nīcairvṛtti.*

Politeness, Meekness.

नम्र वृत्ति, नम्रता। जो गुणों में उत्कृष्ट हैं उनके प्रति विनय अथवा नम्रता से रहना ।

नीचोपपाद देव – *Nīcopapāda Deva*

A type of peripatetic celestials

एक प्रकार के व्यंतरजातीय देव ।

नीति – *Nīti.*

Policy, Political wisdom, Ethics

राजनीतिक बुद्धिमत्ता, निर्देशन, नीतिकौशल, तर्कणा ।

नीतिक्रिया – *Nītikriyā.*

Judicial activity

न्याय; जिसके द्वारा निश्चय किया जावे ।

नीतिवाक्यामृत – *Nītivākyāmṛta.*

A book written by *Acharya* Somdeva.

आचार्य सोमदेव (ई. 943-968) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

नीतिसार – *Nītisāra.*

A book written by *Acharya* Indranandi

आचार्य इन्द्रनन्दि (ई. श.10) की नीति विषयक रचना ।

नीरस आहार – *Nīrasa Āhāra*

Tasteless food.

स्वाद रहित अर्थात् रस आदि से रहित भोजन ।

नीरा – *Nīrā.*

A river of *Bharat Kshetra* (region).

भरत क्षेत्र में स्थित एक नदी का नाम ।

नील – *Nīla.*

Name of a mountain in *Jambudvip* (island), and the 9th planet.

जम्बूद्वीप का चौथा कुलाचल व 9 वें ग्रह का नाम ।

नील कूट – *Nīla Kūṭa.*

Name of a summit of *Neel* mountain.

नील कुलाचल के 9 कूटों में दूसरा कूट ।

नील (नाम) – *Nīla (Nāma).*
Name of the Initiation-forest of Lord Munisuvratnath. A king of *Vanara* dynasty.
भगवान मुनिसुव्रतनाथ के दीक्षा वन का नाम, वानर वंश का एक राजा ।

नीलकंठ – *Nīlakaṇṭha.*
Name of the 3rd predestined *Pratinarayan* of *Bharat Kshetra* (region).
भरतक्षेत्र के आगामी तीसरे प्रतिनारायण

नीलक – *Nīlaka.*
Name of a deity resident of a summit '*Shrivraksha*' situated in the west of *Ruchakgiri* (mountain).
रुचकगिरि की पश्चिम दिशा में स्थित श्रीवृक्षकूट का निवासी देव ।

नीलकुमारी – *Nīlakumārī.*
Name of a female deity of lakes of *Devkuru* & *Uttarkuru.*
देवकुरु व उत्तरकुरु के 20 द्रहों की एक देवी का नाम ।

नील लेश्या – *Nīla Leśyā.*
Blue thought colouration or aura (related to worldly passions).
अशुभ भाव जो तीव्र कषाय से हो; अतिलोभ, चपलता, अनृत भाषण, माया, तृष्णा, परवंचना, आलस्य, मूर्छा आदि नील लेश्या के लक्षण हैं ।

नीलांजना – *Nīlāṃjanā.*
A dancing-girl at the court of *Indra* who caused worldly aversion to Rishabhdev.
इन्द्र की अप्सरा; तीर्थंकर ऋषभदेव को वैराग्य उत्पन्न करने के लिए स्वर्ग से इन्द्र उसे लाया था ।

नीलाभास – *Nīlābhāsa.*
Name of the 16th planet.
88 ग्रहों में 16 वें ग्रह का नाम ।

नीली – *Nīlī.*
Name of a lady famous for high moral character.
प्रसिद्ध पतिव्रता शीलवती स्त्री ।

नीलोत्पला – *Nīlotpalā.*
Name of a beloved female deity of *Indras*
इन्द्रों की एक प्रधान वल्लभिका ।

नीलोद्यान – *Nīlodyāna.*
Name of the Initiation forest of Lord Munisuvratnath.
मुनिसुव्रतनाथ भगवान के दीक्षा वन का नाम । अपरनाम नीलवन।

नीहार – *Nīhāra.*
Excreta (absence of it is an excellence of Lord Arihant etc.), Heavy dew, Frost.
मल-मूत्र त्याग (तीर्थंकरों के, उनके पिताओं के, बलदेवों के, चक्रवर्ती के, अर्धचक्रवर्ती के, देवों के तथा भोगभूमिज के आहार होता है परन्तु नीहार नहीं होता है),ओस, कोहरा ।

नूपुर – *Nūpura.*
Anklet, an ornament of woman
स्त्रियों के पैरों का एक आभूषण ।

नृगति – *Nṛgati.*
Human destinity (body form)
मनुष्यगति ।

नृत्य – *Nṛtya.*
Dancing, expression of internal theme.
नाचना ।

नृत्यगान – *Nṛtyagāna.*
To worship Lord with singing & dancing
नृत्य-गान के साथ देव पूजा आदि करना ।

नृत्यगोष्ठी – *Nṛtyagoṣṭhī.*
Recreation; to organise dance programme
प्राचीन मनोरंजन का एक प्रमुख साधन, उत्सवों पर नृत्य गोष्ठियाँ की जाती थी ।

नृत्यमंडप – *Nṛtyamaṃḍapa.*
Dancing court in temple etc
मंदिर, चैत्यालय आदि में नृत्य के लिए स्थान ।

नृत्यमाल – *Nṛtyamāla*
Ruling deity of *Khandprapata*, the summit of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत के खण्डप्रपात कूट का स्वामी देव ।

नृपतुंग – *Nṛpatuṃga.*
Another name of the king *Amoghvarsh.*
राजा अमोघवर्ष का अपरनाम ।

नृपदत्त – *Nṛpadatta.*
The son of Vasudev.
वसुदेव का पुत्र ।

नृपनंदि – *Nṛpanaṃdi.*
Name of an *Acharya* contemporary to king Bhoj
राजा भोज के समकालीन एक आचार्य। समय- ई. 1021-1055 ।

नृलोक – *Nṛloka.*
Human world.
मनुष्य लोक, मनुष्यों की आवास भूमि, अढ़ाई द्वीप ।

नेत्र (चक्षु इन्द्रिय) – *Netra (Cakṣu Indriya).*
Eyes.
आँख, चक्षु (चौथी इन्द्रिय) ।

नेत्रोन्मीलन विधि – *Netronmīlana Vidhi*
A particular kind of ritual procedure of opening the eyes of the idol of Lord Jinendra with the golden-stick especially to be observed in *Panchkalyanak Pratishtha* on the day of attainment of *Kevalgyan* (omniscience).
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में ध्वजारोहण-अंकुरारोपण के समय स्थापित यक्ष की प्रतिमा के नेत्रों को मंत्रपूर्वक स्वर्ण शलाका से खोलने की एक विधि, केवलज्ञान कल्याणक के दिन जिन-

प्रतिमा के नेत्रों में विशेष मंत्रपूर्वक की जाने वाली विधि ।

नेमिचंद्र – *Nemicandra.*
Name of a great *Acharya*, the writer of Gommatsar etc. great books of Jainism.
सिद्धान्त चक्रवर्ती, गोम्मटसार, त्रिलोकसार, लब्धिसार, द्रव्यसंग्रह आदि के कर्ता आचार्य, चामुंडराय के गुरु। समय - ई. श. 10-11 ।

नेमिचन्द्र भट्टारक – *Nemicandra Bhaṭṭāraka.*
See – *Nemicandra.*
देखें - नेमिचन्द्र ।

नेमिचंद्रिका – *Nemicandrikā.*
A book written by *Pandit* Manranglal
पं. मनरंगलाल (ई. 1800-1832) कृत एक ग्रंथ ।

नेमिचन्द्र – *Nemicandra.*
A writer of 'Dvisandhan Kavya' and many other books.
द्विसंधान काव्य टीका, द्विसंधान काव्य, उत्सव पद्धति, त्रैवर्णिकाचार आदि के कर्ता ।

नेमिदत्त – *Nemidatta.*
A celibate who wrote 'Aradhana Kathakosh' and many other books, the disciple of *Bhattarak* Mallibhushan
नंदिसंघ बलात्कारगण सूरत शाखा के एक भट्टारक मल्लिभूषण के शिष्य (समय - ई.श. 16) । एक ब्रह्मचारी - नेमिनाथ पुराण, आराधना कथाकोश, धन्यकुमार चरित, धर्मोपदेशपीयूषवर्ष श्रावकाचार आदि के कर्ता ।

नेमिदेव – *Nemideva.*
Spiritual teacher of Somdeva who wrote a book 'Yashastilak'
यशस्तिलक के कर्ता सोमदेव (ई.959) के गुरु ।

नेमिनंदि – *Neminandi.*
A *Bhattarak* (learned person) of *Nandi* group.
नन्दिसंघ बलात्कार गण की ग्वालियर गद्दी के एक भट्टारक (वि. 1223) ।

नेमिनाथ – *Nemināthа*
Name of the 22nd *Tirthankar* (Jaina Lord) of Jain religion
22 वें तीर्थंकर का नाम। यदु (यादव) वंश के राजा समुद्र विजय एवं रानी शिवादेवी के पुत्र, आयु एक हजार वर्ष, शरीर की ऊंचाई 10 धनुष एवं देहवर्ण वैडूर्यमणि सदृश ।

नेमिनाथपुराण – *Nemināthapurāṇa.*
A book written by *Brahmchari* Nemidatta.
ब्र. नेमिदत्त (ई. 1528) कृत एक संस्कृत ग्रंथ ।

नेमिनाथ बारहमासा – *Neminātha Bārahamāsā.*
Name of a book.
बूचिराज (ई. श. 16) कृत राजमति के श्रृंगार विषयक एक काव्य कृति ।

नेमिनाथ वसंत – *Neminātha Vasanta.*
Name of a book
बूचिराज (ई.श. 16) कृत नेमिनाथ भगवान के वैराग्य विषयक एक काव्य कृति ।

नेमिनिर्वाण काव्य – *Neminirvāṇa Kāvya.*
A book written by Bagbhatta.
वाग्भट्ट (ई. 1075-1125) कृत एक संस्कृत काव्य ।

नेमिप्रभु – *Nemiprabhu.*
Name of the 16th *Tirthankar* (Jaina Lord) situated in *Videh Kshetra* (region)
विदेह क्षेत्र विद्यमान 20 तीर्थंकरों में 16 वें तीर्थंकर का नाम ।

नेमिषेण – *Nemiṣeṇa*
Disciple of Amitgati-I and spiritual teacher of Madhavasen
अमितगति प्रथम के शिष्य तथा श्री माधवसेन के गुरु। समय– ई 943–983 ।

नेमिसागर (मुनि) – *Nemisāgara (Muni).*
Name of a *Digambar* Jain saint, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar ji Maharaj
चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रमुख 7 मुनि शिष्यों में से एक। इनकी प्रेरणा से गुरुदेव श्री शांतिसागर जी महाराज की स्मृति में मुम्बई (महा.) की बोरिवली में पोदनपुर नाम से अत्यंत रमणीक तीर्थ बनाया गया है। समय–ई.श. 20 ।

नैकायिक – *Naikāyika.*
An epithet for a saint engrossed in *Ratnatray*.
पूर्णरत्नत्रय निकाय में हुआ नैकायिक है

नैःसङ्गयभावना – *Naiḥsaṅgyabhāvanā.*
Feeling of unattachment
पंचेन्द्रिय सम्बन्धी सचित्त और अचित्त विषयों में अनासक्ति। ये दो प्रकार की होती है - बाह्य और आभ्यंतर ।

नैर्ऋत्य – *Nairṛtya.*
Name of a direction, a guardian deity, a ruling deity of a lunar
दिशा; पश्चिम दक्षिणी कोणवाली विदिशा, लोकपाल देवों का एक भेद, एक नक्षत्र 'मूल' के अधिपति देवता का नाम ।

नैगमनय – *Naigamanaya.*
Figurative standpoint that indicates circumstantial knowledge.
7 नयों में प्रथम नय; यह अनिष्पन्न अर्थ में संकल्प मात्र को विषय करता है। जैसे-किसी मनुष्य को पापी लोगों का समागम करते हुए देखकर नारकी कहना ।

नैगमाभास – *Naigamābhāsa.*
False figurative standpoint.
मिथ्या नैगम नय ।

नैपीरियन लॉग – *Naipiriyana Log.*
Name of 'Logarithm to the base 2'.
अर्द्धच्छेद या लघुरिक्थ गणित, 2 के आधार वाले लघुरिक्थ

का नाम नैमित्तिक लिंग है ।

नैमित्तिक - *Naimittika.*

Causal knowledge, gained due to some special reason

किसी विशेष कारण या निमित्त से उत्पन्न कार्य या ज्ञान ।

नैमित्तिक उत्पाद - *Naimittika Utpada*

Causal production

उत्पाद का एक भेद; परप्रत्यय उत्पाद ।

नैमित्तिक क्रिया - *Naimittika Kriyā.*

Different ritual activities concerning to different occasions.

कुलकर्म, अष्टान्हिका, अष्टमी, चतुर्दशी आदि विशेष पर्वों की क्रिया ।

नैमित्तिक दुःख - *Naimittika Duḥkha.*

Distress arising due to external causes.

बाह्य निमित्तों से उत्पन्न दुःख ।

नैमित्तिक व्युत्सर्ग - *Naimittika Vyutsarga.*

Activities of occasional abandonments

नियतकाल व्युत्सर्ग (त्याग) का एक भेद; पर्व के दिनों में की जाने वाली क्रियाएँ व नियम आदि क्रिया करना ।

नैमिष - *Naimiṣa*

A city in the north of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

नैमिष - *Naimiṣa*

Momentary, Unsteady.

क्षणिक, अस्थायी, निमिष मात्र ।

नैयायिक दर्शन - *Naiyāyika Darśana.*

A philosophy.

एक एकांत मत, जो ज्ञानदर्शन को जीव से पृथक् मानते हैं एवं मोक्ष होने पर बुद्धि आदि गुणों का विनाश मानते हैं ।

नैरन्तर्य - *Nairantarya.*

Continuousness, Constancy.

निरंतर होने का भाव, निर्बाधता ।

नैरात्म्यवाद - *Nairātmyavāda.*

The Buddhist doctrine of the non-existence of any spirit, supreme or human

बौद्धों का शून्यवाद, इसके अनुसार जगत शून्यरूप है ।

नैवेद्य - *Naivedya.*

An auspicious article for worshipping Lord Arihant. Edible substances.

पूजा के आठ द्रव्यों में पांचवा द्रव्य, भोज्य पदार्थ ।

नैषध - *Naiṣadha.*

Name of a country situated on *Vindhyachal* mountain of *Bharat Kshetra* (region)

भरतक्षेत्र के विन्ध्याचल पर्वत पर स्थित एक देश ।

नैष्कर्म्य - *Naiṣkarmya.*

Name of a book written by Sureshvar.

वेदांत साहित्य प्रवर्तक सुरेश्वर (ई. 820) का एक ग्रंथ ।

नैष्ठिक ब्रह्मचारी - *Naiṣṭhika Brahmacārī*

A celibate following the prescribed rules of 7th *Pratima*

सातवीं ब्रह्मचर्य प्रतिमा के नियमों को पालने वाला ब्रह्मचारी

नैष्ठिक श्रावक - *Naiṣṭhika Śrāvaka.*

Pledged votary following the rules of 5th stage of spiritual development (5th *Gunsthan*).

पंचम गुणस्थानवर्ती श्रावक ।

नैसर्गिक गुण - *Naisargika Guṇa.*

Internal qualities.

स्वाभाविक, अन्तर्जात गुण ।

नैसर्गिक मिथ्यात्व - *Naisargika Mithyātva*

Natural false belief

अगृहीत मिथ्यात्व-परोपदेश के बिना मिथ्यात्व कर्म के उदय से जीवादि पदार्थों का अश्रद्धान रूप भाव ।

नैसर्प - *Naisarpa.*

One of 9 treasures of *Chakravarti* (an emperor) to provide palace, temple etc.

चक्रवर्ती की नव निधियों में एक निधि। जो अनेक प्रकार के मंदिर या भवन निर्माण करती है ।

नो - *No.*

Partial affirmation, Quasi, Negation

एक अव्यय, जो प्रायः 'अ' की भांति या किंचित् रूप में प्रयुक्त होता है ।

नोआगम द्रव्य - *Noāgama Dravya.*

The body installed in particular realm of mind besides other.

किसी पदार्थ के ज्ञाता का शरीर जो उस पदार्थ के ज्ञान में उपयोग सहित न हो ।

नोआगम द्रव्य भाव - *Noāgama Dravyabhāva.*

A type of *Bhav Nikshep.*

भाव निक्षेप का एक भेद ।

नोआगम भाव कर्म - *Noāgam Bhāva Karma.*

A type of *Karmas* in relation to *Nikshep.*

निक्षेपों की अपेक्षा कर्म का भेद, कर्म के फल को भोगने वाला जीव नोआगम भाव कर्म है ।

नोइन्द्रिय - *Noindriya.*

Dravya Man - a structural form of *Man* according to Jaina philosophy.

द्रव्य मन; जो अंगोपांग नामकर्म के उदय से मनोवर्गणा से बनता है. इसे ईषत् इन्द्रिय भी कहते हैं। यह हृदय स्थान में अष्टदल कमल के आकार का माना गया है ।

नो इंद्रिय प्रणिधान - *No Iindriya Praṇidhāna.*

Passionate volitions.

क्रोध, मान, माया, लोभ, हास्य, रति, अरति, शोक, भय, जुगुप्सा, तथा तीनों वेद, इन के परिणाम ।

नो इंद्रियावरण कर्म - *No Imdriyāvaraṇa Karma.*

Karmas obscuring *Man* (internal feelings).

मन पर आवरण करने वाला कर्म ।

नोकर्म – *Nokarma.*

Grossbody etc. are called *Nokarma*.

नामकर्म के उदय से प्राप्त होने वाले औदारिक आदि शरीर जो जीव के सुख दुख में निमित्त बनता है वह नोकर्म कहलाता है।

नोकर्म आहार – *Nokarma Āhāra.*

Intake of *Nokarma Varganas* causing formation of gross body.

शरीर निर्माण के निमित्तभूत नोकर्म वर्गणाओं का आना 'नोकर्म आहार' कहलाती है। यह समस्त सांसारिक प्राणियों के तो होता ही है तथा केवली भगवान के भी परमौदारिक शरीर के निमित्त से नोकर्माहार माना गया है ।

नोकर्म तद्व्यतिरिक्त – *Nokarma Tadvyatirikta.*

External causes for the state of any particular *Karmas*.

निक्षेप-किसी कर्म की अवस्था के लिये जो बाहरी कारण हो जैसे, क्षयोपशम रूप मतिज्ञान के लिए पुस्तक अभ्यास आदि।

नोकर्म द्रव्य कर्म – *Nokarma Dravya Karma.*

External substances causing some results by *Karmic* fruition

कर्म प्रकृति के उदय फलरूप जो कार्य हो उस कार्य के लिए जो बाहरी वस्तु कारण भूत हो वह वस्तु प्रकृति का नोकर्म द्रव्य कर्म है ।

नोकर्म नारकी – *Nokarma Nārakī.*

Nokarma Dravyas causing hellish realm.

पाश, पंजर, यंत्र आदि नोकर्म द्रव्य जो नारकभाव की उत्पत्ति में कारण भूत होते हैं, नोकर्म द्रव्य नारकी हैं ।

नोकर्म वर्गणा – *Nokarma Vargaṇā.*

19 *Varganas* out of 23 excluding *Karman, Bhasha, Mano & Tejas*.

कुल 23 वर्गणाओं में से कार्मण, भाषा, मनो, तैजस इन 4 को छोड़कर 19 वर्गणाएं ।

नोकर्माहार – *Nokarmāhāra.*

See – *Nokarma Āhāra.*

देखें – नोकर्म आहार ।

नोकषाय – *Nokaṣāya.*

Subsidiary passion, Quasi passion.

ईषत् अर्थात् किंचित् अर्थ में 'नञ्' का प्रयोग होने से किंचित् कषाय को अकषाय या नोकषाय कहते हैं ।

नोकेवल – *Nokevala.*

Nine kinds of destructional volitions.

क्षायिक भाव; केवलदर्शन, केवलज्ञान, क्षायिकदान, लाभ, भोग, उपभोग, वीर्य, क्षायिक सम्यक्त्व - चारित्र ।

नोक्षेत्र – *Nokṣetra.*

All 5 entities rather than 'Sky'.

आकाश द्रव्य के अतिरिक्त जीव, पुद्गल, धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय तथा काल द्रव्य नोक्षेत्र कहलाते हैं ।

नोगौण्य पद – *Nogauṇya Pada.*

Meaningless words, not in accordance with the relative qualities.

जिन संज्ञाओं में गुणों की अपेक्षा न हो अर्थात् जो असार्थक नाम हैं ।

नोजीव – *Nojīva.*

A body (one well versed in scriptures) without soul

अनंतानन्त विस्रसोपचयों से उपचय को प्राप्त कर्मपुद्गल स्कन्ध (शरीर) प्राणधारण अथवा ज्ञानदर्शन से रहित होने के कारण नोजीव कहलाता है ।

नोत्वचा – *Notvacā.*

Upper skin of bark.

वृक्ष या स्कन्धों की छाल को त्वचा तथा उसके ऊपर जो पपड़ी का समूह होता है उसे नोत्वचा कहते हैं ।

नो संसार – *No Saṁsāra.*

State of supreme soul (omniscient) before getting salvation.

चतुर्गति में परिभ्रमण न होने से तथा अभी मोक्ष की प्राप्ति न होने से सयोगकेवली की जीवन्मुक्त अवस्था ईषत्संसार या नोसंसार है ।

नौ – *Nau.*

Nine, a number.

नव-जैसे, नव अनुदिश, नव ग्रैवेयक, नव नारायण, नव निधि इत्यादि ।

नौका – *Naukā.*

Boat

एक छोटी नाव, किश्ती ।

नौकार श्रावकाचार – *Naukāra Śrāvakācāra.*

A book written by *Acharya* Yogendudeva.

आचार्य योगेन्दुदेव (ई.श. 6 उत्तरार्द्ध) द्वारा अपभ्रंश भाषा में रचित एक ग्रंथ ।

न्यग्रोध वृक्ष – *Nyagrodha Vṛkṣa.*

Banyan tree, Initiation tree of Lord Rishabhadev.

बरगद का पेड़; ऋषभनाथ भगवान के दीक्षा एवं केवलज्ञान - वृक्ष का नाम। इसका अपरनाम वटवृक्ष या अक्षयवट है ।

न्यग्रोधपरिमंडलसंस्थान नामकर्म – *Nyagrodhaparimaṇḍalasaṁsthāna Nāmakarma.*

Karmic nature causing partly asymmetrical configuration of body.

जिस कर्म के उदय से जीव का शरीर बड़ के पेड़ के समान नाभि के ऊपर मोटा और नीचे पतला होता है ।

न्याय – *Nyāya.*

Verdict or justice.

कानून, इंसाफ, सच्चाई, निर्णय या जिसके द्वारा निश्चय किया जाये ऐसी नीतिक्रिया का करना न्याय कहा जाता है ।

न्यायकेवली – *Nyāyakevalī.*

Name of a book written by *Acharya* Shridhar-2.

आचार्य श्रीधर-2 (ई. सन् ९९१) द्वारा रचित एक नैयायिक ग्रंथ।

न्यायकुमुदचंद्रिका – *Nyāyakumudacandrikā*

Name of a commentry book written by *Acharya* Prabhachandra.

आचार्य प्रभाचन्द्र (ई. ९५०-1020) कृत लघीयस्त्रय न्याय टीका।

न्यायचूलिका – *Nyāyacūlikā*

Name of a book written by Shri Aklanka Bhatta

श्री अकलंक भट्ट (ई. 640-680) कृत एक न्याय ग्रंथ।

न्यायदीपावली – *Nyāyadīpāvali.*

Name of a book written by Anandbodh.

वैदिक साहित्य प्रर्वतक आनन्दबोध (ई.श. 11-12) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

न्यायदीपिका – *Nyāyadīpikā.*

Name of a book written by *Acharya* Dharmbhooshan.

आचार्य धर्मभूषण (ई. 1390) द्वारा रचित एक न्याय ग्रंथ।

न्यायभागमतसमुच्चय – *Nyāyabhagamatasamuccaya.*

Name of a book written by *Pandit* Jaichand Chhabra.

पं. जयचन्द छाबड़ा (ई. 1763-1829) कृत एक न्याय ग्रंथ।

न्यायमकरंद – *Nyāyamakaranda.*

See – *Nyāyadīpāvali.*

देखें – न्यायदीपावली।

न्यायमालाविस्तर – *Nyāyamālāvistara.*

Name of a book written by Shri Madhav.

मीमांसादर्शन साहित्य प्रवर्तक श्री माधव द्वारा रचित एक ग्रंथ।

न्यायरत्नमाला – *Nyāyaratnamālā.*

Name of a book written by Parthsarthi Mishra.

मीमांसा दर्शन साहित्य प्रवर्तक पार्थसारथिमिश्र द्वारा रचित एक ग्रंथ।

न्यायरत्नाकर – *Nyāyaratnākara.*

See – *Nyāyaratnamālā.*

देखें – न्यायरत्नमाला।

न्यायविनिश्चय – *Nyāyaviniścaya.*

Name of a book written by *Acharaya* Aklank Bhatta.

आचार्य अकलंक भट्ट (ई. 620-680) कृत एक ग्रंथ।

न्यायविनिश्चयविवरण – *Nyāyaviniścayavivaraṇa.*

Name of a book.

एक न्यायविषयक ग्रंथ।

न्यायसुधा – *Nyāyasudhā.*

A book written by Kashika & Someshvar Bhatta.

मीमांसा दर्शन प्रवर्तक कशिका व सोमेश्वर भट्ट कृत एक ग्रंथ।

न्यायसूर्यावली – *Nyāyasuryāvali.*

Name of a book

एक न्यायविषयक ग्रंथ।

न्यायाभास – *Nyāyābhāsa.*

False inference, Judgement fallacy

जो अनुमान प्रत्यक्ष और आगम के विरुद्ध हो।

न्यास – *Nyāsa.*

Installation, Entrusting

रखना, निक्षेप, लोक व्यवहार नाम, स्थापनादि।

न्यासापहार – *Nyāsāpahāra.*

Misappropriation, a type of false behaviour.

सत्याणुव्रत का अतिचार; कोई व्यक्ति धरोहर रख जाये और भूल से कम मांगे तो उसको उसकी भूल न बताकर जितनी वह मांगे उतनी ही दे देना।

न्यून – *Nyūna.*

Deficient, Lacking, Wanting.

कम किया हुआ, घटाया या छोटा किया हुआ।

न्योनदशमी व्रत – *Nyonadaśamī Vrata*

A type of vow (fasting).

दस दशमी के उपवास करना। यह श्वेताम्बर आम्नाय में प्रचलित है।

प

प – *Pa*

The 21st consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का इक्कीसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान ओंठ है ।

पंच अवयव – *Pamca Avayava.*

Five parts of Inference.
अनुमान के 5 अंग; प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण (अन्वय, व्यतिरेकी) उपनय, निगमन ।

पंकजगंधा – *Pamkajagamdhā.*

Name of a chief female deity.
एक महत्तरिका देवी का नाम ।

पंकजगुल्मा – *Pamkajagulmā.*

Past-birth name of Lord Vasupujya.
वासुपूज्य भगवान के पूर्व भव का नाम ।

पंकप्रभा – *Pamkaprabhā.*

That (4th) earth which has the colour of clay or mud
चतुर्थ नरक भूमि; जिसकी प्रभा कीचड़ के समान है ।

पंकभाग – *Pamkabhāga.*

A part of *Ratnaprabha* earth of hell.
अधोलोक में सबसे पहली रत्नप्रभा पृथ्वी के तीन भागों में दूसरा भाग जो पंक कहलाता है। भवनवासी असुरकुमार एवं राक्षस जाति के व्यंतर देवों के भवन यहाँ बने हुए हैं ।

पंकावती – *Pamkavati.*

A *Vibhanga* river of the east *Videh Kshetra* (region).
पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी ।

पंगुश्रीश्राविका – *Pamguśrīśrāvikā.*

Name of an female votary in the period of Kalki king.
पंचमकाल के अंत में कल्की के समय चतुर्विध संघ में रहने वाली एक श्राविका का नाम ।

पंच – *Pamca.*

Five '5'.
पांच—जैसे, पंचाग्नि, पंचास्तिकाय इत्यादि ।

पंच अग्नि – *Pamca Agni.*

Five kinds of fire, Five fold conducts observed by Jain *Acharyas*.
पांच प्रकार की अग्नि। जैन धर्म के अनुसार पंचाचार को पंचाग्नि रूप भी कहते हैं। जिनका पालन प्रमुखता से आचार्यगण करते हैं।

पंच अतिचार – *Pamca Aticāra.*

Five kinds of infractions related to vows.
पाँच दोष, प्रत्येक व्रत के पांच - पांच अतिचार ।

पंच अनुत्तर विमान – *Pamca Anuttara Vimāna.*

Five supreme heavenly aboding places.
9 अनुदिशों के ऊपर विजय, वैजयंत, जयंत, अपराजित और सर्वार्थसिद्धि विमान ।

पंच अनुमानावयव –
Pamca Anumanavayava

Five elements of apprehensive sentences
प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय और निगमन ये अनुमान वाक्य के पांच अवयव हैं ।

पंच अस्तिकाय – *Pamca Astikāya.*

Five kinds of universal entities.
जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म और आकाश ये पांच अस्तिकाय कहलाते हैं ।

पंच आचार – *Pamca Ācāra.*

Five fold conducts.
ज्ञानाचार, दर्शनाचार, तपाचार, वीर्याचार, चारित्राचार। जिनका दिगम्बर जैन आचार्य पालन करते हैं ।

पंच इंद्रिय – *Pamca Imdriya.*

Five sense organs (body, tongue, nose, eyes & ears).
स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु व श्रोत्र ।

पंच उदुंबर फल – *Pamca Udumbara Phala*

Five kinds of figs or non-edible fruits of ficus genus class.
अभक्ष्य; बड़, पीपल, ऊमर, कठूमर, पाकर इनमें निरन्तर त्रस जीवों की उत्पत्ति होने से अभक्ष्य हैं ।

पंच उदय काल – *Pamca Udaya Kāla.*

Five kinds of time periods related to the fruition of *Karmas*.
कार्माण काल, मिश्र शरीर काल, शरीर पर्याप्त काल, उच्छ्वास काल और भाषा काल ये पंच-उदय काल कहलाते हैं ।

पंचकल्याणक – *Pamcakalyāṇaka.*

Five auspicious events of the life (origination to salvation) of *Tirthankars* (Jaina Lords).
तीर्थंकरों के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष जिनमें देवों द्वारा विशेष उत्सव मनाया जाता है ।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा –
Pamcakalyāṇaka Pratiṣṭhā.

Five days' consecrational celebration of the idol of Jaina Lord related to particular five events of the Lord i.e. *Garbh, Janma, Tap, Gyan, Moksha.*
पाषाण, धातु आदि की मूर्तियों में पाँचों कल्याणकों (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान, मोक्ष) का मंत्रपूर्वक न्यास करना स्थापना निक्षेपरूप पंचकल्याणक प्रतिष्ठा कहलाती है ।

पंचकल्याणक वंदना –
Pamcakalyāṇaka Vamdanā.

Devotional celebration of five auspicious events of the life of *Tirthankar* (Jaina-Lord).
कृतिकर्म; भगवान के गर्भ, जन्म आदि पाँचों कल्याणक की सिद्ध आदि भक्ति पाठ के साथ वंदना करना ।

पंचक्षायिक लब्धि – *Pamcakṣāyika Labdhi.*
Five kinds of destructional (reg. *Karmas*) attainments
क्षायिक दान, क्षायिक लाभ, क्षायिक भोग, क्षायिक उपभोग और क्षायिक वीर्य।

पंचगुरु भक्ति – *Pamcaguru Bhakti.*
A type of devotional prayer.
10 भक्तियों में पूज्यपाद कृत एक भक्ति।

पंचज्ञान – *Pamcajñāna.*
Five kinds of knowledges (sensory, scriptural, clairvoyanc, telepathic & omniscience).
मति, श्रुत, अवधि, मनःपर्यय एवं केवलज्ञान यही पंचज्ञान प्रमाण कहलाते हैं।

पंचचारित्र सिद्ध – *Pamcacāritra Siddha.*
Beings salvated due to five kinds of right conducts (in accordance with *Bhu prajnapan Naya*).
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा पंच चारित्र से सिद्ध होने वाले जीव।

पंचचूलिका – *Pamcacūlikā.*
Five subkinds of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान के 12 वें दृष्टिवाद अंग भेद, जलगता, स्थलगता, मायागता, रूपगता एवं आकाशगता चूलिका।

पंचदश – *Pamcadaśa.*
Fifteen.
15 उत्कृष्ट असंख्यात की सहनानी।

पंचधारणा – *Pamcadhāraṇā.*
Five kinds of conceptional theories.
पिण्डस्थ ध्यान की पाँच धारणाएं - पार्थिवी, आग्नेयी, श्वसनी, वारुणी और तत्त्वरूपवती धारणा।

पंचनद – *Pamcanada.*
Another name of Punjab state.
वर्तमान पंजाब।

पंचनमस्कार मंत्र – *Pamcanamaskāra Mantra.*
See - *Namokāra Mantra.*
देखें - णमोकार मंत्र।

पंचनमस्कार मंत्र माहात्म्य – *Pamcanamaskāra Mantra Māhātmya.*
A story written by *Acharya* Sinhnandi about the greatness of *Namokar Mantra.*
आचार्य सिंहनन्दी (ई.स. 16) कृत एक कथा।

पंचनिद्रा – *Pamcanidrā.*
Five kinds of obscurring *Karmas* in gaining right perception.
दर्शनावरणीय कर्म के 9 भेदों में 5 भेद; निद्रा, निद्रानिद्रा, प्रचला, प्रचलाप्रचला, स्त्यानगृद्धि।

पंचपरमेष्ठी – *Pamcaparameṣṭhī.*
Five ultimate & supreme souls of Jaina stream (Arhant, Siddha, Acharya, Upadhyay & Sadhu).
अर्हंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

पंचपरिवर्तन – *Pamcaparivartana.*
Five kinds of natural changes related to matter, region, time, realm of life and emotions.
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव एवं भाव में परिवर्तन।

पंचपाप – *Pamcapāpa*
Five kinds of sinful activities (violence, to lie, stealing, bad conduct, possessions).
हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह।

पंच प्रायश्चित्त सूत्र – *Pamca Prāyaścitta Sūtra.*
Five particular religious formulae related with repentance
आगम, श्रुत, आज्ञा, धारणा, जीत।

पंचभाव – *Pamcabhāva.*
Five kinds of emotions (attitudes caused by different *Karmic* operations) related to Jaina philosophy.
जीव के पाँच निज तत्त्व; औपशमिक, क्षायिक, क्षायोपशमिक (मिश्र), औदयिक, पारिणामिक भाव।

पंचभावना – *Pamcabhāvanā*
Five kinds of auspicious sentiments related to austerity, knowledge etc
तपोभावना, श्रुतभावना, सत्त्व भावना, एकत्व भावना और धृतिबल भावना।

पंच भिक्षावृत्ति – *Pamca Bhikṣāvṛtti*
Five types of food taking conducts of Jaina saints.
गोचरी, अक्षमृक्षण, उदराग्नि प्रशमन, गर्तपूरण, भ्रामरी वृत्ति- दिगम्बर जैन साधुओं की आहारचर्या के ये पाँच नाम हैं।

पंच भ्रष्ट मुनि – *Pamca Bhraṣṭa Muni.*
Saint with five types of faults.
पार्श्वस्थ, कुशील, संसक्त (आहार का लोभी), अपगत (ज्ञान रहित), मृगचारी (स्वच्छन्द अर्थात् अनर्गल विहारी) मुनि।

पंचमकाल – *Pamcamakāla.*
Fifth regressive period of half universal cycle (*Avasarpini Kal*).
अवसर्पिणी का पंचम दुखमा काल, जिसमें तीर्थंकर आदि विशिष्ट पुण्यात्माओं का जन्म नहीं होता।

पंचमगति – *Pamcama Gati.*
Bodiless state of salvation (*Siddha Gati*)
सिद्धगति।

पंचमस्वर – *Pamcamasvara.*
Fifth note of vocal sound (like as cuckoo sound)
संगीत का एक स्वर; मुख देश में स्थित स्वर (कोयल पंचम स्वर से कूजती है)।

पंचमार्णव – *Pamcamārṇava.*
Kshirasagar (an ocean), the water of which is used for lustral bath of *Tirthankars* (Jaina-Lords).
क्षीरसागर, इसके जल से तीर्थंकर का जन्माभिषेक किया जाता है।

पंचमावगमेश – *Pamcamāvagameśa*

Omniscient one.

पञ्चमज्ञान, केवलज्ञान के स्वामी ।

पंचमी व्रत – *Pamcamī Vrata*

A particular type of vow (fasting).

पाँच वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद शु. 5 को उपवास करना। इसे आकाशपंचमी व्रत भी कहते हैं ।

पंचमुष्टी – *Pamcamusthi.*

Fist

पाँच उंगलियों से बनाई गई मुट्ठी। इस शब्द का उपयोग तीर्थंकरों के केशलोंच संबंधी विषय में किया जाता है ।

पंचमेरु – *Pamcameru.*

Five auspicious adorable mountains with temples having number of Jaina idols

ढाई द्वीप सम्बन्धी पाँच मेरु (पर्वत)-सुदर्शन, विजय, अचल, मंदर, विद्युन्माली मेरु पर्वत पूजा; पाँचों मेरु (पर्वतों) पर स्थित अस्सी चैत्यालयों की समस्त प्रतिमाओं की पूजा ।

पंचयम – *Pamcayama.*

Abandoning of all five sinful activities

पाँच पापों का पूर्णरूप से त्याग करना ।

पंचरत्नवृष्टि – *Pamcaratnavṛṣṭi.*

Showering of jewels by deities where *Tirthankar* takes meals

तीर्थंकरों को आहार देने वालों के घर देवों के द्वारा की जाने वाली 5 प्रकार के रत्नों की वृष्टि ।

पंचलब्धि – *Pamcalabdhi.*

Five kinds of auspicious attainments.

क्षयोपशम, विशुद्धि, देशना, प्रायोग्य और करण ये पाँच लब्धियां हैं ।

पंचवर्ण – *Pamcavarna.*

Name of a planet, Five kinds of colours.

एक ग्रह का नाम, पांच रंग - लाल, हरा, नीला, पीला, काला।

पंचविंशति – *Pamcavimśati.*

A number - twenty five (special types of restraints of *Upadhyaya*).

25; उपाध्याय के विशेष गुण अर्थात् 11 अंग व 14 पूर्व का ज्ञान ।

पंचविंशति कल्याण भावना व्रत –

Pamcavimśati Kalyāṇa Bhāvanā Vrata.

Twenty five vows (fasting) related to 25 auspicious sentiments.

सम्यक्त्व, विनय, ज्ञान, शील आदि 25 कल्याण भावनाओं के 25 व्रत ।

पंचविंशतिका – *Pamcavimśatikā.*

Name of a book written by *Acharya* Somdev - 2.

आचार्य सोमदेव-2 (ई. सन् 1062-1081) कृत एक ग्रंथ।

पंचव्रत – *Pamcavrata.*

Five kinds of vows–non-violence, truth, non-stealing, celibacy, non-possession

अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह ये पाँच महाव्रत हैं।

पंचशती – *Pamcaśatī.*

A book written by Vidyaranya

एक साहित्य प्रवर्तक विद्यारण्य (ई. 1350) कृत एक ग्रंथ ।

पंचशरीर – *Pamcaśarīra.*

Five specified kinds of bodies having peculiar attributes

औदारिक, वैक्रियिक, आहारक, तैजस, कार्मण शरीर ।

पंचशिख – *Pamcaśikha.*

Name of a sage, disciple of Asuri, A trumpet.

आसुरि के शिष्य (ई.श. *) जिन्होंने सांख्य प्रवचन सूत्र एवं तत्व समास का बहुत विस्तार किया, दुंदुभी या तुरही ।

पंचशिखरी – *Pamcaśikharī*

Mountains having 5 summits are called Panchshikhari.

पाँच कूटों से सहित होने के कारण शिखवान, महाहिमवान, निषधपर्वत को पंचशिखरी कहते हैं (तिलोयपण्णत्ति से) ।

पंचशिर – *Pamcaśira.*

Ruling deity Nagendradev of *Vajraprabh* summit situated at *Kundal* mountain.

कुंडल पर्वत पर स्थित वज्रप्रभकूट का स्वामी नागेन्द्रदेव ।

पंचशैलपुर – *Pamcaśailapura.*

Another name of Rajgrah city, the first preaching place of Lord Mahavira and the birth place of Lord Munisuvratnath.

राजग्रह (राजगृही) नगर का दूसरा नाम। यहाँ पर पाँच पहाड़ियां स्थित हैं जिसमें से प्रथम पर्वत विपुलाचल पर भगवान महावीर की प्रथम दिव्यध्वनि खिरी थी। वर्तमान में बिहार प्रदेश के नालंदा जिले में स्थित यह राजगृही (राजगीर) बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ की जन्मभूमि भी है ।

पंचश्रुतज्ञान व्रत – *Pamcaśrutajñāna Vrata.*

168 vows (fasting) with particular procedure.

एक उपवास एक पारणा से 168 उपवास करना ।

पंचसंग्रह – *Pamcasamgraha.*

Many books are available by the same title.

इस नाम से 'दिगम्बर प्राकृत पंचसंग्रह' आदि कई दिगम्बर ग्रंथों का उल्लेख है। गोम्मटसार जीवकांड, कर्मकांड, लब्धिसार, क्षपणासार और त्रिलोकसार इन पाँच ग्रंथों को भी पंचसंग्रह संज्ञा है ।

पंचसमवाय – *Pamcasamavāya.*

Five kinds of inherent properties.

स्वभाव, निमित्त, नियति, पुरुषार्थ व भवितव्य ये पाँच समवाय कहे जाते हैं। इन पाँचों समवायों से समवेत ही कार्यव्यवस्था की सिद्धि है, ऐसा प्रयोजन है ।

पंचसमिति – *Pamcasamiti.*

Five kinds of saint conduct related to carefulness.

ईर्या, भाषा, एषणा, आदाननिक्षेपण और प्रतिष्ठापन ये पाँच समिति संयम शुद्धि में कारण कही गयी हैं ।

पंचसूना – *Pamcasūnā.*

5 necessary household activities.

कूटना, पीसना, चूल्हा जलाना, पानी भरना, झाड़ू लगाना ये पंचसूना गृहस्थ द्वारा किये जाते हैं ।

पंचस्तूपसंघ – *Pamcastūpasamgha.*

Name of the group of *Acharya* Virsen.

प्रसिद्ध धवलाकार आचार्य श्री वीरसेन (ई. 770-827) स्वामी का संघ ।

पंचांक – *Pamcāmka.*

A denotation of numberal increase.

संख्यात भाग वृद्धि की संज्ञा ।

पंचांग – *Pamcāmga.*

Five body organs. To bow down with bending both hands, knees & head, a method of paying reverential greetings.

पांच अंग - दोनों हाथ, दोनों घुटने व मस्तक को झुकाकर नमस्कार करना पंचांग नमस्कार कहलाता है ।

पंचाग्नि – *Pamcāgni.*

See - *Panca Agni.*

देखें - पंच अग्नि ।

पंचाग्नि तप – *Pamcāgni Tapa.*

A type of austerity related to five types of fire.

बालतप (मिथ्यातप); तापस 5 अग्नियों के मध्य बैठकर यह तप करते हैं ।

पंचाचार – *Pamcācāra.*

Five kinds of special right conducts observed by Jaina *Acharyas.*

सम्यग्दर्शनाचार, ज्ञानाचार, चारित्राचार, तपाचार, और वीर्याचार ये पंचाचार कहे जाते हैं। जैन आचार्य इनका प्रमुखता से पालन करते हैं ।

पंचातिचार – *Pamcāticāra.*

Five-five infractions of different vows of householders (togetherly these are 70 in number) .

सम्यक्त्व, व्रत, शील तथा सल्लेखना की विधि के पाँच-पाँच अतिचार। सम्यक्त्व के 5, 5 अणुव्रतों के 5-5, 7 शीलों (3 गुणव्रत + 4 शिक्षाव्रत) के 5-5 तथा सल्लेखना के 5 इस प्रकार ये श्रावक के 70 अतिचार होते हैं ।

पंचाध्यायी – *Pamcādhyāyī.*

A book written by *Pandit* Rajmal Ji

पं. राजमलजी (ई. 1593) कृत एक संस्कृत ग्रंथ ।

पंचामृत अभिषेक – *Pamcāmṛta Abhiṣeka.*

To annoint Lord's idol with pure water, sugarcane juice, ghee, milk & curd

जल, इक्षुरस, घी, दुग्ध व दही के द्वारा भगवान की प्रतिमा का अभिषेक करना। यह जैनागम की प्राचीन परम्परा है ।

पंचाश्चर्य – *Pamcāścarya.*

Five spiritual & super wonders.

देवकृत रत्नवर्षा, पुष्पवर्षा, गंधोदकवृष्टि, शीतल मंद सुगंधित वायु प्रवाह, दुंदुभि बाजे और अहोदान अहोदान की ध्वनि। यह पंचाश्चर्य वृष्टि तीर्थंकर भगवन एवं विशेष महामुनियों के आहार में देवों द्वारा की जाती है ।

पंचास्तिकाय – *Pamcāstikāya*

A great treatise written by *Acharya* Kund-Kund.

आचार्य कुन्द-कुन्द (ई.127-179) द्वारा रचित ग्रंथ ।

पंचेन्द्रिय जीव – *Pamcendriya Jīva.*

Five sensed *Tiryanch* beings (animals etc.)

मनुष्यादि जीव जिनके स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु और कर्ण इन्द्रियाँ पाई जाती हैं। इनके दो भेद हैं - मनसहित-संज्ञी, मनरहित-असंज्ञी ।

पंचेन्द्रिय जाति नाम कर्म – *Pamcendriya Jāti Nāma Karma.*

A *Karmic* nature causing five sensed beings.

जिस नाम कर्म के उदय से जीव पंचेन्द्रिय होता है ।

पंचेन्द्रियत्व – *Pamcendriyatva.*

To be five-sensed

पाँच इन्द्रियों का होना। सयोगी व अयोगी केवली को द्रव्येन्द्रिय की अपेक्षा पंचेन्द्रियत्व होता है भावेन्द्रिय की अपेक्षा नहीं ।

पंचेन्द्रिय तिर्यंच – *Pamcendriya Tiryamca.*

Five sensed *Tiryanch* beings (animals etc.)

पाँच इन्द्रियों वाले तिर्यंच इनके जलचर, नभचर, थलचर के भेद से तीन भेद हैं ।

पंजिका – *Pamjikā.*

A descriptive book of odd terms.

वृत्तिसूत्रों के विषम पदों को स्पष्ट करने वाले विवरण को पंजिका कहते हैं ।

पंडित – *Pamdita.*

A religious learned person, one having right spiritual faith

ज्ञानी, जो पुरुष परमात्मा को शरीर से जुदा एवं केवलज्ञान से पूर्ण जानता है वही परम समाधि में तिष्ठता हुआ पंडित अर्थात् अन्तरात्मा है ।

पंडितपंडितमरण – *Pamditapamditamarana.*

Auspicious & holy liberation of omniscient or salvation of Lord Arihant.

क्षीणकषाय केवली भगवान के निर्वाण को पंडितपंडित मरण कहते हैं ।

पंडितमरण – *Pamditamarana.*

A type of holy death of saints occurring from the 6th stage of spiritual development (*Gunsthan*) upto the 11th one.

समाधिपूर्वक मरण; छठे गुणस्थान से लेकर ग्यारहवें गुणस्थान तक में होने वाला मरण पंडित मरण है। भक्त प्रत्याख्यान, इंगिनी और प्रायोपगमन ये तीन मरण पंडित मरण हैं ।

पंथ – *Pamtha.*

Sect, Tradition.

मार्ग, मत, आम्नाय ।

पंद्रह – *Pamdraha.*
Fifteen, See - *Pamcadaśa.*
देखें - पंचदश ।

पंप – *Pampa.*
Name of a Jain Kannad poet.
राजा अरिकेसरी के समय में हुए एक जैन कन्नड़ कवि (ई. 941) जिनकी आदिपुराणचम्पू आदि कृतियाँ हैं ।

पउमचरिउ – *Paumacariu.*
A book written by Vimalsuri ji.
ई.श. 4 के पूर्वपाद में विमलसूरि द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

पकोटि – *Pakoṭi.*
Count of a number, $(10,000,000)^2$
एक संख्या प्रमाण $(10,000,000)^2$ ।

पक्वाशय – *Pakvāśaya.*
An inner organ of body, abdomen or belly.
औदारिक शरीर का एक अंग, आमाशय और पक्वाशय में 16 आँतें रहती हैं ।

पक्ष – *Pakṣa.*
Wing, Side, Aspect, Side of an argument.
जो साध्य से युक्त होकर हेतु आदि के द्वारा व्यक्त किया जाये उसे पक्ष कहते हैं। अथवा अनुमान के प्रयोग में जहाँ साध्य के रहने का शक होता है। 'जैसे इस कोठे में धूम है' इस दृष्टान्त में कोठा पक्ष है ।

पक्षपात – *Pakṣapāta.*
Partiality, Favouritism.
भेदभाव करना, एकांत, तरफदारी करना ।

पक्षपाती श्रोता – *Pakṣapātī Śrotā.*
Listeners who critisizes or gives wrong favour to one.
विपरीत व दुष्टबुद्धि के धारक श्रोता जो विपरीत तत्वों में दुराग्रह करते हैं ।

पक्षाभास – *Pakṣābhāsa.*
Fallacious arguments.
मिथ्यापक्ष–इष्ट, असिद्ध और अबाधित इन विशेषणों से विपरीत अनिष्ट, सिद्ध व बाधित पक्षाभास हैं ।

पच्चीस – *Paccīsa.*
See - *Pamcavimśati.*
देखें - पंचविंशति ।

पज्जुण्णचरिउ – *Pajjuṇṇacariu.*
Name of a book written by Kavisingh.
ई.श.12 के अंतपाद में कवि सिंह द्वारा प्रद्युम्न चारित्र विषयक रचित एक ग्रंथ ।

पटच्चर – *Paṭaccara.*
A country of *Bharat Kshetra* middle *Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र मध्य आर्यखण्ड का एक देश ।

पटदेवी – *Paṭadevī.*
The chief female deities of *Indras.*
भवनवासी इन्द्रों की देवियाँ, प्रधान देवी, पटरानी, महिषी ।

पटल – *Paṭala.*
Level, Layer.
इन्द्रक विमान एवं नरक बिल ।

पटविद्या – *Paṭavidyā.*
A type of knowledge related to antipiosionousness.
विषापहारिणी गारुड़ी विद्या ।

पटह – *Paṭaha.*
Kettle-drum.
नगाड़ा, इसे डंडों से बजाया जाता है ।

पटांशुक – *Paṭāṁśuka.*
A silky cloth to be tied on the waist
कमर में बांधा जाने वाला रेशमी वस्त्र ।

पट्टन – *Paṭṭana.*
City, town (48000 cities of *Chakravarti* are one of his grandeurs).
नगर, चक्रवर्ती का 36 वाँ वैभव - 48000 पत्तन ।

पट्टबंध – *Paṭṭabaṁdha.*
A crown to be put on the head of new king.
राज्याभिषेक के समय जिसका राज्याभिषेक होता है उसके सिर पर बांधा जाने वाला मुकुट ।

पट्टावली – *Paṭṭāvalī.*
Different traditions of *Acharyas.*
आचार्यों की परम्परा के नाम ।

पणय – *Paṇaya.*
Fungus, mould
काई या कांजी आदि के ऊपर लगी हुई फफूंदी पणय है ।

पणव – *Paṇava.*
A small drum.
एक पुष्करवाद्य ।

पण्णट्ठी – *Paṇṇaṭṭhī.*
A counting of numbers i.e. $(256)^2 = 65536$.
एक संख्या $(256)^2 = 65536$ ।

पण्य भवन – *Paṇya Bhavana.*
Palace of Somdev situated in the east of *Nandan* etc. forests of *Sumeru* (mountain).
सुमेरु पर्वत के नन्दनादि वनों के पूर्व में स्थित सोमदेव का भवन ।

पण्हसवण – *Paṇhasavaṇa.*
Another name Dharsenacharya
धरसेनाचार्य का ही दूसरा नाम, क्योंकि प्रज्ञाश्रमण का प्राकृत रूप पण्हसवण है ।

पतंजलि – *Patamjali.*
A *Yoga* philosophy, Name of a founder of *Yogashastra.*
योग दर्शन का एक भेद - पातंजलियोग 'राजयोग' कहलाता है, योग शास्त्र के प्रणेता का नाम ।

पतझड़ – *Patajhara.*

Autumn (time of decay) cause for the worldly disattachment of Lord Suparshvanath & Shreyansnath.

भगवान सुपार्श्वनाथ एवं श्रेयांसनाथ के वैराग्य का कारण ।

पतन – *Patana*

Decay, decline. An obstacle in saints food (sudden falling down of a saint while taking food).

गिरना, च्युत होना, आहार लेते समय यदि साधु मूर्छा आदि आने से गिर पड़ते हैं तो यह पतन नाम का अंतराय है ।

पताका – *Patākā.*

Flag fixed on the summit of a temple

जिन मन्दिरों में लगाई जाने वाली विजयी ध्वजा ।

पति – *Pati.*

Husband, The male life partner.

यज्ञ, पूजा, प्रतिष्ठा आदि शुभ कार्यों के साथ स्त्री का विवाह जिसके साथ हुआ हो ।

पतित षट्स्थान – *Patita Saṭsthāna*

A type of declining (related to property of *Agurulaghu*).

अगुरुलघु गुण में होने वाला हानि रूप परिणमन, अनंतभाग हानि, असंख्यातभागहानि, संख्यातभागहानि, संख्यात गुण हानि, असंख्यात गुण हानि, अनंतगुण हानि ।

पतिव्रत – *Pativrata.*

Loyalty or fidelity to a husband — a characteristic of Indian culture.

भारतीय संस्कृति में नारी का एक विशेष धर्म-अपने पति के प्रति एकनिष्ठ समर्पण एवं भक्ति का भाव रखना व अन्य पुरुष के प्रति पिता, पुत्र एवं भाई के समान भाव एवं व्यवहार रखना।

पत्ति – *Patti.*

A part of army

सेना का एक अंग। इसमें एक रथ, एक हाथी, 5 पैदल और तीन घोड़े होते हैं ।

पत्रचारण ऋद्धि – *Patracāraṇa Ṛddhi.*

A type of supernatural power of unviolenceful passing through leaves (related to Jaina saints)

दिगम्बर जैन मुनियों को प्राप्त होने वाली एक ऋद्धि; जिसके प्रभाव से पत्तों आदि में रहने वाले जीवों की विराधना न करके उनके ऊपर से मुनिगण जा सकते हैं ।

पत्रजाति वनस्पति – *Patrajāti Vanaspati.*

A type of vegetation (betel leaf etc)

नागबेल आदि वनस्पति (पान, पत्ता आदि) ।

पत्रपरीक्षा – *Patraparīkṣā.*

Name of a book written by *Acharya* Vidyanand.

आचार्य विद्यानन्द (ई. 775-840) कृत एक ग्रंथ ।

पत्रलता – *Patralatā.*

Creeper, Vine (money plant etc.).

पत्तों की बेल ।

पत्र समूह (जीर्ण) – *Patra Samūha(Jīrṇa)*

Heap of leaves, The 16[th] dream of Bharat Chakravarti.

भरत चक्रवर्ती का 16 वां स्वप्न था जीर्ण पत्र समूह जिसका फल 'महाऔषधियों का रस नष्ट होगा' बताया गया था। यह फल वर्तमान में प्रत्यक्ष रूप में देखा जा रहा है ।

पद – *Pada.*

Designation or title, A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).

उपाधि अथवा पदवी, श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 5 वां भेद; इसके अर्थ पद, प्रमाण पद और मध्यम पद तीन भेद हैं ।

पदगतभंग – *Padagatabhaṅga.*

Differentiation of different feelings on different aspects according to knowledge, perception etc.

क्षायोपशमिक आदि 5 भावों के ही भिन्न-भिन्न ज्ञान दर्शनादि भाव को ग्रहण कर भंग करना ।

पदगोष्ठी – *Padagoṣṭhī*

Grammatical discussion

वैयाकरणों के साथ व्याकरण संबंधी चर्चा ।

पदज्ञान – *Padajñāna.*

Knowledge to be perceived through syllabary, Grammatical knowledge.

अक्षरों से होने वाले ज्ञान को उपचार से पदज्ञान कहते हैं, व्याकरण ज्ञान, इसे पद विद्या भी कहते हैं ।

पद तल – *Pada Tala.*

Sole of feet.

पैरों के नीचे का भाग (तलुआ) ।

पदधन – *Padadhana.*

Sum of progression

सर्वधन; अलग - अलग पदों को जोड़ने पर प्राप्त प्रचय ।

पदनिक्षेप – *Padanikṣepa.*

Going forward step by step. Meaningful terms related to actuality in the lowest and highest states.

एक-एक कदम बढ़ाते हुए चलना पदनिक्षेप कहलाता है, जो जघन्य और उत्कृष्ट पद विषयक निक्षेप में ले जाता है उसे पदनिक्षेप कहते हैं ।

पदमीमांसा – *Padamīmāṃsā.*

A type of disquisition door (*Anuyogadvar*).

अनुयोग द्वार का एक भेद ।

पदविभागी – *Padavibhāgī.*

A kind of criticism, A kind of good conduct of saint.

आलोचना का एक भेद; क्रमपूर्वक द्वारा आचार्य के आगे क्रम से दोषों की आलोचना करना, साधुओं के द्वारा की जाने वाली समाचारी विधि का एक भेद; समस्त दिन एवं रात की परिपाटी में मुनियों द्वारा नियमों का निरन्तर आचरण करना ।

पदसमास – *Padasamāsa.*

A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).

श्रुतज्ञान के 20 भेदों में छठा भेद, इसमें पूर्व समान पर्यंत समस्त द्वादशांग श्रुत स्थित है।

पदसाहित्य – *Padasāhitya*
Name of a philosophical book.
ई. सन् 1724-32 में अध्यात्म पद विषयक रचित एक ग्रंथ।

पदस्थ ध्यान – *Padastha Dhyāna.*
Meditation with holy chants or *Mantras*
ॐ, अर्हं आदि बीजाक्षर पदों को नासाग्र आदि पर विराजमान करके ध्यान करना

पदहीन – *Padahīna.*
Omission of words
शब्द या वाक्य त्रुटि।

पदाति सेना – *Padāti Senā.*
A part of army (a troop)
सेना की 7 कक्षाओं में एक कक्षा, इसमें पैदल सैनिक होते हैं।

पदानुसारी ऋद्धि – *Padānusārī Ṛddhi.*
A type of supernatural power (related to predestination of knowledge).
एक ऋद्धि; इससे आगम का एक पद सुनकर पूर्ण आगम का बोध हो जाता है।

पदार्थ – *Padārtha.*
Substance, Matter
जिन पदों से अर्थ का बोध हो अर्थात् वह जो द्रव्यमय, गुणमय व पर्यायमय हो, 7 तत्वों में पुण्य-पाप मिलने से पदार्थ 9 होते हैं।

पदार्थ श्रद्धान – *Padārtha Śraddhāna.*
Real & right belief in all 9 matters
सम्यग्दर्शन; हिंसादि रहित धर्म, अठारह दोष रहित आप्त, निर्ग्रंथ प्रवचन व गुरु में श्रद्धान रखना। 9 पदार्थों के यथार्थ श्रद्धान से सम्यग्दर्शन होता है।

पदुमं – *Padumn.*
A number – $(10,000,000)^{17}$
एक संख्या प्रमाण - $(10,000,000)^{17}$ ।

पद्धति – *Paddhati*
Method or procedure.
विधि।

पद्धतिटीका – *Paddhatiṭīkā.*
A book written by *Acharya* Kund-kund.
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) द्वारा रचित कषाय पाहुड़ तथा षट्खंडागम की टीका।

पद्म – *Padma.*
A treasure of *Chakravarti* (emperor), A time unit, 8th *Baldev* (Ram), 9th *Baldev* (Bal), Name of the 9th *Chakravarti*, 11th predestined *Kulkar* (ethical founder), Name of kings of *Yadu* & *Raghu* descendents, Past-birth name of Lord Chandraprabhu & Pushpadantnath, An area of western *Videh* (region), Summits of *Kundalvar*, *Ruchakvar* etc. mountains, Deity of *Kundalvar* summit etc., Space vehicle of Pranata *Indra*.
चक्रवर्ती की नवनिधियों में से एक। काल का एक प्रमाण। 8वाँ बलदेव (राम)। 9वें बलदेव (बल)। वर्तमान भव के 9 वें चक्रवर्ती का नाम। 11वाँ भावि कुलकर। यदु (यादव) वंश व रघुवंश के राजाओं का नाम। चन्द्रप्रभु एवं पुष्पदंतनाथ भगवान के पूर्व भव म. 2 का नाम। अपर विदेह स्थित एक क्षेत्र। कुण्डलवर, रूचकवर आदि पर्वतों के कूट का नाम। कुण्डलवर कूट, नाभिगिरी, पुष्करार्ध द्वीप के देव। हिमवान पर्वत पर स्थित एक द्रह। प्राणत इन्द्र का यान (वाहन)।

पद्मक – *Padmaka.*
A king of *Yadu* dynasty, A city of *Bharat Kshetra* (region) and a country of the west *Videh* (region).
यदु (यादव) वंश के एक राजा। भरतक्षेत्र का एक नगर एवं पश्चिम विदेह का एक देश।

पद्मकावती – *Padmakāvatī.*
Name of a country at the south bank of *Sitoda* river in *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में सीतोदा नदी के दक्षिण तट पर एक देश।

पद्मकीर्ति – *Padmakīrti.*
Name of a *Bhattarak* of *Sen* group
पासणाहचरिउ के रचयिता एक सेनसंघी भट्टारक।

पद्मगंधा – *Padmagandhā*
Name of the chief female divinity of *Saudharma* etc. *Indras*.
सौधर्मादि इंद्रों की एक महत्तर देवी का नाम।

पद्मगुल्म – *Padmagulma.*
Past-birth name of Lord Sheetalnath
शीतलनाथ भगवान के पूर्व भव का नाम।

पद्मगुल्मा – *Padmagulmā.*
Name of a garden in the forest of *Sumeru* mountain
सुमेरु पर्वत के वनों की एक पुष्करिणी।

पद्मदल – *Padmadala.*
A cluster of Lotus flowers, Lotus petals.
कमलों का समूह।

पद्मध्वज – *Padmadhvaja.*
Auspicious flags in the *Samavasharan* – assembly of Lord, Name of predestined *Kulkar* (ethical founder).
समवशरण में संबंधित कमलांकित ध्वजाएं, भविष्य कालीन 14 वें कुलकर।

पद्मनंदि – *Padmanandi.*
Name of the disciple of *Acharya* Shri Kunthusagar Maharaj and many other *Digambar* Jain *Acharyas*.
आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज के एक प्रसिद्ध शिष्य (ई.श. 20-21)। इस नाम से दिगम्बर जैन आम्नाय में अनेकों आचार्य हुए हैं। आचार्य कुंदकुंद स्वामी को भी पद्मनंदि नाम से जाना जाता है।

पद्मनंदि पंचविंशतिका – *Padmanandi Pañcaviṁśatikā*

A book written by *Acharya* Padmanandi

आचार्य पद्मनन्दि (ई. 11 का उत्तरार्ध) द्वारा संस्कृत छंदों में रचित गृहस्थ धर्म प्रवर्तक एक ग्रंथ। इस ग्रंथ के स्वाध्याय से गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी को गृहस्थावस्था में अल्पआयु में ही वैराग्य हो गया था ।

पद्मनंदि सैद्धांतिक – *Padmanandi Saiddhāntika.*

An *Acharya* of *Nandisangh Deshiyagan Golacharya* Branch.

नंदिसंघ देशीयगण गोलाचार्य शाखा के एक आचार्य (ई.श 993-1043) का नाम ।

पद्मनाभ (कवि) – *Padmanābha (Kavi).*

Disciple of *Bhattarak* Gunkirti.

भट्टारक गुणकीर्ति के शिष्य। समय - ई. 1405 1425।

पद्मनाभचरित्र – *Padmanābhacaritra*

A book written by *Acharya* Shubhchandra

आचार्य शुभचन्द्र (ई.1516-1556) कृत एक ग्रंथ ।

पद्मनाभ – *Padmanābha.*

Past-birth name of Lord Chandraprabhu, Father's name of *Chakravarti*, Harishen, Another name of Ramchandraji

पूर्व धातकीखंड में मंगलावती देश के रत्नसंचय नामक नगर के राजा कनकप्रभ का पुत्र, जो कि समाधिपूर्वक वैजयन्त विमान में अहमिन्द्र हुआ यह चन्द्रप्रभु भगवान के पूर्व का दूसरा भव है जिसमें उन्होंने तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया था, चक्रवर्ती हरिषेण के पिता, रामचन्द्र जी का अपरनाम ।

पद्मनिभ – *Padmanibha.*

A king of *Vidyadhara* dynasty.

विद्याधर वंश का एक राजा ।

पद्मपुंख – *Padmapuṅkha.*

Name of the 15th predestined *Kulkar* (ethical founder).

भविष्यकालीन 15 वें कुलकर का नाम ।

पद्मपुंगव – *Padmapuṅgava.*

See - *Padmapunkha*

देखें - पद्मपुंख ।

पद्मपुरा (तीर्थ) - *Padmapurā (Tīrtha).*

Name of a *Digambar* Jain *Atishay Kshetra* (a place of pilgrimage) near Jaipur (Raj.). The miraculous idol of Lord Padmaprabhu is installed here.

राजस्थान में जयपुर के नजदीक स्थित एक दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र। जहाँ भगवान पद्मप्रभु की चमत्कारिक प्रतिमा विराजमान है ।

पद्मपुराण – *Padmapurāṇa.*

Title of many books written by many *Acharyas*.

आचार्य रविषेण (ई. 677) द्वारा राम-रावण कथा पर रचित संस्कृत पद्यबद्ध एक ग्रंथ, और भी कई आचार्यों द्वारा इस नाम के ग्रंथ रचे गये हैं ।

पद्मप्रभ – *Padmaprabha.*

Name of the 12th predestined *Kulkar* (ethical founder).

भावि 12 वें कुलकर का नाम ।

पद्मप्रभनाथ – *Padmaprabhanātha.*

Name of the 6th *Tirthankar* (Jaina–Lord)

वर्तमान छठे तीर्थंकर का नाम । आप महाराजा धरणराज एवं महारानी सुसीमा के पुत्र थे। आपका जन्म कार्तिक कृ. 13 एवं मोक्ष फाल्गुन कृ. 4 को हुआ। आपका वर्ण-क्षत्रिय, वंश-इक्ष्वाकु, देहवर्ण-पद्मरागमणि सदृश, चिन्ह-लाल कमल एवं आयु-तीस लाख पूर्व वर्ष थी। आपकी जन्मभूमि-कौशाम्बी (उ.प्र.) है ।

पद्मप्रभ मलधारी देव –

Padmaprabha Maladhari Deva

Disciple of Veernandi, the commentator of Niyamsar and writer of Parshvanath stotra, etc

वीरनन्दि के शिष्य (ई.श 1140-1185), नियमसार टीका व पार्श्वनाथ स्तोत्र के रचयिता। उनकी नियमसार टीका का हिन्दी अनुवाद गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी ने किया है ।

पद्ममाल – *Padmamāla.*

Name of the 23rd *Patal* (layer) and its *Indrak* of *Saudharma* heaven, A king of *Kuru* dynasty.

सौधर्म स्वर्ग के 23 वें पटल व उसका इन्द्रक, कुरु वंश का एक राजा ।

पद्ममालिनी – *Padmamālinī.*

Name of a chief female divinity of peripatetic *Indras*.

व्यंतर इन्द्र की प्रधान देवी का नाम ।

पद्ममाली – *Padmamālī.*

A king of *Vidyadhara* dynasty.

विद्याधर वंश का एक राजा ।

पद्मरथ – *Padmaratha.*

Past-birth name of Lord Ananthnath, Name of a king of Hastinapur.

धातकीखण्ड में अरिष्ट नगरी का राजा था, अंत में सल्लेखना पूर्वक मरणकर अच्युत स्वर्ग में इंद्रपद प्राप्त किया, यह अनन्तनाथ भगवान का दूसरा पूर्वभव है इसी भव में इन्होंने तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया था। मुनि विष्णुकुमार के बड़े भाई हस्तिनापुर के राजा जिसने बलि आदि मंत्रियों को इच्छित वर के रूप में 7 दिन का राज्य दिया, राज्य पाकर जिन्होंने अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर घोर उपसर्ग किया ।

पद्मरागमयी – *Padmarāgamayī*

One of the six circumferences of *Sumeru* mountain.

सुमेरु पर्वत की 6 परिधियों में एक परिधि ।

पद्मराज – *Padmarāja.*

Name of the 13th pre-destined *Kulkar* (ethical founder)

भावि 13 वे कुलकर का नाम ।

पद्मलेश्या – *Padmaleśyā.*

One of the six *Leshyas*; characteristics of virtuous persons.
जो त्यागी हो, भद्र हो, उत्तम काम करने वाला हो, बहुत भी अपराध होने पर क्षमा कर दे, साधुजनों के गुणों के पूजन में निरत हो, ये सब पद्मलेश्या के लक्षण हैं ।

पद्मवत् – *Padmavat*

Name of an area of *Videh Kshetra* (region). Name of summit and deity of *Vaksharqiri*.
विदेह स्थित एक क्षेत्र एवं वक्षारगिरि का कूट व देव का नाम।

पद्म वल्लरी – *Padma Vallari.*

Lotus scrolls.
कमल की लता (बेल) ।

पद्मवान् – *Padmavān.*

Name of a region of western *Videh* (region), A summit of *Vikritvan Vakshar*, *Nabhigiri* mountain of *Ramyak Kshetra* (region)
अपर विदेह स्थित एक क्षेत्र, विकृतवान् वक्षार का एक कूट, रम्यक क्षेत्र का नाभिगिरी ।

पद्मश्री – *Padmaśrī.*

Name of the female divinity of *Chamarendra*, Name of a special honour which is presented by Indian Government to great citizens.
चमर इन्द्र की अग्रदेवी, भारत सरकार के द्वारा विशिष्ट लोगों को प्रदान की जाने वाली एक उपाधि ।

पद्मसिंह – *Padmasimha.*

A saint who wrote the book 'Gyansara'.
ध्यानविषयक ज्ञानसार ग्रंथ के रचयिता एक मुनि (ई. 1029)।

पद्मसुन्दर – *Padmasundara.*

A disciple of *Pandit* Padmameru who wrote a book 'Bhavishyadattachant'.
पंडित पद्ममेरु के शिष्य एवं भविष्यदत्त चरित के रचयिता।

पद्मसेन – *Padmasena.*

Past-birth name of Lord Vimalnath, Name of a great *Acharya*.
विमलनाथ भगवान के पूर्वभव का नाम, भगवान महावीर निर्वाण के पश्चात् हुए आचार्यों में एक आचार्य ।

पद्मह्रद – *Padmahrda.*

A lake situated at *Himvan* mountain.
हिमवान् पर्वत स्थित ह्रद (तालाब) ।

पद्मांग – *Padmāmga.*

A time unit.
काल का एक प्रमाण विशेष, 84 लाख कुमुद वर्ष का समय।

पद्मा – *Padmā.*

Name of different female divinities, A garden in the forest of *Sumeru* mountain, Name of a large well in *Samavasharan*, a country in *Videh Kshetra* (region).
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी, चमर इन्द्र की अग्रदेवी का नाम, वैमानिक इंद्रों की ज्येष्ठा देवी, वैमानिक एवं व्यंतर इंद्रों की वल्लभिका, सुमेरु के वनों की पुष्करिणी, समवशरण के चंपक वन की एक वापी, विदेह क्षेत्र का एक देश ।

पद्माल – *Padmāla.*

A city in the north of *Vijayardh* (mountain).
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

पद्मावत – *Padmāvata.*

A summit situated at *Vidyutprabh Gajadant*.
विद्युत्प्रभ गजदन्तस्थ एक कूट ।

पद्मावती – *Padmāvatī.*

Name of the governing female demigod of Lord Parshvanath, She is worshipped by most of the devotees for fulfilling their wishes.
भगवान पार्श्वनाथ की शासन यक्षिणी। दिगम्बर जैन समाज में प्राचीन काल से सांसारिक अभ्युदयों की प्राप्ति हेतु इनकी पूजा-अर्चना करने की परम्परा प्रचलित है, इसीलिए प्रायः सभी जिनमंदिरों में इनकी मूर्तियां विराजमान की जाती हैं ।

पद्मावती – *Padmāvatī*

A main city of *Ramyak Kshetra* (region) of eastern *Videh* (region), Mother's name of Lord Munisuvrata, A female deity of *Ruchak* (mountain)
पूर्व विदेह स्थित रम्यक क्षेत्र की मुख्य नगरी, मुनिसुव्रतनाथ भगवान की माता का नाम (अपरनाम महारानी सोमा), रूचकवर पर्वत की दिक्कुमारी देवी ।

पद्मावती (आर्यिका) – *Padmāvatī (Āryikā).*

A disciple *Aryika* of *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji.
गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की एक आर्यिका शिष्या। जिन्होंने अपनी त्याग की कठोर साधना के साथ-साथ जीवन में दो बार (ई. सन् 1970 एवं 1971 में) भादों के महीने में सोलहकारण के 31-31 उपवास किये ।

पद्मावती कल्प – *Padmāvatī Kalpa.*

A book written by Mallishen *Bhattarak*.
मल्लिषेण भट्टारक (ई.श. 11) कृत तान्त्रिक ग्रंथ ।

पद्मासन – *Padmāsana.*

A posture of meditation, Specific sitting posture related to *Yoga*.
ध्यान का आसन, सीधे बैठकर बायां पैर दाहिनी जांघ पर व दाहिना पैर बांई जांघ पर रखकर बाईं हाथ की हथेली पर दाहिने हाथ की हथेली रखना ।

पद्मोत्तर – *Padmottara.*

A *Diggajendra* mountain situated in *Bhadrashal* forest, A ruler 'Nagendradev' of *Rajaqprabh* summit of *Kundal* mountain, A deity resident of *Nandwavart* summit of *Ruchak* mountain
भद्रशाल वन में स्थित एक दिग्गजेन्द्र पर्वत, कुण्डल पर्वत स्थित रजतप्रभ कूट का स्वामी नागेन्द्रदेव, रुचक पर्वत के

नन्द्यावर्त 'कूट' पर रहने वाला देव।

पद्मोत्तर (नाम) – *Padmottara (Nāma).*
Past-birth name of Lord *Shreyansnath*.
तीर्थंकर श्रेयांसनाथ के पूर्वभव का नाम ।

पद्य – *Padya.*
Verse, Four months stay of saints at a particular place during rainy season.
काव्य, साधु का एक स्थितिकल्प, वर्षाकाल के चार मास पर्यंत एक स्थान पर ही रहना ।

पनसी – *Panasī.*
Indian bread - fruit tree or Jack - tree.
कटहल ।

पनसा – *Panasā.*
A river of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).
भरत क्षेत्र स्थित आर्यखण्ड की एक नदी ।

पन्नग – *Pannaga.*
A type of super knowledge, A type of deities of *Nagkumar* kind
एक प्रकार की विद्या, नागकुमार जाति के देव ।

पन्नालाल – *Pannālāla*
A *Pandit* who wrote number of books.
एक पंडित (ई. 1770-1840), उत्तरपुराण व राजवार्तिक की भाषा वचनिकाओं तथा विद्वज्जन बोधक आदि के कर्ता ।

पब्भार – *Pabbhāra.*
An educational institution
शिक्षागृह ।

पभोसा (तीर्थ) - *Pabhosā (Tīrtha).*
Name of a place of pilgrimage which is the initiation & omniscience place of the 6th *Tirthankar* (Jaina Lord) Padmaprabh situated near Kaushambi (U.P.).
उत्तर प्रदेश में कौशाम्बी के निकट बसा एक तीर्थ। छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभ की दीक्षा एवं केवलज्ञान कल्याणक भूमि। पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से यहाँ भगवान पद्मप्रभ की बड़ी पद्मासन प्रतिमा एवं आहार मुद्रा में भगवान महावीर की प्रतिमा (चंदनबाला से आहार ग्रहण करते हुए) विराजमान की गई है (समय-ई. सन् 2001) ।

पयसार – *Payasāra.*
Clotted cream of milk.
मलाई ।

परंपरा – *Paraṁparā.*
Tradition, Custom, Sequence.
एक के बाद दूसरा, अविच्छिन्न, शृंखला ।

परंपरा आगम – *Paraṁparā Āgata.*
Authenticity of scriptures, approved by spiritual leaders (*Acharyas*).
आगम की प्रमाणिकता, जो आचार्य परम्परा से आगत होने के कारण मानी जाती है ।

परंपरा आगम – *Paraṁparā Āgama.*
Scriptures as stated by *Gandhar* (chief disciple of Lord) etc
गणधरादि द्वारा कथित आगम ।

परंपरा गुरु – *Paraṁparā Guru.*
Acharyas of *Moolsangh* in the tradition of Gautam Swami
गौतम स्वामी की परम्परा में मूलसंघ के आचार्यगण ।

परंपरा बंध – *Paraṁparā Bandha.*
Continuity of binding of *Karmas*
बंध की निरन्तरता का नाम बंध परम्परा है ।

परंपरा मुक्ति – *Paraṁparā Mukti.*
Salvation after one or two births.
एक दो आदि भवों के अनंतर मुक्ति होना ।

परंपरा लब्धि – *Paraṁparā Labdhi.*
Synonym of *Shrutgyan* (scriptural knowledge).
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम ।

परंपराहेतु – *Paraṁparāhetu.*
Traditional worshipping
प्रत्यक्ष हेतु का एक भेद, शिष्य - प्रशिष्य आदि के द्वारा निरन्तर की जाने वाली अनेक प्रकार की पूजा आदि साधन ।

परंपरोपनिधा – *Paraṁparopanidhā*
A sequence related to gradation.
श्रेणी प्ररूपणा–जहाँ पर दुगुणत्व और चतुर्गुणत्व आदि की परीक्षा की जाती है ।

पर – *Para*
Another
दूसरा ।

पर अहिंसा – *Para Ahiṁsā.*
To protect others i.e. to follow non-violence.
दूसरों की रक्षा आदि करना ।

पर उपकार – *Para Upakāra.*
Beneficence for others.
हमारे द्वारा किया गया ऐसा कार्य जिसका फल दूसरे को प्राप्त हो।

पर कृति – *Para Kṛti.*
Sentence showing mutual contradiction.
जो वाक्य मनुष्यों के कार्यों में परस्पर विरोध दिखावे उसे 'परकृति' कहते हैं ।

पराक्रम – *Parākrama.*
Observing austerity sequentially as expounded in the scriptures.
आगम में प्रतिपादित क्रम से तप करना, जैसे पहले मूलगुणों का पालन कर उत्तरगुणों को पालना ।

पर क्षेत्र – *Para Kṣetra.*
Alien space points (reg. matters).
द्रव्य विशेष के प्रदेश की अपेक्षा अन्य द्रव्यों के प्रदेश उसके परक्षेत्र कहलाते हैं ।

परगण चर्या – *Paragaṇa Caryā*
To join other group of saints by a saint after leaving own group.
साधु आदि द्वारा अपना संघ छोड़कर अन्य संघ में जाना ।

परगणानुपस्थापन – *Paragaṇānupasthāpana.*
A type of punishment, procedural expulsion of a faulty saint without giving repentance
परिहार प्रायश्चित्त; आचार्य द्वारा अपने संघ के किसी दोषी साधु को बिना प्रायश्चित्त दिये अन्य संघ के आचार्य के समीप भेजना ।

परघात नामकर्म प्रकृति – *Paraghāta Nāmakarma Prakṛti*
A *Karmic* nature which causes formation of destructive means like poision etc. in the body
पर जीवों के घात को परघात कहते हैं। जिस कर्म के उदय से शरीर में पर के घात करने के कारणभूत पुद्गल निष्पन्न होते हैं, वह परघात नामकर्म प्रकृति है ।

पर चतुष्टय – *Para Catuṣṭaya.*
A quartet of alien (other) substance, location, time and mode called *Para Chatushtaya.*
परद्रव्य, परक्षेत्र, परकाल एवं परभाव ।

परजुगुप्सा कथा – *Parajugupsā Kathā.*
Contemptuous talk.
दूसरों के प्रति ग्लानि व अरुचि उत्पन्न करने वाली कथा ।

परतंत्रता – *Paratantratā.*
Dependency on others.
दूसरों के आधीन होना ।

परतंत्रवाद – *Paratantravāda.*
Doctrine of dependency on others.
दूसरों पर निर्भर रहने का सिद्धान्त, आत्मा का दुख सुख भोगने में काल, स्वभाव, नियति आदि पर निर्भर रहना ।

परतत्त्व – *Paratattva*
What is other than itself
स्व से भिन्न अन्य तत्त्व ।

परत्वापरत्व – *Paratvāparatva.*
Relativity of time placed with different matters.
छोटे-बड़े के व्यवहार को परत्वापरत्व कहते हैं। ये काल द्रव्य का उपकार माना गया है। जैसे-25 वर्ष के मनुष्य को बड़ा एवं उसकी अपेक्षा 20 वर्ष के मनुष्य को छोटा कहते हैं ।

परदातृव्यपदेश – *Paradātṛvyapadeśa.*
An infraction of vow of hospitality to donate indirectly and deceitfully.
अतिथिसंविभाग व्रत का एक अतिचार; पात्र को स्वयं दान न कर दूसरे से कहकर दिलवाना या दूसरे की वस्तु लाकर देना ।

परदेशिकत्व – *Paradeśikatva.*
Competence to inspire others for following the right path.
दूसरे को सच्चा मार्ग बताने की क्षमता ।

परद्रव्य – *Paradravya.*
Alien substance-any substance other than self
आत्म द्रव्य से अन्य पुद्गल सचित्त एवं अचित्त द्रव्य ।

परद्रव्य ग्राहक नय – *Paradravya Grāhaka Naya.*
A type of standpoint related to the non existent nature of matters in view of *Parchatushtaya*
ऐसा नय जिसकी अपेक्षा से परचतुष्टय की अपेक्षा द्रव्य का नास्तित्व स्वभाव है ।

परद्रव्य रत – *Paradravya Rata.*
False belief of having possession of all destroyable matters including own body
जगत् में दर्शनमोहनीय कर्म के उदय से सम्पूर्ण पर पदार्थों, शरीर आदि को निज मानना ।

पर निंदा – *Para Nindā.*
Defamation of others; slander. Censuring others.
नीच गोत्र के आस्रव का कारण, दूसरों की बुराई करना ।

पर निमित्तक उत्पाद – *Para Nimittaka Utpāda.*
A kind of origination.
उत्पाद के दो भेदों में एक भेद; परप्रत्यय उत्पाद ।

पर निरपेक्ष – *Para Nirapekṣa*
Independent or indifferent nature.
दूसरे पदार्थ की अपेक्षा न रखने वाला स्वभाव ।

परपक्ष दूषक – *Parapakṣa Dūṣaka.*
Blaming the opponent end.
विपरीत पक्ष की अवमानना करने वाला हेतु स्वपक्ष का साधक और परपक्ष का दूषक होना चाहिए ।

परपरिवाद कथा – *Paraparivāda Kathā.*
Condemnatory talk.
25 विकथाओं में एक कथा; दूसरे की निंदा आदि करना ।

पर पर्याय – *Para Paryāya.*
Different body forms.
क्षयोपशम के द्वारा व ज्ञेयों के द्वारा चित्र-विचित्र पर्यायें 'परपर्याय' कहलाती है जबकि केवलज्ञान के द्वारा निष्पन्न अन्तर्द्युति या अन्तर्तेज 'निजपर्याय' है ।

परपाखण्ड कथा – *Parapākhaṇḍa Kathā.*
Tale pertaining to hypocrisy.
पाखण्ड से संबंधित कथा ।

परपीड़ा कथा – *Parapīḍā Kathā.*
Talk, painful to others.
पर को पीड़ा पहुँचाने वाली कथा ।

पर प्रकाशक – *Para Prakāśaka.*
One enlightening others.
पर को प्रकाशित करने वाला ।

पर प्रत्यय उत्पाद – *Para Pratyaya Utpāda.*
See – *Para Nimittaka Utpāda.*
देखें - पर निमित्तक उत्पाद ।

पर प्रशंसा – *Para Praśaṁsā.*
Appreciation of others.
उच्च गोत्र के आस्रव का एक कारण, दूसरों की प्रशंसा करना।

पर भाव – *Para Bhāva.*
Passionate feelings contrary to the real nature of soul.
परद्रव्य में एक; अपने ज्ञानदर्शनादि आत्मभावों के अतिरिक्त अन्य सभी राग-द्वेषादि विभाव परभाव हैं।

परम – *Parama.*
Supreme
उत्कृष्ट, सर्वोच्च।

परम अद्वैत – *Parama Advaita.*
Another name of *Mokshmarga* - path of salvation. Ultimate state of bliss.
निर्विकल्प समाधि अथवा निश्चय मोक्ष मार्ग का अपर नाम।

परम आगम – *Parama Āgama.*
Highest scripture.
परमागम; अध्यात्म संबंधी ग्रंथ।

परम एकत्व – *Parama Ekatva.*
See – *Parama Advaita.*
देखें - परम अद्वैत।

परमऋषि – *Paramarṣi.*
Lord Arihant, the supreme authority.
केवलज्ञानी अर्हंत भगवान परमऋषि कहलाते हैं।

परम औदारिक शरीर – *Parama Audārika Śarīra.*
Supremely pure gross body.
केवली का शरीर जो निगोदिया जीवों से रहित होता है।

परमगुरु – *Parama Guru.*
See - *Paramarṣi.*
देखें - परमऋषि।

परमज्ञान – *Paramajñāna.*
Supreme knowledge, See – *Parama Advaita.*
केवलज्ञान, देखें - परम अद्वैत।

परम ज्योति – *Parama Jyoti.*
Supreme splendour, See – *Parama Advaita*
ज्ञानरूपी प्रकाश, देखें - परम अद्वैत।

परम तत्त्व – *Parama Tattva.*
Supreme reality, See – *Parama Advaita.*
शुद्धात्म तत्व, देखें - परम अद्वैत।

परम तत्त्वज्ञान – *Parama Tattvajñāna.*

परम धर्मध्यान – *Parama Dharmadhyāna.*

परम ध्यान – *Parama Dhyāna.*

परम निजस्वरूप – *Parama Nijasvarūpa.*
For all words see – *Parama Advaita.*
सभी शब्दों के लिए देखें - परम अद्वैत।

परमात्म तत्त्व – *Paramātma Tattva.*
The supreme spiritual element
आत्म तत्त्व।

परमात्मदर्शन – *Paramātmadarśana.*
See – *Parama Advaita*
देखें - परम अद्वैत।

परमात्मप्रकाश – *Paramātmaprakāśa.*
A book written by *Acharya* Yogendudev
ई.श. 6 के उत्तरार्ध में आचार्य योगेन्दुदेव द्वारा रचित एक ग्रंथ

परमात्म भावना – *Paramātma Bhāvanā*
See – *Parama Advaita.*
देखें - परम अद्वैत।

परमात्मराजस्तोत्र – *Paramātmarājastotra*
A book written on devotional prayer
एक भक्ति विषयक रचना।

परमात्मस्वरूप – *Paramātmasvarūpa.*
See – *Parama Advaita.*
देखें - परम अद्वैत।

परमात्मा – *Paramātmā*
Supreme soul. Lord Arihant & Siddha
उत्कृष्ट आत्मा, अर्हंत एवं सिद्ध भगवान।

परमाध्यात्मतरंगिनी – *Paramādhyātmataraṁgini*
A book written by *Acharya* Shubhchandra *Bhattarak*
आचार्य शुभचन्द्र भट्टारक (ई. 1516) कृत एक संस्कृत टीका।

परमानंद – *Paramānanda*
Ecstasy, Ultimate bliss. Another name of *Mokshmarga* - path of salvation
उत्कृष्टतम आनंद, निश्चय मोक्षमार्ग का अपरनाम।

परमानंदविलास – *Paramānandavilāsa*
A book written by *Pandit* Devidas
पं. देवीदास (ई. 1755-1767) कृत एक ग्रंथ।

परमानंद सूरि – *Paramānanda Sūri.*
Name of an *Acharya*
एक आचार्य का नाम। समय - ई.स. 1142-1173।

परमार्थ – *Paramārtha.*
Highest truth or merit, Release from rebirth, ultimate or transcendental reality
उत्कृष्ट अर्थ, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष लक्षण वाले पदार्थों में जो परम उत्कृष्ट है, ऐसा मोक्ष लक्षण वाला अर्थ परमार्थ कहलाता है।

परमार्थ गीत – *Paramārtha Gīta.*
Name of a book.
अध्यात्म विषयक एक रचना।

परमार्थ तत्त्व – *Paramārtha Tattva.*
Another name of *'Shuddhopayog'*(supreme element)
शुद्धोपयोग का अपरनाम।

परमार्थ दोहा शतक – *Paramārtha Doha Śataka.*
See – *Paramārtha Gita.*
देखें - परमार्थ गीत ।

परमार्थ प्रत्यक्ष – *Paramārtha Pratyakṣa.*
Direct non-sensory perception, direct intuition.
प्रत्यक्ष प्रमाण का एक भेद, जो बिना किसी की सहायता से पदार्थ को स्पष्ट जानता है ।

परमार्थ बाह्य – *Paramārtha Bāhya.*
Saint, who does not have the quality of differentiating self (soul) & other
साधु जो भेदज्ञान न होने के कारण परमार्थ बाह्य कहलाते हैं ।

परमार्थ सत्य – *Paramārtha Satya.*
Ultimate truth, Transcendental realm of truth.
अंतिम सत्य, परम सत्य ।

परमावगाढ़रुचि दर्शनार्य – *Paramāvagāḍharuci Darśanārya.*
A type of *Arya* – noble persons.
अतिशुद्धि प्राप्त आर्य का एक भेद। परमावधि या केवलज्ञान दर्शन से प्रकाशित जीवादि पदार्थ विषयक प्रकाश से जिनकी आत्मा विशुद्ध है ।

परमावगाढ़ सम्यक्त्वार्य – *Paramāvagāḍha Samyaktvārya.*
See – *Paramāvagāḍha Darśanārya.*
देखें - परमावगाढ़ दर्शनार्य ।

परमावगाढ़ सम्यग्दर्शन – *Paramāvagāḍha Samyagdarśana.*
Right perception with deep predilection
केवलज्ञानी परमात्मा के जो निर्मल क्षायिक सम्यक्त्व होता है अथवा केवलज्ञान के द्वारा देखे गये पदार्थों के विषय में जो उत्कृष्ट रुचि होती है ।

परमावधि – *Paramāvadhi.*
Supreme clairvoyance.
अवधिज्ञान के 3 भेदों में एक भेद; यह उसी भव से मोक्ष जाने वाले (चरमशरीरी) साधु को होता है, केवल ज्ञान होने तक यह नहीं छूटता ।

परमावस्था – *Paramāvasthā.*
State of salvation.
निश्चय मोक्षमार्ग का अपरनाम। सिद्धावस्था ।

परमुख उदय – *Paramukha Udaya.*
Annihilation of *Karmic* nature (in transformed form).
जो कर्म प्रकृति अन्य प्रकृति रूप होकर उदय में आती है। जैसे—नरकगति, देवगति, वैक्रियिक शरीर आदि कर्म प्रकृतियाँ।

परमेश्वर – *Parameśvara.*
Name of the 16th *Tirthankar* (Jaina – Lord) of past era, Supreme soul - Lord Arihant & Siddha.
भूतकालीन 16 वें तीर्थंकर, परमात्मा; अर्हंत व सिद्ध भगवान।

परमेष्ठी – *Parameṣṭhi.*
The supreme soul (as Lord Arihant, Siddha, Acharya, Upadhyaya & Sadhu).
जो इन्द्र, चन्द्र, धरणेन्द्र के द्वारा वन्दित ऐसे परमपद में तिष्ठते हैं ऐसे अरहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु परमेष्ठी कहलाते हैं ।

परमेष्ठी (कवि) – *Parameṣṭhi (Kavi).*
A poet who wrote the book 'Vagarthasangraha'.
वागार्थसंग्रह पुराण की रचना करने वाले एक कवि ।

परमेष्ठीगुण व्रत – *Parameṣṭhiguṇa Vrata*
A type of vow (related to virtues of *Parmeshthis*).
पंच परमेष्ठी के कुल 143 गुणों के विशेष तिथियों में उपवास एवं नमस्कार मंत्र का त्रिकाल जाप्य करना ।

परमेष्ठी प्रकाशसार – *Parameṣṭhi Prakāśasāra.*
Name of a book.
एक ग्रंथ का नाम ।

परमेष्ठीसहाय – *Parameṣṭhisahāya.*
A book written by a Hindi poet.
ई.श. 19 के मध्यपाद में एक हिन्दी कवि कृत ग्रंथ ।

परमोपेक्षा संयम – *Paramopekṣā Saṁyama.*
Absolute right conduct related to perfect restraint.
निश्चय चारित्र या शुद्धोपयोग ।

परमौदारिक शरीर – *Paramaudārika Śarīra.*
Body of Lord Arihant with absolute purity.
अर्हंत परमात्मा का शरीर जिसमें निगोदिया जीव नहीं रहते, धातु उपधातु सब शुद्ध हो जाती हैं ।

पर रक्षा – *Para Rakṣā.*
See – *Para Ahiṁsā.*
देखें - पर अहिंसा ।

पर रूप – *Para Rūpa.*
Alien nature.
अपने स्वभाव को छोड़कर विभाव रूप परिणमन होना ।

परलोक – *Paraloka.*
Alien world - heaven, supreme place of salvation.
उत्कृष्ट चिदानंद शुद्ध स्वभावी आत्मा का लोक। व्यवहारनय से स्वर्ग मोक्ष को परलोक कहते हैं ।

परवर्ती – *Paravartī.*
Successive, Subsequent.
क्रम, वंश अथवा शाखा में होने वाले आचार्य आदि ।

परलोक भय – *Paraloka Bhaya.*
A kind of insecurity (fear) related to the future birth.
सप्त भयों में एक भय; परभव में न मालूम क्या होगा ऐसा भय होना ।

परवश अतिचार – *Paravaśa Aticāra.*
A type of infraction, acceptance of abandoned

material due to some external fear.
अतिचार का एक भेद; उन्माद, पित्त, पिशाच आदि अथवा अन्य लोगों के वश होकर त्याग किये हुए पदार्थों का ग्रहण करना।

पर वात्सल्य – *Para Vātsalya.*
Affection for others.
वात्सल्य का एक भेद; दूसरों के प्रति प्रेम, करुणा का भाव रखना।

परवाद – *Paravāda.*
Dispute, Reproach, Synonym word for *Shrutgyan* (scriptural knowledge).
विवाद, अपवाद, दूसरे की निंदा, श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

परविवाहकरण – *Paravivāhakaraṇa.*
An infraction of vow of [illegible].
ब्रह्मचर्याणुव्रत का एक अतिचार; अपने कुटुम्ब के सिवाय अन्यों का विवाह करना, कराना।

पर व्यपदेश – *Para Vyapadeśa.*
A kind of infraction of the vow of hospitality– indirect donation.
अतिथि संविभाग व्रत का एक अतिचार; दाता पात्र को स्वयं दान न देकर दूसरे से कहकर चला जावे।

परशुराम – *Paraśurāma.*
Son of Jamdagni Tapas.
जमदग्नि तापस का पुत्र, जिसने एक क्षत्रिय के द्वारा अपने पिता के वध का बदला लेने के लिए 21 बार पृथ्वी को क्षत्रियविहीन किया था। अंत में यह सुभौम चक्रवर्ती के चक्र से मारा गया।

पर संग्रह नय – *Para Saṁgraha Naya.*
A standpoint of knowing supreme authority only.
संग्रहनय का एक भेद; जो महासत्ता मात्र को ग्रहण करता है।

पर संग्रहाभास – *Para Saṁgrahābhāsa.*
False, conception related to the existence of supreme spirit only
'केवल सत् है,' अन्य कुछ नहीं ऐसा कहना।

पर समय – *Para Samaya.*
False belief of involvement in materialism (i.e. other than soul).
जीव का परद्रव्यरत रहना, आत्मा को छोड़कर पर द्रव्य को निज रूप मानना। जैनधर्म से बहिर्भूत सभी शास्त्र आदि परसमय कहलाते हैं।

पर समय उपक्रम – *Para Samaya Upakrama.*
A type of *Upakrama* - a pursuance in accordance with natural matters.
उपक्रम का एक भेद।

पर सामान्य – *Para Sāmānya.*
A type of universal entities.
सामान्य का एक भेद, इसे सत्ता, भाव और महासामान्य भी कहते हैं।

पर स्त्री – *Para Strī.*
Woman rather than one's own wife.
धर्मपत्नी के सिवाय अन्य स्त्री।

परस्त्री त्याग – *Parastrī Tyāga.*
Abstention from adultery
स्वदार संतोष व्रत; परस्त्री सेवन का त्याग करना।

परस्त्री व्यसन त्याग – *Parastrī Vyasana Tyāga.*
Renunciation of prostitution.
परस्त्री सेवन (7 व्यसनों में एक व्यसन) का त्याग।

परस्थान गोपुच्छा – *Parasthāna Gopucchā.*
Particular decreasing sequence of *Krishti.*
निचली विवक्षित संग्रह कृष्टि की अन्त कृष्टि के ऊपर की अन्य संग्रहकृष्टि की आदि कृष्टि का विशेष घटता क्रम।

परस्थान संक्रमण – *Parasthāna Saṁkramaṇa.*
Particular transition to other place (reg. other *Sangrah Krishti*).
संक्रमण का एक भेद। दूसरी अन्य संग्रह कृष्टियों में या पर रूप परिणमन करना

परस्थान सन्निकर्ष – *Parasthāna Sannikarṣa.*
A type of *Sannikarsh* close contact (related to all 8 *Karmas*)
सन्निकर्ष का एक भेद; आठों कर्मों विषयक सन्निकर्ष।

परस्पर परिहार विरोध –
Paraspara Parihāra Virodha.
Mutual repelling of virtues for knowing their existence
गुणों का एक दूसरे के साथ परिहार करके उनका अस्तित्व मानना।

परस्परानुविद्ध – *Parasparānuviddha.*
The integrated or the unseparable.
आपस में मिला हुआ या छिदा हुआ।

परस्पराभाव – *Parasparābhāva.*
Mutual non-existence of matters
एक द्रव्य में दूसरे द्रव्य का अभाव होना।

परस्पराश्रयत्व – *Parasparāśrayatva.*
Mutual dependence.
एक दूसरे के आश्रित होकर रहना।

परस्पराश्रय हेत्वाभास –
Parasparāśraya Hetvābhāsa.
Mutually dependent hypothetic fallacy.
एक प्रकार का हेत्वाभास (मिथ्या हेतु)। जो हेतु दूसरे हेतु पर आश्रित हो।

परस्परोपग्रह – *Parasparopagraha.*
Mutual help, rendering help to one another.
जीव द्रव्य का उपकार। आपस में एक दूसरे की सहायता करना। जैसे-गुरु ज्ञान आदि देकर शिष्य का उपकार करते हैं तथा शिष्य गुरु की सेवा, आज्ञापालन आदि करके गुरु का उपकार करता है।

परहिंसा – *Parahiṁsā.*
To cause troubles to others by mind, speech & body
मन, वचन अथवा काय से दूसरे जीवों को कष्ट पहुँचाना ।

परहित – *Parahita.*
Beneficence to others, well - being of others.
दूसरों का हित करना व चाहना ।

पराम्भोधि – *Parāmbhodhi*
Past-birth initiator of Lakshaman (a *Narayan*)
नारायण लक्ष्मण के पूर्वभव के दीक्षागुरु ।

परा – *Parā*
Supreme, Highest state which is originated after the destruction of all *Karmas*.
उत्कृष्ट, समस्त कर्मों का नाश होने पर अपने स्वभाव से जो उत्पन्न होता है उसे परा कहते हैं ।

पराख्य – *Parākhya*
A chief disciple (*Gandhar*) of Lord Rishabhdev
ऋषभदेव भगवान के 84 गणधरों में 34 वां गणधर ।

पराजय – *Parājaya.*
To be defeated, to lose.
हारना ।

परात्मा – *Parātmā.*
Supreme soul.
संसारी जीवों में से जो उत्कृष्ट आत्मा बन जाती है उसे परात्मा कहते हैं ।

पराधीन – *Parādhīna.*
Dependent on others
दूसरों पर निर्भर रहने वाला ।

पराभूत – *Parābhūta.*
Assailed. Defeated, disgraced.
असफल, हारा हुआ ।

परामर्श – *Parāmarśa.*
Consideration, Advice.
विचार-विमर्श, चिंतन करना ।

परामर्श अनुमान – *Parāmarśa Anumāna.*
Syllogistic inference.
न्यायसंगत अनुमान ।

परायत्त – *Parāyatta.*
Dependent.
पराधीन, परवश ।

परार्थ – *Parārtha.*
Subservient to another
दूसरों का भला सोचना ।

परार्थनियत – *Parārthaniyata.*
Intent of well being of others.
दूसरों के प्रति शुभ विचार ।

परार्थप्रमाण – *Parārthapramāṇa*
Verbal verification with authenticity & impartiality
वचनात्मक प्रमाण परार्थप्रमाण कहलाता है ।

परार्थश्रुत – *Parārthaśruta.*
Knowledge benefitting the other's soul.
ज्ञान जो दूसरों के प्रयोजन की सिद्धि का हेतु हो ।

परार्थाधिगम – *Parārthādhigama.*
Verbally gained knowledge.
शब्दात्मक अर्थात् वचन रूप अधिगम को परार्थाधिगम कहते हैं ।

परार्थानुमान – *Parārthānumāna.*
Syllogistic inference based on other's speech, or supposition by the words.
परोपदेश के द्वारा जो साधन से साध्य का ज्ञान होता है वह परार्थानुमान है अर्थात् वचनों से जाना हुआ अनुमान ज्ञान ।

परावर्त – *Parāvarta.*
One of the inauspicious physique making *Karmic* nature.
अशुभ नामकर्म की 29 प्रकृति में एक ।

परावर्तन – *Parāvartana.*
State of involvement into the mundane life.
जीव का संसार में भ्रमण; यह भ्रमण द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव, भाव के भेद से 5 प्रकार का होता है (पंचपरावर्तन) ।

पराशर – *Parāśara.*
A king of *kuru* dynasty.
कुरुवंश का एक राजा - राजा शान्तनु का पुत्र तथा गांगेय (भीष्म) का पिता ।

परिंजा – *Pariṁjā.*
A country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश ।

परिकर – *Parikara.*
Family persons, Attendants, dependants.
परिवारजन या अनुचर वर्ग ।

परिकर्म – *Parikarma.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*) with mathematical contents.
श्रुतज्ञान; दृष्टिवाद अंग का प्रथम भेद। इसमें गणित विषयक करण सूत्र उपलब्ध होते हैं ।

परिकर्म (शास्त्र) – *Parikarma (Śāstra).*
A commentary book written by *Acharya* Kund-Kund.
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) द्वारा षट्खण्डागम के प्रथम तीन खंडों पर लिखित एक प्राकृत टीका। जो कि वर्तमान में उपलब्ध नहीं है ।

परिकर्म भेद-गुणकार – *Parikarma Bheda-Guṇakāra*
A type of mathematical operation--Multiplication

परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी प्रमाण राशि का किसी अन्य प्रमाण राशि में गुणा करना।

परिकर्म भेद-घन – *Parikarma Bheda-Ghana.*
A type of mathematical operation – Cube.
परिकर्माष्टक का एक भेद, किसी प्रमाण राशि का उसी राशि में दो बार गुणा करने पर प्राप्त परिणाम उस राशि का घन कहलाता है। जैसे–3 का घन 27 (3×3×3=27)।

परिकर्म भेद-घनमूल – *Parikarma Bheda-Ghanamūla.*
A type of mathematical operation – Cuberoot.
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी घन की मूल राशि प्राप्त करना।

परिकर्म भेद-भागहार – *Parikarma Bheda-Bhāgahāra.*
A type of mathematical operation – division
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी प्रमाण राशि में किसी प्रमाण राशि का भाग देना।

परिकर्म भेद-वर्ग – *Parikarma Bheda-Varga.*
A type of mathematical operation – Square.
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी प्रमाण राशि का उसी राशि में एक बार गुणा करने पर प्राप्त परिणाम उस राशि का वर्ग कहलाता है। जैसे–2 का वर्ग 4 (2×2=4)।

परिकर्म भेद-वर्गमूल – *Parikarma Bheda-Vargamūla.*
A type of mathematical operation – Square root
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी वर्ग की मूल राशि प्राप्त करना।

परिकर्म भेद-व्यवकलन – *Parikarma Bheda-Vyavakalana.*
A type of mathematical operation–Substraction.
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी प्रमाण राशि का किसी अन्य प्रमाण राशि से अंतर करना अर्थात् घटाना।

परिकर्मभेद-सङ्कलन – *Parikarmabheda-Saṅkalana.*
A type of mathematical operation – Addition.
परिकर्माष्टक का एक भेद; किसी प्रमाण राशि को किसी अन्य प्रमाण राशि में जोड़ना।

परिकर्माष्टक – *Parikarmāṣṭaka.*
Eight special types of mathematical operations (square, square-root, cube etc.).
गणित विषयक-संकलन, व्यवकलन, गुणकार, भागहार, वर्ग, वर्गमूल, घन और घनमूल ये 8 विषय परिकर्माष्टक कहलाते हैं।

परिकल्पित – *Parikalpita.*
Imagined; presumed; hypothetical.
कल्पना में किया हुआ।

परिगणित – *Pariganita.*
Counted, Innumerated, Reckoned.
गिना हुआ।

परिगृहीता – *Parigṛhītā*
A married woman
जिसका कोई एक पुरुष भर्ता है वह परिगृहीता कहलाती है। विवाहित स्त्री।

परिग्रह – *Parigraha.*
Accumulation, Possessions. Attachment in belongings.
लोभ कषाय के उदय से विषयों के संग को परिग्रह कहते हैं। चेतन-अचेतन आदि पदार्थों में ममत्व भाव।

परिग्रह त्याग – *Parigraha Tyāga*
Renunciation of possesesions
परिग्रह का त्याग करना। श्रावक की 11 प्रतिमाओं में 9 वीं प्रतिमा

परिग्रह त्याग अणुव्रत – *Parigraha Tyāga Aṇuvrata.*
Limitation in ten special kinds of possessions
धन-धान्यादि दश प्रकार के परिग्रह को मर्यादित करना।

परिग्रह त्याग प्रतिमा – *Parigraha Tyāga Pratimā*
Model stage of renunciation of possessions (except useful articles)
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में 9वीं प्रतिमा - दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं और पूजा के उपकरणों को छोड़कर शेष समस्त परिग्रह का जीवन पर्यंत के लिए त्याग कर देना।

परिग्रह त्याग भावना – *Parigraha Tyāga Bhāvanā.*
Sentiments free from attachments
इष्ट-अनिष्ट पांचों इन्द्रियों के विषयों में रागद्वेष न करना।

परिग्रह त्याग महाव्रत – *Parigraha Tyāga Mahāvrata.*
Renunciation of all worldly materials.
पिच्छी, कमंडलु व शास्त्र उपकरण के अलावा मन, वचन, काय, कृत, कारित, अनुमोदना से सर्व परिग्रहों का त्याग करना।

परिग्रह त्याग व्रत – *Parigraha Tyāga Vrata.*
See - *Parigraha Tyāga Mahāvrata.*
देखें - परिग्रह त्याग महाव्रत।

परिग्रहपरिमाण – *Parigrahaparimāṇa.*
To fix the limits of acquisitions
पांचवां अणुव्रत; 10 प्रकार के बाह्य परिग्रह की सीमा कर लेना।

परिग्रह भाव – *Parigraha Bhāva.*
Emotional attachments
राग, मूर्छा भाव।

परिग्रह संज्ञा – *Parigraha Saṁjñā.*
Desire for the accumulation of wealth
धन-धान्यादि के अर्जन करने की इच्छा होना।

परिग्रहानंदी रौद्रध्यान – *Parigrahānamdī Raudradhyāna.*
Deep involvement in the lust of wealth

तीव्र लोभ के वशीभूत होकर धन-धान्यादि परिग्रह के अर्जन और संरक्षण में दिन रात लगे रहना और इसी में आनंद मानना ।

परिग्रहिकी क्रिया – *Parigrahiki Kriyā.*
Activity of deep involvement in attachment.
साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया; परिग्रह की रक्षा में लगे रहना ।

परिचय चिन्ह – *Paricaya Cinha.*
Cognizance
पहचान चिन्ह। जैसे चौबीस तीर्थंकरों की पहचान क्रमशः बैल, हाथी आदि चिन्हों से की जाती है ।

परिचारक – *Paricāraka.*
Attendants, Saints involved in religious performance
सेवा करने वाले, मूलाचार के अनुसार सल्लेखना करने वाले क्षपक की परिचर्या कराने वाले साधु ।

परिचित – *Paricita.*
Acquainted, known one
जाना-पहचाना ।

परिच्छिन्न – *Paricchinna.*
Divided, Detached.
विभक्त या विभाजित ।

परिच्छेद – *Pariccheda.*
Division, Part, Chapter.
अधिकार, अध्याय ।

परिज्ञा – *Parijñā.*
Deep knowledge or right knowledge of something.
सूक्ष्म ज्ञान, किसी वस्तु का सम्यक् ज्ञान ।

परिणत – *Pariṇata.*
Transformed, Modified.
रूपान्तरित या परिवर्तित ।

परिणति – *Pariṇati.*
Modification, Transformation.
परिवर्तन, परिपाक, पक्वता ।

परिणमन – *Pariṇamana.*
One's transformation as in the meritorious, demeritorious & pure way.
जीव का शुभ, अशुभ एवं शुद्ध उपयोग रूप परिवर्तन होना ।

परिणाम-परिणामक शक्ति – *Pariṇāma Pariṇāmaka Śakti.*
One of the power acquired by the soul.
आत्मा की 47 शक्तियों में 15 वीं शक्ति ।

परिणाम भाव – *Pariṇāma Bhāva.*
All types of auspicious & inauspicious feelings of one.
द्रव्य के स्वभाव को अथवा जीव के शुभाशुभ भावों को परिणाम कहते हैं ।

परिणाम शक्ति – *Pariṇāma Śakti.*
Volitional energy
द्रव्यों में ध्रौव्य-व्यय-उत्पादों से स्पर्शित जो समान रूप व असमान रूप परिणाम हैं उन स्वरूप एक अस्तित्वमात्र शक्ति ।

परिणाम – शुद्धि – *Pariṇāma Śuddhi.*
Volitional purity of soul.
कर्मोदय के अभाव होने पर जीव के परिणामों (भावों) में यथायोग्य शुद्धि का होना ।

परिणामी – *Pariṇāmī.*
Of consequential or resultant nature
परिणमन स्वभाव वाले; अर्थ पर्याय की अपेक्षा छहों द्रव्य परिणामी हैं ।

परिताप – *Paritāpa.*
Affliction, Sorrow.
अति-संताप (कष्ट) ।

परितापन – *Paritāpana.*
Distress or mental suffering.
जीवों की मानसिक व अंतरंग पीड़ा को परितापन कहते हैं ।

परितापन कर्म – *Paritāpana Karma.*
A type of fault related to saint - food.
आहार-संबंधी अधःकर्म दोष का एक भेद ।

परितापनकी – *Paritāpanakī.*
Activity of causing pain to others.
पर को कष्ट देने की क्रिया परितापनकी क्रिया है ।

परिदावन – *Paridāvana.*
Creating troubles.
सन्ताप उत्पन्न करना ।

परिदेवन – *Paridevana.*
Pathetic mourning which causes the lamentation of others also.
असाता वेदनीय कर्म के आस्रव का एक कारण; ऐसा विलाप करना जिसे सुनकर श्रोता भी रोने लग जाये ।

परिद्राविणी – *Paridrāviṇī.*
Pain causing activities.
दुःखोत्पादक क्रिया परिद्राविणी क्रिया है ।

परिधान – *Paridhāna.*
Apparel, vest, clothing, dress.
वस्त्र, कपड़ा ।

परिधि – *Paridhi.*
Circumference.
घेरने वाला वृत्त या वलय ।

परिनिर्वृत्ति क्रिया – *Parinirvṛtti Kriyā.*
To achieve state of salvation.
कर्त्रन्वयादि क्रियाओं में एक; अंत में सर्वकर्म विमुक्त सिद्ध पद की प्राप्ति ।

परिनिष्क्रमण – *Pariniṣkramaṇa.*
An auspicious event of initiation (related to the

Initiation ceremony of Lord)
दीक्षा कल्याणक ।

परिपाटी – *Paripāṭī.*
Trend, Tradition.
परम्परा क्रम ।

परिपीड़ित – *Paripīḍita.*
A faulty conduct (touching thighs) while meditative relaxation or paying reverence to Lord.
कायोत्सर्ग अथवा वंदना करते समय जंघाओं का स्पर्श करना परिपीड़ित नाम का दोष कहलाता है ।

परिपुष्ट – *Paripuṣṭa.*
Stout, strong well-nourished.
दृढ़, पुष्ट, स्थूल शरीर वाला ।

परिपूर्णेन्द्रिय – *Paripūrṇendriya.*
One with perfectly and fully developed sense organs.
जिनके पाँचों इन्द्रियाँ पूर्ण हो चुकी हैं ऐसे पंचेन्द्रिय मनुष्य, देव आदि जीव ।

परिभोग – *Paribhoga.*
Consumable articles to be used repeatedly.
आसन आदि वस्तुएं जिनका बार-बार उपभोग किया जाता है।

परिभ्रमण – *Paribhramaṇa.*
To walk around, Transmigration, Birth-cycle
भ्रमण करना, संसार की चतुर्गति में भ्रमण करना ।

परिमण्डल – *Parimaṇḍala.*
Globe.
गोलाकार, वर्तुलाकार ।

परिमर्शन – *Parimarśana.*
Touching the whole parts of the body.
सर्व शरीर का स्पर्श करना परिमर्शन है ।

परिमल – *Parimala.*
A poet; the writer of Shreyans Rasa.
कवि, श्रेयांस रास के कर्ता ।

परिमल्ल (कवि) – *Parimalla (Kavi).*
Name of a writer of 'Shripal Charitra'.
ई. सन् 1594 में श्रीपाल चरित्र नामक ग्रंथ के रचयिता ।

परिमाण – *Parimāṇa.*
Magnitude (related to measure), Quantitative.
मर्यादा या प्रमाण कर लेना ।

परिमाणगत प्रत्यय – *Parimāṇagata Pratyaya.*
A type of renunciation.
प्रत्याख्यान का एक भेद ।

परिमाणहीन – *Parimāṇahīna.*
Dimensionless.
सीमारहित, मर्यादा या प्रमाण से रहित ।

परिमित – *Parimita.*
Finite, Limited, restricted.
सीमित ।

परिरक्षक – *Parirakṣaka.*
Protector, Guardian
रक्षा करने वाला, अभिभावक ।

परिवंदन – *Parivaṃdana.*
Praise, reverential praising, act of adoration.
अतिशयी वंदना या प्रशंसा करना ।

परिवर्त – *Parivarta.*
A fault of food and hermitage, related to Jaina saints.
साधु संबंधी आहार एवं वसतिका का एक दोष ।

परिवर्तन – *Parivartana.*
Change, Cycle of wandering, Vicissitude.
बदलना, संसरण (जन्म-मरण) करने को प्रकार कहते हैं, जिसका अर्थ 'परिवर्तन' है। द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव और भावरूप से यह पाँच प्रकार का होता है (पंच परिवर्तन रूप संसार) ।

परिवर्तना – *Parivartanā.*
Rethinking of something accepted
ग्रहण किया हुआ अर्थ विस्मृत न हो जावे, तदर्थ बार-बार उसका परिशीलन करना ।

परिवर्द्धित – *Parivarddhita*
Elaborated
बढ़ा हुआ, समृद्ध ।

परिवाद – *Parivāda.*
Reproach, Slander
लोकापवाद, अपकीर्ति ।

परिवार देवी – *Parivāra Devī.*
Female deities of *Indras.*
इंद्र आदि की देवियाँ ।

परिवार मंडप – *Parivāra Maṇḍapa.*
An auspicious place in *Samavsharan* (assembly of Lord)
समवशरण के महोदय मंडप में उससे आधे विस्तार वाले 4 परिवार मंडप होते हैं, जिनमें कथा कहने वाले पृथक आक्षेपिणी आदि कथा कहते हैं ।

परिव्राजक – *Parivrājaka.*
A sect founded by Marichi Kumar.
एक मत जिसे मरीचि कुमार ने चलाया था, इस मत के साधु गहरे गेरुए रंग के वस्त्र पहनते हैं ।

परिशातन कृति – *Pariśātana Kṛti.*
Dissociation of *Karmas* without accumulation of mattergic aggregate (related to intended body).
विवक्षित शरीर के पुद्गल स्कन्धों की संचय के बिना जो निर्जरा होती है वह परिशातन कृति कहलाती है ।

परिशुद्ध प्रतिपत्ति – *Pariśuddha Pratipatti.*
Clear conviction, real knowledge.
यथार्थ ज्ञान ।

परिशेष न्याय – *Pariśeṣa Nyāya.*
An ultimate judgement.

एक न्याय; यह भी नहीं यह भी नहीं तो शेष यह ही रहा ।

परिषद् – *Pariṣad.*
The council of *Indras*
इन्द्र की सभा, यह अंतःपरिषद्, मध्यम परिषद् और बाह्य परिषद् के भेद से 3 प्रकार की है। अंतःपरिषद में 125 देव, मध्यम परिषद में 250 देव और बाह्य परिषद में 500 देव होते हैं ।

परिषह – *Pariṣaha.*
Afflictions-there are 22 types of afflictions to be borne by Jaina saints.
मार्ग से च्युत न होने के लिए और कर्मों की निर्जरा के लिए जो सहन करने योग्य बाधाएं, ये 22 प्रकार की होती हैं—क्षुधा, पिपासा (तृषा), शीत, उष्ण, दंश-मशक, नाग्न्य, अरति, स्त्री, चर्या, शय्या, निषद्या, आक्रोश, वध, याचना, अलाभ, अदर्शन रोग, तृणस्पर्श, प्रज्ञा, अज्ञान, मल और सत्कार-पुरस्कार ।

परिषह जय – *Pariṣaha Jaya*
Victory over afflictions.
क्षुधा प्यास आदि 22 परिषह रूप वेदना के होने पर कर्मों की निर्जरा के लिये समतापूर्वक सहन कर लेना ।

परिष्कृत – *Pariṣkṛta*
Refined, Purified, Cleansed, Adorned.
शोधन किया हुआ, अलंकृत ।

परिसर्प – *Parisarpa.*
Animals, reptiles.
पंचेन्द्रिय तिर्यंच का एक भेद - गोह, नकुल आदि तिर्यंच जीव ।

परिस्रव – *Parisrava.*
Inflow of *Karma.*
कर्मों का बहाव होना ।

परिस्पंद – *Parispanda.*
Vibration (activity).
हलन-चलन रूप क्रिया ।

परिस्पंदन – *Parispandana.*
Vibration
हलन-चलन रूप क्रिया होना ।

परिहार प्रायश्चित्त – *Parihāra Prāyaścitta.*
A type of repentance - sending away a faulty saint from the group temporarily).
प्रायश्चित्त के नौ भेदों में आठवाँ भेद; दोषी मुनि को निश्चित समय के लिए संघ से दूर कर देना ।

परिहारविशुद्धि – *Parihāraviśuddhi.*
Violence refraining conduct.
5 प्रकार के चारित्र में एक चारित्र; जिस चारित्र में प्राणी हिंसा की पूर्ण निवृत्ति होने से विशिष्ट विशुद्धि पायी जाती है ।

परिहार विशुद्धि संयम – *Parihāra Viśuddhi Saṁyama.*
A kind of pure conduct (devoid of violence)
चारित्र के 5 भेदों में एक भेद, जिसमें प्राणी हिंसा की पूर्ण निवृत्ति होने से विशिष्ट विशुद्धि पायी जाती है ।

परिहास – *Parihāsa.*
Merriment, jollity, fun, joke.
विनोद, हंसी, मजाक, दिल्लगी ।

परीक्षा – *Parīkṣā.*
Examination, enquiry, investigation
ऊहा पोह, जांच पड़ताल करना ।

परीक्षामुख – *Parīkṣāmukha.*
A book written by *Acharya* Manikyanandi.
आचार्य माणिक्यनन्दि (ई. 1003) द्वारा रचित एक न्याय विषयक ग्रंथ, जिस पर प्रमेयरत्नमाला, प्रमेयकमलमार्तण्ड टीका ग्रंथ रचे गये हैं ।

परीक्षित – *Parīkṣita.*
A king of *Kuru* dynasty who was the ruler of *Panchal Desh* (country)
कुरुवंशीय राजा जो पांचाल देश में राज्य करता था ।

परीत – *Parīta.*
Surrounded, Encircled
परिवेष्टित, घिरा हुआ ।

परीतानंत – *Parītānanta.*
A type of infinite counting
संख्यामान के 21 भेदों में एक भेद ।

परीतासंख्यात – *Parītāsaṁkhyāta.*
A type of infinite counting
संख्यामान संख्यात का एक भेद ।

परीलेखा – *Parīlekhā*
Observation of the place (pertaining to omen).
आराधना की निर्विघ्न सिद्धि के लिए राज्य, देश, गांव, नगर शुभ होगा या अशुभ होगा इसका अवलोकन करना ।

परुषवचन – *Paruṣavacana.*
Abusive words, harsh speech.
कठोर वचन ।

परोक्षज्ञान – *Parokṣajñāna.*
Sensory cognition, indirect knowledge.
जो ज्ञान इन्द्रिय, मन एवं प्रकाश आदि की सहायता से होता है।

परोक्ष प्रमाण – *Parokṣa Pramāṇa.*
Indirect knowledge
प्रमाण का भेद; मति और श्रुतज्ञान परोक्ष प्रमाण कहलाते हैं ।

परोक्षविनय – *Parokṣavinaya.*
Indirect paying respect to *Acharyas.*
आचार्य आदि के परोक्ष में भी उनको मन, वचन और काय से नमस्कार करना ।

परोक्षाभास – *Parokṣābhāsa.*
False conception of indirect knowledge.
मिथ्या परोक्ष ज्ञान (कुमति-कुश्रुत ज्ञान) ।

परोदय – *Parodaya.*
Fruition of one *Karmic* nature into another form.
किसी प्रकृति का अन्य प्रकृतिरूप उदय में आना ।

परोदयबंधी प्रकृति – *Parodayabandhi Prakṛti.*

A type of *Karmic* nature, matured & bound into the form of another.

कर्म की 11 प्रकृतियां; इनका पर प्रकृति के उदय में बंध होता है।

परोपकार – *Paropakāra*

See - *Para Upakāra.*

देखें - पर उपकार ।

परोपघात – *Paropaghāta.*

To cause fatal harm to others.

दूसरे प्राणी का घात करना ।

परोपदेशनिमित्तक मिथ्यादर्शन –

Paropadeśanimittaka Mithyadarśana.

To have want of reverence caused by others speech.

दूसरे का उपदेश सुनकर तत्त्वों के प्रति अश्रद्धान होना ।

परोपरोधाकरण – *Paroparodhakaraṇa*

Not to interrupt or obstruct in the entrance of others.

अचौर्यव्रत की एक भावना; दूसरे के आने में रुकावट न डालना।

पर्णलघ्वी – *Parṇalaghvi.*

A type of super knowledge—making body as light as leaves.

एक विद्या; इससे पत्तों के समान शरीर हल्का और छोटा बनाया जाता है। यह विद्या आकाश से नीचे इच्छित स्थान पर उतरने में सहायक होती है ।

पर्णावली – *Parṇāvali.*

Foliage, cluster of leaves.

पत्तों के गुच्छे ।

पर्यंकासन – *Paryaṁkāsana.*

Cross legged posture (of meditation).

दोनों जंघाओं को आपस में मिलाकर ऊपर नीचे रखने से पर्यंकासन कहते हैं,पद्मासन ।

पर्यंकासन तप – *Paryaṁkāsana Tapa.*

A type of physical mortification

कायक्लेश का एक भेद। पर्यंकासन लगा कर योगधारण करना।

पर्यस्तायु – *Paryatyāyu.*

See – *Kadalighāta Maraṇa.*

देखें - कदलीघात मरण ।

पर्यनुयोज्योपेक्षण निग्रहस्थान –

Paryanuyojyopekṣaṇa Nigrahasthāna.

Not to punish one present in the blamed point.

निग्रह स्थान में प्राप्त हुए का निग्रह न करना ।

पर्यवसान – *Paryavasāna.*

Ascertainment, Determination

निश्चय ।

पर्या – *Paryā.*

Rainy seasonal staying of Jaina saints (for 4 months).

चौमासा करना, वर्षा काल में एक स्थान पर रहना ।

पर्याप्त (जीव) – *Paryāpta (Jīva).*

Those who have got completion of 6 *Paryāpti* in *Antarmuhūrta.*

जो जीव पर्याप्ति नामकर्म के उदय से आहार, शरीर आदि पर्याप्तियों को अन्तर्मुहूर्त में पूर्ण कर लेते हैं ।

पर्याप्ति – *Paryāpti.*

The gaining by the soul of the capacity to develop fully the characteristics of the body into which it incarnates

योनि स्थान में जीव के प्रवेश होने के पश्चात् अन्तर्मुहूर्त में आहार, शरीर, इन्द्रिय, श्वासोच्छ्वास, भाषा एवं मन, इन 6 पर्याप्तियों की पूर्णता होना जो पूर्ण शारीरिक विकास के लिए आधारभूत है ।

पर्याप्ति काल – *Paryāpti Kāla.*

Time period (*Antarmuhūrta*) required for the completion of 6 *Paryāptis*

सभी पर्याप्ति पूर्ण होने में एक अन्तर्मुहूर्त लगता है ।

पर्याप्ति नाम कर्म प्रकृति –

Paryāpti Nāma Karma Prakṛti

A type of physique making *Karma* causing complete development of body

जिस कर्म के उदय से जीवों के आहार, शरीर, इन्द्रिय, श्वासोच्छ्वास, भाषा व मन इन छह पर्याप्तियों की पूर्णता होती है ।

पर्याय – *Paryāya.*

Body form, Constant variations in the attributes of any matter are called *Paryāya*

जो स्वभाव विभाव रूप से गमन करती है, परिणमन करती है वह पर्याय है। अथवा द्रव्य में प्रतिसमय होने वाला गुणों का परिणमन 'पर्याय' कहलाती है ।

पर्याय ज्ञान – *Paryāya Jñāna.*

A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).

श्रुतज्ञान के 20 भेदों में प्रथम भेद। यह ज्ञान सूक्ष्म निगोदिया लब्ध्यपर्याप्तक जीवों के होता है। यह श्रुतज्ञानावरण के आवरण से रहित होता है ।

पर्याय ज्ञान निरावरण –

Paryāya Jñāna Nirāvaraṇa.

Knowledge (related to *Paryay*) without any obstacle.

जघन्य पर्याय ज्ञान जिस पर ज्ञानावरणीय कर्म का आवरण नहीं रहता ।

पर्याय दृष्टि – *Paryāya Dṛṣṭi.*

Viewpoint of wrong believer.

मिथ्यादृष्टि की दृष्टि ।

पर्याय नय – *Paryāya Naya.*

A view point pertaining to know the soul in subtle form.

47 नयों में एक नय जो आत्मद्रव्य को तन्तुमात्र की भांति

दर्शनज्ञानादि मात्र जानता है ।

पर्यायवाची शब्द – *Paryāyavāci Śabda.*
Synonym words
एक अर्थ वाले दो शब्द। एकार्थवाची शब्द ।

पर्यायवान् – *Paryāyavān.*
Matter with particular form or mode
द्रव्य का लक्षण, अर्थ - व्यंजन पर्याय वाला द्रव्य होता है ।

पर्याय व्यंजन – *Paryāya Vyanjana.*
Explicit (gross) mode
व्यंजन पर्याय जो स्थूल एवं वचन गोचर होती है

पर्याय समास – *Paryāya Samāsa.*
A part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान का एक भेद ।

पर्यायसमास ज्ञान – *Paryāyasamāsa Jñāna.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*) pertaining to word knowledge.
पर्यायज्ञान के ऊपर संख्यातगुणवृद्धि, असंख्यातगुणवृद्धि और अनंतगुणवृद्धि के क्रम से वृद्धि होते-होते जब उत्कृष्ट की पूर्णता होती है तब पर्याय समासज्ञान कहलाता है ।

पर्यायांश – *Paryāyāṁśa.*
Origination & destruction of modes of substance
द्रव्य की पर्यायों में होने से उत्पाद और व्यय पर्यायांश हैं ।

पर्यायार्थिक चक्षु – *Paryāyarthika Cakṣu*
A type of perception related to the nature of matters.
वस्तु स्वरूप को देखने की एक दृष्टि ।

पर्यायार्थिक नय – *Paryāyārthika Naya.*
A type of standpoint describing the particular mode (*Paryaya*) of any substance, modal standpoint.
नय का एक भेद; पर्याय विशेष का कथन करने वाला नय ।

पर्यायोपचार – *Paryāyopacāra.*
To expose properties of substance in the form of *Paryaya*
उपचार; द्रव्य गुण को पर्याय रूप से लक्षित करना ।

पर्यालोचन – *Paryālocana.*
Contemplation, meditation.
चिंतन, ध्यान आदि की क्रिया ।

पर्युदास अभाव – *Paryudāsa Abhāva.*
Perceiving something in the relative absence of the other.
किसी एक वस्तु के अभाव में दूसरी वस्तु का सद्भाव ग्रहण करना। जैसे-प्रकाश का अभाव ही अंधकार है ।

पर्युपासना – *Paryupāsana.*
Service, devotion.
समर्पण व सेवा का भाव होना ।

पर्व – *Parva.*
Festival, Celebration of some particular day. A chapter, A large time unit
विशेष तिथि, अष्टमी चतुर्दशी आदि, अध्याय, पर्वांग प्रमाणकाल में 84 लाख का गुणा से प्राप्त संख्या प्रमाण काल ।

पर्वत (नाम) – *Parvata (Nāma).*
Past-birth name of the 2nd *Narayan* 'Dviprishth', Son of a *Brahman* Kshirakadamb.
द्वितीय नारायण 'द्विपृष्ठ' के द्वितीय पूर्व भव का नाम, क्षीरकदम्ब ब्राह्मण का पुत्र, जिसने अज का अर्थ बकरा बताया एवं आगामी भव में हिंसापूर्ण यज्ञों का प्रचार किया ।

पर्वत – *Parvata.*
Mountain.
गिरि, उच्चतम ।

पर्वत गुफा – *Parvata Guphā.*
Mountain - caves; hermitage for saints.
वसतिका; साधुओं के ठहरने योग्य स्थान

पर्वबीज – *Parvabīja.*
A type of plants
वनस्पति; पर्व ही है बीज जिनका वे पर्वबीज हैं। जैसे-ईख, बेंत आदि ।

पर्वोपवास – *Parvopavāsa.*
Vows on different festivals.
पर्व के दिनों में उपवास करना ।

पल – *Pala.*
A time unit; 1 *Pal*=24 seconds.
काल का प्रमाण विशेष; 1 पल = 24 सेकेंड ।

पलाय मरण – *Palāya Maraṇa.*
Death of a saint, who escapes from religious duties.
सर्व कृतिकर्म, व्रत, समिति आदि धर्मध्यान व नमस्कार आदि से दूर भागने वाले मुनि का मरण, अपरनाम - बलाकमरण ।

पलाश – *Palāśa.*
A type of flower.
टेसू का फूल, जो केसरिया-लालरंग का होता है ।

पलाशगिरि – *Palāśagiri.*
A *Diggajendra* mountain in *Bhadrashal* forest.
भद्रशाल वन में स्थित एक दिग्गजेन्द्र पर्वत ।

पलिकुंचन – *Palikuncana.*
A type of infraction - to give false statement about fault.
सामान्य अतिचार का एक भेद, द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव के आश्रय से जो अतिचार हुए हों उनका अन्यथा कथन करना, जैसे-सचित्त पदार्थ का सेवन करके अचित्त का सेवन किया ऐसा कहना आदि ।

पल्यंकासन – *Palyaṁkāsana.*
See - *Paryankāsana*
देखें - पर्यंकासन ।

पर्ल्यंकासन तप – *Palyaṁkāsana Tapa.*
See - *Paryaṁkāsana Tapa*
देखें - पर्यंकासन तप ।

पल्य – *Palya.*
A measure of time.
समय के मापन की इकाई। एक योजन लम्बे चौड़े और गहरे गर्त को भोगभूमि में जन्मे नवजात शिशु-भेड़ के बालों के अग्रभाग से ठोक-ठोक कर भरने के उपरांत सौ-सौ वर्ष के बाद एक-एक रोमखण्ड निकालते हुए रिक्त करने में जितना समय लगे वह पल्य है। इसमें काल की असंख्यात वर्ष भी कहते हैं

पल्योपम – *Palyopama.*
An innumerable quantity of years
उपमा प्रमाण काल या असंख्यात वर्ष ।

पल्लव विधान व्रत – *Pallava Vidhāna Vrata.*
A type of vows (fasting) with particular procedure.
विधि पूर्वक 25 उपवास (लघु विधि) अथवा 4 तेला, 7 बेला व 48 उपवास (बृहत् विधि) करना ।

पल्ली – *Palli.*
Small villages in south are called *Palli.*
एक छोटा गांव, दक्षिण में छोटे-छोटे गांवों को पल्ली कहते हैं।

पवनंजय – *Pavanaṁjaya.*
Father's name of Hanumana.
हनुमान के पिता का नाम ।

पवन – *Pavana.*
A king of *Rakshas* dynasty, Air.
राक्षस वंश का एक राजा, वायु ।

पवाइज्जमाण – *Pavāijjamāṇa.*
Authentic & traditional doctrines (preachings) approved by *Acharyas.*
जो उपदेश आचार्य सम्मत होता है और चिरकाल से अविच्छिन्न संप्रदाय के क्रम से शिष्य परम्परा द्वारा लाया जाता है ।

पशु – *Paśu.*
Animals, Cattle.
जानवर ।

पशुक्रंदन – *Paśukraṁdana.*
Weeping or screaming in pain by animals, the reason of renunciation from worldly life of Lord Neminath.
पशुओं के रोने-चीखने की आवाज, जिसे सुन भगवान नेमिनाथ को वैराग्य हुआ था ।

पश्चात् आनुपूर्वी – *Paścāt Ānupūrvī.*
Exposition of something in reverse order.
किसी वस्तु का विवेचन अन्त से लेकर आदि तक (प्रतिलोम पद्धति से) करना ।

पश्चात् स्तुति दोष – *Paścāt Stuti Doṣa.*
A fault of food and hermitage pertaining to a saint.
आहार एवं वसतिका का एक दोष. दान ग्रहण करने के पश्चात् साधु द्वारा गृहस्थ की प्रशंसा करना

पश्चात्ताप – *Paścāttāpa.*
Atonement, Repentance, Penitence.
खेद, ग्लानि, पछतावा, मुनि आदि द्वारा नियमों का उल्लंघन होने पर प्रायश्चित करना ।

पश्चिमा – *Paścimā.*
A city situated in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध के दक्षिण में स्थित एक नगरी ।

पश्यंती – *Paśyaṁtī.*
A type of language
शब्दाद्वैतवादी द्वारा मान्य 4 प्रकार की वाणी में से एक। जैनमत के अनुसार इसे उपयोगात्मक भाव वचन कहते हैं ।

पाँच – *Pāṁca.*
Five; five infractions, five sins etc.
5 (5 अतिचार, 5 पाप, 5 अस्तिकाय आदि) ।

पाँच अस्तिकाय – *Pāṁca Astikāya.*
Five universal entities (substances)
जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म और आकाश ये पाँच द्रव्य पाँच अस्तिकाय कहलाते हैं ।

पाँचजन्य शंख – *Pāṁcajanya Śaṁkha.*
A conch shell with 5 opening (mouths); a jewel of *Narayan.*
पंचमुखी शंख; नारायण के 7 रत्नों में एक रत्न, मेघ के समान इसकी गर्जना होती है ।

पांचाल – *Pāṁcāla.*
A country of *Bharat Kshetra* in middle *Aryakhand* (region).
भरतक्षेत्र मध्य आर्यखण्ड का एक देश ।

पांडव – *Pāṁḍava.*
Sons of king Pandu, they were five brothers (warriors) – Yudhishthir, Bheem, Arjun, Nakul & Sahadev.
युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल व सहदेव - ये पाँचों 'राजा पाण्डु' के पुत्र होने से पांडव कहलाते हैं ।

पांडवपुराण – *Pāṁḍavapurāṇa.*
Name of a great book (*Puran*) written by *Acharya* Shubhchandra and other books written by Yashakirti & by Vadichandra *Acharyas.*
आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1551) द्वारा संस्कृत भाषा में लिखा गया पुराण। यशःकीर्ति (वि. 1535-1613), वादिचन्द्र (ई. 1601) आदि आचार्यों द्वारा इस नाम के ग्रंथ रचे गये ।

पांडु – *Pāṁḍu.*
A dominion of *Chakravarti* (emperor), Father's name of 5 *Pandavas* (the great warriors), Name of an *Acharya* having knowledge of 11 *Angas.*
चक्रवर्ती की नवनिधियों में से एक, पांच पाण्डवों के पिता का नाम, 11 अंग के ज्ञाता 5 आचार्यों में तीसरे आचार्य ।

पांडुकंबला शिला – *Pāmḍukaṁbulā Śilā.*
Name of a *Shila* (very auspicious large stone at *Sumeru* mountain), pertaining to the lustral bath of Jaina Lord of western *Videh Kshetra* (region).
सुमेरु पर्वत पर एक शिला, जिस पर पश्चिम विदेह के तीर्थंकरों का जन्म कल्याणक संबंधी अभिषेक किया जाता है ।

पांडुक – *Pāmḍuka.*
A city situated in the north of *Vijayardha* mountain, Name of a deity of *Kundal* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, कुण्डल पर्वत स्थित महेन्द्र कूट का स्वामी नागेन्द्र देव ।

पांडुकनिधि – *Pāṁḍukanidhi*
One of the 9 treasures of *Chakravarti* (emperor).
चक्रवर्ती की 9 निधियों में एक निधि, धान्य को देने वाली ।

पांडुकवन – *Pāmḍukavana.*
The fourth forest of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत का चतुर्थ वन। इसमें 4 चैत्यालय हैं ।

पांडुकशिला – *Pāmḍukaśilā.*
A very auspicious large stone (*Shila*) in the *Panduk* forest of Sumeru mountain pertaining to the lustral bath of Jaina Lord of *Bharat Kshetra* (region).
सुमेरुपर्वत के पांडुक वन में स्थित 4 शिलाओं में एक सुवर्णमयी शिला, इस पर जम्बूद्वीप के भरतक्षेत्र के तीर्थंकरों का जन्माभिषेक किया जाता है ।

पांडुकेय – *Pāmḍukeya.*
A king of *Vidyadhara* dynasty.
विद्याधर वंश का एक राजा ।

पांडुर – *Pāṁḍura*
Protecting deity of the south *Ksheervardvip* (island), A deity of *Kundal* mountain.
दक्षिण क्षीरवर द्वीप का रक्षक देव, कुण्डल पर्वत स्थित हिमवतकूट का स्वामी नागेन्द्र देव ।

पांडुशिला – *Pāmḍuśilā.*
See - *Pāṁḍukaśilā.*
देखें - पांडुकशिला ।

पांड्य – *Pāmḍya.*
A country situated in the middle *Aryakhand* (region).
मध्य आर्यखण्ड में स्थित एक देश ।

पांड्यवाटक – *Pāmḍyavāṭaka.*
Name of a mountain in the middle part of *Malayagiri*.
मलयगिरि के मध्यभाग में एक पर्वत ।

पांशुतापि – *Pāṁśutāpi.*
A type of deities.
कल्पोपपन्न देव ।

पांशुमूल – *Pāṁśumūla.*
A city situated in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

पांशुमूलिक – *Pāṁśumūlika.*
Name of a caste related to *Vidyadhars*.
एक विद्याधर वंशीय जाति का नाम ।

पांशुमूलिक विद्या – *Pāṁśumūlika Vidyā.*
A type of knowledge of *Vidyadhars*
विद्याधर वंश की एक विद्या का नाम ।

पाकर फल – *Pākara Phala.*
A type of figs, non-edible according to Jainism.
अभक्ष्य; पांच उदुम्बर फलों में एक फल ।

पाकशाला – *Pākaśālā.*
Kitchen.
भोजन शाला ।

पाक सत्त्व – *Pāka Sattva.*
Wild animal like lion etc.
सिंह आदि दुष्ट जन्तु ।

पाक्षिक – *Pākṣika.*
Fortnightly, A type of Jaina householder (*Shravak*).
माह के पंद्रह दिवसीय पक्ष, श्रावक के 3 भेदों में एक भेद, जो व्रती तो नहीं है लेकिन धर्म का पक्ष लेता है ।

पाक्षिक आलोचना – *Pākṣika Ālocanā.*
A type of criticism, to say own faults before the spiritual teacher (pertaining to 15 days).
आलोचना का एक भेद, गुरु के समीप पाक्षिक अपराधों को कहना ।

पाक्षिक प्रतिक्रमण – *Pākṣika Pratikramaṇa.*
A type of repentance for the faults of 15 days.
प्रतिक्रमण का एक भेद, पाक्षिक अर्थात् 15 दिन में लगे हुए दोषों को दूर करना। जैन साधु प्रत्येक चतुर्दशी को पाक्षिक प्रतिक्रमण करते हैं ।

पाखंडी – *Pākhamḍī.*
Dissembling, Hypocritical.
संसार चक्र में भ्रमण करने वाले झूठे साधु या तपस्वी ।

पाखण्डीलिङ्ग – *Pākhaṇḍīliṅga.*
False one.
खोटा लिंग ।

पाटला – *Pāṭalā.*
Name of the initiation tree of Lord Vasupujyanath.
पद्मपुराण के अनुसार वासुपूज्यनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम (इसका नाम 'महापुराण' के अनुसार कदम्ब है) ।

पाटलिका – *Pāṭalikā.*
Name of an auspicious article kept near the idol of Lord.
जिन प्रतिमा के पास विद्यमान रहने वाले 108 उपकरणों में से एक ।

पाटलीपुत्र – *Pāṭaliputra.*

Former name of Patna, the capital of Bihar.
बिहार प्रान्त की राजधानी वर्तमान पटना ।

पाणिपात्र – *Pāṇipātra.*

Hand bowl (hallowed open hands joined together) used in food taking by *Digambar* Jaina saints.
दोनों हाथों को मिलाकर बनी अंजुलि को पाणिपात्र (करपात्र) कहते हैं। दिगम्बर जैनसाधु पाणिपात्र में आहार ग्रहण करते हैं।

पाणित: पिंडपतन – *Pāṇitaḥ Piṇḍapatana.*

An obstacle pertaining to saint food
आहार अंतराय का एक प्रकार, पाणिपात्र से ग्रास आदि का गिर जाना ।

पाणिमुक्ता गति – *Pāṇimuktā Gati.*

Curved motion, a type of transmigratory motion
विग्रहगति का एक भेद; संसारी जीवों की एक मोड़ेवाली गति।

पाण्डित्य – *Pāṇḍitya.*

Intellectual talent, Erudition.
विद्वत्ता – संसार का उद्धार करने वाला ज्ञान ।

पातक – *Pātaka.*

Sin, offence, impurity caused due to the death of someone having blood relation.
पाप, संबंधी के मरण का अशौच या अपवित्रता। यह वंश परम्परा की पीढ़ियों के अनुसार 6 माह, 12 दिन, 10 दिन इत्यादि का माना जाता है। पातक के समय भगवान का अभिषेक-पूजन, शास्त्र स्वाध्याय, गुरुओं को आहारदान इत्यादि धार्मिक क्रियाएँ वर्जित होती हैं। ऐसे समय गंधोदक का भी स्पर्श नहीं करना चाहिए। (विशेष विवरण देखें जैन भारती ग्रंथ) ।

पाताल – *Pātāla.*

Name of the ruling demigod of Lord Vimalnath, Lower region of universe.
विमलनाथ भगवान का शासक यक्ष, लवण समुद्र की तली में स्थित बड़े-बड़े खड्ड, पृथ्वी का अधोभाग ।

पात्र – *Pātra.*

Worthy donees (spiritually pure one), Utensils.
दान के लिए पात्र (मोक्षमार्ग के पथिक) जो उत्तम, मध्यम, जघन्य के भेद से तीन प्रकार के होते हैं। बरतन ।

पात्र अपात्र – *Pātra Apātra.*

Worthy & non - worthy donees .
सम्यक्त्व, शील और व्रत से सहित जीव पात्र एवं इनसे रहित जीव अपात्र कहलाते हैं ।

पात्र केसरी – *Pātrakesarī.*

Name of an *Acharya* who wrote Patrakesari Stotra etc, A reverential title of *Acharya* Vidyanandi (775-840 A.D.).
एक आचार्य (ई.श.6-7) जिन्होंने पात्रकेसरी स्तोत्र (जिनेन्द्रगुण स्तुति) आदि ग्रंथों की रचना की। वार्तिककार आचार्य विद्यानंदि (ई. 775-840) की उपाधि ।

पात्रकेसरी स्तोत्र – *Pātrakesarī Stotra.*

Name of a philosophical hymn written by *Acharya* Patrakesari.
50 श्लोकों का आचार्य पात्रकेसरी रचित संस्कृत जिन स्तोत्र ।

पात्रदत्ति – *Pātradatti.*

To offer food to Jaina saints with reverential and prescribed procedure.
महातपस्वी मुनियों, आर्यिकाओं आदि सुपात्रों के लिए सत्कार पूर्वक पड़गाहन कर जो आहार आदि दिया जाता है उसे पात्रदत्ति कहते हैं। इससे स्वर्ग एवं भोगभूमि आदि के सुख मिलते हैं ।

पात्रदान – *Pātradāna*

Offering food etc. to worthy persons (ascetics etc.).
तपस्वी आदि सुपात्रों को आहारादि दान देना ।

पात्रदोष – *Pātradoṣa.*

A fault to have jealousy with worthy donees.
पात्र के प्रति ईर्ष्या आदि का होना ।

पात्री – *Pātrī.*

Name of an auspicious article kept near the idol of Lord Arihant
जिन प्रतिमा के पास विद्यमान रहने वाले 108 उपकरणों में से एक ।

पाथड़ा – *Pāthaṛā.*

Patal (layer or level)
पटल, खन, तह; स्वर्ग व नरक में पटल ।

पाद – *Pāda.*

A unit of area, 25 yrs = 1 *Pada*, Another name of *Vargamul* (squar-root), A quater of a stanza.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष - छः अंगुल प्रमाण विस्तार, 25 वर्ष का एक पाद (एक शताब्दी में 4 पाद होते हैं), वर्गमूल का अपरनाम, श्लोक के चतुर्थांश को पाद कहते हैं ।

पादतप – *Pādatapa.*

Particular austerity like to stand on single foot etc.
कायक्लेश; एक पैर से खड़े होना आदि तप करना ।

पादपीठ – *Pādapīṭha*

Throne.
पैर रखने की चौकी या सिंहासन ।

पाद मुण्ड – *Pāda Muṇḍa.*

Controlling of feet-activities by Jain saints (in *Samayik* etc.).
जैन मुनियों के दस प्रकार के मुण्डन में से एक; सामायिक इत्यादि के समय स्वच्छंदतापूर्वक पगों का संकोच व विस्तार न करना, पगों की क्रियाओं को वश में रखना ।

पादानुसारी ऋद्धि – *Pādānusārī Ṛddhi.*

A type of supernatural power causing knowledge of whole scriptures by studying only fraction of it.
समस्त श्रुत के अक्षर पदों को जानने वाली बुद्धि रूप ऋद्धि है।

यह ईहावरणीय कर्म के तीव्र क्षयोपशम से होती है ।

पादाब्ज – *Pādābja.*
Lotus feet.
चरण कमल ।

पादोपगमन – *Pādopagamana.*
A type of holy & voluntary death, by leaving own group of saints himself.
सल्लेखना का एक प्रकार अपने संघ से दूसरे संघ में निकलकर और योग्य प्रदेश में जाकर मरण किया जाना (अपनाग-प्रायोपगमन) ।

पाद्यस्थितिकल्प – *Pādyasthitikalpa.*
To stay at one place only for 4 months in rainy season (reg. saint).
वर्षा काल में चार मास तक एक ही स्थान पर रहना अर्थात् भ्रमण का त्याग करना, यह 'पाद्य' नाम का 10 वां स्थितिकल्प है ।

पान – *Pāna.*
Drinkable materials (liquids).
पीना, आहार के 4 भेदों में एक भेद; जल, दूध आदि पेय पदार्थ।

पानक – *Pānaka.*
Liquid edible materials.
आहार का एक भेद - स्वच्छ (गर्म जल), बहल (इमली का पानी), लेवड़, अलेवड़, ससिक्थ, असिक्थ ये 6 पानक कहलाते हैं ।

पानकाहार – *Pānakāhāra.*
See – *Pānaka.*
देखें - पानक, यह आहार सल्लेखना के समय दिया जाता है।

पानदशमी व्रत – *Pānadaśamī Vrata.*
Taking food after offering food to other 10 persons.
एक वार; दस श्रावकों को भोजन करा कर फिर स्वयं भोजन करना ।

पानभोजन – *Pānabhojana.*
To take pure meals in daylight.
अहिंसाणु व्रत की एक भावना; सूर्यप्रकाश में देख शोधकर भोजन पान करना ।

पानी छानना – *Pānī Chānanā.*
Filtration of water with cloth.
जलगालन । जैन विधि के अनुसार, जब कपड़े का मोटा छन्ना दोहरा करके उससे पानी छाना जाता है, तब वह जीवरहित शुद्ध जल होता है तथा छने की जीवानी करने की भी विशेष विधि होती है ।

पाप – *Pāpa.*
Sinful activities, Moral guilt, Demerit.
आत्मा को मलिन करने वाली अशुभ क्रिया; इसके 5 भेद हैं - हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह ।

पाप आस्रव – *Pāpa Āsrava.*
Influx of sinful *Karmas.*
पाप कर्मों के आने के कारणभाव - कलुषता, विषयों के प्रति लोलुपता, पर को परिताप करना आदि ।

पापकर्मैकसर्गता – *Pāpakarmaikasargatā.*
Absence of the sense of right knowledge - an infraction of meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार; कर्तव्य अकर्तव्य के विवेक से शून्य होना, मूढ़ता और कायोत्सर्ग के समय हिंसादि के परिणामों का उत्कर्ष होना ।

पापक्रिया निरोध – *Pāpakriyā Nirodha.*
To control sinful activities.
पाप क्रियाओं को रोकना ।

पापजीव – *Pāpajīva.*
Wrong believers, wicked persons.
मिथ्यादृष्टि और सासादन गुणस्थानवर्ती जीव पापजीव कहलाते हैं

पापप्रकृति – *Pāpaprakṛti*
Demeritorious *Karmic* nature (obscuring *karmic* nature of knowledge etc.), which are 82 in number.
ज्ञानावरण की 5, अन्तराय की 5, दर्शनावरण की 9, मोहनीय की 26 आदि कुल 82 प्रकृतियां पापप्रकृतियां कहलाती हैं ।

पापभीरु – *Pāpabhīru.*
One who is having fear from sinful activities.
पापों से डरने वाला ।

पापभीरुता – *Pāpabhīrutā.*
Fearfulness from sins.
पाप से भयभीतपना ।

पापमोचन – *Pāpamocana.*
Liberation from sins.
पापों से मुक्ति ।

पापमोहितमति – *Pāpamohitamati.*
A title for the wrong believer naked saint .
द्रव्यलिंगी नग्न साधु (मिथ्यादृष्टि) की उपाधि ।

पाप श्रमण – *Pāpa Śramaṇa.*
A title for the secluded saint, moving alone.
एकल विहारी साधु की उपाधि ।

पापसंवर – *Pāpasaṁvara.*
To become free from sins, cessation of sins.
व्रतादि के द्वारा पाप से निवृत्ति प्राप्त करना ।

पापहर – *Pāpahara.*
Destroyer of sins.
पापों का नाश करने वाला ।

पापानुबंधी पुण्य – *Pāpānubandhī Puṇya.*
Converting good results into bad by following wicked activities.
पुण्य के उदय से प्राप्त बुद्धि, कौशल, निरोग शरीर आदि क्षमताओं को पापार्जन में लगा देना ।

पापाचरण – *Pāpācaraṇa.*
Sinful conduct.
पापपूर्ण आचरण ।

पापास्रव – *Pāpāsrava.*
Influx of sinful *Karmas.*
देखें - पाप आस्रव ।

पापिष्ठ – *Pāpiṣṭha.*
Most sinful
अत्यधिक पापों में लिप्त ।

पापी – *Pāpī.*
Dementorious soul
पाप करने वाला ।

पापोपदेश – *Pāpopadeśa.*
Sinful advice, to instigate for sinful activities.
अनर्थदंड का एक भेद, आरम्भ हिंसा आदि पापपूर्ण वचनों का उपदेश देना ।

पामर – *Pāmara.*
A vile person
निम्न जाति व निम्नकर्म करने वाले जीव ।

पामिच्छ – *Pāmiccha.*
A fault of hermitage
वसतिका का एक दोष; अल्प ऋण लेकर और उसका सूद देकर अथवा न देकर संयमी के लिए वसतिका लेना ।

पायस – *Pāyasa.*
Rice boiled in milk with sugar (*Kheer*), an Indian sweet-dish.
खीर। भगवान ऋषभदेव के अतिरिक्त शेष 23 तीर्थंकरों को दीक्षा के बाद प्रथम पारणा के रूप में 'खीर' का आहार दिया गया था ।

पायसागर (आचार्य) – *Pāyasāgara (Acārya).*
Name of a *Digambar* Jain *Acharya*, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar Maharaj.
चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रमुख 7 मुनि शिष्यों में से एक प्रभावक आचार्य ।

पारंगत – *Pāraṁgata.*
Well versed, expert.
निपुण, कुशल। द्वादशांग के पारंगत मुनि को श्रुतकेवली कहते हैं।

पारंचिक परिहार प्रायश्चित्त – *Pārañcika Parihāra Prāyaścitta.*
Repentance for the saints, criticiser of religion or other good religious matters.
संघ, शास्त्र, देव आदि की निंदा करने वाले एवं धर्म में झूठे दोष लगाने वाले मुनियों को दिया जाने वाला प्रायश्चित्त ।

पारंपरिक – *Pāraṁparika.*
Traditional.
परम्परा के अनुसार ।

पार – *Para.*
End, limit.
जिनाग - जिनेन्द्र भगवान की भक्ति भव सागर से पार लगाती है।

पारणा – *Pāraṇā.*
To take food after the fast.
उपवास के बाद दूसरे दिन किया जाने वाला भोजन ।

पारमार्थिक – *Pāramārthika.*
Having to do with supreme truth or spiritual reality
सर्वोपरि सत्य अथवा उत्कृष्ट अर्थ की सिद्धि कराने वाला ।

पारमार्थिक ध्यान – *Pāramārthika Dhyāna.*
Meditation for the knowledge of own soul
स्वआत्मा को पहचानने के लिए किया जाने वाला ध्यान ।

पारमार्थिक प्रत्यक्ष – *Pāramārthika Pratyakṣa.*
Direct & supreme perception, transcendental knowledge.
जो ज्ञान बिना किसी की सहायता से पदार्थ को स्पष्ट जानता है। सकल ज्ञान अर्थात् केवलज्ञान एवं विकलज्ञान अर्थात् अवधिज्ञान व मनःपर्यय ज्ञान पारमार्थिक प्रत्यक्ष हैं ।

पारमार्थिक सुख – *Pāramārthika Sukha.*
Supreme enjoyment, spiritual bliss.
परम, सर्वोत्कृष्ट एवं यथार्थ आत्मिक सुख ।

पारलौकिक भय – *Pārlaukika Bhaya*
Fear regarding the next birth (fear of next world).
7 भयों में एक भय; मेरा दुर्गति में जन्म न हो इत्यादि प्रकार से हृदय का आकुलित होना ।

पारा – *Pārā.*
Mercury. A river of *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)
एक धातु, भरत क्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

पारावार – *Pārāvāra.*
Unbounded, infinite
अपार ।

पारिग्राहिकी क्रिया – *Pārigrāhiki Kriyā.*
Activity causing constant attachment to worldly objects.
साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया; यह परिग्रह में प्रवृत्ति कराने वाली होती है ।

पारिजात सिद्धार्थ वृक्ष – *Pārijāta Siddhārtha Vṛkṣa.*
Name of a tree with the idols of Lord Siddha found in the 6th land of *Samavasaran*-holy assembly of Jaina-Lord.
तीर्थंकरों के समवसरण की छठी भूमि के चार सिद्धार्थ वृक्षों-नमेरु, मंदार, संतानक एवं पारिजात में से एक, जिसके मूलभाग में सिद्धों की प्रतिमाएं विराजमान रहती हैं। जिला-बाराबंकी (उ.प्र.) में त्रिलोकपुर के पास बरौलिया नामक ग्राम में पारिजात का एक अत्यन्त प्राचीन वृक्ष है, जिसके बारे में किंवदन्ती है कि पाण्डवों ने इसे यहाँ आरोपित किया था। आज भी इस पर विशेष मौसम (जनवरी से अप्रैल तक) में लाल फूल आते हैं तथा इस प्राचीन वृक्ष को देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुँचते हैं। पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से ई. सन् 1995 में त्रिलोकपुर (जि.-बाराबंकी, उ.प्र.) अतिशय क्षेत्र में नेमिनाथ जिनालय में धातु

से निर्मित पारिजात सिद्धार्थवृक्ष स्थापित किया गया है, जिसमें सिद्ध भगवन्तों की 4 प्रतिमाएँ विराजमान हैं ।

पारिणामिक गति – *Pāriṇāmika Gati.*

Resultant motion of air, fire etc.

स्वभाव गति; वायु, अग्नि, परमाणु, मुक्तजीव, ज्योतिर्देव आदि की गति ।

पारिणामिक परमाणु – *Pāriṇāmika Paramāṇu*

Resultant atoms with the property of absorbing other atoms

संख्यात, असंख्यात स्निग्ध या रूक्ष गुण के अंशों से युक्त अपने रूप में परिणमन कराने वाला परमाणु ।

पारिणामिक भाव – *Pāriṇāmika Bhāva.*

A type of instinct of nature of living beings

जीव के निज 5 भावों में एक भाव । इसके तीन भेद होते हैं- जीवत्व, भव्यत्व और अभव्यत्व ।

पारिणामिक ऋद्धि – *Pāriṇāmika Ṛddhi*

A type of supernatural power

बुद्धिऋद्धि के 18 भेदों में 15वें भेद अष्टांग महानिमित्त के तीन भेदों में तीसरा भेद-जिसके प्रभाव से भिन्न-भिन्न जाति विशेषों में बुद्धि उत्पन्न होती है (धवला पुस्तक 9 से) ।

पारितापिकी क्रिया – *Pāritāpikī Kriyā.*

Activity causing pain to self & others

साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया; जो क्रिया स्वयं व दूसरे को दुःख उत्पन्न करावे ।

पारियात्र – *Pāriyātra.*

Northern part *Vindhya* country, Name of a mountain

विन्ध्य देश का उत्तरीय भाग, एक पर्वत ।

पारिव्राज्य क्रिया – *Pārivrājya Kriyā*

Abandoning of worldly life after completing household duties.

कर्त्रन्वयी 7 क्रियाओं में एक क्रिया, गृहस्थ धर्म का पालन करने के पश्चात् मुनि दीक्षा ग्रहण करना ।

पारिषददेव – *Pāriṣadadeva.*

Friendly deities of a council.

इन्द्र सभा के सदस्य देव, जो सभा में मित्रवत् होते हैं ।

पार्थिवी धारणा – *Pārthivī Dhāraṇā.*

A specified contemplation (of *Pindastha Dhyana*) visualising the scenes of earthen elements.

पिण्डस्थ ध्यान की 5 धारणाओं में प्रथम धारणा; पिण्डस्थ ध्यान करने वाला योगी पहले शांत और सफेद समुद्र का ध्यान करे, फिर उसके मध्य में स्वर्ण कमल का चिंतन करे, तत्पश्चात् उस कमल के मध्य स्थित कर्णिका में श्वेत रंग के सिंहासन का चिंतन कर उस सिंहासन पर सर्व कर्मों का क्षय करने में समर्थ निज आत्मा का चिन्तवन करे ।

पार्वतेय – *Pārvateya.*

A type of *Vidyadhars* of *Matang* caste.

मातंग जाति विद्याधरों का एक भेद; हरे रंग के वस्त्रों से तथा नाना प्रकार की माला व मुकुटों से युक्त ।

पार्श्वकृष्टि – *Pārśvakṛṣṭi.*

A type of *Krishti* (gradual destruction of passions)

पहले समय में की गई कृष्टि के समान ही अनुभाग लिये जो नवीन कृष्टि द्वितीयादि समयों में की जाती है, पूर्व कृष्टि के पार्श्व में ही उनका स्थान होने से वह पार्श्व कृष्टि कहलाती हैं।

पार्श्वदेव – *Pārśvadeva.*

Disciple of Yashdevacharya and who wrote Sangitsamaysar.

संगीतसमयसार के रचयिता एवं यशदेवाचार्य के शिष्य ।

पार्श्वनाथ – *Pārśvanātha.*

Name of the 23[rd] *Tirthankar* (Jaina – Lord) of present era.

वर्तमान चौबीसी के 23वें तीर्थंकर का नाम। वाराणसी के उग्रवंशी राजा अश्वसेन एवं वामादेवी के पुत्र, इनकी ऊंचाई 9 हाथ, आयु 100 वर्ष थी। तीर्थंकर नेमिनाथ के पश्चात् 83750 वर्ष बीत जाने पर इनका जन्म हुआ, इनसे महावीर स्वामी में 250 वर्ष का अंतर है ।

पार्श्वनाथ प्रतिमा – *Pārśvanātha Pratimā.*

Symbolic idol of Lord Parshvanath (with expanded snake - hood).

सर्प के फण से युक्त पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा होती है ।

पार्श्वनाथ काव्य पंजिका – *Pārśvanātha Kāvya Pañjikā.*

A book written by *Acharya* Shubhchandra.

आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक संस्कृत काव्य ग्रन्थ ।

पार्श्वनाथचरित्र – *Pārśvanāthacaritra.*

A book written by *Acharya* Vadiraj - 2.

आचार्य वादिराज द्वितीय (ई. सन् 1025) कृत एक ग्रंथ ।

पार्श्वनाथ पुराण – *Pārśvanātha Purāṇa.*

Name of book written by Kannad poet 'Parshva Pandit'.

कन्नड़ कवि पार्श्व पंडित (1205 ई. सन्) कृत ग्रंथ ।

पार्श्वनाथ विधान – *Pārśvanātha Vidhāna.*

A worshipping book written by Ganini Gyanmati Mataji.

पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित 108 अर्घ्यों से समन्वित एक पूजा ग्रंथ ।

पार्श्वनाथ स्तोत्र – *Pārśvanātha Stotra.*

A philosophical hymn written by the poet Padmaprabh.

कवि पद्मप्रभ (ई. श. 12 का मध्यपाद) द्वारा रचित एक स्तोत्र।

पार्श्वपुराण – *Pārśvapurāṇa.*

Name of books written by different *Acharyas.*

पद्मकीर्ति (ई. 942), वादिराज (ई.1025) आदि कई आचार्यों द्वारा रचित इस नामक ग्रंथ हैं ।

पार्श्वभाग – *Pārśvabhāga.*
Lateral face.
निकटवर्ती या बगल का भाग ।

पार्श्वशय्यासन तप – *Pārśvaśayyāsana Tapa.*
A type of austerity, to sleep in single posture.
कायक्लेश का एक भेद; किसी एक करवट से सोना ।

पार्श्वस्थ (साधु) – *Pārśvastha (Sādhu).*
Saints not observing the duties of a saint life.
इंद्रिय, कषाय और विषयों से पराजित होकर चारित्र को तृण के समान समझने वाले मुनि ।

पार्श्वाभ्युदय – *Pārśvābhyudaya.*
A book written by *Acharya* Jinsen-2.
आचार्य जिनसेन द्वितीय (ई. 818-878) कृत एक काव्य ग्रंथ।

पालंब – *Pālamba.*
Name of a great omniscient in the *Tirtha* of Lord Mahavira.
भगवान वीर के तीर्थ में हुए 10 अंतकृतकेवलियों में एक केवली।

पालकी – *Pālakī.*
Palanquin.
एक प्रकार की विशेष सवारी । जिसे मनुष्य लोग कंधे पर रखकर पैदल चलाते हैं। तीर्थंकर भगवान देवों द्वारा लाई गई पालकी में बैठकर दीक्षावन की ओर गमन करते हैं ।

पालना – *Pālanā.*
A cradle.
नवजात शिशु का झूला; तीर्थंकर-शिशु रत्नों के पालने में झूलते हैं ।

पालिकुंचन – *Pālikuñcana.*
A type of infraction concerning to matter, area, time etc (reg. wrong statement).
भगवती आराधना में वर्णित अतिचार के अनेक भेदों में एक भेद; द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव के आश्रय से हुए अतिचार का अन्यथा कथन करना। जैसे, सचित पदार्थ का सेवन करके अचित का सेवन किया ऐसा कहना इत्यादि ।

पाल्यकीर्ति – *Pālyakīrti.*
Name of an *Acharya* who wrote a book 'Shabdanushesan'.
शब्दानुशासन ग्रंथ के रचयिता एक आचार्य ।

पावागढ़ (तीर्थ) – *Pāvāgarha (Tīrtha).*
Name of a *Digambar* Jain place of pilgrimage in Gujarat, from where sons of Lord Ram 'Lav & Kush' got salvation.
गुजरात में स्थित एक सिद्धक्षेत्र। यहाँ से भगवान रामचन्द्र के दो पुत्रों-अनंगलवण (लव) और मदनांकुश (कुश) ने घोर तप कर मोक्ष प्राप्त किया ।

पावागिरि (तीर्थ) – *Pāvāgiri (Tīrtha).*
Name of a Jain place of pilgrimage near Una (dist. Khargon, M.P.) . It is the salvation-place of Svarnabhadra etc. 4 *Munis* (saints).
मध्यप्रदेश के जिला खरगौन में ऊन नामक स्थान से दो फर्लांग दूर स्थित एक सिद्धक्षेत्र। यहाँ से स्वर्णभद्र आदि चार मुनि निर्वाण को प्राप्त हुए हैं। इसका अपरनाम ऊन है ।

पावापुरी – *Pāvāpurī.*
Name of a holy place of pilgrimage from where Lord Mahavira got liberation
बिहार प्रान्त के नालन्दा जिले में स्थित भगवान महावीर की निर्वाणभूमि जहाँ के जल मंदिर से महावीर स्वामी ने कार्तिक कृ. अमावस को मोक्ष प्राप्त किया था। तब देवताओं ने आकर उनका निर्वाण महोत्सव मनाया था तब समय से ही दीपावली पर्व प्रारंभ हुआ है। पावापुरी स्थित पाडुक शिला परिसर में पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से भगवान महावीर की अवगाहना प्रमाण खड्गासन प्रतिमा दिसम्बर सन् 2005 में विराजमान की गयी है ।

पाश – *Pāśa.*
A net, a network, a mesh.
जाल ।

पाषाण – *Pāṣāṇa*
The 16^{th} earth (part) of the *Khar* division of Ratnaprabha earth of the lower hellish world. A type of listener-dull minded.
अधोलोक में प्रथम रत्नप्रभा पृथ्वी के तीन भागों में से प्रथम खरभाग की सोलहवीं पृथ्वी। श्रोता का एक प्रकार; समझाये जाने पर भी जिनके हृदय में जिनवाणी का प्रवेश नहीं हो पाता।

पासणाहचरिउ – *Pāsaṇāhacariu*
A book written by *Bhattarak* Padmakirti
भट्टारक पद्मकीर्ति (ई. सन् 1077) कृत एक ग्रंथ ।

पासपुराण – *Pāsapurāṇa.*
A book written by poet Tejpal
कवि तेजपाल (ई. सन् 1458) द्वारा रचित एक ग्रन्थ ।

पाहुड – *Pāhuḍa.*
Treatise
जो पदों के द्वारा व्यक्त है वह पाहुड कहलाता है ।

पाहुडदोहा – *Pāhuḍadohā.*
A book written by Mahanandi
ई.श. 15 के अंतिम पाद में महनन्दि द्वारा रचित एक कृति ।

पिंगल – *Piṁgala.*
One of the 9 treasures of *Chakravarti* (emperor). A king of *Yadu* dynasty.
चक्रवर्ती की नव निधियों में दिव्याभरण उत्पन्न करने वाली एक निधि, यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

पिंगल (शास्त्र) – *Piṁgala (Śāstra).*
A treatise (prosody or metrics)
एक छन्द शास्त्र ।

पिंड – *Piṁḍa.*
A body-human body etc . Food
शरीर, भोजन ।

पिंड प्रकृति – *Piṁḍa Prakṛti.*
Group of *Karmic* nature having many subkinds.

बहुत सारी प्रकृतियों का समुदाय। जिन प्रकृतियों के एक से अधिक भेद होते हैं, जैसे गति, जाति आदि ।

पिंडशुद्धि – *Pimdaśuddhi.*

Super purity of food, Human body with pescribed racial purity.

आहार शुद्धि; मुनि 46 दोष, 32 अंतराय, 14 मल दोष रहित भोजन ग्रहण करते हैं। शरीर शुद्धि; जाति व कुल शुद्धि से युक्त मानव शरीर ।

पिंडस्थ ध्यान – *Pimdastha Dhyāna.*

Procedural meditation on soul with different concepts

पार्थिवी आदि अनेक प्रकार की धारणाओं द्वारा अपने शरीर में स्थित आत्मा का एकाग्रचित होकर ध्यान करना ।

पिच्छिका – *Picchikā.*

An auspicious article made with pecock-feathers which are turned down naturally while dancing of a pecock. It is used by *Digambar* Jaina saints.

दिगम्बर साधु-साध्वियों की पहचान का बाह्य चिन्ह, यह मयूर के द्वारा स्वतः छोड़े गये पंखों से बनायी जाती है एवं जीवदया पालन हेतु संयम का उपकरण है। अपरनाम-संयमोपकरण

पिटारे – *Piṭāre.*

A type of heavenly baskets (containing ornaments & jewels for *Tirthankars*) related to the *Manstambha* of *Saudharma* heaven.

सौधर्म स्वर्ग के मानस्तंभों में रत्नों की सांकल में लटके पिटारे कहलाते हैं जिनमें से देवगण तीर्थंकरों के लिए भोजन, वस्त्र, आभूषण आदि लाते हैं ।

पिता – *Pitā.*

Father. Name of a presiding deity of a lunar 'Magha'

जनक, मघा नामक नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम ।

पितृकायिक – *Pitṛkāyika.*

A type of deities.

आकरशोपपत्र देवों के 12 भेदों में एक भेद ।

पित्त – *Pitta.*

Bile (a bitter fluid secreted by the liver).

औदारिक शरीर में यकृत द्वारा स्रवित पित्त नामक धातु ।

पिपासा – *Pipāsā.*

Thirst, Desire, Craving.

प्यास, तृष्णा, लालच ।

पिपासा परीषह – *Pipāsā Parīṣaha.*

Affliction of thirst.

22 परीषहों में एक परीषह; साधुओं का खेद रहित होकर प्यास की बाधा को सहना ।

पिपीलिका – *Pipīlikā.*

The ant (3 sensed beings)

चींटी। इनके तीन इंद्रिय—स्पर्शन, रसना, घ्राण होती हैं ।

पिलखुन फल – *Pilukhanu Phala.*

A non-edible fruit.

एक अभक्ष्य फल ।

पिशाच देव – *Piśāca Deva.*

A type of peripatetic deities

व्यन्तर देवों के दस भेदों में से एक भेद ।

पिष्टपेषण – *Piṣṭapeṣaṇa.*

The act of grinding what has already been ground, useless repetition

किये हुए अर्थ या कार्य को निरर्थक रूप से दुहराया करना ।

पिष्टाक – *Piṣṭāka.*

Name of the 28th *Indrak* or *Patal* (layer) of *Saudharma Ishan Yugal* heaven.

सौधर्म ईशान युगल के 28 वें इन्द्रक या पटल का नाम ।

पिसनहारी मढ़िया – *Pisanahārī Maṛhiyā*

A Jain temple at Jabalpur city (M.P.)

जबलपुर नगर (म.प्र.) का एक जैन मंदिर, जिसे एक महिला ने आटा पीस-पीसकर उपार्जित धन से बनवाया था ।

पिहितास्रव – *Pihitāsrava.*

Name of the father of *Tirthankar* (Jaina – Lord) Padmaprabh – Suparshvanath in past birth, Name of a *Digambar Acharya.*

तीर्थंकर पद्मप्रभ, सुपार्श्वनाथ के पूर्व भव के पिता, एक दिगम्बराचार्य।

पीछी – *Pichi.*

See - *Picchikā.*

देखें - पिच्छिका ।

पीठ – *Pīṭha.*

Back of the body, Throne, a seat, Name of the 10th *Rudra.*

हिन्दी भाषा में शरीर के पृष्ठ भाग व संस्कृत भाषा में आसन, सिंहासन को पीठ कहते हैं। दसवें रुद्र का नाम ।

पीठिका – *Pīṭhikā.*

Preface, introductory part.

भूमिका, प्रस्तावना ।

पीतलेश्या – *Pītaleśyā.*

Yellow aura (related to noble qualities).

इसके दो भेद हैं-द्रव्यलेश्या, भावलेश्या - द्रव्य की अपेक्षा शरीर की स्वर्णिम आभा एवं भाव की अपेक्षा शुभ परिणाम सहित-पक्षपात रहित, हित अहित में विचार रूप व्यवहार, सत्कार्यों में निपुणता व उदारता ।

पीपल – *Pīpala.*

Name of a initiation tree of Lord Anantnath, A type of figs, non-edible according to Jainology.

अनन्तनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम, 5 उदम्बर फलों में एक फल का नाम ।

पुंगव – *Puṁgava.*

The best.

पेड़

पुंगीफल – *Puṅgīphala.*
The betel nut.
सुपारी ।

पुंज – *Puñja.*
Accumulation, Offering of fistful rice before the Jaina Lord.
समूह, भगवान के सामने बंधी मुट्ठी से चावल चढ़ाना पुंज कहलाता है ।

पुंडरीक – *Puṇḍarīka.*
Name of the 6th *'Narayan'* & the 6th *Rudra*, A type of scriptural knowledge, Name of protecting peripatetic deity of *Pushkarvardvip* & *Manushottar* mountain, A city situated in the south of *Vijayardh* mountain.
छठें रूद्र व नारायण का नाम, श्रुतज्ञान का 12 वाँ अंगबाह्य, पुष्करवर द्वीप एवं मानुषोत्तर पर्वत के रक्षक व्यन्तर का नाम, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

पुंडरीकिणी (देवी तथा वापी) – *Puṇḍarikiṇī (Devī & Vāpī).*
Name of a female deity of *Ruchakvardvip* (Island) & mountain, A *Vapi* (large lake with down steps) of *Nandishvardvip* (island).
रुचकवर द्वीप व पर्वत की दिक्कुमारी देवी एवं नंदीश्वर द्वीप की वापी का नाम ।

पुंडरीकिणी नगरी – *Puṇḍarikiṇī Nagarī.*
Name of a main city of *Pushkalavati* of the east *Videh Kshetra* (region).
पूर्व विदेह स्थित पुष्कलावती की मुख्य नगरी । अपरनाम-पुष्कलावती ।

पुंड्र – *Puṁḍra.*
A type of sugarcane, Northern part of Bengal, A country of *Bharat Kshetra* in the east *Aryakhand* (region).
एक प्रकार का गन्ना, वर्तमान बंगाल का उत्तर भाग, भरत क्षेत्र पूर्व आर्यखण्ड का एक देश ।

पुंवेद – *Puṁveda.*
Masculine gender (Male body), Influx of which causes noble conduct is called *Punved*. It is an ideal condition.
पुरुषवेद, जिसके आस्रव से मन्दक्रोध, कुटिलता न होना, अभिमान न होना, निर्लोभ भाव, अल्पराग, स्वदार सन्तोष, ईर्ष्या-रहित भाव (अर्थात् पुरुष संबंधी भाव) आदि होते हैं। यह पुंवेद का उत्कृष्ट लक्षण है ।

पुण्य (तत्त्व) – *Puṇya (Tattva).*
Merits, Pious qualities or elements.
जीव के दया, दानादि रूप शुभ परिणाम जिससे आत्मा विशुद्ध हो पुण्य कहलाते हैं ।

पुण्य आस्रव – *Puṇya Asrava.*
Influx of meritorious & auspicious *Karmic* results.
पुण्यकर्म आने योग्य भाव, मन वचन काय की शुभ क्रिया ।

पुण्यकर्म – *Puṇyakarma.*
Auspicious consequences of *Karmas*.
वह कर्म जिससे इष्ट पदार्थों की प्राप्ति होती है ।

पुण्यजीव – *Puṇyajīva.*
Beings having auspicious & noble results of *Karmas*.
सम्यक्त्व, शुभज्ञान, व्रतरूप परिणाम तथा कषाय निग्रहरूप गुणों से परिणत आत्मा ।

पुण्यतिथि – *Puṇyatithi.*
Death anniversary
मृत्यु दिवस अथवा समाधि दिवस ।

पुण्यप्रकृति – *Puṇyaprakṛti.*
Meritorious *Karmic* nature (are 68 in Jaina philosophy)
कर्मों की 68 प्रकृतियाँ पुण्यरूप हैं, साता वेदनीय, नरकायु के बिना तीन आयु, उच्चगोत्र, मनुष्यद्विक, देवद्विक, पंच शरीर आदि ।

पुण्यप्रभ – *Puṇyaprabha.*
Protecting deity of *Kshaudravaradvip* (island)
क्षौद्रवर द्वीप का रक्षक देव ।

पुण्यफल – *Puṇyaphala.*
The fruit of meritorious actions.
पुण्यकार्यों से प्राप्त होने वाला शुभ फल। अर्हन्त अवस्था को पुण्य का उत्कृष्ट फल जानना चाहिए ।

पुण्यमूर्ति – *Puṇyamūrti.*
Name of the 13th predestined *Teerthankar* (Jaina-Lord).
हरिवंशपुराण के अनुसार 13 वें भाविकालीन तीर्थंकर का नाम। त्रिलोकसार के अनुसार इनका नाम 'निष्पापनाथ' है ।

पुण्ययज्ञ क्रिया – *Puṇyayajña Kriyā.*
A meritorious act .
दीक्षान्वय की 48 क्रियाओं में से एक क्रिया-साधर्मी पुरुषों के साथ पुण्यवृद्धि के कारणभूत 14 पूर्व विद्याओं का सुनना ।

पुण्यहीन – *Puṇyahīna.*
Inauspicious, Unvirtuous.
भाग्यहीन ।

पुण्यानुबंधी पुण्य – *Puṇyānubandhī Puṇya.*
Right use of possessed right virtues & qualities.
पुण्य के उदय से प्राप्त बुद्धि, कौशल आदि क्षमताओं को पुण्यार्जन में लगा देना ।

पुण्यास्रवकथाकोष – *Puṇyāsravakathākoṣa.*
A book written by *Pandit* Ramchandra.
ई.श. 13 के मध्यपाद में पं. रामचंद्र द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

पुण्यास्रव व्रत – *Puṇyāsrava Vrata.*
A type of vows to be observed for particular 108 days for the earning of merits in the life.
समरंभ, समारंभ, आरंभ को मन-वचन-काय से गुणा करने से प्राप्त 9 और फिर इस 9 में कृत, कारित, अनुमोदना से गुणा करने से प्राप्त 27 और 27 में क्रोध, मान, माया और लोभ इन चार कषाय से गुणा करने से 108 भेद होते हैं, इनसे पापों का आस्रव होता है, उस पापास्रव के निवारण हेतु किये जाने वाले पुण्यास्रव के 108 व्रत ।

पुद्गल – *Pudgala.*
Matter or substance with the property of touch, taste, smell & colour etc.
जो पूरण-गलन स्वभाव सहित है तथा जिसमें स्पर्श, रस, गंध और वर्ण ये चारों गुण पाये जाते हैं ।

पुद्गल अनुभाग – *Pudgala Anubhāga.*
Fruitional power of *Karmas (Pudgal)*.
ज्वर आदि रोगों के उत्पन्न करने और विनाश करने का नाम पुद्गलानुभाग है, अर्थात् पुद्गलकर्मों के शुभाशुभ फल देने की शक्ति ।

पुद्गल अस्तिकाय – *Pudgala Astikāya.*
One of the five *Astikayas.*
पाँच अस्तिकायों में एक; इसमें एक प्रदेश वाले अणु को भी प्रदेश प्रचय की शक्तिरूप स्वभाव के कारण अस्तिकाय कहा है ।

पुद्गलक्षेप – *Pudgalakṣepa.*
An infraction of *Deshvrat* - to throw stone etc. intentionally out of the restricted area of one to solve own purpose.
देशव्रत का एक अतिचार; प्रमाण किये हुए स्थान से बाहर कंकड़ आदि फेंककर अपना प्रयोजन सिद्ध करना ।

पुद्गल द्रव्य पर्याय – *Pudgala Dravya Paryāya.*
Different states (forms) of matters.
पुद्गल द्रव्य की सूक्ष्म, स्कंध आदि अवस्थायें ।

पुद्गल द्रव्य विशेष गुण – *Pudgala Dravya Viśeṣa Guṇa.*
Particular properties of the matter (*Pudgal*).
स्पर्श, रस, गंध, वर्ण, मूर्तत्व, अचेतनत्व ये 6 गुण पुद्गल द्रव्य के विशेष गुण हैं ।

पुद्गल परमाणु – *Pudgala Paramāṇu.*
Indivisible particle of the matter (*Pudgal*).
एक प्रदेशी पुद्गल जिसका दूसरा हिस्सा नहीं हो सकता तथापि वह उत्पाद व्यय गुण सहित होता है ।

पुद्गल बंध – *Pudgala Bandha.*
Assemblage of two or more matters.
दो, तीन आदि पुद्गलों का सम्बन्ध संबंध। स्कंध; स्निग्ध-रूक्ष आदि गुणों के कारण पुद्गलों का जो बंध होता है ।

पुद्गल बन्धादिदश – *Pudgala Bandhādidaśa.*
Ten particular states of *Karmic* binding with any matter
कर्म बंध की 10 अवस्थायें

पुद्गलमोक्ष – *Pudgalamokṣa.*
A salvation (separation of *Karmas* from soul).
मोक्ष का एक भेद। द्रव्य मोक्ष; सम्पूर्ण कर्मों का आत्मा से अलग हो जाना ।

पुद्गलयुति – *Pudgalayuti.*
Assemblage of matters.
द्रव्ययुति का एक भेद, एक स्थान पर पुद्गलों का मिलना ।

पुद्गलराशि – *Pudgalarāśi.*
An infinitely infinite quantity.
द्रव्य गणना की अपेक्षा एक सहनानी; 16ख. (सम्पूर्ण जीव राशि का अनंतगुणा) ।

पुद्गल विपाकी कर्म प्रकृति – *Pudgala Vipākī Karma Prakṛti.*
A type of *Karmic* nature, result of which is related to the body of one (these are 62 in number).
जिन कर्म का फल पुद्गल (शरीर) में होता है ऐसी 62 कर्म प्रकृतियाँ पुद्गल विपाकी हैं ।

पुद्गल विभाव – *Pudgala Vibhāva.*
Impure (aggregate) form of a matter.
पुद्गल द्रव्य का अशुद्ध (स्कंध) रूप होना ।

पुद्गलसंघात – *Pudgalasaṃghāta.*
Densely aggregation of matters.
पुद्गलों का सघन रूप में मिलना ।

पुद्गल स्कन्ध – *Pudgala Skandha.*
Aggregate of molecules (a bind form).
जिन परमाणुओं ने परस्पर बंध कर लिया है वे स्कन्ध कहलाते हैं।

पुद्गल स्वभाव – *Pudgala Svabhāva.*
Pure (particle) forms of the matter
पुद्गल द्रव्य का शुद्ध (परमाणु) रूप होना ।

पुद्गलाणु – *Pudgalāṇu.*
Indivisible particles of the matter.
पुद्गल द्रव्य के दो भेदों में एक भेद; अविभागी एक प्रदेशी पुद्गल द्रव्य को अणु कहते हैं ।

पुद्गलानुभाग – *Pudgalānubhāga.*
See - *Pudgala Anubhāga.*
देखें - पुद्गल अनुभाग ।

पुद्गलावर्त – *Pudgalāvarta.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण ।

पुनरलङ्कृत – *Punaralaṅkṛta.*
Re-embellished.
पुनः सुशोभित किया हुआ या सजाया हुआ ।

पुनरुक्त निग्रहस्थान – *Punarukta Nigrahasthāna.*
Repetition of the words having the same meaning (a fault).
एक दोष; एक शब्द से जिस अर्थ की प्रतीति हो रही है उसी शब्द या अर्थ को पुनः कहना ।

पुनरुज्जीवन – *Punarujjīvana.*
Resurrection, resurgence.
पुनर्जीवन ।

पुनरुत्थान – *Punarutthāna.*
Revival, Renaissance; resurrection.
पुनर्जीवन, जीर्णोद्धार करना ।

पुनर्जन्म – *Punarjanma.*
Reincarnation, rebirth.
पुनः या दुबारा जन्म होना ।

पुनर्वसु – *Punarvasu.*
Name of a lunar.
27 नक्षत्रों में एक नक्षत्र, अभिनन्दननाथ भगवान के गर्भ एवं जन्म नक्षत्र का नाम ।

पुनर्विवाह – *Punarvivāha.*
Remarriage.
एक बार विवाह करने के बाद पुनः दूसरा विवाह करना । प्राचीन भारतीय संस्कृति के अनुसार स्त्रियों का पुनर्विवाह वर्जित है ।

पुन्नाट संघ – *Punnaṭa Saṁgha.*
A group of *Acharyas* formed by *Acharya* Arhadvali.
आचार्य अर्हद्वलि द्वारा स्थापित मुनियों के एक संघ का नाम ।

पुमान – *Pumāna.*
A meritorious name for Lord Arihant. A title for living being
जिनेन्द्र भगवान के 1008 नामों में एक नाम, जीव को भी पुमान कहने की विवक्षा है ।

पुरंदर – *Puraṁdara.*
A title for *Indra*, celestial or heavenly deity.
इन्द्र का पर्यायवाची नाम ।

पुराकल्प – *Purākalpa.*
Old time pertaining to traditional theory.
ऐतिह्य समाचरित विधि को पुराकल्प कहते हैं ।

पुराण – *Purāṇa.*
A class of voluminous work in Sanskrit dealing with the lives of 63 ancient great personalities.
63 शलाका पुरुषों के जीवन-चरित्र पर आधारित शास्त्रों को पुराण कहते हैं। जैसे-आदिपुराण, पद्मपुराण आदि ।

पुराणसंग्रह – *Purāṇasaṁgraha.*
Name of books pertaining to the life history of Jaina – Lords.
आचार्य दामनन्दि, श्रीचन्द्र आदि आचार्यों द्वारा 24 तीर्थंकरों के जीवन चरित्र के आधार पर रचित इस नाम के कई ग्रंथ हैं।

पुराणसार – *Purāṇasāra.*
A book written by *Acharya* Shrichandra.
आचार्य श्रीचन्द्र (ई. 1498-1518) द्वारा रचित ग्रंथ ।

पुराणसारसंग्रह – *Purāṇasārasaṁgraha.*
A book written by *Acharya* Shreechanda.
आचार्य श्रीचन्द्र (ई. सन् 1066) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

पुरातत्त्व – *Purātattva.*
Archaeology
पुरातत्व, प्राचीन अवशेष ।

पुरालिपि – *Purālipi.*
Palaeography, ancient writing.
पुरानी लिपि जैसे - ब्राह्मी लिपि आदि ।

पुरालेख – *Purālekha.*
Epigraphy; an archive, the study of inscriptions
शिलालेख विद्या ।

पुरिमताल – *Purimatāla.*
Name of the place where Lord Rishabhnath got omniscience
एक नगर; ऋषभनाथ भगवान के केवलज्ञान प्राप्ति स्थान का नाम। वर्तमान में यह प्रयाग (इलाहाबाद) में माना जाता है ।

पुरु – *Puru.*
The best. A city situated in the north of *Vijyardh* mountain
श्रेष्ठ, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

पुरुदेव – *Purudeva.*
Another name of Lord Adinath, A type of *Kimpurusha* peripatetic deities
आदिनाथ भगवान का अपरनाम, किंपुरुष व्यंतर देव का एक भेद।

पुरुदेवचंपू – *Purudevacampū.*
Name of a book written by Arhaddas.
अर्हद्दास (उत्तरार्ध ई.श. 13) द्वारा रचित ऋषभचरित्र विषयक एक ग्रंथ ।

पुरुरवा – *Pururavā.*
Name of a tribal person who was the soul of Lord Mahavira in the past 34th birth
एक भील जो कि महावीर भगवान का पूर्ववर्ती-34वाँ पूर्वभव है, जब इसने एक दिगम्बर मुनिराज से मद्य, माँस, मधु त्याग का नियम ग्रहण किया था ।

पुरुष – *Puruṣa.*
Male, Masculine gender.
जो उत्कृष्ट गुणों में और उत्कृष्ट भोगों में प्रवृत्ति करता है एवं अच्छे भोगों में प्रवृत्त रहता है। नामकर्म के उदय से पुरुष शरीर की संरचना और पुरुषवेद कर्म के उदय से तज्जन्य भाव वाला जीव पुरुष कहलाता है ।

पुरुषत्व – *Puruṣatva.*
Man hood, Manliness, Virility.
पुरुषता-पुरुषपन के समस्त गुणों से युक्त ।

पुरुषदत्ता – *Puruṣadattā.*
Ruling female demigod of Lord Sumatinath
भगवान सुमतिनाथ की शासन देवी (यक्षिणी) ।

पुरुषपुंडरीक – *Puruṣapuṁḍarīka.*
Name of the main listener in the *Samavsharan* of Lord Anantnath, Name of the 6th *Narayan*.
भगवान अनन्तनाथ के समवसरण में मुख्य श्रोता का नाम, छठे

नारायण का नाम ।

पुरुषप्रभ – *Puruṣaprabha*

A type of *Kimpurusha* peripatetic deities

किंपुरुष व्यंतर देवों का एक भेद ।

पुरुषवेदकर्मप्रकृति – *Puruṣavedakarmaprakṛti.*

Name of the *Karmic* nature of male causing lust for female

जिस वेदकर्म के उदय से स्त्री से रमण करने की चाह हो ।

पुरुषवेद सिद्ध – *Puruṣaveda Siddha.*

Beings who get salvation through the form of *Purushved.*

पुरुषवेद (द्रव्य एवं भाव) से सिद्ध [illegible] जीव ।

पुरुषाकार – *Puruṣākāra.*

A particular standing posture of male (shape of *Teen Lok*).

तीन लोक का आकार पुरुषाकार कहलाता है (दोनों पैर फैलाकर दोनों हाथों को कमर पर रखकर खड़े पुरुष का आकार) ।

पुरुषाद्वैत – *Puruṣadvaita.*

Monotheist

एक ही महात्मा है वह सर्व व्यापक है वह सब ब्रम्ह का स्वरूप है ऐसा मानने वाले ।

पुरुषार्थ – *Puruṣartha.*

Fundamental duties of life

जीवन के कर्तव्य या परिश्रम, ये चार होते हैं - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष ।

पुरुषार्थवाद – *Puruṣārthavāda.*

Doctrine believing in effortful tendency with fundamental duties of life.

पुरुषार्थ से कार्य की सिद्धि में विश्वास रखने वाला सिद्धांत ।

पुरुषार्थसिद्ध्युपाय – *Puruṣārthasiddhayupāya.*

A book written by *Acharya* Amritchandra.

आचार्य अमृतचन्द्र (ई. 905-955) द्वारा रचित एक श्रावकाचार एवं अहिंसा की विशेष व्याख्या करने वाला संस्कृत ग्रंथ, यह श्रावक एवं साधुओं द्वारा अवश्य पठनीय है ।

पुरुषोत्तम – *Puruṣottama.*

Supreme being, A type of *Kimurush* peripatetic deity, Name of the chief listener of Lord Vimalnath & the 4th *Narayan.*

अतिउत्तम पुरुष, किंपुरुष व्यंतर देव का एक भेद, चौथे नारायण एवं तीर्थंकर विमलनाथ के मुख्य श्रोता का नाम ।

पुरोहित – *Purohita.*

Family priest, One of the 14 jewels of *Chakravarti* (emperor).

पूजा-पाठ कराने वाला, चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक रत्न।

पुलाक – *Pulāka.*

Saints not following the prescribed procedure completely.

निर्ग्रन्थ साधु का एक भेद; जिनके मूलगुणों में कदाचित् दोष लग जाते हैं एवं उत्तरगुणों की भावना से रहित होते हैं तथापि वे भावलिंगी मुनि होते हैं

पुष्कर – *Puṣkara*

Name of a *Viman* (heavenly abode) of *Achyut* heaven.

अच्युत स्वर्ग का एक विमान ।

पुष्करद्वीप – *Puṣkaradvīpa.*

Name of the 3rd island of middle universe

मध्यलोक का तृतीय द्वीप-जो कि कालोदधि समुद्र को घेरकर 16,00000 योजन के विस्तार से युक्त है। अपरनाम-पुष्करवरद्वीप। इसके मध्य में चूड़ी के आकार का मानुषोत्तर पर्वत होने से यह दो [illegible] ।

पुष्करद्वीप सिद्ध – *Puṣkaradvīpa Siddha.*

Beings getting salvation from *Pushkarardhadvip* (island).

पुष्करार्ध द्वीप से सिद्ध होने वाले जीव (संहरण) ।

पुष्करवृक्ष – *Puṣkaravṛkṣa.*

Earth bodied tree existing in *Pushkarardhdvip* (island)

पुष्करार्धद्वीप में स्थित पृथ्वीकायिक वृक्ष, जिसके नाम से 'पुष्कर द्वीप' का नाम सार्थक है। इसके परिवार वृक्ष 5,60,476 हैं।

पुष्करवर सागर – *Puṣkaravara Sāgara.*

An ocean surrounding *Pushkarvardvip* (island)

पुष्करवरद्वीप को घेरे हुए एक समुद्र ।

पुष्करावती – *Puṣkarāvatī.*

Name of a palace of Bharat Chakravarti.

भरत चक्रवर्ती का एक महल ।

पुष्करिणी – *Puṣkariṇī.*

Lotus pool.

सरोवर, कमलसरोवर ।

पुष्कल – *Puṣkala.*

An area of the eastern *Videh* (region), Name of a summit & its protecting deity of *Ekshail Vakshar* situated in the eastern *Videh* (region).

पूर्व विदेह का एक क्षेत्र, पूर्व विदेह स्थित एकशैल वक्षार का एक कूट एवं उसका रक्षक देव ।

पुष्कलावती – *Puṣkalāvatī.*

Main city of *Pushkalavarta* area of the east *Videh* (region).

पूर्व विदेह के पुष्कलावर्त क्षेत्र की मुख्य नगरी। अपरनाम पुण्डरीकिणी ।

पुष्प – *Puṣpa.*

Flowers, an article for worshipping Lord Arihant.

फूल—चंपा, चमेली, गुलाब आदि। भगवान की पूजन में प्रयुक्त अष्ट द्रव्यों में एक द्रव्य ।

पुष्पक – *Puṣpaka.*

Name of the 3rd *Indrak* & *Patal* (layer) of *Anata Pranat* heaven, Name of the forest where

Tirthankar (Jaina-Lord) Pushpadantnath got initiation as well as omniscience.
आनत प्राणत स्वर्ग का तृतीय पटल व इन्द्रक, तीर्थंकर पुष्पदंतनाथ के दीक्षा एवं केवलज्ञान वन का नाम ।

पुष्पक विमान – *Puṣpaka Vimāna.*
A type of space vehicle of deities.
विशेष देवों के एक विमान का नाम, आकाशगामी विमान, रावण ने सीता का हरण इसी विमान में किया था ।

पुष्पगंधी – *Puṣpagandhī.*
Name of the chief female divinity of peripatetic *Indra* Atikay.
महोरग जाति के व्यंतरों के इन्द्र अतिकाय की वल्लभिका देवी।

पुष्पगिरी – *Puṣpagiri.*
A mountain situated in *Bharat Kshetra* in *Arya Khand* (region)
एक पर्वत, भरत क्षेत्र आर्यखण्ड में स्थित एक पर्वत ।

पुष्पचारण ऋद्धि – *Puṣpacāraṇa Ṛddhi.*
A type of supernatural power, moving over the flower-life without harming them
एक ऋद्धि; इस ऋद्धि से पुष्पों और उनमें रहने वाले जीवों को क्षति पहुंचाये बिना पुष्पों पर गमन कर सकते हैं ।

पुष्पचूड़ – *Puṣpacūḍa.*
A city in northern *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

पुष्पदंत (आचार्य) – *Puṣpadanta (Ācārya).*
Name of an *Acharya* of *Moolsangh*, who wrote Shatkhandagam (a great Jaina treatise).
मूलसंघ के एक आचार्य; धरसेनाचार्य के पादमूल में ज्ञान प्राप्त करके षट्खंडागम की रचना की, ये अंगांशधारी थे। इस नाम से और भी आचार्य हुए ।

पुष्पदंत (कवि) – *Puṣpadanta (Kavi).*
A poet who wrote Yashodhar Charitra & Nagkumar Chantra etc. books.
एक कवि जिन्होंने यशोधर चरित्र व नागकुमार चरित्र आदि ग्रंथों की रचना की ।

पुष्पदंतनाथ – *Puṣpadantanātha.*
Name of the 9th *Tirthankar* (Jaina-Lord).
वर्तमान नवमें तीर्थंकर का नाम । आप महाराजा सुग्रीव एवं महारानी जयरामा के पुत्र थे। आपका जन्म मगसिर शु. 1 एवं मोक्ष भाद्रपद शु. 8 को हुआ। आपका वर्ण-क्षत्रिय, वंश-इक्ष्वाकु, देहवर्ण-कुन्दपुष्पसम श्वेत, चिन्ह-मगर, एवं आयु-दो लाख पूर्व वर्ष थी। आपकी जन्मभूमि-काकन्दी (उ.प्र.) है ।

पुष्पदंत पुराण – *Puṣpadanta Purāṇa.*
A book written by *Acharya* Gunvarma.
आचार्य गुणवर्म (ई. 1230) कृत एक ग्रंथ ।

पुष्पदंतसागर – *Puṣpadantasāgara.*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Vimalsagar Maharaj.
आचार्यश्री विमलसागर महाराज के एक प्रसिद्ध आचार्य-शिष्य (ई.श. 20-21)। जिनकी प्रेरणा से गोलकच्छ (म.प्र.) के नजदीक पुष्पगिरि तीर्थ का निर्माण हुआ है ।

पुष्पदंता – *Puṣpadantā.*
Name of the main *Arvika (Ganini)*
मुनिसुव्रतनाथ भगवान के समवशरण में मुख्य आर्यिका अर्थात् गणिनी का नाम ।

पुष्पदंत – *Puṣpadanta.*
Name of the 7th *Narayan*.
7 वें नारायण का नाम ।

पुष्पनंदि – *Puṣpanandi.*
A disciple of Toranacharya & the preceptor of Prabhachandra.
आप तोरणाचार्य के शिष्य और प्रभाचन्द्र के गुरु (ई. 703) थे।

पुष्पप्रकीर्णक विमान – *Puṣpaprakīrṇaka Vimāna.*
A type of heavenly abodes (scattered)
विमान का एक भेद; श्रेणीबद्ध विमानों के अन्तराल में बिखरे हुए पुष्पों की भांति पंक्ति रहित इधर उधर बिखरे हुए देव विमान ।

पुष्पमाल – *Puṣpamāla*
See - *Puṣpacūḍa.*
देखें - पुष्पचूड़ ।

पुष्पमाला – *Puṣpamālā.*
Name of a ruling female deity of a summit (Sagar) in *Nandan* forest, Wreath, garland.
नन्दन वन में स्थित सागर कूट की स्वामिनी दिक्कुमारी देवी, फूलों का हार ।

पुष्पवती – *Puṣpavatī.*
Name of a chief female divinity of an *Indra* of *Kinnar* type.
किन्नर जाति के व्यंतरों के इन्द्र 'महापुरुष' की वल्लभिकादेवी ।

पुष्पवती स्त्री – *Puṣpavatī Strī*
Mensturous woman.
मासिक धर्म वाली स्त्री अर्थात् रजस्वला स्त्री। तीन दिन के अशौच काल में महिलाओं को किसी का भी स्पर्श करना वर्जित है, चतुर्थ दिवस स्नान के बाद घर के काम आदि के लिए शुद्ध होती है लेकिन पूर्ण शुद्धि के पश्चात् ही पूजन-अभिषेकादि का अधिकार होता है ।

पुष्पवृष्टि – *Puṣpavṛṣṭi*
Showering of flowers
फूलों की बरसात होना; 8 प्रातिहार्यों में एक प्रातिहार्य एवं पांच आश्चर्यों (पंचाश्चर्य वृष्टि) में एक आश्चर्य ।

पुष्पसेन – *Puṣpasena.*
Name of a *Digambar Acharya*, the preceptor of Vadeebh Singh, Name of a poet.
एक दिगम्बर आचार्य (ई. 720-780) एवं क्षत्रचूडामणि के कर्ता वादीभ सिंह के गुरु, कवि; द्विसंधान, सप्तसंधान काव्य टीका के कर्ता ।

पुष्पहार – *Puṣpahāra.*
Wreath, Garland
फूलों का हार

पुष्पांजली – *Puṣpāñjali*
Offering of flowers.
पूजन इत्यादि में पुष्प क्षेपण करना, अष्टद्रव्य पूजन में अष्टद्रव्य के पश्चात् अर्घ्य, शांतिधारा पर पुष्पांजलि की जाती है। अतः यह 16 प्रकार की पूजा में एक भेद है।

पुष्पांजली व्रत – *Puṣpāñjali Vrata.*
A vow (fasting) to be observed in the particular period of time.
भादों सुदी पंचमी से नवमी तक किया जाने वाला व्रत। इसे 'पंचमेरु व्रत' भी कहते हैं।

पुष्य – *Puṣya.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र का नाम।

पूजन – *Pūjana*
Worshipping of Lord Arihant with particular 8 types of auspicious articles.
अष्ट द्रव्य से देव - शास्त्र-गुरु की भक्ति 'पूजा' करना। श्रावक के 6 आवश्यक कर्तव्यों में एक आवश्यक; इसके नित्यमह, आष्टाह्निक, इन्द्रध्वज, सर्वतोभद्र, कल्पद्रुम ये 5 भेद हैं।

पूजनकार – *Pūjanakāra.*
Hymnist, a worshipper
पूजा करने वाला।

पूजा – *Puja.*
See - *Pujana*
देखें - पूजन।

पूजाकल्प – *Pūjākalpa.*
Name of a book written by *Acharya* Abhayanandi.
आचार्य अभयनन्दि (ई. 930-950) द्वारा रचित एक कृति।

पूजातिशय – *Pūjātiśaya.*
Excellence of worshipping.
पूजा का अतिशय या चमत्कार।

पूजा मद – *Pūjā Mada.*
A type of proud related to respect, prominence etc. (arrogant feeling).
8 मदों में एक मद; सम्मान, प्रतिष्ठा आदि का अहंकार।

पूजाराध्य क्रिया – *Pūjārādhya Kriyā.*
A type of auspicious & sacred act of householders.
गर्भान्वय की 5 वीं क्रिया; जैन धर्म के श्रावक संस्कारों को प्राप्त कराने वाली क्रिया।

पूजार्ह – *Pūjārha.*
Adorable, worshippable.
पूजा के योग्य।

पूज्यपाद – *Pūjyapāda.*
A great Jain *Acharya* 'Devanandi', a grammarian
व्याकरण के पारगामी 'देवनन्दि' अपरनाम से प्रसिद्ध आचार्य, जैनेन्द्र व्याकरण, सर्वार्थसिद्धि, पंचास्तिकाय, अभिषेक, समाधि शतक आदि ग्रंथों के कर्ता।

पूरक – *Pūraka.*
A type of meditation (reg. retention of breath)
प्राणायाम का एक प्रकार; पवन को नासिकारंध्र से खींचकर प्राण को धारण कर शरीर में पूर्णतया थामना।

पूरणगलन – *Pūraṇagalana.*
Characteristic of any matter (creativity & destructibility).
पुद्गल का लक्षण; बनना, नष्ट होना।

पूर्ण – *Pūrṇa.*
Completed, Name of protecting peripatetic deities of *Kshaudravar* ocean and *Ikshuvaradvip* (island), And an *Indra.*
पूरा, क्षौद्रवर समुद्र एवं इक्षुवर द्वीप के रक्षक देव एवं भवनवासी देवों के इन्द्र का नाम।

पूर्ण कलश (मंगल) – *Pūrṇa Kalaśa (Maṁgala).*
Auspicious pitcher filled with water etc.
एक लौकिक मंगल; अर्हंत भगवान् सम्पूर्ण मनोरथों से तथा केवलज्ञान से पूर्ण हैं, इसलिए लोक में पूर्ण कलश को मंगल माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य में मंगल के प्रतीक में मंगल कलश की स्थापना करते हैं।

पूर्ण प्रभ – *Pūrṇa Prabha.*
Name of protecting deities of the north *Kshaudravara* ocean and *Ikshuvardvip* (island).
इक्षुवर द्वीप एवं क्षौद्रवर समुद्र के रक्षक व्यंतर देव का नाम।

पूर्णभद्र (कूट) – *Pūrṇabhadra (Kūṭa).*
Name of summits situated at *Vijayardh* & *Malyavan Gajdant* mountains.
ऐरावत क्षेत्र के विजयार्ध पर्वत एवं माल्यवान गजदंत पर्वत का एक कूट।

पूर्णभद्र (देव) – *Pūrṇabhadra (Deva).*
A type of peripatetic deity of '*Yaksha Jati* (caste)', Name of ruling deity and protecting deity of *Purnabhadra* summit of *Vijayardha* and *Malyavan Gajdant* mountains respectively.
यक्ष जाति के व्यन्तर देवों (5 क्षेत्रपालों में एक) का एक भेद। विजयार्ध एवं माल्यवान गजदंत पर्वत स्थित क्रमशः पूर्णभद्र कूट के स्वामी देव एवं पूर्णभद्र कूट के रक्षक देव का नाम।

पूर्णांक – *Pūrṇāṅka.*
Integer, a whole or undivided number.
पूर्ण संख्या, पूर्ण स्वरूप वाले अंक।

पूर्णाहुति – *Pūrṇāhuti.*
Complete oblation, the burnt offering which concludes auspicious ceremony.

हवन यज्ञ। धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-विधानों के पश्चात् हवन कुण्ड बनाकर धूप आदि सामग्री के द्वारा अग्नि में हवन करना।

पूर्णिमा – *Pūrṇimā.*
The night or day of full moon
वह दिन जब चन्द्रमा पूर्ण हो जाता है। प्रत्येक भारतीय माह के शुक्लपक्ष की अंतिम तिथि।

पूर्व – *Pūrva.*
A particular time unit, 14 particular parts of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
(1) काल का एक प्रमाण विशेष; 84 लाख पूर्वांग प्रमाण काल, (2) श्रुतज्ञान का एक भेद जिसमें उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य आदि की प्ररूपणा की जाती है उसे पूर्व कहते हैं, इसके 14 भेद हैं।

पूर्वगत – *Pūrvagata*
A part (the 5th) of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान के 12 वें दृष्टिवाद अंग का 5वाँ भेद।

पूर्व जिनचैत्य क्रिया – *Pūrva Jinacaitya Kriyā*
A type of religious activity pertaining to reviewing of the same idol of Lord in particular period of 6 months.
विहार करते करते छः महीने से पहले उसी प्रतिमा के पुनः दर्शन हों तो उसे पूर्व जिनचैत्य कहते हैं एवं पूर्व जिनचैत्य का दर्शन करते समय पाक्षिकी क्रिया करना पूर्व जिनचैत्य क्रिया कहलाती है।

पूर्व तालका – *Pūrva Tālaka.*
Place of getting omniscience by Lord Rishabhdev. See - *Purimatāla.*
ऋषभदेव भगवान के केवलज्ञान का नाम। देखें-पुरिमताल।

पूर्वदिशा – *Pūrvadiśā.*
East-direction (for conducting religious observances etc. all auspicious deeds).
एक शुभ दिशा, सूर्योदय वाली दिशा, पूर्व दिशा में मुख करके कृतिकर्म सामायिक आदि करना चाहिए।

पूर्वधर – *Pūrvadhara.*
Saints possessing knowledge of *Purvas* (parts of scriptural knowledge - *Shrutgyan*).
14 पूर्व के ज्ञाता मुनि। वृषभदेव के समवसरण में 4750 पूर्वधर मुनि थे।

पूर्व पक्ष – *Pūrva Pakṣa.*
Prima facie view
वाद-विवाद के दौरान वादी के द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रथम पक्ष।

पूर्व पर्याय त्याग – *Pūrva Paryāya Tyāga.*
Transforming into new form by leaving past form.
व्यय; पूर्व अवस्था का त्याग।

पूर्व प्रज्ञापन नय – *Pūrva Prajñāpana Naya.*
A type of standpoint narrating in relation to past *Paryay.*
पूर्व भाव या पर्याय की अपेक्षा कथन करना।

पूर्वभाव प्रज्ञापन नय – *Pūrvabhāva Prajñāpana Naya.*
See - *Pūrva Prajñāpana Naya*
देखें - पूर्व प्रज्ञापन नय।

पूर्वमुख – *Pūrvamukha.*
Posture with east directional face.
पूर्व दिशा की तरफ मुख करके ध्यान आदि क्रिया करना।

पूर्वरतानुस्मरणत्याग – *Pūrvaratānusmaraṇatyāga.*
Giving up of rememberings of the former sensual pleasures.
पूर्व में भोगे हुए इन्द्रिय सुखों के स्मरण का त्याग करना।

पूर्ववत् अनुमान – *Pūrvavat Anumāna*
Predetermination of any result according to the previous experience, the senseful inference.
स्वार्थानुमान के तीन भेदों में से एक भेद; जिसने अग्नि से निकलते धूम को पहले देखा है, उस व्यक्ति के द्वारा पुनः धूम को देखकर यहाँ अग्नि है ऐसा अनुमान कर लेना पूर्ववत् अनुमान है।

पूर्ववर्ती – *Pūrvavarti.*
Foregoing, preceding, predecessor.
पहले पाया जाने वाला।

पूर्वविद् – *Pūrvavid.*
One omniscient, having scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतकेवली।

पूर्वविदेह – *Pūrvavideha.*
The region in the east of *Sumeru* mountain (the eastern part of *Videh Kshetra* region)
सुमेरु पर्वत की पूर्व दिशा में स्थित कच्छादि 16 क्षेत्रों को पूर्व विदेह कहते हैं।

पूर्व समास – *Pūrva Samāsa*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान का अंतिम 20 वां भेद।

पूर्व स्थिति – *Pūrva Sthiti.*
First state of *Karmas.*
कर्मों की पहली स्थिति; अंतःकरण के द्वारा निषेकों की पंक्ति दो भागों में विभाजित हो जाती है पूर्व स्थिति और उपरितन स्थिति।

पूर्व स्पर्धक – *Pūrva Spardhaka.*
Group of variform with variated fruitional intensity of *Karmic* nature in worldly state
संसार अवस्था में देशघाति व सर्वघाति प्रकृतियों का जघन्य से उत्कृष्ट पर्यन्त जो अनुभाग रहता है, उसमें युक्त स्पर्धक पूर्वस्पर्धक कहलाते हैं।

पूर्वांग – *Pūrvāṅga*
A particular long time period
काल का एक प्रमाण विशेष। 84 लाख वर्ष प्रमाण काल।

पूर्वातिपूर्व – *Pūrvātipūrva.*
Synonym of *Shrutgyan* (scriptural knowledge)

श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम ।

पूर्वानुपूर्वी – *Pūrvānupūrvī.*
Exposition of something with fundamental (root) method.
आनुपूर्वी का एक भेद, जो वस्तु का विवेचन मूल परिपाटी द्वारा किया जाता है उसे पूर्वानुपूर्वी कहते हैं ।

पूर्वापर – *Pūrvāpara*
Antecedent and consequent
पहले और बाद का ।

पूर्वापर अविरोध – *Pūrvāpara Avirodha.*
State devoid of mutual contradiction
परस्पर विरोध से रहित होना ।

पूर्वापर विरोध – *Pūrvāpara Virodha.*
State of mutual contradiction.
पूर्व और उत्तर समय अर्थात् परस्पर में विरोध होना ।

पूर्वापर संबंध – *Pūrvāpara Sambandha.*
Mutual relationship.
संबंध का एक भेद; परस्पर में संबंध या तालमेल होना ।

पूर्वाफाल्गुनी – *Pūrvāphalgunī.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र का नाम ।

पूर्वाभाद्रपद – *Pūrvābhādrapada.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र का नाम ।

पूर्वाभिमुख – *Pūrvābhimukha.*
See – *Pūrvamukha.*
देखें - पूर्वमुख ।

पूर्वाषाढ़ – *Pūrvāṣaḍha.*
Name of a lunar
एक नक्षत्र का नाम ।

पूषा – *Pūṣā*
Name of a governing deity of a lunar 'Revati'.
एक नक्षत्र 'रेवती' के अधिपति देवता का नाम ।

पृच्छना – *Pṛcchanā.*
Questioning.
स्वाध्याय के 5 भेदों में एक भेद; किसी विषय में संशय होने पर उसे दूर करने हेतु प्रश्न पूछना ।

पृच्छा – *Pṛcchā.*
Questioning, Asking, One of the 40 rights for the planning of uncertain holy death by a healthy saint.
पृच्छा, सविचार भक्तप्रत्याख्यान विधि के 40 अधिकारों में 21 वाँ अधिकार; संघ से अनुग्रह की अनुज्ञा प्राप्त करना ।

पृच्छा विधि – *Pṛcchā Vidhi.*
Method of asking or questioning, Synonym word for *Shrutgyan* (scriptural knowledge).
पूछा गया अर्थ पृच्छा है, और वह जिसमें विहित की जाती है अर्थात् कही जाती है वह पृच्छाविधि कहलाती है, श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम ।

पृतना – *Pṛtanā.*
A part of army including number of chariots, elephants etc
अक्षौहिणी सेना का एक अंग। इसमें 243 रथ, 243 हाथी, 1215 प्यादे और 1215 घुड़सवार होते हैं ।

पृथक्त्व – *Pṛthaktva.*
Number between 3 to 9 (days, years etc.). Differentiation, separateness.
तीन से ऊपर और नौ से नीचे की संख्या जैसे—दिवस पृथक्त्व या वर्ष पृथक्त्व कहने पर क्रमशः 4 से 8 दिन या वर्ष जानना चाहिए ।

पृथक्त्व विक्रिया – *Pṛthaktva Vikriyā.*
Miraculous activity of making different forms of body at different places at a time while original body remaining at original place.
अपने मूल शरीर से भिन्न भिन्न अनेक शरीर बनाकर उनमें अपने आत्मा के प्रदेशों को फैलाना। जैसे-सौधर्म इन्द्र अपने मूल शरीर को सौधर्म स्वर्ग में छोड़कर विक्रिया के शरीर से भगवान के पंचकल्याणक मनाने भरतक्षेत्र इत्यादि में जाते हैं।

पृथक्त्व वितर्क – *Pṛthaktva Vitarka.*
First *Shukla Dhyan* (Absolute Meditation).
पहला शुक्लध्यान—यह आठवें से बारहवें गुणस्थान के कुछ भाग तक होता है ।

पृथक्त्व व्यवहार – *Pṛthaktva Vyavahāra.*
Nature of unity in diversity.
व्यवहार का एक भेद। जहाँ पर भिन्न द्रव्यों में एकता का संबंध दिखाया जाता है उसे पृथक्त्व व्यवहार कहते हैं ।

पृथिवी – *Pṛthivī.*
Earth.
धरती, पृथ्वी के चार भेद हैं-पृथ्वी, पृथ्वीकाय, पृथ्वीकायिक, पृथ्वीजीव ।

पृथिवी – *Pṛthivī*
Sand, pebbles & stone, dust etc. inanimates are called as *Prithivi*.
मार्ग में पड़ी धूलि, रज, पत्थर, कंकड़ आदि पृथिवी कहलाते हैं, जो अचेतन होते हैं ।

पृथिवी (नरक) – *Pṛthivī (Naraka).*
Earths of 7 Hells.
सात नरकों की सात पृथिवियाँ ।

पृथिवीकाय – *Pṛthivīkāya.*
Earth body (earthen), it is an inanimate form.
पृथिवीकायिक जीव के द्वारा छोड़े गये शरीर को पृथिवीकाय कहते हैं। जैसे-ईंट आदि। जो अचेतन होते हैं ।

पृथिवीकायिक जीव – *Pṛthivīkāyika Jīva.*
Earth bodied creature; soul which lives in an earth body.
जिस जीव के पृथिवी रूप काय विद्यमान है उसे पृथिवीकायिक जीव कहते हैं। जैसे-पत्थर आदि की खान ।

पृथिवीकायिक वृक्ष – *Pṛthvikāyika Vṛkṣa.*
A type of earth bodied trees related to existing imaginary life.
जम्बू, शाल्मली आदि अकृत्रिम वृक्ष एवं पीपल, सप्तपर्ण, अर्जुन आदि समस्त चैत्यवृक्ष पृथिवीकायिक वृक्ष कहलाते हैं।

पृथिवी जीव – *Pṛthivī Jiva.*
One transmigrating into the form of earth bodied being
जो जीव पृथिवीकायिक में उत्पन्न होने के लिए विग्रहगति में आ रहा है, उसे पृथिवी जीव कहते हैं।

पृथिवीपाल – *Pṛthivīpāla*
Name of the writer of 'Shrut Panchami Rasa', Name of a *Pandit*
पानीपत के जैन श्रीमान, वि. 1692 में श्रुत पंचमी रास की रचना की, एक पंडित; व्रत कथाकोष छंद के कर्ता।

पृथिवीषेणा – *Pṛthvīṣenā.*
The mother's name of Jaina Lord Suparshvanath.
सुपार्श्वनाथ भगवान की माता का नाम।

पृथु – *Pṛthu.*
The 15th son of Krishna's brother (Baldev), Name of kings of *Kuru* & *Yadu* dynasties, Broad, spacious.
कृष्ण के भाई बलदेव का 15वाँ पुत्र। कुरुवंशी एवं यदु (यादव) वंशी राजाओं का नाम, चौड़ा, विस्तृत।

पृष्ठ – *Pṛṣṭha.*
The back, the rear, the hind part of anything, Page
पिछला हिस्सा, कॉपी या किताब का पन्ना।

पृष्ठक – *Pṛṣṭhaka.*
Name of the 28th *Patal* (layer) & *Indrak* of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग के 28 वें पटल व इन्द्रक का नाम।

पेय – *Peya.*
Drinkable substances liquids.
पीने योग्य दूध, पानी आदि पतले द्रव्य।

पेशी – *Peśī.*
Muscles.
औदारिक शरीर में पाई जाने वाली माँसपेशियाँ।

पैशून्य – *Paiśūnya.*
Back-biting.
पीठ पीछे निंदा करना।

पोत – *Pota.*
A type of foetus birth
गर्भ जन्म का एक भेद; जो गर्भ से बाहर निकलते ही चलने फिरने में समर्थ होता है उसे पोत कहते हैं, जैसे-हिरण, शेर, चीता आदि।

पोत्तकर्म – *Potta Karma.*
Idols or images made up of cloths.
पोत का अर्थ वस्त्र, उससे निर्मित की गयी प्रतिमाओं का नाम पोत्तकर्म है।

पोतज – *Potaja.*
See - *Pota*
देखें - पोत।

पोदनपुर – *Podanapura.*
Name of a city, capital of the kingdom of Lord Bahubali, Name of a *Digambar* Jaina place of pilgrimage situated in Borivali, Mumbai It is constructed on the inspiration of Shri Nemisagar Ji Maharaj & idols of Lord Adinath-Bharat & Bahubali are consecrated here
प्राचीन इतिहास के अनुसार, भगवान ऋषभदेव के पुत्र बाहुबली की राजधानी, महाराष्ट्र के मुंबई शहर के बोरीवली नामक क्षेत्र में अवस्थित आदिनाथ भरत बाहुबली दिगम्बर जैन मंदिर। इस तीर्थक्षेत्र का निर्माण 20वीं शताब्दी में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के शिष्य श्री नेमिसागर जी महाराज की प्रेरणा से हुआ है।

पोन्न – *Ponna.*
A Kannad poet who wrote 'Shanti Purana Jinakshara Male'.
शांति पुराण जिनाक्षर माले के रचयिता एक कन्नड़ कवि (ई. 972)।

पौर – *Paura.*
Former name of a city 'Paurbandar' in Saurashtra
सौराष्ट्र (गुजरात) प्रांत में वर्तमान पोरबन्दर ग्राम।

पौराणिक – *Paurāṇika.*
Mythological, Mythical, Fabulous (pertaining to events etc.).
इतिहास प्रसिद्ध या पुराणों से संबद्ध घटनाएं आदि।

पौराणिक राजवंश – *Paurāṇika Rajavamśa.*
Ancient dynasties like *Ikshvaku*, *Ugra*, *Kuru* etc.
इक्ष्वाकु वंश, उग्रवंश, सूर्यवंश, कुरुवंश, नाथवंश इत्यादि समस्त पौराणिक वंश कहलाते हैं।

पौरुषवाद – *Pauruṣavāda.*
A doctrine believing in the principle of 'work is worship'.
एक सांख्यमत। जो दैव, कर्मोदय को न मानकर मात्र पुरुषार्थ से ही कार्य की सिद्धि मानते हैं।

पौरुषेय – *Pauruṣeya.*
Man-made, Human-efforted, Manly
मनुष्य कृत, मनुष्य का काम।

पौष्टिक आहार – *Pauṣṭika Āhāra.*
Nourishing food or invigorating food.
पोषक, बलवर्धक आहार।

प्रकरण – *Prakaraṇa.*
Topic, Section, Part.
विषय, प्रसंग, किसी कृति का छोटा भाग।

प्रकर्षिणी – *Prakarṣiṇī.*
A type of super knowledge.
विद्याधरों की एक विद्या ।

प्रकांड – *Prakāṇḍa*
A great & learned person, a man of vast learning
उत्कृष्ट विद्वान ।

प्रकाम – *Prakāma*
Name of the 4th pre-destined *Rudra.*
भविष्यत् कालीन चौथे रुद्र का नाम ।

प्रकार – *Prakāra*
Type, Kind, Mode.
भेद, भग, भाग, पर्याय आदि ।

प्रकाश – *Prakāśa.*
Illumination, Light, Brilliance, Lustre.
उजाला – सूर्य, चन्द्रमा, विद्युत, ज्ञान इत्यादि का प्रकाश ।

प्रकाशन – *Prakāśana.*
Publication, Making known.
पुस्तक आदि को छापना, किसी विषय को प्रकाश में लाना, विभिन्न माध्यमों से धर्म की प्रभावना करना ।

प्रकाशवृत्ति – *Prakāśavṛtti.*
Tendency towards enlightenment of knowledge.
ज्ञान प्राप्ति के लिए जो आत्मा की प्रवृत्ति होती है, उसे प्रकाश वृत्ति कहते हैं ।

प्रकाश शक्ति – *Prakāśa Śakti.*
One's brilliance, one of the 47 powers acquired by the soul.
आत्मा की 47 शक्तियों में एक शक्ति, स्वयं प्रकाशमान ।

प्रकाश स्वभाव – *Prakāśa Svabhāva.*
Luminous nature.
तेजस्व प्रकृति ।

प्रकाश्य – *Prakāśya.*
Liable to be revealed
प्रगट करने योग्य ।

प्रकाश्य–प्रकाशक भाव – *Prakāśya-Prakāśaka Bhāva.*
Relation of illuminating objects & means of illumination.
कार्य-कारण संबंध; प्रकाश्य पदार्थ है और, प्रदीप, सूर्य, चन्द्र आदि प्रकाशक हैं ।

प्रकीर्णक – *Prakīrṇaka.*
Another name of *Angabahyashrut*, part of *Shrutgyan* (scriptural knowledge). Scattered heavenly abodes and dwelling places of hell are called *Prakirnak*
अंगबाह्यश्रुत का अपरनाम - इसके 14 भेद हैं, स्वर्गों में बिखरे हुए विमान एवं नरकों में बिखरे हुए बिल ।

प्रकीर्णक तारे – *Prakīrṇaka Tāre.*
Scattered stars.
ज्योतिषी देवों का एक भेद, ये आकाश में बिखरे हुए रहते हैं और यह चर और अचर के भेद से दो प्रकार के होते हैं ।

प्रकीर्णक देव – *Prakīrṇaka Deva.*
A type of deities (as common citizens)
देवों के दश भेदों में से एक; जो देव प्रजा के समान होते हैं।

प्रकुब्जा – *Prakubjā*
Name of the chief *Arvika* in the assembly of Lord Ajitanath
अजितनाथ भगवान के समवसरण की प्रधान आर्यिका अर्थात् गणिनी का नाम

प्रकुर्वी – *Prakurvī*
Great *Acharya* having great patience in serving *Kshapaks* (saints at the stage of mortification i.e *Samadhi*)
क्षपक की सर्व प्रकार शुश्रूषा करते हुए अधिक परिश्रम पड़ने पर भी जो आचार्य खिन्न नहीं होते हैं, ऐसे आचार्य ।

प्रकृति – *Prakṛti*
Nature, Physical existence, Characteristic, Property.
नैसर्गिक स्थिति, लक्षण, विशेष धर्म, रूप, गुण, स्वभाव आदि ।

प्रकृति (ध्रुव–अध्रुव) – *Prakṛti (Dhruva-Adhruva).*
Karmic nature with continuous & non-continuous binding.
ध्रुव-अध्रुव प्रकृति; बंध व्युच्छित्ति पर्यंत जिनका बंध होता रहे वह ध्रुव बंधी तथा जिनका बंध होकर रुक जाता है वह अध्रुव बंधी प्रकृतियां हैं ।

प्रकृति अघाति – *Prakṛti Aghāti.*
A type of *Karmic* nature.
कर्म प्रकृति का एक भेद; जो प्रतिजीवी गुणों का घात करती है वह अघाति कर्म प्रकृतियां कहलाती हैं ।

प्रकृति उदय – *Prakṛti Udaya.*
Fruition of *Karmic* nature.
द्रव्य, क्षेत्र, काल व भाव के निमित्तवश कर्मों के फल का प्राप्त होना ।

प्रकृति घाति – *Prakṛti Ghāti.*
A type of *Karmic* nature causing destruction of internal virtues.
कर्म प्रकृति का एक भेद; जो अनुजीवी गुणों का घात करती है वह घाती कर्म प्रकृतियां हैं ।

प्रकृति निरन्तर – *Prakṛti Nirantara.*
Karmic nature with continuous binding.
कर्म प्रकृतियां जो अन्तर्मुहूर्त काल तक निरंतररूप से बंधती हैं वह निरन्तर बंधी प्रकृतियां कहलाती हैं ।

प्रकृति परोदय – *Prakṛti Parodaya.*
Karmic nature which binds in the fruition of other

Karmic nature
ऐसी कर्म प्रकृतियां (11) जिनका पर के उदय में बंध होता है।

प्रकृति बंध – *Prakṛti Bandha.*
Regular binding of different types of *Karmic* natures
राग, द्वेषादि के निमित्त से जीव के साथ ज्ञानावरणादि कर्मों का निरन्तर बन्ध होना अर्थात् जीव के भावों की विचित्रता के अनुसार विभिन्न प्रकार की फलदान शक्ति वाले कर्मों का बंध होना।

प्रकृति बन्धापसरण – *Prakṛti Bandhāpasaraṇa.*
Sequential reduction in *Karmic* bindings
प्रकृतिबंध का क्रम से घटना।

प्रकृतिवाद – *Prakṛtivāda.*
A *Sankhya* philosophy of materialism
एक सांख्य दर्शन।

प्रकृति विभाग (मूल/उत्तर) – *Prakṛti Vibhāga (Mūla/Uttara).*
Division of *Karmic* natures (primary / secondary)
कर्म प्रकृतियों के भेद; मूल कर्म प्रकृतियां 8 एवं उत्तर कर्म प्रकृतियां 148 हैं।

प्रकृति संक्रमण – *Prakṛti Saṁkramaṇa.*
Transition of *Karmic* species.
कर्म की 10 अवस्थाओं में एक अवस्था; बंधरूप प्रकृति का अन्यरूप परिणमन होना।

प्रकृति संक्रम योग्य – *Prakṛti Saṁkrama Yogya.*
Karmic natures capable of transition.
संक्रमण होने योग्य कर्म प्रकृतियां।

प्रकृति सत्त्व – *Prakṛti Sattva.*
Attachment of *Karmas* with soul.
अपनी स्थिति के अनुसार कर्म प्रकृति के कर्म प्रदेशों का आत्म प्रदेशों के साथ संलग्न रहना।

प्रकृति सत्त्व योग्य – *Prakṛti Sattva Yogya.*
Karmic nature capable of remaining in existence.
सत्ता योग्य कर्म प्रकृतियां जो 148 हैं।

प्रकृति सप्रतिपक्षी – *Prakṛti Supratipakṣī.*
Karmic natures having mutual contradictions.
62 कर्म प्रकृतियां आपस में विरोधीपना होने से सप्रतिपक्षी कही जाती हैं।

प्रकृति सान्तर – *Prakṛti Sāntara.*
Karmic nature with momentary binding.
जिन कर्म प्रकृतियों का एक समय बंध होकर द्वितीय समय में जिनका बंध विश्रांत हो जाता है वे सांतर बंधी प्रकृतियां कहलाती हैं।

प्रकृति स्वोदय – *Prakṛti Svodaya.*
Karmic natures which bind in their own period of fruition.
27 कर्म प्रकृतियां स्वोदय बंधी हैं अर्थात् इनका बंध अपने उदय के समय में ही होता है।

प्रकृष्ट – *Prakṛṣṭa.*
Ultimate, supreme, excellent.
सर्वोत्तम, श्रेष्ठ, गौरवशाली।

प्रकृष्टार्थ – *Prakṛṣṭārtha*
Supreme sense, Ultimate meaning
उत्कृष्ट अर्थ।

प्रक्रम – *Prakrama.*
Sequence, A type of *Karmic* matter, a type of *Anuyogdvar.*
क्रमबद्ध, कार्मण पुद्गल प्रचय को प्रक्रम कहते हैं, अग्रायणीयपूर्व की कर्मप्रकृति वस्तु का 8 वां अनुयोगद्वार।

प्रक्रिया – *Prakriyā.*
Process, Operation, Method, System.
रीति, प्रणाली, पद्धति।

प्रक्षाल – *Prakṣāla*
Anointment of Lord's idol and wiping it with dry cloth
जिनेन्द्र भगवान की प्रतिमा का अभिषेक करना एवं कपड़े से पोंछना प्रक्षाल कहलाता है।

प्रक्षिप्त – *Prakṣipta.*
Thrown, flung
फैंका हुआ।

प्रक्षेपक – *Prakṣepaka.*
Projector, one who throws, A quantity related with Jainology
फैंकने या उछालने वाला, जघन्य पर्याय में जीवराशि अनंत का भाग देने पर जो राशि आये वह प्रक्षेपक है।

प्रख्यात – *Prakhyāta.*
Famous, Prominent.
प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त।

प्रगणना – *Pragaṇanā.*
A disquisition door, Mathematical measure study.
एक अनुयोगद्वार; यह स्थिति बंध के कारणभूत स्थिति बंधाध्यवसाय स्थानों के प्रमाण की प्ररूपणा करता है।

प्रचण्ड – *Pracaṇḍa.*
Great force, Impetous, Violence, Vehemence.
तीक्ष्ण, उग्र, उत्कट, भीषण।

प्रचुरसंख्यक – *Pracura Saṁkhyaka.*
Abundant in numbers.
अधिक संख्या में।

प्रज्ञप्ति – *Prajñapti*
Name of ruling female demigod of Lord Sambhavanath, A type of super power
सम्भवनाथ भगवान की शासन देवी का नाम, विद्याओं की एक विद्या।

प्रज्ञा – *Prajñā.*
Great wisdom, Intellect
मेधा, विशिष्ट बुद्धि, विवेक ।

प्रज्ञान – *Prajñāna*
Great perception or cognizance
उत्कृष्ट ज्ञान ।

प्रज्ञापन – *Prajñāpana.*
Injuction, Presentation.
प्ररूपणा, निरूपणा, प्रज्ञापना ये एकार्थवाची हैं ।

प्रज्ञापनी – *Prajñāpanī.*
Most convenient informatory language (easy preaching)
एक भाषा, धर्मोपदेश करना। यह भाषा अनेक लोगों को उद्देश्य कर कही जाती है ।

प्रज्ञापनीय पर्याय – *Prajñāpanīya Paryāya.*
One that can be expressed in vocal form
जो पदार्थ वचनों से कहा जा सके ।

प्रज्ञापरिषहजय – *Prajñāparīṣahajaya*
Proudlessness of knowledge or intellect (sagacity with proudlessness)
अनेक शास्त्रों में निपुण होते हुए भी जो साधु अपने ज्ञान का अभिमान नहीं करता, समता रखता है ।

प्रज्ञाभाव छेदना – *Prajñābhāva Chedanā.*
Sagacious knowledge related to 6 entities (*dravyas*)
मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्ययज्ञान और केवलज्ञान के द्वारा छह द्रव्यों का ज्ञान होना ।

प्रज्ञाश्रमण ऋद्धि – *Prajñāśramaṇa Ṛddhi.*
A type of supernatural power related to sagacity.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु विशेष अध्ययन के बिना भी समस्त शास्त्रों के सूक्ष्मार्थ को जानने में समर्थ होता है ।

प्रचय – *Pracaya.*
Accumulation, collection, Togetherness.
समूह, संग्रह, संचय, साधारण मेलजोल ।

प्रचला – *Pracalā.*
Drowsiness (*Karmic* nature causing drowsiness).
दर्शनावरण कर्म का एक भेद; जिसके उदय से प्राणी नींद में भी कुछ जागता है और कुछ सोता है ।

प्रचला प्रचला – *Pracalā Pracalā.*
Deep drowsiness (*Karmic* nature causing deep drowsiness).
दर्शनावरण कर्म का एक भेद; जिसके उदय से सोते हुए मुख से लार बहती है और अंगोपांग भी चलते हैं ।

प्रच्छन्न – *Pracchanna.*
Hidden, Concealed, An infraction of self-criticism—asking for the repentance of own fault indirectly.
आच्छादित, छिपा हुआ, आलोचना का एक दोष, प्रच्छन्न रूप से किये गये पाप के प्रायश्चित्त का उपाय पूछना ।

प्रच्युति – *Pracyuti.*
Annihilation of past state
क्षय; पूर्व अवस्था का नष्ट होना ।

प्रजापति – *Prajāpati.*
A king, Another name of Lord Rishabhdev & the name of His 57th chief disciple, Father's name of the 1st *Narayan* 'Triprashtha' and the 1st *Baldeva* 'Vijay' and preceding deity of *Rohini* lunar.
राजा, भगवान ऋषभदेव का दूसरा नाम एवं उनके 57वें गणधर का नाम, प्रथम नारायण 'त्रिपृष्ठ' तथा प्रथम बलदेव 'विजय' के पिता का नाम, रोहिणी नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम ।

प्रजावती – *Prajāvatī.*
Mother's name of Lord Mallinath.
मल्लिनाथ भगवान की माता का नाम ।

प्रज्वलित – *Prajvalita.*
Blazing fire, The 6th *Patal* (layer) of the 3rd hell.
प्रकृष्ट रूप से जलती हुई अग्नि, तीसरे नरक का छठा पटल ।

प्रणय – *Praṇaya.*
Love, loving entreaty.
अच्छे पदार्थों में ममत्वरूप भाव का होना। प्रेम, स्नेह, घनिष्ठता।

प्रणव (मंत्र) – *Praṇava (Mantra).*
The mystical & sacred syllable, the holy monosyllable 'Om'.
पवित्र अक्षर 'ओम्' (ॐ) प्रणवमंत्र कहलाता है ।

प्रणाम – *Praṇāma*
Bow; respectful greeting
नमस्कार

प्रणाली – *Praṇālī.*
Particular method, System, Water channel, Drain.
पद्धति, जलमार्ग, नाली ।

प्रणिधान – *Praṇidhāna*
Concentrating the mind on particular object.
स्मरण की इच्छा से मन को एक स्थान में लगाने का नाम प्रणिधान है। परिणाम, प्रयोग व प्रणिधान ये एकार्थवाची शब्द हैं।

प्रणिधि – *Praṇidhi.*
A type of deceit or illusion.
माया का एक भेद। व्यापार आदि में हीनाधिक कीमत की सदृश वस्तुओं को मिलाना (जैसे-सोने में तांबा आदि), वस्तुओं को तोलने में हेराफेरी करना आदि रूप मायाचार ।

प्रणिपात – *Praṇipāta.*
Falling down, bowing for worshipping or reverence.
झुकना ।

प्रणियोग – *Praṇiyoga.*
Vibration in soul points caused due to the ac-

ivities of mind, speech & body.
मन, वचन और काय से युक्त जीव के प्रदेशों का परिस्पन्दनरूप योग ।

प्रणीत – *Praṇīta.*
Accomplished, made, composed.
प्रतिपादित ।

प्रणेता– *Praṇetā.*
Founder, Maker, Composer
संस्थापक, रचनाकार ।

प्रतर – *Pratara.*
Area or (particular unit)^2.
एक-एक आकाश प्रदेशात्मक पंक्ति के वर्ग को प्रतर कहते हैं।

प्रतरसमुद्घात – *Pratarasamudghāta.*
A type of area extrication (*Samudghat*).
समुद्घात का एक भेद; केवली भगवान् के जीवप्रदेशों का वातवलय से रुके हुए क्षेत्र को छोड़कर सम्पूर्ण लोक में व्याप्त होने का नाम प्रतरसमुद्घात है ।

प्रतरांगुल – *Pratarāṅgula.*
A unit of area measurement.
सूच्यंगुल के वर्ग को प्रतरांगुल कहते हैं ।

प्रतराकाश – *Pratarākāśa.*
Extensive area of space (*Akash*).
सर्व आकाश के लम्बे चौड़े प्रदेशों के माप भाग आकाश, जो 7x7=49 राजू है ।

प्रतरावली – *Pratarāvali.*
Square of *Āvali* (a time unit).
आवली का वर्ग ।

प्रताड़ना – *Pratāṛanā*
Harrasment, scolding, chiding.
पीड़ित करना, सताना ।

प्रताप – *Pratāpa.*
Lustre, radiance, Grandeur.
तेज, महिमा ।

प्रतिकुंचन – *Pratikuñcana.*
A type of deceit or illusion, concealment of own faults.
माया का एक भेद; आलोचना करते समय अपने दोष छिपाना।

प्रतिकेशव – *Pratikeśava.*
Pratinarayana (noble persons).
प्रतिनारायण ।

प्रतिक्रमण – *Pratikramaṇa.*
Penitential retreat, Expiatory recitals.
प्रमाद के द्वारा किये दोषों का निराकरण करना अर्थात् लगे हुए दोषों की विशुद्धि जिसके द्वारा होती है वह प्रतिक्रमण है ।

प्रतिक्षण परिणाम – *Pratikṣaṇa Pariṇāma.*
Momentary modification.
द्रव्यों में प्रतिसमय परिणमन होना ।

प्रतिक्षण विनाशीभाव – *Pratikṣaṇa Vināśībhāva.*
Perishing momentarily (eg *Paryay*)
पर्याय, जो प्रतिक्षण नष्ट होती रहती है ।

प्रतिच्छंद – *Praticchanda.*
Representeive
प्रतिनिधि ।

प्रतिज्ञा – *Pratijñā.*
Provable proposition, Solemn declaration Resolution.
अनुमान के 5 अंगों में एक अंग; पक्ष और साध्य का कहना

प्रतिग्रह – *Pratigraha*
Acceptance, Receiving saints with respectful procedure for food offering
दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों को आहार दान हेतु की जाने वाली नवधाभक्ति में से प्रथम भक्ति, जिसमें वर्तमान समय में "हे स्वामिन्! अत्र तिष्ठ, आहार जल शुद्ध है," ऐसा कहकर साधु को आहार हेतु अपने घर में पधारने के लिए आह्वान किया जाता है ।

प्रतिघातकर्म – *Pratighātakarma*
Removing obstruction or resistance
अनुयोग की निरुक्ति में प्रयुक्त 5 दृष्टान्तों में एक- जैसे लकड़ी से किसी वस्तु को तैयार करने के लिए उसके निरुपयोगी भाग को छाँटकर निकाल देना (अपनयन-प्रतिघात कर्म) ।

प्रतिघात – *Pratighāta.*
Counterblow, Reaction, Obstruction.
एक मूर्तिक पदार्थ का दूसरे मूर्तिक पदार्थ के द्वारा व्याघात होना। प्रतिकार, प्रतिरोध, बाधित होना ।

प्रतिघात कर्म – *Pratighāta Karma.*
See – *Pratighakarma.*
देखें - प्रतिघकर्म ।

प्रतिघाती – *Pratighātī.*
Repulsing, Opposing & Adversary.
व्याघात करने वाला ।

प्रतिचंद्र – *Praticandra.*
A king of *Vanara* dynasty
वानरवंश का एक राजा । अंत में दीक्षा लेकर मोक्ष गये ।

प्रतिच्छन्न – *Praticchanna.*
A type of peripatetic deities.
व्यन्तर देवों की भूत जाति का एक भेद ।

प्रतिजीवी गुण – *Pratijīvī Guṇa.*
Opposite attributes (lacking qualities).
वस्तु के अभाव स्वरूप धर्म को प्रतिजीवी गुण कहते हैं। जैसे- आत्मा (जीव द्रव्य) में अचेतनत्व और मूर्तत्व नहीं होता है एवं पुद्गल द्रव्य में चेतनत्व और अमूर्तत्व नहीं होता है ।

प्रतितंत्र – *Pratitantra.*
Ambiguous meaning (Indistinct).
एक शास्त्र में सिद्ध और दूसरे शास्त्र में असिद्ध अर्थ प्रतितन्त्र कहलाता है ।

प्रतिनारायण – *Pratinārāyaṇa.*
A type of great personages (*Shalaka Purush*), 9 *Pratinarayan*
नारायण के शत्रु – ऊर्ध्व लोक से आकर जन्म लेने वाले शलाका पुरुष जो नरकगामी होते हैं। ये संख्या में ९ होते हैं।

प्रतिनीत – *Pratinita.*
An infraction of paying reverence disobedience
वंदना का एक अतिचार; गुरु की आज्ञा से प्रतिकूल आचरण करना।

प्रतिपक्ष – *Pratipakṣa.*
Rival party, Rival view, opponent
विरोधी धर्म अथवा पक्ष।

प्रतिपत्ति – *Pratipatti*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*), confirmed knowledge (inference)
अर्थलिंगज श्रुतज्ञान का एक भेद, धारणा।

प्रतिपत्तिसमास – *Pratipattisamāsa.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*)
श्रुतज्ञान के २० भेदों में एक भेद।

प्रतिपात – *Pratipāta.*
Fall, Counter – fall.
गिरने का नाम प्रतिपात है।

प्रतिपातस्थान – *Pratipātasthāna.*
Falling stage pertaining to abstinence.
जिस स्थान पर जीव मिथ्यात्व, असंयम, सम्यक्त्व अथवा संयमासंयम को प्राप्त होता है वह प्रतिपातस्थान है।

प्रतिपाती – *Pratipāti.*
One falling from the stage of right conduct.
सम्यक्चारित्र से भ्रष्ट होकर असंयम में आने वाला।

प्रतिपाती मनःपर्यय – *Pratipāti Manaḥparyaya.*
Counter falling *Manah Paryaya Gyan* (telepathic knowledge).
ऋजुमति मनःपर्ययज्ञान; यह होकर छूट भी जाता है इसलिए प्रतिपाती कहा गया है।

प्रतिपादन – *Pratipādana.*
Affirming, Representing, Expounding, Proving.
व्याख्यान, विस्तृत रूप से प्रस्तुत करना।

प्रतिपाद्य – *Pratipādya.*
Expounded, Established.
प्रतिपादित, प्रस्तुत, प्रदर्शित।

प्रतिपृच्छा – *Pratipṛcchā.*
Re-questioning, Reasking (accepting something after asking for it).
समाचार का एक भेद; साधर्मी अथवा गुरु आदि से पहले दिये हुए उपकरणों को पुनः पुनः पूछकर ग्रहण करना।

प्रतिफलन – *Pratiphalana.*
Results, Consequences.
पारिश्रमिक या प्रतिदान।

प्रतिबंध – *Pratibaṁdha.*
Prohibition, Restriction, Limitation, Hindrance.
निषेध होना। अवरोध, विरोध।

प्रतिबंधक – *Pratibaṁdhaka.*
Restrictive, One who makes an obstruction, an opposer
रोकने वाला या विरोधी कारण।

प्रतिबंध्य – *Pratibaṁdhya.*
Restricted, Prohibited.
प्रतिबंधक अथवा बंधन के योग्य।

प्रतिबद्ध – *Pratibaddha.*
Tied, Bound, Restricted.
बंधा हुआ, जोड़ा गया।

प्रतिबिंब – *Pratibimba.*
Image, Idol of Lord.
परछाईं, भगवान की प्रतिमा - मूर्ति।

प्रतिबिम्बन् – *Pratibimban.*
Reflection.
परछाईं पड़ना।

प्रतिबिंबवत् – *Pratibimbavat*
As similar to an image.
प्रतिबिंब के समान।

प्रतिबुद्धता – *Pratibuddhatā.*
Discriminative knowledge
प्रत्येक क्षण व लव में होने वाले प्रतिबोध (ज्ञान)।

प्रतिबोध – *Pratibodha.*
Awaking knowledge, discernment, vigil.
जागरण, जानकारी या ज्ञान, सम्यग्दर्शन - ज्ञान, व्रत और शील गुणों को उज्ज्वल करने, मल को धोने अथवा जलाने का नाम प्रतिबोध है।

प्रतिबोध चिंतामणि – *Pratibodha Ciṁtāmaṇi.*
Name of a book related to the story of *Mulsangh.*
एक ग्रंथ जिसमें मूलसंघ की उत्पत्ति की कथा उल्लेखित है।

प्रतिबोधिनी – *Pratibodhinī.*
A type of super power which breaks the sleep.
एक विद्या, यह निद्रा को भंग करती है।

प्रतिभा – *Pratibhā.*
Talent, genius, brilliancy.
प्रज्ञा, मेधा।

प्रतिभाग – *Pratibhāga.*
Division, portion.
प्रत्येक भाग, हिस्सा।

प्रतिमा संस्कारारोपण पूजा – *Pratimā Saṁskārāropaṇa Pūjā.*
A worshipping hymn composed by *Acharya* Indranandi.
आचार्य इन्द्रनन्दि द्वारा रचित एक पूजा।

प्रतिभासित – *Pratibhāsita.*
Envisaged.
झलकना ।

प्रतिभूत – *Pratibhūta.*
A type of peripatetic deities.
भूत जाति के व्यन्तर देवों का एक भेद ।

प्रतिमा – *Pratimā.*
Idol of Lord, Eleven stages of renunciation of a house holder (*Shravak*)
मूर्ति रूप प्रतिमा, श्रावक की 11 प्रतिमाएँ ।

प्रतिमान – *Pratimāna.*
Similitude, Illustration, Example, A type of standard measure.
प्रतिबिंब, समानता, उपमा, दृष्टांत, गणना प्रमाण का एक भेद—पूर्व की अपेक्षा आगे के मानों की व्यवस्था प्रतिमान कहलाती है ।

प्रतिमा योग – *Pratimā Yoga*
A posture of meditation (standing erect).
कायोत्सर्ग मुद्रा, इसमें प्रतिमा के समान खड़े होकर ध्यान किया जाता है ।

प्रतिमा विज्ञान – *Pratimā Vijñāna.*
Iconography.
प्रतिमा (मूर्ति) के नाप तौल आदि की जानकारी ।

प्रतिमायोगी मुनिक्रिया – *Pratimāyogī Munikriyā.*
A type of procedural devotional prayer to be observed by saints involved in deep meditation.
कृतिकर्म; सिद्धभक्ति, योग भक्ति, शान्ति भक्तिपूर्वक प्रतिमायोग में रत मुनियों की वंदना करना ।

प्रतिमा स्थान – *Pratimā Sthāna*
Different kinds of austerities related to particular places.
कायक्लेश तप, आतापनयोग, वृक्ष मूल में निवास, निरावरण शयन आदि नाना प्रकार के कायक्लेश ।

प्रतियोगी – *Pratiyogī.*
Counter part, Competitor, An opponent.
विरोधी, प्रत्यर्थी, बराबर वाला ।

प्रतिरूप – *Pratirūpa.*
See – *Pratibhūta*
देखें - प्रतिभूत ।

प्रतिरूपक – *Pratirūpaka.*
Imitation, the counter part of a thing.
बनावटी (नकली) वस्तु ।

प्रतिरूपक व्यवहार – *Pratirūpaka Vyavahāra.*
Trade with adulteration
अचौर्याणुव्रत का एक अतिचार; असली वस्तु में नकली वस्तु मिलाकर बेचना, जैसे-सोने में ताँबा मिलाकर बेचना ।

प्रतिरूपण – *Pratirūpaṇa.*
Modelling, counter image.
अनुरूप बनाना, नमूने के अनुसार बनाना ।

प्रतिलेखन – *Pratilekhana.*
Purifying the place, article etc. with *Picchikā* by Jaina-saints for non-violence.
जैन साधु-साध्वियों द्वारा उठने-बैठने आदि समय पिच्छिका से स्थान, वस्तु आदि का जीवरक्षा हेतु परिमार्जन करना ।

प्रतिलोम क्रम – *Pratiloma Krama.*
Inverse order
विपरीत क्रम, विशेष की मुख्यता और सामान्य की गौणता करने से जो अभिलाषित रूप वस्तु प्रतिपादित होती है उसे प्रतिलोम क्रम कहते हैं ।

प्रतिवादी – *Prativādī.*
Respondent, defendant.
प्रतिपक्षी, विपक्षी ।

प्रतिवासुदेव – *Prativāsudeva.*
Another name of *Pratinārāyaṇa.*
प्रतिनारायण का अपरनाम ।

प्रतिविपलांश – *Prativipalāṁśa*
A time unit
काल का एक प्रमाण विशेष ।

प्रतिविपला – *Prativipalā*
A time unit
काल का एक प्रमाण विशेष, 60 प्रतिविपलांश = 1 प्रतिविपला ।

प्रतिव्यूह – *Prativyūha.*
Dismiss, Suspension
विदा करना, भेजना, च्युत कर देना ।

प्रतिशलाका – *Pratiśalākā.*
A unit (a pit) for a numeral measure
संख्या प्रमाण के भेद जानने के लिए किये गये एक गड्ढे का नाम ।

प्रतिशलाका कुंड – *Pratiśalākā Kuṇḍa.*
A very deep & broad pit
1 लाख योजन लम्बे चौड़े और एक योजन गहरे कुंड का नाम ।

प्रतिशिष्ट – *Pratiśiṣṭa.*
See - *Praticchanda.*
देखें - प्रतिच्छंद ।

प्रतिश्रवण – *Pratiśravaṇa.*
Counter listening (a fault of saint food taking-acceptance of food with counter listening of preparation of food for self purpose).
जैन साधु के आहार से संबंधित अनुमति दोष के 3 भेदों में से एक भेद; 'यह आहार आपके निमित्त बनाया गया है' आहार से पहिले या पीछे इस प्रकार के वचन दाता के मुख से सुन लेने पर आहार कर लेना ।

प्रतिश्रुति – *Pratiśruti.*
Name of the 1st *Kulkar* (ethical founder).
वर्तमान के प्रथम कुलकर थे, सूर्य चंद्रमा को देखकर भयभीत हुए लोगों के भय को इन्होंने दूर किया था ।

प्रतिषेध – *Pratisedha.*
Repudiation, Negation.
निषेध ।

प्रतिषेधरूप हेतु – *Pratisedharūpa Hetu.*
A cause pertaining to negative sense
हेतु का एक भेद; इस स्थान पर शीत नहीं है क्योंकि उष्णता मौजूद है, इस प्राणी में सुख नहीं है क्योंकि सुख से विरुद्ध दुःख मौजूद है, इत्यादि ।

प्रतिष्ठा – *Pratisthā*
Reputation, Consecratory Installation of Lord idols, Consecration festival
मान-सम्मान होना, प्रतिष्ठाशास्त्रों में कथित विधि के अनुसार प्रतिमाओं की स्थापना ।

प्रतिष्ठाचार्य – *Pratisthācārya.*
The chief one, the installator in the consecration celebration of idol installation.
जिनबिम्बादिक की पंचकल्याणक प्रतिष्ठा कराने वाला जिनधर्म का दृढ़ श्रद्धानी, सदाचारी, शास्त्रज्ञ, निश्चय व्यवहार का ज्ञाता, देश कुल जाति से शुद्ध त्यागी या गृहस्थ श्रावक ।

प्रतिष्ठातिलक – *Pratisthātilaka.*
A worshipping treatise written by Shri Nemichandra (related to consecratory installation of Lord idols).
नेमिचन्द्र विरचित प्रतिष्ठा की सम्पूर्ण विधि से समन्वित एक प्रतिष्ठा ग्रंथ ।

प्रतिष्ठापन समिति – *Pratisthāpana Samiti.*
Carefulness in excretion of faeces etc. body wastes (waste disposal)
5 समितियों में एक समिति, निर्जंतु भूमि पर मल मूत्रादि का विसर्जन करना ।

प्रतिष्ठापना शुद्धि – *Pratisthāpanā Śuddhi.*
Careful act of excretion.
देश व काल को जानकर नख, रोम, नाक, थूक, वीर्य, मल, मूत्र या देह परित्याग में जन्तु बाधा का परिहार करके प्रवृत्ति करना ।

प्रतिष्ठा पाठ – *Pratisthā Patha.*
Name of ritual treatises written by *Acharyas* (1) Indranandi (2) Vasunandi & *Pandit* Ashadhar.
आचार्य इन्द्रनन्दि (ई.श. 10 मध्य), आचार्य वसुनन्दि (ई.1068-1118) एवं पं. आशाधर (ई. 1173-1243) द्वारा रचित प्रतिष्ठा पाठ संबंधी ग्रन्थ ।

प्रतिष्ठा विधान – *Pratisthā Vidhāna.*
Reverential procedure for consecrational celebration.
प्रतिष्ठा संबंधी विधि - विधान ।

प्रतिष्ठासार संग्रह – *Pratisthāsāra Samgraha.*
Name of a ritual treatise.
एक प्रतिष्ठा सम्बन्धी ग्रंथ का नाम ।

प्रतिष्ठित – *Pratisthita.*
Renowned one, Honourable personality.
माननीय व्यक्तित्व ।

प्रतिष्ठित प्रत्येक वनस्पति – *Pratisthita Pratyeka Vanaspati*
General plant life (one sensed beings).
जिस वनस्पति का आश्रय निगोद या साधारण वनस्पति हो ।

प्रतिसरण – *Pratisarana.*
Induction (related to right virtues)
सम्यक्त्वादि गुणों की प्रेरणा करना ।

प्रतिसारी ऋद्धि – *Pratisārī Ṛddhi.*
A type of supernatural power (reg. cognition of knowledge)
ऋद्धि: जिसके प्रभाव से गुरु के उपदेश से आदि, मध्य अथवा अन्त में एक बीजपद को ग्रहण करके उपरिम ग्रन्थ को जानना ।

प्रतिसेवना काल – *Pratisevanā Kāla.*
Period for the repentance of faults.
व्रतादिकों में अतिचार लगने पर प्रायश्चित्त से शुद्धि करने के लिए कुछ दिन अनशनादि तप करना ।

प्रतिसेवना कुशील – *Pratisevanā Kuśīla.*
Saints with slight lapse in secondary virtues.
निर्ग्रंथ साधु का एक भेद; जो मूल व उत्तरगुणों को पालते हैं लेकिन कभी-कभी उत्तरगुणों में दोष लगाते हैं ।

प्रतिसूर्य – *Pratisūrya.*
Maternal uncle of Hanuman.
हनुमान का मामा था, जो हनुमान और हनुमान की माता अञ्जना को जंगल से अपने घर लाया था ।

प्रतिहरण – *Pratiharana.*
Providing remedy for the fault.
मिथ्यात्व रागादि दोषों का निवारण करना ।

प्रतीन्द्र – *Pratīndra.*
Title for the secondary *Indras.*
मुख्य इन्द्र के पश्चात् द्वितीय श्रेणी के इन्द्र ।

प्रतीक – *Pratīka.*
Symbol.
चिन्ह ।

प्रतीकार – *Pratīkāra.*
Retaliation, Retribution; revenge, counter action.
प्रतिरोध या विरोध करना ।

प्रतीघात – *Pratīghāta.*
Obstruction, hinderance.
प्रतिबन्ध या बाधा ।

प्रतीघातरहित – *Pratīghātarahita.*
Without impediment or hinderance.
प्रतिबन्ध या बाधा रहित ।

प्रतीच्य – *Pratīcya.*
Western direction.
पश्चिम दिशा ।

प्रतीति – *Pratīti*

Experience, Conviction, belief.
दृष्टि, श्रद्धा, रुचि ।

प्रतीत्य सत्य – *Pratītya Satya.*

Truth related to conviction.
अन्य की अपेक्षा से जो कहा जाए सो वह प्रतीत्य सत्य है ।

प्रत्यक् – *Pratyak*

See – *Pratīcya.*
देखें - प्रतीच्य ।

प्रत्यक्ष – *Pratyakṣa.*

Direct knowledge, perceptible, visible
विशद ज्ञान को प्रत्यक्ष कहते हैं। वह सांव्यवहारिक और पारमार्थिक दो प्रकार का होता है ।

प्रत्यक्षज्ञान – *Pratyakṣajñāna.*

Direct knowledge gained by the soul itself, without any external help.
इन्द्रिय और मन की सहायता के बिना जो ज्ञान पदार्थ को स्पष्ट जाने, इसके दो भेद हैं—देश प्रत्यक्ष (अवधि एवं मनःपर्ययज्ञान) एवं सकल प्रत्यक्ष (केवलज्ञान) ।

प्रत्यक्षज्ञानी – *Pratyakṣajñānī.*

Those having either partial perfect knowledge or complete perfect knowledge.
अवधि एवं मनःपर्ययज्ञानी को देश प्रत्यक्षज्ञानी कहते हैं एवं केवलज्ञानी को सकल प्रत्यक्षज्ञानी कहते हैं ।

प्रत्यक्ष प्रमाण – *Pratyakṣa Pramāṇa.*

That which causes direct perception either with the help of sensual organs or by own self i.e. without any help
जो पदार्थ को स्पष्ट जाने। इसके दो भेद हैं—एक सांव्यवहारिक, दूसरा पारमार्थिक प्रत्यक्ष। सांव्यवहारिक वह है जो इन्द्रिय और मन की सहायता से पदार्थ को जाने, इसे सिद्धांत में परोक्ष भी कहते हैं। पारमार्थिक वह है जो बिना किसी की सहायता से पदार्थ को स्पष्ट जाने ।

प्रत्यक्षबाधित – *Pratyakṣabādhita.*

Refutable perception.
जिस साध्य की सिद्धि में प्रत्यक्ष से बाधा आये, जैसे अग्नि ठंडी है ।

प्रत्यक्ष विनय – *Pratyakṣa Vinaya.*

Paying reverence completely to honourables
मन, वचन व काय से गुरु आदि का विनय करना ।

प्रत्यक्ष हेतु – *Pratyakṣa Hetu.*

Direct cause related to origination of knowledge.
उपदिष्ट हेतु का एक भेद; अज्ञानादि का विनाश, ज्ञान की उत्पत्ति।

प्रत्यक्षाभास – *Pratyakṣābhāsa.*

Fallacious direct perception.
प्रत्यक्ष ज्ञान को अविशद स्वीकार करना ।

प्रत्यनीक – *Pratyanīka.*

Tendency of disrespect (related to spirituality)
श्रुत व श्रुतधारकों में अविनय का प्रवृत्ति या उनके प्रतिकूल होना ।

प्रत्यभिज्ञान – *Pratyabhijñāna*

Recognition
'वह यही है' इस प्रकार के स्मरण को प्रत्यभिज्ञान कहते हैं ।

प्रत्यय – *Pratyaya*

Knowledge, Cause. Inter relation causal
ज्ञान, श्रद्धा, निमित्त, कारण, हेतु। जैनागम में प्रत्यय अर्थात आस्रव कर्मों के आने के द्वार के लिए मुख्यतः प्रयुक्त होता है।

प्रत्यय स्थान – *Pratyaya Sthāna.*

Situations causing for the *Karmic* influx or inflow.
आस्रव सम्बन्धी प्रत्ययों के उदय आदि स्थान ।

प्रत्यवेक्षण – *Pratyavekṣaṇa*

To confirm or ascertain about the presence of any being.
जीव हैं या नहीं इस तरह आँख से देखना ।

प्रत्याख्यान – *Pratyākhyāna.*

Resolution or determination (for not committing fault)
आगामी काल में दोष न करने की प्रतिज्ञा करना ।

प्रत्याख्यान कषाय – *Pratyākhyāna Kaṣāya.*

Obscurring passion in observing abstinent vows.
पूर्ण व्रत या संयम के पालन में बाधक कषाय, इसकी अवधि 15 दिन की होती है ।

प्रत्याख्यान चतुष्क – *Pratyākhyāna Catuṣka*

A quartet related to passions (4 types of passions).
क्रोध, मान, माया, लोभ ।

प्रत्याख्यान धारणा – *Pratyākhyāna Dhāraṇā.*

A reverential activity of Jain saints as after foodtaking etc
कृतिकर्म; भोजन आदि का प्रत्याख्यान लेते समय सिद्ध व योग भक्ति पढ़ना ।

प्रत्याख्यान प्रवाद – *Pratyākhyāna Pravāda*

A part of scriptural knowledge (9th *Purva*) pertaining to code of renunciation
14 पूर्वों में 9 वां पूर्व; इसमें 84 लाख पद हैं एवं द्रव्य क्षेत्र आदि की अपेक्षा यम - नियमरूप त्याग का कथन है ।

प्रत्याख्यानावरण कर्मप्रकृति –

Pratyākhyānāvaraṇa Karma Prakṛti.

Karmic nature obscurring positive resolution
चारित्र मोहनीय कर्म का एक भेद। संयम को रोकने वाली कषाय, जिसके उदय से संयम नामवाली परिपूर्ण विरति को यह जीव करने में समर्थ नहीं होता है ।

प्रत्याख्यानावरण कषाय –

Pratyākhyānāvaraṇa Kaṣāya.

Passions obscurring or causing destruction of complete right conduct.

जो कषाय सकल चारित्र का घात करे, इसके क्रोध आदि 4 भेद हैं।

प्रत्याख्यानी भाषा – *Pratyakhyānī Bhāṣā.*

Pronunciation of renunciation with instructions, language of determination.

किसी वस्तु का परित्याग करने की सूचक भाषा-जैसे 'मैं अनछना पानी छोड़ता हूँ' आदि बोलना।

प्रत्यावर्तित – *Pratyāvartita.*

Reverted, returned

प्रतिवर्तित, लौटा हुआ।

प्रत्यावली – *Pratyāvali.*

A time unit (reg. *avali*)

आवली के ऊपर की जो दूसरी आवली है वह प्रत्यावली है।

प्रत्यास – *Pratyāsa.*

The nearest place

जहां समीप में रहा जाता है वह प्रत्यास कहा जाता है।

प्रत्यासत्ति – *Pratyāsatti.*

Nearness, closeness.

घनिष्ठ सम्पर्क, सादृश्य, निकटता का नाम प्रत्यासत्ति है। वह द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के भेद से चार प्रकार की होती है।

प्रत्याहार – *Pratyāhāra.*

Mental satisfaction.

मन की प्रवृत्ति का संकोच कर लेने पर मानसिक सन्तोष होता है उसे प्रत्याहार कहते हैं।

प्रत्युपकार – *Pratyupakāra.*

Related to returning of a favour or support.

उपकार का बदला चुकाना।

प्रत्युपेक्षक – *Pratyupekṣaka.*

Inspection party, inspector, surveyor.

जांच करने वाला।

प्रत्युपेक्षण – *Pratyupekṣaṇa.*

Survey, inspection, testing.

निरीक्षण करना, जांचना आदि।

प्रत्यूषकाल – *Pratyūṣakāla.*

Daybreak, dawn period.

प्रातः का संधि काल।

प्रत्येक पद – *Pratyeka Pada.*

Feelings simultaneously existing of one in a particular time period.

जो भाव एक जीव के एक काल में युगपत संभव हो ऐसे भाव प्रत्येक पद कहलाते हैं।

प्रत्येक बुद्ध – *Pratyeka Buddha.*

One who is self enlightened or self attained.

स्वयं बुद्ध; वैराग्य का कारण देखकर स्वयं वैराग्य धारण करने वाले मुनि।

प्रत्येक बुद्ध वचन – *Pratyeka Buddha Vacana.*

Preaching given by one self - enlightened saint.

प्रत्येक बुद्ध ऋषियों के द्वारा कहे गये आगम।

प्रत्येक बुद्धि ऋद्धि – *Pratyeka Buddhi Ṛddhi.*

A type of supernatural power related to self enlightenment

ऋद्धि; जिसके द्वारा गुरु उपदेश के बिना ही कर्मों के उपशम से सम्यग्ज्ञान और तप के विषय में प्रगति होती है।

प्रत्येक बोधित – *Pratyeka Bodhita.*

See – *Pratyeka Buddha*

देखें - प्रत्येक बुद्ध।

प्रत्येक भंग – *Pratyeka Bhaṅga.*

Each part, different feelings.

जहां अलग-अलग भाव हों वह प्रत्येक भंग है।

प्रत्येक वनस्पति काय – *Pratyeka Vanaspati Kāya.*

Beings pertaining to plant life.

प्रत्येक वनस्पति कायिक जीव द्वारा छोड़ा गया शरीर अथवा पृथक् - पृथक् वनस्पति जीव जैसे, खीरे आदि वनस्पति।

प्रत्येक शरीर नाम कर्म प्रकृति –

Pratyeka Śarīra Nāma Karma Prakṛti.

Physique making *Karma* of individual or body.

जिसके उदय से एक शरीर में एक ही जीव जीवित रहता है

प्रत्येक शरीर वर्गणा – *Pratyeka Śarīra Vargaṇā.*

A type of aggregates of *Karmic* molecules

23 वर्गणाओं में एक वर्गणा; एक-एक जीव के एक-एक शरीर में उपचित (संचित) हुए कर्म-नोकर्मस्कंधरूप वर्गणा।

प्रथमकोट – *Prathamakoṭa.*

A creation in the *Samavasarana*—assembly of Lord.

समवशरण में स्थित धूलिशाल नामक प्रथमकोट।

प्रथम क्षण भावी – *Prathama Kṣaṇa Bhāvī.*

Rising at the first moment

प्रथमतः उत्पन्न होने वाला।

प्रथम सम्यक्त्व – *Prathama Samyaktva.*

First subsidential righteousness i.e. origination of the right belief for the first time.

प्रथमोपशम सम्यक्त्व।

प्रथमानुयोग – *Prathamānuyoga.*

Biographical exposition related to Jaina-Lord & great personalities of Jaina context.

श्रुतस्कंध के 4 अनुयोगों में प्रथम अनुयोग, इसमें तीर्थंकर आदि त्रेसठ शलाकापुरुषों के चरित्र का वर्णन होता है।

प्रथमोपशम सम्यक्त्व –

Prathamopaśama Samyaktva.

First subsidential right belief.

अनादि मिथ्यादृष्टि जीव के मिथ्यात्व से छूटकर जो सर्वप्रथम उपशम सम्यक्त्व होता है वह प्रथमोपशम सम्यक्त्व है।

प्रथमोपशम सम्यग्दर्शन –

Prathamopaśama Samyagdarśana.

See - *Prathamopaśama Samyaktva.*

देखें - प्रथमोपशम सम्यक्त्व।

प्रदक्षिणा – *Pradakṣiṇā.*
Circumambulation. Salutary circling.
वन्दना करते समय गुरु, जिन और जिनग्रह की परिक्रमा करना

प्रदक्षिणा पथ – *Pradakṣiṇā Patha.*
Circumambulatory passage
परिक्रमा करने की वीथी या गली ।

प्रदक्षिणा वर्त – *Pradakṣiṇā Varta.*
Taking round or circumambulation.
बांई ओर से दाईं ओर घूमना, श्रद्धापूर्ण अभिवादन जो इस प्रकार प्रदक्षिणा द्वारा किया जाये ।

प्रदीप्त – *Pradipta.*
Shining, bright, glowing.
सुलगाया हुआ, प्रज्वलित, प्रकाशमान ।

प्रदेश – *Pradeśa.*
Space point, location, pointless decimal plane
आकाश के एक अविभागी अंश का नाम प्रदेश है अथवा आकाश का वह अंश जिसको एक अविभागी पुद्गल परमाणु रोके ।

प्रदेश उदय – *Pradeśa Udaya.*
Manifestation of *Karmic* space points.
प्रकृति, स्थिति आदि की अपेक्षा उदय का एक भेद; कर्म प्रदेशों का उदय में आना ।

प्रदेशघात – *Pradeśaghāta.*
Destruction of *Karmas.*
कर्मों का अपकर्षण या नष्ट होना ।

प्रदेश छेदना – *Pradeśa Chedanā.*
Separation of matters
छेदन का एक भेद। ऊर्ध्व, अधः आदि प्रदेशों के द्वारा द्रव्यों का पृथक् होना ।

प्रदेशत्व – *Pradeśatva.*
Characteristic of occupancy in any matter.
द्रव्य का एक सामान्य गुण; जिस शक्ति से द्रव्य का कोई न कोई आकार बना रहता है ।

प्रदेश निर्जरा – *Pradeśa Nirjarā.*
Separation of *Karmic* molecules from soul
कर्म परमाणुओं का आत्मा से अलग होना ।

प्रदेश परिस्पंद – *Pradeśa Parispanda.*
Vibration in soul spaces
आत्म प्रदेशों में योगों के माध्यम से हलन चलन होना ।

प्रदेश बंध – *Pradeśa Bandha.*
The number of *Karmic* molecules or, *Karma Varganas* which attach to the soul
बंधने वाले कर्मों की संख्या ।

प्रदेशापचय – *Pradeśāpacaya.*
Deterioration of space points.
प्रदेशों की न्यूनता या ह्रास ।

प्रदेशीपना – *Pradeśipanā.*
Characteristic of occupancy.
प्रदेशत्व होना

प्रदोष – *Pradoṣa.*
Illusive or maliceful mentality
ज्ञानावरण दर्शनावरण के आस्रव का कारण एक भाव; मन में द्वेष भाव एवं ईर्ष्या भाव का होना ।

प्रद्युम्न – *Pradyumna.*
Son of Lord Krishna (who got salvation from Girnar mountain)
कृष्ण के पुत्र का नाम जो गिरनार पर्वत से मोक्ष पधारे

प्रद्युम्नचरित्र – *Pradyumnacaritra.*
Name of books written by (1) *Acharya* Somkirti. (2) *Acharya* Shubhachandra.
आचार्य सोमकीर्ति (ई. 1474) एवं आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित ग्रंथ ।

प्रद्योत – *Pradyota.*
Light, illumination
प्रकाश ।

प्रध्वंसाभाव – *Pradhvaṁsābhāva.*
A type of lacking absence of present into future
4 अभावों के भेदों में एक भेद; आगामी पर्याय में वर्तमान पर्याय का अभाव प्रध्वंसाभाव है। जैसे-दही का घी में अभाव।

प्रबंधनकाल – *Prabandhanakāla.*
Period of organisation (organising).
बंधते अर्थात् एकत्व को प्राप्त होते हैं जिसमें उसे प्रबन्धन कहते हैं तथा प्रबन्धन रूप जो काल है वह प्रबन्धनकाल कहलाता है।

प्रबुद्ध – *Prabuddha*
Learned, enlightened, wise
बुद्धिमान, विद्वान, जानकार ।

प्रबोध – *Prabodha.*
Enlightenment; pursuance, Understanding
विशिष्ट ज्ञान ।

प्रभंकर – *Prabhaṁkara.*
Name of the 27^th^ *Patal* (layer) or *Indrak* of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग का 27 वाँ पटल व इन्द्रक ।

प्रभंकरा – *Prabhaṁkarā.*
Name of a female divinity (of *Chandra - Surya*). a large *Vapi*-like large lake (of *Nandishvardvip* island) and a main city of *Videh Kshetra* (region)
चन्द्र-सूर्य की एक पट्टदेवी का नाम, नन्दीश्वर द्वीप की वापी एवं विदेह के वत्सकावती देश की राजधानी ।

प्रभंजन – *Prabhaṁjana*
Name of a summit of *Manushottar* mountain and its ruling deity.
मानुषोत्तर पर्वत का एक कूट व उसका स्वामी एवं भवनवासी वायुकुमार देवों का इन्द्र ।

प्रभ – *Prabha.*
Name of the 21[st] *Patal* (layer) & *Indrak* of *Saudharma* heaven
सौधर्म स्वर्ग का 21 वाँ पटल व इन्द्रक का नाम ।

प्रभा – *Prabhā.*
Lustre, Radiance, Splendour, A *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
आभा, द्रव्यों का अपना विशेष सलोनापन या तेज, सौधर्म स्वर्ग का एक पटल ।

प्रभाकर भट्ट – *Prabhākara Bhaṭṭa.*
A *Digambar* Jain saint, disciple of Yogendudeva *Acharya*
आचार्य योगेन्दुदेव के शिष्य एक दिगम्बर साधु, जिनको सम्बोधित करते हुए इन्होंने 'परमात्म प्रकाश' ग्रंथ की रचना की है ।

प्रभाचंद्र – *Prabhācandra.*
Name of many *Acharyas.*
इस नाम के अनेकों आचार्य हुए हैं ।

प्रभामंडल – *Prabhāmaṇḍala.*
An auspicious emblem of God (ring of light halo)
भगवान के आठ प्रातिहार्यों में 7वां प्रातिहार्य ।

प्रभाव – *Prabhāva.*
Efficacy, Effect.
शाप और अनुग्रह रूप शक्ति को प्रभाव कहते हैं ।

प्रभावती – *Prabhāvatī.*
Name of a city of *Vatsakavati Kshetra* (region) of the east *Videha* (region), Name of the wife of Lord Munisuvratnath.
पूर्व विदेह स्थित वत्सकावती देश की मुख्य नगरी, तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ की रानी ।

प्रभावना – *Prabhāvanā.*
Glorification, Promotion (influencing pertaining to religion).
सम्यग्दर्शन ज्ञान चारित्र रूप रत्नत्रय के प्रभाव से आत्मा को प्रकाशमान करना। ज्ञान, ध्यान, तप, दया, दान, जिन पूजा आदि के द्वारा जिनधर्म की महिमा को प्रकाशित करना ।

प्रभावना अंग – *Prabhāvanā Aṅga.*
The 8[th] qualitative part of *Samyakdarshan* (right belief).
सम्यग्दर्शन का आठवाँ अंग ।

प्रभास (स्वर्ग) – *Prabhāsa (Svarga).*
Name of a heavenly abode
अनुदिश स्वर्ग के श्रेणीबद्ध 4 विमानों में उत्तर दिशा का विमान।

प्रभासदेव – *Prabhāsadeva.*
Name of deities (related to *Dhatki Khand* (region), *Nabhigiri* (mountain) & *Sindhu* river.
धातकी खण्ड का रक्षक व्यन्तर देव, नाभिगिरी के एक देव का नाम, सिंधु नदी के द्वार के निकटवर्ती समुद्र में स्थित देव ।

प्रभासद्वीप – *Prabhāsadvīpa.*
An island situated in *Lavanod* and *Kalod* oceans
लवणोद व कालोद सागर में स्थित द्वीप ।

प्रभास्वर – *Prabhāsvara.*
Luminous, A name of Lord Rishabhdev given by *Saudharma Indra.*
उज्जवल, चमकीला, सौधर्मेन्द्र द्वारा स्तुत वृषभदेव का एक नाम ।

प्रभु – *Prabhu.*
Almighty God.
घाति कर्मों के क्षय से जिसने केवलज्ञान के द्वारा पदार्थ को जान लिया है, सकल तत्त्वों का जिसने उपदेश दिया है वह प्रभु होता है अर्थात् अरिहंत भगवान ।

प्रमत्त – *Pramatta.*
One with having passional vibrations, Lustful.
हिंसक, प्रमादी, संज्वलन कषाय के तीव्र उदय से होने वाले प्रमाद से सहित ।

प्रमत्तयोग – *Pramattayoga.*
Vibration due to passions, which agitate mind body or speech.
कषाय सहित मन वचन काय की प्रवृत्ति ।

प्रमत्त विरत – *Pramatta Virata.*
The 6th stage of spiritual development where saints having perfect vows with passion.
छठा गुणस्थान, प्रत्याख्यानावरण कषाय के क्षयोपशम से सकल संयम रूप मुनिव्रत होने के पश्चात् संज्वलन कषाय और नोकषाय के उदय से संयम में मल उत्पन्न करने वाले प्रमाद से सहित दिगम्बर मुनियों के प्रमत्तविरत गुणस्थान होता है ।

प्रमत्त संयत – *Pramatta Saṁyata.*
One restrained with some carelessness in the sixth stage of spiritual development
छठे गुणस्थानवर्ती मुनि। जो पुरुष सकल मूल-गुणों से और शील अर्थात् उत्तर गुणों से सहित हैं, अतएव महाव्रती होते हैं तथा व्यक्त और अव्यक्त प्रमाद से सहित होने के कारण प्रमत्त संयत कहलाते हैं ।

प्रमद – *Pramada.*
Name of the first predestined *Rudra.*
भविष्यकालीन प्रथम रुद्र ।

प्रमदा – *Pramadā.*
Lustful women, Name of a stage of drama in *Samavsharan* – assembly of Lord.
प्रमाद की बहुलता से स्त्रियों को प्रमदा कहते हैं, समवशरण की नाट्यशाला ।

प्रमाण – *Pramāṇa.*
Right knowledge.
जिसके द्वारा पदार्थ जाना जाता है। सम्यग्ज्ञान; इसके मति, श्रुत, अवधि, मनःपर्यय, केवलज्ञान 5 भेद हैं ।

प्रमाण (अनुयोग) – *Pramāṇa (Anuyoga).*
A part of scriptural knowledge (*Purva*)
अग्रायणी पूर्व के 5 भेदों में एक भेद ।

प्रमाण (आगम) – *Pramāṇa (Āgama).*
Whole Jaina literature (preaching of *Acharyas*).
शास्त्र आदि हैं लिखे हुए जिनवचन; सर्वज्ञ-अर्थ प्रणीत वचन या आचार्य परम्परा से प्राप्त उपदेश ही आगम प्रमाण है ।

प्रमाण (ज्ञान) – *Pramāṇa (Jñāna).*
Right knowledge.
सम्यग्ज्ञान ।

प्रमाण (द्रव्य, क्षेत्र, काल) – *Pramāṇa (Dravya, Kṣetra, Kāla).*
Measure related to matter, region & time.
द्रव्य क्षेत्र काल की मर्यादा ।

प्रमाणक देव – *Pramāṇaka Deva.*
A type of peripatetic deities.
एक प्रकार के व्यन्तरजातीय देव। इनकी उत्कृष्ट आयु 70,000 वर्ष है ।

प्रमाण गणना (लौकिक, लोकोत्तर) – *Pramāṇa Gaṇanā (Laukika, Lokottara).*
Mathematical measure (universal, post universal)
लौकिक और अलौकिक मान; अलौकिक गणित के मुख्य दो भेद हैं-संख्यामान और उपमामान ।

प्रमाण निर्णय – *Pramāṇa Nirṇaya.*
Name of a book
न्याय विषयक एक ग्रंथ का नाम ।

प्रमाणनिर्माण – *Pramāṇa Nirmāṇa.*
A type of physique making *Karma* causing properly propotionate body.
नामकर्म की प्रकृति; जिसके उदय से शरीर के अंगों की रचना यथास्थान तथा यथाप्रमाण हो ।

प्रमाण परार्थ – *Pramāṇa Parārtha.*
Knowledge caused by other means.
परोपदेश से प्राप्त ज्ञान ।

प्रमाण परीक्षा – *Pramāṇa Parīkṣā.*
A book written by *Acharya* Vidyanandi.
आचार्य विद्यानन्दि सं. 1 (ई. 775-840) कृत एक ग्रंथ ।

प्रमाण प्रमेयकलिका – *Pramāṇa Prameyakalikā.*
A book written by Narendrasen.
नरेन्द्रसेन (ई. 1730-33) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

प्रमाणमीमांसा – *Pramāṇamīmāṁsā.*
See - *Pramāṇa Parīkṣā.*
देखें - प्रमाण परीक्षा ।

प्रमाण योजन – *Pramāṇa Yojana.*
An area unit.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष ।

प्रमाण राशि – *Pramāṇa Rāśi.*
Resulting or final quantity
गणित में निर्धारित प्रमाण का जो फल या उत्तर प्राप्त होवे ।

प्रमाण विस्तार – *Pramāṇa Vistāra*
A book written by *Acharya* Dharmabhushan
आचार्य धर्मभूषण (ई.श. 14) द्वारा रचित एक ग्रंथ

प्रमाण संग्रह – *Pramāṇa Saṁgraha*
A book written by *Acharya* Akalanka Bhatta.
आचार्य अकलंक भट्ट (ई. 620-680) कृत एक ग्रंथ ।

प्रमाणसंग्रहालंकार – *Pramāṇasaṁgrahālaṁkāra.*
Name of a commentary book.
प्रमाण संग्रह टीका विषयक एक ग्रंथ ।

प्रमाण सप्तभङ्गी – *Pramāṇa Saptabhaṅgī*
Measure pertaining to seven combinations (*Saptbhangi*)
प्रमाण में प्रत्येक धर्म की अपेक्षा सप्तभंगी होती है; स्यात् अस्ति, स्यात् नास्ति, स्यात् अस्ति नास्ति स्यात् अवक्तव्य, स्यात् अस्ति अवक्तव्य, स्यात् नास्ति अवक्तव्य, स्यात् अस्ति नास्ति अवक्तव्य ये सप्तभंगी कहलाते हैं ।

प्रमाण स्वार्थ – *Pramāṇa Svārtha*
Knowledge gained by self.
अनुमान प्रमाण के भेद; परोपदेश के बिना जो ज्ञान होता है, वह स्वार्थ प्रमाण है ।

प्रमाणांगुल – *Pramāṇāṅgula.*
A broad measuring unit, A measure.
उत्सेधांगुल से 500 गुणा बड़ा अंगुल। इससे पर्वत, द्वीप, समुद्र आदि का माप होता है ।

प्रमाणातिरेक दोष – *Pramāṇātireka Doṣa.*
A fault of hermitage (using of excess space)
वसतिका का एक दोष। अल्पभूमि में शय्या व आसन होने पर भी अधिक भूमि का ग्रहण करना ।

प्रमाणाभास – *Pramāṇābhāsa.*
Pseudo - organ of knowledge
मिथ्याज्ञान; इसके संशय, विपरीत, अनध्यवसाय तीन भेद हैं।

प्रमाता – *Pramātā.*
Knower or learned one in subject matters.
प्रमाणों द्वारा प्रमेय के ज्ञान को प्राप्त करने वाला चेतन पुरुष।

प्रमाद – *Pramāda.*
Laziness, Carelessness, Negligence, 15 types of certain activities leading to passionful involvement
आलस्य, कषाय सहित अवस्था को प्रमाद कहते हैं। कषाय के तीव्र उदय से अच्छे कार्यों के करने में आदर भाव का न होना। चार विकथा, चार कषाय, पाँच इन्द्रियाँ, एक स्नेह और एक निद्रा ये 15 प्रमाद हैं ।

प्रमादचरित – *Pramādacarita.*
Causing useless activities (purposeless).
अनर्थदण्ड; बिना प्रयोजन पृथ्वी, जल, अग्नि और पवन

के आरंभ करना, वनस्पति छेदना, पर्यटन करना और दूसरों को कराना ।

प्रमाद चर्या – *Pramāda Caryā.*

Conduct with carelessness.

अनर्थदंड का एक भेद। प्रमाद पूर्वक व्यवहार आचरण करना।

प्रमाद प्रत्यय – *Pramāda Pratyaya.*

Carelessness in auspicious activities.

कर्म बंध के 5 कारणों में एक कारण; शुभ कार्यों में आलस्य करना ।

प्रमादयोग – *Pramādayoga.*

Tendency of performing careless (violenceful) activities

हिंसा का लक्षण, कषाय सहित योगों की प्रवृत्ति ।

प्रमादाचारित्र – *Pramādacāritra.*

Conduct of negligence, work done with lust

प्रमाद सहित आचरण, असावधानी का काम ।

प्रमादाबहुला – *Pramādābahulā.*

Lustful

प्रमाद से भरा हुआ ।

प्रमा प्रमेय – *Pramā Prameya.*

Name of book related to judicial matters.

न्याय विषयक एक ग्रंथ ।

प्रमार्जन – *Pramārjana.*

Careful act of purification

पिच्छी आदि कोमल उपकरणों से शरीर-भूमि आदि को जीवों के रक्षार्थ मार्जन कर लेना या झाड़ लेना ।

प्रमार्जित – *Pramārjita.*

Carefully purified place, body etc.

पिच्छी आदि कोमल उपकरण से साफ की हुई भूमि आदि ।

प्रमिति – *Pramiti.*

Authentic knowledge.

किसी प्रमाण से प्राप्त जानकारी या निश्चित ज्ञान ।

प्रमृशा – *Pramṛśā.*

A river of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region)

भरत क्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी ।

प्रमेय – *Prameya.*

Object to be known completely.

द्रव्य पर्याय रूप वस्तु ही प्रमेय है; प्रमाण (ज्ञान) से जो जाना जावे ।

प्रमेय उपक्रम – *Prameya Upakrama.*

A type of *Upakram* (a type of pursuance or introduction).

उपक्रम के अर्थाधिकार का एक भेद ।

प्रमेयकमलमार्तंड – *Prameyakamalamārtaṇḍa.*

A book written by *Acharya* Prabhachand.

आचार्य माणिक्यनन्दि (ई. 925-1023) कृत परीक्षामुख पर आचार्य प्रभाचन्द (ई. 950-1020) कृत एक टीका। इसकी हिन्दी टीका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से उनकी शिष्या आर्यिका श्री जिनमती माताजी ने की है। (समय-दीपकी भई का उत्पाद।) ।

प्रमेयत्व – *Prameyatva.*

Something related to the knowledge of subject matter

प्रमेय के भाव को प्रमेयत्व कहते हैं ।

प्रमेयरत्नाकर – *Prameyaratnākara.*

A book written by *Pandit* Ashadharji

पं. आशाधर (ई. 1173-1243) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

प्रमेयरत्नालंकार – *Prameyaratnālaṁkāra.*

A book written by *Acharya* Charukirti

आचार्य चारुकीर्ति (ई. 1544) कृत एक ग्रंथ ।

प्रमोक्षमार्ग – *Pramokṣamārga.*

Path leading to the bodiless state of salvation (as Lord *Siddha*)

अर्हंत, सिद्ध अवस्था की प्राप्ति का मार्ग है। मोक्ष-अर्हंत अवस्था और प्रमोक्ष-सिद्ध अवस्था है ।

प्रमोद – *Pramoda.*

Joy, pleasure, delight.

मुख की प्रसन्नता आदि के द्वारा भीतर की भक्ति और अनुराग का व्यक्त होना। यतियों के गुणों का विचार करके उनके गुणों में हर्ष मानना यह प्रमोद भावना का लक्षण है ।

प्रयाग – *Prayāga.*

Name of the initiation & omniscience place of Lord Rishabhdev. Its present name is Allahabad. A new place of pilgrimage 'Tirthankar Rishabhdev Tapasthali' has also constructed here on the inspiration of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji.

भगवान ऋषभदेव की दीक्षा एवं केवलज्ञानकल्याणक भूमि (जहाँ भगवान ने प्रकृष्ट रूप से त्याग किया), वर्तमान इलाहाबाद (उ.प्र.)। युग के प्रथम केशलोंच, प्रथम जैनेश्वरी दीक्षा, प्रथम केवलज्ञान, प्रथम समवसरण एवं प्रथम आर्यिकादीक्षा की भूमि। पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से ई. सन् 2001 में इस भूमि पर (इलाहाबाद-बनारस हाइवे पर) 'तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली' तीर्थ का निर्माण किया गया, जिसमें धातु के वटवृक्ष के नीचे दीक्षा मुद्रा में भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा, भगवान ऋषभदेव समवसरण, 72 जिनालय युक्त 50 फुट ऊँचा कैलाशपर्वत, भगवान ऋषभदेव कीर्तिस्तंभ, अतिथिगृह आदि रचनाएँ निर्मित की गई हैं। कैलाशपर्वत के शिखर पर 14 फुट उत्तुंग भगवान ऋषभदेव की विशाल पद्मासन प्रतिमा विराजमान है। पूज्य माताजी की प्रेरणा से तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राजधानी दिल्ली से ई. सन् 1998 में उद्घाटित 'भगवान ऋषभदेव समवसरण श्रीविहार' 3 वर्ष तक सम्पूर्ण भारत में धर्मप्रभावना के पश्चात् तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली-प्रयाग के समवसरण मंदिर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश द्वारा स्थापित किया गया ।

प्रयुत – *Prayuta.*

A time unit

काल का एक प्रमाण। 84 लाख प्रयुतांग प्रमाण काल ।

प्रयुतांग – *Prayutāṅga*
A time unit.
काल का एक प्रमाण विशेष ।

प्रयोक्ता – *Prayoktā*
Agent users.
प्रयोग करने वाला ।

प्रयोग – *Prayoga*
Application (use), Effort, Experiment.
मन वचन एवं काय का व्यापार जो 'योग' शब्द से कहा जाता है ।

प्रयोगकर्म – *Prayogakarma.*
A type of *Karma.*
कर्म का एक भेद, वह मन, वचन, काय प्रयोग कर्म के भेद से 3 प्रकार का होता है ।

प्रयोगगति – *Prayoga Gati.*
Speed of arrow wheel etc
एक प्रकार की गति; पुरुष के प्रयोग से होने वाली बाण, चक्र आदि की गति ।

प्रयोगज परिणाम – *Prayogaja Pariṇāma.*
Results of practical experiments (like knowledge gained from preaching etc.).
आदिमान परिणाम का एक भेद; जो परिणाम बाह्य निमित्त पर आश्रित हैं। जैसे- ज्ञान, शील, भावना आदि का गुरु उपदेश के निमित्त से होना, अचेतन मिट्टी आदि का कुम्हार आदि के प्रयोग से घटरूप परिणमन आदि ।

प्रयोजन – *Prayojana*
Purpose, object, motive, occasion.
ध्येय, लक्ष्य, उद्देश्य, अभिप्राय। किसी अर्थ को पाने या छोड़ने योग्य निश्चित करके उसके पाने या छोड़ने का उपाय करना ।

प्रयोज्यता – *Prayojyatā.*
Applicability, aptness.
प्रयोजन के वश, उपयोग में आने की योग्यता ।

प्ररूपणा – *Prarūpaṇā.*
Representation, Enunciation (related to living beings).
निरूपण; सत्, संख्या, बंध, उदय आदि की अपेक्षा जीवों का विशेष कथन ।

प्ररोहण – *Prarohana.*
Ascent, growth.
आरोह, चढ़ाव ।

प्रलंब – *Pralamba.*
Name of a planet, All esculent tuber roots bulbous roots
एक ग्रह का नाम, भूमि में प्रविष्ट कन्दमूल, अंकुर 'मूल प्रलम्ब' तथा अंकुर, कोमल पत्ते, फल और कठोर पत्ते 'अग्र प्रलम्ब' कहलाते हैं ।

प्रलय – *Pralaya.*
Dissolution of the world, disaster, catastrophe
विनाश, सृष्टि विनाश; अवसर्पिणी काल में छठे-दुखमा दुखमा काल के उनचास दिन कम इक्कीस हजार वर्षों के बीत जाने पर जन्तुओं को भयदायक घोर संवर्तक पवन चलता है ।

प्रवचन – *Pravacana.*
Sermons, preachings, exposition. A type of peripatetic deities
श्रुतज्ञान का अपरनाम, जिनवाणी, प्रकृष्ट वचन, पिशाच व्यन्तरों का 14 वां भेद ।

प्रवचन प्रभावना – *Pravacana Prabhāvanā*
Glorification of scriptures or sermons.
आगम के अर्थ का कीर्ति विस्तार या वृद्धि करना ।

प्रवचन भक्ति – *Pravacana Bhakti*
Scriptural devotion.
प्रवचन में कहे हुए अर्थ का अनुष्ठान करना। 16 कारण भावनाओं में एक भावना, द्वादशांग में अनुराग रखना ।

प्रवचन मातृका – *Pravacana Mātṛkā.*
Conduct with carefulness and self control.
5 समिति और 3 गुप्ति को प्रवचन मातृका कहते हैं ।

प्रवचन वात्सल्य – *Pravacana Vātsalya.*
Affection towards co-religionists, to keep love with one another
16 कारण भावना की एक भावना; साधर्मीजनों को देखकर स्नेह से ओतप्रोत हो जाना ।

प्रवचन सन्निकर्ष – *Pravacana Sannikarṣa.*
Shrutgyan scriptural knowledge (with all 12 parts).
द्वादशांग श्रुतज्ञान; जिसमें प्रकर्ष रूप से वचन सन्निकृष्ट होते हैं।

प्रवचनसार – *Pravacanasāra.*
A *Prakrit* treatise written by *Acharya* Kundkund.
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत ज्ञान, ज्ञेय व चारित्र विषयक एक प्राकृत ग्रंथ ।

प्रवचनसार टीका – *Pravacanasāra Tīkā.*
A commentary book on 'Pravachanasar' written by *Acharya* Amritchandra.
प्रवचनसार ग्रंथ पर 1. आचार्य अमृतचन्द्र (ई. 905-955) कृत एक संस्कृत टीका 'तत्त्वप्रदीपिका', 2. आचार्य जयसेन (ई.श. 11-12 अथवा 12-13) कृत 'तात्पर्यवृत्ति' संस्कृत टीका ।

प्रवचनार्थ – *Pravacanārtha.*
Another name of *Shrutgyan*, scriptural knowledge.
श्रुतज्ञान का पर्यायवाची नाम, जिस आगम में वचन और अर्थ ये दोनों प्रकृष्ट अर्थात् निर्दोष हैं उस आगम की प्रवचनार्थ संज्ञा है ।

प्रवचनी – *Pravacanī.*
Another name of *Shrutgyan*, scriptural knowledge.
श्रुतज्ञान का पर्यायवाची नाम, जिसमें प्रकृष्ट वचन होते हैं वह प्रवचनी है ।

प्रवचनीय – *Pravacanīya*
Scriptural knowledge which can be preached.
प्रबन्ध पूर्वक जो प्रवचनीय अर्थात् व्याख्येय या प्रतिपादनीय होता है ।

प्रवर्तक (साधु) – *Pravartaka (Sādhu)*
A type of *Digambar* Jain saints.
जो ज्ञान से अल्प है परन्तु सर्व संघ की मर्यादा पूर्वक आचरण का जिसको ज्ञान है उसको प्रवर्तक साधु कहते हैं ।

प्रवाद – *Pravāda.*
Discourse, Right exposition
जिसके द्वारा इष्ट अर्थ को उत्तमता से प्रतिपादित किया जाय उसे प्रवाद कहते हैं ।

प्रवाल – *Pravāla*
Coral. Name of a summit situated at *Manushottar* mountain.
मूंगा, मानुषोत्तर पर्वत पर स्थित एक कूट ।

प्रवाह क्रम – *Pravāha Krama.*
Sequential flow.
धारावाहिक, प्रतिसमय होने वाले द्रव्यों के उत्पाद व्यय ।

प्रवाहमय – *Pravāhamaya.*
Flowing, fluent.
धारावाहिक, निरंतर ।

प्रविचार – *Pravicāra.*
Sexual enjoyment.
मैथुन के उपसेवन को प्रविचार कहते हैं ।

प्रविष्ट – *Praviṣṭa.*
An infraction of paying reverence, to be very near to the idol of Lord Arihant, *Acharyas* etc
वंदना का एक अतिचार। अर्हंतादि परमेष्ठियों के अत्यंत निकट होकर वंदना करना ।

प्रवृत्त चक्र – *Pravṛtta Cakra.*
To be always engaged in *Yogic* activities.
योग आदि क्रियाओं में रात - दिन लगे रहना ।

प्रवृत्ति – *Pravṛtti.*
Activity, Trend, Tendency.
प्रमाण से किसी वस्तु को जानकर उसे पाने या छोड़ने की इच्छा सहित चेष्टा करना ।

प्रवृत्ति मार्ग – *Pravṛtti Mārga.*
Householders' tendency related to religious conduct
भक्ति प्रधान धर्म; जहां व्यवहार धर्म की तरफ अधिक झुकाव हो अर्थात् गृहस्थ धर्म ।

प्रवेश – *Praveśa.*
Penetration, Entrance.
पैठना, भीतर जाना, पहुंच ।

प्रवेश द्वार – *Praveśa Dvāra.*
Approach door, vestibule.
भीतर जाने का मुख्य दरवाजा ।

प्रवेश मण्डप – *Praveśa Maṇḍapa.*
Entrance, Vestibules porch.
प्रवेश द्वार ।

प्रव्रज्या – *Pravrajyā.*
Renunciation of worldly affairs for Jaina-initiation
नग्न परम स्थान में से एक; सम्पूर्ण परिग्रह त्याग कर 'जिनदीक्षा' ग्रहण करना ।

प्रशंसा – *Praśaṃsā.*
Commendation, Admiration.
गुणों को प्रकट करने का भाव प्रशंसा है ।

प्रशम – *Praśama.*
Spiritual calmness.
क्रोधादि कषाय की मंदता; यह सम्यग्दृष्टि का एक बाहरी चिन्ह (गुण) है ।

प्रशमाभास – *Praśamābhāsa.*
False pride of spiritual calmness
प्रशम भाव का झूठा अहंकार करने वाले मिथ्यादृष्टि के सम्यक्त्व का सद्भाव न होने से प्रशमाभास होता है ।

प्रशस्त – *Praśasta.*
Auspicious, excellent. Commended, One having capacity to destroy *Karmas*.
शुभ, प्रशंसनीय, हितकारी, जो कर्मों का निर्दहन करने की सामर्थ्य से युक्त है वह प्रशस्त है ।

प्रशस्त गति – *Praśasta Gati.*
Meritorious destinities-Human & celestial destinities (*Gatis*).
उत्तमगति – मनुष्य गति एवं देवगति ।

प्रशस्त ध्यान – *Praśasta Dhyāna.*
Commendable meditation.
प्रशंसनीय ध्यान। धर्मध्यान, शुक्लध्यान जो मोक्ष के कारण हैं।

प्रशस्त निदान – *Praśasta Nidāna.*
Keen desire for liberation.
कर्मनाश व मुक्ति प्राप्ति की इच्छा ।

प्रशस्त राग – *Praśasta Rāga.*
Devotion in the prayer of Lord, *Guru* etc.
देव शास्त्र गुरु के प्रति भक्तिरूपी राग प्रशस्त राग है ।

प्रशस्त विहायोगति नाम कर्म प्रकृति –
Praśasta Vihāyogati Nāma Karma Prakṛti
Physique making *Karmas* causing graceful walking style.
सुंदर चाल जिस कर्म के उदय से हो, जैसे – हंस, हाथी की चाल।

प्रशांतता क्रिया – *Praśāntatā Kriyā.*
An act of consecration, to have feelings of fasting etc.
दीक्षान्वय की एक क्रिया; नाना प्रकार के उपवास आदि की भावनाओं को प्राप्त होना ।

प्रशांति – *Praśānti.*

Tranquility, calm. A king of *Kuru* dynasty.
उत्कृष्ट शांति, तीर्थंकर शांतिनाथ के पश्चात् दो राजाओं के बाद हुआ कुरुवंशी राजा।

प्रशांति क्रिया – *Praśānti Kriyā*

An auspicious & sacred act of entrusting homely responsibilities to the son for engaging in religious observances
गर्भान्वय की एक क्रिया; अपने पुत्र को गृहस्थ का भार सौंपकर विरक्त चित्त हो धर्म का पालन करते हुए शांत वृत्ति में रहना।

प्रश्न – *Praśna.*

Question, Desire to know something.
पदार्थ को जानने की इच्छा होना।

प्रश्नभाषा – *Praśnabhāṣā.*

Language of questioning, Interrogation
भाषा का एक भेद; प्रश्न पूछना।

प्रश्नव्याकरण – *Praśnavyākaraṇa.*

A type of scriptural knowledge pertaining to answering the questions.
द्वादशांग श्रुतज्ञान का दसवां अंग; जिसमें युक्ति और नयों के द्वारा अनेक प्रश्नों का उत्तर दिया गया है।

प्रश्नोत्तर श्रावकाचार – *Praśnottara Śrāvakācāra*

A book written by *Acharya* Sakalkirti
आचार्य सकलकीर्ति (ई. 1406-1442) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

प्रष्ठक – *Prasthaka.*

Name of a *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग का एक पटल।

प्रसंग – *Prasaṁga.*

Occasion, Chance, Reference
अवसर, संगम, विषय।

प्रसाद – *Prasāda.*

Propitiatory offering or gift, boon, blessing, sacred material.
मन में निर्मल भाव लाने वाली वस्तु, अनुग्रह, कृपा, पवित्र द्रव्य।

प्रसारिताबाहु तप – *Prasāritabāhu Tapa.*

A type of physical mortification, an external austerity.
कायक्लेश तप। दोनों बाहों को ऊपर करके खड़े होना।

प्रसुप्त दशा – *Prasupta Daśā*

Dormant state, State of sound sleep.
सोया हुआ, प्रगाढ़ निद्रा की अवस्था।

प्रसेनजित् – *Prasenajit.*

Name of the 13[th] *Kulkar* (ethical founder), the 16[th] son of Shri Krishna.
13 वें कुलकर का नाम, श्री कृष्ण का 16 वाँ पुत्र।

प्रस्तर – *Prastara*

Stratum. Sequential & scattered heavenly abodes, A kind of super power of producing a heavy stone for covering something.
स्वर्ग लोक के श्रेणीबद्ध और प्रकीर्णक विमान प्रस्तर कहलाते हैं, एक विद्या; इसमें शिला उत्पन्न करके उससे किसी को ढका या दबाया जा सकता है।

प्रस्तार – *Prastāra.*

Something related to mathematical calculation
प्रमाद के भंग निकालने की 5 विधियों में एक विधि; संख्या निकालने के क्रम को प्रस्तार कहते हैं।

प्रस्तार शय्या – *Prastāra Śayyā*

Stone bed
शयन करने के शिलापट्ट आदि।

प्रस्ताव – *Prastāva*

Proposal, Suggestion.
अभिप्राय, प्रमाण के फलरूप में जिसका ग्रहण किया जाता है ऐसा हेयोपादेय तत्त्व का निर्णय प्रस्ताव है।

प्रस्थ – *Prastha.*

A measure for weighing.
तोल का एक प्रमाण विशेष; जिससे धान्य आदि नापे जाते हैं।

प्रहरण – *Praharaṇa*

Name of the 7[th] *Pratinarayana.*
7 वें प्रतिनारायण का नाम।

प्रहरा – *Praharā.*

Name of a river of *Bharat Kshetra - Arya Khand* (region)
भरत क्षेत्र स्थित आर्यखण्ड की एक नदी।

प्रहारसंक्रामिणी विद्या – *Prahārasaṁkrāmiṇī Vidyā.*

A type of magical power of mystic words.
एक मन्त्र विद्या। धरणेन्द्र द्वारा नमि और विनमि को प्रदत्त लोकहितकारिणी एक विद्या।

प्रह्लाद – *Prahlāda.*

One who committed tyranny on all 700 saints (Akampanacharya etc.) with Bali
हस्तिनापुर के राजा पद्म के बलि आदि 4 मंत्रियों में एक मंत्री इसी के साथ बलि ने अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर उपसर्ग किया था।

प्राक् – *Prāk.*

East direction.
पूर्व दिशा।

प्राकाम्य ऋद्धि – *Prākāmya Ṛddhi*

A type of supernatural power (related to special walking on the surface of earth & water).
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु जल के समान पृथ्वी पर और पृथ्वी के समान जल पर गमन करने में समर्थ होते हैं।

प्राकार – *Prākāra.*
Enclosing wall, Boundary
जिनगृह आदि की रक्षा के लिए चारों ओर बनायी गई भीतों (दीवालों) को प्राकार कहते हैं ।

प्राकृत संख्या – *Prākṛta Saṁkhyā*
Natural numbers.
गणित की सभी पूर्ण धनात्मक संख्याए (1, 2, 3, ...) ।

प्रागभाव – *Prāgabhāva*
Prior non - existence of something
पूर्व पर्याय में वर्तमान पर्याय का जो अभाव है उसे प्रागभाव कहते हैं : जैसे - आटे में रोटी का अभाव ।

प्राङ्गण – *Prāṅgaṇa.*
Courtyard
आंगन, मैदान ।

प्राचीर – *Prācīra.*
Enclosure, Rampart, a parapet, the walls erected around a city or fort.
दीवार, घेरा ।

प्राच्य – *Prācya*
East direction (to have importance)
पूर्व दिशा। प्रत्येक शुभ कार्य में प्राची दिशा की प्रधानता होती है।

प्राण – *Prāṇa.*
Bio - energy, Vitality
जिसके द्वारा प्रत्येक जीव जीता है, ये द्रव्य और भाव प्राण के भेद से दो रूप है ।

प्राण असंयम – *Prāṇa Asaṁyama.*
Violence of living beings.
षट्काय जीवो की विराधना से उत्पन्न असंयम प्राण असंयम है.

प्राणघात – *Prāṇaghāta*
Killing of beings.
हिंसा; प्रमाद से युक्त होकर जीवों का घात करना ।

प्राणघातिकी हिंसा – *Prāṇaghātiki Hiṁsā*
A type of violence, Killing.
प्रमाद योग से किसी जीव के प्राणों का घात करना ।

प्राणत – *Prāṇata.*
The 14th heaven.
कल्प स्वर्गों में 14 वां कल्प (स्वर्ग) ।

प्राणत (देव) – *Prāṇata (Deva).*
A type of heavenly deities.
कल्पवासी देवों का एक भेद ।

प्राणपीड़न – *Prāṇapīṛana.*
Violenceful activities.
हिंसा, प्रमाद योग से किसी जीव के प्राणों को पीड़ा देना ।

प्राणरक्षा – *Prāṇarakṣā.*
Life saving activities, non – violence.
अहिंसा; जीवों के प्राणों की रक्षा करना ।

प्राणवाद – *Prāṇavāda.*
11th *Purva* (part) of scriptural knowledge
द्वादशांग श्रुतज्ञान का 11 वाँ पूर्व ।

प्राणव्यपरोपण – *Prāṇavyaparopaṇa.*
Violenceful activities
हिंसा, जीवों के प्राणों का घात करना ।

प्राणि संयम – *Prāṇi Saṁyama.*
Vitality control, life saving of all beings.
षट् काय के जीवों की रक्षा करना ।

प्राणातिपात – *Prāṇātipāta.*
Killing, violenceful activities.
प्राणों से प्राणियों का वियोग करना। अथवा मन, वचन, काय की हिंसापूर्ण प्रवृत्ति ।

प्राणातिपात विरमणव्रत – *Prāṇātipāta Viramaṇavrata.*
A vow of non - violence
अहिंसाव्रत, जीवों के प्राणों की रक्षा करना ।

प्राणातिपातिकी क्रिया – *Prāṇātipātiki Kriyā.*
Damaging any of the senses or vitalities of beings.
जीवों की इन्द्रिय आदि प्राणों का या एक दो आदि प्राणों का घात करना प्राणातिपातिकी क्रिया है ।

प्राणापान पर्याप्ति – *Prāṇāpāna Paryāpti.*
Breathing vitality.
छह पर्याप्तियों में एक पर्याप्ति इसे श्वासोच्छ्वास भी कहते हैं।

प्राणायाम – *Prāṇāyāma.*
Yogik respiratory control, meditation.
श्वास को अंदर खींचना कुम्भक, रोक कर रखना पूरक एवं धीरे-धीरे बाहर छोड़ना रेचक है, ये तीनों मिलकर प्राणायाम कहलाते हैं ।

प्राणावाय पूर्व – *Prāṇāvāya Pūrva.*
A part (*Purva*) of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
14 पूर्वों में से बारहवाँ पूर्व, जिसमें शरीर चिकित्सा आदि अष्टांग आयुर्वेद, भूतिकर्म, जांगुलिक कर्म (विष विद्या) और प्राणायाम के भेद प्रभेदों का वर्णन होता है ।

प्राणी – *Prāṇī.*
Living beings possessing different types of vitalities.
जीव जिसमें इन्द्रिय, बल, आयु और श्वासोच्छ्वास आदि प्राण विद्यमान रहते हैं ।

प्राणु – *Prāṇu.*
A time unit.
काल का एक प्रमाण विशेष ।

प्रातर – *Prātara.*
A country of middle *Arya Khand* (region)
मध्य आर्यखण्ड का एक देश ।

प्रातिक देव – *Prātika Deva*
A type of peripatetic deities
एक प्रकार का व्यंतरजातीय देव।

प्रातिहार्य – *Prātihārya*
Eight auspicious emblems of Lord Arhant.
अशोक वृक्ष, तीन छत्र, रत्नमय सिंहासन, दिव्यध्वनि, दुन्दुभि नाद, पुष्पवृष्टि, प्रभामण्डल, चौंसठ चमरयुक्तता ये अरिहंत भगवान के 8 प्रातिहार्य कहलाते हैं।

प्रात्ययिकी क्रिया – *Prātyayiki Kriyā.*
Collection of household articles
आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया; अधिकरण नए-नए सामग्री जुटाना।

प्राथमिक – *Prāthamika.*
Elementary; primary
प्रारम्भिक, जो पहले उत्पन्न हुआ है।

प्रादुर्भाव – *Prādurbhāva.*
Origination, evolution
नई पर्याय का उत्पाद होना।

प्रादूषिक क्रिया – *Prādūṣika Kriyā.*
Malicial activity.
राग, द्वेष, ईर्ष्या आदि से युक्त कार्य।

प्रादोषिक काल – *Prādoṣika Kāla.*
The period of dawn & dusk.
जिसमें रात का भाग है वह प्रदोष काल है अर्थात् रात के पूर्वभाग के समीप दिन का पश्चिम भाग, वह सुबह-शाम दोनों कालों में प्रदोषकाल कहलाता है।

प्रादोषिकी क्रिया – *Prādoṣiki Kriyā.*
Enraging activity; faulty conduct of mind, speech & body.
आस्रव की एक क्रिया; क्रोध के आवेश से अथवा दुष्ट मन-वचन-काय से होने वाली क्रिया।

प्राधान्य पद – *Prādhānya Pada.*
A type of *Upakrama* (a type of pursuasion), Dominant name or thing.
उपक्रम का एक भेद; बहुत से पदार्थों के होने पर भी किसी एक पदार्थ की बहुलता आदि द्वारा प्राप्त हुई प्रधानता से बोले जाने वाला नाम। जैसे—आम्रवन, निम्बवन इत्यादि।

प्राप्य कर्म – *Prāpya Karma.*
Easily attainment of object
कर्ता के द्वारा बिना किसी विकार आदि के पदार्थ की प्राप्ति करना।

प्राप्यकारी इन्द्रियाँ– *Prāpyakārī Indriyāṁ.*
Senses causing cognizance with actual experience concerning the particular subject.
जो इन्द्रियां पदार्थ को स्पृष्ट और बद्ध होकर जानती हैं वह प्राप्यकारी कहलाती हैं। जैसे-स्पर्शन, रसना, घ्राण एवं श्रोत्र इन्द्रियां। मात्र चक्षु इन्द्रिय अप्राप्यकारी होती है।

प्राभृत – *Prābhṛta.*
A type of scriptural knowledge (*Shrugyan*).
जो प्रकृष्ट अर्थात तीर्थंकर के द्वारा आभृत अर्थात प्रस्थापित किया गया है वह प्राभृत है। समय प्राभृत या षट् प्राभृत आदि नाम के ग्रंथ। श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 15वां भेद, यह ज्ञान प्राभृत-प्राभृत समास में एक अक्षररूप श्रुतज्ञान की वृद्धि होने से होता है।

प्राभृतप्राभृत – *Prābhṛta Prābhṛta.*
A type of scriptural knowledge (*Shrugyan*).
श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 13 वां भेद, यह ज्ञान अनुयोग समास ज्ञान में एक अक्षररूप श्रुतज्ञान की वृद्धि होने से होता है।

प्राभृतप्राभृत समास – *Prābhṛta Prābhṛta Samāsa.*
A type of scriptural knowledge (*Shrugyan*).
श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 14 वां भेद, यह ज्ञान प्राभृत-प्राभृत श्रुतज्ञान में एक अक्षर के बढ़ने से होता है।

प्राभृत समास – *Prābhṛta Samāsa*
A type of scriptural knowledge (*Shrugyan*).
श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 16 वां भेद, प्राभृत श्रुतज्ञान में एक अक्षर के बढ़ने से यह ज्ञान होता है।

प्रामाण्य – *Prāmāṇya*
Authenticity, authority
प्रामाणिकता; प्रमाण का कर्म प्रामाण्य कहलाता है वह पदार्थ के निश्चय करने रूप लक्षण वाला होता है।

प्रामाण्य भंग – *Prāmāṇya Bhaṁga.*
A book written by *Acharya* Anantkriti.
आचार्य अनन्तकीर्ति (ई.श. 8 मध्यपाद) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

प्रायश्चित्त – *Prāyaścitta.*
Expiation, Repentance, Atonement, Penitence.
प्रतिसमय लगने वाले अंतरंग व बाह्य दोषों की निवृत्ति करके अंतर्शोधन करने के लिए गुरु के समक्ष किया गया पश्चात्ताप।

प्रायश्चित्त विधान – *Prāyaścitta Vidhāna.*
Name of a book written by *Acharya* Indranandi
आचार्य इन्द्रनंदि कृत ग्रंथ।

प्रायोगिकी क्रिया – *Prāyogiki Kriyā.*
Human efforted activity
क्रिया का एक भेद; गाड़ी आदि की पुरुष प्रयत्न से होने वाली क्रिया।

प्रायोग्य लब्धि – *Prāyogya Labdhi.*
A type of attainment (*Labdhi*) before getting *Samyakdarshan*, experimental competency or attainment.
सम्यग्दर्शन की प्राप्ति में आधारभूत 5 लब्धियों में से चतुर्थ लब्धि, सर्व कर्मों की उत्कृष्ट स्थिति और उत्कृष्ट अनुभाग को घात करके अंतःकोड़ाकोड़ी स्थिति में और द्विस्थानीय अनुभाग में स्थित कर देना।

प्रायोग्यानुपूर्वी – *Prāyogyānupūrvī*
Existence of soul in transmigratory motion in the same shape as in the previous left body.
आनुपूर्वी, विग्रहगति में आत्म प्रदेशों का पूर्वशरीराकार बने रहना।

प्रायोपगमन मरण – *Prāyopagamana Maraṇa.*
Faultless voluntary great & holy death.

व्युत्सर्ग का उत्कृष्ट रूप, ऐसा समाधिमरण करना जिसमें न तो आप अपना इलाज करें न दूसरे से करावें प्रत्युत ध्यान में लीन रहें ।

प्रारंभ क्रिया – *Prārambha Kriyā.*
Continuous involvement in different activities
आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया; छेदन-भेदन आदि क्रियाओं में तत्पर रहना

प्रारब्ध – *Prārabdha*
Fate or destiny
भाग्य, नियति ।

प्रारब्ध देश संयमी – *Prārabdha Deśa Saṃyamī.*
Layman votary with abstinence
जिसने श्रावक के व्रतों का अभ्यास प्रारम्भ किया है ।

प्रारब्ध योगी – *Prārabdha Yogī.*
One engrossed in meditation inabsolutely
शुद्धात्म भावना के प्रारम्भक और सूक्ष्म सविकल्प अवस्था में स्थित पुरुष ।

प्रावचन – *Prāvacana.*
Another name of *Shrutgyan* (scriptural knowledge)
श्रुतज्ञान का अपरनाम। प्रवचन अर्थात् प्रकृष्ट शब्द समूह द्वारा होने वाला ज्ञान या द्रव्यश्रुत प्रावचन कहलाता है ।

प्रासाद – *Prāsāda.*
Palace, a palatial building.
महल, ईंटों और पत्थरों के बने हुए आवासों को प्रासाद कहते हैं।

प्रासुक – *Prāsuka*
Sterilised, Boiled water, milk etc.
जिसमें से एकेन्द्रिय स्थावर जीव निकल गये हैं वह प्रासुक द्रव्य कहलाता है ।

प्रासुक परित्याग – *Prāsuka Parityāga.*
Preaching of right faith, right knowledge & right conduct by Jaina saints
दया बुद्धि से साधुओं के द्वारा किये जाने वाले ज्ञान, दर्शन, चारित्र के दान का नाम प्रासुक परित्याग है ।

प्रासुक विहारी – *Prāsuka Vihārī.*
A well conducting saint (reg. prescribed rule of staying and movement)
जो साधु ग्राम में एक रात और नगर में पाँच दिन तक रहते हैं वे प्रासुक विहारी कहलाते हैं ।

प्रास्थाल – *Prāsthāla.*
A country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).
भरत क्षेत्र उत्तर आर्यखण्ड का एक देश ।

प्रियंगु – *Priyaṅgu.*
Name of the initiation tree of Lord Sumatinath & Lord Padmaprabha.
सुमतिनाथ एवं पद्मप्रभ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम ।

प्रिय – *Priya.*
Favourite thing, Dear one, A protecting deity of *Uttaradhatakikhanddvip* (island).
जो वस्तु अपने को पसंद हो, रमणीक, अनुकूल, उत्तरधातकी-खण्डद्वीप का रक्षक देव ।

प्रियकारिणी – *Priyakāriṇī.*
Mother's name of Lord Mahavira
भगवान् महावीर की माता जो वैशाली के महाराजा चेटक की सात पुत्रियों में से सबसे बड़ी पुत्री थीं। अपरनाम – त्रिशला ।

प्रियदर्शन – *Priyadarśana.*
A type of peripatetic deities, Other name of *Sumeru* mountain, Protecting deity of *Uttaradhatakikhand dvip* (island)
महोरग नामक जाति व्यन्तर देवों का एक भेद, सुमेरु पर्वत का अपरनाम, उत्तरधातकीखण्ड द्वीप का रक्षक देव ।

प्रियदर्शा – *Priyadarśā.*
A type of peripatetic deities.
महोरग जाति के व्यंतरों का 10 वां भेद ।

प्रियोद्भव क्रिया – *Priyodbhava Kriyā*
To organise an auspicious & reverential celebration *(Pujan-Vidhan)* on the birth of a child (a duty of householder)
गृहस्थ की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; प्रसूति होने पर जातकर्मरूप मन्त्र व पूजन आदि का बड़ा पूजन-विधान आदि करना ।

प्रीतिंकर – *Prītiṃkara.*
A king of *Kuru* dynasty, A heavenly abode of *Urdhva Graiveyak.*
कुरुवंश का एक राजा, ऊर्ध्व ग्रैवेयक का विमान ।

प्रीति – *Prīti*
Love, affection
वात्सल्य, प्रेम ।

प्रीति क्रिया – *Prīti Kriyā.*
An auspicious act of religious observances (to be done in 3rd month of pregnancy)
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; इसमें गर्भाधान के तीसरे मास में जिनेन्द्र देव की पूजा की जाती है ।

प्रेक्षण मण्डप – *Prekṣaṇa Maṇḍapa.*
Front portion of natural temples.
अकृत्रिम चैत्यालयों में मुख मंडप के आगे का मंडप ।

प्रेक्षागृह मण्डप – *Prekṣāgṛha Maṇḍapa.*
Assembly hall
सभागृह ।

प्रेक्षा ध्यान – *Prekṣā Dhyāna.*
Perceptional meditation.
ध्यान का एक भेद, श्वास आदि को देखते हुए ध्यान करना ।

प्रेत्य भाव – *Pretya Bhāva.*
Taking rebirth.
मरकर फिर किसी शरीर में जन्म लेना ।

प्रेम – *Prema.*
Love, affection.

राग, वात्सल्य, प्यार ।

प्रेष्य प्रयोग – *Presya Prayoga.*

A type of violation, to do something out of limit.
देशव्रत का एक अतिचार; मर्यादा के बाहर सेवक को भेजकर काम कराना ।

प्रोक्षण विधि – *Proksana Vidhi.*

A prescribed ritual procedure for the installation of Lord Idol
प्रतिमा की प्रतिष्ठा के समय की जाने वाली एक विधि। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में सौभाग्यवती स्त्रियों द्वारा आकार शुद्धि की क्रिया में भगवान की प्रतिमा में मंत्रपूर्वक जो चंदन लेपन कराया जाता है, इसका नाम प्रोक्षण विधि है, इसे सर्वोषधि विधि भी कहते हैं ।

प्रोषध – *Prosadha.*

Fasting or one time eating.
अष्टमी, चतुर्दशी आदि पर्व के दिन उपवास अथवा एक बार भोजन करना ।

प्रोषध प्रतिमा – *Prosadha Pratimā*

Fourth model stage (among 11) of a householder, Fasting for the *Ashtami, Chaturdashi* etc. (8th & 14th day of a lunar month).
श्रावक की 11 प्रतिमा में चौथी प्रतिमा; अष्टमी, चतुर्दशी के दिन शक्ति के अनुसार प्रोषधोपवास करना। उत्कृष्ट प्रोषध प्रतिमा में सप्तमी और नवमी को एक बार भोजन और अष्टमी को उपवास होता है। मध्यम में तीनों दिन एकाशन किया जाता है तथा जघन्य में अष्टमी को एक बार भोजन होता है ।

प्रोषधोपवास – *Prosadhopavāsa.*

Fasting (on 8th & 14th day etc. of each fortnight)
पर्व (अष्टमी, चतुर्दशी आदि) के दिनों में चारों प्रकार के आहार का त्याग करके धर्म ध्यान में दिन व्यतीत करना ।

प्रोषधोपवास प्रतिमा – *Prosadhopavāsa Pratimā.*

See - *Prosadha Pratimā.*
देखें - प्रोषध प्रतिमा ।

प्रोष्ठिल – *Prosthila.*

Name of the 9th pre-destined *Teerthankar* (Jaina-Lord).
9वें भावि कालीन तीर्थंकर का नाम। भगवान महावीर के पूर्वभव का जीव ।

प्लक्ष – *Plaksa.*

Name of the initiation tree of Lord Sheetalnath.
पद्मपुराण के अनुसार शीतलनाथ भगवान् के दीक्षा वृक्ष का नाम। महापुराण के अनुसार, यह वृक्ष 'बेल' का है ।

प्लक्षणाकूला – *Plaksanakūla.*

Name of a summit and a female deity of *Shikhari* mountain.
शिखरी पर्वत के एक कूट तथा देवी का नाम ।

प्लुत – *Pluta.*

Words with 3 *Matras* (intra-syllabic vowel symbols).
तीन मात्रा वाले वर्ण प्लुत कहलाते हैं ।

फ

फ – *Pha.*

The 22nd consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का बाईसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान ओष्ठ है ।

फण – *Phana.*

Expanded snake hood.
नाग का फैला हुआ फण; वर्तमान में पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा की मस्तक पर फैले नाग के फण से पहचाना जाता है। भगवान महावीर ने बाल्यावस्था में नाग के फण पर निर्भयतापूर्वक क्रीड़ा करने से संगमदेव द्वारा 'महावीर' नाम प्राप्त किया था।

फल – *Phala.*

Fruits, Results of *Karmas.*
खाने योग्य फल, कर्म आदि के परिणाम ।

फलकहार – *Phalakahāra.*

A kind of necklace.
एक हार : यह अर्धमाणवहार के मध्य में मणि लगाकर तैयार किया जाता है ।

फलचारण ऋद्धि – *Phalacārana Ṛddhi*

A type of super-natural power of walking over the fruits without harming its insects.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु फलों में रहने वाले जीवों को पीड़ा पहुंचाए बिना उनके ऊपर से चलने में समर्थ होते हैं ।

फलत्याग – *Phalatyāga.*

Abandonment of some particular fruits for some particular time
समस्त अथवा कुछ फलों का नियत समय के लिए त्याग करना।

फलदान – *Phaladāna.*

State of *Karma* causing fruition.
अपने फल के उत्पन्न करने में समर्थ कर्म अवस्था ।

फलरस – *Phalarasa.*

Fruit juice, Fruitional power of *Karmas.*
अंगूर, आम आदि के रस । कर्मों की फल देने की शक्ति ।

फलराशि – *Phalarāśi.*

Resultant quantity.
त्रैराशिक विधान में जो उत्तर या फल के रूप में राशि प्राप्त होती है ।

फलाकांक्षा – *Phalākānsā.*

Desire for getting worldly results
अनशन आदि में इहलौकिक फल की इच्छा रखना ।

फलेच्छा – *Phalecchā.*

See - *Phalākāmksā.*
देखें - फलाकांक्षा ।

फल्गुसेना – *Phalgusenā.*

Name of the last female Jaina follower of

Dushmakal.
दुषमाकाल की अंतिम श्राविका। इनका नाम 'पंगुश्री' भी उल्लिखित है

फालि – *Phāli.*
Accumulated matters in some particular time.
एक समय में उत्पन्न गये समस्त द्रव्य को एक फालि कहते हैं।

फालि द्रव्य – *Phāli Dravya.*
A part of *Karmic* aggregates
समुदाय रूप कर्म निषेकों का भाग ।

फालिसंक्रमण – *Phālisaṁkramaṇa.*
A type of transition
संक्रमण का एक भेद

फाहियान – *Phāhiyāna.*
Name of a Chinese tourist who came to India and reside for the period of 402-405 AD
एक चीनी यात्री जो ई. 402 में भारत आया एवं 405 तक भारत में रहा ।

फिलिप्स – *Philipsa.*
Father's name of the great king. 'Sikandar'.
यूनान देश का राजा तथा सम्राट् सिकन्दर का पिता ।

फूई – *Phūī.*
Mould, Fungus.
फफूंद (फूई या फफूंद वाला अन्न अभक्ष्य है) ।

फेनमालिनी – *Phenamālinī.*
A *Vibhanga* river situated in western *Videh* (region).
अपर विदेह स्थित एक विभंगा नदी ।

ब

ब – *Ba.*
The 23rd consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का तेईसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण दोनों ओठों को मिलाकर किया जाता है ।

बंग – *Baṁga.*
A country of *Bharat Kshetra* east *Arya Khand* (region), Present Bengal
भरतक्षेत्र पूर्व आर्यखण्ड का एक देश, वर्तमान बंगाल ।

बंगाल – *Baṁgala.*
A state of west India.
पश्चिम भारत में स्थित एक राज्य ।

बंदर – *Baṁdara.*
Monkey; significant mark of Lord Abhinandannath
अभिनन्दननाथ भगवान का चिन्ह ।

बंदी – *Baṁdī.*
Serving deities or beings.
उत्साहवर्द्धक मंगल पाठ करने वाले चारण अथवा देव। ये तीर्थंकर माता को जगाने व प्रस्थान के समय उच्च स्वर से मंगल पाठ करते हैं ।

बंध – *Baṁdha.*
Bondage, Tying up, Union, Bond (reg. *Karmic* theory)
अहिंसा अणुव्रत का एक अतिचार (जानवरों इत्यादि को बंधन में रखना), आत्मा और कर्मों का एक क्षेत्रावगाह संबंध होना ।

बंध (कर्मबंध) – *Baṁdha (Karmabaṁdha).*
Karmic bond.
कर्मों का बंधना बन्ध है, यह 4 प्रकार का होता है; प्रकृति, स्थिति, अनुभाग, प्रदेश ।

बंध अपसरण – *Baṁdha Apasaraṇa*
Bond reduction.
अपकर्षण, बंध का क्रम से घटना बंधापसरण है ।

बंध उत्सरण – *Baṁdha Utsaraṇa.*
Bond progression.
बंध का उत्कर्षण (बढ़ना) होना ।

बंधक – *Baṁdhaka.*
One related to the binding of *Karmas*, A surity or guarantee.
कर्मों का बंध करने वाला, ऋण के बदले में रखी जाने वाली वस्तु ।

बंधच्छेद – *Baṁdhacchheda.*
Bondage dissociation, Bond extermination.
बंध का नाश ।

बंध द्रव्य - *Bandha Dravya.*

Aggregates of *Karmic* molecules

कर्म परमाणुओं की संख्या जो बंधरूप हैं ।

बंधन नामकर्म प्रकृति - *Bandhana Nāmakarma Prakṛti.*

Physique making *Karmic* nature related to bonding

शरीर नामकर्म के उदय से प्राप्त हुए पुद्‌गलों का अन्योन्य प्रदेश संश्लेष जिसके निमित्त से होता है। इसके अभाव में शरीर लकड़ियों के ढेर जैसा ही होता है ।

बंधन बद्धत्व - *Bandhana Baddhatva.*

Binding of soul with *Karmas*

अनादिकाल से जीव का कर्म बंधन से बद्ध होना ।

बंधनीय - *Bandhanīya*

Karmas causing for binding

बन्धयोग्य कर्म और नोकर्म स्कन्ध बन्धनीय कहलाते हैं ।

बंधपरिणाम - *Bandhapariṇāma.*

Passions etc —causes of binding of *Karmas.*

जीव के बंध योग्य कषाय आदि परिणाम

बंध योग्य प्रकृति - *Bandha Yogya Prakṛti*

Karmic nature causing binding

8 कर्मों की 120 कर्म प्रकृतियां बंध योग्य कहलाती हैं ।

बंध विधान - *Bandha Vidhāna.*

Constitution of *Karmic* binding

प्रकृति, स्थिति, अनुभाग और प्रदेश के भेद से भेद को प्राप्त हुए बन्ध के भेदों को बंध विधान कहते हैं ।

बंध वेदना - *Bandha Vedanā.*

Pain or trouble caused due to *Karmic* binding

कर्मों के बंध से उत्पन्न वेदना या दुःख ।

बंध समुत्पत्तिक - *Bandha Samutpattika.*

Meritorious places caused due to binding of *Karmas.*

जिन सत्कर्म स्थानों की उत्पत्ति बन्ध से होती है, उन्हें बन्ध समुत्पत्तिक कहते हैं ।

बंध स्थान - *Bandha Sthāna.*

The place caused by binding of *Karmas.*

बंध से जो स्थान निर्मित होता है बन्ध स्थान कहलाता है ।

बंधस्पर्श - *Bandhasparśa.*

Body formation caused due to *Karmic* binding

विशेष रूप स्पर्श का एक भेद; औदारिक, वैक्रियक, आहारक, तैजस और कार्मण शरीर बंध स्पर्श है ।

बंधस्वामित्व - *Bandhasvāmitva.*

Name of a book.

कर्म सिद्धान्त विषयक एक ग्रंथ ।

बंधहेतु - *Bandhahetu.*

Causes (different types of nature) of binding of *Karmas.*

मिथ्यादर्शन, अविरति, प्रमाद, कषाय और योग ये समस्त बन्ध हेतु अर्थात् बन्ध के कारण हैं ।

बंधापसरण - *Bandhāpasaraṇa.*

See - *Bandha Apasaraṇa*

देखें - बंध अपसरण

बंधाभाव गति - *Bandhābhāva Gati*

A type of motion

एरण्डबीज आदि की बंध के अभाव से होने वाली गति ।

बंधावली - *Bandhāvali*

Non fruitional period of *Karmas* after their binding

कर्म बंध होने के बाद आवली मात्र काल-उदय, उदीरणादि रूप न होना, यही आवलीकाल बंधावली है। इसे अचलावली - अबाधावली भी कहते हैं ।

बंधु - *Bandhu.*

Relative or attached one.

भाई इत्यादि; मानसिक बंधनों के निमित्तभूत व्यक्ति, ये सुख दुःख दोनों के कारण होते हैं ।

बंधोत्सरण - *Bandhotsaraṇa.*

Bond progression

उत्कर्षण; स्थिति बंध को बढ़ाकर एक एक अन्तर्मुहूर्त तक समान बंध करना ।

बकरी - *Bakarī.*

Billy Goat, the significant symbol of Lord Kunthunath & a dream-mark of Bharat Chakravarti (an emperor)

कुंथुनाथ भगवान का चिन्ह, भरत चक्रवर्ती के 16 स्वप्नों में एक स्वप्न; शुष्क पत्ते खाने वाले बकरों का समूह (जिसका फल आगामी काल में दुराचारी मनुष्यों की उत्पत्ति था) ।

बकुल - *Bakula.*

Name of the initiation & omniscience tree of Lord Naminath.

नमिनाथ भगवान के दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष का नाम (मौलसिरी)।

बगुला - *Bagulā.*

A heron, A type of listener (reg. deceptive nature).

एक पक्षी, श्रोता का एक भेद; बगुला के समान बाहर से भद्र एवं अंतरंग से दुष्ट होना ।

बघेरवाल - *Bagheravāla.*

Name of a Jaina caste

जैनों की 84 जातियों में से एक जाति का नाम ।

बड़ - *Baṛa.*

The banyan tree.

एक पेड़ का नाम जिसके फल अभक्ष्य कहे गये हैं ।

बड़वानल - *Baṛavānala.*

The ocean-fire.

समुद्र में लगी आग ।

बदला - *Badalā.*

Revenge or returning of a favour.

अपकार या उपकार करने वाले के प्रति की जाने वाली प्रतिक्रिया।

बद्ध – *Baddha*

Embodied, Restricted, bounded

बंधा हुआ, मोहनीय कर्म से आवृत जीव को बद्ध कहते हैं

बद्धायुष्क – *Baddhāyuska.*

One who has bound the age for the next birth

जिनको परलोक संबंधी आयु बंध गई हो ।

बद्ध्यमान आयु – *Baddhyamāna Āyu.*

Age that has been bound for the next birth

आगामी जिस आयु का बन्ध किया हो वह बद्ध्यमान आयु कहलाती है ।

बध – *Badha*

Act of killing

किसी प्राणी के प्राणों का घात करना बध (वध) कहलाता है।

बध्य घातक भाव विरोध –

Badhya Ghātaka Bhāva Virodha

Ruinous controversial relation like fire-water, strong-weak etc

विरोध का एक भेद, यह साँप - नेवला या अग्नि - जल आदि में होता है। दो विद्यमान पदार्थों के संयोग होने पर बलवान द्वारा निर्बल को बाधित करना। अग्नि से असंयुक्त (भिन्न) जल अग्नि को नहीं बुझा सकता है ।

बध्यमान कर्म – *Badhyamāna Karma.*

A *Karmic* aggregate bound with delusions.

मिथ्यात्वादि प्रत्ययों द्वारा कर्म रूप प्राप्त होने वाला कार्मण स्कंध बध्यमान कहलाता है ।

बनारस – *Banārasa.*

A city; the birth place of Lord Suparshvanath & Parshvanath

7वे तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ एवं 23वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ की जन्म नगरी का नाम। यहाँ उनके क्रमशः 4 व 3 कल्याणक हुए हैं।

बनारसीदास – *Banārasīdāsa.*

Name of a great *Pandit*, who wrote 'Natak Samaysar' etc

एक महान पण्डित जिन्होंने 'नाटक समयसार', 'नाममाला', 'कर्म प्रकृति विधान', 'बनारसीविलास' आदि कई ग्रंथों की रचना की। समय- ई. 1587 - 1644 ।

बन्दनवार – *Bandanavāra.*

Auspicious hangings (of wreath etc.) hung at the entrance door of temple

तोरण, चन्दनमाला जो मंदिर के द्वार पर लटकायी जाती है ।

बन्ध – *Bandha.*

Binding of *Karmic* aggregates with soul

आत्मा के साथ कार्मण वर्गणाओं का एकमेक होना बंध कहलाता है। इसके 4 भेद हैं-प्रकृति, स्थिति, अनुभाग और प्रदेश ।

बन्ध (पुण्य-पाप) – *Bandha (Punya - Pāpa).*

Binding of *Karmas* – meritorious & demeritorious.

पुण्य एवं पाप कर्मों का बंध होना ।

बन्ध व्युच्छित्ति – *Bandha Vyucchitti.*

Bond extermination

कर्म बंध का नाश होना ।

बन्ध सान्त – *Bandha Sānta.*

Binding of *Karmas* with end

जिन कर्म प्रकृतियों का बंधना आगे के लिए रुक गया है ।

बप्पदेव – *Bappadeva.*

An *Acharya* who wrote many famous commentary books

आचार्य शुभनन्दि व रविनन्दि के शिष्य जिन्होंने षट्खण्डागम के प्रथम पाँच खण्डों पर 'व्याख्या प्रज्ञप्ति' तथा कषाय पाहुड़ पर 'उच्चारणा' नामक टीका लिखी इस टीका के दर्शन करके श्री वीरसेन आचार्य ने 'धवला' नामक टीका रची। समय-ई.श. 7

बप्रिला – *Baprila.*

Mother's name of Lord Naminath

नमिनाथ भगवान की माता का नाम। अपरनाम-वप्पिला या वर्मिला ।

बर्हिध्वज – *Barhidhvaja.*

A kind of flags having mark of peacock.

मयूराकृतियों से चिन्हित ध्वजाएं ।

बल – *Bala.*

Strength (related to mind, speech & body). Name of chief disciples of Lord Rishabhdeva & Lord Suparshvanath, Name of the 9th *Baldeva*

मन, वचन, काय की शक्ति, ऋषभदेव भगवान एवं सुपार्श्वनाथ भगवान के गणधरों का नाम, 9वें बलदेव का नाम ।

बलऋद्धि – *Balarddhi.*

A type of supernatural power related to strength.

एक ऋद्धि जो मन, वचन व काय के भेद से तीन प्रकार की होती है। परीषहों के सहने में बलप्रदायिनी ऋद्धि। बाहुबली भगवान ने यह ऋद्धि अपने तपोबल से प्राप्त की थी ।

बलदत्त – *Baladatta.*

Name of the chief disciple of Lord Suparshvanath.

सुपार्श्वनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम (अपरनाम-बल, बलिदत्त, बलि) ।

बलदेव – *Baladeva.*

A type of great personages.

बलभद्र; नारायण के बड़े भाई, ये संख्या में 9 होते हैं एवं स्वर्ग या मोक्ष जाते हैं ।

बल प्राण – *Bala Prāṇa.*

Life vitalities.

10 प्राणों में 3 प्राण - मनबल, वचनबल, कायबल ।

बलभद्र – *Balabhadra.*

Name of a main summit and its ruling deity situated in *Nandan* forest of *Sumeru* mountain, Name of the 6th *Patal* (layer) & *Indrak* of *Sanatkumar*

heaven, Another name of Manibhadra, The elder brother of *Narayana* is called *Balbhadra*
सुमेरु संबंधी नन्दन वन में स्थित एक प्रधान कूट व उसका स्वामी देव, सनत्कुमार स्वर्ग का 6वां पटल व इन्द्रक, नारायण के बड़े भाई को बलभद्र कहते हैं ।

बलमद – *Balamada*
Pride of possessing strength
8 मदों में एक मद; मैं सहस्रभट, लक्षभट, कोटिभट हूँ इस तरह का अहंकार होना ।

बलरिपु – *Balaripu.*
Indra (celestial deity)
इन्द्र का अपरनाम ।

बलवत्ता – *Balavatta*
Strength, power, potency.
बलवानपना; कर्म की प्रबलता आदि ।

बलवान् – *Balavān*
Powerful, strong
शक्तिशाली, सामर्थ्यवान; कर्म का भी बलवान भेद है ।

बलहद्दचरिउ – *Balahaddacariu.*
Name of a book
बलभद्र चरित्र विषयक एक ग्रंथ ।

बला (देवी) – *Balā (Devī).*
Name of female deities of *Gajadant* summit, of *Padma* lake & of spatial *Indras*.
गजदंत कूट, पद्मद्रह एवं वैमानिक इन्द्रों की देवी का नाम ।

बलाकामरण – *Balākāmaraṇa.*
Death of a saint escaping from religious observances.
मरण का एक प्रकार; कृतिकर्म, व्रत, धर्मध्यान, विनय आदि कार्यों से दूर भागने वाले मुनि का मरण इसे पलायमरण भी कहते हैं ।

बलात्कार गण – *Balātkāra Gaṇa.*
A branch of Jain *Acharyas*
जैनाचार्यों की शाखा; कुंदकुंद आचार्य के समय से प्रचलित। जैसा कि प्रशस्ति आदि में लिखित रहता है-कुन्दकुन्दाम्नाये सरस्वती गच्छे बलात्कार गणे... . ।

बलाधानहेतु – *Balādhānahetu.*
Karmas causing bliss & pain
शक्ति सम्पन्न कारण। सुख-दुःख की उत्पत्ति में कर्म बलाधान हेतु हैं ।

बलिदत्त – *Balidatta.*
Name of the chief disciple of Lord Suparshvanath.
सुपार्श्वनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम । (अपरनाम-बल, बलि, बलदत्त) ।

बहिरंग धर्मध्यान – *Bahiranga Dharmadhyāna.*
Eulogical devotion for the Lord Arihant.
पंच परमेष्ठी की भक्ति आदि तथा उनके अनुकूल शुभानुष्ठान अर्थात् पूजा, दान, विनय आदि करना

बहिरंग शुद्धि – *Bahiranga Śuddhi*
External purity (reg. body & speech)
शरीर और वचनों से दोष मुक्त होना ।

बहिरात्मा – *Bahirātmā.*
Follower of materialism or worldly enjoyments
मिथ्यादर्शन से मोहित जीव जो आत्मा के ज्ञान, ध्यान से विमुख रहकर इन्द्रियों के सुख को भोगता है ।

बहिश्चित्प्रकाश – *Bahiścitprakāśa*
External knowledge.
बाह्य अर्थ का ज्ञान होना ।

बहिर्मुखी – *Bahirmukhī*
Extroverted one
आत्मा से हटकर बाह्य पदार्थों की ओर जिसकी दृष्टि हो ।

बहिर्यान क्रिया – *Bahiryāna Kriyā.*
A type of auspicious activity, presenting some articles on the birth celebration of a newly born child
गर्भान्वय की एक क्रिया, जन्म के 3/4 महीने पश्चात् बालक को प्रसूतिगृह से बाहर लाना एवं यथाशक्ति कुछ भेंट आदि देना।

बहिस्तत्त्व – *Bahistattva.*
The external element
तत्त्व का एक भेद। तत्त्व बहिस्तत्त्व और अन्तस्तत्त्व रूप परमात्म तत्त्व ऐसे भेदों वाले होते हैं ।

बहु – *Bahu.*
A type of sensory knowledge (knowing many things at a time).
मतिज्ञान का एक भेद। बहुत सी वस्तुओं को एक साथ जान लेना ।

बहु आरम्भ – *Bahu Ārambha.*
Unlimited household activities.
नरक आयु के आस्रव का कारण; मर्यादा से अधिक अन्यायपूर्वक व्यापारादि करना ।

बहुजन आलोचना – *Bahujana Ālocanā*
Criticism of faults in a group by saints.
पाक्षिक, चातुर्मासिक एवं वार्षिक दोषों की सब यति समुदाय द्वारा मिलकर आलोचना करना ।

बहुजन पृच्छा आलोचना – *Bahujana Pṛcchā Ālocanā*
Disbelieving on the repentance given by an *Acharya* (a fault).
आलोचना का एक दोष। आचार्य महाराज द्वारा दिये गये प्रायश्चित्त में अश्रद्धान करके वह योग्य है या अयोग्य ऐसा अन्य किसी से पूछना ।

बहुप्रदेशी – *Bahupradeśī.*
Something multi space pointed
काय, जो बहुप्रदेशी होता है अर्थात् 6 द्रव्यों में 5 द्रव्य (जीव,

पुद्गल, धर्म, अधर्म और आकाश) बहुप्रदेशी होने से अस्तिकाय हैं।

बहुफणी – *Bahuphaṇī*
Multi-headed
बहुत सर्प फण सहित। जैसे इन या सहस्रफण वाले पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा।

बहुमान – *Bahumāna.*
Paying much respect or reverence (to scriptural study etc.).
सम्मान, सम्यग्ज्ञान के 8 अंगों में एक अंग, विनय, पवित्रता से हाथ जोड़कर, मन को एकाग्र करके बड़े आदर से धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करना।

बहुरूपिणी – *Bahurūpiṇī*
Name of the female demigod of Lord Naminath. Super power of transforming into multiforms.
तिलोयपण्णत्ति के अनुसार भगवान् नमिनाथ की यक्षिणी का नाम (इसका नाम 'चामुण्डी देवी' भी मिलता है), अनेक रूप बनाने की एक शक्तिशाली विद्या जो रावण को प्राप्त थी।

बहुल – *Bahula.*
Name of an earth
अधोलोक की प्रथम रत्नप्रभा पृथ्वी के प्रथम 'खरभाग' की 14वीं पृथ्वी (अपरनाम-बकुल)।

बहुविध – *Bahuvidha.*
A type of sensory knowledge pertaining to many objects.
मतिज्ञान का एक भेद; बहुत प्रकार के अलग-अलग पदार्थों का ज्ञान होना।

बहुविध मतिज्ञानावरण – *Bahuvidha Matijñānāvaraṇa.*
An obscurring *Karma* of sensory knowledge.
बहुविध मतिज्ञान पर आवरण करने वाला कर्म।

बहुविविधता – *Bahuvividhatā.*
Multitude.
अनेक प्रकार का।

बहुशिलापटल – *Bahuśilāpaṭala.*
Name of a *Paṭal* (layer) of *Ratnaprabha* earth.
रत्नप्रभा पृथिवी के खरभाग का अंतिम पटल।

बहुश्रुत – *Bahuśruta*
Scripture - proficient, Preceptor.
जो मुनि बारह अंगों के पारगामी होते हैं।

बहुश्रुत भक्ति – *Bahuśruta Bhakti.*
Devotion for the scripture-proficients.
16 कारण भावना में एक भावना; उपाध्याय परमेष्ठी की भक्ति करना।

बांस – *Bāṃsa.*
Bamboo tree, name of the initiation & omniscient tree of Lord Neminath.
नेमिनाथ भगवान के दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष का नाम।

बाण – *Bāṇa*
Arrow, Depth of an arch, Name of a *Vidyādhar* of the *Vijayārdha* mountain.
तीर, चाप की गहराई - जिसे निकालने की विधि { (धनुष पृष्ठ² - जीवा²) ÷ 6 } है, विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का एक विद्याधर।

बाणा – *Bāṇā.*
A river of *Bhārata Kshetra Arya Khaṇḍ* (region).
भरतक्षेत्र में स्थित आर्यखण्ड की एक नदी।

बादर – *Bādara.*
Gross, A type of *Karma*
स्थूल, स्कन्ध, एक प्रकार का नाम कर्म।

बादर आलोचना – *Bādara Ālocanā.*
Gross criticism with hiding small faults
आलोचना के 10 अतिचारों में एक; स्थूल अतिचारों की आलोचना करके सूक्ष्म अतिचारों को छिपा लेना।

बादर कषाय – *Bādara Kaṣāya*
Gross passion
स्थूल कषायवाले छठवें से नवमें गुणस्थान तक के साधु।

बादर कायिक जीव – *Bādara Kāyika Jīva.*
Gross-bodied beings.
एकेन्द्रिय जीवों का एक भेद; जो स्वयं दूसरों से रुकता है तथा दूसरों को रोकता है।

बादरकृष्टि – *Bādarakṛṣṭi.*
Gradual destruction of gross passion
9वें गुणस्थान में संज्वलन क्रोध, मान, माया, लोभ का अनुभाग घटाकर स्थूल खण्ड करना।

बादर क्षेत्रफल – *Bādara Kṣetraphala.*
Gross area.
बादर परिधि × (व्यास ÷4) अर्थात् πr^2।

बादर दोष – *Bādara Doṣa.*
A fault of food related to Jaina saint.
साधु संबंधी आहार के एक दोष 'प्राभृत' का उपभेद; दिन, महीना आदि को बदलकर आहार दान देना।

बादर नामकर्म प्रकृति – *Bādara Nāma Karma Prakṛti.*
A physique making *Karma* causing gross body
जिस कर्म के उदय से जीव बादर काय में उत्पन्न होता है।

बादर निगोद – *Bādara Nigoda.*
A type of *Nigod*-beings (one sensed).
एकेन्द्रिय निगोदिया जीव जिनका शरीर किसी आधार से हो।

बादर - बादर – *Bādara - Bādara.*
Solid, Gross - substances, A type of inadhesive materials
स्कंधों के 6 भेदों में एक भेद; स्थूल स्थूल; वे पुद्गल स्कंध जो दो टुकड़े किये जाने पर स्वयं न मिलें जैसे – कागज, काष्ठ आदि।

बादर युग्मराशि – *Bādara Yugmarāśi.*

Such a quantity, on dividing to which by 4, 2 will be remainder.

वह राशि जिसको चार से अपहृत (भाग) करने पर दो रूप शेष रहता है।

बादर वनस्पति – *Bādara Vanaspati.*

Needful plants for micro *Nigod* beings

सूक्ष्म निगोदिया जीवों के लिए आधारभूत वनस्पति

बादर सांपराय – *Bādara Sāṁparāya*

Gross passions

स्थूल कषायों को बादर साम्पराय कहते हैं। अनिवृत्तिकरण गुणस्थान का अपरनाम।

बादर सांपरायिक बंधक – *Bādara Sāṁparāyika Bandhaka.*

A type of *Karmic* binder

निर्भेद की अपेक्षा बंधक का एक भेद।

बादर सूक्ष्म – *Bādara Sūkṣma.*

Gross fine bodies like shadow, sunlight etc. which can be seen but can not be caught.

स्कंध के 6 भेदों में एक भेद; जो स्कंध आँखों से तो देखे जाते हैं किंतु जिनका ग्रहण शक्य नहीं है। जैसे-छाया, धूप, चाँदनी आदि।

बादरायण – *Bādarāyaṇa.*

A follower of the philosophy of ignorance.

एक अज्ञानवादी थे। ई.-400 में ये वेदान्त के सर्व प्रधान ब्रह्मसूत्रों के कर्ता हुए हैं।

बादाल – *Bādāla.*

A large mathematical quantity (4294967296).

(पणट्ठी)² अर्थात् (65536)² = 4294967296।

बाधक – *Bādhaka.*

Obstructive, hindering, restrictive

जो रुकावट का कारण हो जैसे, मिथ्यात्व कर्म सम्यक्त्व का बाधक है।

बाधा – *Bādhā.*

Obstacle, Restriction, Difficulty

इष्ट पदार्थों की उपलब्धि में अंतराय।

बाधारहित – *Bādhārahita.*

Obstacle free, free from hinderances.

सुख; दुःख तकलीफ आदि का न होना। रुकावट से रहित होना।

बाधित – *Bādhita.*

Restricted, obstructed

बाधा से सहित होना, एक हेत्वाभास, जिस हेतु के साध्य में दूसरे प्रमाण प्रत्यक्षादि से बाधा आवे।

बानर – *Bānara.*

A monkey, an ape (an illustration of one of the 16 dreams of Bharat Chakravarti)

भरत चक्रवर्ती के 16 स्वप्नों में एक स्वप्न; हाथी के ऊपर बैठे बानर जिसका फल है क्षत्रिय वंश नष्ट हो जायेगा और शूद्र लोग राज्य करेंगे।

बारस अणुवेक्खा – *Bārasa Aṇuvekkhā.*

A book written by *Acharya* Kund-Kund.

आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत वैराग्य विषयक एक ग्रंथ।

बारह – *Bāraha.*

Twelve (12 part of scriptural knowledge etc.)

12, 12 अंग रूप श्रुतज्ञान, 12 अनुप्रेक्षा आदि।

बारह तप व्रत – *Bāraha Tapa Vrata.*

A particular type of vow (fasting)

शुक्ल पक्ष में विशेष विधि के साथ किया जाने वाला उपवास। ये 144 दिन में पूर्ण किया जाता है। इसकी विशेष विधि व्रत विधान संग्रह के पृ. 115 पर एवं किशनसिंह क्रियाकोश में देखें।

बाल – *Bāla.*

Child, Immatured, Ignorant one (wrong believer)

मिथ्या दृष्टि आदि को अज्ञानी अथवा बाल कहते हैं

बालकन्या – *Bālakanyā.*

An innocent or immatured girl

एक अचित लौकिक मंगल, रागद्वेष रहित सरल चित्त बालिका।

बालक्रिया – *Bālakriyā.*

Activities done by wrong believers.

मिथ्यादृष्टि अज्ञानी जीवों द्वारा की जाने वाली आत्मशून्य क्रिया।

बालचंद्र – *Bālacandra.*

Name of some Jaina saints

मुनि; समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय, तत्त्वार्थसूत्र व परमात्मप्रकाश के कन्नड़ टीकाकार। समय–ई. श. 13 पूर्व। इस नाम से भावत्रिभंगी तथा द्रव्य संग्रह की टीका के कर्ता (ई. 1273-1311) आदि अन्य दिगम्बर मुनि भी हुए हैं।

बालचरण – *Bālacaraṇa.*

A title for one having wrong conduct.

मिथ्यादृष्टि का चारित्र, आत्म स्वभाव से विपरीत बहुत प्रकार के चारित्र का पालन करना बालचरण है।

बालचारित्र – *Bālacāritra.*

Conduct of a wrong believer.

आत्म स्वभाव से विपरीत बहुत प्रकार के चारित्र को आचरना।

बालतप – *Bālatapa.*

Childish austerity or penance practiced by a wrong believer.

मिथ्यादृष्टि अज्ञानी जीव के द्वारा किया जाने वाला आत्मज्ञान शून्य तप।

बालपंडितमरण – *Bālapaṇḍitamaraṇa.*

Death of a well conducting householder

सम्यग्दृष्टि देशव्रती श्रावक का मरण।

बाल बाल मरण – *Bāla Bāla Maraṇa.*

Death of a wrong believer one.

मिथ्यादृष्टि अज्ञानी जीव का मरण।

बाल ब्रह्मचारी - *Bāla Brahmacāri.*
A celibate from childhood
बालपन से ही ब्रह्मचर्य व्रत को पालने वाला ।

बालमरण - *Bālamaraṇa.*
Death of partialy abstained right farthed one
अविरत सम्यग्दृष्टि जीव का मरण

बालयति - *Bālayati.*
A celibate saint from childhood
अविवाहित रहकर जो कुमार अवस्था में ही दीक्षा धारण कर लेते है, ऐसे मुनि। चौबीस तीर्थंकरो में से पाँच तीर्थंकर (वासुपूज्य, मल्लिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ व महावीर स्वामी) बालयति हुए है ।

बालश्रुत - *Bālaśruta.*
Reading of wrong scriptures.
आत्म स्वभाव से विपरीत बहुत प्रकार के शास्त्रो का पढ़ना ।

बालाग्र - *Bālāgra.*
An area unit
क्षेत्र का प्रमाण विशेष। अपरनाम केशाग्र ।

बालाचार्य - *Bālācārya.*
A designation of a Jaina saint (to whom the responsibility of saint group is entrusted)
संघाधिपति आचार्य ने जिस शिष्य को अपना पद सौंपा हो और आचार्य के समान जिसका गुणसमुदाय हो, वे संघाधिपति आचार्य की समाधि होने से पूर्व तक बालाचार्य कहलाते है ।

बालिश्त - *Bāliśta.*
An area unit.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष। अपरनाम वितस्ति ।

बाली - *Bāli*
Name of a warrior ultimately who got salvation.
किष्किन्धपुर के राजा सूर्यरज का पुत्र, जिसने राम व रावण युद्ध से विरक्त हो दीक्षा धारण की एवं अन्त में निर्वाण प्राप्त किया ।

बालुक - *Bāluka.*
Name of heavenly space vehicle of *Saudharma Indra*
सौधर्म इन्द्र के यान विमान का नाम ।

बालुकाप्रभा - *Bālukāprabhā.*
Name of the 3rd hellish land
तृतीय नरक भूमि, अपरनाम मेघा है यह 28000 योजन मोटी है ।

बासी भोजन - *Bāsi Bhojana.*
Stale food.
एक दिन पहले का बना हुआ भोजन ।

बाहु - *Bāhu.*
Name of the 3rd *Tirthankar* situated in *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र में स्थित तीसरे तीर्थंकर का नाम ।

बाहुतप - *Bāhutapa.*
See - *Prasdrita Bāhu Tapa.*
देखें - प्रसारित बाहु तप ।

बाहुबलिचरिउ - *Bāhubalicariu.*
A book written by poet Dhanpala
कवि धनपाल (ई. सन् 1397) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

बाहुबली - *Bāhubali.*
The son of the 1st Jaina Lord Rishabhdev, whose idol was installed by Chamundrai in the year 981 in Shravanbelgol (Karnatak)
भगवान ऋषभदेव-सुनंदा के पुत्र, सुंदरी के भाई जो युगादि में इस युग के प्रथम 'कामदेव' थे। कठिन तपश्चरण कर कैलाशपर्वत से मोक्ष गये। इनकी ऊँचाई सवा पाँच सौ धनुष (2100 हाथ) की थी। इनकी 57 फीट ऊँची प्रतिमा श्रवणबेलगोल (कर्नाटक) में विराजमान है जिसकी स्थापना सन् 981 में महामात्य चामुण्डराय के द्वारा की गई थी ।

बाहुबली (कवि) - *Bāhubali (Kavi).*
A Kannad poet, the writer of 'Nagkumar Charitra'.
नागकुमार चरित्र के रचयिता एक कन्नड़ कवि (ई. सन् 1560)।

बाहुबली चरित्र - *Bāhubali Caritra.*
A poetic composition composed by *Ganini* Shri Gyanmati Mataji on the life of Lord Bahubali.
सन् 1965 में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा श्रवणबेलगोला में भगवान बाहुबली के चरण सानिध्य में रचित 101 पद्य में एक अलंकारिक हिन्दी काव्य रचना ।

बाहुबलीसागर - *Bāhubalisāgara.*
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Deshbhushan Maharaj
आचार्यश्री देशभूषण महाराज के एक प्रसिद्ध शिष्य (ई.श. 20-21) । इनकी प्रेरणा से हरियाणा प्रांत में सिद्धांत तीर्थ का निर्माण हुआ है ।

बाहुयुद्ध - *Bāhuyuddha.*
Combat, a non-violenceful fighting with the strength of arms between two person.
दो व्यक्तियों के बीच भुजाओं से होने वाला युद्ध । यह अहिंसक युद्ध युग की आदि में सबसे पहले भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत-बाहुबली के बीच में हुआ था ।

बाहुल्य - *Bāhulya.*
Domination, Abundance.
आधिक्य, अधिकता ।

बाह्य - *Bāhya.*
External, Extrinsic.
बाहरी ।

बाह्य अंचल - *Bāhya Añcala.*
Out skirts.
बाहरी क्षेत्र ।

बाह्य अनर्थदंड - *Bāhya Anarthadaṇḍa.*
To abandon huntings etc.
शिकार खेलना आदि का त्याग करना ।

बाह्य उपधि – *Bāhya Upadhi*

Alien - belonging (material articles).

बाह्य परिग्रह, आत्मा से एकत्व को नहीं प्राप्त हुए ऐसे क्षेत्र, वास्तु, धन, धान्य आदि बाह्य उपधि हैं ।

बाह्य कक्ष – *Bāhya Kakṣa.*

Exterior cells

आंगन, बरामदा आदि ।

बाह्य करण – *Bāhya Karaṇa*

External cause causing certainty for the completion of any work

कार्य सिद्धि में साधकतम बाह्य निमित्त जिसके होने पर कार्य की सिद्धि निश्चित होती है ।

बाह्य कारण – *Bāhya Kāraṇa.*

External cause.

कार्य सिद्धि में निमित्तभूत बाहरी कारण जिसके होने पर कार्य की सिद्धि अवश्यंभावी नहीं है ।

बाह्य चिह्न – *Bāhya Cihna.*

External symbolic significances (e.g. laugh, love, peace etc.).

वस्तु की पहचान कराने वाले बाहरी चिन्ह जैसे – प्रसन्नचित्त रहना, धर्म से प्रेम करना, शुभ उपयोग रखना आदि धर्मध्यान के बाह्य चिह्न कहलाते हैं ।

बाह्य तपः कर्म – *Bāhya Tapaḥ Karma.*

A type of penance or austerity (external).

तपः कर्म का एक उपभेद ।

बाह्य तप – *Bāhya Tapa.*

Austerity related to external things or activities.

तप का एक भेद। अनशन, अवमौदर्य, वृत्तिपरिसंख्यान, रसपरित्याग, विविक्तशय्यासन और कायक्लेश छह प्रकार का है ।

बाह्य त्याग – *Bāhya Tyāga.*

To renounce all attachments (external materials).

समस्त बाह्य परिग्रहों (धन धान्यादि) का त्याग करना ।

बाह्य द्रव्यमल – *Bāhya Dravyamala.*

Excreting materials of the body.

स्वेद, मल, रेणु, कर्दम इत्यादि बाह्य द्रव्यमल कहलाते हैं ।

बाह्य धर्मध्यान – *Bāhya Dharmadhyāna.*

Religious observances.

धर्मध्यान का एक लक्षण; आत्मा को शील, व्रत, उपवास आदि बाह्य क्रियाओं से युक्त करना ।

बाह्य नास्तिक्य – *Bāhya Nāstikya.*

Those who believe in the philosophy of atheism.

नास्तिक्य का एक भेद; वृक्ष, घट आदि ही सत् हैं इनसे अतिरिक्त जीव, अजीवादि तत्त्व कुछ नहीं हैं ऐसी एकान्त मान्यता मानने वाले ।

बाह्य परिग्रह – *Bāhya Parigraha.*

External material

क्षेत्र, वास्तु, धन, धान्य आदि समस्त बाह्य परिग्रह हैं ।

बाह्य पारिषद – *Bāhya Pāriṣada*

A type of deities in the council of *Indra*

देवों का एक प्रकार; जो अत्यन्त स्थूल, निष्ठुर, क्रोधी और शठता से सहित रहते हैं। ये इन्द्र की सभा में अयोग्य लोगों को 'दूर हटो' इस तरह बोलकर अपना दण्डित निपाते हैं ।

बाह्य प्रत्यय – *Bāhya Pratyaya*

External causes for passions

क्रोधादि रूप भाव कषाय की उत्पत्ति के कारणभूत जो जीव और अजीव रूप बाह्य द्रव्य है वह बाह्य प्रत्यय है

बाह्य प्रमेय – *Bāhya Prameya*

External materials (non-spiritual)

बाह्य पदार्थ, जो प्रमाण से जाने जावें ।

बाह्य प्राण – *Bāhya Prāṇa*

All valuable articles to be very dear to a person

लोक में स्वर्ण, धन आदि जितने भी पदार्थ हैं वे सब प्राणियों को अत्यन्त प्रिय होने के कारण बाह्य प्राण कहलाते हैं ।

बाह्य लिंग – *Bāhya Liṅga.*

External emblem or marks.

बाहरी चिन्ह, दिगम्बरत्व ।

बाह्य वर्गणा – *Bāhya Vargaṇā.*

A type of aggregates of *Karmic* molecules.

तेईस वर्गणाओं में से पाँच शरीर पृथग्भूत हैं इसलिए इन्हें बाह्य वर्गणा कहते हैं ।

बाह्य शास्त्र – *Bāhya Śāstra.*

All the external branches of knowledge like economics, astrology etc. non-spiritual branches..

ज्योतिर्ज्ञान, छन्दशास्त्र, अर्थशास्त्र, वैद्यक शास्त्र, लौकिक शास्त्र, मन्त्रवाद आदि शास्त्रों को बाह्यशास्त्र कहते हैं ।

बाह्य शुक्लध्यान – *Bāhya Śukladhyāna*

Meditational activity of controlling movements of body organs.

आत्मा की वीतरागी अवस्था की बाहरी पहचान। शरीर और नेत्रों को स्पन्द रहित रखना, जंभाई, उद्गार आदि नहीं होना, प्राणापान का प्रचार व्यक्त न होना आदि बाह्य शुक्लध्यान है ।

बाह्य संरचना – *Bāhya Saṁracanā*

Exterior structure of body

बाह्य निर्वृत्ति; पुद्गलों की इन्द्रियों के आकाररूप रचना होना ।

बाह्य सल्लेखना – *Bāhya Sallekhanā*

Auspicious destruction of the body.

शरीर को कृश करना ।

बाह्य हेतु – *Bāhya Hetu.*

External causes.

बाहरी निमित्त या कारण। जैसे - अन्य द्रव्यों के (बाह्यहेतुरूप) संयोग से आत्मा का रागादिरूप परिणमन होना ।

बाह्योपधि व्युत्सर्ग – *Bāhyopadhi Vyutsarga.*

Renouncement of external means, attachments etc.

बाह्य परिग्रह; क्षेत्र, वास्तु आदि का त्याग करना अर्थात् अपरिग्रह

महावत का पालन करना ।

बिंदु – *Bindu.*

A large number (10,000,000)'
एक संख्या प्रमाण ।

बिंदुसार – *Bindusāra.*

Father's name of the Magadha emperor, Ashok
मगध सम्राट् अशोक के पिता का नाम। समय- जैन के अनुसार ई.पू. 302-277। लोक इतिहास के अनुसार ई.पू. 298-273 ।

बिंब – *Bimba.*

Image or Idol (of Lord etc.).
प्रतिमा, मूर्ति ।

बिंबसार – *Bimbasāra.*

Another name of Magadharaj Shrenik, who will be the first *Tirthankar* (Jaina-Lord) of future time.
मगधराज श्रेणिक का अपर नाम। समय ई. पू. 604-552 । ये भगवान महावीर के समवसरण में प्रमुख श्रोता थे, जिनके द्वारा 60,000 प्रश्न पूछे गये। ये भविष्यकाल के प्रथम तीर्थंकर 'महापद्म' होंगे ।

बिल – *Bila*

Dwelling place of hellish beings.
नारकियों के जन्म व रहने का स्थान ।

बीज – *Bija*

Mystical letter of *Mantra* or Incantation, Seeds.
मंत्रों का मूल अक्षर या शब्द; जिसमें वनस्पति आदि रूप अंकुरण करने की क्षमता हो ।

बीज गणित – *Bija Ganita.*

Algebra, a branch of mathematics.
गणित का वह भेद जिसमें अक्षरों को संख्या का द्योतक मानकर अज्ञात संख्याएं आदि जानी जाती हैं ।

बीजचारण ऋद्धि – *Bijacārana Ṛddhi*

A type of supernatural power of non-violently walking over the seeds, sprout etc.
ऋद्धि; बीज, अंकुर आदि में रहने वाले जीवों को पीड़ा न पहुंचाकर उनके ऊपर से गमन करना ।

बीजदर्शनार्य – *Bijadarśanārya.*

A type of noble persons (*Aryas*).
अऋद्धि प्राप्तार्य में दर्शनार्य का एक भेद ।

बीजना – *Bijanā.*

Hand-fan, one of the 8 auspicious symbols, which is always kept near the idol of Lord Jinendra.
हाथ का पंखा, जिन-प्रतिमाओं के पास विद्यमान रहने वाले अष्ट मंगल द्रव्य में एक द्रव्य ।

बीजपद – *Bija Pada.*

Essenceful group of words used for infinite knowledge.
संक्षिप्त शब्द रचना से सहित अनन्त अर्थों के ज्ञान का हेतु- भूत अनेक चिन्हों से संयुक्त बीजपद कहलाता है ।

बीजबुद्धि ऋद्धि – *Bija Buddhi Ṛddhi*

A type of supernatural power pertaining to knowing the whole *Dvadashang* by a single *Bijapad.*
ऋद्धि; जिसके प्रभाव से साधु एक ही बीजपद के आश्रय से सम्पूर्ण द्वादशांग को जानने और विचार करने में समर्थ होते हैं

बीजमान – *Bijamāna.*

Measuring means for cereals or grains
धान्य मापने के कुडव आदि बीजमान कहलाते हैं ।

बीजरुचि – *Bijaruci.*

A type of noble persons who get right faith by knowing *Bijapadas.*
दर्शनार्य का एक भेद; बीजपदों के ग्रहणपूर्वक सूक्ष्मार्थ तत्त्वार्थ श्रद्धान को प्राप्त करने वाले बीजरुचि कहलाते हैं ।

बीजरूह – *Bija Rūha.*

Vegetation produced by seeds (like rice, wheat etc.)
वनस्पति; जो बीज से ही उत्पन्न होती है। जैसे - चावल, गेहूँ आदि

बीजसम्यक्त्वार्य – *Bijasamyaktvārya.*

See - *Bijadarśanārya.*
देखें - बीजदर्शनार्य ।

बीज सम्यग्दर्शन – *Bija Samyagdarśana.*

Right perception perceptible by *Bijapad*
बीजपदों के द्वारा ज्ञान प्राप्त करने वाले भव्यजीव के जो दर्शनमोहनीय के असाधारण उपशम वश तत्त्वश्रद्धान होता है उसे बीज सम्यग्दर्शन कहते हैं ।

बीजा – *Bijā.*

A river of *Arya Khand* (region).
आर्य खण्ड की एक नदी ।

बीजाक्षर – *Bijākṣara.*

Essenceful mystic & chanting words
संक्षिप्त शब्द रचना से सहित व अनंत अर्थों के ज्ञान के कारण अनेक चिन्हों से सहित अक्षर । जैसे, ॐ, ह्रीं, अर्हं इत्यादि।

बीथी – *Bithi.*

Tract, Orbit.
गली, मार्ग ।

बीधा अन्न – *Bidhā Anna.*

Non-edible cereals or grains infected by insects.
घुना हुआ अन्न जो अभक्ष्य माना गया है ।

बीसपंथ – *Bīsapamtha.*

Name of an ancient *Digambar* Jaina sect having tradition of worshipping the Lord with offering flowers, fruits, food articles etc.
दिगम्बर जैनधर्म में प्रचलित अभिषेक पूजा की प्राचीन पद्धति, इस पंथ को मानने वाले अनुयायी प्राचीन आगम परम्परानुसार भगवान का पंचामृत अभिषेक करते हैं, पूजन में फूल-फल-नैवेद्य आदि चढ़ाते हैं तथा कुमारी कन्या व स्त्रियाँ भी भगवान

का अभिषेक करती है। लगभग 350 वर्ष पूर्व उपरोक्त चर्या के विपरीत तेरह पंथ की उत्पत्ति होने पर यह आगम पंथ 'बीसपंथ' नाम से जाना जाने लगा ।

बुद्ध – *Buddha.*
Buddha, the founder of Bauddha religion, Another name of enlightened or awakened soul
1) बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध, 2) शुद्ध आत्मा का अपरनाम ।

बुद्धवीर्य – *Buddhavirya*
Name of the questioner of Lord Pushpadant.
तीर्थंकर पुष्पदंत के समवसरण में मुख्य प्रश्नकर्ता ।

बुद्धि – *Buddhi*
Wisdom, Intelligence
ज्ञान, जिसके द्वारा समस्त पदार्थ के बारे में जाना जाता है ।

बुद्धि ऋद्धि – *Buddhi Riddhi*
Supernatural power of Intellect
एक प्रकार की ऋद्धि जिसके 18 भेद हैं ।

बुद्धिकूट – *Buddhikūṭa*
Name of a summit on *Rukmi* mountain
रुक्मि पर्वत स्थित एक कूट ।

बुद्धिदेवी – *Buddhidevi.*
Name of a ruling female deity of *Mahapundarik Hrid* (like lake) and *Buddhikuta* (summit).
बुद्धिकूट की स्वामिनी देवी, महापुण्डरीक ह्रद की दिक्कुमारी देवी जो तीर्थंकर की माता की सेवा के लिए आती हैं ।

बुद्धिल – *Buddhila.*
Name of great *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas.*
वीर निर्वाण के पश्चात् हुए 10 पूर्व एव 11 अंग धारी 11 मुनियों में 9 वें मुनि, अपरनाम बुद्धिलिंग था ।

बुद्धिसागर – *Buddhisāgara.*
A title given to the 12th Jewel of *Chakravarti* (emperor).
चक्रवर्ती के 12वें रत्न (पुरोहित) को दी गई संज्ञा ।

बुद्धेशभवनव्याख्यान –
Buddheśabhavanavyākhyāna.
Name of a treatise written by *Acharya* Vidyanandi.
आचार्य विद्यानन्दि (ई. 775-840) कृत एक ग्रंथ ।

बुध – *Budha.*
Name of a planet, The great learned one.
एक ग्रह, यथावस्थित वस्तु तत्व को सार व असार के विषय विभाग की विचारणा के द्वारा जो जानते हैं वे बुध हैं ।

बुधजन – *Budhajana.*
Name of a *Pandit* who wrote Tattvarth Bodh, Panchastikaya Bhasha etc many books.
तत्त्वार्थ बोध, पञ्चास्तिकाय भाषा, बुधजन विलास, बुधजन सतसई आदि के कर्ता जयपुर निवासी एक पंडित का नाम ।

बुभुक्षा काल – *Bubhukṣā Kāla*
Period of hunger
भिक्षा योग्य एक काल; भूख की तीव्रता, मन्दता एवं स्वास्थ्य आदि का विचार करना

बृहत्कथाकोष – *Bṛhatkathākoṣa.*
Name of a religions story written by *Acharya* Harishen
आचार्य हरिषेण (ई. सन् 931) कृत मूल संस्कृत ग्रंथ इसमें 157 सचित्र कथाएं हैं ।

बृहत्कथासरित्सागर – *Bṛhatkathāsaritsāgara*
A book written by *Acharya* Somdeva.
आचार्य सोमदेव (ई. श. 11 मध्य) द्वारा रचित एक कथाकोष ।

बृहस्पति – *Bṛhaspati*
Name of a planet, A day of a week, The preceptor of deities
एक ग्रह का नाम : सप्ताह के एक दिन (वार) का नाम, काव्य में कवियों ने बृहस्पति को देवों का गुरु कहा है जैसे 'कल्पे क्षमः ... बृहस्पति समोऽपि बुद्ध्या', जबकि तिलोयपण्णत्ति आदि शास्त्रों में ऐसा कोई विवरण नहीं मिलता है ।

बेलंधर – *Belandhara.*
Name of a ruling deity of *Kaustubh* & *Kaustubhabhas* mountains situated in *Lavan* ocean.
लवण समुद्र स्थित कौस्तुभ व कौस्तुभाभास पर्वत के स्वामी देव ।

बेल – *Bela.*
Name of the initiation tree of Lord Shitalnath, The wood- apple tree and its fruit.
शीतलनाथ भगवान के दीक्षा वृक्ष का नाम। एक प्रकार का गूदे वाला मीठा फल (बिल्वफल) ।

बेलन – *Belana.*
Cylindrical substance, a roller.
रोटी, पूरी बेलने का उपकरण ।

बेलाव्रत – *Belā Vrata.*
A type of particular vow (fasting of two days).
प्रथम दिन एकाशन, पुनः निश्चित दो दिन उपवास तथा अगले दिन दोपहर को एकाशन करना ।

बैल – *Baila.*
Bullock; significant mark of Lord Rishabhdeva, also of Lord Simandhar and Suriprabh situated in *Videhkshetra* (region), one of the 16 dreammarks of *Tirthankar's* (Jaina Lord's) mother.
ऋषभदेव भगवान का चिन्ह, विदेहक्षेत्र में स्थित तीर्थंकर सीमंधर एवं सूरिप्रभ का चिन्ह, तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्न में एक, जिसका फल है कि उनका पुत्र समस्त लोक में ज्येष्ठ होगा ।

बोध – *Bodha.*
Comprehension
ज्ञान।

बोधचतुष्क – *Bodhacatuṣka*

A quartet of knowledges i.e. sensory, scriptural clairvoyance, & telepathic
मति, श्रुत, अवधि, मनःपर्ययज्ञान ये 4 ज्ञान ।

बोध पाहुड – *Bodha Pāhuḍa.*

A book written by *Acharya* Kund - Kund
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत एक ग्रंथ ।

बोधायन – *Bodhayana*

Name of a commentator of *Vedant* literature
बादरायण के ब्रह्मसूत्र पर टीका लिखने वाले एक वेदांत साहित्य प्रवर्तक ।

बोधि – *Bodhi*

Gain of perfect knowledge or wisdom (reg. right faith, knowledge and conduct).
सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र, की प्राप्ति होना बोधि है ।

बोधितबुद्ध – *Bodhitabuddha.*

One enlightened with knowledge gained through others
जिनको परोपदेश पूर्वक ज्ञान की प्राप्ति होती है वे बोधित बुद्ध कहलाते है ।

बोधिदुर्लभ – *Bodhidurlabha*

One of the twelve particular reflections, involvement in the means of internal enlightenment.
12 भावनाओं में एक; जिस उपाय से सम्यग्ज्ञान की उत्पत्ति हो, उस उपाय का चिंतवन करने को बोधि दुर्लभ भावना कहते हैं ।

ब्रह्म – *Brahma.*

A ruling demigod of Lord Pushpdant, The all pervading spirit of the universe. The supreme soul.
तिलोयपण्णत्ति के अनुसार पुष्पदंत भगवान का शासक यक्ष, कहीं इनका नाम अजितदंत भी आता है। शब्द; समस्त वस्तुओं को प्रकाश करने वाला और स्यात् पद से चिह्नित शब्द ब्रह्म है, परमात्मा ।

ब्रह्म (देव) – *Brahma (Deva)*

A type of *Kalpavasi* deities.
कल्पवासी देवों का एक भेद, 5वें स्वर्ग के देव ।

ब्रह्म (स्वर्ग) – *Brahma (Svarga)*

Name of the 3rd *Patal* (layer) of *Brahmayugal* and the fifth particular place of heaven.
ब्रह्मयुगल का तृतीय पटल, कल्पवासी स्वर्गों का पाँचवा कल्प।

ब्रह्मचर्य – *Brahmacarya.*

Celibacy, a vow.
मन, वचन व काय से स्त्री सेवन आदि अब्रह्म का त्याग करना, 5 महाव्रतों में एक व्रत, श्रावक की 7वीं प्रतिमा, 10 लक्षण धर्म का 10वाँ धर्म; मैथुन या कामसेवन का त्याग करना एवं आत्मा में लीन होना ब्रह्मचर्य है ।

ब्रह्मचर्य आश्रम – *Brahmacarya Āśrama.*

Life span of celibacy.
चार आश्रमों में एक आश्रम; बाल्यावस्था से युवा होने तक ब्रह्मचर्य पालन करते हुए विद्या का अभ्यास करना

ब्रह्मचर्य तप ऋद्धि –

Brahmacarya Tapa Ṛddhi.

A type of supernatural power (pertaining to celibacy).
एक ऋद्धि, इस ऋद्धिधारी मुनिवरों के प्रभाव से ईति, भीति युद्ध, दुर्भिक्षादि शांत हो जाते हैं ।

ब्रह्मचर्य प्रतिमा – *Brahmacarya Pratimā.*

Seventh model stage of celibacy of Jaina lay-follower.
श्रावक की सातवीं प्रतिमा; इसमें श्रावक स्त्रीमात्र का त्यागी होकर पूर्ण ब्रह्मचर्य से रहता है। इसका पालक श्रावक अपने पुत्र-पुत्रियों के विवाह के अतिरिक्त अन्य किसी के विवाह की अनुमोदना नहीं करता है ।

ब्रह्मचर्याणुव्रत – *Brahmacaryāṇuvrata.*

Vow of partial celibacy, to limit the desires with own wife only.
5 अणुव्रतों में एक व्रत; एक देश ब्रह्मचर्य पालना अथवा स्वदारसंतोष रखना ।

ब्रह्मचारी – *Brahmacārī.*

A celibate.
ब्रह्मचर्य व्रत को परिपूर्ण रूप से पालन करने वाला ।

ब्रह्मदत्त – *Brahmadatta.*

Name of the 12th *Chakravarti*
12वें चक्रवर्ती का नाम, जो मरकर 7वें नरक गये ।

ब्रह्मदेव – *Brahmadeva*

Name of an *Acharya*, the writer of Dravya Samgrah Tika, Parmatma Prakash Tika etc.
द्रव्यसंग्रह एवं परमात्म प्रकाश टीका आदि के कर्ता एक आचार्य ।

ब्रह्मर्षि – *Brahmarṣi.*

Saints having supernatural knowledge (pertaining to wisdom and medicines), Another name of *Laukantik* deities.
बुद्धि और औषधि ऋद्धियुक्त साधु ब्रह्मर्षि कहलाते हैं, लौकांतिक देवों को भी ब्रह्मर्षि कहते हैं ।

ब्रह्मलोक – *Brahmaloka.*

An upper world (the 5th heaven).
5वां स्वर्ग, लौकांतिक देवों की निवास भूमि ।

ब्रह्मवाद – *Brahmavāda.*

Name of a doctrine (related to non-dualism).
एक अद्वैतवाद ।

ब्रह्मविद्या – *Brahmavidyā.*

A book written by *Acharya* Mallishen.
आचार्य मल्लिषेण (ई. 1128) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

ब्रह्मविलास – *Brahmavilāsa.*

A book written by *Pandit* Bhagvati Das.
पं. भगवती दास (ई. 1624-1643) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

ब्रह्मशिरस् – *Brahmaśiras.*

Name of a weapon which can make ineffective the another weapon named as *Ashvagrīv.*
अश्वग्रीव नामक शस्त्र को रोकने में समर्थ शस्त्र ।

ब्रह्म संप्रदाय – *Brahma Sampradāya*

A religious community following the doctrine of dualism
वैष्णव दर्शन के 4 भेदों में एक भेद; द्वैतवादी इन्हें माध्व या गौड़िय भी कहते हैं ।

ब्रह्मसेन – *Brahmasena.*

Name of the preceptor of *Acharya* Veersen
आचार्य वीरसेन के गुरु तथा जयसेन जी के शिष्य (ई. 1070) का नाम

ब्रह्मा – *Brahmā*

Name of a presiding deity of a lunar-Abhijit, Name of a king who gave food first to Lord Ajitnath.
अभिजित् नक्षत्र के अधिपति देवता का नाम, एक राजा जिन्होंने तीर्थंकर अजितनाथ को प्रथम आहार दिया था ।

ब्रह्माद्वैत – *Brahmādvaita.*

Name of a doctrine (related to monotheism)
एक अद्वैतवाद मत। ब्रह्म को ही पारमार्थिक रूप मानने वाला।

ब्रह्मेश्वर – *Brahmeśvara.*

Name of the ruling demigod of Lord Shitalnath.
शीतलनाथ भगवान का शासक यक्ष ।

ब्रह्मोत्तर (देव) – *Brahmottara (Deva).*

A type of deities resident of the 6th heaven.
कल्पवासी देवों का एक भेद। छठे स्वर्ग के निवासी देव ।

ब्रह्मोत्तर (पटल) – *Brahmottara (Paṭala).*

Name of the 4th *Paṭal* (layer) and *Indrak Vimān* of *Brahma.*
ब्रह्म स्वर्ग का चौथा पटल व इन्द्रक विमान ।

ब्रह्मोत्तर (स्वर्ग) – *Brahmottara (Svarga).*

The sixth heaven.
छठा स्वर्ग; इस कल्प में एक लाख 4 हजार विमान हैं ।

व्रात – *Brāta.*

A king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंश की प्रथम वंशावली का एक राजा ।

ब्राह्मण – *Brāhmaṇa.*

A Hindu- caste, Known by virtues and good activities.
जैन धर्म के अनुसार भरत चक्रवर्ती द्वारा स्थापित वर्ण। ये ब्रह्मसूत्र (यज्ञोपवीत) को धारण करते थे तथा अहिंसा आदि सदाचार को पालते थे ।

ब्राह्मी – *Brāhmī.*

Name of the daughter of Lord Rishabhadeva.
इस युग की प्रथम आर्यिका साध्वी, भगवान ऋषभदेव की पुत्री, सर्वप्रथम पिता से लिपि विद्या सीखी एवं प्रयाग नगरी में उन्हीं से दीक्षित होकर समवसरण की प्रथम गणिनी बनी ।

भ

भ – *Bha*

The 24th consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का चौबीसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान ओष्ठ के साथ जिह्वा के स्पर्श से होता है ।

भंग – *Bhaṅga.*

Division, Alternation, A system of alternative exposition
खण्ड, अंश; भेद। एक संख्या रूप प्रकृतियों में प्रकृतियों का बदलना। स्याद्वाद शैली के अनुसार प्रत्येक पदार्थ विरोधी अनेक धर्मयुगलों का पिंड भंग है। प्रत्येक धर्म का वर्णन उसके प्रतिपक्षी धर्म की अपेक्षा से अस्ति (विधि) नास्ति (निषेध) और अवक्तव्य रूप से किया जाता है, जिसे सप्तभंगी विवेचना कहते हैं

भंग विचय – *Bhaṅga Vicaya.*

A type of disquisition door.
एक अनुयोगद्वार; जो मार्गणाओं के विच्छेद और विच्छेद के अस्तित्व का प्ररूपक है ।

भंगविधि – *Bhaṁgavidhi*

A particular method for obtaining knowledge of something, synonym word for *Shrutgyan* (scriptural knowledge).
अहिंसा, सत्य, अस्तेय, शील आदि भंग का जिसके द्वारा विधान किया जाता है उसे भंगविधि अर्थात् श्रुतज्ञान कहते हैं ।

भक्त – *Bhakta.*

A devout, a devotee, a pious person, Something divided or separated
धार्मिक, धर्म या धर्मगुरु के प्रति समर्पित व्यक्ति, गणित की भागाहार विधि में भाज्य राशि को भागहार द्वारा भक्त किया गया कहते हैं ।

भक्तकथा – *Bhaktakathā.*

Conversation describing about delicious food
विकथा का एक भेद-भोजन कथा; अनेक प्रकार के अशन पान (भोजन) संबंधी गुणदोषों की वार्ता में लिप्त रहना ।

भक्तपान संयोजना – *Bhaktapāna Saṁyojanā.*

Mixing of edibles (reg. green veg. & sterilised material).
अजीवाधिकरण का एक भेद; सचित्त और अचित्त खानपान को एक दूसरे में मिलाना ।

भक्त प्रतिज्ञा – *Bhakta Pratijñā.*

Gradual food renunciation (as a vow).
समाधिमरण; अनुक्रम के अनुसार भोजन आदि त्याग की प्रतिज्ञा करना ।

भक्तप्रत्याख्यान – *Bhaktapratyākhyāna.*

Abandonment of food gradually for an auspicious & holy death.

समाधिमरण; जिसमें शास्त्रोक्त विधि से क्रमशः आहार का त्याग किया जाता है इसका जघन्य काल अन्तर्मुहूर्त एवं उत्कृष्टकाल 12 वर्ष है ।

भक्तामर कथा – *Bhaktamara Kathā*

Name of tales written by *Pandit* Raymallaji and Jaichand Chhabda.

पं. रायमल्ल (ई.1610) एवं पं. जयचन्द छाबड़ा (ई.1813) द्वारा रचित कथा ।

भक्तामर विधान– *Bhaktamara Vidhāna.*

A worshipping book of Bhaktamar Stotra

एक पूजा विशेष जिसमें भक्तामर स्तोत्र के 48 काव्य पढ़कर 48 अर्घ्य चढ़ाते हुए भगवान आदिनाथ की पूजा की जाती है। इसकी रचना गणिनी ज्ञानमती माताजी की शिष्या आर्यिका श्री चन्दनामती माताजी के द्वारा की गई है। अन्य लेखकों द्वारा रचित भी इस विधान की पुस्तकें उपलब्ध होती हैं ।

भक्तामर स्तोत्र – *Bhaktāmara Stotra*

A great spiritual hymn written by *Acharya* Mantung on Lord Adinath

आचार्य मानतुंग (ई.श. 7 पूर्व) द्वारा संस्कृत में रचित आदिनाथ भगवान का स्तोत्र। इसमें 48 काव्य हैं। इस स्तोत्र के प्रभाव से उनकी बेड़ियाँ स्वयं टूट गईं थीं ।

भक्ति – *Bhakti.*

Eulogical devotion for Lord

अर्हंत आदि के गुणों में अनुराग रखना भक्ति है अथवा निज परमात्म तत्त्व के सम्यक् श्रद्धान-अवबोध-आचरण स्वरूप शुद्ध रत्नत्रय परिणामों में अनुरक्त रहना ।

भक्ति (नवधा) – *Bhakti (Navadhā).*

A procedural food offering to Jaina saints (see- *Navadhā Bhakti*), A virtue of food-doner.

विधि से अर्थात् दाता के सात गुण सहित क्रिया के द्वारा नवधा भक्तिपूर्वक दिगम्बर जैन साधुओं को आहार देना (देखें-नवधा भक्ति)। आहारदाता के 7 गुणों में एक गुण; पात्र के प्रति समर्पण भाव होना ।

भक्ष्याभक्ष्य – *Bhakṣyābhakṣya.*

Different types of edible (vegitable) and non-edible (non-vegitable) items.

दाल, दूध, दही, फल आदि भक्ष्य अर्थात् खाने योग्य एवं मद्य, मांस, मधु, उदुम्बर फल आदि अभक्ष्य अर्थात् 'नहीं खाने योग्य' पदार्थ ।

भग – *Bhaga.*

Super merits, Name of a presiding deity of a lunar (*Purvafalguni*).

गुणइ, संपूर्ण पुण्य से समन्वित आत्मा भगवान कहलाती है। पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र का अधिपति देवता ।

भगदत्त – *Bhagadatta.*

Name of a chief disciple of Lord Rishabhdev

भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम ।

भगदेव – *Bhagadeva.*

भगफल्गु – *Bhagaphalgu.*

For both words see - *Bhagadatta.*

दोनों शब्दों के लिए देखें - भगदत्त ।

भगवती – *Bhagavati.*

A type of super power. Other name of Jaina-initiation

बहुरूपविधायिनी एक विद्या । जिन दीक्षा को भी भगवती दीक्षा कहते हैं

भगवती आराधना – *Bhagavatī Ārādhanā.*

Name of a book written by *Acharya* Shivakoti.

आचार्य शिवकोटि (ई.श. [illegible]) कृत एक ग्रंथ। इसमें जैन साधुओं की चर्या एवं सल्लेखना विधि का विस्तार से वर्णन है ।

भगवती आराधना टीका – *Bhagavatī Ārādhanā Ṭīkā*

A commentary book on 'Bhagavati Aradhana written by *Pandit* Ashadharji

पं. आशाधर (ई.1173-1243) द्वारा रचित एक टीका ।

भगवान् – *Bhagavān.*

Supreme one, Lord, one with omnipotence & omniscience

जो सर्वशक्तिमान एवं केवल ज्ञान से सहित है वह भगवान है।

भगीरथ – *Bhagīratha.*

The son of the king Sagar, a *Chakravarti* (emperor).

सगर चक्रवर्ती का पुत्र जिसने अपना पूर्वभव सुनकर दीक्षा ली एवं मोक्ष प्राप्त किया ।

भग्न – *Bhagna.*

Dilapidated, broken. Disappointed, defeated.

ध्वस्त या टूटा हुआ अथवा जिसका उत्साह भंग हो गया हो ।

भग्नघट श्रोता – *Bhagnaghaṭa Śrotā.*

A type of false listener.

अपात्र श्रोता का एक भेद; फूटे घड़े की तरह होना जिसमें उपदेश नहीं ठहरता ।

भग्नावशेष – *Bhagnāvaśeṣa.*

Ruins, broken remains.

टूटे हुए अवशेष ।

भंगिमा – *Bhangimā.*

Facial expression, gestures.

हाव भाव ।

भट्ट अकलंक – *Bhaṭṭa Akalaṁka.*

A famous & great Jainacharya.

एक प्रसिद्ध जैनाचार्य । जिन्होंने बौद्ध साधुओं को वाद-विवाद में परास्त किया। इनके द्वारा लिखे गये मुख्य ग्रंथ-तत्त्वार्थ राजवार्तिक, अष्टशती आदि हैं ।

भट्टाकलंक – *Bhaṭṭākalaṁka.*

See - *Bhaṭṭa Akalaṁka.*

देखें - भट्ट अकलंक ।

भट्टारक – *Bhattāraka.*
The super souls, A title for super soul & spiritual personalities according to ancient Jaina scriptures
धवला आदि प्राचीन ग्रंथों में अर्हन्त, सिद्ध, साधु को परमपूज्यता के प्रतीक में भट्टारक शब्द से संबोधित किया गया है ।

भण्डार – *Bhandāra.*
Place of storage, store.
वस्तु संग्रह का स्थान ।

भदंत – *Bhadanta*
Respectful word for addressing great ascetics
जो सब कल्याणों को प्राप्त हों वह भदन्त हैं, साधु का अपरनाम।

भदेय – *Bhadeya*
Name of a mountain of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र आर्य खण्ड का एक पर्वत ।

भद्र – *Bhadra*
Worthy, gentle person, A protecting deity of *Nandishwar* ocean.
सरल परिणामी, नंदीश्वर समुद्र का एक रक्षक देव ।

भद्रक – *Bhadraka.*
A type of peripatetic deities, Worthy or gentle person.
यक्ष जाति के व्यन्तर देवों का एक भेद, चतुर्थ काल के कोमल परिणामी पुरुष ।

भद्रकलश – *Bhadrakalaśa.*
Name of the treasurer of 'Ram'
8वे बलदेव श्रीराम के कोषाध्यक्ष ।

भद्रकाली – *Badrakālī.*
A type of supr power.
16 निकाय विद्याओं में विद्याधर की एक विद्या ।

भद्र प्रकृति – *Bhadra Prakṛti.*
Gentle disposition.
भला या सज्जन स्वभाव होना। सरल स्वभावी ।

भद्रबल – *Bhdrabala.*
Name of a chief disciple of Lord Adinath.
आदिनाथ भगवान के 19वें गणधर का नाम ।

भद्रबाहु – *Bhdrabāhu.*
The 5th *Shrutkevali* (one of the great *Acharyas* having complete scriptural knowledge).
अंतिम केवली जम्बूस्वामी के बाद हुए 5 श्रुत केवलियों में अंतिम श्रुतकेवली इनके काल में ही बारह वर्षीय दुर्भिक्ष के दौरान श्वेताम्बर मत की उत्पत्ति हुई थी ।

भद्रबाहुचरित - *Bhadrabāhucarita.*
A book written by *Acharya* Ratnakirti.
आचार्य रत्नकीर्ति (ई. 1515) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

भद्रमित्र – *Bhdramitra.*
Name of the counsellor of the king of Sinhpur, another name is Satyaghosh.
सिंहपुर के राजा का मंत्री, अपरनाम सत्यघोष। आगे चौथे भव में मोक्ष प्राप्त किया ।

भद्रमुख – *Bhadramukha*
Name of a jewel (a great architecture) of *Chakravarti* 'Bharatesh'
भरतेश का 'स्थपति' रत्न, एक वास्तुकला का ज्ञाता था

भद्रवती – *Bhadravati.*
Mother's name of the 3rd *Chakravarti* (emperor)
तृतीय चक्रवर्ती मघवा की माता का नाम ।

भद्रशाल वन – *Bhadraśāla Vana.*
The first forest of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के 4 वनों में प्रथम वन। जिसकी चारों दिशाओं में चार अकृत्रिम जिनमंदिर हैं ।

भद्रा – *Bhadrā.*
Name of a great lake in the assembly of Lord, Name of a female deity of *Ruchak* mountain, See- *Bhadravati*, Daughter's name of king Vinami. Name of a female divinity of peripatetic deity, Manibhadra
समवशरण की एक वापी इसमें जीवों को अपने 7 भव दिखते हैं, रुचक पर्वत निवासिनी एक दिक्कुमारी देवी का नाम, देखें- भद्रवती, राजा विनमि की पुत्री का नाम, व्यन्तर इन्द्र मणिभद्र की एक देवी का नाम ।

भद्राश्व - *Bhadrāśva*
The 76th chief disciple of Lord Rishabhadev.
तीर्थंकर वृषभदेव के 76वें गणधर का नाम ।

भद्राश्वपुर – *Bhadrāśvapura.*
Name of a city in the north of *Vijayardha* mountain
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

भद्रासन – *Bhadrāsana*
A specific reverential place at *Pandukshila*
पाण्डुकशिला पर स्थित एक आसन ।

भद्रिका – *Bhadrikā*
Name of a female deity of *Bhadrakut* of *Ruchakvargiri.*
रुचकवरगिरि के भद्रकूट पर रहने वाली एक देवी ।

भद्रिकापुरी – *Bhadrikāpuri.*
Name of the birth place of Lord Shitalnath.
दसवें तीर्थंकर शीतलनाथ भगवान् की जन्म नगरी का नाम । इसको भद्दलपुर, भद्रपुरी, भद्दलपुर एवं भद्दिलपुर भी कहते हैं।

भम्भा – *Bhambhā.*
Name of an auspicious musical instrument
जन्म के समय का एक मंगल वाद्य ।

भय – *Bhaya.*
Fear, terror.
भीति, डर—यह 7 प्रकार का होता है, इहलोक, परलोक, अरक्षा, अगुप्ति, मरण, वेदना, आकस्मिक ।

भयत्याग – *Bhayatyāga*

A type of reflection, to be fearless

सत्यव्रत की 5 भावनाओं में एक भावना, भीति त्याग ।

भय दोष – *Bhaya Doṣa.*

A fault; paying reverence with fear

व्युत्सर्ग का एक अतिचार; मन्त्रभय आदि से युक्त होकर वन्दनादि करना ।

भयद्विक् – *Bhayadvik*

Dyad of *Karmic* nature related to fear

भय, जुगुप्सा (कर्म प्रकृतियों से संबंधित)

भय विनय – *Bhaya Vinaya.*

Reverence due to fear

भय के कारण विनय करना ।

भय संज्ञा – *Bhaya Saṁjñā*

Fear instinct

4 संज्ञाओं में एक संज्ञा, जिससे बचने की व छिपने की इच्छा होती है ।

भयसंभूति – *Bhayasaṁbhūti*

A type of super power possessed by king Ravan and Dashrath.

राजा रावण एवं दशरथ को प्राप्त एक विद्या ।

भयानक वन – *Bhayānaka Vana.*

Terrible (dense) forest.

जीव, जंतुओं से व्याप्त जंगल ।

भरक्षम – *Bharakṣama.*

A peaceful country (region) in Lanka island.

लंका द्वीप में स्थित एक देश, यहां देव भी उपद्रव नहीं कर सकते हैं ।

भरणी – *Bharaṇī.*

Name of a lunar

एक नक्षत्र का नाम ।

भरतक्षेत्र – *Bharatakṣetra.*

Name of a great region.

जम्बूद्वीप के 7 क्षेत्रों में प्रथम क्षेत्र, इसके 5 म्लेच्छ, 1 आर्य ऐसे 6 खंड हैं ।

भरतकूट – *Bharatakūṭa.*

Name of summits of *Vijayardh & Himvan* mountains.

विजयार्ध पर्वत की उत्तर व दक्षिण श्रेणियों पर स्थित कूट एवं हिमवान् पर्वत पर स्थित एक कूट ।

भरत चक्रवर्ती – *Bharata Cakravarti.*

Name of the son of Lord Adinath, the first *Chakravarti* of this age, our country is called Bharat on his name.

भगवान ऋषभदेव के पुत्र प्रथम चक्रवर्ती, जिनके नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा इनके साम्राज्य में सर्वप्रथम स्वयंवर प्रथा शुरू हुई ।

भरतसागर (आचार्य) – *Bharatasāgara (Ācārya).*

1) Name of the chief disciple of *Acharya* Vimalsagar, 2) Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Sumatisagar Maharaj.

1) आचार्य श्री विमलसागर महाराज के पट्टाचार्य। इनकी प्रेरणा से अनेक ग्रंथों का प्रकाशन हुआ है। (समय-ई. श. 20) । 2) आचार्यश्री सुमतिसागर महाराज के एक प्रसिद्ध आचार्य-शिष्य (ई.श. 20-21) जिनकी प्रेरणा से भार (म.प्र) के निकट मानतुंगगिरि तीर्थ का निर्माण हुआ है ।

भरतेशवैभव – *Bharateśavaibhava.*

Name of a book written by a poet Ratnakar.

कवि रत्नाकर (ई. 1551) कृत एक ग्रंथ ।

भरतेश्वराभ्युदय – *Bharateśvarābhyudaya.*

A book written by *Pandit* Ashadhara

पं. आशाधर जी (ई. 1173-1243) कृत एक ग्रंथ ।

भर्तृहरि – *Bhartṛhari.*

The elder brother of king Vikramaditya, Name of the younger brother of *Acharya* Shubhachandra.

राजा विक्रमादित्य के बड़े भाई, आचार्य शुभचन्द्र के छोटे भाई, जिन्होंने तापस होकर 12 वर्ष तपश्चरण कर स्वर्ण बनाने की सिद्धि प्राप्त की बाद में शुभचन्द्राचार्य से संबोधित होकर दिगम्बर दीक्षा धारण की ।

भव – *Bhava.*

World, Body form, Name of the predestined 6th *Rudra.*

आयुनामकर्म के उदय से जीव की जो मनुष्यादि पर्याय होती है उसे भव कहते हैं, भविष्यकालीन छठे रुद्र का नाम ।

भवनंजय – *Bhavanaṁjaya.*

A city in the north of *Vijayardha* (mountain).

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

भवन – *Bhavana.*

Residential places (of human being, deities etc.)

भवनवासी देवों के रहने के स्थान एवं मनुष्यों के आवास भवन कहलाते हैं ।

भवन (देव विमान) – *Bhavana (Deva Vimāna).*

Palace - a signifying figure seen by mother of Jaina Lord among 16 dreams.

तीर्थंकरों के गर्भ में आने पर माता द्वारा देखे गये 16 स्वप्नों में 14 वें स्वप्न का चिन्ह ।

भवनत्रिक देव – *Bhavanatrika Deva.*

Three types of deities (*Vyantar, Jyotishka, Bhavanwasi*).

व्यंतर, ज्योतिष्क, भवनवासी 3 निकायों के देव को भवनत्रिक कहते हैं ।

भवनपुर – *Bhavanapura.*

A type of residential places of deities.

द्वीप व समुद्रों के ऊपर स्थित भवनवासी देवों के निवास स्थान ।

भवनभूमि – *Bhavanabhūmi*.
An auspicious land in the assembly of Lord Arihant.
समवशरण की भूमि जहाँ ध्वजा-पताकायुक्त अनेकों भवन हैं।

भवनवासी देव – *Bhavanavāsī Deva*
Residential celestial beings.
चतुर्निकाय के देवों में प्रथम निकाय के देव, ये 10 प्रकार के होते है

भवनालय – *Bhavanālaya*.
Residence of deities.
भवनवासी देवों के भवन ।

भवनिमित्तक – *Bhavanimittaka*.
Maturity of *Karmas* (caused by any life course), A type of a *Avadhigyan*(clairvoyance)
भव का निमित्त पाकर कर्मों का उदय में आना, भवप्रत्यय अवधिज्ञान भी भवनिमित्तक होता है ।

भवपरिवर्तन – *Bhavaparivartana*.
Transmigration, Rebirth cycle.
पंचपरावर्तन में एक परिवर्तन; देवलोक के 9 अनुदिश, 5 अनुत्तर इन 14 विमानों को छोड़कर शेष चारों गतियों में गमनागमन भव परिवर्तन कहलाता है ।

भवप्रत्ययिक – *Bhavapratyayika*.
Inherent clairvoyance—a type of clairvoyance (*Avadhigyan*).
अवधिज्ञान के दो भेदों में प्रथम भेद; इसके होने में मुख्य रूप से भव निमित्त होता है, देव-नारकी जीवों को यह ज्ञान जन्म से ही होता है ।

भवभिद् – *Bhavabhidya*.
One destroyer of worldy transmigration, An epithet for the devotional prayer of Lord Arihant.
संसार का भेदन करने वाली जिनभक्ति का विशेषण ।

भवविचय – *Bhavavicaya*.
Right meditation on materialistic world or cycle of birth.
सातवाँ धर्मध्यान, 'भव-संसार सदैव दुःख रूप ही है' ऐसा चिंतन करना ।

भवविपाकी प्रकृति – *Bhavavipākī Prakṛti*.
Maturity of *Karmic* nature causing different kinds of life courses (body forms).
जिन कर्मों का फल मनुष्य आदि भव के रूप में होता है वे भव विपाकी प्रकृति कहलाती हैं। चारों आयु भव विपाकी हैं ।

भववृक्ष – *Bhavavṛkṣa*.
The symbolic disposition of the mortal world in the form of a tree.
संसार वृक्ष; जहाँ प्राणी मधुबिन्दु के समान पञ्चेन्द्रिय विषयों के क्षणिक सुख में डूबकर अनन्त संसार का बंध करता है। ध्यानरूपी कुठार के द्वारा भाव श्रमण ही इस भव वृक्ष का छेदन करते हैं ।

भवसंसार – *Bhavasaṁsāra*.
Cycle of transmigration in different body forms
पाँच प्रकार के संसार में एक भेद, भव के निमित्त से 32 प्रकार की पर्यायों में जन्म-मरण करने का नाम भवसंसार है ।

भव सागर – *Bhava Sāgara*.
Worldly life
संसार सागर ।

भवसिद्ध – *Bhavasiddha*.
Most virtuous and worthy being, who can attain salvation.
भव्य, जो जीव सिद्ध पद की प्राप्ति के योग्य हैं उन्हें भवसिद्ध कहते हैं ।

भवसेतु – *Bhavasetu*
Spiritual bridge to cross the worldly transmigration
संसार को पार करने के लिए जो पुल के समान हैं, ऐसे जिनेन्द्र भगवान या उनकी भक्ति ।

भवस्थिति – *Bhavasthiti*
A life duration
एक भव की स्थिति ।

भवाद्धा – *Bhavāddhā*.
A measure related to a life course.
भव सम्बंधी काल के प्रमाण को भवाद्धा कहते हैं ।

भवाननुगामी – *Bhavānanugāmī*
A type of clairvoyance (not remains with one in next birth).
अननुगामी अवधिज्ञान का एक भेद; जो भवान्तर के साथ नहीं जाता, क्षेत्रान्तर में ही साथ जाता है ।

भवानुगामी – *Bhavānugāmī*.
A type of clairvoyance (remains with one after transmigration)
अनुगामी अवधिज्ञान का एक भेद; जो अवधिज्ञान उत्पन्न होकर उस जीव के साथ अन्य भव में जाता है ।

भवान्तर – *Bhavāntara*.
Change of life (destinity), Transmigration
जीव का अन्य भव या जन्म में जाना ।

भविक – *Bhavika*.
Liberalable human beings.
भव्यजन ।

भवितव्य – *Bhavitavya*.
Fated, Destined
जो होने योग्य हो ।

भविष्यकाल – *Bhaviṣyakāla*.
Future time.
काल का एक भेद; अनागत काल, यह सर्व जीव राशि व सर्व पुद्गलराशि से अनंतगुणा है ।

भविष्यग्राही ज्ञान – *Bhaviṣyagrāhī Jñāna*.
Clairvoyance; to have knowledge of telepathic

prediction; knowledge pertaining to whole future events.
अवधिज्ञान, जिसके द्वारा भावी असंख्यातपर्याय-विशिष्ट वस्तु का ज्ञान देखा जाता है।

भविष्यत् ज्ञायक शरीर – *Bhavisyat Jñāyaka Śarira.*
A predestined prophet, one having the knowledge of future events.
जो तत्त्वशास्त्र को जानने वाला आगे होगा वह भविष्यत् ज्ञायक शरीर है।

भविष्यवाणी – *Bhavisyavāṇī.*
Predictions, prophesy.
भविष्य में होने वाली शुभ-अशुभ आदि घटनाओं का वर्तमान में उल्लेख करना।

भविष्याभाव संबंध – *Bhavisyābhāva Sambandha.*
A type of relation pertaining to future.
संबंध के अनेक भेदों में एक भेद।

भव्य – *Bhavya*
Splendid, Magnificent, one who is supposed to get salvation.
जिसमें सम्यग्दर्शन आदि भाव प्रकट होने की योग्यता है वह जीव।

भव्य अलङ्करण – *Bhavya Alankaraṇa.*
Great ornamentation
भव्यता के साथ सुशोभित करना।

भव्यकुमुदचन्द्रिका – *Bhavyakumudacandrikā.*
Name of a treatise written by *Pandit* Ashadhar.
पं. आशाधर (ई. 1173-1243) कृत एक ग्रंथ।

भव्यकूट – *Bhavyakuṭa.*
A type of *stoop* with high radiant summits (in *Samavasharan* – assembly of Lord Arihant).
समवशरण में दैदीप्यमान शिखरों से युक्त एक स्तूप जिसे भव्य जीव ही देख पाते हैं। इसे अभव्य जीव नहीं देख पाते हैं, क्योंकि स्तूप के प्रभाव से उनके नेत्र अंधे हो जाते हैं।

भव्यज्ञायक शरीर – *Bhavyajñāyaka Śarira.*
One who is going to be learned one in future.
नो आगम द्रव्य का एक भेद, जो कर्म के स्वरूप को कहने वाले शास्त्र का जानने वाला आगे होगा वह भव्यज्ञायक शरीर कहलाता है।

भव्यत्व – *Bhavyatva.*
Worthiness for salvation.
जीव का वह स्वभाव जिससे सम्यक्त्व प्रकट होता है।

भव्यत्व भाव – *Bhvyatva Bhāva.*
Worthy feelings for salvation.
जीव के पारिणामिक भाव का एक भेद। देखें - भव्यत्व।

भव्यत्वाभिव्यक्ति – *Bhavyatvābhivyakti.*
Exposition of the worthiness (for salvation) of one.
जीव का वह स्वभाव जिससे सम्यक्त्व की अभिव्यक्ति होती है।

भव्यसिद्ध – *Bhavyasiddha.*
The soul worthy of getting bodiless salvation
जो जीव सिद्ध पद की प्राप्ति के योग्य हैं।

भाग – *Bhāga*
Division, a fraction, a section.
अंश, पर्याय, भेद, हिस्सा, भाग सब एकार्थवाची हैं।

भागचंद – *Bhāgacanda.*
Name of a *Pandit* who wrote Mahavirashtak Stotra and many other books.
महावीराष्टक स्तोत्र, अमितगति श्रावकाचार वचनिका आदि ग्रंथों के कर्ता एक पंडित।

भागदत्त – *Bhāgadatta.*
Name of the 53rd chief disciple of Lord Rishabhdev.
तीर्थंकर वृषभदेव के 84 गणधरों में 53वें गणधर।

भागफल्गु – *Bhāgaphalgu.*
Name of the 54th chief disciple of Lord Rishabhdev
तीर्थंकर वृषभदेव के 54 वें गणधर।

भागहार – *Bhāgahāra.*
Divisor (the number by which another is divided).
जिस संख्या का भाग दिया जाये वह संख्या भागहार, हार, भाजक इत्यादि कहलाती है।

भागाभाग – *Bhāgābhāga.*
Divided divisions
कुल द्रव्यों का भाग करने पर, कितना भाग किसके हिस्से में आता है, इसे भागाभाग कहते हैं।

भागाहार संक्रमण – *Bhāgāhāra Saṁkramaṇa.*
Transitional change in omen *Karmas* of beings.
जिनके द्वारा संसारी जीवों के शुभ-अशुभ कर्म परिणामों का निमित्त पाकर बदल अन्य-अन्य प्रकृति रूप हो जाते, इसके 5 भेद हैं।

भागीरथी – *Bhāgirathi.*
The name of a great river of *Bharat Kshetra* (a region).
भरतक्षेत्र की गंगा नदी।

भाग्य – *Bhāgya.*
Fate, destiny, fortune.
नियति।

भाजक – *Bhājaka.*
Divisor.
देखें - भागहार।

भाजनांग जातीय कल्पवृक्ष – *Bhājanāṅga Jātiya Kalpavṛkṣa.*
A type of wish fulfilling trees (providing utensils)
भोगभूमि में पाये जाने वाले 10 कल्पवृक्षों में एक, यह

कल्पवृक्ष सुवर्ण एवं बहुत से रत्नों से निर्मित धवल झारी, कलश, गागर आदि बर्तन प्रदान करने वाला होता है ।

भाजित – *Bhājita.*

Divided, Dividation

भाग देना, भागहार विधि में भज्य राशि को भागहार द्वारा भाजित किया गया कहते हैं ।

भाज्य – *Bhājya.*

Divisible, Portion, Dividend.

वह संख्या जो भाजक द्वारा भाग दी जाती है ।

भाद्रवन-सिंह-निष्क्रीडित व्रत –

Bhādravana-Simha-Niṣkrīḍita Vrata

A vow (fasting) to be performed with particular procedure

एक विशेष विधि एवं क्रम से किया जाने वाला व्रत । व्रतविधान संग्रह से इसकी विधि देखें ।

भानु – *Bhānu*

The Sun, The son of Krishna

सूर्य, कृष्ण और सत्यभामा का पुत्र। जिसने अंत में मुनिदीक्षा धारण की ।

भानुकर्ण – *Bhānukarṇa.*

A king of *Rakshas* dynasty.

राक्षस वंश का एक विद्याधर राजा। रावण का भाई, अपरनाम-कुंभकर्ण, इन्होंने दीक्षा धारण कर बड़वानी (बावनगजा, म.प्र.) से मोक्ष प्राप्त किया ।

भानुनंदि – *Bhānunandi.*

Name of the disciple of Namichandra-1 & preceptor of Sinhnandi-1

नेमिचन्द्र नं.1 के शिष्य और सिंहनन्दि नं.1 के गुरु (ई. 565-586) का नाम ।

भानुमालिनी – *Bhānumālinī.*

Name of a super power possessed by Ravana.

रावण को प्राप्त एक विद्या ।

भामंडल – *Bhāmaṇḍala.*

Name of Seeta's brother, An auspicious emblem of Lord Arihant.

सीता का भाई, अष्ट प्रातिहार्यों में एक प्रातिहार्य ।

भारद्वाज – *Bhāradvāja.*

Past - birth name of Lord Mahavira, A country of *Bharat Kshetra* north *Arya Khand* (region).

तीर्थंकर महावीर के पूर्वभव का जीव, भरत क्षेत्र उत्तर आर्य खण्ड का एक देश ।

भाव – *Bhāva.*

Volition, feeling, thought-activity, Nature of sentient and non-sentient matters.

जीव के परिणाम, चेतन व अचेतन द्रव्यों के अनेकों स्वभाव ।

भाव (सचित्त, अचित्त, मिश्र) –

Bhāva (Sacitta, Acitta, Mishra).

Reflections.

जीव द्रव्य सचित्त भाव है, पुद्गल आदि 5 द्रव्य अचित्त भाव हैं एवं पुद्गल और जीव द्रव्यों का संयोग मिश्र भाव है ।

भाव अंतर – *Bhāva Antara.*

Variation in thought-activity.

जीवों के औपशमिक आदि भावों में अंतर को भाव अंतर कहते हैं।

भाव अनंत – *Bhāva Ananta.*

To have knowledge of scriptures and involvement in it.

अनंत विषयक शास्त्र को जानना एवं वर्तमान में उसके उपयोग से उपयुक्त होना अथवा त्रिकाल जन्य अनंत पर्यायों से परिणत द्रव्य।

भाव अनुयोगद्वार – *Bhāva Anuyogadvāra*

A kind of disquisition door (*Anuyogadvar*)

अनुयोगद्वार का एक भेद या भाव प्ररूपणा ।

भाव अप्रतिक्रमण – *Bhāva Apratikramaṇa.*

To have attachment with the past passionate volitions

अतीत काल में हुए रागादि भाव को वर्तमान में अच्छा मानना, उनका संस्कार एवं उनके प्रति ममत्व भाव रखना ।

भाव अभावशक्ति – *Bhāva Abhāvaśakti*

A kind of power acquired by the soul

जीव की एक शक्ति; विद्यमान पर्याय का नाश करने से जीव को भावाभाव कर्तृत्व कहा गया है ।

भाव अशुद्ध आहार – *Bhāva Aśuddha Āhāra.*

A fault related to saint - food.

16 उद्गम दोषों से युक्त आहार। साधु यदि आहार संबंधी 16 उद्गम दोषों में किसी प्रकार का विकल्प करता है तो वह भाव से अशुद्ध आहार है ।

भाव अस्तित्व – *Bhāva Astitva.*

A property of matter related to its eternal existence.

द्रव्यों के 6 सामान्य गुणों में एक गुण, जिसके निमित्त से द्रव्य का कभी नाश नहीं होता ।

भाव आस्रव – *Bhāva Āsrava.*

Emotions with passion etc. which cause flow of *Karmas* are called *Bhava Asrava.*

आत्मा के रागादि भाव जिनसे कर्म आते हैं ।

भाव इंद्रिय – *Bhāva Indriya.*

Psychical sense.

लब्धि और उपयोग रूप भावेन्द्रिय है ।

भावकरण – *Bhāvakaraṇa.*

Another name for *Karan Labdhi* (efficiency attainment).

करणलब्धि का दूसरा नाम। यह पाँचवीं लब्धि है ।

भावकर्म – *Bhāvakarma.*

Passionful nature of one, psychical *Karma.*

जीव के रागद्वेषादि अशुद्ध परिणाम ।

भाव कषाय – *Bhāva Kaṣāya.*

Psychical passion.

मन में कषाय होना ।

भावकाय – *Bhāva Kāya.*
Renouncement of bodily attachment.
गुप्ति; कायगत ममता रूप परिणाम का त्याग करना भावकाय गुप्ति है ।

भावक्रोध – *Bhāvakrodha.*
Passionate spiteful or hostile nature.
दूसरों का पराभव करना आदि द्वेषपूर्ण विचार मन में लाना ।

भावग्रंथ – *Bhāvagrantha.*
Internal attachment
अंतरंग परिग्रह; मिथ्यात्व आदि इसके 14 भेद हैं ।

भावग्रह – *Bhāvagraha.*
Name of a planet
88 ग्रहों में 83 वां ग्रह ।

भावतीर्थ – *Bhāvatīrtha.*
The soul with right perception, knowledge & conduct.
तीर्थ का एक भेद, सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र युक्त आत्मा भाव तीर्थ है ।

भाव त्रिभंगी – *Bhāva Tribhangī.*
Name of a book.
औपशमिकादि भाव विषयक एक ग्रंथ ।

भाव नपुंसक – *Bhāva Napuṁsaka.*
Psychologically neutral (sexually) one.
जो भाव से न स्त्री रूप है न पुरुष रूप है ।

भाव नमस्कार – *Bhāva Namaskāra.*
Psychical reverence or adoration for Lord Arihant
मन के द्वारा पंचपरमेष्ठी के गुणों का स्मरण करना ।

भावन लोक – *Bhāvana Loka.*
Place of residence of deities.
जहां असुरकुमार आदि भवनवासी देवों के भवन हैं अर्थात् खरभाग पंकभाग ।

भावना – *Bhāvanā.*
Stream of contemplation or rethinking, emotions, sentiments.
अनुप्रेक्षा अर्थात् बारबार चिंतन करना, जाने हुए अर्थ का पुनः पुनः चिन्तन करना ।

भावना पच्चीसी व्रत – *Bhāvanā Paccīsī Vrata.*
A specific type of vow (fasting), to be observed for 25 days.
एक व्रत जिसमें विधिपूर्वक 25 उपवास किये जाते हैं ।

भावना पद्धति – *Bhāvanā Paddhati.*
Name of a treatise written by *Bhattarak* Padmanandi.
भट्टारक पद्मनन्दि (ई. 1328-1398) कृत एक ग्रंथ ।

भावना लीनता – *Bhāvanā Līnatā.*
Deep engrossment in meditation for supreme bliss
अपने अंतरंग में लीन रहना जिससे परम सुख की प्राप्ति होती है।

भाव निक्षेप – *Bhāva Nikṣepa.*
Appropriate establishment of meaning for something.
निक्षेप का एक भेद, वर्तमान पर्याय से युक्त द्रव्य । जैसे- सेवा करने वाले को सेवक कहना ।

भाव – निर्जरा – *Bhāva Nirjarā.*
Attributing *Nirjara*, volitional shedding off or volitional dissociation of *Karmas*.
कर्मशक्ति के निर्मूलन में समर्थ जीव के परिणाम भाव निर्जरा है। अर्थात् जिन भावों से कर्म झड़ें

भावनिर्विचिकित्सा – *Bhāvanirvicikitsā*
Volitions free from anguishment or any affliction, volition of non-disgust
क्षुधादि 22 परीषहों में संक्लेश परिणाम न करना

भाव परिवर्तन – *Bhāva Parivartana*
Volitional changes causing the transmigration of soul continuously.
पंचपरिवर्तन में एक परिवर्तन; मिथ्यात्व के वश में पड़कर प्रकृति, स्थिति, अनुभाग और प्रदेश बंध के कारणभूत परिणामों का भवों का अनुभवन ।

भाव पाप – *Bhāva Pāpa.*
Subjective vices or sins
मन से होने वाले 5 पाप या पाप रूप परिणाम ।

भाव पाहुड – *Bhāva Pāhuḍa.*
A book written by *Acharya* Kund-Kund
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत एक ग्रंथ ।

भावपुण्य – *Bhāva Puṇya*
Auspicious thought-activity of soul
दान, पूजा षडावश्यकादि रूप जीव के शुभ परिणाम भावपुण्य हैं ।

भावपुरुष – *Bhāvapuruṣa.*
Psychologically male one.
पुरुष वेद के उदय से पुरुष की अभिलाषा रूप मैथुन संज्ञा का धारक जीव ।

भावपूजा – *Bhāvapūjā.*
Subjective worshipping, Psychical worshipping.
अर्हन्तादि के गुणों का चिन्तन करना ।

भावप्रतिक्रमण – *Bhāvapratikramaṇa.*
Internal atonement, internal penitence.
आर्त, रौद्र इत्यादिक अशुभ परिणाम व पुण्यास्रव के कारणभूत शुभ परिणाम का त्याग करना । यह प्रतिक्रमण वीतरागी मुनियों के होता है ।

भाव प्रत्याख्यान – *Bhāva Pratyākhyāna.*
Internally renunciation of inauspicious deeds.
अशुभ परिणामों का मैं त्याग करूंगा ऐसा संकल्प करना भाव प्रत्याख्यान है ।

भाव प्रमाण – *Bhāva Pramāṇa*
Internally standard evaluation of something
भाव प्रमाण अर्थात् ज्ञान-दर्शन उपयोग। यह जघन्य सूक्ष्म निगोदिया के, उत्कृष्ट केवली के और मध्यम अन्य जीवों के होता है ।

भाव प्ररूपणा – *Bhāva Prarūpaṇā*
Representation of sentiments through disquisition doors.
भावों का अनुयोगद्वार से निरूपण करना ।

भाव प्राण – *Bhāva Prāṇa*
Psychical vitalities.
सम्यग्दर्शन, ज्ञान व चारित्र को भाव प्राण कहा है। अथवा आत्मा की जिस शक्ति से इन्द्रिय आदि अपने कार्य में प्रवृत्त करें ।

भाव प्राधान्य – *Bhāva Prādhānya*
Presidence of sentiments
आत्मभावों के प्रकरण में भाव लेश्या की प्रधानता होना ।

भाव प्रासुक आहार – *Bhāva Prāsuka Āhāra.*
A kind of thinking related to ownness of food
ऐसा आहार, 'यह भोजन मेरे लिए है,' ऐसा चिन्तन न किया जाये (जिसमें से एकेन्द्रिय जीव निकल गये है वह द्रव्य-प्रासु-आहार कहलाता है)।

भावबंध – *Bhāvabaṁdha.*
Psychical bondage of *Karmas*
जिस चेतन परिणाम से कर्म बंधता है वह भाव-बंध है। जैसे-क्रोधादि परिणाम भाव बंध कहलाते हैं अर्थात् आत्मा के शुद्ध-अशुद्ध परिणामों से जो कर्म का बंध होता है ।

भावभावक भाव – *Bhāvabhāvaka Bhāva*
A relation between soul & result oriented *Karmas*.
संबंध; आत्मा एवं फल देने की सामर्थ्य से युक्त कर्म एवं आत्मा, दोनों में भाव-भावक भाव है ।

भाव मंगल – *Bhāva Maṁgala.*
Pure and sacred one.
वर्तमान में मंगलरूप पर्यायों से परिणत शुद्ध जीव ।

भावमन – *Bhāvamana.*
Psychical mind
मन। ज्ञानावरण व वीर्यान्तराय के क्षयोपशम से द्रव्य मन द्वारा जानने की शक्ति तथा उस रूप ज्ञान का उपयोग होना ।

भावमल – *Bhāvamala.*
Inauspicious results of one.
अज्ञान, अदर्शन इत्यादिक जीव के परिणाम ।

भाव-मान-कषाय विवेक – *Bhāva-Māna-Kaṣāya Viveka.*
Psychical wisdom.
मन के द्वारा अभिमान को छोड़ना ।

भाव मार्गणा – *Bhāva Mārgaṇā.*
Psychical investigation
जिन भावों के द्वारा जीवों का अन्वेषण किया जाता है ।

भाव मोक्ष – *Bhāva Mokṣa.*
Psychical salvation
आत्मा का वह शुद्ध भाव जिसमें सर्व कर्म झड़ जावें व आत्मा कर्म बंधन रहित अर्थात् मुक्त हो जावे

भावयुति – *Bhāvayuti*
Psychically worldly attachments
क्रोध, मान, माया और लोभादिक के साथ जीवादि द्रव्यों का मिलाप होना ।

भावयोग – *Bhāvayoga.*
Subjective (psychical) vibration.
मन वचन काय से संयुक्त संसारी जीव के अंगोपांग व शरीर नाम कर्म के उदय से जीव की वह शक्ति जो कर्म व नोकर्म को ग्रहण करती है ।

भावलिंग (वेद) – *Bhāvaliṁga (Veda).*
Thoughts due to partial passion
जिसकी स्थिति नोकषाय के उदय से प्राप्त होती है ।

भावलिंग (साधु) – *Bhāvaliṁga (Sādhu)*
An absolute saint with perfect conduct
साधु का जैसा बाहर चारित्र है वैसा ही भाव होना; प्रमत्त-अप्रमत्त गुणस्थान सम्बन्धी भाव होना ही भावलिंग है ।

भावलिंगीमुनि – *Bhāvaliṁgīmuni.*
A saint with real nature & attributes
अपने मुनिरूप बाहरी चारित्र के अनुसार भावों को रखनेवाला मुनि ।

भाव लेश्या – *Bhāva Leśyā.*
Volitional aura.
कषाय से अनुरंजित योग की प्रवृत्ति होना ।

भाव लोकोत्तर मान – *Bhāva Lokottara Māna.*
Extent of knowledge (*Nigod* to Supreme state).
जघन्य से उत्कृष्ट अवस्था तक का ज्ञान जिससे मापा जाय अर्थात् लब्ध्य-पर्याप्तक सूक्ष्म निगोदिया जीव के जघन्य पर्याय श्रुतज्ञान से लेकर अर्हंतों के उत्कृष्ट केवलज्ञान तक का प्रमाण।

भाव लोभ विवेक – *Bhāva Lobha Viveka.*
Wisdom of abstinence from delusion or greed
'यह मेरा है' इस तरह की मोहजन्य परिणति को न होने देना ।

भाववचन – *Bhāvavacana.*
Volitional speech.
वचन; जो वीर्यान्तराय और मतिज्ञानावरण तथा श्रुतज्ञानावरण कर्मों के क्षयोपशम और अंगोपांग नामकर्म के निमित्त से होता है। यह पौद्गलिक होता है ।

भाववती शक्ति – *Bhāvavatī Śakti.*
Volitional strength of something
द्रव्य की एक शक्ति; प्रदेशत्व गुणों के अतिरिक्त शेष गुणों के परिणाम की भाव रूप शक्ति ।

भाववान् – *Bhāvavān.*
Something having volitional quality
परिणाम भाव; परिणामी होने से सभी द्रव्य भाववान है ।

भाव विचय – *Bhāva Vicaya.*
Religious contemplation or meditation.
धर्म ध्यान; चेतन-अचेतन पदार्थों के स्वभाव का विचार करना।

भाव विवेक – *Bhāva Viveka*
Wisdom for the disattachment in worldly affairs.
विवेक का एक भेद; समस्त पर पदार्थों से ममत्व का त्याग करना।

भाव विह्वल पूर्ण – *Bhāva Vihvala Pūrṇa.*
One with full of emotions.
भावुकता पूर्ण।

भावविशुद्धि – *Bhāvaviśuddhi.*
Volitional purity.
प्रत्याख्यान, राग द्वेष आदि अशुभ परिणाम का त्याग करना।

भाववेद – *Bhāvaveda.*
Psychic libido.
वेद नोकषाय के उदय से मैथुन भाव होना, इसके 3 भेद हैं।

भावशक्ति – *Bhāvaśakti.*
Power of thinking
जीव की एक शक्ति; वर्तमान अवस्था (पर्याय) सहितरूप भाव शक्ति है।

भावशल्य – *Bhāvaśalya.*
Internal thorn (falsehood etc.)
जिस कर्म के उदय से जीव के माया, मिथ्या व निदान रूप परिणाम होते हैं।

भावशुद्धि – *Bhāvaśuddhi.*
Mental purity, passionlessness.
राग, द्वेष, अहंकार, आर्त व रौद्र ध्यान आदि समस्त अशुभ परिणाम से रहित होना।

भावश्रुत – *Bhāvaśruta.*
Acquisition of scriptural knowledge by listening of *Dvadshang.*
द्वादशांग (जिनवाणी) के सुनने से जो स्वसंवेदन रूप ज्ञान होता है वह भावश्रुत है।

भाव संग्रह – *Bhāva Saṃgraha.*
A book written by *Acharya* Devasen
आचार्य देवसेन (वि. 1005) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

भाव संयोगपद – *Bhāva Saṃyogapada.*
Compound words showing passions.
पद का एक भेद; क्रोधी, मानी, मायावी और लोभी इत्यादि नाम जो भावों के निमित्त से व्यवहार में आते हैं।

भाव संवर – *Bhāva Saṃvara.*
Psychic stoppage of *Karmic* flow.
संसार की निमित्त भूत क्रिया की निवृत्ति होना।

भाव सत्य – *Bhāva Satya.*
True statements, A type of truth.
10 प्रकार के सत्य का एक भेद; जो पदार्थ इन्द्रियगोचर न हो उसमें सिद्धांत के अनुसार वचन कहना।

भाव सम्यग्दृष्टि – *Bhāva Samyagdṛṣṭi*
One possessing right knowledge or perception
भेद ज्ञान पूर्वक परद्रव्य, परभाव, परपर्याय से भिन्न आत्मा का अनुभव करने वाला।

भाव सल्लेखना – *Bhāva Sallekhanā*
Auspicious and holy death with destruction of passions
राग, द्वेष और मोह से रहित होकर मृत्यु को प्राप्त करना।

भाव सामायिक – *Bhāva Sāmāyika.*
Equanimity in pain & pleasure
सुख-दुख में साम्यभाव धारण कर मैत्रीभाव के साथ सम्पूर्ण सावद्य से निवृत्त हो, इन भावों के साथ सामायिक करना।

भावसूत्र – *Bhāvasūtra.*
Ideal formula (of right faith, right knowledge & right conduct) for right path.
सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र इन तीन गुणों से निर्मित उपासक का वैचारिक सूत्र।

भावसेन त्रैविद्य – *Bhāvasena Traividya.*
Name of a famous *Acharya*, who wrote number of books.
मूलसंघ सेनगण के नैयायिक विद्वान आचार्य (ई.श.13 का मध्य) सिद्धान्तसार, प्रमाप्रमेय, कातंत्र रूपमाला आदि अनेक ग्रंथ रचे।

भावस्तवन – *Bhāvastavana.*
Eulogical praising of Lord Jinendra.
जिनेन्द्र भगवान के गुणों का स्मरण करना।

भाव स्त्री – *Bhāva Strī.*
Psychical female one
स्त्री वेद के उदय से पुरुष की अभिलाषा रूप मैथुन संज्ञा का धारक जीव।

भाव स्थिति – *Bhāva Sthiti.*
Constant nature
जिसका जो स्वभाव है उससे च्युत न होना।

भाव स्पर्श – *Bhāva Sparśa.*
Sensible touch for any knowledgeable matter.
निक्षेप रूप एक भेद; जो स्पर्श प्राभृत का ज्ञाता उसमें उपयुक्त है वह सब भाव स्पर्श है।

भावस्वाध्याय – *Bhāvasvādhyāya.*
Rethinking of spiritual contents.
स्वाध्याय के द्वारा शुद्ध आत्मा को अनुभव में लाना।

भावागार – *Bhāvāgāra.*
Psychical attachment of something.
चारित्र मोहनीय का उदय होने पर जो परिणाम घर से निवृत्त नहीं है वह भावागार कहा जाता है।

भावानंत – *Bhāvānanta.*
A kind of Infinity.
अनंत का एक भेद; यह आगम और नोआगम की अपेक्षा दो प्रकार का है।

भावानुराग – *Bhāvānurāga.*
Emotional attachment with reality
अनुराग के 4 भेदों में एक भेद; तत्त्व श्रद्धान होना ।

भाविभाव – *Bhāvābhāva.*
Absence of something in future
वर्तमान स्थूल अवस्था का आगामी में अभाव करना

भावाभाव शक्ति – *Bhāvābhāva Śakti.*
One of the powers acquired by soul
जीव की एक शक्ति; सत् देवादि पर्याय का नाश करता है, इसलिए उसे भवभाव का (सत् के विनाश का) कर्तृत्व कहा गया है। वर्तमान में होने वाली पर्याय के व्यय होने रूप शक्ति।

भावाभिनन्दी – *Bhāvābhinandī*
The welcomer of the worldly existence
सांसारिक अस्तित्व का अभिनन्दन करने वाला ।

भावार्थ – *Bhāvārtha.*
Meaning, explanation, purport.
आगम का अर्थ निकालने की विधि, भावों का अर्थ करना ।

भावार्थ दीपिका – *Bhāvārtha Dīpikā.*
A commentary book written by *Pandit* Shivjit
पं. शिवजित (वि. 1818) कृत भगवती आराधना की भाषा टीका ।

भावासन्न – *Bhāvāsanna.*
Impure saint
जो साधु चारित्र से भ्रष्ट होकर सिद्ध मार्ग की अनुयायी क्रियाएं करता है तथा असंयत जनों की सेवा करता है ।

भावास्रव – *Bhāvāsrava.*
Flowing of *Karmas.*
आत्मा के जिस परिणाम से पुद्गल द्रव्य कर्म बनकर आत्मा में आता है उस परिणाम को भावास्रव कहते हैं ।

भाविज्ञायिक शरीर – *Bhāvijñāyika Śarīra.*
One who is going to be learned one in future.
नोआगम द्रव्य कर्म के 3 भेदों में एक; कर्म स्वरूप को जानने वाला शरीर जिसको आगामीकाल में धारण करेगा ।

भाविता – *Bhāvitā.*
Name of a *Ganini Arvika* in the assembly of Lord Kunthunath.
कुन्थुनाथ भगवान के समवशरण की मुख्य आर्यिका (गणिनी) का नाम ।

भावि नैगमनय – *Bhāvi Naigamanaya.*
Wrong Implication of something in present which is going to occure in future.
एक नय, जो पदार्थ अभी अनिष्पन्न है, और भावि काल में निष्पन्न होने वाला है, उसे निष्पन्नवत् कहना अर्थात् जो बात आगे होगी उसको वर्तमान में कहना, जैसे अर्हंत को सिद्ध कहना ।

भावि नोआगम द्रव्य – *Bhāvi Noāgama Dravya.*
One having knowledge of his predestined body form
जो आत्मा भविष्य में अपने वाली पर्यायों के ज्ञायकपने के अभिमुख है, उन पर्यायों में आक्रान्त हो रही वह आत्मा भाविनोआगम द्रव्य है ।

भावि भूत उपचार – *Bhāvi Bhūta Upacāra.*
Wrong Implication of something in past time which is going to occure in future
भविष्य में होने वाले कार्य को भूत में आरोप करना ।

भावेंद्रिय – *Bhāvendriya.*
See - *Bhāva Indriya*
देखें - भाव इंद्रिय ।

भाषा – *Bhāṣā*
Language, speech
साधारणतः बोलचाल को भाषा कहते हैं; यह अक्षरी, अनक्षरी के भेद से दो प्रकार की होती है ।

भाषा द्रव्य वर्गणा – *Bhāṣā Dravya Vargaṇā*
One of the aggregates of *karmic* molecules; causing formation of speech
13 पुद्गल स्कंध वर्गणाओं में एक; इसी से वचन बनते हैं, एक एक वर्गणा में अनंत परमाणु होते हैं

भाषा परिच्छेद – *Bhāṣā Paricchedа.*
Name of a book written by Vishvanath
विश्वनाथ कृत वैशेषिक दर्शन का एक ग्रंथ ।

भाषा पर्याप्ति – *Bhāṣā Paryāpti.*
Power of vocal or verbal completion (caused by some *karmic* nature)
स्वर नामकर्म के उदय से भाषा वर्गणा रूप पुद्गल स्कन्धों को सत्य, असत्य, उभय, अनुभय भाषारूप परिणमावने की शक्ति की निष्पत्ति होना ।

भाषा पर्याप्ति काल – *Bhāṣā Paryāptikāla.*
Period of vocal completion.
भाषा पर्याप्ति पूर्ण होने पर जितने समय तक मन पर्याप्ति पूर्ण न हो तब तक भाषा पर्याप्ति काल कहलाता है ।

भाषा बल – *Bhāṣā Bala.*
Power of speech
10 प्राणों में एक प्राण, वचन बल ।

भाषा वर्गणा – *Bhāṣā Vargaṇā.*
See - *Bhāṣā Dravya Vargaṇā.*
देखें - भाषा द्रव्य वर्गणा ।

भाषा वैखरी – *Bhāṣā Vaikharī.*
Language audible
शब्दाद्वैतवादी द्वारा माने गये वाणी के चार भेदों में एक भेद; कर्ण इन्द्रिय ग्राह्य पर्याय स्वरूप द्रव्य वचन ।

भाषा समिति – *Bhāṣā Samiti.*
Virtue of a saint; using polite language.
5 समिति में एक, हित-मित-प्रिय वचन बोलना, यह साधुओं का एक मूलगुण है ।

भाष्य – *Bhāṣya.*
Commentary, Exposition
व्याख्या, वृत्ति, टीका ।

भाष्य सूक्ति – *Bhāsya Sūkti.*
Name of a treatise written by Jagadish Bhattacharya
वैशेषिक दर्शन सूत्र पर लिखी जगदीश भट्टाचार्य कृत एक वृत्ति का नाम ।

भासुर – *Bhāsura.*
Name of a planet
88 ग्रहों में एक ग्रह का नाम ।

भास्कर – *Bhāskara*
Radiant, shining, The Sun, Name of a literary person
दैदीप्यमान, प्रकाशवान, सूर्य, एक मीमांसा दर्शन के साहित्य प्रवर्तक जिन्होंने जैमिनी सूत्र पर अर्थसंग्रह नामक टीका लिखी।

भास्कर (कवि) – *Bhāskara (Kavi).*
Name of a poet who wrote Jivandhar Charitra.
जीवन्धर चरित्र के रचयिता एक कन्नड़ कवि ।

भास्करनंदि – *Bhāskaranandi.*
Name of a saint who wrote 'Dhyanstava' and other treatises.
मुनि; तत्त्वार्थसूत्र की सुखबोधिनी वृत्ति तथा ध्यानस्तव के रचयिता । समय - ई.श. 14 ।

भास्कर वेदांत – *Bhāskara Vedānta.*
A particular philosophy ("Everyone gets engrossed into *Brahma* after death").
द्वैताद्वैत; संसार में जीव अनेक हैं किन्तु मुक्त होने पर सब ब्रह्म में लीन हो जाते हैं ऐसा मानना ।

भास्करश्रवण – *Bhāskaraśravaṇa.*
The other name of Kumbhkarana.
कुम्भकर्ण का दूसरा नाम ।

भास्कराभ – *Bhāskarābha.*
Name of a king of *Rakshas* dynasty.
राक्षस वंश का एक राजा ।

भास्करास्त्र – *Bhāskarāstra.*
Name of a weapon.
एक अस्त्र, तामसास्त्र को इसी से नष्ट किया जाता है ।

भास्करी – *Bhāskarī.*
A type of super power.
रावण को प्राप्त एक विद्या ।

भास्वती – *Bhāsvatī.*
A *Vapi* (like large lake) in *Amra* forest of *Samavsharana*, assembly of Jaina Lord.
समवसरण के आम्र वन की एक वापी ।

भिक्षु प्रतिमा – *Bhikṣu Pratimā.*
Particular 12 stages of renunciation for holy death of Jaina saints.
सल्लेखना की साधना हेतु जैन साधुओं के लिए आहार त्याग आदि से संबंधित 12 प्रतिमाएं होती हैं, इनका विशेष वर्णन भगवती आराधना में देखें ।

भिण्डिमाल – *Bhiṇḍimāla*
Name of a weapon of the era of Ram
राम के समय का एक शस्त्र ।

भित्ति – *Bhitti*
Wall
दीवार

भित्तिकर्म – *Bhittikarma.*
Sculpted work, engravement on wall etc.
घर की दीवारों में उनसे अभिन्न रची गई प्रतिमाओं का नाम भित्तिकर्म है ।

भित्ति कला – *Bhitti Kalā.*
Mural art (art related to wall-painting)
दीवार पर बनने वाली चित्रकला ।

भित्ति चित्र – *Bhitti Citra.*
Stucco embellishment (decorative wall work).
चित्रकला का एक भेद, इसमें दीवार पर विभिन्न रंगों से आकृतियां चित्रित की जाती हैं ।

भिन्न – *Bhinna.*
Fraction, Separate, Distinct, Different.
पृथक्, विभक्त, इतर ।

भिन्न कर्त्ता कर्म – *Bhinna Kartā Karma.*
A relation between doer and done work.
व्यावहारिक दृष्टि से कर्ता-कर्म भिन्न है किन्तु निश्चय से वस्तु विचार करने पर कर्ता-कर्म अभिन्न हैं ।

भिन्न दश पूर्वी – *Bhinna Daśa Pūrvī.*
One who gets involved in acquiring great knowledge.
दशमपूर्व विद्यानुवाद के समाप्त होने पर 700 क्षुद्र एवं 500 महाविद्याओं के लाभ को जो प्राप्त होता है ।

भिन्न परिकर्माष्टक – *Bhinna Parikarmāṣṭaka.*
Different types of mathematical operations applied over a fraction.
अंश व हर का संकलन, व्यवकलन, गुणकार, भागहार, वर्ग, वर्गमूल, घन और घनमूल करना ।

भिन्नपूर्वित्व ऋद्धि – *Bhinnapūrvitva Ṛddhi.*
A type of super natural power.
एक प्रकार की ऋद्धि। बुद्धि ऋद्धि के दशपूर्वित्व के दो भेदों में एक भेद ।

भिन्न मुहूर्त – *Bhinna Muhūrta*
A particular time unit..
काल का प्रमाण विशेष। अंतर्मुहूर्त; 48 मिनट का एक मुहूर्त होता है, उनमें 1 समय कम को उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त व एक समय अधिक 1 आवली को जघन्य अन्तर्मुहूर्त कहते हैं ।

भीति – *Bhīti.*
Fear, A super power possessed by Ravana, creating fear to enemy.
भय, रावण को प्राप्त एक विद्या। इस विद्या से शत्रु पक्ष में भय उत्पन्न किया जाता है ।

भीम – *Bhīma.*

Name of the first *Narad*, a peripatetic deity and the son of Krishna.

प्रथम नारद, व्यन्तर देवों का इन्द्र, कृष्ण का पुत्र ।

भीमबल – *Bhīmabala.*

The son of Dhratrashtra Gandhari

धृतराष्ट्र - गांधारी के दो पुत्रों में एक का नाम ।

भीमबाहु – *Bhīmabahu.*

The son of Dhratrashtra Gandhari

धृतराष्ट्र - गांधारी के दो पुत्रों में एक का नाम ।

भीमरथी – *Bhīmarathi.*

A river of *Bharat kshetra Arya Khand.*

भरत क्षेत्र आर्य खण्ड की एक नदी ।

भीमसेन – *Bhīmasena.*

Name of an *Acharya*, one of the 5 Pandvas

आचार्य अभयसेन के शिष्य जिनसेन के गुरु एक आचार्य, 5 पाण्डवों में एक पाण्डव । इन्हें भीम भी कहते हैं, इनके शरीर में बहुत बल था ।

भीमारण्य – *Bhīmāraṇya.*

A terribly dense forest of *Videh Kshetra* (region)

विदेहक्षेत्र के मनोहर नगर का समीपवर्ती एक भयंकर वन ।

भीमावलि – *Bhīmāvali.*

Name of the first *Rudra*

प्रथम रुद्र, यह भगवान वृषभदेव के तीर्थ में हुआ था ।

भीष्म पितामह – *Bhīṣma Pitāmaha.*

A great warrior of Mahabharat.

धृतराज के भाई, महाभारत के प्रमुख पात्र, अपरनाम-गांगेय ।

भुजंगदेव – *Bhujaṁgadeva.*

A type of peripatetic deities living at some upper distance from the earth.

महोरग जाति के व्यंतरों का एक भेद, लवण समुद्र के ऊपर आकाश में स्थित भुजंग नामक देवों की 28 हजार नगरियाँ हैं।

भुजंगम – *Bhujaṁgama.*

Name of the 14[th] *Teerthankar* (Jaina - Lord) in *Videh Kshetra* (region).

विदेह क्षेत्र में स्थित 14 वें तीर्थंकर का नाम ।

भुजंगशाली – *Bhujaṁgaśālī.*

A type of peripatetic deities.

महोरग जातीय व्यंतर देवों का एक भेद ।

भुजंगिनी – *Bhujaṁginī.*

One of the super power possessed by Ravan.

रावण को प्राप्त अनेक विद्याओं में एक विद्या ।

भुजग – *Bhujaga.*

See - *Bhujaṁgaśālī.*

देखें - भुजगशाली ।

भुजगप्रिया – *Bhujagapriyā.*

Name of a female beloved deity of a peripatetic deity 'Atikay'

अतिकाय नामक व्यन्तर इन्द्र की देवी का नाम

भुजगा – *Bhujagā*

Name of a female beloved deity of a peripatetic deity 'Mahakay'

महाकाय नामक व्यंतर इन्द्र की देवी का नाम ।

भुजगार बंध – *Bhujagāra Bandha.*

Binding of *Karma* increasingly

जहां पहले थोड़ी कर्म प्रकृति का बंध होता था फिर अधिक-अधिक बंध हो वह भुजगार बंध है ।

भुजगार स्थिति बंध – *Bhujagāra Sthiti Bandha*

Binding of durational bondage of *Karma* increasingly.

जहां पहले कम स्थिति बंध होता था, अब वृद्धि के साथ स्थिति बंध होना ।

भुजबलिचरित – *Bhujabalicarita.*

A book written by *Doddayya.*

'दोड्डय्य' द्वारा रचित एक ग्रंथ। इसमें भगवान बाहुबली का जीवन चरित्र है ।

भुजवर द्वीप-सागर – *Bhujavara Dvīpa-Sāgara.*

Name of an island and ocean of middle universe.

मध्यलोक में स्थित एक द्वीप व सागर का नाम ।

भुज्यमान आयु – *Bhujyamāna Āyu*

Present age.

वर्तमान में जिस आयु को भोगा जा रहा है वह भुज्यमान आयु है ।

भुवनकीर्ति – *Bhuvanakīrti.*

Disciple of *Acharya* Sakalkirti and preceptor of Gyanbhushan.

नन्दिसंघ बलात्कार गण में आचार्य सकलकीर्ति के शिष्य व ज्ञानभूषण के गुरु (ई.1442-1468) ।

भुवनाम्बिका – *Bhuvanāmbikā.*

An addressing word for Marudevi- mother of Lord Rishabhadev.

मरुदेवी जिन्हें वृषभदेव भगवान की जननी होने से भुवनाम्बिका (अर्थात् जगत माता) नाम से सम्बोधित किया गया था ।

भुशुण्डी – *Bhuśuṇḍī.*

A weapon used in the time of Ravana

एक शस्त्र, इसका उपयोग रावण के काल में हुआ है ।

भूगोल – *Bhūgola*

Geography.

जैनाभिमत में मध्यलोक-जंबूद्वीप आदि ब्रह्मांड का वर्णन विषय भूगोल में है ।

भूत – *Bhūta.*

Demons, peripatetic deities.

जो व्यंतर देव कर्मोदय के कारण विविध गतियों में घूमते रहते हैं (व्यंतरों के 8 भेदों में एक भेद; इनके 7 भेद हैं) ।

भूतकांता – *Bhūtakāntā.*
Name of a female beloved divinity of peripatetic deity 'Svarup.'
व्यंतर इन्द्र स्वरूप की देवी का नाम।

भूतकाल – *Bhūtakāla*
Past time
बीता हुआ समय।

भूतग्राही ज्ञान – *Bhūtagrāhī Jñāna*
Omniscience, great knowledge of the whole past
भूतकाल को जानने वाले श्रुत, अवधि, मनःपर्यय एवं केवल ज्ञान।

भूतग्राही नय – *Bhūtagrāhī Naya.*
Standpoint showing knowledge of past
नय; जिसके अनुसार जन्म से 15 कर्मभूमियों में और संहरण की अपेक्षा सर्व मनुष्य क्षेत्र से सिद्धि होती है। अर्थात् भूतकाल का ग्रहण करके कथन करने वाला नय।

भूतज्ञायक शरीर – *Bhūtajñāyaka Śarīra.*
Left body of most learned one (after death)
कर्मस्वरूप को जानने वाला जिस शरीर को छोड़ आया है वह भूतज्ञायक शरीर है इसके च्युत, च्यावित, त्यक्त 3 भेद है।

भूत नैगमनय – *Bhūta Naigama Naya.*
Implication of something in present time which happened in the past (like today is birth anniversary of Lord Mahavira'.).
अतीत कार्य में 'आज हुआ है' ऐसा वर्तमान का आरोप या उपचार करना। अथवा भूतकाल की बात में वर्तमान की मान्यता की जावे, जैसे आज महावीर जयंती है।

भूतपूर्व नय – *Bhūtapūrva Naya.*
A standpoint related to the past events.
अतीत कालीन पर्यायों की अपेक्षा कथन करने वाला नय।

भूतपूर्व न्याय – *Bhūtapūrva Nyāya.*
A type of justice related to the past.
जिसके द्वारा उपशान्त कषाय आदिक गुणस्थानों में लेश्या कही जाती है।

भूतपूर्व प्रज्ञापन नय –
Bhūtapūrva Prajñāpana Naya.
See - *Bhūtapūrva Naya.*
देखें - भूतपूर्व नय।

भूत प्रज्ञापन नय – *Bhūta Prajñāpana Naya.*
See - *Bhūtapūrva Naya.*
देखें - भूतपूर्व नय।

भूत भावी उपचार – *Bhūta Bhāvī Upacāra.*
Causative implication related to the past & future.
भूत एवं भविष्य से संबंधित कारण में कार्य का उपचार करना।

भूतबली – *Bhūtabalī.*
Name of a great *Acharya*, the disciple of *Acharya* Arhadvali
एक आचार्य (ई.66-156) जिनके दीक्षा गुरु आचार्य अर्हद्बलि और शिक्षा गुरु धरसेन थे। इन्होंने षट्खंडागम के सूत्रों की रचना की है।

भूतमुख – *Bhūtamukha*
Name of a dominion 'Shield' of *Chakravarti* (emperor) Bharat & Lord Aranath
चक्रवर्ती भरत तथा भगवान अरनाथ का अस्त्र (ढाल) यह भूतों की मुखाकृतियों से चिन्हित होता था।

भूतरक्ता – *Bhūtaraktā*
Name of a female beloved divinity of a peripatetic deity 'Pratirup'
एक व्यंतर इन्द्र 'प्रतिरूप' की देवी का नाम।

भूतरमण – *Bhūtaramaṇa.*
Name of a garden of *Bhadrashal* forest.
भद्रशाल वन के 5 उपवनों में एक उपवन का नाम।

भूतरव – *Bhūtarava.*
Name of a country won by Lavkush (Ram's sons).
एक देश, इसे लवकुश ने जीता था।

भूतवन – *Bhūtavana*
Name of a forest where Shreepal announced himself to be *Chakravarti* (emperor)
एक वन, जहां श्रीपाल ने 7 शिलाखण्डों को एक के ऊपर एक रखकर स्वयं चक्रवर्ती होने की सूचना दी थी।

भूतवर – *Bhūtavara.*
Name of an island and an ocean of middle universe.
मध्यलोक के एक सागर व द्वीप का नाम।

भूतवाद – *Bhūtavāda*
A standpoint related to origination & destruction of the consciousness
पृथिवी, जल, वायु, अग्नि के संयोग से चैतन्य की उत्पत्ति तथा वियोग से उसके विनाश की मान्यता वाला एक मत।

भूत विगम – *Bhūta Vigama.*
To be detached from the elements.
तत्वों से वियुक्त होना।

भूतविषय नय – *Bhūtaviṣaya Naya.*
See - *Bhūtagrāhī Naya.*
देखें - भूतग्राही नय।

भूत शरीर – *Bhūta Śarīra.*
See - *Bhūta Jñāyaka Śarīra.*
देखें - भूत ज्ञायक शरीर।

भूता – *Bhūtā.*
Name of a female beloved divinity of a peripatetic deity 'Mahabhim'.
महाभीम नामक व्यंतर देव की एक देवी का नाम।

भूतानंद – *Bhūtānanda.*
A type of *Nagkumar Indras* (celestial deities)

नागकुमार भवनवासी देवों का एक इन्द्र ।

भूतारण्यक वन - *Bhūtāraṇyaka Vana*

Name of a forest situated in western *Videh* (region).

विदेह के पश्चिम और लवण समुद्र के निकट एक वन ।

भूतार्थ - *Bhūtārtha.*

Another name of *Makshmarga* 'Path of salvation'

निश्चय नय मोक्षमार्ग का अपरनाम ।

भूति - *Bhūti.*

Name of the 24th chief disciple of Lord Rishabhedev.

भगवान वृषभदेव के 84 गणधरों में 24 वें गणधर का नाम ।

भूतेश - *Bhūteśa.*

Name of an *Indra* (celestial being).

भवनवासी देवों के 20 इन्द्रों में तीसरा इन्द्र ।

भूतोत्तम - *Bhūtottama.*

A type of peripatetic deities

भूत जाति के व्यन्तर देवों के सात भेदों में एक भेद ।

भूधर - *Bhudhara.*

Name of a warrior of Ram.

राम का एक योद्धा, धरणेन्द्र

भूधरदास - *Bhūdharadāsa.*

Name of a writer who wrote Parshvanath Puran, Pada Sangrah (poetic compositions) etc many great books.

पार्श्वनाथपुराण, जैन शतक, पद संग्रह आदि के कर्ता ।

भूपाल - *Bhūpāla.*

Name of a king of *Bharat Kshetra* (region).

सुभौम चक्रवर्ती के तीसरे पूर्वभव का जीव जिसने युद्ध में मानभंग होने से दीक्षा लेकर चक्रवर्ती पद का निदान किया था।

भूपाल चतुर्विंशतिका - *Bhūpāla Caturviṁśatikā.*

Name of a treatise written by *Pandit* Ashadhar.

पं. आशाधर (ई.1173-1243) कृत एक ग्रंथ का नाम ।

भूपाल चतुर्विंशतिका टीका - *Bhūpāla Caturviṁśatikā Ṭīkā.*

Name a commentary book written by *Pandit* Ashadhar

पं. आशाधर (ई. 1173-1243) कृत संस्कृत टीका ।

भूभृत - *Bhūbhṛta.*

Mountain.

पर्वत ।

भूमि - *Bhūmi.*

Land.

जीवों की निवास भूमियां - कर्मभूमि, भोगभूमि, नरकों की 7 भूमियां ।

भूमिकल्प - *Bhūmikalpa.*

A book written by *Acharya* Indranandi.

आचार्य इन्द्रनन्दि (ई.श.10) कृत एक तान्त्रिक ग्रंथ

भूमिका - *Bhūmikā.*

Preamble, introduction, See - *Gunasthana*

प्रस्तावना, देखें - गुणस्थान

भूमिकुंडल - *Bhūmikuṁḍala*

A city in the south of *Vijayardha* mountain

विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

भूमितिलक - *Bhūmitilaka*

A city in the north of *Vijayardha* mountain

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

भूमितुंड - *Bhūmituṁḍa.*

A type of super power of *Vidyadhars*

विद्याधरों की एक विद्या ।

भूमिधन - *Bhūmidhana.*

A type of mathematical quantity

क्षेत्रफल, एक कल्प पद का बंध में गुणा करके उसमें प्रथम समय का प्रमाण जोड़ने पर धन निकलता है ।

भूमिनाश - *Bhūminaśa*

Destruction of whole earth (before 49 days at the end of *Pancham Kal*.

पंचम काल के अंत में 49 दिन तक कुवृष्टियां होने से भूमि जलकर नष्ट हो जाती है इसे भूमिनाश कहते हैं ।

भूमिपाल - *Bhūmipāla*

Father's name of the 17[th] *Teerthankar* (Jaina-Lord) situated in *Videh Kshetra* (region)

विदेह क्षेत्र में स्थित 17 वें तीर्थंकर 'वीरसेन' के पिता का नाम।

भूमिमंडल - *Bhūmimaṁḍala.*

See - *Bhūmikuṁḍala.*

देखें - भूमिकुंडल ।

भूमिमित्र - *Bhūmimitra.*

Name of a king of Shrenik dynasty of Magadh state

मगध राज्य के श्रेणिक वंश का एक राजा ।

भूमिशय्याव्रत - *Bhūmiśayyāvrata.*

A basic restraint of Jaina saints, to sleep on the earth

साधु के 28 मूलगुणों में एक मूलगुण; पृथिवी पर शयन करना।

भूमिशुद्धि - *Bhūmiśuddhi.*

Act of purification of Land with religious observances.

पूजा-विधान-मंत्र आदि से भूमि शुद्ध करना ।

भूमिसंस्तर - *Bhūmisaṁstara.*

A suitable land base related to the *Samadhi* of a Jaina saint.

संस्तर के 4 भेदों में एक भेद; जो जमीन मृदु नहीं है, जो छिद्र रहित, प्राणी रहित, प्रकाश युक्त हो एवं क्षपक के देहप्रमाण और गुप्त हो ।

भूमिस्पर्श – *Bhūmisparśa*

A type of fault related to saint food (touching the land by hands).

साधु को आहार संबंधी एक अपराध; हाथ से भूमि को छूना ।

भूषणगृह – *Bhūṣaṇagṛha*

A palace of astral deities

ज्योतिष देवों के प्रासादों में एक गृह ।

भूषणशाला – *Bhūṣaṇaśāla*

Name of a aboding or dwelling place of daities.

भवनवासी देवों के भवनों में एक गृह का नाम ।

भूषणांग जाति कल्पवृक्ष –

Bhūṣaṇāṅga Jāti Kalpavṛkṣa

A type of wish fulfilling tree (related to providing ornaments)

दस प्रकार के कल्पवृक्षों में एक वृक्ष का नाम; जो आभूषण प्रदान करता है ।

भूषांग – *Bhūṣāṅga.*

See - *Bhūṣaṇāṅga Jāti Kalpavṛkṣa.*

देखें - भूषणांग जाति कल्पवृक्ष ।

भृंग – *Bhṛṅga.*

A pitcher having a long neck and a spout

कलश, झारी ।

भृंगनिभा – *Bhṛṅganibhā.*

Name of a *Vapi* (like large lake) of *Sumeru* mountain.

सुमेरु के नन्दनादि वनों में स्थित एक वापी (बावड़ी) ।

भृंगा – *Bhṛṅgā.*

See - *Bhṛṅganibhā.*

देखें - भृंगनिभा ।

भृंगार – *Bhṛṅgāra.*

An auspicious emblem—a pitcher having long neck and a spout.

टोंटीदार कलश (झारी)—जिन प्रतिमा के समीप रहने वाले अष्टमंगल द्रव्यों में से एक ।

भृकुटी – *Bhṛkuṭī*

Scowl, a frowning look

तनी भौंह, क्रोध पूर्ण मुखाकृति। जिन प्रतिमाओं की भृकुटी रहित मुखाकृति क्रोध के अभाव का सूचक होती है ।

भेद – *Bheda.*

Difference, Type, Division, Separation, Discrimination, Disjunction.

विरुद्ध धर्मों एवं भिन्न-भिन्न कारणों का होना यही भेद है ।

भेद कल्पना-निरपेक्ष-शुद्ध-द्रव्यार्थिक नय –

Bheda Kalpanā-Nirapekṣa-Śuddha-Dravyārthika Naya.

A viewpoint explaining the solitariness in properties (virtues) and its possessor (matter).

नय, जिसकी अपेक्षा द्रव्य निज गुण पर्यायों के स्वभाव से अभिन्न है तथा एक स्वभावी है ।

भेद कल्पना-सापेक्ष-अशुद्ध-द्रव्यार्थिक नय –

Bheda Kalpanā-Sāpekṣa-Aśuddha-Dravyārthika Naya

A kind of viewpoint which differentiate the relation of properties (virtues) and its possessor (matter)

नय जो द्रव्य में गुण-गुणी का भेद करके उनमें सम्बन्ध स्थापित करता है, जैसे द्रव्य गुण व पर्याय वाला है अथवा जीव ज्ञानवान् है ।

भेदज्ञान – *Bhedajñāna.*

Discriminating science (knowledge)

जीवादि सात तत्वों में बुद्ध्यादि की अर्थात् स्वतत्व की स्वसंवेदनगम्य पृथक् प्रतीति होना। अथवा स्व पर पदार्थों का यथार्थ ज्ञान होना।

भेदग्रहण – *Bhedagrahaṇa.*

Comprehension of something with its different dimensions.

ज्ञान में वस्तु का भेद या विकल्पों सहित ग्रहण करना ।

भेद पक्ष – *Bheda Pakṣa*

Acceptance of something with alternative viewpoints.

द्रव्य का गुण व पर्याय की अपेक्षा ग्रहण करना ।

भेदपद – *Bhedapada*

Different kinds of typical literary words with their antonyms

उत्कृष्ट-अनुत्कृष्ट, जघन्य-अजघन्य, सादि-अनादि, ध्रुव-अध्रुव आदि समस्त भेद पद कहलाते हैं ।

भेदप्रवृत्ति – *Bhedapravṛtti.*

Differential attitude or attitude of differentiation.

अभेद रूप से गृहीत वस्तुओं का परमाणु पर्यंत भेद करना ।

भेदरत्नत्रय – *Bhedaratnatraya.*

Synonym word for *Mokshmarga*-the path of salvation

मोक्षमार्ग का पर्यायवाची नाम ।

भेदवाद – *Bhedavāda.*

Principle of analysing something with its different properties.

वस्तु को गुण, पर्याय, लक्षण आदि की अपेक्षा ग्रहण करना ।

भेद विज्ञान – *Bheda Vijñāna*

Science of differentiation (between self-own soul & other).

सम्यग्ज्ञान, गुरुउपदेश से अथवा शास्त्राभ्यास से या स्वात्मानुभव से स्व व पर के भेद को जानना ।

भेदसंघात – *Bhedasaṅghāta.*

Association-cum-dissociation related to *Karmic* molecules.

भेद अर्थात् स्कंधों का टूटना एवं संघात होना अर्थात् भिन्न-भिन्न परमाणुओं या स्कंधों से मिलकर स्कंधों की उत्पत्ति होना ।

भेद स्वभाव – *Bheda Svabhāva.*
Differentiation in nature, discriminative nature of matters.
द्रव्यों के 11 सामान्य स्वभावों में एक स्वभाव, गुण-गुणी आदि में संज्ञा, लक्षण, प्रयोजन की अपेक्षा भेद होने से भेद स्वभाव होता है ।

भेदातीत – *Bhedātīta.*
Similar, without any difference.
भेद रहित ।

भेदाभेद विपर्यास – *Bhedābheda Viparyāsa*
A kind of reversal knowledge.
कारण-कार्य व भेद-अभेद का उल्टा ज्ञान ।

भेदोपचार – *Bhedopacāra.*
Statement of something on the basis of its nature.
उपचार से भेद, गुण, गुणी में भेद करके कहना भेदोपचार है। इसे सद्भूत व्यवहार भी कहते हैं क्योंकि गुण, गुणी का तादात्म्य संबंध पारमार्थिक है ।

भेरी – *Bheri.*
A musical instrument used at the beginning of war
युद्ध के लिए प्रस्थान करते समय बजाया जाने वाला वाद्य ।

भेरीताड़न विधि – *Bherītāḍana Vidhi.*
A type of auspicious act of singing musical instruments and raising the flags of different colours in all 10 directions before beginning of *Panchkalyaank Pratishtha* (celebration for the installation of Jain idols in temples).
इस विधि में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा से एक-दो आदि दिन पूर्व प्रतिष्ठाचार्य मंत्रोच्चारपूर्वक यजमान द्वारा विविध प्रकार के वाद्य बजवाते हैं एवं मण्डप की दशों दिशाओं में विभिन्न वर्ण की ध्वजाएं स्थापित कराते हैं ।

भेरुण्ड – *Bherunda.*
Name of a bird.
एक पक्षी का नाम ।

भेषजदान – *Bheṣajadāna.*
Donation of medicines.
प्रासुक औषधिदान ।

भैंससम – *Bhaiṁsasama.*
A type of listener who grasps less.
श्रोता का एक प्रकार; जैसे भैंसा थोड़ा सा पानी पीकर बाकी सब पानी गंदा कर देता है उसी तरह अल्प ग्रहण करने वाले श्रोता ।

भैंसा – *Bhaiṁsā.*
Buffalo bull, the significant mark of Lord Vasupujya.
एक पशु; वासुपूज्य भगवान का चिन्ह ।

भैक्ष्यशुद्धि – *Bhaikṣyaśuddhi.*
Purity in procedural food taking.
अचौर्यव्रत की एक भावना; आगमोक्त विधि से शुद्ध भोजन ग्रहण करना ।

भैरव पद्मावती कल्प –
Bhairava Padmāvatī Kalpa
Name of a book related to mystical formulas
मन्त्र-तन्त्र विषयक एक ग्रंथ ।

भोक्ता – *Bhoktā.*
One who experiences joy & sorrow both
सुख दुख परिणामों को भोगने वाला ।

भोक्ता भोग्य भाव – *Bhoktā Bhogya Bhāva*
Instinction related to enjoyer & enjoyables.
मैं भोगने वाला हूं और यह भोगने योग्य है ऐसा भाव ।

भोक्तृत्व – *Bhoktṛtva.*
Power of experiencing joy & sorrow
जीव की सुख-दुख भोगने की शक्ति ।

भोक्तृत्व नय – *Bhoktṛtva Naya.*
A viewpoint believing that soul is the enjoyer of joy & sorrow.
नय; जिसकी अपेक्षा से आत्मद्रव्य सुख-दुखादि का भोक्ता है ।

भोक्तृत्व भोग्य भाव – *Bhoktṛtva Bhogya Bhāva.*
See - *Bhoktā Bhogya Bhāva*
देखें - भोक्ता भोग्य भाव ।

भोगंकरा – *Bhogaṁkarā.*
A female deity of *Gajdant* summit.
गजदन्त कूट की एक देवी का नाम ।

भोगंकृति – *Bhogaṁkṛti*
See - *Bhogaṁkarā.*
देखें - भोगंकरा ।

भोगंधरी – *Bhogaṁdharī.*
See - *Bhogaṁkarā.*
देखें - भोगंकरा ।

भोग – *Bhoga.*
Worldly or sensual enjoyments.
भोजन वस्त्रादि पंचेन्द्रिय संबंधी विषय भोग पदार्थ कहलाते हैं।

भोगधरा – *Bhogadharā.*
Land of worldly enjoyments
भोगभूमि ।

भोग निदान – *Bhoga Nidāna.*
Longing for all luxurious worldly pleasures.
परलोक में भोग विलास की उत्तम सामग्री मिले ऐसी आकांक्षा करना ।

भोगभूमि – *Bhogabhūmi.*
Land of worldly enjoyments
जहां कृषि आदि षट् कार्यों के बिना 10 प्रकार के कल्प वृक्षों से प्राप्त भोग-उपभोग की सामग्री के द्वारा मनुष्य - तिर्यंच अपना जीवन सुख पूर्वक बिताते हैं ।

भोगमालिनी – *Bhogamālinī*

Name of a female deity of *Rajat* summit situated at *Malyavan Gajadant* mountain.

माल्यवान् गजदन्त स्थित रजत कूट की स्वामिनी देवी ।

भोगरति – *Bhogarati.*

Involvement in all sensual pleasures constantly

निरन्तर भोग विलास का सेवन करना ।

भोगलक्ष्मी – *Bhogalakṣmī.*

Assesis, Consumables, Luxuries.

धन सम्पदा ।

भोगवती – *Bhogavatī.*

Name of female deities of summit of *Gandhamadan & Gajdant* mountains

गन्धमादन पर्वत के लोहितक्ष कूट की स्वामिनी दिक्कुमारीदेवी, माल्यवान गजदन्त स्थित सागर कूट की स्वामिनी देवी ।

भोगवर्धन – *Bhogavardhana.*

Name of a country situated in *Bharat Kshetra Arya Khand*, the birth place of a *Pratinarayan* 'Tarak'.

भरत क्षेत्र का एक नगर, जहां 'तारक' प्रतिनारायण का जन्म हुआ था ।

भोगांतराय कर्म – *Bhogāntarāya Karma*

Obstructive *Karma* in the way of worldly enjoyments

अंतराय कर्म का एक भेद; जिस कर्म के उदय से जीव भोगने की इच्छा करता हुआ भी नहीं भोग पाता ।

भोगा – *Bhogā.*

Name of a female beloved deity of a peripatetic celestial (Mahakaya)

महाकाय नामक व्यंतर इन्द्र की वल्लभिका का नाम ।

भोगाकांक्षा – *Bhogākāṅkṣā.*

Longing for enjoyment.

भोग करने की इच्छा होना ।

भोगानर्थक्य – *Bhogānarthakya.*

An infraction-excess of consumables, hoarding.

अनर्थदण्डव्रत का एक अतिचार; आवश्यकता से अधिक उपभोग परिभोग की वस्तुओं को एकत्रित करना।

भोगोपभोग – *Bhogopabhoga.*

Enjoyment of worldly pleasures.

जो वस्तु एक बार भोगने में आये वह भोग (भोजन इत्यादि) एवं जो बारबार भोगने में आये वह उपभोग (शय्या इत्यादि) कहलाती है ।

भोगोपभोग परिमाण व्रत – *Bhogopabhoga Parimāṇa Vrata.*

Vow of restricting worldly sensual enjoyments.

शिक्षाव्रत का एक भेद; इसमें भोग उपभोग सम्बन्धी पदार्थों का परिमाण किया जाता है ।

भोगोपभोगसंख्यान – *Bhogopabhogasaṃkhyāna.*

Vow of limiting use of consumables

एक गुणव्रत; इसमें भोग और उपभोग की वस्तुओं की मर्यादा की जाती है ।

भोज – *Bhoja*

A king of Malaw region

मालव देश के एक राजा का नाम ।

भोज वंश – *Bhoja Vaṃśa.*

Name of a dynasty

वृषभदेव भगवान के समय का एक वंश; इस देश के राजा न्याय पूर्वक प्रजा का पालन करने से भोज कहलाते थे ।

भोजकवृष्टि – *Bhojakavṛṣṭi.*

Name of a king

मथुरा के स्वामी सुवीर के पुत्र तथा उग्रसेन के पिता ।

भोजन – *Bhojana.*

Food items

क्षुधा निवृत्ति के लिए खाने योग्य पदार्थ ।

भोजनकथा – *Bhojanakathā.*

Food gossip, tales pertaining to food items.

विकथा का एक भेद; भोजन संबंधी कथा करना ।

भोजनदान – *Bhojanadāna.*

Food - donation.

साधु आदि को भोजन का दान करना, निर्धन को अन्न आदि दान करना ।

भोजनपान – *Bhojanapāna.*

Taking of particular prescribed food

प्रत्येक भोजन ग्रहण करना ।

भोजन संपात – *Bhojana Saṃpāta.*

A type of obstacle in food donation to saints.

आहारांतराय का एक भेद; साधु को आहार देते समय दाता के हाथ से आहार सामग्री का नीचे गिर जाना ।

भोजनांग जातीय कल्पवृक्ष – *Bhojanāṅga Jātīya Kalpavṛkṣa.*

A type of wish fulfilling trees.

कल्पवृक्षों की एक जाति; ये भोग भूमि के मनुष्यों के लिए इच्छित छः प्रकार के रसों से युक्त स्वादिष्ट भोजन सामग्री प्रदान करते हैं ।

भोज्यशूद्र – *Bhojyaśūdra.*

A lower division of people of society.

कारू शूद्र का एक भेद ।

भौम – *Bhauma.*

A peripatetic deity, A kind of earthen bodied beings, A type of knowledge.

व्यंतर देव, पृथिवीकायिक जीव, अष्टांग निमित्तज्ञान का एक अंग ।

भौमनिमित्तज्ञान – *Bhaumanimittajñāna.*

A type of super natural knowledge pertaining to the earthly treasures.

अष्टांग निमित्तज्ञान का एक अंग; इससे पृथिवी के स्थान आदि के भेद से हानि, वृद्धि तथा पृथ्वी के भीतर रखे हुए रत्न आदि का पता लगाया जाता है।

भ्रमण – *Bhramaṇa*

Transmigration, Wandering, Mobility

अनंत जीव प्रदेशों में घूमना, चक्कर लगाना।

भ्रमणकाल – *Bhramaṇakāla.*

The infinite time period of mobility (transmigration) of soul.

संसार परिभ्रमण का काल जो अनन्त है।

भ्रमराहार – *Bhramarāhāra*

Accepting food-donation by saints without causing any difficulty to the donor

दाताओं को किसी भी प्रकार की बाधा पहुँचाये बिना मुनि द्वारा कुशलता से आहार लिया जाना। इसे भ्रामरी वृत्ति भी कहते हैं।

भ्रष्ट मुनि – *Bhraṣṭa Muni.*

Deviated saints

इन्द्रिय और कषायों के आधीन रहने वाले साधु

भ्रांत – *Bhrānta.*

Invalid, Incorrect, Name of the 4th *Paṭal* (layer) of the 1st earth.

भूल हुआ, कुमार्गगामी, पहली पृथिवी का चतुर्थ पटल।

भ्रान्ति – *Bhrānti.*

Illusion, Deception.

भ्रम, व्यामोह, मिथ्याभाव।

भ्रामरीवृत्ति – *Bhrāmarīvṛtti.*

See - *Bhramarāhāra.*

देखें - भ्रमराहार।

भ्रूक्षेपण – *Bhrūkṣepaṇa.*

An infraction of meditative relaxation (frowning).

कायोत्सर्ग का एक अतिचार; भौंह टेढ़ी करना या नचाना।

म

म – *Ma.*

The 25th consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का पच्चीसवाँ व्यंजन इसका उच्चारण स्थान ओष्ठ और नासिका है।

मंखलि – *Maṃkhali*

A prapogator of falsehood

अपरनाम–मस्करी या पूरनकश्यप। भावसंग्रह ग्रंथ के अनुसार ये पहले दिगम्बर मुनि थे पुनः भगवान महावीर के समवशरण से बाहर निकलकर इन्होंने अज्ञानमत का प्रचार किया।

मंगरस – *Maṃgarasa.*

A Kannad poet who wrote 'Nemi Jineshwar Sangati' etc. books.

नेमि जिनेश्वर संगति और सम्यक्त्व कौमुदी के रचयिता एक कन्नड़ कवि।

मंगराज – *Maṃgarāja*

A Kannad poet who wrote a book 'Khagendramanidarpan'

खगेन्द्रमणिदर्पण (चिकित्साशास्त्र) के रचयिता एक कन्नड़ कवि।

मंगल – *Maṃgala.*

State of auspiciousness, Name of a planet (Mars), Name of a deity of *Saumnas Gajdant* mountain and its summit.

जो पाप रूपी मल को गलाता है अथवा जो सुख या पुण्य को लाने वाला है वह मंगल है (पंचनमस्कार रूप णमोकार मंत्र समस्त मंगलों में प्रथम मंगल कहा जाता है), एक ग्रह का नाम, सौमनस गजदंत पर्वत के एक कूट व देव का नाम।

मंगल (ज्योतिषलोक) – *Maṃgala (Jyotiṣaloka).*

Name of a space vehicle, Name of the 83rd planet.

मध्यलोक से 897 योजन ऊपर जाकर ज्योतिषलोक में स्थित एक विमान, ज्योतिष के 88 ग्रहों में 83वां ग्रह।

मंगल गोचर – *Maṃgala Gocara.*

An auspicious observance of taking food by a Jaina saint at the previous day of the beginning & the end day of *Chaturmas*

जैन साधुओं द्वारा वर्षायोग स्थापना एवं समापन से पूर्व आषाढ़ शु. त्रयोदशी व कार्तिक कृ. त्रयोदशी के दिन एक वन्दना क्रिया (सिद्ध भक्ति, चैत्य भक्ति, पंचगुरु भक्ति, शान्ति भक्ति) करके जो आहार ग्रहण किया जाता है उसका नाम मंगल गोचर है।

मंगल गोचर प्रत्याख्यान – *Maṃgala Gocara Pratyākhyāna.*

An activity of auspicious exposition (performed by a saint after taking food)

जैन साधुओं द्वारा की जाने वाली एक क्रिया; मंगल गोचर के पश्चात् अगले दिन अर्थात् चतुर्दशी (वर्षायोग स्थापना एवं

निदान दिवस) के लिए एक विशेष भक्तिपात्रपूर्वक गुरु से उपवास ग्रहण करना।

मंगल द्रव्य – *Mamgala Dravya*

Auspicious articles like fly-whisk, pitcher, parasol etc

जिन प्रतिमा के समीप रहने वाले अष्ट मंगल द्रव्य-झारी, छत्र, चमर, ध्वजा, दर्पण, सुप्रतिष्ठ, भृङ्गार, कलश ये 8 मुख्यरूप से मंगल द्रव्य हैं।

मंगला – *Mamgala*

A type of super power with auspicious verses or texts, Mother's name of Lord Sumatinath.

कल्याणक मंत्रों से परिष्कृत एक विद्या, तीर्थंकर सुमतिनाथ की माता (अपरनाम-सुमंगला)

मंगलाचरण – *Mamgalācaraṇa.*

Auspicious beginning for the success of any work.

कार्य के प्रारंभ में मंगल के लिए स्तुतिरूप श्लोक व छंद पढ़ना।

मंगलावती – *Mamgalāvati.*

Name of an area of eastern *Videh Kshetra* (a region) and name of a deity.

पूर्व विदेह का एक क्षेत्र एवं आत्मांजन वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव।

मंगलावर्त – *Mamgalāvarta.*

Name of a summit of *Saumnasa* mountain and its protecting deity

सौमनस पर्वत का एक कूट व उसका रक्षक देव।

मंगिनी – *Mamginī.*

Name of a chief *Aryika (Gaulat)* in the *Samavasharan* (assembly) of Lord Naminath

नमिनाथ भगवान के समवसरण की मुख्य आर्यिका का नाम।

मंजूषा – *Mamjūsā.*

Main city of *Manglavati* country of east *Videh* region, Box.

पूर्व विदेह के मंगलावती देश की प्रधान नगरी, पेटी।

मंझार – *Mamjhāra.*

The middle.

मध्य में।

मंडप – *Mamdapa.*

The last (8th) land of *Samavasharan* having 12 divisions for the sitting of different types of listeners. Generic term for hall in Lord's assembly which may be open or closed.

समवशरण की अंतिम आठवीं श्रीमंडप भूमि जिसमें 16 दीवारें व उनके बीच 12 कोठे हैं। पूर्व दिशा को आदि करके इन बारह कोठों में क्रम से गणधर आदि मुनिजन, कल्पवासी देवियाँ, आर्यिकाएं व श्राविकाएं, ज्योतिषी देवियाँ, व्यंतर देवियाँ, भवनवासी देवियाँ, भवनवासी देव, व्यंतर देव, ज्योतिषी देव, कल्पवासी देव, मनुष्य व तिर्यंच बैठते हैं।

मंडल – *Mamdala*

Sphere, zone, region

प्राणायाम सम्बन्धी अग्निमण्डल, आकाश मण्डल, जनपद आदि।

मंडलीक – *Mamdalika*

A high rank of kings an emperor ruling over 4000 kings.

4000 मुकुटबद्ध राजाओं का स्वामी मण्डलीक कहलाता है।

मंडित – *Mamdita.*

Including. A city situated in the south of *Vijayardh* mountain

सहित, समन्वित, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

मंत्र – *Mamtra.*

Mystic verses or texts.

जो गुप्त रूप से बोले जाते हैं उन्हें मंत्र कहते हैं। 'मंत्रि' धातु से गुप्त भाषण के अर्थ में मंत्र शब्द बना है जो एक अक्षर से लेकर अनेकों अक्षरों तक होते हैं, जैसे-'ॐ', 'अर्हं', असिआउसा आदि।

मंत्र दोष – *Mamtra Doṣa.*

A type of saint's fault related to obtaining food by giving temptation of some mystic word.

दाता को मन्त्र की महिमा बताकर और मंत्र देने की आशा दिलाकर यदि साधु आहार प्राप्त करे तो वह 'मन्त्र दोष' कहलाता है एवं आहार देने वाले के द्वारा व्यन्तरादि देवों को विद्या तथा मन्त्र से बुलाकर साधना करना 'विद्या मन्त्र दोष' है।

मंत्र महोदधि – *Mamtra Mahodadhi.*

Name of a book related to mystical knowledge (sorcery)

मन्त्र तन्त्र विषयक एक किताब।

मंत्रशाला – *Mamtraśālā.*

A part of the palaces of astrological deities

ज्योतिष देवों के प्रासादों में एक कक्ष अथवा जिसमें राजा अपने मंत्रियों के साथ मंत्रणा करते हैं वह कक्ष।

मंत्रसामर्थ्य – *Mamtrasāmarthya.*

Power of mystical words or verses.

मंत्र की शक्ति।

मंदकषाय – *Mamdakaṣāya.*

Virtuous nature of one, less passionate.

सभी से प्रिय वचन बोलना, खोटे वचन बोलने पर दुर्जनों को भी क्षमा करना, सभी के गुणों को ग्रहण करना आदि अर्थात् शुभ लेश्यारूप परिणामों का होना मंद कषाय है।

मंद परिणाम – *Mamda Parināma.*

Slight consequences of passionful nature

कषायों के अनुदीर्ण प्रत्यय (उदय) से होने वाले परिणाम मंद होते हैं।

मंदप्रबोधिनी – *Mamdaprabodhinī.*

A commentary book written by *Acharya* Abhaychandra on Gommatsara Granth.

आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती कृत गोमट्टसार ग्रन्थ पर आचार्य अभयचन्द्र (ई.श. 13 अन्त) कृत टीका।

मंदभाव – *Mandabhava.*
Slight consequences passions
कषायों की उदीरणा के अभाव में होने वाले मंद कषाय रूप परिणाम ।

मंदर (कूट) – *Mandara (Kuta).*
Name of summits situated at *Kundalvar Ruchakvar* & *Sumeru* mountains.
कुण्डलवर, रुचकवर व सुमेरू पर्वत पर स्थित कूटों का नाम ।

मंदर (नाम) – *Mandara.*
Name of kings of *Kuru* & *Vanar* dynasties, A city situated in the north of *Vijayardha* mountain, The other name of *Sumeru* mountain, The mountain situated in the east *Pushkarardh* Island, Name of the chief disciple of Lord Vimalnath
कुरुवंश, वानरवंश के राजाओं का नाम, विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का एक नगर, सुमेरु पर्वत का अपर नाम(मंदराचल), ढाई द्वीप के पाँच मेरुओं में से चतुर्थ मेरू जो कि पूर्व पुष्करार्ध द्वीप में स्थित है, विमलनाथ भगवान के मुख्य गणधर का नाम ।

मंदरपुर – *Mandarapura.*
Name of the birth city of 7th *Pratinarayan* 'Prahran'.
7वें प्रतिनारायण 'प्रहरण' की जन्म नगरी ।

मंदरार्य – *Mandarārya*
Name of the disciple of *Acharya* Arhadbali.
आचार्य अर्हद्बलि के शिष्य तथा मित्रवीर के गुरु का नाम ।

मंदारगिरि (तीर्थ) – *Mandāragiri (Tirtha).*
Name of a *Digambar* Jain pilgrimage near Bhagalpur, Bihar. Three auspicious events (*Diksha, Gyan & Moksh Kalyanaks*) of Lord Vasupujya occurred here.
बिहार प्रदेश में भागलपुर के नजदीक स्थित एक तीर्थ क्षेत्र। यह चम्पापुरी तीर्थ क्षेत्र के ही अंतर्गत आता है, यहाँ से भगवान वासुपूज्य के दीक्षा, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक हुए हैं ।

मंदार सिद्धार्थ वृक्ष – *Mandāra Siddhārtha Vṛkṣa.*
Name of a tree with the idols of Lord Siddha found in the 6th land of *Samavasaran*-holy assembly of Jaina-Lord.
तीर्थकरों के समवसरण की छठी भूमि के चार सिद्धार्थ वृक्षों– नमेरु, मंदार, संतानक एवं पारिजात में से एक, जिसके मूलभाग में सिद्धों की प्रतिमाएँ विराजमान रहती हैं। पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से शांतिवीर नगर, महावीर जी में ई. सन् 1998 में धातु से मंदार सिद्धार्थ वृक्ष निर्माण किया गया है, जिसमें सिद्धों की 4 प्रतिमाएं विराजमान हैं ।

मंदिर – *Mandira.*
Temple. Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain, Name of a chief disciple of Lord Vasupujya, Name of a summit situated at *Ruchak* mountain.
जिनालय, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, वासुपूज्य भगवान के मुख्य गणधर का नाम, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट का नाम ।

मंदिर निर्माण कर्म – *Mandira Nirmāṇa Karma.*
A duty of householders to construct the temples
श्रावकों का एक कर्म, मंदिर का निर्माण कर पञ्चकल्याणक आदि विधि से जिनेन्द्र प्रभु को विराजमान करना ।

मंदोदरी – *Mandodari.*
Name of the wife of Raven
रावण की पटरानी, जिसने रावण की मृत्यु तथा पुत्रों आदि के वियोग से दुःखी होकर दीक्षा ले ली ।

मकरध्वज – *Makaradhvaja.*
Another name for *Kamdev*
कामदेव ।

मक्खन – *Makkhana.*
Butter.
नवनीत, 22 अभक्ष्यों में एक अभक्ष्य (दूध या दही से मक्खन निकलने के एक मुहूर्त पश्चात् उसमें जीवों की उत्पत्ति होने के कारण अभक्ष्य कहलाता है) ।

मक्सी पार्श्वनाथ (तीर्थ) – *Maksi Pārśvanātha (Tirtha).*
Name of a Jaina place of pilgrimage, an *Atishay Kshetra* of Lord Parshvanath in M.P.
मध्यप्रदेश में सेन्ट्रल रेलवे की भोपाल - उज्जैन शाखा पर अवस्थित एक अतिशय क्षेत्र। यह क्षेत्र भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा के अतिशयों के कारण अतिशय क्षेत्र कहलाता है ।

मख – *Makha.*
A sacrificial activity.
याग, यज्ञ, पूजा आदि करना, पूजा विधि का पर्यायवाची शब्द ।

मगध – *Magadha.*
Name of a country of *Bharat Kshetra* eastern *Arya Khand* (region).
भरतक्षेत्र के आर्य खण्ड का एक देश ।

मगधसारनलक – *Magadhasāranalaka.*
Name of a city situated in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

मगर – *Magara.*
A crocodile; significant sign of Lord Pushpadant.
एक जलचर तिर्यंच, पुष्पदंत भगवान का चिन्ह ।

मघवा – *Maghavā.*
Name of the 6th earth of hell.
नरक की छठी पृथिवी, जिसका अपरनाम तमःप्रभा है ।

मघवान् – *Maghavān.*
Name of the 3rd *Chakravarti* (emperor), Name of a chief disciple of Lord Rishabhdev.
वर्तमान भव में तृतीय चक्रवर्ती, भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम ।

मघवी – *Maghavī*
Name of an earth of hell
नरक में स्थित एक पृथिवी का नाम ।

मघा – *Maghā*
Name of a lunar
एक नक्षत्र । तीर्थंकर सुमतिनाथ का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था ।

मच्छरसम श्रोता – *Maccharasama Srota.*
A type of bad listener
अधम श्रोता का एक प्रकार ।

मजीरा – *Majīrā*
Cymbals, an auspicious article kept near the idol of Lord Jinendra
जिनेन्द्र भगवान के पास सुशोभित दिव्य 108 उपकरणों में एक-झांझ, मंजीरा

मज्जा – *Majjā*
Marrow (of a bone); pith, sap
औदारिक शरीर में पायी जाने वाली एक धातु जो हड्डी से पैदा होती है ।

मज्जानुराग – *Majjānurāga.*
Extreme family attachment
अनुराग के 4 भेदों में एक भेद, जन्म से ही परिवार के प्रति आपस में अतिशय स्नेह होना ।

मटम्ब – *Matamba.*
A main village among 500 surrounding villages
जो 500 ग्रामों में प्रधानभूत होता है, उसका नाम मटंब है ।

मड्डिय – *Maḍḍiya.*
Living beings like centipede having number of legs.
बहुत पैर जिसके रहते हैं ऐसा जो "कनखजूरा" जैसा प्राणी है, उसे मड्डिय कहते हैं ।

मणि – *Maṇi.*
Gems, One of the jewels of *Chakravarti* (emperor) among 14 jewels.
अनेक प्रकार के रत्न, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में एक रत्न ।

मणि (कूट) – *Maṇi (Kūṭa).*
Name of the summits of *Kundal* & *Ruchak* mountains, Name of a summit and protecting deity of *Shikhari* mountain.
कुण्डल व रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट का नाम, शिखरी पर्वत पर स्थित एक कूट व रक्षक देव का नाम ।

मणिकांचन – *Maṇikāñcana.*
Name of a city situated in the north of *Vijayardh* mountain, Name of summits of *Rukmi* and *Shikhari* mountains and its protecting deities.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, शिखरी व रुक्मि पर्वत का एक कूट व उसके रक्षक देवका नाम ।

मणिकांचन योग – *Maṇikāñcana Yoga.*
Mutual glorificatory association.
जिस प्रकार नवंगुल्म स्वर्ण अंगूठी में मणि से स्वर्ण की शोभा बढ़ती है एवं स्वर्ण से मणि की शोभा बढ़ती है उसी प्रकार परस्पर में एक-दूसरे की शोभा के वृद्धिंगत होने से मणिकांचन योग कहलाता है ।

मणिकुंडल – *Maṇikuṇḍala*
Name of a deity of *Eshan* heaven, An ornament. earing set with jewels.
ऐशान स्वर्ग में हुए एक देव का नाम, मणियों से निर्मित कर्णभूषण।

मणिकेतु – *Maṇiketu.*
The name of a very small comet & of a deity.
एक बहुत छोटा पुच्छल तारा, एक देव जिसने स्वर्ग में की प्रतिज्ञानुसार युक्तिपूर्वक सगर चक्रवर्ती के पास जाकर उन्हें वैराग्य धारण कराया था ।

मणिपुर चक्र – *Maṇipura Cakra*
Circular position of navel to be used for the installation of *Mantras* in meditation.
नाभिचक्र, इसके ऊपर मंत्रों को स्थापित कर ध्यान किया जाता है ।

मणिप्रभ – *Maṇiprabha*
Name of a city situated in the south of *Vijayardh* mountain, Name of the summits situated at *Ruchak* & *Kundal* mountains.
विजयार्ध के दक्षिण में स्थित एक नगर, रुचक व कुण्डल पर्वत का एक-एक कूट ।

मणिभद्र (देव) – *Maṇibhadra (Deva).*
A deity of *Yaksha* lineage.
मध्य क्षेत्रपालों में एक, यक्ष जाति के व्यन्तर देवों का एक भेद ।

मण्डप प्रतिष्ठा – *Maṇḍapa Pratiṣṭhā.*
A particular kind of ritual procedure to be observed for the purity of *Mandal* (on which the idol of Lord Jinendra is installed and offerings are made during *Vidhan* & *Pratishtha*) before worshipping of the Lord.
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं इन्द्रध्वज आदि विधानों में मण्डल के ऊपर विशेष विधिपूर्वक की जाने वाली मण्डल की शुद्धि। इसमें 10 दिक्पाल एवं 4 द्वारपालों आदि की स्थापना भी की जाती है।

मतंग – *Mataṅga.*
Name of an omniscient, who got salvation within *Antarmuhurt* (a very short span of time).
भगवान् वीर के तीर्थ के 10 अन्तकृतकेवली में एक केवली ।

मत – *Mata.*
Sect, System of opinions, doctrine, religious persuasion
विचार, पंथ, भिन्न दृष्टि ।

मतार्थ – *Matārtha.*
A method of the exposition of right scriptures (*Agam*) by refuting the contradictory principles.
आगम का अर्थ करने की 5 विधियों में एक विधि; अन्य मत का निराकरण करते हुए अर्थ निकालना ।

मति – *Mati*

Instinct, Intellect, sensual understanding, perceptive knowledge

बुद्धि, इन्द्रिय और मन के द्वारा यथायोग्य पदार्थ जिसके द्वारा मनन किये जाते है, वह मननमात्र ही मति कहलाता है।

मतिज्ञान – *Matijñāna*

Sensory knowledge, perceptual cognition.

5 ज्ञानों में एक ज्ञान; मन और इन्द्रिय की सहायता से उत्पन्न होने वाला ज्ञान।

मतिज्ञान सिद्ध – *Matijñāna Siddha*

Beings salvated by sensory knowledge (according to *Bhūtaprajñāpana Naya*)

भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा मतिज्ञान से सिद्ध होने वाले जीव।

मतिज्ञानावरण – *Matijñānāvaraṇa.*

Obstructive *Karmas* of sensory knowledge

मतिज्ञान को रोकने वाला कर्म।

मत्तजला – *Mattajalā.*

A *Vibhanga* river of the east *Videh* region

पूर्व विदेह की एक विभंगा नदी।

मत्यज्ञान – *Matyajñāna*

Wrong sensory knowledge

कुमतिज्ञान, मिथ्यादृष्टि जीव के कुमतिज्ञान होता है।

मत्सर – *Matsara*

Jealousy, Envy.

ईर्ष्या, ज्ञानावरण व दर्शनावरण का कारण।

मत्स्य – *Matsya.*

A fish, Name of a country of middle *Arya Khand* of *Bharat kshetra* (region).

मछली, भरत क्षेत्र में मध्य आर्यखण्ड का एक देश।

मत्स्ययुगल – *Matsyayugala.*

A pair of fish - a dream seen by mother of *Tirthankar* (Jaina-Lord)

तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्नों में एक स्वप्न; मछलियों का एक जोड़ा।

मत्स्योद्वर्त – *Matsyodvarta.*

An infraction of the meditative relaxation.

कायोत्सर्ग का एक अतिचार। मछली की भांति कटिभाग को ऊपर निकालना।

मथमितिकी – *Mathamitikī.*

Mathematics - as a subject.

गणित विषय।

मथुरा – *Mathurā.*

A famous city in the north state of Bharat (India), The salvation place of last omniscient Jambuswami.

भरत क्षेत्र का एक नगर। भारत के वर्तमान उत्तर प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, पाण्डवों द्वारा बसायी गयी भरत क्षेत्र की एक नगरी। अंतिम केवली जम्बूस्वामी की निर्वाणभूमि।

मद – *Mada*

Proud, Pride, Arrogance, Hautiness

अहंकार; यह ज्ञान, कुल, रूप आदि 8 भेद वाला होता है।

मदनकीर्ति – *Madanakirti*

Name of a disciple of *Pandit* Ashadhari.

पं. आशाधरजी के एक शिष्य का नाम

मदना – *Madanā*

Name of a river of *Bharat kshetra's Arya Khand* (region)

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी।

मदिरा – *Madirā*

Intoxicating liquor; wine; alcohol

शराब, एक मादक पेय जिसका सेवन करना सप्तव्यसनों में एक व्यसन है

मद्य – *Madya*

See - *Madirā.*

देखें – मदिरा

मद्यमयी – *Madyamayī*

A part of circumference of *Sumeru* mountain

सुमेरु पर्वत की परिधि के आठ भागों में एक भाग।

मद्यांग जातीय कल्पवृक्ष – *Madyānga Jātīya Kalpavṛkṣa*

A type of wish fulfilling tree (providing exhilarating liquids).

कल्पवृक्ष, फैलती हुई सुगन्धी से युक्त तथा अमृत के समान मीठे मधु-मैरेय, सीधु, अरिष्ट और आसव आदि अनेक प्रकार के रसों को प्रदान करने वाले कल्पवृक्ष। उपचार से इन वृक्षों को मद्यांग कहा है परन्तु इनके द्वारा प्रदत्त रस नशा उत्पन्न नहीं करते।

मद्री – *Madrī.*

The daughter of King Andhakvrishni & younger sister of Kunti

राजा अन्धकवृष्णि की पुत्री तथा कुंती की छोटी बहन। अपरनाम माद्री था।

मधु – *Madhu*

Honey (non-edible according to Jaina philosophy), Name of the 3rd *Pratinarayan.*

शहद (22 अभक्ष्यों में एक अभक्ष्य), तीसरे प्रतिनारायण का नाम (अपरनाम–मैरक)।

मधुकैटभ – *Madhukaitabha*

Name of the 4th *Pratinarayan.*

चतुर्थ प्रतिनारायण का नाम।

मधुक्रीड – *Madhukrīda.*

Name of the 5th *Pratinarayan.*

5वें प्रतिनारायण का नाम (अपरनाम–निशुम्भ)।

मधुपिंगल – *Madhupingala.*

Name of a king who initiated violenceful sacrificial activity in his next birth.

राजा तृणपिंगल एवं रानी सर्वयशा का पुत्र जो निदान बंध से

मरकर महाकाल असुर हुआ तथा जिसने यज्ञ में पशुओं की बलि प्रथा प्रारम्भ की।

मधुमास – *Madhumasa.*

Spring season

बसन्त ऋतु (चैत्र एवं वैशाख ये दो मास बसन्त ऋतु के कहलाते हैं)।

मधुर (कवि) – *Madhura (Kavi).*

Name of a Kannad poet who wrote 'Dharmanath Puran'

धर्मनाथ पुराण के रचयिता एक कन्नड कवि।

मधुर भाषण – *Madhura Bhāṣaṇa.*

Polite speech. Soft & sweet speaking

मीठे या प्रिय वचन कहना।

मधुरा – *Madhurā.*

Another name of city Madura

दक्षिण द्रविड देश में वर्तमान मदुरा नगर।

मधुरालाप – *Madhuralāpa.*

Name of a female deity of a peripatetic *Indra*

एक व्यंतर इन्द्र किंपुरुष की महत्तरिका देवी का नाम।

मधुसूदन – *Madhusūdana.*

See - *Madhukaitabha*. Another name of Krishna.

देखें – मधुकैटभ। कृष्ण का अपर नाम।

मधुसेना – *Madhusenā.*

Name of the chief *Arvika* (*Ganini*) in the *Samavasharan* (assembly) of Lord Mallinath.

मल्लिनाथ भगवान् के समवसरण की गणिनी आर्यिका का नाम (अपरनाम–बंधुषेणा)।

मधुस्रावी ऋद्धि – *Madhusrāvī Ṛddhi*

A type of super-natural power causing freeness from all affliction of beings by the hearing of a saint's speech also it causes turning of tasteless food into sweet food.

ऋद्धि; जिसके प्रभाव से ऋषि–मुनि के वचनों के श्रवणमात्र से मनुष्य तिर्यंच के दुःखादिक नष्ट हो जाते हैं। अथवा एक रस ऋद्धि; इससे भोजन मीठा न होने पर भी मीठा हो जाता है।

मध्यंकृशा भाषा – *Madhyamkṛśa Bhāṣā.*

Heart pinching language.

हड्डी में भी छेद कर दे ऐसी भाषा मध्यंकृशा भाषा है।

मध्य – *Madhya.*

Name of a protecting deity of south & north *Varunivar* ocean, A country of *Bharat Kshetra Aryakhand* (region).

दक्षिण व उत्तर वारुणीवर समुद्र का रक्षक देव, भरत क्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश।

मध्य ग्रैवेयक – *Madhya Graiveyaka.*

Three particular heavenly abodes among 9 *Graiveyaks*.

9 ग्रैवेयक विमानों में बीच के 3 विमान; यशोधर, सुभद्र, सुविशाल।

मध्य प्रदेश – *Madhya Pradeśa*

Name of a state of Bharat (India), Immobile eight central space-point of soul.

भारत देश का एक राज्य, जीव के मध्यवर्ती 8 अचल प्रदेश।

मध्यम अनन्त – *Madhyama Ananta.*

A mathematical term

एक गणितीय पद। संख्यानन्त के 21 भेदों में एक भेद।

मध्यम अन्तरात्मा – *Madhyama Antarātmā*

Those on the path of spiritual development (from the 7th *Pratima* of householder to 6th *Gunsthan* of saints)

अन्तरात्मा के 3 भेदों में एक भेद; सप्तम प्रतिमाधारी गृहस्थ से षष्ठ गुणस्थानवर्ती मुनि मध्यम अन्तरात्मा कहलाते हैं।

मध्यम अवगाहना – *Madhyama Avagāhanā.*

A kind of occupancy

अवगाहना के तीन भेदों में एक भेद।

मध्यम असंख्यात – *Madhyama Asaṁkhyata.*

A mathematical term

एक गणितीय पद। देखें – मध्यम अनंत।

मध्यम आराधना – *Madhyama Ārādhanā.*

A type of adoration related to the spiritual development of soul at the path of salvation

भक्त प्रत्याख्यान की वह आराधना जिसका पालन कर शरीर का त्याग करने वाले मुनिराज विशुद्ध लेश्या को धारण कर अनुत्तरवासी देवों में उत्पन्न होते हैं।

मध्यम ग्रैवेयक – *Madhyama Graiveyaka.*

See - *Madhya Graiveyaka*

देखें - मध्य ग्रैवेयक।

मध्यम नक्षत्र – *Madhyama Nakṣatra.*

Particular group of lunars.

30 मुहूर्त के नक्षत्रों को मध्यम नक्षत्र कहते हैं।

मध्यम धर्मध्यान – *Madhyama Dharmadhyāna.*

A kind of right religious observances

धर्मध्यान के 3 भेदों में एक भेद। गृहस्थ धर्म का संचालन करते हुए धर्म के प्रति भी मध्यम प्रवृत्ति करते रहना।

मध्यम पद – *Madhyama Pada.*

A large syllaberic term.

16348307888 अक्षर के पद को मध्यम पद कहते हैं। अंगों तथा पूर्वों के पदों की संख्या इसी पद से परिगणित होती है।

मध्यम पात्र – *Madhyama Pātra.*

Medium graded spiritual persons who follow righteous observances.

पात्र के तीन भेदों में एक भेद; आर्यिका, सप्तम प्रतिमाधारी से उत्कृष्ट श्रावक (ऐलक–क्षुल्लक) मध्यम पात्र कहलाते हैं अथवा सम्यग्दृष्टि देशव्रती श्रावक मध्यम पात्र कहलाते हैं। इसी प्रकार दिगम्बर महामुनि उत्तम पात्र होते हैं एवं अविरत सम्यग्दृष्टि जघन्य पात्र कहलाते हैं।

मध्यम पारिषद् – *Madhyama Pārisad*

A type of council of deities

देवों की परिषद् (सभा) के तीन भेदों में एक भेद, इसे चंद्रा नाम से जाना जाता है, इसमें बहुधा अन्तःपुर के महत्तर होते हैं जो बेंतरूपी लता को हाथ में ग्रहण करके कांचुकी की पोशाक पहने हुए होते हैं।

मध्यम प्रोषधोपवास –

Madhyama Prosadhopavasa

A type of fasting - renunciation of all kinds of food except water to be observed on *Astami*, *Chaturdashi*

अष्टमी, चतुर्दशी के दिन जल को छोड़कर शेष आहार का त्याग करना।

मध्यम व्यास – *Madhyama Vyāsa.*

Middle diameter, a mathematical term

एक गणितीय पद।

मध्यम संख्यात – *Madhyama Saṁkhyāta.*

A mathematical term.

एक गणितीय पद। तीन, चार, पाँच आदि एक कम उत्कृष्ट संख्यातपर्यंत मध्यम संख्यात के भेद हैं।

मध्यम सूची – *Madhyama Sūci*

See - *Madhyama Vyāsa.*

देखें – मध्यम व्यास।

मध्यम स्वर – *Madhyama Svara.*

The middle vocal tone.

स्वर जो हृदय देश में स्थित होता है। गायन संबंधी विविध लयों में दूसरी लय।

मध्यमा – *Madhyamā.*

A particular type of language (word - grouping) related to Jaina philosophy.

भाषा; शब्दवर्गणारूप द्रव्य वचन। शब्दाद्वैतवादी द्वारा माने गये वाणी के 4 भेदों में एक भेद; जो श्वासोच्छ्वास का उल्लंघन कर अनुक्रम से प्रवर्ते, इसे जैनियों ने शब्द वर्गणारूप द्रव्य वचन कहा है।

मध्यलोक – *Madhyaloka.*

Middle universe.

तीन लोक का दूसरा (मध्य) भाग, इसमें असंख्यात द्वीप समुद्र हैं; थाली के समान आकार वाला गोल प्रथम जंबूद्वीप है जिसके मध्य में सुमेरु पर्वत स्थित है। जंबूद्वीप को वेष्टित करते हुए प्रथम लवण समुद्र है। असंख्यातों द्वीप समुद्रों के पश्चात् अंतिम स्वयंभूरमणद्वीप एवं समुद्र है। वर्तमान विश्व जम्बूद्वीप के भरतक्षेत्र के आर्यखण्ड में स्थित है। इसका दूसरा नाम तिर्यग्लोक है।

मध्यलोकजिनालयव्रत –

Madhyalokajinālaya Vrata.

A type of vow (fasting) to be observed for different 458 days related to the 458 natural temples of Madhya Lok (middle universe).

इसमें मध्यलोक के 458 अकृत्रिम जिनमंदिरों के 458 व्रत करना होता है। इसके मंत्र, पूजा एवं विधि को "व्रतविधि एवं पूजा" भाग 2 पुस्तक में देखना चाहिए।

समुच्चय मंत्र- ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रौं ह्रः असि आ उसा मध्यलोकसंबंधि चतुःशताष्टपंचाशज्जिन चैत्यालयेभ्यो नमः।

मध्यलोक सिद्ध – *Madhyaloka Siddha.*

Those who are salvated from the middle universe

तिर्यग्लोक से सिद्ध होने वाले जीव। ये अल्पबहुत्व की अपेक्षा संख्यातगुणे हैं।

मध्यस्थ भाव – *Madhyastha Bhāva*

View of equality or harmony

समता भाव। तटस्थ भाव।

मध्याह्न – *Madhyanha*

Midday time

ठीक दोपहर का समय।

मन:पर्ययज्ञान – *Manahparyayajñāna.*

Telepathy Mental knowledge

सम्यग्ज्ञान के पाँच भेदों में से एक भेद; बिना पूछे किसी के मन की बात को प्रत्यक्ष रूप से जानना।

मन:पर्ययज्ञान सिद्ध –

Manahparyayajñāna Siddha.

Those who get salvated by the telepathic knowledge (according to *Bhutpragyapan Naya*)

भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा मन:पर्ययज्ञान से सिद्ध होने वाले जीव ये अल्पबहुत्व की अपेक्षा संख्यात गुणे हैं।

मन:पर्ययज्ञानावरण –

Manahparyayajñānavarana.

Karmas obscuring the telepathic knowledge.

ज्ञानावरणीय कर्म के 5 भेदों में एक भेद, जो कर्म मन:पर्ययज्ञान पर आवरण करे।

मन:पर्ययज्ञानी – *Manahparyayajñāni.*

Those possessing telepathic knowledge.

मन:पर्ययज्ञान को धारण करने वाला।

मन:पर्याप्ति – *Manahparyāpti*

Complete development of mind or complete mental development.

अनुभूत अर्थ के स्मरण रूप शक्ति के निमित्त भूत मनोवर्गणा के स्कन्धों से निष्पन्न पुद्गल प्रचय को मन:पर्याप्ति कहते हैं। अथवा द्रव्य मन के आलंबन से अनुभूत अर्थ के स्मरण रूप शक्ति को मन:पर्याप्ति कहते हैं।

मन: परावर्तन – *Manah Parāvartana.*

Diversion of mind towards meritorious deeds.

आवर्त, सामायिक, स्तव आदि के आदि–अंत में मन को पाप व्यापार–विकल्पों से हटाकर अवस्थान्तर को प्राप्त कराना।

मन: प्रतिक्रमण – *Manah Pratikramana.*

Mental repentance for sins.

किये हुए अतिचारों का मन से त्याग करना।

मनः प्रत्याख्यान – *Manah Pratyākhyāna.*
Renunciation of all infractions mentally.
मन से मैं अतिचारों को भविष्यत् काल में नहीं करूँगा, ऐसा विचार करना।

मनः शिल – *Manah Śila.*
Name of an island and ocean of middle universe
मध्यलोक का एक द्वीप व सागर।

मनःशुद्धि – *Manahśuddhi*
Mental purity.
छल कपट आदि समस्त दुर्भावों से विरक्त होना।

मन – *Mana.*
Mind, Consciousness
अन्तःकरण। नोइन्द्रिय; जिसके द्वारा शिक्षा ग्रहण हो, तर्क-वितर्क हो, संकेत समझा आदि।

मनन – *Manana*
Deep thinking, Contemplation
चिन्तन करना।

मनरंगलाल – *Manarangalāla.*
Name of a writer who wrote *Nemichandrika*, specially 24, worshipping compositions of 24 Jaina Lords and many other books
पंडित; नेमिचन्द्रका, सप्तव्यसनचरित्र आदि के रचयिता। इनके द्वारा रचित 24 तीर्थंकरों की 24 पूजाएं अत्यन्त प्रसिद्ध है।

मनसिज – *Manasija.*
Kamdev - those having the most lustrous & attractive body
कामदेव।

मनु – *Manu.*
A city situated in the north of *Vijayardh* mountain, Another name of *Kulkar.*
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, कुलकर का अपरनाम।

मनुज – *Manuja.*
Man, a human being.
मनुष्य।

मनुपुत्रक – *Manuputraka.*
A kind of *Vidyadhar* dynasty.
आर्य विद्याधरों की 8 उत्तर जातियों में एक जाति, जो मानस्तम्भ के निकट बैठते है, लाल वस्त्रों एव मणियों के आभूषणों से युक्त होते हैं।

मनुष्य – *Manusya.*
Human beings
मनुष्य गति में उत्पन्न हित अहित विवेक को धारण करने वाला, व्याकरण की व्युत्पत्ति 'मनोरपत्यं मानवा' के अनुसार मनु की सन्तान।

मनुष्य क्षेत्र – *Manusya Ksetra.*
The human world.
ढाई द्वीप, इससे बाहर मनुष्य का जन्म नहीं होता। इसका विस्तार 45 लाख योजन है। अपरनाम–नरलोक, मनुष्य लोक, मर्त्यलोक।

मनुष्य गति – *Manusya Gati.*
Human destiny; world of human beings.
4 गतियों में एक गति, मानव जीवन।

मनुष्यगति नामकर्म प्रकृति – *Manusya Gati Nāmakarma Prakṛti*
Physique making *Karma* of human being.
वह कर्म प्रकृति जिसके उदय से मनुष्य के समान आकार आदि अवस्था बने

मनुष्यगति प्रायोग्यानुपूर्वी – *Manusya Gati Prāyogyānupūrvī*
Transmigratory state of soul as in previous shape while going towards human birth
जिस कर्म के उदय से मनुष्य गति में जाते हुए जीव के पूर्व शरीर के समान आत्मा के प्रदेशों का आकार बना रहे।

मनुष्यचतुष्क – *Manusyacatuska*
Quartet related to the human beings
मनुष्यगति, मनुष्यगत्यानुपूर्वी, औदारिक शरीर व औदारिक अंगोपांग।

मनुष्यत्रिक – *Manusyatrika.*
Triplet related to human beings.
मनुष्यगति, मनुष्यगत्यानुपूर्वी, मनुष्य आयु।

मनुष्यणी – *Manusyaṇī.*
Woman, female sex.
मनुष्यिनी या स्त्री।

मनुष्यणीसिद्ध – *Manusyaṇīsiddha.*
Those salvated from *Bhav Stived* (according to *Bhutpragyapan Naya*).
भाव स्त्रीवेद से सिद्ध होने वाले जीव ये अल्पबहुत्व की अपेक्षा स्तोक हैं।

मनुष्यद्विक – *Manusyadvika.*
A dyad related to human being.
मनुष्यगति व आनुपूर्वी।

मनुष्य लोक – *Manusya Loka.*
Human universe.
देखें - मनुष्य क्षेत्र।

मनुष्यसिद्ध – *Manusyasiddha*
Those salvated from human destinity.
मनुष्य गति से सिद्ध होने वाले जीव अल्पबहुत्व की अपेक्षा से संख्यात गुणे हैं।

मनुष्यायु कर्म प्रकृति – *Manusyāyu Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing human body.
जिस कर्म के उदय से जीव मनुष्य देह में रहे।

मनोगुप्ति – *Manogupti.*
Controlling of passions and bad thoughts.
कलुषता, मोह, राग, द्वेष आदि अशुभ भावों का परिहार। मन

को अपने अधीन रखना ।

मनोजय – *Manojaya.*
Conquerring the impulses of mind.
मन को वश में करना अर्थात् मन पर विजय पाना ।

मनोज्ञ – *Manojña.*
Delightful, lovely, charming
प्रिय वस्तु होना ।

मनोज्ञ साधु – *Manojña Sādhu*
Saint of high reputation
लोकसम्मत प्रसिद्ध साधु को मनोज्ञ साधु कहते हैं ।

मनोज्ञान – *Manojñāna.*
Wisdom, mental knowledge, intelligence, Telephatic knowledge.
मन के निमित्त से उत्पन्न होने वाला ज्ञान । मनःपर्ययज्ञान ।

मनोत्पन्न सुख – *Manotpanna Sukha.*
Mental pleasure or bliss
मन के द्वारा उत्पन्न सुख, जैसे हवा आदि का स्पर्श होना ।

मनोदुष्ट – *Manoduṣṭa.*
An infraction of the meditative relaxation unstability of mind.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार; मन की चलायमान करना ।

मनोद्रव्यवर्गणा – *Manodravyavargaṇā.*
A type of aggregate of *Karmic* molecules related to forming mental faculty.
23 वर्गणाओं में एक वर्गणा; एक जाति के पुद्गल के सूक्ष्म स्कंध जिनसे द्रव्य मन बनता है ।

मनोबल – *Manobala.*
A type of super-natural power related to having complete knowledge of whole *Shrut* in *Antarmuhurta.* Mental strength
ऋद्धि; श्रुतज्ञानावरण और वीर्यान्तराय प्रकृतियों के उत्कृष्ट क्षयोपशम होने पर अन्तर्मुहूर्त काल में सम्पूर्ण श्रुत को जानना, 10 प्राणों में एक; जीव की सोचने–विचारने रूप शक्ति की अभिव्यक्ति ।

मनोमर्कट विजेता – *Manomarkaṭa Vijetā.*
One who has got victory over all passions.
मनरूपी बंदर को वश में करने वाले वीतरागी परमात्मा ।

मनोयोग – *Manoyoga.*
Mental concentration, Vibration in soul-points due to mental activity.
मन के निमित्त से आत्म प्रदेशों में उत्पन्न परिस्पंदन क्रिया ।

मनोरम – *Manorama.*
A type of peripatetic deities, Another name of *Sumeru mountain.*
किन्नर नामक व्यन्तर जाति का एक भेद, सुमेरु पर्वत का अपर नाम ।

मनोरमा – *Manoramā.*
Something attractive or beautiful, Name of the daughters of king Pawanveg and Chakravarti Abhayaghosh
विजयार्ध पर्वत पर मेघपुर नगर के राजा पवनवेग की पुत्री, चक्रवर्ती अभयघोष की पुत्री का नाम

मनोरम्य – *Manoramya*
Name of a King of *Rakshas* dynasty.
राक्षसवंशी एक राजा, राजा महाबाहु के पश्चात् लंका का स्वामित्व इसे ही प्राप्त हुआ था ।

मनोवंदना – *Manovandanā*
Eulogical contemplation of the virtues of spiritual teachers.
वन्दना करते समय गुरुओं आदि के गुणों का स्मरण करना ।

मनोवर्गणा – *Manovargaṇā*
See - *Manodravyavargaṇā.*
देखें - मनोद्रव्यवर्गणा ।

मनोवेग – *Manovega*
Name of a weapon of Bharat Chakravarti (an emperor), A King of *Rakshas* dynasty, Mental impulses
भरत चक्रवर्ती का अस्त्र, राक्षस वंश के संस्थापक राजा राक्षस का पिता, मन के उद्वेग

मनोवेगा – *Manovegā.*
Name of ruling female demigod of Lord Chandraprabhu.
तिलोयपण्णत्ति के अनुसार भगवान चन्द्रप्रभु की शासन यक्षिणी देवी । इनका प्रसिद्ध नाम ज्वालामालिनी देवी है ।

मनोहर – *Manohara.*
Beautiful, alluring, pleasing, A type of peripatetic deities, Name of Initiation-forests of Lord Padmaprabh, Shreyansnath and Vasupujya.
मन को मोहित करने वाला, महोरग जाति का एक व्यन्तर देव, एक वन जहां तीर्थंकर पद्मप्रभ, श्रेयांसनाथ, वासुपूज्य ने दीक्षा ली थी ।

मनोह्लाद – *Manohlāda.*
Name of a king of *Rakshas* dyansty.
राक्षसवंश का एक राजा ।

ममकार – *Mamakāra.*
My-ness, A feeling of mine with worldly objects.
आत्मा से भिन्न पर पदार्थों में मेरेपन का भाव ममकार है ।

ममत्व – *Mamatva.*
See - *Mamakāra.*
देखें - ममकार ।

मय – *Maya.*
Father's name of Mandodari, A king of *Yadav* dynasty.
मंदोदरी के पिता का नाम, यदु (यादव) वंश का एक राजा ।

मयूर – *Mayūra.*
Peacock; space vehicle of *Achyut Indra.*

मोर; अच्युत इन्द्र का यान जिसमें बैठकर वे नंदीश्वरद्वीप आदि अकृत्रिम चैत्यालयों की वन्दना करने जाते हैं।

मयूरपिच्छ – *Mayūrapiccha.*

Pichchhika, an auspicious article kept by *Digambar* Jaina saints made by soft peacock feathers

मुनि जनों के पास सदैव विद्यमान रहने वाला जीव दया का एक उपकरण।

मरण – *Maraṇa.*

Death

मृत्यु, प्राणों का वियोग होना मरण कहलाता है यह अनेक प्रकार का होता है।

मरणकंडिका – *Maraṇakaṇḍikā.*

Name of a book related to holy death of Jain saints

समाधिमरण सम्बन्धी एक ग्रंथ।

मरणसूतक – *Maraṇasūtaka.*

State of ritual impurity in a house after a death

मृत्युपरान्त संबंधी लोगों द्वारा मंदिर, गुरु आदि के समक्ष न जाकर धार्मिक क्रियाओं में भाग न लेना। यह अपवित्रता सामान्यतः 12 दिन की होती है। पुनः पीढ़ी आदि के क्रम से इसमें हीनाधिकता जानना चाहिए। लोकव्यवहार में इसे पातक नाम से जाना जाता है।

मरणावली – *Maraṇāvalī.*

A time unit of death.

जिस आवली में मरण पाया जाये उसे मरणावली कहते हैं।

मरणाशौच – *Maraṇāśauca.*

See - *Maraṇasūtaka.*

देखें - मरणसूतक।

मरणासन्न – *Maraṇāsanna*

Last moments of death.

मृत्यु स्थिति ; मृत्यु के निकट होना।

मरीचि – *Marīci*

Past-birth name of Lord Mahavira (son of *Chakravarti* Bharat).

भगवान महावीर का दूरवर्ती पूर्वभव जो चक्रवर्ती भरत का पुत्र था, परिव्राजक बन 363 मतों को चलाया था।

मरुत – *Maruta.*

Air, wind.

हवा।

मरुतचारण ऋद्धि – *Marutacāraṇa Ṛddhi.*

A type of super-natural power (related to movement in the air).

जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु अनेक प्रकार की गतिवाली वायु की प्रदेश पंक्ति पर पैर रखते हुए निर्बाध रूप से गमन करने में समर्थ होते हैं।

मरुदेव – *Marudeva.*

Name of the 12th ethical founder (*Kulkar*), The chief of the chariot-army of peripatetic *Indras*

12वें कुलकर, व्यंतर इन्द्रों के रथों की सेना का प्रधान।

मरुदेवी – *Marudevī.*

Mother's name of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव की माता का नाम।

मरुभूति – *Marubhūti.*

Past-birth soul of Lord Parshvanath.

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के पूर्वभव का जीव, कमठ इसका बड़ा भाई था।

मर्दल – *Mardala.*

A kind of musical instrument.

एक प्रकार का वाद्य यंत्र।

मर्मस्थान – *Marmasthāna.*

Vital spots of the body.

औदारिक शरीर में 107 मर्मस्थान हैं।

मर्यादा – *Maryādā.*

Limitations.

सीमा, परिमाण।

मल – *Mala.*

Defect. Excretion, *Karmic* dust / filth

मैल, अशुद्ध सामग्री, अपवित्रता, कर्म मल।

मलदोष – *Maladoṣa.*

A fault related to the food of saint (reg. obstacles like bone, hair etc.).

आहार का एक अंतराय; हड्डी, बाल आदि के भेद से 14 प्रकार के मल द्वारा आहार अंतराय होना।

मल परिषह – *Mala Pariṣaha.*

Affliction from body-dirt of saints.

परिषह के 22 भेदों में एक भेद; स्नान न करने से साधु के शरीर में संचित मैल से उत्पन्न होने वाली बाधा। इसको समता भाव से सहन करना मल परिषह-जय कहलाता है।

मलिन – *Malina.*

Something to be dirty, sinful, foul

गंदा, दोष सहित होना।

मलौषध ऋद्धि – *Malauṣadha Ṛddhi.*

A type of super natural power (related to the body-filth beneficial to others)

ऋद्धि; जिसके प्रभाव से जिह्वा, ओठ, दाँत, नासिका और श्रोत्र आदि का मल भी जीवों के रोगों को दूर करने वाला होता है।

मल्लि – *Malli.*

Name of the chief disciple of Lord Munisuvratnath

मुनिसुव्रतनाथ भगवान के प्रमुख गणधर का नाम।

मल्लिनाथ – *Mallinātha.*

Name of the 19th *Teerthankar* (Jaina-Lord).

19वें तीर्थंकर का नाम; इक्ष्वाकु वंशी राजा कुम्भ एवं रानी प्रजावती के पुत्र, आयु 55 हजार वर्ष एवं शरीर 25 धनुष ऊंचा था।

इनकी जन्मभूमि मिथिलानगरी है एवं इनका चिन्ह 'कलश' है ।

मल्लिनाथ चरित्र – *Mallinātha Caritra.*

Name of a book written by *Acharya* Sakalkirti
आचार्य सकलकीर्ति (ई. 1406–1442) कृत एक ग्रंथ ।

मशकसम श्रोता – *Maśakasama Śrotā.*

Mosquito type listeners (not on the right path).
मच्छर के समान श्रोता ।

मसिकर्मार्य – *Masikarmārya.*

A type of noble persons.
अनृद्धि प्राप्त अल्प सावद्य कर्मार्य का एक भेद ।

मस्करी – *Maskarī.*

Name of a doctrine (philosophy of ignorance)
अज्ञानवादी एक एकान्तमत ।

मस्तक – *Mastaka.*

The forehead.
सिर ।

मस्तककमल – *Mastakakamala.*

The forehead related to the conception of Lotus form.
पद्माकारी मन के 'सिं' को मस्तक कमल में स्थापित कर ध्यान करना ।

मस्तिष्क – *Mastiṣka.*

Brain - a part of body (Cerebrum).
शरीर का सबसे महत्वपूर्ण भाग जिसके द्वारा हिताहित की जानकारी होती है ।

मह – *Maha.*

Auspicious offerings, Ceremonial festival.
याग, यज्ञ, पूजा आदि ।

महत्तर – *Mahattara.*

Better, the important one.
प्रधान, मुख्य ।

महत्तरदेवी – *Mahattaradevī.*

The chief female deity.
पटरानी या मुख्य महिषी देवी ।

महत्ता – *Mahattā.*

Magnitude, greatness, nobility, importance.
महत्व होना ।

महर्द्धिक – *Maharddhika.*

Name of a city in the south of *Vijayardh* mountain, Name of a great saint.
विजयार्द्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का एक नगर (दूसरा नाम बहुकेतु), महा ऋद्धिधारी उत्तम देव ।

महर्षि पर्युपासक – *Maharṣi Paryupāsaka.*

Worshipping of all great adorable personalities.
तीर्थंकरों के गणधरों से लेकर महान ऋषियों तक की पूजा ।

महा अडड – *Mahā Aḍaḍa.*

A large time unit.
84 लाख महाअडडांग प्रमाण काल ।

महा अडडांग – *Mahā Aḍaḍāṁga.*

A large time unit
84 लाख अडड प्रमाण काल ।

महा–अधिक तृणफल – *Mahā-Adhika Tṛṇaphala.*

A large weighing unit.
तौल का एक प्रमाण । 4 महा अधिक तृण फल = 1 श्वेत सर्षप फल ।

महा–ऊह – *Mahā-Ūha.*

A large time unit.
84 लाख महाऊहांग प्रमाण काल का एक महाऊह ।

महा–ऊहांग – *Mahā-Ūhāṁga.*

A large time unit
84 लाख ऊह प्रमाण काल का एक महाऊहांग ।

महा ऋद्धि – *Mahā Ṛddhi.*

A type of supernatural power (related to great knowledge of Universe).
तप ऋद्धि; मति, श्रुत, अवधि, मनःपर्यय ज्ञानों से तीनों लोकों को जानना ।

महाकच्छ – *Mahākaccha.*

An area of eastern *Videh* (region), Name of a king who became *Ganadhar* (chief disciple) of Lord Rishabhadev later on.
पूर्व विदेह का एक क्षेत्र, एक राजा, यशस्वती और सुनंदा (भगवान ऋषभदेव की गृहस्थावस्था की पत्नियाँ) के भाई जो दीक्षा लेकर ऋषभदेव के 73वें गणधर बने ।

महाकच्छा – *Mahākacchā.*

Name of a summit of *Padmakut Vakshar* and its protecting deity.
पूर्व विदेह स्थित पद्मकूट वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव ।

महाकथानक – *Mahākathānaka.*

A unit of large number i.e., $(10,000,000)^{19}$
एक संख्या प्रमाण, $(10,000,000)^{19}$ ।

महाकमल – *Mahākamala.*

A large time unit.
84 लाख महाकमलांग प्रमाण काल ।

महाकमलांग – *Mahākamalāṁga.*

A large time unit.
84 लाख कमल प्रमाण काल ।

महाकल्प – *Mahākalpa.*

A part of *Shrutgyan* - scriptural knowledge (reg the eleventh part of *Angbahya*).
अंगबाह्य प्रकीर्णक (श्रुतज्ञान) के 14 भेदों में 11वां भेद ।

महाकल्प्य – *Mahākalpya.*

A part of *Shrutgyan* - scriptural knowledge (having description related to the repentance on

moral & immoral conduct of saints)
मूलज्ञान अंगबाह्य का एक भेद। इसमें साधुओं के योग्य-अयोग्य आचरण के होने पर प्रायश्चित विधि का वर्णन है।

महाकल्याण – *Mahākalyāṇa.*
Divine food - the splendour of *Chakravarti* (emperor) Bharat.
शारीरिक तुष्टि पुष्टि का हेतु भरतेश का एक दिव्य भोजन।

महाकाय – *Mahākāya.*
Name of a peripatetic deity, The mammoth, huge body
किन्नर जाति के व्यन्तर देवों का छठा इन्द्र, बड़ा शरीर।

महाकाल – *Mahākāla.*
Name of a peripatetic deity, a planet, one of the 9 splendours of *Chakravarti* (emperor), a *Narad*, universal destroyer.
पिशाच जातीय एक व्यन्तर देव, एक ग्रह का नाम, चक्रवर्ती की नवनिधियों में से एक निधि, एक नारद का नाम, संसार को नाश करने वाला।

महाकाली – *Mahākālī.*
Name of the female ruling demigod of Lord Shreyansnath, Name of a super power
तिलोयपण्णत्ति के अनुसार भगवान् श्रेयांसनाथ की शासन देवी, इनका नाम गौरी देवी भी मिलता है। नमि विनमि को दी गई एक विद्या।

महाकुमुद – *Mahākumuda.*

महाकुमुदांग – *Mahākumudāṅga.*
The large time units
काल के प्रमाण विशेष। 84 लाख महाकुमुदांग प्रमाण काल का एक महाकुमुद एवं 84 लाख कुमुद प्रमाण काल का एक महाकुमुदांग होता है।

महाकौशल – *Mahākauśala.*
Old name of Madhya Pradesh, a state of India.
मध्यप्रदेश का पूर्व नाम। अपरनाम सुकौशल।

महाक्षेत्र – *Mahākṣetra.*
Areas like Bharat etc.
भरत आदि क्षेत्र।

महाखर – *Mahākhara.*
Name of a residential celestial deity.
असुरकुमार जातीय एक भवनवासी देव।

महागंध – *Mahāgaṁdha.*
Name of protecting deity of northern *Nandishvardvip* (island) & *Kshaudravardvip - Sagar* (island & ocean).
उत्तर नन्दीश्वर द्वीप का एवं क्षौद्रवर द्वीप सागर का रक्षक देव।

महाग्रह – *Mahāgraha.*
Name of a planet.
88 ग्रहों में 47वां ग्रह।

महाघोष – *Mahāghoṣa.*
Name of the *Indra* of *Vidyutkumar* residential celestial deities
भवनवासी विद्युतकुमारों के इन्द्र का नाम।

महाचंद्र – *Mahācaṁdra.*
Name of a Digambar saint who wrote Shantinath Charitra, Name of the predestined 2nd *Balbhadra.*
शांतिनाथ चरित्र के रचयिता एक दिगम्बर साधु, आगामी दूसरा बलभद्र।

महाज्वाल – *Mahājvāla.*
Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

महातनु – *Mahātanu.*
Name of a peripatetic deity related to *Mahorag* type.
महोरग जातीय व्यंतर देव के 10 भेदों में एक भेद।

महातमः प्रभा – *Mahātamaḥ Prabhā.*
Name of the 7th hell (having dark lustre).
7वीं नरक पृथिवी; जिसकी प्रभा गाढ़ अन्धकार के समान है।

महात्मा – *Mahātmā.*
High spiritual saints
मोक्ष लक्षण वाले महाप्रयोजन को साधने के कारण श्रमण को महात्मा कहते हैं।

महात्रुटित – *Mahātruṭita.*

महात्रुटितांग – *Mahātruṭitāṅga.*
The large time units.
काल के प्रमाण विशेष। 84 लाख महात्रुटितांग का एक महात्रुटित एवं 84 लाख त्रुटित का एक महात्रुटितांग।

महादेवी – *Mahādevī.*
Mother's name of Lord Naminath, The chief wife of kings.
महापुराण के अनुसार नमिनाथ भगवान् की माता का नाम (विशेष नाम-वप्रा, वप्रिला), राजाओं की प्रधान रानी-पटरानी।

महादेह – *Mahādeha.*
Name of a peripatetic deity of *Pishach* type
व्यंतरों में पिशाच जाति का 12वां भेद।

महाध्वजा – *Mahādhvajā.*
10 special kinds of flags with specific symbols raised in *Samavasaran* and Natural temples.
समवसरण की ध्वजाभूमि एवं अकृत्रिम चैत्यालयों में सिंह, माला आदि दस विशेष चिन्हों से चिन्हित दस प्रकार की महाध्वजाएं होती हैं।

महानलिन – *Mahānalina.*

महानलिनांग – *Mahānalināṅga.*
The large time units.

काल के प्रमाण विशेष । 84 लाख महानलिनांग = 1 महानलिन, 84 लाख नलिन= 1 महानलिनांग ।

महानिमित्तज्ञान – *Mahānimittajñāna*

A type of super-natural power

एक प्रकार की ऋद्धि–नभ, भौम, अंग, स्वर आदि 8 महानिमित्तों में कुशलता ।

महान् – *Mahān.*

Great.

बड़ा, विस्तृत, विशाल ।

महापद्म – *Mahāpadma.*

Name of an area of western *Videh* region, A time unit. A protecting deity of a summit of *Kundalvar* mountain. Name of a king of *Kuru* dynasty. Name of the first pre-destined *Tirthankar* & the 16th predestined *Kulkar.*

अपर विदेह का एक क्षेत्र, काल का एक प्रमाण विशेष, कुण्डलवर पर्वत के सुप्रभ कूट का रक्षक एक नागेन्द्र देव, कुरुवंश के एक राजा का नाम, भावि काल के प्रथम तीर्थंकर का नाम (राजा श्रेणिक का जीव), भावि शलाका पुरुष; 16वें कुलकर का नाम ।

महापद्म (ह्रद) – *Mahāpadma (Hrada).*

A large pond of *Mahahimvan* mountain.

महाहिमवान पर्वत का ह्रद (सरोवर) ।

महापद्मा – *Mahāpadmā.*

Name of a female deity of the residential *Indra*, a country of the eastern *Videh* (region).

भवनवासी इन्द्र की एक अग्रदेवी का नाम, पूर्व विदेह क्षेत्र का एक देश ।

महापवन – *Mahāpavana.*

A type of air

वायु का एक भेद ।

महापुंडरीक – *Mahāpuṇḍarīka.*

A part of scriptural knowledge, Name of a large pond situated at *Rukmi* mountain.

द्वादशांग श्रुत के अंगबाह्य का 13वां प्रकीर्णक, रुक्मि पर्वत स्थित ह्रद (सरोवर) ।

महापुर – *Mahāpura.*

Name of a city of *Bharat Kshetra* (region), A city in the north of *Vijayardh* mountain.

भरत क्षेत्र एवं विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का एक नगर ।

महापुराण(आदिपुराण) – *Mahāpurāṇa (Ādipurāṇa).*

Name of a great treatise containing great biography of Lord Rishabhdev and *Ikshvaku* dynasty.

आचार्य जिनसेन (ई. 818–878) द्वारा रचित पुराण, इसमें भगवान ऋषभदेव, भरत, बाहुबली आदि भगवान ऋषभदेव के 101 मोक्षगामी पुत्रों के जीवन चरित्र का वर्णन है। वर्तमान में यह आदिपुराण के भाग 1 व 2 के रूप में प्रकाशित हो रहा है। इन्हीं की परम्परा का अनुसरण करते हुए आचार्य गुणभद्र जी ने महापुराण का उत्तरवर्ती खण्ड लिखा जिसे उत्तरपुराण नाम से जाना जाता है। इसमें भगवान अजितनाथ से भगवान महावीर तक के 23 तीर्थंकरों के जीवन चरित्र का वर्णन है ।

महापुराण टिप्पणी – *Mahāpurāṇa Ṭippaṇī*

Name of a treatise containing description about first *Anuyog.*

प्रथमानुयोग विषयक एक ग्रंथ का नाम ।

महापुरी – *Mahāpurī.*

Name of the main city of *Mahapadma* area in western *Videh* (region).

अपर विदेह के महापद्म क्षेत्र की प्रधान नगरी ।

महापुरुष – *Mahāpuruṣa.*

A great person, A type of peripatetic deity (of *Kimpurush* type).

महान आदर्श को उपस्थित करने वाले पुरुष, किंपुरुष जातीय व्यन्तर देवों का एक भेद ।

महाप्रभ – *Mahāprabha.*

A protecting deity of the *Ghritvar* island & ocean. A summit of *Kundalvar* mountain

घृतवर द्वीप व समुद्र का रक्षक देव एवं कुण्डलगिरि के एक कूट का नाम ।

महाप्रातिहार्य – *Mahāprātihārya.*

The auspicious articles to be kept near the Idol of Lort Arihant

छत्र, चमर आदि विशेष शोभनीय 8 वस्तुएं जो अकृत्रिम जिनप्रतिमाओं के आश्रित होती हैं ।

महाबंध – *Mahābandha.*

The last part of the great scripture Shatkhandagam

30,000 श्लोक प्रमाण ; आचार्य भूतबली द्वारा रचित षट्खण्डागम का अंतिम खण्ड ।

महाबल – *Mahābala.*

Name of a peripatetic deity, Name of many kings, Name of the writer of Neminath Puran, Past-birth soul of Lord Rishabhdev, Name of a chief disciple of Lord Munisuvrat, Name of the 6th predestined *Pratinarayan.*

एक व्यंतर देव, इक्ष्वाकु आदि वंश व कई देश के राजाओं का नाम, नेमिनाथ पुराण के रचयिता एक जैन कवि, तीर्थंकर ऋषभदेव के 10वें पूर्वभव का जीव, भगवान मुनिसुव्रत के एक गणधर का नाम, आगामी छठे प्रतिनारायण का नाम ।

महाबाल – *Mahābāla.*

Name of a chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम ।

महाबाहु – *Mahābāhu.*

Name of a deity of a summit of *Kundalvar* mountain, A king of *Rakshas* dynasty.

कुंडलवर पर्वत के एक कूट का देव, राक्षस वंशी एक विद्याधर ।

महाभद्र – *Mahābhadra*

Name of the 18th *Tirthankar* situated in *Videh*

Kshetra (region).
विदेह क्षेत्र में स्थित 18वें तीर्थंकर का नाम।

महाभारत – *Mahābhārata.*
A great war faught between Kauravas and Pandwas (Kings.)
कौरवों और पांडवों के बीच लड़ा गया एक महायुद्ध। जैन महाभारत के अनुसार (हरिवंशपुराण, पांडव पुराण) इस महाभारत युद्ध की दो बातें विशेष स्मरणीय हैं। 1. दोनों पक्षों में दिनभर युद्ध करने के बाद शाम को संधि हो जाती थी। 2. इस युद्धकाल में सर्वाधिक अकाल मृत्यु हुई है।

महाभाषा – *Mahābhāsā.*
Particular 18 great languages used at the time of resonant speech of Lord in *Samavasharan* (assembly of Lord Arihant)
18 अठार रूप दिव्यध्वनि जो एक रूप होते हुए 718 भाषा रूप परिणत मानी गयी है, जिसमें 18 महाभाषा होती है तथा 700 लघु भाषा होती हैं।

महाभिषेक – *Mahābhiseka.*
A commentary book written by *Acharya* Shrutsagar, A great reverential bath ceremony (anointment) of Lord.
आचार्य श्रुतसागर (ई. 1481-1499) कृत एक टीका ग्रंथ, तीर्थंकरों का जन्माभिषेक, 1008 कलशों से किया जाने वाला भगवान का विशेष अभिषेक भी महाभिषेक कहलाता है।

महाभीम – *Mahābhima.*
A type of peripatetic deity of *Rakshas* dynasty, Name of the 2nd *Narad.*
राक्षस जातीय व्यंतरों का एक भेद, 9 नारदों में दूसरा नारद।

महामंडलीक – *Mahāmamdalika.*
A great king administrating over 8000 kings
आठ हजार राजाओं का स्वामी एक राजा, जो 18 श्रेणी दल का स्वामी होता है।

महामति – *Mahāmati.*
Name of a minister of Mahabal (Mahabal-who became Lord Rishabhdev in his next 10^{th} birth).
भगवान ऋषभदेव के 10वें पूर्व भव की पर्याय महाबल के 4 मंत्रियों में एक मंत्री, जो चार्वाक मत को मानने वाला था।

महामत्स्य – *Mahāmatsya.*
A fish type creature being biggest in size.
उत्कृष्ट जीव की अवगाहना धारक मत्स्य जो मध्यलोक के स्वयंभूरमण नामक अंतिम समुद्र में पाया जाता है।

महामात्य – *Mahāmātya.*
The chief minister of a state.
सर्व राज्य का कार्यकारी अधिकारी।

महामानसी – *Mahāmānasi.*
Name of female ruling demigod of Lord Kunthnath, A type of super knowledge.
तिलोयपण्णत्ति के अनुसार भगवान् कुन्थनाथ की शासन देवी, इनका नाम जयादेवी भी मिलता है, नमि-विनमि को प्राप्त एक विद्या।

महामेरु – *Mahāmeru.*
Another name of *Sumeru* mountain.
जम्बूद्वीप के मध्य स्थित सुमेरु पर्वत का अपर नाम।

महायक्ष – *Mahāyaksa.*
Name of the ruling demigod of Lord Ajitnath.
भगवान अजितनाथ के शासन देव का नाम।

महायोजन – *Mahāyojana.*
A large area unit of 2000 *Kosh*
500 मानव योजन (लघु योजन) = 1 महायोजन अर्थात् 4 कोश का एक लघुयोजन और 4×500=2000 कोश का एक महायोजन।

महारत्न – *Mahāratna.*
The four great splendours of *Balbhadra* Ram (noble person).
बलभद्र राम के हलायुध, बाण, गदा, माला ये 4 महारत्न थे।

महारथ – *Mahāratha.*
Name of a chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के एक गणधर का नाम।

महारस – *Mahārasa.*
Name of a chief disciple of Lord Rishabhadev.
भगवान् ऋषभदेव के एक गणधर का नाम।

महाराज – *Mahārāja.*
A great king ruling over 1000 kings.
एक हजार राजाओं का स्वामी।

महाराजा – *Mahārājā.*
See - *Maharaja.*
देखें – महाराज।

महाराष्ट्र – *Mahārāstra.*
Maharashtra; a state of India, Area from Krishna river to Narmada river.
भारत का एक राज्य। कृष्णा नदी से नर्मदा नदी तक का क्षेत्र।

महारुद्र – *Mahārudra.*
Name of a planet, Name of the 4th *Narad* among 9 *Narads.*
88 ग्रहों में एक ग्रह का नाम, 9 नारदों में चौथा नारद।

महालता – *Mahālatā.*

महालतांग – *Mahālatāṁga.*
The large time units.
काल के प्रमाण विशेष। 84 लाख महालतांग=1 महालता, 84 लाख लतांग=1 महालतांग।

महावत्सा – *Mahāvatsā.*
An area of the eastern *Videh* (region), Name of a summit of *Vaishravan Vakshar* & its protecting deity.
पूर्व विदेह का एक देश, वैश्रवण वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव।

महावप्रा – *Mahāvaprā.*

An area of western *Videh* (region), Name of a summit of *Suryagiri Vakshar* & its protecting deity.

अपर विदेह का एक देश, सूर्यगिरि वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव ।

महाविकृति – *Mahāvikṛti.*

The great impairments (defects).

नवनीत, मद्य, मांस, मधु ये 4 महाविकृतियां हैं क्योंकि ये काम, मद व हिंसा को उत्पन्न करती हैं ।

महाविद्या – *Mahāvidyā.*

Super powers of *Vidyadhars*, A dwelling place in the 2nd hell

विद्याधरों को इच्छानुसार फल देने वाली विद्याएं, दूसरे नरक के ततक इंद्रक का एक बिल ।

महावीरकीर्ति (आचार्य) – *Mahāvīrakīrti (Ācārya).*

Name of a famous *Digambar Acharya* of 20th century, the chief disciple of *Acharya* Adisagar Maharaj belonging to *Anklikar* tradition.

आचार्य श्री आदिसागर महाराज अंकलीकर के शिष्य एवं एक प्रमुख आचार्य। इन्होंने आचार्य श्री वीरसागर महाराज (चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रथम पट्टाचार्य) से क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की तथा आचार्य श्री आदिसागर महाराज से मुनिदीक्षा ग्रहणकर आचार्यपद प्राप्त किया था। समय –ई. श. 20 ।

महावीरजी (तीर्थ) – *Mahāvīraji (Tīrtha).*

The most famous *Digambar* Jain *Atishay Kshetra*, a place of pilgrimage of Rajsthan where miraculous idol of Lord Mahavira is installed.

राजस्थान का एक सर्वप्रसिद्ध दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र। इस क्षेत्र में स्थापित भगवान महावीर की मूर्ति अत्यंत अतिशयकारी है इसे एक ऐसे टीले से निकाला गया था जहाँ एक ग्वाले की गाय के थन से दूध अपने आप झर जाता था। यह चाँदनपुर गाँव के अतिनिकट है ।

महावीर ज्योति टीका – *Mahāvīra Jyoti Ṭīkā.*

A commentary book composed by *Aryika* Shri Chandanamati Mataji on 'Mahavir Stotra' written by *Ganini* Shri Gyanmati Mataji.

गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा संस्कृत के 36 श्लोकों में रचित महावीर स्तोत्र पर उनकी शिष्या पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा ई. सन् 1993 में रचित संस्कृत एवं हिन्दी टीका ।

महावीरतीर्थ – *Mahāvīratīrtha.*

The era of Lord Mahavira.

भगवान महावीर का शासन काल ।

महावीर निर्वाण संवत् – *Mahāvīra Nirvāṇa Saṁvat.*

The era of the salvation of Lord Mahavira.

महावीर भगवान् के निर्वाण दिवस से प्रारंभ होने वाला संवत् अर्थात् ई.पू. से 527 वर्ष पूर्व प्रारम्भ होने वाला संवत्। सन् 2003–2004 में 2530 वीं नि. संवत् चल रहा है ।

महावीर पंडित – *Mahāvīra Paṇḍita.*

Name of a great *Pandit*

जिनसे प. आशाधरजी ने व्याकरण का ज्ञान प्राप्त किया ।

महावीर पुराण – *Mahāvīra Purāṇa.*

Name of the treatises written by *Acharya* Shubhachandra & Sakal Kirtiji individually.

आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516–1556) एवं आचार्य सकलकीर्ति द्वारा रचित भगवान महावीर के जीवन पर आधारित पुराण ।

महावीर भगवान् – *Mahāvīra Bhagavān.*

The 24th *Tirthankar* of Jain religion.

जैन धर्म के अन्तिम व 24वें तीर्थंकर का नाम, इनकी आयु 72 वर्ष, शरीर की ऊंचाई 7 हाथ थी। देह वर्ण तप्तस्वर्ण सदृश था, इनकी जन्मनगरी कुण्डलपुर (नालंदा–बिहार) है। इनके पाँच नाम प्रसिद्ध हैं–वीर, वर्द्धमान, सन्मति, महावीर एवं अतिवीर। दिगम्बर जैन परम्परानुसार भगवान महावीर बाल ब्रह्मचारी थे तथा दीक्षा लेने के बाद केवल एक बार उज्जयिनी नगरी के श्मशान में तपस्या करते समय स्थाणु रुद्र द्वारा उनके ऊपर उपसर्ग किया गया था। 30 वर्ष की उम्र में दीक्षा धारण करके 12 वर्ष की तपस्या करके केवलज्ञान प्राप्त किया पुनः 30 वर्ष तक केवली अवस्था में रहे और 72 वर्ष की उम्र में पावापुरी जलमंदिर (बिहार) से समस्त कर्मों का नाश कर मोक्ष प्राप्त किया ।

महावीराचार्य – *Mahāvīrācārya.*

Name of a great *Acharya*.

गणित सार संग्रह, ज्योतिष पटल आदि के कर्ता एक जैनाचार्य ।

महावीराष्टक – *Mahāvīrāṣṭaka.*

A spiritual hymn written by *Pandit* Bhagchand.

प. भागचन्द रचित एक स्तोत्र ।

महावीर्य – *Mahāvīrya.*

One of the 1008 names of Lord Rishabhdev

ऋषभदेव भगवान के 1008 नामों में एक नाम ।

महाव्रत – *Mahāvrata.*

5 major vows of Jain religion like non-violence, truth, non-stealing, celibacy & non-possession

अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह। जैन धर्म में ये पांच महाव्रत कहलाते हैं। जैन साधु इनका पालन करते हैं ।

महाव्रती – *Mahāvratī.*

Great saints possessing 28 basic restraints.

महाव्रतों को पालने वाले 28 मूलगुणधारी साधु ।

महाशंख – *Mahāśaṁkha.*

Name of a mountain situated in *Lavan* ocean.

लवण समुद्र में स्थित एक पर्वत ।

महाशलाका – *Mahāśalākā.*

A very deep and large pitch

संख्या प्रमाण के लिए बुद्धि द्वारा जम्बूद्वीप में एक लाख योजन विस्तार वाला व हजार योजन गहरे एक कुण्ड का नाम ।

महाशलाका कुंड – *Mahāśalākā Kuṇḍa.*
See - *Mahāśalākā.*
देखें – महाशलाका ।

महाशिरा – *Mahāśirā.*
A protecting deity of *'Kanak'* summit of *Kuṇḍal* mountain.
कुण्डल पर्वत के कनक कूट का रक्षक देव ।

महाशुक्र – *Mahāśukra.*
Name of the 10th heaven, The son of Jarasangh
10वां स्वर्ग, एक विमान, जरासंघ का एक पुत्र ।

महाशुक्र (देव) – *Mahāśukra (Deva).*
Name of a deity.
महाशुक्र विमान में उत्पन्न देव ।

महाश्वेता – *Mahāśvetā.*
A type of super power.
नमि विनमि को प्राप्त एक विद्या ।

महासत्ता – *Mahāsattā.*
Universal strength or power.
सर्व पदार्थ समूह में व्याप्त होने वाली सादृश्य अस्तित्व को सूचित करने वाली सत्ता ।

महासर्वतोभद्र – *Mahāsarvatobhadra.*
A vow including 196 fasts & 49 fast-breakings
एक व्रत। इसमें कुल 196 उपवास और 49 पारणाएं की जाती हैं। विस्तृत विधि व्रतविधान संग्रह में देखें ।

महासाधु – *Mahāsādhu.*
Name of the 3rd *Tīrthankar* of past era.
तृतीय भूतकालीन तीर्थंकर का नाम ।

महा-सामान्य – *Mahā-Sāmānya.*
Greater than general (of something).
सामान्य का एक भेद। जो द्रव्यत्व आदि अपरसामान्य की अपेक्षा से महान विषय वाला होता है ।

महासेन – *Mahāsena.*
Father's name of Lord Chandraprabhu, The son of Bhojak Vrishni, The 10th son of Krishna of *Yadu* dynasty, Name of a *Digambar Acharya* who wrote Sulochana Charitra.
चन्द्रप्रभु भगवान के पिता का नाम, भोजक वृष्णि का पुत्र, उग्रसेन का भाई, यदु (यादव) वंशी कृष्ण का दसवाँ पुत्र, सुलोचनाचरित्र के रचयिता एक दिगम्बराचार्य ।

महास्कन्ध – *Mahāskandha.*
The largest aggregate of infinite molecules.
अनंतानंत परमाणुओं का समूह ।

महास्कन्ध स्थान – *Mahāskandha Sthāna.*
The largest aggregate places.
आठ पृथिवियाँ, टंक, कूट, भवन, विमान, विमानेन्द्रक, विमान प्रस्तर, नरक, नरक प्रस्तर, नरकेन्द्रक, गच्छ, गुल्म, वल्ली, लता और तृण वनस्पति आदि महास्कंध स्थान हैं ।

महास्वर – *Mahāsvara.*
A peripatetic deity of *Gandharva* type.
गन्धर्व जातीय व्यंतरों का एक भेद ।

महाहिमवान् (कूट) – *Mahāhimvān (Kūṭa).*
Name of a summit of *Mahahimvan* mountain.
महाहिमवान पर्वत के 8 कूटों में दूसरा कूट ।

महाहिमवान् (पर्वत) – *Mahāhimvān (Parvata).*
Name of a mountain of *Haimvat* area.
जम्बूद्वीप के छः कुलाचलों में दूसरा कुलाचल–हैमवत क्षेत्र के उत्तर दिशा में स्थित पूर्व पर लम्बायमान वर्षधर पर्वत। अपरनाम–पंचशिखरी ।

महाहृदय – *Mahāhṛdaya.*
Name of a deity of a summit of *Kundalvar* mountain.
कुंडलवर पर्वत के कूट का देव ।

महिमा – *Mahimā*
Greatness, Grandeur, Power, High rank.
प्रताप, एक ऐश्वर्य, भरतेश को प्राप्त आठ असाधारण गुणों में दूसरा गुण ।

महिमा ऋद्धि – *Mahimā Ṛddhi.*
A type of super-natural power.
एक विक्रिया ऋद्धि ।

महिमा नगरी – *Mahimā Nagarī.*
Name of a city where *Acharya* Arhadvali conducted a conference.
एक नगरी जहाँ अर्हद्बलि आचार्य ने यति सम्मेलन किया था ।

महिला – *Mahilā.*
A woman, female sex.
स्त्री का पर्यायवाची नाम ।

महिष – *Mahiṣa.*
Buffalo bull.
भैंसा ।

महिषसम श्रोता – *Mahiṣasama Śrota.*
A type of listener (faulty).
श्रोता का एक प्रकार ।

मही – *Mahī.*
The earth.
पृथ्वी ।

महीजय – *Mahījaya.*
A king of *Yadu* dynasty.
यदु (यादव) वंश का एक राजा। राजा समुद्रविजय का एक पुत्र ।

महीधर – *Mahīdhara.*
Name of a chief disciple of Lord Adinath.
भगवान आदिनाथ के एक गणधर का नाम ।

महीपाल – *Mahīpāla.*
Name of maternal grand father of Lord Parshvanath.

भगवान् पार्श्वनाथ के नाना का नाम। जिनके द्वारा पंचाग्नि तप करते हुए कुमार पार्श्वनाथ के कहने पर जलती हुई लकड़ी से घायल नाग-नागिन निकले थे तथा पार्श्वनाथ द्वारा संबोधन से मरकर धरणेन्द्र पद्मावती बने। नाना महीपाल का जीव कमठ का जीव था जो शल्य सहित मरकर शंबर नामक ज्योतिष देव बना, जिसने तप करते हुए भगवान पार्श्वनाथ पर घोर उपसर्ग किया।

महेंद्र – *Mahendra*

Father's name of Anjana (Mother of Hanuman). Name of a chief disciple of Lord Adinath, A king of *Yadu* dynasty, Name of a city in the north of *Vijayardha* mountain, Name of a summit of *Kundalvar* mountain.

महेन्द्र गिरि के राजा तथा हनुमान की माता अंजना के पिता, आदिनाथ भगवान् के एक गणधर का नाम, यदु (यादव) वंश का एक राजा, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, कुडलवर पर्वत के एक कूट का नाम।

महेंद्रकीर्ति – *Mahendrakirti.*

Name of a *Bhattarak*

दिल्ली गद्दी के एक भट्टारक (स. 1792), सर्वदोष प्रायश्चित ग्रंथ के कर्ता।

महेंद्रदत्त – *Mahendradatta.*

Name of a chief disciple of Lord Rishabhadev.

भगवान वृषभदेव के एक गणधर का नाम।

महेंद्रदेव – *Mahendradeva.*

Name of a preceptor of *Acharya* Nagsen

लघ्यानुशासन के रचयिता आचार्य नागसेन (ई. 1047) के शिक्षागुरु।

महेश्वर – *Mahesvara.*

The other name of Lord Rishabhadev, A type of peripatetic deities of *Maharag* type.

भरतेश एवं सौधर्मेन्द्र द्वारा स्तुत वृषभदेव का एक नाम, महोरग जाति के व्यंतरों का एक भेद।

महेश्वरमुनि – *Mahesvaramuni.*

Name of a great saint possessing knowledge of part of *Angas* (scriptures).

मूलसंघ विभाजन के पश्चात् अंगांशधारियों की परम्परा में हुए एक मुनि।

महोदय – *Mahodaya.*

An errected shed (great canopy) in the holy assembly (*Samavasharna*) of Lord Arihant.

समवशरण में 1000 खम्भों पर खड़ा हुआ एक मण्डप का नाम, जिसमें मूर्तिमती श्रुतदेवी विद्यमान रहती हैं।

महोरग – *Mahoraga.*

A type of peripatetic deity

व्यंतर देवों के 8 भेदों में एक भेद, इनका वर्ण श्याम, भेद 10 एवं इन्हें सर्पाकार रूप से विक्रिया करना प्रिय होता है।

मांगीतुंगी (तीर्थ) – *Mamgitumgi (Tirtha).*

Name of a *Digambar* Jaina place of pilgrimage in Nasik dist (Maharashtra) from where Ram, Hanuman, Sugreev etc. 99 crore *Munis* (saints) got salvation

महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित एक परम पावन दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, जहाँ से राम, हनुमान, सुग्रीव, गवय, गवाक्ष, नील, महानील आदि 99 करोड़ मुनियों को निर्वाण प्राप्त हुआ है।

मांछपिक – *Mamchapika.*

A type of activists.

क्रियावादियों के 180 भेदों में एक भेद।

मांडल गढ़ – *Mamdala Garha.*

Birth place of *Pandit* Ashadharji

पं. आशाधर जी का जन्म स्थान। जो नागौर (राज.) के पास है।

मांडलिक – *Mamdalika.*

Feudatory type of air.

वायु के दो भेदों में एक भेद, जो वर्तुलाकार भ्रमण करती है उसे माण्डलिक वायु कहते हैं।

मांडव्य – *Mamdavya.*

Name of the 6th chief disciple of Lord Mahavira

भगवान् महावीर के छठे गणधर का नाम।

मांस – *Mamsa.*

Meat, non-edible

बकरा आदि जीव का मांस जो कि अभक्ष्य है। मांस त्याग जैन श्रावक का मूलगुण है।

मांसपेशी – *Mamsapesi.*

The muscles of the body.

औदारिक शरीर में 500 मांसपेशियाँ हैं।

मा – *Ma.*

A kind of punishment in the form of warning

हा-मा-धिक् इन 3 प्रकार के दंडों में दूसरा दण्ड-"खेद है जो तुमने अपराध किया है आगे नहीं करना"। छठे से दसवें कुलकरों के समय तक अपराधी को यही दण्ड दिया जाता था।

मागधदेव – *Magadhadeva.*

A type of deities.

देव, जिसे चक्रवर्ती 'अमोघ' नामक बाण फेंक कर अपने अधीन कर लेता है।

मागध द्वीप – *Magadha Dvipa.*

An island of *Lavna Sagar* (ocean).

लवण समुद्र में स्थित एक द्वीप।

माघ – *Magha.*

The eleventh month of the Hindu lunar calender, Name of writer of the book 'Shishupal Vadh'.

एक हिन्दी माह का नाम, कवि: 'शिशुपाल वध' के रचयिता।

माघनंदि – *Maghanandi.*

Name of an *Acharya* who was the disciple of *Acharya* Arhadvali

आचार्य अर्हद्बलि के शिष्य एवं धरसेनस्वामी के समकालीन एक आचार्य। इनके अलावा इस नाम से और भी आचार्य हुए हैं।

माघवी – *Māghavī.*
The other name of the 7th hell.
सातवें नरक की पृथ्वी महातमः प्रभा का अपरनाम ।

माणव – *Māṇava*
Name of a country of *Bharat Kshetra Aryakhanda* (region). One of the splendours of *Chakravarti* (emperor), Name of an ornament - a necklace.
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड के एक देश का नाम, चक्रवर्ती की 9 निधियों में एक निधि, कण्ठ का आभूषण–बीस लड़ियों वाला हार ।

माणिक्यनंदि – *Māṇikyanandi.*
Name of the disciple of Ratnanandi and preceptor of Meghchandra, and the disciple of *Acharya* Ramnandi
नंदिसंघ बलात्कारगण में रत्ननन्दि के शिष्य तथा मेघचंद्र के गुरु (ई.स. 663–679), आचार्य रामनंदि के शिष्य परीक्षामुख सूत्र के कर्ता आचार्य (ई. स. 1003–1028) ।

माणिक्यराज – *Māṇikyarāja.*
Name of an *Apbhransh* poet & writer of Nagkumar Chariu.
नागकुमार चरिउ के रचयिता एक अपभ्रंश कवि ।

मातंग – *Mātaṁga.*
Name of the demigod of Lord Mahavira, Son of king Nami, A type of *Vidyadhars*, A system of super power.
भगवान महावीर के शासन यक्ष, विद्याधर नमि का पुत्र, विद्याधरों की एक जाति, नमि–विनमि को दिए गये 8 विद्या–निकायों में प्रथम विद्या–निकाय ।

मातंगी विद्या – *Mātaṁgī Vidyā.*
Name of a super power.
मातंग विद्याधरों की विद्या का नाम । अर्ककीर्ति के पुत्र अमिततेज की सिद्ध विद्याओं में एक विद्या ।

मातलिजल्प – *Mātalijalpa.*
Name of a book.
न्याय विषयक एक ग्रंथ का नाम ।

मातृका – *Mātṛkā.*
The alphabets
अकारादि 16 स्वर और ककारादि 33 व्यंजन पूर्ण मातृका है। अथवा वर्णमाला की बारह खड़ी ।

मातृका यंत्र – *Mātṛkā Yaṁtra.*
A type of metallic plate engraved with auspicious mystic diagram & words.
48 यंत्रों में एक यंत्र, जिसको अक्षर, शब्द, मंत्रों की रचना कोष्ठक आदि बनाकर चित्रित किया गया है ।

मात्सर्य – *Mātsarya.*
Lack of earnest-ness in charity, Envy with another donator.
दान करते हुए भी आदर का न होना, अतिथिसंविभाग व्रत का एक अतिचार; अन्य दाता के गुणों को सहन नहीं करना ।

मात्स्य न्याय – *Mātsya Nyāya*
Exploitation of others.
सबल पुरुषों द्वारा निर्बल पुरुषों का शोषण । राजा के अभाव में प्रजा इसी न्याय का आश्रय लेती है ।

माद्री – *Mādrī*
The wife of king Pandu and the mother of Nakul-Sahdev.
नकुल–सहदेव की मां, राजा पाण्डु की पत्नी ।

माधव – *Mādhava.*
Name of a commentator, The spring season
मीमांसा दर्शन के एक टीकाकार, कृष्ण का अपरनाम, वैशाख मास, वसंत ऋतु ।

माधवचंद्र त्रैविद्य – *Mādhavacandra Traividya*
Name of the disciple of *Acharya* Nemichandra Siddhant Chakravarti.
आचार्य नेमिचंद्र सिद्धान्त चक्रवर्ती के शिष्य तथा त्रिलोकसार, क्षपणासार की संस्कृत टीका के कर्ता। (समय – ई. 981) ।

माधवानंद – *Mādhavānaṁda.*
Name of a commentary writer of Dvisandhan Kavya.
द्विसंधान काव्य टीका के कर्ता ।

माधवी – *Mādhavī.*
Mother's name of the 2nd *Narayan* Dviprishtha.
द्वितीय नारायण द्विपृष्ठ की माता का नाम ।

माधुकरी भिक्षावृत्ति – *Mādhukarī Bhikṣāvṛtti.*
Food accepting by saints without causing any trouble to others.
भ्रामरी वृत्ति; भौंरे जिस तरह पुष्पों को कष्ट दिए बिना रस लेते हैं, वैसे साधु आहार लेते हुए दाता को कष्ट नहीं देते हैं। इसलिए इनकी आहार चर्या माधुकरी भिक्षावृत्ति कहलाती है ।

माधोराजपुरा – *Mādhorājapurā*
The initiation-place of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji (for *Aryika Diksha*).
राजस्थान में पद्मपुरा अतिशय क्षेत्र के निकट एक नगर, जहाँ चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रथम पट्टशिष्य आचार्य श्री वीरसागर महाराज ने बीसवीं शताब्दी की प्रथम बालब्रह्मचारिणी क्षुल्लिका वीरमती को सन् 1956 में वैशाख कृ. 2 को आर्यिका दीक्षा देकर 'ज्ञानमती' नाम से अलंकृत किया जिन्होंने वर्तमान में अपने नाम के अनुसार गणिनीप्रमुख ज्ञानमती के रूप में कीर्तिमान स्थापित किया है ।

माध्यंदिन – *Mādhyaṁdina.*
A type of the doctrine of ignorance.
अज्ञानवाद के 67 भेदों में एक भेद ।

माध्यस्थ – *Mādhyastha.*
Impartiality, Neutrality.
राग–द्वेष पूर्वक पक्षपात न करना ।

माध्यस्थता – *Mādhyasthatā.*
See - *Mādhyastha.*

देखें – माध्यस्थ। समता, उपेक्षा, वैराग्य, साम्य, माध्यस्थ आदि शब्द एकार्थवाची हैं।

माध्व वेदांत – *Mādhva Vedānta.*

A philosophy of dualism.

द्वैतवाद; अनेक तत्त्व मानने से भेदवादी कहलाता है, ई.श. 12-13 में माध्व देव द्वारा इस मत का जन्म हुआ, न्याय सुधा व पदार्थ संग्रह इसके मुख्य ग्रंथ हैं।

मान – *Māna.*

Pride, Self respect, honour, A measure scale.

गौरव, स्वसम्मान, स्वाभिमान, प्रमाण या माप, इसके 4 भेद हैं- मेय, देश, तुला, काल।

मान (कषाय) – *Māna (Kaṣāya).*

Pride arrogance (as a passion).

4 कषायों में दूसरी कषाय; अभिमान, घमंड। अथवा जाति आदि आठ मदों से दूसरे के प्रति नमने की वृत्ति न होना।

मानतुंग – *Mānatuṁga.*

A famous *Acharya* who wrote Bhaktamar Stotra-a great spiritual hymn

भक्तामर स्तोत्र के रचयिता एक प्रसिद्ध आचार्य। (समय - ई.स. 618)।

मानदंड – *Mānadaṁḍa.*

The other name of *Sumeru* mountain, A measuring unit.

सुमेरु पर्वत का दूसरा नाम, मापकदण्ड जिससे मापा जावे।

मानपद – *Mānapada.*

The measuring instruments.

प्रस्थादि मापने के बर्तन, इसे मेयमान भी कहते हैं।

मान (कर्म प्रकृति) – *Māna (Karma Prakṛti).*

A kind of *Karmic* nature related to right conduct delusion.

चारित्र मोहनीय कर्म की 21 कर्म प्रकृतियों में एक प्रकृति।

मानव – *Mānava.*

Human being, Name of a planet, Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain.

मनुष्य, एक ग्रह, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर।

मानवक – *Mānavaka.*

Name of a planet.

88 ग्रहों में एक ग्रह।

मानवपुत्रक – *Mānavaputraka.*

A type of *Vidyadhar* dynasty.

विद्याधरों की एक जाति; ये विद्याधर नाना वर्णों से युक्त एवं पीत वस्त्र पहनते हैं।

मानवी – *Mānavī.*

A type of super power.

एक विद्या का नाम।

मानस – *Mānasa.*

Mental thought, A synonym of mind or thought.

मन में उत्पन्न हुए चिन्ह को मानस कहते हैं। मन का अपर नाम। मन से संबंध रखने वाला, मानसिक।

मानस आस्रव – *Mānasa Āsrava*

Mental influx due to auspicious & inauspicious tendencies.

मन की शुभ-अशुभ रूप प्रवृत्ति से होने वाला आस्रव।

मानस आहार – *Mānasa Āhāra.*

A type of super food enjoyed by deities.

आहार का एक प्रकार। देवों को आहार की इच्छा होते ही कण्ठ में अमृत झरने लगता है। यह मानस आहार कहलाता है।

मानस कायोत्सर्ग – *Mānasa Kāyotsarga.*

Mental selflessness

मन से शरीर में ममकार बुद्धि की निवृत्ति मानस कायोत्सर्ग है।

मानस जप – *Mānasa Japa.*

Chanting of *mantras* (mystic words or holy verses) internally in the state of meditaiton.

प्राणवायु के द्वारा णमोकार मंत्र का ध्यान या जाप्य करना।

मानस जाप – *Mānasa Jāpa.*

See - *Mānasa Japa.*

देखें – मानस जप।

मानस दुःख – *Mānasa Duḥkha.*

Mental sorrow (arising due to some unfavourable causes).

[illegible] एवं अनिष्ट वस्तु के संयोग से उत्पन्न होने वाला दुःख।

मानसरोवर – *Mānasarovara.*

Name of a river of *Bharat Kshetra* middle *Arya Khand* (region).

भरत क्षेत्र मध्य आर्य खण्ड की एक नदी।

मानस विनय – *Mānasa Vinaya.*

Eulogical devotion for religion & its lay persons.

धर्म-कार्य में मन लगाना तथा पाप कर्म के विचार से मन को बचाना अथवा पूज्य पुरुषों के प्रति आदर-भाव रखना।

मानसी – *Mānasī.*

Name of female demigod of Lord Shantinath, Name of a super power.

भगवान शान्तिनाथ की यक्षिणी (महामानसी), एक विद्या का नाम।

मानस्तम्भ – *Mānastambha.*

Free standing pillar or sacred monument pillar crowned with idols of Lord Jinendra.

तीर्थंकरों के समवसरण में प्रवेश करने से पहले चारों दिशाओं में तीर्थंकर के शरीर की ऊंचाई से 12 गुणे ऊंचे जिनप्रतिमाओं से समन्वित स्वर्णिम स्तम्भ के आकार की रचना। दूर से ही इसके दर्शन मात्र से मिथ्यादृष्टि जीव अभिमान रहित हो जाते हैं अतः इसका मानस्तंभ नाम सार्थक है।

मानस्तम्भ भूमि – *Mānastambha Bhūmi.*

Land of *Manastambha* (sacred monumental pillar).

चैत्यप्रासाद भूमि के बहुमध्य भाग में चारों वीथियों के बीचो बीच गोल भूमि ।

मानी – *Mānī.*

Proudy person, Name of a Jaina temple in east of *Nandan* forest of *Meru* mountain.

मान रखने या करने वाला जीव, मेरु पर्वत के नंदनवन में पूर्व दिशा के जिन मंदिर का नाम ।

मानुष – *Mānuṣa.*

Human beings, Name of a residential protecting deity of *Rajat* summit of *Manushottar* mountain

मनुष्य, मानुषोत्तर पर्वत के रजतकूट का रक्षक एक भवनवासी देव ।

मानुष क्षेत्र – *Mānuṣa Kṣetra.*

World of human beings, The human world

45 लाख योजन प्रमाण ढाई द्वीप की भूमि जो मनुष्यों के गमनागमन के योग्य होती है ।

मानुषोत्तर – *Mānuṣottara.*

Name of a circular mountain situated in the middle of *Pushkar* island of middle universe.

मध्यलोक में पुष्कर द्वीप के मध्य स्थित एक वलयाकार पर्वत। इस पर्वत के उत्तर (पार) में मनुष्यों का गमन नहीं होता ।

मान्धाता – *Māndhātā.*

A king of *Ikshvaku* dynasty.

इक्ष्वाकुवंश का एक राजा ।

मान्यखेट – *Mānyakheṭa.*

Former name of a village in Hyderabad *'Malkhera Gram'*

निजाम हैदराबाद राज्य के अन्तर्गत शोलापुर से 90 मील दक्षिण पूर्व में स्थित वर्तमान का मलखेड़ ग्राम ।

माप – *Māpa.*

Measurement, measure, survey.

मापना; तराजू, प्रस्थ, पाई आदि द्वारा किसी की लंबाई चौड़ाई आदि का मापन ।

माया – *Māyā.*

Deceit, Illusion, Diplomacy.

दूसरे को ठगने के लिए कुटिलता या छल आदि किये जाना ।

माया कषाय – *Māyā Kaṣāya.*

Deceit, one of the four passions.

क्रोधादि 4 कषायों में एक कषाय; मन वचन काय की वक्रता होना ।

माया क्रिया – *Māyā Kriyā.*

Deceitful practice with regard to knowledge, faith etc.

साम्परायिक आस्रव की 5 क्रियाओं में एक क्रिया; ज्ञान-दर्शन आदि के विषय में छल करना ।

मायाक्षर – *Māyākṣara.*

An auspicious super word causing prosperous life by meditation.

ह्रीं, इस अक्षर के ध्यान से ऐश्वर्य आदि की प्राप्ति के साथ लोकाग्र स्थान भी प्राप्त होता है ।

मायागता चूलिका – *Māyāgatā Cūlikā.*

A kind of scriptural knowledge (describing incantation & hymns).

श्रुतज्ञान; दृष्टिवाद के 5वें भेद रूप 5 चूलिकाओं में एक; जो इन्द्रजाल आदि के कारणभूत मन्त्र और तपश्चरण का वर्णन करती है ।

माया निद्रा – *Māyā Nidrā.*

To cause unconscious sleep.

मायामय नींद; तीर्थंकर के जन्म के समय शची इन्द्राणी तीर्थंकर माता को इसी नींद में सुलाकर प्रसूति गृह से जिनशिशु को बाहर लाकर अभिषेक हेतु इन्द्र को देती है।

मायाप्रायस्थिति – *Māyāprāyasthiti.*

An infraction meditative relaxation (an astonishing standing posture)

कायोत्सर्ग का एक अतिचार, आश्चर्योत्पादक ढंग से खड़े होना।

माया शक्ति – *Māyā Śakti.*

Power of illusion, a passion

कषाय की अनुभाग शक्ति की अपेक्षा प्रगटता, जो बांस की जड़, मेंढे के सींग, गोमूत्र, खुरपा के समान, उत्कृष्ट, अनुत्कृष्ट, अजघन्य, जघन्य रूप है ।

माया शल्य – *Māyā Śalya.*

Deceitful behaviour - painful like a sling.

बाहर से अच्छा प्रतीति करते हुए मन में छल, कपट आदि रखना ।

मारण – *Māraṇa.*

A type of incantation, Name of king of *Rakshas* dynasty, Name of a famous arrow

एक प्रकार का मन्त्र, राक्षस वंशी एक विद्याधर राजा, 5 फणों वाला बाण- नागराज ने यह प्रद्युम्न को दिया था ।

मारणांत सल्लेखना – *Māraṇāṁta Sallekhanā.*

Fasting upto death to be performed by a saint.

मरणकाल आने पर शास्त्रोक्त विधि से समाधिमरण करना ।

मारणांतिक कषाय – *Māraṇāṁtika Kaṣāya.*

Passionful thoughts at the time of death.

मरण के समय उत्पन्न होने वाली कषाय या परिणामों की कलुषता।

मारणांतिक वेदना – *Māraṇāṁtika Vedanā.*

Anguish or pain felt at the death-time.

मरण के समय असाता कर्म के उदय से प्राप्त होने वाली वेदना या कष्ट ।

मारणांतिक समुद्घात – *Māraṇāṁtika Samudghāta.*

The extrication of soul-points to the next birth state just before the death (related to the transmigratory state).

मरण के समय अपने वर्तमान शरीर को न छोड़कर आगे जहां

उत्पन्न होना है उस क्षेत्र तक आत्मा के प्रदेशों का फैलकर अन्तर्मुहूर्त तक रहना ।

मारहर – *Mārahara.*

An epithet for Lord Arihant, who defeats the *Kamdev.*

कामदेव को पराजित करने वाले अर्हन्त भगवान ।

मारीच – *Marica.*

Name of a minister of Ravan.

रावण का मंत्री, भगवान महावीर के पूर्व भव का नाम (भगवान ऋषभदेव के पौत्र के रूप में) ।

मारुतचारण ऋद्धि – *Mārutacāraṇa Ṛddhi.*

A type of super-natural power (air-walking).

ऋद्धि; जिसके प्रभाव से मुनि नाना प्रकार की गति से युक्त वायु के प्रदेशों की पंक्ति पर से अस्खलित होकर पदविक्षेप करते हैं।

मारुति धारणा – *Māruti Dhāraṇā.*

A particular meditational conception about the power of air.

एक विशेष प्रकार की धारणा। आग्नेयी धारणा के उपरान्त योगी द्वारा आकाश में पूर्ण होकर विचरण करते हुए महावेगवान वायुमंडल का चिंतन करना तथा इस प्रबल वायुमंडल ने अग्नि में जले शरीर आदि की भस्म को उड़ा दिया है और फिर वायु शांत हो गई – ऐसा चिंतवन करना ।

मार्कंडेय – *Mārkaṇḍeya*

Name of a king of *Hari* dynasty

हरिवंश के एक राजा का नाम। मूलतः इनका नाम सिंहकेतु था।

मार्ग – *Mārga.*

Way, channel, method, doctrine, path of salvation. A type of peripatetic deities.

जिसके द्वारा मार्गण किया जाता है वह मार्ग अर्थात् पथ कहलाता है। पथ, उपाय, मोक्षमार्ग, रत्नत्रय धर्म, तालगत गांधर्व का एक भेद ।

मार्गणा – *Mārgaṇā.*

Investigation (of beings). Category of disquisition doors.

अन्वेषण या खोज करना, जीव जिन भावों या पर्यायों में खोजे जाते हैं उसे मार्गणा कहते हैं। ये 14 होती हैं ।

मार्गणास्थान – *Māragaṇāsthāna.*

Subject of investigation (reg. beings).

जीवों के अन्वेषण के स्थान, ये 14 हैं; गति, इन्द्रिय, काय, योग, वेद, कषाय, ज्ञान, संयम, दर्शन, लेश्या, भव्यत्व, सम्यक्त्व, संज्ञित्व, आहार ।

मार्ग दर्शनार्य – *Mārga Darśanārya.*

A type of noble persons.

अनृद्धि प्राप्त दर्शनार्य का एक भेद। ये 10 प्रकार के होते हैं ।

मार्ग प्रभावना – *Mārga Prabhāvanā.*

Glorification of the preaching of Lord Jinendra.

सोलहकारण भावनाओं में एक भावना; ज्ञान, ध्यान, तप, जिनेन्द्र पूजा आदि के द्वारा धर्म का प्रकाश फैलाना ।

मार्ग प्रासुक – *Mārga Prāsuka.*

The way already used by other beings.

बैलगाड़ी, हाथी की अम्बारी, डोली, रथ, घोड़ा, ऊँट, गाय, स्त्री, पुरुष आदि जिस मार्ग से गमन करते हैं वह मार्ग प्रासुक है।

मार्ग फल – *Mārga Phala.*

Achievement of salvation

मोक्ष प्राप्ति, शुद्धता का लाभ ।

मार्ग रुचि – *Mārga Ruci*

A type of noble persons, who get right perception by listening about the path of salvation.

दर्शनार्य का एक भेद–वीतराग मोक्षमार्ग के सुनने मात्र से जो जीव सम्यग्दर्शन को प्राप्त करते हैं ।

मार्ग शुद्धि – *Mārga Śuddhi.*

Carefulness in walking. Path purity.

साधु उसी मार्ग पर ईर्यापथ शुद्धि पूर्वक चलते हैं जिस पर त्रस-स्थावर जंतु न हों अथवा अन्य मानव व पशु उस पर पहले चले गये हों ।

मार्ग सम्यग्दर्शन – *Mārga Samyagdarśana.*

Right attitude towards path of salvation.

दर्शन मोह का उपशम होने से ग्रन्थश्रवण के बिना कल्याणकारी मोक्षमार्ग का श्रद्धान होना ।

मार्ग सम्यक्त्वार्य – *Mārga Samyaktvārya.*

A kind of noble persons who get right perception only by listening about salvation.

अनृद्धि प्राप्त दर्शनार्य का एक भेद। वीतरागी मोक्षमार्ग के सुनने मात्र से सम्यग्दर्शन को प्राप्त हुए जीव ।

मार्गिणी – *Mārgiṇī.*

Name of the chief *'Aryika'* (*Ganini*) in the assembly of Lord Naminath.

नमिनाथ भगवान् के समवशरण की मुख्य आर्यिका (गणिनी) का नाम। दूसरा नाम मंगिनी है ।

मार्गोपसंयत – *Mārgopasaṁyata*

Mutual enquiry by saints for the well-beings of other saints.

अपने संघ से आये मुनि, तथा अपने स्थान में रहने वाले मुनियों से आपस में आने-जाने के विषय में कुशल का पूछना ।

मार्जारसम – *Mārjārasama.*

A type of bad listeners (to be unaffected).

श्रोता के 14 भेदों में एक भेद; जो श्रोता बहुत प्रकार से समझाने पर भी बिलाव की तरह अपनी क्रूरता को न छोड़े ।

मार्दव – *Mārdava*

Humility, softness, modesty. To be prideless.

घमण्ड रहित होना अर्थात् विनम्र होना ।

मार्दव धर्म – *Mārdava Dharma.*

Pridelessness, modesty or humility.

10 धर्मों में दूसरा धर्म; मन वचन काय की कोमलता, मान के कारण मिलने पर भी अहंकार न होना ।

मालपूप – *Mālapūpa.*
A special Indian sweet dish, made up of wheat flour, ghee & sugar.
मालपुआ, एक प्रकार का मिष्ठान (नैवेद्य) ।

मालवा – *Mālavā.*
A part of *Bharat Kshetra* south *Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र दक्षिण आर्यखण्ड का एक देश । अवन्ती, उज्जैन, इन्दौर आदि इसकी प्रसिद्ध नगरी हैं ।

माला – *Mālā.*
Garland, wreath, string of beads.
हार, गजरा, जाप्य माला ।

माला निमित्तज्ञान – *Mālā Nimittajñāna.*
A type of super-natural power.
ऋद्धि का एक भेद ।

मालारोहण – *Mālārohaṇa.*
An obstacle in food and hermitage of a saint (reg. use of wood ladder)
आहार एवं वसतिका का एक दोष । लकड़ी की बनी हुई सीढ़ी से ऊपर चढ़कर वहा रखी हुई सामग्री लाकर साधु को आहार में देना ।

माला स्वप्न – *Mālā Svapna.*
One of the dreams seen by *Tirthankar's* mother.
तीर्थंकर की माता को दिखे 16 स्वप्नों में एक स्वप्न, जिसका फल है पुत्र समीचीन धर्म का प्रवर्तक होगा ।

मालिकोद्वहन – *Mālikodvahana.*
An infraction of meditative relaxation (taking help of something in standing).
कायोत्सर्ग का एक अतिचार; मस्तक ऊपर करके किसी पदार्थ का आश्रय लेकर खड़ा होना ।

मालिनी – *Mālinī.*
Name of a female divinity of Manibhadra deity.
मणिभद्र नामक व्यंतर इंद्र की एक देवी का नाम ।

माली – *Mālī.*
A king of *Rakshas* dynasty.
राक्षसवंश का एक राजा ।

माल्य – *Mālya.*
A city in the north of *Vijayardh* moutain, A country of *Bharat Kshetra* western *Arya Khand* (region).
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, भरतक्षेत्र पश्चिम आर्य खण्ड का एक देश ।

माल्यवान् – *Mālyavān.*
A *Gajdant* mountain, Name of a summit of *Malyvan Gajdant* and its protecting deity, One of the 10 large ponds of northern *Kuru.*
एक गजदन्त पर्वत, माल्यवान् गजदन्त का एक कूट व उसका रक्षक देव, उत्तर कुरु के 10 द्रहों में से एक ।

माष – *Māṣa.*
A small weighing measure of gold.
उड़द, सोने की एक विशेष तौल–माशा ।

मास – *Māsa.*
Month; a time unit
दो पक्ष का व्यवहार काल या मास होता है ।

मासिक धर्म – *Māsika Dharma.*
Menstruation (monthly impurity period of a woman).
महीने से संबंध रखने वाली या प्रतिमास होने वाली स्त्रियों की प्राकृतिक अशुद्धि, जिसके कारण उसे पुष्पवती या रजस्वला कहते हैं । विशेष देखें-पुष्पवती स्त्री ।

मासैकवासिता – *Māsaikavāsitā.*
Monthly seasonal staying & moving of Jaina saints.
स्थिति कल्प का 9वां भेद, छहों ऋतुओं में से एकैक ऋतु में एक मास तक एक स्थान में मुनि निवास करते हैं, और एक मास विहार करते है । उसे मासैकवासिता कहते हैं ।

माहेंद्र – *Māhemdra.*
Name of a city in the northern *Vijayardh* mountain, Name of the 4th heaven, A chief disciple of Lord Rishabhdev, A magical weapon.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर, चौथा स्वर्ग, भगवान ऋषभदेव का एक गणधर, एक विद्यास्त्र ।

माहेंद्र (देव) – *Māhemdra (Deva).*
The deities residing in the 4th heaven.
चौथे स्वर्ग में रहने वाले देव जिनकी ऊंचाई 6 हाथ एवं आयु 7 सागर की होती है ।

मिट्टीसम श्रोता – *Mittīsama Śrota.*
A type of listener like wet soil.
14 प्रकार के श्रोताओं का एक भेद; मिट्टी के समान जो श्रोता शास्त्र सुनते समय कोमल परिणामी रहते है पर बाद में कठोर हो जाते हैं ।

मित संभाषण – *Mita Saṁbhāṣaṇa.*
Worthful speech, substantial speech.
अनर्थक बहुप्रलाप रहित वचन मित है । अर्थात् सीमित, सारगर्भित वचन बोलना ।

मित्र – *Mitra.*
A friend, The 30th *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven, The 42nd chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of a presiding deity of a lunar Anuradha
दोस्त, जो निःस्वार्थ भाव से हित करे अथवा पाप से बचाए, सौधर्म स्वर्ग का 30वाँ पटल, भगवान ऋषभदेव का 42वां गणधर, अनुराधा नक्षत्र का अधिपति देवता ।

मित्रता – *Mitratā.*
Friendship, Friendliness.
दोस्ती । परस्पर स्नेहशीलता ।

मित्रनंदि – *Mitranandi.*
Name of the preceptor of *Acharya Shivkoti*, the writer of 'Bhagvati Aradhana'.
भगवती आराधना के कर्ता शिवकोटि आचार्य के गुरु ।

मित्रफल्गु – *Mitraphalgu.*
Name of the 56th chief disciple of Lord Adinath.
भगवान् आदिनाथ के 56वें गणधर का नाम ।

मित्रभाव – *Mitrabhāva*
Name of the main listener in the *Samavshran* of Lord Abhinandannath
अभिनन्दन नाथ भगवान् के समवशरण में मुख्य श्रोता का नाम।

मित्रयज्ञ – *Mitrayajña.*
Name of the 50th chief disciple of Lord Adinath
भगवान् आदिनाथ के 50वें गणधर का नाम ।

मित्रवीर्य – *Mitravirya.*
Name of main listener of Lord Sumatinath.
सुमतिनाथ भगवान् के मुख्य श्रोता का नाम ।

मित्रसेना – *Mitrasenā*
Mother's name of Lord Aranath.
अरनाथ भगवान् की माता का नाम । अपरनाम मित्रा है ।

मित्राग्नि – *Mitrāgni.*
Name of the 15th chief disciple of Lord Adinath.
भगवान् आदिनाथ के 15वें गणधर का नाम ।

मित्रानुराग – *Mitrānurāga.*
To remember the attachment of the past time, an infraction of the period of holy death.
सल्लेखना का एक अतिचार; समाधि के समय मित्रों से किये गये अथवा उनके दिये गये प्रेम की स्मृति करना ।

मिथिलापुरी – *Mithilāpurī.*
The birth place of Lord Mallinath & Naminath.
भगवान मल्लिनाथ एवं नमिनाथ का जन्म स्थान। इसे राजा जनक की राजधानी भी माना गया है ।

मिथ्या अनेकांत – *Mithya Anekānta.*
False polyviewism
सत् व असत् स्वभाववस्तु से शून्य केवल वचन विलास रूप परिकल्पित अनेक धर्मात्मक कथन मिथ्या अनेकांत है ।

मिथ्या अवधिज्ञान – *Mithyā Avadhijñāna.*
False clairvoyance.
कुअवधि या विभंग ज्ञान; जो ज्ञान मिथ्यात्व से सहित होने के कारण विपरीत स्वरूप है ।

मिथ्या अहंकार – *Mithyā Ahamkāra.*
False pride.
झूठा अभिमान; "मैं दूसरों का उपकार या अपकार करता हूँ" ऐसा मानना ।

मिथ्या उपदेश – *Mithyā Upadeśa.*
False instruction to misguide others.
अभ्युदय और मोक्ष की कारण भूत क्रियाओं में किन्ही दूसरे को विपरीत मार्ग से लगा देना या मिथ्या वचनों द्वारा दूसरों को ठगना ।

मिथ्या एकांत – *Mithyā Ekānta.*
False viewism, partial exposition.
अनेक धर्मात्मक वस्तु के किसी एक ही धर्म का कथन करके शेष सभी धर्मों का निषेध करना ।

मिथ्या कर्ता–कर्म – *Mithyā Kartā-Karma.*
A false belief, believing one as doer of physical *Karmas*.
जीव को पुद्गल कर्मों का कर्ता या परिणमन कराने वाला मानना।

मिथ्याकार – *Mithyākāra.*
A type of repentance for wrong deeds.
औधिक समाचार के10 भेदों में एक भेद, अतिचार होने रूप अशुभ परिणामों में मिथ्या शब्द कहना ।

मिथ्याज्ञान – *Mithyājñāna*
Wrong knowledge.
मिथ्यादर्शन के उदय से उत्पन्न होने वाले तीन प्रकार का अज्ञान। (कुमति, कुश्रुत, कुअवधि) ।

मिथ्याचारित्र – *Mithyācaritra.*
Wrong conduct.
निज आत्मा के अनुष्ठान के रूप में विमुखता होना अर्थात् मोक्षमार्ग से विपरीत मार्ग पर चलना ।

मिथ्या तप – *Mithyā Tapa.*
False austerity
संसार का कारणभूत तप या आत्मज्ञान शून्य तप ।

मिथ्या तापस – *Mithyā Tāpasa.*
Wrong ascetic.
सम्यक्त्व से रहित पंचाग्नि आदि मिथ्या तप करने वाला ।

मिथ्यात्व – *Mithyātva.*
Perversity, wrong faith, contrary reverence.
अज्ञानता। जीवादि पदार्थों के विषय में विपरीत श्रद्धान ।

मिथ्यात्व क्रिया – *Mithyātva Kriyā.*
Misbelief, Perverse attitude, False faith
आस्रव की 25 क्रियाओं में दूसरी क्रिया; मिथ्या देव शास्त्र गुरु की पूजा, स्तुति, भक्ति करना ।

मिथ्यात्व प्रकृति (कर्म) – *Mithyātva Prakṛti (Karma).*
Karmic nature causing false faith.
असत्य श्रद्धान उत्पन्न कराने वाला कर्म, यह दर्शन मोहनीय कर्म की एक प्रकृति है ।

मिथ्यात्व प्रत्यय – *Mithyātva Pratyaya.*
False motive or reason of *Karmic* bindings.
कर्म बंध के 5 हेतुओं में एक हेतु या निमित्त ।

मिथ्यात्वादिक – *Mithyātvādika.*
Reasons or causes of *Karmic* bindings.
कर्मबंध के हेतु; मिथ्या, अविरति, प्रमाद, कषाय, योग ।

मिथ्यादर्शन – *Mithyādarsana.*

Perverted faith. Wrong faith

अर्हन्त भगवान के द्वारा बताए गये मार्ग से विपरीत मार्ग में श्रद्धान होना

मिथ्यादर्शन क्रिया – *Mithyādarśana Kriyā.*

The approval of the activities of a wrong doer.

आस्रव की 25 क्रियाओं में 24वीं क्रिया; मिथ्यादर्शन के साधनों से युक्त पुरुष की प्रशंसा आदि करके उसे मिथ्यात्व में दृढ़ करना ।

मिथ्यादर्शन वाक् – *Mithyādarśana Vāk.*

The speech which leads to the false way or path

सत्यप्रवाद पूर्व में कथित 12 प्रकार की भाषाओं में 12वीं भाषा; मिथ्यामार्ग का उपदेश करने वाली भाषा ।

मिथ्यादृष्टि – *Mithyādṛṣṭi.*

Wrong believer, Wrong faithed.

जिनउपदिष्ट प्रवचन का श्रद्धान नहीं करने वाला। अर्थात् प्रथम गुणस्थानवर्ती जीव, जो मिथ्यादर्शन सहित है ।

मिथ्या नय – *Mithyā Naya.*

False viewism, false standpoint.

निरपेक्ष या मिथ्या एकांत का कथन करने वाले नय ।

मिथ्यान्धकार – *Mithyāndhakāra*

Darkness of ignorance.

अज्ञान-अंधकार ।

मिथ्या मत – *Mithyā Mata.*

Wrong persuasions or doctrines.

एकांत पक्ष रूप अभिप्राय, मिथ्यामत 363 हैं, क्रियावादियों के 180, अक्रियावादियों के 84, अज्ञानवादियों के 67 और वैनयिक वादियों के 32 भेद ।

मिथ्या शल्य – *Mithyā Śalya.*

False concept of religious devotion.

'अपना निरंजन दोष रहित परमात्मा ही उपादेय है' ऐसी रुचि रूप सम्यक्त्व से विलक्षण मिथ्याशल्य कहलाती है। अर्थात् मिथ्यात्व में रुचि रखते हुए व्रतों का पालन करना ।

मिथ्या श्रुतज्ञान – *Mithyā Śrutjñāna.*

False scriptural knowledge.

मिथ्यादर्शन के उदय के साथ श्रुतज्ञान मिथ्या श्रुतज्ञान कहलाता है ।

मिथ्याहंकार – *Mithyāhamkāra.*

See - *Mithyā Ahamkāra.*

देखें - मिथ्या अहंकार ।

मिथ्योपदेश – *Mithyopadesa.*

See - *Mithyā Upadesa.*

देखें – मिथ्या उपदेश ।

मिनट – *Minata.*

Minute; a time unit.

काल का एक प्रमाण। 60 सैकेंड =1 मिनट ।

मिश्र – *Miśra.*

Name of the 3rd *Gunsthan*, A fault of food and hermitage of saint, Mixed or associated one.

तीसरे गुणस्थान का नाम, आहार एवं वसतिका का एक दोष, मिला हुआ, संयुक्त, मिलाया हुआ ।

मिश्र असद्भूत व्यवहार नय –

Miśra Asadbhūta Vyavahāra Naya.

A standpoint related to inappropriate mixing of matters.

स्वजाति-विजाति द्रव्य-गुण-पर्याय का एक-दूसरे में जिस नय से आरोपण किया जाये ।

मिश्र आहारक काययोग –

Miśra Āhāraka Kāyayoga.

See - *Āhāraka Miśra Kāyayoga.*

देखें- आहारक मिश्र काययोग ।

मिश्र उपचरित असद्भूत व्यवहार नय –

Miśra Upacarita Asadbhūta Vyavahāra Naya.

A type of standpoint related to considering ownness in different objects as town, state, country etc.

राज्य, दुर्ग, नगर आदि जो बिल्कुल भिन्न मिश्र जीवाजीव पदार्थ हैं उनको जिस नय से अपना माना जाये ।

मिश्र औदारिक काययोग –

Miśra Audārika Kāyayoga.

See - *Audārika Miśra Kāyayoga.*

देखें - औदारिक मिश्र काययोग।

मिश्र काययोग – *Miśra Kāyayoga.*

Bodily activities taking place upto complete formation of body.

जब तक शरीर पर्याप्ति पूर्ण नहीं होती तब तक होने वाले काययोग को मिश्रकाययोग कहते हैं ।

मिश्र काल – *Miśra Kāla.*

The time period up to the completion of body.

जब तक शरीर पर्याप्ति पूर्ण न हो तब तक का काल ।

मिश्रकेशी – *Miśrakeśī.*

A female deity residing on *Ruchak* mountain who serves the mother of Jaina Lord.

रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी। यह चमर लेकर जिनमाता की सेवा करती है ।

मिश्र गुणस्थान – *Miśra Guṇasthāna.*

Third model spiritual stage--a mixed stage of different contradictory virtues.

तीसरा गुणस्थान; अपर नाम सम्यग्मिथ्यात्व है, इसमें जीव के परिणाम सम्यक्त्व और मिथ्यात्व से मिश्रित होते हैं ।

मिश्र दोष – *Miśra Doṣa.*

A fault of food-donation to Jain saints.

आहार के 16 उद्गम दोषों में एक दोष; प्रासुक तैयार हुआ

आहार अन्य वैयावृत्तियों तथा गृहस्थों के साथ-साथ संयमी साधुओं को भी देने का संकल्प करना मिश्र दोष है।

मिश्र द्रव्य – *Miśra Dravya.*
Mixed material.
गृहीत-अगृहीत पुद्गल द्रव्य।

मिश्र पाहुड – *Miśra Pāhuda.*
Gift with animate and inanimate object.
प्राभृत; स्वर्ण के साथ हाथी और घोड़े का उपहार रूप से भेजना।

मिश्र पूजा – *Miśra Pūjā.*
To worship Lord 'Jina', preceptors and 'Books' (scriptures)
द्रव्यपूजा का एक भेद; प्रत्यक्ष उपस्थित जिनेन्द्र भगवान् और गुरु एवं कागज आदि पर लिपिबद्ध शास्त्र की पूजा करना।

मिश्र प्रकृति – *Miśra Prakṛti.*
Karmic nature causing both right & wrong devotion.
सम्यक्-मिथ्यात्व रूप श्रद्धान या भाव उत्पन्न कराने वाला कर्म।

मिश्र भाव – *Miśra Bhāva.*
A kind of reflection related to both destruction & subsidence of *Karmas.*
क्षायोपशमिक भाव, जिसमें कर्मों का क्षय और उपशम दोनों होते हैं।

मिश्र मोहनीय – *Miśra Mohanīya.*
See - *Miśra Prakṛti.*
देखें – मिश्र प्रकृति।

मिश्र योग – *Miśra Yoga.*
Vibrations caused by the aggregates of *Karmic* molecules.
मिश्र वर्गणाओं के द्वारा होने वाला परिस्पन्दन।

मिश्र योनि – *Miśra Yoni.*
Generating place with mixed forms.
सचित्ताचित्त योनि। शीत-उष्ण, सचित्त-अचित्त या संवृत-विवृत मिली हुई गुण योनि।

मिश्र वैक्रियिक काययोग –
Miśra Vaikriyika Kāyayoga.
A kind of *Karmic* body form.
उत्पत्ति समय से लेकर अन्तर्मुहूर्त पर्यंत कार्माण शरीर की सहायता से वैक्रियिक शरीर की वर्गणाओं द्वारा जो योग होता है।

मिश्र शरीर काल – *Miśra Śarīra Kāla.*
Duration of growth time period of complete body formation.
आहार ग्रहण से शरीर पर्याप्ति तक का काल।

मिश्र शल्य – *Miśra Śalya.*
A type of internal sting.
द्रव्य शल्य के तीन भेदों में एक भेद; सचित्त एवं अचित्त दोनों प्रकार के द्रव्यों में ममत्व भाव।

मिश्रश्रद्धा – *Miśraśraddhā.*
To have right & wrong reverence or devotion
एक ही समय में तत्त्व और अतत्त्व दोनों पदार्थों की श्रद्धा होना। अर्थात् सम्यक् मिथ्यात्व रूप मिला हुआ श्रद्धान।

मिश्रानुकंपा – *Miśrānukampā.*
A type of compassion
अनुकम्पा के तीन भेदों में एक भेद, अणुव्रती अर्थात् गृहस्थों पर जो दया की जाती है।

मिश्रानुभव – *Miśrānubhava.*
A type of mixed dispositions (virtuous & vicious)
शुद्धोपयोग एवं शुभोपयोग मिश्रित या शुभ-अशुभोपयोग रूप मिश्रित संवेदन।

मिश्रोपयोग – *Miśropayoga.*
Involvement in delusive & non-delusive (pure) nature, knowledge.
राग व वीतरागता रूप परिणत उपयोग की प्रवृत्ति।

मीन – *Mīna.*
Fish, a dream mark of Lord's mother, significant symbol of the 18th Lord Arahanath
जलचर प्राणी मछली, तीर्थंकर के गर्भावतरण के पूर्व माता को दिखने वाले 16 स्वप्नों में 8वां स्वप्न, इस स्वप्न में माता को मछलियों का जोड़ा दिखता है, जिसका फल है पुत्र सुखी होगा, 18 वें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का चिन्ह।

मीनकेतु – *Mīnaketu.*
Another name for *Kamdev*-those having most lustrous & attractive body.
कामदेव।

मीना – *Mīnā.*
Name of the chief *Arvika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Suparshvanath.
तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ के समवशरण में विद्यमान 3 लाख तीस हजार आर्यिकाओं में मुख्य आर्यिका (गणिनी)।

मीनार्या – *Mīnāryā.*
See - *Mīnā.*
देखें – मीना।

मीमांसा – *Mīmāṃsā.*
Philosophical investigation or examination, Disquisition
अवग्रह के द्वारा ग्रहण किया अर्थ विशेष रूप से जिसके द्वारा मीमांसित किया जाता है अर्थात् विचारा जाता है वह मीमांसा है।

मीमांसा दर्शन – *Mīmāṃsā Darśana.*
Philosophical systems of investigation.
षट्दर्शन में एक दर्शन।

मील – *Mīla.*
Mile; a measurement unit of area
क्षेत्र का एक प्रमाण विशेष।

मुंड – *Muṇḍa.*
Controlling of sensual organs for following non-

violence.
5 इंद्रियों को वश में करना, 5 इन्द्रिय, वचन, हस्त, पाद, मन और शरीर बिना प्रयोजन काम में न लेना, यह मुंडन कहलाता है। इससे अहिंसा का पालन होता है।

मुंडन – *Muṁḍana.*
The first ceremonial shaving of a child's head. Restraining over senses, mind etc.
बच्चों के सिर मुंडाना आदि और कर्म अथवा मुंडन का अर्थ निरोध करना है। पाँच इंद्रियों का मुण्डन, वचन मुंडन, हाथ, पैर और शरीर का मुंडन तथा मन का मुंडन ये दश मुंडन हैं।

मुकुटबद्ध राजा – *Mukuṭabaddha Rāja.*
A crowned king.
मुकुटधारी राजा।

मुकुटसप्तमी व्रत – *Mukuṭasaptamī Vrata.*
A particular type of vow or fasting.
श्रावण सुदी सप्तमी का 7 वर्ष तक उपवास करना। इस दिन भगवान पार्श्वनाथ को मोक्ष प्राप्त हुआ था।

मुकुंद – *Mukuṁda.*
Name of a mountain of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).
भरत क्षेत्र के आर्य खण्ड का एक पर्वत।

मुक्त जीव – *Mukta Jīva.*
Liberated soul.
मोक्ष को प्राप्त जीव।

मुक्त जीवराशि – *Mukta Jīvarāśi.*
An infinite number of salvated beings.
अनंतानंत, द्रव्य गणना की अपेक्षा जिसकी सहनानी '3' है।

मुक्तदंत – *Muktadaṁta.*
Name of the 3rd predestined *Chakravarti* (emperor)
भावि शलाका पुरुष; तीसरे चक्रवर्ती का नाम।

मुक्तागिरि (तीर्थ) – *Muktāgiri (Tīrtha).*
Name of a *Digambar* Jaina place of pilgrimage in Baitul dist. of Madhya Pradesh from where three and a half crore *Munis* (saints) got salvation. It's another name is Medhagiri.
मध्यप्रदेश में स्थित सिद्धक्षेत्र, यहाँ से साढ़े तीन करोड़ मुनि 'मोक्ष' पधारे हैं, इसे मेढ़ागिरि भी कहते हैं।

मुक्तादाम – *Muktādāma.*
A type of wreath of pearls.
मोतियों से निर्मित मालाएं, इन्हें विमानों में लटकाकर उनकी शोभावृद्धि की जाती है।

मुक्तावली व्रत – *Muktāvalī Vrata.*
A particular kind of vow or fasting.
एक व्रत, इसमें 1, 2, 3, 4, 5, 4, 3, 2, 1 के क्रम से 25 उपवास और उपवासों के बाद पारणा की जाती है। इस प्रकार यह व्रत 34 दिनों में पूर्ण होता है।

मुक्ताशुक्ति मुद्रा – *Muktāśukti Mudrā.*
A posture with joined hands placed together and raised to pay reverence
वन्दनामुद्रावत् ही खड़े होकर, दोनों कुहनियों को पेट के ऊपर रखकर, दोनों हाथों की अंगुलियों को आकार विशेष के द्वारा आपस में संलग्न करके मुकुलित बनाना।

मुक्ताहर – *Muktāhara.*

मुक्ताहार – *Muktāhāra*
Cities in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी के नगरों के नाम।

मुक्ति – *Mukti.*
State of salvation or liberation
मोक्ष। समस्त कर्मों से रहित आत्मा की परम विशुद्ध अवस्था

मुक्तिकंत – *Muktikaṁta*
Salvated one.
सिद्ध भगवान, जो उपमा अलंकार के अनुसार मुक्तिरूपी कन्या के पति होते हैं।

मुक्तिपथ – *Muktipatha.*
Path of salvation.
परिग्रह का त्याग मुक्तिमार्ग है।

मुक्तिशिला – *Muktiśilā.*
Place of salvation.
सिद्ध शिला; ईषत् प्राग्भार अष्टम पृथ्वी के मध्य छत्र के आकार ढाई द्वीप प्रमाण गोल 45 लाख योजन व्यास की शिला। यहीं सिद्ध भगवान विराजते हैं।

मुख – *Mukha.*
The fore-part, entrance, front, mouth, face.
अग्रभाग, प्रवेश द्वार, प्रधान-मुख्य, धवला के अनुसार जीव प्रदेशों के विशिष्ट संस्थानों को मुख कहते हैं।

मुखधन – *Mukhadhana.*
Something principal.
आदि स्थान में जो प्रमाण या संख्या है वह मुखधन कहलाती है।

मुखनिर्विष ऋद्धि – *Mukhanirviṣa Ṛddhi.*
A type of super natural power of making poisonless.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से उग्र विष से मिला हुआ आहार भी जिनके मुख में जाकर निर्विष हो जाता है अथवा जिनके मुख से निकले हुए वचन के सुनने मात्र से महाविष व्याप्त भी कोई व्यक्ति निर्विष हो जाता है।

मुख मण्डप – *Mukha Maṇḍapa.*
Canopy type space in front of situated-idol of Jaina Lord.
अकृत्रिम जिनमंदिरों में गर्भ गृह जहां प्रतिमा विराजमान रहती है उसके आगे का मण्डप।

मुखमाण्ड – *Mukhamāṇḍa.*
Rein used to control the horses.
घोड़ों की लगाम, इसे घोड़ों के मुख में रखकर उन्हें नियंत्रण में

रखा जाता है।

मुखवस्त्रिका – *Mukhavastrika.*

Mouth mask used by some of the *Shvetambar* Jain saints.

श्वेताम्बर मत के कुछ साधु–साध्वियों द्वारा उपयोग की जाने वाली श्वेत मुख पट्टी।

मुखशुद्धि मुक्तकरण विधि – *Mukhaśuddhi Muktakaraṇa Vidhi.*

The process of abandoning the cleaning of mouth & teeth before taking food for a newly initiated *Digambar* Jain ascetic.

भोजन से पूर्व की जाने वाली मुखशुद्धि (मंजन आदि से) का दीक्षा के पश्चात् सदैव के लिए त्याग करने की एक विशेष विधि, दीक्षा वाले दिन दीक्षार्थी का पूर्ण उपवास (अन्न जल आदि समस्त आहार का त्याग) होता है, पुनः अगले दिन दिगम्बर जैन साधु की आहारचर्यानुसार नवधाभक्तिपूर्वक आहार ग्रहण करने हेतु नवदीक्षित साधु अपने गुरु के साथ आहारचर्या को निकलते हैं। इस आहारचर्या से पूर्व गुरु द्वारा उन्हें काष्ठासन पर बैठाकर मुखशुद्धि मुक्तकरण नाम की विधि कराई जाती है। इस विधि के अनुसार तीन, पाँच अथवा तेरह कटोरियों में लवंग, इलायची आदि से प्रासुक जल को सामने रखकर सिद्धभक्ति, योगिभक्ति, आचार्यभक्ति, शान्तिभक्ति पढ़कर नवदीक्षित को गुरु उक्त जल के द्वारा मुखशुद्धि अर्थात् कुल्ला कराते हैं, पुनः हमेशा के लिए भोजन से पूर्व की जाने वाली मुखशुद्धि का त्याग करा देते हैं। यद्यपि यह विधि वर्तमान मे प्रचलित नहीं है, लेकिन शास्त्रों में दीक्षाविधि के अन्तर्गत यह विधि वर्णित है। जैसे– "त्रयोदशसु पंचसु त्रिषु वा कच्चोलिकासु लवग एला पूगिफलादिकम् निक्षिप्य . . . ।

मुखस्थ कमल – *Mukhastha Kamala.*

A type of meditaion, to establish 'Saa' (a mystic word) into the mouth.

पदस्थ ध्यान की प्रक्रिया के अंतर्गत एक क्रिया, मुख स्थित कमल जहां पंचाक्षरी मन्त्र (असिआउसा) के 'सा' को स्थापित किया जाता है।

मुख्य – *Mukhya.*

Main, Prime.

प्रधान, प्रासंगिक।

मुख्यकाल – *Mukhyakāla*

A type of prime period of time

वर्तना लक्षण काल का प्रथम भेद; गौण काल की प्रवृत्ति इसी काल के कारण होती है।

मुख्य गणधर – *Mukhya Gaṇadhara.*

Head of the chief disciples of Lord.

तीर्थंकर के प्रधान शिष्य, जो दिव्यध्वनि का सार द्वादशांग श्रुत के रूप में जगत को प्रदान करते हैं।

मुख्य गौण व्यवस्था –

Mukhya Gauṇa Vyavasthā.

Something intended and non-intended.

स्याद्वाद शैली अथवा प्रक्रिया; दो धर्मों में जो प्रधान होता है वह मुख्य कहलाता है और जो अप्रधान होता है वह गौण कहलाता है।

मुख्य धर्मध्यान – *Mukhya Dharmadhyāna*

A type of righteous meditation: mental metaphysical involvement

धर्मध्यान के दो भेदों (मुख्य और उपचार) में एक भेद, आध्यात्मिकता की ओर मन को एकाग्र करना। इसे निश्चय ध्यान भी कह सकते हैं।

मुख्य मंगल – *Mukhya Maṁgala*

Eulogical hymn of Lord Jinendra for auspiciousness

ज्ञानियों द्वारा शास्त्र के आदि, मध्य व अन्त में विघ्न निवारण के लिए किया जाने वाला जिनेन्द्र देव का गुणस्तवन

मुण्डन क्रिया – *Muṇḍana Kriyā.*

A type of auspicious and sacred activity, head shaving

12वीं गर्भान्वय क्रिया, चौल कर्म–केशवाय कर्म। शिशु के मंत्र आदि की विधि द्वारा सिर मुण्डन कराना।

मुद्‍गा – *Mudga.*

Moong, a variety of pulse

मूँग, एक प्रकार का अन्न।

मुद्रा – *Mudrā.*

Posture of meditation for performing religious observances.

वंदना या ध्यान सामायिक आदि करते समय मुख व शरीर की जो निश्चल आकृति की जाती है उसे मुद्रा कहते हैं। यह जिनमुद्रा, योगमुद्रा, वंदनामुद्रा, मुक्ताशुक्ति मुद्रा इस प्रकार चार भेद वाली है।

मुद्राकर्म – *Mudrākarma.*

An illustration to explain some religious thought, pre-marking of something.

अनुयोग के निरुक्ति अर्थ के 5 दृष्टांतों में एक दृष्टांत, लकड़ी से कोई वस्तु तैयार करने के पहले लकड़ी के ऊपर जो रंग भरी डोरी से चिन्ह कर दिया जाता है।

मुनि – *Muni.*

The Jaina saint—one having *Jaineshvari Diksha* (Jaina-initiation).

सामान्य रूप से निर्ग्रन्थ साधुओं को भी मुनि कहा जाता है। चारित्रसार ग्रंथ में ऋषि, मुनि, यति आदि भेदों के द्वारा मनःपर्ययज्ञानी व केवलज्ञानी को भी मुनि कहा है।

मुनिगुप्त – *Munigupta.*

मुनिदत्त – *Munidatta.*

मुनिदेव – *Munideva.*

The chief disciples of Lord Adinath

भगवान आदिनाथ के गणधरों के नाम।

मुनिधर्म – *Munidharma.*

Prescribed basic observances for Jaina saints.

दिगम्बर जैन मुनियों द्वारा 28 मूलगुणों को धारण करना।

मुनि प्रायश्चित (शास्त्र) – *Muni Prāyaścitta (Śāstra).*
Name of a treatise written by *Acharya* Indranandi
आचार्य इन्द्रनन्दि (ई.श. 10-11) की एक रचना, जिसमें साधुओं के दोषों व शक्ति के अनुसार प्रायश्चित्त देने की विधि का वर्णन है ।

मुनिभद्र – *Munibhadra.*
Name of an *Acharya.*
एक आचार्य (ई. सन् 1350-1390) जिनके शिष्य ने परमात्मप्रकाश ग्रंथ पर कन्नड टीका लिखी है ।

मुनि भेद – *Muni Bheda.*
Classification of saints.
5 भेद, पुलाक, बकुश, कुशील, निर्ग्रंथ, स्नातक ।

मुनिमार्ग – *Munimārga.*
The prescribed auspicious path for saints.
इसके दो भेद हैं; उत्सर्ग–शुद्धोपयोग रूप परम वीतराग संयम हो, अपवाद–जहां शुद्धोपयोग के बाहरी साधनों का व्यवहार हो या शुभोपयोग रूप सराग संयम हो ।

मुनियज्ञ – *Muniyajña.*
See - *Munigupta.*
देखें - मुनिगुप्त ।

मुनि लिंग – *Muni Linga.*
A nude saint (having abandoned all worldly attachments).
शास्त्र कथित जिनेन्द्र भगवान जैसा मुनि रूप ।

मुनिसुव्रतनाथ – *Munisuvratanātha.*
Name of the 20th Jaina-Lord
जैनधर्म के 20वें तीर्थंकर, राजा सुमित्र माता सोमा के पुत्र, आयु 30 हजार वर्ष शरीर की ऊंचाई बीस धनुष, रंग मयूरकंठ के समान नीला, इनकी जन्मनगरी राजगृही (नालंदा–बिहार) है यहीं इनके चार कल्याणक (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान) हुए तथा सम्मेदशिखर से मोक्ष गये हैं ।

मुनिसुव्रत पुराण – *Munisuvrata Purāṇa.*
Name of a treatise written by Brahmachari Krishnadas
ब्र. कृष्णदास (ई. 1624) कृत 3025 श्लोक प्रमाण संस्कृत काव्य ।

मुमुक्षु – *Mumukṣu.*
Those desirous of salvation or liberation.
मोक्ष की इच्छा करने वाले भव्य जीव। समयसार में निर्ग्रन्थ दिगम्बर मुनियों को मुमुक्षु कहा है ।

मुरजमध्य व्रत – *Murajamadhya Vrata.*
A particular type of vow or fasting.
क्रमशः 5, 4, 3, 2, 2, 3, 4, 5 इस प्रकार 28 उपवास करना बीच के सभी खाली स्थानों में एक–एक करके 8 पारणाएं करना।

मुरब्बा – *Murabbā.*
Jam, preserved fruit (not-edible according to Jaina philosophy).
सधान (अचार आदि) जो त्रस जीवों से संमिश्रित होने से अभक्ष्य अर्थात् खाने योग्य नहीं है ।

मुरुण्डवंश – *Muruṇḍavaṁśa.*
Name of a dynasty (Maurya) initiated by Chandragupt Maurya.
मौर्य या मुरुण्डवंश जिसकी स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी ।

मुष्टिविधान व्रत – *Muṣṭividhāna Vrata*
A particular kind of vow of worshiping the Lord Arihant.
प्रतिवर्ष भादों, माघ व चैत्र मास में अर्थात् तीनों सोलहकारण पर्वों में कृ.1 से शु. 15 तक पूरे–पूरे महीने प्रतिदिन 1 मुष्टि प्रमाण शुभ द्रव्य भगवान् के चरणों में चढ़ाकर अभिषेक व चतुर्विंशति जिन पूजन करना। साथ ही 'ॐ ह्रीं वृषभादिवीरान्तेभ्यो नमः' इस मंत्र का त्रिकाल जाप्य करना ।

मुहूर्त – *Muhūrta.*
48 minutes, a time unit, Auspicious time
शुभ समय, दो घड़ी, 48 मिनिट या 70 लव प्रमाण काल ।

मू – *Mū.*
Symbol for 'Mula' (original).
मूल की सहनानी ।

मूक – *Mūka.*
To be dumb, mute, silent.
गूंगा, मौन, वाक्शून्यता ।

मूककेवली – *Mūkakevalī.*
Silent omniscient (having without resonant sound).
कोई–कोई केवली उपदेश नहीं देते अर्थात् दिव्यध्वनि नहीं खिरती उन्हें मूककेवली कहते हैं ।

मूक दोष – *Mūka Doṣa.*
A fault committed while paying reverence to Lord
वंदना के 32 दोषों में एक दोष; मन-मन में पढ़ना ताकि दूसरा न सुने अथवा वन्दना करते करते बीच–बीच में इशारे करना ।

मूक संज्ञा – *Mūka Saṁjñā.*
An infraction of meditative relaxation or posture of meditation.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार। गूंगे की भांति हुंकार करते हुए खड़े होना, अंगुली से किसी वस्तु की ओर संकेत करते हुए खड़े होना।

मूडबिद्री – *Mudabidri.*
Name of a great Jaina pilgrimage situated in Karnatak state.
दक्षिण के कर्नाटक देश में स्थित एक तीर्थ, यहां रत्नबिम्ब व धवलादि ग्रंथ कन्नड़ी लिपि में हैं ।

मूढ़ – *Mūḍha.*
Ignorant, a stupid person.
अज्ञानी, देह को आत्मा मानने वाला, द्रव्य गुण पर्यायों से तत्त्व की अप्रतिपत्ति होना, मोहित, मूढ़बुद्धि से हीन ।

मूढ़ता – *Mūṛhatā.*
Ignorance. Stupidity
अज्ञानता, तत्वों के यथार्थ ज्ञान में बाधक कुदृष्टि। इसके तीन भेद हैं- देवमूढ़ता, गुरुमूढ़ता, लोकमूढ़ता।

मूढ़शिष्य – *Mūṛhaśiṣya.*
An ignorant disciple
अज्ञानी, अविवेकी शिष्य जिसे उपदेश देना व्यर्थ होता है।

मूढ़ श्रोता – *Mūṛha Śrotā.*
A foolish or ignorant listener
अयोग्य मूर्ख श्रोता, जिसे सन्मार्ग का उपदेश कोप का कारण बनता है।

मूत्र – *Mūtra*
Urine, the waste liquid collected in urinary bladder.
लघुशंका, पेशाब।

मूर्ख श्रोता – *Murkha Śrota.*
Stupid listener, See - *Mūrha Śrota*
श्रोता का एक प्रकार। देखें-मूढ़ श्रोता।

मूर्च्छन – *Murcchana.*
A type of birth by spontaneous generation
तीनों लोकों के ऊपर, नीचे और तिरछे देह का चारों ओर से ग्रहण होना अर्थात् चारों ओर से पुद्गलों का ग्रहण करके अवयवों की रचना होना, इसी को संमूर्च्छन जन्म कहते हैं

मूर्च्छा – *Mūrcchā.*
Unconsciousness, Delusion, Attachment, Worldly involvement
बेहोशी, मोह, जैनागमानुसार 'मूर्च्छा' परिग्रह या ममत्व भाव है।

मूर्छित – *Mūrchita.*
Unconscious one, Beings with delusion & passions.
बेहोश, मोही, मिथ्यादृष्टि जीव, जो देह कुटुम्बादि को अपना माने।

मूर्त – *Mūrta.*
Sensually acceptable matters, Corporeal, tangible
जो पदार्थ जीवों के इन्द्रियग्राह्य विषय हैं वे मूर्त हैं अथवा रूप, रस आदि गुणों का पिण्ड मूर्त है।

मूर्तत्व – *Mūrtatva.*
Corporeality, Materiality, Tangibility.
मूर्तिकपना; स्पर्श, रस, गंधादिपना होना।

मूर्ति – *Mūrti.*
Lord idol, An image.
स्थापना निक्षेप से किसी का स्वरूप समझने के लिये उसकी तदाकार मूर्ति बनाना।

मूर्तिक पदार्थ – *Mūrtika Padārtha.*
Tangible matters, which can be touched, tasted & felt etc.
रूपी पदार्थ जिसमें स्पर्श, रस, गंध, वर्ण गुण पाये जाते हैं।

मूल – *Mūla*
Name of a lunar, Original, Real, basic
एक नक्षत्र, मुख्य, जड़, वास्तविक।

मूलक – *Mūlaka.*
Name of a country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र आर्य खण्ड का एक देश।

मूल क्रिया – *Mūla Kriyā.*
Fundamental operations or activites
प्रधान आवश्यक कार्य

मूलगुण – *Mūlaguṇa.*
Basic restraints or virtues of devotees, saints etc
श्रावक, साधु आदि के मूलभूत नियम एवं मुख्य गुणों को मूलगुण कहते हैं। श्रावक के 8 (देखें–अष्टमूलगुण) एवं साधुओं के 28 मूलगुण (5 महाव्रत, 5 समिति, 5 इन्द्रियनिरोध, 6 आवश्यक, 7 विशेष-आचेलक्य, केशलोंच, भूमिशयन, अस्नान, अदंतधावन, खड़े होकर भोजन करना, एक बार भोजन करना) होते हैं।

मूलगुण निर्वर्तना – *Mūlaguṇa Nirvartanā.*
Formation of complete body
अधिकरण का एक भेद; शरीर, वचन, मन, श्वासोच्छ्वास बनना।

मूल प्रलंब – *Mūla Pralamba.*
Bulbs, Roots and tuber.
प्रलंब के दो भेदों में एक भेद; कन्दमूल और अंकुर जो भूमि में प्रविष्ट हुए हैं उनको मूलप्रलम्ब कहते हैं। प्रलम्ब शब्द का अर्थ वनस्पति से संबंधित ग्रहण करना चाहिए।

मूल प्रायश्चित्त – *Mūla Prāyaścitta.*
A special punishment for a saint—Re-initiation
किसी दोष विशेष में युक्त साधु को पुनः दीक्षा देना मूल प्रायश्चित्त कहलाता है।

मूल बीज – *Mula Bīja*
Root - seeds.
वनस्पति, जिनका मूल अर्थात् जड़ ही बीज हो (जो जड़ के बोने से उत्पन्न होती हैं) वे मूल बीज कही जाती हैं।

मूलराशि – *Mūlarāśi.*
Principal amount.
जिस राशि में अन्य राशि को जोड़ा या घटाया जाये।

मूलवर्ण – *Mulavarṇa.*
The basic 64 syllables.
मूल 64 अक्षर जो अनादि से जिनागम में प्रसिद्ध हैं।

मूलसंघ – *Mulasaṃgha*
An ancient group of *Digambar* Jain saints (associated after the salvation of Lord Mahavira)
दिगम्बर जैन साधुओं का प्राचीन संघ; जिनमें आचार्यों की पट्टावली में प्रथम श्री कुंदकुंद आचार्य का नाम लिया जाता है।

मूलस्थान – *Mūlasthāna.*
A fault of a saint (using article without purifying it). Past name of present city Multan in Punjab.
दोष, आहार, पिच्छी, कमंडलु और वसतिका आदि को शोधन किये बिना ही साधु द्वारा इनका प्रयोग करना, पंजाब का वर्तमान मुलतान नगर ।

मूलस्थान प्रायश्चित्त – *Mūlasthāna Prāyaścitta.*
A repentance of a saint caused due to indisciplined activities.
अपरिमित दोष या स्वच्छंद होकर कुमार्ग में प्रवृत्ति करने वाले साधु को दिया जाने वाला प्रायश्चित्त ।

मूलाचार – *Mūlācāra.*
Name of a treatise written by *Acharya* Kund Kund containing the code of conduct of *Digambar Jain* saints.
आचार्य श्री कुन्द-कुंद (अपरनाम-वट्टकेर) द्वारा प्राकृत गाथाओं में निबद्ध दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों की आचार-संहिता का वर्णन करने वाला ग्रंथ। श्री वसुनंदि आचार्य (ई.श. 11-12) द्वारा इसकी संस्कृत टीका लिखी गयी है। गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने मूलाचार की गाथा एवं टीका पर हिन्दी टीका ई. सन् 1975-76 में लिखी। इस हिन्दी टीका से समन्वित मूलाचार ग्रंथ (दो भागों में) का प्रकाशन भारतीय ज्ञानपीठ नामक संस्था से हुआ है ।

मूलाचार प्रदीप – *Mūlācāra Pradīpa.*
Name of a book written by *Acharya* Sakalkirti.
आचार्य सकलकीर्ति (ई. 1424) कृत मुनियों के चारित्र सम्बन्धी एक ग्रंथ ।

मूलाराधना – *Mūlārādhanā.*
The other name of the treatise 'Bhagvati Aradhana'.
भगवती आराधना ग्रंथ का अपरनाम ।

मूलाराधनादर्पण – *Mūlārādhanādarpaṇa.*
Name of a commentary book written by *Pandit* Ashadharji on 'Bhagvati Aradhana'.
भगवती आराधना नामक ग्रंथ पर पं. आशाधरजी द्वारा रचित एक टीका ।

मूलोत्तर प्रकृति – *Mūlottara Prakṛti.*
Basic sub-*karmic* nature which are 148 in number.
कर्मों की ज्ञानावरणादि 8 मूलप्रकृति एवं इनके उत्तरभेद 148 मूलोत्तर प्रकृति कहलाती हैं ।

मूसल – *Mūsala.*
A measurement unit of area. A club.
क्षेत्र का एक प्रमाण विशेष। अपरनाम धनुष, नाली, दंड, धान कूटने का मोटा डंडा, एक अस्त्र ।

मृक्षित दोष – *Mṛkṣita Doṣa.*
An obstacle related to the food of saints (offering food with oily hands or spoon etc.).
आहार का एक दोष, घी-तेल आदि चिकने पदार्थ से लिप्त हाथ या चम्मच आदि के द्वारा साधु को आहार देना ।

मृग – *Mṛga.*
A deer, the significant symbol of Lord Shantinath.
हिरण, सोलहवें तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान का चिन्ह ।

मृगचारित – *Mṛgacārita.*
Unrestrained saints (who take decisions by themselves).
जो साधु अकेले ही स्वच्छंद रीति से विहार आदि करते हैं ।

मृगशिरा – *Mṛgaśirā.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र; इसका अधिपति देवता सोम एवं आकार हिरण के सिर के समान है। भगवान संभवनाथ का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था ।

मृगशीर्ष – *Mṛgaśīrṣa.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र का नाम ।

मृगारिदमन – *Mṛgāridamana.*
A king of *Rakshas* dynasty.
राक्षसवंश का एक विद्याधर राजा ।

मृगावती – *Mṛgāvatī.*
Mother's name of 1st *Narayan* Triprashth.
प्रथम नारायण 'त्रिपृष्ठ' की माता का नाम। वैशाली के राजा चेटक की 7 पुत्रियों में से एक भगवान महावीर की मौसी ।

मृत शरीर – *Mṛta Śarīra.*
Dead body.
शव ।

मृतसंजीवनी – *Mṛtasaṁjīvanī.*
A type of super knowledge of mystic words.
एक मन्त्र विद्या ।

मृत्तिका नयन यंत्र – *Mṛttikā Nayana Yaṁtra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
48 यंत्रों में एक; जिसमें मृत्तिका नयन मंत्र के अक्षर, शब्द मंत्रों की रचना कोष्ठक आदि बनाकर चित्रित की जाती है ।

मृत्तिकाभक्षण दण्ड – *Mṛttikābhakṣaṇa Daṇḍa.*
A type of punishment to cause the wrong doer to eat soil.
दंड व्यवस्था का एक भेद; अपराधी को दंड स्वरूप मिट्टी का भक्षण कराया जाना ।

मृत्तिका सम श्रोता – *Mṛttikā Sama Śrotā.*
See - *Miṭṭī Sama Śrotā.*
देखें – मिट्टी सम श्रोता ।

मृत्युंजय यंत्र – *Mṛtyuñjaya Yaṁtra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
48 यंत्रों में एक यंत्र; जिसमें मृत्युंजय मंत्र के अक्षर, शब्द, मंत्रों

की रचना कोष्ठक आदि बनाकर चित्रित की गई है।

मृत्यु – *Mṛtyu.*
Death.
मरण; जीवों के प्राणों का विसर्जन या जीव का निष्प्राण हो जाना।

मृत्यु आशंका – *Mṛtyu Āśaṁkā.*
To wish for early death due to severe pain (an infraction of holy death of a saint)
मरणाशंसा - यह सल्लेखनाव्रत का दूसरा अतिचार है। पीड़ा से व्याकुल होकर शीघ्र मरने की इच्छा करना।

मृत्युभय – *Mṛtyubhaya.*
The fear of death
सात भयों में एक भय; मरने से डरना।

मृदंग – *Mṛdaṁga.*
A drum, a double drum
एक मांगलिक वाद्य; इसका खोल मिट्टी से निर्मित होने के कारण इसे मृदंग कहते हैं।

मृदंगमध्य व्रत – *Mṛdaṁgamadhya Vrata.*
A particular type of fasting.
एक व्रत जिसमें क्रमशः 2, 3, 4,5 4, 3, 2 उपवास एवं बीच के खाली दिनों में पारणा की जाती है। इसमें 23 उपवास 7 पारणाएँ की जाती हैं।

मृदंगाकार – *Mṛdaṁgākāra.*
Truncated biconical shape, Drum-shaped.
मृदंग के आकार का; ऊर्ध्वलोक का आकार मृदंग के समान है।

मृदु भाषण – *Mṛdu Bhāṣaṇa.*
Soft and sweet speech.
मधुर एवं विनम्र वचन का उपदेश, भाषा समिति; प्रिय, मधुर या हितकारी वचनों का प्रयोग करना।

मृषानंद – *Mṛṣānaṁda.*
Falsity, enjoying with resolution of cheating others.
रौद्र ध्यान का एक भेद; दूसरों को ठगने के लिए झूठ बोलने के संकल्प का बार-बार चिंतवन करना।

मृषापाप – *Mṛṣāpāpa.*
To speak a lie, a sin.
5 पापों में दूसरा पाप–असत्य भाषण या झूठ बोलना।

मृषा योग – *Mṛṣā Yoga.*
False state of mental or vocal activities.
असत्य मनोयोग एवं वचनयोग।

मृषावाद – *Mṛṣāvāda.*
False word or utterance, Untruism, A false theory.
असत्य कहना।

मेखलापुर – *Mekhalāpura.*
A city in the southern *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर।

मेघंकरा – *Meghaṁkarā.*
A female divinity of the summit of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत के कूट की दिक्कुमारी देवी।

मेघंकरी – *Meghaṁkarī*
The female divinity of *Nandankut* (a summit) of *Nandan* forest
नन्दनवन के नन्दनकूट की स्वामिनी एक दिक्कुमारी देवी।

मेघ – *Megha.*
Name of the 20th *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven. Clouds, Name of kings of *Yadu* and *Rakshas* dynasties
सौधर्म स्वर्ग का 20वाँ पटल, बादल; जो संभवनाथ भगवान, विमलनाथ भगवान व अभिनंदननाथ भगवान के वैराग्य का कारण है, यदु (यादव) वंश एवं राक्षसवंश के राजाओं का नाम।

मेघकूट – *Meghakūṭa.*
See - *Mekhalāpura.*
देखें – मेखलापुर।

मेघचंद्र – *Meghacaṁdra.*
Name of many Jain *Acharyas.*
कई जैनाचार्यों के नाम। नंदिसंघ बलात्कार गण में माणिक्य नंदि के शिष्य तथा शांति कीर्ति के गुरु (समय–शक 601–627). नंदीसंघ देशीयगण में सकलचन्द्र के शिष्य वीरनंदि तथा शुभचंद्र के गुरु (समय ई. 1020–1110)।

मेघचंद्र त्रैविद्य – *Meghacaṁdra Traividya*
Name of *Acharyas* of *Nandi* group
नन्दिसंघ देशीयगण के आचार्यों का नाम। ज्वालामालिनी सारसमुच्चय के रचयिता आचार्य (समय–ई. 935–999)।

मेघचारण ऋद्धि – *Meghacāraṇa Ṛddhi.*
A type of super natural power (moving on clouds)
चारण ऋद्धि का एक भेद; जिसके प्रभाव से मुनि अप्कायिक जीवों को पीड़ा न पहुँचाकर मेघों पर से गमन करते हैं।

मेघनाद – *Meghanāda.*
Son of the king 'Meghvahan' of Gaganvallabh city, Past birth name of the 1st chief disciple of Lord Shantinath, A son of Ravan.
गगनवल्लभ नगर के राजा मेघवाहन का पुत्र, शांतिनाथ भगवान के प्रथम गणधर के छठे पूर्वभव का जीव, रावण का पुत्र (अपरनाम–इन्द्रजीत)।

मेघमाल – *Meghamāla.*
Name of a city in northern *Vijayardha* mountain, Name of a *Vakshar* mountain situated in western *Videh* (a region).
विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का नगर, अपर विदेह स्थित एक वक्षार पर्वत।

मेघमाला व्रत – *Meghamālā Vrata.*
A particular type of vow or fasting.

एक व्रत जो भादो कृ. 1 से आश्विन कृ. 1 तक किया जाता है। इसकी विशेष विधि व्रत विधान संग्रह में देखें।

मेघमालिनी – *Meghamālini.*

A ruling female divinity of *Himkut* (a summit) of *Nandan* forest.

नन्दनवन के हिमकूट की स्वामिनी दिक्कुमारी देवी।

मेघरथ – *Megharatha.*

Past birth name of Lord Shantinath

पुष्कलावती देश में पुण्डरीकिणी नगरी के राजा धनरथ का पुत्र जो शान्तिनाथ भगवान के पूर्व का दूसरा भव है।

मेचक – *Mecaka*

Soul with different stages

अनेक अवस्था रूप होना जैसे आत्मा कथंचित् मेचक है

मेढासम श्रोता – *Medhāsama Śrota*

See - *Meṣasama Śrota.*

देखें – मेषसम श्रोता।

मेद – *Meda.*

Fats

औदारिक शरीर की धातु विशेष। चर्बी।

मेदार्य – *Medārya.*

Name of the 10th chief disciple of Lord Mahavira.

तीर्थंकर महावीर के 10वें गणधर का नाम।

मेधा – *Medhā.*

Mental power, intelligence, judgement power.

बुद्धि, धारणा शक्ति, जिसके द्वारा पदार्थ जाना जाता है उस अवग्रह का नाम मेधा है।

मेधावी – *Medhāvī.*

Wise, intelligent, Name of a disciple of Jinchandra *Bhattarak* who wrote a treatise 'Dhama Sangrah Shravakachara.

बुद्धिमान, भट्टारक जिनचन्द्र के शिष्य एवं धर्म संग्रहश्रावकाचार के कर्ता (ई. सन् 1482–1484)।

मेमंदर पुराण – *Memamdara Purāṇa.*

Name of a treatise written by Vaman Muni

ई.श. 12–13 में हुए तमिल कवि 'वामन मुनि' द्वारा रचित ग्रंथ।

मेय – *Meya.*

Measurable substances.

मेय, देश, तुला, काल चतुर्विध मानों में एक भेद; प्रस्थ आदि के द्वारा मापने योग्य वस्तु मेय कहलाती है।

मेरक – *Meraka.*

Name of the 3rd *Pratinarayan.*

तीसरा प्रतिनारायण, मेरक और मधु इसके अपरनाम थे।

मेरु – *Meru.*

Name of the chief disciples of Lord Adinath & Lord Vimalnath, Name of a king of *Vanar* dynasty.

भगवान् आदिनाथ एवं विमलनाथ भगवान् के गणधरों का नाम वानर देश का एक राजा का नाम

मेरुधन – *Merudhana*

Name of a chief disciple of Lord Adinath.

भगवान् आदिनाथ के एक गणधर का नाम।

मेरुपंक्ति व्रत – *Merupaṁkti Vrata.*

A particular type of fasting.

5 मेरु संबंधी 80 चैत्यालयों के व्रत इसमें 80 उपवास और 20 वन संबंधी 20 बेला किए जाते हैं।

मेरुषेणा – *Meruṣeṇā.*

Name of main *Aryika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Abhinandan-nath.

तीर्थंकर अभिनन्दननाथ के संघ की 3 लाख 30 हजार 6 सौ आर्यिकाओं में प्रधान (गणिनी) आर्यिका।

मेषसम श्रोता – *Meṣasama Śrotā.*

A type of silly listener

श्रोता का एक प्रकार, जो मेढे के समान टकटकी लगाकर देखते हुए सुनता है किन्तु अज्ञानतावश कुछ ग्रहण नहीं कर पाता।

मेहेसरचरिउ – *Mehesaracariu.*

Name of a book

सुलोचना चरित्र विषयक अपभ्रंश भाषा का एक ग्रंथ।

मैत्रीभाव – *Maitribhāva.*

Friendly or amicable nature.

मैत्री, प्रमोद, कारुण्य, माध्यस्थ इन 4 भावनाओं में प्रथम भावना, प्राणिमात्र के प्रति मैत्रीभाव रखना।

मैथिलीकल्याणम् – *Maithilīkalyāṇam.*

Name of a book related to Ram & Sita.

सीता-राम प्रेम नाटक विषयक एक ग्रंथ।

मैथुन – *Maithuna.*

Copulation, Sexual intercourse.

स्त्री और पुरुष के मन, वचन व कायस्वरूप विषय व्यापार को मैथुन कहते हैं।

मैथुनशाला – *Maithunaśālā.*

Name of a palace of some deities.

ज्योतिष देवों के प्रासादों में एक प्रासाद, भवनवासी देवों के भवनों में एक गृह।

मैथुन संज्ञा – *Maithuna Saṁjñā.*

Sex instinct.

4 संज्ञाओं में एक संज्ञा; मैथुनरूप क्रियाओं में होने वाली इच्छा।

मैनासुंदरी – *Maināsumdarī.*

Name of a great pious lady in the Jaina history.

राजा पहुपाल की पुत्री, जिसे क्रोध के वश पिता ने श्रीपाल कुष्ठी के साथ विवाह दी। गंधोदक द्वारा पति का कुष्ठ दूर किया और अंत में दीक्षा ली।

मोक्ष – *Mokṣa.*

State of salvation or liberation.

समस्त कर्मों से रहित आत्मा की परम शुद्ध अवस्था।

मोक्षपाहुड – *Mokşapāhuḍa.*
Name of a treatise written by *Acharya* Kund-Kund.
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127 – 179) कृत एक ग्रंथ ।

मोक्ष पुरुषार्थ – *Mokşa Puruşārtha*
Reverential austerities for getting salvation
मोक्ष प्राप्ति के लिए किया जाने वाला तप आदि जो कि साक्षात् कल्याणप्रद है ।

मोक्षमार्ग – *Mokşamārga*
Path of salvation (having right faith, right knowledge & right conduct)
सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान व सम्यक्चारित्र इन तीनों की एकता मोक्षमार्ग है ।

मोक्षमार्ग प्रकाशक – *Mokşamārga Prakāśaka.*
Name of a book written by *Pandit* Todarmalji
पं. टोडरमल जी द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

मोक्षशास्त्र – *Mokşaśāstra.*
Name of a treatise written by *Acharya* Umasvami.
आचार्य उमास्वामी (ई.स. 179 – 243) कृत एक ग्रंथ का नाम। यह जैनधर्म का सारभूत ग्रंथ है और इस पर अनेक आचार्यों द्वारा अनेक टीकाएं लिखी गई ।

मोक्षसप्तमी व्रत – *Mokşasaptamī Vrata.*
A famous fasting of Jainas to be observed for 7 years.
7 वर्ष पर्यन्त प्रतिवर्ष श्रावण शु. 7 (पार्श्वनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक दिवस) को उपवास करना ।

मोड़ेवाली गति – *Moṛevālī Gati.*
Transmigratory motion of soul
विग्रहगति, पाणिमुक्ता, लांगलिका, गोमूत्रिका ये तीनों मोड़े वाली गति हैं ।

मोतीसागर (क्षुल्लक) – *Motīsāgara (Kşullaka).*
Name of a devoted disciple of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji, who is as the founder of Jambudvip construction at Hastinapur and till today he is providing his valuable guidance & direction in the protection as well as development of the Jaina heritage as the *Peethadhish* of Jambudvip-Hastinapur.
गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के एक प्रमुख शिष्य; सन् 1967 में ब्र. मोतीचंद के रूप में पूज्य माताजी के शिष्य बने, जंबूद्वीप रचना (हस्तिनापुर) के निर्माण में प्रमुख स्तंभ के रूप में इनकी भूमिका रही, जम्बूद्वीप ज्ञानज्योति रथ का भारत भ्रमण करवाया तथा सन् 1987 में क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की। 2 अगस्त सन् 1987 (श्रावण शु. 7) को गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी ने इन्हें दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, जम्बूद्वीप–हस्तिनापुर की धर्मपीठ के पीठाधीशपद पर आसीन किया। इन्हें 'क्षुल्लकरत्न' की उपाधि प्राप्त है। ये अपनी क्षुल्लक चर्या को निर्दोष पालते हुए, पैसा और चाबी न रखते हुए भी संस्था की समस्त गतिविधियों में अपना कुशल निर्देशन प्रदान करते हैं। जंबूद्वीप के साथ–साथ समस्त तीर्थक्षेत्रों–तपस्थली (प्रयाग), कुण्डलपुर (नालंदा–बिहार), मांगीतुंगी (महाराष्ट्र), अयोध्या आदि के विकास में आपका सफल निर्देशन सदैव प्राप्त हुआ है एवं पूज्य माताजी की प्रेरणा से सम्पन्न होने वाले प्रत्येक कार्य में आपकी अहम् भूमिका रहती है ।

मोद क्रिया – *Moda Kriyā.*
An auspicious activity related to the birth of a child
गर्भाधान के नवमें महीने में गर्भ की पुष्टि के लिए पुनः पूर्वोक्त विधान करके, स्त्री को गात्रिका–बन्ध, मंत्रपूर्वक बीजाक्षर लेखन व मंगलाभूषण पहनाना ।

मोष – *Moşa.*
Stealing.
चोरी ।

मोषवचन – *Moşavacana*
Speech causing stealing.
असत्य वचन, चोरी में प्रवृत्ति कराने वाले वचन ।

मोह – *Moha.*
Delusion, Attachment
सांसारिक वस्तुओं में ममत्व या मूर्छा भाव ।

मोहज भाव – *Mohaja Bhāva*
Disposition caused by delusion
मोह से उत्पन्न होने वाले औदयिक भाव ।

मोहन – *Mohana.*
A king of *Pakshas* dynasty, A power attracting others, Charm.
पक्षस वंशी एक विद्याधर राजा, एक विद्याशास्त्र–जो व्यक्ति को मुग्ध करता है, आकर्षण ।

मोहनीय कर्म प्रकृति – *Mohanīya Karma Prakṛti.*
Karmic nature of delusion
8 कर्मों में चौथा कर्म, जिस कर्म के उदय से जीव हित–अहित के विवेक से रहित होता है ।

मोह विवेक युद्ध – *Moha Viveka Yuddha.*
Name of a book.
एक ग्रंथ का नाम ।

मौक्तिक प्रशस्त निदान – *Mauktika Praśasta Nidāna.*
To desire for the state of omniscience.
कर्म नाश, संसार के दुःखों की हानि व केवलज्ञान का इच्छा रूप निदान ।

मौक्तिकहारावलि – *Mauktikahārāvali.*
Wreath of pearls
गोल और आकार में बड़े मोतियों से गूंथा गया एक लड़ी का हार।

मौखर्य – *Maukharya.*
Talkativeness, Useless talk, garrulity.
अनर्थदण्ड विरति व्रत का एक अतिचार; वृथा बहुत बकवास करना ।

मौद्गलायन – *Maudgalāyana.*
Name of a great Jain *Acharya* in the stream of Lord Parshavanath, A type of Inactivist
भगवान् पार्श्वनाथ की शिष्य परम्परा में हुए एक बड़े जैनाचार्य, अक्रियावादी के 84 भेदों में एक भेद ।

मौन – *Mauna*
To keep silent or mum, externally & internally
मूकभाव अर्थात् बाह्य की वचन प्रवृत्ति को छोड़कर अंतरंग की वचन प्रवृत्ति को भी पूर्ण रूप से छोड़ देना

मौनवृत्ति – *Maunavṛtti.*
A vow to keep silence.
मौन व्रत धारण कर लेना ।

मौन व्रत – *Mauna Vrata.*
A vow to keep silence.
कुछ समय–सीमा विशेष के लिए मौन रहना ।

मौनाध्ययन वृत्ति – *Maunādhyayana Vṛtti.*
To study silently.
ग्रन्थ समाप्ति पर्यंत गुरु के पास मौनपूर्वक अध्ययन करना ।

मौर्यपुत्र – *Mauryaputra.*
Name of a chief disciple of Lord Mahavira.
भगवान् महावीर के एक गणधर का नाम ।

मौर्य–मौण्डेय – *Maurya-Mauṇḍeya.*
The 5th & 6th chief disciples of Lord Mahavira.
तीर्थंकर महावीर के 5वें एवं छठे गणधर का नाम ।

मौर्यवंश – *Mauryavaṁśa.*
Name of a dynasty initiated by a king, Chandragupt Maurya.
राजा चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा स्थापित एक वंश । अपर नाम मुरुंड है।

मौलि – *Mauli*
Crown with great lustre possessed by celestial beings.
देदीप्यमान मुकुट, इसे स्वर्ग के देव धारण करते हैं ।

म्लेच्छ – *Mleccha.*
Particular parts of earth according to Jaina philosophy, Non Aryan or uncivilised persons, uncultured.
विजयार्ध पर्वत व गंगा, सिंधु नदियों के कारण भरतक्षेत्र के छह खण्ड हो गये, इनमें से दक्षिण वाला मध्यखण्ड आर्यखण्ड है एवं अन्य पाँच म्लेच्छ खण्ड कहलाते हैं, मनुष्य जाति का एक भेद; जो सदाचार, धर्म कर्म क्रियाओं से हीन होते हैं। अन्तर्द्वीपज और कर्मभूमिज इनके दो भेद हैं ।

म्लेच्छ खंड – *Mleccha Khaṁḍa.*
Particular parts of earth according to Jaina philosophy where *Mlechchha* people live
म्लेच्छ मनुष्यों की आवास भूमि ।

य

य – *Ya.*
The twenty sixth consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी वर्णमाला का छब्बीसवाँ व्यंजन अक्षर इसका उच्चारण स्थान तालु है ।

यंत्र – *Yaṁtra.*
Auspicious mystical diagrams or verses. Machine.
कुछ विशिष्ट प्रकार के अक्षर, शब्द या मंत्र जो विभिन्न रेखाकृतियाँ बनाकर उसमें चित्रित किये जाते हैं। पूजा, प्रतिष्ठा, विधान आदि में इनका प्रयोग किया जाता है ।

यंत्रपीड़न जीविका – *Yaṁtrapīḍana Jīvikā.*
Livelihood by milling or crushing oil seeds.
तेल निकालने के लिए कोल्हू चलाना या सरसों तिल आदि को कोल्हू में पिलवाना, तिल वगैरह देकर बदले में तेल लेना आदि इस तरह की आजीविका ।

यंत्रशाला – *Yaṁtraśālā.*
Name of a part of the palace of residential deities.
भवनवासी देवों के भवनों में एक गृह ।

यंत्रेशयंत्र – *Yaṁtreśa Yaṁtra.*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic diagrams & words.
एक विशेष यंत्र, यंत्रेश यंत्र की विभिन्न रेखाकृतियों में चित्रित रचना ।

यक्ष – *Yakṣa.*
A type of peripatetic deities, Demigod.
व्यंतर देवों के 8 भेदों में एक भेद; समवसरण में एवं अकृत्रिम जिन प्रतिमा को यक्ष देव 64 चमर ढोरते हैं । 24 वर्तमान तीर्थंकर भगवंतों के 24 शासन यक्ष क्रमशः इस प्रकार हैं– 1. गोमुख देव 2. महायक्ष देव 3. त्रिमुख देव 4. यक्षेश्वर देव 5. तुम्बुरु देव 6. कुसुम देव 7. वरनन्दि देव 8. विजय देव 9. अजित देव 10. ब्रह्मेश्वर देव 11. कुमार देव 12. षण्मुख देव 13. पाताल देव 14. किन्नर देव 15. किंपुरुष देव 16. गरुड़ देव 17. गंधर्व देव 18. महेन्द्र देव 19. कुबेर देव 20. वरुण देव 21. विद्युत्प्रभ देव 22. सर्वाण्ह देव 23. धरणेन्द्र देव 24. मातंग देव। ये 24 यक्ष चौबीस तीर्थंकर भगवन्तों के शासन देव कहलाते हैं ।

यक्षवर (सागर द्वीप) – *Yakṣavara (Sāgara Dvīpa).*
Name of an island and ocean of middle universe.
मध्यलोक के अंतिम सोलह द्वीपों में तेरहवां द्वीप व समुद्र ।

यक्षसम्मोह – *Yakṣasammoha.*
A kind of peripatetic deities.
पिशाच व्यंतरों का एक प्रकार ।

यक्षिणी – *Yakṣiṇī.*

Female demigod

24 वर्तमान तीर्थंकर भगवंतों की शासन यक्षिणी क्रमश: इस प्रकार हैं– 1. चक्रेश्वरी देवी 2. रोहिणी देवी 3. प्रज्ञप्ति देवी 4. वज्रशृंखला देवी 5. पुरुषदत्ता देवी 6. मनोवेगा देवी 7. काली देवी 8. ज्वालामालिनी देवी 9. महाकाली देवी 10. मानवी देवी 11. गौरी देवी 12. गांधारी देवी 13. वैरोटी देवी 14. अनन्तमती देवी 15. मानसी देवी 16. महामानसी देवी 17. जया देवी 18. विजया देवी 19. अपराजिता देवी 20. बहुरूपिणी देवी 21. चामुण्डी देवी 22. कूष्माण्डी देवी 23. पद्मावती देवी 24. सिद्धायनी देवी। इन्हें जिनशासन देवी भी कहते हैं।

यक्षिला – *Yakṣilā.*

Name of the chief *Aryika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Aranath.

तीर्थंकर अरनाथ के संघ की 60 हजार आर्यिकाओं में गणिनी आर्यिका।

यक्षेश्वर – *Yakṣeśvara.*

Name of the ruling deity of Lord Abhinandannath.

अभिनन्दननाथ भगवान के शासन देवता का नाम।

यक्षोत्तम – *Yakṣottama.*

A type of peripatetic deities.

यक्ष जाति के व्यंतर देवों का एक भेद।

यजन – *Yajana.*

Worshipping, eulogy.

पूजन।

यजुर्वेद – *Yajurveda.*

One of the four great & sacred *Vedic* scriptures.

वैदिक परम्परा के 4 वेदों में एक वेद का नाम।

यज्ञ – *Yajña.*

A sacred ritual activity, Sacrificial rite or fire.

विशेष विधि सहित की जाने वाली एक धार्मिक क्रिया, देव और ऋषियों की पूजा करना। हवन, पूजा, सपर्या, इज्या, अध्वर, मख आदि इसके अपरनाम हैं।

यज्ञगुप्त – *Yajñagupta.*

Name of the 49th chief disciple of Lord Rishabhdev.

तीर्थंकर ऋषभदेव के 49वें गणधर का नाम।

यज्ञ दीक्षा – *Yajña Dīkṣā.*

Consecrational-Initiation; giving particular vows to worshippers for a particular time period of *Panch-Kalyanak, Vidhan* etc. to become *Indras* by the *Pratishthacharya*.

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, इन्द्रध्वज विधान आदि में इन्द्रों (यजमान) के लिए कराई जाने वाली एक विशेष विधि; जिसमें हाथ में कंकण बांधकर पूजा पर्यन्त ब्रह्मचर्य व्रत, एकासन आदि का नियम कराया जाता है, इस विधि के पश्चात् उन्हें सूतक–पातक नहीं लगता।

यज्ञमित्र – *Yajñamitra.*

Name of the 50th chief disciple of Lord Rishabhadev

तीर्थंकर ऋषभदेव के 50वें गणधर का नाम।

यज्ञदीक्षा विधान – *Yajñadīkṣā Vidhāna*

Putting on ornaments with chanting the sacred *Mantras* for worshipping.

अनुष्ठान पर्यन्त नियम विशेष का पालन करने एवं मंत्र सहित आभूषणादि पहनने की विधि, जो पूजा–प्रतिष्ठा के समय की जाती है।

यज्ञदेव – *Yajñadeva.*

यज्ञदत्त – *Yajñadatta.*

Name of the 48th & the 51th chief disciples of Lord Rishabhadev.

तीर्थंकर वृषभदेव के क्रमश: 48वें एवं 51वें गणधरों के नाम।

यज्ञोपवीत – *Yajñopavīta.*

Sacred thread (used for sanctifying or purificatory rites).

एक संस्कार, चक्रवर्ती भरत ने 11 प्रतिमाओं के विभाग से व्रतों के चिन्ह स्वरूप एक से लेकर 11 तार के सूत्र व्रतियों को दिये थे, अनेक, रत्नत्रय एवं सात परम स्थानों का सूचक 3 व 7 तारों का सूत्र। सभी पूजन–दान आदि क्रियाओं में यज्ञोपवीत धारण करना अनिवार्य है।

यति – *Yati.*

Saints at the stage of higher austerity.

जो इन्द्रिय जय के द्वारा अपने शुद्धात्म स्वरूप में प्रयत्नशील होता है।

यतिधर्म – *Yatidharma.*

Observances of ascetic life.

मुनिधर्म; आरम्भ परिग्रह का त्यागकर 5 महाव्रत 5 समिति 3 गुप्तियों का पालन करना।

यतिपूजा – *Yatipūjā.*

Eulogical devotion for saints

शुभ परिणामों से गुरु की पूजन करना।

यतिवर वृषभ – *Yativara Vṛṣabha.*

Those having supreme attributes of Lord Arihant.

जो गणधर देव आदि में भी श्रेष्ठ होते हैं अर्थात् अर्हंत।

यतिवृषभ – *Yativṛṣabha.*

Name of a great *Digambar Acharya* who wrote many books like 'Tiloy Pannatti' etc.

कषाय प्राभृत के चूर्णसूत्र, तिलोय पण्णत्ति आदि के रचयिता एक आचार्य, ये आर्यमंक्षु व नागहस्ति के शिष्य (ई. 143-173) थे।

यति सम्मेलन – *Yati Sammelana.*

Conference of saints.

दिगम्बर जैन सभी साधुओं (चतुर्विध संघों) का एक जगह एकत्रित होना, मिलना। प्रति पाँच वर्ष में युगप्रतिक्रमण के नाम से संघों

के मिलने का आगम प्रमाण मिलता है। श्रीधरसेनाचार्य के समय वेणाक नदी के तट पर ऐसा यतिसम्मेलन हुआ था जहाँ से दो मुनि शिष्यों को उन्होंने श्रुतज्ञानप्रदान करने हेतु बुलाया था।

यत्न – *Yatna.*
Effort, Attempt.
प्रयत्न, पुरुषार्थ।

यत्नाचार – *Yatnācāra.*
Attempt for good & careful conduct
सावधानी एवं उत्साहपूर्वक दोष रहित आचरण करना।

यत्याचार – *Yatyācāra.*
Name of a book written by *Acharya* Padmanandi-7, Well conduct of saints, Great treatises containing description of saints' conduct.
आचार्य पद्मनन्दि-7 (ई. 1305) की एक रचना, साधुओं के आचार-विचार को यत्याचार कहते है। जिन ग्रंथों में यतियों के आचार आदि का वर्णन हो वे भी यत्याचार कहलाते है। जैसे-मूलाचार, भगवती आराधना आदि।

यत्रतत्रानुपूर्वी – *Yatratatrānupūrvī*
At random exposition or accounting.
अनुपूर्वी के 3 भेदों में एक भेद; क्रम के बिना जहां कहीं से भी कथन अथवा गणना करना।

यथाकाल उदय – *Yathākāla Udaya*
Fruition of *Karmic* nature on maturity.
स्थिति पूर्ण होने पर समय पर कर्मों का उदय में आना।

यथाख्यात चारित्र – *Yathākhyāta Cāritra.*
Perfect Conduct.
वीतराग भाव, कषायों के सर्वथा अभाव से प्रादुर्भूत आत्मा की शुद्धि विशेष को यथाख्यात चारित्र कहते हैं। यह 11वें, 12वें गुणस्थान में होता है।

यथाख्यात विहार-शुद्धि संयत –
Yathākhyāta Vihāra-Śuddhi Saṁyata.
Those at the 11th, 12th, 13th or 14th stages of spiritual development.
11, 12, 13, 14वें गुणस्थान में पाये जाने वाले जीव यथाख्यात विहार शुद्धि संयत कहलाते हैं। अथवा जो यथाख्यात चारित्र वाले होते हुए शुद्धि प्राप्त संयत हैं।

यथाख्यात संयम – *Yathākhyāta Saṁyama.*
Revelation of absolute conduct.
वीतराग संयम जो मोहनी कर्म के उपशांत या क्षय हो जाने पर प्रगट होता है।

यथाच्छंद मुनि – *Yathācchaṁda Muni.*
Unrestrained or self-willed saints.
स्वछंद प्रवृत्ति करने वाला साधु; जिन आगम विरुद्ध, इंद्रिय व कषाय के वशीभूत।

यथाच्छंद श्रोता – *Yathācchaṁda Śrotā.*
Self-willed type of listener
श्रोता का एक प्रकार। स्वच्छंद प्रवृत्ति करने वाला श्रोता जिसे मिथ्या देशना संसार व भय को ही बढ़ाना है।

यथाजात – *Yathājāta.*
Naked form, Natural form.
अंतरंग में वीतरागता एवं बाह्य में निष्परिग्रही बालकवत् निर्विकार नग्न रूप।

यथाजातरूपधर – *Yathājātarūpadhara.*
One having natural form without any worldly attachment.
व्यवहार से नग्नपने एवं निश्चय से जो आत्मा का स्वरूप है उसे जो धारण करता है।

यथातथानुपूर्वी – *Yathātathānupūrvī.*
See - *Yatratatrānupūrvī.*
देखें - यत्रतत्रानुपूर्वी।

यथानुपूर्व – *Yathānupūrva.*
A synonym word for *Shrutgyan* (scriptural knowledge)
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

यथार्थ – *Yathārtha.*
Real, Fact, Original, Genuine
जो पदार्थ जिस स्वभाव में स्थित है, उसको यथार्थ कहते हैं। अर्थात् वास्तविक, सही, जैसा है वैसा।

यथालब्ध – *Yathālabdha*
Whatever available (an adjective word).
जो भी उपलब्ध हो (यह एक विशेषण रूप शब्द है जो व्यापार, ज्ञान आदि में जितना उपलब्ध हो उसमें संतोष धारना रूप से घटित होता है। यह साधुओं के आहार संबंधी विषय में भी घटित होता है)।

यदु – *Yadu.*
Name of a king of *Hari* dynasty who established *Yadu* dynasty.
यदु (यादव) वंश का संस्थापक हरिवंशी एक राजा।

यदुवंश – *Yaduvaṁśa.*
The other name of *Yadav* dynasty.
यादववंश, जिसकी उत्पत्ति हरिवंश के एक राजा 'यदु' से हुई।

यदृच्छा – *Yadṛcchā.*
According to one's own wish.
अपनी इच्छा के अनुसार बिना विचारे।

यदृष्ट – *Yadṛṣṭa*
A fault of criticism (reg. Jaina saint).
आलोचना का एक दोष। जो अपराध अन्य जनों ने देखे हैं, मुनि द्वारा उतने ही दोष गुरु के पास जाकर कहना।

यम – *Yama.*
Renunciation of all consumables for whole life, Name of a protecting deity of *Yamakgiri.*
भोग व उपभोग्य वस्तुओं का जीवन पर्यन्त के लिए त्याग किया जाना, यमकगिरी का एक रक्षक देव।

यम (लोकपाल) – *Yama (Lokapāla).*
Name of a *Vidyadhar.*

कालाग्नि विद्याधर का पुत्र, इन्द्र द्वारा इसको किष्कुपुर का लोकपाल बनाया गया था। अंत में यह रावण द्वारा हराया गया।

यमक – *Yamaka.*

Name of the mountains situated at the bank of *Sita* and *Sitoda* rivers in *Uttarkuru* and *Devkuru*.
विदेह क्षेत्र के उत्तरकुरु व देवकुरु में सीता व सीतोदा नदी के दोनों तटो पर स्थित चार कूटाकार पर्वत।

यमकगिरी – *Yamakagiri.*

See - *Yamaka.*
देखो – यमक। गोल, ऊंचाई 1000 योजन, नीचे की चौड़ाई 1000 योजन, ऊपर की चौड़ाई 500 योजन। इन पर इसी नाम के धारक देव रहते हैं।

यमकायिक – *Yamakāyika.*

A type of residential deities.
भवनवासी आकाशोपन्न देव के 12 भेदों में एक भेद।

यमकूट – *Yamakūṭa.*

Name of a summit at Yamakgiri.
यमकगिरी पर स्थित एक कूट।

यमदंड – *Yamadaṇḍa.*

Name of a minister of Ravan, A weapon of super power
रावण का एक मंत्री, एक विद्यास्त्र।

यमदग्नि – *Yamadagni.*

Father's name of Pareshuram
परशुराम के पिता का नाम।

यमदेव – *Yamadeva.*

Name of a protecting deity.
भद्रशाल वन में स्थित नील दिग्गजेन्द्र, स्वस्तिक व अंजन शैलों का रक्षक देव।

यमपाल चांडाल – *Yamapāla Cāṁḍāla.*

Name of a particular brute (*Chandal*), great person worshipped by deities for observing vow of non-violence on Chaturdashi.
जिसने चतुर्दशी को हिंसा न करने की प्रतिज्ञा ली थी, हिंसा न करने से देवताओं से पूजित हुआ।

यमलीक – *Yamalīka.*

Name of an omniscient personality in the assembly of Lord Mahavira.
भगवान् महावीर के तीर्थ में हुए एक अन्तकृत केवली।

यमुना – *Yamunā.*

Name of a river of *Bharat Kshetra Aryakhand* (region)
भरतक्षेत्र आर्यखण्ड में स्थित एक नदी।

यव – *Yava.*

A measurement unit of area.
जौ; क्षेत्र का प्रमाण विशेष। 8 सरसों=एक जौ।

यवन – *Yavana.*

Name of a country of *Bharat Kshetra* northern *Arya Khand* (region)
भरतक्षेत्र उत्तर आर्यखण्ड का एक देश।

यशःकीर्ति – *Yaśaḥkīrti.*

Name of many *Acharyas* & *Bhattraks*
नंदिसंघ, काष्ठासंघ में इस नाम के कई आचार्य एवं भट्टारक हुए हैं।

यशः नामकर्म प्रकृति – *Yaśaḥ Nāmakarma Prakṛti*

A type of *Karmic* nature causing fame or good name.
जिस नामकर्म के उदय से जीव के पवित्र गुणों की ख्याति या प्रसिद्धि होती है।

यश – *Yaśa.*

Fame, Name of a summit situated at *Ruchak* mountain
प्रसिद्धि, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट।

यशपाल – *Yaśapāla.*

Name of an *Acharya.*
मूलसंघ के एक आचार्य, अपरनाम जयपाल।

यशस्कांत – *Yaśaskāṁta*

Name of deity of a summit of *Manushottar* mountain.
मानुषोत्तर पर्वत के एक कूट का देव।

यशस्तिलकचंद्रिका – *Yaśastilakacaṁdrikā.*

Name of a commentary book.
सोमदेव कृत यशस्तिलक चम्पू की श्रुतसागर (ई. 1480-1499) कृत एक संस्कृत टीका।

यशस्तिलकचंपू – *Yaśastilakacaṁpū*

Name of a composition composed by *Acharya* Somdev.
आचार्य सोमदेव द्वारा ई. 943–968 में रचित संस्कृत भाषाबद्ध चम्पू काव्य जिसमें यशोधर महाराजा का जीवन चित्रित किया गया है।

यशस्वती – *Yaśasvatī*

Mother's name of the 1st *Chakravarti* 'Bharat' (an emperor).
प्रथम चक्रवर्ती 'भरत' की माता का नाम।

यशस्वान् – *Yaśasvān.*

Name of the 9th *Kulkar* (ethical founder), A type of peripatetic deities, Name of a deity of a summit of *Manushottar* mountain
वर्तमानकालीन 9वें कुलकर, किंपुरुष व्यंतरों का एक भेद, मानुषोत्तर पर्वत की पूर्व दिशा के वैडूर्य कूट का निवासी एक देव।

यशस्विनी – *Yaśasvinī.*

Name of a female divinity of *Ruchak* mountain
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी।

यशस्वी – *Yaśasvī.*

The other name of the 9th *Kulkar* (ethical founder).
9वें कुलकर का अपर नाम।

यशोदेव – *Yaśodeva.*
The writer of Yashastilakchampu.
यशस्तिलकचम्पू के कर्ता सोमदेव के दादा गुरु और नेमिदेव के गुरु। समय–ई. 918–943।

यशोधर – *Yaśodhara.*
Name of the 19th *Tirthankar* (Jaina-Lord) in the past birth. Name of an *Indrak* 'space vehicle' of *Madhyam Graiveyak*. Name of a deity of *Saugandhikut* (a summit) of *Manushottar* mountain. A king who suffered panic miseries for a number of birth due ot sacrificial offering of artificial (flourmade cock).
भूतकालीन 19वें तीर्थंकर, मध्यम ग्रैवेयक का एक इन्द्रक विमान, मानुषोत्तर पर्वत के सौगन्धिक कूट का एक देव, एक राजा जिन्होंने आटे के मुर्गे की बलि करके कई भवों तक दुर्गति के दुःख उठाये। (देखें–यशोधर चरित, आटे का मुर्गा आदि पुस्तकें)।

यशोधरचरित्र – *Yaśodharacaritra.*
A character portrayal by many writers
वादिराज द्वि. (ई. 1010–1065) कृत, कवि पद्मनाभ (ई. 1405–1425) कृत, सकलकीर्ति (ई. 1406–1442) आदि विद्वानों द्वारा इस विषय के कई ग्रंथ रचे गए हैं।

यशोधरा – *Yaśodharā.*
Name of a female divinity of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी।

यशोधर्मा – *Yaśodharmā.*
Name of a king of *Bhoj* dynasty.
भोजवंश के एक राजा का नाम। (समय – ई. 1143–1153)।

यशोनंदि – *Yaśonandi.*
Name of an *Acharya* of *Nandi* group.
नन्दिसंघ बलात्कार गण में यशःकीर्ति (ई. 231–289) के शिष्य तथा देवनन्दि के गुरु (ई. 289–336)।

यशोबाहु – *Yaśobāhu.*
Name of a chief disciple of Lord Adinath, also the name of the disciple of *Acharya* Yoshobhadra and another name of *Acharya* Bhadrabahu (II).
आदिनाथ भगवान् के 84 गणधरों में एक गणधर का नाम, आचार्य यशोभद्र के शिष्य, इनका अपरनाम–आचार्य भद्रबाहु (द्वितीय) था। ये 8 अंगधारी थे तथा लोहाचार्य-2 के गुरु थे। समय – वी.नि. 515–565 (ई.पू. 35–12)।

यशोभद्र – *Yaśobhadra.*
Name of a religious preceptor of *Acharya* Bhadrabahu-2.
श्रुतकेवली भद्रबाहु द्वि. के गुरु जो आचारांग के ज्ञाता थे, समय– ई.पू. 53–35।

यशोभद्रा – *Yaśobhadrā.*
Name of a *Vapi* (like large lake) in the north of *Nandishvar* island.
नन्दीश्वर द्वीप की उत्तर दिशा में स्थित एक वापी।

याग – *Yāga*
See - *Yajña.*
देखें - यज्ञ। पूजा का पर्यायवाची नाम।

यागमण्डल – *Yāgamaṇḍala.*
A special kind of worshipping to be observed in the *Panchkalyanak* consecration of Jaina Lord for inviting deities.
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में किया जाने वाला एक विशेष पूजा-विधान, इसमें प्रतिष्ठा में भाग लेने हेतु अनेक देवी–देवताओं का आह्वान करके उन्हें यज्ञभाग समर्पित किया जाता है। गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा संस्कृत यागमंडल के आधार से रचित हिन्दी पूजा ग्रंथ।

याज्ञिक मत – *Yājñika Mata.*
A doctrine believing no salvation for worldly beings
संसारी जीव की कभी मुक्ति नहीं होती ऐसा मानने वाला मत।

याचना – *Yācanā.*
Entreaty, begging, petition. To refrain from begging even in need.
मांगना, निवेदन करना।

याचना परिषह जय – *Yācanā Pariṣaha Jaya.*
Victory over afflictions caused due to hunger & thirst etc. by a saint (i.e. to refrain from begging even in need).
जैन साधुओं द्वारा क्षुधा तृषा से पीड़ित होने पर भी अपने लिए दीनता पूर्वक नहीं मांगना अर्थात् मौनपूर्वक बाधाओं को सहन करना याचना-परिषह जय कहलाता है।

याचनी भाषा – *Yācanī Bhāṣā.*
Requesting language (pertaining to some material)
अनुभय भाषा का एक भेद, यह मुझे दो, इस तरह के प्रार्थना पूर्ण वचनों को कहना।

यान – *Yāna.*
Ship, Aircraft, A kind of conveyance of deities.
नाना प्रकार के भाण्डों से आपूरित होकर भी समुद्र में गमन करने में समर्थ जो जहाज होते हैं वे यान कहलाते हैं, देवों का एक वाहन।

याम – *Yāma.*
A period of three hours.
प्रहर; दिन का छवां भाग, 3 घंटे का समय।

याम्य – *Yāmya.*
A name of southern door of the 3rd *Kot* in *Samavasharan* (assembly of Lord Arihant).
समवशरण के तीसरे कोट में दक्षिणी द्वार के 8 नामों में एक नाम।

यावानुद्देश – *Yāvānuddeśa.*
Food prepared with the intention of distributing to everyone.
औद्देशिक (उद्दिष्ट) आहार के 4 भेदों में एक भेद; जो कोई

अथवा सबको देने ऐसे उद्देश्य से बनाया गया आहार।

युक्त – *Yukta.*
Mixed, Associated
सम्मिलित, मिला हुआ।

युक्ताचारी हिंसा – *Yuktācārī Hiṁsā.*
Violenceful thoughts (a fault).
रागादि कषायभावरूप हिंसा।

युक्तानंत – *Yuktānanta.*
A type of infinite counting.
अनंत के तीन भेदों में एक भेद। इसके उत्तम, मध्यम, जघन्य 3 भेद हैं।

युक्तासंख्यात – *Yuktāsaṁkhyāta.*
A unit of uncountable numbers.
असंख्यात के तीन भेदों में एक भेद। इसके उत्तम, मध्यम, जघन्य तीन भेद हैं।

युक्ति – *Yukti.*
Device, Stratagem.
पदार्थों को सिद्ध करने के लिये प्रयुक्त हेतु अथवा साधन।

युक्तिचिंतामणि सत्व – *Yukticintāmaṇi Sattva.*
Name of a book written by *Acharya* Somdev.
आचार्य सोमदेव (ई. 943-968) कृत एक न्यायविषयक ग्रंथ।

युक्त्यनुशासन – *Yuktyanuśāsana.*
Name of a book written by *Acharya* Samantbhadraji.
आचार्य समन्तभद्र (ई.श. 2) कृत संस्कृत में 64 श्लोक प्रमाण स्तोत्र।

युग – *Yuga.*
Measurement unit of time & area.
दो कल्पों का एक युग होता है, काल एवं क्षेत्र का प्रमाण विशेष। (काल–अवसर्पिणी–उत्सर्पिणी काल का 1 युग, क्षेत्र–2 किष्कु का 1 युग, धनुष, दंड)।

युगकंधर – *Yugakaṁdhara.*
An infraction of meditative relaxation, meditation with down shoulders.
कायोत्सर्ग का एक अतिचार। कंधे झुकाते हुए खड़े होना।

युगपत – *Yugapata*
Unitedly, Combinedly.
एक साथ; जैसे, केवलज्ञान होने के बाद अनंत ज्ञान और अनंत दर्शन एक साथ ही होता है।

युगप्रतिक्रमण – *Yugapratikramaṇa.*
A religious observance (repentance) to be performed by saints in every 5 years.
पंचवर्षीय प्रतिक्रमण; 5 साल में सामूहिक रूप से साधुओं द्वारा किया जाने वाला प्रतिक्रमण।

युगलविरोधी धर्म – *Yugalavirodhī Dharma.*
Mutual opposite characteristics.
सत्ता–असत्ता, एकत्व–अनेकत्व, भव्य–अभव्य, मूर्त–अमूर्त आदि वस्तुओं के गुण परस्पर विरोधी धर्म।

युगादि पुरुष – *Yugādi Puruṣa.*
The great personalities (*Kulkars*) in the beginning of era.
कुलकर, युग के आदि में होने से इन्हें ही युगादि पुरुष कहते हैं। ये मुख्यत: 14 होते हैं।

युग्म – *Yugma.*
Pair, Even number.
जुड़वां, सम, इसके कृतयुग्म और बादरयुग्म दो भेद हैं। कृतयुग्म= जो राशि चार से अपहृत होती है। बादरयुग्म = जिस राशि को चार से अपहृत करने पर दो शेष रहता है।

युतसिद्ध – *Yutasiddha.*
Combined but having different entities.
दण्ड और दण्डी की भांति जिसमें प्रदेश भिन्नता पायी जाती है।

युति – *Yuti.*
Union, Combination.
समीपता या संयोग का नाम युति है।

युधिष्ठिर – *Yudhiṣṭhira.*
A son of king 'Pandu' related to *Kuru* dynasty
कुरुवंशी राजा पाण्डु और कुन्ती का ज्येष्ठ पुत्र, शत्रुंजय गिरि से निर्वाण प्राप्त किया।

यूक – *Yūka*
An area unit.
जूं, क्षेत्र का एक प्रमाण विशेष।

योग – *Yoga.*
Vibration in the soul points (caused by mind, speech & body)
मन, वचन, काय के निमित्त से होने वाली आत्मप्रदेशों की परिस्पंदन (हलन–चलन) की क्रिया।

योगचंद्र – *Yogacandra.*
Name of a *Digambar Acharya* who wrote a book 'Yogsar'
ई.श. 12 में योगसार (दोहासार) के कर्ता एक दिगम्बर आचार्य का नाम।

योगत्यागक्रिया – *Yogatyāgakriyā.*
An auspicious activity of renouncing vibrations in the soul-points (caused by mind, speech & body).
गर्भान्वय की एक क्रिया; केवलिसमुद्घात करके मन, वचन, काय रूप योगों को अत्यन्त निरोध कर, अत्यन्त निश्चल दशा को प्राप्त होना, दीक्षान्वय की एक क्रिया; इसमें मुनि विहार करना छोड़कर योगों का निरोध करते हैं।

योगदर्शन – *Yogadarśana.*
Name of a philosophy
एक दर्शन जो ध्यान धारणा समाधि आदि के द्वारा तत्त्वों का साक्षात् करने का उपाय सुझाता है।

योगदु:प्रणिधान – *Yogaduhpranidhāna.*
Bad tendencies or attitude of one (an infraction of *Samayik*).
सामायिक शिक्षा व्रत का एक अतिचार, मन वचन काय की दुष्ट प्रवृत्ति (अन्यथा प्रवृत्ति)।

योगदेव – *Yogadeva.*
Name of some great personalities
बारस अणुवेक्खा के रचयिता - एक अपभ्रंश कवि (ई.श. 15 मध्यपाद), तत्त्वार्थ सूत्र टीका के रचयिता एक भट्टारक (ई.सन् 1579)।

योगद्वार – *Yogadvāra*
Path of inflow of *Karmas* into soul
आस्रव, आत्मा से बँधने के लिए कर्मों का योगरूपी नाली के द्वारा आना।

योगनिग्रह – *Yoganigraha.*
Controlling the activities related to the mind, speech & body.
मन वचन काय की स्वच्छन्द प्रवृत्ति को सम्यक् प्रकार से रोकना।

योगनिद्रा – *Yoganidra.*
A kind of meditatory sleep.
संसारी जीव जिसमें जागता है, उस दशा में योगी का रात भरकर सोना अथवा अल्पकाल में साधुओं का शरीरश्रम को दूर करने के लिए निद्रा लेना।

योगनिरोध – *Yoganirodha.*
Cessation of activities of mind, speech & body, deep engrossment in Lord Arihant.
अर्हन्त भगवान का ध्यान, जिसमें समस्त योगों का विनाश किया जाता है।

योगनिर्वाणसंप्राप्तिक्रिया – *Yoganirvāṇasamprāptikriyā.*
Aversion from all attachments for getting salvation (reg. holy death of a saint, an auspicious activity)
गर्भान्वय की एक क्रिया; इसमें साधक सल्लेखना में स्थिर होकर राग आदि दोषों को छोड़ते हुए शरीर कृश करता हुआ मोक्ष का ही चिंतन करता है।

योगनिर्वाण साधना क्रिया – *Yoganirvāṇa Sādhanā Kriyā.*
Aversion from the life for getting salvation, an auspicious activity.
गर्भान्वय की एक क्रिया; अंतिम अवस्था प्राप्त हो जाने पर साधु द्वारा शरीर आहारादि से ममत्व छोड़कर पंचपरमेष्ठी का ध्यान करना।

योग परिकर्म – *Yoga Parikarma.*
Vibration in soul-points.
मन वचन काय द्वारा आत्मप्रदेशों की चंचलता।

योगपरिवर्तन – *Yogaparivartana.*
Transition of all activities (related to mind, speech & body) in auspicious & sacred mode
योग संक्रांति, प्रथम शुक्लध्यान में मन-वचन-काय योगों का पलटना।

योगप्रत्यय – *Yogapratyaya.*
Auspicious & inauspicious activities of mind, speech & body (a reason for *Karma* binding).
कर्म बंध का एक कारण, मन वचन काय की शुभ-अशुभ क्रिया।

योगमत – *Yogamata.*
Name of a philosophy
एक एकांतमत। सांख्यदर्शन।

योगमार्ग – *Yogamārga*
Name of a treatise written by *Acharya* Somdev.
आचार्य सोमदेव (ई. 943-968) द्वारा रचित अध्यात्म विषयक एक ग्रंथ।

योगमार्गणा – *Yogamārgaṇā.*
Soul investigation with vibratory activities.
14 मार्गणाओं का एक भेद; 15 योगों के भीतर संसारी जीवों का अन्वेषण करना।

योगमुद्रा – *Yogamudrā.*
A cross-legged posture of meditation.
पल्यंकासन, पर्यंकासन और वीरासन इन तीनों में से किसी भी आसन के साथ, बाएं हाथ की हथेली पर दाएं हाथ की हथेली रखकर ध्यानावस्था में बैठना।

योगवक्रता – *Yogavakratā.*
Crookedness in activities of mind, speech & body.
मन वचन काय की कुटिलता।

योगशल्य – *Yogaśalya*
Uncontrolled conduct (a type of sting).
शल्य का एक भेद; असंयम में प्रवृत्ति होना।

योगसंक्रमण – *Yogasamkramaṇa.*
See - *Yoga Parivartana.*
देखें – योग परिवर्तन।

योग संक्रांति – *Yoga Samkrānti.*
See - *Yoga Privartana.*
देखें - योग परिवर्तन।

योग सम्मह क्रिया – *Yoga Sammaha Kriyā.*
A type of auspicious activity (revelation of omniscience by a saint).
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; इसमें योगी तपोयोग को धारण कर शुक्ल ध्यान के द्वारा केवलज्ञान प्रकट करता है।

योगसार – *Yogasāra*
Name of the treatise.
आचार्य योगीन्दुदेव (ई.श. 6) द्वारा रचित 108 दोहा प्रमाण अपभ्रंश आध्यात्मिक ग्रंथ।

योगसूत्र – *Yogasūtra.*
The principle of *Yoga* philosophy.
योगदर्शन के सिद्धान्त आदि। व्याकरणकार पातंजलि द्वारा

संचालित सूत्र जिस पर व्यास ने भाष्य लिखा है, समय-ई.पू. 4 ।

योगस्थान – *Yogasthāna*

The different grades of activities related to mind, speech & body

योग शक्ति परिणमन के दर्जे, इनके उपपाद, एकांतानुवृद्धि, परिणामयोग (योगस्थान) तीन भेद हैं ।

योगिभक्ति – *Yogibhakti*

Spiritual meditation, A devotional prayer written by *Acharya* Kund Kund (in Prakrit) and by *Acharya* Pujyapad (in Sanskrit)

आत्मा में आत्मा को लगाकर रागादि का परिहार करना, प्राकृत में आचार्य कुंदकुंद एवं संस्कृत में आचार्य पूज्यपाद द्वारा रचित 10 भक्तियों में एक भक्ति ।

योगी – *Yogi.*

Meditator, who is deeply engrossed into supreme knowledge.

जिसने श्वास को जीत लिया, जो नेत्र टिमकार रहित है, जो काय के समस्त व्यापार से रहित है, निःसंदेह वह योगी है ।

योगीन्द्रसागर – *Yogindrasāgara.*

Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Sanmatisagar Maharaj.

आचार्यश्री सन्मतिसागर महाराज (अंकलीकर) के एक प्रसिद्ध शिष्य (बालाचार्य) । समय-ई.श. 20-21 ।

योगेंदु देव – *Yogeṁdu Deva.*

Name of a great *Digambar Acharya* saint.

परमात्मप्रकाश, योगसार, अध्यात्मसंदोह, दोहापाहुड़, सुभाषित तंत्र, नौकार श्रावकाचार आदि संस्कृत-अपभ्रंश ग्रंथों के रचयिता एक दिगम्बराचार्य । समय-ई.श. 6 ।

योग्य क्षेत्र – *Yogya Kṣetra*

Suitable area or space for meditation

पर्वत, गुहा, वृक्ष की कोटर, नदी का तट, नदी का पुल आदि समस्त ध्यान के योग्य स्थान ।

योग्यता – *Yogyatā.*

Talent, Capability, Competency, Qualification.

अपने आवरण अर्थात् ज्ञान को ढँकने वाले कर्म के क्षयोपशम को योग्यता कहते हैं । अर्थात् सामर्थ्य, ज्ञान की अनुरूपता (क्षयोपशम) ।

योग्य पात्र – *Yogya Pātra.*

Absolutely worthy saint

जो सम्यग्दर्शन से शुद्ध है, धर्मध्यान में लीन रहता है और सब तरह के परिग्रह व मायादि शल्यों से रहित है ।

योग्य मुद्रा – *Yogya Mudrā.*

Appropriate posture for meditation like Lord Jinendra Deva.

जिनेन्द्र देव की मुद्रा, ध्यानादि के योग्य आसन; पर्यंकासन जिनमुद्रा, मुक्ताशुक्ति, सुखासन आदि मुद्रा ।

योजन – *Yojana.*

A large measurement unit of area.

क्षेत्र का प्रमाण विशेष । 4 कोस का एक लघु योजन, दो हजार कोस का एक महायोजन होता है

योजना – *Yojanā.*

Planning, Activities of mind, speech & body

कार्य रूपरेखा, नोआगम भावयोग के 3 भेदों में एक भेद, मन वचन काय का व्यापार ।

योनि – *Yoni.*

Birth place.

जीवों के उत्पन्न होने का स्थान ।

योनिभूत बीज – *Yonibhūta Bīja.*

Seed germination

जिस बीज में जलादि का निमित्त पाकर जीव आकर पैदा हो सके। अथवा जिस बीज में उगने की शक्ति अर्थात् जीव सहित होने की शक्ति हो ।

योनिभूत स्थान – *Yonibhuta Sthana.*

Place where creature are born or originate.

मूल आदि को लेकर जितने बीज हैं उनमें जीव उत्पन्न होने की शक्ति है अतः वे योनिभूत स्थान कहलाते हैं ।

योनिमति तिर्यचनी(तिरश्ची) –

Yonimati Tiryañcanī (Tiraścī).

Those *Tiryanch* beings who are female according to *Bhavved* but who might be male, female or hermaphrodite according to *Dravya Ved.*

भाव स्त्रीवेद के उदय सहित तिर्यंच/तिर्यंचनी, जिनका द्रव्य वेद पुरुष, स्त्री या नपुंसक कोई भी हो सकता है ।

योनिमती मनुष्यनी – *Yonimati Manuṣyanī.*

Those human beings who are female according to *Bhav Ved* but who might be male, female or hermaphrodite according to *Dravya Ved.*

भाव से स्त्रीवेद एवं द्रव्य से पुरुष या स्त्री या नपुंसक वेद से संयुक्त मनुष्य/मनुष्यनी 'योनिमती मनुष्यनी' कहते हैं ।

योषा – *Yoṣā.*

Young woman

स्त्री का एक पर्यायवाची नाम इसे युवती भी कहते हैं।

योषित – *Yoṣita.*

A woman, one of the 14 jewels of *Chakravarti.*

स्त्री, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में एक रत्न ।

यौग – *Yauga.*

The other name of *Naiyayik* philosophy.

नैयायिक दर्शन का अपरनाम ।

यौधेय – *Yaudheya.*

A kind of script.

नैमित्तिक लिपि का एक भेद; कैकई इसे जानती थी ।

यौवराज्य क्रिया – *Yauvarājya Kriyā.*

An auspicious activity of enthronement

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया; इसमें युवराज का अभिषेक राजपट्ट बांधा जाता है ।

र

र – *Ra.*

The 27th consonant of the *Devanagari* syllabary.
देवनागरी वर्णमाला का सत्ताईसवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान जीभ के अगले भाग की मूर्धा को स्पर्श करने से होता है।

रइधू – *Raidhū.*

Name of an *Apabhramsh* Jaina poet.
पउम चरिउ, जसहर चरिउ, धण्णकुमार चरिउ, दशलक्षण धर्म, दस स्तुतियाँ आदि के रचयिता एक अपभ्रंश जैन कवि। समय – वि. 1457–1536, दशलक्षण धर्म दस स्तुतियाँ।

रक्तकंबला – *Raktakambalā.*

Name of an auspicious large stone (related to the birth-anointment '*Janmabhishek*' of Jaina-Lords of *Eravat Kshetra*-a region.
सुमेरु के पांडुक वन की 4 दिशाओं में वायव्य दिशा में स्थित शिला जिस पर ऐरावत क्षेत्र के तीर्थंकरों का जन्माभिषेक किया जाता है।

रक्तनिभ – *Raktanibha.*

Name of the 15th planet out of 88
88 ग्रहों में 15वें ग्रह का नाम।

रक्तशिला – *Raktaśilā.*

Name of an auspicious large stone (related to the birth-the anointment '*Janmabhishek*' of Jaina-Lords of *Videh Kshetra*- a region.
सुमेरु पर्वत के पाण्डुक वन में स्थित एक शिला, इस पर पूर्व विदेह क्षेत्र के तीर्थंकरों का जन्माभिषेक किया जाता है।

रक्ता (कुंड) – *Raktā (Kuṇḍa).*

A wide mouthed pool situated in the base part of *Neel & Nishadh* mountain
32 विदेहों की 64 नदियों में रक्ता नदी का कुंड जो नील व निषध पर्वत के मूल भाग में स्थित है।

रक्ता (देवी) – *Raktā (Devi).*

Name of the female ruling deity of *Raktakund* and *Raktakuta.*
रक्ता कुण्ड व रक्ताकूट की स्वामिनी देवी।

रक्ता (नदी) – *Raktā (Nadi).*

Name of a great river which flows in *Eravat* region.
14 महानदियों में 13वीं नदी; यह शिखरी पर्वत के पुण्डरीक द्रह से निकलकर पूर्व की ओर ऐरावत क्षेत्र में बहती है।

रक्तोदा (कुंड) – *Raktodā (Kuṇḍa).*

Name of wide mouthed pools.
1) 32 विदेहों में गंगा सिंधु आदि 64 नदियों में रक्तोदा नदी का कुंड जो नील व निषध पर्वत के मूलभाग में स्थित है, 2) ऐरावत क्षेत्र में स्थित एक कुंड जिसमें रक्तोदा नदी गिरती है।

रक्तोदा कूट – *Raktodā Kuta.*

Name of a summit situated in *Raktoda Kunda*
रक्तोदा कुंड में स्थित कूट।

रक्तोदा देवी – *Raktodā Devi*

Name of a female divinity resident of *Raktoda* summit
रक्तोदा कुंड की निवासिनी देवी।

रक्तोदा नदी – *Raktodā Nadi.*

Name of a great river which flows in *Eravat* region.
14 महानदियों में चौदहवीं महानदी, यह शिखरी पर्वत के पुण्डरीक द्रह से निकलकर पश्चिम की ओर ऐरावत क्षेत्र में बहती है।

रक्षा – *Rakṣā.*

To protect all living beings, defence, non-violence, A type of peripatetic deity (*Pishach*)
देखभाल, सुरक्षा, अहिंसा, मन वचन काय की क्रिया देखभाल कर करना जिससे जीव घात न हो, पिशाच व्यंतरों का दूसरा भेद।

रक्षाबंधन पर्व – *Rakṣābandhana Parva.*

A particular kind of festival of sisters & brothers held on the full moon of the lunar month of *Shravan.*
श्रावण शु. 15 के दिन आने वाला एक पर्व। इस दिन बहनें अपने भाईयों को रक्षासूत्र बांधती हैं। जैनधर्म के अनुसार यह पर्व हस्तिनापुर से प्रारंभ हुआ है जहाँ आज से 14 लाख वर्ष पूर्व अकंपनाचार्य आदि 700 मुनियों पर किये गये उपसर्ग को विष्णु कुमार मुनिराज ने दूर कर उनकी रक्षा की थी। उसी स्मृति में आज तक इस पर्व के दिन खीर बनाने–खाने की परंपरा है।

रघु – *Raghu.*

A king of Ayodhya city of *Ikshvaku* dynasty
इक्ष्वाकु वंश में अयोध्या नगरी का राजा। अनरण्य का पिता और दशरथ का दादा।

रघुनाथ – *Raghunātha.*

Name of a great judiciory founder, Another name of Shri Ram.
न्यायदर्शन में नव्यन्याय (नैयायिक) के प्रसिद्ध प्रणेता (समय - ई. 1520), श्रीराम चन्द्रजी का अपरनाम।

रघुवंश – *Raghuvaṁśa.*

Name of a dynasty
इक्ष्वाकु वंश में उत्पन्न रघु राजा से इस वंश की उत्पत्ति हुई है।

रज – *Raja.*

Sand, dust, Knowledge obscurring *Karmas* are also called as dust.
धूल, ज्ञानावरण, दर्शनावरण कर्म धूलि की तरह वस्तुओं का बोध और अनुभव में प्रतिबंध होने से रज कहलाते हैं।

रजत – *Rajata.*

The name of summits of '*Malyavan*', *Manushottar*

& *Ruchak* mountains and of *Nandan* forest.
माल्यवान्, मानुषोत्तर व रुचक पर्वत एवं नंदनवन में स्थित कूटों का नाम ।

रजतप्रभ – *Rajata Prabha.*
Name of the first summit of southern *Kundalvar* mountain.
कुंडलवर पर्वत की दक्षिण दिशा का प्रथम कूट ।

रजताभ – *Rajatābha*
The 2nd summit of southern *Kundalvar* mountain
कुंडलवर पर्वत के दक्षिण दिशा का दूसरा कूट

रजस्वला स्त्री – *Rajasvalā Stri.*
Menstrous woman
देखें–पुष्पवती स्त्री ।

रज्जू – *Rajju.*
A measurement unit of area
लोक को मापने का एक प्रमाण विशेष; जगत्श्रेणी का सातवा भाग रज्जू कहलाता है । समस्त लोक की ऊंचाई 14 राजू है ।

रति – *Rati.*
Sensual pleasure, passion, love
नोकषाय का एक भेद; जिसके उदय से विषयों में प्रीति हो ।

रतिकर – *Ratikara.*
Golden and cylinderical mountains situated in all sides of *Nandishvar* island.
नंदीश्वर द्वीप की पूर्वादि चारों दिशाओं में स्थित वापिकाओं के कोणों के समीप स्थित स्वर्णमय ढोलक के आकार वाले पर्वत ।

रतिवाक् – *Rativāk.*
A type of language causing passion and attachment.
सत्यप्रवाद में वर्णित 12 प्रकार की भाषाओं में राग को उत्पन्न करने वाली एक भाषा ।

रतिषेणा – *Ratisenā.*
Name of the chief *Aryika* (*Ganini*) in the *Samavasharan* of Lord Padmaprabhu.
पद्मप्रभु भगवान् के समवशरण की गणिनी आर्यिका का नाम ।

रत्न – *Ratna.*
Jewels, 14 particular splendours (of *Chakravarti* etc.), Name of a summit of *Ruchak* mountain.
हीरा, मोती आदि मणियाँ, चक्रवर्ती के यहां स्वयमेव प्रकट होने वाली उसके भोगोपभोग की सामग्री, ये 7 सजीव, 7 अजीव कुल 14 वस्तुएं होती हैं, इन्हें 14 रत्न भी कहा जाता है, रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट ।

रत्नकंबल – *Ratnakambala.*
Blanket of jewels
रत्नों से बना कंबल । उज्जैन की सेठानी यशोभद्रा ने अपने पुत्र सुकुमाल की पत्नियों के लिए रत्नकंबल खरीदा और पुत्रवधुओं के लिए उसकी जूतियाँ बनवाई । देखें–सुकुमाल चरित्र ।

रत्नकरंडश्रावकाचार – *Ratnakarandaśrāvakācāra*
Name of a treatise written by *Acharya* Samantbhadra
आचार्य समन्तभद्र (ई.श. 2) कृत एक संस्कृत ग्रंथ ।

रत्नकीर्ति – *Ratnakirti.*
Name of the disciple of Kshemkirti
क्षेमकीर्ति (ई. 996) के शिष्य एवं आराधनासार की संस्कृत टीका भद्रबाहु चरित्र आदि के कर्ता ।

रत्नगर्भा – *Ratnagarbhā.*
The land where divinely rain of gems occured (related to the birth place of Lord).
भगवान के गर्भ में आने के 6 महीने पहले से 15 महीने तक जहाँ रत्नवृष्टि होती है उस भूमि को रत्नगर्भा कहते हैं ।

रत्नचतुष्टय – *Ratnacatustaya.*
Four jewels of *Balbhadra.*
बलभद्र के 4 रत्न; रत्नमाला, गदा, हल और मूसल ।

रत्नत्रय – *Ratnatraya*
Three spiritual jewels, Right faith, Right knowledge & Right conduct
सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान व सम्यक्चारित्र इन तीनों गुणों को रत्नत्रय कहते हैं । इनकी एकता मोक्षमार्ग है ।

रत्नत्रयकथा – *Ratnatrayakathā.*
Name of a book written by *Acharya* Padmanandi.
आचार्य पद्मनन्दि (ई. 1280–1330) कृत संस्कृत ग्रंथ ।

रत्नत्रयचक्र यंत्र – *Ratnatrayacakra Yantra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words & diagrams.
एक यंत्र, जिस पर रत्नत्रय चक्र के मंत्र विभिन्न रेखाकृतियां बनाकर चित्रित किए जाते हैं ।

रत्नत्रयविधान – *Ratnatrayavidhāna.*
Name of a worshipping book.
एक पूजा ग्रंथ, जिस पर पं. आशाधर (ई. 1173–1243) ने संस्कृत में टीका लिखी है ।

रत्नत्रयव्रत – *Ratnatrayavrata*
A particular type of vow or fasting
वर्ष में 3 बार, भादों, माघ, चैत्र मे विधिपूर्वक शु. 13 से पूर्णिमा तक किया जाने वाला व्रत ।

रत्नद्वीप – *Ratnadvipa.*
Name of a city.
राक्षसवंशी भानुरक्ष के पुत्रों द्वारा बसाया गया एक नगर ।

रत्ननंदि – *Ratnanandi.*
Name of the disciple of Virnandi-1 and preceptor of Manikyanandi-1.
नन्दिसंघ बलात्कारगण में वीरनन्दि नं. 1 के शिष्य व माणिक्यनन्दि नं. 1 के गुरु । समय– ई. 939–963 ।

रत्नपुरी (तीर्थ) – *Ratnapuri (Tirtha).*
Name of a place of pilgrimage, the birth place of Lord Dharmanath, situated in the dist. Faizabad (U.P.)
तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान की जन्म नगरी का नाम, यह वर्तमान में उ.प्र. के फैजाबाद जिला में स्थित है। यहीं मनोवती की गजमोती चढ़ाकर जिनेन्द्र भगवान के दर्शन करने की प्रतिज्ञा यहीं पूर्ण हुई थी, इसे 'रौनाही' के नाम से भी जाना जाता है।

रत्नप्रभ – *Ratnaprabha*
Name of a summit situated at *Ruchak* mountain
रुचक पर्वत का एक कूट।

रत्नप्रभा – *Ratnaprabha.*
Name of the first earth of hell.
अधोलोक की प्रथम भूमि, रूढ़ि का भाग घम्मा है। यह एक लाख 80 हजार योजन मोटी है। इसके तीन भाग हैं– खर भाग, पंक भाग, अब्बहुल भाग। इसमें खर भाग, पंक भाग में भवनवासी और व्यन्तर देवों के भवन हैं और तीसरे भाग (अब्बहुल) में नारकियों के भवन हैं।

रत्नमती – *Ratnamati*
The mother's name of household life of the first famous *Aryika* in the 20th century *Ganini Pramukh* Shri Gyanmati Mataji. She went through a treatise 'Padmanandi Panchavinshatika' and ultimately turned to the path of salvation and became *Aryika*. After the long journey of 13 years in asceticism, she got a great holy death with Sallekhana on 15 January 1985 at Jambudvip in Hastinapur, in the auspicious presence of *Ganini* Gyanmati Mataji.
बीसवीं सदी की एक प्रसिद्ध आर्यिका, जो गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के गृहस्थावस्था की माँ थीं। सन् 1914 में इनका जन्म महमूदाबाद (जि.–सीतापुर, उ.प्र.) में हुआ, इन्होंने अपने विवाह में पिता से दहेज में प्राप्त 'पद्मनन्दी पंचविंशतिका' ग्रन्थ का स्वाध्याय करके अपने जीवन को सुसंस्कृत किया जिसके फलस्वरूप इनकी संतानों में भी त्याग के बीज अंकुरित हुए। अतः इन्होंने स्वयं भी आर्यिका अवस्था में 13 वर्षों तक रत्नत्रय की साधना करके 15 जनवरी 1985 (माघ कृ. नवमी) को हस्तिनापुर में जम्बूद्वीप स्थल पर गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के चरण सान्निध्य में सल्लेखना विधिपूर्वक मरण प्राप्त किया। आर्यिका माता होने के बाद भी उन्होंने जैनधर्म की दीक्षा परम्परा के अनुसार ज्ञानमती माताजी को पुत्री न मानकर सदैव गुरु रूप में स्वीकार किया और उन्हीं को नियापकाचार्यत्व में सपक बनकर समाधि ग्रहण की।

रत्नमाली – *Ratnamālī.*
Name of a king of *Vidyadhar* dynasty.
विद्याधर वंश का एक राजा।

रत्नमुक्तावली व्रत – *Ratnamuktāvalī Vrata*
A particular kind of procedural vow of 284 fastings & 59 food-taking days (*Parnas*).
एक व्रत, इसमें 343 दिन में 284 उपवास एवं 59 पारणाएं की जाती हैं।

रत्नराशि – *Ratnarāśi*
Sparkling jewels (the 15th dream-mark of Lord's mother).
चमकते हुए रत्नों का ढेर, जो कि तीर्थंकर की माता को 15वें स्वप्न के रूप में दिखाई देते हैं; जिसका अर्थ पुत्र गुणों की खान होगा।

रत्नवृष्टि – *Ratnavṛṣṭi*
Divinely rain of jewels (an auspicious event pertaining to the birth of Jaina Lord)
रत्नवर्षा, तीर्थंकरों के गर्भावस्था में आने के 6 महीने पहले से जन्म पर्यन्त 15 मास तक कुबेर माता के आंगन में जो रत्नों की वर्षा करते हैं।

रत्नश्रवा – *Ratnaśravā.*
Father's name of Ravan
सुमाली का पुत्र तथा रावण का पिता।

रत्नसंचय – *Ratnasañcaya.*
Name of a city situated in southern *Vijayardh* mountain & a city of western *Videh* region
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी एवं पश्चिम विदेह क्षेत्र के नगर का नाम।

रत्नसंचया – *Ratnasañcayā.*
Name of the 16[th] city situated in *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र की 32 नगरियों में 16वीं नगरी।

रत्नाकर – *Ratnākara.*
The ocean
समुद्र।

रत्नाकर वर्णी (कवि) – *Ratnākara Varṇī (Kavi).*
Name of a Kannad poet, who wrote Bhartaish Vaibhav
भरतेश वैभव नामक कृति के रचयिता एक कन्नड़ कवि। समय– ई. सन् 1651।

रत्नावतंसिका – *Ratnāvataṁsikā.*
One of the great jewels of *Balbhadra* Ram, a wreath.
बलभद्र को प्राप्त 4 महारत्नों में एक रत्न; यह बलभद्र राम की माला का नाम है, इसकी 1000 देव रक्षा करते हैं।

रत्नावली व्रत – *Ratnāvalī Vrata.*
A vow or fasting to be observed with particular procedure.
विधि विशेष के साथ किया जाने वाला एक व्रत। इसकी विधि हरिवंश पुराण में देखें।

रत्नि – *Ratni.*
A measurement unit of area.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष। एक हाथ का परिमाण, 2 वितस्ति=1 हाथ। इसका मूल नाम अरत्नि है।

रत्नोच्चय – *Ratnoccaya.*

The other name of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत का अपरनाम ।

रथ – *Ratha*

Chariot
प्राचीन काल की प्रसिद्ध वाहन, इसमें हाथी-घोड़े जोते जाते हैं। युद्ध के समय राजा इन पर आरूढ़ होकर रणांगण में जाते थे। वर्तमान में रथ पर भगवान विराजमान करके रथयात्रा निकाली जाती है ।

रथनूपुर – *Rathanūpura.*

रथपुर – *Rathapura.*

Name of cities situated in southern *Vijayardha* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी के नगरों के नाम ।

रथरेणु – *Ratharenu.*

A measurement unit of area
क्षेत्र का मापक प्रमाण। 8 त्रस रेणु=एक रथरेणु ।

रथसेना – *Rathasena*

A division of army containing chariots.
तीसरा सैन्य कक्ष, यह सेना अपने सेनापति के आधीन रहती है। इसमें 8 प्रकार हाथी होते हैं एवं युद्ध के समय अश्वसेना के पीछे चलती है ।

रथी – *Rathī*

A great warrior.
रथपुरुषों के 5 भेदों में एक भेद, ये भेद हैं - अतिरथ, महारथ, समरथ, अर्धरथ, रथी ।

रमणीया – *Ramaṇīyā*

Name of a country; Name of a *Vapi* (like large lake) of *Nandishvar* island.
पूर्व विदेह का एक देश, नन्दीश्वर द्वीप की उत्तर दिशा में स्थित एक वापी ।

रम्यक कूट – *Ramyaka Kūṭa.*

Name of summits situated at *Neel & Rukmi* mountains.
नील पर्वत का 8वां एवं रुक्मि पर्वत का तीसरा कूट ।

रम्यक क्षेत्र – *Ramyaka Kṣetra.*

Name of the 5th region of *Jambudvip* (Island).
जम्बूद्वीप के क्षेत्रों में नील-रुक्मि कुलाचल के मध्य स्थित 5वां क्षेत्र। यहां मध्यम भोगभूमि रहती है ।

रम्यक देव – *Ramyaka Deva.*

Name of deities of summits situated at *Neel & Rukmi* mountains.
नील व रुक्मि पर्वत स्थित रम्यक कूट के स्वामी ।

रम्या – *Ramyā.*

Name of a country of east *Videh* (region), Name of a *Vapi* (like large lake) in *Nandishvardvip* (island).
पूर्व विदेह का एक देश, नन्दीश्वर द्वीप की उत्तर दिशा में स्थित एक वापी ।

रयणसार – *Rayaṇasāra.*

Name of a treatise written by *Acharya* KundKund
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत 167 प्राकृत गाथाओं से निबद्ध ग्रंथ ।

रवि – *Ravi*

The Sun, Name of a king of *Rakshas* dynasty.
सूर्य, राक्षसवंशी एक विद्याधर राजा ।

रविचंद्र – *Ravicandra.*

Name of an *Acharya* of *Nandi* group. An another *Acharya*, the writer of 'Aradhanasar Samuchchaya'
नंदीसंघ देशीयगण के एक आचार्य का नाम, आराधनासार समुच्चय के रचयिता आचार्य (ई.श. 12-13) ।

रविनंदि – *Ravinandi*

Name of an *Acharya*.
षट्खण्ड आगम के ज्ञाता, बप्पदेव के शिक्षा गुरु एक आचार्य (ई.श.) ।

रविप्रभ – *Raviprabha.*

Name of a heavenly abode of 1st heaven
प्रथम स्वर्ग का एक विमान ।

रविवयकहा – *Ravivayakahā*

Name of a book in *Apabhramsha* language.
नेमिचन्द-6 (ई.श. 14-15) द्वारा कृत एक अपभ्रंश ग्रंथ ।

रविवार व्रत – *Ravivāra Vrata.*

A particular type of vow or fasting to be observed with specified procedure on sundays
विशेष प्रकार से 9 वर्षों तक रविवार के दिन किया जाने वाला एक व्रत ।

रविवीर्य – *Ravivīrya.*

The son of *Chakravarti* (emperor) Bharatesh
चक्रवर्ती भरतेश का पुत्र, इसने जयकुमार के साथ दीक्षित होकर वृषभदेव से दीक्षा ली थी ।

रविषेण – *Raviṣeṇa.*

Name of an *Acharya* who wrote Jain Ramayan called as 'Padmapuran'.
वि. सं. 734 में पद्मपुराण के रचयिता एक आचार्य ।

रवीन्द्र कुमार (ब्रह्मचारी) –

Ravīndra Kumāra (Brahmacārī).

Name of a devoted disciple of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji, he is also younger brother of household life of Mataji. He is as the founder member of Jambudvip construction at Hastinapur and till today he is well-conducting the institute in the protection as well as development of the Jaina heritage
गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के एक प्रमुख शिष्य; जम्बूद्वीप रचना, हस्तिनापुर के प्रमुख स्तंभ। सन् 1972 में आजन्म

ब्रह्मचर्य व्रत लेकर क्रमशः धर्मक्षेत्र में अथक परिश्रम करके माताजी की प्रेरणा से जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर, तपस्थली-प्रयाग, कुण्डलपुर (नालंदा), मांगीतुंगी (महाराष्ट्र), अयोध्या एवं अनेक तीर्थक्षेत्रों का विकास करते हुए जैनधर्म की संस्कृति का संरक्षण किया। इन्हें शास्त्री परिषद के वरिष्ठ विद्वानों द्वारा 'कर्मयोगी' की उपाधि प्रदान की गई। पूज्य माताजी की प्रेरणा से सम्पन्न होने वाले प्रत्येक कार्य में आपकी अह भूमिका रहती है। 'भाई जी' के नाम से इनकी विशेष प्रसिद्धि है।

रश्मिकलाप – *Raśmikalāpa.*

A kind of wreath with 54 strings

एक हार, यह 54 लड़ियों का होता है।

रश्मिवेग – *Raśmivega.*

The son of king Vidyutgati of *Trilokottam* city situated in *Pushkalavati* country of *Vijavardh* mountain.

पुष्कलावती देश के विजयार्ध पर त्रिलोकोत्तम नगर के राजा विद्युतगति का पुत्र था। युवावस्था में दीक्षित हुआ, योग में लीन स्थिति में एक अजगर निगल गया, समाधिपूर्वक मरण से अच्युत स्वर्ग के पुष्कर विमान में देव हुआ।

रस – *Rasa*

Juice, liquid, sap, A kind of literary sentimental form of poem

रसना इन्द्रिय का विषय, यह 6 प्रकार का होता है (दूध, दही, घी, तेल, गुड़, शक्कर, नमक), काव्य का एक अंग ये 9 होते हैं।

रस ऋद्धि – *Rasa Ṛddhi.*

A type of super natural power.

एक ऋद्धि; यह उग्र तपस्या से प्राप्त होती है।

रसकर्म – *Rasakarma.*

Mystical activity.

मन्त्र तंत्र आदि के द्वारा रस आदि की सिद्धि करना।

रसगारव – *Rasagārava.*

Pride of having tasty food.

छः रस सहित भोजन मिलने का अभिमान।

रसज – *Rasaja.*

Invisible micro beings who take birth in liquids.

दूध आदि रसों में उत्पन्न होने वाले या वीर्य से उत्पन्न होने वाले जीव। जो सम्मूर्छन जन्म वाले होते हैं और नेत्रों से नहीं दिखते हैं।

रसना इंद्रिय – *Rasanā Imdriya.*

Tongue, sensory organ of taste.

5 इन्द्रियों में दूसरी इन्द्रिय–जिव्हा। जिसके द्वारा स्वाद का ज्ञान होता है।

रसना ज्ञान – *Rasanā Jñāna.*

Sense of taste, Knowledge perceived by tongue.

जिव्हा इन्द्रिय से होने वाला ज्ञान।

रस निरपेक्ष (आहार) – *Rasa Nirapekṣa (Āhāra).*

Devoid of the desire of tasty food.

नीरस आहार, रसयुक्त अर्थात् स्वादिष्ट भोजन आदि की अभिलाषा न करना।

रस परित्याग – *Rasa Parityāga*

Giving up of particular 6 kinds of tast.

बाह्य तप के 6 भेदों में एक भेद, दूध, दही, घी, तेल, गुड़-शक्कर और नमक इन छह रसों में से सभी रस या एक-दो रस का त्याग करना।

रसमान – *Rasamāna.*

Old measurement unit of liquids.

मान के दो भेदों में एक भेद, घी आदि तरल पदार्थों को मापने की कुटकी आदि प्राचीन ईकाई।

रसवाणिज्य – *Rasavāṇijya.*

Business of dairy products.

मक्खन, लोणी आदि का व्यापार।

रसाधिकाम्मोद – *Rasādhikāmmoda.*

A kind of clouds causing juicy raining

रसाधिक जाति के मेघ। ये रस की वर्षा करते हैं। उत्सर्पिणी काल में अतिदुःषमा काल के अन्त में ये बरसते हैं जिससे धरती उपजाऊ होती है।

रसायन – *Rasāyana.*

Ayurvedic medicines.

विधिपूर्वक सोना आदि धातुओं से बनाई गई औषधि। वर्तमान में खनिज एवं वनस्पति आदिक से जो औषधियां बनती हैं उन्हें भी रसायन कहते हैं।

रसायिक – *Rasāyika.*

Micro beings taking birth in impure liquids.

रस आसव आदि में उत्पन्न होने वाले जीव।

रहस्य – *Rahasya.*

A mystry, secret, Another name of *Antaray Karma*

गुप्त, अंतराय कर्म को रहस्य कहते हैं।

रहोभ्याख्यान – *Rahobhyākhyāna.*

Secret disclosure of a couple (an infraction of true speech).

सत्याणुव्रत का एक अतिचार, स्त्री-पुरुषों की एकांत में की गई चेष्टा को प्रकट करना।

राई – *Rāī.*

Mustard seed.

एक प्रकार का तिलहन।

राक्षस (देव) – *Rākṣasa (Deva).*

A type of peripatetic deities.

व्यंतर जातीय देवों के 8 भेदों में एक भेद।

राक्षस द्वीप – *Rākṣasa Dvīpa.*

Name of an island.

लवण सागर में विद्यमान द्वीपों के मध्य स्थित एक द्वीप।

राक्षस वंश – *Rākṣasa Vaṃśa.*

Name of a dynasty.

विद्याधरों का एक वंश; ये न देव होते हैं न राक्षस। राक्षस नामक द्वीप के रक्षक होने से राक्षस कहलाये।

राक्षस-विवाह – *Rākṣasa-Vivāha.*

A type of marriage (a forceful marriage without consent of girl).

विवाह का एक भेद, इसमें कन्या का बलपूर्वक अपहरण करके उससे विवाह किया जाता है।

राक्षसी विद्या – *Rākṣasī Vidyā.*

A super power possessed by *Rakshasa* (demon).

मेघवाहन विद्याधर को राक्षसों के इन्द्र भीम व सुभीम से प्राप्त एक विद्या।

राग – *Rāga.*

Attachment, Passion, Love, Affection.

प्रेम, प्रीति, स्नेह, माया व लोभ कषाय तथा हास्य, रति व तीन वेद से प्राप्त भाव।

राग परिहार – *Rāga Parihāra.*

Avoidance of attachment, Non-attachment

परपदार्थों के प्रति मोहभाव को छोड़ना, उदासीनता।

राग प्रत्यय – *Rāga Pratyaya.*

One of the passionful causes of influx of *Karmas.*

कर्मों के आस्रव के तीन हेतु (मोह, राग और द्वेष) में से राग का होना।

राग लोकैषणा – *Rāga Lokeṣaṇā.*

Longing for virtuous life by auspicious *Karmas.*

शुभ कर्मों से पुण्य की चाह करना।

रागांश – *Rāgāṁśa*

Partial attachment.

राग का अंशमात्र। यह भी कर्म बंध का कारण है। यह दसवें गुणस्थान तक होता है।

राजकथा – *Rājakathā.*

Gossip pertaining to king & Kingdom.

विकथा के 25 भेदों में एक भेद; राजाओं एवं उनके राज्य व्यवस्था आदि से संबंधित चर्चा करना।

राजगृह – *Rājagṛha.*

Name of an ancient Jain place of pilgrimage in dist. Nalanda, Bihar, where four auspicious events (*Garbh, Janma, Diksha & Kevalgyan Kalyanaka*) of the 20th *Tirthankar* (Jaina-Lord) Munisuvratnath occurred. And also it is the place of first *Deshna* (super resonant speech) of Lord Mahavira and the salvation place of many *Munis* (saints) including Sudharmacharya etc.

तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ के चार कल्याणक-गर्भ, जन्म, दीक्षा और केवलज्ञान प्राप्ति की भूमि एवं भगवान महावीर स्वामी की प्रथम दिव्य देशना भूमि, यह मगध देश की राजधानी थी तथा यहाँ राजा श्रेणिक राज्य करते थे। यहां से जीवंधर कुमार, सुधर्माचार्य आदि अनेक साधु मोक्ष गये हैं। यहाँ विपुलाचल आदि पाँच पर्वत हैं, इसलिए इसे पंचशैल या पंचपहाड़ी के नाम से जाना जाता है। इस राजगृही में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से भगवान मुनिसुव्रत की विशाल खड्गासन प्रतिमा दिसम्बर सन् 2003 में विराजमान हुई है।

राजद्रुम – *Rājadruma.*

The tree *Buchanania Latifolia*, a dry fruits' tree

चिरौंजी (एक सूखा मेवा) का वृक्ष।

राजधानी – *Rājadhānī.*

Capital city of any state or country.

किसी राज्य या देश की प्रधान नगरी जहाँ से शासन व्यवस्था का संचालन होता है।

राजपिंड – *Rājapiṇḍa.*

Food-taking from kingly or royal families (restricted for saints)

राजा आदि विशेष धनाढ्य व्यक्तियों के यहाँ से पिण्ड (आहार) ग्रहण करना, साधुओं के लिए ऐसे आहार ग्रहण का निषेध है।

राजभय – *Rājabhaya.*

Fear from ruler

राजा आदि का भय होना।

राजमती – *Rājamatī*

Name of a chief *Aryika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Neminath, 'Rajul'.

जूनागढ़ (गुजरात) के राजा उग्रसेन की पुत्री, जिनका विवाह भगवान नेमिनाथ के साथ होने वाला था किन्तु कारणवश नेमिनाथ के दीक्षा लेते ही राजुल ने भी कौमार्य अवस्था में ही आर्यिका दीक्षा धारण कर ली। पुनः यही नेमिनाथ भगवान् के समवशरण में मुख्य (गणिनी) आर्यिका बनी।

राजमती विप्रलंभ – *Rājamatī Vipralambha.*

A book written by *Pandit* Ashadharji.

पं. आशाधर जी द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ। विषय-नेमिराजुल संवाद।

राजमल्ल सत्यवाक्य – *Rājamalla Satyavākya.*

Name of a king.

ई. 816-830 के एक राजा का नाम। इनके राज्यकाल में ही आचार्य विद्यानंदि नं. 1 के द्वारा आप्तपरीक्षा, प्रमाणपरीक्षा, युक्त्यनुशासन ग्रंथ लिखे गये।

राजर्षि – *Rājarṣi.*

A type of saints possessing super powers

ऋषि का एक भेद-विक्रिया और अक्षीण (ऋद्धि) शक्ति के धारक साधु।

राजवलिकथे – *Rājavalikathe.*

Name of a Kannad book

ई. 1838 में रचित कथानुयोग विषयक एक कन्नड़ कृति।

राजवार्तिक – *Rājavārtika.*

Name of a treatise written by *Acharya* Akalank Dev.

आचार्य अकलंक देव (ई. 620-680) द्वारा तत्त्वार्थसूत्र ग्रंथ पर की गई विस्तृत संस्कृत वृत्ति।

राजविद्या – *Rājavidyā.*

Talent of governance of a Kingdom.

राज्य संचालन की विद्या; यह धर्म, अर्थ और काम तीनों पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली होती है।

राजवृत्ति – *Rājavṛtti.*
Ruling duties of a king
राजा का कार्य; पक्षपात रहित हो गुण की मर्यादा, बुद्धि और अपनी रक्षा करते हुए न्यायपूर्वक प्रजा का पालन करना राजाओं की राजवृत्ति कहलाती है ।

राजशेखर – *Rājaśekhara.*
Name of a poet
कर्पूर मंजरी नामक ग्रंथ के रचयिता एक कवि ।

राजस दान – *Rājasa Dāna*
Donation for own popularity or fame.
जो दान थोड़े समय के लिए सुन्दर और चकित करने वाला हो एवं अपने यश और ख्याति के लिए किया गया हो ।

राजसूय – *Rājasūya.*
Name of a violenceful *Yagya* (sacrificial fire) prevelent at the time of *Chakravarti* Sagar
चक्रवर्ती सगर के समय में प्रचलित राजाओं के द्वारा किया जाने वाला एक अनार्ष यज्ञ । महाकाल असुर के द्वारा हिंसा की प्रेरणा देने के लिए यह चलाया गया था ।

राजसेना – *Rājasenā.*
The army of a king
राजा की सेना । इसकी 18 श्रेणियां होती हैं ।

राजा – *Rājā.*
A king as a protector, a ruler of a country
देश का एक प्रधान पुरुष, प्रजा का रक्षक ।

राजाख्यान – *Rājākhyāna.*
One of the four expositions prescribed in Jaina scriptures.
जिनागम में कहे गये 4 आख्यानों में (लोकाख्यान, देशाख्यान, पुराख्यान, राजाख्यान) में चौथा । इसमें राजा के अधीन देश और नगर आदि का तथा उसके प्रभाव क्षेत्र का वर्णन किया जाता है ।

राजीमती – *Rājīmatī.*
See - *Rājamatī.*
देखें – राजमती ।

राजुलमती – *Rājulamatī.*
See - *Rājamatī.*
देखें – राजमती ।

राजू – *Rājū.*
See - *Rajjū.*
देखें – रज्जू ।

राज्यकाल – *Rājyakāla.*
Period of sovereignty, Ruling period.
शासनकाल ।

राज्यवंश – *Rājyavaṃśa.*
Kingly families.
ऐतिहासिक एवं पौराणिक राजाओं की वंशावली ।

राज्यातिक्रम – *Rājyātikrama.*
Tax evasion
करवंचन - राज्य नियमों के विरुद्ध टैक्स चोरी करना आदि अस्तेय व्रत का एक अतिचार ।

राज्याभिषेक – *Rājyābhiṣeka.*
Coronation the ceremony of crowning a king
स्नापन क्रिया, राजा को राज्य का स्वामित्व प्राप्त होने के समय होने वाली एक विधि । इसके पश्चात पट्ट बांधकर खड्गा-भूषण देते हुए राजा को स्वामित्व प्रदान किया जाता है ।

राज्योत्तम – *Rājyottama*
A summit situated at *Ruchak* mountain
रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट । यहां रत्नदेवी का निवास है जो तीर्थंकर के जन्म में सेवारत आती हैं ।

रात्रि – *Rātri.*
Night time (hours).
रात–सूर्यास्त के बाद से लेकर सूर्योदय तक का समय ।

रात्रिक आलोचना – *Rātrika Ālocanā.*
A type of self-criticism, admitting own faults (pertaining to night) before spiritual teacher.
आलोचना के 7 भेदों में एक भेद; गुरु के समीप रात्रि में हुए दोषों की आलोचना करना ।

रात्रिक पूजा – *Rātrika Pūjā.*
A kind of *Traikalik* worshipping, worshipping the Lord in night time
त्रैकालिक पूजा का एक प्रकार अर्थात् रात्रि में देवपूजा करना । सागार धर्मामृत ग्रंथ में श्रावकों के लिए तीनों संध्याओं में पूजन करने का विधान है ।

रात्रिक प्रतिक्रमण – *Rātrika Pratikramaṇa.*
Penitential retreat, an observance of Jaina saints pertaining to night infractions.
रात्रि में हुए दोषों का जो प्रतिक्रमण प्रातः सामायिक से पूर्व किया जाता है वह रात्रिक प्रतिक्रमण कहलाता है ।

रात्रिभुक्तित्याग – *Rātribhuktityāga.*
Renunciation of night eating (meal), the sixth spiritual stage of house holders.
रात्रि भोजन का त्याग करना, इसका पालन करना जैन श्रावक की पहचान है, श्रावक की 11 प्रतिमाओं में छठी प्रतिमा, मन वचन काय से रात्रि में चतुर्विध आहार का त्याग करना । इस प्रतिमा का द्वितीय नाम दिवामैथुन त्याग भी आता है ।

रात्रिभोजन – *Rātribhojana.*
Dinner (night meal), restricted in Jain philosophy.
रात में किया जाने वाला भोजन जो कि अहिंसा पालन की दृष्टि से निषिद्ध है ।

रात्रिभोजनत्यागव्रत कथा – *Rātribhojanatyāgavrata Kathā.*
Name of a religious book written by a celibate-*Brahamachari* Nemidatta.

ब्र. नेमिदत्त (ई. सन् 1518-28) कृत एक ग्रंथ ।

रात्रियोग – *Rātriyoga*

Meditational activities to be observed by saints during night hours (an austerity).

साधुओं का एक कृतिकर्म । सायंकालीन प्रतिक्रमण के पश्चात् योग भक्तिपूर्वक जैन साधु रात्रियोग धारण करते हैं पुनः प्रातःकालीन सामायिक से पूर्व योग भक्तिपूर्वक ही उसका निष्ठापन करते हैं

राध – *Rādha*.

Pertaining to attainment of spiritual power.

परद्रव्य के परिहार से शुद्ध आत्मा की सिद्धि अथवा साधन राध कहलाता है। आराधना, प्रसन्नता, पूर्णता, सिद्ध, साधित, आराधित, संसिद्धि आदि राध के ही पर्यायवाची नाम हैं ।

राम – *Rāma*

The son of king Dashrath, a *Balbhadra*

बीसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रत के तीर्थकाल में हुए अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र तथा सीता के पतिदेव का नाम ये 8वें बलभद्र थे। अपरनाम–पद्म ।

रामकथा – *Rāmakathā*

A religious book (Jain Ramayan) written by *Acharya* Kirtidhar.

आचार्य कीर्तिधर (ई. 600) द्वारा विरचित जैन रामायण। इसके आधार पर रविषेणाचार्य ने पद्मपुराण व स्वयंभू कवि ने पउमचरिउ लिखे हैं।

रामकीर्ति – *Rāmakīrti*.

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.

नंदिसंघ के उज्जयिनी गद्दी के भट्टारक का नाम। समय – वि 857 ।

रामगिरि – *Rāmagiri*.

Name of Amarkantak mountain (according to 'Meghdoot') & Girnar mountain (according to 'Nemichant').

मेघदूत की अपेक्षा अमरकंटक पर्वत और नेमिचरित की अपेक्षा गिरनार पर्वत ।

रामचरित्र – *Rāmacaritra*.

Name of a religious book written by Brahma Jindas.

ब्रह्म जिनदास कृत एक ग्रंथ, समय – 14वीं शताब्दी ।

रामपुत्र – *Rāmaputra*.

Name of an omniscient of the assembly of Lord Mahavira.

भगवान महावीर के तीर्थ में हुए 10 अन्तकृत केवलियों में चौथे केवली ।

रामपुराण – *Rāmapurāṇa*.

Name of a treatise.

एक कन्नड़ कवि पद्मनाभ द्वारा रचित ग्रंथ। समय – ई. 1580।

राम-बलदेव – *Rāma-Baladeva*.

Name of the 8th *Balbhadra* in the era of Lord Munisuvratnath.

तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ के तीर्थ में हुए 8वें बलभद्र, मांगीतुंगी से मोक्ष गये अपरनाम पद्म ।

रामसेन – *Rāmasena*.

Name of many Jain *Acharyas* or saints.

कई आचार्यों का नाम, माथुर संघ के प्रवर्तक वीरसेन आचार्य के शिष्य (ई. 823-863), सेन संघी गुरु नागसेन के शिष्य तथा तत्त्वानुशासन के कर्ता (ई.श. 11 उत्तरार्ध), काष्ठासंघ के सेनकीर्ति के शिष्य (ई. 1374) ।

रामा – *Rāmā*

Mother's name of *Tirthankar* (Jaina-Lord) Pushpadantnath

पुष्पदन्तनाथ (सुविधिनाथ) भगवान् की माता का नाम (अपरनाम–जयरामा) ।

रामायण (जैन) – *Rāmāyaṇa (Jaina)*.

A religious treatise written by a Kannad poet Kumudendu

ई. सन् 1275 में एक कन्नड़ कवि कुमुदेन्दु द्वारा रचित एक ग्रंथ।

रायचंद्र – *Rāyacandra*.

The other name of 'Shrimad Rajchandra' who was the son of 'Panchanbhai Mehta' & spiritual guide of 'Mahatma Gandhi'.

शतावधानी एक विद्वान् श्रावक; गुजरात में पंचाणभाई मेहता के पुत्र। आपको जातिस्मरण था। महात्मा गांधी भी धर्मक्षेत्र में इन्हें अपना मार्गदर्शक मानते थे । अपरनाम श्रीमद् राजचन्द्र ।

रायमल – *Rāyamala*.

Name of great writer of 'Samayasar Bhasha Tika', Hanumancharitra etc

एक पं., समयसार भाषा टीका, लाटी संहिता, हनुमच्चरित्र छंद आदि ग्रंथों के कर्ता। इन्हीं की समयसार कलश टीका को देखकर पं. बनारसी दास ने नाटक समयसार लिखा। समय – वि 1616-1663 ।

रायमलाभ्युदय – *Rāyamallābhyudaya*

Name of a religious book.

24 तीर्थंकरों के जीवन वृत्त विषयक एक ग्रंथ ।

रावण – *Rāvaṇa*.

The 8th *Pratinarayan*, the son of the king Ratnashrava his other name was Dashanan

8वां प्रतिनारायण, राजा रत्नश्रवा एवं रानी केकसी का पुत्र, अपरनाम दशानन। यह लंका का राजा था। इसकी 18 हजार रानियां थी, जैनधर्म के अनुसार सीता का हरण कर नारायण लक्ष्मण के हाथों मरकर तीसरे नरक गया ।

राशि – *Rāśi*.

Any number or quantity, The signs.

अंक या संख्याएं, ज्योतिष्चक्र की बारह राशियां। जो जन्मकुंडली एवं पंचांग आदि से ज्ञात की जाती हैं ।

राष्ट्रकूटवंश – *Rāṣṭrakūṭavaṁśa.*
Name of a dynasty.
जगतुग, अमोघवर्ष आदि राजाओं का वंश, इस वंश का राज्य मालवा प्रांत में था। राजधानी मान्यखेट थी।

राहू – *Rāhū.*
An astrological planet.
ज्योतिष के 9 मुख्य ग्रहों में 8वाँ ग्रह। जन्मकुंडली में राहू ग्रह से अरिष्ट होने पर उसके निवारण हेतु भगवान नेमिनाथ की उपासना की जाती है।

रिक्कु – *Rikku.*
A measurement unit of area.
क्षेत्र का प्रमाण विशेष। अपरनाम किष्कु या गज। 2 हस्त= 1 किष्कु।

रिट्ठणेमिचरिउ – *Riṭṭhaṇemicariu.*
Name of a religious book written by a poet Svayambhu.
कवि स्वयम्भू (ई. 734-840) कृत नेमिनाथ भगवान का जीवन वृत्त। 18000 श्लोक प्रमाण अपभ्रंश काव्य।

रिष्टसमुच्चय – *Riṣṭasamuccaya.*
Name of a book related to mystical theme.
आचार्य दुर्गदेव कृत मन्त्र तन्त्र विषयक एक संस्कृत ग्रंथ का नाम। समय - 11वीं शताब्दी।

रुक्मि (कूट) – *Rukmi (Kūṭa).*
Name of a summit of *Rukmi* mountain.
रुक्मि पर्वत के 8 कूटों में एक कूट।

रुक्मि पर्वत – *Rukmi Parvata.*
Name of the fifth *Kulachal* (mountain) among all six.
जम्बूद्वीप के छह कुलाचल पर्वतों में 5वां कुलाचल (पर्वत), यह चांदी के समान है, इस पर महापुण्डरीक ह्रद है जिसमें बुद्धिदेवी रहती है।

रुक्मिणी – *Rukmiṇī.*
The daughter of king Bhishma, the chief wife of Krishna.
भीष्म राजा की पुत्री, कृष्ण की पटरानी, प्रद्युम्न की मां। अंत में सभी पटरानियों और पुत्र वधुओं के साथ दीक्षित हुई।

रुक्मिणी व्रत – *Rukmiṇī Vrata.*
A specified procedural fasting.
श्रीकृष्ण की पटरानी रुक्मणी ने लक्ष्मीमती के भवन में जो व्रत लिया था। भादों सुदी 8, 10, 12, 14 को उपवास 7, 9, 11, 13, 15 को पारणा इस तरह 8 वर्ष तक करना (व्रत विधान संग्रह से उद्धृत)।

रूक्ष – *Rukṣa.*
Dry, Rough.
रूखा, नीरस।

रूक्षस्पर्श नामकर्म – *Rukṣasparśa Nāmakarma.*
A type of *Karma* causing dry skin in body.
जिस कर्म के उदय से शरीर रूखा हो।

रुचक – *Rucaka.*
Name of the 15th *Patal* (layer) & *Indrak* of *Saudharma* heaven, Name of summits of different mountains.
सौधर्म स्वर्ग का 15वाँ पटल व इन्द्रक, मध्यलोक का 13वा द्वीप व समुद्र, निषध पर्वत एवं कुंडलवर पर्वत का एक-एक कूट।

रुचकाभ – *Rucakābha.*
Name of a summit of *Kundalvar* mountain.
कुंडलवर पर्वत का एक कूट।

रुचकप्रदेश – *Rucakapradeśa.*
Specified 8 regions of beings.
जीव व लोकाकाश के आठ मध्यप्रदेश, जो अचल रूप से अवस्थित रहते है।

रुचकवर – *Rucakavara.*
The 13th island and ocean of middle universe.
मध्य लोक का तेरहवां द्वीप व सागर।

रुचकवर पर्वत – *Rucakavara Parvata.*
Name of a ring shaped mountain of the 13th island of middle universe.
मध्यलोक के 13वें द्वीप का कुण्डलाकार पर्वत। इस पर कुल 44 कूट है, पूर्वादि प्रत्येक दिशा में 8-8 कूट है जिन पर दिक्कुमारी देवियां रहती हैं जो भगवान की माता की सेवा में जन्म कल्याणक के समय आती हैं। अभ्यंतर भाग में 4 सिद्धकूट हैं।

रुचकवर सागर – *Rucakavara Sāgara.*
Name of an ocean surrounding *Ruchakvardvip* (island) with having sweet water.
रुचकवर द्वीप को घेरे हुए एक समुद्र इसके जल का स्वाद मीठा है। विस्तार 16782336 लाख योजन है।

रुचकोत्तम – *Rucakottama.*
Name of a summit of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वत के कूट का नाम। यहां रुचकप्रभा नाम की प्रधान दिक्कुमारी देवी रहती है।

रुचि – *Ruci.*
Interest, Devotion, spiritual attachment.
अभिरुचि, प्रेम, तत्त्वार्थ के विषय में तन्मयपना।

रुचिर – *Rucira.*
Name of a summit of *Ruchak* mountain, Name of the 16th *Patal* (layer) and *Indrak* of *Eshan* heaven.
रुचक पर्वत पर स्थित एक कूट, सौधर्म ऐशान स्वर्ग का 16वाँ पटल व इन्द्रक।

रुज – *Ruja.*
Disease, illness.
रोग।

रुजा – *Rujā.*
Illness, Infraction, Pain, Trouble.
वेदना, रोग, पीड़ा, संताप।

रुद्र – *Rudra.*

Name of a planet, Name of the third *Narad* & *Rudra*. (*Rudra*-saints tainted from their real path; they are 11 in number).

88 ग्रहों में एक ग्रह, तीसरे रुद्र एवं तीसरे नारद का नाम, जिनदीक्षा लेने के उपरांत संयम भ्रष्ट होकर जो रौद्र कार्य करने लगते हैं। ये दसवें विद्यानुवाद पूर्व का अध्ययन करते समय विषयासक्त होकर तप से भ्रष्ट हो जाते हैं और नरकगामी होते हैं। रुद्र 11 होते हैं।

रुद्रकोण – *Rudrakona.*

The north-east direction

ईशान दिशा।

रुद्रदत्त – *Rudradatta.*

Name of a *Brahmin* in the era of Lord Rishabhdev who went into 7th hell because of gambling, Name of an uncle of Charudatta having bad adiction.

भगवान् ऋषभदेव के तीर्थ में एक ब्राह्मण जो पूजा के लिए प्राप्त द्रव्य से जुआ खेलने के फलस्वरूप सातवें नरक में गया, चारुदत्त का व्यसनी चाचा। चारुदत्त को व्यसनी इसी ने बनाया था।

रुद्ररुद्र – *Rudrarudra.*

Name of a *Rudra* in the era of Lord Pushpadant.

पुष्पदंत भगवान् के तीर्थकाल में हुए रुद्र का नाम।

रुद्रवसंत व्रत – *Rudravasamta Vrata.*

A specified procedural vow (fasting).

क्रमशः 2,3,4,5,6,6,4,3,2 इस प्रकार 35 उपवास करना। बीच के स्थानों में पारणा व नमस्कार मंत्र की त्रिकाल जाप करना।

रुधिर – *Rudhira.*

Blood, Name of the 10th *Patal* (layer) & *Indrak* of *Saudharma* heaven.

खून, सौधर्म स्वर्ग का दसवाँ पटल व इन्द्रक।

रुधिर अंतराय – *Rudhira Amtarāya.*

A type of obstacle (bleeding) related to saint-food.

आहार संबंधी एक अंतराय; आहार करते समय साधु को अपने अथवा दूसरे के शरीर से रक्त बहता दिख जाना।

रूक्षत्वस्कंध – *Ruksatvaskamdha.*

A matter with dryness or dried matter.

रूखेपने से सहित अथवा चिकनाहट से रहित पुद्गल स्कंध।

रूक्षपुद्गल – *Ruksapudgala.*

Matters or molecules with separateness.

रूक्ष (रूखे) गुण से सहित पुद्गल परमाणु। जिनका आपस में बंध नहीं होता।

रूक्षाणु – *Ruksāṇu.*

Particles with having property of roughness.

रूक्ष गुण वाला अणु। इसका दो अधिक गुणवाले विपरीत अणुओं के साथ बंध होता है।

रूढ़ संख्या – *Rūḍha Saṁkhyā*

Prime number (number which can be divide only by 1 or itself)

संख्या जो स्वयं से अथवा एक से भाजित हो।

रूढ़ि – *Rūḍhi.*

Old usage, tradition, convention.

परम्परागत, सर्वमान्य अर्थ या लोकप्रसिद्ध।

रूप – *Rūpa*

Appearance, Features, Mode, Form

आकार, मूर्तिक।

रूपगताचूलिका – *Rūpagatācūlikā.*

A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*) containing description of mystical theory

द्वादशांग श्रुतज्ञान के दृष्टिवाद अंग के 5 भेदों में चूलिका का एक उपभेद। जिसमें सिंह आदि आकृति धारण करने के मंत्र तंत्र का वर्णन है।

रूपपरावर्तन विद्या – *Rūpaparāvartana Vidyā*

A type of supernatural power of changing body appearance

रूप परिवर्तन करने में समर्थ विद्या।

रूपमद – *Rūpamada*

Pride of beauty-puff

आठ मदों में एक मद। अपनी सुन्दरता का घमंड होना।

रूपरेखा – *Rūparekhā.*

General outline.

प्रारूप, कार्य या क्रिया विधि बनाना।

रूपसत्य – *Rūpasatya.*

Description of something by general outline.

10 प्रकार के सत्यभाषण में एक, इसमें पदार्थ के न होने पर रूप मात्र की अपेक्षा उसका कथन करना। जैसे – चित्र में बने पुरुष को पुरुष कहना।

रूपस्थ ध्यान – *Rūpastha Dhyāna.*

Deeply engrossment in the form of Lord Arihant.

समवशरण में स्थित अरहंत भगवान् का ध्यान करना।

रूपाचला – *Rūpācala.*

Another name of *Vijayardh* mountain

विजयार्द्ध पर्वत।

रूपातीत ध्यान – *Rūpātīta Dhyāna.*

A type of meditation deep engrossment in the form of Siddha Bhagvan

सिद्ध परमेष्ठी का ध्यान करना।

रूपानुपात – *Rūpānupāta.*

Making signs for persons beyond the limit, as the morse code with flags etc. (an infraction of *Deshvrat*).

देशव्रत का एक अतिचार; मर्यादा के बाहर काम करने वालों को निजरूप दिखाकर अपना प्रयोजन बता देना।

रूपिणी – *Rūpinī.*

A magical power of transforming body form

इच्छानुसार अपना रूप परिवर्तन करने में समर्थ एक विद्या।

रूपी – *Rūpī.*

Something having characteristic of some shape and senses.

स्पर्श, रस, गंध, वर्ण गुणों से सहित पदार्थ।

रूप्य – *Rūpya*

Name of the 6" summit of *Rukmi* mountain and its deity.

रुक्मि पर्वत के छठे कूट व देव का नाम।

रूप्यकूला – *Rūpyakūla.*

Name of a great river which flows in *Hairanyavata* region of *Jambudvip* (island)

जम्बूद्वीप व हैरण्यवत क्षेत्र में प्रवाहित एक महानदी, यह रुक्मि पर्वत के महापुण्डरीक द्रह से निकलती है।

रूप्यमाषफल – *Rupyamaṣaphala.*

A weighing unit.

तौल का प्रमाण विशेष। 2

रूप्यवर – *Rūpyavara.*

Name of an island & an ocean of middle universe

मध्यलोक के अंतिम 16 द्वीपों में दशवा द्वीप व समुद्र।

रूप्याद्रि – *Rūpyādri.*

Another name of *Vijayardh* mountain.

विजयार्ध पर्वत का अपरनाम।

रेखा – *Rekhā.*

A straight line

सरल लकीर।

रेचक – *Recaka.*

Breathing out, a process of meditation

प्राणायाम का एक भेदरूप-श्वास को बाहर निकालना, केवली समुद्घात में होने वाली आत्मप्रदेशों की अंतिम उपसंहार की अवस्था।

रेणुका – *Reṇukā.*

Mother's name of the 13th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh Kshetra* (region)

विदेह क्षेत्र में स्थित 13वें तीर्थंकर चन्द्रबाहु की माता का नाम।

रेवती – *Revatī.*

Name of a lunar, Name of a queen (on the right path of religion).

एक नक्षत्र, रानी, जो सम्यग्दर्शन के अमूढ़दृष्टि अंग में प्रसिद्ध हुई।

रेवानदी – *Revā Nadī.*

Name of a holy river of Madhya Pradesh near Siddhvarkut, a place of pilgrimage.

मध्यप्रदेश की एक प्रसिद्ध नदी, इसके किनारे सिद्धवरकूट सिद्धक्षेत्र है, जहां से दो चक्री और 10 कामकुमार आदिक साढ़े तीन करोड़ मुनि मोक्ष गये हैं।

रेशन्दीगिरि (तीर्थ) – *Reśandīgiri (Tīrtha).*

Name of a place of pilgrimage (*Siddhakshetra*) of M.P. It's another name is Nainagiri

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में अवस्थित एक सिद्धक्षेत्र, जहाँ से वरदत्त आदि मुनि मोक्ष पधारे। इस क्षेत्र का दूसरा नाम नैनागिरी भी है।

रेशमी वस्त्र – *Reśamī Vastra.*

Silky cloth

रेशम से बने वस्त्र।

रैन मंजूषा – *Raina Mañjūṣā*

The daughter of king Kanakaketu of Hansdvip (island).

हंसद्वीप के राजा कनककेतु की पुत्री का नाम। सहस्रकूट चैत्यालय के कपाट खोलने से श्रीपाल से विवाही गई थी

रैवतक पर्वत – *Raivataka Parvata.*

Girnar mountain in Saurashtra (Junagarh), the salvation land of Lord Neminath

सौराष्ट्र देश में जूनागढ़ राज्य का गिरनार पर्वत, तीर्थंकर नेमिनाथ की निर्वाणभूमि।

रोग – *Roga.*

Disease

रुजा, बीमारी, व्याधि। रोगों की कुल संख्या पाँच करोड़ अड़सठ लाख निन्यानवे हजार पाँच सौ चौरासी (56899584) है ये रोग नारकियों के एक साथ होते हैं।

रोगपरिषहजय – *Rogapariṣaha Jaya.*

To bear afflictions of diseases.

22 परिषहों में एक परिषह; असाध्य पीड़ा को उसके प्रतिकार की कामना रहित होकर साधु द्वारा समतापूर्वक सहन करना। रोग परिषह जय कहलाता है।

रोगराहित्य – *Rogarāhitya.*

Devoid of diseases, an excellence of Lord Arihant.

रोगरूपी बाधा का अभाव होना। अर्हंत भगवान के देवकृत अतिशयों में एक अतिशय; समवसरण में सम्पूर्ण जीवों को रोग आदि की बाधाएँ नहीं होना।

रोचक शैल – *Rocaka Śaila.*

Name of a mountain in *Bhadrasal* forest.

भद्रशाल वन में स्थित एक दिग्गजेन्द्र पर्वत।

रोचन – *Rocana.*

A *Diggagendra* mountain of the north *Kuru.*

उत्तर कुरु का दिग्गजेन्द्र पर्वत।

रोटतीज व्रत – *Roṭatīja Vrata*

A type of vow or fasting.

त्रिलोक तीजव्रत; भादों सुदी तीज के दिन विशेष विधि से किया जाने वाला व्रत जिसमें रोट बनाकर भगवान के सम्मुख चढ़ाया जाता है।

रोध – *Rodha.*

A type of obstacle in saint-food (prohibition of food taking).
साधु के आहार संबंधी 32 अंतरायों में एक अंतराय; आहारचर्या के लिए निकले साधु को बीच में ही किसी के द्वारा रोक दिया जाना कि आप रुक जाओ आगे नहीं जा सकते इत्यादि ।

रोम – *Roma.*

Small hair in the pores of body
शरीर के समस्त छिद्रों में स्थित सूक्ष्म बाल। औदारिक शरीर में रोमों का प्रमाण 80,000,00 करोड़ है ।

रोमज (वस्त्र) – *Romaja (Vastra).*

Woolen clothes
वस्त्र के 5 प्रकारों अंडज, बोंडज, रोमज, वल्कज, चर्मज में एक प्रकार; ऊन से बने वस्त्र ।

रोम समानता – *Roma Samanatā*

A transcendental excellence of Lord Arihant, not increasing of nails & hair.
अर्हंत भगवान् का एक अतिशय - सजीव होते हुए भी नख, रोम और केशों का समान रहना अर्थात् नहीं बढ़ना ।

रोष – *Roṣa.*

Anger, rage; Indignation
क्रोधी पुरुष का तीव्र परिणाम, क्रोध ।

रोहिणी – *Rohiṇi.*

Female governing deity of Lord Ajitnath, A type of super power, Name of a lunar.
भगवान अजितनाथ की शासन देवी का नाम, एक विद्या, एक नक्षत्र का नाम ।

रोहिणी व्रत – *Rohini Vrata*

A vow or fasting to be observed on *Rohini Nakshatra* (a lunar)
जिस दिन रोहिणी नक्षत्र हो उस दिन उपवास करना। इस दिन भगवान वासुपूज्यनाथ की पूजन तथा उन्हीं के नाम की जाप की जाती है। इस व्रत के प्रभाव से हस्तिनापुर के राजा अशोक की रानी रोहिणी को रोना किसे कहते हैं यह भी नहीं ज्ञात था अर्थात् उसके जीवन में शोक कभी आया ही नहीं था ।

रोहित कुंड – *Rohita Kuṇḍa.*

Name of a large pool of *Haimvat Kshetra* (region).
हैमवत क्षेत्र में स्थित एक कुण्ड जिसमें से रोहित नदी निकलती है ।

रोहित नदी – *Rohita Nadi.*

Name of a great river (one of the 14).
14 महानदियों में तीसरी नदी, यह महाहिमवान पर्वत के महापद्म सरोवर से निकल कर हैमवत क्षेत्र में बहकर पूर्व समुद्र में गई है । इसका अपरनाम रोहा है ।

रोहितास्या नदी – *Rohitāsyā Nadi.*

Name of the 4th great river amoung 14.
14 महानदियों में चौथी नदी, यह हिमवान पर्वत के पद्म सरोवर से निकलकर हैमवत क्षेत्र में बहकर पश्चिम समुद्र में गई है ।

रौद्र – *Raudra.*

Violent, passion, fearsome, A literary sentimental form of poem
हिंसा व क्रूरता का कार्य अथवा इसमें होने वाला भाव, काव्य के 9 रसों में एक रस ।

रौद्र ध्यान – *Raudra Dhyāna*

Involvement in cruel thoughts or Cruel concentration
हिंसा, असत्य, चोरी और विषय संरक्षण के लिए सतत चिन्तन करना, अथवा क्रूर या दुष्ट आशय से होने वाला ध्यान । इसके हिंसानंद, मृषानंद, चौर्यानंद, परिग्रहानन्द ये 4 भेद हैं। यह ध्यान नरकगति का कारण है ।

रौद्रास्त्र – *Raudrāstra*

A super powerful weapon
हजारों अस्त्रों से युक्त एक दिव्य अस्त्र ।

रौप्य – *Raupya.*

Silver.
चांदी ।

रौप्याद्रि – *Raupyādri*

Name of the *Vijayardh* mountain having silvery form
चांदी जैसे वर्ण वाला विजयार्ध पर्वत। इसका अपरनाम रौप्य शैल है ।

रौरव – *Raurava.*

The 3rd *Patal* (layer) of the first hell
पहले नरक का तीसरा पटल ।

ह्रं – *Khaṃ*

A spiritual and mystical word of meditation.
एक मंत्र; यह जिनेन्द्र भगवान का वाचक है ।

ल

ल – *La.*

The 28th consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का अट्ठाईसवाँ व्यंजन इसका उच्चारण स्थान दन्त है।

लंका – *Lanka.*

Name of a city in the *Rakshas* island of *Lavan* ocean
1. जम्बूद्वीप के लवण समुद्र के अन्दर स्थित राक्षस द्वीप की नगरी, यहां का राजा रावण था। 2. वर्तमान में लंका नगरी जो भारत के दक्षिण में स्थित है। जिसे श्रीलंका देश के नाम से जाना जाता है। रावण की लंका यह नहीं है क्योंकि वह लवण समुद्र में थी।

लंघन – *Langhana*

Food renunciation.
किसी कारणवश भोजन का त्याग कर देना लंघन है तथा विषय, कषाय और आरम्भ का जहां संकल्पपूर्वक त्याग किया जाता है वह उपवास है।

लंबित – *Lambita.*

An infraction of meditative relaxation, standing with bowing head
कायोत्सर्ग का एक अतिचार, सिर को नीचा करके खड़े होना।

ल – *La.*

A symbol for one hundred thousand.
लक्ष (एक लाख) की सहनानी।

ल.को. – *La. Ko.*

A symbolic expression for a large number (one lac crore).
लक्षकोटि की सहनानी। एक लाख करोड़।

लक्ष – *Laksa.*

Lac—a number.
लाख की संख्या।

लक्षण – *Laksana.*

Symptoms, indication, Characteristic or distinguishing feature
किसी वस्तु की पहचान बताने वाला स्वरूप, हेतु या चिन्ह को लक्षण कहते हैं।

लक्षण निमित्तज्ञान – *Laksana Nimittajñāna.*

A type of knowledge gained through different marks of the body
अष्टांग निमित्त ज्ञान का छठा अंग, शारीरिक चिन्ह देखकर मनुष्य के ऐश्वर्य एवं दरिद्री आदि का ज्ञान होना।

लक्षणपंक्ति व्रत – *Laksanapankti Vrata.*

A particular type of vow (fasting) observed with proper procedure.
किसी भी दिन से प्रारम्भ करके एक उपवास एक पारणा क्रम से 204 उपवास करना एवं णमोकार मंत्र का त्रिकाल जाप्य करना। अपरनाम दिव्य लक्षणपंक्ति व्रत है।

लक्षणाभास – *Laksanābhāsa.*

Faulty characteristics (a fallacy).
मिथ्या अर्थात् सदोष लक्षण।

लक्षपर्वा – *Laksaparva.*

A medicinal knowledge.
एक औषधि विद्या।

लक्ष्मण – *Laksmana.*

The younger brother of Lord Ramchandra.
राजा दशरथ के पुत्र, राम के भाई, आठवें नारायण, इन्होंने कोटिशिला उठाया था। लक्ष्मण का राम के प्रति भ्रातृ प्रेम संसार में प्रचलित है।

लक्ष्मणापुरी – *Laksmanapuri.*

The old name of the present Lucknow.
वर्तमान लखनऊ।

लक्ष्मणा – *Laksmanā.*

Mother's name of Lord Chandraphrabh.
राजा महासेन की रानी जो कि तीर्थंकर चन्द्रप्रभ की माता थी।

लक्ष्मी – *Laksmi.*

Name of a female divinity of large pond situated at *Shikhari* mountain.
शिखरी पर्वतस्थ पुण्डरीक ह्रद की स्वामिनी दिक्कुमारी देवी, ये गर्भावस्था में जिनमाता की सेवा करती हैं।

लक्ष्मीकूट – *Laksmikūta.*

The 6th summit of *Shikhari Kulachal* (mountain).
शिखरी कुलाचल का छठा कूट।

लक्ष्मीदेवी – *Laksmidevi.*

A female divinity of *Pundarik* lake.
शिखरी पर्वत के पुण्डरीक ह्रद की देवी। केवलज्ञान रूपी महालक्ष्मी के प्रतीक में निर्मित मूर्ति। जिनके मस्तक पर अरिहंत भगवान की मूर्ति होती है।

लक्ष्मीमती – *Laksmimati.*

Name of a presiding female divinity of *Ruchak* mountain, The queen of the king Somprabh of Hastinapur, Another name of mother of Jaina-Lord Chandraprabh.
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी, हस्तिनापुर के राजा सोमप्रभ की रानी जयकुमार की माता, तीर्थंकर चन्द्रप्रभ की माता लक्ष्मणा का अपरनाम।

लक्ष्य – *Laksya.*

Aim, Goal, Purpose.
उद्देश्य, निशाना, संकल्प।

लक्ष्य लक्षण संबंध – *laksya Laksana Sambandha.*

A relative factor.
संबंध का एक भेद। धर्म धर्मी में संबंध।

लगड शय्यासन तप – *Lagaḍa Śayyāsana Tapa.*
A kind of austerity, sleeping with shrunk limbs
कायक्लेश तप का एक भेद, शरीर को संकुचित करके सोना।

लघिमा ऋद्धि – *Laghimā Ṛddhi.*
A type of super-natural power pertaining to turning body lighter than air
विक्रिया ऋद्धि का एक भेद, जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु अपने शरीर को वायु से भी हल्का बनाने में समर्थ होते हैं।

लघीयस्त्रय – *Laghīyastraya*
Name of a commentry book written by *Ācārya* Akalanka Dev.
आचार्य अकलंक देव (ई. 620–680) कृत न्याय विषयक 78 कारिका प्रमाण संस्कृत ग्रंथ।

लघीयस्त्रयवृत्ति – *Laghīyastrayavṛtti.*
Name of a commentary book written by *Ācārya* Abhayachandra.
आचार्य अभयचन्द्र (ई.श 13) की लघीयस्त्रय ग्रंथ पर स्याद्वादभूषण नाम की तात्पर्य वृत्ति।

लघु – *Laghu*
Short, Small, Light.
हल्का, अल्प।

लघुत्व गति – *Laghutva Gati.*
Motion (speed) of cotton (pertaining to going up-side in the atmosphere).
तुंबड़ी, रूई आदि की (ऊपर जाने वाली) गति।

लघुभाषा – *Laghubhāṣā.*
Regional language or dialect (about 700 in numbers).
700 क्षुद्र भाषा। अरिहंत भगवान की दिव्यध्वनि 718 भाषाओं में खिरती है जिनमें से 18 महाभाषाएं एवं 700 लघु भाषाएं होती हैं।

लघुमासिक प्रायश्चित्त – *Laghumāsika Prāyaścitta.*
A kind of repentance.
एक प्रकार की प्रायश्चित्त विधि।

लघुरिक्थ – *Laghurikthа.*
Logarithm to the base 2.
2 के आधार वाला लघुगणक।

लघुशंका – *Laghuśaṁkā*
Urination.
मूत्रोत्सर्ग, लघु व दीर्घ शंका जाने के बाद प्रायश्चित्त रूप में 25 उच्छ्वास का कायोत्सर्ग किया जाता है।

लघुसर्वज्ञ सिद्धि – *Laghusarvajña Siddhi.*
Name of a book written by *Ācārya* Anantakirti.
आचार्य अनंतकीर्ति (ई.श 9 उत्तरार्ध) कृत संस्कृत भाषा का एक न्याय विषयक ग्रंथ।

लज्जा – *Lajjā.*
Sense of decency or modesty Shame.
शर्म, अंतःकरण की वह भावना जिसके कारण दूसरे के सामने वृत्तियाँ संकुचित हो जाती हैं।

लतांग – *Latāṁga.*
A large unit of time.
84 लाख पूर्व प्रमाण काल।

लता – *Latā.*
A large unit of time.
84 लाख लतांग प्रमाण काल, घातिया कर्म की अनुभाग शक्ति का एक उदाहरण।

लतागृह – *Latāgṛha.*
A part of the palace of residential deities
भवनवासी देवों के भवनों में बना एक गृह।

लताभूमि – *Latābhūmi.*
One of the 11 lands in the *Samavasaraṇa* (assembly of Lord) containing greenery & creepers
समवशरण की 11 भूमियों में तीसरी लतावन्भूमि, इसमें नाना प्रकार की लताएं सुशोभित होती हैं। लताभूमि में लता मण्डप बने होते हैं, जिनमें सुर (देवता) क्रीडारत रहते हैं।

लतावक्र – *Latāvakra*
An infraction of meditative relaxation (shaking of the body).
कायोत्सर्ग का एक अतिचार, लता की भांति इधर-उधर हिलना।

लब्ध – *Labdha.*
Quotient, Attained something.
हासिल या प्राप्त किया गया।

लब्ध राशि – *Labdha Rāśi.*
Gained amount or quantity of something
प्राप्त की गई राशि।

लब्धि – *Labdhi.*
Attainment, different types of gain for getting salvation.
प्राप्ति, सम्यक्त्व प्राप्ति की पूर्व सामग्री, क्षयोपशम, विशुद्धि, प्रायोग्य, देशना, करण 5 लब्धियां–जीव में संयम या संयमासंयम आदि को धारण करने की योग्यताएं। अंतराय के क्षयोपशम से प्राप्त शक्ति, दान, लाभ, भोग, उपभोग, वीर्य, क्षायिक भाव आदि 9 लब्धियां।

लब्धि अक्षर – *Labdhi Akṣara*
Destructional cum subsidential state of *Karmas* of all beings.
अक्षर के 3 भेदों में एक भेद, सूक्ष्म निगोद लब्ध्यपर्याप्तक से लेकर श्रुतकेवली तक जीवों के जितने क्षयोपशम होते हैं उन सबकी लब्ध्यक्षर संज्ञा है।

लब्धिप्राप्त – *Labdhiprāpta.*
A type of super body obtained through high austerity
विशेष तप आदि करने पर प्राप्त वैक्रियिक शरीर।

लब्धिविधान व्रत – *Labdhividhāna Vrata.*
A particular type of fasting or vow

तीन वर्ष तक हर भादों, माघ व चैत्र मास में कृ. अमावस को एकासन 1 से 3 को तेला तथा 4 को एकासन करना एवं शीलादि पलते हुए 'ॐ ह्रीं महावीराय नमः' की त्रिकाल जाप करना।

लब्धिसम्पन्न ऋषि – *Labdhisampanna Ṛsi.*

Super saints, visiting of whom is a cause of right faith

सम्यग्दर्शन प्राप्ति का एक निमित्त, लब्धिसम्पन्न ऋषियों का दर्शन।

लब्धिसंवेग सम्पन्नता – *Labdhisamvega Sampannatā.*

A kind of super enjoyment pertaining to *Tirthankar* (Jaina-Lord).

तीर्थंकर कर्मबंध का छठा कारण, रत्नत्रय जनित हर्ष का नाम लब्धिसंवेग है।

लब्धिसार – *Labdhisāra.*

Name of a great Jaina scripture written by *Acharya* Nemichandra Siddhant Chakravarti

आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती (ई.श. 11 का पूर्वार्ध) द्वारा रचित मोहनीय कर्म के उपशम विषयक 39। गाथा प्रमाण प्राकृत गाथाबद्ध ग्रंथ।

लब्धिसार टीका – *Labdhisāra Ṭīkā.*

Name of a commentary book written by *Acharya* Nemichandra and by *Pandit* Todarmal

आचार्य नेमिचन्द्र कृत संस्कृत संजीवनी टीका तथा प. टोडरमल (ई. 1736) कृत भाषा टीका।

लब्धिस्थान – *Labdhisthāna.*

Attainment - station, States of super attainments

देश व सकल संयम प्राप्ति योग्य संयम स्थान।

लब्ध्यक्षर ज्ञान – *Labdhyakṣara Jñāna.*

The lowest level of knowledge

पर्याय ज्ञान या सबसे जघन्य श्रुतज्ञान। इसे निरावरण ज्ञान भी कहते हैं यह सूक्ष्म निगोदिया लब्ध्यपर्याप्तक जीव के उत्पन्न होने के पहले समय में होता है।

लब्ध्यपर्याप्तक – *Labdhyaparyāptaka.*

Absolutely non-developable beings (having very short life).

अपर्याप्तक नाम कर्म के उदय से जो जीव अपने योग्य पर्याप्तियों को पूर्ण किए बिना ही श्वास के 18वें भाग में मरण को प्राप्त हो जाता है अर्थात् जिसके एक भी पर्याप्ति पूर्ण नहीं होती उसे लब्ध्यपर्याप्तक कहते हैं।

लब्ध्यक्षर – *Labdhyakṣara.*

See - *Labdhi Akṣara.*

देखें – लब्धि अक्षर।

लय – *Laya.*

Absolute engrossment

लीनता, तन्मयता, जो मुनि कल्पना के जाल को दूर करके अपने चैतन्य आनंदमय स्वरूप में लय को प्राप्त होता है, वहीं निश्चयरत्नत्रय का स्थान होता है।

लयन कर्म – *Layana Karma.*

Sculpture, to carve out Lord Idol in the mountain.

कर्म का एक भेद, लयन अर्थात् पर्वत, उसमें निर्मित प्रतिमाओं का नाम लयन कर्म है।

ललाम – *Lalāma.*

Supreme, Excellent.

श्रेष्ठ, तिलक।

ललितकीर्ति – *Lalitakīrti.*

Name of saints – (1) Spiritual teacher of Ratnanandi - II. (2) The disciple of Jagatkirti of *Kashtha* group.

यशःकीर्ति नं. 3 के गुरु और रत्ननंदि द्वि. के शिक्षा गुरु। समय ई. 1214, काष्ठासंघी जगत्कीर्ति के शिष्य एक मंत्रवादी। कृति - महापुराण टीका, नंदीश्वर व्रत आदि 13 कथाएँ।

ललितांग देव – *Lalitāṅga Deva*

Name of a heavenly deity, the pre-birth soul of Lord Rishabhdev.

सल्लेखना के प्रभाव से उत्पन्न ऐशान स्वर्ग का देव, यह ऋषभदेव भगवान के पूर्व का छठवां भव है।

लव – *Lava.*

A unit of time, The son of Lord Ram & Sita

किंचित्; सात स्तोक प्रमाण काल, परित्यक्त सीता के गर्भ से पुण्डरीक के राजा वज्रजंघ के घर उत्पन्न रामचन्द्र के जुड़वा पुत्रों – अनंगलवण व मदनांकुश में से एक। रामायण में अनंगलवण को लव एवं मदनांकुश को कुश के नाम से जाना जाता है।

लवणसागर – *Lavaṇasāgara*

The first ocean of middle universe, containing salty water.

मध्यलोक का प्रथम सागर, खारे जल वाला होने से इसका नाम लवणोदधि है।

लवणोदसिद्ध – *Lavaṇodasiddha.*

Salvated beings from the *Lavan* ocean.

क्षेत्र की अपेक्षा से लवण समुद्र से सिद्ध होने वाले जीव जो स्तोक (थोड़े) हैं।

लवपुर – *Lavapura.*

The past name of present Lahore city.

वर्तमान लाहौर।

लहू – *Lahū.*

Blood, an obstacle (bleeding) in the food-taking of saints

रक्त, साधु के आहार संबंधी 32 अंतराय में एक अंतराय, अपने या दूसरे के लहू–रुधिर निकलता देखकर भोजन छोड़ देना।

लवणांकुश – *Lavaṇāṅkuśa.*

The son of Lord Ramchandra, who got salvation from the 'Pavagarh', a Jaina pilgrimage.

रामचन्द्रजी के पुत्र जो पावागढ़ (गुजरात) से मोक्ष गये।

लांगल – *Lāṁgala.*

The 5th *Patal* (layer) of *Sanat Kumar* heaven. Name of a plough-a jewel of Lord Ram

सनत्कुमार स्वर्ग का 5वां पटल या इन्द्रक विमान, बलभद्र राम का एक रत्न–हल।

लांगलखातिका – *Lāṁgalakhātikā.*

Name of a river of *Bharat Kshetra Aryakhand* (region).

भरतक्षेत्र के आर्यखण्ड की एक नदी।

लांगल चित्र – *Lāṁgala Citra.*

A plough like figure.

परिमाण संख्या की हल के आकार की रचना को लांगल चित्र कहते हैं।

लांगलावर्त – *Lāṁgalāvarta.*

Name of a region of eastern *Videh* (region). Name of a summit and a protecting deity of *Nalin Vakshar* (mountain) of eastern *Videh* (region).

पूर्व विदेह का एक क्षेत्र, पूर्व विदेहस्थ नलिन वक्षार का एक कूट एवं रक्षक देव।

लांगलावर्ता – *Lāṁgalāvartā.*

Name of a country of western *Videh* (region) having the capital city *Manjusha*

पश्चिम विदेहक्षेत्र के 8 देशों में एक देश, मंजूषा नगरी इसकी राजधानी है।

लांगलिका गति – *Lāṁgalikā Gati.*

A kind of transmigratory motion.

विग्रहगति का एक भेद, दो मोड़े वाली गति जो तीन समय वाली होती है।

लांतव देव – *Lāṁtava Deva.*

The deities of the 7th heaven

सातवें स्वर्ग के निवासी देव।

लांतव स्वर्ग – *Lāṁtava Svarga.*

The 7th heaven

सातवां स्वर्ग।

लाक्षा वाणिज्य कर्म – *Lākṣā Vāṇijya Karma.*

Trade of sealing wax or shellac

लाख, चपड़ा आदि पदार्थों का व्यापार करना।

लाघव – *Lāghava.*

Lighiness, minuteness.

लघुता, हल्कापन, शरीर का भारीपन नष्ट होना, तपश्चरण से देह में यह गुण प्राप्त होता है जिसे लघिमा ऋद्धि कहते हैं।

लाट – *Lāṭa*

South & middle part of Gujrat state (of ancient time)

गुजरात के प्राचीन काल में तीन भाग थे। उनमें से गुजरात का मध्य व दक्षिण भाग लाट कहलाता था।

लाटी संहिता – *Lāṭī Saṁhitā.*

Name of a treatise written by *Pandit* Rajmalla.

श्रावकाचार विषयक पंडित राजमल्ल (ई. 1584) कृत ग्रंथ इसमें 7 सर्ग एवं 1400 श्लोक हैं

लाड़बागड़ संघ – *Lāṛabāgaṛa Saṁgha.*

One of the four former parts of *Kashtha* group of saints

जैन मूल संघ से निकले काष्ठासंघ के चार भेदों में अंतिम भेद, एक जैनाभासी संघ।

लाभ – *Lābha*

Profit, Gain, Desirable attainment

इच्छित अर्थ की प्राप्ति का नाम लाभ है।

लाभांतराय – *Lābhāntarāya.*

Obstruction in getting desirable attainments

जिस कर्म के उदय से जीव किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा करता हुआ भी प्राप्त नहीं कर पाता।

लालसा – *Lālasā*

Keen desire, Longing

प्रबल इच्छा, अभिलाषा, निदान शल्य, भोगों की लालसा रखना।

लिंग – *Liṁga*

Sex - gender

चिह्न, वेद (स्त्री, पुरुष, नपुंसक रूप द्रव्यलिंग)।

लिंगज श्रुतज्ञान – *Liṁgaja Śrutajñāna.*

A kind of symbolic knowledge pertaining to *Shrutgyan* (scriptural knowledge), Unsyllabic knowledge.

अनक्षरात्मक श्रुतज्ञान, चिन्ह से उत्पन्न होने वाला श्रुतज्ञान।

लिंगपाहुड़ – *Liṁgapāhuḍa*

Name of a treatise written by *Acharya* Kundkund

आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत साधु के द्रव्य व भाव लिंग विषयक 22 गाथा निबद्ध ग्रंथ।

लिंग व्यभिचार – *Liṁga Vyabhicāra.*

Wrong interpretation of genders (i.e. masculine for feminine or vice versa)

स्त्रीलिंग के स्थान पर पुल्लिंग का कथन करना और पुल्लिंग के स्थान पर स्त्रीलिंग का कथन करना।

लिंगशुद्धि – *Liṁgaśuddhi.*

Absolute purity of the mind of a saint.

कर्मों को निर्मूल करना एवं जिनदेव कथित धर्म में परमार्थभूत भक्ति प्रेम रखना। ऐसा करने वाले मुनियों में लिंग शुद्धि होती है।

लिंगसावरण – *Liṁgasāvaraṇa.*

The female ascetics

स्त्रियों (आर्यिका) का लिंग सावरण कहा गया है।

लिपिबद्ध – *Lipibaddha*

Something put in writing form

लिखा हुआ, द्रव्यश्रुत जो 64 अक्षरों एवं पदों के द्वारा लिखा जाता है।

लिपि संख्यान क्रिया – *Lipi Saṁkhyāna Kriyā*

A kind of auspicious activity observed on the age of 5 yrs. of a child (starting of syllabic knowledge).

इसमें 5वें वर्ष में शिशु के अक्षर ज्ञान का आरम्भ विधिपूर्वक किया जाता है।

लिप्त – *Lipta*

A kind of impurity of hands etc. while food offering to the saints

आहार से संबंधित दातार का एक दोष; गेरू, हरताल, खड़िया, चावल आदि का चून, कच्चा शाक इसमें लिप्त हाथ तथा गीले अथवा अप्रासुक जल से भीगे हाथ या बर्तन से साधु को आहार देना।

लीख – *Likha*

A lice or a nit, A unit of area measurement.

एक जीव जो सिर में पाया जाता है, क्षेत्र का प्रमाण, 8 कर्मभूमिज का बालाग्र = 1 लिक्षा (लीख)।

लीन – *Lina.*

Deeply engrossed or immersed (in).

रत, स्थिर या तन्मय होना।

लुंका – *Lunkā.*

One who started *Lunka* philosophy.

गुजरात (अणहिल नगर) में कुलुम्बी वंशीय एक महामानी लुंका जिसने लुंकामत (ढूंढिया मत) चलाया। अपरनाम स्थानकवासी–एक श्वेताम्बर मत। समय - वि. सं. 1527।

लेख क्रिया – *Lekha Kriyā.*

Writing activity, Deceitful or fraudulent writing.

लेखन कार्य, सत्याणुव्रत का एक अतिचार; छल से लेख लिखना इसे कूट लेख क्रिया कहते हैं।

लेखन – *Lekhana.*

Writing work

लेख, ग्रंथ आदि लिखना।

लेप – *Lepa.*

Smearing.

तेल मर्दन, उबटन लगाना आदि।

लेपाहार – *Lepāhāra.*

Natural grasping of nutrition for the development of body (i.e. air, natural light, water - taking by plants).

आहार का एक भेद–एकेन्द्रिय वनस्पति आदि जीवों के द्वारा मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश के रूप में जो आहार ग्रहण किया जाता है वह लेपाहार है।

लेप्यकर्म – *Lepyakarma.*

Preparing statues by soil, sand, grass etc.

तृण, बालू, मिट्टी आदि से प्रतिमायें निर्मित करना लेप्यकर्म कहा जाता है।

लेबड़ – *Lebara.*

Sticky edibles liquids or any matter.

आहार का एक भेद, जो हाथ में चिपकता है ऐसा पतला पदार्थ दही, लस्सी आदि।

लेश्या – *Leśyā.*

Karmic stain, Aura, colouration.

कषाय से अनुरंजित जीव की मन वचन काय की प्रवृत्ति या जो आत्मा को शुभाशुभ कर्मों से लिप्त करे। कृष्ण, नील, कापोत, पीत, पद्म, शुक्ल इसके ये 6 भेद हैं।

लेश्या मार्गणा – *Leśyā Mārgaṇā.*

Investigation of attitudes of beings

14 मार्गणाओं में एक मार्गणा जिससे जीव के भावों का अन्वेषण किया जाता है।

लेह्य – *Lehya.*

Relishing food by licking

4 प्रकार के आहार का भेद, जो पदार्थ चाटकर खाये जाते हैं।

लोंच – *Lonca.*

Plucking of hair by own hands (a basic restrain of Jaina saints).

बाल उखाड़ना। दिगम्बर जैन साधु–साध्वियों के 28 मूलगुणों में से एक मूलगुण 4, 3, या 2 महीने में अपने सिर के एवं दाढ़ी, मूंछ के बालों को हाथ से उखाड़ना।

लो – *Lo*

A symbolic expression of the volume of universe

घनलोक की सहनानी।

लोक – *Loka.*

Universe (divided into three parts lower, middle & upper)

आकाश का वह भाग जहां जीव आदि पाँचों द्रव्य विद्यमान हैं। 343 घनराजू प्रमाण लोकाकाश। यह तीन भागों में विभक्त है- अधोलोक, मध्यलोक व ऊर्ध्वलोक।

लोक अनुप्रेक्षा – *Loka Anuprekṣā.*

One of the 12 reflections (continuous contemplation for pain & pleasure).

12 भावनाओं में एक भावना; लोक की स्थिति, विस्तार, जीवों के सुख-दुख आदि का बारबार चिंतन करना।

लोकनाभि – *Lokanābhi.*

The another name of *Sumeru* mountain which is situated in centre of all three *Loks* as the navel.

सुमेरु पर्वत का एक अपरनाम। क्योंकि यह नाभि के समान तीन लोक के बीच (मध्यलोक) में स्थित है।

लोकपंक्ति क्रिया – *Lokapaṁkti Kriyā.*

Silly tradition of entertaining activities.

अंतरात्मा के मलिन होने से मूर्ख लोग जो लोक को रंजायमान करने के लिए क्रिया करते हैं उसे लोकपंक्ति कहते हैं।

लोकपाल – *Lokapāla.*

The protecting deities.

चतुर्निकाय के देवों के दस भेदों में एक प्रकार–इन्द्र द्वारा नियुक्त लोक रक्षक देव जो कोतवाल के समान होते हैं। ये चार हैं- सोम, यम, वरुण और कुबेर।

लोकपूरण समुद्घात – *Lokapūraṇa Samudghāta.*

Universally pervasion of the soul-points of omniscient one (*Kevali Bhagwan*)

केवलि समुद्घात का चौथा चरण; केवली भगवान के आत्मप्रदेशों का सर्वलोक में फैलना या व्याप्त करना।

लो.प्र. – *Lo. Pra.*

A symbolic expression for a large imaginary mathematical measurement (according to Jaina-philosophy).

लोकप्रतर की सहनानी।

लोकप्रतर – *Lokapratara.*

A very large imaginary mathematical quantity

जगत श्रेणी के वर्ग को जगत्प्रतर कहते हैं अर्थात् $(7)^2=49$।

लोकप्रमाण – *Lokapramāṇa.*

A large area measurement of universe (343 *Ghanraju*).

343 घन राजू प्रमाण।

लोकबाधित – *Lokabādhita.*

A fallacy of universal obstruction.

बाधित हेत्वाभास का एक भेद, जिस हेतु के साध्य में लोक से बाधा आती है।

लोकबिंदुसार – *Lokabindusāra.*

The 14th *Purva* (a part of *Shrutgyan* - scriptural knowledge) containing mathematical knowledge).

14वां पूर्व, इसमें बारह करोड़ 50 लाख पद हैं। इन पदों में अंकराशि, 8 प्रकार के व्यवहार की विधि तथा राशि परिकर्म आदि गणित तथा समस्त श्रुत संपदा का वर्णन है।

लोकमध्य – *Lokamadhya.*

See - *Lokanābhi.*

देखें – लोकनाभि।

लोकमूढ़ता – *Lokamūḍhatā.*

False tradition or false ritualistic belief (superstition).

लोक में धर्म के नाम से मानी हुई मूढ़ता या अंधविश्वास : जैसे नदी या समुद्र में स्नान करना, पर्वत से गिरना, बालू-पत्थरों का ढेर लगाना, अग्नि में जलना आदि को धर्म समझकर करना।

लोकवाद – *Lokavāda.*

Name of a doctrine believing worldly traditions as religion.

एक एकांत मत; एकवाद। लोक में जो प्रवृत्ति हो उसे ही एकांत से धर्म मानने वाले।

लोक विचय – *Loka Vicaya.*

Contemplation about the shape of *Teen Lok* (Three worlds), *Madhya Lok* (middle world) etc.

तीन लोक के आकार का, मध्यलोक के आकारादि का चिंतन लोक विचय धर्मध्यान कहलाता है।

लोकविनिश्चय – *Lokaviniścaya*

Name of a *Prakrit* treatise

एक प्राकृत भाषा का ग्रंथ, इसके लेखक का नाम व समय अज्ञात है।

लोकविभाग – *Lokavibhāga*

Name of a treatise written by saint Sarvanandi

सर्वनंदि कृत एक ग्रंथ, जिसमें लोक के स्वरूप का वर्णन है। समय ई 458।

लोकव्यवहार – *Lokavyavahāra.*

Worldly dealings.

सामाजिक शिष्टाचारयुक्त व्यवहार।

लोकश्रेणी – *Lokaśreṇī.*

Seven *Raju*, a mathematical measurement (according to Jainism) See-*Jagatśreṇī.*

7 राजू। देखें – जगतश्रेणी।

लोकसंस्थान – *Lokasaṃsthāna.*

A kind of religious observance (contemplation over the size of universe with prescribed procedure)

धर्म ध्यान का एक भेद – संस्थान विचय। मुनि चित्त की एकाग्रता के साथ लोक के आकार का चिंतन आगम के अनुसार करते हैं।

लोकसेन – *Lokasena.*

Name of the disciple of *Acharya* Gunbhadra

पंचस्तूप संघ की गुर्वावली के अनुसार आचार्य गुणभद्र के प्रमुख शिष्य। आचार्य गुणभद्र रचित अधूरे उत्तरपुराण को पूर्ण किया। समय – ई. 897-930।

लोकांतिक – *Lokāntika.*

See - *Laukantika Deva*

देखें – लौकांतिक देव।

लोकाकाश – *Lokākāśa.*

A part of sky (*Akash*) where all the 5 matters (entities) are present.

आकाश द्रव्य का वह भाग जिसमें जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म और काल ये पांच द्रव्य पाये जाते हैं।

लोकाग्र – *Lokāgra.*

The supreme place of salvation (*Siddha Shila*).

मोक्ष, सिद्धालय या लोक का शिखर।

लोकादित्य – *Lokāditya*

Name of a king contemporary to Akalvarsh

उत्तरपुराण की प्रशस्ति के अनुसार अकालवर्ष के समकालीन एक राजा, आचार्य लोकसेन ने इनके समय में ही उत्तरपुराण को पूर्ण किया। समय – ई 898।

लोकानुप्रेक्षा – *Lokānuprekṣā*

See - *Loka Anupreksā.*

देखें – लोक अनुप्रेक्षा।

लोकानुवृत्ति – *Lokānuvṛtti.*

A kind of modesty.

सामान्य विनय का एक भेद; किसी पुरुष के अनुकूल बोलना तथा देश व काल योग्य अपना द्रव्य देना लोकानुवृत्ति विनय है।

लोकायत – *Lokāyata.*
The philosophy of materialism or atheism.
चार्वाकमत; सामान्य लोगों के आचरण में आने के कारण इसे लोकायत कहते हैं। आत्मा व पुण्य-पाप आदि का अस्तित्व न मानने के कारण यह मत नास्तिक कहलाता है।

लोकालोक विभाग – *Lokāloka Vibhāga.*
The universal & non-universal spaces.
आकाश द्रव्य के लोक और अलोक का विभाग अर्थात् लोकाकाश और अलोकाकाश।

लोकालोक व्यापी – *Lokāloka Vyāpī.*
Supremely pervaded knowledge-omniscience.
केवलज्ञान जो समस्त लोकालोक को जानता है अर्थात् सर्वगत है।

लोकेषणा – *Lokeṣaṇā.*
Longing for worldly fame.
लौकिक सुख की इच्छा। लोकप्रसिद्धि की भावना।

लोकोत्तर गणना – *Lokottara Gaṇanā.*
The universal calculations, super calculations.
गणना प्रमाण के दो भेदों में एक भेद; द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव इसके 4 भेद हैं।

लोकोत्तर चेतना – *Lokottara Cetanā.*
Right consciousness (of one).
ज्ञान या परमार्थ चेतना।

लोकोत्तर मंगल – *Lokottara Maṁgala.*
Artificial & natural temples, Lord Arihant etc. are called *Lokottar Mangal*.
अर्हंत भगवान, कृत्रिम-अकृत्रिम चैत्यालय आदि ये समस्त संसार के लिए मंगल स्वरूप होते हैं।

लोकोत्तर शरण – *Lokottara Śaraṇa.*
The supreme resorts, the shelter of *Panch Parmeshthis.*
पंच परमेष्ठी आदि लोकोत्तर शरण हैं। जिनकी शरण लेकर लोक अर्थात् संसार को पार किया जाता है।

लोकोत्तरवाद – *Lokottaravāda.*
The doctrine pertaining to the theory of *Alok* (beyond *Lok*).
जिसके द्वारा अलोक का कथन किया जाता है वह सिद्धांत।

लोकोत्तर शुचित्व – *Lokottara Śucitva.*
Absolute purity of the soul.
कर्ममल-कलंक को धोकर आत्मा का आत्मा में ही अवस्थान लोकोत्तर शुचित्व है।

लोकोत्तरीयवाद – *Lokottarīyavāda.*
The synonym for *Shrutgyan* (scriptural knowledge)
श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

लोभ (कषाय) – *Lobha (Kaṣāya).*
Passion for prosperity (greed).
चौथी कषाय; इसमें धन सम्पत्ति पाने की तीव्र लालसा या गृद्धि-इच्छा बनी रहती है।

लोभ दोष – *Lobha Doṣa.*
A fault related to saint-food-taking (showing greed by the saints)
यदि साधु लोभ प्रगट करके आहार प्राप्त करे तो यह लोभ नाम का दोष है।

लोभ प्रत्याख्यान – *Lobha Pratyākhyāna.*
Renunciation of greed.
सत्यव्रत की रक्षार्थ एक भावना; लोभ के त्याग की भावना।

लोभाकुलता – *Lobhākulatā.*
A fault of meditative relaxation (greedful uneasiness in meditation).
कायोत्सर्ग का एक दोष; लोभ वश चित्त में विक्षेप होना।

लोभाणु – *Lobhāṇu.*
Subtle form of greed
सूक्ष्म साम्पराय गुणस्थान जहां लोभाणु अर्थात् सूक्ष्म लोभ रहता है।

लोभी – *Lobhī.*
Greedy person.
लालची व्यक्ति।

लोलुप – *Lolupa.*
Lustful, greedy.
लालची।

लोहागल – *Lohāgala.*
The 11th city of the southern *Vijayardha* mountain.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का 11वां नगर।

लोहाचार्य – *Lohācārya.*
Name of a great *Acharya* in the era of Lord Mahavira.
महावीर भगवान के निर्वाण के 565 वर्ष बाद हुए आचारांगधारी चार आचार्यों में चौथे आचार्य।

लोहार्गल – *Lohārgala.*
Iron fetters.
लोहे की बेड़ी।

लोहार्य – *Lohārya.*
See - *Lohācārya.*
देखें – लोहाचार्य।

लोहिताक्ष – *Lohitākṣa.*
Name of the summits situated at - *Gandhamadan Vijayardh, Manushottar & Kuchak* mountains, The 24th *Patal* (layer) of *Saudharma - Eshan* heavens.
गंधमादन विजयार्ध पर्वतस्थ एक कूट, मानुषोत्तर पर्वत का एक

कूट, रुचक पर्वतस्थ एक कूट, सौधर्म–ऐशान स्वर्गों का 24वां पटल।

लौकांतिक देव – *Laukāntika Deva.*

A special type of heavenly deities who are supposed to get salvation definitely after crossing one birth or *Bhav*.

पांचवें ब्रह्म स्वर्ग के अंत में रहने वाले लौकांतिक देव, जिनका संसार या लोक का अंत निकट है वे लौकांतिक हैं। ये देव दीक्षा कल्याणक के समय तीर्थंकर भगवान की दीक्षा की भावना की अनुमोदना करने आते हैं। ये अखंड बाल ब्रह्मचारी होते हैं तथा सदैव तत्त्व चर्चा में निमग्न रहते हैं। ये एक भव धारण करके नियम से मोक्ष जाते हैं। ये देवर्षि भी कहलाते हैं।

लौकिक – *Laukika.*

Worldly behaviour, knowledge etc

व्यवहारिक (व्यवहार में प्रयुक्त होने वाला ज्ञान क्रिया आदि)।

लौकिक क्रिया – *Laukika Kriyā.*

Worldly activities or involvement.

संसार में की जाने वाली व्यवहारिक क्रियाएं।

लौकिक गणना – *Laukika Gaṇanā.*

A type of worldly mathematical calculations.

गणना प्रमाण के दो भेदों में एक भेद।

लौकिक मंगल – *Laukika Maṁgala.*

All auspicious significant articles - filled pitcher, white mustard, mirror etc.

श्वेत सरसों, भरा हुआ कलश, वन्दनमाला, छत्र, दर्पण आदि।

लौकिक मूढ़ता – *Laukika Mūṛhatā.*

See - *Loka Mūṛhatā.*

देखें – लोक मूढ़ता।

लौकिकवाद – *Laukikavāda.*

A doctrine of customary and worldly truth, A synonym of *Shrutgyan* (scriptural knowledge).

जिसके द्वारा लोक का कथन किया जाता है वह सिद्धांत, श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

लौकिक शरण – *Laukika Śaraṇa.*

The worldly shelter of powerful one (i.e. God, ruler etc.).

राजा, देवता आदि की शरण। जीव, अजीव, मिश्र इसके तीन भेद हैं।

लौकिक शास्त्र – *Laukika Śāstra.*

Compositions providing worldly knowledge.

व्याकरण, गणित आदि लौकिक शास्त्र हैं।

लौकिक शुचि – *Laukika Śuci.*

Eight particular means of worldly purities.

लोक व्यवहार शुद्धि–काल, अग्नि, भस्म, मृत्तिका, गोबर, पानी, ज्ञान और निर्विचिकित्सा–ग्लानिरहितपना ये 8 प्रकार की वस्तुओं से व्यवहार में शुद्धि की जाती है। जैसे मिट्टी से हाथ धोना, गोबर से जमीन लीप कर शुद्ध करना आदि।

लौकिक संगति – *Laukika Saṁgati.*

Worldly relationship

लौकिक जनों का संसर्ग या सांसारिक असंयमी जनों की संगति। संयमीजनों के लिए असंयमीजनों की संगति निषिद्ध मानी गई है।

लौकिक सुख – *Laukika Sukha.*

Worldly enjoyments or pleasures.

सांसारिक विषय भोगों से प्राप्त होने वाला क्षणिक सुख।

व्

व – *Va.*

The 29th consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का उनतीसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान दन्त अथवा दंतोष्ठ माना जाता है।

वंग – *Vamga*

Name of a country of eastern *Bharat Kshetra* (region).
भरतक्षेत्र की पूर्व दिशा का एक देश। दिग्विजय के समय यहाँ के राजा ने हाथी भेंट में देकर भरतेश को नमस्कार किया था।

वंगा – *Vamgā.*

Name of a river of middle *Arya Khand* (region).
मध्य आर्यखण्ड की एक नदी।

वंचन – *Vamcana.*

Name of a *Patal* (layer) of *Saudharma Ishan* heaven
सौधर्म ईशान स्वर्ग के 31 स्वर्ग पटलों में 11वां पटल इसका अपर नाम चंचल और वंचल भी है।

वंचना – *Vamcanā*

Deceit, deceiving, deception, cheating.
ठगना, माया, आत्मा का कुटिल भाव, इसका ही दूसरा नाम निकृति या वंचना है।

वंदन – *Vamdana.*

Reverential greeting
नमस्कार।

वंदनमाला – *Vamdanamālā.*

An auspicious article, garland of flowers (to be hung at a door).
लौकिक मंगलों में एक मंगल : 24 तीर्थंकर वंदनीय होते हैं, इसलिए भरत चक्रवर्ती ने 24 कलियों वाली वंदनमाला मुख्य दरवाजे पर लगवाई थी। वर्तमान में भी मंदिरों के दरवाजों पर वंदनमाला लगाने की परंपरा है।

वंदना – *Vamdanā.*

A type of scriptural knowledge related to description of prayer of Lord Arihant, Reverential greeting (bowing) or eulogical prayer.
श्रुतज्ञान अंगबाह्य का एक भेद; इसमें एक तीर्थंकर संबंधी और उन तीर्थंकर के अवलम्बन से जिनालय संबंधी वंदना का वर्णन है, साधुओं के 6 आवश्यक में एक आवश्यक (कृतिकर्म), तीर्थंकर की स्तुति करना वंदना कहलाती है।

वंदना मुद्रा – *Vamdana Mudrā.*

Standing posture of paying reverence by raised & folded hands with joined palms.
मुद्रा के 4 भेदों में एक भेद; खड़े होकर दोनों कुहनियों को पेट के ऊपर रखना और दोनों हाथों को मुकुलित कमल के आकार में बनाना।

वंदनीय – *Vamdanīya*

Praiseworthy, Worthy of honour, Adorable.
विनय, नमस्कार के योग्य

वंद्य – *Vamdya*

Praiseworthy, worthy of honour, Adorable
पूज्य।

वंश – *Vamśa.*

A dynasty, a lineage, a family line.
ऐतिहासिक–पौराणिक कुल परम्परा।

वंशपत्र (योनि) – *Vamśapatra (Yoni).*

A type of female genital organ
योनि के 3 भेदों में एक भेद, बांस के पत्ते के समान लम्बी योनि इस योनि से साधारण मनुष्य ही उत्पन्न होते हैं

वंशा – *Vamśā.*

The other name of *Sharkaraprabha*, the 2nd land of hell
शर्कराप्रभा नामक दूसरी नरकभूमि का अपर नाम

वंशाल – *Vamśāla*

Name of a city of the northern *Vijayardh* mountain, Name of a system of super power
विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का एक नगर, नमि विनमि विद्याधरों को प्राप्त आठ विद्या निकायों में छठा विद्या–निकाय।

व – *Va.*

A symbol for *Jaghanya Vargana.*
सहनानी; जघन्य वर्गणा की सहनानी।

वकुश (साधु) – *Vakuśa (Sādhu).*

A type of Jaina saints having attachment with articles they are possessing.
निर्ग्रन्थ साधु के 5 भेदों में से एक भेद; जिनके मूलगुण निर्दोष हों किन्तु शरीर, पिच्छी आदि उपकरणों से जिन्हें मोह हो।

वकुश – *Vakuśa.*

Jaina saints with attachments.
चितकबरा; जैसे सफेद पर काले धब्बे होते हैं वैसे ही मुनिगण जिनके निर्मल आचार (चारित्र) में शरीर आदि का मोह धब्बे की तरह होता है।

वक्कज – *Vakkaja.*

A kind of cloths made by bark etc.
वस्त्र के 5 भेदों में एक भेद, वृक्ष या बेल आदि की छाल से उत्पन्न वस्त्र।

वक्तृत्व – *Vaktrtva.*

Eloquence, Art of fluent speech
वक्तापन, भाषण।

वक्तव्य – *Vaktavya.*

Speech, utterance, communique.
कहे जाने या बोले जाने के योग्य। प्रकथन योग्य।

वक्ता – *Vaktā.*

Orator, Speaker, Instructor, One well-Versed in

scriptures
शास्त्रों का व्याख्याता, सर्वज्ञ तीर्थंकर केवली, श्रुतकेवली और आरातीय आचार्य वक्ता के तीन भेद हैं, सामान्यरूप से किसी भी भाषण करने वाले को भी वक्ता कहते हैं।

वक्रग्रीव – *Vakragrīva.*

The other name of *Acharya* Kund-Kund. Name of another great *Acharya* also.
आचार्य कुन्दकुन्द का अपरनाम, अन्नाचार्यों की परम्परा मे एक आचार्य (ई श 12)।

वक्रांत – *Vakrānta.*

Name of a dwelling place of a hellish earth (*Ratnaprabha*)
रत्नप्रभा पृथिवी के 11वें प्रस्तर का इन्द्रक बिल।

वक्षार – *Vakṣāra.*

Particular 16 mountains in *Videh Kshetra* (region).
विदेह के 32 क्षेत्रों को विभाजित करने वाले अनादिनिधन 16 पर्वत।

वचन – *Vacana.*

Speech, language, words.
बोलना, भाषा; वचन सत्य, असत्य, उभय, अनुभय के भेद से 4 प्रकार के हैं। अभ्याख्यान, कलह, पैशून्य, प्रलाप आदि के भेद से 12 भेद भी हैं।

वचन (अनृत) – *Vacana (Anṛta).*

False speech or words
असत्य वचन; मर्मच्छेदी, कलहकारी, हास्य, भय, लोभ, क्रोध, द्वेष आदि को उत्पन्न करने वाले वचन।

वचन (अनालोच्य) – *Vacana (Anālocya).*

False interpretation of something.
असत्य वचन के 4 भेदों में एक भेद, विपरीत सत् पदार्थ का प्रतिपादन करना। जैसे–बैल है उसका विचार न कर यह घोड़ा है ऐसा कहना।

वचन (अभूतोद्भावन) –

Vacana (Abhūtodbhāvana).

A type of false speech (to say existence of non-existent things).
असत्य वचन के 4 भेदों में दूसरा भेद; जो नहीं है उसको है कहना। जैसे–देवों की अकाल मृत्यु नहीं है फिर भी उनकी अकाल मृत्यु बताना।

वचन (असूनृत) – *Vacana (Asūnṛta).*

Coarse or Vulgar language.
असत्य वचन के 4 भेदों में अंतिम भेद; निंद्य, अप्रिय, पापयुक्त वचन बोलना।

वचन (ऋत) – *Vacana (Ṛta).*

True speech or words.
ऋत अर्थात् सत्य वचन।

वचन (सत्प्रतिषेध) – *Vacana (Satpratiṣedha).*

Speech with negation of truth.
असत्य वचन के 4 भेदों में प्रथम भेद, अस्तित्वरूप पदार्थ का निषेध करना। जैसे–मनुष्यों की अकाल में मृत्यु नहीं है ऐसा कहना।

वचनगुप्ति – *Vacanagupti.*

Controlling of the speech
गुप्ति के 3 भेदों में एक भेद; वचनों को वश में करना।

वचन गोचरातीत – *Vacana Gocarātīta*

That which can not be expressed in words
जिसका वचन के द्वारा कथन न किया जा सके। जैसे अरिहन्त भगवान के अनंत गुणों का वचनों के द्वारा वर्णन करना अशक्य है।

वचननिर्विष ऋद्धि – *Vacananirviṣa Ṛddhi.*

A type of supernatural power causing something poisonous into poisonless.
ऋद्धि का एक भेद, जिसके प्रभाव से रोग और विष से युक्त जीव या भोजन भी ऋषि-वचन द्वारा निर्विष हो जाते हैं।

वचन पथ – *Vacana Patha.*

Theory of different viewpoints
वचनमार्ग, कहने के जितने मार्ग है उतने ही नयवाद अर्थात् नय के भेद हैं।

वचन (परुष) – *Vacana (Paruṣa).*

Cruel or harsh language.
असत्य वचन, अहितकारी, कठोर, मर्मच्छेदी वचन।

वचन प्रत्याख्यान – *Vacana Pratyākhyāna.*

Utterance for not repeating something wrong
प्रत्याख्यान (त्याग) का एक भेद, मैं भविष्य में अपने व्रतों में अतिचार नहीं लगाऊँगा ऐसा बोलना।

वचन प्रयोग कर्म – *Vacana Prayoga Karma.*

A type of *Prayog Karma* (pertaining to speech).
प्रयोग कर्म के तीन भेदों मे एक–जो संसार अवस्था में स्थित जीवों के और सयोग केवलियों के होता है।

वचनप्रवृत्ति – *Vacana Pravṛtti.*

Speaking activities.
जीव की बोलने हेतु प्रयत्न रूप क्रिया या प्रवृत्ति।

वचनप्राण – *Vacanaprāṇa.*

Power of speech.
जीव के 10 प्राणों में से एक प्राण, जीव की वचन व्यापार में कारणभूत योग्यता या शक्ति।

वचनबल – *Vacanabala.*

See – *Vacanaprāṇa.*
देखें – वचनप्राण।

वचनबल ऋद्धि – *Vacanabala Ṛddhi.*

A type of supernatural power of speech.
बल ऋद्धि का एक भेद; जिसके प्रभाव से साधु अपराजित होता हुआ एक मुहूर्त काल में द्वादशांग को जानता व उसका उच्चारण करता है।

वचनयोग – *Vacanayoga.*
Vibration in soul-points because of speech.
योग के तीन भेदों में एक भेद, वचन के निमित्त से आत्मप्रदेशों में होने वाला परिस्पंदन ।

वचनवंदना – *Vacana Vamdanā.*
Expressing reverential greetings by speech.
साधुओं का एक कृतिकर्म; पंच परमेष्ठी के गुणों का वचनों के द्वारा महत्त्व प्रगट करना ।

वचन विवेक – *Vacana Viveka.*
Wiseful speaking, Conscious speech
विवेक का एक भेद; क्रोधादि कषाय उत्पन्न होने पर मैं मारूंगा इत्यादि वचन का प्रयोग न करना ।

वचनशुद्धि – *Vacana Śuddhi.*
Polite & wise speech
पीड़ादायक, कठोर या असभ्य वचन नहीं बोलना तथा हित मित मधुर वचन बोलना ।

वचनातीत – *Vacanātīta.*
See - *Vacanagocarātīta.*
देखें - वचनगोचरातीत ।

वचनालाप – *Vacanālāpa.*
Uttering or speaking
बोलना ।

वज्र – *Vajra.*
Name of the 1st & 68th chief disciples of Lord Abhinandannath & Lord Adinath respectively. A thunderbolt, stroke of lightening.
तीर्थंकर अभिनंदननाथ के प्रथम एवं भगवान आदिनाथ के 68वें गणधर का नाम, एक अस्त्र-इसकी मार से पर्वत भी चूर-चूर हो जाता है ।

वज्रकांड – *Vajrakāmda.*
Name of the bow of Bharat Chakravarti (an emperor).
भरत चक्रवर्ती के धनुष का नाम ।

वज्रघोष – *Vajraghoṣa.*
One who was soul of Lord Parshvanath & became an elephant after killed by Kamath.
तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जीव जो कमठ द्वारा मारा जाने पर सल्लकी वन में वज्रघोष हाथी हुआ ।

वज्रचामर – *Vajracamara.*
Name of the first chief disciple of Lord Padmaprabhu.
तीर्थंकर पद्मप्रभु के प्रथम गणधर, अपरनाम वज्रचामर था ।

वज्रजंघ – *Vajrajamgha.*
Past-birth (8th) name of Lord Rishabhdev, Name of a king in whose palace Lav & Kush were born, Name of a descendant of *Vidyadhar* Nami.
1. तीर्थंकर ऋषभदेव के आठवें पूर्वभव का जीव, जबकि उन्होंने अपनी रानी श्रीमती के साथ जंगल में युगलिया मुनियों को आहार दिया था। इस आहारदान के प्रभाव से वज्रजंघ का जीव भोगभूमि में उत्पन्न हुआ और अंत में तीर्थंकर ऋषभदेव की पर्याय में रानी श्रीमती का जीव जो कि राजा श्रेयांस हुआ था, उससे प्रथम आहार (इक्षु रस) प्राप्त किया। 2. पुण्डरीकपुर के राजा जिसके घर पर परित्यक्त अवस्था में सीता ने लव और कुश को जन्म दिया था। 3. विद्याधर नमि का वंशज ।

वज्रतुंडा – *Vajratuṃḍā.*
A super power possessed by Bharat Chakravarti (an emperor) & by Lord Arahnath.
चक्रवर्ती भरत की एक शक्ति, यह शक्ति तीर्थंकर अरनाथ के पास भी थी ।

वज्रदंड – *Vajradaṃḍa.*
The symbol of Lord Dharmanath.
भगवान धर्मनाथ का चिन्ह ।

वज्रदंत – *Vajradamta.*
Past-birth father of Lord Vasupujya, Father-in-law of Vajrasangh, the *Chakravarti* (emperor) of *Pundrikini* city
तीर्थंकर वासुपूज्य के पूर्वभव के पिता, पुण्डरीकिणी नगर के चक्रवर्ती वज्रसंघ का श्वसुर ।

वज्रधर – *Vajradhara.*
Name of the 11th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh* region.
विदेह क्षेत्र में स्थित 20 तीर्थंकरों में 11वें तीर्थंकर। चिन्ह शंख, पिता पद्मरथ एवं माता का नाम सरस्वती है ।

वज्रनंदि – *Vajranamdi.*
Name of a disciple of Gunnandi of *Nandi* group and a disciple of *Acharya* Pujyapad who established *Dravid* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण के अनुसार गुणनंदि के शिष्य तथा कुमारनंदि के गुरु। समय-ई. 442-484, आचार्य पूज्यपाद के शिष्य। गुरु से बिगड़कर द्रविड़संघ की स्थापना की। कृतियां-नयस्तोत्र, प्रमाण ग्रंथ ।

वज्रनाभि – *Vajranābhi.*
Past-birth soul of Lord Rishabhdev & Lord Parshvanath, Past-birth name of Lord Vimalnath's father, Name of a chief disciple of Lord Abhinandannath.
भगवान ऋषभदेव के तीसरे तथा भगवान पार्श्वनाथ के चौथे पूर्वभव का जीव, तीर्थंकर विमलनाथ के पूर्वभव के पिता, भगवान अभिनंदननाथ के एक गणधर का नाम ।

वज्रनाराचसंहनन – *Vajranārācasaṃhanana.*
An osseous structure.
6 संहननों में दूसरा संहनन, जिसमें वज्रमय हड्डियां दोनों ओर वज्रमय नाराच अर्थात् कील से जुड़ी होती हैं। यह नामकर्म की एक प्रकृति है ।

वज्रपंजरविधान – *Vajrapaṃjaravidhāna.*
Name of a treatise related to mystical theory.
मंत्र-तंत्र विषयक संस्कृत भाषा का एक ग्रंथ ।

वज्रपंजरस्तोत्र – *Vajrapamjara Stotra.*
A protecting spiritual hymn.
पंचपरमेष्ठी की स्तुति रूप एक रक्षा स्तोत्र ।

वज्रबाहु – *Vajrabāhu.*
The son of *Vidyadhar* Vinami, A king of the stream of king Vasu.
विद्याधर विनमि का पुत्र, इसकी बहिन सुभद्रा चक्रवर्ती भरत के 14 रत्नों में एक स्त्री रत्न थी, राजा वसु की परम्परा में राजा दीर्घबाहु का पुत्र ।

वज्रमध्य व्रत – *Vajramadhya Vrata.*
A specified & procedural fasting.
एक व्रत; इसमें कुल 29 उपवास और 8 पारणाएं की जाती हैं। विशेष विधि व्रत विधान संग्रह में देखें ।

वज्रमूल – *Vajramūla.*
The other name of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत का एक अपर नाम।

वज्र–ऋषभनाराच संहनन –
Vajra-Ṛṣabhanārāca Samhanana.
An osseous structure, a type of bone joints (*Karmas* making body very strong).
6 संहननों में प्रथम संहनन, जिस कर्म के उदय से शरीर में वज्र के समान नसों का जाल, कीलें व हड्डियां होती हैं। तीर्थंकर आदि तद्भव मोक्षगामी जीवों के यह संहनन होता है ।

वज्रवर – *Vajravara.*
Name of the 9th island & ocean of middle universe.
मध्यलोक का द्वीप व समुद्र ।

वज्रशृंखला – *Vajraśṛamkhalā.*
Name of the female demigod of Lord Abhinandannath, Name of a super power.
भगवान् अभिनंदन की शासन देवी, एक विद्या ।

वज्रसार – *Vajrasāra.*
Name of the 69th chief disciple of Lord Rishabhadev.
भगवान् ऋषभदेव के 84 गणधरों में 69वें गणधर ।

वज्रांकुशा – *Vajrāmkuśā.*
Name of a super power.
एक विद्या ।

वज्रा पृथिवी – *Vajrā Pṛthivī.*
An earth of middle universe.
मध्यलोक की एक पृथिवी ।

वज्रार्गल – *Vajrārgala.*
Name of the 13th city of southern *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की दक्षिणश्रेणी का 13वां नगर ।

वट वृक्ष – *Vaṭa Vṛkṣa.*
The Banyan tree under which Lord Rishabhdev got initiated and obtained omniscience.
बरगद का पेड़, तीर्थंकर ऋषभदेव का दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष। युग के आदि में भगवान ऋषभदेव ने प्रयाग (इलाहाबाद) में वटवृक्ष के नीचे जैनेश्वरी दीक्षा ली थी। आज भी प्रयाग के [illegible] क्षेत्र में स्थित अक्षयवटवृक्ष भगवान के दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष के रूप में मान्य है ।

वट्टकेर – *Vaṭṭakera.*
Another name of Kund-Kund *Acharya*, who wrote Moolachar Granth (a treatise).
आचार्य कुन्दकुन्द का अपरनाम जिन्होंने मूलाचार ग्रंथ की रचना की। समय – ई. स. 127 – 179 ।

वड्ढमाणचरिउ – *Vaḍḍhamāṇacariu.*
Name of a treatise written by poet Shridhar.
कवि श्रीधर (ई.श. 12 का उत्तरार्ध) कृत 10 सन्धियों वाला अपभ्रंश काव्य ग्रंथ ।

वणिक् कर्म – *Vaṇik Karma.*
Business activities.
मन, वचन, काय तीनों के व्यापार में प्रवृत्ति होना ।

वत्स – *Vatsa.*
Dear child, A country of *Bharat Kshetra* middle *Arya Khand* (region). The former country where Kaushambi, the birth place of Lord Padmaprabh was situated, Name of a country of eastern *Videh Kshetra* (region).
बालक के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक प्रिय उद्बोधन, भरतक्षेत्र मध्य आर्यखण्ड का एक देश, भगवान् पद्मप्रभ की जन्म नगरी कौशाम्बी जिस देश में स्थित थी उसका विशेष नाम, पूर्व विदेह क्षेत्र का एक देश ।

वत्सा – *Vatsā.*
Name of a country of *Videh Kshetra* (region).
जम्बूद्वीप के विदेहक्षेत्र में सीता नदी और निषध पर्वत के मध्य स्थित आठ देशों में प्रथम देश ।

वत्सावती – *Vatsāvatī.*
A region of eastern *Videh Kshetra* (region), Name of a summit of *Vaishravan Vakshar* (mountain) in eastern *Videh Kshetra* (region) & its female divinity.
पूर्व विदेह का एक क्षेत्र, पूर्व विदेह के वैश्रवण वक्षार का एक कूट व उसकी स्वामिनी देवी ।

वदन – *Vadana.*
First term in Arithmetical series.
मुख (अंक गणितीय श्रेणी का प्रथम पद) ।

वध – *Vadha.*
Killing, Beating violently.
मारना–हिंसा करना (आयु, इन्द्रिय, श्वासोच्छ्वास का जुदा कर देना), अहिंसाणुव्रत का एक अतिचार; डण्डा आदि से मारना पीटना। यहाँ वध का अर्थ प्राणों का वियोग करना नहीं लिया है ।

वध परिषहजय – *Vadha Pariṣahajaya.*
To forbear the violent behaviour of other with equanimity (an affliction).

तीक्ष्ण अस्त्र-शस्त्र आदि के द्वारा घात किये जाने पर मारने वाले के प्रति साधु द्वारा आकांक्षा न कर समता भाव से सहन करते रहना ।

वध्यघातक – *Vadhyaghātaka.*
Contradictory relation pertaining to destruction.
विरोध के तीन भेदों में प्रथम भेद; वध्यघातक भाव विरोध जो सर्प-नेवले, अग्नि-जल आदि में होता है। संबंध के अनेक भेदों में एक भेद

वनखंड – *Vanakhanda.*
Forest
जंगल अथवा भद्रशाल आदि वनों को भी वनखंड संज्ञा है जो कि बहुत सुन्दर बगीचे है ।

वनजीविका – *Vanajīvikā.*
Livelyhood by forest products
सावद्य, खरकर्म के 15 भेदों में एक भेद, स्वयं टूटे हुए अथवा तोड़कर वृक्ष आदि वनस्पति को बेचना आदि ।

वनभूमि – *Vanabhūmi.*
A land of natural temples with temple-trees (*Chaitya Vriksh*)
अकृत्रिम चैत्यालयों की एक भूमि जिसमे चैत्यवृक्ष होते हैं ।

वनस्पति (काय) – *Vanaspati (Kāya).*
Vegetation (one-sensed beings), Vegetable bodied.
वनस्पति एकेन्द्रिय जीव के द्वारा छोड़ा गया शरीर ।

वनिता – *Vanitā.*
A wowan, lady.
स्त्री, नारी, महिला ।

वपुः स्पर्श – *Vapuḥ Sparśa.*
Touching the body organs (a fault of meditative relaxation)
व्युत्सर्ग (कायोत्सर्ग) का एक दोष; शरीर को इधर-उधर स्पर्श करते हुए कायोत्सर्ग करना ।

वप्पिला – *Vappilā.*
Mother's name of Lord Naminath
तीर्थंकर नमिनाथ की माता का नाम । अपरनाम वमिला ।

वप्र – *Vapra.*
A country of western *Videh Kshetra* (region), Name of a summit of *Chandragiri Vakshar* (mountain) & its deity.
पश्चिम विदेह का एक देश, चन्द्रगिरि वक्षार का एक कूट व उसका स्वामीदेव ।

वप्रकावती – *Vaprakāvatī.*
A country of western *Videh Kshetra* (region), Name of a summit of *Vaksharglri* (mountain) & its female divinity.
पश्चिम विदेहक्षेत्र स्थित एक देश, वक्षारगिरि का कूट तथा स्वामिनी देवी ।

वप्रा – *Vaprā.*
Name of a country of western *Videh Kshetra* (region)
पश्चिम विदेहक्षेत्र का एक देश । विजया नगरी यहां की राजधानी है ।

वमन – *Vamana.*
Vomiting, a kind of obstacle in the food-taking of saints.
आहार संबंधी एक अन्तराय, आहार करते समय साधु को वमन हो जाना यह छर्दि नाम का अन्तराय है ।

वय – *Vaya.*
Age, life duration
उम्र, अवस्था ।

वयोपेक्षा विवर्जन – *Vayopekṣā Vivarjana.*
Disruption of meditative relaxation due to old age (a fault).
व्युत्सर्ग का एक दोष, वृद्धावस्था के कारण कायोत्सर्ग को छोड़ देना ।

वयोवृद्ध – *Vayovṛddha.*
Old persons, Aged or senior.
उम्र में बड़े; वृद्ध लोगों की संगति सेवा से अनुभव चारित्र आदि में वृद्धि होती है, मन निर्लेप होता है ।

वरचंद्र – *Varacandra.*
Name of the 6th predestined *Balbhadra*, Name of the son of Lord Chandraprabh in His worldly life.
आगामी छठा बलभद्र, तीर्थंकर चन्द्रप्रभ का पुत्र, इसे राज्य सौंपकर ही वह दीक्षित हुए थे ।

वरतनु (द्वीप) – *Varatanu (Dvīpa).*
Name of an island of *Lavan* & *Kalod* oceans.
लवण तथा कालोदसागर का अन्तर्द्वीप ।

वरदत्त – *Varadatta.*
Name of the first chief disciple of Lord Neminath.
तीर्थंकर नेमिनाथ के प्रथम गणधर ।

वरधर्म – *Varadharma.*
Past-birth-father of Lord Mallinath, Name of a saint possessing super power.
तीर्थंकर मल्लिनाथ के पूर्वभव के पिता का नाम, एक चारणऋद्धिधारी मुनि; श्रीधर ने इन्हीं से व्रत लिए थे ।

वरसेना – *Varasenā.*
Name of the chief *Aryika* (*Ganini*) in the holy assembly of Lord Vasupujya.
भगवान् वासुपूज्य के समवशरण में मुख्य आर्यिका (गणिनी) । अपरनाम, सेनार्या, सेना ।

वरांगचरिउ – *Varāṅgacariu.*
Name of an *Apbhransh* (an ancient language) treatise.
कवि तेजपाल कृत अपभ्रंश ग्रंथ । समय – ई.स.-1450 ।

वरांग चरित्र – *Varāṅga Caritra.*

Name of the books written by *Acharya* Jatasimhnandi & by *Bhattarak* Varddhaman.
आचार्य जटासिंहनंदी कृत एक काव्य, वर्द्धमान भट्टारक कृत संस्कृत ग्रंथ ।

वराटका – *Varāṭaka.*

A small shell, a cowrie (used as coin).
कौड़ी–दो इन्द्रिय (स्पर्शन, रसना) जीव ।

वराटक कर्म – *Varāṭaka Karma.*

A religious act of name installation (related to a small shell or cowrie).
कौड़ियों (कपर्दिका) में स्थापना निक्षेप करना ।

वराह – *Varāha.*

Rhinoceros, significant symbol of Lord Shreyansnath, Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain
गैंडा, भगवान श्रेयांसनाथ का चिन्ह, विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का एक नगर ।

वरुण – *Varuṇa.*

Name of the 7th chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of the protecting deity of *Varunivardvip* (an Island), A weapon used against a particular fire weapon, A kind of *Lokpal* deities.
भगवान् वृषभदेव के सातवें गणधर, वारुणीवर द्वीप का रक्षक देव, एक अस्त्र जिससे आग्नेय अस्त्र का निवारण किया जाता है, लोकपाल देवों का एक भेद ।

वरुणकायिक – *Varuṇakāyika.*

A type of deities.
आकाशोपपन्न देवों के 12 भेदों में एक भेद ।

वरुणा – *Varuṇā.*

Name of the chief *Aryika* (*Ganini*) in the assembly of Lord Chandraprabha.
भगवान चन्द्रप्रभ के समवशरण में मुख्य आर्यिका (गणिनी) । अपरनाम–वरुणा ।

वर्ग – *Varga.*

Square of some number (a mathematical operation; mutual multiplication of a number), Aggregate of indivisible space points (*Pradesh*).
किसी संख्या को उसी संख्या से परस्पर गुणा करना। जैसे 2x2=4 इसे कृति भी कहते हैं, सबसे जघन्य गुण वाले प्रदेश के अविभागी प्रतिच्छेदों के समूह को वर्ग कहते हैं ।

वर्गण संवर्गण – *Vargaṇa Saṁvargaṇa.*

A type of particular mutual multiplication (a mathematical operation).
गणित; देय–विरलन संख्याओं को परस्पर गुणा करने से प्राप्त राशि ।

वर्गणा – *Vargaṇā.*

An aggregate of same molecules of some matter
वर्गों के समूह को वर्गणा कहते हैं अथवा समान गुण वाले परमाणु पिण्ड को वर्गणा कहते हैं ।

वर्गणाशलाका – *Vargaṇāśalākā*

Counting of variforms in the group of variforms. Variform (*Vargana*) means aggregate grouping of *Karmic* molecules
एक स्पर्धक में जो वर्गणाओं का प्रमाण है वह वर्गणा शलाका है ।

वर्गधारा – *Vargadhārā.*

A type of mathematical series
श्रेणी व्यवहार गणित की सर्वधारा आदि 14 धाराओं में एक, 1, 4, 9, 16 (1^2, 2^2, 3^2, 4^2)

वर्गमूल – *Vargamūla.*

Square root of any number (a mathematical operation).
गणित संबंधी; किसी वर्गफल के दो बराबर गुणनखंड करना ।

वर्गशलाका – *Vargaśalākā*

A mathematical operation
दो की संख्या का वर्ग जितनी बार हो उस राशि का नाम । जैसे– 16 की वर्ग शलाका 2 है, क्योंकि 2 का वर्ग 4, 4 का वर्ग 16।

वर्गशलाका राशि – *Vargaśalākā Rāśi*

Desired resultant quantity of Log_2 Log_2 (a mathematical operation).
दो के वर्ग से लेकर जितनी बार की राशि विवक्षित हो उतनी वर्गशलाका राशि जानना ।

वर्ग समीकरण – *Varga Samīkaraṇa.*

Quadratic equation
$ax^2 + bx + c = 0$, इस तरह का एक गणितीय संबंध ।

वर्गित संवर्गित – *Vargita Saṁvargita.*

Raising a number to its own power
विरलन–देय से प्राप्त संख्याओं को परस्पर गुणा कर देने से उस संख्या का वर्गित संवर्गित प्राप्त होता है ।

वर्ण – *Varṇa.*

Colour, Sect or caste, Word.
रंग, जाति, अक्षर ।

वर्णचतुष्क – *Varṇacatuṣka.*

A quartet of physical *Karmic* nature.
नामकर्म की चार प्रकृतियां : वर्ण, रस, गंध, स्पर्श ।

वर्णमातृका – *Varṇamātṛkā.*

A type of meditation related to the installation of syllables in the body
पदस्थ ध्यान, एक प्रक्रिया जिसमें शरीर में यथायोग्य स्थानों पर स्वर–व्यंजन अक्षरों को स्थापित करके ध्यान किया जाता है ।

वर्णलाभ क्रिया – *Varṇalābha Kriyā.*

A social tradition of separation from the family with the permission of parents after marriage of one, An auspicious activity of pursuasion of one's righteousness.

गर्भान्वय की 18वीं क्रिया; इसमें विवाह के बाद पिता की आज्ञा से धन-धान्य आदि सम्पदा प्राप्त करके पृथक् मकान में रहने की व्यवस्था करनी होती है, दीक्षान्वय की एक क्रिया-इसमें अपने सम्यक्त्वी होने का श्रावकों को विश्वास कराया जाता है।

वर्णविभाग – *Varṇavibhāga.*

Four classes into which Indo-Aryan society was early divided

वर्णव्यवस्था या वर्णभेद; क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, ब्राह्मण ।

वर्तना – *Vartanā.*

Continuous inperceptible minute changes in any matter.

द्रव्य के प्रति समय होने वाले परिवर्तन अर्थात् प्रत्येक द्रव्य प्रत्येक पर्याय में प्रति समय जो स्वसत्ता की अनुभूति करता है ।

वर्तमान काल – *Vartamāna Kāla.*

Period of present time.

चल रहा समय, विवक्षित पर्याय के प्रारम्भ से अन्त होने तक का काल। यह दो प्रकार है-सूक्ष्म-एक समयमात्र, स्थूल- अन्तर्मुहूर्त से लेकर संख्यात वर्ष तक।

वर्तमान ग्राही नय – *Vartamāna Grāhī Naya.*

A standpoint believing the present mode (*Paryay*).

ऋजुसूत्र नय, जो भूत भावि पर्यायों को छोड़कर वर्तमान पर्याय को ही ग्रहण करता है ।

वर्तमान नैगम नय – *Vartamāna Naigama Naya.*

A standpoint describing completeness for an uncompleted work, to say complete for an uncompleted work.

जो कार्य हो रहा हो, पूर्ण न हुआ हो तब भी कहना पूर्ण हो गया।

वर्द्धमान – *Varddhamāna.*

Another name of Lord Mahavira given by *Indras.* Name of a summit in the north of *Ruchakvar* mountain.

कीर्ति तथा गुणों से वृद्धिंगत होने के कारण इन्द्र द्वारा प्रदत्त भगवान महावीर का अपरनाम, रुचकवर पर्वत की उत्तर दिशा का एक कूट ।

वर्द्धमानचरित्र – *Varddhamānacaritra.*

Name of a treatise related to the biography of Lord Mahavira.

तीर्थंकर महावीर के जीवनचरित से संबंधित एक संस्कृत ग्रंथ ।

वर्द्धमानचारित्र – *Varddhamānacāritra.*

Name of a great treatise (epic) written by a great poet Asag.

शक सं. 910 के महाकवि असग द्वारा लिखित 18 सर्ग प्रमाण हिन्दी महाकाव्य ।

वर्द्धमान महावीर – *Varddhamāna Mahāvīra.*

Name of the 24th *Tirthankar* (Jaina-Lord).

वर्तमान चौबीसी के अंतिम 24वें तीर्थंकर। कुण्डलपुर के राजा सिद्धार्थ एवं महारानी त्रिशला के पुत्र। इनकी आयु 72 वर्ष थी एवं इनके 11 गणधर थे।

वर्द्धमान यंत्र – *Varddhamāna Yantra.*

A metallic plate engraved with some auspicious mystic words (*Mantras*).

विभिन्न रेखाकृतियों में विशिष्ट अक्षर-मंत्रों द्वारा चित्रित किया गया एक यंत्र ।

वर्द्धमानसागर (मुनि) – *Varddhamānasāgara (Muni).*

Name of a *Digambar* Jain saint, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar ji Maharaj and the elder brother of his household life

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के गृहस्थावस्था के बड़े भाई, जिन्हें अत्यन्त पुरुषार्थपूर्वक आचार्यश्री ने घर से निकालकर मुनिदीक्षा प्रदान कर मोक्षमार्ग में लगाया। ये अत्यन्त निस्पृह वृत्ति के साधु हुए हैं। समय-ई. श. 20।

वर्धमानसागर (आचार्य) – *Vardhamānasāgara (Ācārya).*

Name of a *Digambar* Jain *Acharya*, the disciple of *Acharya* Dharmasagar Maharaj in the tradition of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar Ji Maharaj.

चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर महाराज की परम्परा के एक वर्तमान आचार्य। इन्होंने सन् 1967 में पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से गृहत्याग कर उनसे धार्मिक ग्रंथों का गहन अध्ययन किया एवं उनकी ही प्रेरणा से आचार्य श्री धर्मसागर महाराज से मुनिदीक्षा ग्रहण की। सन् 1990 में आचार्य श्री अजितसागर महाराज की समाधि के पश्चात् चतुर्विध संघ ने 10 जून 1990 को परम्परा के वयोवृद्ध मुनि आचार्यकल्प श्री श्रेयांससागर महाराज को परम्परा के पंचम पट्टाचार्य पद पर अभिषिक्त किया, पुनः कतिपय साधु एवं श्रेष्ठियों ने 24 जून 1990 को मुनि वर्धमान सागर को द्वितीय पंचम पट्टाचार्य बना दिया, यहीं से इस अखण्ड आचार्य परम्परा में दो भेद हुए हैं।

वर्धमानक – *Vardhamānaka.*

Name of the dancing hall of *Chakravarti* (emperor) Bharatesh.

चक्रवर्ती भरतेश की नृत्यशाला ।

वर्मिला – *Varmilā.*

Another name of mother of Lord Parshvanath.

भगवान् पार्श्वनाथ की माता वामा देवी का अपरनाम। इनका एक नाम ब्राह्मी भी आता है।

वर्ष – *Varṣa.*

A period of 12 months. Area.

12 मास अर्थात् दो अयन प्रमाण काल (अपरनाम संवत्सर), वर्ष का अर्थ 'क्षेत्र' भी होता है।

वर्ष दशक – *Varṣa Daśaka.*

A time period of 10 years.

काल का एक प्रमाण विशेष। दस वर्ष का समय।

वर्षधर – *Varṣadhara.*

Mountains like *Himvan* etc. are called *Varshdhar* because they cause in the division of areas.
हिमवान आदि पर्वतों के कारण क्षेत्रों का विभाग होने से इन पर्वतों को वर्षधर कहते हैं।

वर्षलक्ष – *Varṣalakṣa.*

A time period of 1 lac years.
काल का प्रमाण; वर्षशतसहस्र (एक लाख वर्ष)।

वर्षा ऋतु – *Varṣā Ṛtu.*

Rainy season.
6 ऋतुओं में एक ऋतु; बरसात का समय इसमें साधु वर्षायोग या चातुर्मास धारण करते हैं।

वर्षायोग – *Varṣāyoga.*

Four months' rainy seasonal staying of Jaina saints at some particular place with particular restrictions.
चातुर्मास; जैन साधु–साध्वियों का वर्षाकाल (आषाढ़ शुक्ला चतुर्दशी से कार्तिक कृष्णा अमावस तक) में मुख्यतः जीव विराधना से बचने हेतु एक [illegible] निष्ठापन की विशेष विधि होती है। (विशेष देखें–चतुर्मास)।

वलय – *Valaya.*

Ring, circumference, circle.
परिधि, वृत्त।

वलीक – *Valika*

One of the omniscients in the assembly of Lord Mahavira.
भगवान् वीर के तीर्थ के 10 अन्तकृत केवली में एक।

वल्कल – *Valkala.*

Bark, skin of trees, A kind of believers in ignorantism.
वृक्षों की छाल, अज्ञानवादी के 67 भेदों में एक भेद।

वल्गुप्रभ – *Valguprabha.*

Name of a heavenly abode of *Kuber, Lokpal*, a protecting deity.
कुबेर लोकपाल का विमान।

वल्लभा – *Vallabha.*

Beloved woman (female divinity).
प्रिय स्त्री (देवों की मुख्य देवी)।

वल्लभिका – *Vallabhikā.*

Beloved female divinities of *Indras* causing love.
इन्द्रों को प्रीति उत्पन्न करने वाली, अपनी विक्रिया, प्रभाव, रूप, स्पर्श से उन्हें रमाने वाली देवियां।

वल्लरि छेदना – *Vallari Chedanā.*

Cutting of trees, Piercing the trees.
छेदना के 10 भेदों में एक भेद; कुठार आदि द्वारा जंगल के वृक्ष आदि का खण्ड करना।

वल्लिभूमि – *Vallibhūmi.*

The third land of *Samavasharan* (assembly of Lord).
समवशरण की तीसरी भूमि; अपरनाम लताभूमि, यह अनेकों क्रीड़ा पर्वतों व वापिकाओं आदि से शोभित है।

वशवर्तिता – *Vaśavartitā.*

An example of power of *Karmas*, fruition of *Karmas* causing developments of sense organs.
कर्म की बलवत्ता का एक उदाहरण; नाम कर्मोदय की वशवर्तिता से इन्द्रियां उत्पन्न होती हैं।

वशार्तमरण – *Vaśārtamaraṇa.*

A kind of death of one under all worldly panic desires
आर्त रौद्र ध्यान सहित मरण। यह 4 प्रकार का है – इन्द्रियवशार्त, वेदनावशार्त, कषायवशार्त और नोकषायवशार्त।

वशित्व ऋद्धि – *Vaśitva Ṛddhi.*

A kind of superpower (pertaining to the transformation of body form of beings).
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु जीवसमूह को वश में करके उनका मनचाहा आकार आदि बनाने में सक्षम होते हैं।

वशीकरण – *Vaśīkaraṇa.*

Empowerment, Enchantment, A mystical power.
एक मंत्र, एक विद्या।

वश्य यंत्र – *Vaśya Yantra.*

A special metallic plate engraved with mystic words & diagrams (pertaining to enchantment).
विशिष्ट अक्षर, मंत्र शब्दों एवं विभिन्न रेखाकृतियों से चित्रित किया गया एक यंत्र।

वसंत – *Vasanta.*

Another name of *Sumeru* mountain.
सुमेरुपर्वत का अपरनाम।

वसंतभद्र व्रत – *Vasantabhadra Vrata.*

A specified and procedural fasting.
एक व्रत। इसमें क्रमशः 5, 6, 7, 8, 9 इस प्रकार 25 उपवास और बीच के स्थानों में एक–एक पारणा की जाती है।

वसतिका – *Vasatikā.*

Hermitage, staying place of saints.
साधुओं के ठहरने का स्थान। ध्यान–अध्ययन के योग्य निर्दोष शून्य स्थान ही इसके लिये उपयुक्त है।

वसा – *Vasā.*

Fat, Marrow, Grease.
मेद, चर्बी, मज्जा। औदारिक शरीर की एक धातु। यह 3 अंगुलि प्रमाण रहती है।

वसुंधरा – *Vasundharā.*

Another name of earth, Name of a female divinity of *Ruchak* mountain.
पृथिवी का अपरनाम, रुचक पर्वत की एक दिक्कुमारी देवी।

वसु – *Vasu.*

A type of heavenly deities (*Laukantik*), Name of a king who went to hell because of telling lie.

Eight in number
लौकान्तिक देवों का एक भेद, एक राजा का नाम जो झूठ बोलने के कारण नरक में गया, आठ की संख्या ।

वसुदेव – *Vasudeva.*
Name of the 20th chief disciple of Lord Rishabhdev, Father of Lord Krishna.
भगवान ऋषभदेव के 20वें गणधर, अंधकवृष्णि का पुत्र समुद्रविजय का भाई कृष्ण के पिता ।

वसुधा – *Vasudhā.*
The earth.
पृथिवी : वसु अर्थात् द्रव्यों को धारण करने वाली पृथिवी वसुधा कहलाती है ।

वसुधारक – *Vasudhāraka.*
Grainary or store house, one of the dominions of *Chakravarti* (emperor) Bharatesh
चक्रवर्ती भरतेश की विभूति कोठार का नाम ।

वसुनंदि – *Vasunandi*
Name of different *Acharyas* of *Nandi* group
नंदिसंघ देशीयगण के एक आचार्य, जिनका अपरनाम जयसेन था । श्रावकाचार, प्रतिष्ठासार संग्रह, मूलाचार वृत्ति, आप्तमीमांसा वृत्ति, जिनशतक, वस्तु विद्या आदि के रचयिता । समय–ई.स. 1068–1118 । इस नाम के और भी कई आचार्य हुए हैं ।

वसुनंदि श्रावकाचार – *Vasunandi Śrāvakācāra.*
Name of a treatise written by *Acharya* Vasunandi.
आचार्य वसुनंदि (ई. 1068–1118) कृत प्राकृत गाथाबद्ध ग्रंथ।

वसुपाल – *Vasupāla.*
Name of a great Jaina king of Magadh, who got many temples built at Abu mountains.
मगध का एक प्रसिद्ध जैन राजा जिसने आबू पर्वत पर ऐतिहासिक आश्चर्यकारी जिनमंदिरों का निर्माण कराया । समय–ई. 1197।

वसुपूज्य – *Vasupūjya.*
Father's name of Lord Vasupujya.
तीर्थंकर वासुपूज्य के पिता । चम्पानगरी के राजा, जयावती इनकी रानी थी ।

वसुमती – *Vasumatī.*
Another name of earth, Name of a river of *Bharat Kshetra* (region) & a city in the north of *Vijayardh* mountain.
पृथिवी का अपरनाम, भरतक्षेत्र आर्यखण्ड की एक नदी, विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का एक नगर ।

वसुमित्र – *Vasumitra.*
Name of the 36th chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of the chieftain of *Shak* dynasty.
तीर्थंकर ऋषभदेव के 36वें गणधर । मगधदेश की राज्य वंशावली अनुसार यह शक जाति का सरदार था, अपरनाम बलमित्र अग्निमित्र का समकालीन था, समय–वी.नि. 285–345 ।

वस्तु – *Vastu.*
A type of scriptural knowledge (*Shrutgyan*), Substance, Matter, Object.
श्रुतज्ञान के बीस भेदों में 17वां भेद । सत्ता, सत्व, द्रव्य, वस्तु आदि एकार्थवाची हैं ।

वस्तुग्राही नय – *Vastugrāhi Naya.*
A standpoint-accepting of partial knowledge of something.
नय, अनेकांतात्मक वस्तु के अंश को ग्रहण करना ।

वस्तुत्व – *Vastutva.*
Nature or reality of any matter or substance.
वस्तु के भाव को वस्तुत्व कहते हैं (वस्तु सामान्य विशेषात्मकपना) ।

वस्तुविद्या – *Vastuvidyā.*
Name of a treatise written by *Acharya* Vasunandi
आचार्य वसुनंदि कृत एक ग्रंथ । समय – ई.श. 11 .

वस्तुसमास – *Vastusamāsa.*
Name of the 18th part of scriptural knowledge (*Shrutgyan*).
श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 18वां भेद ।

वस्तून ग्रह – *Vastūna Graha.*
One of the 88 planets.
ज्योतिष के 88 ग्रहों में एक ग्रह ।

वस्त्र – *Vastra.*
Clothes, Dress, Garments
सिले हुए कपड़े, परिधान । ये 5 प्रकार के होते हैं–अंडज, बोंडज, रोमज, वल्कज, चर्मज ।

वस्त्ररहित – *Vastrarahita.*
Unclothed, Necked, Natural form of one.
अचेलकत्व; वस्त्ररहित होना यह दिगम्बर जैन साधुओं के 28 मूलगुणों में से एक मूलगुण है ।

वस्त्रांग – *Vastrāmga.*
A type of wishfulfilling trees providing desired clothes.
10 प्रकार के कल्पवृक्षों में एक प्रकार के वृक्ष जो इच्छित वस्त्र देते हैं ।

वह्नि – *Vahni.*
Fire, A special type of heavenly deities (*Laukantik*).
अग्नि, ब्रह्मलोक निवासी लौकांतिक देवों का भेद ।

वांछा – *Vāñchā.*
Desire, Longing, a type of passion.
इच्छा, अभिलाषा । इसे ही परिग्रह कहा गया है ।

वाइम – *Vāima.*
A type of knitted material (as clothes, filter articles etc.)
द्रव्य निक्षेप का एक भेद । बुनने रूप क्रिया से सिद्ध हुए सूप, चालनी, कंबल, वस्त्र आदि द्रव्य ।

वाक् (वचन) – *Vāk (Vacana).*
Different types of speech
शुभ–अशुभ रूप बोलने अथवा उच्चारण करने की क्रिया

वाक्छल – *Vākchala.*
A kind of deception (wrong opposition of speaker)
छल के तीन भेदों में एक भेद, वक्ता के विवक्षित अर्थ की जान–बूझकर उपेक्षा कर अर्थान्तर की कल्पना करके वक्ता के वचन का निषेध करना ।

वाक्शुद्धि – *Vākśuddhi.*
Renunciation of cruel speech or language controlling.
कठोर कर्कश वचनों का त्याग कर सावधानी पूर्वक बोलना देखें–वचन शुद्धि ।

वाक्य – *Vākya.*
Sentence (group of meaningful words).
पदों का समूह ।

वाक्यप्रतिक्रमण – *Vākyapratikramana.*
A kind of repentance (pronouncing for the committed faults)
किए हुए अतिचारों एवं सूत्रों का उच्चारण करना ।

वागर्थसंग्रह – *Vāgarthasamgraha.*
Name of a treatise composed by the poet Parmeshthi containing the life sketch of 63 great personalities.
कवि परमेष्ठी कृत एक संस्कृत ग्रंथ । इसमें 63 शलाका पुरुषों का वर्णन है ।

वाग्भट्ट – *Vāgabhatta.*
Name of different poets.
कवि–1. नेमि निर्वाण काव्य (ई. स. 1075–1125), 2. छन्दानुशासन, काव्यानुशासन के रचयिता (वि.श. 14 मध्यपाद) ।

वाग्भट्ट संहिता – *Vāgbhatta Samhitā.*
Name of a treatise written by *Pandit* Ashadhar.
पं. आशाधर कृत न्याय का संस्कृत ग्रंथ । समय – वि. 1230–1300 ।

वाङ्मय – *Vānmaya.*
Combination of overall grammer, metre & figures of speech.
व्याकरण शास्त्र, छन्द शास्त्र और अलंकार शास्त्र इन तीनों के समूह को वाङ्मय कहते हैं । भगवान ऋषभदेव ने अपनी पुत्रियों–ब्राह्मी, सुन्दरी को इस वाङ्मय का अध्ययन कराया था ।

वाचक – *Vācaka.*
One well versed in 12 *Angas* (*Shrutgyan* scriptural knowledge), Speaker, Important words.
12 अंग का ज्ञाता वाचक कहलाता है, बोलने वाला (वक्ता) अथवा महत्वपूर्ण शब्द ।

वाचक–वाच्य संबंध – *Vācaka-Vācya Sambandha.*
Relation between words & their meanings.
शब्द और अर्थ का संबंध । अर्थात् शब्द वाचक एवं उसका अर्थ वाच्य कहलाता है ।

वाचक शब्द – *Vācaka Śabda*
Words showing or explaining the meaning
पदार्थ के अर्थ को कहने वाला शब्द या शब्दनय, शब्द के अनुसार ही अर्थ निकालना ।

वाचना – *Vācanā.*
Studying, reading & explaining of religious books
स्वाध्याय के 5 भेदों में एक भेद; निर्दोष ग्रंथ पढ़ना, सुनना या दोष रहित को समझाना ।

वाचनिक – *Vācanika.*
Which can be expressed in words
वचनों के द्वारा किया जाने वाला या शब्दों में अभिव्यक्त ।

वाचनिक आस्रव – *Vācanika Āsrava*
Karmic influx caused due to auspicious & inauspicious speeches
शुभ–अशुभ वचनों से होने वाला शुभाशुभ कर्मास्रव ।

वाचनिक व्युत्सर्ग – *Vācanika Vyutsarga.*
Auspicious reverential utterances in meditation.
शब्दों के द्वारा अभिव्यक्त जाप या कायोत्सर्ग ।

वाचा उपकरण विवेक – *Vācā Upakarana Viveka.*
Discrimination related to right speech
विवेक का एक भेद, मैंने इन ज्ञानोपकरणादि का त्याग किया ऐसा वचन बोलना ।

वाचा माया विवेक – *Vācā Māyā Viveka.*
A deceitless discretion (not to speak deceitfully).
विवेक का एक भेद, कपट का उपदेश न करना ।

वाचा लोभ विवेक – *Vācā Lobha Viveka.*
Discrimination related to greed (not to make false statement or to speak lie).
विवेक का एक भेद; इस वस्तु या ग्राम आदि का मैं स्वामी हूँ ऐसे वचन उच्चारण न करना ।

वाचा वसति संस्तर विवेक –
Vācā Vasati Samstara Viveka.
Discrimination related to hermitage or place (abandonment of hermitage & resting means)
विवेक का एक भेद; मैं इस वसति व संस्तर का त्याग करता हूँ, ऐसे वचन बोलना ।

वाचा वैयावृत्य विवेक – *Vācā Vaiyāvrttya Viveka.*
Not to allow others to serve oneself (a kind of discrimination)
विवेक का एक भेद, तुम मेरी वैयावृत्य मत करो ऐसे वचन बोलना।

वाचा शरीर विवेक – *Vācā Śarīra Viveka.*
Not to say others for the protection of one-self

(a kind of wisdom).
विवेक का एक भेद, शरीर को तुम पीड़ित मत करो अथवा मेरा रक्षण करो इस प्रकार के वचन न कहना।

वाचिक – *Vācika.*
To pay reverence eulogically (directly or indirectly)
उपचार विनय के तीन भेदों में एक भेद; वचनों अर्थात् गुणानुवाद द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष विनय करना।

वाचिक विनय – *Vācika Vinaya*
To pay reverence to saints by eulogical speech.
उपचार विनय का एक भेद; उपशांत, सावद्य क्रियारहित, अभिमान रहित वचन गुरुओं-साधुओं के सामने बोलना।

वाचिक व्युत्सर्ग – *Vācika Vyutsarga*
See - *Vācanika Vyutsarga.*
देखें - वाचनिक व्युत्सर्ग।

वाच्य – *Vācya.*
Expressible in words
कहने योग्य।

वाटग्राम – *Vāṭagrāma.*
Past name of Baroda
डॉ. आल्टे के अनुसार वर्तमान बड़ौदा, क्योंकि बड़ौदा का प्राचीन नाम वटपद है और वह गुजरात में है।

वाणप्रस्थ – *Vāṇaprastha.*
The third progressive spiritual stage of mundane life
वानप्रस्थ आश्रम, सप्तम प्रतिमाधारी से लेकर 11वीं उद्दिष्ट प्रतिमाधारी तक उत्कृष्ट वाणप्रस्थ खण्ड वस्त्रधारी क्षुल्लक व ऐलक हैं।

वाणिज्य – *Vāṇijya.*
Trade, Commerce, Business, an important activity of livelihood.
भगवान् आदिनाथ द्वारा उपदेशित षट्कर्मों में एक कर्म; व्यापार द्वारा आजीविका करना।

वाणिज्य कर्मार्य – *Vāṇijya Karmārya.*
Those having livelihood by trade of grains, gold etc.
सावद्य कर्मार्य के 6 भेदों में एक भेद; जो अन्न, वस्त्र, सोना, चांदी आदि के द्वारा आजीविका करते हैं।

वाणी – *Vāṇī.*
Vocal speech, Voice, Language.
ध्वनि, बोलने की शक्ति।

वात – *Vāta.*
Air, Wind, Breeze.
वायु। औदारिक शरीर में रहने वाली 7 उपधातु में एक धातु।

वातवलय – *Vātavalaya.*
Three types of air covers surrounding the universe.
वृक्ष की त्वचा के समान लोक को घेरे हुए वायु के तीन वलय घनोदधि, घनवात और तनुवात।

वात्सल्य – *Vātsalya.*
Affection, Tender feeling (an auspicious quality).
साधर्मी के प्रति निःस्वार्थ प्रेमभाव रखना (सम्यग्दर्शन का एक अंग एवं सोलहकारण भावना की एक भावना)।

वाद – *Vāda.*
Debate, Competitive discussion
हार-जीत के अभिप्राय से की गई किसी विषय संबंधी चर्चा।

वाद-न्याय – *Vāda-Nyāya.*
Name of a treatise written by *Acharya* Kumarnandi
आचार्य कुमारनंदि (ई.-776) कृत संस्कृत भाषा में न्याय विषयक ग्रंथ।

वाद-विवाद – *Vāda-Vivāda.*
Debate, Mutual discussion, Argumentation.
अपने पक्ष का प्रमाण से स्थापन करना वाद एवं दूसरे के मत को खण्डन करने वाले वचन कहना विवाद है।

वादित्व ऋद्धि – *Vāditva Ṛddhi.*
A supernatural power of argumentation possessed by saints.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु, इन्द्र के समान ज्ञानवान एवं वाद-विवाद करने में निपुण वादी को भी युक्तियुक्त समाधान के द्वारा निरुत्तर करने में समर्थ होते हैं।

वादिराज – *Vādirāja.*
Name of a great *Acharya*, the writer of 'Ekibhava Stotra'.
एक आचार्य जिन्होंने एकीभाव स्तोत्र की रचना कर अपने कुष्ठ रोग को दूर किया। इनकी अन्य रचनाएं पार्श्वनाथ चरित्र, यशोधर चरित्र, न्याय विनिश्चय विवरण आदि हैं (समय-ई.स. 1010-1065)।

वादी – *Vādī.*
Expert in spiritual argument, Preceptor possessing knowledge of main principle of Jainism, The plaintiff, a complainant.
शास्त्रार्थ में विजय प्राप्त करने में कुशल, मुनियों का एक भेद-सिद्धांतों के प्रतिष्ठापक मुनि, तीर्थंकरों की समवशरण सभा में ऐसे मुनियों का समूह रहता है।

वादीभसिंह (अजितसेन) –
Vādībhasiṃha (Ajitasena).
Name of the disciple of Vadiraj-2.
वादिराज-2 के शिष्य, यादवराज ऐरेयंग बल्लालराज तैलप (ई.-1103) के गुरु। स्याद्वाद सिद्धि के रचयिता।

वादीभसिंह (ओडयदेव) –
Vādībhasiṃha (Oḍayadeva).
Name of the disciple of Pushpasen.
अकलंक देव के गुरु भाई पुष्पसेन के शिष्य (ई. 620-680)-क्षत्र चूड़ामणि, गद्य चिंतामणि के रचयिता।

वानप्रस्थ आश्रम – *Vānaprastha Āśrama*

The third progressive spiritual stage of mundane life.

धर्म क्रियाओं के भेद से ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास इन चार आश्रमों में तीसरा भेद। देखें–वानप्रस्थ।

वानरद्वीप – *Vānaradvīpa.*

Name of an island of Lanka

लंका का रमणीय एवं सुरक्षित द्वीप, राक्षस वंशी राजा कीर्तिधवल ने यह द्वीप अपने साले श्रीकंठ को दिया था। श्रीकंठ ने इसी द्वीप के किष्कु पर्वत पर किष्कुपुर नगर बसाया था।

वानरवंश – *Vānaravamśa.*

Name of a dynasty of *Vidyadhar* kings.

वानर चिन्हांकित ध्वजाओं को धारण करने वाले विद्याधर राजाओं का वंश, इसका आरम्भ किष्कुपुर के विद्याधर राजा अमरप्रभ से हुआ था। जैसे हनुमान, सुग्रीव, बाली आदि वानरवंशीय थे, उनके शरीर का आकार आदि वानर के जैसा नहीं था।

वापी – *Vāpī.*

Something like a large lake with down steps towards water.

बावड़ी।

वामदेव – *Vāmadeva.*

Name of a *Bhattarak* of *Moolsangh* of saints after Lord Mahavira.

मूलसंघी भट्टारक, प्रतिष्ठा आदि विधानों के ज्ञाता। कृतियां – भावसंग्रह, त्रैलोक्यप्रदीप, त्रिलोकसार पूजा, तत्त्वार्थसार आदि। समय–वि.श. 14–15।

वामन – *Vāmana.*

Name of a guardian deity of an auspicious canopy.

प्रतिष्ठा मण्डप के 10 द्वारपालों में एक द्वारपाल देव।

वामन मुनि – *Vāmana Muni.*

Name of a writer of 'Memandar Puran' (a treatise).

मेमंदर पुराण के रचयिता।

वामन संस्थान – *Vāmana Saṁsthāna.*

A *Karmic* nature causing pigmy or short heightened body

नामकर्म की एक प्रकृति; जिस कर्म के उदय से जीव का बौना शरीर होता है।

वामा – *Vāmā.*

Mother's name of Lord Parshvanath.

भगवान पार्श्वनाथ की माता। अपरनाम ब्राह्मी, वर्मिला।

वायव्य – *Vāyavya.*

Name of a direction (of west-north angle).

पश्चिम–उत्तर कोण वाली विदिशा।

वायु – *Vāyu.*

Air, Wind, Breeze.

हवा, पवन। वायु भी सचित्त, अचित्त अनेक प्रकार की होती है। प्राणायाम–ध्यान आदि में भी वायुमण्डल, वायवी धारणाओं का प्रयोग किया जाता है।

वायुकायिक – *Vāyukāyika.*

Air-bodied beings (one sensed).

स्थावर जीवों का एक भेद, वायु ही जिसका शरीर है उसे वायुकायिक जीव कहते हैं।

वायुकुमार देव – *Vāyukumāra Deva.*

A type of residential deities.

भवनवासी देवों का 10वां भेद। इनके मुकुटों में घोड़े का आकार है एवं इनके 96 लाख भवन हैं।

वायुचारणऋद्धि – *Vāyucāraṇa Ṛddhi.*

A supernatural power related to the walking over air.

चारण ऋद्धि का एक भेद; जिसके प्रभाव से मुनि अनेक प्रकार की गति से युक्त होकर प्रदेशों की पंक्ति पर अस्खलित होकर पद विक्षेप करते हैं।

वायुधारणा – *Vāyudhāraṇā.*

Specified activity of deep meditation

पिण्डस्थ ध्यान की पांच धारणाओं में से यह ध्यानरूप धारणा है।

वायुनिरोध – *Vāyunirodha.*

The process of resisting breath (a meditational activity) in which exhaling is performed through the palate.

प्राणायाम; श्वासोच्छ्वासरूप पवन नासिका के छिद्रों को छोड़कर स्वयमेव तालुका के अति सूक्ष्म छिद्र (10वें द्वार) से होकर बाहर निकलती है।

वायुभूति – *Vāyubhūti.*

Name of a chief disciple of Lord Mahavira.

इन्द्रभूति गौतम के भाई एवं भगवान महावीर के एक गणधर।

वायुमंडल – *Vāyumaṇḍala.*

Atmosphere, Environment.

वायु का घेरा या मार्ग।

वायुशर्मा – *Vāyuśarmā.*

Name of the 10th chief disciple of Lord Rishabhadev.

भगवान वृषभदेव के 10वें गणधर।

वारना – *Vāranā.*

Wavering of lamp in repeated series of circles in reverence i.e. to perform the ceremony of *Arti.*

दीपक से अवतरणविधिपूर्वक आरती उतारना।

वाराणसी – *Vārāṇasī.*

The birth place of Lord Suparshvanath & Lord Parshvanath.

तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ तथा पार्श्वनाथ की जन्मभूमि। वाराणसी में भदैनी क्षेत्र भगवान सुपार्श्वनाथ की जन्मभूमि एवं भेलूपुर भगवान पार्श्वनाथ की जन्मभूमि के रूप में मान्य है।

वारिज – *Vārija*

Lotus flower

कमल।

वारिषेण – *Vāriseṇa.*

The son of king Shrenik who ultimately became deity in the heaven, Name of an *Anuttaropapadak* in the era of Lord Mahavira

राजा श्रेणिक का पुत्र, मुनि हो स्वर्ग में देव हुआ, भगवान् महावीर के तीर्थ के एक अनुत्तरोपपादक।

वारुणी – *Vāruṇī.*

Name of a super power, Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain.

एक विद्या, विजयार्ध पर्वत के उत्तरश्रेणी की एक नगरी।

वारुणी धारणा – *Vāruṇī Dhāraṇā.*

A specified super conception of deep meditation.

पिण्डस्थ ध्यान की एक धारणा, इन्द्रधनुष, बिजली, गर्जनादि चमत्कार सहित मेघों के समूह से भरे आकाश का ध्यान करना फिर उन मेघों की बड़ी-बड़ी बूंदों को निरन्तर बरसते हुए चिंतन करना। इस बरसते हुए जल से जो आग्नेयी-धारणा में शरीर के जलने से भस्म उत्पन्न हुई थी उस भस्म का प्रक्षालन करता हुआ चिन्तन करना यह वारुणी-धारणा है।

वारुणीवर – *Vāruṇīvara.*

Name of the 4th island & ocean of middle universe.

मध्यलोक का चतुर्थ द्वीप व सागर।

वार्ता – *Vārtā.*

Conversation, dialogue, Livelihood with pure conduct observing right duties of life.

बातचीत, चर्चा, विशुद्ध आचरणपूर्वक खेती आदि षट्कार्य करके आजीविका चलाना।

वार्तिक – *Vārtika.*

Exposition or commentary of any matter.

सूत्रों के अर्थ को विशेष रूप से समझाने हेतु जो टीका की जाती है उसे वार्तिक कहते हैं।

वार्तिकाकर्म – *Vārtikākarma.*

Polishing or Varnishing.

वस्तु तैयार करके उस पर पॉलिश आदि कर दी जाती है यही वार्तिका कर्म है।

वार्षिक प्रतिक्रमण – *Vārṣika Pratikramaṇa.*

A type of repentance carried on annually by Jaina saints.

प्रतिक्रमण के 7 भेदों में एक भेद, सांवत्सरिक प्रतिक्रमण जो एक वर्ष में किया जाता है। आषाढ़ शु. चतुर्दशी या पूर्णिमा को यह प्रतिक्रमण किया जाता है इसमें गुरु समस्त शिष्यों को एक वर्ष का प्रायश्चित्त प्रदान करते हैं।

वासना – *Vāsanā.*

Passion, Passionate feelings.

संस्कार, अविद्या, अज्ञान, कषाय आदि की पुनः पुनः प्रवृत्ति या अभ्यास से उत्पन्न संस्कार वासना कहलाते हैं।

वासनाकाल – *Vāsanākāla*

Period of passionful thoughts

किसी विशेष कषाय भाव का संस्कार बना रहना। जैसे अनन्तानुबंधी कषाय का वासनाकाल 6 महीने के ऊपर अनन्त भवों तक भी रह सकता है एवं संज्वलन कषाय अन्तर्मुहूर्त में ही समाप्त हो जाती है।

वासुदेव – *Vāsudeva.*

Another name of Shri Krishna

श्री कृष्ण का अपरनाम।

वासुपूज्यनाथ – *Vāsupūjyanātha*

Name of the 12th *Tirthankar* (Jaina-Lord)

12वें तीर्थंकर का नाम। राजा वसुपूज्य एवं रानी जयावती के पुत्र, आयु 72 लाख वर्ष, ऊंचाई 70 धनुष (280 हाथ), शरीर वर्ण लाल, चम्पापुर एवं निकटवर्ती मन्दारगिरि तीर्थ में इनके पांचों कल्याणक हुए।

वास्तुविधान – *Vāstuvidhāna.*

A special kind of worshipping to be observed specially on the completion of the construction of temple or home for its auspiciousness.

मंदिर, मकान आदि की पूर्णता पर उसमें किया जाने वाला एक विशेष पूजा अनुष्ठान, इसमें वास्तु-भवन के रक्षक देवताओं को आह्वान करके उन्हें संतुष्ट किया जाता है ताकि भवन में रहने वाले तथा मंदिर में पूजा-पाठ करने वाले सभी का सदैव मंगल हो।

वाह – *Vāha.*

An exclamative word, A kind of former weighing unit

आश्चर्यरूप अभिव्यक्ति का एक शब्द जैसे-'अरे वाह'। तौल का एक प्रमाण, 20 खारी=1 वाह।

वाहिनी – *Vāhinī.*

A part of an army containing 81 chariots, 81 elephants 405 horses, 405 *Pyade* (foot-soldier)

सेना का एक अंग, तीन गुल्म सेना का एक दल। इसमें 81 रथ, 81 हाथी, 405 प्यादे तथा 405 घोड़े रहते हैं।

विंदफल – *Vimdaphala.*

Volume, space occupied.

आयतन, घनफल, विस्तार।

विंध्य पर्वत – *Vimdhya Parvata*

Name of a mountain, one of the mountains at Shravanbelagola (a place of pilgrimage).

श्रवणबेलगोल (कर्नाटक) के दो पर्वत में दूसरा पर्वत विन्ध्यगिरि। जहाँ भगवान बाहुबली की 57 फुट ऊँची सतुंग प्रतिमा विराजमान है।

विंध्याचल – *Vimdhyācala.*

Name of a mountain of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक पर्वत।

विंशति – *Viṁśati.*
Twenty
20; कषाय व लेश्या की अपेक्षा आयुबंध के 20 स्थान, 20 प्ररूपणा, विदेह क्षेत्र में विद्यमान 20 तीर्थंकर आदि।

वि – *Vi.*
Symbolic expression for '*Vikalendriya*' (Deficient-sensed).
विकलेन्द्रिय की सहनानी।

विकथा – *Vikathā*
Non-religious tales (esp. related to woman, food, state & theft)
धर्मकथा से रहित अर्थ और काम संबंधी कथाएं। स्त्री, भोजन, राष्ट्र, चोर ये 4 कथा जो धर्म विरोधी एवं पाप आस्रव का कारण हैं।

विकल – *Vikala.*
Deficient, Inadequate, Deprived of a part.
अधूरा या किसी भाग अथवा अंश से वंचित, सदोष।

विकलचारित्र – *Vikalacāritra.*
Conduct of householders as *Anuvrat.*
एक देश चारित्र; अणुव्रत रूप श्रावक का चारित्र।

विकलन – *Vikalana*
Distribution, Dividing.
बांटना, बिखेरना, विभाजन करना।

विकलप्रत्यक्ष – *Vikalapratyakṣa*
Self revealed knowledge (without the aid of sense organs) like clairvoyance, telepathy.
जो ज्ञान रूपी पदार्थ को बिना किसी की सहायता से स्पष्ट जानता है। अवधिज्ञान व मनःपर्ययज्ञान विकल प्रत्यक्ष ज्ञान हैं।

विकलादेश – *Vikalādeśa.*
Expounding something with steps or sequence.
जब वस्तु के अस्तित्व आदि अनेक धर्मों के प्रतिपादन की शक्ति न होने से क्रम से प्रतिपादन होता है उसे विकलादेश कहते हैं।

विकलादेशी – *Vikalādeśī.*
Viewpoints related to partial apprehension.
विकलादेश नय का विषय है इसलिए नय को विकलादेशी कहते हैं।

विकलेन्द्रिय – *Vikalendriya.*
Two-sensed, three-sensed or four-sensed beings (deficient-sensed).
दो इन्द्रिय, तीन इन्द्रिय और चार इन्द्रिय जीवों को विकलेन्द्रिय या विकलत्रय कहते हैं।

विकल्प – *Vikalpa.*
Alternative, option, uncertainity, ambiguity, doubt.
पदार्थ का प्रतिभास या योग के परिवर्तन को विकल्प कहते हैं; मैं सुखी हूं या दुखी हूं इस प्रकार अंतरंग में हर्ष विषाद रूप भाव।

विकल्पनय – *Vikalpanaya.*
One of the standpoints considering soul as man (child, young or old aged).
47 नयों में एक नय; जो आत्मद्रव्य को बालक, कुमार, वृद्ध ऐसे एक पुरुष की भांति सविकल्प मानता है।

विकस – *Vikasa*
One of the 88 planets (71th)
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 71वां ग्रह।

विकार – *Vikāra.*
Change for the worse, Agitation of mind, Distortion in nature (a defect), To conduct against nature
स्वभाव से विपरीत परिणमन करना या परिणमनान्तर रूप से संक्रांति करना विकार है।

विकाल – *Vikāla.*
Name of the 10th planet among 88.
88 ग्रहों में 10 वां ग्रह।

विकिरंत – *Vikiranta.*
Dispersing the yellow rice grains while worshipping.
पुष्पांजलि बिखेरना।

विकृत गति – *Vikṛta Gati.*
Unnatural or Uncommon form.
विभाव गति, जीवों में विकृतगति प्रयोग से या कर्मों के प्रतिघात से होती है।

विकृति – *Vikṛti.*
Agitation of mind, Distortion, Change.
उत्तेजना, उद्वेग, अस्वाभाविक।

विक्रम – *Vikrama.*
Name of a poet, the writer of 'Nemichant Granth' (a treatise).
एक जैन कवि, नेमिचरित ग्रंथ के रचयिता।

विक्रमप्रबंध टीका – *Vikramaprabamdha Ṭīkā.*
Name of a commentary book written by *Acharya* Shrutsagar.
आचार्य श्रुतसागर द्वारा रचित ग्रंथ। समय – ई. सन् 1473–1533।

विक्रम संवत् – *Vikrama Samvat.*
An era established after 470 years of the salvation of Lord Mahavira.
वीर निर्वाण के 470 वर्ष पश्चात् राजा विक्रमादित्य के नाम पर शुरू हुआ संवत्।

विक्रमादित्य – *Vikramāditya.*
Name of a king of Ujjain who is supposed as founder of *Vikram* era.
मालवा के राजा, इनके नाम पर इनकी मृत्यु के पश्चात् विक्रम संवत् प्रचलित हुआ था।

विक्रांत – *Vikrānta.*
Courageous, victorious
साहसी, विजेता।

विक्रांतकौरव – *Vikrāntakaurava.*
Name of a treatise written in Sanskrit on a drama i.e. 'Sulochana'
संस्कृत में सुलोचना नाटक पर लिखा गया एक ग्रंथ ।

विक्रिया – *Vikriyā.*
Super power of transforming body into different shapes (tiny, big, light or heavy).
छोटा, बड़ा, हल्का, भारी आदि अनेक प्रकार का शरीर बना लेना । पृथक्–अपृथक् विक्रिया इसके दो भेद है। देव और नारकियों में यह स्वभाव से ही होती है ।

विक्रिया ऋद्धि – *Vikriyā Ṛddhi.*
A kind of supernatural power of transforming body shape.
एक प्रकार की ऋद्धि; जो तपस्या से प्राप्त होती है इसके 8 भेद हैं – अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व ।

विक्रिया ऋद्धिधारी – *Vikriyā Ṛddhidhārī.*
Saints possessing a supernatural power of transforming body form.
विक्रिया ऋद्धि वाले मुनि या इस ऋद्धि वाले मुनियो का संघ जो तीर्थंकर की धर्मसभा में होता है ।

विक्षेपिणी कथा – *Vikṣepiṇī Kathā*
Right religious speech which emphasizes on right principles.
4 धर्मकथाओं में एक धर्मकथा, ऐसी कथाओं से मिथ्यामतों का खण्डन किया जाता है ।

विज्ञप्ति – *Vijñapti.*
Announcement, Communique, Synonym for '*Avav Matigyan*', a sensory knowledge.
सूचना, अवाय मतिज्ञान का पर्यायवाची नाम ।

विज्ञान – *Vijñāna.*
Science, the study of the structure & behaviour of the physical & natural world, Supreme knowledge.
जानने योग्य पदार्थ का ज्ञान, भेद ज्ञान, यथार्थ ज्ञान, पूर्ण ज्ञान ।

विग्रह – *Vigraha.*
Quarrel, Separation.
कलह, विच्छेद ।

विग्रह – *Vigraha.*
Getting the body through transmigration.
देह, नामकर्म के उदय से शरीरों के योग्य पुद्गलों का ग्रहण विग्रह कहलाता है ।

विग्रहगति – *Vigrahagati.*
Transmigratory motion of a soul.
एक शरीर को छोड़कर नवीन शरीर ग्रहण करने को जीव जो गमन करता है वह विग्रहगति है। यह दो प्रकार की होती है (1) मोड़े रहित (2) मोड़े सहित अर्थात् कुटिल ।

विघ्न – *Vighna*
Obstruction, hinderance, obstacle
अंतराय; किसी भी कार्य में बाधा आना ।

विचय – *Vicaya.*
Thinking, Exploration, Investigation.
मीमांसा, विचार, विवेक, विचारणा, विचय ये एकार्थवाची हैं ।

विचार – *Vicāra.*
Consideration, opinion, thoughts, Reflection.
किसी पदार्थ या विषय का चिन्तवन करना विचार कहलाता है ।

विचारणा – *Vicāraṇā.*
Investigation, Consideration, Exploration.
ईहा, ऊहा–पोह, मीमांसा, परीक्षण या सोच विचार ।

विचिकित्सा – *Vicikitsā.*
Aversion, disgust, antipathy, hatred (a fault of right perception).
ग्लानि, घृणा । साधुओं को मलिन देखकर उनसे घृणा करना। यह सम्यग्दर्शन का एक दोष है ।

विच्छेद – *Vicchedа.*
Destruction, separation, discontinuity.
वियोग, अंतराल । श्रुत तीर्थ धर्म प्रवर्तन का कारण है यह काल दोष से 20317 वर्षों में व्युच्छेद को प्राप्त हो जाएगा ।

विजय – *Vijaya.*
Victory, Name of the governing demigod of Lord Suparshvanath. Name of the first *Balbhadra*. Name of an *Anuttar* heavenly abode.
जीत, भगवान चन्द्रप्रभु का शासन देव, प्रथम बलभद्र, एक अनुत्तर विमान ।

विजय कवि – *Vijaya Kavi.*
Name of a poet of 'Ajit Puran' in *Apabhransh* language.
अपभ्रंश में अजित पुराण के रचयिता । समय – ई. सन् 1446 ।

विजयकीर्ति – *Vijayakīrti.*
Name of a spiritual teacher of *Nandi* group (the disciple of Gyanbhushan).
नंदिसंघ बलात्कारगण ईडर गद्दी में ज्ञानभूषण के शिष्य तथा शुभचन्द्र के गुरु । समय– वि. 1552–1570 ।

विजयगुप्त – *Vijayagupta.*
Name of the 31st chief disciple of Lord Rishabhadev.
तीर्थंकर ऋषभदेव के 31वें गणधर ।

विजयदेव – *Vijayadeva.*
Name of a peripatetic deity resident of *Vijaydvar* of *Jambudvip* (island) in east direction.
जंबूद्वीप के पूर्व दिशा के मुख्य द्वार (विजयद्वार) का निवासी व्यंतर देव ।

विजयद्वार – *Vijayadvāra.*
The east door of the rampart of *Jambudvip* (island).

जम्बूद्वीप की जगती (कोट) का पूर्व द्वार ।

विजयनंदि – *Vijayanandi.*

Name of an *Acharya* of *Nandi* group.

नंदिसंघ देशीयगण गोलाचार्य शाखा के एक आचार्य । पद्मनंदि (सैद्धांतिक)– जम्बूद्वीपपण्णत्ति के कर्ता के शिक्षा गुरु । समय – ई.श. 11 पूर्व ।

विजयमती (आर्यिका) – *Vijayamati (Āryikā)*

Name of a female Jaina ascetic, the disciple of *Acharya* Vimalsagar Maharaj and belonging to *Ankalikar* tradition

आचार्य श्री विमलसागर महाराज की शिष्या एवं अंकलीकर परम्परा की गणिनी आर्यिका (समय–ई. 20 वीं शताब्दी) ।

विजयमित्र – *Vijayamitra.*

Name of the 32nd chief disciple of Lord Rishabhdev.

तीर्थंकर ऋषभदेव के 32वें गणधर ।

विजयसेन – *Vijayasena.*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas* (part of scriptural knowledge).

भद्रबाहु श्रुतकेवली के पश्चात् हुए 8वें 11 अंग व 10 पूर्वधारी आचार्य । समय – वी.नि. 282–295 ।

विजया – *Vijayā.*

Mother's name of *Tirthankar* (Jaina-Lord) Ajitnath, Name of the female demigod of Jaina-Lord Aranath.

तीर्थंकर अजितनाथ की माता राजा जितशत्रु की रानी । भगवान अरनाथ की शासन देवी ।

विजयाचार्य – *Vijayācārya.*

An *Acharya*, the disciple of Baldevsuri.

अपरनाम अपराजित, बलदेवसूरि के शिष्य एक आचार्य, इन्होंने भगवती आराधना पर विस्तृत संस्कृत टीका लिखी है । समय – शक सं. 658 ।

विजयार्ध – *Vijayārdha.*

Name of a great mountain (in Jaina philosophy).

भरत और ऐरावत क्षेत्र के मध्य स्थित एक पर्वत, चक्रवर्ती के विजय–क्षेत्र की आधी सीमा इसी पर्वत से निर्धारित होती है, इसीलिए इसे विजयार्ध कहते हैं । इस पर विद्याधरों का निवास है ।

विजयार्ध गिरि – *Vijayārdha Giri.*

A great & beautiful silvery mountain in the middle of *Bharat Kshetra* (region).

भरतक्षेत्र के मध्य स्थित एक रमणीक पर्वत, यह 25 योजन ऊंचा, 50 योजन चौड़ा और सवा छः योजन गहरा चांदी के समान है । जम्बूद्वीप में विदेह क्षेत्र संबंधी 32 तथा भरत–ऐरावत क्षेत्र का एक–एक ऐसे 34 विजयार्ध हैं ।

विजयिल – *Vijayila.*

Name of the 33rd chief disciple of Lord Rishabhdev

भगवान ऋषभदेव के 33वें गणधर ।

विजयोदया टीका – *Vijayodayā Tīkā*

Name of a commentary book of 'Bhagvati Aradhana Granth' written by *Acharya* Aparajit

आचार्य अपराजित (ई.श. 7) द्वारा रचित भगवती आराधना ग्रंथ की विस्तृत संस्कृत टीका ।

विजाति – *Vijāti*

Unsimilar or different caste

भिन्न प्रकार या असमान जाति ।

विजिगीषु कथा – *Vijigīṣu Kathā.*

Interpretation between two parties with agruments in the form of debate.

शास्त्रार्थ, वाद, वादी और प्रतिवादी में अपने पक्ष को स्थापित करने के लिए जीत–हार होने तक जो परस्पर में वचन प्रवृत्ति या चर्चा होती है वह विजिगीषु कथा है ।

विजिष्णु – *Vijiṣṇu*

One of the 88 planets (71th)

ज्योतिष के 88 ग्रहों में 71वां ग्रह ।

विडौषधि ऋद्धि – *Viḍauṣadhi Ṛddhi.*

A supernatural power–curing the diseases of beings with excreta of saints.

जिसके प्रभाव से साधु का मल–मूत्र भी जीवों के रोगों को नष्ट करने में समर्थ होता है ।

वितंडा – *Vitaṇḍā.*

Refuting the argument of opponent without establishing own truth, Perverse argumentation

सदोष आक्षेप । अपने किसी भी पक्ष की स्थापना किये बिना केवल पर पक्ष का खण्डन करना वितंडा है ।

वितत – *Vitata.*

Expanded or extended tone (of musical instrument etc.)

एक प्रकार का प्रायोगिक शब्द, सितार आदि के शब्द को वितत कहते हैं ।

वितथ – *Vitatha.*

Untrue, False, Meaningless.

असत्य, मिथ्या, निरर्थक ।

वितर्क – *Vitarka.*

Argument or to make arguments.

श्रुत । विशेषरूप से ऊहा या तर्कणा करना ।

वितस्ति – *Vitasti.*

A type of palm measurement.

एक बालिश्त । 12 अंगुल की लम्बाई का माप या हाथ को पूरा फैलाकर अंगूठे से कनिष्ठा तक की दूरी ।

वितसार – *Vitasāra.*

Name of a treatise written in *Apabhransh* language.

श्रावक एवं मुनि धर्म संबंधी अपभ्रंश भाषा का ग्रंथ (ई.श. 15) ।

विदर्भ – *Vidarbha.*

A part of Maharashtra state. Name of the chief disciple of Lord Pushpadant

महाराष्ट्र प्रांत का एक भाग, तीर्थंकर पुष्पदंत के मुख्य गणधर ।

विदल – *Vidala.*

Pulses (having two parts) mixed with raw milk or curd, it is not edible according to Jaina philosophy.

द्विदल; कच्चे दूध-दही-मट्ठा के साथ द्विदल (दो दल वाले दलहन) पदार्थों के साथ मुख की लार का संबंध होने से असंख्य सम्मूर्छन जीव राशि पैदा होती है अतः यह अभक्ष्य है ।

विदारण क्रिया – *Vidāraṇa Kriyā.*

Exposing others' sinful activities.

साम्परायिक आस्रव की 18वीं क्रिया। दूसरे ने जो सावद्य कार्य किया हो उसे प्रकाशित करना ।

विदिशा – *Vidiśā.*

Subdirections, quarter parts of the four directions

चारों दिशाओं के अतिरिक्त प्रत्येक दो दिशाओं के मध्य स्थित दिशाएं- ईशान, आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य, ये 4 विदिशाएं कहलाती हैं ।

विदुर – *Vidura*

The younger brother of Dhritrashtra-Pandu of *Kaurav* dynasty.

कौरववंशी धृतराष्ट्र-पाण्डु का छोटा भाई। पाण्डवों के परम हितैषी, अंत में मुनि विश्वकीर्ति से मुनि दीक्षा ली। लाक्षा गृह में विदुर द्वारा बनवाई गई सुरंग से ही निकलकर पांडवों की प्राण रक्षा हुई ।

विदेह – *Videha.*

Salvated souls, free from birth & death cycle.

देह रहित सिद्ध भगवान विदेह कहलाते हैं। अथवा देह में रहते हुए भी जो जन्म-मरण से रहित हैं ऐसे अर्हंत भगवान विदेह हैं ।

विदेहक्षेत्र – *Videhakṣetra.*

Specified 5 regions of middle universe comprising 1 in *Jambudvip*, 2 in *Dhatkikhand* & 2 in *Pushkarardh* where *Dushma-Sushma Kal* (unhappy-cum-happy period) is prevailing there all the time.

जम्बूद्वीप का चौथा क्षेत्र, जो सुमेरु पर्वत द्वारा पूर्व व पश्चिम दो भागों में विभक्त है—जम्बूद्वीप में एक, धातकीखण्ड में दो और पुष्करार्ध में दो ऐसे 5 विदेह क्षेत्र हैं। यहां मनुष्यों की ऊंचाई 500 धनुष, आयु एक कोटि वर्ष पूर्व होती है एवं यहाँ शाश्वत कर्मभूमि और चतुर्थकाल अर्थात् दुषमा-सुषमा काल ही रहता है। 5 मेरु संबंधी विदेह क्षेत्र की 160 कर्मभूमियां होती हैं ।

विद्दावण – *Viddāvaṇa.*

Ranrling or splitting the body organs of beings for trade

प्राणियों के छेदन आदि का व्यापार विद्दावण कहलाता है ।

विद्धणू (कवि) – *Viddhaṇū (Kavi).*

Name of a poet.

ज्ञानपचमी अर्थात् श्रुत पंचमी माहात्म्य नामक भाषा छंद रचना के कर्ता एक कवि। समय-वि.सं. 1423 ।

विद्यमान बीस तीर्थंकर –

Vidyamāna Bīsa Tīrthaṁkara.

The 20 *Tirthankaras* (Jaina-Lords) situated in *Videh Kshetra* (region).

5 मेरु संबंधी 5 विदेह क्षेत्रों में बीस तीर्थंकर सतत विद्यमान रहते हैं, उनके नाम-सीमंधर, युगमंधर, बाहु, सुबाहु, संजातक, स्वयंप्रभ, ऋषभानन, अनंतवीर्य, सूरप्रभ, विशालप्रभ, वज्रधर, चन्द्रानन, चन्द्रबाहु, भुजंगम, ईश्वर, नेमिप्रभ, वीरसेन, महाभद्र, देवयश, अजितवीर्य ।

विद्या – *Vidyā.*

Knowledge, the power of exploring realities of some matter.

शिक्षा या यथावस्थित वस्तु के स्वरूप का अवलोकन करने की शक्ति ।

विद्या कर्मार्य – *Vidyā Karmārya.*

Noble persons having profession of teaching for their livelihood.

गणित शास्त्र, आलेख्य, पठन, पाठन आदि 72 कलाओं द्वारा आजीविका करने वाले आर्य पुरुष ।

विद्याधर – *Vidyādhara.*

Human beings who reside on *Vijayardh* mountain and keep themselves busy in all auspicious activities

विजयार्ध पर्वत पर निवास करने वाले मनुष्य। ये जाति, कुल और तप इन तीन प्रकार की विद्याओं एवं देवपूजा आदि षट् आवश्यक कर्मों में रत रहते हैं ।

विद्याधर लोक – *Vidyādhara Loka.*

World of *Vidyadhars* (on *Vijayardh* mountain where 4th period of universal time cycle exists all the time).

विजयार्ध की उत्तर-दक्षिण दिशा की श्रेणी पर विद्याधर नगरियां बनी हुई हैं जिसे विद्याधर लोक कहते हैं। यहाँ सदैव चौथा काल ही रहता है ।

विद्याधर वंश – *Vidyādhara Vaṁśa.*

One of the ancient mythological dynasties of which the first king was Nami.

पौराणिक 4 महावंशों में तीसरा वंश, विद्याधर नमि इस वंश का प्रथम राजा था। (धरणेन्द्र द्वारा प्राप्त विद्याओं के कारण यह विद्याधर कहलाये) ।

विद्यानंद (आचार्य) – *Vidyānaṁda (Ācārya).*

1) Name of a great *Acharya*, the writer of great treatises (Ashtasahasri etc.). 2) Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Deshbhushan Maharaj.

1) अष्टसहस्री, आप्त परीक्षा, श्लोकवार्तिक, प्रमाण मीमांसा

आदि अनेक ग्रंथों के कर्ता एक आचार्य। समय - ई.स 775-840। 2) आचार्यश्री देशभूषण महाराज के एक प्रभावक शिष्य (ई.श. 20-21)। इनकी प्रेरणा से दिल्ली में कुन्दकुन्द भारती नामक शैक्षणिक संस्थान का निर्माण हुआ है।

विद्यानुवाद (पूर्व) - *Vidyānuvāda (Pūrva).*

One of the (10th) great 14 parts of scriptures containing the description of a number of supernatural powers

14 पूर्वो में 10वां पूर्व, इसमें 700 लघु विद्याए और रोहिणी आदि 500 महाविद्याओं का वर्णन है।

विद्याभूषण भट्टारक - *Vidyābhūṣaṇa Bhaṭṭāraka.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.

नंदिसंघ बलात्कारगण भानपुर गद्दी के एक भट्टारक। त्रिचतुर्विंशति विधान के कर्ता।

विद्याश्रमण - *Vidyāśramaṇa.*

Learned Jaina saints at the learning stage of 10th *Purva* (scriptural knowledge).

जो मुनि दसवें पूर्व को पढ़ते समय रोहिणी आदि लौकिक विद्याओं के प्रलोभन में न पड़कर दशपूर्व के पाठी होते हैं।

विद्यासागर - *Vidyāsāgara*

Name of a great *Digambar* Jain *Acharya* of 20th century.

चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के द्वितीय पट्टाधीश आचार्य श्री शिवसागर महाराज के शिष्य मुनि श्री ज्ञानसागर महाराज (जो बाद में समाज द्वारा आचार्य बनाये गये) द्वारा दीक्षित बीसवीं सदी के एक प्रभावक आचार्य।

विद्युज्जिव्ह - *Vidyujjivha.*

One of the (the 34th) 88 planets.

ज्योतिष्क के 88 ग्रहों में 34वां ग्रह।

विद्युत - *Vidyuta.*

Electricity, light.

बिजली, प्रकाश।

विद्युत्कुमार - *Vidyutkumāra.*

A type of residential deities.

भवनवासी के 10 भेदों में एक भेद। यह रत्नप्रभा पृथिवी के खरभाग में रहते हैं।

विद्युत्प्रभ - *Vidyutprabha.*

One of the 4 *Gajadant* mountains, A city of *Vijayardh* mountain.

4 गजदंत पर्वतों में एक गजदंत पर्वत, विजयार्ध पर्वत का एक नगर।

विद्युद्दंष्ट्र - *Vidyuddaṁṣṭra.*

Name of a *Vidyadhar* king.

एक विद्याधर, ध्यानस्थ मुनि संजयन्त पर घोर उपसर्ग किया। धरणेन्द्र ने क्रुद्ध होकर समस्त विद्याएं हर ली मारने को तैयार हुआ पर आदित्यप्रभ देव ने उसे आकर बचा लिया। अपरनाम-विद्युद्दृढ।

विद्येशता - *Vidyeśatā.*

Supernatural power with supreme authority, an excellence of omniscience.

केवलज्ञान का एक अतिशय; विद्याओं की ईशता या रूपी विद्याओं का ईश्वरपना।

विद्योपजीवन - *Vidyopajīvana.*

A fault of food and hermitage related to saint (to attract donor with mystical knowledge).

आहार एवं वसतिका का एक दोष, दातार को मंत्र तंत्रादि बताकर आहार एवं वसतिका प्राप्त करना साधु का विद्योपजीवी नामक दोष है।

विद्वेषण मंत्र - *Vidveṣaṇa Mantra.*

Mystical verses for the use of causing mutual contradiction.

वशीकरण, मारण, उच्चाटन आदि मंत्रों में से परस्पर में विद्वेष कराने वाला एक मंत्र।

विध - *Vidha.*

Type, Part, Manner, Pierce.

प्रकार, भेद, छेद, अंश, पर्याय, भाग, भग आदि शब्द एकार्थवाची है।

विधाता - *Vidhātā.*

Karma as a creator (according to Jain philosophy)

कर्म का पर्यायवाची नाम।

विधान - *Vidhāna.*

Arrangement, Particular procedural worshipping in Jainism, Ruling

किसी कार्य का आयोजन, अनुष्ठान, पूजा, कानून।

विधि - *Vidhi.*

Manner, Method, Law, Procedure, See - *Vidhata.*

सत्ता, सत्व,सामान्य, द्रव्य, अन्वय, वस्तु, विधि, अविशेष ये एकार्थवाची शब्द है, नयों के विषय के अस्तित्व का विधायक होने से श्रुत की विधि संज्ञा है। देखें-विधाता।

विधिविधान क्रिया - *Vidhividhāna Kriyā.*

A spiritual activity, appointment of deities by *Indra* to do their respective duties

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में एक क्रिया। इसमें इन्द्र नम्रीभूत उत्तम देवों को अपने-अपने पद पर नियुक्त करता है।

विधिवाक्य - *Vidhivākya.*

Statement reg. ordinance or order.

आज्ञा या आदेश करने वाले वाक्य विधि वाक्य है।

विधिसाधक हेतु - *Vidhisādhaka Hetu.*

Cause proving the existence or reality.

जो हेतु किसी बात के अस्तित्व को सिद्ध करे।

विधु - *Vidhu*

A theoretical name of '1'

'एक' का सैद्धांतिक नाम (विधु=1)।

विध्यात संक्रमण - *Vidhyāta Saṁkramaṇa.*

A type of transition (reg. soul with low purity)

संक्रमण के 5 भेदों में एक भेद, मंद विशुद्धता वाले जीव की स्थिति-अनुभाग को घटाने रूप भूतकालीन स्थितिकाण्डक-

अनुभागकाण्डक तथा गुणश्रेणी आदि परिणामों में प्रवृत्ति होना ।

विनमि – *Vinami*

Name of the 78th chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान वृषभदेव के 78वें गणधर । महाकच्छ के पुत्र ।

विनयंधर – *Vinayandhara.*

Name of a great *Acharya* possessing some knowledge of *Anga & Purva* (part of scriptural knowledge)
लोहाचार्य के बाद हुए अंग और पूर्वों के एक देश के ज्ञाता 4 मुनियों में प्रथम मुनि ।

विनय – *Vinaya.*

Paying reverence, respect, humbleness, humility, courtesy.
पूज्य पुरुषों का आदर करना अथवा रत्नत्रय को धारण करने वाले पुरुषों के प्रति नम्रता धारण करना ।

विनयकर्म – *Vinayakarma.*

Serving activity, to attend on, to look after.
एक कृतिकर्म; शुश्रूषा करना ।

विनय तप – *Vinaya Tapa.*

To pay reverence to spiritual personalities with full purity
आभ्यंतर तप के 6 भेदों में एक भेद; मन, वचन और काय की शुद्धिपूर्वक दर्शन, ज्ञान, चारित्र, तप और वीर्य तथा इनके धारी योगियों के प्रति विनय करना । विनय 4 प्रकार का है-दर्शन, ज्ञान, चारित्र और उपचार विनय ।

विनयदत्त – *Vinayadatta.*

Name of an *Acharya* possessing knowledge of *Purvas* (part of scriptural knowledge - *Shrutgyan*)
मूलसंघ पट्टावली के अनुसार लोहाचार्य के पश्चात् हुए पूर्वधारी आचार्य। समय-वी.नि. 565-585 ।

विनयभद्र – *Vinayabhadra.*

One of the disciples of *Pandit* Ashadhar.
प. आशाधरजी के अनेक शिष्यों में से एक शिष्य ।

विनय मिथ्यात्व – *Vinaya Mithyātva.*

Wrong belief - paying reverence to all deities of all religions.
मिथ्यात्व के 5 भेदों में एक भेद; मन वचन काय से सभी देवों को नमन करना, सभी पदार्थों को मोक्ष का उपाय मानना । अर्थात् सर्व धर्मों व सर्व देवों को समान आलम्बन मानना ।

विनयलालस – *Vinayalālasa.*

Name of a saint among particular group of 7 saints.
सप्त ऋषियों में से एक, विनयलालस ।

विनयवादी – *Vinayavādī.*

Particular follower of the *Vinayvad* (policy of humility).
एकांतमती; विनयवादियों के 32 भेद हैं ।

विनयशुद्धि – *Vinayaśuddhi.*

Reverential purity.
कीर्ति, आदर आदि लौकिक फलों की इच्छा छोड़कर साधर्मी जन, गुरुजन इत्यादिकों का विनय करना विनय शुद्धि है ।

विनय संपन्नता – *Vinaya Sampannatā.*

Reverence with respect (humble reverence).
षोडशकारण भावना का एक भेद; ज्ञान आदि गुणों और उनके साधक गुरुजनों का यथायोग्य रीति से आदर सत्कार करना ।

विनयसेन – *Vinayasena.*

Name of an *Acharya*, the disciple of *Acharya* Virasen.
पंचस्तूप गुर्वावली के अनुसार धवलाकार आचार्य वीरसेन स्वामी के शिष्य तथा काष्ठासंघ संस्थापक कुमारसेन के गुरु (ई. 820-870) ।

विनयोपसंपत् – *Vinayopasampata*

Reverential & respectful welcome (of saints etc.).
अन्य संघ से आये हुए मुनियों को आसनदान, प्रियवचन, पुस्तक आदि दान करके आदर करना ।

विनायक यंत्र – *Vināyaka Yantra.*

An emancipated auspicious mystical metallic plate
एक यंत्र जिसमें 'चत्तारि मंगलं' आदि मंत्रों की रचना विशेष है। यह विघ्न विनाशक यंत्र कहलाता है ।

विनाश – *Vināśa.*

Destruction, Deterioration
व्यय; पर्याय की सामान्य निवृत्ति का नाम विनाश है ।

विनिमय – *Vinimaya.*

Barter system, Exchange in commodities.
अदला-बदली । वस्तु के बदले वस्तु का लेन-देन ।

विनीत – *Vinīta.*

Name of the 44th chief disciple of Lord Rishabhdev.
तीर्थंकर वृषभदेव के 44वें गणधर ।

विनीता – *Vinītā.*

Another name of Ayodhya, the birth place of Lord Rishabhdev and of many great personalities.
अयोध्या; तीर्थंकर वृषभदेव, अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, अनंतनाथ, चक्रवर्ती भरत, आठवें बलभद्र राम नारायण लक्ष्मण की जन्मभूमि ।

विनोदीलाल – *Vinodīlāla.*

Name of a great Jaina poet, the writer of 'Bhaktamar Katha' etc. many books.
एक जैन कवि, भक्तामर कथा (वि. 1747), सम्यक्त्व कौमुदी (वि. 1749) ग्रंथ के कर्ता ।

विपक्ष – *Vipakṣa.*

The opponent part.

पक्ष के विपरीत।

विपरिणाम – *Vipariṇāma.*

Changed results.

सत् के द्वारा अवस्थान्तर की प्राप्ति करना विपरिणाम है।

विपरिणामना – *Vipariṇāmanā.*

Change or modification in state

सत् के द्वारा अवस्थान्तर की प्राप्ति होना। यह प्रकृति विपरिणामना, स्थितिविपरिणामना, अनुभाग–विपरिणामना, प्रदेशविपरिणामना 4 प्रकार की होती है।

विपरीत मत – *Viparīta Mata.*

Name of a doctrine established by king Vasu in the period of Lord Munisuvratnath.

भगवान मुनिसुव्रत नाथ के समय में क्षीरकदम्ब उपाध्याय के शिष्य राजा वसु के द्वारा चलाया गया मत।

विपरीत मिथ्यात्व – *Viparīta Mithyātva.*

Belief in wrong theory or wrong religious conception.

मिथ्यात्व के 5 भेदों में एक भेद; विपरीत धर्म को यथार्थ मानना। जैसे–पशु यज्ञ से स्वर्ग मिलेगा, परिग्रह सहित भी निर्ग्रंथ होता है इत्यादि।

विपरीत श्रद्धानी – *Viparīta Śraddhānī.*

One who believes in wrong theory or wrong religious conceptions.

विपरीत मिथ्यादृष्टि।

विपरीताभिनिवेश – *Viparītābhiniveśa.*

Wrong faith due to wrong conception.

मिथ्यात्व के उदय से उत्पन्न विपरीत ज्ञान या श्रद्धान।

विपर्यय – *Viparyaya.*

Wrong faith.

मिथ्या।

विपर्यय ज्ञान – *Viparyaya Jñāna.*

Wrong knowledge or faith.

एक पक्ष का निश्चय करने वाले विपरीत ज्ञान को विपर्यय कहते हैं। जैसे – सीप में 'यह चांदी है' इस प्रकार का ज्ञान होना।

विपर्यय मिथ्यात्व – *Viparyaya Mithyātva.*

Wrong belief, wrong religious conceptions.

सग्रंथ को निर्ग्रन्थ मानना, केवली को कवलाहारी मानना और स्त्री को मोक्ष होता है इत्यादि मानना विपर्यय मिथ्यात्व है।

विपल – *Vipala.*

A type of time unit.

काल का एक प्रमाण। 60 प्रतिविपल=1 विपल।

विपलांश – *Vipalāṁśa.*

A kind of time unit.

काल का एक प्रमाण, 540000 प्रतिविपलांश=विपलांश।

विपाक – *Vipāka.*

Fruition of *Karmas.*

कर्मों का फल देना अथवा द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव, भाव रूप 5 निमित्तों के द्वारा कर्मों का अनेक प्रकार से पाक होना अथवा फल देना।

विपाकजा निर्जरा – *Vipākajā Nirjarā.*

Destruction of *Karmas* at their appropriate time.

सविपाक निर्जरा, क्रम से उदय काल आने पर कर्म का अपना फल देकर झड़ जाना।

विपाक विचय – *Vipāka Vicaya.*

Contemplation over worldly pecularities due to the fruition of *Karmas*

धर्मध्यान के 4 भेदों में चौथा भेद, इसमें कर्मों के विपाक से उत्पन्न सांसारिक विचित्रता का चिंतन किया जाता है।

विपाक सूत्र – *Vipāka Sūtra*

The 11th *Anga* (part) of *Shrutgyan*-scriptural knowledge (containing description of all 8 *Karmas* in Jainism)

द्वादशांगश्रुत का 11वां अंग। इसमें ज्ञानावरण आदि 8 कर्मों के विपाक का एक करोड़ 84 लाख पदों में वर्णन किया गया है।

विपुल – *Vipula*

Name of the 15th predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord), and the 9th *Kulkar* and a planet.

भाविकालीन 15वें तीर्थंकर (अपरनाम बहुलप्रभ), एक ग्रह का नाम, 9वें कुलकर का नाम (अपरनाम यशस्वान्)।

विपुलमति – *Vipulamati*

A type of telepathic knowledge (*Manah Paryay Gyan*).

मनःपर्यय ज्ञान के दो भेदों में दूसरा भेद; जो ज्ञान दूसरे के मन में स्थित सरल और कुटिल सब बातों को जान लेता है। अर्थात् चिन्तित, अचिन्तित और अर्ध–चिन्तित को भी जान लेता है।

विपुलाचल – *Vipulācala.*

Name of the first hill among five hills of Rajgrih Nagar.

राजगृह नगर (नालंदा, बिहार) की पंच पहाड़ियों में प्रथम पहाड़ी। इन्द्र ने भगवान महावीर के (केवलज्ञान होने के 66 दिन पश्चात्) प्रथम धर्मोपदेश के लिये यहां समवशरण रचा था।

विप्रतिपत्ति – *Vipratipatti.*

Mutual controversial principles.

एक वस्तु में परस्पर विरोधी दो धर्मों का नाम विप्रतिपत्ति है अथवा विपरीत निश्चय का नाम विप्रतिपत्ति है।

विप्राणस मरण – *Viprāṇasa Maraṇa.*

A kind of holy death (with abandoning meals in the obstructing period of religious observances).

17 प्रकार के मरण के भेदों में एक भेद; यह मरण उसके होता है जो अपने व्रत क्रिया चारित्र में उपसर्ग आने पर सह भी नहीं सकता और भ्रष्ट होने के भय से असमर्थ होकर अन्न–पान का त्याग कर देता है।

विप्लुत – *Vipluta.*

Images of moon etc. in water.

जिसका तरंगादि में अनेक प्रकार से डूबना या तैरना हो रहा है।

ऐसे जल में पड़े हुए चन्द्र प्रतिबिम्ब आदि विप्लुत हैं ।

विभंग ज्ञान – *Vibhaṃga Jñāna*

False clairvoyance.

मिथ्या अवधिज्ञान ।

विभंग ज्ञानी – *Vibhaṃga Jñānī.*

One having false perception or knowledge.

कुअवधिज्ञानी, मिथ्यादृष्टि ।

विभंगदर्शन – *Vibhaṃgadarśana.*

Apprehension of something with false clairvoyance

विभंगज्ञान के साथ होने वाला दर्शन ।

विभंगा – *Vibhaṃgā.*

A particular classification of 12 rivers in the east & west *Videh Kshetras* (regions).

पूर्व व अपर विदेहों में स्थित 12 नदियां।

विभक्ति – *Vibhakti.*

Division, classification

विभाग करने को विभक्ति कहते हैं। विभक्ति, भेद, पृथग्भाव एकार्थवाची शब्द हैं ।

विभक्तिकरण – *Vibhaktikaraṇa.*

Classification, division, separation.

पृथग्भाव, पृथक्करण, विभाजन, विभक्तिकरण इत्यादि पर्यायवाची शब्द हैं।

विभाव – *Vibhāva.*

Passionate feelings (i.e feelings contrary to real nature) due to the fruition of *Karmas.*

कर्मों के उदय से होने वाले जीव के रागादि भावों को विभाव कहते हैं ।

विभाव अर्थपर्याय – *Vibhāva Arthaparyāya.*

Delusive feelings in one caused due to some other matters (destruction of qualities of one).

पर द्रव्य के निमित्त से जो द्रव्य के गुणों में विकार हो। जैसे, जीव के राग द्वेष ।

विभाव क्रिया – *Vibhāva Kriyā.*

Contrary activity.

जीव-पुद्गल द्रव्य की स्वभाव से विपरीत क्रिया ।

विभाव गति – *Vibhāva Gati.*

Contrary movement.

जीव-पुद्गल की स्वभाव से विपरीत गति ।

विभाव गुण – *Vibhāva Guṇa.*

Extrinsic qualities, contrary to real nature.

जीव के मतिज्ञान आदि 4 ज्ञान एवं पुद्गल के परमाणु द्रव्य के वर्णादि गुण को छोड़कर द्व्यणुक आदि स्कंधों के विभाव गुण हैं।

विभाव गुण पर्याय – *Vibhāva Guṇa Paryāya.*

See - *Vibhāva Artha Paryāya.*

देखें - विभाव अर्थ पर्याय ।

विभाव गुण व्यंजन पर्याय –

Vibhāva Guṇa Vyaṃjana Paryāya.

Sensory knowledge, scriptural knowledge etc are called as *Vibhav Gun Vyanjan Paryay* of *Jivas* (souls).

मतिज्ञान, श्रुतज्ञान आदि जीव की विभाव गुण व्यंजन पर्यायें हैं।

विभाव द्रव्य पर्याय – *Vibhāva Dravya Paryāya.*

Physical existence contrary to real nature.

पर द्रव्य के निमित्त से जो प्रदेशत्व गुणों में विकार हो। जैसे - जीव की नर-नारकादि पर्याय तथा स्कंध रूप पर्याय, पुद्गल द्रव्य की विभाव द्रव्य पर्याय है ।

विभाव पुद्गल – *Vibhāva Pudgala*

Assimilated particles of any *Pudgal* (matter)

पुद्गल द्रव्य के दो भेदों में एक भेद, परमाणु 'स्वभाव पुद्गल' और स्कंध 'विभाव पुद्गल' है ।

विभाव शक्ति – *Vibhāva Śakti.*

The power causing *karmic* binding with soul.

जीव और कर्मों में परस्पर बंध को कराने वाली चुम्बक द्वारा खिंचने वाली लोहे की सुई के समान विभाव नाम की शक्ति। यह जीव के ज्ञानादिक भावों के विकार का कारण होती है ।

विभाव-स्वभाव – *Vibhāva-Svabhāva.*

Nature contrary to the real nature.

कर्मबंध के प्रकरण में रागादि परिणाम भी अशुद्ध निश्चयनय से जीव के स्वभाव कहे जाते हैं ।

विभाषा – *Vibhāṣā.*

Describing of something in different ways (like by presentation, exposition, description etc).

विविध प्रकार के भाषण अर्थात् कथन करने को विभाषा कहते हैं। विभाषा, प्ररूपणा, निरूपण, व्याख्यान ये सब एकार्थवाची नाम हैं ।

विभीषण – *Vibhīṣaṇa.*

The younger brother of Ravan, who ultimately initiated with Ram Chandra and became a heavenly deity.

रावण का छोटा भाई व रत्नश्रवा का पुत्र। अंत में राम के साथ दीक्षित हुआ और अनुदिश विमान में देव हुआ ।

विभुत्व शक्ति – *Vibhutva Śakti.*

The supreme thought which is pervaded every where.

सर्व भावों में व्यापक ऐसी एक भाव रूप शक्ति। जैसे - ज्ञानरूपी एक भाव सर्व भावों में व्याप्त होता है ।

विभूति – *Vibhūti.*

Dominion, Prosperity, Grandeur, The 49 prominent luxuries of *Chakravarti* (emperor).

वैभव, समृद्धि, प्रतिष्ठा, चक्रवर्ती की 49 प्रकार की भोग सामग्री।

विभ्य – *Vibhya.*

An infraction of paying reverence (reverence due to influence of *Acharya* etc.).

वंदना का एक अतिचार; आचार्य आदि के भय से वंदना करना।

विभ्रम – *Vibhrama.*

Confusion, Agitation

वस्तुस्वरूप का अज्ञानपना या अजानपना ही विभ्रम है।

विमर्श – *Vimarśa.*

Consideration, Discussion, Consultation

सोच-विचार, विचार विनिमय करना।

विमलदेव – *Vimaladeva.*

The writer of 'Nayachakra', spiritual teacher of Shridevsen

नयचक्र के रचयिता श्रीदेवसेन के गुरु (वि. 965, ई. 909)।

विमलनाथ – *Vimalanātha.*

Name of the 13th *Tirthankar* (Jaina-Lord).

13वें तीर्थंकर। काम्पिल्य नगर के राजा कृतवर्मा रानी जयश्यामा के पुत्र। इनकी आयु 60 लाख वर्ष, शरीर 60 धनुष ऊंचा (240 हाथ), वर्ण तप्त स्वर्ण के समान कांतिमान था। मेघ विघटन देखकर वैराग्य को प्राप्त हुए।

विमल पुराण – *Vimala Purāṇa.*

Name of a treatise written by *Brahmachari* Krishndas (a celibate).

ब्र. कृष्णदास (ई. 1617) द्वारा रचित संस्कृत छंद बद्ध एक ग्रंथ। इसमें 10 सर्ग हैं।

विमलप्रभ – *Vimalaprabha.*

Name of the 4th Jaina-Lord of the past era and name of a protecting peripatetic deity of *Kshirvar* ocean.

भूतकालीन चौथे तीर्थंकर, क्षीरवरसमुद्र का एक रक्षक व्यंतर देव।

विमलवाहन – *Vimalavāhana.*

Name of the 7th *Kulkar* and the 11th predestined *Chakravarti* (emperor).

सातवें कुलकर – मनु, इन्होंने जनता को हाथी-घोड़े आदि की सवारी का उपदेश दिया। आगामी 11वें चक्रवर्ती।

विमलसागर (आचार्य) – *Vimalasāgara (Ācārya).*

Name of a famous *Digambar Acharya* of 20th century, the chief disciple of *Acharya* Mahavirkirti.

आचार्य श्री महावीरकीर्ति महाराज के प्रमुख शिष्य एवं एक प्रभावक आचार्य। इनकी प्रेरणा से सम्मेदशिखर में समवसरण मंदिर, तीस चौबीसी मंदिर आदि निर्माण हुए तथा अनेक तीर्थों पर नवनिर्माण के साथ अनेक प्रतिमाएं विराजमान हुई हैं (समय-ई 20वीं शताब्दी)।

विमलेश्वर – *Vimaleśvara.*

Name of the 18th *Tirthankar* of past era

भूतकालीन 18वें तीर्थंकर।

विमा – *Vimā.*

Dimension

दिशा।

विमान – *Vimāna.*

Heavenly space vehicle or palaces of deities, A mark (*Vimān*) seen by Lord's mother in the 13th dream out of 16.

देवों के प्रासाद, इनके 3 भेद हैं – इन्द्रक, श्रेणीबद्ध, प्रकीर्णक विमान। आकाशगामी वाहन-इनका उपयोग देव और विद्याधर करते हैं। तीर्थंकर के गर्भावतरण के समय माता द्वारा देखे गये 16 स्वप्नों में 13वां स्वप्न।

विमानपंक्ति व्रत – *Vimānapamkti Vrata.*

A particular vow (fasting) pertaining to the temples in the 63 *Patal* (layers) of heavens.

स्वर्गों में कुल 63 पटल हैं। प्रत्येक पटल में एक-एक इन्द्रक और उसके चारों दिशाओं में अनेक श्रेणीबद्ध विमान हैं। प्रत्येक विमान में जिन चैत्यालय है। उनके दर्शन की भावना के लिये किया जाता व्रत। विशेष देखें व्रत विधान संग्रह।

विमानवासी देव – *Vimānavāsī Deva.*

Celestial beings who live in *Vimans* of 16 heavens

वैमानिक देव, जो विमानों में रहते हैं और अपने को पुण्यशाली समझते हैं।

विमुख – *Vimukha.*

Indifferent knowledge, contrary to known subjects

ज्ञेय विषयों से विभिन्न रूप वाले ज्ञान को विमुखज्ञान कहते हैं।

विमोचितावास – *Vimocitavāsa.*

A reflection of vow of non-stealing (staying of a saint in a deserted place).

अचौर्यव्रत की एक भावना, दूसरों के द्वारा छोड़े हुए स्थानों में साधु का ठहरना।

विमोह – *Vimoha.*

Confusion, bewilderment

परस्पर सापेक्ष द्रव्यार्थिक, पर्यायार्थिक नयों के अनुसार द्रव्य, गुण, पर्यायों आदि को नहीं जान पाना विमोह कहलाता है। अथवा शाक्य-बुद्ध आदि द्वारा कथित वस्तु में निश्चय करना।

विरक्त – *Virakta.*

One with aversion from the worldly life (attachments), indifferent, A recluse.

उदासीन, सांसारिक राग या लालसा से मुक्त, जो इन्द्रिय विषयों से विरक्त होता है।

विरजा – *Virajā.*

Name of the prime city in *Nalin Kshetra* (region) of west *Videh* (region). Name of a *Vapi* (like large lake) situated in southern *Nandishwardvip* (island).

अपर विदेह के नलिन क्षेत्र की प्रधान नगरी, नंदीश्वर द्वीप की दक्षिण दिशा में स्थित वापी।

विरत – *Virata.*

Free from worldly attachment, Indifferent, The 6th & 7th stages of spiritual development

संयत। गुणस्थान-छठा, सातवां।

विरताविरत – *Viratāvirata.*

Those who have abandoned five particular sins partially (pertaining to partially restrained Jain followers).

देशसंयत या संयतासंयत। हिंसा आदि 5 पापों का स्थूल रूप से त्याग करने वाले पंचम गुणस्थानवर्ती अणुव्रती श्रावक।

विरति – *Virati.*

To be free from worldly attachments or sins i.e desirelessness.

विरक्त होना, हिंसादि पापों से छूटना, उदासीनता।

विरलन – *Viralana.*

Distribution or spreading of numbers in the form of 1

किसी संख्या को एक-एक करके फैलाना।

विरलन राशि – *Viralana Rāśi.*

Spreaded numbers in the form of 1.

जिस संख्या को एक-एक करके फैला दिया जाये। जैसे 4 का विरलन होगा 1, 1, 1, 1।

विरलन देय प्रक्रिया – *Viralana Deya Prakriya.*

Spreading numbers (in the form of 1) and then distributing desired numbers at the place of 1

फैलाना और देना। किसी संख्या के विरलन का अर्थ फैलाना अर्थात् उस संख्या को एक-एक में अलग-अलग करना। देय का अर्थ है फैलाये गये अंकों में प्रत्येक स्थान पर एक की जगह विवक्षित संख्या को रख देना।

विरहकाल – *Virahakāla.*

Period of separation, desertion period (pertaining to the gap between two similar particular stages or forms).

अंतर काल अर्थात् जितने काल तक अवस्था विशेष से जुदा होकर पुनः उसकी प्राप्ति नहीं होती उस काल को विरह या अंतर काल कहते हैं।

विराग – *Virāga.*

Aversion from the worldly attachments, Indifferent.

विरक्त होने का नाम विराग है। सांसारिक वासनाओं के प्रति उदासीनता, राग से मुक्ति।

विराग विचय– *Virāga Vicaya.*

Wishing for the renouncement from the world with the contemplation about the nature of world, body & enjoyments.

संसार, शरीर एवं भोगों के स्वरूप का चिंतन करते हुए वैराग्य की भावना करना विराग विचय है।

विराट – *Virāṭa.*

Name of a country, the old name of Barar.

एक देश, राजा विराट यहां के राजा थे वनवासी पाण्डवों ने छद्मवेश में इसी का आश्रय लिया था (बरार देश का पूर्व नाम)।

विराधना – *Virādhanā.*

Pain, Affliction, Unreverential, Dishonourable

जो परिणाम राध अर्थात् आराधना रहित है, वह विराधना है। एकेन्द्रिय आदि जीवों को मारना या कष्ट पहुँचाना जीव विराधना या असातना कहा जाता है।

विरुद्ध हेतु – *Viruddha Hetu.*

Contrary cause.

जो हेतु साधन का खण्डन करे।

विरुद्धराज्यातिक्रम – *Viruddha Rājyātikrama.*

The third infraction of the vow of non-stealing (unlawful trade)

अचौर्याणुव्रत का तीसरा अतिचार; अपने राज्य की आज्ञा को न मानकर राज्य विरुद्ध क्रय-विक्रय करना।

विरोध – *Virodha*

Opposition, Contradiction, Objection.

अनुपलम्भ अर्थात् अभाव के साध्य को विरोध कहते हैं। असंगति, परस्पर विरुद्धता, असंबद्धता।

विरोधी धर्म – *Virodhī Dharma.*

Antagonism, Objective, Opposite nature (like cool-hot etc.).

जीवादि पदार्थों में ठंडा-गर्म, नित्य-अनित्य, एक-अनेक, भेद-अभेद आदि अनेक विरोधी गुण।

विरोधी हिंसा – *Virodhī Himsā.*

Violence for self defence.

हिंसा के 4 भेदों में एक भेद; शत्रु से अपना बचाव करने के लिए जो हिंसा होती है, वह विरोधी हिंसा है। जैसे-राम ने रावण से युद्ध करने में विरोधी हिंसा की।

विलसित – *Vilasita.*

Lustrous, Glamorous, Name of a deity of *Asurkumar* kind.

जगमगाता हुआ, असुरकुमार जाति का एक भवनवासी देव।

विलास – *Vilāsa.*

Flirting, Merriment, enjoyment.

आनंद, मनोरंजन।

विलेपन – *Vilepana.*

Smearing, To apply scenty material on body.

शरीर पर चंदन व कुंकुम आदि सुगंधित पदार्थ का लेपन करना।

विवक्षा – *Vivakṣā.*

Desire of orator or speaker.

वक्ता की इच्छा को विवक्षा कहते हैं। प्रश्नकर्ता के प्रश्न से ही प्रतिपादन करने वाले की विवक्षा होती है।

विवर – *Vivara.*

The opening, cracks, holes, The big holes in the bottom of *Lavan* ocean called as *Patal* (Lower World).

दरार, छिद्र, अंतराल, स्थान, अवकाश, लवण समुद्र की तली में स्थित बड़े-बड़े खड्ड, जिन्हें पाताल भी कहते हैं।

विवर्त – *Vivarta.*

Movement, Cyclone, Wandering.

भंवर, चारों ओर घूमना, परिवर्तन। परिणाम या परिणमन को विवर्त कहते हैं।

विवाद – *Vivāda.*

A doctrinal debate, Dispute, Quarrel, Controversy.

शास्त्रार्थ, संघर्ष, विचार-विमर्श, कलह। दूसरे के मत को खण्डन करने वाले वचन का कहना विवाद है।

विवाह – *Vivāha.*

Marriage or wedding with religious rites.

एक संस्कार-वर, वधु का परिणय विवाह कहलाता है।

विवाह क्रिया – *Vivāha Kriyā.*

An auspicious activity - marriage according to tradition.

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में 17वीं क्रिया; सिद्ध पूजन व तीन अग्नियों की विधिपूर्वक पूजन करते हुए, अग्नि प्रदक्षिणा देते हुए परिवार व समाज की साक्षी में सजाति कुलीन कन्या का पाणिग्रहण करना।

विवाह पटल – *Vivāha Paṭala.*

Name of a treatise written by *Acharya* Brahmadev.

आचार्य ब्रह्मदेव (ई. 1292-1323) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

विवाहिता स्त्री – *Vivāhitā Strī.*

Married woman, accepted ritually.

देवशास्त्रगुरु को नमस्कार कर तथा अपने मातृ-बंधुओं की साक्षीपूर्वक जिस कन्या के साथ विवाह किया जाता है वह विवाहिता स्त्री कहलाती है।

विविक्त – *Vivikta.*

Isolated, Solitary, Lonely, Seperated.

अकेला, एकाकी, निर्दोष।

विविक्त वसतिका – *Vivikta Vasatikā.*

Lonely or isolated place (hermitage).

एकांत, ध्यान आदि के योग्य पवित्र-निर्दोष, साधु के रहने का स्थान।

विविक्त शय्यासन – *Vivikta Śayyāsana.*

Isolated place for sleeping or rest.

पांचवां बाह्य तप-व्रत की शुद्धि के लिए पशु, स्त्री आदि से रहित एकांत प्रासुक स्थान में साधु के द्वारा ध्यान-अध्ययन के लिए शय्या व आसन ग्रहण करना।

विवृत योनि – *Vivṛta Yoni.*

Opened female genital organ.

योनि के 9 भेदों में एक भेद; खुला हुआ उत्पत्तिस्थान।

विवेक – *Viveka.*

Prudence, Conscience, Judgement, Discretion.

जिसमें राग हो ऐसे अन्न-पान आदि का त्याग करना दोषोत्पादक द्रव्यादिकों का मन से अनादर करना, भले-बुरे का ज्ञान।

विवेचन – *Vivecana.*

Thorough investigation, Meaningful description or exposition of treatise.

कथन, व्याख्यान, वर्णन, शास्त्रों के कथन करने की पद्धति का कथन करना।

विशद – *Viśada.*

Clear, Clean, Spotless, Pure

निर्मल, पवित्र, स्पष्ट। जो प्रतिभास बिना किसी दूसरे ज्ञान की सहायता से स्वतंत्र व स्पष्ट हो।

विशद प्रतिभास – *Viśada Pratibhāsa.*

Right conception of soul.

ज्ञानावरण कर्म के क्षय से अथवा क्षयोपशम से उत्पन्न होने वाली और शब्द तथा अनुमानादि (परोक्ष) प्रमाणों से नहीं हो सकने वाली जो अनुभव सिद्ध निर्मलता है वही विशद प्रतिभास है।

विशदावग्रह – *Viśadāvagraha.*

Decisive right apprehension.

जो अवग्रह निर्णयरूप होता है उसे विशद अवग्रह कहते हैं।

विशल्या – *Viśalyā*

Name of a great woman with having super power of causing anyone free from diseases.

राजा द्रोणमेघ की पुत्री, जिसके पूर्व भव के कठिन तप के प्रभाव से उसके स्नान जल में सर्वरोग शान्त करने की शक्ति थी, लक्ष्मण की अमोघशक्ति इसी के प्रभाव से निकली थी तथा जैनरामायण के अनुसार इसका विवाह लक्ष्मण के साथ हुआ था।

विशाख – *Viśākha.*

Name of the prime chief disciple of Lord Mallinath.

तीर्थंकर मल्लिनाथ के प्रथम गणधर।

विशाखदत्त – *Viśākhadatta*

The first *Acharya* possessing knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas* (parts of *Shrutgyan*-scriptural knowledge).

11 अंग 10 पूर्व के ज्ञाता 11 मुनियों में प्रथम आचार्य। अपरनाम विशाखाचार्य।

विशाखभूति – *Viśākhabhūti.*

The younger brother of king Vishvabhuti who became ultimately a heavenly deity

राजगृह नगरी के राजा विश्वभूति का छोटा भाई, पिता के दीक्षा लेने पर स्वयं ने भी दीक्षा ली और मरकर स्वर्ग में देव हुआ, स्वर्ग से आकर विजय नामक बलभद्र हुआ।

विशाखा – *Viśākhā.*

Name of a lunar.

एक नक्षत्र। तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ और पार्श्वनाथ का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था।

विशालकीर्ति – *Viśālakīrti.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group. A disciple of *Pandit* Ashadhar.

नंदिसंघ बलात्कारगण नागौर गद्दी के एक भट्टारक, समय –

वि.स. 1601, प. आशाधरजी के प्रधान शिष्य में एक शिष्य।

विशालनयन - *Viśālanayana.*

Name of the 4th *Rudra* among all 11.

11 रुद्रों में चौथा रुद्र अपरनाम वैश्वानर। इसकी ऊंचाई 90 धनुष एवं आयु एक लाख पूर्व की थी।

विशालप्रभ - *Viśālaprabha.*

Name of the 10th Jaina-Lord of *Videh Kshetra* (region).

विदेह क्षेत्र के 10वें तीर्थंकर का नाम।

विशालाक्ष - *Viśālākṣa.*

Name of the 63rd son of king Dhritrashtra, Name of the *Nagendra* deity of *Sphaticprabh* summit of *Kundal* mountain, Name of the 65th cheif disciple of Lord Rishabhdev.

राजा धृतराष्ट्र व रानी गांधारी का 63वां पुत्र, कुण्डल पर्वत के स्फटिक प्रभ कूट का स्वामी नागेन्द्र देव, भगवान वृषभदेव के 65वें गणधर का नाम।

विशिष्ट पद - *Viśiṣṭa Pada.*

A kind of disquisition door.

पदमीमांसा आदि अनुयोगद्वार के उत्कृष्टादि भेद पदों के 13 भेदों में से एक भेद।

विशुद्ध - *Viśuddha.*

Pure, Genuine, Unadulterated, True.

पवित्र, निर्दोष। विशुद्धकर्म का कार्य होने से आहारक शरीर को विशुद्ध कहा है।

विशुद्धता - *Viśuddhatā.*

Genuineness, Purity, Sacredness.

पवित्रता, निष्कलंकता।

विशुद्ध परिणाम - *Viśuddha Pariṇāma.*

Passionfree pure results.

निर्मल, पवित्र जीवन के परिणाम अर्थात् कषाय या संक्लेश परिणामों या भावों की मंदता।

विशुद्धमती (आर्यिका) - *Viśuddhamatī (Āryikā).*

1. Name of an *Aryika*, the disciple of *Acharya* shri Shivsagar Maharaj of the tradition of *Charitra Chakravarti* Shri Shantisagar ji Maharaj. 2. Name of a *Ganini Aryika*, the disciple of *Acharya* Nirmalsagar (*Chhani*).

1. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा के द्वितीय पट्टाचार्य श्री शिवसागर महाराज की शिष्या जिन्होंने त्रिलोकसार, सिद्धांतसार दीपक आदि ग्रंथों का हिन्दी अनुवाद किया तथा बारह वर्षीय सल्लेखना पूर्ण कर जनवरी 2002 में समाधिस्थ हुईं। 2. आचार्य श्री निर्मलसागर (छाणी परम्परा) की शिष्या गणिनी आर्यिका जो आर्यिका संघ का संचालन करते हुए साहित्य सृजन में निरत हैं (समय-ई. ग. 20)।

विशुद्धि - *Viśuddhi.*

A state of lack of passions.

संक्लेश परिणामों की हीनता अथवा साता वेदनीय कर्म के बन्ध के कारणभूत विशुद्ध परिणाम।

विशुद्धि लब्धि - *Viśuddhi Labdhi.*

Attainment of passionfreeness causing right perception.

सम्यक्त्व प्राप्त करने वाली 5 लब्धियों में एक लब्धि, साता वेदनीय आदि शुभकर्मों के बंध योग्य परिणाम का नाम विशुद्धि है उसकी प्राप्ति होना विशुद्धि-लब्धि है।

विशेष - *Viśeṣa.*

Special, Peculiar, Particular, Distinctive.

तन्नान भाव को सामान्य और उससे अन्य अर्थात् विद्यमान भाव को विशेष कहते हैं। व्यावृत्ति अर्थात् भेद की बुद्धि उत्पन्न करने वाला विशेष है।

विशेष उपयोग - *Viśeṣa Upayoga.*

Special consciousness.

ज्ञानोपयोग या साकारोपयोग, जो सामान्य - विशेषात्मक पदार्थों के आकार को ग्रहण करे अर्थात् ज्ञान पदार्थों को विशेष करके जानता है।

विशेष काल - *Viśeṣa Kāla.*

A type of peculiar time

विधि रूप वर्तना सामान्य काल है और निषेध स्वरूप विशेष काल है।

विशेष क्षेत्र - *Viśeṣa Kṣetra.*

A type of particular spacious region

केवल प्रदेश सामान्य क्षेत्र तथा यह वस्तु का प्रदेश रूप अंशगयी अर्थात् अमुक द्रव्य इतने प्रदेश वाला है, इत्यादि विशेष क्षेत्र कहलाता है।

विशेष गुण - *Viśeṣa Guṇa.*

Special characteristics recognizable properties of matter.

जिस गुण से द्रव्यों में भेद जाना जाता है अर्थात् विशेष गुणों के द्वारा द्रव्य विशेष सिद्ध किया जाता है। सर्वद्रव्यों में विशेष गुण 16 हैं।

विशेषण - *Viśeṣaṇa.*

Adjective - a qualifying word.

गुणवाचक शब्द, गुण, विशेषता। वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द की विशेषता प्रकट करता है।

विशेषनय - *Viśeṣa Naya.*

A particular standpoint believing that the soul is non-extricated.

अव्यापकता रूप कथन करने वाला नय। जैसे - आत्मद्रव्य एक मोती की भांति अव्यापक है, सदा से रहने वाले नर-नारकादि जीव का कथन करना विशेष नय है।

विशेष विधि - *Viśeṣa Vidhi.*

Particular method of explaining something.

अर्थ समझने या समझाने की दो विधियों में एक विधि; प्रसिद्ध परम्परा।

विशेष संग्रह नय - *Viśeṣa Saṃgraha Naya.*

A word or phrase used for expressing a collective form of something like herd of elephants etc

दृष्टांतों के द्वारा प्रत्येक जाति के समूह का नियम से एक वचन के द्वारा स्वीकार करके कथन करने वाला नय। जैसे – हाथियों का झुण्ड, घोड़ों का झुण्ड इत्यादि ।

विशेष स्वभाव – *Viśeṣa Svabhāva.*

A particular nature of matters (like consciousness & unconsciousness etc.)
स्वभाव के दो भेदों में एक भेद, चेतन, अचेतन, मूर्त, अमूर्त आदि 10 स्वभाव द्रव्यों के विशेष स्वभाव हैं ।

विशेषालोचना – *Viśeṣālocanā.*

Acceptance of own faults before an *Acharya* by a mortifier (*Kshapak*)
सल्लेखना के समय क्षपक के द्वारा आचार्य के सामने की जाने वाली विशेष आलोचना ।

विश्लेषण – *Viśleṣaṇa.*

Analysis, Disintegration.
व्याख्यान या विवेचन करना ।

विश्व – *Viśva.*

World
संसार; 6 महाद्वीपों में उपलब्ध संसार ।

विश्वनंदि – *Viśvanaṁdi.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group, Past-birth name of the 2nd *Narayan*, Triprishtha who became Lord Mahavira after some next births..
नंदिसंघ बलात्कारगण उज्जयिनी गद्दी के एक भट्टारक। अपरनाम विष्णुनंदि। समय- वि.स.-704। नारायण त्रिपृष्ठ के दूसरे पूर्व भव का नाम। यही आगे चलकर तीर्थंकर महावीर हुए ।

विश्वभूषण – *Viśvabhūṣaṇa.*

Name of a *Digambar* saint, the composer of 'Bhaktamar Charit' & 'Indradhvaj Vidhan' in Sanskrit.
भक्तामर चरित एवं संस्कृत इन्द्रध्वज विधान के रचयिता एक दिगम्बर साधु ।

विश्वलोचन कोष – *Viśvalocana Koṣa.*

A Sanskrit Synonym Dictionary compiled by Dharsen *Acharya.*
धरसेन आचार्य कृत संस्कृत भाषा का नानार्थक कोष ।

विश्वसेन – *Viśvasena.*

Father's name of Lord Parshvanath & Lord Shantinath.
भगवान पार्श्वनाथ एवं शांतिनाथ के पिता का नाम। पार्श्वनाथ भगवान के पिता का नाम अश्वसेन भी है ।

विषंग – *Viṣaṁga.*

A kind of delusive relation (family attachments)
स्त्री आदि सब मेरे हैं, इस प्रकार का सम्बन्ध विषंग कहलाता है।

विष – *Viṣa.*

Poison, intense fruition of inauspicious *Karmas* is also called as poison.
जहर, अशुभ कर्म के तीव्र उदय रूप फल को भी विष की संज्ञा प्रदान की गई है ।

विष वाणिज्य – *Viṣa Vāṇijya*

Trade of poison, destructive for all beings.
जीवों को घात करने वाले विष का व्यापार ।

विषम – *Viṣama.*

Odd, not similar, uneven
जो सम या समान न हो, असमान। (स्निग्ध पुद्गल का रूक्ष पुद्गल के साथ जघन्य गुण के सिवाय विषम अथवा सम गुण के रहने पर बंध होता है) ।

विषम दृष्टांत – *Viṣama Dṛṣṭānta*

An odd example of an event.
जो दार्ष्टान्तिक के सदृश न हो उसे विषम दृष्टांत कहते हैं ।

विषमधारा – *Viṣamadhārā.*

Sequence of odd numbers.
14 धाराओं में एक धारा; 1 से लगाकर केवलज्ञान के अंशों तक विषम संख्या की पंक्ति। जैसे – 1, 3, 5, 7 आदि ।

विषमोचिका – *Viṣamocikā.*

The wood-soled sandal of *Chakravarti* (emperor) Bharatesh.
चक्रवर्ती भरतेश की पादुकाएं या खड़ाऊ का नाम ।

विषयत्याग – *Viṣayatyāga.*

Renunciation of sensual enjoyments.
भोगाकांक्षा का त्याग करना उसमें रागादि भाव नहीं करना ।

विषयरुचि – *Viṣayaruci.*

Attachment with sensual enjoyment, A lust.
इन्द्रिय विषयों के प्रति आसक्ति, इच्छा ।

विषय विराग – *Viṣaya Virāga.*

Renunciation of sensual enjoyments
पांचों इन्द्रियों के सब सुख की अभिलाषा का त्याग विषय विराग है ।

विषयसंरक्षणानंद – *Viṣayasaṁrakṣaṇānanda.*

Intense passionate attachment.
एक प्रकार का रौद्र ध्यान, परिग्रह व इन्द्रिय भोग के पदार्थों की रक्षा में तीव्र मोह करते रहना चौथा रौद्रध्यान है ।

विषयातीत – *Viṣayātīta.*

Supreme bliss.
विषयों की निवृत्ति से उत्पन्न होने वाला सुख अर्थात् संसार के विषयों से अतीत स्वाधीन अव्याबाध सुख ।

विषयाधीन – *Viṣayādhīna.*

Worldly sensual pleasures, ultimately causing trouble.
लौकिक सुख; इन्द्रिय विषयक या इन्द्रियों से उत्पन्न होने वाला सुख जो सुखाभास है तथा जिसका परिणाम दुःखरूप होता है ।

विषयाभिलाष – *Viṣayābhilāṣa.*

Intense lust for passions.
तृष्णा; सांसारिक सुखदायक पदार्थ कभी भी मेरे से अलग न होवें ऐसी तीव्र अभिलाषा ।

विषयासक्ति – *Viṣayāsakti.*

Engrossment in worldly pleasures.

अशुभोपयोग, विषयों के प्रति उपयोग की मग्नता या अवगाहता।

विषापहार स्तोत्र – *Viṣāpahāra Stotra.*

A praising hymn written by Dhananjay (poet).

धनञ्जय कवि द्वारा रचित संस्कृत भाषाबद्ध एक स्तोत्र, रचना करते समय जिसके पाठ से उनके पुत्र का सर्प विष उतर गया था।

विष्कंभ – *Viṣkambha.*

Diameter, Expansion.

वृत्त का व्यास, विस्तार, लम्बाई।

विष्टा – *Viṣṭā.*

Diameter, Excreta

मल, पाखाना। औदारिक शरीर में विष्टा का प्रमाण 6 प्रस्थ है।

विष्णु – *Viṣṇu.*

Another name of *Narayan*. One of the great *Acharya* after salvation of Lord Mahavira.

त्रिखण्डाधिपति नारायण को विष्णु कहते हैं, त्रिपृष्ठ, द्विपृष्ठ, स्वयंभू, पुरुषोत्तम, पुरुषसिंह, पुण्डरीक, दत्त, लक्ष्मण और कृष्ण ये 9 विष्णु (नारायण) हैं। महावीर निर्वाण के 62 वर्ष बाद हुए 5 आचार्यों में प्रथम आचार्य, ये श्रुतकेवली थे।

विष्णुकुमार – *Viṣṇukumāra.*

A great saint; the son of *Chakravarti* (emperor) 'Mahapadma', ultimately who got salvation.

महापद्म चक्रवर्ती के पुत्र एक महामुनि। अकम्पनाचार्य के 700 मुनियों के संघ पर बलि कृत उपसर्ग को अपनी विक्रिया ऋद्धि द्वारा दूर किया, अंत में तप कर मोक्ष गये।

विष्णुनंदि – *Viṣṇunandi.*

Name of an omniscient after Lord Mahavira.

भगवान महावीर के बाद हुए पंचम श्रुतकेवली, समय – ई.पू. 465-451, अपरनाम नंदि था।

विसंयोजन – *Visaṁyojana.*

Transition of higher passions into lower passionate form.

संक्रमण, अनंतानुबंधी कषाय के द्रव्य को अप्रत्याख्यानादि अन्य कषाय रूप परिणमा देना।

विसंवाद – *Visaṁvāda.*

Misleading or deceptive speech.

वचन विरोध, धोखा। अशुभ नामकर्म के आस्रव का एक कारण; अन्यथा प्रवृत्ति या प्रतिपादन करना अथवा दूसरे को धोखा देना विसंवाद है।

विसदृश – *Visadṛśa.*

Dissimilar, Recognition with dis-similarity (reg. any different matters).

समानता का अभाव। प्रत्यभिज्ञान का एक भेद, स्मृति और प्रत्यक्ष के विषयभूत पदार्थों में विसदृशता दिखाते हुये जोड़रूप ज्ञान को विसदृश प्रत्यभिज्ञान कहते हैं। जैसे – गाय को लेकर भैंसा में रहने वाली विसदृशता दिखाना।

विसर्जन – *Visarjana.*

Completion, Sending deities back with respect.

समापन, पूजा के 5 अंगों में एक अंग, जो पूजा की समाप्ति पर किया जाता है। इसमें आगन्तुक देवों को आदरपूर्वक अपने-अपने स्थानों पर जाने के लिए प्रार्थना की जाती है।

विसर्पण – *Visarpaṇa.*

Expansion, Crawling, Slight expansion of soul-points.

फैलाव, प्रसारण, विस्तार, रेंगना, सरकना, दीपक के प्रकाश के समान जीव के प्रदेशों का संकोच-विस्तार (विसर्पण) होता है।

विसृष्टांग तप – *Visṛṣṭāṁga Tapa*

An austerity or meditation, keep the body exactly loose

कायक्लेश तप का एक भेद, जिस तप में सम्पूर्ण शरीर ढीला छोड़ दिया जाये उसे विसृष्टांग तप कहते हैं।

विस्तार सत्त्व त्रिभंगी – *Vistara Sattva Tribhaṁgī.*

Name of a treatise written by *Acharya* Kanaknandi

आचार्य कनकनंदि कृत कर्म सिद्धांत विषयक प्राकृत भाषा का एक ग्रंथ। समय – ई. सन् 939।

विस्तार दर्शनार्य – *Vistāra Darśanārya.*

A type of noble persons.

दर्शनार्य 10 प्रकार के होते हैं उनमें से विस्ताररुचि वाले सम्यग्दृष्टि को विस्तार दर्शनार्य कहते हैं।

विस्तार रुचि – *Vistāra Ruci.*

Those having interest of thorough study

शिष्यों के तीन भेदों में एक भेद, विस्तार से समझने की रुचि रखने वाले शिष्य।

विस्तार सम्यग्दर्शन – *Vistāra Samyagdarśana.*

Right faith after thorough learning of scriptures.

सम्यक्त्व के 10 भेदों में सातवां भेद, जीव आदि तत्त्वों को विस्तार रूप से सुनकर जो श्रद्धान हो वह विस्तार सम्यग्दर्शन है।

विस्मय – *Vismaya.*

Sentiments of astonishment, Amazement.

आश्चर्य या अचम्भे की भावना; 18 दोषों में से एक जो कि अरिहंत भगवान के नहीं होता।

विस्रसोपचय – *Visrasopacaya.*

Natural *Karmic* attendants; natural aggregation of *Karmic* molecules capable of binding with soul.

वे कर्म व नोकर्म के परमाणु जो जीव के प्रदेशों में एक क्षेत्रावगाही हैं। परन्तु जीव के साथ बंध को प्राप्त नहीं हैं अर्थात् ये कर्म नोकर्म रूप होने के योग्य हैं, वर्तमान में पुद्गल रूप हैं।

विहायोगति (नामकर्म) –

Vihāyogati (Nāmakarma).

A type of *Karmic* nature causing spatial movement.

नामकर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से जीव का आकाश में

शुभ व अशुभ गमन हो ।

विहायोद्विक – *Vihāyodvika.*

A type of dyad pertaining to the praised & non-praised spatial movement.

प्रशस्त और अप्रशस्त विहायोगति ।

विहार – *Vihāra.*

Movement of Jaina saints on foot from one place to another.

गमन, एक स्थान पर रहने से राग बढ़ता है इसलिए जैन साधु विहार करते हैं। वर्षायोग के अतिरिक्त अधिक काल एक स्थान पर नहीं ठहरते ।

विहारक्रिया संस्कार – *Vihārakriyā Saṁskāra.*

Auspicious activity pertaining to the spatial movement of *Tirthankar* (Jaina-Lord) from one place to another.

गर्भान्वयी की एक क्रिया, धर्मचक्र को आगे करके तीर्थंकरों का आकाशमार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना विहारक्रिया है ।

विचार – *Vicāra.*

Consideration, Contemplation.

विषय के प्रथम ज्ञान को वितर्क कहते हैं। उसी का बारबार चिंतवन विचार कहलाता है ।

वीची – *Vīcī.*

A wave, a wave of pleasure.

वीची वाग्लहरी को कहते हैं, लहर, प्रसन्नता ।

वीजना – *Vījanā.*

Fan.

पंखा ।

वीतराग – *Vītarāga.*

One free from all passions and attachments, or passionless one.

जहां मोह का उदय न रहा हो। आत्म साधना के द्वारा जिन्होंने राग-द्वेष को नष्ट कर दिया है उन्हें वीतराग कहते हैं। अरिहंत भगवान पूर्ण वीतरागी होते हैं ।

वीतराग कथा – *Vītarāga Kathā.*

Impartial wise discussion, a witty dialogue or discussion between learned persons.

गुरु और शिष्य के बीच या रागद्वेष से विमुक्त विद्वानों के बीच तत्त्व निर्णय के लिए जो चर्चा चलती है उसे वीतराग कथा कहते हैं ।

वीतरागचारित्र – *Vītarāgacāritra.*

Deep engrossment in meditation by great Jaina saints.

रागादि विकल्पों से रहित होकर आत्मा में रमणता या लीनता। शुक्लध्यान, शुद्धोपयोग, उपेक्षा संयम, निश्चय चारित्र, वीतरागचारित्र ये एकार्थवाची हैं। ये सम्यग्दृष्टि जीवों के होता है ।

वीतराग छद्मस्थ – *Vītarāga Chadmastha.*

Souls at the 11th - 12th stage of spiritual development.

11वें व 12वें गुणस्थान वाले वीतराग छद्मस्थ हैं ।

वीतरागता – *Vītarāgatā.*

State of passionlessness, Freeness from worldly attachment.

सच्चे आप्त (भगवान) के तीन मुख्य गुणों सर्वज्ञता, वीतरागता तथा हितोपदेशिता में से एक गुण। जिसमें राग, द्वेष एवं मोह का अभाव होता है ।

वीतराग धर्मध्यान – *Vītarāga Dharmadhyāna*

Supreme stage of religious meditation (*Dharmadyan*) to the knowledge of supreme soul

धर्मध्यान की उत्कृष्ट स्थिति–सातवें से दसवें गुणस्थान में होने वाली ...।

वीतराग वचन – *Vītarāga Vacana.*

Super speech of Lord Arihant, Contents of scriptures.

आगम, आप्त के वचन, जिन्होंने जन्म जरा आदि 18 दोषों को नष्ट कर दिया है ।

वीतराग श्रमण – *Vītarāga Śramaṇa*

One free from all passionate delusions, a saint.

शुभ और अशुभ दोनों प्रकार के राग से मुक्त साधु वीतराग श्रमण है ।

वीतराग सम्यग्दर्शन – *Vītarāga Samyagdarśana.*

Right faith without any attachment.

निश्चय सम्यग्दर्शन, वीतराग चारित्र के साथ अविनाभावी, जिस सम्यक्त्व भाव में आत्मा की विशुद्धि, तन्मयता हो। यह सातवें से दसवें गुणस्थान तक होता है ।

वीतराग सम्यग्दृष्टि – *Vītarāga Samyagdṛṣṭi.*

One having right spiritual knowledge.

निश्चय सम्यग्दृष्टि, जो वीतराग सम्यग्दर्शन से सहित होते हैं ।

वीतराग सुख – *Vītarāga Sukha.*

Supreme bliss

अनंत सुख। शुद्धात्मा के दर्शन से प्राप्त जिनेश्वरों का सुख ।

वीतराग स्तोत्र – *Vītarāga Stotra*

Name of a Sanskrit spiritual hymn.

एक आध्यात्मिक संस्कृत स्तोत्र। शिवं शुद्ध बुद्धं ... चिदानंद रूपं नमो वीतरागं ।

वीतशोक – *Vītaśoka.*

Sorrowless state, Name of the 68th planet, the 26th city of northern *Vijayardh* mountain.

शोक रहित अवस्था, 88 ग्रहों में 68वां ग्रह, विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का 26वां नगर ।

वीतशोका – *Vītaśokā.*

Name of a capital city of *Sarit* country of west *Videh* (region), Name of the 25th city of northern *Vijayardh* mountain. A large lake of southern *Nandishvardvip* (island)

पश्चिम विदेह के सरित देश की राजधानी, विजयार्ध की उत्तरश्रेणी

का 25वां नगर, नंदीश्वर द्वीप की दक्षिण की एक बावड़ी।

वीथी – *Vīthī.*

Way, road, streets or lanes (pertaining to the *Samavasharan* - assembly of Jaina-Lord).

मार्ग, सड़क, समवशरणभूमि के मार्ग, चन्द्र सूर्य के भ्रमण की गलियां।

वीर – *Vīra.*

Warrior, Brave, One of the 5 names of Lord Mahavira

पराक्रमी, वीरता प्रकट करना, भगवान महावीर के 5 नामों में एक नाम।

वीर कवि – *Vīra Kavi.*

Name of a great writer of 'Jambusami Charitu'

जम्बूसामि चरिउ, अपभ्रंश भाषा बद्ध ग्रंथ के कर्ता। समय - ई. 1019।

वीरचर्या – *Vīracaryā.*

Strict and pure conduct of Jaina saints

निर्ग्रन्थ मुनि की निर्दोष चर्या अर्थात् कठोर आचरण।

वीर ज्ञानोदय ग्रंथमाला – *Vīra Jñānodaya Granthamālā.*

Name of a large Jain *Granthmala* (publishing centre) established in the year 1972 on the inspiration of *Ganini* Shri Gyanmati Mataji at Jambudvip-Hastinapur (Meerut), U.P. It is managed by 'Digambar Jain Trilok Shodh Sansthan' and a number of Jain treatises have been published and are being published from here. See the list of its all publications in the last of the dictionary.

गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से सन् 1972 में स्थापित एवं दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर (मेरठ) उ.प्र. द्वारा संचालित एक ग्रंथमाला। जिसके द्वारा सैकड़ों ग्रंथ लाखों की संख्या में प्रकाशित हुए हैं। जिनकी लिस्ट इस शब्दकोश के अंत में उपलब्ध है।

वीरनंदि – *Vīranandi.*

Name of an *Acharya* of *Nandi* group

नंदिसंघ देशीयगण के एक आचार्य, आचारसार आदि ग्रंथों के कर्ता।

वीर निर्वाण क्रिया – *Vīra Nirvāṇa Kriyā.*

A kind of devotional prayer.

कृतिकर्म; सिद्धभक्ति, निर्वाण भक्ति, पंचगुरु भक्ति, शांति भक्ति पढ़ना।

वीर निर्वाण संवत् – *Vīra Nirvāṇa Saṁvat.*

Era beginning with the salvation of Lord Mahavira.

वीर निर्वाण से प्रारम्भ होने वाला संवत्। जो वर्तमान में सबसे प्राचीन संवत् के रूप में मान्य है। वर्तमान ई. सन् 2003-2004 में वी.नि.सं. 2530 चल रहा है। तिलोयपण्णत्ति (अधिकार 4, गाथा नं. 1499) के अनुसार वीर निर्वाण के 605 वर्ष 5 माह बीत जाने पर शक राजा उत्पन्न हुआ। तदनुसार वर्तमान शक संवत् 1925 में 605 वर्ष जोड़ देने पर वीर निर्वाण संवत् 2530 प्राप्त होता है।

वीरमार्तंडी – *Vīramārtaṇḍī.*

Name of a Kannad commentary book written by Chamundarai.

चामुंडराय (ई.श. 10-11) द्वारा रचित गोमट्टसार की कन्नड़ वृत्ति।

वीरवित् – *Vīravit.*

Name of the disciple of Sinhbal and spiritual teacher of Padmasen

पुन्नाटसंघ की गुर्वावली के अनुसार सिंहबल के शिष्य तथा पद्मसेन के गुरु। समय - ई.श. 7 अंतपाद।

वीरशासन जयंती व्रत – *Vīraśāsana Jayantī Vrata.*

A vow (fasting) on *Shravan Krishna* 1, the first auspicious day on which the resonant preaching (*Divya Dhvani*) of Lord Mahavira was delivered.

भगवान महावीर की दिव्यध्वनि की प्रथम तिथि श्रावण कृ.1 को उपवास करना। 'ॐ ह्रीं श्री महावीराय नमः' इस मंत्र का जाप्य करना।

वीर संघ – *Vīra Saṁgha.*

Name of a group of saints after division of *Moolsangh* (original group).

मूल संघ के विघटन के पश्चात् बना जैन साधुओं का एक संघ।

वीरसागर (आचार्य) – *Vīrasāgara (Ācārya).*

Name of the first disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagarji Maharaj in his *Acharya* tradition.

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के प्रथम शिष्य एवं उनकी परम्परा में प्रथम पट्टाधीश आचार्य। जन्म-सन 1876 में आषाढ़ शुक्ला 15 (गुरु पूर्णिमा) एवं समाधि-सन् 1957 आश्विन कृ. अमावस। सन् 1956 में इन्हें गुरु ने अपना आचार्यपद प्रदान किया। गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के दीक्षागुरु।

वीरसेन – *Vīrasena.*

Name of a great Jain *Acharya*, the writer of commentary on great treatises (Shatkhandagam and Kashaypahud).

पंचस्तूप संघ के आर्यनंदि के शिष्य और जिनसेन के गुरु। आपने षट्खण्डागम तथा कषायपाहुड़ सिद्धांत ग्रंथों पर धवला व जयधवला नाम की विस्तृत टीकायें लिखीं।

वीरसेन – *Vīrasena.*

Name of the disciple of Ramsen. Name of the disciple of Brahmasen.

माथुरसंघ के अनुसार रामसेन के शिष्य और आचार्य देवसेन के गुरु। समय - ई. 893-923। लाडबागड़ गच्छ के अनुसार ब्रह्मसेन के शिष्य और गुणसेन के गुरु थे। समय - ई. 1048।

वीरसेना – *Vīrasenā.*

Mother's name of the 7th Jaina-Lord of *Sushma*

city of *Videh* (region).
विदेहक्षेत्रस्थ सुसीमा नगरी के 7वें तीर्थंकर ऋषभानन की माता।

वीरांगज मुनि – *Vīrāṅgaja Muni.*
Name of the last Jaina saint of *Pancham Kal* (the 5th time-cycle of universe).
पंचम काल के अंत में होने वाले अंतिम दिगम्बर जैन साधु। जो पंचमकाल के अंत में राजा द्वारा आहार का प्रथम ग्रास शुल्क के रूप में मांगे जाने पर अंतराय मानकर समाधिमरण करके स्वर्ग जाएँगे।

वीरासन – *Vīrāsana.*
A posture of meditation.
ध्यान या कायोत्सर्ग के योग्य एक आसन। दक्षिण जंघा के ऊपर बाम पैर और वाम जंघा के ऊपर दक्षिण पैर रखना। अपरनाम– पद्मासन।

वीर्य – *Vīrya.*
Vitality, Potency, Spiritual power.
शक्ति, गुण, आत्मा का बल जिसको वीर्यान्तराय कर्म ढकता है।

वीर्य चर्या – *Vīrya Caryā.*
See - *Vira Carya.*
देखें – वीर चर्या।

वीर्य प्रवाद – *Vīrya Pravāda.*
A part of *Shrutgyan* (scriptural knowledge) containing the description of the power of soul
दृष्टिवाद–12वें अंग का तीसरा पूर्व, जिसमें आत्म–अनात्मा की शक्ति का कथन है। इसके 70 लाख मध्यम पद हैं।

वीर्य लब्धि – *Vīrya Labdhi.*
A type of attainment pertaining to the vitality of beings.
5 लब्धियों में एक लब्धि। शक्ति की प्राप्ति जो वीर्यान्तराय कर्म के क्षयोपशम से होती है।

वीर्यान्तराय कर्म – *Vīryāntarāya Karma.*
An obstructive *Karma* obscurring the vitality of beings or soul.
जिस कर्म के उदय से आत्म वीर्य की रुकावट हो या जीव किसी कार्य के प्रति उत्साहित होने की इच्छा होते हुए भी उत्साहित नहीं हो पाता एवं असमर्थता का अनुभव करता है।

वीर्याचरण – *Vīryācaraṇa.*
Conduct according to the capability.
सामर्थ्य के अनुसार आचार का पालन करना।

वीर्याचार – *Vīryācāra.*
One of the 5 conducts - conduct with spiritual strength.
5 आचारों में एक आचार, अपनी शक्ति को न छिपाकर उत्साहपूर्वक आत्मबल के साथ चारित्र पालना।

वृंदावन – *Vṛndāvana.*
Name of the poet, the writer of 'Vrindavan Vilas' etc. many books.
तीस चौबीसी पूजन, वृंदावन विलास, प्रवचनसार टीका अर्हत्पासाकेवली आदि ग्रंथों के रचयिता एक कवि। समय – ई 1803–1848।

वृक्ष – *Vṛkṣa.*
Trees (myth wish fulfilling trees, specific super trees)
कल्पवृक्ष; भोग भूमि में मनुष्यों की आवश्यकताओं को चिन्ता मात्र से पूरी करते हैं। चैत्यवृक्ष; प्रतिमाओं के आश्रयभूत, जो पृथ्वीकायिक होते हैं, वनस्पतिकायिक नहीं।

वृक्षमूल – *Vṛkṣamūla.*
Root of trees. A type of meditation to be observed under the tree.
वृक्ष की जड़, एक तपस्या का योग; वर्षाकाल में वृक्ष के नीचे ध्यान लगाना वृक्षमूल योग कहलाता है।

वृक्षमूलावास – *Vṛkṣamūlāvāsa.*
A type of austerity, staying in the root-hollow of trees.
कायक्लेश तप का एक भेद, वृक्षमूल में निवास करना।

वृत्त – *Vṛtta.*
Circle, A type of religious conduct.
वर्तुलाकार,गोल, पापारम्भ के कार्यों से विरक्त होने में सहायक कर्म। ये देव–पूजा आदि 6 होते हैं इनका आचरण करना वृत्त कहलाता है।

वृत्त विष्कंभ – *Vṛtta Viṣkambha.*
Diameter, width of a ring.
वृत्त का व्यास।

वृत्ति – *Vṛtti.*
Conduct, Behaviour, Natural tendency.
वर्तन या समवाय। गुण गुणी की अभिन्नता, गोचरी आदि 5 भिक्षा वृत्ति।

वृत्तिपरिसंख्यान – *Vṛttiparisaṁkhyāna*
Resolution of certain vow of Jaina saint (while going to take food to taking).
बाह्य तप का एक भेद–आहार को जाते समय अनेक प्रकार की प्रतिज्ञा या आकड़ी लेना।

वृत्तिलाभ क्रिया – *Vṛttilābha Kriyā.*
An act of consecration, to observe the vows taken before the spiritual teacher
दीक्षान्वय की 48 क्रियाओं में एक क्रिया, गुरु के द्वारा प्रदत्त व्रतों को धारण करना।

वृत्तिसूत्र – *Vṛttisūtra.*
Briefing of some principle etc.
जिसमें संक्षिप्त शब्दों में या सूत्र के समस्त अर्थ को संग्रहीत कर लिया जाता है।

वृत्यंश – *Vṛttyaṁśa.*
Momentariness of any matter.
पर्याय; पर्यायों का क्षणिकत्व होना या द्रव्य में जो अंश कल्पना की जाती है वह पर्याय है।

वृद्धि – *Vrddhi*

Growth, Increase, Development.

विकास, बढ़ोत्तरी, पूर्व स्वभाव को कायम रखते हुए भावान्तररूप से अधिकता हो जाना वृद्धि है ।

वृद्धि-हानि – *Vrddhi-Hāni.*

Increasing & decreasing (pertaining to clairvoyance and 6 particular virtues etc.)

षट्गुण हानि वृद्धि; अविभाग प्रतिच्छेदों में वृद्धि हानि का नाम ही षट्गुण हानि वृद्धि है, क्षयोपशम अवधिज्ञान के भेद, वर्धमान और हीयमान। जो विशुद्ध परिणामों से बढ़ता है वह वर्धमान एवं जो संक्लेश परिणामों से घटता जाता है वह हीयमान अवधिज्ञान है ।

वृद्धि-ह्रास – *Vrddhi-Hrāsa.*

Universal changes pertaining to the growth & destruction.

भरत और ऐरावत क्षेत्रों में षट्काल का वृद्धि – ह्रास रूप परिवर्तन जिसे उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी काल के नाम से जाना जाता है।

वृष – *Vrṣa.*

Religion.

धर्म ।

वृषध्वज – *Vrṣadhvaja.*

One of the 1008 titles of Lord Jinendra.

जिनेन्द्र भगवान के 1008 नामों में एक नाम, धर्मध्वजा को फहराने वाले ।

वृषभ – *Vrṣabha*

Another name of Lord Rishabhdev, A bull; a significant mark of Lord Rishabhadev.

भगवान ऋषभदेव का एक नाम, बैल, जो भगवान ऋषभदेव का चिन्ह है ।

वृषभगिरि – *Vrṣabhagiri.*

Name of a particular mountain of *Jambudvip* where all *Chakravartis* write their name after getting great victory over *Shatkhand* (all 6 divisions of *Bharat Kshetra*).

वृषभाचल; जहाँ सभी चक्रवर्ती षट्खंड विजय के पश्चात् काकिणी रत्न से अपना नाम लिखते हैं ।

वृषभदेव – *Vrṣabhadeva.*

Name of the 1st *Tirthankar* (Jaina-Lord), the son of king Nabhirai & queen Marudevi

भरतक्षेत्र वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर कुलकर नाभिराय एवं मरुदेवी के पुत्र। जिनके ऋषभदेव, पुरुदेव, आदिनाथ आदि नाम प्रसिद्ध हैं ।

वृषभसेन – *Vrṣabhasena.*

The younger brother of Bharat Chakravarti, who became first chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of a king of Rajgrahi city.

भरत चक्रवर्ती के छोटे भाई, जो कि पुरिमतालपुर के राजा थे, ये भगवान ऋषभदेव के प्रथम गणधर बने, राजगृही के एक राजा का नाम जिन्होंने तीर्थंकर मुनिसुव्रत को आहार देकर पंचाश्चर्य प्राप्त किये थे ।

वृष्य – *Vrṣya.*

Intoxicating food or passion stirring liquids

अभिषव या कामोद्दीपक रस ।

वृष्यरस सेवा – *Vrṣyarasa Sevā.*

Taking nutritious spicy food causing excitement

अब्रह्म के 10 भेदों में एक भेद, पौष्टिक आहार का ग्रहण करना, जिससे बल व वीर्य की वृद्धि हो ।

वृहत्पल्य व्रत – *Vrhatpalya Vrata.*

A particular kind of vow to be observed with particular procedure.

प्रत्येक माह में ये कई व्रत आते हैं, यह एक वर्ष तक किया जाता है। एक वर्ष में इसके 72 व्रत होते हैं। इसमें एक-एक उपवास का पल्य-पल्य उपवास बराबर फल होता है ।

वेंत – *Venta.*

Cane, A stick

बेंत, लाठी। संज्वलन मान कषाय का दृष्टान्त ।

वेगवती – *Vegavatī.*

Name of a river of *Bharat Kshetra* (region).

भरतक्षेत्र की एक नदी ।

वेणा – *Veṇā.*

Name of a river of *Bharat Kshetra Aryakhand* (region).

भरतक्षेत्र के आर्यखण्ड की एक नदी ।

वेणु – *Veṇu.*

Name of a deity of *Ratnakut* (summit) of *Manushottar* mountain, A protecting deity of *Shalmali* tree, A celestial deity (*Indra*) of *Suparnakumar*, A city of northern *Vijayardh* mountain.

मानुषोत्तर पर्वत के रत्नकूट का एक देव, शाल्मली वृक्ष का रक्षक देव, सुपर्णकुमार भवनवासी देवों का इन्द्र, विजयार्ध की उत्तरश्रेणी का नगर ।

वेणुमूल – *Veṇumūla.*

Root of bamboo tree.

बांस की जड़। अनंतानुबंधी माया कषाय का दृष्टांत ।

वैतरणी – *Vetaraṇī.*

Name of a river of hell.

नरक लोक की नदी। जो खून, पीप से भरी हुई है और उसमें प्रवेश करने वाले को दाह उत्पन्न कराती है ।

वेतस – *Vetasa.*

Cane, a type of wood used in the *Pichchhi* of Jaina saints & other furniture too.

बेंत, एक प्रकार की लकड़ी, जो जैनसाधुओं की पिच्छी में पकड़ने वाली डंडी के रूप में प्रयुक्त की जाती है। वर्तमान में विशेष फर्नीचर निर्माण में भी इसका प्रयोग होता है ।

वेत्ता – *Vettā.*

A knower or expert.

जानने वाला ।

वेत्र – *Vetra.*
See - *Venu*
देखे – वेणु ।

वेत्रासन – *Vetrāsana.*
Shape of lower world (like drum with narrow middle part)
मूढ़े के समान अधोलोक का आकार ।

वेद – *Veda.*
Gender
लिंग । स्त्री लिंग, पुरुष लिंग, नपुंसक लिंग ।

वेद कषाय – *Veda Kaṣāya.*
Passion of lust.
नोकषाय, चारित्र मोहनीय के उदय से आत्मा में कामसेवन या स्त्रीत्व, पुरुषत्व, नपुंसकत्व के भाव ।

वेद (शास्त्र) – *Veda (Śāstra).*
Four expositions of Jaina scriptures & the four great mythological sacred scriptures of Hindus.
जैनधर्म के चार अनुयोगों (प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग, द्रव्यानुयोग) को वेद संज्ञा दी गई है, हिन्दुओं में भी चार वेदों–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद की मान्यता है ।

वेदक – *Vedaka.*
Sufferer of *Karmic* results or one who experiences results of *Karmas.*
कर्मफल का भोक्ता या अनुभव करने वाला ।

वेदक सम्यक्त्व – *Vedaka Samyaktva.*
Destructive subsidential right belief.
क्षयोपशम सम्यग्दर्शन । दर्शन मोहनीय कर्म की सम्यक्त्व प्रकृति के उदय से जो तत्त्वार्थ श्रद्धान होता है ।

वेदक सम्यग्दृष्टि – *Vedaka Samyagdṛṣṭi.*
One with destructive subsidential right faith.
क्षयोपशम सम्यक्त्व वाला जीव ।

वेदत्रय – *Vedatraya.*
Triplet of gender (male, female & impotent).
स्त्री, पुरुष, नपुंसक वेद ।

वेदन – *Vedana.*
Experience, Knowledge.
अनुभव, ज्ञान ।

वेदना – *Vedanā.*
Experiencing pain or trouble.
दुःख अथवा कष्ट की अनुभूति या अनुभव का नाम वेदना है ।

वेदना भय – *Vedanā Bhaya.*
One of the seven fears (of bodily painful suffering).
सप्त भयों में एक भय, शरीर में रोग होने का भय रहना ।

वेदनाभिभव – *Vedanābhibhava.*
A reason of right perception (by experiencing about the painful results of some wrong doings).
सम्यग्दर्शन होने का एक कारण, यह वेदना अमुक मिथ्यात्व व असंयम का फल है इस प्रकार का चिंतन ।

वेदना समुद्घात – *Vedanā Samudghāta*
Extrication of soul-points due to intense pain.
रोग आदि की तीव्र वेदना से आत्मा के प्रदेशों का शरीर से बाहर निकलना वेदना समुद्घात है ।

वेदनीय – *Vedanīya.*
Karmas causing the experience of pain & pleasure.
8 कर्मों में एक कर्म, जिसके उदय से जीव सुख व दुख का वेदन अर्थात् अनुभव करता है ।

वेद सिद्ध – *Veda Siddha.*
Salvated beings from all three genders - male, female & impotent (according to *Bhutprragyapan Naya*).
भूतप्रज्ञापन नय की अपेक्षा नपुंसक वेद से सिद्ध होने वाले जीव थोड़े एवं स्त्री–पुरुष वेद से सिद्ध होने वाले जीव संख्यात गुणे हैं। इन सभी का द्रव्य वेद पुरुष वेद ही रहता है ।

वेदिका – *Vedikā.*
Altar, A wall surrounding the mountain, river, island etc.
वेदी जिस पर मंदिरों में जिनप्रतिमा विराजमान की जाती है। पर्वत–नदी–द्वीप आदि को घेरे रहने वाली दीवार को भी वेदिका कहते हैं ।

वेदिकाबद्ध – *Vedikābaddha.*
An infraction of a particular sitting posture of meditative relaxation.
कायोत्सर्ग का एक दोष; दोनों भुजाओं से दोनों घुटने बांधकर बैठना ।

वेदी – *Vedī.*
Alter-the installation place of Lord's idols in Jaina temples.
जिन मंदिरों में जहाँ जिनप्रतिमा विराजमान की जाती है वह उच्चस्थान ।

वेदी शुद्धि – *Vedī Śuddhi.*
A particular kind of ritual procedure of purifying the altar of a temple with the chanting of particular *Mantras* and 81 auspicious water pitchers.
मंदिर में भगवान को विराजमान करने वाली वेदी की सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा घटयात्रा के पश्चात् विशेष मंत्रपूर्वक 81 कलशों से की जाने वाली शुद्धि ।

वेलंब – *Velamba.*
Name of a summit of *Manushottar* mountain & its protecting deity.
मानुषोत्तर पर्वत का एक कूट व उसका रक्षक एक भवनवासी देव ।

वेश्म – *Veśma.*
Palace, house, Temple.
भवन, घर, मंदिर।

वेश्या – *Veśya.*
Prostitute. Immoral woman.
गणिका, कुलटा या व्यभिचारिणी स्त्री।

वेश्यागमन – *Veśyāgamana.*
Frequenting prostitutes, adulterous conduct.
सप्तव्यसनों में एक व्यसन, व्यभिचारिणी स्त्रियों के यहां आना-जाना, उनसे बातचीत, लेन-देन आदि करना। सद्गृहस्थ के लिए यह सर्वथा त्याज्य है।

वैक्रियिक – *Vaikriyika.*
Transformable body (reg. big & small, heavy & light body)
शरीर का एक प्रकार; देव और नारकियों के शरीर विशेष को वैक्रियिक कहते हैं। यह छोटे-बड़े, हल्के-भारी अनेक प्रकार के रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

वैक्रियिक काययोग – *Vaikriyika Kāyayoga*
Vibration in the soul points of transformable body of deities & hellish beings
वैक्रियिक शरीर से या उसके द्वारा जो आत्मा के प्रदेशों में परिस्पंदन होता है उसको वैक्रियिक काययोग कहते हैं।

वैक्रियिक चतुष्क – *Vaikriyika Catuṣka.*
A type of quartet pertaining to the transformable body (of deities & hellish beings).
देवगति, देवगत्यानुपूर्वी, नरकगति, नरकगत्यानुपूर्वी।

वैक्रियिक द्विक् – *Vaikriyika Dvik.*
A type of dyad pertaining to the transformable body (of deities & hellish beings)
वैक्रियिक शरीर, वैक्रियिक अंगोपांग।

वैक्रियिक शरीर – *Vaikriyika Śarīra.*
Transformable body (of deities, hellish beings & great saints).
औदारिक आदि 5 शरीरों में दूसरा शरीर, विक्रिया ही जिस शरीर का प्रयोजन है वह वैक्रियिक शरीर कहलाता है वैक्रियिक शरीर उपपाद जन्म से देव, नारकियों को व ऋद्धि से महामुनियों को प्राप्त होता है।

वैक्रियिक शरीर अंगोपांग –
Vaikriyika Śarīra Aṁgopāṁga.
A *Karmic* nature causing formation of the organs of transformable body of deities & hellish beings.
नामकर्म का एक भेद, जिसके उदय से देव-नारकी के शरीर के अंग व उपांग बनते हैं।

वैक्रियिक शरीर नामकर्म प्रकृति –
Vaikriyika Śarīra Nāmakarma Prakṛti.
A physique making *Karmic* nature of the formation of transformable body of deities & hellish beings.
नामकर्म, जिसके उदय से विकार करने योग्य या बदलने योग्य देव या नारकियों का शरीर प्राप्त हो।

वैक्रियिक षट्क – *Vaikriyika Ṣaṭka.*
A type of hexa pertaining to transformable body (of deities & hellish beings).
वैक्रियिक शरीर व वैक्रियिक अंगोपांग, नरक गति व नरक गत्यानुपूर्वी, देवगति व देवगत्यानुपूर्वी।

वैक्रियिक बंधन – *Vaikriyika Bandhana.*
A *Karmic* nature related to the binding of *Karmic* molecules, of transformable body
नामकर्म, जिसके उदय से वैक्रियिक शरीर योग्य वर्गणाओं का परस्पर बंध हो।

वैक्रियिक समुद्घात – *Vaikriyika Samudghāta.*
Overflowing of soul points from the body for transforming the own shape.
विक्रिया करने के लिए अर्थात् शरीर को छोटा, बड़ा या अन्य शरीर रूप करने के लिए आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहर निकलते हैं वह वैक्रियिक समुद्घात है।

वैखरी – *Vaikharī.*
A language, the power of speech.
एक भाषा, जिसमें वक्ता का श्वासोच्छ्वास कारण होता है ऐसे अक्षर रूप वचन अर्थात् कर्णेन्द्रिय ग्राह्य पर्याय स्वरूप द्रव्य वचन।

वैचित्र्य – *Vaicitrya.*
Diversity, Difference, Wonder.
विविधता, विभिन्नता, आश्चर्य।

वैजयंत – *Vaijayanta.*
Name of the 66th planet, Name of the cities in the north & south of *Vijayardh* mountain, The southern door of the surrounding wall of *Jambudvip*, Name of a door of *Samavasaran* land.
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 66वां ग्रह, विजयार्ध की उत्तर व दक्षिण श्रेणी के दो नगर, जंबूद्वीप की वेदिका का दक्षिण द्वार, समवशरण भूमि के तीसरे कोट के दक्षिण द्वार का प्रथम नाम।

वैजयंत स्वर्ग – *Vaijayanta Svarga.*
The forth heavenly abode of among 5 *Anuttars* (heavens).
5 अनुत्तरों में चौथा उत्तर दिशा का विमान।

वैजयंता – *Vaijayantā.*
Name of a main city of *Suvapra* region of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्रस्थ सुवप्रा क्षेत्र की प्रधान नगरी।

वैजयंती – *Vaijayantī.*
Name of the main city of *Suprabh* region of western *Videh* (region), Name of a *Vapi* (like large lake) in the western *Nandishvardvip* (island), Name of female divinities of *Ruchak* mountain, Name of the palanquin of Lord Arahanath.
पश्चिम विदेह के सुप्रभ क्षेत्र की प्रधान नगरी, नंदीश्वर द्वीप की

पश्चिम दिशा में स्थित एक वापी, रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी व महत्तरिका, एक तिथिकर-तीर्थंकर अरहनाथ इसी में बैठकर सहेतुक वन गये थे।

वैडूर्य – *Vaidūrya.*

Name of an island & ocean of middle universe, Name of a summit of *Mahahimvan* mountain and its protecting deity, The summits of *Manushottar* and *Ruchak* mountains, Name of the 14th *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven

मध्यलोक का एक सागर व द्वीप, महाहिमवान पर्वत का एक कूट व उसका रक्षक देव, मानुषोत्तर पर्वत व रुचक पर्वत का एक-एक कूट, सौधर्म स्वर्ग का 14वां पटल।

वैडूर्यमणि – *Vaidūryamaṇi.*

The sapphire-a coloured gem. Body colour of Lord Munisuvratnath & Neminath was like sapphire

नीलम, नील वर्ण वाली मणि-तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ एवं तीर्थंकर नेमिनाथ का वर्ण वैडूर्यमणि सदृश था। सुमेरु पर्वत की चूलिका वैडूर्यमणिमयी है।

वैडूर्यसागर द्वीप – *Vaidūryasāgara Dvīpa.*

Name of an island and an ocean of middle universe.

मध्यलोक के सागर और द्वीप का नाम।

वैतरणी – *Vaitaraṇī.*

See - *Vetarani.*

देखें-वेतरणी।

वैताढ्य – *Vaitāḍhya.*

Another name of *Vijayardh* mountain, Range of some particular mountains in the middle of *Haimvat Kshetra* (region) etc.

विजयार्ध पर्वत का अपरनाम, हैमवत आदि अन्य क्षेत्रों के मध्य शब्दवान आदि कूटाकार पर्वत भी वैताढ्य कहलाते हैं।

वैतृष्ण्य – *Vaitṛṣṇya.*

Synonym word for *'Samata'* - equanimity or harmony.

समता का पर्यायवाची।

वैदर्भ – *Vaidarbha.*

A country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region). Name of the prime chief disciple of Lord Chandraprabh & Lord Pushpadantnath.

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश, तीर्थंकर पुष्पदंतनाथ के प्रथम गणधर का नाम (अपरनाम-विदर्भ)।

वैदिश – *Vaidiśa.*

Old name of the present Vidisha (a city) in Madhya Pradesh.

वर्तमान भेलसा या विदिशा।

वैद्यसार – *Vaidyasāra.*

Name of an *Ayurvedic* book written by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद (ई.श. 5) कृत आयुर्वेद विषयक एक संस्कृत ग्रंथ।

वैनयिक – *Vainayika.*

A part of *Shrutgyan* (scriptural knowledge), containing description of politeness.

आचारांग श्रुतज्ञान का पांचवां अंग, इसमें 5 प्रकार के विनयों का कथन है।

वैनयिक मिथ्यात्व – *Vainayika Mithyātva*

A type of wrong faith pertaining to pay equal reverence to all deities & all religions.

सब देवता और सब मतों को एक समान मानना।

वैनयिकी ऋद्धि – *Vainayikī Ṛddhi.*

A type of supernatural power obtained through supreme reverence for scriptures.

प्रज्ञाश्रमण ऋद्धि के 4 भेदों में एक भेद, द्वादशांग श्रुत की योग्य विनय करने से उत्पन्न होने वाली ऋद्धि।

वैभाविक भाव – *Vaibhāvika Bhāva.*

Passionate feelings contrary to real nature of the soul.

रागादि से उत्पन्न होने वाले विकारी भाव।

वैभाविक क्रिया – *Vaibhāvika Kriyā.*

Passionate activities contrary to the real nature of the soul.

आत्मा के मूल स्वभाव को छोड़कर रागद्वेष आदि परिणामों से परिणत होना वैभाविक क्रिया है।

वैभाविकी शक्ति – *Vaibhāvikī Śakti.*

Power causing passionate feelings contrary to the real nature

जीव-पुद्गल की स्वभाव से रूपान्तर ग्रहण करने की शक्ति अर्थात् राग आदि विकारी भाव ग्रहण करने वाली जीव पुद्गल की शक्ति।

वैमानिक देव – *Vaimānika Deva*

Heavenly or celestial deities.

सोलह स्वर्ग के निवासी देव। जो विमानों में उत्पन्न होते हैं वे वैमानिक कहलाते हैं। कल्पवासी और कल्पातीत इनके 2 भेद हैं।

वैयावृत्ति – *Vaiyāvṛtti.*

Pious service to the saints.

साधुसुश्रूषा, सेवा, उपचार, गुरु के अनुकूल प्रवृत्ति करना।

वैयावृत्त्य – *Vaiyāvṛttya.*

Pious respectful service to the saints.

16 कारण भावना की नौवीं भावना; गुणों में अनुरागपूर्वक संयमी जनों का खेद कष्ट आदि निर्दोष विधि से दूर करना।

वैयावृत्त्य तप – *Vaiyāvṛttya Tapa.*

Pious service of 10 types of saints by another saints, a kind of internal austerity.

तीसरा अंतरंग तप, 10 प्रकार के साधुओं की यथायोग्य सेवा करना।

वैर – *Vaira.*
Hostility, Enmity, Name of a heavenly abode. Name of the 69th chief disciple of Lord Rishabhadev
विरोध, शत्रुता, 9 अनुदिश विमानों में तीसरा पश्चिम का श्रेणीबद्ध विमान, भगवान वृषभदेव के 69वें गणधर ।

वैरत्याग – *Vairatyāga.*
Renunciation of mutual hostility (absence of hostility among beings is an excellence of Lord Arihant)
अरहन्त भगवान का देवकृत एक अतिशय, जीव पूर्व वैर को छोड़कर आपस में मैत्री भाव से रहने लगते हैं ।

वैराग्गसार – *Vairāggasāra*
Name of a treatise written by Subhadracharya.
सुभद्राचार्य द्वारा रचित (ई. श. 11 – 12) अपभ्रंश भाषा का एक ग्रंथ ।

वैराग्य – *Vairāgya.*
Aversion from worldly life, to be free from all worldly attachments.
संसार शरीर तथा भोगों से विरक्त भाव अथवा उदासीन या शान्तभाव ।

वैराग्य भावना – *Vairāgya Bhāvanā.*
Emotions of the aversion from worldly life.
वैराग्य की कारणभूत भावनाएं। जगत, शरीर, भोग के स्वरूप का बारबार चिंतन करना ।

वैरात्रिक – *Vairātrika.*
A particular time period after midnight
पिछली रात्रि, अपररात्री, आधी रात के बाद दो घड़ी बीत जाने पर वहां से लेकर दो घड़ी रात रहे तब तक के काल को वैरात्रिक कहते हैं। साधु जन कृतिकर्मपूर्वक वैरात्रिक स्वाध्याय करते हैं ।

वैरोचन – *Vairocana.*
Name of a heavenly abode among 9 *Anudish* heavenly abodes, Name of a celestial being.
9 अनुदिश विमानों में एक विमान, असुरकुमार भवनवासी देवों का इन्द्र ।

वैरोटी – *Vairoṭī.*
Name of a female demigod of Lord Vimalnath, A super power.
भगवान विमलनाथ की शासन देवी, एक विद्या ।

वैशद्य – *Vaiśadya.*
Extraordinary, Astonishing
विशद, विलक्षण ।

वैशाख – *Vaiśākha.*
A Hindi lunar month, The son of king Vishakh, ultimately who got salvation.
12 महीनों में से एक हिन्दी महीने का नाम, राजा विशाख का पुत्र। सात दिन की नव विवाहित पत्नी को छोड़कर मित्र मुनिदत्त मुनि को आहार दान दे दीक्षा ले ली। अंत में मोक्ष पधारे ।

वैशाली – *Vaiśālī*
Name of the maternal place of Lord Mahavira, the capital city of Sindhu country, ruled over by king Chetak, the maternal grandfather of Lord Mahavir.
भगवान महावीर की ननिहाल। दिगम्बर जैन ग्रंथों (उत्तरपुराण, वीरजिणिन्दचरिउ, महावीर पुराण आदि) के अनुसार वैशाली नगरी सिंधु देश में थी, वहाँ के राजा चेटक (सोमवंशी) की सात पुत्रियों में से प्रथम प्रियकारिणी-त्रिशला का विवाह विदेह देश की राजधानी कुण्डलपुर के राजा सिद्धार्थ के साथ हुआ था। जिनसे चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ने जन्म लिया था। वर्तमान में बिहार प्रान्त में बसाढ़ नामक ग्राम को वैशाली के रूप में स्थापित किया गया है जो दिगम्बर जैन आगमानुसार सही नहीं है ।

वैशेषिक दर्शन – *Vaiśeṣika Darśana.*
Name of a philosophy.
एक दर्शन जिसमें प्रत्यक्ष व अनुमान दो ही प्रमाण स्वीकार किये जाते हैं, इसके अनुयायी शिव के उपासक होते हैं ।

वैश्य – *Vaiśya.*
The third classification of Indo-Aryan society, a trader or an agriculturist etc.
4 वर्णों में एक वर्ण; जो कृषि, व्यापार तथा पशुपालन आदि के द्वारा आजीविका करते हैं वे वैश्य कहलाते हैं ।

वैश्रवण – *Vaiśravaṇa.*
A name for Kuber, Name of a city of southern *Vijayardh* mountain, Name of a mountain at the southern bank of river, *Sita.*
कुबेर का एक नाम, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, सीता नदी के दक्षिण तट पर वक्षार पर्वत ।

वैश्वानर – *Vaiśvānara.*
Name of the 4th *Rudra*, Name of a king of *Kuru* dynasty, A type of *Vidyadhar* dynasty.
चौथा रुद्र अपरनाम विशालनयन था, कुरुवंशी एक राजा, विद्याधरों की एक जाति ।

वैस्रसिक परिणाम – *Vaisrasika Pariṇāma.*
Natural changes.
स्वाभाविक परिवर्तन, जिसमें पुरुष प्रयत्न की आवश्यकता नहीं होती ।

वैस्रसिक बंध – *Vaisrasika Bandha.*
Natural binding.
स्वाभाविक अर्थात् पुरुष प्रयोग से निरपेक्ष वैस्रसिक बंध है ।

वैस्रसिक शब्द – *Vaisrasika Śabda.*
Natural sounds (reg. thundering etc.).
अभाषात्मक शब्द के दो भेदों में एक भेद, मेघ आदि के निमित्त से जो शब्द उत्पन्न होते हैं वे वैस्रसिक शब्द हैं ।

वैस्रसिकी क्रिया – *Vaisrasikī Kriyā.*
Natural activities or changes i.e. cloud thundering etc.
मेघ आदि की स्वाभाविक क्रिया वैस्रसिकी क्रिया है ।

वोंडज – *Vomḍaja*

Cotton cloths.

वस्त्र के 5 भेदों में एक भेद, कपास से उत्पन्न वस्त्र वोंडज है।

व्यंजन – *Vyamjana.*

Consonant (33). Delicious food items, symbolic marks on the body or any matter.

अव्यक्त शब्दादि (आधी मात्रा वाले अक्षर) के समूह या वचन को व्यंजन कहते हैं, क्, ख्, ग् आदि अक्षर। इन व्यंजनों को स्वर के साथ संयुक्त करने पर ही इनका उच्चारण होता है। जैसे–क, ख, ग आदि। प्रचलन में 'क' से लेकर 'ह' तक 33 अक्षरों की व्यंजन संज्ञा है। मिष्ठान्न आदि स्वादिष्ट भोज्य पदार्थ भी व्यंजन कहलाते हैं। द्रव्य के लक्षण या चिन्ह को भी व्यंजन कहते हैं।

व्यंजन निमित्तज्ञान – *Vyamjana Nimittajñāna.*

A science of omen (a type of indicating knowlege reg. mole etc.special mark on the body).

अष्टांग निमित्तज्ञान का एक भेद; सिर, मुख आदि में रहने वाले तिल आदि व्यंजन कहलाते हैं। इनसे लाभ–अलाभ आदि को जान लेना व्यंजन निमित्त ज्ञान है।

व्यंजन पर्याय – *Vyamjana Paryāya.*

Physical form of beings.

जो स्थूल है, शब्द के द्वारा कही जा सकती है और चिरस्थायी है उसे व्यंजन पर्याय कहते हैं। जैसे–जीव की सिद्ध या मनुष्य आदि पर्याय।

व्यंजन शुद्धि – *Vyamjana Śuddhi.*

Right & exact pronunciation of religious hymns, mystic syllables (*mantras*) etc.

सूत्रों को दोष रहित पढ़ना व्यंजन शुद्धि है।

व्यंजन संक्रांति – *Vyamjana Samkrāmti.*

Word shifting or change in the verbal expression (reg. change in pure meditation).

प्रथम शुक्ल ध्यान में एक श्रुत वचन को छोड़कर दूसरे वचन का आलम्बन लेना।

व्यंजनावग्रह – *Vyamjanāvagraha.*

Knowing of ambiguous or indistinct matters.

अवग्रह के दो भेदों में एक भेद, अस्पष्ट पदार्थ–शब्दादि को जानना, जिससे निश्चय न हो सके क्या था।

व्यंतर – *Vyamtara.*

Peripatetic deities (i.e. *Bhoot, Pishach* etc.).

चार प्रकार के देवों में एक भेद; इनके भवन अधोलोक में तथा भवनपुर और आवास मध्यलोक के द्वीप, सागरों में है।

व्यंतरदेव – *Vyamtaradeva.*

Peripatetic deities (*Bhoot, Pishach* etc.).

किन्नर, किम्पुरुष, महोरग, गंधर्व, यक्ष, राक्षस, भूत और पिशाच ये 8 प्रकार के व्यंतर देव कहलाते हैं। ये वैक्रियिक शरीर के धारी होते हैं एवं इनके असंख्य भवनों में जिनमंदिर होते हैं।

व्यंतर लोक – *Vyamtara Loka.*

The world of peripatetic deities.

चित्रा और वज्रा पृथिवी की मध्यसंधि से लगाकर मेरु पर्वत की ऊंचाई तक तथा तिर्यक् लोक के विस्तार प्रमाण लम्बे–चौड़े क्षेत्र को व्यंतर लोक कहते हैं जहाँ व्यंतरदेवों के भवन, भवनपुर और आवास होते हैं।

व्यकलन – *Vyakalana*

Subtraction, Deduction.

घटाना।

व्यक्त – *Vyakta.*

Expressed, Exposed, Revealed. Manifested.

प्रगट।

व्यक्तनिर्वृत्यक्षर – *Vyaktanirvṛttyakṣara.*

Power of pronouncing words possessed by five sensed beings.

निर्वृत्यक्षर के दो भेदों में एक भेद, यह संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक जीवों के होता है।

व्यक्तराग – *Vyaktarāga.*

Expressible attachment.

जो राग प्रगट रूप में रहता है।

व्यक्ति – *Vyakti.*

Person, One that can be described or expressed.

मनुष्य, जो व्यक्त होता है उसे व्यक्ति कहते हैं (अपरनाम–अभिव्यक्ति)।

व्यग्रता विनिवृत्ति – *Vyagratā Vinivṛtti.*

To engross into deep meditation (to give up the agitated state of the mind).

ध्यान, चित्त की व्याकुलता का त्याग करना।

व्यजन – *Vyajana.*

Fan

पंखा।

व्यतिक्रम – *Vyatikrama.*

Transgression. Crossing the barriers of vows with passional longings.

उल्लंघन, अतिक्रमण। शील व्रतों का उल्लंघन या विषयों की अभिलाषा करना व्यतिक्रम कहलाता है।

व्यतिरेक – *Vyatireka.*

Distinction, Reaching beyond, a type separateness.

भेद, अंतर, वैषम्य या असमानता।

व्यतिरेक दृष्टांत – *Vyatireka Dṛṣṭāmta.*

An illustration pertaining to absence of goal showing absence of means (i.e. absence of fire shows absence of smoke).

दृष्टांत के दो भेदों में एक भेद; जहां साध्य के अभाव में साधन का अभाव बताया जाता है। जैसे–जहां धूम नहीं है वहां अग्नि नहीं है, जैसे तालाब।

व्यभिचार – *Vyabhicāra.*

Immoral character, adultry, Transgression, Violation.

कुशील पाप से संबंधित चरित्रहीनता, अतिक्रमण, असंगति,

असत् को सत् रूप से ग्रहण करना व्यभिचार है।

व्यय – *Vyaya*
Destruction, Expenditure
द्रव्य की पूर्व पर्याय का नाश, धन खर्च करना।

व्यर्थ संभाषण – *Vyartha Sambhāṣaṇa.*
Garrulity, Gossipping, Idle talk, Chattering
निरर्थक निष्प्रयोजन बोलना।

व्यवच्छेद – *Vyavaccheda*
Analysis, Solution
निराकरण या निवृत्ति करना व्यवच्छेद है।

व्यवस्था – *Vyavasthā*
Arrangement, Organization, Certainity
स्थिरता, निश्चितता, किसी विषय में स्थिति को व्यवस्था कहते हैं।

व्यवहार अनशन – *Vyavahāra Anaśana.*
Renunciation of paticular four kinds of food.
चार प्रकार के आहारों का त्याग करना।

व्यवहार अनुप्रेक्षा – *Vyavahāra Anuprekṣā.*
Reflection pertaining to worldly affairs.
संसार, शरीर, भोग के बारे में बार-बार चिंतन करना।

व्यवहार अमूढ़दृष्टि – *Vyavahāra Amūṛhadṛṣṭi.*
One with common sense & right faith.
कुदृष्टियों के द्वारा बनाये हुए विस्मय उत्पन्न करने वाले रसायनादिक शास्त्रों को देखकर या सुनकर जो मूढ़भाव से धर्मबुद्धि करके उसमें प्रीति तथा भक्ति नहीं करता है उसको व्यवहार अमूढ़दृष्टि कहते हैं।

व्यवहार अहिंसा – *Vyavahāra Ahiṁsā.*
Working with carefulness
द्रव्य अहिंसा, सावधानीपूर्वक क्रिया करना।

व्यवहार आलोचना – *Vyavahāra Ālocanā.*
Accepting own faults before saints.
गुरु के समक्ष 10 दोषों को टालकर अपने प्रमाद का निवेदन करना व्यवहार आलोचना है।

व्यवहार उपगूहन – *Vyavahāra Upagūhana.*
Rectifying one's fault in disguised manner
अज्ञानी तथा असमर्थजनों के द्वारा उत्पन्न दोषों को गुप्त रखकर दूर करना।

व्यवहार उपयोग – *Vyavahāra Upayoga.*
Meritorious volitions causing auspiciousness.
शुभोपयोग–जीव के शुभ परिणाम जो पुण्यास्रव के कारण हैं।

व्यवहार कर्त्ताकर्म – *Vyavahāra Kartākarma.*
Behavioural relationship between doer and the done.
एक को दूसरे का कर्ता कहना या निमित्त नैमित्तिक संबंध।

व्यवहार कारण – *Vyavahāra Kāraṇa.*
Any causing or associating factor.
निमित्त या सहकारी कारण।

व्यवहार काल – *Vyavahāra Kala.*
Universal time units.
निश्चय काल द्रव्य की पर्यायें; समय, पल, घड़ी, घंटा, मिनिट आदि।

व्यवहार क्षमा – *Vyavahāra Kṣamā.*
Forgiveness for tranquility in behaviour
क्रोध के उत्पन्न होने के साक्षात् बाहरी कारण मिलने पर भी जो थोड़ा भी क्रोध नहीं करता है उसको वह व्यवहार क्षमा है।

व्यवहार गणित – *Vyavahāra Gaṇita*
Name of a mathematical composition written by a mathematician, Rajaditya
कन्नड़ गणितज्ञ राजादित्य (ई. 1120) द्वारा रचित एक ग्रंथ।

व्यवहार गुप्ति – *Vyavahāra Gupti.*
To restrict ownself from all sinful activities (pertaining to mind, speech & body).
मन, वचन व काय की सावद्य क्रियाओं से रोकना।

व्यवहार ज्ञान – *Vyavahāra Jñāna.*
Practical knowledge
विकल्परूप ज्ञान।

व्यवहार ज्ञानाचार – *Vyavahāra Jñānācāra.*
Behavioural acquisition of complete right knowledge.
सम्यग्ज्ञान के 8 अंगों सहित ज्ञान की आराधना करना।

व्यवहार चारित्र – *Vyavahāra Cāritra.*
Behavioural observance of right conduct.
जैन साधु-साध्वियों द्वारा 5 महाव्रत, 5 समिति, 3 गुप्ति का पालन करना व्यवहार चारित्र (अपरनाम–सराग चारित्र) है। श्रावकों द्वारा 11 प्रतिमाओं का पालन करना एकदेश व्यवहार चारित्र है।

व्यवहार तप – *Vyavahāra Tapa.*
Conventional austerity by physical mortification
शांतिपूर्वक दुख सहन करना या शक्ति को न छिपाकर मोक्षमार्ग के अनुकूल शरीर को क्लेश देना (अर्थात् 12 प्रकार का तपश्चरणात्मक परिणमन करना)।

व्यवहारत्व (गुण) – *Vyavahāratva (Guṇa).*
A virtue of *Acharya*, knowing about all 5 kinds of penitences thoroughly.
आचार्यों का एक गुण; पाँच प्रकार के प्रायश्चितों को उनके स्वरूप सहित सविस्तार जानना। जिन्होंने अन्य आचार्यों को प्रायश्चित देते हुए देखा है और स्वयं भी जिन्होंने दिया है ऐसे आचार्य को व्यवहारवान् आचार्य कहते हैं।

व्यवहार दर्शनाचार – *Vyavahāra Darśanācāra.*
Behavioural acquisition of complete right perception.
सम्यक्त्व के 8 गुणों सहित सम्यग्दर्शन की आराधना करना।

व्यवहार धर्म – *Vyavahāra Dharma.*
Auspicious behavioural conducts (worship, charity etc.)
शुभोपयोग; अशुभ कार्य से निवृत्त होना और दान, पूजा आदि

शुभ कार्यों में प्रवृत्ति करना ।

व्यवहार धर्मध्यान – *Vyavahāra Dharmadhyāna.*
A type of religious observances (cogitational meditation on worldly troubles etc.).
धर्मध्यान का एक भेद; धर्मध्यान के आज्ञा विचय, अपाय विचय आदि सब भेद व्यवहार धर्मध्यान हैं ।

व्यवहार नय – *Vyavahāra Naya.*
A viewpoint pertaining to the distinction of different matters
संग्रह नय के द्वारा ग्रहण किये गये पदार्थों का विधिपूर्वक भेद करना ।

व्यवहार पंडितमरण – *Vyavahāra Paṇḍitamaraṇa.*
An auspicious death of a learned one.
पंडित मरण के 4 भेदों में एक भेद, जो लोक, वेद, समय इनके व्यवहार में निपुण हैं उनका मरण ।

व्यवहार पल्य – *Vyavahāra Palya.*
A term used in Jainalogy for a very large ditch
व्यवहारपल्योपम काल का परिमाण बताने के लिए बनाया गया एक योजन प्रमाण लम्बा और इतना ही चौड़ा तथा गहरा गर्त । इसमें एक से 7 दिन तक के जन्मे भेड़ के ऐसे बाल जिनका दूसरा टुकड़ा न हो सके, कूट-कूट के भर दिये जाते हैं ।

व्यवहार पल्योपम – *Vyavahāra Palyopama.*
A term used in Jainalogy for a very large mathematical calculation reg. time.
45 अंक प्रमाण रोमों से भरे कुण्ड में से 100 वर्ष बाद एक-एक रोम निकालने पर जितने काल में वे सब रोम समाप्त हो जायें उतने काल को व्यवहार पल्य का काल कहते हैं ।

व्यवहार प्रत्याख्यान – *Vyavahāra Pratyākhyāna.*
A particular type of renunciation reg. act of food taking of saints.
मुनि आहार करके फिर योग्य काल पर्यंत अन्न, पान, खाद्य और लेह्य 4 प्रकार के आहार का त्याग करते हैं यह व्यवहार प्रत्याख्यान है ।

व्यवहार प्रभावना – *Vyavahāra Prabhāvanā.*
Spreading the Jaina preachings universally.
अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके जिनशासन के प्रभाव को प्रगट करना ।

व्यवहार प्राण – *Vyavahāra Prāṇa.*
Particular 10 vitalities (mind, speech, body, 5 senses, age & breathing power).
5 इन्द्रिय, मन-वचन-काय बल, आयु व श्वासोच्छ्वास ये 10 व्यवहार प्राण हैं । जो यथायोग्य एकेन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक जीवों में पाये जाते हैं ।

व्यवहार प्रायश्चित्त – *Vyavahāra Prāyaścitta.*
A type of penitential retreat related to the faults (carelessness, vanity, proud etc.)
गुरु की साक्षीपूर्वक प्रमाद जन्य दोषों की शुद्धि करना ।

व्यवहार प्रोषधोपवास –
Vyavahāra Prosadhopavāsa.
Fasting at special occasion.
पर्व के दिन में जो उपवास किया जाता है अर्थात् चतुर्विध आहार का त्याग करना ।

व्यवहार बालमरण – *Vyavahāra Bālamaraṇa.*
Death of ignorant one not having right knowledge.
लोक व्यवहार, वेद का ज्ञान, शास्त्रज्ञान जिसको नहीं है उसका मरण ।

व्यवहार ब्रह्मचर्य – *Vyavahāra Brahmacarya.*
No fascination or lust towards the beauty of woman.
स्त्रियों के सुंदर अंगों को देखकर उनमें रागरूप परिणाम नहीं करना ।

व्यवहार भक्ति – *Vyavahāra Bhakti.*
Devotional right worshipping.
सराग सम्यग्दृष्टि के पंचपरमेष्ठी की आराधनारूप सम्यक् भक्ति।

व्यवहार भोक्ता-भोग्यभाव –
Vyavahāra Bhoktā-Bhogyabhāva.
Enjoyment of different objects caused by the results of auspicious & inauspicious *Karmas*.
शुभाशुभ कर्मों से उत्पन्न इष्टानिष्ट विषयों का भोक्तापना होना ।

व्यवहार मोक्षमार्ग – *Vyavahāra Mokṣamārga.*
Pursuance of the path of salvation
भेद रत्नत्रय; सप्त तत्त्व, नव पदार्थों, षट् द्रव्यों का श्रद्धान करना, आगमज्ञान और 28 मूलगुण आदि रूप चारित्र पालन करना, यह व्यवहार रत्नत्रय है ।

व्यवहार रत्नत्रय – *Vyavahāra Ratnatraya.*
See - *Vyavahāra Mokṣamārga.*
भेद रत्नत्रय या शुभोपयोग। देखें – व्यवहार मोक्षमार्ग ।

व्यवहार वात्सल्य – *Vyavahāra Vātsalya.*
Affection towards virtuous persons
साधर्मी एवं गुणी जनों पर गाय-बछड़े के समान प्रीति करना।

व्यवहार विनय – *Vyavahāra Vinaya.*
Politeness towards the great persons (saints etc.).
रत्नत्रय को धारण करने वाले पुरुषों के प्रति नम्रवृत्ति या भक्ति के परिणाम रखना ।

व्यवहार वीर्याचार – *Vyavahāra Vīryācāra.*
Observing the conduct of saints by showing own bearance power
अपनी शक्ति प्रकट कर मुनिव्रत का आचरण करना व्यवहार वीर्याचार है ।

व्यवहार श्रुतकेवली – *Vyavahāra Śrutakevalī.*
The saints possessing complete scriptural knowledge (*Dvadashang Shrutgyan*).
द्वादशांग श्रुतज्ञान को धारण करने वाले महर्षि या सम्पूर्ण श्रुतज्ञान

के द्वारा जो सम्पूर्ण पदार्थों को जानता है।

व्यवहार संयम – *Vyavahāra Saṃyama.*
Observing restrainable conducts.
द्रव्य संयम, व्रत, समिति, गुप्ति आदि का पालन करना। अथवा 13 प्रकार के चारित्र में प्रयत्न करना।

व्यवहार सत्य – *Vyavahāra Satya.*
A type of truth with incomplete meaning.
नैगम आदि नय की अपेक्षा से कहा हुआ वचन। जैसे - भात की तैयारी हो रही है तो भी कहना कि भात बन रहा है।

व्यवहार समिति – *Vyavahāra Samiti.*
Observing of the routine activities according to the prescribed instructions in scriptures.
गमन आदि कार्यों में जैसी प्रवृत्ति आगम में कही है वैसी प्रवृत्ति करना।

व्यवहार सम्यग्दर्शन – *Vyavahāra Samyagdarśana.*
Devotional reverence for the Lord, scriptures and *Acharyas* (spiritual teachers).
जीवादि सात तत्त्वों का या सच्चे देव शास्त्र गुरु का श्रद्धान।

व्यवहार सागर – *Vyavahāra Sāgara.*
A very large unit of time measurement.
10 कोड़ाकोड़ी व्यवहार पल्य का काल।

व्यवहार साधु – *Vyavahāra Sādhu.*
Saints possessing all basic restraints.
सराग श्रमण, दर्शन विशुद्धि से विशुद्ध तथा मूलगुणों से संयुक्त साधु।

व्यवहार सुख – *Vyavahāra Sukha.*
Sensuous pleasures.
लौकिक या इन्द्रियों से उत्पन्न सुख।

व्यवहार स्तवन – *Vyavahāra Stavana.*
Paying eulogical reverence to Lord Arihant.
अरिहंत या जिनों को नमस्कार हो आदि द्रव्य नमस्कार अथवा गुणों का कथन करना।

व्यवहार स्थितिकरण – *Vyavahāra Sthitikaraṇa.*
Reestablishing the one on the right path of salvation.
सम्यग्दर्शन या चारित्र से डिगते हुए जीव को उसी में स्थिर कर देना।

व्यवहार स्वाध्याय – *Vyavahāra Svādhyāya.*
Devotional study of all great religious books (Jaina scriptures).
चारों अनुयोग के शास्त्रों को पढ़ना, पढ़ाना, स्मरण करना।

व्यवहार हिंसा – *Vyavahāra Hiṃsā.*
Violenceful activities.
द्रव्य हिंसा, प्राणों का व्यपरोपण अर्थात् घात करना।

व्यवहारावलंबी – *Vyavahārāvalambī.*
Saints with their right conducts.
जो सात तत्त्वों का भेद रूप से श्रद्धान, ज्ञान, आचरण करता है अर्थात् विकल्पात्मक भेद रत्नत्रय की साधना करता है वह साधु व्यवहारावलम्बी है।

व्यसन – *Vyasana.*
Wrong or bad addictions.
असत्प्रवृत्तियों या बुरी आदत को व्यसन कहते हैं। ये सात होते हैं-जुआ खेलना, मांस खाना, मद्य पीना, वेश्यागमन, शिकार, चोरी और परस्त्रीरमण।

व्याकरण – *Vyākaraṇa.*
Grammar.
वह शास्त्र जिसमें किसी भाषा के शब्दों, वाक्यों आदि के शुद्ध प्रयोग के नियमों का विवेचन रहता है।

व्याकरण क्रियाकलाप – *Vyākaraṇa Kriyākalāpa.*
Name of a grammar book written by *Pandit* Ashadhar.
पं. आशाधरजी कृत (अमर कोश टीका – व्याकरण) संस्कृत व्याकरण।

व्याकरण जैनेन्द्र – *Vyākaraṇa Jainendra.*
Name of a Sanskrit grammar book written by *Acharya* Pujyapad Devanandi.
आचार्य पूज्यपाद देवनन्दि (ई.श. 5) द्वारा रचित 3000 सूत्र प्रमाण संस्कृत व्याकरण ग्रंथ।

व्याकरण प्राकृत – *Vyākaraṇa Prākṛta.*
Name of the grammar books written by *Acharya* Shrutsagar and by *Acharya* Shubhchandra.
आचार्य श्रुतसागर (ई. 1481-1499) एवं शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) कृत व्याकरण।

व्याकरण शास्त्र – *Vyākaraṇa Śāstra.*
Books having the description of grammatical rules.
व्याकरण के अर्थात् शब्द विग्रह-विश्लेषण संबंधी शास्त्र।

व्याख्या – *Vyākhyā.*
Exposition, Commentary, Interpretation, Explanation.
वर्णन, टीका, भाष्य, स्पष्टीकरण।

व्याख्यान – *Vyākhyāna.*
Speech, Exposition, Lecture.
भाषण, वर्णन, स्पष्टीकरण, उपदेश।

व्याख्यानाचार्य – *Vyākhyānācārya.*
Acharyas who deliver lecture, speech or write commentary on treatises.
टीका, भाष्य या व्याख्यान करने वाले आचार्य।

व्याख्यानाभास – *Vyākhyānābhāsa.*
Speech against right formulae (a fallacy).
सूत्र के प्रतिकूल व्याख्यान।

व्याख्याप्रज्ञप्ति – *Vyākhyāprajñapti.*
A part of *shrutgyan* (scriptural knowledge) containing spiritual super questions & answers.
द्वादशांग श्रुत का 5वां अंग, इसमें दो लाख 28 हजार पदों में

मुनियों के द्वारा विनयपूर्वक पूछे गये प्रश्न और केवली द्वारा दिये गये उत्तरों का विस्तृत वर्णन है।

व्याख्या प्रज्ञप्ति – *Vyākhyā Prajñapti.*

Name of the books written by *Acharya* Amitgati and by *Acharya* Bappadev.
आचार्य अमितगति (ई. 983–1023) द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ, आचार्य बप्पदेव (वि.श. 7) कृत 60,000 श्लोक प्रमाण कर्म विषयक प्राकृत ग्रंथ।

व्याख्यालंकार टीका – *Vyākhyālaṁkāra Ṭīkā.*

Name of a commentary (book) written by *Pandit* Ashadhar
पंडित आशाधर जी कृत एक टीका।

व्याघात – *Vyāghāta.*

Obstacle, Hindrance, Impediment, Destruction
विघ्न, रुकावट, [illegible] कहते हैं।

व्याज – *Vyāja.*

Deceit, Interest (on money).
धोखा, कपट, छल, सूद।

व्यापक – *Vyāpaka.*

Pervaded, Pervasive, extensive, Broad
सर्वत्र फैला हुआ; आकाश, गगन, अवगाहन लक्षण, आधेय, व्यापक, आधार और भूमि ये सब नो आगम द्रव्य क्षेत्र के एकार्थ वाचक नाम हैं।

व्यापकानुपलब्धि अनुमान – *Vyāpakānupalabdhi Anumāna.*

An inference pertaining to knowledge & any matter - complement of each other.
अनुमान का एक भेद; जो जिसके साथ नियम से उपलब्ध होता है, वह उससे भिन्न नहीं होता। इस अनुमान से ज्ञान और पदार्थ का अभेद सिद्ध होता है।

व्यापार – *Vyāpāra.*

Business, occupation, any activity for money
प्रयोग, कार्यपद्धति, प्रयत्न, व्यवसाय, अर्थ (धन) प्राप्त करने की समर्थ क्रिया प्रयोग को व्यापार कहते हैं या दृष्टाभाव से प्रतिपक्षभूत आरम्भ का नाम व्यापार है।

व्याप्ति – *Vyāpti.*

Intimate relationship between the object & its means, Pervasion, Spread through, Diffusion.
साध्य और साधन के अविनाभाव संबंध को व्याप्ति कहते हैं। जैसे – जहां धूम है वहां अग्नि है।

व्याप्तिज्ञान – *Vyāptijñāna.*

Broad knowledge, pervaded knowledge
तर्क; व्याप्ति के ज्ञान को तर्क कहते हैं।

व्याप्य – *Vyāpya.*

Pervaded, Diffused, Spread.
व्यापक, सर्वत्र फैला या भरा हुआ।

व्यामोह – *Vyāmoha.*

Confusion, embarrassment, State of unmindful happiness.
मोह, प्रणयोन्माद, बेचैनी–व्याकुलता, अज्ञान।

व्यावृत्ति – *Vyāvṛtti.*

Negation, absence of one into the other.
पर्याय, विशेष, अपवाद, व्यावृत्ति एकार्थवाची हैं। अथवा विवक्षित पदार्थ में दूसरे पदार्थ के निषेध को व्यावृत्ति कहते हैं।

व्यास – *Vyāsa.*

Diameter, A type of followers of *Vinayvad.*
किसी वृत्त को समान भागों में विभाजित करने वाली रेखा, विस्तरण, विभाजन, चौड़ाई, विनयवादियों के 32 भेदों में से एक।

व्युच्छित्ति – *Vyucchitti.*

Annihilation.
[illegible] व्युच्छित्ति–आगे कर्म बंध का अभाव, उदय व्युच्छित्ति–आगे कर्म के उदय का अभाव, सत्वव्युच्छित्ति–आगे कर्म की सत्ता का अभाव।

व्युच्छेद – *Vyuccheda.*

Lack, Non-existence
अभाव; तीर्थ व्युच्छेद अर्थात् तीर्थ या धर्म का अभाव।

व्युत्सर्ग – *Vyutsarga.*

Renunciation of body attachment or affection.
काय से ममत्व का त्याग करना एवं श्वासोच्छ्वास पूर्वक 9 बार णमोकार मंत्र का जाप्य करना।

व्युत्सर्ग तप – *Vyutsarga Tapa.*

Renunciation of internal & external attachment – an austerity.
बाह्य एवं अंतरंग परिग्रह का त्याग एवं नियत या अनियत काल के लिये शरीर से ममत्व का त्याग व्युत्सर्ग तप या व्युत्सर्ग प्रायश्चित है।

व्युत्सर्ग प्रायश्चित – *Vyutsarga Prāyaścitta.*

See - *Vyutsarga Tapa.*
देखें – व्युत्सर्ग तप। नियत–अनियत काल के लिए शरीर से ममत्व त्याग कर कायोत्सर्ग करना।

व्युपरत क्रिया निवृत्ति – *Vyuparata Kriyā Nivṛtti.*

A kind of supreme meditation.
चौथा शुक्लध्यान; केवली भगवान के द्वारा जब श्वासोच्छ्वासरूप क्रिया का तथा मन वचन काय की क्रिया का निरोध किया जाता है। यह 14वें गुणस्थान में अयोग केवली को होता है। इसका दूसरा नाम समुच्छिन्न क्रिया निवृत्ति भी है।

व्युष्टि क्रिया – *Vyuṣṭi Kriyā*

An auspicious activity to be performed after the one year of the birth of a child.
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में 11वीं क्रिया, यह बालक के जन्म से एक वर्ष बाद की जाती है। इसका दूसरा नाम वर्षवर्धन है।

व्योमचर – *Vyomacara.*

A system of super power (related to sky mov-

ing).
आकाश गमन संबंधी विद्या निकाय।

व्योमशेखर – *Vyomaśekhara.*
Name of a promoter of *Vaisheshik* philosophy.
एक वैशेषिक साहित्य प्रवर्तक।

व्रणमुख – *Vraṇamukha.*
Nine main outlets of the body.
औदारिक शरीर के 9 मल द्वार।

व्रत – *Vrata.*
Vow, Resolution , Aversion from all five sins (i.e. violence, stealing, to lie etc.)
हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह इन 5 पापों से विरक्त होना अथवा संकल्पपूर्वक जो नियम लिया जाता है उसे व्रत कहते है। इसके दो भेद हैं–अणुव्रत और महाव्रत।

व्रत कथाकोष – *Vrata Kathākoṣa.*
Name of a book written by *Acharya* Shrutsagar
आचार्य श्रुतसागर (ई. 1487-1499) कृत कथाकोश, इसके आधार पर ब्र. नेमिदत्त (ई. 1518) ने आराधना कथा कोश की रचना की थी।

व्रतखंडन – *Vrata Khamḍana.*
Breaking of a vow, infringement or violation of a vow.
व्रत का भंग होना।

व्रतचर्या क्रिया – *Vratacaryā Kriyā.*
A type of auspicious activity (reg. vow of celibacy), an act of consecration (reg. study of religious formulae).
गर्भान्वय की 15वीं क्रिया, इसमें ब्रह्मचर्य व्रत के योग्य कमर, जांघ, वक्षस्थल और सिर के चिन्ह धारण किये जाते हैं, दीक्षान्वय की 10वीं क्रिया, इसमें यज्ञोपवीत से युक्त होकर शब्द एवं अर्थ दोनों प्रकार से उपासकाध्ययन के सूत्रों का भली प्रकार अभ्यास किया जाता है।

व्रतप्रतिमा – *Vratapratimā.*
The 2nd model stage of householders out of 11, following 12 particular vows without any sting.
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में दूसरी प्रतिमा, शल्य रहित होकर 12 व्रत (5 अणुव्रत, 3 गुणव्रत और 4 शिक्षा व्रत) धारण करना।

व्रतभंग – *Vratabhamga.*
See - *Vrata Khamdana.*
देखें – व्रतखंडन।

व्रतशुद्धि – *Vrataśuddhi.*
Purity of vows.
आश्रय रहित, आशा रहित, संतोषी, चारित्र में तत्पर ऐसे मुनि अपने शरीर में ममत्व नहीं करते। यह उनकी व्रत शुद्धि है।

व्रताचार – *Vratācāra.*
A customary tradition of carrying a newly born baby to the temple for the first time (after 45 days of birth) along with the acceptance of repentance by the mother for the breaking of religious duties like daily visiting temple etc. during the child birth impurity period.
प्रसूति के 45 दिन पश्चात् माँ को मंदिर में ले जाकर 45 दिन की अवधि में छूटे देवदर्शन, पूजन, स्वाध्याय आदि धार्मिक क्रियाओं हेतु प्रायश्चित दिया जाता है तथा नवजात बालक को णमोकार मंत्र सुनाकर आजन्म मद्य, मांस, मधु एवं पाँच उदम्बर फलों के त्यागरूप अष्टमूलगुण ग्रहण कराये जाते हैं। अंचल प्रांत में यह प्रथा विशेष प्रचलित है।

व्रतावतरण क्रिया – *Vratāvatarana Kriyā.*
An auspicious act, reentering into the worldly routine life after getting complete knowledge from teacher.
दीक्षान्वय की 11वीं क्रिया, इसमें विद्याभ्यास के पश्चात् शिष्य गुरु के समीप विधिपूर्वक पुनः आभूषण आदि ग्रहण करता है, गर्भान्वय की 16वीं क्रिया, विद्या प्राप्त कर शिष्य माता-पिता के पास आता है, पहले लिये नियमों को छोड़कर गृहस्थ में रहता है।

व्रतारोपण – *Vratāropaṇa.*
An auspicious ritual act of procedural Jaina-initiation of one to be performed after one month of initiation.
पुनर्दीक्षा लेने के पश्चात् एक पक्ष या एक माह के अंदर शुभ मुहूर्त में गुरु के द्वारा यह व्रतारोपण क्रिया नवदीक्षित पर की जाती है। जिसमें एक विशेष प्रतिक्रमण पाठ पढ़ा जाता है तथा पूरी दीक्षा विधि के अनुसार ही महाव्रतों के संस्कार होते हैं। दीक्षाविधि के अनुसार व्रतारोपण क्रिया के पश्चात् नवदीक्षित द्वारा एक व्रत भी ग्रहण करने का विधान है। इस विधि के पश्चात् संघ में अन्य साधुओं के साथ नमोस्तु-प्रतिनमोस्तु करना प्रारंभ हो जाता है।

व्रती – *Vratī.*
One engaged in observing vows.
जो 5 अहिंसादि व्रतों से युक्त है। व्रती के अगारी और अनगारी दो भेद है।

व्रीहि – *Vrīhi.*
Seeds for cultivation.
वर्षा के आरम्भ में बोया जाने वाला अनाज, धान्य।

श

श – *Śa.*

The 30th consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का तीसवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान तालु है ।

शं – *Śam.*

Bliss, Benediction, Equanimity.
सुख, कल्याण, समता ।

शंकर – *Śaṁkara.*

Supreme one causing bliss, One of the 1008 names of 'Lord Rishabhdev', It is also the name of 'Mahadev' in *Vedic* tradition.
सुख को करने वाले शंकर कहलाते हैं। भगवान ऋषभदेव के 1008 नामों में से एक नाम एवं वैदिक परम्परा में महादेव को भी शंकर कहा गया है ।

शंका – *Śaṁkā.*

Doubt, suspicion, An infraction of right perception.
संदेह, सम्यग्दर्शन का एक अतिचार, सर्वज्ञ प्रणीत तत्त्वों में शंका या संदेह करना ।

शंका राहित्य – *Śaṁkā Rāhitya.*

Freeness from all doubts, Trustworthy state.
निःशंकता, आप्त, जो शंका अर्थात् सकल मोह राग द्वेषादिक से रहित है ।

शंख – *Śaṁkha.*

Conch, Name of a mountain in *Lavan* ocean, One of the dominions of *Chakravarti* (emperor), Name of a summit of *Ashivish Vakshar* (mountain) and its protecting deity.
दो इन्द्रिय (स्पर्शन, रसना) समुद्रीय जीव, लवण समुद्र में स्थित एक पर्वत, चक्रवर्ती की एक निधि, आशीविष वक्षार का एक कूट व उसका रक्षक देव ।

शंख परिणाम – *Śaṁkha Pariṇāma.*

One of the 88 planets (the 17th).
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 17 वां ग्रह ।

शंख रत्न – *Śaṁkha Ratna.*

Name of a summit situated at *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वतस्थ एक कूट ।

शंखवर – *Śaṁkhavara.*

The 12th island and ocean of middle universe.
मध्यलोक में स्थित 12 वां द्वीप व समुद्र ।

शंखवर्ण – *Śaṁkhavarṇa.*

One of the 88 planets (the 58th).
ज्योतिष के 88 ग्रहों में 58 वां ग्रह ।

शंखा – *Śaṁkhā.*

One of the 32 countries of *Videh kshetra* ... on) situated at the southern bank of *Sita* river.
विदेह के 32 देशों में सीता नदी के दक्षिण तट का 5 वां देश।

शंखाकार आकृति – *Śaṁkhākāra Ākṛti.*

Conch like figure
शंख के समान आकृति ।

शंखावर्त योनि – *Śaṁkhāvarta Yoni.*

Vagina having the conch like circles in it.
योनि के 3 भेदों में पहला भेद। जिसके भीतर शंख के समान चक्कर पड़े हों, इस योनि में नियम से गर्भ नहीं रहता ।

शंबरदेव – *Śaṁbaradeva.*

Name of the brother of Lord Parshvanath of past-birth.
भगवान पार्श्वनाथ का पूर्व भव का भाई (कमठ) एक ज्योतिष देव; भगवान पार्श्वनाथ के तपस्या काल में शंबर देव द्वारा 7 दिन तक घनघोर उपसर्ग किया गया। अंत में भगवान ने केवलज्ञान प्राप्त किया और शंबर देव ने भी 10 भवों से चले आये वैर परिणामों का त्याग करके सम्यक्त्व ग्रहण किया ।

शक – *Śaka.*

Doubt, suspicion, Name of an ancient dynasty, Name of the era of Shak or Shalivahan (began after A.D. 78).
संदेह, एक प्राचीन जाति जिसने ईसा से 200 वर्ष पूर्व भारत पर आक्रमण किया था, शालिवाहन राजा का चलाया हुआ संवत् जो ई. स. से 78 वर्ष बाद आरंभ हुआ था ।

शकट – *Śakaṭa.*

A cart, a bullock cart.
भार ढोने वाली गाड़ी (बैलगाड़ी), जिनकी धुर गाड़ी की नाभि और महाचक्र लोहे से बंधे होते हैं ।

शक संवत् – *Śaka Saṁvat.*

Name of an era begun after 605 years of *Vir Nirvan.*
वीर निर्वाण के 605 वर्ष एवं विक्रम संवत के 135 वर्ष पश्चात् पुष्यवंशी गौतमी पुत्र राजा सातकर्णी शालिवाहन (वी.नि. 605) ने इसे प्रचलित किया था ।

शक्कर – *Śakkara.*

Sugar made from sugarcane.
6 रसों में एक रस, चीनी, खांड शुभ प्रकृतियों की अनुभाग शक्ति के 4 दृष्टांत गुड़, खांड, शक्कर और अमृत तुल्य में एक उदाहरण ।

शक्ति – *Śakti.*

Vitality, Power, Potency, A virtue of donor.
बल, योग्यता, ऊर्जा, सामर्थ्य, एक दैविक विद्या, दाता का एक विशेष गुण अर्थात् दान देने में प्रमाद नहीं करना ।

शक्तितः अनशन – *Śaktitaḥ Anaśana.*

Fasting according to physical strength.
शक्ति के अनुसार अनशन अर्थात् उपवास करना ।

शक्तितस्तप – *Śaktitastapa.*

One of the 16 spiritual reflections related to austerity (the 7th reflection)

16 कारण भावना की 7वीं भावना—विचारक साधुओं के आरोग्य और आत्मस्वरूप में अवस्थान के लिए द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव, बल और वीर्य इन छः बातों का अच्छी तरह पर्यालोचन करके तप आदि करना ।

शक्तितस्त्याग – *Śaktitastyāga.*
Charity according to capability (the 6th spiritual reflection out of 16).
अपनी शक्ति के अनुरूप दान देना शक्तितस्त्याग भावना है। यह 16 कारण भावना की छठी भावना है ।

शक्ति स्थिति – *Śakti Sthiti.*
Overall situation of [illegible]
प्रथम आदि निषेकों की सर्व स्थिति शक्तिस्थिति कहलाती है ।

शक्य पक्ष – *Śakya Pakṣa.*
The purpose which can easily be proved
साध्य, जो प्रत्यक्षादि प्रमाणों से बाधित न होने से सिद्ध किया जा सकता है ।

शक्य प्राप्ति – *Śakya Prāpti.*
Attainment of truth with proofs.
प्रमेयों को जानने के लिए जो प्रमाता के प्रमाण हैं, उन्हीं को शक्यप्राप्ति कहते हैं ।

शक्र – *Śakra.*
Indra (celestial being).
इन्द्र ।

शक्रपुरी – *Śakrapurī.*
Name of a city in the south of *Vijayardh* mountain, Heavenly city of *Indras* .
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, इन्द्रपुरी—इन्द्रों की नगरी (स्वर्ग) ।

शची – *Śacī.*
Chief wife of *Indra.*
इन्द्र की पटरानी अर्थात् मुख्य इन्द्राणी, यह तीर्थंकर बालक के जन्म लेते ही सर्वप्रथम माता के प्रसूति गृह में जाकर जिन बालक का मुखावलोकन कर उसे जन्माभिषेक हेतु सौधर्म इन्द्र को प्रदान करती है ।

शत – *Śata.*
One hundred.
संख्या प्रमाण - 100 ।

शत इन्द्र – *Śata Indra.*
One hundred *Indras.*
100 इन्द्र, भवनवासी देवों के 40, व्यंतर देवों के 32, कल्पवासी देवों के 24 इन्द्र, ज्योतिष देवों के चन्द्र-सूर्य ये 2 इन्द्र, मनुष्यों का इन्द्र चक्रवर्ती तथा तिर्यंचों का इन्द्र सिंह ।

शतक – *Śataka.*
A centuery, Collection of a hundred items , Name of a treatise written on *Karmic* theory.
शताब्दी, एक ही प्रकार की सौ वस्तुओं का संग्रह, एक कर्म सिद्धांत विषयक प्राकृत भाषा की कृति ।

शतधनु – *Śatadhanu.*
The 4th chief disciple of Lord Rishabhdev, The son of Baldev
भगवान ऋषभदेव के चौथे गणधर, बलदेव का एक पुत्र ।

शतपदा – *Śatapadā.*
Name of a female deity of *Ruchak* mountain
रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी ।

शतपर्वा – *Śataparvā*
Name of a super power.
एक विद्या। धरणेंद्र ने यह विद्या नमि-विनमि विद्याधरों को दी थी।

शतभिषा – *Śatabhiṣā.*
Name of a lunar.
एक नक्षत्र। तीर्थंकर वासुपूज्य का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था।

शतमख – *Śatamakha.*
The other name of *Indra.*
इन्द्र का अपरनाम ।

शतमुख – *Śatamukha.*
Name of a demigod of Lord Vasupujya.
भगवान वासुपूज्य का शासन यक्ष । अपरनाम-षण्मुख ।

शतसहस्र – *Śatasahasra.*
One lac (a number unit).
संख्या प्रमाण - 1,00,000 (एक लाख) ।

शतार (देव) – *Śatāra (Deva).*
The deities of the 11th heaven.
कल्पवासी देवों का एक भेद, 11 वें स्वर्ग के देव ।

शत्रुंजय (तीर्थ) – *Śatruṁjaya (Tīrtha).*
Name of a *Digambar* Jaina place of pilgrimage near Bhavnagar, Gujarat, from where three Pandvas-Udhishthir, Bhim & Arjun and 8 crores of *Munis* (*Dravid* Kings) got salvation.
गुजरात प्रांत में स्थित भावनगर से 57 किमी. दूर स्थित एक सिद्धक्षेत्र, कुर्युधर ने पाँचों पाण्डवों पर अग्नि उपसर्ग इसी पर्वत पर किया था, इस पर्वत से युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीन पाण्डव तथा आठ करोड़ द्रविड़ राजा अष्टकर्मों का नाश कर मोक्ष पधारे एवं नकुल सहदेव सर्वार्थसिद्धि विमान में उत्पन्न हुए ।

शत्रु – *Śatru.*
An enemy, an opponent, delusive passions.
वैरी; आत्महितकारी तप, दीक्षा, व्रत आदि ग्रहण करने में बाधक मोहकर्म की भी शत्रु संज्ञा है ।

शत्रुघ्न – *Śatrughna.*
The youngest brother of Ram – the son of Dashrath (king).
दशरथ का पुत्र राम का छोटा भाई। राजा मधु को हराकर मथुरा का राज्य प्राप्त किया, अंत में दीक्षा ग्रहण की ।

शनि – *Śani.*
Saturday, Name of a planet (Saturn), A type of deities of *Jyotirlok*.
एक वार (दिन), एक ग्रह-शनि ग्रह अरिष्ट की शांति हेतु

भगवान मुनिसुव्रतनाथ की उपासना की जाती है। ज्योतिर्लोक के देव, ये आधा पल्य जीते हैं। इनके विमान तप्त स्वर्ण वर्ण के होते हैं ।

शब्द – *Śabda.*

A word having its meaning.

जो अर्थ को कहता है अर्थात जिसके द्वारा अर्थ कहा जाता है वह शब्द है ।

शब्द कोष – *Śabda Koṣa.*

A dictionary

जिसमें शब्दों का भंडारण किया जाता है, आचार्य पूज्यपाद (ई.श.5) कृत शब्दावतार, श्वे. हेमचन्द्रसूरि (ई.1088-1173) कृत सिद्धहेम शब्दानुशासन, अभिधान चिंतामणी कोश, आचार्य अकलंक दि. (ई. 1604) कृत शब्दानुशासन इत्यादि अनेक कोश ।

शब्द गारव – *Śabda Gārava.*

Pride related to clear pronunciation

गारव के तीन भेदों में एक भेद; वर्ण के उच्चारण का गर्व करना शब्द गारव है ।

शब्द चिंतामणि – *Śabda Cintāmaṇi*

Name of a Sanskrit dictionary written by *Acharv* Shubhchandra.

आचार्य शुभचन्द्र (ई.1516-1556) द्वारा रचित संस्कृत शब्दकोष।

शब्दनय – *Śabdanaya.*

A viewpoint related to grammatical uses of words

7 नयों में एक नय। यह नय लिंग, कारक, वचन, काल, उपसर्ग आदि के दोषों को दूर करता है। यह व्याकरण के नियमों के आधीन होता है ।

शब्द प्रमाण – *Śabda Pramāṇa.*

Truthness of the scriptures.

आप्त के उपदेश को शब्द प्रमाण कहते हैं। अपरनाम-आगम प्रमाण ।

शब्द ब्रह्म – *Śabda Brahma.*

Supreme words revealing the truthness of all objects.

समस्त वस्तुओं को प्रकाश करने वाला और स्यात् पद से चिन्हित शब्द ब्रह्म है ।

शब्दभेद – *Śabdabheda.*

Differentiation between words.

व्याकरण के अनुसार शब्दों के प्रकार, शब्दों का भेद होना। जैसे-इन्द्र, शक्र, पुरन्दर ।

शब्दरत्नप्रदीप – *Śabdaratnapradīpa.*

Name of a Sanskrit dictionary compiled by *Acharya* Somsen.

आचार्य सोमसेन (ई. 1599-1610) कृत संस्कृत शब्दकोष।

शब्दलिंगज – *Śabdaliṁgaja.*

A type of *Shrutgyan* (verbal scriptural knowledge)

शब्दजन्य श्रुतज्ञान, अक्षरात्मक श्रुतज्ञान। जो श्रुतज्ञान शब्दों को सुनकर हो ।

शब्दवान् – *Śabdavān.*

Name of a mountain of *Haimvat Kshetra* (region).

हैमवत क्षेत्र के बहुमध्य भाग में स्थित कूट के आकार वाला नाभिगिरि पर्वत ।

शब्दसंक्रमण – *Śabdasaṁkramaṇa.*

Verbal transition which occurs in purest meditation

पृथक्त्व वितर्क वीचार नामक प्रथम शुक्लध्यान के अंतर्गत होने वाला संक्रमण जिसके कारण यह ध्यान सविचार कहा जाता है ।

शब्द समय – *Śabda Samaya.*

The system of philosophy or scripture.

शब्दागम अर्थात् द्रव्यश्रुत शब्दसमय कहलाता है।

शब्दांभोज भास्कर – *Śabdāmbhoja Bhāskara.*

A Sanskrit dictionary with grammatical rules.

व्याकरण संस्कृत शब्दकोश ।

शब्दाद्वैत – *Śabdādvaita.*

A doctrine of monism (non-duality)

एक एकातमत अद्वैतवाद। वेदान्त दर्शन के अनुयायी वेदान्ती मानते हैं कि इस संसार में शब्द रूप ब्रह्म की ही सत्ता है, यह सब वाच्य-वाचक रूप शब्द ब्रह्म का ही विपर्यय (पर्याय) है ।

शब्दानुपात – *Śabdānupāta.*

An infraction-sending one's voice out beyond set limits for any self purpose.

देशव्रत का एक अतिचार; खाँसी आदि शब्द के द्वारा निश्चित की गई मर्यादा से बाहर वाले व्यक्ति को अपना अभिप्राय समझा देना ।

शब्दानुशासन – *Śabdānuśāsana.*

Name of the Sanskrit dictionary compiled by *Shvetamber Acharya* Hemchandrasuri & another one by a saint Battakalank

श्वे. हेमचन्द्रसूरि (ई. 1088-1173) कृत संस्कृत शब्दकोश, भट्टाकलंक द्वारा (ई.1604) रचित संस्कृत शब्दकोश ।

शब्दार्थ – *Śabdārtha.*

Meaning of the word.

शब्द का शाब्दिक या वाच्य अर्थ ।

शब्दावतार – *Śabdāvatāra.*

A Sanskrit dictionary.

एक संस्कृत शब्दकोश ।

शम – *Śama.*

Peace of mind, restraint (of the senses), absence of passions.

शांति, अंतःकरण अथवा बाह्य इंद्रियों का निग्रह, कामक्रोधादि से उत्पन्न संसार-दुःख की दाह को विनाश करने वाला होने से धर्म ही शम है। जैन शासन को शम-दम शासन कहा है ।

शयन – *Śayana.*
Sleeping, resting.
सोना या शयन करना ।

शयन तप – *Śayana Tapa.*
A kind of austerity (related to sleeping posture).
कायक्लेश तप का एक भेद, इसके भी लगड़शय्या, उत्तानशय्या, अवाकशय्या, शवशय्या, एकपार्श्वशय्या, अभ्रावकाशशय्या ये 6 भेद हैं ।

शय्या – *Śayyā.*
Suitable resting place of saints.
भक्तप्रत्याख्यान सल्लेखना के 40 अधिकारों में 25 वां अधिकार, आराधक योग्य वसतिका ।

शय्या परिषह – *Śayyā Parisaha.*
A kind of affliction related to sleeping with hardness.
22 परिषहों में एक परिषह, ध्यान अध्ययन अथवा मार्ग के श्रम से थककर साधु द्वारा कठोर भूमि पर एक करवट बिना कुछ ओढ़े अल्प निद्रा लेना और बाधा को समतापूर्वक सहन करना ।

शर – *Śara.*
An arrow, Name of a king of *Kuru* dynasty.
बाण, तीर, कुरुवंश का एक राजा ।

शरण – *Śaraṇa.*
Shelter, Refuge, Protection.
सहारा, आश्रय, रक्षा। शरण के दो भेद हैं-लौकिक अर्थात् राजा आदि की शरण एवं लोकोत्तर अर्थात् 5 परमेष्ठी या धर्म की शरण ।

शरावती – *Śarāvatī.*
The ancient name of present Shravasti (the birth place of Lord sambhavnath) near district Baharaich (U.P.).
भगवान संभवनाथ की जन्मभूमि श्रावस्ती का अपरनाम, यह उत्तरप्रदेश के बहराइच जिले में है ।

शरीर – *Śarīra.*
Body, it is of five kinds-*Audarik, Vaikriyik, Aharak, Taijas & Karman.*
सप्तधातु से निर्मित देह, यह 5 प्रकार का होता है—औदारिक, वैक्रियिक, आहारक, तैजस और कार्मण ।

शरीर कृशीकरण – *Śarīra Kṛśīkaraṇa.*
An austerity related to mortification of body.
कायक्लेश तप; आचाम्ल, निर्विकृति, उपवास आदि के द्वारा शरीर को कृश करना ।

शरीरत्याग – *Śarīratyāga.*
Renouncement related to the attachment of body.
व्युत्सर्ग तप या व्युत्सर्ग प्रायश्चित्त (कायोत्सर्ग), नियत व अनियत काल के लिए शरीर से ममत्व बुद्धि छोड़ना ।

शरीरत्रिक – *Śarīratrika.*
A triplet related to body
औदारिक, वैक्रियिक, आहारक शरीर ।

शरीर नामकर्म – *Śarīra Nāmakarma.*
Physique making Karmic nature causing formation of complete body.
जिसके उदय से औदारिक आदि शरीर की रचना हो ।

शरीर निर्मलता – *Śarīra Nirmalatā.*
An excellence of the birth of Jaina—Lord (purity of the body)
जिनेन्द्र भगवान के शरीर की अतिशयी निर्मलता—भगवान अरहंत के जन्म के 10 अतिशयों में एक अतिशय ।

शरीर निर्माण क्रम – *Śarīra Nirmāṇa Krama.*
Sequential development of complete body formation.
माता के गर्भ में जीव के अंग-उपांग के संपूर्ण विकास का क्रम, यह प्रायः 9 माह में पूर्ण होता है ।

शरीर पर्याप्ति – *Śarīra Paryāpti.*
Formation of essential elements of body.
पर्याप्ति के छः भेदों में दूसरा भेद, जिन परमाणुओं को खलरूप परिणमाया था उनको हाड़, रस, रुधिर आदि रूप परिणमावने की कारणभूत जीव की शक्ति की पूर्णता को शरीर पर्याप्ति कहते हैं ।

शरीर पर्याप्ति काल – *Śarīra Paryāpti Kāla.*
Period of the formation of respiratory vitality in the body.
शरीर पर्याप्ति पूर्ण होने पर जब तक श्वासोच्छ्वास पर्याप्ति पूर्ण न हो तब तक का काल ।

शरीर प्रमाण जीव – *Śarīra Pramāṇa Jīva.*
Occupancy of soul-points according to the shape of the body
जीव का संकोच विस्तार स्वभाव वाला होने के कारण कर्म के निमित्त से मिले छोटे-बड़े शरीर की अवगाहना का होकर रहना अर्थात् स्वदेहप्रमाण होना ।

शरीर बंध – *Śarīra Bandha.*
Molecular bondage (formation) of 5 types of body.
औदारिक, वैक्रियिक, आहारक, तैजस और कार्मण शरीर बंध का होना शरीर बन्ध है ।

शरीर बकुश – *Śarīra Bakuśa.*
A type of saints possessing some faults related to decoration of the body.
बकुश साधु के दो भेदों में एक भेद; शरीर को साफ सुथरा रखने में जिनका विशेष उपयोग रहता है ।

शरीर वर्गणा – *Śarīra Vargaṇā.*
A type of *Karmic* aggregate.
23 प्रकार की वर्गणाओं में एक वर्गणा ।

शरीर सल्लेखना – *Śarīra Sallekhanā.*
Holy destruction of the body by reducing food taking etc. (an austerity).

बाह्य सल्लेखना या कायक्लेश रूप अनुष्ठान करना अर्थात् भोजन आदि त्याग करके शरीर को कृश करना ।

शरीर संघात – *Śarīra Saṃghāta.*

Karmic association of body.
उदय को प्राप्त जिन कर्म स्कंधों का छिद्र रहित संश्लेष किया जाता है उन पुद्गल स्कंधों की 'शरीरसंघात' यह संज्ञा है ।

शरीरसंघात नामकर्म – *Śarīra Saṃghāta Nāmakarma.*

Physique making *Karmas* causing association of body.
जिसके उदय से औदारिक आदि शरीरों की छिद्र रहित होकर परस्पर प्रदेशों में एकरूपता आती है। यदि शरीर संघात नामकर्म संज्ञा न हो तो तिल के मोदक के समान शरीर अपुष्ट रहेगा ।

शरीर संस्कार – *Śarīra Saṃskāra.*

Decoration of body by using cosmetics etc.
मुख नेत्र और दांतों का धोना, उबटन करना, अंगमर्दन आदि शरीर के संस्कार हैं ।

शरीरी – *Śarīrī.*

Having to do with the body, A living creature.
जीव संसारावस्था में शरीर सहित होने से शरीरी कहलाता है ।

शर्कराप्रभा – *Śarkarāprabhā.*

The 2[nd] land of hell.
नरक की दूसरी पृथिवी, अपरनाम वंशा है। इसकी प्रभा शर्करा के समान है ।

शर्मदा – *Śarmadā.*

Bliss providing one, Benevolent
सुख को देने वाले ।

शलाका कुण्ड – *Śalākā Kuṇḍa.*

A large pit for the large mathematical measurement.
उत्कृष्ट संख्यात प्रमाण जानने के लिए जम्बूद्वीप के प्रमाण 1 लाख योजन लम्बे-चौड़े और एक योजन गहरे शलाका, प्रतिशलाका, महाशलाका, अनवस्थित इन 4 कुंडों में एक कुण्ड ।

शलाका पुरुष – *Śalākā Puruṣa.*

Particular 63 great personages like *Tīrthaṅkar* (Jaina-Lord), *Chakravarti* (emperor) etc. in Jaina realm.
तीर्थंकर, चक्रवर्ती आदि प्रसिद्ध पुरुषों को शलाका पुरुष कहते हैं। प्रत्येक कल्पकाल में ये 63 होते हैं। 24 तीर्थंकर, 12 चक्रवर्ती, 9 नारायण, 9 प्रतिनारायण, 9 बलभद्र ।

शल्य – *Śalya.*

Sting; thorn; something that causes pain to body or mind; anger, pride, illusion, greediness, love, lust, longings for next birth (*Nidan*) & wrong belief are 8 stings in this world.
शल्य का अर्थ पीड़ा देने वाली वस्तु है। अर्थात् शरीर और मन संबंधी पीड़ा का कारण, कर्मोदय जनित विकार या दोष। इसके आठ भेद हैं- क्रोध, मान, माया, लोभ, प्रेम, पिपासा, निदान और मिथ्यात्व ।

शल्य रहित – *Śalya Rahita.*

One without any worries and attachment.
व्रती; जो शल्य रहित होता है ।

शवशय्यासन तप – *Śavaśayyāsana Tapa.*

A kind of austerity, to lie like a corpse.
कायक्लेश तप का एक भेद; शव की तरह निश्चेष्ट सोना ।

शशांक – *Śaśāṃka.*

The Moon.
चंद्रमा ।

शशि – *Śaśi.*

The Moon, A king of *Ikshvaku* dynasty.
चंद्रमा, इक्ष्वाकुवंशी एक राजा जो रवितेज का पुत्र था ।

शहद – *Śahada.*

Honey, which is not edible according to Jaina philosophy.
मधु; एक अभक्ष्य पदार्थ ।

शांत कषाय – *Śāṃta Kaṣāya.*

Subsided passion
उपशांत कषाय ।

शांति – *Śānti.*

Peace, Calmness, Pacification, Tranquility, The 51[st] planet
माध्यस्थ्य, समता, वैराग्य, प्रशम, शांति ये सब एकार्थवाची हैं, 51 वें ग्रह का नाम ।

शांतिकीर्ति – *Śāṃtikīrti.*

The disciple of Meghchandra of *Nandi* group. Name of a Kannad poet, the writer of Shantinath.
नंदिसंघ बलात्कारगण, मेघचन्द्र के शिष्य मेरुकीर्ति के गुरु, समय - ई. 705-720। शांतिनाथ पुराण के रचयिता एक कन्नड़ कवि, समय ई. 1519 ।

शांतिचक्र पूजा – *Śāṃticakra Pūjā*

A worshipping composition composed by *Acharya* Indranandi.
आचार्य इन्द्रनंदि कृत पूजा। आचार्य इन्द्रनंदि आचार्य नेमिचंद्र सिद्धांत चक्रवर्ती के शिक्षा गुरु थे ।

शांतिनाथ – *Śāṃtinātha.*

Name of the 16[th] *Tīrthaṅkar* (Jaina-Lord), the 5[th] *Chakravarti* (emperor).
16वें तीर्थंकर, 5वें चक्रवर्ती। हस्तिनापुर के कुरुवंशी राजा विश्वसेन एवं रानी ऐरावती देवी के पुत्र जिनकी आयु एक लाख वर्ष, ऊंचाई 160 हाथ (40 धनुष) और वर्ण तप्त स्वर्ण के समान था एवं इनका चिन्ह हिरण है ।

शांतिनाथ चारित्र – *Śāṃtinātha Cāritra.*

Name of a book written in Sanskrit language.
संस्कृत भाषा बद्ध एक ग्रंथ ।

शांतिनाथ पुराण – *Śāṃtinātha Purāṇa.*

Many narrative books of this title written by 1)

Poet Asag 2) *Acharya* Shreedhar 3) Sakalkirti 4) Shubhkirti.

कवि असग द्वारा (ई. 988) रचित हिन्दी महाकाव्य, आचार्य श्रीधर (ई. 1132) कृत अपभ्रंश काव्य, सकलकीर्ति (ई 1406-1442) कृत 3475 संस्कृत पद्य प्रमाण ग्रंथ, शुभकीर्ति (ई.श. 15 पूर्वार्ध) कृत अपभ्रंश काव्य ।

शांतिभक्ति – *Śāntibhakti*

A great spiritual hymn written by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद द्वारा संस्कृत में रचित एक भक्ति पाठ, जिसमें 8 शार्दूल विक्रीड़ित छन्द हैं एवं उसके बाद शांतिजिनं.........इत्यादि शांतिपाठ एवं अंचलिका है। इसके विधिवत् अनुष्ठान से खोई हुई नेत्र ज्योति पुनः प्राप्त हो जाती है ।

शांतिसागर – *Śāntisāgara.*

Name of the first great Jain *Acharya* of 20th century, the disciple of *Acharya* Shri Kalyansagar Maharaj

बीसवीं सदी के प्रथम आचार्य आप दक्षिण देश के भोज ग्राम (बेलगुल) के रहने वाले क्षत्रिय वंशीय भीमगौड़ा-सत्यवती के पुत्र थे। आपका जन्म आषाढ़ कृ.6, वि. सं. 1929 को हुआ एवं 9 वर्ष की आयु में विवाह हो गया, परन्तु 6 माह पश्चात् ही आपकी पत्नी का देहांत हो गया। पुनः आपने विवाह न कराया और वि.सं. 1972 में देवेन्द्रकीर्ति मुनि से क्षुल्लक एवं सं. 1976 में उन्हीं से 47 वर्ष की आयु में मुनि दीक्षा ली। वि. सं. 1984 में जब आप सम्मेदशिखर जी पधारे तब आपके संघ में सात मुनि एवं क्षुल्लक व ब्रह्मचारी आदि थे। इस कलिकाल में भी आपने आदर्श रूप में 12 वर्ष की समाधि धारण की एवं वि.सं.2000 (ई. 1943) में यमप्रत्याख्यान व्रत धारण करके 14 अगस्त सन् 1955 में कुंथलगिरि क्षेत्र पर इंगिनी मरण व्रत धारण किया एवं 18 सितम्बर सन् 1955, रविवार, प्रातः 7 बजकर 10 मिनट पर आप इस नश्वर देह को त्याग कर स्वर्ग सिधार गये। आपने 24 अगस्त 1955 को ही अपने सुयोग्य शिष्य वीरसागर जी महाराज को आचार्य पद का भार सौंप दिया था। वर्तमान में चल रही चतुर्विध संघ परम्परा आपके ही कृपाप्रसाद का फल है। वर्तमान में आपकी परम्परा की इसी शृंखला में षष्ठम् पट्टाचार्य आचार्य श्री अभिनंदन सागर जी महाराज हैं ।

शांतिसागर परम्परा – *Śāntisāgara Paramparā*

The tradition of first *Digambar* Jain *Acharya Charitra Chakravarti* Shri Shantisagarji Maharaj of 20th century, the renovator of Jaina asceticism of new age

बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बर जैनाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज ने चूंकि इस युग में मुनिपरम्परा को पुनः जीवंत कर चतुर्विध संघ परम्परा को वृद्धिंगत किया, इसीलिए सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज उन्हें निर्विवाद रूप से प्रथम चारित्र चक्रवर्ती के रूप में पहचानती है तथा उनकी परम्परा को बीसवीं सदी की मूल परम्परा के रूप में माना जाता है। उनके पश्चात् ही अनेक प्रकार की आचार्य परम्परा का भेद पड़ा है (जैसे-अंकलीकर, छाणी इत्यादि)। इस परम्परा के आचार्यों के नाम क्रमशः इस प्रकार हैं-आचार्य शांतिसागर जी, आचार्य वीरसागर जी, आचार्य शिवसागर जी, आचार्य धर्मसागर जी, आचार्य अजितसागर जी, आचार्य श्रेयांससागर जी एवं वर्तमान आचार्य अभिनंदन सागर जी । इस नाम से आचार्यश्री कल्याणसागर महाराज के एक प्रसिद्ध शिष्य (ई.श. 20-21) भी हुए हैं ।

शांत्यष्टक – *Śāntyaṣṭaka.*

A spiritual hymn written by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद (ई.श.5) द्वारा रचित संस्कृत शांतिभक्ति के प्रारंभिक 8 श्लोक ।

शार्ङ्ग – *Śārṅga.*

Name of a bow of Lakshman (a *Narayan*), it is one of his 7 jewels.

नारायण लक्ष्मण के धनुष का नाम, जो 7 रत्नों में एक रत्न था।

शाकटायन न्यास – *Śākaṭāyana Nyāsa.*

Name of a judicial composition written by *Acharya* Prabhachandra.

आचार्य प्रभाचन्द्र (ई. 950-1020) द्वारा संस्कृत भाषा में रचित न्याय विषयक ग्रंथ ।

शाकल्य – *Śākalya.*

A doctrine of ignorance, An ignorant one

अज्ञानवाद के 67 भेदों में एक भेद या एक अज्ञानवादी ।

शाखा – *Śākhā.*

Branch, Division, Section.

किसी भी विषय संबंधी उपभाग ।

शाप – *Śāpa.*

Curse.

क्रोधवश किसी के लिए अनिष्ट वचन कहकर दुराशीष देना। जैन साधु किसी को शाप नहीं देते हैं ।

शामकुंड – *Śāmakuṇḍa.*

Name of a commentator of first 5 parts of 'Shatkhand'.

षट्खण्ड आगम के प्रथम 5 खण्डों पर पद्धति नामक टीका के रचयिता। समय ई.श. 3 का उत्तरार्ध ।

शारीरिक दुःख – *Śārīrika Duḥkha.*

Physical pain.

दुःख के 4 भेदों में एक भेद, रोगादि से उत्पन्न होने वाला शरीर संबंधी दुःख ।

शालवन – *Śālavana.*

The initiation forest of Lord Dharmanath.

तीर्थंकर धर्मनाथ के दीक्षा वन का नाम ।

शालि – *Śāli.*

A special type of rice.

एक विशेष प्रकार का धान्य-चावल ।

शालिसिक्थ मत्स्य – *Śālisiktha Matsya.*

A special type of aquatic being (*Tandul Matsya*)

तन्दुल मत्स्य, इनका शरीर तण्डुल (चावल) के सिक्थ के

प्रमाण होता है एवं स्वयंभूरमण समुद्र में रहने वाले महामत्स्य के कान का मैल खाकर जीवन निर्वाह करते हैं ।

शाल्मली वृक्ष – *Śālmali Vṛkṣa.*

The silk-cotton tree, this kind of natural trees are found in the south of *Sumeru* mountain in each of *Jambudvip, Dhatkikhanddvip* & *Pushkarardhadvip*

सेंमल (रुई) का वृक्ष। अकृत्रिम जम्बूद्वीप रचना के अंदर सुमेरु पर्वत की दक्षिण दिशा में देवकुरु भोगभूमि में स्थित पृथ्वीकायिक एक अकृत्रिम वृक्ष। हस्तिनापुर में निर्मित जम्बूद्वीप रचना के अंदर यह वृक्ष यथास्थान धातु से निर्मित किया गया है, जिस पर एक जिनमंदिर है ।

शाश्वत उपादान – *Śāśvata Upadāna.*

Undestroyable properties of a substance.

द्रव्य के दो अंशों में एक अंश-गुण; जो शाश्वत होने के कारण अपने स्वरूप को त्रिकाल में भी नहीं छोड़ते ।

शाश्वत सुख – *Śāśvata Sukha.*

Supreme or eternal bliss.

अनंत सुख। अर्थात् सूक्ष्म लोभ का नाश होने से जो सूक्ष्म परिणाम शेष रह जाते हैं वह सूक्ष्म चारित्र है वह शाश्वत सुख का स्थान है ।

शासन – *Śāsana.*

Regime, Discipline, Rules

अनुशासन, आज्ञा, जिसके द्वारा समस्त जीवाजीवादिक पदार्थ जाने जाते हैं वह आज्ञा या आगम शासन कहलाता है। वर्तमान में भगवान महावीर का शासनकाल चल रहा है ।

शासन दिवस – *Śāsana Divasa.*

'Veer Shasan Jayanti', celebration of first sermon day of Lord Mahavir.

वीर शासन जयंती अर्थात् श्रावण कृष्ण प्रतिपदा का दिन, जब विपुलाचल पर्वत (राजगृही) पर केवलज्ञान होने के 66 दिन बाद प्रथम बार भगवान महावीर की दिव्य ध्वनि खिरी थी ।

शासन देव – *Śāsana Deva.*

Ruling deities of 24 *Tirthankars.*

चौबीस तीर्थंकर भगवन्तों के चौबीस शासन देव। तिलोयपण्णत्ति के अनुसार ये सभी शासन देव संबंधित तीर्थंकरों के समवसरण में रहते हैं अतः ये सम्यग्दृष्टि होते हैं। आचार्य पूज्यपाद स्वामी ने इनके लिए अर्घ्य बनाए हैं एवं अनेक प्राचीन ग्रंथों में इनके अर्घ्य के प्रमाण हैं ।

शास्त्र – *Śāstra.*

Scriptures, Religious treatises.

आगम ग्रंथ, जो परम्परा से सर्वज्ञ वीतराग आप्त का कहा हो एवं प्रत्यक्ष व परोक्ष प्रमाण से बाधा रहित हो ।

शास्त्रज्ञान – *Śāstrajñāna.*

Scriptural knowledge.

आगम ज्ञान ।

शास्त्र तात्पर्य – *Śāstra Tātparya.*

Scriptural meanings.

सूत्र के दो भेदों में एक भेद; परमार्थ से साक्षात् मोक्ष के कारणभूत वीतरागपना या भेद ज्ञान ही शास्त्र तात्पर्य है ।

शास्त्रदान – *Śāstradāna.*

A type of donation-providing scriptures or scriptural knowledge.

दान का एक भेद (ज्ञान दान) – साधुओं का उपकार करने की इच्छा से शास्त्र का व्याख्यान करना या पठन सामग्री देना ।

शास्त्र पठन – *Śāstra Paṭhana.*

The study of scriptures and thinking over it.

स्वाध्याय या आगम शास्त्रों का अध्ययन करना ।

शास्त्रसार समुच्चय – *Śāstrasāra Samuccaya.*

Name of a book written by Maghnandi Yogindra.

माघनंदि योगीन्द्र (ई. श. 12 अनुमानतः) कृत 196 संस्कृत सूत्र प्रमाण सिद्धांत ग्रंथ ।

शास्त्राध्ययन – *Śāstrādhyayana.*

Study of the scriptures and thinking over it.

जिनागम का अभ्यास, पठन-पाठन करना ।

शास्त्रार्थ – *Śāstrārtha*

Religious interpretation or a doctrinal debate

वाद, धर्म प्रभावना के अर्थ में किया जाने वाला वाद ।

शिकार – *Śikāra*

Hunting, one of the 7 evil habits.

7 व्यसनों में एक व्यसन, आखेट, जंगल के निरपराधी पशुओं को मारना ।

शिक्षक – *Śikṣaka.*

Teacher, Religious preceptor-saints.

गुरु, श्रुताभ्यास कराने वाले मुनि ।

शिक्षा – *Śikṣā.*

Learning, education, Better discrimination, Rationality.

हिताहित का विवेक। शास्त्राध्ययन करना, यह शिक्षा शब्द का अर्थ है ।

शिक्षाकाल – *Śikṣākāla.*

Time period of progressive or higher learning after the initiation of one.

दीक्षा के अनन्तर परमात्म तत्त्व के परिज्ञान के लिए उसके प्रतिपादक शास्त्र की जब शिक्षा ग्रहण की जाती है, वह शिक्षाकाल कहलाता है ।

शिक्षागुरु – *Śikṣāguru.*

Teacher, Spiritual teacher, religious preceptor–saints.

व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु – इन्हें विद्यागुरु भी कहते हैं। आगम ग्रंथों का अध्ययन कराने वाले। निर्यापकाचार्य जो संयम (देश या सकल) के छेद की शुद्धि के लिए प्रायश्चित्त देकर संवेग व वैराग्य जनक परमागम के वचनों द्वारा साधु का संवरण करते हैं। उन्हें ही शिक्षागुरु या श्रुतगुरु भी कहते हैं ।

शिक्षाव्रत – *Śikṣāvrata.*

Vows pertaining to religious instructions.

मुनिधर्म के अभ्यास में हेतु रूप श्रावकों के 4 व्रत- भोगोपभोग परिमाण, सामायिक, प्रोषधोपवास, अतिथिसंविभाग ।

शिखंडी – *Śikhaṁḍī.*

Peacock, Lock of unshaved hair. Name of a son of Drupad

मयूर, बालों की चोटी, द्रुपद राजा का पुत्र—इसके बाणों से ताड़ित होकर भीष्म पितामह ने सन्यास धारण किया था ।

शिखरनी – *Śikharaṇī.*

A sweet dish *(Shrikhand)* prepared with curd and suger etc.

विशेष विधिपूर्वक दही में शक्कर, केशर, इलाइची आदि डालने से बना श्रीखंड ।

शिखरी – *Śikharī.*

Having to do with summit or a peak. Name of a mountain of *Jambudvip* (island)

जिसके शिखर अर्थात् कूट हो उसकी शिखरी संज्ञा है, जम्बूद्वीप का छठा कुलाचल, यह पर्वत हेममय है ।

शिखरी (कूट) – *Śikharī (Kūṭa).*

A summit situated at the *Shikhari* mountain

शिखरी पर्वतस्थ एक कूट ।

शिखा – *Śikhā.*

Peak, Summit. Crest.

चोटी ।

शिखिकंठ – *Śikhikaṁṭha.*

Name of the 6th predestined *Pratinarayan.*

आगामी छठा प्रतिनारायण ।

शिथिल – *Śithila.*

Slack. Relaxed, Loosened, Inactive one.

ढीला, सुस्त, द्रव्यलिंगी साधु, आहारादि सुखों में तल्लीन होकर जो मुनि रत्नत्रय में अपनी प्रवृत्ति शिथिल या ढीली करता है ।

शिथिल श्रद्धानी – *Śithila Śraddhānī.*

Inert one in pursuance of reverential right faith.

वेदक या क्षयोपशम सम्यग्दृष्टि; चल, मलिन और अगाढ़ दोष के कारण तत्त्वार्थ श्रद्धान में जो शिथिलग्राही होता है (वृद्ध की लाठी की तरह) ।

शिथिलाचारी – *Śithilācārī.*

One inactive in observing proper conduct

अपने योग्य आचरण में शिथिल श्रावक या साधु ।

शिरः कंप – *Śiraḥ Kaṁpa.*

A type of time unit, also called *Shrikalp.*

काल का प्रमाण विशेष। अपरनाम श्रीकल्प ।

शिरा – *Śirā.*

Blood-veins or vessels.

शरीर की नलिकाकार वाहिनी, धमनी, नाड़ी आदि ।

शिरोनति – *Śironati.*

A courteous posture — bowing head with folded & joined hands in reverence.

कृतिकर्म का एक अंग, दोनों हाथ जोड़कर मस्तक झुका कर उसमें जोड़े हुए हाथ लगाकर नमीभूत होना ।

शिला – *Śilā.*

The third land of hell, A rock, a cliff

नरक की तृतीय पृथिवी, पाषाण, पत्थर, चट्टान ।

शिलान्यास विधि – *Śilānyāsa Vidhi.*

Auspicious activity of the laying down of the foundation stone

मंदिर, मकान आदि को बनाने के प्रारंभ में नींव के अन्दर मंत्रपूर्वक की जाने वाली एक धार्मिक विधि। इसमें भूमि शोधन, पंचकुमार पूजन आदि के साथ-साथ पंचकलश, रजत स्वस्तिक, नवरत्न, सोना-चाँदी की ईंट तथा धूप दीपक आदि स्थापित करके नींव में एक मंत्रित शिला (गुड़ और नमक से सहित) स्थापित की जाती है ।

शिलारेखा – *Śilārekhā.*

Stone line-an illustrative sign of extreme anger.

अनन्तानुबन्धी क्रोध की शक्ति का दृष्टांत ।

शिल्पकर्म – *Śilpakarma.*

Handicraft, Architecture, Having to do with craft.

भगवान ऋषभदेव द्वारा बताये गये षट् कर्मों में एक, हस्त कौशल से आजीविकोपार्जन करना ।

शिल्पकर्मार्य – *Śilpakarmārya.*

A type of *Aryas* having professional job according to caste.

सावद्य कर्मार्य के 6 भेदों में एक भेद; धोबी, नाई, लुहार, कुम्हार, सुनार आदि शिल्प कर्मार्य हैं ।

शिव – *Śiva.*

Name of the 13th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of past time, Name of a door of *Samavsharan* (assembly of Lord).

भूतकालीन तेरहवें तीर्थंकर, समवशरण के तीसरे कोट के दक्षिण द्वार का एक नाम ।

शिवकुमार बेला व्रत – *Śivakumāra Belā Vrata.*

A particular type of vow (fasting).

7-8 व 13-14 तिथि का बेला तथा 9-15 का पारणा। इस प्रकार प्रतिमास 4 बेला व 4 पारणा एवं नमस्कार मंत्र का त्रिकाल जाप्य करना ।

शिवकोटि – *Śivakoṭi.*

Name of an *Acharya*, the writer of Bhagvati Aradhana.

समन्तभद्र आचार्य के उत्तरवर्ती आचार्य, भगवती आराधना ग्रंथ के कर्ता ।

शिवगुप्त – *Śivagupta.*

Name of the initiator (an *Acharya*) of *Chakravarti* (emperor) Sanatkumar, Name of the disciple of Gupti-riddhi saint of *Punnat* group.

चक्रवर्ती सनत्कुमार के दीक्षागुरु । पुन्नाट संघी गुप्तिऋद्धि के शिष्य तथा अर्हद्बलि के गुरु, समय- ई.सं. 33 ।

शिवतत्त्व – *Śivatattva.*
Soul, Supreme element.
आत्मा ।

शिवतिय – *Śivatiya.*
Absolute state of salvation.
मुक्तिरूपी कन्या अर्थात् मोक्ष लक्ष्मी ।

शिवदत्त – *Śivadatta.*
Name of a great *Acharya*
भगवान महावीर की आचार्य परम्परा में लोहाचार्य के पश्चात् हुए चार आचार्यों में तीसरे आचार्य। समय- ई. 38-58 ।

शिवनंदि – *Śivanandi.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण चावां (राजस्थान) की गद्दी के एक भट्टारक। समय- वि. 1148 ।

शिवभूति – *Śivabhūti.*
A *Digambar* Jaina saint, who got omniscience ultimately on knowning the principle of separateness of soul & body.
शिवभूति ने जिनकल्प (दिगम्बरत्व) को स्वीकार किया था और ज्ञानावरणी कर्म के उदय से इन्हें कुछ याद नहीं रहता था पुनः 'तुषमाष भिन्नं' इस सूत्र का चिन्तन करते हुए आत्मा और शरीर को भिन्न जानकर शुक्लध्यान के बल से केवली हो गये ।

शिवसागर – *Śivasāgara.*
Name of the 2nd *Pattacharya* in the tradition of great *Acharya Charitra Chakravarti* Shri Shantisagarji, who was the disciple of *Acharya* Virsagar.
चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी की परम्परा के द्वितीय पट्टाचार्य एवं प्रथम पट्टाचार्य श्री वीरसागर जी महाराज के प्रमुख शिष्य। सन् 1957 में ये आचार्यपट्ट पर आसीन हुए एवं सन् 1969 में समाधिस्थ हुए ।

शिवादेवी – *Śivādevī.*
Mother's name of Lord Neminath
भगवान नेमिनाथ की माता, महाराज समुद्रविजय की महारानी का नाम ।

शिविका – *Śivikā.*
A palanquin.
पालकी; जो मनुष्यों के द्वारा उठाकर ले जायी जाती है वह शिविका कहलाती है, तीर्थंकरों के दीक्षावन जाने के लिए देवों द्वारा स्वर्ग से पालकी लायी जाती है ।

शिशुपाल – *Śiśupāla.*
Name of a famous king who was killed by Krishna according to Jaina scriptures.
राजा भेषज एवं रानी मद्री का पुत्र, इसके तीन नेत्र थे। किसी निमित्तज्ञानी ने बताया था कि जिसके देखने से इसका तीसरा नेत्र नष्ट होगा वही इसका हन्ता होगा। माता-पिता उसे एक बार कृष्ण के पास लेकर गये, वहां कृष्ण के प्रभाव से इसका तीसरा नेत्र अदृश्य हो गया। माता-पिता ने कृष्ण से पुत्रभिक्षा मांगी कृष्ण ने सौ अपराध होने पर ही इसे मारने का वचन दिया। कृष्ण के विरुद्ध 100 अपराध होने पर युद्ध में कृष्ण द्वारा मारा गया ।

शिष्य – *Śiṣya.*
Disciple, Follower, A pupil
चेला, विद्यार्थी ।

शीत – *Śīta*
Cold. The 2nd *Patal* (layer) of the 3rd hell
जाड़ा, सर्दी, तीसरे नरक का दूसरा पटल ।

शीतपरीषह – *Śītaparīṣaha.*
Affliction of cold (to be endured by the saints).
मुनियों के 22 परीषहों में एक परीषह, शीत वेदना को समतापूर्वक सहन करना शीत परिषहजय है ।

शीतयोग – *Śītayoga*
A type of austerity - meditation at the bank of a river in cold season.
कायक्लेश तप का एक भेद; शीतकाल में नदी किनारे ध्यान लगाना ।

शीतलनाथ – *Śītalanātha.*
Name of the 10th *Tirthankar* (Jaina- Lord)
वर्तमान चौबीसी के 10वें तीर्थंकर। इक्ष्वाकुवंशी राजा दृढ़रथ रानी सुनंदा के पुत्र। इनका जन्म तीर्थंकर पुष्पदंत के मुक्त होने के बाद 9 करोड़ सागर बीत जाने पर हुआ था। वर्ण तप्त स्वर्ण के समान ऊंचाई 90 धनुष (360 हाथ) एवं आयु एक लाख पूर्व वर्ष की थी। इनकी जन्मनगरी भद्रिकापुरी (भद्दिलपुर) है ।

शीतलप्रसाद – *Śītalaprasāda.*
Name of a great celibate, the commentator of great treatise, Samaysar.
समयसार की भाषा टीका के कर्ता एक आध्यात्मिक विद्वान (ब्रह्मचारी)। समय – ई. 1878-1948 ।

शीतल वायु – *Śītala Vāyu.*
One of the 14 divinely excellences of Lord Arihant- gentle breeze (wind).
अरहंत के देवकृत 14 अतिशयों में एक अतिशय; वायु कुमार देव द्वारा शीतल पवन चलाना ।

शीतोपचार – *Śītopacāra.*
Treatment with cold means in prickly hot days.
अपवाद मार्ग, उष्णकाल में शीतक्रिया द्वारा वेदना का उपशमन करना ।

शीतोष्ण – *Śītoṣṇa.*
A kind of female genital organ (having to do with cold and hot).
योनि के 9 भेदों में एक भेद; जो योनि शीत एवं उष्ण दोनों स्पर्श रूप होती है ।

शीर्ष प्रकंपित – *Śirṣa Prakampita.*
A type of time unit.
काल का एक प्रमाण, शीर्षप्रहेलिकांग, शीर्ष प्रकंपित एकार्थवाची है ।

शीर्ष प्रहेलिका - *Sirsa Prahelikā.*
A type of time unit.
काल का एक प्रमाण; लता, प्रयुत, महालता या शीर्षप्रहेलिका।

शील - *Sila*
Virtuous and moral conduct.
दान, पूजा, शील, उपवास गृहस्थों के इन 4 धर्मों में से एक। दया, व्रतों की रक्षा, ब्रह्मचर्य एवं सद्गुणों का पालन करना शील कहलाता है। अथवा व्रतों की रक्षा करने वाले 3 गुणव्रत एवं 4 शिक्षाव्रत को शील कहते है।

शीलकथा - *Silakathā*
Name of a religious story written by poet Bharamal
कवि भारमल (ई. 1756) रचित हिन्दी भाषाबद्ध कथा।

शीलचंद - *Silacanda.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण अजमेरी गद्दी के एक भट्टारक। समय - वि 735।

शीलपताका - *Silapatākā.*
Name of a treatise written by Mahichendra in Marathi language reg. *Agniparikska* (fire test) of Sitaji.
महीचन्द्र कृत (ई.सन् 1696) सीता की अग्नि परीक्षा विषयक मराठी भाषाबद्ध एक ग्रंथ।

शीलपाहुड़ - *Śilapāhura*
Name of a great treatise written by *Acharya* Kundkund.
आचार्य कुन्दकुन्द (ई 127-179) कृत ज्ञान व चारित्र का समन्वयात्मक 40 प्राकृत गाथा निबद्ध ग्रंथ।

शीलव्रत - *Śilavrata.*
A particular vow (fasting) to be observed with particular procedure.
वैशाख शुक्ला 6 के दिन (भगवान अभिनंदन का मोक्ष कल्याणक दिवस) 5 वर्ष पर्यंत उपवास करना एवं 'ओं ह्रीं अभिनंदनजिनाय नमः' का त्रिकाल जाप करना।

शीलव्रतेष्वनतिचार - *Śilavrateṣvanaticāra.*
Strictly following of virtuous & moral conduct (one of the 16 particular volitions causing *Tirthankar Prakriti*).
तीर्थंकर प्रकृति के बंध में कारणभूत 16 कारण भावनाओं में तीसरी भावना; शीलव्रतों का निरतिचार पालन करना।

शीलवृद्ध - *Śilavṛddha.*
One possessing virtuous & moral conduct.
जो शील गुणों में बड़े हैं। धर्मवृद्धि से तरुण मनुष्य भी वृद्ध बनता है।

शीलसप्तमी व्रत - *Śilasaptami Vrata.*
A kind of fasting for 7 years with specific procedure.
सात वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल 7 को उपवास तथा णमोकार मंत्र का त्रिकाल जाप करना।

शुकसम श्रोता - *Śukasama Śrotā.*
A kind of listener having less grasping capacity as parrot.
तोते के समान श्रोता अर्थात् जो दूसरों के समझाने पर कुछ शब्द मात्र ग्रहण कर पाते हैं। ये मध्यम श्रोता कहलाते हैं।

शुक्ति - *Śukti*
Name of a city of *Bharat Kshetra* (region).
भरत क्षेत्र में शुक्तिमती नदी पर स्थित एक नगर।

शुक्र - *Śukra.*
Name of the 87th planet, the 9th heaven and the first *Indrak* (layer) of *Shukra* heaven
87 वां ग्रह, 9वां स्वर्ग, शुक्र स्वर्ग का प्रथम इन्द्रक।

शुक्र (देव) - *Śukra (Deva).*
An *Indra* of *Shukra-Mahashukra* heavens
शुक्र - महाशुक्र कल्प युगल का इन्द्र।

शुक्र (स्वर्ग) - *Śukra (Svarga).*
The 9th *Kalp* (heaven) among all 16.
16 कल्पों में 9 वां कल्प या स्वर्ग। यहां के देवों की उत्कृष्ट आयु 16 सागर है।

शुक्लध्यान - *Śukladhyāna.*
Supreme and absolute meditation.
निर्मल आत्मध्यान; रागादि विकल्प नष्ट हो जाने पर आत्मा में जो निर्विकल्प ध्यान की प्राप्ति होती है, उसे शुक्लध्यान कहते है। यह ध्यान साक्षात् मोक्ष का कारण होता है।

शुक्लपक्ष - *Śuklapakṣa.*
The bright half of a lunar month (from new to full moon day)
चंद्रमास का उज्ज्वल या सुदी पक्ष। अथवा प्रतिपदा से राहु के गमन विशेष से चंद्रमंडल या चंद्रमा की एक-एक कला खुलती चली जाती है, 16 कला पूर्ण होने पर पूर्णिमा होती है ऐसे कलावृद्धि पक्ष को शुक्लपक्ष कहते हैं।

शुक्ल लेश्या - *Śukla Leśyā.*
Purest or stainless volitional colouration (white) i.e. disattachment or aversion from worldly life.
6 लेश्याओं में अंतिम लेश्या; वैराग्य से समन्वित अतिमंद कषायरूप भाव।

शुचि - *Śuci.*
Purity (reg. worldly or spiritual). A type of peripatetic deity.
पवित्रता, लौकिक और लोकोत्तर के भेद से ये दो प्रकार की होती है। पिशाच व्यंतरों का 8 वां भेद।

शुचिदत्त - *Śucidatta.*
The 4th chief disciple of Lord Mahavira
तीर्थंकर महावीर के चौथे गणधर।

शुचिशाल - *Śuciśāla.*
The 67th chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 67 वें गणधर।

शुद्ध – *Śuddha.*

Pure, Free from faults, i.e. sins or errors

विशुद्ध, निर्दोष, विमल, शुद्ध, स्वभाव, परमार्थ, परमार्थ तत्त्व, शुद्ध, परम ये सब एकार्थवाची हैं ।

शुद्ध आहार – *Śuddha Āhāra.*

Pure food to be taken by the saints

9 कोटि से विशुद्ध आहार, जो मुनियों के संयम की रक्षा में कारण होता है ।

शुद्ध उपयोग – *Śuddha Upayoga.*

Right conduct or reflections.

राग द्वेषादि रहित आत्मा के सन्मुख उपयोग, स्वानुभवरूप भाव।

शुद्ध उपलब्धि – *Śuddha Upalabdhi.*

Attainment of pure spiritual knowledge

निश्चयरूप ज्ञान की प्राप्ति या अन्तरात्मा का प्रत्यक्ष अनुभव।

शुद्ध चारित्र – *Śuddha Cāritra.*

Absolute right conduct.

निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम। वीतराग चारित्र ।

शुद्ध चेतना – *Śuddha Cetanā.*

Right consciousness.

ज्ञान अनुभूति स्वरूप या केवलज्ञानरूप चेतना ।

शुद्धता – *Śuddhatā.*

Purity, Sacredness.

पवित्रता या निर्मलता, कर्मोदय का अभाव होने पर जीव में शुद्धता आती है ।

शुद्धद्रव्य – *Śuddhadravya.*

The pure substances (*Dharma*- medium of motion, *Adharma*- medium of rest, *Akash*-sky & *Kal*-time).

6 द्रव्यों में धर्म, अधर्म, आकाश, कालशुद्ध द्रव्य हैं इनमें कभी विभाव परिणमन नहीं होता ।

शुद्धद्रव्य नैगम नय –

Śuddhadravya Naigama Naya.

A standpoint pertaining to pure matters.

शुद्धद्रव्य को विषय करने वाले संग्रह व व्यवहार नय ।

शुद्ध द्रव्य व्यंजनपर्याय नैगमनय –

Śuddha Dravya Vyañjana Paryāya Naigama Naya.

A standpoint related to distinct & indistinct description of a pure matter (*Pudgal*) & one of its *Vyanjan Paryay*.

शुद्धद्रव्य व उसकी किसी एक व्यंजनपर्याय को गौण-मुख्यरूप से विषय करने वाला नय ।

शुद्धद्रव्यार्थपर्याय नैगमनय –

Śuddha Dravyārthaparyāya Naigama Naya.

A standpoint related to the distinct & indistinct description of pure matter (*Jiva*) and one of its *Artha Paryay.*

शुद्धद्रव्य व उसकी किसी एक अर्थपर्याय को गौण-मुख्यरूप से विषय करने वाला नय ।

शुद्धद्रव्यार्थिक नय – *Śuddhadravyārthika Naya.*

A viewpoint related to real entity or realness of matters.

जो शुद्ध द्रव्य के अर्थरूप में आचरण करता है वह शुद्ध द्रव्यार्थिक नय है। जैसे शुद्ध नय की अपेक्षा से जीव एक तथा शुद्ध है ।

शुद्ध ध्यान – *Śuddha Dhyāna.*

The supreme & absolute meditation

रागादि की सत्ता के क्षीण होने पर अंतरंग आत्मा के प्रसन्न होने से जो अपने स्वरूप का अवलम्बन है, वह शुद्ध ध्यान है ।

शुद्ध नय – *Śuddha Naya*

Standpoint related to purity believing soul as a supreme one.

जो नय आत्मद्रव्य को निरुपाधि स्वभाववाला (ब्रह्मरूप) ग्रहण कराता है ।

शुद्ध निश्चयनय – *Śuddha Niścayanaya.*

A viewpoint believing the pure soul

शुद्ध आत्म द्रव्य को ग्रहण करने वाला नय ।

शुद्ध परिणाम – *Śuddha Pariṇāma*

Passionless (pure) sentiments, Volition of disattachment from the world.

रागद्वेष रहित वीतराग भाव ।

शुद्धपर्यायार्थिक नय –

Śuddhaparyāyārthika Naya.

A standpoint accepting the present form or mode of a substance.

सूक्ष्म ऋजुसूत्र नय शुद्ध पर्यायार्थिक नय है, यह अर्थपर्याय को ग्रहण करता है ।

शुद्ध पारिणामिक भाव –

Śuddha Pāriṇāmika Bhāva.

Eternal nature of a matter.

अनादिकालीन पारिणामिक स्वभाव, उसका व्यय और उदय नहीं होता किन्तु वह स्थिर रहता है जिसे जीवत्व कहते हैं ।

शुद्ध भाव – *Śuddha Bhāva.*

See - *Śuddha Pariṇāma.*

देखें - शुद्ध परिणाम ।

शुद्धमति – *Śuddhamati.*

Name of the 22[nd] *Tirthankar* (Jaina-Lord) of past era.

भूतकालीन 22 वें तीर्थंकर ।

शुद्ध सद्भूत नय – *Śuddha Sadbhūta Naya.*

A standpoint related to the distinction between pure matter and its pure virtues.

शुद्धगुण व शुद्धगुणी में अथवा शुद्धपर्याय व शुद्धपर्यायी में भेद का कथन करना शुद्ध सद्भूत व्यवहार नय है। जैसे- सिद्ध भगवान में केवलज्ञान ।

शुद्धात्मज्ञान - *Śuddhātmajñāna.*
Right knowledge of pure soul, A synonym word for *Mokshmarg* (path of salvation).
शुद्ध आत्मा का ज्ञान होना, मोक्षमार्ग या निर्विकल्प समाधि का एक अपरनाम ।

शुद्धात्म दर्शन - *Śuddhātma Darśana.*
Right faith (in supreme being), A synonym word for *Mokshmarga* (path of salvation).
देखें - शुद्धात्म ज्ञान ।

शुद्धात्म द्रव्य - *Śuddhātma Dravya.*
The supreme element, A synonym word for *Mokshmarg* (path of salvation).
निश्चय मोक्षमार्ग का एक अपरनाम ।

शुद्धात्मसंवित्ति - *Śuddhātmasamvitti.*
Perception of right knowledge, A synonym word for *Mokshmarga* (path of salvation).
आत्मज्ञान होना, मोक्षमार्ग या निर्विकल्प समाधि का अपरनाम।

शुद्धात्मस्वरूप - *Śuddhātmasvarūpa.*
The absolute form of soul, A synonym word for *Mokshmarg* (path of salvation).
शुद्ध आत्मा का स्वरूप, मोक्षमार्ग या निर्विकल्प समाधि का अपरनाम ।

शुद्धात्मा - *Śuddhātmā.*
The passionless supreme soul.
राग-द्वेषादि रहित वीतरागी शुद्ध आत्मा ।

शुद्धात्मानुभव - *Śuddhātmānubhava.*
The supreme experience, A synonym word for *Mokshmarg* (path of salvation.).
शुद्ध आत्मा का अनुभव या संवेदन होना, मोक्षमार्ग या निर्विकल्प समाधि का अपरनाम ।

शुद्धात्मानुभूति - *Śuddhātmānubhūti.*
The supreme experience or intuition.
विशुद्ध आत्मा का ज्ञान अर्थात् आत्मज्ञान। देखें-शुद्धात्मज्ञान।

शुद्धात्माभिमुख परिणाम - *Śuddhātmābhimukha Pariṇāma.*
Results of attention and devotion towards pure soul.
शुद्ध आत्मा की ओर उन्मुख परिणाम या स्वानुभव रूप भाव ।

शुद्धाशन - *Śuddhāśana.*
A type of conduct related to food-taking of saints (an austerity).
आहार हेतु प्रवृत्ति में निमित्त तीन भेदों सर्वाशन, विद्धाशन और शुद्धाशन में से एक अशन ।

शुद्धाशुद्धोपयोग - *Śuddhāśuddhopayoga.*
Passionless and passionful conduct.
शुद्ध व अशुद्ध उपयोग का मिश्ररूप ।

शुद्धि - *Śuddhi.*
Purity (reg. matter, region, time, food etc), Repentance.
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव, भोजनादि रूप अनेक प्रकार की शुद्धि, दोष होने पर प्रायश्चित लेकर विशुद्धि करना शुद्धि कहलाती है ।

शुद्धोदन - *Śuddhodana.*
The father of Mahatma Buddha
महात्मा बुद्ध के पिता ।

शुद्धोपयोग - *Śuddhopayoga.*
Passionless right conductful inclination.
रागद्वेषादि रहित आत्मा के सन्मुख उपयोग, स्वानुभवरूप भाव।

शुद्धोपयोगी - *Śuddhopayogī.*
A saint engrossed in pure soul i.e. in absolute meditation.
शुद्धोपयोग सहित साधु या वीतराग स्वसंवेदन सहित जीव। निश्चय रत्नत्रय से युक्त वीतरागी श्रमण ।

शुभ - *Śubha.*
Auspicious, Prosperous, Lucky, A type of physique making *Karma* causing attractive body.
मांगलिक, समृद्धशाली, नामकर्म का एक भेद जिसके उदय से शरीर रमणीय होता है ।

शुभ आस्रव - *Śubha Āsrava.*
Flow of auspicious *Karmas.*
पुण्यकर्म के आने योग्य मन, वचन, काय की शुभ प्रवृत्ति ।

शुभ उपयोग - *Śubha Upayoga.*
Auspicious and right conduct.
दया, दान, पूजा, व्रत, शील आदि रूप राग और चित-प्रसाद रूप परिणाम होना शुभोपयोग है ।

शुभ उपशम - *Śubha Upaśama.*
Right subsidence.
प्रशस्त उपशम ।

शुभकरण चिन्ह - *Śubhakaraṇa Cinha.*
Virtuous symbols (marks) on the body.
सम्यक्त्व या अवधिज्ञानी के नाभि के ऊपर शंख आदि शुभ आकार वाले चिन्ह ।

शुभकर्म - *Śubha Karma.*
Auspicious or virtuous *Karmas* or activities.
पुण्य लाने वाले कार्य, पुण्य फल देने वाले साता वेदनीय आदि कर्म ।

शुभ काययोग - *Śubha Kāyayoga.*
Bodily virtuous activities.
पूजा भक्ति, व्रतादि रूप काय की चेष्टा ।

शुभचंद्र - *Śubhacandra.*
Name of a great *Acharya*, the writer of Gyanarnav Granth, The 8[th] *Balbhadra* of predestined *Utsarpini Kal.*
एक महान आचार्य-राजा भर्तृहरि के भाई, ज्ञानार्णव ग्रंथ के रचयिता (ई. सं. 1003-1068)। भरतक्षेत्र के आगामी उत्सर्पिणी काल के 8वें बलभद्र ।

शुभ तैजस शरीर – *Śubha Taijasa Śarira.*
Auspicious lustrous body possessed by super saints.
ऋद्धिधारी मुनियों के औदारिक शरीर से उत्पन्न होने वाला तेज और शुभगुण से युक्त शरीर ।

शुभ तैजस समुद्घात – *Śubha Taijasa Samudghāta*
Emanation of auspicious radiant effigy like body (spiritual form) from a super saint causing prosperity all around.
ऋद्धिधारी मुनि को दया अनुकंपा आने पर दाहिने कंधे से हंस और शंख के वर्ण वाला शरीर निकलकर जो दुर्भिक्ष आदि सर्व बाधा को नष्ट कर सुख उत्पन्न करता है ।

शुभध्यान – *Śubhadhyāna.*
Auspicious involvement
धर्मध्यान और शुक्लध्यान जो मोक्ष के कारण हैं ।

शुभनंदि – *Śubhanaṁdi.*
A great saint well-versed in 'Shat Khandagam', the spiritual teacher of Bappdev.
बप्पदेव के शिक्षा गुरु तथा षट्खण्डागम के ज्ञाता, रविनंदि के सहचर। समय - ई.श. 1 ।

शुभ नामकर्म प्रकृति – *Śubhanāmakarma Prakṛti.*
A physique making *Karma* causing attractive body.
जिसके उदय से शरीर के अवयव सुंदर होते हैं ।

शुभ परिणाम – *Śubha Pariṇāma.*
Auspicious & meritorious results (of beings).
दान पूजा आदि षट् आवश्यक रूप जीवों के शुभ परिणाम, इसे ही भावपुण्य कहते हैं ।

शुभ भावना – *Śubha Bhāvanā.*
Meritorious sentiments.
धर्मध्यान के योग्य परिणाम। या 12 भावना या 10 धर्म आदि का चिंतवन करना ।

शुभ योग – *Śubha Yoga.*
Auspicious & meritorious attitudes.
मन-वचन काय की शुभ या पुण्यरूप प्रवृत्ति। अथवा योगों की विषयविरक्ति कषायनिग्रहरूप प्रवृत्ति ।

शुभ लेश्या – *Śubha Leśyā.*
Auspicious mental colouration.
शुभभावरूप, मंदकषायरूप पीत, पद्म, शुक्ल ये तीन लेश्या।

शुभ वचनयोग – *Śubha Vacanayoga.*
Auspicious saying or speech.
सत्य, हित, मित, प्रिय वचन बोलना आदि शुभ वचन योग है।

शुभ विचार – *Śubha Vicāra.*
Auspicious & healthy thoughts or thinking.
संयम आदि के उत्तम विचार रखना एवं आर्त-रौद्र ध्यान का त्याग करना ।

शुभ स्वप्न – *Śubha Svapna*
Auspicious dreams.
वात, पित्तादि के प्रकोप से रहित सूर्य चन्द्रमा आदि को देखना।

शुभा – *Śubhā.*
The capital city of *Ramaniya* country of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र के रमणीय देश की राजधानी ।

शुभानुबंधा निर्जरा – *Śubhānubamdhā Nirjarā*
Dissociation of immature *Karmas* causing auspicious temperament.
मिथ्यादृष्टियों की अविपाक निर्जरा—तुच्छ निरोध न होने के कारण यह शुभानुबंधा निर्जरा कहलाती है ।

शुभोपयोगी – *Śubhopayogī*
One involved in auspicious conduct.
जो देशचारित्र अथवा सकलचारित्र का पालन करते हुए धर्म क्रियाओं में लीन रहते हैं, वे शुभोपयोगी श्रावक या मुनि कहलाते हैं ।

शुभ्र – *Śubhra*
Name of a city of *Bharat Kshetra* (region)
भरतक्षेत्र का एक नगर, इसे राजा सूर्य ने बसाया था ।

शूकर – *Śūkara.*
A boar, the significant symbol of Lord Vimalnath.
एक पशु, तीर्थंकर विमलनाथ का चिन्ह ।

शूद्र – *Śūdra.*
A member of the fourth and lowest division of early Indo-aryan society, whose work is to serve others for livelihood.
शिल्प, सेवा, शुश्रुषा से आजीविका करने वाले। इनके कारु-अकारु दो भेद हैं ।

शूद्र (कारु) – *Śūdra (Kāru).*
See - *Śūdra.*
धोबी आदि शूद्र कारू कहलाते हैं। स्पृश्य तथा अस्पृश्य इसके दो भेद हैं ।

शूद्र वंश – *Śūdra Vamśa.*
The lineage of *Shudras* (see - *Śūdra*)
भगवान ऋषभदेव द्वारा स्थापित क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र इन तीन वर्णों में एक वर्ण ।

शूद्रवर्ण – *Śūdravarṇa.*
See - *Śūdra Vamśa.*
देखें - शूद्रवंश । शिल्प आदि से सम्बन्ध रखने वाला वर्ण ।

शून्य – *Śūnya.*
Blank, Empty, Void, Zero, Cipher.
रिक्त, खाली, सर्व द्रव्यों का अभाव शून्य दोष कहलाता है ।

शून्यघर – *Śūnyaghara.*
Peaceful and solitude-place like caves etc. (for saints' staying).
वसतिका; साधु के ठहरने के लिए एकांत गुफा, वृक्ष की कोटर आदि शून्य स्थान ।

शून्य वर्गणा – *Śūnya Vargaṇā.*

A type of *Karmic* aggregates.

वर्गणाओं का एक प्रकार ।

शून्यवाद – *Śūnyavāda.*

A Bauddha philosophy believing zero as the supreme element.

बौद्धदर्शन, जो सभी तत्व शून्य के गर्भ में विलीन हो जाते हैं एवं शून्य ही एक मात्र परम तत्त्व है, ऐसा मानता है ।

शून्यागारावास – *Śūnyāgārāvāsa.*

One of the 5 temperaments of the vow of non-stealing (staying in peaceful & solitude place like caves etc.).

अचौर्यव्रत की 5 भावनाओं में पहली भावना; सूने घर व स्वभाव से शून्य पर्वत की गुफा व वृक्ष की कोटर आदि में निवास करना शून्यागारावास कहलाता है।

शूर – *Śūra.*

One conqueror of all passions & afflictions. Name of a country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region). The grand father of Lord Neminath.

परीषहों, कषायों और काम, मोह आदि के विजेता शूर कहलाते हैं, भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश, भगवान नेमिनाथ के बाबा ।

शृंखलित – *Śṛṅkhalita.*

Fettered like standing, an infracting of posture of meditative relaxation.

कायोत्सर्ग का एक दोष; बेड़ी से जकड़े मनुष्य की भांति खड़े होना।

शृंगारमंजरी – *Śṛṃgāramamjarī.*

Name of a poetic composition composed by Ajitsen.

छंद अलंकार विषयक अजितसेन कृत एक संस्कृत भाषाबद्ध रचना । समय - ई. 1250-60 ।

शृंगारार्णवचंद्रिका – *Śṛṃgārārṇavacandrikā.*

Name of a poetic composition composed by Vijayavarni.

विजयवर्णी कृत काव्य शिक्षा छंद अलंकार विषयक संस्कृत भाषाबद्ध एक कृति ।

शेषवत् अनुमान – *Śeṣavat Anumāna.*

Right anticipation of something by only partial observation of it.

एक अवयव को देखने पर भी शेष अनेक अवयवों सहित सम्पूर्ण वस्तु का ज्ञान होना ।

शेषवती – *Śeṣavatī.*

Name of a female divinity of *Ruchak* mountain.

रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी ।

शैक्ष – *Śaikṣa.*

New disciple-saint under the process of learning.

नवीन दीक्षित मुनि जो श्रुत का अभ्यास करते हैं।

शैल – *Śaila.*

A rock, a crag (mountainous), Another name of *Sumeru* mountain.

चट्टान, घातिया कर्मों की शैलस्थानीय अनुभाग शक्ति का उदाहरण, सुमेरुपर्वत का अपरनाम।

शैलकर्म – *Śailakarma.*

Pertaining to sculpture.

शैल का अर्थ पत्थर है, उससे निर्मित प्रतिमाओं का नाम शैलकर्म है।

शैलघन श्रोता – *Śailaghana Śrotā.*

A type of unwise or imprudent listener.

14 प्रकार के श्रोताओं में एक भेद; जिनके परिणाम हमेशा कठोर रहते हैं तथा जिनके हृदय में समझाये जाने पर भी जिनवाणी रूप जल का प्रवेश नहीं होता है।

शैलभद्र – *Śailabhadra.*

A kind of peripatetic deity.

यक्ष जाति के व्यंतर देवों का एक भेद ।

शैलराज – *Śailarāja.*

Another name of *Sumeru* mountain.

सुमेरु पर्वत का अपरनाम।

शैला – *Śailā.*

Name of the 16th earth of the *Khar* division of *Ratnaprabha* earth.

पहली रत्नप्रभा पृथ्वी के खरभाग में 16 वीं पृथ्वी जो 1000 योजन मोटी है।

शैलेशी अवस्था – *Śaileśī Avasthā.*

Motionless state, State of absolute meditation.

पत्थर की मूर्ति के समान निश्चल ध्यानावस्था। वन में इस प्रकार के ध्यानी मुनियों के शरीर से हिरण आदि पशु उन्हें पत्थर समझकर उनसे अपने शरीर को रगड़कर अपनी खाज मिटाते हैं। अंतिम शुक्लध्यान की अवस्था ।

शैवदर्शन – *Śaivadarśana.*

Another name of *Shuddhadvait*, a doctrine of monism.

शुद्धाद्वैत का अपरनाम ।

शोक – *Śoka.*

Sorrow, Regret, Grief.

विकलता, अफसोस, रंज ।

शोक (कर्मप्रकृति) – *Śoka (Karmaprakṛti).*

Karmic nature causing grief or sorrow.

नोकषाय के 9 भेदों में एक भेद, जिसके उदय से शोक भाव होता है।

शोक वेदनीय – *Śoka Vedanīya.*

Karma causing sorrow or grief.

मोहनीय कर्म के नोकषाय वेदनीय कर्म का एक भेद जिसके उदय से जीव शोक का वेदन (अनुभव) करता है।

शोका – *Śokā.*

Name of the main city of *Kumuda Kshetra* (re-

gion) of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र के कुमुदा क्षेत्र की मुख्य नगरी ।

शोधन – *Śodhana.*
The act of cleansing or purifying.
संशोधन, शुद्ध करना।

शोधित – *Śodhita.*
Purified, Refined, Paying off debt
शुद्ध किया हुआ, ऋण परिशोध किया हुआ, चुकाया हुआ।

शौच – *Śauca.*
Purification, greedlessness, Satisfaction
पवित्रता, लोभ का अभाव, संतोष भाव ।

शौचधर्म – *Śaucadharma.*
Observance of purity or greedlessness (victory over greed)
10 धर्मों में चौथा धर्म। लोभ पर विजय पाना ही शौचधर्म है, इसमें सातावेदनीय कर्म का आस्रव होता है।

शौचोपकरण – *Śaucopakaraṇa.*
An essential article (*Kamandalu*) of purification (special wooden water container with nozzle used by ascetics. It is specially made by the use of African coconut).
कमंडलु, जिसमें पानी भरकर शौच आदि रूप शुद्धि के लिए मुनिगण अपने पास रखते हैं ।

शौरीपुर – *Śauripura.*
The birth place of Lord Neminath situated near Agra in U.P.
22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की जन्मभूमि, उत्तरप्रदेश में आगरा से 75 किमी. दूर यह तीर्थ अवस्थित है। यह शौरीपुर-बटेश्वर के नाम से जाना जाता है। यहाँ बटेश्वर में भी प्राचीन मंदिर व धर्मशाला हैं ।

शौर्यपुर – *Śauryapura.*
Another name of Shauripur (*Sauripura*).
शौरीपुर का अपरनाम ।

श्मशान-निलय – *Śmaśāna-Nilaya.*
A type of *Vidyadhars* of *Matanga Jati* (a descendant).
मातंग जाति विद्याधरों के 7 उत्तर भेदों में दूसरा भेद, ये धूलि धूसरित तथा श्मशान की हड्डियों से निर्मित आभूषणों से युक्त होते हैं ।

श्मशान-भूमि – *Śamśāna-Bhūmi.*
Cremation ground, Burial place.
शरीर के दाह संस्कार करने का स्थल, मरघट ।

श्यामकुमार – *Śyāmakumāra.*
A type of residential deities (*Asurkumar*)
असुरकुमार भवनवासी देव ।

श्याम द्वीप व सागर – *Śyāma Dvīpa Va Sāgara.*
Name of an island and an ocean of middle universe.
मध्यलोक का एक द्वीप व सागर ।

श्रद्धा – *Śraddhā.*
Faith, Reverance, Reverential belief
दृष्टि, श्रद्धा, आस्था, रुचि और प्रत्यय ये पर्यायवाची नाम हैं। दाता के सात गुणों में एक गुण, पात्र के प्रति आदर भाव ।

श्रद्धान – *Śraddhāna.*
Reverential belief, Veneration.
प्रतीति, श्रद्धा, अनुभव ।

श्रद्धान प्रायश्चित्त – *Śraddhāna Prāyaścitta.*
Repentance over false belief with acceptance of right belief.
मिथ्यात्व को प्राप्त होकर स्थित हुए जीव के महाव्रतों को स्वीकार कर आप्त, आगम और पदार्थों का श्रद्धान करने पर श्रद्धान नाम का प्रायश्चित्त होता है ।

श्रद्धानवाद – *Śraddhānavāda.*
A philosophical doctrine
एक एकांत मत दर्शनवाद का नाम ।

श्रद्धानांश – *Śraddhānāṁśa.*
An element of right knowledge or belief.
मिश्र गुणस्थान में जो श्रद्धा का अंश है वह सम्यक्त्व का अवयव है ।

श्रद्धानाश्रद्धान – *Śraddhānāśraddhāna.*
Right belief and disbelief (caused due to the fruition of *Samyagmithyatva Karma*).
सम्यग्मिथ्यात्व कर्म के उदय होने पर मिश्र गुणस्थान में पाये जाने वाले मिश्र परिणाम ।

श्रद्धावती – *Śraddhāvatī.*
Name of a mountain in *Haimvat Kshetra* (region) and its protecting deity
हैमवत क्षेत्र के नाभिगिरि पर्वत का नाम, इसका रक्षक देव स्वाति है ।

श्रद्धावान (कूट) – *Śraddhāvāna (Kūṭa).*
A summit of *Vakshar* mountain of western *Videh* (region).
अपर विदेह के वक्षार का एक कूट ।

श्रद्धावान् – *Śraddhāvān.*
One possessing right faith or reverential belief.
जो जिनवचनों में श्रद्धान करता है अर्थात् सम्यग्दृष्टि ।

श्रमण – *Śramaṇa.*
The Jaina saints involved in austerities.
निर्ग्रन्थ मुनि। तपश्चर्यारूप श्रम के कारण मुनिराज को श्रमण कहते हैं ।

श्रवण – *Śravaṇa*
Name of the 80th planet and the 21st lunar.
88 ग्रहों में 80 वां ग्रह, 28 नक्षत्रों में 21 वां नक्षत्र जो मृदंगाकार है। तीर्थंकर श्रेयांसनाथ व मुनिसुव्रतनाथ इसी नक्षत्र में जन्मे थे ।

श्रवणबेलगोला (तीर्थ) – *Śravaṇabelgolā (Tīrtha).*

A world famous *Digambar* Jain place of pilgrimage of south India, where *Senapati* Chamundrai got the 57 feet high standing postured idol of Lord Bahubali constructed & consecrated in 981 A.D. on the inpiration of his mother and in the auspicious presence of his preceptor Shri Nemichandra Siddhanta Chakravarti.

दक्षिण भारत में कर्नाटक का एक प्रसिद्ध तीर्थ; जहाँ 1000 वर्ष पूर्व सिद्धांत चक्रवर्ती श्री नेमिचन्द्र आचार्य जी के मंगल सानिध्य में सेनापति चामुण्डराय ने अपनी माँ की प्रेरणा पर भगवान बाहुबली की 57 फुट उत्तुंग खड्गासन प्रतिमा ई. सन् 981 में विराजमान करायी। समस्त विश्व को दिगम्बरत्व का महान संदेश प्रदान करने वाली यह प्रतिमा विश्व में अद्भुत आश्चर्य मानी जाती है ।

श्रामण्य – *Śrāmaṇya.*

See - *Śramaṇa.*

देखें - श्रमण। निरूपराग ही श्रामण्य होता है ।

श्रावक – *Śrāvaka.*

A householder who follows religious instructions with reverence, Lay followers in the Jaina order.

विवेकवान विरक्तचित्त अणुव्रती गृहस्थ। इसके पाक्षिक, नैष्ठिक व साधक तीन भेद हैं ।

श्रावक सूत्र – *Śrāvaka Sūtra.*

A sacred thread possessed by lay followers

यज्ञोपवीत; यह तीन धागों का होता है जो रत्नत्रय का प्रतीक होता है। अष्टमूलगुणधारी श्रावकों के द्वारा यह विवाह के पूर्व तीन धागों का और विवाह के बाद छह धागों का धारण किया जाता है ।

श्रावकाचार – *Śrāvakācāra.*

Conduct of householders or lay followers.

एकदेश चारित्र; 5 अणुव्रत, 3 गुणव्रत, 4 शिक्षाव्रत का पालन।

श्रावकाचार सारोद्धार – *Śrāvakācāra Sāroddhāra.*

Name of a book written in Sanskrit language.

संस्कृत भाषाबद्ध एक ग्रंथ ।

श्रावणद्वादशी व्रत – *Śrāvaṇadvādaśī Vrata.*

A particular type of vow (fasting).

12 वर्ष पर्यंत प्रतिवर्ष भाद्रपद शु. 12 को उपवास तथा नमस्कार मंत्र का त्रिकाल जाप्य ।

श्रावस्ती (तीर्थ) – *Śrávastī (Tīrtha).*

Name of a place of pilgrimage, the birth place of Lord Sambhavanath, situated near Baharaich (U.P.)

उत्तरप्रदेश में बहराईच के निकट स्थित तीर्थंकर संभवनाथ की जन्मनगरी ।

श्राविका – *Śrāvikā.*

A female lay follower of Jaina instructions.

जो गृहस्थ महिला श्रद्धावान, विवेकवान व सदाचारी हो एवं धर्म का अनुसरण करती हो ।

श्रिति – *Śriti.*

Dependence, support, approach, Multiplicative increase in virtues.

अवलम्ब, सहारा, पहुँच। सम्यग्दर्शन आदि शुद्ध गुणों की गुणित रूप उत्तरोत्तर उन्नत अवस्था को प्राप्त कर लेना यह भाव श्रिति है, एवं सोपान पंक्तिक्रम से चढ़ना यह द्रव्य श्रिति है। भक्त प्रत्याख्यान सल्लेखना विधि के 40 अधिकारों में 9वां अधिकार, शुभ परिणामों की उत्तरोत्तर उन्नति ।

श्री – *Śrī.*

Prosperity, glory, Brilliance, A mark of respect, Name of a city in the south of *Vijayardh* mountain, A female deity of *Padma hrid*, a large pond of *Himvan* mountain, A mountain of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).

ऐश्वर्य, कीर्ति, यश, सरस्वती, प्रभा, आदर-सूचक शब्द जो नाम के आगे लिखा जाता है, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर, हिमवान पर्वतस्थ पद्मद्रह की स्वामिनी देवी, भरत क्षेत्र के आर्य खण्डस्थ एक पर्वत ।

श्रीकल्प – *Śrīkalpa.*

A time unit

काल का प्रमाण। देखें - शीर्ष प्रहेलिका ।

श्रीकांत – *Śrīkāṁta.*

Name of the 7[th] predestined *Chakravarti* (emperor).

आगामी 7वें चक्रवर्ती ।

श्रीकांता – *Śrīkāṁtā.*

Mother's name of Jaina-Lord Kunthunath, The *Vapis* (like large lakes) in the forest (*Nandan* etc.) of *Sumeru* mountain.

तीर्थंकर कुंथुनाथ की माता राजा शूरसेन की रानी, सुमेरु पर्वत के नंदन आदि वनों में स्थित वापियां ।

श्रीकूट – *Śrīkūṭa.*

The 6[th] summit of *Himvan Kulachal* (mountain), Name of the 33[rd] city in the south of *Vijayardh* mountain

हिमवान कुलाचल का छठा कूट, विजयार्ध की दक्षिणश्रेणी का 33 वां नगर ।

श्रीचंद्र – *Śrīcandra.*

Name of a poet and a *Bhattarak.*

पुराणसार संग्रह तथा कथाकोष के कर्ता अपभ्रंश कवि, ग्रंथ रचनाकाल ई. 1066 ।

श्रीचंद्र – *Śrīcandra.*

Name of a king of *Kuru* dynasty, The 5[th] predestined *Balbhadra.*

कुरुवंशी एक राजा, मंदर का पुत्र एवं सुप्रतिष्ठ राजा का पिता

जो अंत में समुद्र यति से दीक्षा ले मुक्ति गये। आगामी छठा बलभद्र, महापुराण में इन्हें 9 वां बलभद्र कहा है ।

श्रीदत्त – *Śridatta.*

Name of a great *Acharya* of the basic lineage of Lord Mahavira, Name of another *Acharya*, the writer of 'Jalp Nirnay Granth'.

भगवान महावीर की मूल परम्परा में लोहाचार्य के बाद हुए एक अंगधारी आचार्य.(समय ई. 38-58)। एक प्रसिद्ध तार्किक दिगम्बराचार्य, जल्प निर्णय ग्रंथ के रचयिता (समय- ई.श. 4 का उत्तरार्ध) ।

श्रीधर – *Śridhara.*

Name of a great *Acharya*, the learned one in Mathematics and Astrology, Name of a poet

गणित तथा ज्योतिष विद्या के विद्वान दिगम्बराचार्य। गणितसार संग्रह, ज्योतिर्ज्ञानविधि, जातक तिलक, लीलावती (कन्नड़) के रचयिता (समय- ई. 799-865)। एक अपभ्रंश कवि सुकुमाल चरित के रचयिता। (समय- ई. 1151) ।

श्रीधर्म – *Śridharma.*

Past-birth soul of Lord Munisuvrat

तीर्थंकर मुनिसुव्रत के पूर्वभव का जीव ।

श्रीनंदन – *Śrinandana.*

The father of *Saptrishi* (particular 7 saints).

श्रीमन्यु आदि सप्तऋषियों के पिता। प्रीतिंकर मुनि के केवलज्ञान के समय एक मास के पौत्र को राज्य देकर सातों पुत्रों सहित दीक्षा ग्रहण की अंत में मुक्ति प्राप्त की ।

श्रीनंदि – *Śrinandi.*

The disciple of Sakalchandra of *Nandi* group.

नंदिसंघ देशीयगण में सकलचन्द्र के शिष्य तथा नयनंदि के गुरु। आपके लिए ही श्री पद्मनंदि ने जम्बूद्वीप पण्णत्ति लिखी थी। अपरनाम रामनंदि, समय- ई. 968-1023 ।

श्रीनिचय – *Śrinicaya.*

Name of a summit situated in *Padmahrda* (large pond), Name of the 3rd *Rishi* (saint) among a group of particular 7 *Rishies* (saints).

पद्मद्रह में स्थित एक कूट, सप्त ऋषियों में से तीसरे ऋषि ।

श्रीपर्वत – *Śriparvata.*

Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (region).

भरतक्षेत्र का एक पर्वत। लंका को जीतकर राम ने यहां का साम्राज्य हनुमान को दिया था ।

श्रीपाल – *Śripāla.*

One who was got married with Mainasundari and was cured from leprosy by religious treatment, Name of king caused to Nemichandra Saidhantikdev to write Dravya Sangrah.

चम्पापुर नगर के राजा अरिदमन का पुत्र। मैना सुन्दरी से विवाह हुआ। कोढ़ी होने पर मैना सुन्दरी कृत सिद्धचक्र विधान के गन्धोदक से कुष्ठ रोग दूर हुआ। अंत में दीक्षा ग्रहणकर मोक्ष प्राप्त किया। एक राजा जिनके निमित्त से नेमिचन्द्र सैद्धांतिकदेव ने द्रव्य संग्रह की रचना की थी (समय- ई. 1043 1083)।

श्रीपाल आख्यान – *Śripāla Ākhyāna.*

Name of a treatise written by Vadichandra.

वादिचन्द्र कृत संस्कृत भाषाबद्ध एक रचना। समय- 1580-1607 ।

श्रीपाल चरित – *Śripāla Carita.*

Name of many books written by different writers.

सकलकीर्तिकृत संस्कृत छंदोबद्ध (ई. 1406-1442), भट्टारक श्रुतसागर कृत संस्कृत गद्य रचना (ई. 1487-1499), कवि परिमल्ल (ई. 1594) कृत, ब्र. नेमिदत्त (ई 1428), वादिचन्द्र (वि. 1637-1664) कृत हिन्दी गीत काव्य, पं. दौलतराम (ई. 1720-1772) कृत भाषा ग्रंथ ।

श्रीपुर पार्श्वनाथस्तोत्र – *Śripura Pārśvanāthastotra.*

An eulogical religious hymn of Lord Parshvanath.

संस्कृत भाषाबद्ध अंतरिक्ष पार्श्वनाथ स्तोत्र विषयक रचना ।

श्रीभद्र – *Śribhadra.*

Name of the 22nd *Tirthankar* (Jaina-Lord) of past time.

भूतकालीन 22वें तीर्थंकर ।

श्रीभूषण – *Śribhūṣana.*

Name of a *Bhattarak*, the writer of many books like Shantinath Puran, Pandav Puran etc

शांतिनाथ पुराण, पांडव पुराण, द्वादशांग पूजा तथा प्रबोध चिंतामणि के कर्ता एक भट्टारक। समय- वि. 1636-1676।

श्रीमंडप भूमि – *Śrimaṇḍapa Bhūmi.*

Name of the last Land of *Samavasharan* having great construction with jewels.

समवशरण की 8वीं भूमि। जो चतुर्थ कोट के आगे रत्न स्तम्भों पर आधारित समवसरण की अंतिम भूमि है। इस भूमि में स्फटिक मणिमय 16 दीवारों से विभाजित 12 कोठे होते हैं। इन कोठों में ही 12 सभाएं होती हैं। मिथ्यादृष्टि अभव्य जन इस भूमि के भीतर नहीं आते ।

श्रीमती – *Śrimatī.*

A respectable addressing word for a woman, The grand mother of Lord Mahavira

स्त्रियों के लिए आदर-सूचक शब्द, राजा सर्वार्थ की रानी भगवान महावीर की दादी ।

श्रीमन्यु – *Śrimanyu.*

Name of a saint of the group of 7 particular saints (*Saptrishies*).

सप्तऋषियों में एक मुनि ।

श्रीराधावल्लभ – *Śrī Rādhāvallabha*

Name of a sect of *Vaishnav* philosophy.

वैष्णव दर्शन के शक्तिसंगम तंत्र के अनुसार 10 भेदों में दूसरा भेद। इस सम्प्रदाय के आदिप्रवर्तक 1503 ई. में हरिवंश गोस्वामी हुए। ये लोग जप, तप आदि में संलग्न रहते हैं ।

श्रीवत्स – *Śrivatsa.*

A particular type of mark on the chest of meritorious persons, Name of a propounder of *Vaisheshik* literature

तीर्थंकर आदि पुण्यात्माओं का एक शारीरिक लक्षण जो वक्षःस्थल पर होता है। पार्श्वनाथ चरित्र के अनुसार उनके नवमें भव पूर्व में पोदनपुर के राजा अरविंद की मुनिअवस्था में उनके वक्षस्थल का श्रीवत्स चिन्ह देखकर मरुभूति की पर्याय से बने हाथी को जातिस्मरण हुआ था। एक वैशेषिक साहित्य प्रवर्तक, लीलावती कृति के रचयिता।

श्रीवर्द्धन – *Śrivarddhana.*

The past-birth soul of omniscient Sanjayant.

संजयंत केवली के पूर्वभव का जीव। यह कुमुदावती नगरी का राजा था।

श्रीशैल – *Śriśaila.*

The another name of Hanumanji.

हनुमान का अपरनाम। यह नाम हनुमान के शैल-पर्वत में जन्म लेने तथा विमान से गिरकर शिला को खण्ड-खण्ड करने से उनका नाम श्रीशैल रखा गया। इन्होंने मांगीतुंगी से मोक्ष प्राप्त किया। मांगीतुंगी के पहाड़ पर इनकी अतिप्राचीन मूर्ति विराजमान है एवं तलहटी में स्थित नवनिर्मित मंदिर में 11 फुट उत्तुंग प्रतिमा विराजमान है। जिसकी प्राण प्रतिष्ठा सन् 1996 में गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में हुई।

श्रीष – *Śrisa.*

The initiation & omniscience tree of Lord Suparshvanath.

तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ का दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष। अपरनाम शिरीष वृक्ष।

श्रीषेण – *Śrisena.*

The past-birth (11th) soul of Lord Shantinath, Name of the 5[th] predestined *Chakravarti* (emperor).

शांतिनाथ भगवान के पूर्व का 11वां भव, यह मगध देश का राजा था। आगामी 5वें चक्रवर्ती का नाम।

श्रीसंप्रदाय – *Śrisampradāya.*

The first sect of *Vaishnava* philosophy in all 4.

वैष्णव दर्शन के 4 सम्प्रदायों में प्रथम संप्रदाय। इस संप्रदाय में विशिष्टाद्वैतवादी हैं जो रामानंदी भी कहलाते हैं।

श्रुत – *Śruta.*

The scriptural knowledge, Something listened.

शब्दज्ञान, सुना हुआ।

श्रुतकीर्ति – *Śrutakirti.*

Name of two different saints of *Nandi* group

नंदिसंघ बलात्कार गण त्रिभुवन कीर्ति के शिष्य जिन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की। नंदिसंघ देशीयगण, माघनंदि कोल्हापुरीय के शिष्य एक महावादी। कृति- काव्य राघव पाण्डवीय (समय- ई.1133- 1163)।

श्रुतकेवली – *Śrutakewali.*

Great saints, well versed in whole scriptural knowledge

द्वादशांग श्रुत अर्थात् सकल श्रुत को जानने वाले मुनि।

श्रुतगुरु – *Śrutaguru.*

Spiritual preceptor.

जो प्रायश्चित्त देकर संवेग व वैराग्य जनक परमागम के वचनों द्वारा साधु का संवरण करते हैं वे निर्यापक हैं। उन्हें ही शिक्षा गुरु या श्रुत गुरु भी कहते हैं।

श्रुतज्ञान – *Śrutajñāna.*

The sensory cognitive knowledge, Scriptural knowledge

इन्द्रियों द्वारा 'विवक्षित पदार्थ को ग्रहण करके इससे सम्बन्धित अन्य पदार्थ को जानना। अथवा मतिज्ञान से जाने हुये पदार्थ के अवलम्बन से तत्सम्बंधी दूसरे पदार्थ का जो ज्ञान होता है उसे श्रुतज्ञान कहते हैं। इसके अक्षरात्मक व अनक्षरात्मक दो भेद हैं। अक्षरात्मक श्रुतज्ञान के पर्याय, पर्यायसमास, अक्षर, अक्षरसमास आदि बीस भेद हैं एवं अनक्षरात्मक श्रुतज्ञान के असंख्यात भेद हैं।

श्रुतज्ञान व्रत – *Śrutajñāna Vrata.*

A particular type of vow (fasting) to be observed with specific procedure.

विधिपूर्वक 158 उपवास एवं इतनी ही पारणा करना तथा 'ओं ह्रीं द्वादशांगश्रुतज्ञानाय नमः' का त्रिकाल जाप करना।

श्रुतज्ञानावरण – *Śrutajñāvarana.*

Karmas obscuring the *Shrutgyan* (scriptural knowledge).

ज्ञानावरण कर्म का एक भेद; जो कर्म श्रुतज्ञान को आवरण करे।

श्रुतज्ञानी – *Śrutajñāni.*

One well versed in scriptural knowledge

वस्तुस्वरूप को जानने वाला, श्रुतज्ञान अर्थात् शास्त्रज्ञान में पारंगत।

श्रुतग्रंथकृति – *Śrutagranthakṛti.*

The treatises with appropriate meanings

शब्द संदर्भ रूप अक्षरकाव्यों द्वारा प्रतिपाद्य अर्थ को विषय करने वाली जो ग्रंथरचना की जाती है।

श्रुततीर्थ – *Śrutatirtha.*

An auspicious event (Vira Shasan Jayanti) related to the first resonant preaching of Lord Mahavira

श्रावण कृष्ण प्रतिपदा (वीर शासन जयंती) को श्रुततीर्थ दिवस कहते हैं क्योंकि इसी दिन शुभ अभिजित नक्षत्र में तीर्थ (वीर शासन) की उत्पत्ति हुई थी। अर्थात् राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर भगवान महावीर की प्रथम दिव्य ध्वनि खिरी थी।

श्रुतधर आम्नाय – *Śrutadhara Āmnāya.*

The tradition of great saints possessing scriptural knowledge (*Shrutgyan*).

श्रुत को धारण करने वाले आचार्यों की परम्परा, मूलसंघ की पट्टावली में अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु हैं।

श्रुतपंचमी क्रिया – *Śrutapamcamī Kriyā.*

A kind of religious devotional procedure of eulogy.

ज्येष्ठ शु. 5 को श्रुतपंचमी कहते हैं। इस दिन सभी साधु बृहत् सिद्ध भक्ति और बृहत् श्रुत भक्ति पढ़कर श्रुतस्कंध की स्थापना करके श्री इन्द्रनंदि आचार्य विरचित श्रुतावतार का उपदेश देने के अनन्तर बृहत् श्रुत भक्ति व बृहत् आचार्य भक्ति पढ़कर स्वाध्याय करते हैं पुनः बृहत् श्रुतभक्ति पढ़कर स्वाध्याय समापन करके शांति भक्ति पढ़ी जाती है। यह ही श्रुतपंचमी क्रिया (कृतिकर्म) है।

श्रुतपंचमी पर्व – *Śrutapamcamī Parva.*

Auspicious day of *Jyeshtha Shukla Panchmi* of worshipping scriptures.

ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी। इस दिन आचार्य पुष्पदंत-भूतबलि द्वारा षट्खंडागम ग्रंथ की पूर्णता की गयी थी, तदुपरांत चतुर्विध संघ एवं देवों के द्वारा ग्रंथराज की पूजा की गई थी, तभी से यह पर्व ज्येष्ठ सुदी पंचमी को मनाया जाता है और सर्वत्र षट्खंडागम आदि ग्रंथ की पूजा की जाती है।

श्रुतपंचमी व्रत – *Śrutapamcamī Vrata.*

A particular type of vow (fasting), to be observed with specified procedure.

5 वर्ष तक प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल 5 को श्रुतावतार के उपलक्ष्य में उपवास करना। 'ॐ ह्रीं द्वादशांग श्रुतज्ञानाय नमः' मंत्र की त्रिकाल जाप करना।

श्रुतभावना – *Śrutabhāvanā.*

A kind of auspicious reflection.

5 उत्तम भावना में एक भावना। श्रुतभावना करना अर्थात् तद्विषयक ज्ञान में बारम्बार प्रवृत्ति करना।

श्रुतमुनि – *Śrutamuni.*

The disciple of saint Abhayachandra Suri.

त्रिभंगीसार टीका एवं परमागमसार ग्रंथ के रचयिता, जो अभयचंद्र सूरि के शिष्य थे। समय ई. श. 13-अंतिम पाद।

श्रुतवाद – *Śrutavāda.*

Scriptural speech.

अंग प्रविष्ट और अंगबाह्य श्रुत का कथन जिस वचन कलाप के द्वारा किया जाता है वह द्रव्यश्रुत श्रुतवाद कहलाता है, श्रुतज्ञान का एक पर्यायवाची नाम।

श्रुतवीर – *Śrutavīra.*

Name of a *Bhattarak* of *Sen* group.

सेनसंघ या वृषभ संघ की पट्टावली के एक भट्टारक।

श्रुतसागर – *Śrutasāgara.*

Name of a saint in the group of Akampanacharya, Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group, also name of the disciple of *Acharya* Shri Kunthusagar Maharaj.

अकम्पनाचार्य के संघस्थ एक मुनि; इन्होंने राजा श्रीधर्मा के मंत्रियों से शास्त्रार्थ कर उन्हें पराजित किया था। नंदीसंघ बलात्कार गण में भट्टारक विद्यानंदि-2 के शिष्य तथा श्रीचन्द्र के गुरु यशस्तिलक चम्पू की टीका यशस्तिलकचन्द्रिका, तत्त्वार्थवृत्ति (श्रुतसागरी), तत्त्वत्रय प्रकाशिका, प्राकृत व्याकरण, जिनसहस्रनाम टीका, बृहत् कथा कोश आदि अनेक कृतियों के रचयिता। समय-ई. 1487-1533। इस नाम के आचार्यश्री कुन्थुसागर महाराज से दीक्षित एक मुनि (ई.श. 20-21) भी हुए हैं। इन्होंने आचार्यश्री विद्यानंद महाराज के द्वारा उपाध्याय पद प्राप्त किया।

श्रुतसागरी – *Śrutasāgarī.*

Name of a commentary book on Tattvarthvritti written by *Bhattarak* Shrutsagar.

श्रुतसागर भट्टारक कृत तत्त्वार्थवृत्ति की टीका का नाम।

श्रुतस्कंध – *Śrutaskamdha.*

The *Dvadshang Shrut* (12 specified parts of scriptural knowledge).

जिनभाषित और गणधर द्वारा रचित द्वादशांग श्रुत।

श्रुतस्कंध पूजा – *Śrutaskamdha Pūjā.*

Name of a worshipping hymn written by Gangadas.

गंगादास (ई. 1690-1693) कृत पूजा।

श्रुतस्कंध व्रत – *Śrutaskamdha Vrata.*

A particular type of vow (fasting) to be observed with specified procedure.

भाद्रपद माह में विशेष प्रकार की विधि से किया जाने वाला एक व्रत, इसे करने की तीन विधियाँ हैं- उत्तम विधि, मध्यम विधि, लघु विधि। इसका विस्तार व्रत विधान संग्रह से पढ़ें।

श्रुताज्ञान – *Śrutājñāna.*

False scriptural knowledge.

मिथ्याश्रुतज्ञान; चौरशास्त्र, हिंसा शास्त्र तथा महाभारत, रामायण आदि के परमार्थ शून्य होने से साधन करने के अयोग्य उपदेश।

श्रुतावतार – *Śrutāvatāra.*

The basic tradition of omniscients & *Shrutkevalis* (having complete scriptural knowledge) after Lord Mahavira.

भगवान महावीर के पश्चात् केवली व श्रुतकेवलियों की मूल परम्परा को ही श्रुतावतार नाम से कहा जाता है।

श्रुतावतार (ग्रंथ) – *Śrutāvatāra (Grantha).*

Name of two different treatises written by *Acharya* Indranandi & by *Acharya* Shridhar.

आचार्य इन्द्रनंदि (ई.श.10-11) द्वारा रचित प्राकृत गाथाबद्ध भगवान महावीर के निर्वाण से 683 वर्ष पर्यन्त की मूलसंघ की पट्टावली, आचार्य श्रीधर (ई.श.14) द्वारा रचित प्राकृतगद्यबद्ध ग्रंथ।

श्रुति – *Śruti.*

Hearing, something heard, Revelation, The first *Agradevi* (a female divinity) of *Surya* (the Sun) among all 4.

सुनना या कोई सुनी हुई बात, उद्भासित होना, सूर्य की 4 अग्रदेवियों में पहली अग्र देवी, अपरनाम श्रुति है।

श्रुतिगम्य – *Śrutigamya.*

Knowledge acquired by something heard.

अपेक्षित रूप से प्रकृति में कारण व श्रुतिमान से बोधित श्रुतिगम्य है ।

श्रेणिक – *Śrenika.*

A Buddha king of Magadh country, who became Jaina later on, and ultimately became chief listener in the *Samavsharan* of Lord Mahavira, and He will be the first *Tirthankar* (Jaina-Lord) of future time.

राजा उपश्रेणिक के पुत्र का नाम; मगधदेश का राजा। पहले बौद्ध व बाद में अपनी रानी चेलना के उपदेश से जैन हो गये और भगवान महावीर के समवसरण में मुख्य श्रोता बने तथा तीर्थंकर प्रकृति का बंध कर आगामी प्रथम तीर्थंकर (महापद्म) होंगे। समय - ई. पू. 545-516 ।

श्रेणिमार्ग – *Śrenimārga.*

Two particular stages (*Upasham Shreni* & *Kshapak Shreni*) in the path of salvation.

उपशम और क्षपक श्रेणी दो श्रेणीमार्ग हैं जिन पर निर्ग्रंथलिंग वाले मुनि चढ़ते हैं ।

श्रेणी – *Śreni*

Arithmatical and Geometrical progression, Series

संकलन व्यवहार श्रेणी और गुणन व्यवहार श्रेणी ।

श्रेणी – *Śreni.*

Series, Class, Division.

पंक्ति, क्रम, इस शब्द का प्रयोग अनेक प्रकरणों में आता है, जैसे आकाश प्रदेशों की श्रेणी, राजसेना की 18 श्रेणियां, स्वर्गों के श्रेणीबद्ध विमान, शुक्लध्यानगत साधु की उपशम व क्षपक श्रेणी आदि ।

श्रेणीचारण ऋद्धि – *Śrenicāraṇa Ṛddhi.*

A type of super natural power related to the careful walking over smoke, fire etc.

एक चारण ऋद्धि जिसके प्रभाव से धूम, अग्नि, पर्वत और वृक्ष के तन्तु समूह पर से ऊपर चढ़ने की शक्ति प्राप्त होती है।

श्रेणीबद्ध – *Śrenībaddha.*

Sequential; the dwelling & aboding places of hell & heaven (i.e. *Bil* & *Viman* respectively).

स्वर्ग व नरक के श्रेणीबद्ध विमान व बिल, चारों दिशाओं व विदिशाओं में पंक्ति रूप जो विमान व बिल हैं उनकी श्रेणीबद्ध संज्ञा है ।

श्रेयस्कर – *Śreyaskara.*

Meritorious, Auspicious, A type of heavenly deities.

लाभप्रद, मंगलकारी, लौकांतिक देवों का एक भेद ।

श्रेयांस – *Śreyāṁsa.*

Name of a king, a great personality of Jaina history who gave sugarcane juice to Lord Rishabhdev, initiating the food-offering to the Jaina saints.

हस्तिनापुर के कुरुवंशीय राजा सोमप्रभ के भाई। ऋषभदेव को देखकर पूर्वभव में अपने द्वारा दिये गये आहार दान का स्मरण हो आया था। इससे विधिपूर्वक ऋषभदेव को इक्षुरस का प्रथम आहार दे सके। आहारदान देने की प्रवृत्ति इन्हीं से शुरू हुई, अत: इन्हें दानतीर्थ प्रवर्तक कहा जाता है। अंत में दीक्षा लेकर ये ऋषभदेव के गणधर हुये और मोक्षप्राप्त किया ।

श्रेयांसनाथ – *Śreyāṁsanātha*

Name of the 11th *Tirthankar* (Jaina-Lord).

वर्तमान भरत क्षेत्र के 11वें तीर्थंकर, सिंहपुरी (वर्तमान में सारनाथ नाम से प्रसिद्ध) के इक्ष्वाकुवंशी राजा विष्णुमित्र एवं महारानी नंदादेवी के पुत्र, आयु 84 लाख वर्ष, वर्ण तप्तस्वर्ण सदृश था। दो उपवास से फाल्गुन कृष्णा एकादशी के दिन श्रवण-नक्षत्र में 1000 राजाओं के साथ दीक्षा ली। इनका चिन्ह गेंडा है ।

श्रेयांससागर – *Śreyāṁsasāgara.*

Name of a great *Acharya* in the disciple tradition of *Acharya* Shri Shantisagarji Maharaj.

20वीं सदी के प्रथम आचार्य चारित्रचक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा में हुए पंचम पट्टाचार्य। इनकी प्रेरणा से मांगीतुंगी सिद्धक्षेत्र पर 24 तीर्थंकर प्रतिमाओं का नूतन जिनमंदिर निर्मित किया गया है। ये एक महान तपस्वी आचार्य थे ।

श्रेयोविद्या – *Śreyovidā.*

Name of a treatise written by *Acharya* Abhayanandi of *Nandi* group.

नंदिसंघ देशीयगण के आचार्य अभयनंदि द्वारा रचित अनेकों कृतियों में एक कृति, समय - ई. 930-950 ।

श्रोता – *Śrotā.*

Listeners.

धर्म को सुनने वाले पुरुष। गुण-दोषों की अपेक्षा इनके 14 भेद हैं ।

श्रोत्र (इंद्रिय) – *Śrotra (Indriya).*

Ears, the hearing organ of the body.

कर्ण इन्द्रिय ।

श्रोत्रज मतिज्ञान – *Śrotraja Matijñāna.*

Sensory knowledge acquired through speech.

सुनकर प्राप्त किया गया ज्ञान ।

श्रोत्रिय – *Śrotriya.*

One who has thoroughly studied the scriptures.

श्रुत शास्त्र के जानने वाले श्रोत्रिय कहलाते हैं ।

श्लेष – *Śleṣa.*

A union, an association, A figure of speech containing two or more meanings of a word.

संयोग, मिलाप, वह अलंकार जिसमें दो या अनेक अर्थों वाले शब्द हों अथवा वे अनेक अर्थों में प्रयुक्त हुए हों ।

श्लेष संबंध – *Śleṣa Sambandha.*

Close relation (togetherness).

संश्लेष संबंध, परस्पर संबंध को प्राप्त होना, जैसे काष्ठ और

लाख का संबंध, दूध और जल का संबंध ।

श्लेष्मा – *Śleṣmā.*

Phlegm, Mucus

कफ। औदारिक शरीर में 6 अंगुलिप्रमाण श्लेष्मा होता है ।

श्लोकवार्तिक – *Ślokavārtika.*

Name of a commentary book on 'Tattvarthsutra' written by *Acharya* Vidyanandi.

आचार्य उमास्वामी कृत तत्त्वार्थसूत्र पर आचार्य विद्यानंद (ई. 775-840) कृत विस्तृत टीका ।

श्लोहित – *Ślohita.*

Name of a planet.

एक ग्रह ।

श्वासोच्छ्वास – *Śvāsocchvāsa.*

Breathing (exhaling & inhaling air).

श्वासोच्छ्वास, जो पवन अंदर से बाहर आती है उसे उच्छ्वास या प्राण है व जो बाहर की वायु भीतर ली जाय वह श्वास या अपान है ।

श्वेत – *Śveta.*

The Initiation & omniscience forest of Lord Mallinath.

तीर्थंकर मल्लिनाथ का दीक्षा एवं केवलज्ञान वन ।

श्वेतपंचमी व्रत – *Śvetapañcamī Vrata.*

A particular & procedural vow (fasting).

ऐसा व्रत जिसमें आषाढ़, कार्तिक व फाल्गुन तीनों में से किसी भी मास में प्रारम्भ करके 65 महीनों तक प्रत्येक मास शु. 5 का उपवास किया जाता है व त्रिकाल नमस्कार मंत्र का जाप किया जाता है ।

श्वेतरुधिर – *Śvetarudhira.*

Blood having milk colour, one of the 10 excellences of the birth of Lord Arihant.

अरहंतों के जन्म के 10 अतिशयों में एक अतिशय, दूध के समान धवल (सफेद) रुधिर होना ।

श्वेतवर्ण – *Śvetavarṇa.*

White colour, as a sign of meritoriousness.

एक लौकिक मंगल, यह अरहंत भगवान के शुक्लध्यान, शुक्ल लेश्या का प्रतीक होने से मंगल कहलाता है ।

श्वेतवस्त्र – *Śvetavastra.*

White cloths.

सफेद वस्त्र ।

श्वेतवाहन – *Śvetavāhana.*

A king of Champanagari (a city) who got omniscience.

चम्पानगरी का राजा, दीक्षा धारण कर केवलज्ञान प्राप्त किया ।

श्वेताम्बर – *Śvetāmbara.*

A Jaina sect originated from the division of *Moolsangh (Digambar)*

दिगम्बर मान्यतानुसार भगवान महावीर के पश्चात् मूलसंघ दिगम्बर ही था। बाद में (आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व) उत्तर भारत में दुर्भिक्ष अकाल पड़ने के कारण कुछ शिथिलाचारी साधुओं ने श्वेताम्बर संघ की स्थापना की ।

श्वेताम्बर पराजय – *Śvetāmbara Parājaya.*

Name of a book written by *Pandit* Jagannath.

पंडित जगन्नाथ (ई.सन् 1646) कृत केवलि भुक्ति निराकृति विषयक एक रचना ।

श्वेताम्बर संघ – *Śvetāmbara Saṃgha.*

Group of Shvetambar Jain saints.

गोपुच्छक, श्वेताम्बर, द्रविड़, यापनीय, निष्पिच्छ इन 5 जैनाभासी संघों में एक संघ ।

श्वेताम्बराभास – *Śvetāmbarābhāsa.*

A sub-sect of Shvetamber Jain group.

श्वेताम्बर संघ से उत्पन्न हुआ एक मत, अपरनाम ढूंढिया मत या स्थानकवासी मत ।

ष

ष – *Ṣa*

The 31st consonant of the *Devanagari* syllabary

देवनागरी वर्णमाला का इकतीसवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा है ।

षंड वन – *Ṣaṁḍa Vana.*

The initiation forest of Lord Mahavira.

तीर्थंकर महावीर का दीक्षा वन । इसके अन्य नाम नाथ वन व मनोहर वन भी मिलते हैं ।

षट् – *Ṣaṭ.*

Six

छह ।

षट् अनायतन – *Ṣaṭ Anāyatana.*

Six reasons of false belief

मिथ्यात्वादि के कारणभूत 6 स्थान; कुदेव, कुगुरु, कुशास्त्र व इन तीनों के भक्त ।

षट् आवश्यक – *Ṣaṭ Āvaśyaka.*

Six essential duties of Jaina saints

मुनियों के 6 आवश्यक कर्तव्य: सामायिक, वंदना, स्तुति, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय और कायोत्सर्ग ।

षट् आवश्यक (श्रावक) – *Ṣaṭ Āvaśyaka (Śrāvaka).*

Six essential duties of Jaina followers.

श्रावक के 6 आवश्यक कर्तव्य- दान, पूजा, गुरु की सेवा, स्वाध्याय, संयम और तप ।

षट् कर्म – *Ṣaṭ Karma.*

Six occupations for livelihood instructed by Lord Rishabhadev

भगवान ऋषभदेव द्वारा प्रजा की आजीविका के लिए बताये गये 6 कर्म; असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प ।

षट्काय – *Ṣaṭkāya.*

Six kinds of body forms of living beings.

त्रस तथा पृथिवी, जल, वायु, अग्नि और वनस्पतिकाय के जीव ।

षट्कारक – *Ṣaṭkāraka.*

Six kinds of cases (of grammar)

कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान और अधिकरण ।

षट्खंड – *Ṣaṭkhaṁḍa.*

Six parts of *Bharat Kshetra* (region) etc

जंबूद्वीप के भरतक्षेत्र आदि के एक आर्य व 5 म्लेच्छ खंड। इन्हीं षट् खण्डों को चक्रवर्ती जीतता है ।

षट्खंडागम – *Ṣaṭkhaṁḍāgama*

Six parts of the great Jaina philosophical literature containing *Karmic* theory.

कर्म सिद्धांत विषयक ग्रंथ; इसकी उत्पत्ति मूल द्वादशांग श्रुतस्कंध से हुई है। इसके 6 खंड हैं (देखें- षट्खंड टीका)। पहले खण्ड के सूत्र पुष्पदंत आचार्य (ई. 106-136) के बनाये हुए हैं, उनका स्वर्गवास हो जाने के कारण शेष 4 खण्डों के पूरे सूत्र आचार्य भूतबलि (ई. 136-156) ने बनाये थे। छठा खण्ड सविस्तार रूप से आचार्य भूतबलि द्वारा (महाबंध के रूप में) बनाया गया है ।

षट्खंडागम टीका – *Ṣaṭkhaṁḍāgama Ṭīkā.*

The commentary books written on *Shatkhandagam* - 6 great scriptural parts.

षट्खण्डागम ग्रंथ के जीवट्ठाण, खुद्दाबंध, बंधस्वामित्व विचय, वेदना, वर्गणा, महाबंध इन 6 खंडों में आदि के 5 खण्डों पर उपलब्ध अनेक टीकाएं। छठे खण्ड पर वीरसेन स्वामी ने संक्षिप्त व्याख्या के अतिरिक्त और कोई टीका नहीं की है। सर्वप्रथम परिकर्म नामक टीका आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) द्वारा प्रथम तीन खण्डों पर, दूसरी टीका आचार्य समन्तभद्र (ई. श.2) द्वारा प्रथम 5 खंडों पर, तीसरी टीका आचार्य शामकुण्ड (ई. श. 3) द्वारा प्रथम पांच खंडों पर एवं चौथी टीका आचार्य वीरसेन स्वामी (ई. 770-827) द्वारा की गई है। इसके अतिरिक्त 20वीं शताब्दी की प्रथम बालब्रह्मचारिणी आर्यिका गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा षट्खंडागम के चार खंडों पर सिद्धान्तचिन्तामणि नामक संस्कृत टीका लिखी जा चुकी है. पाँचवे खंड पर टीका लेखन कार्य पूज्य माताजी द्वारा जारी है। इसकी हिन्दी टीका प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा की जा रही है ।

षट्गुण हानि वृद्धि – *Ṣaṭguṇa Hāni Vṛddhi.*

Finite or infinite increase & decrease in indivisible particles (of 6 kinds).

अविभाग प्रतिच्छेदों में हानि वृद्धि का नाम ही षट्गुण हानि वृद्धि है। ये 6-6 प्रकार से होती है। (देखें - षड्गुण हानि वृद्धि) ।

षट्चत्वारिंशत – *Ṣaṭcatvāriṁśata.*

Forty six (46 virtues of Lord Arihant etc)

46 (अर्हंत भगवान के 46 गुण, आहार के 46 दोष, वसतिका सम्बंधी 46 दोष आदि) ।

षट्त्रिंशत – *Ṣaṭtriṁśata.*

Thirty six (basic restraints of *Acharya* etc).

36, आचार्य के 36 मूलगुण: 12 तप, 10 धर्म, 6 आवश्यक, 5 आचार, 3 गुप्ति ।

षट्पर्याप्ति – *Ṣaṭparyāpti.*

Six kinds of basic development of beings.

आहार, शरीर, इन्द्रिय, श्वासोच्छ्वास, भाषा और मनः पर्याप्ति।

षट्प्राभृत टीका – *Ṣaṭprābhṛta Ṭīkā.*

The Sanskrit commentary book on 'Shatprabhrit' treatise.

कुन्दकुन्द आचार्य के षट्प्राभृत की आचार्य श्रुतसागर (ई. सन् 1487-1533) कृत संस्कृत टीका ।

षडंशता – *Ṣaḍaṁśatā.*

Defining a matter into 6 parts.

किसी द्रव्य को 6 अंशों में मानना ।

षडनायतन – *Sadanāyatana.*
See - *Ṣat Anāyatana.*
देखें - षट् अनायतन ।

षडावश्यक – *Sadāvaśyaka.*
See - *Ṣat Avaśyaka.*
देखें - षट् आवश्यक ।

षड्गुण हानि वृद्धि – *Ṣadguṇa Hāni Vṛddhi.*
Finite or infinite increase and decrease (related to indivisible particles etc.).
अनंत भागवृद्धि, असंख्यात भाग वृद्धि, संख्यात भागवृद्धि, संख्यात गुण वृद्धि, असंख्यात गुणवृद्धि, अनंत गुण वृद्धि। अनंत भाग हानि, असंख्यात भाग हानि, संख्यात भाग हानि, संख्यात गुण हानि, असंख्यात गुण हानि, अनंत गुण हानि। (देखें - षट्गुण- हानि वृद्धि) ।

षड्ज – *Ṣadja.*
One of the 7 notes or tons of music.
संगीत के सप्त स्वरों में एक स्वर ।

षड्दर्शन – *Saḍdarśana.*
Six particular kinds of philosophies (*Bauddha, Naiyayik, Sankhya, Jaina, Vaisheshik & Jaminiy*)
6 दर्शन- बौद्ध, नैयायिक, सांख्य, जैन, वैशेषिक तथा जैमिनीय।

षड्दिक् गति – *Ṣaḍdika Gati.*
Six directional motion of beings, binded with *Karmas.*
कर्मबद्ध जीवों का कर्मनिमित्तक षट्दिक अर्थात् 6 दिशाओं में गमन होना ।

षड्द्रव्य – *Ṣaḍdravya.*
Six universal entities (*Jiva*-soul, *Pudgal* -matter, *Dharma* - medium of motion, *Adharma*-medium of rest, *Akash* -sky, *Kal* -time).
छः द्रव्य - जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश, काल ।

षड्रस – *Ṣadrasa*
Six particular kinds of delicacies (milk, curd, ghee, oil, salt, sugar).
6 रस- दूध, दही, घी, तेल, नमक, मीठा ।

षड्रसी व्रत – *Ṣadrasī Vrata.*
A particular & procedural vow (fasting) pertaining to renouncement of 6 kinds of particular delicacies
उत्कृष्ट 24 वर्ष, मध्यम 12 वर्ष व जघन्य 1 वर्ष में ज्येष्ठ कृ. 1 से ज्येष्ठ पूर्णिमा तक- कृ.1 को उपवास, 2-15 तक एकाशन शु.1 को उपवास, 2-15 तक एकाशन करना एवं 'ॐ ह्रीं श्री वृषभजिनाय नमः' मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

षड्विध आहार – *Ṣadvidha Āhāra.*
Six kinds of intakes.
कर्माहार, नोकर्माहार, कवलाहार, लेप्याहार, ओजाहार, मानसाहार।

षड्विंशति – *Ṣadviṁśati.*
Twenty six (26 delusive *Karmic* nature of false believers etc.)
26, नियम से मिथ्यादृष्टि जीव मोह की 26 प्रकृतियों का स्वामी होता है ।

षण्णवति प्रकरण – *Ṣaṇṇavati Prakaraṇa.*
Name of a book written by *Acharya* Somsen
आचार्य सोमसेन (ई. 943-968) कृत न्याय विषयक एक ग्रंथ ।

षण्मुख– *Ṣaṇmukha.*
Name of the demigod of Lord Vasupujya
तीर्थंकर वासुपूज्य के शासन देव का नाम ।

षष्ठ अणुव्रत – *Ṣaṣṭha Aṇuvrata.*
A vow-renouncement of food taking after sun set.
रात्रिभोजन त्याग छठा अणुव्रत है ।

षष्ठ बेला – *Ṣaṣṭha Belā.*
See - *Ṣaṣṭha Bhakta.*
देखें - षष्ठ भक्त ।

षष्ठ भक्त – *Ṣaṣṭha Bhakta.*
A particular & procedural vow (fasting) to be observed for two days
दो उपवास की चार भुक्ति एवं एक दिन पूर्व व एक दिन बाद की एक-एक भुक्तियाँ, इस प्रकार कुल 6 भुक्तियों का त्याग षष्ठ भक्त कहलाता है, इसी को षष्ठ बेला भी कहते हैं ।

षष्ठीव्रत – *Ṣaṣṭhīvrata.*
A particular & procedural vow (fasting) to be observed for six years.
6 वर्ष तक प्रतिवर्ष श्रावण शु.6 के दिन उपवास करना एवं 'ॐ ह्रीं श्री नेमिनाथाय नमः' मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

षोडशकारणधर्म चक्रोद्धारयंत्र –
Ṣoḍaśakāraṇadharma Cakroddhārayantra.
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystical diagrams & words.
षोडशकारण धर्म सम्बन्धित अक्षर-मंत्रों से एवं विभिन्न रेखाकृतियों से चित्रित यंत्र ।

षोडशकारण भावना – *Ṣoḍaśakāraṇa Bhāvanā.*
Sixteen spiritual reflections (sentiments causing to be *Tirthankar* (Jaina-Lord).
तीर्थंकर प्रकृति की कारणभूत दर्शनविशुद्धि आदि 16 भावनाएं। दर्शन विशुद्धि, विनय संपन्नता, शीलव्रतों में अनतिचार (शीलव्रतेष्वनतिचार), अभीक्ष्णज्ञानोपयोग, संवेग, शक्तितस्तप, शक्तितस्त्याग, साधु समाधि, वैयावृत्यकरण, अर्हत भक्ति, आचार्यभक्ति, बहुश्रुत भक्ति, प्रवचन भक्ति, आवश्यक अपरिहाणि, मार्ग प्रभावना एवं प्रवचन वत्सलत्व ।

षोडशकारण भावना व्रत –
Ṣoḍaśakāraṇa Bhāvanā Vrata.
A particular & procedural vow (fasting).
उत्कृष्ट 16 वर्ष, मध्यम 5 वर्ष, जघन्य 1 वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद, माघ, व चैत्र इन 3 महीनों में कृ. 1 से लेकर अगले महीने की कृ. 1 तक 32 दिन तक 16 उपवास, 16 पारणा करना एवं "दर्शनविशुद्ध्यादि- षोडशकारणेभ्यो नमः" मंत्र का

त्रिकाल जाप करना ।

षोडश स्वप्न – *Ṣoḍaśa Svapna.*

Sixteen auspicious meaningful dreams seen by *Tirthankar's* (Jaina Lord's; mother)

तीर्थंकर माता को दिखने वाले 16 स्वप्न; ऐरावत हाथी, बैल, सिंह, दो माला, लक्ष्मी, पूर्ण चन्द्रमा, सूर्य, दो कलश, मछली युगल, सरोवर, समुद्र, सिंहासन, देवों का विमान, नागेन्द्र भवन, रत्न राशि, निर्धूम अग्नि ।

षोडश स्वप्न (चक्रवर्ती) –

Ṣoḍaśa Svapna (Cakravarti).

Sixteen different symbolic dreams seen by Bharat Chakravarti (an emperor).

भरतचक्रवर्ती के 16 स्वप्न- पर्वत पर 23 सिंह, सिंह के साथ हिरणों का समूह, बोझ से झुकी पीठ वाला घोड़ा, शुष्क पत्ते खाने वाले बकरों का समूह, हाथी के ऊपर बैठा बंदर, अन्य पक्षियों द्वारा त्रसित उल्लू, आनंद करते भूत, मध्यभाग में सूखा तालाब, मलिन रत्नराशि, कुत्ते का नैवेद्य आदि से सत्कार, जवान बैल, मण्डल से युक्त चन्द्रमा, शोभा नष्ट दो बैल, मेघों से आवृत सूर्य, छाया रहित सूखा वृक्ष, जीर्ण पत्तों का समूह । महापुराण ग्रंथ में निहित इन समस्त स्वप्नों के फलों के अनुसार पंचमकाल में अनेक विकृतियाँ उत्पन्न होंगी, जो प्रत्यक्ष रूप से वर्तमान में देखी जा रही हैं ।

स

स – *Sa.*

The 32[nd] consonant of the *Devanagari* syllabary.

देवनागरी वर्णमाला का बत्तीसवाँ व्यंजन अक्षर, इसका उच्चारण स्थान दन्त है ।

संकटहरण व्रत – *Saṁkaṭaharaṇa Vrata.*

A particular & procedural vow (fasting) related to releasing one from misfortune.

3 वर्ष तक प्रतिवर्ष भाद्रपद, माघ व चैत्र मास में शु. 13 से शु. 15 तक उपवास तथा 'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रौं ह्रः असि आ उसा नमः सर्व शान्तिं कुरु कुरु स्वाहा' मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

संकर – *Saṁkara.*

Hybrid, Cross-breed, Something mixed.

सम्मिश्रण, मिलावट ।

संकर दोष – *Saṁkara Doṣa.*

Hybridisation—a fault.

किसी धान्य, फल, पुष्प अथवा जाति में दो भिन्न-भिन्न प्रकार की वस्तु या जाति के सम्मिश्रण से संकर दोष होता है। जैसे दो प्रकार की गुलाब की कलम का मिश्रण कर लगाने से तीसरे रंग का पैदा हुआ गुलाब संकर कहलाता है ।

संकलन – *Saṁkalana.*

Compilation, Integration.

जमा करना, परस्पर राशियों को जोड़ना ।

संकलन व्यवहार – *Saṁkalana Vyavahāra.*

A mathematical operation, Integration.

श्रेणी व्यवहार गणित; दो चार राशियों तक सीमित न रखकर धारावाही रूप से जोड़ना अर्थात् समान वृद्धि को लिये अनेक अंकों की लम्बी धारा या श्रेणी में यह गणित काम आता है ।

संकलन श्रेणी व्यवहार –

Saṁkalana Śreṇī Vyavahāra.

Integral series of numbers.

गणित विषयक एक संकलन व्यवहार की श्रेणी = 4+8+12+16+20+24+28+32=144 ।

संकल्प – *Saṁkalpa.*

Resolution, Determination, Will

प्रतिज्ञा, कामनाशक्ति, चेतन-अचेतन आदि पदार्थों में 'ये मेरे हैं' ऐसी कल्पना करना संकल्प है ।

संकल्पी हिंसा – *Saṁkalpī Hiṁsā.*

Determined violence.

संकल्प सहित की जाने वाली हिंसा अर्थात् 'मैं इस जीव को मारूं'- इस प्रकार के विचार से जो हिंसा की जाती है ।

संकुट – *Saṁkuṭa.*

Contracted, Limited.

जीव अति सूक्ष्म देह मिलने से संकुचित होता है, इसलिए उसे

संकुट कहा गया है ।

संकेत - *Saṁketa.*

Indication, Symbol, Notation, Sign.

इंगित परक चिन्ह, प्रतीक ।

संकोच - *Saṁkoca.*

Narrowness, Contraction.

सिकुड़ना, संक्षेपण, सहमना ।

संकोच विस्तार - *Saṁkoca Vistāra.*

The state of contraction & expansion of soul points of beings.

जीव के प्रदेशों का संहार व विसर्पण। दीप के प्रकाश के समान जीव के प्रदेशों का संकोच-विस्तार होता है ।

संक्रमण - *Saṁkramaṇa.*

Transition of *Karmic* nature.

कर्म प्रकृतियों का बदलकर अन्य प्रकृति रूप हो जाना ।

संक्रांति - *Saṁkrānti.*

Transition, Change.

संचार, गमन, परिवर्तन। इसके अर्थ, व्यंजन, योग संक्रांति तीन भेद है। यह परिवर्तन प्रथम शुक्लध्यान पृथक्त्ववितर्क वीचार में होता है। प्रत्येक मास में सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में संचार करना भी संक्रांति कहलाता है ।

संक्लिष्ट हस्तकर्म - *Saṁkliṣṭa Hastakarma.*

Hard manual work.

छेदन भेदन करना, पीसना, गूंथना, चित्र बनाना, खोदना आदि कार्य को संक्लिष्ट हस्तकर्म कहते हैं ।

संक्लेश - *Saṁkleśa.*

Passionate or painful thoughts.

असाता वेदनीय कर्म के बंध योग्य परिणाम या तीव्र कषाय रूप परिणाम का नाम संक्लेश है ।

संक्षेप दर्शनार्य - *Saṁkṣepa Darśanārya.*

A kind of noble persons having ability to apprehend right perception by brief exposition only.

दर्शनार्य के 10 भेदों में एक भेद, पदार्थों के संक्षिप्त कथन से ही सम्यग्दर्शन को प्राप्त होने वाले जीव ।

संक्षेप रुचि - *Saṁkṣepa Ruci.*

To have interest in understanding by summarized exposition.

संक्षेप कथन से समझने की रुचि होना ।

संक्षेप सम्यक्त्वार्य - *Saṁkṣepa Samyaktvārya.*

See - *Saṁkṣepa Darśanārya.*

देखें - संक्षेप दर्शनार्य ।

संक्षेप सम्यग्दर्शन - *Saṁkṣepa Samyagdarśana.*

Right faith gained through brief description of scriptures.

जिनागम में कहे गये जीवादि पदार्थों को संक्षेप से सुनकर या जानकर जो सम्यग्दर्शन होता है ।

संख्या - *Saṁkhyā.*

Numbers or meaningful numbers. One of the eight *Anuyogdvārs* (disquisition doors)

गिनती, सत् प्ररूपणा में जो पदार्थों का अस्तित्व कहा गया है उनके प्रमाण का वर्णन करने वाली संख्या है। जीवादि पदार्थों के भेदों की गणना, यह 8 अनुयोग द्वारों में दूसरा अनुयोग द्वार है ।

संख्यात - *Saṁkhyāta.*

Finite counting.

दो को आदि लेकर गणना (गिनने योग्य संख्या) ।

संख्यात गुणवृद्धि - *Saṁkhyāta Guṇavṛddhi.*

Multiplicative increase in numbers.

किसी संख्या का संख्यात गुणा किसी में बढ़ाना ।

संख्यात भागवृद्धि - *Saṁkhyāta Bhāgavṛddhi.*

Finite increase in any number.

किसी संख्या का संख्यात भाग किसी में बढ़ाना ।

संख्यात गुणहानि - *Saṁkhyāta Guṇahāni.*

Multiplicative decrease in numbers

किसी संख्या का संख्यात गुणा किसी में घटाना ।

संख्याताणुवर्गणा - *Saṁkhyātāṇuvargaṇā.*

A kind of aggregates of *Karmic* molecules.

23 प्रकार की वर्गणाओं में एक वर्गणा ।

संख्याधिकार - *Saṁkhyādhikāra.*

One of the 8 *Anuyogadvārs* (disquisition doors).

8 अनुयोगद्वारों में एक अनुयोगद्वार। जीव किस-किस गुणस्थान व मार्गणा स्थान आदि में कितने-कितने हैं इसका निरूपण इस अधिकार में किया जाता है ।

संख्या व्यभिचार - *Saṁkhyā Vyabhicāra.*

Wrong interpretation of numbers.

एकवचन की जगह द्विवचन आदि का कथन करना ।

संगति - *Saṁgati.*

Mutual relation, company, Association

संसर्ग, पारस्परिक मेलजोल। गुणाधिक लोगों की संगति (साथ) हितकारी होती है ।

संगीत समयसार - *Saṁgīta Samayasāra.*

Name of a book written by Parshvadev on music.

पार्श्वदेव द्वारा (ई.श. 12 उत्तरार्ध) संगीत शास्त्र विषयक संस्कृत भाषाबद्ध रचना ।

संग्रह - *Saṁgraha.*

Collection, Compilation, Storing.

एकत्र करना, जमा करना ।

संग्रहकृष्टि - *Saṁgraha Kṛṣṭi.*

A kind of gradual destruction of passions.

कृष्टियों के अनेक भेदों में एक भेद। क्रोधादि संज्वलन कषायों की जो 12,9,6 और 3 कृष्टियां होती हैं वे ही संग्रह कृष्टियां हैं। पुन: इस एक-एक संग्रह कृष्टि की अंतर कृष्टियां अनंत होती हैं। क्योंकि अनंत कृष्टियों के समूह का नाम ही संग्रह कृष्टि है। (क्षपणासार-21) ।

संग्रहनय - *Saṁgrahanaya.*

A standpoint related to collection of matters.

अभेद रूप से अर्थात् अपनी जाति का विरोध न करके जो

समस्त वस्तुओं को संग्रह करके कथन करता है ।

संघ – *Samgha.*
The group of Jaina saints.
रत्नत्रय से युक्त श्रमणों का समुदाय। ऋषि, मुनि, यति और अनगार के समुदाय का नाम संघ है ।

संघात – *Samghāta.*
Aggregate, Collection, A type of *Shrutgyan* (scriptural knowledge) related to wholesome increase of knowledge
समूह, समास, श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 7वां भेद। एक-एक पद के ऊपर एक-एक अक्षर की वृद्धि के क्रम से संख्यात हजार पदों के बढ़ जाने पर यह संघात श्रुतज्ञान होता है ।

संघात (नामकर्म) – *Samghāta (Nāmakarma).*
Physique making *Karmic* nature causing association of body molecules.
जिसके उदय से औदारिक आदि 5 शरीर योग्य परमाणु परस्पर छिद्र रहित मिल जावें ।

संघातन – *Samghātana.*
Association, Collection.
संचय, मिलना ।

संघातन कृति – *Samghātana Krti.*
Assimilation of molecules of body.
पांचों शरीरों में से विवक्षित शरीर के परमाणुओं का निर्जरा के बिना जो संचय होता है उसे संघातन कृति कहते हैं ।

संघातन-परिशातन कृति – *Samghātana-Pariśātana Krti*
Assimilation and dissociation of the molecules of body.
पांचों शरीरों में से विवक्षित शरीर के पुद्गल स्कंधों का आगमन और निर्जरा का एक साथ होना संघातन-परिशातन कृति कही जाती है ।

संघात समास ज्ञान – *Samghāta Samāsa Jñāna.*
The 8th division of *Shrutgyan* (scriptural knowledge) among all 20 divisions.
श्रुतज्ञान के 20 भेदों में 8वां भेद ।

संघातिम – *Samghātima.*
Artificial structures constructed with mixed materials.
काष्ठ, ईंट और पत्थर आदि की संघातन क्रिया से सिद्ध हुए कृत्रिम जिनभवन, गृह, प्राकार और स्तूप आदि द्रव्य संघातिम कहलाते हैं ।

संचया – *Samcayā.*
Name of a main city of *Mangalavati* region of eastern *Videh* (region).
पूर्व विदेहस्थ मंगलावती क्षेत्र की मुख्य नगरी ।

संचरण – *Samcarana.*
Movement (of body particles etc.).
गमन, हलन-चलन, योग के कारण जीवप्रदेशों का परिस्पंदन होना ।

संचार – *Samcāra.*
Movement, Transmission.
घूमना, एक अक्ष या भंग को अनेक भंगों में क्रम से पलटना।

संचारगति – *Samcāragati.*
Speed transmission or movement.
गति के अनेक भेदों में एक ।

संचालन – *Samcālana.*
Conduction, Directing, Managing.
जिन जीव प्रदेशों का चलन-भ्रमण होता है ।

संचेतन – *Samcetana.*
Consciousness.
किसी के प्रति एकाग्र होकर ही अनुभवरूप स्वाद लेना उसका संचेतन कहलाता है ।

संचेतना – *Samcetanā.*
Absolute consciousness
ज्ञानरूप शुद्ध आत्मा या ज्ञान चेतना ।

संजम – *Samjama.*
Restraints, Abstinence.
संयम ।

संजय – *Samjaya.*
Name of a super saint who called Lord Varddhaman by a new name 'Sanmati'.
एक चारण ऋद्धिधारी मुनि; इनके साथ विहार करने वाले द्वितीय चारणऋद्धिधारीमुनि का नाम विजय था। एक बार कुण्डलपुर के नंद्यावर्त महल में पालने में झूलते तीर्थंकर बालक वर्द्धमान के दर्शन मात्र से इन मुनियों का संदेह दूर हो गया था। प्रभावित होकर इन्होंने वर्द्धमान को 'सन्मति' नाम से संबोधित किया था ।

संजात – *Samjāta.*
Name of the 5th *Tirthankar* (Jaina Lord) of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्रस्थ 5 वें तीर्थंकर, इनका चिह्न सूर्य एवं जन्म नगरी अलकापुरी है ।

संज्ञ – *Samjña.*
Mind, mental power.
मन। जो भली प्रकार जानता है उसको संज्ञ अर्थात् मन कहते हैं ।

संज्ञा – *Samjñā.*
Instinctive consciousness. It is of four kinds– food, fear, sex, possessions.
आहार आदि विषयों की अभिलाषा को संज्ञा कहते हैं। इसके आहार, भय, मैथुन व परिग्रह 4 भेद हैं ।

संज्ञी – *Samjñī.*
Beings with consciousness.
पंचेन्द्रिय संज्ञी अर्थात् मन सहित पंचेन्द्रिय जीव; जो शिक्षा उपदेश आदि ग्रहण करते हैं ।

संज्ञी मार्गणा – *Samjñī Mārganā.*
A type of investigation related to beings.

14 मार्गणाओं में एक मार्गणा; इसमें संज्ञी, असंज्ञी जीवों की खोज की जाती है।

संज्वलन – *Saṁjvalana.*
A passion, which disturbs perfect conduct.
एक कषाय; जो यथाख्यात चारित्र का घात करती है।

संज्वलन चतुष्क – *Saṁjvalana Catuṣka.*
The quartet of slights passions i.e. anger, proud, illusion, greed.
संज्वलन क्रोध मान माया लोभरूप चतुष्क जिसके सद्भाव में भी संयम ज्वलित अर्थात् चमकता रहता है अथवा समीचीन निर्मल यथाख्यात चारित्र का जो ज्वलन-दहन करता है।

संततता – *Saṁtatatā.*
Continuance, Iteration, Tradition.
निरंतर, सतत, परम्परा।

संतति – *Saṁtati.*
Continued succession, offspring, descendants, lineage.
परम्परा।

संतलाल – *Saṁtalāla.*
Name of a Jain poet, the writer of 'Siddhachakra Vidhan'.
सिद्धचक्र विधान के कर्ता एक जैन कवि। समय-ई. श. 17-18।

संतान – *Saṁtāna.*
Offsprings, descendants, Name of the 50th planet.
गोत्र, कुल, वंश और संतान ये सब एकार्थवाचक नाम हैं, 88 ग्रहों में 50 वां ग्रह।

संतिणाहचरिउ – *Saṁtiṇāhacariu.*
Name of a treatise written by Shubhkirti *Bhattarak.*
शुभकीर्ति भट्टारक (ई. 1437) कृत अपभ्रंश भाषाबद्ध ग्रंथ।

संतोष – *Saṁtoṣa.*
Satisfaction, Contentment.
शांति, परितुष्टि। अर्थात् लोभ-तृष्णा का अभाव।

संतोषतिलक जयमाल – *Saṁtoṣatilaka Jayamāla.*
A drama script written by Buchiraj.
संतोष द्वारा लोभ को जीतना विषयक अपभ्रंश भाषाबद्ध बूचिराज कृत एक रूपक।

संतोष भावना – *Saṁtoṣa Bhāvanā.*
Attitude of equanimity or satisfaction.
मान अपमान में समता रखना, अशन पान आदि के यथायोग्य लाभ में समता रखना संतोष भावना है।

संदिग्ध – *Saṁdigdha.*
Doubtful, suspicious, scrupulous
भ्रामक, संदेहात्मक।

संदिग्ध अन्न – *Saṁdigdha Anna.*
Doubtful edible material infected with bacteria or insects.
ऐसे खाद्य पदार्थ जिनमें त्रस जीवों के रहने का संदेह हो।

संदृष्टि – *Saṁdṛṣṭi.*
Symbol, A chart related to any subjective description
प्रतीक चिन्ह, किसी विषय वस्तु से संबंधित सारिणी।

संदेह – *Saṁdeha.*
Doubt, Suspicion.
शंका। सम्यग्दृष्टि जीव स्वभावतः निर्भय होने से समस्त शंकाओं से रहित होता है।

संधान – *Saṁdhāna.*
Pickles, Jam (non-edible according to Jain philosophy)
अचार व मुरब्बा। त्रस जीवों से संमिश्र होने से ये अभक्ष्य हैं।

संधानक – *Saṁdhānaka*
See - *Saṁdhāna.*
देखें - संधान।

संधि – *Saṁdhi.*
Alliance, union, Reconciliation, A treaty, Name of a planet, Joint of the body.
संयोग, आपस का मेल, एक राजा का दूसरे राजा के साथ विशिष्ट शर्तों पर मैत्री भाव स्थापित करना, 88 ग्रहों में 33वां ग्रह (अपरनाम शांति), औदारिक शरीर में 300 संधि हैं।

संध्या – *Saṁdhyā.*
Evening, Joining period of night-morning, morning-afternoon & evening-night (i.e. dawn, mid-joining & dusk).
शाम। प्रातः, मध्यान्ह, सायंकाल के संधिकालों को संध्या कहते हैं। इन संधिकालों में वंदना एवं सामायिक की जाती है।

सन्यास आश्रम – *Sanyāsa Āśrama.*
The fourth stage of life, period of asceticism
धर्म क्रियाओं के भेद से ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व सन्यास इन 4 आश्रमों में एक आश्रम।

सन्यास मरण – *Sanyāsa Maraṇa.*
The holy death of an ascetic.
मुनि व्रत धारण कर पंडित मरण करना।

संपराय – *Saṁparāya.*
Passionful influx.
संपराय कषाय व संसार को कहते हैं।

संप्रति – *Saṁprati.*
Present time, Another name of king Chandragupt-II.
वर्तमान, मगधराज अशोक का पौत्र, अपरनाम चन्द्रगुप्त द्वितीय। समय - ई.पू. 220-211।

संप्रदान कारक – *Saṁpradāna Kāraka.*
The dative case in grammar.
षट्कारकों में चतुर्थ कारक; कर्म जिसको देने में आवे अर्थात् जिसके लिए करने में आवे। (के लिए, के अर्थ, के वास्ते)।

संप्रदाय विरोध – *Sampradāya Virodha.*
Castewise mutual contradictions.
भिन्न-भिन्न जातियों में पारस्परिक विरोध ।

संबंध – *Sambandha.*
Alliance, Relation, Connection.
संयोग, मिलाप, साहचर्य। जहां पर अभेद प्रधान और भेद गौण होता है वहां पर संबंध समझना चाहिए ।

संबंधाहार (सचित्त) – *Sambandhāhāra (Sacitta).*
A kind of food; as cooked hot vegetable mixed with the raw one etc. It is non-edible according to Jaina philosophy.
सचित्त से चेतना द्रव्य लिया जाता है। इससे सम्बंध को प्राप्त हुआ द्रव्य सचित्त सम्बंधाहार है। व्रतियों के लिए ऐसा आहार त्याज्य है ।

संभव – *Sambhava.*
Possible, Probable, Name of a planet, A type of deities.
88 ग्रहों में 52 वां ग्रह। आकाशोपपन्न देवों के 12 भेदों में अंतिम भेद ।

संभवचरिउ – *Sambhavacariu.*
Name of a treatise written by poet Tejapal.
कवि तेजपाल द्वारा (ई. 1443) रचित कथानात्मक विषयक अपभ्रंश ग्रंथ ।

संभवदल कर्म – *Sambhavadala Karma.*
Cutting of wood.
लकड़ी के आवश्यकतानुसार भाग कर दिये जाना संभवदल कर्म है ।

संभवनाथ – *Sambhavanātha.*
Name of the 3rd *Tirthankar* (Jaina-Lord).
तीसरे तीर्थंकर। श्रावस्ती नगर के राजा दृढ़राज एवं रानी सुषेणा के पुत्र। इनकी आयु 60 लाख वर्ष पूर्व थी, ऊंचाई 400 धनुष (1600 हाथ), देहवर्ण-तप्तस्वर्ण सदृश, 14 वर्ष तपस्या के बाद केवलज्ञान प्राप्त हुआ। चारुषेण आदि इनके 105 गणधर थे। इनका चिन्ह घोड़ा है ।

संभावना सत्य – *Sambhāvanā Satya.*
Truth pertaining to probability or possibility.
वस्तु के स्वभाव को कहने वाला वचन या जैसी इच्छा रखे वैसा कर सके यह संभावना सत्य है। जैसे- इच्छा करे तो इन्द्र जम्बूद्वीप को पलट सकता है ।

संभाषण – *Sambhāṣaṇa.*
Conversation, Dialogue.
कथोपकथन, बातचीत ।

संभिन्नमति – *Sambhinnamati.*
Name of a minister or counsellor of king Mahabal (the 10th past birth soul of Lord Rishabhdev).
तीर्थंकर ऋषभदेव के 10वें पूर्वभव के जीव राजा महाबल का एक मंत्री। इसने राज्यसभा में नास्तिक मत की सिद्धि की थी अंत में मरकर निगोद में उत्पन्न हुआ ।

संभिन्नश्रोत ऋद्धि – *Sambhinnaśrotra Ṛddhi.*
A super power of replying at once the queries of all beings present in all 10 directions.
बुद्धि ऋद्धि के 18 भेदों में एक भेद; जिस ऋद्धि के प्रभाव से साधु श्रोत्र-इन्द्रिय के उत्कृष्ट क्षेत्र से बाहर दसों दिशाओं में संख्यात योजन प्रमाण क्षेत्र में स्थित मनुष्य और तिर्यंचों के बहुत प्रकार के शब्दों को सुनकर उनका एक साथ प्रत्युत्तर देने में समर्थ होता है ।

संभूत – *Sambhūta*
Born from or originated from.
बनाया हुआ या उत्पन्न किया हुआ ।

संभ्रांत – *Sambhrānta.*
Confused, Agitated, Honoured, Respected, A dwelling place in the first land of hell.
उद्विग्न, भ्रमित, सम्माननीय, आदरणीय, पहली घर्मा नरक पृथिवी के 13 प्रस्तारों में छठे प्रस्तार का छठा इन्द्रक बिल।

संमिश्र – *Sammiśra.*
Mixed food; as cooked food mixed with raw one. It is non-edible accroding to Jaina philosophy
सचित्त या जीव सहित द्रव्य से मिश्रित द्रव्य अर्थात् आहार। भोगोपभोग परिमाण व्रत का एक अतिचार। सचित्त से मिली वस्तु को खाना ।

संमूर्च्छन – *Sammūrcchana.*
Spontaneous generation (formation of body organs or limbs by surrounding matter).
जो जीव स्त्री-पुरुष के संयोग के बिना ही वातावरण में बिखरे हुए परमाणुओं के योग से उत्पन्न होते हैं वे सम्मूर्छन कहलाते हैं। सभी प्रकार के पेड़-पौधे, शेष एक इन्द्रिय तथा दो इन्द्रियादि कीड़े-मकोड़े आदि ।

संमूर्च्छन जन्म – *Sammūrcchana Janma.*
Spontaneous birth (formation of body organs or limbs by surrounding matter).
जन्म के तीन भेदों में एक भेद; तीनों लोकों में सर्वत्र बिना माता-पिता के सम्बंध से सब ओर से पुद्गलों को ग्रहण करके जो शरीर की रचना हो जाती है उसे सम्मूर्छन जन्म कहते हैं। देखें-सम्मूर्छन ।

संमूर्च्छन मनुष्य – *Sammūrcchana Manuṣya.*
Human beings caused birth by spontaneous generation (not by womb).
वीर्य, नाक का मल, कफ, कान, दांतों का मल और अत्यंत अपवित्र अंगों में जो जीव तत्काल उत्पन्न होते हैं एवं जिनका शरीर अंगुल के असंख्यात भाग का रहता है और जन्म लेने के बाद ये शीघ्र नष्ट होते हैं ये लब्ध्यपर्याप्तक होते हैं ।

संमूर्छिम – *Sammūrcchima.*
Beings caused by spontaneous birth (not by womb or germination).
गर्भज और उपपादज जन्म वालों के अतिरिक्त शेष जीव ।

संमूर्च्छिम तिर्यंच – *Sammūrcchima Tiryañca.*
Animals & plants etc., those caused birth by spontaneous generation (not by womb).
गर्भ जन्म के अतिरिक्त संमूर्छिम जन्म से उत्पन्न होने वाले तिर्यंच ।

संमेदाचल महात्म्य – *Sammedācala Mahātmya.*
Name of a composition written by *Pandit* Manarangial.
पंडित मनरंगलाल (ई. 1793-1843) द्वारा विरचित एक छंदबद्ध कृति ।

संमोह (देव) – *Sammoha (Deva).*
A type of peripatetic deities.
पिशाच जाति के व्यंतर देवों के 14 भेदों में एक भेद ।

संमोही भावना – *Sammohī Bhāvanā.*
Hypocratic mentality (deceitful intention).
5 कुत्सित भावनाओं में एक भावना इसका नाम कुदुम्ब मोहनी भी है ।

संयत – *Saṁyata.*
One with control & restraints, Another name of Digambar Jaina saint.
महाव्रती श्रमण संयत कहलाता है। संयत जीव छठे से चौदहवें गुणस्थान तक 9 गुणस्थानों में पाये जाते हैं। दिगम्बर मुनि का अपरनाम ।

संयतासंयत – *Saṁyatāsaṁyata.*
One having control and restraints with minor vows.
एकदेश रूप व्रतों के या अणुव्रत के धारक जीव। व्रती श्रावक, क्षुल्लक व ऐलक ये संयतासंयत कहलाते हैं ।

संयतिका – *Saṁyatikā.*
Synonym word for *Aryika* (*Digambar* Jain female ascetic).
आर्यिका का पर्यायवाची नाम ।

संयम – *Saṁyama.*
Abstinence, Restraints, Mortification.
व्रत समिति गुप्ति आदि रूप से प्रवर्तना अथवा विशुद्धात्मध्यान से प्रवर्तना संयम है। 5 इन्द्रिय और मन का वशीकरण तथा षट्काय के जीवों की रक्षा करना ।

संयमाचरण चारित्र – *Saṁyamacarana Cāritra.*
Restraintful pure conduct of saints.
चारित्र के 4 भेदों में एक भेद, सकल चारित्र। मुनियों के व्रत को सकल चारित्र कहते हैं ।

संयमभाव – *Saṁyamabhāva.*
Restraintful temperament.
उपशम भाव से धारण किये गये व्रतादि संयम भाव को प्राप्त हो जाते हैं ।

संयमरक्षा – *Saṁyama Rakṣā.*
Strictly observing of restraints by Jaina saints.
जैन साधु-संत द्वारा अपने संयम की रक्षा करना ।

संयमलब्धि – *Saṁyamalabdhi.*
Attainment of restraints (after destruction of passions).
क्षीण या अक्षीण अनंतानुबंधि कषायों का उदयाभावी क्षय होने पर, तथा प्रत्याख्यानावरण कषायों का उदयाभावी क्षय या सदवस्था उपशम होने पर और संज्वलन तथा नोकषायों का उदय होने पर संयम लब्धि होती है ।

संयमलब्धि – स्थान – *Saṁyamalabdhi - Sthāna.*
The stage for the attainment of restraints.
जिस अवस्था विशेष में संयम लब्धि ठहरती है ।

संयमस्वरूप प्रतिमा – *Saṁyamasvarūpa Pratimā.*
The passionless saints just like an idol (without worldly attachments).
दर्शन ज्ञान प्राप्त करके शुद्ध है आचरण जिनका ऐसे वीतराग निर्ग्रंथ साधु संयमस्वरूप प्रतिमा है। इन्हें चेतन प्रतिमा भी जानना चाहिए ।

संयमासंयम – *Saṁyamāsaṁyama.*
A type of minor vow related to restraintful & non-restraintful violence. It is made by peacock-feathers which are turned down naturally while dancing of peacock
अणुव्रत; त्रस हिंसा से विरति तथा स्थावर हिंसा से अविरति ।

संयमोपकरण – *Saṁyamopakaraṇa.*
Restraint indicating article (*Pichchhi*) possessed by Digambar Jaina saint. It is made by peacock-feathers which are turned down naturally while dancing of peacock.
जैन साधु के योग्य संयम का पालन करने में सहायक पिच्छिका को संयमोपकरण कहते हैं। यह प्राकृतिकरूप से गिरे हुए मोर के पंखों से बनायी जाती है ।

संयोग – *Saṁyoga.*
Coincidence, Combination, joining together.
मेल-मिलाप ।

संयोगगति – *Saṁyogagati.*
Motion with support (like motion of chariot by elephant etc.).
मेघ, रथ, मूसल आदि की क्रमशः वायु, हाथी तथा हाथ के संयोग से होने वाली गति ।

संयोग द्रव्य – *Saṁyoga Dravya.*
Compound form of matter (a combination of two different matters).
अलग-अलग सत्ता रखने वाले द्रव्यों के मेल से जो पैदा हो जाये उसे संयोग द्रव्य कहते हैं ।

संयोगवाद – *Saṁyogavāda.*
A doctrine believing the accomplishment of everything by alliance of matters.
वस्तुओं के संयोग से ही सर्वकार्य की सिद्धि मानने वाला एकांत मत ।

संयोगसम्बन्ध – *Saṁyoga Sambandha.*
A synthetical relation.
पृथक् सिद्ध पदार्थों के मेल को संयोग संबंध कहते हैं ।

संयोगाक्षर – *Saṁyogākṣara.*
Combination of syllables i.e. formation of words.
अक्षरों के संयोग से बना शब्द ।

संयोगाधिकरण – *Saṁyogādhikaraṇa*
A type of *Ajīvadhikaraṇ*-non- living substratum related to mixing of substances .
अजीवाधिकरण का एक भेद। इसके भी उपकरण संयोग और भक्तपान संयोग दो भेद हैं ।

संयोगी भाव – *Saṁyogī Bhāva.*
Passionful sentiments caused by synthetical relation with substances.
रागादि भाव जो पुद्गल के संयोग से उत्पन्न होते हैं ।

संयोजन – *Saṁyojana.*
The act of joining or mixing, A fault related to saint-food.
मिलाना, आहार सम्बन्धी एक दोष ।

संयोजना सत्य – *Saṁyojanā Satya*
A type of truth misinterpretation of any similar subjects or objects
सत्य वचन के 10 भेदों में एक भेद; चेतन- अचेतन द्रव्यों का विभाजन नहीं करने वाले वचन द्वारा चेतन पदार्थों की विवक्षा न कर केवल चक्र के आकार में रची हुई सेना को चक्रव्यूह कहना ।

संरंभ – *Saṁrambha.*
Resolution for some activity.
जीवाधिकरण का एक भेद; कार्य करने का संकल्प करना ।

संरक्षणानंद – *Saṁrakṣaṇānaṁda.*
To worry for prosperity.
रौद्रध्यान का एक भेद; धन के उपार्जन एवं संरक्षण आदि का चिंतन करना ।

संवत्सर– *Saṁvatsara.*
Subtitle of different eras.
जैनागम में मुख्यतः 4 संवतों का प्रयोग पाया जाता है। वीर निर्वाण संवत्, विक्रम संवत्, ईसवी संवत्, शक संवत् । वीर निर्वाण से विक्रम संवत् में 470 वर्ष, ईसवी सं. में 527 वर्ष एवं शक संवत् में 605 वर्ष का अंतर आता है। इसी प्रकार विक्रम संवत् से ईसवी संवत् में 57 वर्ष का अंतर आता है। इनके अतिरिक्त भी गुप्त संवत्, हिजरी संवत्, मघा संवत् आदि अन्य संवतों का भी व्यवहार होता है ।

संवर – *Saṁvara.*
Stoppage or cessation of *Karmas.*
कर्म आस्रव का निरोध संवर है ।

संवर्तक वायु – *Saṁvartaka Vāyu.*
Stormy air causing demolition of mountain etc. (at the time of catastrophe).
प्रलयकाल के समय पर्वत व शिलादि को चूर्ण कर देने वाली वायु, यह 7 दिन तक चलती है ।

संवाद – *Saṁvāda.*
Dialogue, Conversation
बातचीत, वार्तालाप, सहमति ।

संवाह – *Saṁvāha.*
A type of township; prosperous place.
[illegible] आदि के ढेर लगे रहते हैं वह संवाह नगर कहलाता है। समुद्र की बेला से वेष्टित स्थान ।

संवाहन – *Saṁvāhana.*
Mountaineous dwelling place surrounded with forest.
बहुत प्रकार के अरण्यों से युक्त महापर्वत के शिखर पर स्थित नगर ।

संविद् – *Saṁvid.*
Knowledge obtained by right method, the perceptive knowledge
जिससे यथार्थ रीति से वस्तु का ज्ञान हो उस ज्ञान को संविद् कहते हैं ।

संवित्ति – *Saṁvitti.*
Consciousness, Intuition.
ज्ञान, चेतना, अनुभव ।

संवृत्त – *Saṁvṛtta.*
Covered, Concealed, Hidden, A type of female genital organ.
जो ढका हुआ हो उसे संवृत कहते हैं। या ऐसा स्थान जो देखने में न आये, योनि का एक भेद ।

संवृत्त-विवृत्त – *Saṁvṛtta-Vivṛtta.*
A type of female genital organ with having some hidden & some opened portion.
योनि के 9 भेदों में एक भेद; जो योनि स्थान कुछ ढका हुआ और कुछ खुला हुआ हो ।

संवृति सत्य – *Saṁvṛti Satya.*
A type of true speech, denoting one prominent among many objects.
सत्य वचन के 10 भेदों में एक भेद। समुदाय को एक देश की मुख्यता से एक रूप कहना। जैसे-जहां अनेक वाद्यों का शब्द एक समूह में हो रहा है वहां भेरी आदि की मुख्यता से भेरी आदि का शब्द कहना ।

संवेग – *Saṁvega.*
Mental agitation, Instinct, To have fear with the sufferings of worldly life.
मन में उठने वाली भावना, अन्तःप्रेरणा, सम्यग्दर्शन के चार गुणों में से एक—संसार के दुखों से नित्य डरते रहना अथवा पंचपरिवर्तन रूप संसार से भय उत्पन्न होना ।

संवेदन – *Saṁvedana.*
Experiencing, Feeling.
अनुभूति, ज्ञान ।

संवेदनी कथा – *Saṁvedanī Kathā.*
Tale creating religious sentiments.
पुण्य के फल का कथन करने वाली अर्थात् धर्मानुराग बढ़ाने वाली कथा ।

संव्यवहरण दोष – *Saṁvyavaharaṇa Doṣa.*
A fault related to saint food, careless activities in offering food to saint.
श्रावक के निमित्त से होने वाला जैन साधुओं के आहार का एक दोष। साधु को आहार देने के लिए बर्तन आदि को शीघ्रता से बिना देखे उठाना संव्यवहरण दोष है ।

संशय – *Saṁśaya.*
Doubt, Suspicion, Confusion
वस्तु के विषय में विरुद्ध अनेक धर्मों में से किसी एक का निश्चय नहीं कर पाना और संदेह में पड़ जाना। जैसे- यह सीप है या चांदी है ऐसा संदेह होना ।

संशय मिथ्यात्व – *Saṁśaya Mithyātva.*
A doubtful state or confusion, a kind of wrong belief.
5 प्रकार के मिथ्यात्वों में एक मिथ्यात्व। मिथ्यात्व कर्म के उदय से तत्त्वों के स्वरूप में यह है या नहीं ऐसा संदेह होना। अथवा देव और धर्म के स्वरूप में यह ठीक है या नहीं ऐसा निर्णय नहीं होना ।

संशय मिथ्यादृष्टि – *Saṁśaya Mithyādṛṣṭi.*
One with unstable or wrong religious belief.
संशय मिथ्यात्व से सहित व्यक्ति ।

संशुद्ध – *Saṁśuddha.*
Spiritually pure saint after repentance & self-criticism.
आलोचना और प्रायश्चित्त से विशुद्ध ।

संश्लेष – *Saṁśleṣa.*
Act of synthesising or combining.
मिलना। स्निग्धत्व और रूक्षत्व गुण से अणु आदि का बंध होना ।

संश्लेष बंध – *Saṁśleṣa Bandha.*
Something combined or synthesised.
जो परस्पर संश्लेष को प्राप्त हुए काष्ठ और लाख का बंध होता है वह संश्लेष बंध है ।

संसक्त साधु – *Saṁsakta Sādhu.*
Saints involved in occupational or professional activities.
जो मंत्र, वैद्यक या ज्योतिष शास्त्र से अपनी जीविका करते हैं और राजा आदिकों की सेवा करते हैं वे संसक्त साधु हैं। ये सदोष साधु होते हैं ।

संसक्त द्रव्यसेवा – *Saṁsakta Dravyasevā.*
An activity of non-celibacy, using the used articles of a woman.
10 प्रकार के अब्रह्म में एक, स्त्री का स्पर्श अथवा उसकी शय्या आदि पदार्थों का सेवन करना ।

संसरण – *Saṁsaraṇa.*
Movement, Worldly wandering, birth & death cycle of beings.
[illegible] संसार में [illegible] करने का नाम संसरण है ।

संसर्ग – *Saṁsarga.*
Contact, touch, association (cohabitation).
संगति, साथ होना; सज्जन या दुर्जनों के साथ किया जाने वाला मिलाप ।

संसार – *Saṁsāra.*
World, Worldly wandering through birth & death cycle.
कर्म के विपाक के वश से आत्मा को भवांतर की प्राप्ति होना संसार है (चारों गतियों में भ्रमण होना)।

संसारभीरु – *Saṁsārabhīru*
One aware & frightened of worldly troubles.
सम्यग्दृष्टि जीव जो संसार के दुःखों से भयभीत होकर वैराग्य को स्वीकार करते हैं ।

संसार विचय– *Saṁsāra Vicaya.*
Contemplation about the transformable nature of the matter, region, time, realm of the life and emotions
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव एवं भावरूप पंचपरावर्तन के स्वरूप का चिंतन करना ।

संसारानुप्रेक्षा – *Saṁsārānuprekṣā.*
Contemplation about the worldly troubles.
12 भावनाओं में एक भावना- संसार के स्वभाव एवं संसार परिभ्रमण का अर्थात् दुःखमय स्वरूप का चिंतन करना ।

संसारी – *Saṁsārī.*
Worldly beings.
आठों कर्मों से लिप्त जीव अर्थात् जिन्होंने स्व स्वभाव को प्राप्त नहीं किया है ।

संसारी जीव – *Saṁsārī Jīva.*
See - *Saṁsārī.*
देखें - संसारी ।

संसिद्धि – *Saṁsiddhi.*
Completion of any work.
किसी कार्य का निष्पन्न या पूर्ण होना। सिद्ध, साधित, आराधित और संसिद्धि शब्द एकार्थवाची हैं ।

संस्कार – *Saṁskāra.*
Meritorious & demeritorious instincts (inborn and self-developed), Sanctifying or purificatory rites.
जिनके आरोपण से द्रव्य की गुणवत्ता हीनाधिक अथवा शुभ-अशुभ रूप से प्रकट होती है। इन संस्कारों का संबंध जन्म जन्मांतरों से होता है, जैसे कमठ के जीव में वैर के संस्कार एवं पार्श्वनाथ भगवान के जीव में क्षमा के संस्कार 10 भव तक रहे हैं। गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित संस्कार पुस्तक में इस कथानक का मार्मिक चित्रण किया गया है ।

संस्कारमालारोपण – *Saṁskāra Mālaropaṇa.*

A particular kind of ritual procedure of attributing virtues to the idol of Jaina-Lord, to be observed by *Saudharma Indra*

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में केवलज्ञान कल्याणक के दिन प्रतिमा के ऊपर सौधर्म इन्द्र द्वारा की जाने वाली एक विशेष विधि, जिसमें प्रतिमा के ऊपर विविध संस्कारों का आरोपण किया जाता है ।

संस्तवक – *Saṁstavaka.*

The 2nd *Patal* (layer) of the 2nd hell.

दूसरे नरक का दूसरा पटल ।

संस्तर – *Saṁstara*

Bed, Dry grass bed.

शय्या - दिगम्बर जैन साधुओं का संस्तर तृण, चटाई आदि का होता है ।

संस्तव – *Saṁstava.*

Eulogy, Praise.

स्तुति, प्रशंसा ।

संस्थान – *Saṁsthāna.*

The figure of beings etc., An institute.

आकृति को संस्थान कहते हैं (जीवों का गोल, त्रिकोण आदि आकार), संस्था ।

संस्थान नामकर्म प्रकृति –

Saṁsthāna Nāmakarma Prakṛti.

Physique making *Karma* causing figure of the body

जिस कर्म के उदय से 6 प्रकार के संस्थानों में से कोई एक रूप शरीर का आकार हो ।

संस्थान विचय – *Saṁsthāna Vicaya.*

A type of religious contemplation about different dimensions of *Teen Lok*- three worlds.

धर्मध्यान का चौथा भेद। तीन लोक के संस्थान प्रमाण, भेद आदि का चिंतन करना। इसके पिंडस्थ, पदस्थ, रूपस्थ और रूपातीत ये 4 भेद हैं ।

संहनन – *Saṁhanana.*

Strength of bodily structure or skeleton.

हड्डियों के संचय या दृढ़ता को संहनन कहते हैं ।

संहनन नामकर्म – *Saṁhanana Nāmakarma.*

Physique making *Karmaic* nature causing joints of bones in the body (of 6 kinds - strong, weak etc.).

जिस कर्म के उदय से हड्डियों का बंधन विशेष होता है। वज्रऋषभनाराच, वज्रनाराच, नाराच, अर्धनाराच, कीलक और असंप्राप्तसृपाटिका ये संहनन के 6 भेद हैं ।

संहार – *Saṁhāra.*

Drawing together or contraction of soul points, Destruction.

संकोच; जीव के प्रदेशों का शरीर के अनुसार संकुचित होना। नाश, ध्वंस ।

सकल – *Sakala.*

The whole, complete, entire, With body.

पूर्ण, सर्व, शरीर सहित ।

सकलकीर्ति – *Sakalakirti*

The disciple of saint Padmanandi-9 of *Nandi* group who was the writer of many great treatises.

नंदीसंघ बलात्कार गण की ईडर गद्दी पर रहे पद्मनंदि नं. 9 के शिष्य तथा भुवनकीर्ति के गुरु थे। मूलाचार प्रदीप, प्रश्नोत्तर श्रावकाचार, तत्त्वार्थसार सुकुमाल-धन्यकुमार चरित्र आदि अनेक कृतियों के रचयिता। समय ई. 1422-1442 ।

सकल-जिन – *Sakala - Jina.*

The supreme one, destroyer of all 4 *Karmas.*

जो घातिया कर्मों का क्षय कर चुके हैं, ऐसे सशरीरी सकल परमात्मा अर्थात् अरिहंत भगवान ।

सकलचारित्र – *Sakalacāritra.*

Conduct devoid of all attachments & possessions.

समस्त प्रकार के परिग्रह से रहित होकर 5 महाव्रतों को धारण करना सकल चारित्र है, यह मुनियों के होता है ।

सकल त्याग – *Sakala Tyāga.*

Renunciation of all 5 specified kinds of sins.

हिंसा आदि 5 पापों का सर्वदेश त्याग अर्थात् महाव्रत को पालन करना ।

सकलदत्ति – *Sakaladatti.*

Entrusting all responsibilities and wealth to the descendant or heir.

दत्ति के 4 भेदों में एक भेद। अपने वंश की प्रतिष्ठा के लिए पुत्र को कुलपद्धति तथा धन के साथ अपना कुटुम्ब सौंपना सकलदत्ति कहलाता है ।

सकल परमात्मा – *Sakala Parmātmā.*

The supreme soul with body (devoid of all *Karmas*).

घातिया कर्मों से रहित परमौदारिक शरीर में स्थित अर्हन्त परमात्मा ।

सकल प्रत्यक्ष – *Sakala Pratyakṣa.*

The supreme knowledge or omniscience.

पारमार्थिक प्रत्यक्ष के दो भेदों में एक भेद; केवलज्ञान सकल प्रत्यक्ष है क्योंकि वह त्रिकाल विषयक समस्त पदार्थों को विषय करने वाला है ।

सकलभूषण – *Sakalabhūṣaṇa.*

Name of a *Bhattark* of *Nandi* group, the disciple of Shubhchandra.

नंदिसंघ बलात्कारगण शुभचन्द्र के शिष्य एक भट्टारक (वि. 1613-1630) उपदेश रत्नमाला कृति के लेखक ।

सकलादेश – *Sakalādeśa.*

Other name of *Samyaggyan* (right knowledge).

प्रमाण अर्थात् सम्यग्ज्ञान को सकलादेश कहते हैं ।

सकलेन्द्रिय – *Sakalendriya.*
All five sensed beings.
पंचेन्द्रिय जीव सकलेन्द्रिय कहलाता है अर्थात् जिसके पांचों इन्द्रिय हैं ।

सक्तनिभ – *Saktanibha.*
Name of a planet.
एक ग्रह का नाम ।

सक्रिय – *Sakriya.*
Active.
क्रियाशील या गतिशील, परिस्पन्दन ।

सगर – *Sagara.*
Name of the 2nd *Chakravarti* (emperor), who was the main listener in the assembly of Lord Ajitnath.
द्वितीय चक्रवर्ती; तीर्थंकर अजितनाथ का मुख्य श्रोता ।

सचित्त – *Sacitta.*
Animate beings, conscious one
जीव सहित पदार्थों को सचित्त कहते हैं ।

सचित्त त्याग प्रतिमा – *Sacitta Tyāga Pratimā.*
The 5th model stage of spiritual development of lay follower related to the renunciation of raw vegetation (without making pieces of it) etc.
श्रावक की 11 प्रतिमाओं में 5 वीं प्रतिमा; कच्चे फल-फूल, बीज, पत्ते, आदि नहीं खाना, इन्हें छिन्न-भिन्न करके, लवण आदि मिलाकर या गरम आदि करके प्रासुक बनाकर खाना, पानी भी प्रासुक करके पीना सचित्तत्याग प्रतिमा कहलाती है ।

सचित्त द्रव्य शल्य – *Sacitta Dravya Śalya.*
A type of material sting; servants etc. animate objects.
द्रव्य शल्य के तीन भेदों में एक भेद, दास आदि सचित्त द्रव्य शल्य हैं ।

सचित्त निक्षेप – *Sacitta Nikṣepa.*
Food offering on green leaves, an infraction of vow of hospitality.
हरे पत्तों पर रखकर आहार देना; अतिथिसंविभाग व्रत का एक अतिचार ।

सचित्त नोकर्म द्रव्य बंधक –
Sacitta Nokarma Dravya Bandhaka.
Those who fasten animals.
बंधक का एक भेद; जैसे हाथी बांधने वाले, घोड़े बांधने वाले इत्यादि ।

सचित्त पाहुड़ – *Sacitta Pāhuḍa.*
Animate gifts (pertaining to living objects).
निक्षेप रूप पाहुड़ का एक भेद; उपहार रूप से भेजे गये हाथी, घोड़ा और स्त्री आदि सचित्त पाहुड़ हैं ।

सचित्त पूजा – *Sacitta Pūjā.*
A type of worshipping of Lord Jinendra (in *Samavasaran*), *Acharya* (saints) etc.
द्रव्यपूजा के 3 भेदों में एक भेद, प्रत्यक्ष उपस्थित जिनेन्द्र भगवान (समवशरण में) और गुरु आदि का यथायोग्य पूजन करना सचित्त पूजा है ।

सचित्त भाव – *Sacitta Bhāva.*
Animate beings.
निक्षेप रूप भाव का एक भेद। जीव द्रव्य सचित्त भाव है बाकी 5 द्रव्य अचित्त भाव हैं ।

सचित्त योनि – *Sacitta Yoni.*
Female genital organ
गुण योनि के 9 भेदों में एक भेद; जीव की उत्पत्ति का सचित्त स्थान ।

सचित्त वर्गणा – *Sacitta Vargaṇā*
A type of aggregate of *Karmic* molecules
23 वर्गणाओं में एक वर्गणा। 5 शरीर के योग्य वर्गणायें ।

सचित्त संबंध आहार –
Sacitta Sambandha Āhāra.
Taking food mixed with other food articles having life.
भोगोपभोगपरिमाण व्रत का एक अतिचार, सचित्त वस्तुओं से सम्बन्ध रखने वाले आहारपान का सेवन करना ।

सचित्ताचित्त योनि – *Sacittācitta Yoni.*
A type of female genital organ
गुण योनि के 9 भेदों में एक भेद, जीव की उत्पत्ति का सचित्त-अचित्त अर्थात् मिश्र रूप स्थान ।

सचित्तापिधान – *Sacittāpidhāna*
Covering food with leaf etc. (objects having life), an infraction of vow of hospitality.
सचित्त वस्तुओं अर्थात् पत्ते आदि से आहार ढकना, अतिथि-संविभाग व्रत का एक अतिचार ।

सचेलता – *Sacelatā.*
To be clothed or covered with cloth
वस्त्र सहित होना अर्थात् सावरण होना ।

सज्जन – *Sajjana.*
A noble person.
संस्कारित कुलीन पुरुष ।

सज्जनचित्तवल्लभ – *Sajjanacittavallabha.*
Name of a treatise written by *Acharya* Mallishen
आचार्य मल्लिषेण (ई.1047) द्वारा रचित अध्यात्म उपदेश रूप संस्कृत छंदबद्ध ग्रंथ। इसमें 25 श्लोक हैं ।

सज्जाति – *Sajjāti.*
The first of the supreme 7 stages-Birth with the purity of paternal & maternal sides.
सप्त परम स्थानों में प्रथम स्थान। पितृ पक्ष अर्थात् कुल एवं मातृ पक्ष अर्थात् जाति की शुद्धि सज्जाति है। प्राचीन आगम परम्परानुसार सज्जाति में जन्म लेने वाले श्रावक ही दीक्षा लेने के अधिकारी होते हैं ।

सतालक – *Satālaka*
A type of peripatetic deities.

पिशाच जाति व्यतरों के 14 भेदों में एक भेद ।

सत् – *Sat.*
Truth, Reality, Existence, Essence
पदार्थों का स्वत: सिद्ध अस्तित्व। या उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य से युक्त द्रव्य। सत्ता, सत्व, सामान्य, द्रव्य, वस्तु, अर्थ, विधि, ये सर्व एकार्थवाची शब्द हैं ।

सत्कथा – *Satkathā.*
Religious tale.
जिसमें धर्म का विशद निरूपण होता है उसे सत्कथा कहते हैं ।

सत्कर्म – *Satkarma.*
Good deeds, A composition composed by *Acharya* Virsen on Shatkhandagam treatise.
अच्छे कर्म, आचार्य वीरसेन (ई. 770-827) द्वारा रचित प्राकृत षट्खण्डागम का अतिरिक्त अधिकार ।

सत्कर्म पंजिका – *Satkarma Pañjikā*
Name of a Sanskrit composition.
ई. सन् 827 के पश्चात् लिखा गया संस्कृत भाषाबद्ध ग्रंथ। इसके लेखक अज्ञात हैं ।

सत्कार – *Satkāra.*
Respect, Reverence, Honour, Reception
आदर, सम्मान, विनय, पूजा-प्रशंसा ।

सत्कार पुरस्कार परिषह – *Satkāra Puraskāra Pariṣaha*
Affliction of dishonour to a saint.
22 परिषहों में एक परिषह। सत्कार का अर्थ पूजा-प्रशंसा है तथा पुरस्कार का अर्थ निमंत्रण है। चिरकाल से दीक्षित होते हुए भी आदर-सत्कार, प्रशंसा, आमंत्रण आदि न मिलने पर जो साधु मन को कलुषित नहीं होने देता और समतापूर्वक अनादर को सहन करता है। उसके यह परिषहजय होता है ।

सत्कीर्ति – *Satkīrti.*
Good fame or reputation
सुयश ।

सत्क्रिया – *Satkriyā.*
Right observances, Virtuous activities.
शुभ परिणाम रूप कार्य ।

सत्ता – *Sattā.*
See - *Sat.*
देखें - सत् । अस्तित्व को सत्ता कहते हैं ।

सत्ता-गौण उत्पाद-व्यय ग्राहक नय – *Sattā-Gauṇa Utpāda-Vyaya Grāhaka Naya*
A standpoint emphasizing the property of production & destruction of matters rather than their permanence.
पदार्थ में विद्यमान गुणों की अपेक्षा को मुख्य न करके उत्पाद व्यय ध्रौव्य के आधीनपने रूप से द्रव्य को विनाश व उत्पत्ति स्वरूप माननेवाला सत्तानिरपेक्ष या सत्ता-गौण उत्पाद व्यय ग्राहक नय है ।

सत्ता ग्राहक शुद्ध द्रव्यार्थिक नय – *Sattā Grāhaka Śuddha Dravyārthika Naya.*
A standpoint emphasizing to the existence of matters
जो नय उत्पाद और व्यय को गौण करके मुख्य रूप से केवल सत्ता को ग्रहण करता है ।

सत्परिणाम – *Satpariṇāma.*
Auspicious temperaments or involvement.
द्रव्य का परिणमन । शुभ उपयोग रूप जीव का परिणाम अर्थात् भाव ।

सत्पात्र – *Satpātra*
Reverential persons (perfect to get donation).
जिनको दान दिया जाता है, ऐसे सत्पात्र, कुपात्र, अपात्र रूप तीन पात्रों में से एक। सत्पात्र के तीन भेद हैं- 1. उत्तम सत्पात्र-नग्न दिगम्बर साधु, 2. मध्यम सत्पात्र-आर्यिका, क्षुल्लक, ऐलक तथा प्रतिमाधारी श्रावक, 3. जघन्य सत्पात्र-व्रत रहित सम्यग्दृष्टि श्रावक ।

सत्पुरुष – *Satpuruṣa*
Noble persons, A type of peripatetic deities.
महापुरुष, किम्पुरुष जाति के व्यंतर देवों के 10 भेदों में एक भेद ।

सत्प्रतिषेध – *Satpratiṣedha.*
A type of false speech, to deny the existence of something existing.
अस्तित्व रूप पदार्थ का निषेध करना। यह असत्य वचन का एक भेद है ।

सत्य – *Satya.*
Truth, Real, Genuine, Pure.
विद्यमान या अविद्यमान वस्तु का निरूपण करने वाला प्राणी हितैषी वचन, ये वचन 10 प्रकार के होते हैं। उत्तम क्षमादि 10 धर्मों में एक धर्म ।

सत्य अणुव्रत – *Satya Aṇuvrata.*
Vow of right & true speech.
हित मित प्रिय वचन, सब जीवों को संतोषकारक वचन या धर्म का प्रकाशन करने वाले वचन ।

सत्यकिपुत्र – *Satyakiputra.*
Name of the 11th *Rudra.*
वर्तमान कालीन 11 वां रूद्र ।

सत्यदत्त – *Satyadatta.*
One of the 32 principles of modesty or courtesy, Name of the main listener in the assembly of Lord Dharmnath
एक विनयवादी, विनयवादियों के 32 भेदों में एक भेद, तीर्थंकर धर्मनाथ का मुख्य श्रोता या प्रश्नकर्ता ।

सत्यदेव – *Satyadeva.*
Name of the 39th chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 39 वें गणधर ।

सत्यधर्म – *Satyadharma.*

One of the 10 particular religious observances-to speak truly.

दशलक्षण धर्मों में एक धर्म। जो मुनि दूसरे को क्लेश पहुंचाने वाले वचनों को छोड़कर अपने और दूसरे का हित करने वाले वचन कहता है उसके सत्यधर्म होता है। अथवा सज्जन पुरुषों के साथ श्रेष्ठ वचन बोलना सत्यधर्म है ।

सत्यप्रवाद – *Satyapravāda.*

A part of early canons (the 6th part of *Purvagat Shrut*) containing description of 12 types of languages & 10 types of speeches.

पूर्वगत श्रुत का छठवां भेद। इसमें एक करोड़ पद हैं, जिसमें 12 प्रकार की भाषाएँ तथा 10 प्रकार के वचनों का कथन किया गया है ।

सत्यभामा – *Satyabhāmā.*

The daughter of *Vidyadhar* king Suketu, she was married to Shrikrishna.

विद्याधर राजा सुकेतु एवं रानी स्वयंप्रभा की पुत्री। इसका विवाह श्रीकृष्ण से हुआ, सुभानु इसका पुत्र था। अंत में दीक्षा धारण की ।

सत्यमनोयोग – *Satyamanoyoga.*

Vibration in soul points for having right knowledge.

मनोयोग के 4 भेदों में एक भेद। यथार्थ पदार्थों के ज्ञान उत्पन्न करने की शक्ति लिये भाव मन की चेष्टा रूप योग से आत्मप्रदेशों का सकम्प होना सत्य मनोयोग है ।

सत्यमित्र – *Satyamitra.*

Name of the 41st chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव के 41 वें गणधर ।

सत्यवचन योग – *Satyavacana Yoga.*

Vibration in soul points caused by true speech.

सत्यवचन के 4 भेदों में एक भेद। सत्यवचन की प्रवृत्ति से आत्मा के प्रदेशों का सकम्प होना ।

सत्य महाव्रत – *Satya Mahāvrata.*

Great vow of true speech (right speaking according to texts).

राग द्वेष या मोह से प्रेरित जैन साधुओं द्वारा सब प्रकार के झूठ वचनों का त्याग करना और आगम के अनुरूप बोलना सत्य महाव्रत है ।

सत्यशासनपरीक्षा – *Satyaśāsanaparīkṣā.*

Name of a treatise written by *Acharya* Vidyanandi.

आचार्य विद्यानंदि (ई. 775-840) द्वारा रचित संस्कृत भाषा बद्ध न्यायविषयक ग्रन्थ। इसमें न्याय पूर्वक जिनशासन की स्थापना की गयी है ।

सत्त्व – *Sattva.*

Earth, water, fire & air are called *Sattva*

पृथ्वी, जल,अग्नि, वायु इन चार को सत्त्व कहते हैं ।

सत्त्व – *Sattva.*

Existence, Essence, Vital energy

इसका सामान्य अर्थ अस्तित्व है। पर आगम में इसका प्रयोग जीवों में यथायोग्य कर्म प्रकृतियों के अस्तित्व में किया जाता है। कर्म बंधने के बाद जब तक उदय में आकर विवक्षित कर्म के निषेक पूर्णरूपेण झड़ नहीं जाते तब तक उस कर्म की सत्ता कही जाती है ।

सत्त्व त्रिभंगी – *Sattva Tribhaṃgī*

Name of a treatise written by *Acharya* Kanaknandi.

आचार्य कनकनंदि (ई.939) कृत 50 गाथा प्रमाण कर्म विषयक ग्रंथ ।

सत्त्वापसरण – *Sattvāpasaraṇa.*

Regression of *Karmic* nature.

कर्म प्रकृतियों का सत्ता में घटना या अपसरण होना ।

सत्संगति – *Satsaṃgati.*

Company of noble persons

सज्जन पुरुषों की संगति। मनुष्य सज्जन के सहवास से सज्जन एवं दुर्जन के सहवास से दुष्ट बनता है ।

सदर चउक्क – *Sadara Cauka.*

Quartet of particular 4 types of *Karmic* nature (*Tiryanch Gati, Tiryanchgatyanupurvi, Tiryanch Ayu, Udyot*).

तिर्यंचगति, तिर्यंचगत्यानुपूर्वी, तिर्यंचायु और उद्योत इन 4 कर्म प्रकृतियों को सदर चउक्क कहते हैं ।

सदवस्था रूप उपशम –

Sadavasthā Rūpa Upaśama.

Karmas to be matured in future.

वर्तमान काल को छोड़कर आगामी काल में उदय में आने वाले कर्मों का सत्ता में रहना ।

सदार्चन – *Sadārcana.*

Regular worshipping

पूजा के 4 भेदों में एक भेद। अपरनाम नित्यमह है, प्रतिदिन की जाने वाली पूजा ।

सदासुखदास – *Sadāsukhadāsa.*

Name of a writer (a *Pandit*) who has written commentary of many great Jaina books.

जयपुर निवासी एक पंडित। भगवती आराधना की भाषा वचनिका, समयसार नाटक टीका, तत्त्वार्थ सूत्र की लघु टीका, रत्नकरण्ड श्रावकाचार की टीका, अकलंक स्तोत्र, मृत्यु महोत्सव संस्कृत टीका आदि के कर्ता। समय- 1795-1866 ।

सदृश – *Sadṛśa.*

Similar, The same, One of the 88 planets.

समान, एक जाति के, 88 ग्रहों में 32 वां ग्रह ।

सदृश उत्पाद – *Sadṛśa Utpāda.*

Unchangeable properties of any matter (even in any kind of production).

जैसे परिणमन करती हुई अग्नि उष्ण की उष्ण ही रहती है यह सदृश उत्पाद है। और आम्र का फल हरितवर्ण से पीतवर्ण रूप

हो जाता है यह असदृश उत्पाद है। अथवा जीव का ज्ञानरूप परिणाम परिणमन करता हुआ प्रतिसमय ज्ञानरूप ही रहता है यही ज्ञानत्वरूप जाति का उल्लंघन नहीं करने से सदृश का उदाहरण है।

सदृश एकत्व उपचार – *Sadṛśa Ekatva Upacāra.*
A type of conventional or figurative usage of sameness for the matters having similarities.
एक प्रकार का उपचार। यह भी गौ है यह भी गौ थी। यहां धर्म में एकत्व के कारण धर्मियों में एकत्व का उपचार किया है।

सदृश तद् उपचार – *Sadṛśa Tad Upacāra.*
A type of wrong interpretation for one or addressing one wrongly (a type of conventional or figurative usage).
तद्वान में तत् का उपचार। गाड़ी वाले पुरुष को गाड़ी कहना या लाठी वाले पुरुष को लाठिया कहना।

सद्गृहित्व क्रिया – *Sadgṛhitva Kriyā.*
A type of auspicious activity, performing religious observences for spirituality.
कर्त्रन्वयादि 7 क्रियाओं में एक क्रिया। सज्जातिपरम स्थान को प्राप्त करने के पश्चात् सद्गृहस्थ रूप द्वितीय परम स्थान की प्राप्ति हेतु गृहस्थ का देव पूजा आदि षट् कर्मों का करना, सत्य, शौच, शांति, दम आदि गुणों से युक्त होना तथा न्यायमार्ग से अपने आत्मा के गुणों का उत्कर्ष प्रगट करना।

सद्धर्म कथा – *Saddharma Kathā.*
Religious tales for moral & spiritual development.
जिससे जीवों को स्वर्गादि अभ्युदय तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है, वास्तव में वही धर्म कहलाता है। उससे सम्बन्ध रखने वाली जो कथा है उसे सद्धर्म कथा कहते हैं।

सद्धर्माविसंवाद – *Saddharmāvisaṁvāda.*
Not keeping harmony with fellow brothers.
साधर्मी भाइयों से लड़ाई झगड़ा। ऐसा नहीं करना अचौर्य व्रत की 5 भावनाओं में अंतिम भावना है।

सद्भाव – *Sadbhāva.*
Good or virtuous disposition or good feelings.
अच्छा भाव, मैत्री, मेलजोल।

सद्भाव स्थापना – *Sadbhāva Sthāpanā.*
Installing right imagination of something in an artificial form.
तदाकार स्थापना, जिसका जैसा आकार अथवा रूप हो वैसा ही उसकी मूर्ति में संकल्प अथवा संकल्पना करना।

सद्भूत व्यवहार नय – *Sadbhūta Vyavahāra Naya.*
A standpoint describing something with differentiation in virtues and virtuous one.
गुण और गुणी में भेद करके कथन करने वाला सद्भूत व्यवहार नय है।

सद्म – *Sadma.*
House, palace, home.
भवन, मकान।

सद्योजात – *Sadyojāta.*
Immediately produced or prepared.
तत्काल उत्पन्न।

सद्रूप – *Sadrūpa.*
Property of sameness or similarity.
सत् में पाये जाने वाले अनेक धर्मों में एक धर्म-सदृशधर्म।

सद्वेद्य – *Sadvedya.*
Karmas causing pleasure.
साता वेदनीय कर्म।

सनक – *Sanaka.*
Craze, A whim, eccentricity, Name of a *Sankhya* thinker
उन्माद, किसी बात की धुन, एक सांख्य विचारक।

सनत्कुमार चक्रवर्ती – *Sanatkumāra Cakravartī.*
Name of the 4th *Chakravarti* (emperor) among all 12.
12 चक्रवर्तियों में चौथे चक्रवर्ती। राजा अनंतवीर्य रानी सहदेवी का पुत्र, आयु तीन लाख वर्ष की थी, शिवगुप्त मुनि से दीक्षा ले इन्होंने मोक्ष प्राप्त किया।

सनत्कुमार देव – *Sanatkumāra Deva.*
Name of the *Indra* of third heaven (*Sanatkumar*)
तीसरे सनत्कुमार स्वर्ग के इन्द्र जो भगवान के जन्मकल्याणक में माहेन्द्र इन्द्र के साथ चंवर ढुराते हैं।

सनातन – *Sanātana.*
A *Sankhya* thinker, immemorial or eternal.
एक सांख्य विचारक, प्राचीन काल से चला आता हुआ क्रम।

सन्नासन्न – *Sannāsanna.*
A unit of area measurement.
क्षेत्र का एक प्रमाण विशेष, 8 अवसन्नासन्न =1 सन्नासन्न।

सन्निकर्ष – *Sannikarṣa.*
Drawing near, close together, Another name of *Dvadshang Shrutgyan* (12 parts of scriptural knowledge).
इन्द्रिय का विषय से संबंध, समीप लाना-सामीप्य, प्रवचन सन्निकर्ष, श्रुतज्ञान का अपरनाम। जिसमें वचन सन्निकृष्ट होते हैं, वह प्रवचन सन्निकर्ष रूप से प्रसिद्ध द्वादशांग श्रुतज्ञान है। जघन्य व उत्कृष्ट भेद रूप द्रव्य, क्षेत्र, काल एवं भावों में से किसी एक को विवक्षित करके उसमें शेष पद क्या उत्कृष्ट हैं, क्या अनुत्कृष्ट हैं, क्या जघन्य है और क्या अजघन्य है, इस प्रकार की जो परीक्षा की जाती है वह सन्निकर्ष है।

सन्निधिकरण – *Sannidhikaraṇa.*
Drawing near, visionary installation of Lord in heart while worshipping.
सम्मुख या निकट होना सन्निधिकरण है। पूजा करते समय उपास्य को अपने हृदय में बिठाना सन्निधिकरण कहलाता है। पूजा के 5 अंगों में तीसरा अंग।

सन्निपातिक भाव – *Sannipātika Bhāva.*
Assembling, collection, combining (reg. temperaments).
मिलना, सम्मिलन, विविध संचय। एक ही गुणस्थान या जीवसमास में जो बहुत से भाव आकर एकत्रित होते हैं, उन भावों की सन्निपातिक संज्ञा है ।

सन्निवेश – *Sannivesa*
Assembling, sitting together, Assembling place.
एकत्व होना, एक साथ बैठना, स्थान, देश के स्वामी के रहने के स्थान का नाम सन्निवेश है ।

सन्मति – *Sanmati*
The other name of Lord Mahavira, Name of the 2nd *Kulkar* (ethical founder)
भगवान महावीर का अपरनाम, यह नाम पालने में झूलते बालक वर्द्धमान को देखकर संजय और विजय नामक चारण ऋद्धिधारियों ने अपना संदेह दूर होने पर रखा था। प्रतिश्रुति कुलकर का पुत्र दुसरा कुलकर। इन्होंने प्रजा को ज्योतिष विद्या की मूल बातें बतायीं थी ।

सन्मतिकीर्ति – *Sanmatikirti.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
सुमतिकीर्ति, नंदि संघ बलात्कारगण ईडर गद्दी के भट्टारक का अपरनाम ।

सन्मतिसागर (आचार्य) – *Sanmatisāgara (Ācārya).*
Name of the chief disciple of *Acharya* Mahavirkirti of *Ankliker* tradition
आचार्य श्री आदिसागर अंकलीकर की परम्परा में हुए आचार्य श्री महावीरकीर्ति महाराज जी के पट्टाचार्य (समय-ई.20वीं शताब्दी) ।

सपर्या – *Saparyā.*
Ritual activity.
याग, यज्ञ, पूजा, सपर्या, इज्या, क्रतु, अध्वर, मख, मह यह सब पूजा के पर्यायवाची नाम हैं ।

सपादलक्ष – *Sapādalakṣa.*
Name of a country where *Pandit* Ashadhar was born at Mandalgarh city.
एक देश जिसके माण्डलगढ़ नगर में पं. आशाधर जी का जन्म (वि. सं. 1230 में) हुआ था ।

सप्त ऋषि – *Sapta Ṛṣi.*
Group of 7 particular saints, who were real brothers.
चारण ऋद्धिधारी 7 विशेष मुनि- सुरमन्यु, श्रीमन्यु, श्रीनिचय, सर्वसुन्दर, जयवान् , विनयलालस और जयमित्र। उत्तम तप के कारण सातों भाई सप्त ऋषि कहलाये। इनके प्रभाव से मथुरा नगरी में चमरेन्द्र यक्ष द्वारा प्रसारित महामारी रोग नष्ट हुआ था।

सप्त ऋषि पूजा – *Sapta Ṛṣi Pūjā.*
A reverential worshipping book written by Mansranglal
मनरंगलाल (ई. सं. 1850-1890) द्वारा रचित पूजा ।

सप्तकरण – *Saptakaraṇa.*
Seven types of *Karan* (conducts, disposition, operations)
सात करण- अधःकरण, अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण, क्रमकरण, अन्तरकरण, देशघातीकरण, आवृत्तिकरण ।

सप्तकुम्भ – *Saptakumbha.*
A particular procedural vow (fasting)
एक व्रत । इसमें उत्तम विधि में 496, मध्यम विधि में 153 एवं जघन्य विधि में 45 उपवास विधिपूर्वक किये जाते हैं तथा तीनों विधियों में णमोकार मंत्र का त्रिकाल जाप किया जाता है।

सप्तक्षेत्र – *Saptakṣetra.*
Seven regions of *Jambudvip* (Island) – *Bharat, Haimvat, Hari, Videh, Ramyak, Hairanyavat* & *Eravat Kshetra.*
जम्बूद्वीप के भरत, हैमवत, हरि, विदेह, रम्यक, हैरण्यवत एवं ऐरावत क्षेत्र ।

सप्तच्छद – *Saptacchada.*
Name of the initiation & omniscience tree of Lord Ajitnath & Dharmanath
7 पत्तों के झुंडों से युक्त एक वृक्ष, सप्तपर्ण का अपरनाम। तीर्थंकर अजितनाथ एवं धर्मनाथ ने इसी वृक्ष के नीचे दीक्षा ली थी और केवलज्ञान प्राप्त किया था ।

सप्त तत्त्व – *Sapta Tattva*
Seven universal entities (*Jiva, Ajiva, Asrava, Bandh, Samvar, Nirjara* & *Moksh*)
जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा और मोक्ष ये सात तत्त्व हैं ।

सप्तद्वीपिक भूगोल – *Saptadvīpika Bhūgola.*
Geography of seven particular islands on the earth which are interrelated to one another (according to Vedic geography)
वैदिक भूगोल जिसके अनुसार पृथिवी पर जम्बू, प्लक्ष, शाल्मल, कुश, क्रौंच, शाक और पुष्कर ये 7 द्वीप हैं तथा लवणोद, इक्षुरस, सुरोद, सर्पिस्सलिल, दधितोय, क्षीरोध और स्वादुसलिल ये 7 समुद्र जो चूड़ी के आकार रूप से एक दूसरे को वेष्टित करके स्थित हैं ।

सप्त नय – *Sapta Naya.*
Seven kinds of standpoints
नैगम, संग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र, शब्द, समभिरूढ व एवंभूत। इन सात नयों में प्रारंभिक तीन द्रव्यार्थिक नय तथा अंतिम चार पर्यायार्थिक नय कहलाते हैं ।

सप्त पदार्थ – *Sapta Padārtha.*
See - *Sapta Tattva.*
सात तत्त्व ही सात पदार्थ कहलाते हैं। देखें-सप्त तत्त्व ।

सप्तपरमस्थान – *Sapta Parama Sthāna.*
Seven super stages in three *Loks* (worlds). A type of vow (fasting)
तीन लोकों में मान्य सात उत्कृष्ट स्थान, सज्जाति, सद्गृहस्थ, पारिव्राज्य, सुरेन्द्रता, साम्राज्य, परमार्हन्त्य और परम निर्वाण।

एक व्रत जो श्रावण शु. एकम से सप्तमी तक लगातार सात वर्षों तक किया जाता है ।

सप्तपर्ण – *Saptaparṇa*

See - *Saptacchada.*
देखें - सप्तच्छद ।

सप्तभंगी – *Saptabhaṁgī.*

The theory of seven fold predication consisting in various way of affirmation and negation regarding any substance.
प्रश्न के अनुसार एक ही वस्तु में जो बिना किसी विरोध के सत् असत् आदि धर्मों का कथन किया जाता है। उसे सप्तभंगी कहते हैं। इसी का दूसरा नाम स्याद्वाद शैली है ।

सप्तभंगी तरंगिणी – *Saptabhaṁgī Taraṁgiṇī.*

Name of a treatise written by Vimaldas on *Nyaya* philosophy.
विमलदास (श्रावक) (ई.श. 14-15) कृत संस्कृत भाषा का न्याय विषयक ग्रंथ ।

सप्त भय – *Sapta Bhaya.*

Seven particular kinds of fear.
इह लोक भय, परलोक भय, वेदना भय, मरण भय, अरक्षा भय, अगुप्ति भय, अकस्मात् भय। ये सात भय हैं जो सम्यग्दृष्टि को नहीं होते हैं ।

सप्तविंशति – *Saptaviṁśati.*

Twenty seven
27 ।

सप्तविध संसार – *Saptavidha Saṁsāra.*

Seven modes of involvement of beings in the wordly cycle.
एकेन्द्रिय जीव के सूक्ष्म बादर, द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय, पंचेन्द्रिय के संज्ञी और असंज्ञी ये संसारी जीव के सात भेद हैं, इनमें भ्रमण करना ही सात प्रकार का संसार है ।

सप्तव्यसन कथा – *Saptavyasana Kathā.*

Name of a book written by Somkirti.
सोमकीर्ति (ई. 1461-1483) द्वारा रचित एक ग्रंथ ।

सप्तव्यसन चारित्र – *Saptavyasana Cāritra.*

Name of a book written by *Pandit* Manranglal.
पंडित मनरंगलाल (ई. 1850-1890) द्वारा रचित भाषा छंदबद्ध कथा ।

सप्तांक – *Saptāṁka.*

Infinite multiplicative increase.
असंख्यात गुणवृद्धि की सप्तांक संज्ञा है ।

सप्रतिपक्षी – *Sapratipakṣī.*

Something with opposite property or nature
विरोधी धर्म, सत् सदा अपने प्रतिपक्षी की अपेक्षा रखता है ।

सप्रतिपक्षी प्रकृति – *Sapratipakṣī Prakṛti.*

Karmic nature with their opposite nature.
जिन कर्म प्रकृतियों की प्रतिपक्षी कर्म प्रकृति मौजूद है- साता वेदनीय, असाता वेदनीय, तीनों वेद, हास्यादि चार, एकेन्द्रियादि 5 जातियां, 6 संस्थान, 6 संहनन, 4 आनुपूर्वी, 4 गति, औदारिक-वैक्रियिक दो शरीर तथा दोनों के दो अंगोपांग, दो गोत्र, त्रसादि 10 युगल और दो विहायोगति ये 62 सप्रतिपक्ष अनुभागबंधी प्रकृतियां हैं ।

सप्रदेशी द्रव्य – *Sapradeśī Dravya*

Matters (5 *dravyas* except *kal* (time) *Dravya*) occupying space points.
कालद्रव्य को छोड़कर शेष 5 द्रव्य सप्रदेशी हैं। कालद्रव्य अप्रदेशी है, क्योंकि वह प्रदेशों के बंध या समूह से रहित है। अर्थात् कालद्रव्य के कालाणु भिन्न-भिन्न ही रहते हैं ।

सभाभवन – *Sabhābhavana.*

Assembly hall, Auditorium.
कक्ष जिसमें सभा आयोजित की जाती है, व्यंतर आदि देवों के चैत्यालयों में सभा मण्डप ।

सभामण्डप – *Sabhāmaṇḍapa.*

Assembly hall, Auditorium.
देखें - सभाभवन ।

समंतभद्र – *Samaṁtabhadra.*

Name of a great *Acharya*, the writer of Svayambhu Stotra, Tattvanushasan, Ratnakarandashravakachar etc. many great treatises
आचार्य सिद्धसेन के उत्तरवर्ती एक आचार्य। स्वयम्भू स्तोत्र, स्तुति विद्या, देवागम स्तोत्र (आप्त मीमांसा), युक्त्यनुशासन, तत्त्वानुशासन, जीवसिद्धि, प्राकृत व्याकरण, रत्नकरण्डश्रावकाचार आदि अनेक ग्रंथों के रचयिता संस्कृत कवि, वादी, वाग्मी, गमक, तार्किक आदि उपाधियों से समन्वित एक प्रसिद्ध आचार्य।

समन्तानुपात क्रिया – *Samantānupāta Kriyā.*

Excreting excreta at the customary usable places.
साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया। स्त्री-पुरुषों और पशुओं के मिलने-जुलने, उठने-बैठने आदि के योग्य स्थान पर मल-मूत्रादि करना ।

सम – *Sama.*

Equanimous, Harmonious.
एकत्व रूप से अर्थात् एकीभाव से होना ।

समकित चौबीसी व्रत – *Samakita Caubīsī Vrata.*

A particular procedural vow (fasting).
एक वर्ष तक प्रत्येक चतुर्दशी को उपवास करना तथा 'ओं ह्रीं वृषभादि चतुर्विंशतिजिनाय नमः' मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

समकेन्द्रिय – *Samakendriya.*

Those having same central point, concentric.
एक ही केन्द्र हो जिनका ।

समगुण – *Samaguṇa.*

Similar virtues or properties.
सदृश या समान गुण ।

समचतुरस्र संस्थान – *Samacaturasra Saṁsthāna.*

Balanced formation of the body organs.
6 संस्थानों में एक संस्थान। ऊपर नीचे मध्य में कुशल शिल्पी

के द्वारा बनाये गये राजचक्र की तरह समान रूप में शरीर के अवयवों की रचना अर्थात् शरीर की लम्बाई-चौड़ाई और ऊंचाई हीनाधिक न होकर समविभक्त होना ।

समचतुरस्त्र संस्थान (नामकर्म) – *Samacaturasra Saṁsthāna(Nāmakarma).*
Physique making *Karma* causing formation of properly proportionate body
जिस कर्म के उदय से जीव का शरीर सुडौल होता है उसे समचतुरस्र संस्थान नामकर्म कहते हैं ।

समच्छेद – *Samacchedu.*
A mathematical operation of making equal denominators.
गणित की भिन्न परिकर्माष्टक विधि में अंशों और हरों को यथायोग्य गुणा करके सब राशियों के हर समान करना ।

समता – *Samatā.*
Equanimity, Harmony (of views or temperaments).
शत्रु-मित्र में, सुख-दुख में, लाभ-अलाभ और जय-पराजय में हर्ष- विषाद नहीं करना या साम्य भाव रखना समता है ।

समता परिणाम – *Samatā Pariṇāma.*
Harmonious or equanimous, temperaments
माध्यस्थ भाव। अपने आत्मा में तथा सर्व जीवों में समभाव अर्थात् समता परिणाम होना ।

समता रहित – *Samatā Rahita.*
Devoid of equanimity.
साम्य भाव बिना, वनवास, कायक्लेश आदि तप, अध्ययन, मौन आदि ये सब समता रहित श्रमण के निष्फल हैं ।

समदत्ति – *Samadatti.*
Donation of something to those having same status with equanimity.
समानदत्ति; क्रिया, मंत्र और व्रत आदि से जो अपने समान हैं उन्हें पृथिवी, सुवर्ण, कन्या आदि देना अथवा मध्यम पात्र को समान बुद्धि से श्रद्धा के साथ जो दान दिया जाता है। वह समानदत्ति कहलाता है ।

समधारा – *Samadhārā*
Mathematical sequence or series increasing by even number '2'.
श्रेणी व्यवहार गणित की एक धारा। दो दो की संख्या से केवलज्ञान के अविभाग प्रतिच्छेदों तक बढ़ती हुई संख्या की धारा। जैसे - 2, 4, 6, 8 आदि ।

समधी– *Samadhī.*
Father of a son or daughter-in-law, the relationship between two persons.
वर-वधू के पिता आपस में एक-दूसरे के समधी कहे जाते हैं। इस शब्द का अर्थ 'समान बुद्धि वाले' होने के कारण दोनों पक्षों में आपसी ऊँच-नीच का भाव नहीं होना चाहिए ।

समनस्क – *Samanaska.*
Conscious one, talented.
संज्ञी। मन वाले जीव जो शिक्षा संकेत आदि ग्रहण कर सकें ।

समन्वय – *Samanvaya*
Mutual relations.
पारस्परिक सम्बन्ध। भिन्न-भिन्न विषयों के अंशों या विकल्पों का परस्पर समन्वय ।

समपर्यंकासन तप – *Samaparyaṁkāsana Tapa.*
A meditational posture (as austerity)
कायक्लेश तप का एक भेद। आसन –जिसमें पिंडलियाँ और स्फिक बराबर मिल जायें वह समपर्यंकासन है ।

समपाद तप – *Samapāda Tapa*
A type of physical mortification, standing on feet keeping them straight.
कायक्लेश तप का एक भेद; जिसमें दोनों पैर समान रखे जायें।

समभिरूढ़ नय – *Samabhirūḍha Naya.*
Standpoint grasping the specific traditional meaning of something leaving others
जो शब्द के अनेक अर्थों को छोड़कर प्रधानता से एक ही रूढ़ अर्थ को ग्रहण करता है उसे समभिरूढ़ नय कहते हैं ।

समय – *Samaya.*
Time period, A very small time unit–moment (time taken by an atom of a matter in passing from one point of space to the next)
काल, समय और अद्धा ये एकार्थवाची हैं। मन्दगति से एक परमाणु सटे हुए द्वितीय परमाणु तक जितने काल में जाता है उसे समय कहते हैं ।

समय (आगम) – *Samaya (Āgama)*
Literature describing right knowledge of all matters (*Jīva, Ajīva,* etc).
जिससे जीव अजीव आदि पदार्थों का भले प्रकार से ज्ञान हो या जिसमें जीव आदि पदार्थों का ठीक-ठीक वर्णन हो ऐसा आगम या सिद्धांत समय है ।

समयप्रबद्ध – *Samayaprabaddha.*
Binding of *Karmic* molecules with the soul in one *Samay* (a time unit)
एक समय में जितने कर्म व नोकर्म वर्गणाएं आत्मा से बंधती हैं उसे समय प्रबद्ध कहते हैं। इसका जघन्य प्रमाण अभव्य राशि से अनन्तगुणा व उत्कृष्ट प्रमाण सिद्ध राशि के अनंतवां भाग है।

समय भूषण – *Samaya Bhūṣaṇa.*
Name of a composition composed by *Acharya* Indranandi.
आचार्य इन्द्रनंदि (ई श. 10-11) की एक रचना ।

समयमूढ़ता – *Samayamūḍhatā*
Inclination towards false beliefs because of magnificance of wrong philosophy
आश्चर्य उत्पन्न करने वाले ज्योतिष, मंत्रवाद आदि को देखकर सर्वज्ञ कथित धर्म को छोड़कर मिथ्या देव-शास्त्र और खोटा तप करने वाले कुलिंगियों एवं कुधर्म को भय, वांछा और लोभ से प्रणाम, विनय, पूजा, सत्कार आदि करना समयमूढ़ता है ।

समयसत्य – *Samayasatya*
Preaching, revealing the reality of all 6 matters

(*Jiva*, *Ajiva*, etc.).
जो जघन अगममगम्य प्रतिनियत 6 द्रव्य व उनकी पर्यायों की यथार्थता को प्रगट करने वाला है वह समयसत्य है ।

समयसार – *Samayasāra*.
The essence of the soul, the essential nature of the soul.
शुद्धात्म का सार, विशुद्ध आत्मतत्त्व। सामान्य, परिणामी, जीवस्वभाव, परमस्वभाव, ध्येय, गुह्य, परम तथा तत्त्व ये सब समयसार के अपरनाम हैं ।

समयसार (शास्त्र) – *Samayasāra (Śāstra)*.
Name of a great metaphysical treatise written by *Acharya* Kundkund
आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत आध्यात्मिक कृति। अमृतचन्द्रसूरि के अनुसार इसमें 415 प्राकृत गाथा निबद्ध हैं एवं श्री जयसेनाचार्य के अनुसार 437 गाथाएं हैं ।

समयसार (टीका) – *Samayasāra (Tikā)*.
The commentary books on Samayasar treatise written by 1) *Acharya* Amritchandra 2) *Acharya* Jaisen etc.
आचार्य अमृतचन्द्र (ई. 905-955) द्वारा कृत आत्मख्याति संस्कृत टीका, आचार्य जयसेन (ई. श. 12-13) द्वारा कृत तात्पर्यवृत्ति संस्कृत टीका, पं. जयचंद छाबड़ा (ई. 1807) कृत आत्मख्याति वचनिका हिन्दी टीका, आचार्य श्री ज्ञानसागर (आचार्य श्री शिवसागर के शिष्य) द्वारा तात्पर्य वृत्ति की हिन्दी टीका, गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित दोनों संस्कृत टीकाओं आत्मख्याति एवं तात्पर्य वृत्ति पर ज्ञानज्योति नामक हिन्दी टीका, क्षुल्लक श्री मनोहरलाल वर्णी कृत हिन्दी सप्तदशांगी टीका डा. पं. मोतीलाल जैन कोठारी-फल्टण (महाराष्ट्र) कृत स्वतंत्र संस्कृत एवं हिन्दी टीका इत्यादि ।

समयसार कलश – *Samayasāra Kalaśa*.
Name of a specific composition by *Acharya* Amritchandra.
आचार्य अमृतचन्द्र द्वारा समयसार की आत्मख्याति टीका में प्रयुक्त किये गये विशेष छन्द कलश नाम से कहे गये हैं। समय- ई. 905-955 ।

समयसार नाटक – *Samayasāra Nāṭaka*.
Name of a composition composed by *Pandit* Banarsidas.
पं. बनारसीदास (ई. 1636) की आध्यात्मिक रचना, इसमें 15 अधिकार और 616 पद हैं। यह ग्रंथ समयसार की आत्मख्याति टीका के कलशों के आधार पर लिखा गया है ।

समयसार नाटक टीका – *Samayasāra Nāṭaka Tikā*.
Name of a commentary book written by *Pandit* Sadasukh.
पं. सदासुख (ई. 1795-1867) कृत समयसार नाटक पर लिखी गई टीका ।

समरस – *Samarasa*.
Equanimous nature.
समतारूपी रस अर्थात् अनुभवन, ध्यानलीन मुनि समरस का आस्वाद प्राप्त करते हैं ।

समरसी भाव – *Samarasī Bhāva*.
Supreme temperament
ध्येय और ध्याता का एकीकरण समरसीभाव माना गया है, यही एकीकरण समाधिरूप ध्यान है ।

समवसरण – *Samavasaraṇa*.
Assembly of Lord Arihant, the place of resonant preaching of Lord Arihant.
तीर्थंकर की धर्मसभा को समवसरण कहते हैं। जहां समस्त स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी और देवी-देवता समान भाव से भगवान का उपदेश सुनते हैं अथवा जहां सभी भव्य जीव तीर्थंकर की दिव्यध्वनि के अवसर की प्रतीक्षा करते हैं वह समवसरण है। सौधर्म इन्द्र की आज्ञा से कुबेर के द्वारा तीर्थंकरों के योग्य समवसरण की रचना की जाती है ।

समवसरण व्रत – *Samavasaraṇa Vrata*.
A type of vow (fasting) to be observed for different 24 days in regard to the different auspicious objects of *Samavasarn* (the holy assembly of Lord Arihant)
तीर्थंकर के समवसरण में मानस्तंभ, आठ भूमियां, तीन कटनी, अतिशय, प्रातिहार्य, अनंतचतुष्टय तथा मुनि, आर्यिका, देव, देवी, मनुष्य एवं तिर्यंच आदि द्वारा वंदित होने की अपेक्षा 24 व्रत किये जाते हैं। इनमें उपवास, अल्पाहार या एकाशन आदि से करना चाहिए। विधि एवं मंत्र 'व्रतविधि एवं पूजा' भाग 2 में देखना चाहिए ।
समुच्चय मंत्र—ॐ ह्रीं समवसरणपद्मसूर्यवृषभादिवर्धमानान्तेभ्यो नमः ।

समवाय – *Samavāya*.
An assemblage, a collection, a multitude (inseparable).
सम्मिश्रण, संयोग, समूह, तादात्म्य, न छूटने वाला, अपृथक्पना और अयुतसिद्धपना ।

समवाय संबंध – *Samavāya Sambandha*.
Relation of inseparability.
अयुत सिद्ध (एक दूसरे के बिना न रहने वाले) आधार्य (पट) और आधार (तंतु) पदार्थों का इह प्रत्यय हेतु (इन तन्तुओं में पट है) सम्बन्ध (वैशेषिक मान्य) समवाय सम्बंध है ।

समवायांग – *Samavāyāṅga*.
The 4th part in all 12 parts of *Shrut* (early canons).
द्वादशांग श्रुत का चौथा अंग; इसमें द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव की अपेक्षा समानता का कथन है अर्थात् जिसमें पदार्थों की समानता के आधार पर समवाय का विचार किया गया है वह समवायांग है। इसमें एक लाख 64 हजार पद हैं ।

समवृत्ति – *Samavṛtti*.
Tendency of inseparability between virtues & virtuous one.
सहवृत्ति अर्थात् गुण-गुणी का एकत्व रूप से अनादि तादात्म्य

सम्बंध समावृत्ति है ।

समान्तर श्रेणी – *Samāntara Śreṇī.*

Arithmetical progression, a mathematical series of numbers having common difference.

संख्याओं की एक गणितीय श्रेणी जो समान अन्तर से बढ़ती या घटती हो ।

समाचार – *Samācāra.*

Asking well beings of one another, News, Equanimous conduct of Jaina saint.

एक-दूसरे का कुशल क्षेम पूछना, देश-विदेश की गतिविधियों से अवगत होना। समताभाव अथवा सम्यक् अर्थात् अतिचार रहित मूलगुणों का आचरण अथवा सभी दिगम्बर जैन साधुओं की नित्य-नैमित्तिक क्रियाओं को समाचार कहते हैं इसे समाचारी विधि कहा गया है ।

समाचार काल – *Samācāra Kāla.*

Reverence paying period (of Jaina saints).

वंदना काल, नियमकाल, स्वाध्यायकाल व ध्यान काल आदि जैन साधुओं के समाचार काल हैं ।

समादान क्रिया – *Samādāna Kriyā.*

A kind of passionful influx, to be restraintless or to violate the vows etc.

साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में एक क्रिया, संयमी पुरुष का असंयम के अभिमुख होना। यह प्रमादवर्धक क्रिया होती है ।

समाधान – *Samādhāna.*

Solution (of a problem), Deep meditation or contemplation.

किसी समस्या का उपाय या हल, उत्तम परिणामों में चित्त को स्थिर रखना समाधान है ।

समाधि – *Samādhi.*

Profound or deep meditation (esp. with the concentration upon the soul).

वीतराग भाव से आत्मा का ध्यान करना समाधि है अथवा समस्त विकल्पों का नष्ट हो जाना समाधि है ।

समाधिगुप्त – *Samādhigupta.*

The predestined 18th *Tirthankar* (Jaina-Lord).

भाविकालीन 18 वें तीर्थंकर ।

समाधितंत्र – *Samādhitantra.*

Name of a treatise written by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद (ई.श. 5) कृत अध्यात्म विषयक 105 संस्कृत श्लोकों में निबद्ध ग्रंथ। अपरनाम समाधिशतक है ।

समाधितंत्र टीका – *Samādhitantra Ṭīkā.*

Name of a commentary book written by *Acharya* Prabhachandra.

आचार्य प्रभाचन्द्र (ई. 950-1020) कृत संस्कृत टीका ।

समाधिमरण – *Samādhimaraṇa.*

The holy death of saints.

सल्लेखना, इसमें शरीर से ममत्व छोड़कर देह का विसर्जन किया जाता है ।

समाधिरस्तु – *Samādhirastu.*

Auspicious blessing for the religious progress.

आशीर्वाद वाचक शब्द, अर्थात् समीचीन धर्मध्यान बना रहे। यह आशीर्वाद व्रतियों के लिए साधुजन देते हैं ।

समाधि संधारणता – *Samādhi Sandhāraṇatā.*

Engrossment into deep meditation for holy death

सम्यक् प्रकार से समाधि धारण करने की भावना का नाम समाधि संधारणता है। इससे तीर्थंकर नामकर्म का बंध होता है। षट्खण्डागम सूत्र में सोलहकारण भावनाओं में यह एक भावना कही है ।

समान खंड – *Samāna Khaṇḍa.*

Equal parts or divisions.

तुल्य या सदृश भाग ।

समानता – *Samānatā.*

Similarity, Parity

एकरूपता। ऋजुसूत्र नय की दृष्टि में कोई किसी के समान नहीं है, क्योंकि दो को सर्वथा समान मान लेने पर, उन दोनों में एकत्व की आपत्ति प्राप्त होती है ।

समानदत्ति – *Samānadatti.*

A type of donation with equality (in virtues etc.) or donation to equals.

चतुर्विधदत्ति का एक भेद। क्रिया, मंत्र, व्रत आदि में जो अपने समान हैं उन्हें पृथिवी, कन्या, स्वर्ण आदि देना समानदत्ति है। अपरनाम-समदत्ति ।

समानाधिकरण – *Samānādhikaraṇa.*

Syntactic relation, co-ordinate status (of words etc.)

भिन्न प्रवृत्ति में जो निमित्त है ऐसे विभिन्न शब्दों की एक ही अर्थ में वृत्ति होना सामानाधिकरण है ।

समाय – *Samāya.*

Involvement of soul in passionless equanimous status

'सम' का अर्थ राग द्वेष रहित मध्यस्थ आत्मा है। उसमें आय अर्थात् उपयोग की प्रवृत्ति यह समाय है। यह समाय ही जिसका प्रयोजन है, उसे सामायिक कहते हैं ।

समारंभ – *Samārambha.*

Preparation (of means).

कार्य साध्य के लिये साधनों का इकट्ठा करना समारंभ है। या साधनों का जुटाना समारम्भ है ।

समारोप – *Samāropa.*

Superimposition

उपचार या आरोपित करना। या निमित्ताश्रित व्यवहार, जैसे - घी का घड़ा कहना ।

समास – *Samāsa.*

A compound word.

संग्रह, दो या अधिक पदों का मिलकर एक पद बन जाना ।

समाहार – *Samāhāra*

A collection, an aggregate. Name of a female divinity of *Ruchak* mountain.

समूह, रुचक पर्वत निवासिनी दिक्कुमारी देवी ।

समिति – *Samiti*.

Carefulness, Discipline, To keep vigilance in activities.

प्राणियों को पीड़ा न पहुंचे ऐसा विचार कर दया-भाव से सावधानी पूर्वक सभी प्रवृत्ति करना समिति कहलाती है। यह 5 प्रकार की होती है- ईर्या, भाषा, एषणा, आदान-निक्षेपण और प्रतिष्ठापन ।

समीकरण – *Samīkaraṇa*.

Equation

तुल्य या बराबर करने की क्रिया ।

समुच्छिन्न क्रिया निवृत्ति –

Samucchinna Kriyā Nivṛtti.

Absolute meditation, devoid of all activities or vibrations of soul points.

चतुर्थ शुक्लध्यान । इसमें [illegible] के [illegible] प्राणों का तथा काय बल आदि प्राणों का समुच्छिन्न (उच्छेद) हो जाता है। इस ध्यान मे किसी प्रकार का आस्रव नही होता। यह अन्तर्मुहूर्त समय के लिए होता है इतने ही समय में इससे निर्वाण प्राप्त हो जाता है ।

समुत्कीर्तना – *Samutkīrtanā*.

A disquisition door (*Anuyogdvar*), expressing existance of all *Karmic* nature.

एक अनुयोगद्वार इसमें कर्म प्रकृतियों का अस्तित्व बतलाया जाता है ।

समुत्पत्ति – *Samutpatti*.

Birth, origin, creation.

मूल, पैदावार ।

समुत्पत्तिक कषाय – *Samutpattika Kaṣāya*.

Something passion generating.

जो जीव से भिन्न होकर कषाय को उत्पन्न करता है वह समुत्पत्तिक कषाय है ।

समुद्घात – *Samudghāta*.

Extrication of soul-points from the body without leaving the body, there are 7 kinds of it

वेदना आदि के निमित्त से मूल शरीर को नहीं छोड़ते हुए जो जीव के कुछ आत्मप्रदेश शरीर से बाहर निकलते हैं उसे समुद्घात कहते हैं। इसके 7 भेद हैं। वेदना, कषाय, मारणान्तिक, वैक्रियिक, तैजस, आहारक और केवली ।

समुद्र – *Samudra*.

Ocean, Sea (one of the dreams of Lord's & Bharat chakravatis mother)

सागर। तीर्थंकरों की माता एवं भरत चक्रवर्ती की माता (यशस्वती) के स्वप्नों में एक स्वप्न ।

समुद्रविजय – *Samudravijaya*.

Father's name of the 22[nd] *Tīrthankar* (Jaina Lord) Neminath.

22 वें तीर्थंकर नेमिनाथ के पिता। शौरीपुर के राजा अन्धकवृष्णि और सुभद्रा के 10 पुत्रों में प्रथम पुत्र ।

सम्मइजिण चरिउ – *Sammaijiṇa Cariu*

Name of a treatise in *Apabhransh* language written by poet Raedhu on the conduct of Lord Mahavira.

भगवान महावीर के चरित्र विषयक अपभ्रंश भाषाबद्ध कवि रइधू कृत ग्रंथ। समय – ई. 1400-1479 ।

सम्मत्तगुणविहाण कव्व –

Sammattaguṇavihāṇa Kavva

Name of a book written in *Apabhransh* language by Shubhkirti.

शुभकीर्ति द्वारा (ई. 1442) रचित अपभ्रंश भाषाबद्ध काव्य ।

सम्मत सत्य – *Sammata Satya*.

Something unanimously accepted or approved

बहुत जनों के द्वारा माना गया जो नाम वह सम्मतसत्य है। जैसे-लोक में राजा की स्त्री को रानी कहना ।

सम्मद – *Sammada*.

Name of the 2[nd] predestined *Rudra*.

भावि दूसरा रुद्र ।

सम्मान – *Sammāna*.

Respect, reverence, honour.

आदर, विनय। व्रतादि से युक्त साधु, आर्यिका एवं बड़े जनों का यथायोग्य विनय-सम्मान करना ।

सम्मिश्र – *Sammiśra*.

Mixed, An infraction of vow of limiting consumables & re-consumables i.e. eating of cooked food mixed with raw one etc.

भोगोपभोग परिमाण व्रत का एक अतिचार; सचित्त से मिली हुई वस्तु को खाना ।

सम्मेदशिखर – *Sammedaśikhara*.

The eternal & great reverential place of pilgrimage of Jains, which is the salvation place of 20 *Tirthankars* (Jaina Lords) of the present era.

शाश्वत तीर्थराज; अनादिकाल से अनंत तीर्थंकरों की निर्वाणभूमि एवं वर्तमान चौबीसी में भगवान आदिनाथ, वासुपूज्य, नेमिनाथ और महावीर को छोड़कर शेष बीस तीर्थंकरों की निर्वाणभूमि। इस महान तीर्थ के बारे में आचार्यों ने कहा है 'एक बार वंदे जो कोई। ताहि नरक पशु गति नहीं होई।।' इसलिए जैन धर्म के सभी अनुयायी इसकी 27 किलोमीटर की पर्वतीय वंदना बड़ी श्रद्धापूर्वक करते हैं। यह वर्तमान में झारखंड प्रदेश में पारसनाथ हिल के नाम से प्रसिद्ध है ।

सम्मेदशिखर महात्म्य –

Sammedaśikhara Mahātmya.

A composition composed by Shrimad Yativar Devdatta.

श्रीमद् यतिवर देवदत्त (श्री लोहाचार्य) द्वारा तीर्थराज सम्मेदशिखरजी की महत्ता पर संस्कृत में रचित 21 अधिकारों में निबद्ध एक

रचना ।

सम्यक् – *Samyak*
Real, True, Right, Just.
समीचीन, यथार्थ ।

सम्यक्चारित्र – *Samyakcāritra.*
Right conduct – involving into spiritual development.
सम्यग्दर्शन सहित शुभ क्रियाओं में प्रवृत्ति, रागद्वेष को दूरकर समता भाव में रमना। इसके महाव्रत (सकलचारित्र) व अणुव्रत (देशचारित्र) ये दो भेद हैं ।

सम्यक्त्व – *Samyaktva.*
Right faith or right belief.
प्रमाण के द्वारा जाने हुए तत्त्वों का श्रद्धान। देखें - सम्यग्दर्शन।

सम्यक्त्व उद्योतन – *Samyaktva Udyotana.*
Right enlightenment.
सम्यक्त्वाराधना। शंकादि दोषों से रहित निर्दोष सम्यग्दर्शन की प्राप्ति होना ।

सम्यक्त्वकौमुदी – *Samyaktvakaumudi.*
Name of a treatise written by *Acharya* Shubhchandra.
आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक आध्यात्मिक ग्रंथ ।

सम्यक्त्व क्रिया – *Samyaktva Kriyā.*
Worshipping the Jaina Lord, scriptures & saints.
साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में पहली क्रिया। सच्चे देव शास्त्र गुरु की पूजा-भक्ति आदि करना। इससे सम्यक्त्व की प्राप्ति और पुण्यबंध होता है ।

सम्यक्त्व पचीसी व्रत– *Samyaktva Pacisi Vrata.*
A type of procedural vow (fasting)
सम्यक्त्व के पच्चीस मल दोषों से रहित शुद्ध सम्यक्त्व की प्राप्ति हेतु किया जाने वाला एक विशेष व्रत इसमें पच्चीस उपवास किये जाते हैं। विशेष विधि 'व्रत तिथि निर्णय' पुस्तक से देखें ।

सम्यक्त्व प्रकृति – *Samyaktva Prakṛti.*
A *Karmic* nature causing obstacle in right faith (faith deluding *Karma*).
दर्शन मोह की तीसरी प्रकृति, जिसके उदय से क्षयोपशम सम्यक्दर्शन में चल, मलिन, अगाढ़ दोष उत्पन्न हों अर्थात् निर्मल न रहे ।

सम्यक्त्वाचरण – *Samyaktvācarana.*
Right faith with auspicious activities.
सच्चे देव, शास्त्र व गुरु की पूजा भक्ति आदि करना । सम्यक्त्व के साथ पुण्यमयी आचरण को चारित्रपाहुड़ में सम्यक्त्वाचरण के नाम से कहा है। इसको देशसंयम रूप चारित्र नहीं समझना चाहिए ।

सम्यक्त्वाराधना – *Samyaktvārādhanā.*
Enlightenment of right faith.
आराधना के दो भेद (सम्यक्त्वाराधना और चारित्राराधना) में प्रथम भेद; सम्यग्दर्शन को अंगीकार व रक्षा में उद्योत करना ।

सम्यक् नय – *Samyak Naya.*
A standpoint believing in righteousness
सुनय। सम्यक् एकांत को सम्यक् नय और मिथ्या एकांत को नयाभास या मिथ्यानय कहते हैं ।

सम्यगनेकांत – *Samyaganekānta.*
Right philosophy of manifold religious aspects.
युक्ति व आगम से अविरुद्ध एक ही स्थान पर प्रतिपक्षी द्वारा अनेक धर्मों के स्वरूप का निरूपण करना सम्यगनेकान्त है ।

सम्यगेकांत – *Samyagekānta.*
Philosophy of believing a part of something with righteousness.
एकांत के दो भेदों में एक भेद। हेतु विशेष की सामर्थ्य से अर्थात् सुयुक्तियुक्त रूप से प्रमाण द्वारा प्ररूपित वस्तु के एकदेश को ग्रहण करने वाला सम्यगेकान्त है ।

सम्यगवधिज्ञान – *Samyagavadhijñāna.*
Right clairvoyance
जो ज्ञान द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव की अपेक्षा अवधि अर्थात् सीमा से युक्त अपने विषय भूत पदार्थ को सम्यक् रूप से जाने, उसे सम्यक् अवधिज्ञान कहते हैं ।

सम्यग्ज्ञान – *Samayagjñāna.*
Right knowledge with right perception.
जो ज्ञान वस्तु के स्वरूप को न्यूनता रहित, अधिकता रहित, विपरीतता रहित, सन्देह रहित, जैसा का तैसा जानता है उसे सम्यग्ज्ञान कहते हैं। अथवा वस्तु स्वरूप को यथार्थ रूप से जानना ।

सम्यग्ज्ञानचंद्रिका – *Samyagjñānacandrikā.*
Name of a great book written by *Pandit* Todarmal.
पं. टोडरमल जी (ई. सन् 1761) कृत अध्यात्म विषयक ग्रंथ।

सम्यग्दर्शन – *Samyagdarśana.*
Right perception or faith.
हिंसादि रहित धर्म - अठारह दोष रहित देव - निर्ग्रन्थ प्रवचन अर्थात् मोक्षमार्ग व गुरु में श्रद्धा होना अर्थात् मोक्षोपयोगी तत्त्वों के प्रति दृढ़ विश्वास करना सम्यग्दर्शन है ।

सम्यग्दर्शन वाक् – *Samyagdarśana Vāk.*
Right spiritual speech.
वचन के 12 भेदों में एक भेद; सम्यक् मार्गप्रवर्तक उपदेश सम्यग्दर्शनवाक् है ।

सम्यग्दर्शनार्य – *Samyagdarśanārya.*
A type of *Aryas* (noble persons).
ऋद्धि रहित आर्य के 5 भेदों में एक भेद। आज्ञा, मार्ग, उपदेश, सूत्र, बीज, संक्षेप, विस्तार, अर्थ, अवगाढ़, परमावगाढ़ रुचि के भेद से दर्शनार्य के 10 भेद हैं ।

सम्यग्दृष्टि – *Samyagdṛṣṭi.*
One with right perception or faith.
जो जीव सम्यग्दर्शन सहित हो ।

सम्यग्मिथ्याचारित्र – *Samyagmithyācāritra*
Right-cum-wrong conduct.
चारित्र मोह की एक प्रकृति जिसके उदय से यथार्थ व मिथ्या दोनों प्रकार का मिश्रित आचरण हो ।

सम्यग्मिथ्यात्व प्रकृति – *Samyagmithyātva Prakṛti*
Right-cum-wrong *Karmic* nature related to faith.
दर्शन मोह की दूसरी प्रकृति जिसके उदय से यथार्थ व मिथ्या दोनों प्रकार का मिश्रित श्रद्धान हो ।

सम्यग्मिथ्यादृष्टि – *Samyagmithyādṛṣṭi*
One with right & wrong faith
जो जीव सम्यग्मिथ्यात्व सहित हो ।

सम्यक्त्व भावना – *Samyaktva Bhāvanā.*
Seven particular right reflections or volitions
संवेग, प्रशम, स्थैर्य, असंमूढ़ता, अस्मय, आस्तिक्य और अनुकम्पा ये 7 सम्यक्त्व की भावनाएँ हैं ।

सयलविहिविहाण – *Sayalavihivihāṇa.*
Name of a book in *Apabhransh* language written by Naynandi
नयनंदि द्वारा (ई. 1043) कृत अपभ्रंश भाषाबद्ध श्रावकाचार।

सयोग – *Sayoga.*
With vibrations.
योग सहित ।

सयोगकेवली – *Sayogakevalī.*
An omniscient possessing physical presence.
सशरीरी परमात्मा। 13 वें गुणस्थान में अरहंत परमात्मा जो अनंत चतुष्टय सहित परमौदारिक देह सहित हैं, जिनका उपदेश व विहार होता है ।

सयोगी जिन – *Sayogī Jina.*
See - *Sayogakevali.*
An omniscient possessing physical presence.
योग सहित अरहंत सकल परमात्मा। देखें - सयोगकेवली ।

सर – *Sara.*
Pond
तालाब ।

सरणी – *Saraṇī.*
Stairs, Ladder
सीढ़ी ।

सरल – *Sarala.*
Simple, Easy, straight, Honest, Name of the initiation tree of Lord Abhinandannath
सीधा, ईमानदार, तीर्थंकर अभिनंदन नाथ का दीक्षा वृक्ष, (अपरनाम असन वृक्ष) ।

सरलता – *Saralatā.*
Simplicity, straightness.
कुटिलता, मायाचारी का अभाव अर्थात् आर्जव ।

सरस – *Sarasa.*
Juicy, tasty, charming, Name of the 2nd *Patal* (layer) & *Indrak* of *Brahma* heaven
रसयुक्त, स्वादिष्ट, मनोहर, भावपूर्ण, ब्रह्म स्वर्ग का द्वितीय पटल व इन्द्रक ।

सरस्वती – *Sarasvatī.*
Goddess of Learning, Resonant preaching of *Tirthankars* (Jaina-Lords), Mother's name of the 11th Jaina-Lord of *Videh* (region). The female beloved divinity of an *Indra* in peripatetic deities of *Gandharva* type
विद्या की देवी, द्वादशांग जिनवाणी के प्रतीक रूप में देवी के आकार की सरस्वती की मूर्ति जैन आगम में मान्य है। अकृत्रिम जिनप्रतिमाओं के आजू-बाजू श्रीदेवी (लक्ष्मी) एवं श्रुतदेवी (सरस्वती) की प्रतिमा विराजमान रहने का आगम में वर्णन है। तीर्थंकरों की दिव्यध्वनि, विदेहक्षेत्रस्थ 11 वें तीर्थंकर की माता, गंधर्व व्यंतरों के इन्द्र की वल्लभिका देवी

सरस्वतीमंत्रकल्प – *Sarasvatīmaṁtrakalpa.*
Name of a book written by *Acharya* Mallishen.
आचार्य मल्लिषेण कृत तंत्र-मंत्र विषयक संस्कृत भाषाबद्ध रचना।

सरस्वतीयंत्र – *Sarasvatī Yantra.*
A metallic plate engraved with some auspicious mystic words & diagrams & related to the power of learning.
विभिन्न रेखाकृतियों में चित्रित सरस्वती मंत्र के विशिष्ट अक्षर-शब्दों से बना यंत्र ।

सरागचारित्र – *Sarāgacāritra.*
Right conduct including passion or delusion.
राग सहित चारित्र इसे अपवाद, व्यवहार, अपहृतसंयम, शुभोपयोग इन नामों से जाना जाता है। पंचमकाल के मुनियों का सरागचारित्र होता है ।

सराग छद्मस्थ – *Sarāga Chadmastha.*
Souls at the 4th to 10th stage of spiritual development.
छद्मस्थ के दो भेदों में एक भेद। चौथे से दसवें गुणस्थान वाले जीव सराग छद्मस्थ कहलाते हैं ।

सराग श्रमण – *Sarāga Śramaṇa.*
Saints with auspicious attachments.
अशुभ राग से रहित, व्रत आदि के शुभ राग से सहित मुनि सराग श्रमण कहलाते हैं ।

सराग संयम – *Sarāga Saṁyama.*
Self control with slight attachment (reg. Jaina-saints).
सातावेदनीय कर्म एवं देवायु के आस्रव का एक कारण; राग सहित मुनियों का चारित्र। यह छठे से दसवें गुणस्थान तक होता है। इसे क्षायोपशमिक चारित्र भी कहते हैं। जहां संज्वलन कषाय व नोकषाय का यथासंभव उदय होता है ।

सराग सम्यग्दर्शन – *Sarāga Samyagdarśana.*
Right perception with auspicious attachments:
प्रशम, संवेग, अनुकम्पा और आस्तिक्य आदि गुणों की अभिव्यक्ति लक्षणवाला सराग सम्यग्दर्शन है। प्रशस्त (शुभ) राग सहित

जीवों का सम्यक्त्व सराग सम्यग्दर्शन है ।

सराग सम्यग्दृष्टि – *Sarāga Samyagdṛṣṭi.*

One having right perception with auspicious attachments.

शुद्धात्म साधना से च्युत होकर शुभराग के योग से सहित सराग सम्यग्दृष्टि होते हैं। इसे व्यवहार सम्यक्त्व कहते हैं ।

सरित् – *Sarit*

A region of western *Videh* (region) & a summit of *Sukhavah Vakshar* (mountain).

अपर विदेह का एक क्षेत्र तथा सुखावह वक्षार का एक कूट ।

सरीसृप – *Sarisṛpa.*

A reptile, crawling beings.

पानी में रहने वाला एक प्रकार का सर्प, एक तिर्यंच जीव। इसकी उत्कृष्ट आयु ९ पूर्वांग की है एवं जघन्य आयु अन्तर्मुहूर्त की है ।

सरोरुह – *Saroruha.*

Lotus flower

कमल ।

सरोवर – *Sarovara.*

A water reservoir, A large tank, pond (one of the 16 dreams of *Tirthankar's* mother).

हृद, तालाब। तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्नों में 10वां स्वप्न, इसका फल है—'होने वाला पुत्र अनेक लक्षणों से शोभित होगा' ।

सर्जकषाय – *Sarja Kaṣāya.*

Bitter or pungent passions.

सर्ज 'साल' नाम के वृक्ष को कहते हैं। उसके कषैले रस के समान जीव की कषायरूप परिणति को सर्जकषाय कहते हैं ।

सर्प – *Sarpa.*

A snake, A serpent, a significant symbol of Lord Parshvanath, The presiding deity of a lunar *Ashlesha*.

भगवान पार्श्वनाथ का चिन्ह, सातवें नक्षत्र आश्लेषा का अधिपति देवता ।

सर्पसम श्रोता – *Sarpasama Śrotā.*

A mean type of listener (who misuses the right preaching).

अधम श्रोता का एक भेद। जैसे सांप को पिलाया हुआ दूध भी विष रूप हो जाता है, वैसे ही जिनके सामने श्रेष्ठ उपदेश भी खराब असर करता है वे सर्प के समान श्रोता हैं ।

सर्पि:स्रावी ऋद्धि – *Sarpiḥsrāvī Ṛddhi.*

A type of supernatural power (of transforming tasteless food into delicious food).

एक रस ऋद्धि। जिसके प्रभाव से हाथ में आया नीरस एवं सूखा भोजन भी सरस—घृतयुक्त हो जाता है ।

सर्वजय – *Sarvajaya.*

Name of the son of *Vidyadhar* Vinami.

विद्याधर विनमि का पुत्र ।

सर्व – *Sarva.*

All, whole, universal, entire.

संपूर्ण, समस्त, सब, सकल ।

सर्पगंधा – *Sarpagandhā.*

Name of an Ayurvedic medicine.

एक आयुर्वेदिक औषधि, जो बढ़े रक्तचाप के उपचार हेतु प्रयोग की जाती है ।

सर्वगत – *Sarvagata.*

Omnipresent, all-pervading

सर्वव्याप्त—सभी जगह फैला हुआ। केवलज्ञान के सर्व लोकालोक को जानने के कारण जीव सर्वगत या सर्वव्यापी कहलाता है ।

सर्वगतत्व – *Sarvagatatva.*

State of omnipresence, Pervasion

सर्वगतत्वपना। सर्वव्यापी ।

सर्वगत नय – *Sarvagata Naya.*

A standpoint believing soul as omnipresent.

सर्वगत नय से आत्मद्रव्य खुली हुई आँख की भांति सर्ववर्ती है।

सर्वगुप्त – *Sarvagupta.*

The spiritual teacher of *Acharya* Shivkoti, Name of the 26th chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of the spiritual teacher of *Acharya* Mitranandi and an omniscient saint.

भगवती आराधना के रचयिता आचार्य शिवकोटि के गुरु थे। समय- ई.श. 1 का पूर्वपाद, भगवान वृषभदेव के 26 वें गणधर। आचार्य मित्रनंदि के गुरु। एक केवली मुनि, इनसे प्रीतिंकर ने धर्मोपदेश सुना था ।

सर्वज्ञत्व – *Sarvajñatva.*

State of omniscience.

त्रिकालवर्ती गुण पर्यायों से संयुक्त समस्त लोक और अलोक को प्रत्यक्ष जानना ।

सर्वज्ञत्व शक्ति – *Sarvajñatva Śakti.*

Power of omniscience

समस्त विश्व के विशेष भावों को जानने रूप से परिणमित ऐसी आत्मज्ञानमयी सर्वज्ञत्व शक्ति है ।

सर्वज्ञदेव – *Sarvajñadeva.*

Omniscient (Lord Arihant, Siddha).

केवली आप्त, जो त्रिकालवर्ती गुण पर्यायों से संयुक्त समस्त लोक और अलोक को प्रत्यक्ष जानते हैं वह सर्वज्ञदेव हैं अर्थात् अर्हंत व सिद्ध ।

सर्वज्ञसिद्धि – *Sarvajñasiddhi.*

Name of a book written by a saint Anantkirti.

अनंतकीर्ति द्वारा रचित वृहत् तथा लघु सर्वज्ञसिद्धि ग्रंथ। समय- ई.श. ९ ।

सर्वग्राहकता – *Sarvagrāhakatā.*

The quality of knowing all (of *Kevalgyan*).

केवलज्ञान का सब कुछ जानने रूप गुण ।

सर्वघाती - *Sarvaghāti.*

Karmic nature causing destruction of soul's attributes.

जिस कर्म के उदय से अनुजीवी गुणों का पूर्णरूप से घात होता है ।

सर्वचंद्र - *Sarvacandra.*

Name of a saint of *Nandi* group, the disciple of Vasunandi.

नंदिसंघ के देशीयगण की गुर्वावली के अनुसार वसुनंदि के शिष्य तथा वामनंदि के गुरु। समय-ई. 918-948 ।

सर्वतंत्र - *Sarvatantra.*

Universally or generally accepted or approved principles.

सिद्धांत के 4 भेदों में एक भेद; जो अर्थ सब शास्त्रों में अविरुद्धता से माना गया है उसे सर्वतंत्र सिद्धांत कहते हैं। अर्थात् जिस बात को सर्वशास्त्रकार मानते हैं ।

सर्वतोभद्र - *Sarvatobhadra.*

Heavenly space craft of *Brahmendra*, Name of the palace of Lord Rishabhdev, Name of the cow-pan of Bharat Chakravarti (emperor).

ब्रह्मेन्द्र का यान-विमान, भगवान ऋषभदेव के 84 खन (मंजिल) ऊँचे महल का नाम। भरत चक्रवर्ती की गौशाला का नाम ।

सर्वतोभद्र विधान - *Sarvatobhadra Vidhāna.*

A composition of worshipping hymn composed by Ganini Gyanmati Mataji.

जैन आगम में वर्णित पाँच प्रकार की पूजाओं में से एक। यह सर्वतोभद्र विधान पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा सन् 1987 में लिखित सबसे बड़ा विधान है। इसमें 101 पूजाएं हैं, इसको लिखने में 40 छंदों का प्रयोग किया गया है। तीन लोक का मंडल बनाकर 8, 10 या 15 दिनों में इस विधान को पूर्ण किया जाता है ।

सर्वतोभद्र व्रत - *Sarvatobhadra Vrata.*

A particular procedural vow (fasting).

विधि पूर्वक लघुविधि में कुल 75 उपवास एवं वृहत् विधि में कुल 196 उपवास और त्रिकाल नमस्कार मंत्र की जाप करना।

सर्वतोभद्रा - *Sarvatobhadrā.*

Name of a *Vapi* (like large lake) situated in the northern *Nandishwar* island.

नंदीश्वर द्वीप की उत्तर दिशा में स्थित एक वापी ।

सर्वथा - *Sarvathā.*

In every way, in every respect, entirely.

पूर्णतः, हर तरह से ।

सर्वदर्शित्व शक्ति - *Sarvadarśitva Śakti.*

One of the powers acquired by the soul, power of all-seeing.

जीव की एक शक्ति। समस्त विश्व के सामान्य भाव को देखने रूप से (अर्थात् लोकालोक को सत्तामात्र ग्रहण करने रूप से) परिणमित ऐसी आत्मदर्शनमयी सर्वदर्शित्व शक्ति है ।

सर्वदेव - *Sarvadeva.*

Name of the 28th chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव के 28 वें गणधर ।

सर्वदोष त्याग - *Sarvadoṣa Tyāga.*

A great vow, complete renunciation of all 5 sins (violence, stealing etc.).

महाव्रत। हिंसादि 5 पापों का पूर्णतः त्याग करना, इसका पालन मुनि करते हैं ।

सर्वधन - *Sarvadhana.*

All wealth or property of one, Grand total of all results.

किसी की संपूर्ण सम्पत्ति, गणित विषयक रूप से सम्पूर्ण समयों में पाये जाने वाले समस्त परिणामों के समूह को सर्वधन कहते हैं, इसी का दूसरा नाम पदधन भी है। यह 'मुहभूमीजोगदले पदगुणिदे पदधणं होदि'- इस करणसूत्र के अनुसार निकाला जाता है ।

सर्वधारा - *Sarvadhārā.*

A mathematical sequence or series of numbers.

14 धाराओं में एक धारा। 1 से लगाकर केवल ज्ञान पर्यंत के सर्वस्थान। जैसे - 1,2,3,4,5 इत्यादि ।

सर्वपदार्थ - *Sarvapadārtha.*

All matters or substances.

समस्त पदार्थ। परोक्ष प्रमाणभूत श्रुतज्ञान के द्वारा सर्व पदार्थ जाने जाते हैं क्योंकि लोकालोक का परिज्ञान व्याप्ति रूप से छद्मस्थों के भी पाया जाता है ।

सर्वपरित्याग - *Sarvaparityāga.*

Renunciation of all (on the path of salvation).

उत्सर्ग मार्ग; शुद्धात्मा के सिवाय अन्य जो कुछ भी बाह्य-अभ्यन्तर परिग्रह रूप है, उस सर्व का त्याग ही उत्सर्ग है। निश्चय नय, सर्वपरित्याग, परमोपेक्षा संयम, वीतरागचारित्र, शुद्धोपयोग ये सब एकार्थवाची हैं ।

सर्वप्रिय - *Sarvapriya.*

Dear to all, universally popular, Name of the 27th chief disciple of Lord Rishabhdev

सबको अच्छा लगने वाला, भगवान ऋषभदेव के 27वें गणधर।

सर्वभद्र - *Sarvabhadra.*

A noble one, A type of peripatetic deities.

सुशील, यक्ष जाति के व्यंतरों के 12 भेदों में एक भेद ।

सर्वमत - *Sarvamata.*

Something universally accepted.

जो सर्वरूप मान्य हो ।

सर्वयज्ञ - *Sarvayajña.*

Name of the 29th chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव के 29वें गणधर ।

सर्वयश - *Sarvayaśa.*

Name of the 25th chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान ऋषभदेव के 25 वे गणधर ।

सर्वरक्षित – *Sarvarakṣita.*
Name of a specific heavenly deity-a *Laukantik Dev.*
एक लौकान्तिक देव। यह तुषित और अव्याबाध लौकान्तिक देव के मध्य में है ।

सर्वरत्न – *Sarvaratna.*
Name of summits situated at *Manushottar* and *Ruchak* mountain.
मानुषोत्तर व रुचक पर्वत पर स्थित एक-एक कूट ।

सर्वरत्नमयी – *Sarvaratnamayi*
One of the six circumferences of *Sumeru* mountain.
मेरू की चूलिका से लेकर नीचे तक की 6 पृथिवीकाय रूप परिधियों में तीसरी परिधि। इसका विस्तार 16 हजार 500 योजन है ।

सर्वर्तुक वन – *Sarvartuka Vana.*
Name of the initiation & omniscience forest of Lord Chandraprabhu.
चन्द्रप्रभु भगवान का दीक्षा वन एवं केवलज्ञान वन ।

सर्वविजय – *Sarvavijaya.*
Name of the 30ᵗʰ chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 30 वें गणधर ।

सर्वविद्याप्रकर्षिणी – *Sarvavidyāprakarṣiṇī.*
A super power possessed by Nami - Vinami (*Vidyadhars*).
नमि-विनमि विद्याधरों को धरणेन्द्र से प्राप्त एक विद्या ।

सर्वविद्याविराजिता – *Sarvavidyāvirājitā.*
See - *Sarvavidyaprakarṣiṇī.*
देखें - सर्वविद्याप्रकर्षिणी ।

सर्वविपरिणामना – *Sarvavipariṇāmanā.*
Karmic nature which is destroyed by the destruction of all *Karmas*
मूल प्रकृति विपरिणामना के दो भेदों में एक भेद; जो प्रकृति सर्व निर्जरा के द्वारा निर्जरा को प्राप्त होती है वह सर्वविपरिणामना कही जाती है ।

सर्वविभक्ति – *Sarvavibhakti.*
Division of all *Karmic* aggregates.
उत्कृष्ट स्थितिबंध होने पर जो प्रथम निषेक से लेकर अंतिम निषेक तक निषेक रचना होती है वह सर्व स्थिति विभक्ति है ।

सर्वव्यापी – *Sarvavyāpi.*
All-pervaded, omniscience
केवलज्ञान। उसमें समस्त पदार्थ प्रतिभासित होने से वह सर्वगत है ।

सर्वश्यामा – *Sarvaśyāmā.*
Mother's name of Lord Anantnath.
तीर्थंकर अनंतनाथ की माता, अपरनाम जयश्यामा ।

सर्वश्री – *Sarvaśrī.*
Name of an Aryika to would get birth in heaven in the last period of *Panchamkal* (the 5ᵗʰ long period of time).
पंचमकाल की अंतिम आर्यिका जो पंचम काल के साढ़े आठ माह शेष रहने पर कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन स्वाति नक्षत्र में देह त्यागकर स्वर्ग में उत्पन्न होंगी ।

सर्वसंक्रमण – *Sarvasaṁkramaṇa.*
All - *Karmic* transition.
अंत की फाली में शेष बचे सर्व प्रदेशों का अन्य प्रकृति रूप होना सर्वसंक्रमण है ।

सर्वसंघ – *Sarvasaṁgha.*
Name of the 58ᵗʰ chief disciple of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 58 वें गणधर ।

सर्वसाधु – *Sarvasādhu.*
Great *Digambar* Jain saints involved in spirituality.
रत्नत्रय साधना में रत ढाई द्वीप संबंधी समस्त दिगम्बर जैन साधु। णमोकार मंत्र के पाँचवे पद में इन समस्त साधुओं को नमस्कार किया गया है ।

सर्वसावद्य निवृत्ति – *Sarvasāvadya Nivṛtti.*
Abstinence or freeness from all kinds of sinful worldly activities
सामायिक; समस्त आरंभ परिग्रह से निवृत्त होना ।

सर्वसावद्य योग – *Sarvasāvadya Yoga.*
Sinful worldly activities.
समस्त आरंभ परिग्रह से सहित मन, वचन कायरूप योग। इनकी निवृत्ति सामायिक का लक्षण है ।

सर्वसुंदर – *Sarvasundara.*
Very beautiful or attractive, One of the seven particular saints. See - *Sapta Ṛṣi.*
सबसे सुन्दर, सप्त ऋषियों में से एक। देखें - सप्तऋषि ।

सर्वस्थिति – *Sarvasthiti.*
Karmic aggregate at highest state.
उत्कृष्ट स्थिति में रहने वाले (बद्ध कर्म के) सम्पूर्ण निषेकों का जो समूह है वह सर्वस्थिति है ।

सर्वातिचार प्रतिक्रमण – *Sarvāticāra Pratikramaṇa.*
Purification or repentance of all faults commited in ascetic life.
दीक्षा ग्रहण से लेकर समस्त तपश्चरण के काल तक जो दोष लगे हों उनकी शुद्धि करना ।

सर्वात्मभूत – *Sarvātmabhūta.*
Name of the 5ᵗʰ predestined Jaina-Lord (another name is Sarvayudh).
भाविकालीन 5वें तीर्थंकर, अपरनाम सर्वायुध ।

सर्वानंत – *Sarvānanta.*
All infinite.
अनंत का एक भेद। आकाश को घन रूप से देखने पर उसका अंत नहीं पाया जाता इसलिये उसे सर्वानंत कहते हैं ।

सर्वानशन – *Sarvānaśana.*
A type of great austenty pertaining to renunciation of food upto holy death
अनशन तप के दो भेदों में एक भेद, मरण समय में अर्थात् सन्यास काल में मुनि सर्वानशन तप करते हैं। भक्तप्रत्याख्यान, इंगिनीमरण, प्रायोपगमनमरण अथवा अन्य भी [illegible] के मरणों में जो मरण पर्यंत आहार का त्याग करना है, वह अनवधृत या सर्वानशन तप है ।

सर्वानुकंपा – *Sarvānukampa.*
Great feeling of compassion.
अनुकंपा के 3 भेदों में एक भेद। दुःखी प्राणियों को स्वस्थ करना, उनकी पीड़ा का उपशम करना यह सर्वानुकंपा है ।

सर्वायुध – *Sarvāyudha.*
See - *Sarvātmabhūta.*
देखें - सर्वात्मभूत ।

सर्वार्थ – *Sarvārtha.*
The great grand father of Lord Mahavira, One of the 14 earth under *Chitra* earth.
भगवान महावीर के बाबा, चित्रा पृथिवी के नीचे चौदह अन्य पृथिवीयों में 12 वीं पृथिवी ।

सर्वार्थपुर – *Sarvārthapura.*
Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

सर्वार्थसिद्धा – *Sarvārthasiddhā.*
A super power possessed by *Vidyadhars* Nami, Vinami.
एक विद्या। परमकल्याण रूप, मंत्रों से परिष्कृत, विद्याबल से युक्त और सभी का हित करने वाली यह विद्या धरणेन्द्र ने नमि और विनमि विद्याधर को दी थी ।

सर्वार्थसिद्धि – *Sarvārthasiddhi.*
One of the 5 *Anuttar Vimans* (space crafts-dwelling place of *Indras*). Name of a palanquin used by Lord Shantinath.
5 अनुत्तर विमानों में एक इन्द्रक विमान, जहाँ जन्म लेने वाले अहमिन्द्र देव मनुष्य का एक भव धारण कर नियम से मोक्ष प्राप्त करते हैं। एक पालकी, तीर्थंकर शांतिनाथ इसी में बैठकर संयम धारण करने सहस्राम्र वन गये थे ।

सर्वार्थसिद्धि (शास्त्र) – *Sarvārthasiddhi (Śāstra).*
Name of a great treatise written by *Acharya* Pujyapad in Sanskrit language
आचार्य पूज्यपाद (ई.श 5) द्वारा रचित तत्त्वार्थ सूत्र की विशद संस्कृतभाषाबद्ध टीका-ग्रंथ ।

सर्वार्थसिद्धि वचनिका – *Sarvārthasiddhi Vacanikā.*
Hindi translation work of 'Sarvarthsiddhi Granth' written by *Pandit* Jayachandra Chhabra
पं. जयचंद छाबड़ा (ई. 1809) कृत सर्वार्थसिद्धि ग्रंथ की भाषा वचनिका ।

सर्वार्थसिद्धि व्रत – *Sarvārthasiddhi Vrata.*
A particular procedural vow (fasting).
सप्तमी का एकाशना, 8-15 तक 8 उपवास और प्रतिपदा को पारणा [illegible] विशेष विधि व्रत विधान संग्रह में देखें ।

सर्वावधि – *Sarvāvadhi.*
Complete clairvoyance
अवधिज्ञान के तीन भेदों में एक भेद, पूर्ण अवधिज्ञान ।

सर्वानशन – *Sarvānaśana.*
A kind of austerity (fasting).
अनशन तप के दो भेदों में एक – सभी प्रकार के भोजन का त्याग करना सर्वानशन है। मरणकाल अर्थात् समाधिकाल में मुनि सर्वानशन तप करते हैं ।

सर्वासंख्यात – *Sarvāsaṁkhyāta.*
Innumerable (uncountable).
घनलोक सर्वासंख्यात है क्योंकि घनरूप से लोक के देखने पर प्रदेशों की गणना की अपेक्षा वे संख्यातीत हैं ।

सर्वोपशम – *Sarvopaśamana.*
Super subsidence (of Karmas).
मिथ्यात्व आदि तीनों प्रकृतियों के उदयाभाव को सर्वोपशम कहते हैं। प्रथमोपशम सम्यक्त्व का लाभ भी सर्वोपशम से होता है ।

सर्वोपशमन – *Sarvopaśamana.*
Subsidence of all 28 *Karmic* nature of delusion.
मोहनीय कर्म की 28 प्रकृतियों का उदयाभाव करना। यह धर्मध्यान का फल है ।

सर्वौषध ऋद्धि – *Sarvauṣadha Ṛddhi.*
A type of supernatural medicinal power of curing one from disease.
जिस ऋद्धि के प्रभाव से दुष्कर तप से युक्त मुनियों का स्पर्श किया हुआ जल, वायु, तथा उन के रोम व नखादिक व्याधि के हरने वाले हो जाते हैं ।

सर्षप फल – *Sarṣapa Phala.*
Mustard seeds, a unit of weighing.
सरसों, तोल का एक प्रमाण ।

सल्लेखना – *Sallekhanā*
Procedure of physical mortification for holy death (reg. saints).
समाधि। अतिवृद्ध, असाध्य रोगग्रस्त हो जाने पर अथवा अप्रतिकार्य उपसर्ग आने पर या दुर्भिक्ष आदि के होने पर साम्य भाव पूर्वक अंतरंग कषायों का सम्यक् प्रकार से दमन करते हुए, भोजन आदि का त्याग करके धीरे-धीरे शरीर को कृश

करना। सल्लेखना यम व नियम के भेद से दो प्रकार की होती है।

सल्लेखना काल – *Sallekhanā Kāla.*
Time duration of *Sallekhana* (holy death of saints).
रागादि विकल्पों को कृश करने रूप भाव सल्लेखना तथा उसी के अर्थ में कायक्लेशादि के अनुष्ठान रूप द्रव्यसल्लेखना है इन दोनों का आचरण करना सल्लेखना काल है।

सवस्त्र लिंग – *Savastra Linga.*
The female Jain ascetic
अपवाद लिंग अथवा स्त्री (आर्यिका) का लिंग।

सविकल्प – *Savikalpa.*
With option, Knowledge is called as *Savikalpa*
विकल्प सहित, ज्ञानोपयोग (ज्ञान) को सविकल्प कहा गया है।

सविचार – *Savicāra.*
Condition related to absolute meditation where unconsciously different attributes of meditation replace on another.
पृथक्त्व वितर्क शुक्लध्यान। अर्थ, व्यंजन और योगों का संक्रम (परिवर्तन) वीचार है। जो ऐसे संक्रम से युक्त हो उसे सूत्र में सविचार कहा है।

सवितर्क – *Savitarka.*
Unconscious thought activities in absolute meditation.
पृथक्त्ववितर्क एवं एकत्व वितर्क दोनों शुक्लध्यान वितर्क सहित है। विचार करने को वितर्क कहते हैं।

सविपाक उदय – *Savipāka Udaya.*
Fruition of *Karmas* on maturity.
काल, भव और क्षेत्र का निमित्त पाकर कर्मों का उदय होता है। वह दो प्रकार का है- सविपाक उदय और अविपाक उदय। कर्मों का स्थिति पूर्ण होने पर उदय में आना।

सविपाक निर्जरा – *Savipāka Nirjarā.*
Shedding off or dissociation of *Karmas* on maturity.
निर्जरा के दो भेदों में एक भेद, कर्मों का अपने समय पर उदय में आकर झड़ना।

सविश्वरूपत्व – *Saviśvarūpatva.*
Universally vast form, A name of Lord Rishabhdev called by *Saudharma Indra.*
वस्तु में कुछ विरोधी धर्मों में एक धर्म, जैसे-सविश्वरूप-एकरूप इत्यादि। सौधर्मेन्द्र द्वारा स्तुत ऋषभदेव का एक नाम।

सवैडूर्य – *Savaidūrya*
Another name of *Sumeru* mountain among many.
सुमेरु पर्वत के अनेक अपरनामों में एक नाम।

सव्यभिचार – *Savabhicāra.*
A fallacy causing both favour & opposition, an inconclusive fallacy.
एक हेत्वाभास। पक्ष व विपक्ष दोनों को स्पर्श करने वाला हेतु। यह साधारण, असाधारण व अनुपसंहारी तीन प्रकार का होता है।

सशल्य मरण – *Saśalya Maraṇa.*
Death with passionate sting or passionful death.
माया, मिथ्या, निदान इनमें से किसी भी शल्य सहित मरना।

सहकारी – *Sahakārī*
A cause related to co-operation.
एक सहयोगी कारण; सभी द्रव्य परस्पर में जो उपकार करते हैं वह सहकारी कारण के रूप में ही करते हैं।

सहचर – *Sahacara.*
Going or associating with, Associate, companion
एक हेतु; जो साध्य के साथ रहता है।

सहज – *Sahaja.*
Natural, simple.
स्वाभाविक।

सहज दुःख – *Sahaja Duḥkha*
Natural trouble or pain.
स्वाभाविक क्षुधादि से उत्पन्न होने वाला दुःख।

सहदेव – *Sahadeva.*
One of the 5 Pandavas.
रानी माद्री व पाण्डु का पुत्र, 5वां पांडव। अंत में दीक्षा धारण की, दुर्योधन के भानजे द्वारा शत्रुंजयगिरि पर घोर उपसर्ग होने पर समतापूर्वक देह त्याग कर सर्वार्थसिद्धि स्वर्ग में गये।

सहदेवी – *Sahadevī.*
The mother of Sukaushal, a saint.
सुकौशल मुनि की माता। सुकौशल के मुनि हो जाने पर पुत्र वियोग से मरकर सिंहनी हुई। पूर्व के क्रोधवश सुकौशल को खा लिया। अंत में सुकौशल के पिता कीर्तिधर (मुनि) से पूर्वभव जानकर पश्चात्तापपूर्वक देह त्याग कर स्वर्ग गयी।

सहधर्मिणी – *Sahadharmiṇī*
The wife, one who is married with ritual ceremony.
धर्मपत्नी। वही उत्तम सहधर्मिणी है जो अपने धर्म और यश की रक्षा करती है तथा प्रेमपूर्वक अपने पतिदेव की आराधना करती है।

सहनानी – *Sahanānī.*
Symbolism or mathematical symbols.
गणित में किसी प्रक्रिया के लिए कल्पित किया गया कोई चिन्ह, अक्षर, अंक आदि।

सहभाव – *Sahabhāva.*
Association, Co-existence.
अविनाभाव के दो भेदों में एक भेद। साथ रहने वालों में तथा व्याप्य और व्यापक पदार्थों में सहभाव नियम नाम का अविनाभाव होता है। जैसे - द्रव्य व गुण में।

सहभावी विशेष – *Sahabhāvī Viśeṣa*
Co-existing factor-the property of a matter in it.
गुण; जो वस्तु के सर्व प्रदेशों में व उसकी सर्व अवस्थाओं में

साथ-साथ रहता है

सहभू – *Sahabhū*

Co-existing one.

सहभावी, अन्वयी, गुण, सहभू तथा अर्थ ये सब शब्द अर्थ की दृष्टि से एकार्थक होने के कारण एकार्थवाचक हैं।

सहभूत – *Sahabhūta.*

The properties of a matter (co-existing or associating).

सहकारी, सामान्य विशेष गुण द्रव्यों के सहभूत जानने चाहिए।

सहभोजन – *Sahabhojana.*

Taking food togetherly.

एक साथ भोजन करना।

सहवर्ती – *Sahavarti.*

Co-existing or co-associating.

द्रव्य में गुण सहवर्ती और पर्यायें क्रमवर्ती होती हैं। देखें - सहभूत।

सहवा (कवि) – *Sahawā (Kavi).*

Name of a Marathi poet, the writer of Neminath Puran.

नेमिनाथ पुराण के रचयिता (ई. 1527) एक मराठी कवि।

सहवास – *Sahavāsa.*

Cohabitation.

संगति। साथ-साथ रहना।

सहवृत्ति – *Sahavṛtti.*

Tendency of co-association or co-inclination.

समवृत्ति अर्थात् गुण और गुणी का साथ-साथ रहना अर्थात उनका कथंचित् एकत्व - तादात्म्य संबंध।

सहसा – *Sahasā.*

Suddenly, all of a sudden.

अचानक, तत्काल।

सहसातिचार – *Sahasāticāra.*

Sudden inclination towards inauspicious thoughts & speech.

अशुभवचन और अशुभ विचारों में वचन की और मन की तत्काल अविचार पूर्वक प्रवृत्ति होना, इसको सहसातिचार कहते हैं।

सहसा निक्षेप – *Sahasā Nikṣepa.*

Sudden installation of something due to some fear etc.

निक्षेपाधिकरण के 4 भेदों में एक भेद। यकायक किसी भय से या किसी अन्य कार्य करने की शीघ्रता से वस्तु को रख देना। यह अजीवाधिकरण आस्रव का एक कारण है।

सहस्र – *Sahasra.*

One thousand, 1000.

एक हजार, 1000।

सहस्रकीर्ति – *Sahasrakīrti.*

Name of the preceptor of Nemichandra *Bhattarak* of *Nandi* group and a saint of *Kashtha* group.

नंदिसंघ बलात्कारगण नागौर गद्दी के एक भट्टारक नेमिचन्द्र के गुरु, काष्ठासंघ पट्टावली के एक आचार्य त्रिभुवनकीर्ति के शिष्य।

सहस्रनयन – *Sahasranayana.*

The son of Sulochana

सगर चक्रवर्ती का साला तथा सुलोचना का पुत्र।

सहस्रनाम स्तव – *Sahasranāma Stava.*

Name of an eulogical treatise written by *Pandit* Ashadhar.

पं. आशाधर (ई. 1173-1243) द्वारा रचित संस्कृत छंदबद्ध ग्रंथ जिसमें 1008 नामों द्वारा भगवान का स्तवन किया गया है। इस पर आचार्य श्रुतसागर (ई.1473-1533) ने टीका लिखी है।

सहस्रनाम स्तोत्र – *Sahasranāma Stotra.*

Name of an eulogical spiritual hymn written by Jinsenacharya.

श्री जिनसेनचार्य द्वारा रचित भगवान ऋषभदेव के 1008 नामों का संस्कृत स्तोत्र।

सहस्रनाम विधान – *Sahasranāma Vidhāna.*

A composition of worshipping hymn composed by *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji.

श्री जिनसेनाचार्य द्वारा रचित सहस्रनाम स्तोत्र के आधार पर गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा सन् 1954 में रचे गये 1008 मंत्रों के अर्थ को छन्दों में निबद्ध करके रचित 1008 अर्घ्यों वाला विधान।

सहस्रपर्वा – *Sahasraparvā.*

Name of a super power possessed by Nami & Vinami *Vidyadhars*

धरणेन्द्र द्वारा नमि व विनमि विद्याधरों को प्राप्त विद्या।

सहस्रबाहु – *Sahasrabāhu.*

Father's name of the 8[th] *Chakravarti* (emperor) Subhaum.

8वें चक्रवर्ती सुभौम के पिता।

सहस्रानीक – *Sahasrānīka.*

One of the sons of *Vidyadhar* -Vinami.

विनमि विद्याधर के अनेक पुत्रों में एक पुत्र।

सहस्राम्र – *Sahasrāmra.*

Forest of mango trees, the initiation & ommniscience forest of Lord Shantinath & Neminath.

आम्रवृक्षों का वन, भगवान शांतिनाथ एवं नेमिनाथ का दीक्षा एवं केवलज्ञान वन।

सहस्रायुध – *Sahasrāyudha.*

The son of *Chakravarti* (emperor) Vajrayudh.

चक्रवर्ती वज्रायुध का पुत्र। मुनि पिहितास्रव से दीक्षा लेकर सन्यासमरण कर अधोग्रैवेयक में अहमिन्द्र हुआ।

सहस्रार – *Sahasrāra.*

Name of the 12[th] heaven

12 वां स्वर्ग, यहां का इन्द्र शतार है ।

सहानवस्था विरोध – *Sahānavasthā Virodha.*

Mutual opposition in the different states of a matter.

विरोध के 3 भेदों में एक भेद। यह विरोध एक वस्तु की क्रम से होने वाली दो पर्यायों में होता है। नयी पर्याय उत्पन्न होती है तो पूर्व पर्याय नष्ट हो जाती है ।

सहायक कारण – *Sahāyaka Kārana.*

A helping cause.

एक कारण। जो स्वयं कार्यरूप परिणमे वह उपादान कारण है तथा उसमें सहायक होने वाले पर द्रव्य व गुण निमित्त सहायक कारण हैं इसे बलाधान या उदासीन निमित्त भी कहते हैं ।

सहेतुक प्रत्याख्यान – *Sahetuka Pratyākhyāna*

Causal renunciation—one of the 10 types of renunciations.

प्रत्याख्यान के सामान्य 10 भेदों में एक भेद। किसी निमित्त से किया जाने वाला त्याग जैसे—इस ग्रंथ का अध्ययन आदि पूर्ण होने तक अमुक वस्तु का त्याग करना ।

सहेतुक वन – *Sahetuka Vana.*

Name of initiation & omniscience forests of 9 *Tirthankars* (Jaina-Lords)—Ajitnath, Sambhavanath, Sumatinath, Suparshvanath, Sheetalnath, Vimalnath, Anantnath, Kunthunath & Arahnath

तीर्थंकर अजितनाथ, संभवनाथ, सुमतिनाथ, सुपार्श्वनाथ, शीतलनाथ, विमलनाथ, अनंतनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ का दीक्षा एवं केवलज्ञान वन ।

सह्य – *Sahya.*

Name of a mountain situated near Malaygiri.

मलयगिरी के समीप में स्थित एक पर्वत ।

सांख्यदर्शन – *Sāmkhyadarśana.*

Name of a philosophy, its founder was Maharshi Kapil

एक एकांत दर्शन इसके मूल प्रणेता महर्षि कपिल थे। इस दर्शन के मूल पदार्थ दो हैं-पुरुष व प्रकृति। पुरुष चेतन तत्त्व है और प्रकृति जड़ है ।

सांतर निरंतर द्रव्य वर्गणा – *Sāntara Nirantara Dravya Vargaṇā.*

A type of *Karmic* aggregates having nature of continuity & discontinuity both.

जो वर्गणा अंतर के साथ निरंतर जाती है, उसकी सांतर-निरंतर द्रव्य वर्गणा संज्ञा है। यह अग्रहण वर्गणा ही है, क्योंकि यह आहार, तैजस, भाषा, मन और कर्म के अयोग्य है ।

सांतर बंधी प्रकृति – *Sāntara Bandhī Prakṛti*

A *Karmic* nature with having property of its annihilation (to put out of existence of one *Gati* for another).

जिस कर्म प्रकृति का काल के क्षय से बन्ध व्युच्छेद संभव है वह सांतरबंधी प्रकृति है। अर्थात् जहां किसी समय देवगति का बंध हो और किसी समय अन्य गति का बंध हो वह सांतरबंधी प्रकृति है ।

सांतर मार्गणा – *Sāntara Mārgaṇā.*

Margana (investigation) with discontinuity or gaps

अंतर सहित मार्गणा। अर्थात् जिनमें अंतर—विच्छेद नहीं पड़ता उनको निरंतर मार्गणा और जिनमें विच्छेद पड़ जाता है उनको सांतर मार्गणा कहते हैं। 14 मार्गणाओं में 8 सान्तर मार्गणाएँ हैं ।

सांतर सिद्ध – *Sāntara Siddha.*

Beings to be salvated from *Santar Gati.*

अंतर-विच्छेद सहित होने वाले सिद्ध ।

सांद्र – *Sāndra.*

Regular solid, Smooth, Beautiful.

नियमित गाढ़, घन, ठोस, चिकना, मृदु, सुन्दर ।

सांपरायिक – *Sāmparāyika*

Mundane inflow, passionful influx

कषाय सहित अर्थात् जो कर्म संसार का प्रयोजक है वह साम्परायिक है ।

सांपरायिक आस्रव – *Sāmparāyika Āsrava.*

Passionful influx.

स्वामी की अपेक्षा आस्रव के दो भेदों में एक भेद। कषाय सहित होने वाले आस्रव को साम्परायिक आस्रव कहते हैं। पहले से दसवें गुणस्थान तक साम्परायिक आस्रव होता है। इसके 57 भेद हैं 5 मिथ्यात्व, 5 अविरति, 15 प्रमाद, 25 कषाय 7 योग ।

सांपरायिक बंधक – *Sāmparāyika Bandhaka.*

Those bound with passionful influx.

प्रथम गुणस्थान से लेकर 10वें गुणस्थान तक के जीव कषाय सहित होने से साम्परायिक बंधक कहलाते हैं ।

सांवत्सरिक प्रतिक्रमण – *Sāmvatsarika Pratikramaṇa.*

A type of repentance, carried on annually by Jain saints

प्रतिक्रमण के 7 भेदों में छठा भेद। देखें वार्षिक प्रतिक्रमण ।

सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष – *Sāmvyavahārika Pratyakṣa.*

Right sensual apprehension or perception

प्रत्यक्ष के दो भेदों में एक भेद। जो ज्ञान इन्द्रिय और मन की सहायता से पदार्थ को एकदेश स्पष्ट जानता है। उसे सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष कहते हैं। यद्यपि सैद्धान्तिक दृष्टिकोण से यह परिभाषा परोक्ष ज्ञान में घटित होती है परन्तु न्याय की भाषा में इसे सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष कहा गया है ।

सांसारिक दुःख – *Sāmsārika Duhkha.*

Worldly afflictions or troubles

लौकिक विषयों से उत्पन्न दुःख अर्थात् भोगोपभोगात्मक भोगों का वियोग होने से जो दुःख उत्पन्न होता है। संसारी जीवों का इन्द्रिय सुख वासना जनित होने के कारण दुःखरूप ही है क्योंकि आपत्तिकाल में भोग व रोग चित्त में उद्वेग करने

जाते हैं।

सांसारिक सुख – *Sāṁsārika Sukha.*

Worldly sensual pleasures

लौकिक या इन्द्रियजन्य सुख। यह सारा इन्द्रिय विषयक माना जाता है, इसलिए यह केवल सुखाभास ही नहीं, किन्तु निःसंदेह दुःखरूप ही है।

साकांक्ष अनशन – *Sākāṁkṣa Anaśana.*

A type of austenty (fasting) to be observed for some specific time periods.

अवधृत काल अनशन तप अर्थात् नियतकालीन उपवास। इसके बेला, अष्टम, दशम, द्वादश, पंद्रह दिन, एक मास, कनकावली, मुरज, सिंहनिष्क्रीडित इत्यादि जो भेद कहे हैं, वह सब साकांक्ष अनशन तप है।

साकार उपयोग – *Sākāra Upayoga.*

Conscious knowledge (sensory, scriptural, clairvoyance, telepathic etc.).

ज्ञानोपयोग, मति, श्रुत, अवधि और मनःपर्ययज्ञान के द्वारा जो अपने-अपने विषय का विशेष ज्ञान होता है उसे साकार उपयोग कहते हैं।

साकार मंत्रभेद – *Sākāra Maṁtrabheda.*

An infraction of vow of true speech—to expose the secret of others with the intention of their insult

सत्याणुव्रत का एक अतिचार; चर्चा करते हुए अथवा मुख की आकृति आदि से दूसरे के मन की बात को जानकर ईर्षावश प्रकट कर देना कि उसकी बदनामी हो।

साकार स्थापना – *Sākāra Sthāpanā.*

If the representative and the represented are similar in figure, then, such installation are called *Sakar Sthapana.*

तदाकार स्थापना निक्षेप; पाषाण या धातु की बनी हुई तदाकार प्रतिबिम्ब में जिनेन्द्र भगवान की या इन्द्र की स्थापना करना तदाकार स्थापना है।

साकेता – *Sāketā.*

Another name of Ayodhya (birth place of Lord Adinath, Ajitnath, Abhinandannath, Sumatinath & Anantnath).

भरत क्षेत्र की एक नगरी। अपरनाम अयोध्या। तीर्थंकर आदिनाथ, अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, अनंतनाथ की जन्म नगरी।

साक्षर शब्द – *Sākṣara Śabda.*

Syllabary language.

मनुष्यों की भाषा साक्षरी तथा पशु-पक्षियों की निरक्षरी होती है।

साक्षात् प्रत्यक्ष हेतु – *Sākṣāt Pratyakṣa Hetu.*

A direct cause causing immediate result as the evolution of knowledge with destruction of ignorance

प्रत्यक्ष हेतु के दो भेदों में एक भेद। अज्ञान का विनाश, ज्ञानरूपी दिवाकर की उत्पत्ति, देव मनुष्यादिकों के द्वारा निरन्तर की जाने वाली विविध प्रकार की अभ्यर्थना और प्रत्येक समय होने वाली असंख्यात- गुणी कर्मों की निर्जरा, साक्षात् प्रत्यक्ष हेतु है।

सागर – *Sāgara.*

Ocean, Sea, Name of the main questioner in the assembly of Lord Ajitnath

समुद्र, मध्यलोक में द्वीपों को वेष्टित करते हुए एक के पीछे एक असंख्यात सागर हैं। तीर्थंकर अजितनाथ का मुख्य प्रश्नकर्ता।

सागर (गणित) – *Sāgara (Gaṇita).*

A mathematical measuring unit of Ten *Korakori Palya* (reg. *Lokottara Ganit*—transcendental mathematics)

लोकोत्तर गणितीय राशि – दस कोड़ाकोड़ी पल्य प्रमाण काल।

सागर सिद्ध – *Sāgara Siddha.*

Beings to be salvated from ocean.

समुद्र से सिद्ध होने वाले जीव, ये स्तोक होते हैं।

सागार – *Sāgāra.*

Householders, lay followers.

गृहस्थ। गृह में रहने वाले गृहस्थधर्म पालक। अर्थात् सकल परिग्रह सहित घर में रहने वाले सागार कहलाते हैं।

सागार धर्मामृत – *Sāgāra Dharmāmṛta.*

Name of a book written by *Pandit* Ashadhar.

पं. आशाधर (ई. 1173-1243) द्वारा रचित संस्कृत श्लोकबद्ध श्रावकाचार। टीका सहित। इसमें 8 अध्याय और 477 श्लोक हैं।

सागरोपम – *Sāgaropama.*

A transcendental time unit.

काल का एक प्रमाण। कोई उद्धार सागर प्रमाण काल का एक सागरोपम काल होता है। एक उद्धार सागर 10 कोड़ाकोड़ी उद्धार पल्यों का कहा गया है।

सात गारव – *Sāta Gārava.*

Proud of worldly pleasure.

गारव (घमंड) के तीन भेदों शब्द गारव, ऋद्धि गारव, सात गारव में एक भेद। मुझे बहुत सुख साता है, मेरे जैसा कोई पुण्यवान नहीं है- ऐसा अभिमान करना सात गारव है या रससहित भोजन प्राप्त करके उससे उत्पन्न सुख का अभिमान करना सात या रस-गारव है।

सात नय – *Sāta Naya.*

Seven particular kinds of standpoints.

नैगम, संग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र, शब्द, समभिरूढ़ और एवंभूत ये 7 नय हैं।

सात भय – *Sāta Bhaya.*

Seven kinds of fears.

इहलोक, परलोक, अरक्षा, अगुप्ति, मरण, वेदना और आकस्मिक भय ये सात भय हैं।

सातवीं पृथिवी – *Sātavīṁ Pṛthivī.*

The 7^{th} hellish earth.

महातम: प्रभा नाम की नरक पृथिवी, यह 8 हजार योजन मोटी

है। इस पृथ्वी से एक राजु नीचे लोक का अंत है ।

सात व्यसन – *Sāta Vyasana.*

Seven kinds of bad addictions (gambling, non-veg. eating, wine drinks, prostitution, hunting, stealing, licentiousness)

जुआ, मांस, मद्य, वेश्या, शिकार, चोरी और परस्त्री रमण ये सात व्यसन महापाप रूप हैं ।

सात स्वप्न – *Sāta Svapna.*

Seven dreams (seen by Narayan's mother and by king Shreyans)

नारायण की माता के 7 स्वप्न- सूर्य, चन्द्रमा, दिग्गजों द्वारा लक्ष्मी का अभिषेक, आकाश से नीचे आता विमान, दैदीप्यमान अग्नि, रत्न राशि, मुख में प्रवेश करता सिंह। राजा श्रेयांस के 7 स्वप्न- सुमेरु पर्वत, आभूषण से सुशोभित कल्पवृक्ष, किनारा उखाड़ता बैल, सूर्य, चन्द्रमा, रत्नों की लहरों से सुशोभित समुद्र, अष्ट मंगल द्रव्य लिये व्यंतर देवों की मूर्तियाँ।

साता – *Sāta.*

Pleasure, bliss, merriment.

सुख अर्थात् साता रूप आत्मा का परिणाम ।

साता वेदनीय – *Sātā Vedanīya*

Pleasure giving *Karmas.*

वेदनीय कर्म के दो भेदों में एक भेद। जिस कर्म के उदय से जीव को इन्द्रिय और मन सम्बन्धी सुख की प्राप्ति होती है ।

सातिप्रयोग – *Sātiprayoga.*

A type of illusion, wrong practices of telling lie for money, embezzlement etc.

माया के 5 भेदों में एक भेद; धन के विषय में असत्य बोलना, किसी की धरोहर का कुछ भाग हरण कर लेना, दूषण लगाना अथवा झूठी प्रशंसा करना सातिप्रयोग माया है ।

सातिशय अप्रमत्त – *Sātiśaya Apramatta.*

Saints rising on the 2nd substage of the 7[th] stage of spiritual development.

अप्रमत्त संयत के दो भेदों में एक भेद। जो साधु उपशम या क्षपक श्रेणी चढ़ने के सम्मुख है वे सातिशय अप्रमत्त संयत कहलाते हैं ।

सातिशय केवली – *Sātiśaya Kevalī.*

A type of omniscient one.

तीर्थंकर प्रकृति रहित, 75 अतिशयों (10 केवलज्ञान, 14 देवकृत, 1 वज्रवृषभनाराच संहनन), 4 प्रातिहार्य (छत्र, सिंहासन, भामंडल, दिव्यध्वनि), गन्धकुटी व अनन्त चतुष्टय सहित 'सातिशय केवली' होते हैं। अर्थात् अतिशय युक्त केवली को 'सातिशय केवली' कहते हैं ।

सातिशय मिथ्यादृष्टि – *Sātiśaya Mithyādṛṣṭi.*

Wrong believers who are going to attain right belief

प्रथमोपशम सम्यक्त्व के अभिमुख जीव सातिशय मिथ्यादृष्टि कहलाते हैं ।

सात्यकिपुत्र – *Sātyakiputra.*

The 11[th] *Rudra,* the soul of predestined 24[th] *Tirthankara* (Jaina-Lord)

11 वें रुद्र, भाविकालीन 24 वें तीर्थंकर का जीव ।

सात्विक दान – *Sātvika Dāna.*

Right donation

जिस दान में अतिथि का हित हो, जिसमें सुपात्र का निरीक्षण स्वयं दाता के द्वारा किया गया हो और दाता में श्रद्धा आदि समस्तगुण हों वह सात्विक-दान है ।

सादि नित्य पर्यायार्थिक नय – *Sādi Nitya Paryāyārthika Naya.*

A standpoint believing the existence of supreme soul.

पर्यायार्थिक नय के 6 भेदों में एक भेद। (परम भाव ग्राहक) शुद्ध निश्चयनय को गौण करके, सम्पूर्ण कर्मों के क्षय से उत्पन्न तथा चरम शरीर के आकार रूप पर्याय से परिणत जो शुद्ध सिद्ध पर्याय है, उसको विषय करने वाला अर्थात् उसको सत् समझने वाला नय ।

सादि बंध – *Sādi Bandha.*

Rebinding of *Karmas.*

जिस कर्म के बंध का अभाव होकर फिर वही कर्म बंधे उसे सादि बंध कहते हैं ।

सादिबंधी प्रकृति – *Sādibandhī Prakṛti.*

A type of *Karmic* nature with having property of rebinding.

जिस कर्म प्रकृति के बन्ध का अभाव होकर पुनः बन्ध होता है वह सादिबन्धी प्रकृति कहलाती है ।

सादि मिथ्यादृष्टि – *Sādi Mithyādṛṣṭi.*

One degraded from the right path.

सम्यग्दर्शन को प्राप्त करने के पश्चात् जो जीव गिरकर पुनः मिथ्यादृष्टि हो जाता है उसे सादि-मिथ्यादृष्टि कहते हैं ।

सादि स्थिति बंध – *Sādi Sthiti Bandha.*

Rebinding of particular *Karmic* duration i.e. rebinding of *Karmas* in reference to *Sthiti Bandh.*

विवक्षित कर्म की स्थिति के बंध का अभाव होकर पुनः उसके बंधने को सादि स्थितिबंध कहते हैं ।

सादृश्य – *Sādṛśya.*

Resemblance, similarity

एकरूपता, समानता, समान धर्म ।

सादृश्य प्रत्यभिज्ञान – *Sādṛśya Pratyabhijñāna.*

Analogical recognition.

स्मृति और प्रत्यक्ष के विषय भूत पदार्थों में सादृश्यता दिखाते हुए जोड़ रूप ज्ञान का होना। जैसे यह गौ गवय के समान है।

साधक श्रावक – *Sādhaka Śrāvaka.*

A type of householder (votary), who renounces all the attachments (from body, food etc.) for holy death (*Samadhi*)

श्रावक के तीन भेदों में एक भेद। जो श्रावक जीवन के अंत में शरीर, आहार आदि से ममत्व छोड़कर आत्म शुद्धि के लिए समाधिमरण की साधना करता है। उत्कृष्ट श्रावक के व्रतों को (11 प्रतिमा) धारण करने वाले क्षुल्लक भी साधक श्रावक

कहलाते हैं ।

साधन – *Sādhana.*

Means, resources.

कार्य आदि के सम्पादन में निमित्तभूत क्रिया, हेतु, उपाय आदि साधन कहलाते हैं। मरण समय आहार व मन वचन काय के व्यापार का त्याग करके आत्म शुद्धि करना साधन है ।

साधन साध्य भाव – *Sādhana Sādhya Bhāva.*

Relations related to means and goal

साध्य साधक भाव। व्यवहार सम्यक्त्व से निश्चय सम्यक्त्व सिद्ध किया जाता है अर्थात् व्यवहार सम्यक्त्व साधन या साधक है एवं निश्चय सम्यक्त्व साध्य है ।

साधन हेतु – *Sādhana Hetu.*

Means, resources.

देखें - साधन। स्वपक्ष की सिद्धि के लिए प्रयुक्त हुआ हेतु ।

साधना – *Sādhanā.*

Study (of soul). Striving towards any end or accomplishment.

लौकिक एवं आध्यात्मिक सिद्धि के लिए किया गया प्रयत्न ।

साधर्म्य – *Sādharmya.*

Parallelism, Means showing some existence.

धर्म, गुण आदि की समानता। साध्य के आधार में जिसकी वृत्ति निश्चित हो उसको साधर्म्य कहते हैं ।

साधर्म्य उदाहरण – *Sādharmya Udāharaṇa.*

Smoke showing existence of fire, an example of means with its relative objects

जो जो धूमवाला है वह वह अग्नि वाला है जैसे - रसोईघर ।

साधारण – *Sādhāraṇa.*

Ordinary, general, common, usual.

सामान्य, जिसमें कोई विशेषता न हो ।

साधारण कायिक जीव – *Sādhāraṇa Kāyika Jīva.*

Vegetation like common aquatic plant (one sensed beings according to Jaina philosophy).

वनस्पति। जो एक शरीर बहुत जीवों का होता है वह साधारण शरीर कहलाता है। ऐसा साधारण शरीर जिन जीवों का है वे साधारण जीव कहलाते हैं। साधारण शरीर में रहने वाले सभी जीवों का जन्म, मरण, श्वासोच्छ्वास, आहार आदि एक साथ होता है ।

साधारण वनस्पति – *Sādhāraṇa Vanaspati.*

General vegetation.

वनस्पति के दो भेदों में एक भेद। जिस वनस्पति के आश्रित साधारण जीव होते हैं वह साधारण वनस्पति कहलाती है ।

साधारण गुण – *Sādhāraṇa Guṇa.*

General virtues or qualities or properties of all matters.

जो सब द्रव्यों में व्यापता है, उसे सामान्य गुण कहते हैं। इसके अस्तित्व, वस्तुत्व, द्रव्यत्व, प्रमेयत्व, अगुरुलघुत्व, प्रदेशत्व ये 6 भेद हैं ।

साधारण नामकर्म प्रकृति –

Sādhāraṇa Nāmakarma Prakṛti.

Physique making *Karmic* nature causing single body possessed by infinite beings

नामकर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से ऐसा शरीर प्राप्त हो जिसके अनंत जीव स्वामी हों। जो एक साथ जन्में, श्वास लें व मर जायें ।

साधिक जघन्य – *Sādhika Jaghanya.*

Some more than lowest.

जघन्य से कुछ अधिक ।

साधित – *Sādhita.*

Adored, Achieved, Accomplished.

समिद्ध, ध्यध, सिद्ध, साधित और आराधित ये शब्द एकार्थक हैं ।

साधु – *Sādhu.*

Digambar Jain saints with 28 basic attributes (*Moolgun*).

निर्ग्रन्थ मुनि को साधु कहते हैं। साधु के 5 महाव्रत, 5 समिति, 5 इन्द्रिय जय, 6 आवश्यक एवं 7 शेष गुण ये 28 मूलगुण होते हैं ।

साधुधर्म – *Sādhu Dharma.*

Basic restraints, conduct & discipline of Jain saints.

अनगार धर्म। संसार शरीर भोगों से विरक्ति, ज्ञानाचार आदि 5 आचार, 10 धर्म, संयम, मूलगुण और तपरूप उत्तरगुण, मिथ्यात्व मोह आदि का नाश, कषायों का शमन, इन्द्रिय दमन, निर्मल रत्नत्रय तथा अंत में समाधि मरण यह सब मोक्षपद के कारण मुनियों के धर्म हैं ।

साधु पूजा – *Sādhu Pūjā.*

Worshipping of Jaina saints.

श्रावक के षट्कर्त्तव्यों में गुरुपास्ति नाम का एक कर्तव्य; देव, गुरु, यति की पूजारूप धर्मानुराग इत्यादि ।

साधु प्रासुक परित्यागता –

Sādhu Prāsuka Parityāgatā.

A great & meaningful renouncement (reg. perception, knowledge & faith) done by Jaina saints.

दया बुद्धि से साधुओं के द्वारा किये जाने वाले दर्शन, ज्ञान व चारित्र के परित्याग या दान का नाम प्रासुक परित्यागता है। षट्खंडागम के अनुसार 16 कारण भावनाओं में यह एक भावना है ।

साधु संघ – *Sādhu Saṁgha.*

Group of Jaina saints (with *Muni, Aryika, Shravak & Shravika*).

चतुःसंघ; मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका ।

साधु समाधि – *Sādhu Samādhi.*

Protecting the saint - *sangh* and removal of obstacles that threaten the penance of ascetics (one of the 16 auspicious reflections).

16 कारण भावनाओं में एक भावना। बाह्य व आभ्यंतर कारणों से साधु-संघ के तपश्चरण में विघ्न आने पर संघ की रक्षा करना ।

साधुसेन – *Sādhusena.*

The 38[th] chief disciple of Lord Rishabhnath.
तीर्थंकर ऋषभनाथ के 38 वें गणधर ।

साध्य – *Sādhya.*

Something attainable or to be achieved.
इष्ट, अबाधित, असिद्ध को साध्य कहते हैं (देखें - परीक्षामुख) ।

सानत्कुमार – *Sānatkumāra.*

See - *Sanatkumāra.*
देखें सनत्कुमार ।

सापराध – *Sāparādha.*

Offender, guilty, one at fault
अपराधी ।

सापेक्ष – *Sāpekṣa.*

Relative, comparative
परस्पर निर्भर, अपेक्षा सहित ।

सापेक्षता – *Sāpekṣatā.*

Relativity
अनेकांत। धर्मों को कथंचित परस्पर में सापेक्ष ग्रहण करना ।

सापेक्ष दृष्टि – *Sāpekṣa Dṛṣṭi.*

Relative perception.
स्याद्वाद। जो वस्तु अनेकांत रूप है वही सापेक्ष दृष्टि से एकान्त भी है। श्रुतज्ञान की अपेक्षा अनेकांत रूप है और नय की अपेक्षा एकांत रूप है। बिना अपेक्षा के वस्तु का स्वरूप नहीं देखा जा सकता ।

सापेक्ष धर्म – *Sāpekṣa Dharma*

Relative properties in matters.
अनेकांत, सप्तभंगी अर्थात् वस्तु में पाये जाने वाले विरोधी धर्म जो एक दूसरे पर निर्भर रहते हैं ।

सापेक्ष नय – *Sāpekṣa Naya.*

A standpoint related to relativity.
सापेक्ष नय वस्तु स्वरूप है जो सम्यक् है एवं स्व व पर के उपकार के लिये होता है ।

सामर्थ्य – *Sāmarthya.*

Capability, competence, capacity.
शक्ति, बल (जीव में मोक्ष को प्राप्त करने की सामर्थ्य है) ।

सामानिक – *Sāmānika.*

Those equal to *Indras* in age, power and enjoyment but lacking in grandeur.
जो देव आयु, शक्ति, परिवार तथा भोगोपभोग में इन्द्र के समान होते हैं, किन्तु आज्ञा और ऐश्वर्य में इन्द्र से हीन होते हैं। ये पिता, गुरु या उपाध्याय के समान माने जाते हैं ।

सामान्य – *Sāmānya.*

General, common, ordinary, normal
समान अर्थात् एकता का भाव सामान्य है। द्रव्य, सामान्य, उत्सर्ग, अनुवृत्ति, सत्ता, सत्त्व, सत्, अन्वय, वस्तु, अर्थ, विधि, अविशेष ये सब एकार्थवाचक शब्द हैं ।

सामान्य उपयोग – *Sāmānya Upayoga.*

General perception. Another name of *Darshanopyog.*
दर्शनोपयोग जो सामान्य अथवा सत्ता स्वभाव का ग्रहण करता है ।

सामान्य काल – *Sāmānya Kāla.*

Common time
वस्तु का विधि रूप वर्तन सामान्य काल है और निषेध स्वरूप विशेष काल है ।

सामान्य केवली – *Sāmānya Kevalī.*

A type of omniscient.
केवली के 7 भेदों में एक भेद; सामान्य मुनि अवस्था से केवलज्ञान को प्राप्त करने वाले ।

सामान्य गुण – *Sāmānya Guṇa.*

See - *Sādhāraṇa Guṇa*
देखें - साधारण गुण ।

सामान्य गृह – *Sāmānya Gṛha.*

Home, An aboding palace of deities.
भवनवासी देवों के भवन का एक गृह (देवों के भवन सामान्यगृह, गर्भगृह, आसनगृह, लतागृह इत्यादि गृह विशेषों से सहित होते हैं) ।

सामान्य ज्ञान – *Sāmānya Jñāna.*

General knowledge
द्रव्य सामान्य मात्र को ग्रहण करने वाला ज्ञान ।

सामान्य छल – *Sāmānya Chala.*

General cheating or deceitful behaviour
छल के तीन भेद वाक्छल, सामान्य छल व उपचार छल में एक भेद। सम्भावना मात्र से कही गयी बात को सामान्य नियम बनाकर वक्ता के वचनों के निषेध करने को सामान्य छल कहते हैं ।

सामान्यतो दृष्ट – *Sāmānyato Dṛṣṭa*

General anticipation or apprehension for something.
स्वार्थानुमान के तीन भेदों में एक भेद। जो सामान्य रूप से लिंग को देखकर लिंगी का अनुमान किया जाता है वह सामान्यतो दृष्ट है ।

सामान्य नय – *Sāmānya Naya.*

General standpoint or attitude.
सामान्य विचारधारा, नय के 47 भेदों में एक भेद। आत्मद्रव्य सामान्य नय से हार-माला-कण्ठी के डोरी की भांति व्यापक है।

सामान्य भूमि – *Sāmānya Bhūmi.*

Circular land in the assembly of Lord Arihant (with 20,000 stairs in every direction)
समवसरण के 31 अधिकारों में प्रथम अधिकार; समवशरण में सामान्य भूमि गोल होती है। उसकी प्रत्येक दिशा में आकाश में स्थित 20-20 हजार सीढ़ियाँ हैं ।

सामान्य विधि – *Sāmānya Vidhi*

General method of explanation

कथन करने की दो विधियों में एक; सामान्य विषय का बोध कराने वाले वाक्य ।

सामान्य विशेषात्मक – *Sāmānya Viśeṣātmaka.*

Common matter with different forms.

सर्व वस्तुएं सामान्य विशेषात्मक हैं। द्रव्य सामान्य है एवं पर्याय विशेष है ।

सामान्य संग्रह नय – *Sāmānya Saṁgraha Naya.*

A standpoint related to general truth in all the matters

जो नय सामान्य की अपेक्षा से सर्व पदार्थों को एकरूप ग्रहण करे। जैसे सर्व द्रव्य सत् हैं ।

सामान्य स्वभाव – *Sāmānya Svabhāva.*

General nature of matter

स्वभाव के दो भेदों में एक भेद। अस्तित्व, नास्तित्व, नित्य, अनित्य, एक, अनेक, भेद, अभेद, भव्य, अभव्य और परम ये 11 सर्वद्रव्यों के सामान्य स्वभाव हैं ।

सामायिक – *Sāmāyika.*

Attitude of equanimity.

समता भाव रखना सामायिक है अथवा सर्व सावद्य योग से निवृत्त होना सामायिक है ।

सामायिक चारित्र – *Sāmāyika Cāritra.*

Conduct of equanimity (one of the five conducts of saints)

चारित्र के 5 भेदों में एक भेद। सर्व सावद्य योग से निवृत्त होना और सदा समता भाव रखना सामायिक चारित्र है। यह छठे से नौवें गुण स्थान तक होता है ।

सामायिक दंडक – *Sāmāyika Daṇḍaka.*

An eulogical hymn to be pronounced before *Chaitya Bhakti* etc. in *Samayik.*

सामायिक का एक कृतिकर्म; सामायिक करने में चैत्यभक्ति एवं पंचगुरु की भक्ति की प्रतिज्ञा के पश्चात् खड़े होकर मुक्ताशुक्ति मुद्रा (दोनों हाथों को चिपकाकर हाथ जोड़ना) के साथ णमोकार मंत्र एवं चत्तारि मंगल पाठ पढ़कर "अड्ढाइज्ज दीवदोसमुद्देसु....." इत्यादि जो पाठ पढ़ा जाता है वह सामायिक दंडक कहा जाता है।

सामायिक पाठ – *Sāmāyika Pāṭha.*

Name of a eulogical hymn written by *Acharya* Amitgati.

आचार्य अमितगति (ई. 983-1023) कृत 37 संस्कृत पद्यबद्ध समता भावरूप पाठ ।

सामायिक प्रतिमा – *Sāmāyika Pratimā.*

The third model stage of spiritual development of householders among all 11.

श्रावक की 11 प्रतिमाओं में तीसरी प्रतिमा। विधिपूर्वक तीनों संध्या कालों में सामायिक करने की प्रतिज्ञा लेना ।

सामायिक व्रत – *Sāmāyika Vrata.*

Vow of equanimity

दूसरी अंतिम [illegible] शिक्षाव्रत, [illegible] एवं सांझ दोनों समय सामायिक करना आवश्यक होता है ।

सामायिक शुद्धि संयम –

Sāmāyika Śuddhi Saṁyama.

Renunciation of sinful activities (restraint with equanimous purity).

द्रव्यार्थिक नय की अपेक्षा सकल सावद्ययोग के त्याग को सामायिक शुद्धि संयम कहते हैं ।

सामायिक संयम – *Sāmāyika Saṁyama.*

See - *Sāmāyika Cāritra*

देखें - सामायिक चारित्र ।

सामीप्य – *Sāmīpya.*

Proximity, vicinity

समीप होने का भाव, निकटता, तुल्य जातियों के बीच में दूसरे पदार्थों का न आना सामीप्य है ।

साम्य – *Sāmya.*

Equanimity

माध्यस्थ्य, समता, उपेक्षा, वैराग्य, साम्य, निस्पृहता, परमशांति ये सब एकार्थवाची नाम हैं ।

साम्राज्य क्रिया – *Sāmrājya Kriyā.*

An auspicious activity, right sovereignty.

53 क्रियाओं में 47 वीं क्रिया- शिष्टों का पालन व दुष्टों का निग्रह करने का तथा प्रेम व न्याय पूर्वक राज्य करने का उपदेश अपने आधीन राजाओं को देकर सुख पूर्वक राज्य करना। कर्त्रन्वयादि 7 क्रियाओं में 5 वीं क्रिया - चक्रवर्ती का वैभव व राज्य की प्राप्ति अथवा सात परमस्थानों में पाँचवाँ परमस्थान साम्राज्य पद है ।

सार – *Sāra.*

Extraction, Conclusion, Essence.

निष्कर्ष, अभिप्राय ।

सारखी – *Sārakhī.*

Like, similar, equal.

समान, सदृश जैसे जिनेन्द्र भगवान की प्रतिमा जिन-सारखी अर्थात् साक्षात् जिन के समान ही फल देने वाली होती है ।

सारसंग्रह – *Sārasaṁgraha.*

Name of a composition composed by *Acharya* Pujyapad.

आचार्य पूज्यपाद (ई.श. 5) की एक संस्कृत छंदबद्ध रचना ।

सारसमुच्चय – *Sārasamuccaya.*

Name of a treatise written by *Acharya* Kulbhadra.

आचार्य कुलभद्र (ई. 937) द्वारा रचित 328 श्लोकबद्ध एक तत्त्व प्रतिपादक ग्रंथ ।

सारस्वत – *Sārasvata.*

A type of specific heavenly deities (*Laukantik Devas*) , Name of a country of west *Arya Khand* of *Bharat Kshetra* (region).

लौकांतिक देवों के 8 भेदों में प्रथम भेद, भरतक्षेत्र के पश्चिम आर्यखण्ड का एक देश ।

सारस्वत यंत्र – *Sārasvata Yantra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words & diagrams
विशिष्ट सारस्वत मंत्रो एवं रेखाकृतियों से निर्मित एक यंत्र ।

सार्द्धद्वय द्वीप प्रज्ञप्ति – *Sārddhadvaya Dvīpa Prajñapti.*
Name of a book written by *Ācārya* Amitgati.
माधवसेन के शिष्य आचार्य अमितगति द्वारा रचित एक ग्रंथ। समय - ई. 983-1023 ।

सार्वभौम – *Sārvabhauma.*
Having to do with the whole world, universal (as Jain religion), Name of a chief interrogator in the assembly of Lord Mallinath.
सारे संसार से संबंधित, जैनधर्म सार्वभौम कहलाता है क्योंकि इसके सिद्धांत संसार के समस्त प्राणियों के लिए हितकारी है। तीर्थंकर मल्लिनाथ के मुख्य श्रोता अर्थात् प्रश्नकर्ता ।

सालंबन ध्यान – *Sālambana Dhyāna.*
Religious contemplation
धर्मध्यान या आलम्बन सहित ध्यान ।

सालवृक्ष – *Sālavṛkṣa.*
Name of the initiation & omniscience tree of Lord Mahavira.
तीर्थंकर महावीर का दीक्षा एवं केवलज्ञान वृक्ष ।

सावद्य (कर्म) – *Sāvadya (Karma).*
Sinful activities of mind, speech & body.
हिंसाजनक मन वचन काय के व्यापार को सावद्य कहते हैं ।

सावद्य कर्मार्य – *Sāvadya Karmārya.*
A type of noble persons who remain engaged in occupational activities for their livlihood.
असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य, शिल्प षट्कार्य द्वारा आजीविका करने वाले सावद्य कर्मार्य है ।

सावद्य निवृत्ति – *Sāvadya Nivṛtti.*
To be devoid of all sinful activities.
सामायिक का लक्षण, सर्व सावद्य योग की निवृत्ति होना। अर्थात् जो सर्व सावद्य से विरत है, तीन गुप्ति वाला है उसकी सामायिक स्थायी है ।

सावद्य परिहार – *Sāvadya Parihāra.*
Non-violence.
अहिंसा। प्रयत्नरूप परिणाम के बिना सावद्य परिहार नहीं होता।

सावद्य वचन – *Sāvadya Vacana.*
Speech containing sinful meanings.
बिना विचारे बोले गये प्राणियों की हिंसा के कारणभूत वचन सावद्य वचन हैं ।

सावयव – *Sāvayava.*
With particles or molecules.
अवयव सहित। परमाणुओं में कथंचित् सावयव एवं निरवयवपना है ।

सावाजी – *Sāvājī.*
A Marathi poet, the writer of the tale of Sugandh Dashmi
एक मराठी कवि (ई. 1965), सुगंध दशमी कथा के रचयिता।

सासादन (गुणस्थान) – *Sāsādana (Guṇasthāna)*
The 2nd spiritual stage of development (with a type of downfall).
प्रथमोपशम सम्यक्त्व के काल में अधिक से अधिक 6 आवली और कम से कम एक समय शेष रहे उस समय किसी एक अनंतानुबंधी कषाय के उदय से सम्यक्त्व की विराधना होने पर अव्यक्त अतत्व श्रद्धान रूप परिणति। अर्थात् जीव सम्यक्त्व से तो गिर गया किन्तु मिथ्यात्व में अभी तक नहीं पहुँचा है ।

सासादन सम्यग्दृष्टि – *Sāsādana Samyagdṛṣṭi.*
Right believer in the 2nd stage of spiritual development.
उपशम-सम्यक्त्व से पतित होकर जीव जब तक मिथ्यात्व में नहीं आता तब तक उसे सासादन-सम्यग्दृष्टि जानना चाहिए। यह सासादन (सम्यक्त्व) नामक दूसरा गुणस्थान है ।

साहसगति – *Sāhasagati.*
The son of king Chakrank, who wished to get the wife of Sugriv
राजा चक्रांक का पुत्र-एक विद्याधर। सुग्रीव की स्त्री को प्राप्त करने के अर्थ से इसने विद्या सिद्ध की थी ।

साहसी – *Sāhasī.*
Courageous, bold, brave
आगे आने वाले कष्टों को विचारे बिना ही जो सहसा किसी भी कार्य को करने के लिए प्रवृत्त हो उसको साहसी कहते है ।

सिंदूर द्वीप सागर – *Sindūra Dvīpa Sāgara.*
Name of an island & an ocean of middle universe.
मध्य लोक का एक द्वीप व सागर ।

सिंधु कुण्ड – *Sindhu Kuṇḍa.*
A water reservoir situated in *Bharat Kshetra* (region) from where *Sindhu* river flows
भरतक्षेत्रस्थ एक कुण्ड इसमें से होकर सिन्धु नदी बहती है ।

सिंधु नदी – *Sindhu Nadī.*
One of the 14 famous rivers of *Bharat Kshetra* (region).
भरतक्षेत्र की 14 प्रसिद्ध नदियों में एक नदी। जो हिमवान् पर्वत से निकलती है ।

सिंधु कूट – *Sindhu Kūṭa.*
Name of the summit of *Sindhu Kund.*
सिंधु कुण्ड में स्थित एक कूट का नाम ।

सिंधु (देश) – *Sindhu (Deśa).*
A country of *Bharat Kshetra* north *Arya Khand* (region), the maternal place (*Nanihal*) of Lord Mahavira.
भरतक्षेत्र उत्तर आर्य खण्ड का एक देश। प्राचीन आगम ग्रंथों

के अनुसार वैशाली इस देश की राजधानी थी, जो भगवान महावीर की ननिहाल थी ।

सिंह – *Siṁha.*

Lion, One of the 12 Zodiac signs (Leo), One of the 88 planets, the 43rd planet.

जंगल का राजा शेर, 12 राशियों में एक राशि, 88 ग्रहों में 43 वां ग्रह ।

सिंहचंद्र – *Siṁhacaṁdra.*

Name of the 5th predestined *Balbhadra.*

आगामी पांचवां बलभद्र ।

सिंहनंदि – *Siṁhanaṁdi.*

Name of many *Bhattaraks.*

नंदिसंघ बलात्कार गण में भानुनंदि के शिष्य वसुनंदि के गुरु (समय-586-613), सर्वनंदि कृत 'लोक विभाग' के संस्कृत रूपान्तर के कर्ता। इसके अलावा भी इस नाम के अनेक भट्टारक हुए हैं ।

सिंहनादपुर – *Siṁhanādapura.*

Another name of Sinhapuri which is the birth place of Lord Shreyansanath.

तीर्थंकर श्रेयांसनाथ की जन्म नगरी, सिंहपुरी का अपरनाम ।

सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत – *Siṁhaniṣkrīḍita Vrata.*

A type of particular and procedural vow.

यह व्रत जघन्य, मध्यम व उत्कृष्ट के भेद से तीन प्रकार का है। विधि पूर्वक जघन्य तप में 60, मध्यम तप में 153 उपवास एवं उत्कृष्ट तप में 496 उपवास किये जाते हैं ।

सिंहपुरी – *Siṁhapurī.*

The birth place of Lord Shreyansnath

भगवान श्रेयांसनाथ की जन्मभूमि बनारस (उ.प्र.) से 6 किमी. दूर यह तीर्थ स्थली स्थित है। यहाँ एक प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिर है और भगवान श्रेयांसनाथ की 11 फुट ऊँची पद्मासन प्रतिमा भी एक जैन धर्मशाला परिसर के उद्यान में विराजमान है। वर्तमान में यह तीर्थ बौद्धों का पर्यटन स्थल सारनाथ के नाम से प्रसिद्ध है ।

सिंहबल – *Siṁhabala.*

Name of a great *Acharya.*

लोहाचार्य के पश्चात् हुए आचार्यों में एक आचार्य ।

सिंहवाहिनी – *Siṁhavāhinī.*

Name of the bed, a dominion of Bharat Chakravarti.

भरत चक्रवर्ती की एक विभूति शय्या का नाम ।

सिंहसेन – *Siṁhasena.*

Father's name of Jaina-Lord Ananinath, The prime chief disciple of Lord Ajitnath

तीर्थंकर अनंतनाथ के पिता, तीर्थंकर अजितनाथ के प्रथम गणधर का नाम ।

सिंहासन – *Siṁhāsana.*

A throne, The 12th dream-mark of *Tirthankar's* (Jaina-Lord's) mother among all 16 dream - marks, One of the eight auspicious emblems of Lord Arihant.

तीर्थंकर की माता के 16 स्वप्नों में 12 वां स्वप्न, अर्हंत के 8 प्रातिहार्यों में एक प्रातिहार्य ।

सिकंदर – *Sikaṁdara.*

A great warrior, the son of emperor Philips Yunan & disciple of Arastu.

यूनान के बादशाह फिलिप्स का पुत्र; अरस्तू का शिष्य, ई. पू. 356 में इसका जन्म हुआ एवं ई. पू. 323 में मृत्यु हुई।

सिद्ध – *Siddha*

The salvated soul, the supreme one.

5 परमेष्ठी में दूसरे परमेष्ठी, शुद्ध चेतना रूप लक्षण से युक्त, अष्टकर्मों से रहित एवं 8 गुणों से सहित लोक के अग्रभाग में स्थित मुक्त आत्मा ।

सिद्धकेवली – *Siddhakevalī.*

The salvated soul, the salvated omniscient.

सिद्ध जीवों को सिद्ध केवली कहते हैं ।

सिद्धगति – *Siddhagati.*

State of salvation free from birth-death cycle and all passions.

जहां पर जन्म, जरा, मरण, भय, संयोग, वियोग, दुख, संज्ञा और रोगादि नहीं होते हैं वह सिद्धगति कहलाती है। इसे उपचार से पंचमगति भी कहा गया है जो कभी नष्ट नहीं होती।

सिद्धचक्क कहा – *Siddhacakka Kahā.*

Name of an *Apabhransh* treatise written by Narsen on Shripal, Maina-Sundari.

श्रीपाल, मैना-सुंदरी विषयक अपभ्रंश भाषा बद्ध नरसेन द्वारा रचित एक कृति ।

सिद्धचक्रयंत्र बृहत् – *Siddhacakra Yaṁtra Vṛhat.*

A metallic plate engraved with some auspicious mystic words & diagrams.

सिद्धचक्र के विशिष्ट मंत्रों द्वारा विभिन्न रेखाकृतियों में चित्रित यंत्र ।

सिद्धचक्र यंत्र (लघु) –

Siddhacakra Yaṁtra (Laghu).

See - *Siddhacakra Yantra Vṛhat.*

देखें - सिद्धचक्र यंत्र बृहत् ।

सिद्धचक्र विधान – *Siddhacakra Vidhāna.*

A great auspicious specific methodical worshipping of Lord Siddha composed by *Pandit* Santlal & Ganini Shri Gyanmati Mataji.

सिद्धों के गुणों का वर्णन करने वाला एक पूजा विधान जिसे करके मैना सुंदरी ने अपने पति श्रीपाल का कुष्ठ रोग दूर किया था, पंडित संतलाल (ई.श. 17-18) द्वारा भाषा छंदों में रचित विधान। गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा भी ई.स. 1992 में सिद्धचक्र विधान की रचना की गई है ।

सिद्धचक्राष्टक पूजा – *Siddhacakrāṣṭaka Pūjā.*

Name of a worshipping composition composed by Shrutsagar.

आचार्य श्रुतसागर (ई. 1487-1533) कृत टीका ।

सिद्धजीव – *Siddhajīva.*
The salvated soul, supreme one
मुक्त जीव। देखें - सिद्ध ।

सिद्धत्व – *Siddhatva*
Supremacy, stage of salvation.
अष्ट कर्मों से रहित और सम्यक्त्व आदि अष्ट गुणों से सहित आत्मा का शुद्ध स्वरूप ।

सिद्धप्रतिमा क्रिया – *Siddhapratimā Kriyā*
A type of devotional methodical prayer of saints
मुनियों का एक कृतिकर्म; सिद्धों की प्रतिमा की वंदना के समय सिद्धभक्ति पूर्वक यह विधि की जाती है ।

सिद्ध भक्ति – *Siddha Bhakti*
A type of devotional prayer (eulogical hymn) written by *Acharya* Kund Kund in Prakrit & by *Acharya* Pujyapad in Sanskrit
10 भक्तियों में एक भक्ति। इसे प्राकृत में आचार्य कुन्दकुन्द एवं संस्कृत में आचार्य पूज्यपाद ने लिखा है ।

सिद्ध भगवान – *Siddha Bhagavāna*
See - *Siddha.*
देखें - सिद्ध ।

सिद्धवरकूट (तीर्थ) – *Siddhavarakūṭa (Tīrtha).*
Name of a Jaina place of pilgrimage near Sanaved (M.P), situated at the bank of Rewa river. It is the salvation place of 2 *Chakravarties*, 10 *Kamdeva* & three & a half crores of *Munis* (saints).
मध्यप्रदेश में सनावद शहर के नजदीक एक सिद्धक्षेत्र जो रेवा नदी के तट पर स्थित है और यहाँ से दो चक्री, दश कामदेव तथा साढ़े तीन करोड़ मुनि निर्वाण को प्राप्त हुए हैं ।

सिद्धायिनी – *Siddhāyinī.*
Name of the governing female demigod of Lord Mahavira.
भगवान महावीर की शासन देवी ।

सिद्धलोक – *Siddhaloka.*
The supreme world, place of salvated souls.
सिद्धभूमि, 'ईषत्प्राग्भार' नाम की आठवीं पृथिवी, यह सर्वार्थसिद्धि इन्द्रक विमान के ध्वजदण्ड से 12 योजन ऊपर जाकर स्थित है। इसकी मोटाई 8 योजन है ।

सिद्धसेन दिवाकर (आचार्य) – *Siddhasena Divākara (Ācārya).*
Name of a great writer who is famous in both *Digambar* & *Shvetambar* sects.
सन्मति सूत्र और कुछ द्वात्रिंशिकाओं के रचयिता। ये दिगम्बर-श्वेताम्बर दोनों आम्नायों में प्रसिद्ध हैं। समय- वि.625। कुछ लोग कल्याणमंदिर स्तोत्र के रचयिता कुमुदचन्द्र आचार्य का अपरनाम भी 'सिद्धसेन' मानते हैं ।

सिद्धहेमशब्दानुशासन – *Siddhahemaśabdānuśāsana.*
Name of a dictionary written by *Shvetambar Acharya* Hemchandrasuri.
श्वेताम्बराचार्य हेमचन्द्रसूरि कृत शब्द कोश (समय- ई. 1088-1173) ।

सिद्धांत – *Siddhānta*
Principles, doctrines, theories, philosophies.
शास्त्र के अर्थ की सम्प्रति किये गये अर्थ को सिद्धांत या सिद्धांत शास्त्र कहते हैं। प्रमाण द्वारा किसी बात को स्वीकार कर लेना सिद्धांत है ।

सिद्धांत अध्ययन – *Siddhānta Adhyayana.*
Philosophical study.
सिद्धान्तशास्त्रों का अध्ययन करना ।

सिद्धांत ग्रंथ – *Siddhānta Grantha.*
The great Jaina texts dealing with the fundamentals of Jaina philosophy.
षट्खंडागम, महाबंध, कषायपाहुड आदि सूत्र रूप जिनागम सिद्धांत ग्रंथ हैं। जिन ग्रंथों के अंत में सिद्धपद का वर्णन गर्भित हो वे सिद्धांत ग्रंथ कहलाते हैं। इस व्याख्या अनुसार चारों अनुयोग भी सिद्धांत ग्रंथ कहे जा सकते हैं ।

सिद्धांत चक्रवर्ती – *Siddhānta Cakravartī.*
The title of great Jain *Acharyas* (for those who are well versed in scriptural knowledge)
षट्खंडरूप आगम पर विजय प्राप्त करने वाले अर्थात् सिद्धांत के परिपूर्ण ज्ञान से समन्वित जैनाचार्यों को सिद्धान्त चक्रवर्ती की पदवी से विभूषित किया जाता था। यह उपाधि आचार्य श्री नेमिचंद्र मुनिराज (गोम्मटसार आदि के कर्ता) को एवं नंदिसंघ देशीयगण के अनुसार आचार्य अभयनंदि को प्राप्त थी ।

सिद्धान्तचिंतामणि टीका – *Siddhānta Cintāmaṇi Ṭīkā.*
The commentary treatise written by *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji on 'Shatkhandagam Granth' in Sanskrit language.
गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा षट्खण्डागम ग्रंथ के प्राकृत सूत्रों पर रचित संस्कृत टीका (सन् 1995 से प्रारंभ करके वर्तमान सन् 2004 में 13वीं पुस्तक की टीका का कार्य पूज्य माताजी द्वारा किया जा चुका है)। इन ग्रंथों का हिन्दी अनुवाद प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा किया जा रहा है ।

सिद्धांत शास्त्र – *Siddhānta Śāstra.*
See - *Siddhānta.*
देखें - सिद्धांत ।

सिद्धांतसार – *Siddhāntasāra.*
Name of a treatise written by Bhavsen Traividya.
भावसेन त्रैविद्य (ई.श. 13 मध्य) कृत 700 श्लोक प्रमाण ग्रंथ, जिस पर प्रभाचंद्र नं. 6 (ई.श. 13 उत्तरार्ध) कृत एक कन्नड़ टीका है ।

सिद्धांतसार दीपक – *Siddhamtasāra Dīpaka*
Name of a treatise.
करणानुयोग विषयक एक ग्रंथ ।

सिद्धांतसार भाष्य – *Siddhāmtasāra Bhāṣya.*
Name of a book (exposition) written by saint Gyanbhooshan.
जिनचन्द्र (वि. 1507-1571) कृत 79 गाथा प्रमाण जीवकाण्ड पर ज्ञानभूषण (वि. 1534-1561) कृत भाष्य ।

सिद्धांतसार संग्रह – *Siddhāmtasāra Saṁgraha.*
Name of a book written by *Acharya* Narendrasena.
आचार्य नरेन्द्रसेन (ई.1098) द्वारा रचित तत्वार्थ प्ररूपक संस्कृत छंद बद्ध ग्रंथ। इसमें 12 अधिकार व कुल 1924 श्लोक हैं ।

सिद्धांतसेन – *Siddhāmtasena.*
Name of a saint, the spiritual teacher of Gonsen
दविड़संघ की गुर्वावली के अनुसार गोणसेन के गुरु तथा अनंतवीर्य के दादागुरु (समय- ई. 940-1000) ।

सिद्धांताचार वाचन क्रिया –
Siddhāmtācāra Vācana Kriyā.
A procedural observance of religious eulogical prayers
सिद्धांत एवं आचार ग्रंथों के स्वाध्याय के समय किया जाने वाला एक कृतिकर्म , सर्वप्रथम सिद्ध-श्रुत भक्ति करके सिद्धांत ग्रंथ की स्थापना करना, फिर श्रुत भक्ति व आचार्य भक्ति करके स्वाध्याय करना तथा अंत में श्रुत व शांति भक्ति पढ़कर स्वाध्याय समापन करना ।

सिद्धायतन कूट – *Siddhāyatana Kūṭa.*
Name of particular summits (having Jaina temples) situated at *Varshadhar, Gajdant* etc. mountains.
मध्यलोक के 458 अकृत्रिम जिनालय या चैत्यालय सिद्धायतन कूट कहे जाते हैं। षट् कुलाचलों (पर्वतों), गजदन्त, वक्षारगिरि आदि पर्वतों में प्रत्येक पर एक-एक सिद्धायतन कूट है, जिन पर स्वयं सिद्ध जिनप्रतिमाएं विराजमान हैं ।

सिद्धार्थ (राजा) – *Siddhārtha (Rājā).*
Name of the father of Lord Mahavira, the king of Kundalpur .
भगवान महावीर के पिता (नाथवंशी) जो कि कुण्डलपुर के राजा थे। इनके पिता का नाम सर्वार्थ एवं माता का नाम श्रीमती था ।

सिद्धार्थ – *Siddhārtha.*
Name of a great *Acharya* possessing the knowledge of 11 *Angas* & 10 *Purvas*. Name of a *Kshullak* who taught Lav & Kush.
श्रुतावतार पट्टावली के अनुसार नागसेन के शिष्य और धृतिषेण के गुरु, 11 अंग तथा 10 पूर्वधारी एक आचार्य। (समय - वी.नि. 247-264), एक क्षुल्लक जिन्होंने लव-कुश को विद्याध्ययन कराया था ।

सिद्धार्थक – *Siddhārthaka.*
Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

सिद्धार्थ मंगल – *Siddhārtha Maṁgala.*
Yellow mustard seeds, an auspicious article.
लौकिक मंगलों में एक मंगल, पीली सरसों ।

सिद्धार्था – *Siddhārthā*
Mother's name of Lord Abhinandannath. A super auspicious power.
तीर्थंकर अभिनंदननाथ की माता, एक विद्या; यह कल्याणरूप तथा मर्दों से परिष्कृत विद्याबलों से युक्त लोगों का हित करने वाली है ।

सिद्धि – *Siddhi.*
Accomplishment, achievement of super power.
प्राप्ति, उपलब्धि मात्र को सिद्धि कहते हैं ।

सिद्धिप्रिय स्तोत्र – *Siddhipriya Stotra.*
Name of a composition composed by *Acharya* Pujyapad
आचार्य पूज्यपाद (ई.श.5) कृत 26 संस्कृत पद्यबद्ध चतुर्विंशतिस्तव ।

सिद्धिविनिश्चय – *Siddhiviniścaya.*
Name of a book written by *Acharya* Akalank Bhatta.
आचार्य अकलंक भट्ट (ई. 620-680) कृत न्यायविषयक संस्कृत पद्यबद्ध ग्रंथ। इस पर रचयिता कृत ही स्वोपज्ञ वृत्ति है एवं आचार्य अनंतवीर्य (ई. 975-1025) कृत एक संस्कृत टीका है ।

सिरिवालचरिउ – *Sirivālacariu.*
The tale of Shripal- Maina-Sundri written by poet Raidhu, Name of an *Apabhransh* book written by poet Brahma Damodar.
कवि रइधू (वि. 1457-1556) कृत श्रीपाल-मैना सुंदरी आख्यान, कवि ब्रह्म दामोदर (वि.श. 16 उत्तरार्ध) कृत अपभ्रंश काव्य ।

सीता – *Sitā.*
The daughter of king Janak, the wife of Ram
राजा जनक की पुत्री, राम की पत्नी। वनवास में राम के संग गयी। रावण इसे हरकर ले गया, रावण द्वारा अनेक प्रलोभन एवं भय दिखाने पर भी अपने शील में अडिग रही। अंत में राम के द्वारा अग्निपरीक्षा लेने पर विरक्त हो उसमें सफल हुई और आर्यिका पृथिवीमती माताजी से दीक्षित हो गई और 62 वर्ष पर्यंत तप कर समाधिमरण किया तथा 16 वें स्वर्ग में प्रतीन्द्र हुई ।

सीताकुण्ड – *Sitākunda.*
Name of a water reservoir situated in *Videh Kshetra* (region) where *Sita* river is falls.
विदेहक्षेत्रस्थ एक कुण्ड जिसमें सीता नदी गिरती है ।

सीता नदी – *Sitā Nadī.*
One of the 14 great rivers, the chief river of *Videh*

Kshetra (region).
14 महानदियों में 7 वीं नदी एवं विदेह क्षेत्र की प्रधान नदी ।

सीतोदा कुण्ड – *Sitodā Kuṇḍa.*
Name of a water reservoir of *Videh Kshetra* (region) where *Sitoda* river is falls.
विदेह क्षेत्रस्थ एक कुण्ड जिसमें सीतोदा नदी गिरती है ।

सीतोदा कूट – *Sitodā Kūṭa.*
Name of the summits - the 8th summit of *Vidyutprabh Vijayardh* mountain, the 7th of *Nishadhachal* mountain and the 4th of *Neel* mountain
विद्युत्प्रभ विजयार्ध का 8वाँ कूट, निषधाचल का सातवां कूट, नील पर्वत का चौथा कूट ।

सीतोदा देवी – *Sitodā Devī.*
Name of female divinity of *Sitoda* summit & *Sitoda* reservoir.
सीतोदा कूट व सीतोदा कुण्ड की स्वामिनी देवी ।

सीतोदा नदी – *Sitodā Nadī.*
Name of the 8th river among 14 great rivers of *Videh Kshetra* (region)
14 महानदियों में 8वीं नदी। पश्चिम विदेह की तरफ बहने वाली निषध पर्वत के तिगिंच्छ द्रह से निकलकर पश्चिम समुद्र में गिरी है ।

सीमंकर – *Sīmaṁkara.*
Name of the 5th *Kulkar* (ethical founder), Name of the 62nd planet among all 88.
पांचवें कुलकर, चौथे क्षेमंकर कुलकर के पुत्र, इन्होंने प्रजा के लिए कल्पवृक्षों की सीमा निर्धारित की थी जिससे ये इस नाम से प्रसिद्ध हुए। 88 ग्रहों में 62 वां ग्रह ।

सीमंतक – *Sīmaṁtaka.*
The first *Patal* (layer) of the first hell.
प्रथम नरक का प्रथम पटल। इसकी चारों दिशाओं में 49-49 और प्रत्येक विदिशाओं में 48-48 श्रेणीबद्ध बिल हैं ।

सीमंधर – *Sīmaṁdhara.*
Name of the 6th *Kulkar* (ethical founder), The chief listener in the assembly of Lord Sheetalnath, Name of the first *Tirthankar* of *Videh Kshetra* (region)
छठे कुलकर - ये 5 वें सीमंकर कुलकर के पुत्र थे, तीर्थंकर शीतलनाथ के मुख्य श्रोता, विदेह क्षेत्रस्थ विद्यमान 20 तीर्थंकरों में प्रथम तीर्थंकर ।

सीमा – *Sīmā.*
Boundary, Limitation.
हद या सीमा (मर्यादा) रेखा ।

सुंदरी – *Suṁdarī.*
The daughter of Lord Rishabhdev who was tought numeral study by the Lord.
भगवान ऋषभदेव की पुत्री, ऋषभदेव ने इन्हें अंक विद्या सिखायी थी। इन्होंने भगवान् ऋषभदेव के समवसरण में आर्यिका दीक्षा ली थी ।

सुअंधदहमी कहा – *Suaṁdhadahamī Kahā.*
Name of a tale written by an *Apabhransh* poet Udayachandra
अपभ्रंश कवि उदयचन्द्र द्वारा (ई. 1150-1196) रचित सुगंधदशमी व्रत की कथा ।

सुकच्छ – *Sukaccha.*
A region of eastern *Videh* (region). The 74th chief disciple of Lord Rishabhdev.
पूर्व विदेह का एक क्षेत्र, तीर्थंकर वृषभदेव के 74 वें गणधर का नाम ।

सुकक्ष – *Sukakṣa.*
Name of the 31st city in the south of *Vijayardh* mountain
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का 31वां नगर ।

सुकच्छ विजय – *Sukaccha Vijaya.*
Name of a summit of *Vakshargiri* (mountain) & its presiding deity of east *Videh* (region)
पूर्व विदेहस्थ चित्रकूट वक्षारगिरि का एक कूट व उसका स्वामी देव ।

सुकच्छा – *Sukacchā.*
Name of a country situated in the western *Videh Kshetra* (region)
पश्चिम विदेह क्षेत्र का एक देश ।

सुकुमाल चरिउ – *Sukumāla Cariu.*
Name of a book written by Shridhar-3 in *Apabhransh* language
श्रीधर-3 (ई. 1151) द्वारा अपभ्रंश भाषाबद्ध ग्रंथ ।

सुकुमाल चरित्र – *Sukumāla Caritra.*
Name of a composition composed by *Acharya* Sakalkirti.
आचार्य सकलकीर्ति (ई. 1406-1442) कृत संस्कृत पद्यबद्ध ग्रंथ ।

सुक्कोसल चरिउ – *Sukkosala Cariu.*
Name of an *Apabhransh* book written by *Acharya* Shubhkirti.
आचार्य शुभकीर्ति कृत श्री सुकौशल मुनि के जीवन से संबंधित अपभ्रंश भाषाबद्ध ग्रंथ ।

सुख – *Sukha.*
Bliss, joy, enjoyment, beatitude
मन की संतुष्टि। सुख दो प्रकार का होता है-लौकिक सुख, पारमार्थिक सुख ।

सुखकारण व्रत – *Sukhakāraṇa Vrata.*
A particular & procedural type of vow.
किसी भी मास से शुरू कर साढ़े चार मास तक लगातार एक उपवास एवं एक एकासन करना। इसमें कुल उपवास 68 होते हैं एवं त्रिकाल णमोकार मंत्र का जाप किया जाता है। विशेष विधि व्रत विधान संग्रह में देखें ।

सुखद वायु – *Sukhada Vāyu.*
Pleasant breeze, one of the 34 excellences of

Lord Arihant.
अर्हंतों के 34 अतिशयों में देवकृत एक अतिशय; कंटक और रेती आदि को दूर करती हुई सुखदायक वायु का चलना ।

सुखनिधान – *Sukhanidhāna.*
Name of a book written by *Pandit* Jagannath related to Shripal Katha (a tale).
पं. जगन्नाथ (ई. 1643) द्वारा संस्कृत भाषाबद्ध श्रीपाल कथा विषयक कृति ।

सुखबोध – *Sukhabodha.*
Name of a book written by *Pandit* Yogdev *Bhattarak*
पं. योगदेव भट्टारक (वि.श. 16-17) कृत तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति, जो सर्वार्थसिद्धि का संक्षिप्तीकरण है ।

सुखबोधवृत्ति – *Sukhabodhavṛtti.*
See - *Sukhabodha.*
देखें - सुखबोध ।

सुखशक्ति – *Sukhaśakti*
Bliss, enjoyment, joy.
अनाकुलता से रहितपना जिसका लक्षण है, ऐसी सुख शक्ति है।

सुखसम्पत्ति व्रत – *Sukhasampatti Vrata.*
A particular & procedural vow related to prosperity
एक व्रत इसकी उत्तम, मध्यम, जघन्य तीन विधियां हैं। उत्तमविधि में विधिपूर्वक 15 महीने तक कुल 135 दिनों में 135 उपवास, मध्यम विधि में 120 उपवास, जघन्य विधि में किसी भी मास की कृ. 1 से शु. 1 तक 16 उपवास लगातार करना एवं णमोकार मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

सुखानुबंध – *Sukhānubaṁdha.*
To remember the past pleasures of life (an infraction of the vow of holy death).
सल्लेखना व्रत के 5 अतिचारों में एक अतिचार, पहले भोगे हुए सुखों का स्मरण करना ।

सुखानुभूति – *Sukhānubhūti.*
Feeling of joy.
सुख का अनुभव होना, समस्त रागादि विकल्पोपाधि रहित निश्चय मोक्षमार्ग के अनेक पर्यायवाची नामों में एक नाम ।

सुखाभाव – *Sukhābhāva*
Lack of pleasure or comfort.
सुख का अभाव होना ।

सुखाभास – *Sukhābhāsa.*
Fallacious pleasure.
लौकिक या इन्द्रिय विषयों के सेवन से उत्पन्न सुख, यह वेदना का प्रतिकार मात्र होने से वास्तविक सुख न होकर सुखाभास है ।

सुखासन – *Sukhāsana.*
Comfortable seating.
ध्यान के योग्य एक आसन, न अधिक अकड़ कर और न झुककर बैठना ।

सुखास्वादन – *Sukhāsvādana.*
The supreme conduct, purity of soul.
वीतराग चारित्र। शुद्धात्मा में रागादि विकल्परूप उपाधि से रहित स्वाभाविक सुख के आस्वादन से निश्चल चित्त होना ।

सुखेंद्रकीर्ति – *Sukhemdrakīrti.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण चित्तौड़ गद्दी के एक भट्टारक (समय-वि. 1859), सुरेन्द्रकीर्ति के शिष्य ।

सुखोदय क्रिया – *Sukhodaya Kriyā.*
One of the 53 auspicious activities (related to obtaining heavenly state of *Indra*).
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में इन्द्र पद की प्राप्ति कराने वाली 36वीं क्रिया। इस क्रिया में पुण्यात्मा श्रावक इन्द्र के समान योग्य सुख भोगते हुए देवलोक में रहता है ।

सुगंध – *Sugamdha.*
Sweet smelling, fragrance, aroma, Name of a protecting deity of southern *Arunabhas* island, Name of a protecting peripatetic deity of *Arun* ocean
खुशबू, दक्षिण अरुणाभास द्वीप का रक्षक देव, अरुण समुद्र का रक्षक व्यन्तर देव ।

सुगंधदशमी व्रत – *Sugamdha Daśamī Vrata.*
A type of particular & procedural vow to be observed for ten years.
10 वर्षों तक भाद्रपद शु. 10 (सुगंधदशमी) को उपवास तथा शीतलनाथ भगवान के मंत्र का त्रिकाल जाप करना ।

सुगंधा – *Sugamdhā.*
Name of a region situated at western *Videh* (region)
अपर विदेहस्थ एक क्षेत्र। अपरनाम वल्गु ।

सुगंधिनी – *Sugamdhinī.*
Name of a city situated in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

सुगत – *Sugata.*
One who has got absolute state.
जिसका ज्ञान शोभा को प्राप्त हुआ है वह सुगत है अथवा जो उत्तम मोक्ष गति को प्राप्त हुआ है अथवा जिसको अनंत चतुष्टय प्राप्त हुए हैं वह सुगत है ।

सुग्रीव – *Sugrīva.*
The son of Suryaraj, the king of Kishkindhpur.
किष्किन्धपुर के राजा सूर्यरज का पुत्र तथा बाली का छोटा भाई। अंत में जिन दीक्षा ली और मांगीतुंगी पर्वत से मोक्ष प्राप्त किया ।

सुचंद्र – *Sucaṁdra.*
Name of the 8th predestined *Balbhadra.*
आगामी 8वां बलभद्र ।

सुचक्षु – *Sucakṣu.*
Name of protecting peripatetic deities of north-

ern *Manushottar* mountain & *Bahya* (outer) *Pushkarardh*.
उत्तर मानुषोत्तर पर्वत का रक्षक व्यन्तर देव, बाह्य पुष्करार्ध का रक्षक व्यन्तर देव ।

सुचरित मिश्र - *Sucarita Miśra*.
Name of a commentator of *Mimansa* philosophy.
मीमांसा दर्शन के टीकाकार। इन्होंने श्लोकवार्तिक की टीका लिखी है ।

सुतारा - *Sutārā*.
The wife of Sugreev.
सुग्रीव की पत्नी। साहसगति विद्याधर इस पर मुग्ध था, किन्तु इसे अल्पायु बताये जाने से इसका विवाह साहसगति से न कर सुग्रीव से किया गया था ।

सुत्तपाहुड - *Suttapāhuḍa*.
One of the great particular eight treatises written by *Acharya* Kund- Kund.
सूत्रपाहुड। आचार्य कुन्दकुन्द द्वारा रचित 8 पाहुडों में एक पाहुड। समय- ई. 127-179 ।

सुदंसण चरिउ - *Sudaṁsaṇa Cariu*.
Name of an *Apabhransh* book written by Nayanandi.
नयनन्दि (ई. 1043) द्वारा रचित अपभ्रंश भाषाबद्ध सुदर्शन चरित ।

सुदर्शन - *Sudarśana*.
Name of a city in the north of *Vijayardh* mountain, Name of the son of *Seth* Rishabhdas (a rich person) of *Champa* city.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर। चम्पा नगरी के सेठ वृषभदास का पुत्र, महारानी अभयमती इनके ऊपर मोहित हो गयी, परन्तु ये ब्रह्मचर्य में दृढ़ रहे। रानी ने क्रुद्ध होकर सूली की सजा दिलायी, परन्तु इनके शील के प्रभाव से सूली सिंहासन बन गयी। विरक्त होकर दीक्षा ग्रहण कर ली। बिहार प्रान्त का पटना शहर इनका निर्वाण स्थल है यहाँ गुलजारबाग क्षेत्र उसी स्मृति में एक तीर्थ के रूप में मान्य है ।

सुदर्शन (पर्वत व कूट) -
Sudarśana (Parvata & Kūṭa).
Another name of *Sumeru* mountain, Name of a summit situated at *Ruchak* mountain.
सुमेरु का अपरनाम, रुचक पर्वतस्थ एक कूट ।

सुदर्शन (स्वर्ग) - *Sudarśana (Svarga)*.
The first of the nine *Graiveyaks* (heavenly places).
नव ग्रैवेयक में प्रथम ग्रैवेयक ।

सुदर्शन (चक्र) - *Sudarśana (Cakra)*.
A great wheel of Bharat Chakravarti.
भरत चक्रवर्ती के चक्र का नाम ।

सुदर्शन चरित्र - *Sudarśana Caritra*.
Name of religious compositions separately written by *Acharya* Nayanandi in *Apabhransh* language & by Sakalkirti in *Sanskrit* & by *Bhattarak* Vidyanandi.
आचार्य नयनंदि (ई. 993-1043) कृत अपभ्रंश काव्य, सकलकीर्ति (ई. 1406-1442) कृत 900 श्लोक प्रमाण संस्कृत ग्रंथ, भट्टारक विद्यानंदि (वि. 1538) कृत संस्कृत ग्रंथ ।

सुदर्शना - *Sudarśanā*
Name of the palanquin of Lord Rishabhdev, Name of a *Vapi* (like large lake) situated in northern *Anjangiri* of *Nandishvar* island.
तीर्थंकर वृषभदेव की पालकी, नंदीश्वर द्वीप सम्बन्धी अंजनगिरि की उत्तरदिशा स्थित वापी ।

सुधर्मसागर (आचार्य) -
Sudharmasāgara (Ācārya).
Name of a *Digambar* Jain *Acharya*, the disciple of *Charitra Chakravarti Acharya* Shri Shantisagar Maharaj
चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रमुख 7 मुनि शिष्यों में से एक विशिष्ट ज्ञानी आचार्य। इन्होंने सुधर्म श्रावकाचार आदि ग्रंथों की रचना की है। समय-ई. श. 20 ।

सुधर्मसेन - *Sudharmasena*.
Name of a spiritual saint, the disciple of saint Dharsena.
पुन्नाट संघ की गुर्वावली के अनुसार धरसेन के शिष्य तथा सिंहसेन के गुरु ।

सुधर्माचार्य - *Sudharmācārya*.
Name of a great *Acharya* (omniscient) after Lord Mahavira.
श्रुतावतार की पट्टावली के अनुसार भगवान महावीर के पश्चात् तीन अनुबद्ध केवलियों में दूसरे अनुबद्ध केवली, जिस दिन गौतम स्वामी को मोक्ष प्राप्त हुआ था उसी दिन सुधर्माचार्य को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था। इनका अपरनाम लोहार्य था। समय-ई.पू. 515-503 ।

सुधर्मा सभा - *Sudharmā Sabhā*.
The assembly of *Saudharma Indra*
सौधर्म इन्द्र की सभा का नाम ।

सुधानिवास - *Sudhānivāsa*.
The Moon.
चन्द्रमा ।

सुधासागर (मुनि) - *Sudhāsāgara (Muni)*.
Name of a saint, the disciple of *Acharya* Shri Vidyasagar Maharaj
आचार्यश्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित एक प्रसिद्ध मुनि ।

सुनंद - *Sunanda*.
Name of a demigod, A jewel of Lord Arahnath, The soul of predestined 10th *Tirthankar* (Jaina-Lord).
एक यक्ष; लक्ष्मण ने कोटिशिला उठाकर इसे वश में किया था, 18 वें तीर्थंकर अरनाथ चक्रवर्ती का एक अजीवरत्न, आगामी

10 वें तीर्थंकर का जीव ।

सुनंदा – *Sunandā.*
The wife of 3rd *Kulkar* (ethical founder) Kshamankar, The mother of Lord Sheetalnath, Name of the 2nd queen of Lord Rishabhdev, the mother of Bahubali & Sundari.
तीसरे कुलकर क्षेमंकर की पटरानी, भद्रिकापुरी के राजा दृढ़रथ की रानी तथा तीर्थंकर शीतलनाथ की जननी थी. तीर्थंकर ऋषभदेव की दूसरी रानी–बाहुबली एवं सुन्दरी की माता ।

सुनंदिषेण – *Sunandiṣeṇa.*
Name of a great *Acharya* (omniscient) , the disciple of *Acharya* Sinhsen, Name of another *Acharya* of *Punnat* group.
एक आचार्य । लोहाचार्य के पश्चात् हुए अनेक आचार्यों में आचार्य सिंहसेन के शिष्य व ईश्वरसेन के गुरु, पुन्नाट संघ की गुर्वावली के अनुसार ईश्वरसेन के शिष्य तथा अभयसेन के गुरु ।

सुनक्षत्र – *Sunakṣatra.*
One of the 10 great saints in the era of Lord Mahavira.
भगवान महावीर के तीर्थ में हुए 10 अनुत्तरोपपादकों में तीसरे अनुत्तरोपपादक ।

सुनय – *Sunaya.*
Right viewpoint.
सम्यक् नय । परस्पर सापेक्ष नय सुनय कहलाते हैं ।

सुनेमि – *Sunemi.*
One of the sons of king Samudravijay.
राजा समुद्रविजय के अनेक पुत्रों में एक पुत्र ।

सुपत्नी – *Supatni.*
Faithful & devoted wife.
सहधर्मिणी स्त्री अर्थात् जो अपने धर्म और यश की रक्षा करती है तथा प्रेमपूर्वक अपने पतिदेव की सेवा करती है ।

सुपद्म – *Supadma*
Name of a king of *Kuru* dynasty.
कुरुवंशी एक राजा । राजापद्म का पुत्र तथा पद्मदेव के पिता ।

सुपद्मा – *Supadmā.*
Name of a country of western *Videh* (region).
अपर विदेहस्थ एक देश ।

सुपर्ण कुमार – *Suparṇa Kumāra*
A type of residential deities.
भवनवासी देवों के 10 भेदों में एक भेद ।

सुपार्श्वनाथ – *Supārśvanātha.*
Name of the 7th *Tirthankar* (Jaina- Lord).
वर्तमान चौबीसी के 7 वें तीर्थंकर । वाराणसी नगरी के राजा सुप्रतिष्ठ एवं रानी पृथिवीषेणा के पुत्र । इनकी आयु 20 लाख वर्ष पूर्व, शरीर 200 धनुष ऊँचा था । 9 वर्ष की तपस्या के बाद केवलज्ञान हुआ । वर्तमान में वाराणसी में भदैनी क्षेत्र में भगवान सुपार्श्वनाथ के जन्मस्थल के प्रतीक में गंगा नदी के घाट पर सुंदर मंदिर बना हुआ है ।

सुपार्श्वनाथ स्तोत्र – *Supārśvanātha Stotra.*
Name of a spiritual hymn written by *Acharya* Vidyanandi
आचार्य विद्यानंदि (ई. 775-840) द्वारा रचित छंदबद्ध स्तोत्र । इसमें 30 श्लोक हैं ।

सुपार्श्वमती (आर्यिका) – *Supārśvamati (Āryikā).*
Name of a *Ganini Aryika*, the disciple of *Acharya* Shri Veersagar Maharaj of the tradition of *Charitra Chakravarti Acharya* Shantisagar Maharaj.
चारित्र चक्रवर्ती आचार्यश्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा के प्रथम पट्टाधीश आचार्यश्री वीरसागर जी महाराज की शिष्या (दीक्षित–सन् 1957), एक गणिनी आर्यिका । इन्होंने आचारसार, राजवार्तिक आदि अनेक ग्रंथों की हिन्दी टीकाएं लिखी हैं । इनकी प्रेरणा से सम्मेदशिखर में मध्यलोक शोध संस्थान का निर्माण हुआ है ।

सुप्रतिष्ठ – *Supratiṣṭha.*
One of the eight auspicious articles i.e *Swastik*, Name of a summit of *Ruchak* mountain, Past-birth soul of Lord Neminath, Name of the 5th *Rudra*, Father's name of Lord Suparshvanath
आठ मंगल द्रव्यों में एक (स्वस्तिक), रुचक पर्वतस्थ एक कूट, नेमिनाथ भगवान का पूर्व का दूसरा भव, 5वाँ रुद्र, भगवान सुपार्श्वनाथ के पिता ।

सुप्रबन्ध – *Suprabandha.*
Well arrangement.
अच्छी व्यवस्था ।

सुप्रबुद्ध – *Suprabuddha.*
Name of a summit of *Manushottar* mountain & its protecting deity . Name of a heavenly aboding place.
मानुषोत्तर पर्वतस्थ प्रवाल कूट व उसका स्वामी भवनवासी सुपर्णकुमार देव, 9 ग्रैवेयक का तृतीय इन्द्रक विमान ।

सुप्रबुद्धा – *Suprabuddhā.*
Name of a female deity of *Mandar* summit situated at *Ruchakgiri* (mountain).
रुचकगिरि के मंदार कूट की रहने वाली एक दिक्कुमारी देवी ।

सुप्रभ – *Suprabha.*
Name of a summit of *Kundalvar* island, A protecting deity of *Ghritvar* island, Name of the 4th *Baldev*.
कुण्डलवर द्वीप का एक कूट, घृतवर द्वीप का रक्षक देव, वर्तमान के चौथे बलदेव ।

सुप्रभा – *Suprabhā.*
Name of a *Vapi* (like large lake) of *Amra* forest in the *Samavasharan* (assembly of Lord), A palanquin used by deities for Lord Ajitnath, Mother's name of the 5th *Balbhadra*, A queen of king Dashrath.
समवशरण के आम्रवन की एक वापी, एक शिविका–तीर्थंकर

अजितनाथ इसी पर बैठकर दीक्षा वन गये थे, 5 वें बलभद्र सुदर्शन की माता, राजा दशरथ की एक रानी जो शत्रुघ्न की माता थी।

सुप्रयोगा – *Suprayogā.*
Name of a river of *Bharat Kshetra* (region).
भरतक्षेत्र की एक नदी।

सुप्रीति क्रिया – *Suprīti Kriyā.*
An auspicious activity of worshipping of Lord Arihant in the 6th month of pregnancy
गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में तीसरी क्रिया। यह क्रिया गर्भाधान के 5 वें महीने में भगवान अर्हंत की पूजा आदि करके की जाती है।

सुफल्गु – *Suphalgu.*
One of the sons of king Samudravijay
राजा समुद्रविजय के अनेक पुत्रों में एक पुत्र।

सुबाला – *Subālā.*
Mother's name of the 2nd *Chakravarti* (emperor) Sagar & the 8th *Balbhadra* Ram
दूसरे चक्रवर्ती सगर की माता, 8 वें बलभद्र राम की माँ, अपरनाम अपराजिता–कौशल्या।

सुबाहु – *Subāhu.*
Name of the 11th chief disciple of Lord Rishabhdev, The son of king Dhritrashtra, Name of the third *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh* (region).
भगवान ऋषभदेव के 11 वें गणधर, राजा धृतराष्ट्र एवं रानी गान्धारी का एक पुत्र, विदेह क्षेत्रस्थ 20 तीर्थंकरों में तीसरे तीर्थंकर।

सुभगत्रिक – *Subhagatrika.*
A triplet of physique making *Karmic* natures
नामकर्म की तीन प्रकृतियाँ–सुभग, आदेय, सुस्वर।

सुभग नामकर्म प्रकृति – *Subhaga Nāmakarma Prakṛti*
A physique making *Karmic* nature causing amiability (or causing others to be delighted with one)
जिसके उदय से दूसरे जीव अपने से प्रीति करते हैं।

सुभग सुलोचना चरित्र – *Subhaga Sulocanā Caritra*
Name of a treatise written by Vadichandra
वादिचन्द्र कृत एक ग्रन्थ।

सुभद्र – *Subhadra.*
A heavenly aboding place of middle *Graiveyak*, A type of peripatetic deities, Name of a protecting peripatetic deity of *Arunvar* & *Nandishvar* islands
मध्यम ग्रैवेयक का एक इन्द्रक विमान, यक्ष जाति के व्यंतर देवों का एक भेद, अरुणीवर द्वीप व नंदीश्वर द्वीप का रक्षक व्यन्तर देव।

सुभद्र नाटिका – *Subhadra Nāṭikā*
A composition composed in Sanskrit by Hastimal (reg. story of Bharat & Subhadra)
भरत–सुभद्रा प्रेम विषयक संस्कृत नाटकबद्ध हस्तिमल कृत एक रचना। समय ई. 1181-1181।

सुभद्रा – *Subhadrā.*
The wife of Arjun The queen of Bharatesh *Chakravarti* (emperor), Mother of the 2nd *Balbhadra* Vijay.
कृष्ण की बहन; अर्जुन ने हरण कर इसके साथ विवाह किया था जो अभिमन्यु की माँ हुई और अंत में दीक्षा ली। भरतेश चक्रवर्ती की रानी। दूसरे बलभद्र की जननी।

सुभद्राचार्य – *Subhadrācārya.*
One of the 4 great saints after the salvation of Lord Mahavira.
तीर्थंकर महावीर के निर्वाण होने के पश्चात् आचारांग के ज्ञाता 4 मुनियों में प्रथम मुनि।

सुभाषित तंत्र – *Subhāṣita Tantra.*
Name of a spiritual treatise written by *Acharya* Yogendudev.
आचार्य योगेन्दुदेव कृत अध्यात्म विषयक अपभ्रंश भाषाबद्ध एक ग्रन्थ। समय - ई.श. 6।

सुभाषित रत्नसंदोह – *Subhāṣita Ratnasandoha.*
Name of a spiritual treatise written by *Acharya* Amitgati.
आचार्य अमितगति (ई. 993) द्वारा लिखा गया 922 संस्कृत श्लोक प्रमाण एक आध्यात्मिक ग्रन्थ।

सुभाषित रत्नावली – *Subhāṣita Ratnāvali.*
Name of a spiritual treatise written by *Acharya* Shubhchandra
आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ।

सुभाषितार्णव – *Subhāṣitārṇava.*
A spiritual book written by *Acharya* Shubhchandra.
आचार्य शुभचन्द्र (ई. 1516-1556) द्वारा रचित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ।

सुभीम – *Subhīma.*
Name of an *Indra* of *Rakshas* type peripatetic deities.
राक्षस व्यंतर देवों का इन्द्र, इसने सगर चक्रवर्ती के प्रतिद्वन्द्वी मेघवाहन को तीर्थंकर अजितनाथ के समवशरण में अभयदान देकर लंका का राज्य दिया था।

सुभोग भूमि – *Subhoga Bhūmi.*
Prosperous land having wish fulfilling trees (*Kalpavrikshas*).
जहाँ कल्पवृक्षों के द्वारा प्राप्त वस्तुओं से ही मनुष्य अपना जीवन सानन्द निर्वाह करते हैं। प्राकृतिक सम्पदाओं का सुख सभी भोगते हैं। ढाई द्वीप में 5 मेरु सम्बन्धी, (5 हैमवत, 5

हरिवर्ष, 5 रम्यक, 5 हैरण्यवत, 5 देवकुरु और 5 उत्तरकुरु) 30 भोगभूमियाँ हैं।

सुभोगा – *Subhogā.*

Name of a female deity of *Gajdant* summit.
गजदंत कूट की दिक्कुमारी देवी।

सुभौम – *Subhauma.*

Name of the 8th *Chakravarti* (emperor)
8 वें चक्रवर्ती, जो णमोकार मंत्र का अपमान करने के कारण मरकर 7 वें नरक में गये।

सुमंगला – *Sumamgala.*

Mother's name of Lord Sumatinath & the 2nd *Chakrawarti* Sagar.
तीर्थंकर सुमतिनाथ की माता जो अयोध्या के राजा मेघप्रभ की रानी थी, दूसरे चक्रवर्ती सगर की जननी।

सुमंदर – *Sumamdara*

Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (region).
भरत क्षेत्र का एक पर्वत।

सुमति – *Sumati*

Good understanding or judgement.
अच्छी बुद्धि।

सुमतिकीर्ति – *Sumatikirti.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group
नंदिसंघ बलात्कार गण ईडर गद्दी के एक भट्टारक। कृतियाँ - पंचसंग्रह की संस्कृत वृत्ति, ज्ञानभूषण के साथ मिलकर 'कर्म प्रकृति' की टीका लिखी।

सुमतिदेव – *Sumatideva*

Name of a great *Acharya*, the writer of '*Sanmati Tark Tika*'.
मूलसंघ में कुन्दकुन्द आचार्य परम्परा के एक आचार्य। सन्मति तर्क टीका ग्रन्थ के रचयिता। समय – ई. श. 7-8।

सुमतिनाथ – *Sumatinātha.*

Name of the 5th *Tirthankar* (Jaina-Lord).
5वें तीर्थंकर– अयोध्या नगरी के राजा मेघरथ और रानी सुमंगला के पुत्र इनकी आयु 40 लाख वर्ष पूर्व, शरीर 300 धनुष ऊँचा और स्वर्ण के समान कांति वाला था। 20 वर्ष की तपस्या के बाद इन्हें केवलज्ञान हुआ एवं इनके 116 गणधर थे। वर्तमान में अयोध्या के कटरा मंदिर परिसर में इनके जन्मस्थल के प्रतीक रूप में एक टोंक बनी हुई है।

सुमतिसागर (आचार्य) – *Sumatisāgara (Ācārya).*

Name of *Digambar Acharya* of 20th century of the tradition of *Acharya* Shantisagar (*Chhani*).
आचार्य श्री शांतिसागर जी छाणी (राज.) की परम्परा में हुए एक आचार्य (समय–ई. 20वीं शताब्दी)। ये तेरहपंथ आम्नाय के कट्टर समर्थक हुए हैं।

सुमनसा – *Sumanasa.*

The first heavenly aboding place of *Urddhva Graiveyak*.
ऊर्ध्व ग्रैवेयक का प्रथम इन्द्रक विमान।

सुमना – *Sumanā.*

Name of a *Vapi* (like large lake) of *Nandishvar* island.
नंदीश्वर द्वीप की एक वापी रमणीया का अपरनाम।

सुमागधी – *Sumāgadhī.*

Name of a river of eastern middle *Arya Khand* (region)
पूर्वी मध्य आर्य खण्ड की एक नदी।

सुमाली – *Sumali.*

Name of the grand father of Ravan.
रावण के दादा, इन्द्र नामक विद्याधर से हारकर पाताल लंका में रहने लगे थे।

सुमित्रा – *Sumitrā.*

Name of female divinity of *Kanchan* summit of *Saumnas Gajdant* mountain, Mother's name of Lakshaman
सौमनस गजदंत के कांचन कूट की देवी, लक्ष्मण की माता।

सुमुखी – *Sumukhī.*

A beautiful lady, Name of the 49th city in the south of *Vijayardha* mountain.
सुन्दर मुख वाली स्त्री, विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी की 49 वीं नगरी।

सुमेरु – *Sumeru.*

The chief mountain with gold shine of middle universe
मध्यलोक का सर्वप्रधान पर्वत। यह स्वर्ण वर्ण व कूटाकार है। जम्बूद्वीप के बीचोंबीच में स्थित यह पर्वत 1 लाख 40 योजन ऊँचा है इसे सुदर्शनमेरु के नाम से जाना जाता है।

सुयश – *Suyaśa.*

Good reputation or fame, Name of a residential deity of *Saugandhik* summit of *Manushottar* mountain.
प्रसिद्धि, कीर्ति, मानुषोत्तर पर्वतस्थ सौगन्धिक कूट का स्वामी भवनवासी सुपर्णकुमार देव।

सुरंग – *Suramga.*

Tunnel.
जमीन के अन्दर से बनाया गया एक गुप्त मार्ग।

सुर – *Sura.*

Tone (of the voice or musical instrument), a tune, A type of deities involved in good deeds.
सुरीली ध्वनि। देव, जिनकी अहिंसा आदि के अनुष्ठान में रति है वे सुर कहलाते हैं। इसके विपरीत असुर कहलाते हैं।

सुरगंगा – *Suragamgā.*

Milkyway, (the galaxy, a luminous band of heavenly stars), The heavenly Ganges
आकाशगंगा।

सुरगिरि – *Suragiri.*

Another name of *Sumeru* mountain.

सुमेरु पर्वत का अपरनाम ।

सुरदेव – *Suradeva.*
Name of the 2nd predestined *Tirthankar* (Jaina-Lord).
भाविकालीन दूसरे तीर्थंकर ।

सुरपतिकांत – *Surapatikānta.*
Name of a city in the north of *Vijayardha* mountain.
विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का एक नगर ।

सुरपादप – *Surapādapa.*
Kalpavriksh (wishfulfilling trees) of heaven.
स्वर्गों में होने वाले कल्पवृक्ष ।

सुरमन्यु – *Suramanyu.*
One of the particular seven saints, 'Saptrishi' (*Sapta Ṛṣi*).
सप्त ऋषियों में एक। देखें–सप्तऋषि ।

सुरम्या – *Suramyā.*
One of the 32 countries of *Videh Kshetra* (region).
विदेह क्षेत्र के 32 देशों में एक देश। अपरनाम रम्यक, इसकी प्रधान नगरी पद्मावती है ।

सुरश्रेष्ठ – *Suraśreṣṭha.*
The past birth soul of the 21st *Tirthankar* (Jaina-Lord) Naminath.
21 वें तीर्थंकर नमिनाथ के एक पूर्व भव का नाम ।

सुरस – *Surasa.*
Name of a heavenly aboding place of *Brahma-Brahmottar* heaven.
ब्रह्म–ब्रह्मोत्तर स्वर्ग का एक इन्द्रक विमान। अपरनाम सुरसमिति।

सुरसमिति – *Surasamiti.*
See - *Surasa.*
देखें – सुरस ।

सुरसा – *Surasā.*
Name of the female divinity of a peripatetic deity *'Mahakal'.*
व्यंतरेन्द्र महाकाल की देवी ।

सुरा – *Surā.*
Wine, Name of female divinities of a summit of *Himvan* mountain & of *Ruchak* mountain.
मदिरा, हिमवान पर्वत पर स्थित एक कूट व उसकी स्वामिनी देवी। रुचक पर्वतवासिनी दिक्कुमारी देवी ।

सुरारि – *Surāri.*
Name of a king of Lanka
भानुप्रभ राजा के पश्चात् हुआ लंका का एक राजा ।

सुरालय – *Surālaya.*
Another name of *Sumeru* mountain
सुमेरु पर्वत का एक अपरनाम ।

सुराष्ट्र – *Surāṣṭra.*
A country of western *Arya Khand* (region) in Gujarat state.
पश्चिम आर्यखण्ड का एक देश (गुजरात प्रांत का एक भाग) अपरनाम सोरठ ।

सुरेन्द्रकान्त – *Surendrakānta.*
Name of the 21st city in the north of *Vijayardha* mountain.
भरत क्षेत्र में स्थित विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का 21 वाँ नगर। अपरनाम सुरेन्द्रकान्तार ।

सुरेन्द्रकीर्ति – *Surendrakirti.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण चित्तौड़ गद्दी के एक भट्टारक नरेन्द्रकीर्ति के शिष्य। समय - वि. सं. 1722 ।

सुरेन्द्र चक्र यंत्र – *Surendra Cakra Yantra.*
A type of metallic plate engraved with some auspicious mystic words.
विभिन्न रेखाकृतियों एवं विशिष्ट सुरेन्द्रचक्र मंत्रों से बना एक यंत्र ।

सुरेन्द्रता क्रिया – *Surendratā Kriyā.*
A type of auspicious activity (reg. to encrown one with *Surendra Pad,* a title
कर्त्रन्वय 7 क्रियाओं में एक क्रिया, परिव्रज्या के फलस्वरूप सुरेन्द्र पद की प्राप्ति। सप्तपरम स्थानों में चतुर्थ परमस्थान को सुरेन्द्रता कहते है ।

सुरेन्द्रभूषण – *Surendrabhūṣaṇa.*
Name of a *Bhattarak,* the writer of *'Rishipanchami Katha'* (a tale).
देवेन्द्रभूषण के शिष्य ऋषिपंचमी कथा के रचयिता एक भट्टारक। समय - ई. स.1703 - 1734 ।

सुरेश्वर – *Sureśvara.*
The disciple of *Shankaracarya,* the writer of *'Naishkarmya Siddhi'* and other treatises
शंकराचार्य के शिष्य (समय – ई. 820), इन्होंने नैष्कर्म्य सिद्धि, बृहदारण्यक उपनिषद् भाष्य ग्रंथ लिखे हैं ।

सुलस – *Sulasa.*
Name of the two lakes of *Devkuru.*
देवकुरु के 10 द्रहों में से दो का नाम ।

सुलोचन – *Sulocana.*
One with attracting eyes, The 20th son of king Dhritrashtra
सुन्दर नेत्रों वाला, राजा धृतराष्ट्र एवं रानी गांधारी का 20 वाँ पुत्र।

सुलोचना – *Sulocanā.*
Name of the chief *Arvika* (Ganini) in the *Samavsharan* (assembly) of Lord Parshvanath, The daughter of king Akampan.
भगवान पार्श्वनाथ के समवशरण की मुख्य आर्यिका (गणिनी)। अपरनाम सुलोका। राजा अकम्पन की पुत्री, स्वयंवर में भरत

चक्रवर्ती के सेनापति जयकुमार ने इसका वरण किया था ।

सुलोयणाचरिउ – *Suloyaṇācariu.*

Name of a book written in *Apabhransh* language by saint Devasen

देवसेन मुनि द्वारा (ई. सन् 1075) कृत अपभ्रंश भाषाबद्ध ग्रन्थ।

सुवक्त्र – *Suvaktra.*

One with beautiful face. Name of a *Vidyadhar* king.

सुन्दर मुखवाला, एक विद्याधर। यह विनमि का वंशज था। विद्युन्मुख का पुत्र और विद्युद्दंष्ट्र का पिता ।

सुवज्र – *Suvajra.*

Name of a *Vidyadhar* king

एक विद्याधर, राजा वज्र का पुत्र और वज्रभृत का पिता

सुवत्सा (देवी) – *Suvatsā (Devī).*

Name of a female divinity of *Kanak* summit of *Soumnas Gajdant* mountain.

सौमनस गजदंत के कनक कूट की स्वामिनी दिक्कुमारी देवी ।

सुवत्सा – *Suvatsā.*

Name of a country and name of a summit & its governing deity of *Trikut Vakshar* situated in eastern *Videh* (region).

पूर्व विदेह क्षेत्र का एक देश, कुण्डला नगरी यहाँ की राजधानी है, पूर्व विदेहस्थ त्रिकूट वक्षार का एक कूट व उसका स्वामी देव

सुवप्रा – *Suvaprā.*

Name of a country of the western *Videh* (region).

पश्चिमी विदेहस्थ एक देश, वैजयन्ती यहाँ की राजधानी है ।

सुवर्ण – *Suvarṇa.*

A good colour, Golden, Gold, Name of a summit and a deity of *Shikhri* mountain.

अच्छा वर्ण, सुनहरा, सोना, तौल का एक प्रमाण, 2.5 धरण = 1 सुवर्ण या 1 कंस, शिखरी पर्वत का एक कूट तथा देव, अपरनाम कांचन ।

सुवर्ण कुंभ – *Suvarṇa Kuṁbha.*

Gold pitcher, Name of the initiation spiritual teacher of the first *Baldev* - Vijay.

सोने का कलश, प्रथम बलदेव विजय के दीक्षा गुरु ।

सुवर्णप्रभ – *Suvarṇaprabha.*

Name of a northern place of *Saumnas* forest.

सौमनस वन का उत्तर दिशावर्ती भवन । यह 15 योजन चौड़ा, 25 योजन ऊँचा तथा 45 योजन की परिधि वाला है ।

सुवर्णवती – *Suvarṇavatī.*

Name of a river of *Bharat Ksheatra* (region).

भरत क्षेत्र की एक नदी ।

सुवल्गु – *Suvalgu.*

Name of a region of westren *Videh*, Name of a summit of *Naggiri Vakshar* (mountain) & its governing deity.

अपर विदेहस्थ एक क्षेत्र (अपरनाम सुगन्धा)। नागगिरि वक्षार का एक कूट व उसका स्वामी देव ।

सुवसु – *Suvasu.*

Name of a king of *Kuru* dynasty.

कुरुवंशी एक राजा । यह राजा वसु का 9 वाँ पुत्र था ।

सुविधि – *Suvidhi.*

The 4th past-birth soul of Lord Rishabhdev, The another name of the 9th *Tirthankar* (Jaina-Lord) Pushpadantnath

भगवान ऋषभदेव का पूर्व का चौथा भव। यह विदेह क्षेत्र के महावत्स देश के सुदृष्टि राजा का पुत्र था। पुत्र केशव के मोह से दीक्षा न लेकर श्रावक के उत्कृष्ट व्रत ले कठिन तप किया। अंत मे दिगम्बर हो समाधिमरण करके अच्युत स्वर्ग में देव हुआ। 9वें तीर्थंकर पुष्पदन्तनाथ भगवान का अपरनाम सुविधिनाथ है ।

सुविशाल – *Suviśāla.*

Name of the third heavenly aboding place of middle *Graiveyak*, Name of the 67th chief disciple of Lord Rishabhdev, Name of a heavenly aboding place of *Soudharma* heaven.

मध्यम ग्रैवेयक का तीसरा इन्द्रक विमान, ऋषभदेव के 67वें गणधर, सौधर्म स्वर्ग का एक विमान ।

सुवीर्य – *Suvīrya.*

Name of a king of *Ikshvaku* dynasty, The 46th son of king Dhritrashtra.

इक्ष्वाकुवंशी एक राजा। अतिवीर्य का पुत्र, उदितपराक्रम का पिता, राजा धृतराष्ट्र तथा रानी गांधारी का 46 वाँ पुत्र ।

सुवेषा – *Suveṣā.*

Mother's name of the third *Balbhadra* 'Dharma'.

धर्म नामक तीसरे बलभद्र की माता ।

सुव्रत – *Suvrata.*

Faultless vow, Name of a king of *Kuru* dynasty, The son of Lord Munisuvratnath.

शोभनव्रत–निरतिचार व्रत, कुरुवंशी एक राजा। धृतिक्षेम का पुत्र व व्रात का पिता, तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ का पुत्र, दक्ष का पिता, अंत में अपने पिता से दीक्षा ले मुक्ति प्राप्त की ।

सुव्रता – *Suvratā.*

Mother's name of Lord Dharmanath ultimately who became chief *Arvika (Ganini)* in the *Samavsharan* of Lord Dharmanath

तीर्थंकर धर्मनाथ की माता सुप्रभा का अपरनाम, जो इन्हीं के समवसरण मे मुख्य आर्यिका (गणिनी) हुई ।

सुशांति – *Suśānti.*

Name of a king of *Kuru* dynasty.

कुरुवंशी एक राजा, यह द्वीपायन का पुत्र और शांतिषेण का पिता था ।

सुशील – *Suśīla.*

Of good character or disposition, amiable, modest, courteous.

नैतिक या धार्मिक गुण अथवा अच्छे शील (चरित्र) वाला ।

सुषमा काल – *Suṣamā Kāla.*
Pleasant period of worldly cycle (the 2nd of *Avasarpini Kal* & the 5th of *Utsarpini Kal* - according to Jaina philosophy).
अवसर्पिणी के द्वितीय काल और उत्सर्पिणी के पंचम काल का नाम। इसमें मध्यम भोग भूमि रहती है एवं इसका समय 3 कोड़ाकोड़ी सागर का है। इस काल में मनुष्य 4 हजार धनुष ऊँचे होते हैं व आयु 2 पल्य की होती है।

सुषमादुषमा काल – *Suṣamā-Duṣamā Kāla.*
Pleasant & sorrowful long period of worldly cycle (the 3rd of *Avasarpini Kal* & the 4th of *Utsarpini Kal* - according to Jaina philosophy).
अवसर्पिणी के तृतीय काल और उत्सर्पिणी के चतुर्थ काल का नाम। इसका काल 2 कोड़ाकोड़ी सागर प्रमाण है। इसमें जघन्य भोगभूमि रहती है, इस समय मनुष्यों की ऊँचाई 500 धनुष एवं आयु एक कोटि वर्ष पूर्व की होती है।

सुषमा सुषमा काल – *Suṣamā Suṣamā Kāla.*
Extremely pleasant period of worldly cycle (the 1st of *Avasarpini Kal* & the 6th of *Utsarpini Kal* - according to Jaina philosophy).
अवसर्पिणी के प्रथम काल और उत्सर्पिणी के छठे काल का नाम। इसमें उत्तम भोग भूमि रहती है एवं इसका समय 4 कोड़ाकोड़ी सागर का है। इस काल में मनुष्य 6 हजार धनुष ऊँचे होते हैं व आयु 3 पल्य की होती है।

सुषेणा – *Suṣeṇā.*
Mother's name of Lord Sambhavnath.
श्रावस्ती नगरी के राजा दृढ़राज की रानी एवं तीर्थंकर संभवनाथ की माता।

सुसिद्धार्थ – *Susiddhārtha.*
The spiritual teacher of the 9th *Balbhadra* Balram.
9 वें बलभद्र बलराम के गुरु।

सुसीमा – *Susīmā.*
Mother's name of Lord Padmaprabhu.
कौशाम्बी नगरी के राजा धरण की रानी एवं तीर्थंकर पद्मप्रभु की माता।

सुसीमा (नगरी) – *Susīmā (Nagarī).*
Name of the main city of *Vatsa* country situated in the eastern *Videh* region.
पूर्व विदेहस्थ वत्सदेश की मुख्य नगरी।

सुस्थित – *Susthita.*
Name of a protecting peripatetic deity of *Lavan* ocean.
लवण समुद्र का रक्षक व्यन्तर देव।

सुस्थिता – *Susthitā.*
Name of a female deity of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वत वासिनी दिक्कुमारी देवी।

सुस्वर नामकर्म प्रकृति – *Susvara Nāmakarma Prakṛti.*
A physique making *Karmic* nature causing melodious tone.
जिस कर्म के उदय से मधुर आवाज या सुरीला कंठ प्राप्त होता है उसे सुस्वर नामकर्म प्रकृति कहते हैं।

सुस्वरा – *Susvarā.*
Name of a female deity of a peripatetic *Indra* Gitaras.
गीतरस व्यंतर इन्द्र की देवी।

सुहस्ति – *Suhasti.*
Name of a governing deity of *Swastik* summit of *Ruchak* mountain.
रुचक पर्वतस्थ स्वस्तिक कूट का स्वामी देव।

सुह्य – *Suhya.*
Name of a country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).
भरत क्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश।

सूक्ष्म – *Sūkṣma.*
Micro particles or organism (invisible).
जो इन्द्रियों के गोचर न हो ऐसे स्कंध जैसे कार्मण वर्गणा आदि, एकेन्द्रिय जीवों के सूक्ष्म और बादर इन दो भेदों में प्रथम भेद।

सूक्ष्म आलोचना – *Sūkṣma Ālocanā.*
An infraction of self criticism, hiding big faults (but exposing little faults).
आलोचना का एक अतिचार। छोटे-छोटे दोष कहकर भय, मद, कपट आदि के कारण बड़े दोष छिपाना।

सूक्ष्म ऋजुसूत्र नय – *Sūkṣama Ṛjusutra Naya.*
A standpoint related to the minute acceptance of something.
ऋजुसूत्र नय के दो भेदों में एक भेद। जो नय एक समयवर्ती सूक्ष्म अर्थ पर्याय (अवस्थायी पर्याय) को ग्रहण करे।

सूक्ष्म कषाय – *Sūkṣma Kaṣāya.*
Minute passion.
सूक्ष्म साम्पराय अर्थात् संज्वलन लोभ रूप कषाय। ये कषाय दसवें गुणस्थान में पायी जाती है।

सूक्ष्मकायिक जीव – *Sukṣmakāyika Jīva*
Micro organism, one-sensed beings etc.
वे एकेन्द्रिय जीव जो सर्व लोक में व्याप्त हैं एवं जिनकी गति का जल-स्थल आदि के द्वारा प्रतिघात नहीं होता है अर्थात् जो न किसी को रोकते हैं और न किसी से रुकते (बाधित) हैं।

सूक्ष्म कृष्टि – *Sūkṣma Kṛṣṭi.*
Gradual destruction of *Karmas*.
कर्मों के अनुभाग को घटाकर सूक्ष्म कर देना।

सूक्ष्म क्रियाप्रतिपाती – *Sūkṣma Kriyāpratipātī.*
The third absolute meditational state achieved at the end of the 13th stage of spiritual

development

तीसरा शुक्लध्यान – यह ध्यान तेरहवें गुणस्थान के अंत में होता है। जिन्होंने द्वितीय शुक्लध्यान के द्वारा 4 घातिया कर्मों का क्षय करके केवलज्ञान प्राप्त कर लिया है तब सब प्रकार के मन वचन योग और बादर काययोग का निरोध करके सूक्ष्म काययोग का आलम्बन लेकर जो ध्यान करते हैं वह सूक्ष्म क्रियाप्रतिपाती ध्यान है।

सूक्ष्म जीव – *Sūkṣma Jīva.*

See - *Sukṣmakāyika Jīva.*

देखें – सूक्ष्मकायिक जीव।

सूक्ष्मत्व गुण – *Sūkṣmatva Guṇa.*

One of the 8 virtues of salvated soul obtained by the destruction of physique making *Karmas* (extremely subtle form)

सिद्धों के 8 गुणों में एक गुण, यह नामकर्म के क्षय होने से प्राप्त होता है। इन्द्रिय गोचर न होना।

सूक्ष्म निगोद – *Sūkṣma Nigoda*

See - *Nigoda Sūkṣma.*

देखें - निगोद सूक्ष्म।

सूक्ष्म निगोद वर्गणा – *Sūkṣma Nigoda Vargaṇā.*

A type of aggregate of *Karmic* molecules.

23 प्रकार की वर्गणाओं का एक भेद।

सूक्ष्म पदार्थ – *Sūkṣma Padārtha.*

Non-perceptible matters (invisible particles etc.).

सूक्ष्म अर्थात् इन्द्रिय के द्वारा न जानने योग्य पदार्थ।

सूक्ष्म परिधि – *Sūkṣma Paridhi.*

Micro circumference.

सूक्ष्म परिधि = (व्यास^2 x 10)$^{1/2}$ अर्थात् 2 (pi) r।

सूक्ष्म बादर स्कन्ध – *Sūkṣma Bādara Skandha.*

Invisible existing matters like air, words etc.

स्कन्धों के 6 भेदों में एक भेद। जो स्कन्ध दिखाई न दें परन्तु उनका कार्य प्रगट हो जैसे हवा, शब्द आदि।

सूक्ष्म राग – *Sūkṣma Rāga.*

Slight attachments.

7 वें से 10 वें गुणस्थान तक होने वाला अबुद्धिपूर्वक राग सूक्ष्म राग कहलाता है।

सूक्ष्म लोभ – *Sūkṣma Lobha*

Minute greediness.

सूक्ष्म साम्पराय को सूक्ष्म लोभ कहते हैं अथवा 10 वें गुणस्थान में पाया जाने वाला लोभ।

सूक्ष्म शरीर नामकर्म प्रकृति –

Sūkṣma Śarīra Nāmakarma Prakṛti.

Physique making *Karmic* nature causing micro body or one-sensed beings

जिसके उदय से सूक्ष्म एकेन्द्रियों में जन्म होता है।

सूक्ष्म साम्पराय – *Sūkṣma Sāmparāya.*

Minute passions, spiritual stage of slight delusion

सूक्ष्म कषाय को सूक्ष्म साम्पराय अर्थात् 10 वां गुणस्थान कहते हैं जहाँ मात्र सूक्ष्म लोभ का उदय रह जाता है।

सूक्ष्म साम्पराय चारित्र –

Sūkṣma Sāmparāya Cāritra.

Conduct with minute passions (reg. purity of soul).

दसवें गुणस्थान में होने वाला चारित्र, इस चारित्र में कषाय अति सूक्ष्म हो जाती है।

सूक्ष्मसाम्पराय शुद्धि संयत –

Sūkṣmasāmparāya Śuddhi Saṃyata.

One with minute passions (towards purity).

मोहकर्म का उपशमन या क्षपण करने वाले जिस साधु के मात्र संज्वलन लोभ रूप सूक्ष्म कषाय शेष रह जाती है वह सूक्ष्म सांपराय संयत कहलाता है।

सूक्ष्मसाम्पराय संयम –

Sūkṣmasāmparāya Saṃyama.

Restraints with minute greediness.

मोहकर्म का उपशमन या क्षपण करते हुए सूक्ष्म लोभ का वेदन करना सूक्ष्मसांपराय संयम है और उसके धारक महामुनि सूक्ष्मसांपराय संयत कहलाते हैं।

सूक्ष्म सूक्ष्म स्कंध – *Sūkṣma Sūkṣma Skandha.*

Aggregate of two particles of a matter.

पुद्गल के मात्र दो परमाणु रूप स्कन्ध को सूक्ष्म सूक्ष्म स्कन्ध कहते हैं।

सूक्ष्म स्कंध – *Sūkṣma Skandha.*

A type of aggregate of *Karmic* molecules.

स्कंधों के 6 भेदों में एक भेद, कर्म वर्गणा के योग्य स्कंध को सूक्ष्म स्कंध कहते हैं।

सूक्ष्म स्थूल स्कंध – *Sūkṣma Sthūla Skandha.*

Invisible perceptible matters.

स्कंधों के 6 भेदों में चौथा भेद। जो आंखों से दिखाई नहीं देते किन्तु शेष 4 इन्द्रियों से ग्रहण किये जा सकते हैं ऐसे स्कंधों को सूक्ष्म स्थूल कहते हैं। जैसे – वायु, शब्द, गंध आदि।

सूक्ष्म भाषा – *Sūkṣma Bhāṣā.*

Internal speech (inner voice).

शब्दाद्वैतवादी द्वारा मानी गई 4 प्रकार की वाणी में एक भेद। क्षयोपशम से प्रगटी आत्मा की अक्षर को ग्रहण करने की तथा कहने की शक्ति रूप लब्धि। जैन मतानुसार इसे लब्धि रूप भाव वचन स्वीकारा गया है।

सूची – *Sūcī.*

Width, Diameter or radius pertaining to island or ocean.

व्यास या माप, किसी द्वीप या समुद्र की परिधि (गोलाई) के एक तट से दूसरे तट की चौड़ाई को सूची कहते हैं।

सूचीकर्म – *Sūcīkarma.*

Outlining of something or needlework.

अनुयोग की निरुक्ति के 5 दृष्टांतों में एक दृष्टांत। लकड़ी से किसी वस्तु को तैयार करने के लिये पहिले लकड़ी के निरुपयोगी भाग को निकालने के लिये उसके ऊपर एक रेखा में जो डोरा डाला जाता है, वह सूचीकर्म है।

सूच्यंगुल – *Sūcyaṁgula.*

A large quantity as a unit of area measurement.

क्षेत्रप्रमाण का एक भेद। अद्धापल्य के अर्द्धच्छेदों का विरलन कर प्रत्येक एक के ऊपर अद्धापल्य रखकर परस्पर गुणा करने से जो राशि उत्पन्न हो उसे सूच्यंगुल कहते हैं।

सूतक – *Sūtaka.*

Impurity caused due to the birth or death of one.

लोक व्यवहार में जन्म–मरण के निमित्त से हुई अशुद्धि को सूतक कहते हैं। सूतक काल में देव पूजा, आहार दान आदि नहीं किया जाता।

सूत्र – *Sūtra.*

Origin, formulae, a source (of information), a precept. A type of code regulating conduct & behaviour, A type of scriptural knowledge.

जो अल्प अक्षरों से संयुक्त है, सन्देह से रहित है, परमार्थ सहित है एवं जो ग्रन्थ, तन्तु और व्यवस्था इन तीन अर्थों को भले प्रकार से सूचित करता है उस बहुअर्थ गर्भित रचना को सूत्र कहते हैं। दृष्टिवाद अंग के 5 भेदों में दूसरा भेद, इसमें 88 लाख पद हैं, इनमें मिथ्यादर्शन के भेद व 363 एकांतवाद के पूर्वपक्ष का कथन है।

सूत्रकृतांग – *Sūtrakṛtāṁga.*

A part of scriptural knowledge containing 36,000 stanzas reg. description of soul.

द्वादशांग श्रुत का दूसरा भेद। इसमें 36 हजार पद हैं, जिनमें स्वसमय और परसमय का वर्णन किया गया है।

सूत्रदर्शनार्य – *Sūtra Darśanārya.*

A type of noble persons.

दर्शनार्य के 10 भेदों में एक भेद। मुनियों के दीक्षादि का वर्णन करने वाले आचारांग आदि आचार सूत्र को सुनकर जो सम्यग्दर्शन को प्राप्त होते हैं वे सूत्र दर्शनार्य हैं।

सूत्रपाहुड़ – *Sūtrapāhuṛa.*

Name of a great early canon written by *Acharya* Kundkund.

आचार्य कुन्दकुन्द (ई. 127-179) कृत शास्त्रज्ञान या सम्यग्ज्ञान विषयक 27 प्राकृत गाथाबद्ध ग्रन्थ। इस पर आचार्य श्रुतसागर (ई. 1473-1533) कृत संस्कृत टीका और पं. जयचन्द छाबड़ा (ई. 1867) कृत भाषा वचनिका उपलब्ध है।

सूत्रमणि – *Sūtramaṇi.*

Name of a female deity of *Nityodyot* summit of *Ruchak* mountain.

रुचक पर्वत के नित्योद्योत कूट पर रहने वाली विद्युत्कुमारी देवी।

सूत्ररुचि – *Sūtra Ruci.*

Right perception generated through the scripture listening

सूत्रसम्यग्दर्शन, मुनि के चारित्रानुष्ठान को सूचित करने वाले आचार सूत्र को सुनकर जो तत्त्वार्थश्रद्धान होता है, उसे सूत्र रुचि सम्यग्दर्शन कहा जाता है।

सूत्र वचन – *Sūtra Vacana.*

Scriptural facts.

आगम वचन या आगम प्रमाण।

सूत्रविरुद्ध – *Sūtra Viruddha.*

Contrary to scriptural facts.

जिनवचन या आगम (श्रुत) वचन से विपरीत अथवा अप्रमाण।

सूत्रसम – *Sūtrasama*

Scriptural knowledge possessed by the *Gandhardev*, the chief disiple of *Tirthankar* (Jaina-Lord).

तीर्थंकर के मुख से निकला बीजपद सूत्र कहलाता है और जो उस सूत्र से उत्पन्न होता है वह गणधरदेव में स्थित श्रुतज्ञान 'सूत्रसम' कहा गया है।

सूत्र सम्यक्त्वार्य – *Sūtra Samyaktvārya.*

See - *Sūtra Darśanārya.*

देखें – सूत्र दर्शनार्य।

सूत्र सम्यग्दर्शन – *Sūtra Samyagdarśana.*

See - *Sūtra Ruci*

देखें – सूत्ररुचि।

सूर – *Sūra.*

A great warrior, Name of a country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region), Name of a king of *Hari* dynasty.

शौर्य गुण से सहित अर्थात् सामर्थ्य को सूर कहते हैं, भरत क्षेत्र के आर्य खण्ड का एक देश, हरिवंशी एक राजा, जिसकी रानी सुरसुन्दरी थी तथा इनके पुत्र राजा अन्धकवृष्णि थे।

सूरकीर्ति – *Sūrakīrti.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group

नंदिसंघ बलात्कारगण बारां गद्दी के एक भट्टारक भावनंदि के शिष्य, विद्यानन्द के गुरु। समय वि.सं. 1167।

सूरदत्त – *Sūradatta.*

Name of the 9th chief disciple of Lord Rishabhdev

भगवान ऋषभदेव के 84 गणधरों में 9 वें गणधर।

सूरसेन – *Sūrasena.*

Father's name of Lord Kunthunath.

तीर्थंकर कुन्थुनाथ के पिता, इनकी रानी श्रीकान्ता थी।

सूरिप्रभ – *Sūriprabha.*

The 9th *Tirthankar* (Jaina-Lord) of *Videh Kshetra* (region).

विदेह क्षेत्रस्थ 20 तीर्थंकरों में 9 वें तीर्थंकर।

सूर्य (ज्योतिष देव) – *Sūrya (Jyotiṣa Deva).*
A type of astral deity.
ज्योतिष देवों के 5 भेदों में प्रथम भेद। यह प्रतीन्द्र कहलाता है, इसका निवास सूर्य विमान में है। यह विमान चित्रा पृथ्वी से 800 योजन (3200000 मील) ऊपर स्थित है। जंबूद्वीप में दो सूर्य हैं जो 184 गलियों में निरंतर सुमेरु की प्रदक्षिणा करते हैं। इस प्रदक्षिणा के निमित्त से ही दिन और रात होते हैं।

सूर्य विमान – *Sūrya Vimāna.*
The Sun, Name of a radiant moving planet.
महाकाशिगान आकाश में नित्य गतिशील एक ग्रह। सूर्यगति निमित्तक व्यवहार काल मनुष्य क्षेत्र में ही चलता है क्योंकि मनुष्य लोक के बाहर ज्योतिर्देव अवस्थित हैं।

सूर्यगिरि – *Sūryagiri.*
Name of a *Vakshar* mountain of western *Videh* (region)
अपरविदेहस्थ एक वक्षार पर्वत।

सूर्यग्रहण – *Sūryagrahaṇa.*
Solar eclipse.
जैन भूगोल के अनुसार सूर्य और पृथिवी के बीच में केतु ग्रह का विमान आ जाने पर सूर्य का ढँक जाना सूर्यग्रहण कहलाता है। यह प्रत्येक छह महीने में अमावस्या के दिन होता है। सूर्य ग्रहण के समय कोई शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं।

सूर्यतप – *Sūryatapa.*
A type of austerity (pertaining to sunlight).
कायक्लेश तप का एक भेद; इसके अनुसूर्य, प्रतिसूर्य, ऊर्ध्वसूर्य, तिर्यक्सूर्य 4 भेद हैं।

सूर्य द्वीप – *Sūrya Dvīpa.*
Particular types of 8 islands in *Lavan* ocean.
तिलोय पण्णत्ति के अनुसार लवण समुद्र की अभ्यन्तर वेदी से 42000 योजन भीतर जाने पर 4 पर्वतों के पार्श्व भागों (विदिशाओं) में प्रत्येक में दो–दो करके कुल 8 सूर्यद्वीप हैं।

सूर्यपत्तन – *Sūryapattana.*
Old name of present Surat city.
वर्तमान सूरत शहर।

सूर्यपुर – *Sūryapura.*
Name of the 44th city in the south of *Vijayardh* mountain, Residential place of Vasudev & 6th *Pratinarayan* Bali.
विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का 44 वां नगर। वसुदेव की निवास भूमि एवं छठे प्रतिनारायण बलि की नगरी।

सूर्यप्रज्ञप्ति – *Sūryaprajñapti.*
A part of scriptural knowledge containing description about the Sun (reg. its age, movement, family etc.)
अंगश्रुत का एक भेद। दृष्टिवाद के प्रथम भेद परिकर्म में 5 प्रज्ञप्तियों का वर्णन है, उसमें यह दूसरी प्रज्ञप्ति है। इसमें 5 लाख 3 हजार पदों के द्वारा सूर्य की आयु, परिवार, वैभव, गति आदि का वर्णन किया गया है।

सूर्यप्रभ – *Sūryaprabha.*
Name of the parasol of *Chakravarti* (emperor) Bharatesh.
चक्रवर्ती भरतेश के रत्ननिर्मित एक छत्र का नाम।

सूर्यप्रभा – *Sūryaprabhā.*
Name of the 4th female divinity of the *Surya*. Name of the palanquin used for Lord Pushpadantnath.
सूर्य की 4 अग्रदेवियों (पट्ट देवियों) में चौथी देवी, तीर्थंकर पुष्पदंतनाथ की दीक्षा शिविका, इसी में बैठकर वे दीक्षा लेने पुष्पक वन गये थे।

सूर्यमाल – *Sūryamāla.*
Name of the 14th *Vakshar* mountain among all 16
16 वक्षार पर्वतों में 14 वां वक्षार पर्वत। यह पश्चिम विदेह क्षेत्र में नील पर्वत और सीतोदा नदी के मध्य स्थित है।

सूर्यरज – *Sūryaraja.*
Father's name of Bali & Sugreev.
बाली व सुग्रीव के पिता। बाली को राज्य दे तथा सुग्रीव को युवराज बनाकर पिहितमोह मुनि से दीक्षा ग्रहण की।

सूर्यवंश – *Sūryavaṁśa.*
One of the branch of *Ikshvaku* dynasty initiated from Arkkirti.
इक्ष्वाकु वंश की दो शाखाओं में एक शाखा। सूर्यवंश की शाखा भरत चक्रवर्ती के पुत्र अर्ककीर्ति से प्रारम्भ हुई क्योंकि अर्क नाम सूर्य का है।

सूर्यह्रद – *Sūryahrada*
Name of two lakes of *Devkuru* among all 10 lakes.
देवकुरु के 10 द्रहों में दो का नाम।

सूर्याचरण – *Sūryācaraṇa.*
Another name of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत का एक अपरनाम।

सूर्याभ – *Sūryābha.*
A type of special heavenly deities (*Laukantik*) deities, Name of the 36th city in the south of *Vijayardh* mountain.
लौकांतिक देवों का एक भेद, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का 36 वां नगर।

सूर्यावर्त – *Sūryāvarta.*
Another name of *Sumeru* mountain, Name of the bow of Ram.
सुमेरु पर्वत का अपरनाम, राम का एक धनुष।

सूवा – *Sūvā.*
See – *Sūaka.*
देखें – सूवक।

सृष्टि – *Sṛṣṭi.*
Creation of the world or universe.

संसार की रचना, प्रकृति, प्राकृतिक संपत्ति। वैदिक मतावलम्बी इसे मायावच्छिन्न ईश्वर की रचना मानते हैं। जबकि जैन धर्म के अनुसार सृष्टि की व्यवस्था स्वसंचालित अनादिनिधन है इसका कर्ता, हर्ता कोई भी नहीं है।

सेज्जाघर – *Sejjādhara.*

One having rights related to hermitage for saints
जो वसतिका को बनाता है वह, बनायी हुई वसतिका का संस्कार करता है अथवा गिरी हुई वसतिका को सुधारता है वह, एवं जो बनवाता नहीं है, संस्कार भी नहीं करता परन्तु यहाँ आप निवास करो ऐसा कहता है वह, ऐसे तीनों को सेज्जाघर कहते हैं।

सेन – *Sena.*

Name of the chief disciple of Lord Dharmanath
तीर्थंकर धर्मनाथ के मुख्य गणधर अरिष्टसेन का अपरनाम।

सेनसंघ – *Sensaṁgha*

Name of an ancient branch of *Digambar* Jain saints.
दिगम्बर जैन साधुओं का एक प्राचीन सम्प्रदाय। पद्मपुराण के कर्ता आचार्य रविषेण को इस संघ का आचार्य माना गया है। इसके अतिरिक्त इस संघ के भट्टारकों की भी एक पट्टावली प्रसिद्ध है।

सेना – *Senā.*

Army, Mother's name of Lord Sambhavanath. Name of the chief *Aryika (Ganini)* in the assembly of Lord Vasupujyanath.
हाथी, घोड़ा, रथ और प्यादे ये सेना के 4 अंग कहे गये हैं, तीर्थंकर सम्भवनाथ की जननी सुषेणा का अपरनाम, तीर्थंकर वासुपूज्यनाथ की मुख्य आर्यिका (गणिनी) सेनार्या का अपरनाम।

सेनापति – *Senāpati.*

The chief of the army, one of the 14 jewels of *Chakravarti* (emperor).
सेना का नायक, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में से एक रत्न।

सेनामुख – *Senāmukha.*

A specific form of army.
सेना गणना के 8 भेदों में तीसरा भेद। इसमें 9 रथ, 9 हाथी, 27 घोड़े और 45 पदाति सैनिक होते हैं।

सेमर – *Semara.*

A type of hellish tree.
नरक में होने वाला वृक्ष। जिसके पैने पत्ते नारकियों के शरीर को विदीर्ण कर देते हैं।

सेवन – *Sevana.*

Consumption or enjoyment.
उपभोग, सुखोपभोग या विषयोपभोग करना। राग के अभाव में यह उपभोग परिग्रह भाव को प्राप्त नहीं होता।

सेवा – *Sevā.*

Service, worship, homage.
परिचर्या, पूजा, सम्मान, दासता। शुद्धात्म भावना की सहकारीकारण उपासना सेवा है।

सेही – *Sehi.*

Porcupine, the significant symbol of Lord Anantnath.
तीर्थंकर अनन्तनाथ का चिन्ह।

सैंधव – *Saiṁdhava.*

Salt, Name of a country of *Bharat Kshetra* (region).
नमक, भरत क्षेत्र का एक देश, अपरनाम सिन्धु।

सैतव – *Saitava.*

Name of a country of *Bharat Kshetra* middle *Arya Khand* (region)
भरत क्षेत्र के मध्य आर्य खण्ड का एक देश।

सैद्धांतिक देव – *Saiddhāṁtika Deva.*

Name of a saint of *Nandi* group, the disciple of Subhchandra-II.
नंदिसंघ देशीयगण में 2 की गुर्वावलीनुसार शुभचन्द्र न. 2 के शिष्य। समय – ई 1015-1045।

सोगंधिक – *Sogaṁdhika.*

Symbolic name for a great number (10,000,000)[13].
संख्या का एक प्रमाण (10,000,000)[13]।

सोतांतर वाहिनी – *Sotāṁtara Vāhinī.*

Name of a *Vibhanga* river of the southern western *Videh* (region).
दक्षिणी अपर विदेह में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली एक विभंगा नदी। अपरनाम औषध वाहिनी।

सोनागिरि (तीर्थ) – *Sonagiri (Tirtha).*

Name a great Jaina moutaineous place of pilgrimage of M.P., from where crores of *Munis* (saints) including Nang & Anang got salvation.
मध्यप्रदेश के दतिया जिले में पर्वत पर स्थित एक परम पावन सिद्धक्षेत्र जहां से नंग–अनंग कुमार साढ़े पाँच करोड़ मुनियों सहित मोक्ष पधारे। इस पर्वत की वंदना लोग बड़ी श्रद्धा से करते हैं।

सोपक्रम आयुष्क – *Sopakrama Āyuṣka.*

Those having untimely death due to poison etc
जीव के दो भेदों में एक भेद। जिनका विष भक्षण आदि निमित्त के द्वारा मरण संभव है अर्थात् जिनका कदलीघात मरण या अकाल मृत्यु हो। जिनका आयुकर्म स्थिति से पहले ही उदीरणारूप हो जावे, वह सोपक्रम आयुष्क कहलाते हैं।

सोपक्रम काल – *Sopakrama Kāla.*

A constantly productive period of time.
उत्पत्ति सहित काल को सोपक्रम काल कहते हैं अर्थात् लगातार उत्पत्ति होने का समय। 10,000 वर्ष की जघन्य आयु वाले अनेकों व्यन्तर लगातार आवली के असंख्यात भाग मात्र कालपर्यन्त उत्पन्न होते ही रहें व कोई समय अन्तर न पड़े वह सोपक्रम काल है।

सोपाधिक अनुमान – *Sopādhika Anumāna.*

An inferable imagination (reg. any title).

साधन के साथ अव्यापक और साध्य के साथ व्यापक हेतु को उपाधि कहा जाता है; जैसे गर्भ में स्थित मैत्र का पुत्र श्याम वर्ण का है, क्योंकि मैत्र के अन्य पुत्र भी श्यामवर्ण के हैं इस तरह यह अनुमान सोपाधिक है ।

सोम – *Soma.*

A day - Monday, Name of a governing deity of *Diggajendra* mountain situated in *Bhadrashal* forest

सप्ताह के एक वार अथवा दिन का नाम, भद्रशाल वनस्थ पद्मोत्तर दिग्गजेन्द्र का स्वामी देव

सोम (लोकपाल) – *Soma (Lokapāla).*

A type of protecting deity.

प्रत्येक इन्द्र के पूर्वादि दिशाओं के रक्षक लोकपालों में प्रथम पूर्व दिशा का लोकपाल देव ।

सोमक – *Somaka*

Name of the first chief disciple of Lord Naminath.

तीर्थंकर नमिनाथ के प्रथम गणधर । अपरनाम-सुभम, सुप्रभार्य ।

सोमकायिक – *Somakāyika.*

A type of deities.

आकाशोपपन्न देवों के 12 भेदों में 5 वां भेद ।

सोमकीर्ति – *Somakirti.*

Name of a saint of *Kashtha* group, the disciple of Bhimsen.

काष्ठासंघ की पट्टावली के अनुसार भीमसेन के शिष्य । प्रद्युम्न चरित्र, सप्तव्यसन चरित्र, यशोधर चरित्र, सप्तव्यसन कथा कृतियों के रचयिता । समय – ई. 1461-1483 ।

सोमदत्त – *Somadatta*

Name of the 8th chief disciple of Lord Rishabhnath, Name of a particular person of Jaina History.

तीर्थंकर वृषभनाथ के 8वें गणधर । एक सेठ जिन्होंने जिनदत्त सेठ से आकाशगामिनी विद्या को सिद्ध करने का उपाय सीखा, परन्तु अस्थिर चित्त के कारण सिद्ध न कर सके, उसको विद्युच्चर चोर ने सिद्ध किया ।

सोमदेव – *Somadeva .*

Name of a great logical philosopher.

महातार्किक तथा राजनैतिक धर्माचार्य । नीति वाक्यामृत, यशस्तिलक चम्पू, अध्यात्म तरंगिनी, युक्तिचिन्तामणिस्तव आदि कृतियों के कर्ता । समय – ई. 943-968 ।

सोमदेव (भट्टारक) – *Somadeva (Bhattāraka).*

Name of a *Bhattarak*, the writer of *'Vrihad Katha Sarit Sagar'.*

बृहद् कथा सरित सागर के रचयिता एक भट्टारक । समय – ई. 1061-1081 ।

सोमनाथ – *Somanatha.*

The writer of *Kalyankarak*, the learned one in *Ayurved.*

कल्याणकारक के रचयिता एक कन्नड़ आयुर्वेदिक विद्वान । समय – ई. 1150 ।

सोमप्रभ – *Somaprabha.*

The brother of king Shreyans, who first offered food to Lord Rishabhdev

हस्तिनापुर के एक कुरुवंशी राजा जिन्होंने अपने छोटे भाई श्रेयांस के साथ भगवान ऋषभदेव को इक्षुरस का प्रथम आहार दिया था । अंत में दीक्षा ग्रहणकर भगवान के समवशरण में उनके गणधर हुए ।

सोमयश – *Somayaśa*

The grandson of Lord Rishabhdev, the son of Lord Bahubali.

भगवान ऋषभदेव का पौत्र एवं बाहुबलि का पुत्र, सोमवंश अर्थात चन्द्रवंश की स्थापना इसी के नाम पर हुई थी ।

सोमवंश – *Somavamśa.*

Another name of *Chandravansh* (a dynasty) initiated from the son of Lord Bahubali.

चन्द्रवंश । देखें – सोमयश । सोमवंश को ऋषिवंश भी कहते है ।

सोमशर्मा – *Somaśarmā.*

Name of a *Brahmin* character of a Jaina tale.

एक ब्राह्मण, इसने अपनी कन्या सोमश्री का विवाह गजकुमार से करने का निश्चय किया ही था कि गजकुमार विरक्त होकर दीक्षित हो गये । गजकुमार के ऐसा करने से क्रोध में आकर इसने उनके सिर पर अग्नि जलाई थी । उपसर्ग जीतकर गजकुमार मोक्ष गये।

सोमा – *Somā.*

The mother of Lord Munisuvratnath, A great female character in Jaina history.

राजगृह नगर के राजा सुमित्र की रानी जो तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ की जननी थी । एक सती जिसने अपने शील के प्रभाव से नाग को भी हार बना दिया था ।

सोमिल – *Somila.*

Name of an omniscient who was in the period of Lord Mahavira.

तीर्थंकर महावीर के तीर्थ में हुए 10 अन्तकृतकेवलियों में एक केवली ।

सोरठ – *Soratha.*

Name of a country of *Bharat Kshatra* (region).

भरत क्षेत्र का एक देश, अपरनाम सौराष्ट्र ।

सौक्ष्म्य – *Sauksmya.*

Subtleness.

सूक्ष्म; पुद्गल द्रव्य की एक पर्याय । सूक्ष्मपना ।

सौधर्म इन्द्र – *Saudharma Indra.*

Name of an *Indra* of *Saudharma* heaven.

सौधर्म स्वर्ग का इन्द्र । यह जिन शिशु को सुमेरुपर्वत पर ले जाकर एक हजार आठ कलशों से उनका अभिषेक करता है ।

सौधर्म स्वर्ग – *Saudharma Svarga.*

Name of the first heaven among 16.

16 कल्पों (स्वर्गों) में प्रथम कल्प ।

सौनंदक – *Saunandaka.*

Name of a dominion 'sword' of *Chakravarti* Bharlesh.

चक्रवर्ती भरतेश के असि रत्न का नाम ।

सौभाग्य – *Saubhāgya.*

Fortune, good luck, prosperity.

अच्छा भाग्य, समृद्धि ।

सौभाग्यदसमी व्रत – *Saubhāgyadasami Vrata*

A particular type of vow (fasting).

भादों सुदी दशमी को किया जाने वाला व्रत । इसे सुगंधदशमी व्रत भी कहते हैं ।

सौमनस – *Saumanasa.*

Name of the 8th city in the north of *Vijayardh* mountain, Name of a city of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region).

विजयार्ध की उत्तर श्रेणी का 8वां नगर, भरत क्षेत्र के आर्यखण्ड का एक नगर, जहाँ तीर्थंकर सुमतिनाथ का प्रथम पारणा हुआ था ।

सौमनस वन – *Saumanasa Vana.*

Name of the third forest of *Sumeru* mountain.

सुमेरू पर्वत का तीसरा वन, यह नंदनवन से साढ़े 62 हजार योजन ऊपर स्थित है, इसमें चार दिशाओं में चार अकृत्रिम चैत्यालय हैं ।

सौम्य चर्चा – *Saumya Carcā.*

Polite & interesting dialogues or discussions.

प्रिय, मृदुल, रूचिकर, गुरु–शिष्य आदि की चर्चा या संवाद ।

सौम्या वाचना – *Saumyā Vācanā.*

A type of explanation or exposition.

सिद्धांत वाचना के 4 भेदों में एक भेद ।

सौराष्ट्र – *Saurāṣṭra.*

Name of a country of *Bharat Kshetra Arya Khand* (region), A region of Gujarat state (presently).

भरतक्षेत्र आर्यखण्ड का एक देश । वर्तमान गुजरात प्रांत का एक भाग ।

सौवीर भुक्ति व्रत – *Sauvira Bhukti Vrata.*

A specified procedural vow (fasting).

प्रारम्भ करने के दिन से पहिले दिन एक बार परोसा भोजन करना, अगले दिन उपवास करना । पश्चात् एक ग्रास वृद्धि क्रम से एक ग्रास से 10 ग्रास पर्यन्त 10 दिन तक भात व इमली का भोजन करना । पुनः उससे अगले दिन से एक हानि क्रम से 10 वें दिन 1 ग्रास ग्रहण करना । अंतिम दिन उपरोक्त एक बार परोसा भोजन (एकलठाना) करना । चारित्रसार में इसी को आचाम्लवर्धन कहा गया है ।

सौषिर शब्द – *Sauṣira Śabda.*

Non-verbal sound

अभाषात्मक शब्द का एक भेद । बांसुरी, शंख आदि से उत्पन्न शब्द सौषिर कहलाते हैं ।

स्कंध – *Skandha*

Aggregate of particles, A part of *Agrayani Purva* (an scriptural part).

परमाणुओं के संघात (मेल) से उत्पन्न पुद्गल का भेद । यह स्निग्ध और रूक्ष परमाणुओं का समुदाय है । इसके सूक्ष्म-सूक्ष्म, सूक्ष्म, सूक्ष्म-स्थूल, स्थूल-सूक्ष्म, स्थूल और स्थूल-स्थूल ये 6 भेद हैं । अग्रायणी पूर्व के चौथे प्राभृत का 24 वां अनुयोगद्वार ।

स्कंध देश – *Skandha Deśa.*

The half of the aggregates of infinite particles.

स्कंध के तीन भेदों में एक भेद । अनंतानंत परमाणुओं का बंध विशेष स्कन्ध है, उसके अर्ध को स्कन्ध देश कहते हैं ।

स्कंध प्रदेश – *Skandha Pradeśa.*

The half of the *Skandh Desh* (See-*Skandha Deśa*).

स्कंध देश से आधे स्कन्ध को स्कन्ध प्रदेश कहते हैं । (देखें – स्कंध देश) ।

स्तंभन – *Stambhana.*

To stop, A super miraculous power to be used in stopping an army.

रोकना, एक विद्या एवं मंत्र, इससे विद्याधर, सेना आदि को रोका जाता है ।

स्तंभावष्टंभ – *Stambhāvaṣṭambha.*

Standing with support of something, an infraction of meditative relaxation.

कायोत्सर्ग सम्बन्धी एक अतिचार । खम्भे के आश्रय से खड़े होना ।

स्तनदृष्टि – *Stanadṛṣṭi*

Standing with down - bent neck, an infraction of meditative relaxation.

कायोत्सर्ग सम्बन्धी 18 दोषों में एक दोष । स्तन की ओर दृष्टि देकर खड़े होना ।

स्तनित – *Stanita.*

A type of residential deities.

भवनवासी देवों के 10 भेदों में सातवां भेद । इनके इन्द्र हरिषेण व हरिकांत हैं । इनके 76 लाख भवन होते हैं और मुकुट में वज्र का चिन्ह होता है ।

स्तनित कुमार – *Stanita Kumāra.*

A type of residential deities.

देखें – स्तनित ।

स्तनोन्नति – *Stanonnati.*

Standing with the chest stuck out, an infraction of meditative relaxation

कायोत्सर्ग सम्बन्धी एक दोष । वक्षस्थल के स्तनभाग को ऊपर उठा कर खड़े होना ।

स्तब्धत्व – *Stabdhatva.*

Stunnedness, astonishment, Pride.

भौंचक्का रह जाना, मान, गर्व और स्तब्धत्व ये एकार्थवाची हैं ।

स्तव – *Stava.*

Hymning or praising (of 24 *Tirthankars*, Jaina-Lords).

24 तीर्थकरों के गुणों का कीर्तन करना स्तव कहलाता है। इसे स्तवन या स्तुति भी कहते हैं।

स्तवन – *Stavana.*

See - *Stava*

देखें – स्तव।

स्तिमितसागर – *Stimitasāgara.*

Name of the third son of king Andhakvrishni.

राजा अन्धकवृष्णि एवं रानी सुभद्रा का तीसरा पुत्र।

स्तिबुक संक्रमण – *Stibuka Saṁkramaṇa.*

Simultaneous fruition of non-rising *Karmic* nature with another rising one.

गति, जाति आदि पिंड प्रकृतियों में से जिस किसी विवक्षित प्रकृति के उदय आने पर अनुदय प्राप्त शेष प्रकृतियों का जो उसी प्रकृति में संक्रमण होकर उदय आता है, उसे स्तिबुक संक्रमण कहते हैं। जैसे एकेन्द्रिय जीवों के उदय प्राप्त एकेन्द्रिय जाति नामकर्म में अनुदय प्राप्त द्वीन्द्रिय जाति आदि का संक्रमण होकर उदय में आना।

स्तुति – *Stuti.*

Praising, hymning.

देखें - स्तव।

स्तुति विद्या – *Stuti Vidyā.*

Name of a treatise written by *Acharya* Samantbhadra.

आचार्य समन्तभद्र द्वारा संस्कृत भक्ति विषयक ग्रन्थ, जिनशतक। समय - ई. 120-185।

स्तूप – *Stūpa.*

A dome shaped structure (a type of creation in the *Samavasharana*, the assembly of Lord).

समवशरण रचना का एक अंग। ये समवशरण की वीथियों के मध्यभाग में बनाये जाते हैं। अर्हंत और सिद्ध परमेष्ठियों की प्रतिमायें इनके चारों ओर स्थापित की जाती हैं।

स्तेन प्रयोग – *Stena Prayoga.*

Inspiring one for stealing, an infraction of the vow of non-stealing.

अचौर्य अणुव्रत का एक अतिचार। कृत, कारित, अनुमोदना से चोर को चोरी के लिये प्रेरित करना।

स्तेनित – *Stenita.*

Paying reverence latently - an infraction.

वन्दना सम्बन्धी एक दोष। गुरुजनों से छिपाकर वंदना करना।

स्तेय – *Steya.*

Stealing.

चोरी। बिना दी हुई वस्तु को लेना।

स्तेयानंद – *Steyānanda.*

To feel pleasure in theft.

रौद्रध्यान के 4 भेदों में एक भेद, चौर्यानंद। प्रमादपूर्वक दूसरे के धन को बलात् हरने का अभिप्राय रखना या उसमें हर्षित होना।

स्तोक – *Stoka.*

A small unit of time period required in 14 breathing cycle

काल का प्रमाण विशेष, 14 उच्छ्वास-निश्वासों में लगने वाला समय। इसे लव या नालिका भी कहते हैं।

स्तोत्र – *Stotra.*

Spiritual and religious hymn.

कविता के रूप में किसी इष्ट देव का वर्णन करना। प्रशंसा, स्तुति, स्तोत्र एकार्थवाची हैं। भिन्न-भिन्न आचार्यों ने अनेक स्तोत्र लिखे हैं।

स्त्यानगृद्धि – *Styānagṛddhi.*

To commit abnormal activity in the state of somnambulism (walking habit in the sleeping state).

5 निद्राओं में एक निद्रा, स्वप्न में उठकर व्यक्ति कोई भयानक (असाधारण) कार्य करके पुन: सो जाये।

स्त्यानगृद्धि कर्म प्रकृति – *Styānagṛddhi Karma Prakṛti*

A *Karmic* nature causing power of committing abnormal activity in the state of somnambulism

दर्शनावरण कर्म की उत्तर प्रकृतियों में एक प्रकृति, जिसके निमित्त से स्वप्न अवस्था में विशेष शक्ति प्रकट होती है और जीव सोता हुआ भी भयानक (असाधारण) कार्य करता है उसे स्त्यानगृद्धि निद्रा कहते हैं।

स्त्यानत्रिक – *Styānatrika.*

A triplet of *Karmic* nature related to sleepiness.

स्त्यानगृद्धि, निद्रानिद्रा, प्रचलाप्रचला ये तीन कर्म प्रकृतियाँ स्त्यानत्रिक कहलाती हैं।

स्त्रीकथा – *Strīkathā.*

Passionate tale or romantic gossip

विकथा के 4 भेदों में एक भेद। स्त्रियों की रागोत्पादक कथाओं को सुनना या करना अथवा कामीजनों द्वारा की जाने वाली स्त्रियों की संयोग-वियोग जनित विविध वचन रचना।

स्त्री परिषह जय – *Strī Pariṣaha Jaya.*

Victory over the women - affliction causing sexual troubles.

एकांत उद्यान या भवन आदि स्थानों में यौवन से उन्मत्त स्त्रियों के द्वारा बाधा पहुंचाये जाने पर भी कामविकार से विचलित नहीं होना।

स्त्रीप्रवज्या – *Strīpravajyā.*

Initiation of a woman for asceticism.

स्त्री द्वारा संपूर्ण परिग्रह त्याग करके दीक्षा धारण करना (उपचार से महाव्रती होते हुए भी सावरण होने से स्त्रियों को मुक्ति नहीं होती है)।

स्त्रीमुक्ति – *Strīmukti.*

Salvation of female Jaina saints (which is not possible according to *Digambar* Jaina

philosophy)
स्त्री मुक्ति का आगम में निषेध है। पुरुष, स्त्री एवं नपुंसक तीनों ही भाव लिंगों से मोक्ष सम्भव है लेकिन द्रव्य से केवल पुरुषवेद से ही मोक्ष होता है।

स्त्रीवेद – *Strīveda.*
Femininity (pertaining to sex)
जिसके उदय से जीव स्त्री सम्बन्धी भावों को प्राप्त होता है वह स्त्री वेद है, अथवा जिन कर्म स्कन्धों के उदय से पुरुष में आकांक्षा उत्पन्न होती है, उन कर्म स्कन्धों को 'स्त्रीवेद' यह संज्ञा है। अथवा जिसके उदय से पुरुष में रमने के भाव हों वह स्त्रीवेद है।

स्त्रीवेद कर्म प्रकृति – *Strīveda Karma Prakṛti.*
Karmic nature causing sexual desire in woman.
देखें – स्त्रीवेद। नो कषाय का एक भेद जिसके उदय से पुरुष से संयोग की चाह हो।

स्त्री संसर्ग – *Strī Saṁsarga.*
Sexual intercourse.
पुरुष का स्त्री के साथ संयोग करना।

स्थंडिल – *Sthaṁḍila.*
Sterilized (place etc.).
सूक्ष्म जीवों की आशंका से रहित प्रासुक स्थान आदि।

स्थपति – *Sthapati.*
Architect, one of the 14 jewels of *Chakravarti* (emperor).
भवन निर्माण कला में निपुण वास्तुकार, चक्रवर्ती के 14 रत्नों में एक रत्न। जो वास्तुविद्या का पारगामी होता है।

स्थलगता चूलिका – *Sthalagatā Cūlikā.*
A great scriptural part of *Drishtivad Anga (Dṛṣṭivāda Aṁga).*
दृष्टिवाद अंग के अन्तर्गत चूलिका के 5 भेदों में एक भेद। इसमें दो करोड़ 9 लाख 89 हजार दो सौ पद हैं। इसमें पृथिवी के भीतर गमन करने के कारणभूत मंत्र तंत्र और तपश्चरण व वास्तुविद्या तथा भूमि सम्बन्धी अन्य शुभाशुभ लक्षणों का वर्णन किया गया है।

स्थविर कल्प – *Sthavira Kalpa.*
Code of conduct of a Jaina saint.
समस्त वस्त्र आदि परिग्रह का त्याग करके दिगम्बर होना। 13 प्रकार के चारित्र व 28 मूलगुणों को धारण करना, हीन संहनन होने के कारण नगर आदि में विहार करना, चारित्र भंग न हो ऐसे उपकरणों को रखना, शिष्यों का पालन करना यह सब हीन संहनन वाले साधुओं के योग्य स्थविर कल्प है।

स्थविर कल्पी – *Sthavira Kalpī.*
One observing asceticism under the guidance of senior *Acharya* (saint).
जो साधु एकलविहारी नहीं हो सकते हैं एवं स्थविर कल्प में स्थित रहते हैं वे स्थविर कल्पी कहलाते हैं। उत्तम संहनन वाला, परिषह विजयी, सिद्धान्त का ज्ञाता तपस्वी ही एकलविहारी अर्थात् जिनकल्पी होता है।

स्थविरवादी मत – *Sthaviravādī Mata.*
Name of a Bauddha sect.
एक बौद्ध सम्प्रदाय, यह 11 संघों में विभक्त हुआ। इन शाखाओं का कोई विशेष उल्लेख अब नहीं मिलता है।

स्थविर मुनि – *Sthavira Muni.*
Senior saint guiding own saint - tradition
चतुर्विध संघ के पाँच आधारों (आचार्य, उपाध्याय, गणधर, प्रवर्तक और स्थविर) में एक, जो मुनि संघ में संघ की रीति व प्राचीन परम्परा बताये वह स्थविर मुनि होते हैं।

स्थान – *Sthāna.*
Place, position
जगह। जिसमें संख्या अथवा जिस अवस्था विशेष में प्रकृतियाँ ठहरती हैं उसे स्थान कहते हैं। स्थान, स्थिति और अवस्थान तीनों एकार्थक हैं। अविभाग प्रतिच्छेदों का समूह वर्ग, वर्ग का समूह वर्गणा, वर्गणा का समूह स्पर्धक, स्पर्धक का समूह गुणहानि और गुणहानि का समूह स्थान है।

स्थानकवासी – *Sthānakavāsī.*
Name of a sect of Shvetambar Jains
श्वेताम्बरों में वह आम्नाय जो मूर्ति नहीं पूजते हैं, जिनके साधु मुँह पर पट्टी रखते हैं।

स्थान लाभ क्रिया – *Sthāna Lābha Kriyā.*
An auspicious procedural activity of initiation of one as a *Shravak.*
दीक्षान्वय की 48 क्रियाओं में तीसरी क्रिया। इसमें किसी पवित्र स्थान में अष्टदल कमल अथवा समवशरण की रचना करके उपवासी को प्रतिमा के सम्मुख बैठाकर आचार्य उसके मस्तक का स्पर्श करता है और पंच नमस्कार मंत्र के उच्चारण के साथ उसे श्रावक की दीक्षा देता है।

स्थानांग – *Sthānāṁga.*
A part of scriptural knowledge (*Dvadshang Shrut*).
द्वादशांग श्रुत स्कन्ध का तीसरा अंग। इसमें 42000 पदों में जीव के 10 स्थानों का वर्णन है।

स्थानांतर गमन – *Sthānāṁtara Gamana.*
The activity of going from one place to another (by saints on getting obstacle at one food taking place)
एक स्थान से उठकर अन्यत्र चले जाने योग्य अवसर, भोजन के स्थान पर यदि चींटा आदि क्षुद्र जीव-जन्तु चलते फिरते नजर आ जायें या ऐसा ही कोई दूसरा निमित्त उपस्थित हो जाये तो संयमियों का वहाँ से कोई दूसरी जगह आहारार्थ मौनपूर्वक चले जाना।

स्थापना – *Sthāpanā.*
Installation, establishment, positioning, representation
धारणा, स्थापना, कोष्ठा, प्रतिष्ठा एकार्थवाची हैं। जिसके द्वारा निर्णीत रूप से अर्थ स्थापित किया जाता है वह स्थापना है।

स्थापना पूजा – *Sthāpanā Pūjā.*

Consecrational worship.
वीतराग प्रतिमा में अर्हन्त आदि की स्थापना करके जो पूजा की जाती है वह स्थापना पूजा है ।

स्थापना निक्षेप – *Sthāpanā Nikṣepa.*

Installation of a real form into its artificial one.
धातु, काष्ठ, पाषाण आदि की प्रतिमा तथा अन्य पदार्थों में यह वह है इस प्रकार की कल्पना करना स्थापना निक्षेप है ।

स्थापना मंगल – *Sthāpanā Maṁgala.*

Idols of Lord Arihant (artificial & natural form).
जिन भगवान के जो अकृत्रिम और कृत्रिम प्रतिबिम्ब हैं, वे सब स्थापना मंगल हैं ।

स्थापना सत्य – *Sthāpanā Satya.*

Ritual installation of Lord Arihant in artificial idols.
जो अर्हन्त आदि पंच परमेष्ठी की पाषाण या धातु आदि की प्रतिमा में स्थापना की जाती है वह स्थापना सत्य है ।

स्थापना स्तव – *Sthāpanā Stava.*

Hymning the idols of Lord Arihant.
जिनेन्द्र भगवान के गुणों को धारण करने वाली जिन-प्रतिमाओं के स्वरूप का कीर्तन करना स्थापना स्तव है ।

स्थावर – *Sthāvara.*

Immobile or static beings like earth, water, air, fire & plants (one-sensed).
स्थावर नामकर्म के उदय से जीव स्थावर कहलाते हैं। स्थावर जीव एक स्पर्शन इन्द्रिय के द्वारा ही जानता, देखता, खाता है इसलिये उसे एकेन्द्रिय स्थावर जीव कहा है । इसके पाँच भेद हैं- पृथ्वीकाय, जलकाय, अग्निकाय, वायुकाय और वनस्पति काय ।

स्थावर जीव – *Sthāvara Jīva.*

Transmigratory state of soul (reg. immobile or static beings like earth, water, fire, air & plants).
5 स्थावरों के 4 भेदों में एक भेद। जो जीव पहले शरीर को छोड़कर स्थावरों में जन्म लेने के लिये जा रहा है, जब तक वह स्थावरों को अपने शरीर रूप से ग्रहण नहीं कर लेता, तब तक उसी जीव को स्थावर जीव कहते हैं ।

स्थावर दशक – *Sthāvara Daśaka.*

Particular ten types of *Karmic* natures related to immobile beings.
स्थावर, सूक्ष्म, अपर्याप्त, साधारण, अस्थिर, अशुभ, दुर्भग, दुःस्वर, अनादेय, अयशःकीर्ति ये नामकर्म की 10 प्रकृतियाँ स्थावर दशक कहलाती हैं ।

स्थावर शरीर नामकर्म प्रकृति– *Sthāvara Śarīra Nāmakarma Prakṛti.*

Physique making *Karmic* nature causing birth as one-sensed being.
जिसके उदय से एकेन्द्रियों में उत्पत्ति होती है वह स्थावर नामकर्म प्रकृति है ।

स्थिति – *Sthiti.*

Situation, Circumstances, *Karmic* state (reg. duration of *Karmas*).
ठहरना, कर्मों के अवस्थान काल का नाम स्थिति है ।

स्थिति अपसरण – *Sthiti Apasaraṇa.*

Reduction in duration of bound *Karmas.*
कर्मों की स्थिति का क्रम से घटना ।

स्थितिकरण – *Sthitikaraṇa.*

Re-steadiness of one in religion (a part of right perception).
सम्यग्दर्शन के 8 अंगों में एक अंग। धर्म से विचलित होते हुए जीवों को या स्वयं को धर्म में पुनः दृढ़ करना स्थितिकरण अंग है ।

स्थितिकल्प – *Sthitikalpa.*

Ten types of code of conduct for a saint.
व्यवहार साधु के 10 स्थितिकल्प हैं : अचेलकत्व, उद्दिष्ट भोजन का त्याग, शय्याधरपिंडत्याग, वसतिका बनवाने या सुधरवाने वाले के द्वारा दिये जाने वाले आहार एवं उपकरण का त्याग, राजपिंड का त्याग, कृतिकर्म अर्थात् साधुओं की विनय शुश्रूषा आदि करना, व्रत का जिसे स्वरूप मालूम है उसे ही व्रत देना, ज्येष्ठ का विनय करना, प्रतिक्रमण, मासैकवासता, योग (वर्षाकाल में चातुर्मास) ।

स्थिति कांडक घात – *Sthiti Kāṇḍaka Ghāta.*

A type of destruction of *Karmic* states.
विवक्षित स्थिति समूह का घात करना स्थिति काण्डकघात है। यह एक अन्तर्मुहूर्त में निष्पन्न होता है ।

स्थिति क्षय – *Sthiti Kṣaya.*

Destruction of *Karmic* states.
कर्मों की स्थिति का घात होना ।

स्थिति खंड – *Sthiti Khaṇḍa.*

Destruction of *Karmic* binding with soul.
ऊपर के कर्म निषेकों को नीचे के निषेकरूप परिणमा कर स्थिति को घटाना ।

स्थिति घात – *Sthiti Ghāta.*

Destruction of *Karmic* time duration.
अपकर्षण। आयु को छोड़कर शेष कर्मों का अनुभाग के बिना भी स्थितिघात होता है और आयु को छोड़कर शेष कर्मों का स्थितिघात के बिना भी अनुभागघात होता है ।

स्थिति तप – *Sthiti Tapa.*

A type of austerity.
कायक्लेश तप का एक भेद ।

स्थिति बंध – *Sthiti Bandha.*

Binding period of *Karmas* with soul.
कर्मबंध के 4 भेदों में एक भेद। कर्मों में कषायों के अनुसार मर्यादा का पड़ना। अर्थात् अपने स्वभाव को नहीं छोड़ते हुए जितने काल तक कर्म आत्मा के साथ बंधे रहते हैं उसे स्थितिबंध कहते हैं ।

स्थिति बंध अध्यवसाय स्थान – *Sthiti Bandha Adhyavasāya Sthāna.*

Passionful thoughts causing binding of *Karmas* with the soul.
स्थितिबंध के लिये कारणभूत आत्मा के कषाय युक्त परिणाम। इनको कषाय अध्यवसाय स्थान भी कहते हैं।

स्थिति बंध स्थान – *Sthiti Bamdha Sthāna.*

Position of thoughts causing *Karmic* binding.
जिन परिणामों के द्वारा स्थितियाँ बांधी जाती हैं उन परिणामों का नाम स्थिति बन्ध है, उनके स्थानों को (अवस्था विशेषों को) स्थिति बन्ध स्थान कहते हैं।

स्थिति बंधापसरण – *Sthiti Bamdhāpasaraṇa.*

Reduction of *Karmic* binding with soul.
स्थिति बंध का क्रम से घटना।

स्थिति भोजन – *Sthiti Bhojana.*

One of the 28 basic restraints of Jaina saints, procedural taking food by standing without any support.
साधु का एक मूलगुण। दीवाल आदि का सहारा न लेकर स्वयं स्थिर खड़े रहकर अपनी अंजली में आहार ग्रहण करना स्थिति भोजन कहलाता है।

स्थिति शक्ति – *Sthiti Śakti.*

Strength of *Karmic* binding.
प्रथम आदि निषेकों की सर्व ही स्थिति शक्ति स्थिति है।

स्थिति संक्रमण – *Sthiti Samkramaṇa.*

Transition of *Karmic* states.
मूल व उत्तर प्रकृतियों की जो स्थिति उद्वर्तित या अपवर्तित की जाती है अथवा अन्य प्रकृति को प्राप्त कराई जाती है उसे स्थिति संक्रमण कहते हैं।

स्थिति सत्त्व – *Sthiti Sattva.*

Existing states of *Karmic* binding with soul.
जीव से सम्बद्ध हुए या संचित कर्म स्कंध दूसरे समय से लेकर फल देने से पहले समय तक सत्त्व संज्ञा को प्राप्त होते हैं। अथवा सत्ता में स्थित अनेक समयों में बंधी प्रकृतियों की स्थिति के सत्त्व को स्थिति सत्त्व कहते हैं।

स्थिति सत्त्व स्थान – *Sthiti Sattva Sthāna.*

Existing places of *Karmic* states.
अविचल, कर्मों की स्थिति के सत्ता रूप विविध स्थान।

स्थिर – *Sthira.*

Stable, Constant, Name of a governing deity of *Anka* summit situated at *Kundal* mountain.
अविचल, कुण्डल पर्वतस्थ अंक कूट का स्वामी देव।

स्थिर आसन – *Sthira Āsana.*

A stable posture of deep meditation.
ध्याता का एक लक्षण। शरीर व ध्यान योग्य आसन की स्थिरता। या चंचलता रहित आसन।

स्थिर चित्त – *Sthira Citta.*

Concentration of mind.
चित्त की एकाग्रता, इसी का नाम ध्यान है।

स्थिर नामकर्म प्रकृति – *Sthira Nāmakarma Prakṛti.*

Physique making *Karmic* nature causing physical stability & strength while fasting or observing any austerity.
जिस कर्म के उदय से उपवास आदि तप करने पर शरीर में वात, पित्त व कफ की स्थिरता बनी रहती है और शरीर कमजोर या अशक्त नहीं होता है उसे स्थिर नामकर्म प्रकृति कहते हैं।

स्थिर भाव – *Sthira Bhāva.*

Stable emotions or temperaments, stability of mental state
चित्त को निश्चल रखना अर्थात् आत्मस्थिरता या समता भाव, सामायिक।

स्थिर हृदय – *Sthira Hṛdaya.*

Stable mind, Name of a deity resident of *Ank* summit of western *Kundalgiri.*
अविचल मन, कुण्डलगिरि के पश्चिम दिशा में स्थित अंककूट का निवासी एक देव।

स्थूल – *Sthūla.*

State of grossness.
मोटा, बड़ा, स्कंध के 6 भेदों में प्रथम भेद–जो छेदन भेदन करने पर स्वयं जुड़ जाते हैं ऐसे घी, तेल, पानी आदि स्थूल स्कंध कहलाते हैं।

स्थूल अब्रह्म – *Sthūla Abrahma.*

Licentiousness, bad conduct.
अपनी स्त्री के अलावा अन्य स्त्रियों के प्रति बुरी दृष्टि रखना या कुदृष्टि से उन्हें देखना। श्रावक इससे विरक्त होते हैं।

स्थूल ऋजुसूत्र नय – *Sthūla Ṛjusutra Naya.*

A view point related to the gross momentary state of something (body etc.).
अनेक समयवर्ती स्थूल पर्याय को जो ग्रहण करे वह नय, जैसे – मनुष्यादि पर्याय।

स्थूल चोरी – *Sthūla Corī.*

Stealing-to take something without permission.
किसी की रखी हुई, भूली हुई या गिरी हुई वस्तु को लेना स्थूल चोरी है, श्रावक इसका त्यागी होता है।

स्थूल जीव – *Sthūla Jīva.*

One sensed beings having gross body.
एकेन्द्रिय जीव के दो भेदों में एक भेद। बादर जीव।

स्थूल परिग्रह – *Sthūla Parigraha.*

Ten types of external possessions of householders.
10 प्रकार के बहिरंग परिग्रह को स्थूल परिग्रह कहते हैं।

स्थूल भद्र – *Sthūla Bhadra.*

Name of a *Shvetambaracharya.*
एक श्वेताम्बराचार्य का नाम।

स्थूल व्रत – *Sthūla Vrata* .

To desist from killing, telling lie, stealing etc. (a vow)
अणुव्रत। अर्थात् लोक प्रसिद्ध हिंसादि को स्थूल कहते हैं, उनका त्याग ही स्थूल व्रत है।

स्थूल सूक्ष्म – *Sthūla Sukṣma* .

Disappearable bulky image of something which can only be seen (like shadow, smoke, sunlight etc.)
स्कंध के 6 भेदों में एक भेद। जो स्कंध चक्षु इन्द्रिय के द्वारा ग्राह्य होकर भी अन्य इन्द्रियों से ग्रहण नहीं किये जा सकते हैं। जैसे - छाया, धूप, चांदनी, आदि।

स्थूल - स्थूल – *Sthūla-Sthūla* .

Solid materials (which can not be rejoined on breaking)
स्कंध के 6 भेदों में अंतिम भेद। जो स्कंध टूटने पर स्वतः नहीं जुड़ सकते ऐसे काष्ठ, पत्थर आदि।

स्थैर्य – *Sthairya* .

Stability, continuity, steadiness.
धैर्य, स्थिर।

स्थौल्य – *Sthaulya* .

Groseness, bulkiness.
स्थूल का भाव या कर्म स्थौल्य है।

स्नात – *Snāta*

One who has taken a bath.
स्नान किया हुआ।

स्नातक – *Snātaka* .

Omniscients (those who have destroyed all 4 destructive *Karmas*).
निर्ग्रन्थ साधुओं के 5 भेदों में एक भेद। जिन्होंने 4 घातिया कर्मों का नाश कर दिया है उन केवलियों (13वें एवं 14वें गुणस्थानवर्ती) को स्नातक कहते हैं।

स्नान – *Snāna*

To take bath (it is restricted for Jaina saints - as a basic restraint).
शरीर की शुद्धि के लिए जल से नहाना। साधुओं का अस्नान नामक मूलगुण होता है।

स्नायु – *Snāyu* .

Ligament, sinew, Fibrous tissue which unites muscles to bone.
मांस-पेशियों को अस्थियों से जोड़ने वाला ऊतक, औदारिक शरीर में स्नायु का प्रमाण 900 है।

स्निग्ध – *Snigdha* .

Greasy, Oily, Lubricous.
चिकना या चिक्कणपना।

स्निग्ध गुण – *Snigdha Guṇa* .

Greasiness, Smoothness.
पुद्गलों के स्नेह और रूक्ष दो गुणों में एक गुण। चिक्कणपना अर्थात् चिकनाई, जिसके कारण परमाणुओं में बंध होता है।

स्निग्धत्व – *Snigdhatva*

Greasiness, lubricity, smoothness.
परमाणु बंध का एक कारण। देखें – स्निग्ध गुण।

स्नेह – *Sneha* .

Affection, love, liking.
वात्सल्य, प्रेम।

स्पंदन – *Spaṁdana* .

Vibration, pulsation.
कम्पन। देखें–परिस्पंदन।

स्पंदरहित नेत्र – *Spaṁdarahita Netra* .

Eyes devoid of blinking (non-blinking)
अर्हंत भगवान के केवलज्ञान के दस अतिशयों में एक, स्पंद रहित (टिमकार रहित) दृष्टि।

स्पर्धक – *Spardhaka.*

Group of aggregates of *Karmic* molecules.
वर्गणाओं के समूह को स्पर्धक कहते हैं।

स्पर्श – *Sparśa* .

Touch, contact.
छूना। स्पर्शन इन्द्रिय का विषय, यह 8 प्रकार का होता है - उष्ण, शीत, रूक्ष, स्निग्ध, कोमल, कठोर, लघु और गुरु।

स्पर्श अंतर विधान – *Sparśa Amtara Vidhāna* .

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).
अनुयोगद्वार के 8 भेदों में 'स्पर्शन' अनुयोगद्वार के 16 उपभेदों में एक उपभेद।

स्पर्श काल विधान – *Sparśa Kāla Vidhāna* .

A type of *Anuyogadwar* (disquisition door), Association of 'time' with other matters.
देखें–स्पर्श अंतर विधान, कालद्रव्य का जो अन्य द्रव्यों के साथ संयोग है उसका नाम काल स्पर्शन है।

स्पर्श क्षेत्र विधान – *Sparśa Kṣetra Vidhāna.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door), Contact of matters with atmosphere.
देखें–स्पर्श अंतर विधान, जो द्रव्य एक क्षेत्र के साथ स्पर्श करता है वह सब एक क्षेत्र स्पर्श है।

स्पर्श गति विधान – *Sparśa Gati Vidhāna* .

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door),
देखें – स्पर्श अंतर विधान।

स्पर्श द्रव्य विधान – *Sparśa Dravya Vidhāna* .

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door), Contact of one matter with other.
देखें–स्पर्श अंतर विधान, एक द्रव्य दूसरे द्रव्य से स्पर्श को प्राप्त होता है वह सब द्रव्य स्पर्श है।

स्पर्द्धक वर्ग शलाका – *Sparddhaka Varga Śalākā.*

Number of *Karmic* aggregates in a group.
एक स्पर्धक में जितनी वर्गणाएं हों उनकी संख्या।

स्पर्शन – *Sparśana* .

Touching, The sense of touch.

5 इन्द्रियों में प्रथम इन्द्रिय । शीत, उष्ण आदि का ज्ञान इसी से होता है ।

स्पर्शन इन्द्रिय – *Sparśana Indriya.*

The sense organ of touch.

जिसके द्वारा स्पर्श किया जाता है उसे स्पर्शन इन्द्रिय कहते हैं ।

स्पर्शन क्रिया – *Sparśana Kriyā.*

Touching activity, tangibility.

साम्परायिक आस्रव की 25 क्रियाओं में कर्मबंध की कारणभूत एक क्रिया । अत्यधिक प्रमादी होकर स्पर्श योग्य पदार्थ का बार-बार चिंतन करना अथवा प्रमाद से आलिंगन करने की भावना स्पर्शन क्रिया है ।

स्पर्शनानुगम – *Sparśanānugama.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

अनुयोगद्वार का एक भेद ।

स्पर्शनानुयोगद्वार – *Sparśanānuyogadvāra.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door) pertaining to the description of past & present of a matter (reg. touching).

जो भूतकाल में स्पर्श किया है और वर्तमान में स्पर्श किया जा रहा है वह स्पर्शन कहलाता है । सत्, संख्या और क्षेत्र रूप द्रव्यों के अतीतकाल, विशिष्ट वर्तमान स्पर्श का स्पर्शनानुयोग वर्णन करता है ।

स्पर्श नाम कर्म प्रकृति –

Sparśa Nāma Karma Prakṛti.

Physique making *Karma* nature causing sense of touch in the body.

जिस कर्म के उदय से शरीर में ठंडा, गरम आदि स्पर्श का ज्ञान उत्पन्न होता है उसे स्पर्श नाम कर्म प्रकृति कहते हैं । इसके स्निग्ध, रूक्ष, मृदु, कठोर, शीत, उष्ण, हल्का और भारी 8 भेद हैं ।

स्पर्श नाम विधान – *Sparśa Nāma Vidhāna.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श नाम विभीषणता –

Sparśa Nāma Vibhīṣaṇatā.

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श निक्षेप – *Sparśa Nikṣepa.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श परिणाम विधान –

Sparśa Pariṇāma Vidhāna.

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श प्रत्यय विधान – *Sparśa Pratyaya Vidhāna.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें – स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श भागाभाग विधान –

Sparśa Bhāgābhāga Vidhāna

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श भाव विधान – *Sparśa Bhāva Vidhāna.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door)

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श सन्निकर्ष विधान –

Sparśa Sannikarṣa Vidhāna.

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door).

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श स्पर्श विधान – *Sparśa Sparśa Vidhāna.*

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door)

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पर्श स्वामित्व विधान –

Sparśa Svāmitva Vidhāna.

A type of *Anuyogdwar* (disquisition door)

देखें–स्पर्श अंतर विधान ।

स्पष्ट – *Spaṣṭa.*

Clear, unambiguous, obvious.

जिसके समझने या देखने में कोई कठिनता न हो, व्यक्त ।

स्पष्टता – *Spaṣṭatā.*

Clearness, unambiguity, obviousness.

निर्मलता, विशदता, स्पष्टता एकार्थवाची हैं ।

स्पृश्य – *Spṛśya.*

Something touchable

छूने योग्य ।

स्पृष्ट – *Spṛaṣṭa.*

Touched

स्पर्श किया हुआ, प्राप्यकारी या छूकर-भिड़कर जाना हुआ (चक्षु इन्द्रिय अप्राप्यकारी है, क्योंकि वह स्पृष्ट रूप से पदार्थ को ग्रहण नहीं करती, शेष 4 इन्द्रिय प्राप्यकारी हैं) ।

स्पृहा – *Spṛhā.*

Longing, intention, desire.

वांछा, इच्छा, कामना, अभिलाषा ।

स्फटिक – *Sphaṭika.*

A crystal, quartz, Name of the 18th *Indrak* of *Saudharma* heaven, a summit of *Gandhamadan Vijayardh* mountain, the summits of *Manushottar* & *Ruchak* mountains.

एक प्रकार की कांच के समान पारदर्शी मणि, सौधर्म स्वर्ग का 18 वां इन्द्रक, गंधमादन विजयार्ध का एक कूट, मानुषोत्तर पर्वतस्थ व रूचक पर्वतस्थ एक-एक कूट ।

स्फोट – *Sphoṭa.*

A bursting up, an explosion, An element causing intensive expression of some meaning.

किसी वस्तु का फूटना, विदारण, मीमांसक मान्य एक व्यापक तत्व जिसके द्वारा ध्वन्यात्मक शब्द में अर्थ प्रकाशन की सामर्थ्य

अभिव्यक्त होती है। स्फोटवाद का जैनाचार्यों ने निराकरण किया है।

स्मरण – *Smaraṇa.*

Rememberance, memorization.
मतिज्ञान का एक नामान्तर, स्मृति। पहले जानी हुई वस्तु को कालान्तर में याद किया जाना।

स्मरणाभास – *Smaraṇābhāsa.*

False rememberance or memory.
देखे व सुने पदार्थ को कालान्तर में उसका स्मरण न होकर उसकी जगह दूसरे का स्मरण होना स्मरणाभास है।

स्मितगिरि – *Smitagiri.*

Name of a mountain of *Bharat Kshetra* (region)
भरत क्षेत्रस्थ एक पर्वत।

स्मितयश – *Smitayaśa.*

The grand son of Bharat *Chakravarti* & the son of Arkkirti.
इक्ष्वाकुवंशी भरत चक्रवर्ती के पुत्र अर्ककीर्ति का पुत्र। अपने पुत्र को राज्य देकर दीक्षा ग्रहण कर मोक्ष प्राप्त किया।

स्मृति – *Smṛti.*

Memory, rememberance, recollection.
मति, स्मृति, चिंता, संज्ञा, अभिनिबोध ये एकार्थवाची हैं। दृष्ट, श्रुत और अनुभूत अर्थ को विषय करने वाले ज्ञान को स्मृति कहते हैं। देखें – स्मरण।

स्मृत्यनुपस्थान – *Smṛtyanupasthāna.*

Non-concentration of mind.
सामायिक व्रत का एक अतिचार। चित्त की चंचलता से पाठ आदि को भूल जाना अर्थात् चित्त की एकाग्रता न होना व मन में समाधिरूपता का न होना।

स्मृत्यंतराधान – *Smṛtyaṁtarādhāna.*

Forgetfulness (an infraction).
दिग्व्रत का एक अतिचार। निश्चित की हुई मर्यादा का स्मरण न रखना अथवा उसका भूल जाना।

स्यंदन – *Syaṁdana.*

Splendourous chariots of *Chakravarties* (emperors).
रथ- चक्रवर्ती बलदेवों के चढ़ने योग्य जो होते हैं एवं सर्व आयुधों से परिपूर्ण पवन के समान वेग वाले, धुर के टूट जाने पर भी जिनके चक्कों की रचना इस प्रकार की होती है कि गमनागमन में बाधा नहीं पड़ती वे स्यंदन कहलाते हैं।

स्याच्चेतन – *Syāccetana.*

Exposition of soul in the aspect of consiousness.
चेतन स्वभाव प्रधानता की अपेक्षा जीव का कथन।

स्याच्छुद्ध – *Syācchuddha.*

Exposition of soul in the aspect of omniscience.
केवलज्ञान अर्थात् स्वभाव प्राप्ति की अपेक्षा जीव का कथन।

स्यात् – *Syāt.*

Possibly, perhaps.
कथंचित्- किसी अपेक्षा से।

स्यात्कार – *Syātkāra.*

Words having different meanings.
अनेकान्तार्थक वाचक शब्द।

स्यात्परम – *Syātparama.*

Exposition of soul in the aspect of steadiness.
पारिणामिक भाव अर्थात् स्वभाव में अचलवृत्ति की अपेक्षा जीव का कथन।

स्यादचेतन – *Syādacetana.*

Exposition of soul as inanimate because of its relationship with *Karmas*, which are inanimate.
कर्म अचेतन हैं एवं जीव से सम्बद्ध हैं, इस दृष्टि से जीव को अचेतन कह देना।

स्यादनेकत्व – *Syādanekatva.*

To have different characteristics in a matter (in some aspect).
एक ही द्रव्य में अनेक स्वभावों की उपलब्धि होना इससे द्रव्य कथंचित् अनेक स्वभावी कहलाता है।

स्यादनेक प्रदेशत्व – *Syādaneka Pradeśatva.*

A matter with different dispositions (in some aspect).
भेद कल्पना सापेक्ष अशुद्ध द्रव्यार्थिक नय की अपेक्षा से एक ही द्रव्य में अनेक प्रदेशों की उपलब्धि होना। धर्म, अधर्म, आकाश और जीवद्रव्य के अनेक या नाना प्रदेश स्वभाव हैं।

स्यादपरम – *Syādaparama.*

Characteristic unstability of a matter.
द्रव्य के सामान्य 11 स्वभावों में एक स्वभाव, कथंचित् अपने स्वभाव में अचलवृत्ति न होना।

स्यादभेदत्व – *Syādabhedatva.*

Uni-expression of virtuous-one & virtues like to say fire & its heat both are the same.
किसी दृष्टि से गुणी और गुण में भेद न होना, जैसे- अग्नि की उष्णता अग्नि से अभिन्न है।

स्यादमूर्त – *Syādamūrta.*

Non-physical nature (in some aspect).
परमभाव ग्राहक द्रव्यार्थिक नय की अपेक्षा पुद्गल के अतिरिक्त जीव, धर्म, अधर्म, आकाश और काल द्रव्य कथंचित् अमूर्तस्वभाव वाले हैं।

स्यादवक्तव्य – *Syādavaktavya.*

The 4th *Bhang* of *Saptbhangi*—exposition of the nature of the substance in the aspect of indescribability.
सप्तभंगी का चौथा भंग, द्रव्य स्वद्रव्य क्षेत्र काल भाव से और परद्रव्य क्षेत्र काल भाव से युगपद् कथन न किया जाने से कथंचित् अवक्तव्य है।

स्यादशुद्धत्व – *Syādaśuddhatva.*

Nature related to impurity of matters in some aspect.
द्रव्य का एक सामान्य स्वभाव। शुद्ध के विपरीत अर्थात् कथंचित्

अशुद्ध स्वभाव है ।

स्यादस्ति नास्ति – *Syādasti Nāsti.*

The third *Bhang* of *Saptbhangi*–exposition of the nature of substance in the aspect of affirmation & negation, eg. the nature of fire is hot and is not cold.

सप्तभंगी का तीसरा भंग - किसी अपेक्षा से है, किसी अपेक्षा से नहीं है (पदार्थ के धर्म से सम्बन्धित कथन) अर्थात् स्वचतुष्टय (द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव) की अपेक्षा द्रव्य कथंचित् अस्ति रूप है और वही द्रव्य परचतुष्टय की अपेक्षा कथंचित् नास्ति रूप है ; जैसे - अग्नि का स्वभाव गर्म है ठंडा नहीं ।

स्यादस्ति अवक्तव्य – *Syādasti Avaktavya.*

The 5th *Bhang* of *Saptabhangi*–exposition of the nature of the substance in the aspects of affirmation & indescribability.

सप्तभंगी का 5 वां भंग – किसी अपेक्षा से है और किसी अपेक्षा से अवक्तव्य है अर्थात् स्वचतुष्टय (द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव) की अपेक्षा द्रव्य कथंचित् अस्ति रूप है और वही द्रव्य स्व एवं परचतुष्टय की अपेक्षा युगपद् कथन न किए जाने से कथंचित् अवक्तव्य है ।

स्यादस्ति – *Syādasti.*

The first *Bhang* of *Saptbhangi*–exposition of the nature of the substance in the aspect of affirmation.

सप्तभंगी के 7 भंगों में प्रथम भंग – स्वद्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव की अपेक्षा द्रव्य कथंचित् अस्ति रूप है ।

स्यादस्ति नास्ति अवक्तव्य –

Syādasti Nāsti Avaktavya.

The 7th *Bhang* of *Saptbhangi*–exposition of the nature of the substance in the aspects of affirmation, negation & indescribability.

सप्तभंगी में 7वां भंग । स्वद्रव्य चतुष्टय (द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव) की अपेक्षा से द्रव्य कथंचित् अस्तिरूप है, परद्रव्य चतुष्टय की अपेक्षा से वही द्रव्य कथंचित् नास्तिरूप है और दोनों की अपेक्षा से कथंचित् अवक्तव्य है ।

स्यादेकत्व – *Syādekatva.*

Oneness in nature (in some aspect).

द्रव्य के सामान्य 11 स्वभावों में एक स्वभाव । सम्पूर्ण स्वभावों का एक आधार होने से कथंचित एक स्वभाव होना ।

स्यादेकप्रदेशत्व – *Syādekapradeśatva.*

Uni-dimensional nature of matter (in some aspect).

द्रव्य का एक सामान्य स्वभाव – भेद कल्पना निरपेक्ष निश्चय नय की अपेक्षा एकत्व होने से कथंचित एक प्रदेशत्व स्वभाव है।

स्याद् नास्ति – *Syād Nāsti.*

The 2nd *Bhang* of *Saptbhangi*–exposition of the nature of the substance in the aspect of negation.

सप्तभंगी का दूसरा भंग–द्रव्य परचतुष्टय (द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव) की अपेक्षा से कथंचित् नास्ति रूप है ।

स्याद् नास्ति अवक्तव्य – *Syād Nāsti Avaktavya.*

The 6th *Bhang* of *Saptbhangi*–exposition of the nature of the substance in the aspect of negation & indescribability.

सप्तभंगी में छठवां भंग–द्रव्य परचतुष्टय की अपेक्षा कथंचित् नास्तिरूप है और वही द्रव्य स्वचतुष्टय व परचतुष्टय की अपेक्षा युगपद् कथन न किए जाने से कथंचित् अवक्तव्य है ।

स्याद्भव्यत्व – *Syādbhavyatva.*

Separate or different entities of matter.

द्रव्य के सामान्य 11 स्वभावों में एक स्वभाव । एक द्रव्य दूसरे द्रव्य रूप नहीं होता, यह अभव्य स्वभाव है, अतः द्रव्य अपने स्वभाव को नहीं छोड़ता ।

स्याद्वाद – *Syādvāda.*

A doctrine of many fold standpoints or possibilities in describing a matter.

अनेकान्तमयी वस्तु का कथन करने की पद्धति स्याद्वाद है अथवा स्यात् का अर्थ है सापेक्ष या कथंचित एवं वाद का अर्थ है कथन, अतः अनेक धर्मात्मक वस्तु के प्रत्येक धर्म का सापेक्ष रूप से कथन करने की शैली का नाम स्याद्वाद है ।

स्याद्वादचंद्रिका टीका –

Syādvāda Candrikā Ṭīkā.

See - *Niyamasāra Prābhṛta.*

देखें – नियमसार प्राभृत ।

स्याद्वाद चिंतामणि टीका –

Syādvāda Cintāmaṇi Ṭīkā.

Name of a commentary book on 'Ashtsahastri treatise' written by *Ganini* Gyanmati Mataji.

गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा रचित अष्टसहस्री ग्रंथ की हिंदी टीका (ई. सन् 1968-69) ।

स्याद्वादभूषण – *Syādvādabhūṣaṇa.*

Name of a commentary book written by *Acharya* Abhaychandra.

आचार्य अकलंक (ई 620-680) कृत लघीयस्त्रय पर आचार्य अभयचन्द्र (ई श. 13) कृत इस नाम की तात्पर्यवृत्ति ।

स्याद्वादवदन विदारण –

Syādvādavadana Vidāraṇa.

Name of a treatise written by *Acharya* Shubhchandra.

आचार्य शुभचन्द्र (ई 1516-1556) द्वारा रचित न्याय विषयक ग्रन्थ ।

स्याद्वादसिद्धि – *Syādvādasiddhi.*

Name of a treatise written by *Acharya* Vadibhsingh.

आचार्य वादीभसिंह (ई. 1103) द्वारा रचित संस्कृत भाषाबद्ध न्याय विषयक ग्रन्थ ।

स्याद्वादोपनिषद् – *Syādvādopaniṣad.*

Name of a book written by *Acharya* Somsen.

आचार्य मल्लिषेण (ई. 943-968) कृत स्याद्वाद न्याय का प्ररूपक संस्कृत भाषाबद्ध ग्रंथ।

स्यान्नित्यत्व – *Syānnityatva.*

Eternity of some particular characteristic in matter.

द्रव्य के सामान्य 11 स्वभावों में एक स्वभाव। अपनी अपनी नाना पर्यायों में 'यह वही है' इस प्रकार द्रव्य की प्राप्ति कथंचित नित्य स्वभाव है।

स्रष्टा – *Sraṣṭā.*

The creator.

बनाने वाला, विधि, स्रष्टा, विधाता, दैव, पुराकृत, कर्म और ईश्वर ये सब कर्मरूपी ईश्वर के पर्यायवाचक शब्द हैं।

स्रोतस्विनी – *Srotasvinī.*

River

नदी।

स्व – *Sva*

Self, personal, own.

अपना, निजी, आत्मपरक या अपनी जाति से संबंध रखने वाला।

स्व–अहिंसा – *Sva - Ahiṃsā.*

Pure nature of soul.

जीव का शुद्ध स्वभाव ही स्वअहिंसा है।

स्व–उपकार – *Sva - Upakāra.*

Benefiting self (reg. soul)

आत्महित।

स्वकाल निर्जरा – *Svakāla Nirjarā.*

Destruction of *Karmas* on their maturation.

निर्जरा के दो भेदों में एक भेद, सविपाक निर्जरा जो स्वकाल पकने होकर चारों गति वाले जीवों की होती है।

स्वक्षेत्र – *Svakṣetra.*

Occupied space of matters.

एक द्रव्य जितने क्षेत्र को रोक करके रहता है वह उस द्रव्य का स्वक्षेत्र है और अन्य क्षेत्र उसका पर क्षेत्र है।

स्वगुरु – स्थापनावाप्ति क्रिया –

Svaguru - Sthāpanāvāpti Kriyā.

A type of auspicious activity, entrusting the responsibility of group by the chief saint to other suceeding saint.

गर्भान्वय की 53 क्रियाओं में 23 वीं क्रिया। गुरु की भांति स्वयं भी अवस्था विशेष को प्राप्त हो जाने पर संघ से योग्य शिष्य को छांटकर उसे गुरु पद का भार प्रदान करना।

स्वचतुष्टय – *Svacatuṣṭaya.*

A quartet related to the nature of matter

द्रव्य के स्वभाव भूत द्रव्य–क्षेत्र–काल–भाव स्वचतुष्टय है।

स्वचारित्र – *Svacāritra.*

Super right conduct.

स्वरूपाचरण चारित्र अथवा वीतराग चारित्र का अपरनाम। 7वें गुणस्थान के अंत से इस चारित्र का प्रारम्भीकरण होता है।

स्वच्छंद – *Svacchanda.*

Self-willed, unrestrained.

अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने वाला।

स्वच्छंद वृत्ति – *Svacchanda Vṛtti*

Restraintless conduct.

स्वेच्छानुसार आचरण करना।

स्वच्छंद श्रोता – *Svacchanda Śrotā.*

Unworthy or restraintless listeners

कुपात्र श्रोता। स्वच्छन्द श्रोताओं को विद्या देना संसार और भय को ही बढ़ाने वाला है।

स्वच्छाहार – *Svacchāhāra.*

Pure food.

शुद्ध सात्त्विक आहार।

स्वतः सिद्ध – *Svataḥ Siddha.*

Self proved or evident.

जो स्वभाव से ही सिद्ध हो उसे स्वतः सिद्ध कहते हैं अथवा सत्, द्रव्य का स्वभाव जो स्वभाव से ही सिद्ध है, इसलिये वह अनादि अनंत है।

स्वतंत्र – *Svatantra.*

Independent, Free, restrictionless.

जो पर की अपेक्षा नहीं करता।

स्वतत्त्व – *Svatattva*

Real nature of the soul.

जीव के निज भाव–औपशमिक, क्षायिक, क्षायोपशमिक, औदयिक और पारिणामिक भाव।

स्वदार संतोष – *Svadāra Saṃtoṣa.*

Satisfaction with own wife.

अपनी विवाहित स्त्री में ही संतुष्ट रहना और शेष स्त्रियों के प्रति माता, बहिन, पुत्रीवत् निर्मल भाव रखना। इसे ब्रह्मचर्याणुव्रत भी कहते हैं।

स्वद्रव्य – *Svadravya.*

The soul.

आत्मद्रव्य अर्थात् अविनाशी, विकार रहित केवलज्ञानमयी आत्मा स्वद्रव्य है।

स्वद्रव्य रति – *Svadravya Rati.*

Devotion in one-self.

आत्मद्रव्य में प्रेम या तल्लीनता होना (स्वद्रव्य रति ही सुगति का कारण है)।

स्वनिंदा – *Svanindā.*

Self-criticism.

आत्म निंदा। उच्च गोत्र के आस्रव का एक कारण।

स्वनिमित्तक उत्पाद – *Svanimittaka Utpāda.*

Modification or change due to own causes (reg. any matter).

स्व के निमित्त से होने वाला परिणमन, प्रत्येक द्रव्य में अगुरुलघु गुण का षट् स्थान पतित हानि और वृद्धि के द्वारा वर्तन होता

रहता है। अत: इनका उत्पाद और व्यय स्वभाव से होता है।

स्वपक्षसाधक हेतु – *Svapaksa Sādhaka Hetu*

A motive for one's own fulfilment.

हेतु स्वपक्ष का साधक और पर पक्ष का दूषक होना चाहिये अर्थात् अपने अभीष्ट अर्थ की सिद्धि करने वाला हेतु।

स्वपर अवभासक – *Svapara Avabhāsaka.*

Something (soul etc.) possessing the knowledge of self and other matters also

स्व और पर को जानने वाला स्व-पर अवभासक कहा जाता है। जैसे दीपक स्वयं का भी प्रकाशित करता है एवं अन्य को भी। अथवा दर्शन के द्वारा आत्मा का ग्रहण होता है, तब स्वत: ज्ञान का तथा उसमे प्रतिबिम्बित पर पदार्थों का भी ग्रहण होता है अत: आत्मा ही स्व-पर अवभासक है।

स्वपर चतुष्टय – *Svapara Catuṣṭaya.*

Quartet of the properties of matter (in relation to *Dravya, Kshetra, Kal, Bhav*) related to self & others.

द्रव्य का अपना द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव 'स्वचतुष्टय' एवं इतर द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव 'परचतुष्टय' कहलाता है। इसकी अपेक्षा ही वस्तु में अस्तिनास्ति, भेदाभेदपना पाया जाता है।

स्वपर चारित्र – *Svapara Cāritra.*

Perfect and imperfect right conduct

निश्चय-व्यवहार चारित्र। निज शुद्धात्मा के संवेदन में अनुचरण करना अर्थात् समता भाव स्वचारित्र तथा शुद्धात्म रूप से रहित होकर रागभाव रूप परिणमन अर्थात् शुद्धोपयोग से विपरीत परद्रव्यों में शुभ अशुभ भाव रूप परचारित्र है।

स्वपर तत्त्व – *Svapara Tattva*

Right element pertaining to the path of salvation.

भेदाभेदात्मक अर्थात् निश्चय व्यवहार मोक्षमार्ग। आत्मनिष्ठ(श्री) 'स्वतत्त्व' (या निश्चय मोक्षमार्ग) तथा पर्याय प्रधान व्यवहार नय से सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चारित्र व्यवहार मोक्षमार्ग अर्थात् 'परतत्त्व' है।

स्वपर प्रकाशक – *Svapara Prakāśaka.*

Omniscience (causing enlightenment of self & others).

ज्ञान। केवलज्ञान जो निश्चय नय से स्व को और व्यवहार नय से पर को जानता है।

स्वपर भेद विज्ञान – *Svapara Bheda Vijñāna.*

Pertaining to great spiritual knowledge (descriminating self & others).

भेद ज्ञान। आत्मतत्त्व का ज्ञान तथा आत्मद्रव्य से विपरीत तत्त्वों का ज्ञान।

स्वपर विवेक – *Svapara Viveka.*

Right & real knowledge (descriminating self & others)

सम्यग्दर्शन, जीव-अजीव की पहचान अर्थात् वस्तु स्वरूप का ज्ञान।

स्वपर्याय – *Svaparyāya*

The absolute pure form of soul.

शुद्ध पर्याय। केवलज्ञान के द्वारा निष्पन्न जो अनंत अन्तर्लीन है वही 'निज पर्याय' है और क्षयोपशम के द्वारा व ज्ञेयों के द्वारा चित्र-विचित्र 'परपर्याय' है।

स्वपाक – *Svapāka*

Name of a super power possessed by Nami & Vinami *Vidyadhars.*

धरणेन्द्र की दिति देवी के द्वारा नमि और विनमि विद्याधरों को दिया गया एक विद्या निकाय।

स्वप्न – *Svapna.*

Dream, one of the 8 parts of causative knowledge (*Nimittagyan*)

कल्याणवाद पूर्व में वर्णित निमित्तज्ञान के 8 अंगों में प्रथम अंग। स्वप्न दो प्रकार के माने गये हैं- स्वस्थ स्वप्न और अस्वस्थ स्वप्न।

स्वप्न निमित्त ज्ञान – *Svapna Nimitta Jñāna.*

Knowledge caused due to dreams.

स्वप्न के माध्यम से शुभाशुभ का ज्ञान लेना स्वप्न निमित्त ज्ञान कहलाता है।

स्वप्न (सत्य-असत्य) – *Svapna (Satya-Asatya).*

Right & false dreams.

स्वस्थ अवस्था में दिखने वाले तथा दैव से उत्पन्न होने वाले स्वप्न सत्य होते हैं एवं अस्वस्थ अवस्था में तथा दोष से उत्पन्न होने वाले स्वप्न असत्य होते हैं।

स्वप्नातिचार – *Svapnāticāra.*

An infraction, use of unusable matters in dreams

अतिचार का एक भेद, स्वप्न में अयोग्य पदार्थ का सेवन होना।

स्व प्रकाशक – *Sva Prakāśaka.*

Self revealing knowledge

ज्ञान। निश्चय नय से ज्ञान स्वप्रकाशक है।

स्वप्रतिभास – *Svapratibhāsa*

Self apprehension

स्वप्रतिभास को केवल दर्शन कहते हैं।

स्वप्रत्यय उत्पाद – *Svapratyaya Utpāda*

Self origination caused due to increase & decrease in the property of non-gravity-levity.

आत्मा में अगुरुलघु गुणों की वृद्धि और हानि के निमित्त से होने वाला उत्पाद स्वप्रत्यय उत्पाद है।

स्वभाव – *Svabhāva*

Nature, property, characteristic.

वस्तु का असाधारण और शाश्वत धर्म ही उसका स्वभाव कहलाता है। जैसे- जीव का स्वभाव चेतना या जानना, देखना है।

स्वभाव अनित्य नय – *Svabhāva Anitya Naya.*

A standpoint related to non-eternity in pure nature.

सत्तागौण उत्पादव्ययग्राहक स्वभाव अनित्य शुद्ध पर्यायार्थिक नय है।

स्वभाव क्रिया – *Svabhāva Kriyā.*

Natural activities (of all matters).

गतिरूप क्रिया के 10 भेदों में एक भेद। जीवों की स्वभाव क्रिया सिद्धि गमन और पुद्गलों की स्वभाव क्रिया परमाणु की गति है।

स्वभाव गति – *Svabhāva Gati.*

Movement of salvated soul.

ऊर्ध्वगति जीव की स्वभाव गति है।

स्वभाव गुणपर्याय – *Svabhāva Guṇaparyāya.*

Different natural forms of a matter.

द्रव्यों के अगुरुलघु गुण के अनंत अविभाग प्रतिच्छेदों की समय-समय में उत्पन्न होने वाली जो पर्यायें हैं वह द्रव्यों की स्वभाव गुणपर्याय कही गयी है।

स्वभाव गुण व्यंजन पर्याय –

Svabhāva Guṇa Vyaṁjana Paryāya.

Natural momentary states of omniscients & different states of matters etc

केवलज्ञानादि अनंत चतुष्टय स्वरूप जीव की स्वभाव गुण व्यंजन पर्याय है तथा परमाणु में रहने वाले एक वर्ण, गंध, रस तथा अविरुद्ध दो स्पर्श पुद्गल द्रव्य की स्वभाव गुण व्यंजन पर्याय है।

स्वभाव ज्ञान – *Svabhāva Jñāna.*

Self revealing knowledge, natural knowledge.

जो इन्द्रिय रहित असहाय केवलज्ञान है वह स्वभाव ज्ञान है।

स्वभाव दर्शन – *Svabhāva Darśana.*

Self revealing perception

जो इन्द्रिय रहित और असहाय केवलदर्शन है वह स्वभाव दर्शन है।

स्वभाव द्रव्य पर्याय – *Svabhāva Dravya Paryāya.*

Natural states of matters.

कर्मोपाधि रहित पर्यायें स्वभाव द्रव्य पर्यायें कही जाती हैं। सब द्रव्यों की जो अपने अपने प्रदेशों की स्वाभाविक स्थिति है वही द्रव्यों की स्वभाव पर्याय है।

स्वभाव द्रव्य व्यंजन पर्याय –

Svabhāva Dravya Vyaṁjana Paryāya.

Natural state of soul points in the salvated form.

बिना दूसरे के निमित्त से जो व्यंजन पर्याय होती है वह स्वभाव द्रव्य व्यंजन पर्याय है। जीव का सिद्धपने का आकार या जीव की सिद्धपर्याय।

स्वभाव नय – *Svabhāva Naya.*

A standpoint expressing the real nature of matter.

द्रव्यार्थिक नय, द्रव्य के वास्तविक स्वभाव का कथन करता है।

स्वभाव पुद्गल – *Svabhāva Pudgala.*

A pure particle of a *Pudgal.*

पुद्गल द्रव्य के दो भेदों में एक भेद। पुद्गल का एक शुद्ध परमाणु 'स्वभाव पुद्गल' और स्कंध 'विभाव पुद्गल' कहलाते हैं।

स्वभाववाद – *Svabhāvavāda.*

A doctrine related to the nature of a matter.

काँटे आदि में तीक्ष्णता एवं पशु-पक्षी आदि में अनेकपना उनमें स्वभाव से ही है ऐसा एकांत से स्वभाव को मानना एवं ज्ञान स्वभाव से जीव को ... है, इस हेतु से ... अद्वैत स्वभाव में लीन है ऐसा निश्चय स्वभाव वाद है।

स्वभावविरुद्धानुपलब्धि हेतु –

Svabhāvaviruddhānupalabdhi Hetu.

A type of cause reg. absence of some counter property (opposite to the real one) in a matter.

अनुपलब्धि हेतु के प्रतिषेध रूप विरुद्धानुपलब्धि के तीन भेदों में एक भेद। हर एक पदार्थ नित्य, अनित्य आदि अनेक धर्मवाला है, क्योंकि नित्यत्व आदि एक धर्म का अभाव है।

स्वद्रव्यादि ग्राहक द्रव्यार्थिक नय –

Svadravyādi Grāhaka Dravyārthika Naya.

A standpoint accepting the real nature of a matter.

जो नय स्वद्रव्यादि चतुष्टय की अपेक्षा से द्रव्य का सत् स्वरूप ग्रहण करे।

स्वभाव सिद्ध – *Svabhāva Siddha.*

Self proved or identified matter

अहेतुक या स्वतः सिद्ध। जैसे – वास्तव में द्रव्यों में द्रव्यान्तर की उत्पत्ति नहीं होती, क्योंकि सर्व द्रव्य स्वभाव सिद्ध हैं उनकी स्वभाव सिद्धता अनादि से है।

स्वभाव स्थिति – *Svabhāva Sthiti.*

State of absolute engrossment in soul.

निश्चय रत्नत्रय। स्वरूप में लीनता या निश्चल अवस्थान।

स्वभावाराधना – *Svabhāvārādhanā.*

Engrossment in self.

समता, माध्यस्थता, शुद्ध भाव, वीतरागता, धर्म, स्वभाव की आराधना ये एकार्थवाची शब्द हैं एवं इन सबको ही स्वभाव की आराधना कहा गया है।

स्वमुख उदय – *Svamukha Udaya.*

Natural fruition of *Karmas.*

कर्म प्रकृतियों का आपरूप होकर ही उदय में आना स्वमुख उदय है एवं अन्य प्रकृति रूप होकर उदय में आना परमुख उदय है।

स्वयंप्रभ – *Svayaṁprabha.*

Name of the 4th predestined *Tirthankar* (Jaina Lord), Name of a summit of *Ruchak* mountain.

भावीकालीन चौथे तीर्थंकर, रुचक पर्वतस्थ एक कूट।

स्वयंप्रभ पर्वत – *Svayaṁprabha Parvata.*

Another name of *Sumeru* mountain

सुमेरु पर्वत का अपरनाम।

स्वयंबुद्ध – *Svayambuddha.*

Self enlightened one (on the path of salvation), One of the 1008 names of Lord Rishabhdev, Name of a *Mantri* of king Mahabal (the 10th

past birth's state of Lord Rishabhdev) who strengthened the Mahabal about Jain religion
जो जीव परोपदेश के बिना स्वयं ही मोक्षमार्ग को प्राप्त कर लेते हैं उन्हें स्वयंभू या स्वयंबुद्ध कहते हैं। भगवान ऋषभदेव के 1008 नामों में एक नाम। भगवान ऋषभदेव के 10वें पूर्वभव की राजा महाबल की पर्याय में जिन मंत्री ने उन्हें सम्यक्त्व रूप जैनधर्म में दृढ़ किया था।

स्वयंभू – *Svayambhū.*
Name of the 19th predestined Jaina Lord, The first chief disciple of Lord Kunthunath, Lord Parshvanath, The main listener in the assembly of Lord Vasupujya
भावीकालीन 19 वें तीर्थंकर, तीर्थंकर कुंथुनाथ व पार्श्वनाथ के प्रथम गणधर, तीर्थंकर वासुपूज्य के मुख्य श्रोता।

स्वयंभू (कवि) – *Svayambhū (Kavi)*
Name of a great ancient poet.
अपभ्रंश के प्रथम कवि। कृतियाँ–पउम चरिउ, रिट्ठणेमि चरिउ, स्वयंभू छंद, स्वयंभू व्याकरण, पचमि चरिउ, हरिवंश पुराण। समय – ई. 734-840।

स्वयंभू छंद – *Svayambhū Chanda.*
Name of an *Apbhransh* poetics written by poet Svayambhu.
कवि स्वयंभू (ई. 734-840) कृत 8 अध्यायों वाला अपभ्रंश छंद शास्त्र।

स्वयंभूरमण – *Svayambhūramaṇa.*
Name of the last island & the last ocean of middle universe.
मध्य लोक का अंतिम द्वीप एवं अंतिम सागर जिसका जल सामान्य जल जैसा होता है।

स्वयंभूस्तोत्र – *Svayambhustotra.*
Name of a famous eulogical composition composed by *Acharya* Samantbhadra.
आचार्य समन्तभद्र (ई.श. 2) कृत संस्कृत छंदबद्ध ग्रंथ। इसमें 24 तीर्थंकरों का स्तवन न्यायपूर्वक अनेकांत की स्थापना करते हुए किया गया है। कुल श्लोक 143 हैं।

स्वयंवर – *Svayamvara.*
An ancient tradition of choosing a bridegroom by a bride. Father's name of the 4th Jaina Lord Abhinandannath.
एक प्राचीन प्रथा – एक राजकुमारी द्वारा अपने पति का चुनाव करना, अयोध्या नगरी के राजा, इनकी रानी सिद्धार्था थी और चौथे तीर्थंकर अभिनन्दननाथ भगवान के पिता थे।

स्वयंशोधक – *Svayamśodhaka.*
One who repents himself for his faults, not before the preceptor (it is an infraction).
प्रायश्चित देने से पूर्व ही स्वयं प्रायश्चित लेने वाला स्वयं शोधक कहलाता है (यह एक अतिचार है)।

स्वर – *Svara.*
Voice, tone, tune, musical notes.
शब्द। अष्टांग निमित्तज्ञान का एक भेद, यह दो प्रकार का होता है–दुःस्वर और सुस्वर। इनसे इष्ट और अनिष्ट पदार्थ के प्राप्त होने का संकेत प्राप्त होता है। संगीत कला से सम्बन्धित मध्यम, ऋषभ, गांधार, षड्ज, पंचम, धैवत और निषाद 7 स्वर। ये आरोही और अवरोही दोनों होते हैं।

स्वरकीर्ति – *Svarakīrti*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कार गण की भट्टारक आम्नाय वारा की गद्दी के भट्टारक (समय – वि.सं. 1167), अपरनाम सूरकीर्ति। ये भावनंदि के शिष्य तथा विद्यानन्द के गुरु थे।

स्वरक्षा – *Svarakṣā*
To have right or pure conduct, self defence
शुद्ध भाव रखना ही स्वरक्षा अर्थात् आत्मरक्षा है, अहिंसा का सिद्धान्त स्वात्म रक्षा के लिये ही है।

स्वर नाम कर्म – *Svara Nāma Karma.*
Physique making *Karmic* nature causing voice.
जिस कर्म के उदय से मनोज्ञ स्वर की रचना होती है वह सुस्वर नामकर्म है, इससे विपरीत दुःस्वर नामकर्म है।

स्वर निमित्त ज्ञान – *Svara Nimitta Jñāna.*
Inferential knowledge caused due to the voice of beings.
मनुष्य व तिर्यंचों के विचित्र शब्दों को सुनकर शुभाशुभ को जान लेना स्वर निमित्त ज्ञान कहलाता है। देखें–स्वर।

स्वराज्य क्रिया – *Svarājya Kriyā.*
An auspicious activity of enthronement.
गृहस्थ की 53 क्रियाओं में 43 वीं क्रिया। राजाओं के द्वारा राजाधिराज के पद पर अभिषिक्त करना अतः सम्राट् पद पर अभिषिक्त होना स्वराज्य प्राप्त क्रिया कहलाती है।

स्वरूप – *Svarūpa.*
Own form or shape, Nature
आकृति, आकार, लक्षण।

स्वरूप (देव) – *Svarūpa (Deva).*
A type of peripatetic deities of *Yaksh* type, Name of an *Indra* of some peripatetic deities of *Bhoot* types.
यक्ष जाति के व्यंतर देवों के 12 भेदों में 10 वा भेद, भूत जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र।

स्वरूपालय – *Svarūpalaya.*
Engrossment into self.
कल्पना जाल को दूर करके चैतन्य आनन्दमय स्वरूप में तल्लीनता।

स्वरूप विपर्यास – *Svarūpa Viparyāsa.*
A contrary viewpoint regarding the form of a matter.
मिथ्यात्व। जिस पदार्थ का जो लक्षण है उससे विपरीत उसका स्वरूप समझना।

स्वरूप संबोधन – *Svarupa Sambodhana.*
Name of a composition composed by *Acharya*

Akalank Bhatta.
आचार्य अकलंक भट्ट (ई. 620-680) कृत 25 श्लोक प्रमाण आध्यात्मिक कृति ।

स्वरूप संवेदन – *Svarūpa Samvedana.*
Spiritual consciousness.
आत्म विषयक उपयोग ।

स्वरूपाचरण चारित्र – *Svarupācaraṇa Cāritra.*
Conduct of spiritual engrossement
स्वरूपाचरण चारित्र अर्थात् मुनियों द्वारा समस्त राग द्वेष से रहित अपने आत्मस्वरूप में लीनता रूप चारित्र ।

स्वरूपाभाव – *Svarūpābhāva.*
Absence of similarity in nature between the two or lack of the characteristic nature of a matter in the other.
जो द्रव्य है वह गुण नहीं है और जो गुण है वह द्रव्य नहीं है अर्थात् एक दूसरे में जो उसका अभाव अर्थात् तद्रूप होने का अभाव है वह तद्भाव लक्षण अतद्भाव है ।

स्वरूपासिद्ध हेत्वाभास – *Svarūpāsiddha Hetvābhāsa.*
A type of fallacy (eg. considering existence of words only due to their visionary effect)
शब्द परिणामी है, क्योंकि यह आँख से देखा जाता है (यह सही हेतु न होकर गलत हेतु है) । यह अविद्यमान सत्ता वाला अर्थात् स्वरूपासिद्ध हेत्वाभास है ।

स्वरूपास्तित्व – *Svarūpāstitva.*
A type of existance; power to show existence of each & every matter separately
अस्तित्व के दो भेदों में एक भेद । अवान्तर सत्ता–प्रतिनियत वस्तुवर्ती तथा स्वरूपास्तित्व की सूचना देने वाली (अर्थात् पृथक्–पृथक् पदार्थ का पृथक्–पृथक् स्वतंत्र अस्तित्व बताने वाली) अवान्तरसत्ता है ।

स्वर्ग – *Svarga.*
The heaven, aboding place of deities.
इसका अपरनाम कल्प है ये ऊर्ध्वलोक में स्थित है । स्वर्ग के दो विभाग हैं –कल्प व कल्पातीत । यहाँ वैमानिक देव रहते हैं अथवा कल्पोपपन्न व कल्पातीत देवों के रहने के स्थान ।

स्वर्गवासी देव – *Svargavāsī Deva.*
Heavenly deities.
कल्पवासी देव–वैमानिक देव अर्थात् 16 स्वर्ग, 9 ग्रैवेयक, 9 अनुदिश, 5 अनुत्तर के निवासी देव ।

स्वर्ण – *Svarṇa.*
Gold, Name of a city in the south of *Vijayardh* mountain.
सोना, एक धातु, विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का एक नगर ।

स्वर्ण कमल – *Svarṇa Kamala.*
Gold lotus, One of the 14 transcendental creations of Lord Arihant (natural creation of gold/golden lotuses in all directions).
सोने के कमल, अर्हंत भगवान के 14 देवकृत अतिशयों में एक अतिशय, तीर्थंकरों के श्रीविहार में चरणों के नीचे एवं चारों दिशाओं में 8 विदिशाओं में स्वर्ण कमल की रचना होना ।

स्वर्णकूला कुण्ड – *Svarṇakūlā Kuṇḍa.*
Name of a pond situated in *Hairanyavat* region.
हैरण्यवत क्षेत्रस्थ एक कुण्ड ।

स्वर्णकूला कूट – *Svarṇakūlā Kūṭa.*
Name of the 7th summit of *Shikhri* mountain.
शिखरी पर्वतस्थ 7वां कूट ।

स्वर्णकूला देवी – *Svarṇakūlā Devī.*
Name of the governing deity of *Svarnakula Kund* (a pond)
स्वर्णकूला कुण्ड की स्वामिनी देवी ।

स्वर्णकूला नदी – *Svarṇakūlā Nadī.*
Name of a river of *Hairanyavata* region.
हैरण्यवत क्षेत्र की एक नदी । यह 14 महानदियों में 11 वीं महानदी है एवं पुण्डरीक सरोवर से निकली है ।

स्वर्णनाभ – *Svarṇanābha.*
Name of the 17th city in the south of *Vijayardha* mountain, Name of a king of Arishtapur.
विजयार्ध की दक्षिण श्रेणी का 17वां नगर, अरिष्टपुर नगर का राजा । कृष्ण की रानी पद्मावती का पिता ।

स्वर्णभद्र – *Svarṇabhadra.*
Name of the *Tonk* (salvation point) of Lord Parshvanath at Sammedshikhar mountain, Name of a summit of *Vijayardh* mountain and its protecting deity.
सम्मेदशिखर में पर्वत पर भगवान पार्श्वनाथ की टोंक का नाम, विजयार्ध पर्वत का एक कूट व उसका रक्षक देव ।

स्वर्णमध्य – *Svarṇamadhya.*
Another name of *Sumeru* mountain.
सुमेरू पर्वत का अपरनाम ।

स्वर्णमयी – *Svarṇamayī.*
The 7th circumference of *Sumeru* mountain.
सुमेरू पर्वत की सातवीं परिधि जो सुवर्णमयी है ।

स्वर्णरेखा – *Svarṇarekhā.*
A line of gold originated from Girnar mountain of Saurashtra.
सौराष्ट्र देश में गिरनार पर्वत से निकली है । इसके रेत में सोने का सूक्ष्म अंश अब भी पाया जाता है । यह सुवर्णा नाम से प्रसिद्ध है ।

स्वर्ण सुहागिनी – *Svarṇa Suhāginī.*
A special fortunate married woman, whose parents, in-laws, husband & son all are alive. She gets the golden chance to prepare *Kalkachurna* (liquified powdered compound of sandal etc.) for *Tilakdaan* in *Panchkalyanak Pratishtha.*
एक विशेष सौभाग्यवती महिला, जिसके माता–पिता, सास–ससुर, पति–पुत्र जीवित हों । इनके द्वारा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में तिलकदान आदि विधि करने हेतु कल्कचूर्ण पीसकर तैयार

कराया जाता है।

स्ववचनबाधित – *Svavacanabādhita.*
Self obstructive speech.
बाधित विषय हेत्वाभास के 4 भेदों में अंतिम भेद। जिसके साध्य में अपने वचन से ही बाधा आती है। जैसे – मेरी माता बन्ध्या है क्योंकि पुरुष का संयोग होने पर भी उसके गर्भ नहीं रहता।

स्ववश – *Svavaśa.*
Own control or self controlled
आत्मवश, जो परभाव को त्यागकर निर्मल स्वभाव वाले आत्मा को ध्याता है वह स्ववश है।

स्ववात्सल्य – *Svavātsalya.*
Self affection.
वात्सल्य के दो भेदों में एक भेद। स्वद्रव्य में रति अर्थात् अपनी आत्मा से सम्बन्ध रखने वाला वात्सल्य प्रधान है।

स्ववृत्ति – *Svavṛtti.*
Contemplation about self.
आत्मा में प्रवृत्ति रूप ध्यान अर्थात् बाह्य चिंताओं से निवृत्ति होना।

स्वसंयोगी – *Svasaṁyogī.*
Something self correlative.
भंग का एक भेद। जहाँ निज भाव के भेद का संग रूप ही भंग हो वह स्वसंयोगी भंग है। जैसे–क्षायिक सम्यक्त्व एवं क्षायिक चारित्र वाला द्विसंयोगी क्षायिक भाव।

स्वसंवेदन – *Svasaṁvedana.*
Self experience or intuition.
आत्मानुभव, आत्मज्ञान।

स्वसंवेदन ज्ञान – *Svasaṁvedana Jñāna.*
The right knowledge about self. Another name of *Nishchay Mokshmarg* (path of salvation).
आत्मज्ञान, निश्चय मोक्षमार्ग का अपरनाम।

स्वसंवेद्य सुख – *Svasaṁvedya Sukha.*
Spiritual bliss.
अतीन्द्रिय या आत्मिक सुख। निर्विकल्प ध्यान में स्थित परम योगियों के रागादि के अभाव से उत्पन्न स्वसंवेद्य आत्मिक सुख है।

स्वसमय – *Svasamaya.*
Jaina philosophy, Jaina spiritual treatises, Engrossment into self, self absorption.
जैन सिद्धांत, आध्यात्मिक ग्रंथ, स्वपक्ष प्रतिपादन करने वाले न्याय ग्रंथ। समयसार के अनुसार पर पदार्थों से छूटकर अपने उपयोग को अपने आत्मा में रमण कराना, स्वचारित्र। अथवा जो दर्शन, ज्ञान और चारित्र में स्थित होकर (तद्रूप होकर) रहता है वह स्वसमय (मुक्त जीव) है।

स्वसमय प्रवृत्ति – *Svasamaya Pravṛtti.*
Engrossment into self.
स्वरूप में चरण करना चारित्र है, स्वसमय में प्रवृत्ति करना इसका अर्थ है। देखें – स्वसमय।

स्वसमय वक्तव्यता – *Svasamaya Vaktavyatā.*
Pertaining to spiritual meanings.
वक्तव्यता के तीन भेदों में एक भेद। जिस शास्त्र में स्वसमय का ही कथन किया जाता है उसे स्वसमय वक्तव्य कहते हैं और उसके भाव को अर्थात् उसमें रहने वाली विशेषता को स्वसमय वक्तव्यता कहते हैं।

स्वसहाय – *Svasahāya.*
Absolutely Independent
सत्। जो स्वभाव से ही सिद्ध है, इसलिये वह अनादि अनंत है, स्वसहाय है, निर्विकल्प है।

स्वस्तिक – *Svastika.*
Name of a *Diggajendra* mountain in *Bhadrashal* forest situated in *Videh Kshetra* (region), Name of summits situated at *Vidyutprabh Gajdant* & *Ruchak* mountains, Name of a governing deity of *Maniprabh* summit of *Kundal* mountain.
विदेह क्षेत्र में स्थित भद्रशाल में एक दिग्गजेन्द्र पर्वत, विद्युत्प्रभ गजदन्तस्थ व रुचक पर्वतस्थ एक–एक कूट, कुण्डल पर्वतस्थ मणिप्रभ कूट का स्वामी नागेन्द्र।

स्वस्तिक – *Svastika.*
An auspicious emblem, a fylfot, it is also the significant symbol of Lord Suparshvanath & one of the 8 auspicious articles.
यह पवित्र और कल्याणकारी चिन्ह है, इसका उपयोग मंगल कार्यों में होता है। यह सुपार्श्वनाथ भगवान का चिन्ह भी है। अष्टमंगल द्रव्यों में से एक। इसका अपरनाम सुप्रतिष्ठ है।

स्वस्त्री – *Svastrī.*
Own wife accepted with social customs & rituals
देव शास्त्र गुरु को नमस्कार कर तथा अपने भाई बन्धुओं की साक्षी पूर्वक जिस कन्या के साथ विवाह किया जाता है वह विवाहिता स्त्री स्वस्त्री कहलाती है।

स्वस्थान अप्रमत्त – *Svasthāna Apramatta.*
The first phase of the 7th spiritual stage of development-unstable stage of meditation.
सातवें गुणस्थान के दो भेदों में प्रथम भेद। जब तक चारित्रमोहनीय की 21 प्रकृतियों के उपशमन तथा क्षपण के कार्य का प्रारम्भ नहीं होता, किन्तु संज्वलन के मंदोदय के कारण प्रमाद भी नहीं होता, केवल सामान्य ध्यानावस्था रहती है, तब तक वह अवस्था निरतिशय या स्वस्थानाप्रमत्त कहलाती है।

स्वस्थान गुणकार – *Svasthāna Guṇakāra.*
Multiple results of *Karmas* related to the span of *Krishties.*
प्रत्येक संग्रहकृष्टि के अन्तर्गत प्रथम अंतरकृष्टि से अंतिम अंतरकृष्टि पर्यन्त अनुभाग अनंत–अनंतगुणा है परन्तु सर्वत्र इस अनन्त गुणकार का प्रमाण समान है, इसे स्वस्थान गुणकार कहते हैं।

स्वस्थान गोपुच्छा – *Svasthāna Gopucchā.*
Reducing sequence of *Karmic* results (related to *Krishties*).
विवक्षित एक संग्रह कृष्टि में जो अंतरकृष्टियों के विशेष (चय) घटता क्रम पाया जाता है उसे स्वस्थान गोपुच्छा कहते हैं।

स्वस्थान संक्रमण – *Svasthāna Saṁkramaṇa.*
A type of *Karmic* transition.
संक्रमण के दो भेदों में एक भेद। स्वस्थान में अर्थात् अपने ही अन्य सजातीय प्रकृतियों में संक्रमण करना अर्थात् तद्रूप परिणमन करना।

स्वस्थान संयत – *Svasthāna Saṁyata.*
See - *Svasthāna Apramatta.*
देखें – स्वस्थान अप्रमत्त। मूल व उत्तर गुणों से मण्डित, व्यक्त व अव्यक्त परिणाम से रहित कषायों का अनुपशामक व अक्षपक होते हुए भी ध्यान में लीन अप्रमत्तसंयत स्वस्थान अप्रमत्त कहलाता है।

स्वस्थान सन्निकर्ष – *Svasthāna Sannikarṣa.*
Relativity of *Karmas* with matter, region, time etc.
सन्निकर्ष के दो भेदों में एक भेद। किसी विवक्षित एक कर्म का जो द्रव्य, क्षेत्र, काल एवं भाव विषयक सन्निकर्ष होता है वह स्वस्थानसन्निकर्ष कहलाता है।

स्वस्थान–स्वस्थान–अवस्थान –
Svasthāna-Svasthāna-Avasthāna.
Activities done by one in own birth place.
अपने उत्पन्न होने के ग्राम, नगर अथवा अरण्य में सोना, बैठना, चलना आदि व्यापार से युक्त रहने का नाम स्वस्थान–स्वस्थान–अवस्थान है।

स्वहस्त क्रिया – *Svahasta Kriyā.*
Doing some work by oneself.
साम्परायिक आस्रव सम्बन्धी 25 क्रियाओं में एक क्रिया, दूसरे के द्वारा करने योग्य कार्य को स्वयं संपादित करना।

स्वहिंसा – *Svahiṁsā.*
Passionate feelings as volitional violence.
भावहिंसा - प्रमाद से युक्त आत्मा पहिले स्वयं अपने द्वारा ही अपना घात करता है अर्थात् रागादि प्रमाण भाव ही स्वहिंसा है।

स्वहित – *Svahita.*
One's own benefit, benefitting self.
हित के दो भेदों में प्रथम भेद – आत्महित।

स्वाजाति – *Svājāti.*
One of the 4 noble casts.
चार उत्तम जातियों (दिव्या, विजयाश्रिता, परमा, स्वा) में एक जाति जो मुक्त जीवों के होती है।

स्वाति – *Svāti.*
Name of the 11th lunar among all 28 in which Lord Mahavira got salvation. Name of the governing deity of *Tapnīyak* summit of *Manushottar* mountain. Name of a peripatetic deity of *Shraddhavan* mountain situated in *Haimvat* region.
28 नक्षत्रों में 11 वां नक्षत्र इसी नक्षत्र में भगवान महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था। इसका अधिपति देवता अनिल है। मानुषोत्तर पर्वत की आग्नेय दिशा के तपनीयक कूट का स्वामी देव, हैमवत् क्षेत्र के श्रद्धावान पर्वत (नाभिगिरि) का निवासी एक व्यंतर देव।

स्वात्म रक्षा – *Svātma Rakṣā.*
Self defence, the principle of non-violence.
शुद्ध भाव या आत्म रक्षा। आगम में स्व और अन्य प्राणियों की अहिंसा का सिद्धान्त स्वात्म रक्षा के लिये ही है।

स्वात्मा – *Svātmā*
The own soul.
आत्म द्रव्य, निज स्वरूप।

स्वाद्य – *Svādya.*
Worth tasting, appetising.
आहार के 4 भेदों में एक भेद। मुख का स्वाद बदलने के लिये खाने वाले लौंग, इलायची आदि पदार्थ स्वाद्य कहलाते हैं।

स्वाधीन – *Svādhīna.*
Self dependent
स्वतंत्र, आत्माधीन। सिद्धों का सुख संसार के विषयों से अतीत स्वाधीन अव्यय होता है।

स्वाधीन सुख – *Svādhīna Sukha.*
Supreme bliss.
संसार के समस्त विषय - कषायों की रहितता से प्राप्त सुख। यह सुख सिद्धों में पूर्णतः प्रगट होता है।

स्वाध्याय – *Svādhyāya.*
Thorough spiritual study & contemplation.
आत्महित की भावना से सत्–शास्त्र का वाचन, मनन या उपदेश आदि देना स्वाध्याय है अथवा आलस्य छोड़कर ज्ञान की आराधना में तत्पर रहना स्वाध्याय नाम का तप है। इसके वाचना, पृच्छना, अनुप्रेक्षा, आम्नाय, धर्मोपदेश 5 भेद हैं।

स्वानुभव – *Svānubhava.*
Spiritual realization or intuition.
आत्मानुभव। आत्मसुख का वेदन ही स्वानुभव है।

स्वानुभव दर्पण – *Svānubhava Darpaṇa.*
Name of a treatise written by *Acharya* Yogendudev.
आचार्य योगेन्दुदेव (ई.श. 6) द्वारा विरचित अध्यात्म विषयक प्राकृत गाथाबद्ध ग्रंथ। इसमें 109 गाथाएँ हैं।

स्वानुभूति – *Svānubhūti.*
Self realization or intuition.
आत्मानुभूति। आत्मा का अनुभव या ज्ञान जो सम्यक्त्व स्वरूप है।

स्वानुभूत्यावरण – *Svānubhūtyāvaraṇa.*
An obscurring *Karma* of self realization.
स्वानुभूति (सम्यक्त्व) पर आवरण करने वाला अर्थात् नहीं प्रकट होने देने वाला कर्म।

स्वाभाविक आनंद – *Svābhāvika Ānaṁda.*
Supreme natural bliss, supreme pleasure.
निश्चय मोक्षमार्ग के अनेक नामों में एक नाम, समस्त विकल्पों से रहित परम समाधि से उत्पन्न होने वाला सुख।

स्वाभाविक क्रिया – *Svābhāvika Kriyā.*
Natural activities of matter.

स्वतः अनादिसिद्ध सत् (द्रव्य में) परिणमनशीलता के कारण होने वाली दो क्रियाओं में एक क्रिया। शुद्ध या बंध रहित जीव व पुद्गल द्रव्य की क्रिया स्वाभाविक क्रिया है।

स्वाभाविक दुख – *Svābhāvika Dukha.*

Natural pain or troubles (according to *Karmic* nature).

दुःख के 4 भेदों में एक भेद। क्षुधादि से उत्पन्न होने वाला दुख स्वाभाविक दुःख है।

स्वाभाविक विमान – *Svābhāvika Vimāna.*

Natural aboding places of heavenly deities.

विमान के दो भेदों में एक भेद–एक विक्रिया से उत्पन्न हुए और दूसरे स्वभाव से। विक्रिया से उत्पन्न हुए विमान विनश्वर होते हैं व स्वभाव से उत्पन्न हुए विमान नित्य व अविनश्वर होते हैं।

स्वाभाविक स्वभाव – *Svābhāvika Svabhāva.*

Natural nature instinct (of *Siddhas*).

उपचरित स्वभाव का एक भेद। सिद्धों का पर को देखना व जानना स्वाभाविक स्वभाव है।

स्वाभाविक शक्ति – *Svābhāvika Śakti.*

Natural power or strength in the nature of matter.

द्रव्य के स्वभावों में स्वाभाविकी शक्ति होती है। देखें–स्वाभाविक क्रिया।

स्वामित्व – *Svāmitva.*

Ownership, governance.

किसी वस्तु पर स्वामी का अधिकारपना।

स्वार्थ – *Svārtha.*

Spiritual upliftment of own soul.

परोपकार की अपेक्षा न करके स्व–अर्थ अर्थात् आत्मकल्याण करना।

स्वार्थ प्रमाण – *Svārtha Pramāṇa.*

Authority (*Praman*) of self knowledge

प्रमाण के दो भेदों में एक भेद, ज्ञानात्मक प्रमाण को स्वार्थ प्रमाण कहते हैं। श्रुतज्ञान को छोड़कर शेष 4 ज्ञान स्वार्थ प्रमाण हैं, परन्तु श्रुतज्ञान स्वार्थ और परार्थ दोनों प्रकार का है। वचनात्मक प्रमाण परार्थ प्रमाण कहलाता है।

स्वार्थाधिगम – *Svārthādhigama.*

Self knowledgeable approach.

अधिगम के दो भेदों में एक भेद, यह ज्ञान स्वरूप है जो प्रमाण और नय भेदों वाला है।

स्वार्थानुमान – *Svārthānumāna.*

Subjective inference (caused by perception of some means).

अनुमान के दो भेदों में एक भेद। परोपदेश के अभाव में भी केवल साधन से साध्य को जानकर जो ज्ञान देखने वाले को उत्पन्न हो जाता है उसे स्वार्थानुमान कहते हैं। जैसे धुएँ को देखकर अग्नि का अनुमान लगा लेना।

स्वार्थी – *Svārthī.*

One engrossed in self, Selfish one, One of the 88 planets

आध्यात्मिक व्याख्या के अनुसार आत्महित में संलग्न रहने वाले को स्वार्थी कहते हैं। क्षुद्र मनुष्य जो अपना कार्य करने में ही तत्पर रहते हैं उन्हें स्वार्थी कहा गया है, जैसे मेघ परोपकारी है और बड़वानल स्वार्थी है। 88 ग्रहों में 53 वां ग्रह।

स्वास्तिक – *Svāstika.*

An auspicious emblem, Name of a summit of *Ruchak* mountain

एक मंगल चिन्ह (स्वस्तिक), रुचक पर्वतस्थ एक कूट, एक मंगल चिन्ह।

स्वास्थ्य – *Svāsthya*

A sound state of body, health.

आरोग्य, मानसिक शांति। साम्य, समाधि, योग, चित्तनिरोध, शुद्धोपयोग, स्वास्थ्य ये सब एकार्थवाची हैं।

स्वाहा – *Svāhā.*

An exclamation used in the worshipping of God.

पूजा, मंत्र, हवन आदि में प्रयुक्त होने वाला शांतिवाचक एक विशेष शब्द।

स्वेच्छा – *Svecchā.*

One's own wish or will

अपनी इच्छा।

स्वेच्छाचारी – *Svecchācārī.*

One free from any restraints, wilful, wayward.

अपनी इच्छा से आचरण करने वाला।

स्वेदज – *Svedaja.*

Beings born by sweat

पसीने से उत्पन्न होने वाले सम्मूर्छन जीव।

स्वेदराहित्य – *Svedarāhitya.*

One of the 10 birth-excellences of Lord Arihant (to be devoid of sweat).

अर्हंत भगवान के जन्म के 10 अतिशयों में प्रथम अतिशय–पसीना नहीं आना।

स्वोदयबंधी प्रकृति – *Svodayabandhī Prakṛti.*

Karmic natures causing binding with self rising.

स्वयं के उदय के साथ बंधने वाली प्रकृतियाँ। ज्ञानावरणी की 5, अंतराय की 5, दर्शनावरणी की चक्षुदर्शनावरणादि 4, तैजस शरीर, कार्मण शरीर, निर्माण, स्थिरयुगल, शुभयुगल तथा वर्णचतुष्क, अगुरुलघु और मिथ्यात्व इन 27 प्रकृतियों का स्वोदय से बंध होता है।

स्वोपकार – *Svopakāra.*

Benevolence for self.

उपकार के दो भेदों में एक भेद। अध्यात्म मार्ग में स्वोपकार अर्थात् अपनी आत्मा का उपकार ही इष्ट है परोपकार नहीं।

ह

ह – Ha
The thirty-third consonant of the *Devanagari* syllabary
देवनागरी वर्णमाला का तैंतीसवाँ व्यंजन, इसका उच्चारण स्थान कण्ठ है ।

हंस – Hamsa.
Goose, gander, swan, another name for soul (a symbol for sacred one), Father's name of Jaina-Lord Simandhar Swami of *Videh Kshetra* (region)
क्षीर नीर का विवेक करने वाला एक पक्षी, मानसरोवर में रहने वाले हंस को राजहंस कहते हैं । अनंतज्ञानादि निर्मल गुण सहित हंस के समान उज्ज्वल परमात्मा हंस है, विदेहस्थ तीर्थंकर सीमंधर स्वामी के पिता ।

हंसगर्भ – Hamsagarbha.
Name of the 10th city situated in the north of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत की उत्तर श्रेणी का 10 वां नगर ।

हंसद्वीप – Hamsadvipa.
Name of an Island
एक द्वीप । यह लंका द्वीप के समीप था । राक्षसवंशी अमररक्ष द्वारा बसाये गये 10 द्वीपों में 5 वां द्वीप ।

हंस संप्रदाय – Hamsa Sampradāya.
Name of a sect of *Vaishnav* philosophy.
वैष्णव दर्शन के प्रधान 4 सम्प्रदायों में एक सम्प्रदाय । यह संप्रदाय द्वैताद्वैत या भेदाभेदवादी है, इन्हें हरिव्यासी भी कहते हैं ।

हंससम श्रोता – Hamsasama Śrotā.
The right listeners, accepting meaningful thoughts
श्रोता के 14 भेदों में एक भेद । जो केवल सार वस्तु को ग्रहण करते हैं, वे हंस के समान श्रोता हैं ।

हंस साधु – Hamsa Sādhu.
A type of false saints of *Vedant* philosophy.
एक प्रकार के वेदांती साधु, जो दोषों से युक्त होते हैं, कषाय वस्त्र धारण करते हैं एवं दण्ड रखते हैं ।

हठवाद – Hathavāda.
A doctrine pertaining to obstinacy.
दुराग्रहपना ।

हतसमुत्पत्तिक – Hatasamutpattika.
The *Karmic* places originated after the destruction of the relative *Karmas*.
कर्मों का घात किये जाने पर जिन सत्कर्म अर्थात् सत्ता में विद्यमान कर्म की उत्पत्ति होती है, उन्हें हतसमुत्पत्तिक कहते हैं ।

हतहत समुत्पत्तिक – Hatahata Samutpattika.
The *Karmic* places originated after the redestruction of relative destructed *Karmas*.
घाते हुए का पुनः घात किये जाने पर जिन सत्कर्म अर्थात् सत्ता में विद्यमान कर्म की उत्पत्ति होती है उन्हें हतहतसमुत्पत्तिक कहते हैं ।

हनन – Hanana.
Multiplication, Killing, beating.
गणित विधि में दो राशियों को परस्पर गुणा करना, वध, मारण, आघात ।

हनुमंत चारित्र – Hanumamta Cāritra.
Name of a book written by *Pandit* Raimalla.
पं. रायमल्ल (ई. 1576-1593) कृत भाषा ग्रंथ ।

हनुमान – Hanumāna.
Name of the 18th *Kamdev*, the son of Pavananjaya & Anjana, Name of a residential deity of *Vajrakut* (summit) of *Manushottar* mountain
18 वें कामदेव । पवनंजय एवं अंजना के पुत्र । विमान में से पर्वत की शिला पर गिरने पर शिला चूर-चूर हो गई इसलिये उनका नाम श्रीशैल भी था । तत्कापात देख विरक्त होकर दीक्षा ली, [illegible] । मानुषोत्तर पर्वतस्थ वज्रकूट का स्वामी भवनवासी सुपर्णकुमार देव ।

हनुरुह द्वीप – Hanuruha Dvipa.
Name of an Island related to which the name of Hanuman was given.
एक द्वीप । यहां हनुमान की माता अंजना के मामा प्रतिसूर्य का राज्य था । हनुमान का यहाँ जन्म संस्कार हुआ था, इसीलिये इस द्वीप के नाम पर उनका हनुमान नामकरण हुआ था ।

हय – Haya.
Horse.
घोड़ा ।

हयग्रीव – Hayagrīva.
Name of the 8th predestined *Pratinarayan*.
भावीकालीन 8वें प्रतिनारायण का नाम ।

हय राय – Haya Rāya.
Destroyed passion, A high breed horse (both are called as auspicious symbols).
हय राय शब्द का अर्थ हत राग भी है और उत्तम घोड़ा भी है, इन दोनों को रागद्वेष रहित सरल चित्त होने से लौकिक मंगल कहा गया है ।

हर – Hara.
Denominator (reg. maths), Name of the 7th *Rudra*.
गणित संबंधी भिन्न राशि में नीचे की संख्या, भावीकालीन सातवां रूद्र ।

हरण – Harana.
Seizing, Carrying off, Name of a river of *Bharat Kshetra* (region).
छीनना, भरत क्षेत्र की एक नदी ।

हरि– *Hari*.

The son of king Arya of Champapur, on the name of whom *Hari* dynasty was originated.
चम्पापुर के राजा आर्य और रानी मनोरमा का पुत्र । इसी राजा के नाम पर हरि वंश की उत्पत्ति हुई ।

हरि (कुंड व कूट) – *Hari (Kuṁḍa & Kūṭa).*

Name of a pond or pool of *Harit* river, Name of summits of *Nishadhkulachal*, *Vidyutprabh Gajdant* & *Malyawan* mountains.
हरित नदी का कुंड, निषधकुलाचल पर पांचवां कूट, विद्युत्प्रभ गजदंत व माल्यवान पर्वतस्थ एक–एक कूट ।

हरि क्षेत्र – *Hari Ksetra.*

Name of the third region of *Jambudvip* (Island) among all 7.
जम्बूद्वीप के 7 क्षेत्रों में तीसरा क्षेत्र, यहाँ मध्यम भोगभूमि है ।

हरिकंठ – *Harikaṁṭha.*

Name of the 2nd predestined *Pratinarayan*.
आगामी दूसरे प्रतिनारायण ।

हरिकांत – *Harikāṁta.*

Name of an *Indra*, the 6th summit of *Mahahimvan* mountain &, a pond situated in *Harikshetra* (region) where *Harikanta* river falls.
भवनवासी देवों का एक इन्द्र, महाहिमवान पर्वत का छठा कूट, हरि क्षेत्र में स्थित एक कुण्ड जिसमे से हरिकांता नदी गिरती है ।

हरिकांता – *Harikāṁtā.*

Name of the 6th great river of *Harikshetra* (region) among all 14.
हरिक्षेत्र की एक प्रसिद्ध नदी । यह 14 महानदियों में छठी नदी है ।

हरिकेतु – *Hariketu.*

Father's name of *Chakravarti* (emperor) Harishen.
10 वें चक्रवर्ती हरिषेण के पिता, काम्पिल्य नगर का राजा ।

हरिग्रीव – *Harigrīva.*

Name of a great king of *Rakshas* dynasty.
राक्षसवंशी एक यशस्वी राजा । सुग्रीव का पुत्र, श्रीग्रीव का पिता, अंत में मुनि दीक्षा ग्रहण की ।

हरिचन्द्र – *Haricandra.*

Name of the 4th predestined *Balbhadra*.
आगामी चौथे बलभद्र ।

हरिचन्द्र कवि – *Haricandra Kavi.*

Name of a great Jaina poet, the writer of '*Jivandhar Champu*' etc., Name of another *Apabhransh* poet, the writer of '*Anatthamiyakaha*'.
आर्द्रदेव श्रेष्ठी के पुत्र, आचारशास्त्र के वेत्ता जैन कवि, कृति – धर्मशर्माभ्युदय, जीवंधर चम्पू (समय ई.श. 10 का मध्य) । अणत्थमियकहा के रचयिता एक अपभ्रंश कवि (समय – वि.श. 15 का मध्य) ।

हरिण – *Harina.*

The deer, significant symbol of the 16th *Tirthankar* (Jaina Lord) Shantinath, the symbolic mark of the third *Tirthankar* of *Videh Kshetra* (region)
16 वें तीर्थंकर शान्तिनाथ का चिन्ह, विदेह क्षेत्रस्थ तीसरे तीर्थंकर बाहु का चिन्ह ।

हरिजय – *Harijaya.*

One of the sons of *Vidyadhar* Nami.
विद्याधर नमि के अनेक पुत्रों मे एक पुत्र ।

हरित – *Harita.*

Name of a famous river of *Haritkshetra* (region) of *Jambudvip* (Island)
जम्बूद्वीप के हरितक्षेत्र की प्रसिद्ध नदी । 14 महानदियों में यह 5 वीं नदी है । तिगिंछ सरोवर से निकलती है ।

हरित (स्वर्ग) – *Harita (Svarga).*

Name of the 22nd *Patal* (layer) of *Saudharma* heaven.
सौधर्म स्वर्ग का 22 वा पटल । अपरनाम हारिद्र ।

हरितप्रभ – *Haritaprabha.*

Name of a protecting deity of *Pratishtha Mandap* (auspicious assembly place).
प्रतिष्ठा मंडप का एक द्वारपाल (लोकपाल) ।

हरिताल – *Haritāla.*

Yellow orpiment, A chemical - arsenic sulphide, Name of an island & an ocean of middle universe.
पीतवर्ण की एक उपधातु (हरताल), मध्यलोक का एक द्वीप व सागर ।

हरितालमयी – *Haritālamayī.*

One of the 6 circumferences of *Sumeru* mountain.
सुमेरु पर्वत की 6 परिधियों में प्रथम परिधि, ये 16500 योजन ऊँची है ।

हरितालवर – *Haritālavara*

Name of an island & an ocean of middle universe.
मध्यलोक का एक द्वीप व सागर ।

हरिदेव (कवि) – *Harideva (Kavi).*

Name of an *Apabhransh* poet, the writer of '*Mayanparajaya Cariu*'.
चंगदेव की सप्तम पीढ़ी में उत्पन्न, मयणपराजय चरिउ के रचयिता एक सद्गृहस्थ अपभ्रंश कवि ।

हरिद्र – *Haridra.*

The residential palace of *Lokpal* in the *Panduk* forest of *Sumeru* mountain.
सुमेरु के पाण्डुक वन में लोकपाल का भवन ।

हरिनंदि – *Harinaṁdi.*

Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.

नंदिसंघ बलात्कारगण भट्टारक आम्नाय की उज्जयिनी गद्दी के एक भट्टारक महीचन्द्र के गुरु। समय – वि. 948।

हरिवंश – *Harivaṁśa.*

Name of a great *Kshatriya* dynasty established by Lord Rishabhdev.

ऋषभदेव द्वारा संस्थापित प्रसिद्ध 4 क्षत्रियवंशों में एक महावंश। ऋषभदेव ने हरि नाम के राजा को बुलाकर उसे महामण्डलीक राजा बनाया था।

हरिवंश गोस्वामी – *Harivaṁśa Gosvāmī*

Name of an initiator of *Radhavallabh* sect of *Vaishnav* philosophy.

वैष्णव दर्शन के राधावल्लभ सम्प्रदाय के आद्यप्रवर्तक। समय– ई. 1503।

हरिवंश पुराण – *Harivaṁśa Purāṇa.*

Name of a great mythological treatise written by *Acharya* Jinsen.

आचार्य जिनसेन (ई. 783) कृत 66 सर्ग तथा 10,000 श्लोक प्रमाण ग्रंथ।

हरिवर्मा – *Harivarmā.*

Past-birth name of Lord Munisuvratnath.

मुनिसुव्रतनाथ भगवान के पूर्व के दूसरे भव का जीव, भरत क्षेत्र के अंगदेशस्थ चम्पापुर का राजा। दर्शन विशुद्धि आदि भावनाओं का चिंतवन कर तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया।

हरिवर्ष – *Harivarṣa.*

See - *Hari Kṣetra.*

देखें - हरि क्षेत्र।

हरिवाहन – *Harivāhana.*

The son of Lord Rishabhnath.

ऋषभनाथ भगवान का पुत्र तथा भरत का छोटा भाई। भरत द्वारा राज्य मांगे जाने पर विरक्त हो दीक्षा धारण की, अंत में मुक्ति प्राप्त की।

हरिविजय – *Harivijaya.*

Name of a summit of *Nishadh* mountain and its governing deity.

निषध पर्वत का कूट तथा उसका स्वामी देव।

हरि-व्यासी – *Hari-Vyāsī.*

A sect of *Vaishnav* philosophy (strict devotees of Lord Vishnu).

वैष्णव दर्शन का एक सम्प्रदाय, ये विष्णु भक्त यम-नियम आदि अष्टांग योग का अभ्यास करते हैं। ई. 1510 में हरिराम शुक्ल ने इसकी स्थापना की थी।

हरिश्मश्रु – *Hariśmaśru.*

The son of *Vidyadhar* Vinami.

विद्याधर विनमि का पुत्र।

हरिषेण – *Hariṣeṇa.*

Name of a residential celestial deity, Name of the 10th *Chakravarti* (emperor).

भवनवासी देवों का 11 वां इन्द्र। 10 वें चक्रवर्ती, ये तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ के तीर्थ में हुए थे।

हरिषेण (आचार्य) – *Hariṣeṇa (Ācārya).*

Name of an *Acharya* of *Punnat* group, the writer of Vrihat Katha Kosh, Name of an *Apabhransh* poet.

एक पुन्नाटसंघी आचार्य, बृहत्कथा कोष के रचयिता। समय ई. 931, चित्तौड़वासी एक अपभ्रंश कवि, धम्मपरिक्खा ग्रंथ के रचयिता। समय – ग्रंथ रचनाकाल वि. 1044।

हरिषेणा – *Hariṣeṇā.*

Name of the chief *Aryika (Ganini)* in the assembly of Lord Shantinath.

तीर्थंकर शांतिनाथ के संघ की प्रमुख गणिनी आर्यिका।

हर्ष – *Harṣa.*

Happiness, pleasure. Name of the predestined 3rd *Rudra* (saint tainted from the real path).

प्रसन्नता, भावीकालीन तीसरा रुद्र।

हर्षवर्धन – *Harṣavardhana.*

Name of a king of *Bhoj* dynasty.

भोजवंशी राजा मुञ्ज के पिता। समय – ई. 940-994।

हल – *Hala.*

Plough, a divine weapon possessed by Ram.

कृषि के लिए उपयोग में आने वाला एक यंत्र, देवोपुनीत एक अस्त्र–महालोचन देव ने यह अस्त्र रामचंद्र जी को दिया था।

हलभृत – *Halabhṛta.*

Name of the 16th chief disciple of Lord Rishabhdev.

भगवान वृषभदेव के 84 गणधरों में 16 वें गणधर।

हल्दी – *Haldi.*

Turmeric.

एक वनस्पति–इसे सुखाकर भोजन बनाने में एक मसाले के रूप में प्रयोग किया जाता है।

हस्त – *Hasta.*

Name of the 11th lunar among 28, The forearm (a unit of measurement).

28 नक्षत्रों में 11 वां नक्षत्र, इसका अधिपति देवता दिनकर है, क्षेत्र का एक प्रमाण, 2 विवक्षित वितस्ति = 1 विवक्षित हस्त।

हस्तकर्म – *Hastakarma.*

Works to be performed by hand.

छेदन, भेदन, पीसना, खोदना, बांधना, पकड़ना, धोना, रंगना आदि हाथ से किये जाने वाले कार्य संश्लिष्ट हस्तकर्म कहलाते हैं।

हस्त प्रहेलित – *Hasta Prahelita.*

A unit of time.

काल का प्रमाण विशेष – 48 लाख शीर्षप्रकंपित प्रमित काल।

हस्ति – *Hasti.*

An elephant.

हाथी।

हस्तिनापुर – *Hastināpura.*

Name of the country of king Somprabh & brother Shreyans, where Lord Rishabhdev took first food intake after one year's fasting. The birth place of *Tirthankars* (Jaina Lords) Shantinath, Kunthunath, Arahnath and two *Chakravartis* (emperors). Presently a great pilgrimage place with the construction of *Jambudvip* constructed on the inspiration of *Ganini Aryika* Shri Gyanmati Mataji.

कुरुजांगल देश की राजधानी। राजा सोमप्रभ एवं उनके भाई श्रेयांस ने यहाँ भगवान वृषभदेव को एक वर्ष निराहार रहने के पश्चात् इक्षु रस के द्वारा प्रथम आहार कराया था। तीर्थंकर शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ, चक्रवर्ती सुभौम व सनत्कुमार की जन्म नगरी। वर्तमान में यहाँ पर गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से जम्बूद्वीप नामक भव्य तीर्थ का निर्माण किया गया है जिसमें जंबूद्वीप, कमलमंदिर आदि अनेक सुन्दर रचनाएं निर्मित हैं।

हानि – *Hāni.*

Loss, damage, harm, destruction, reduction.

ह्रास, पतन, हीन (दो गुणहानि, छेद गुणहानि, षट्गुणहानि)।

हार – *Hāra.*

Necklace, Garland.

हीरा, मोती, सोना, फूल आदि से निर्मित कंठ का आभूषण।

हारिद्र – *Hāridra.*

Turmeric, Name of the 22nd *Patal* (layer) of *Saudharm Indra.*

हल्दी, सौधर्म स्वर्ग के 32 पटलों में 22 वां पटल (इन्द्रक)।

हार्य – *Hārya.*

Dividend, the number to be divided by a divisor.

गणित की भागाहार विधि में जिस राशि का भाग किया जाये वह हार्य है।

हास्य – *Hāsya.*

Laughing or Laughter.

नोकषाय का एक भेद। हंसने को हास्य कहते हैं।

हास्य द्विक – *Hāsya Dvika.*

The dyad of *Karmic* nature pertaining to laughing.

हास्य, रति ये दो कर्म प्रकृतियां।

हास्य वचन – *Hāsya Vacana.*

The ridiculous speech.

हंसी परिहास मिश्रित वचन। सत्पुरुष ऐसे वचनों का प्रयोग नहीं करते।

हास्य वेदनीय कर्म प्रकृति – *Hāsya Vedanīya Karma Prakṛti.*

The *Karmic* nature causing laughing or ridiculous feelings.

मोहनीय कर्म की एक प्रकृति। जिस कर्म के उदय से जीव के हास्य निमित्तक या हंसी रूप भाव उत्पन्न होते हैं।

हाहांग – *Hāhāṅga.*

A large unit of time.

काल का एक प्रमाण। 84 अमम = 1 हाहांग। अथवा अंतिम काल में 84 से गुणित होने पर प्राप्त संख्या।

हाहा – *Hāhā.*

A type of peripatetic deity. A large unit of time.

गंधर्व नामा व्यंतर जाति का एक भेद। काल का एक प्रमाण, 84 लाख हहांग = 1 हाहा।

हिंगुलवर – *Hiṅgulavara.*

Name of an island & an ocean of middle universe.

मध्यलोक का एक सागर व द्वीप।

हिंसक – *Hiṁsaka.*

Violent or dangerous one.

जो जीव क्रोध आदि कषाय सहित अर्थात् प्रमाद सहित है।

हिंसा – *Hiṁsā.*

Violence or killing, one of the five sins.

5 पापों में प्रथम पाप। प्रमाद के योग से इन्द्रिय आदि जीव के प्राणों का वियोग करना या उसे पीड़ा पहुँचाना हिंसा है। रागादि भाव स्वहिंसा या भावहिंसा है तथा षट्काय जीवों को मारना या कष्ट देना, परहिंसा अर्थात् द्रव्य हिंसा है।

हिंसा अभाव – *Hiṁsā Abhāva*

Non-violence, an excellence of Lord Arihant.

अर्हंत भगवान के केवलज्ञान का एक अतिशय। हिंसा अर्थात् अदया का अभाव।

हिंसात्व – *Hiṁsātva*

Violenceful or violent sentiments

हिंसा का भाव।

हिंसादान – *Hiṁsādāna*

Supply of violent materials.

अनर्थदण्ड का एक भेद। हिंसा के कारणभूत अस्त्र-शस्त्र, अग्नि आदि उपकरणों को देना हिंसादान नामक अनर्थदण्ड है।

हिंसानंद – *Hiṁsānaṁda.*

To enjoy in violent or killing activities.

हिंसा में आनंद मानना।

हिंसानंदी – *Hiṁsānaṁdī.*

A wicked concentration—to involve in violenceful activities with interest.

रौद्रध्यान के चार भेदों में एक भेद–तीव्र कषाय के वशीभूत होकर जीवसमूह को स्वयं मारने में या दूसरे के द्वारा मारे जाने में हर्षित होना और सदा हिंसा के कार्यों में मन लगाये रखना हिंसानंदी रौद्रध्यान है।

हिंसा यज्ञ – *Hiṁsā Yajña.*

Violenceful sacrificial rite.

पशु या मनुष्यों की जिसमें आहुति दी जावे ऐसा हिंसक यज्ञ। तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ के तीर्थ में सगर राजा से द्वेष रखने वाला एक महाकाल नाम का असुर हुआ था, उस अज्ञानी ने इस हिंसायज्ञ का उपदेश दिया था।

हिजरी संवत् – *Hijarī Saṁvat.*
The Muslim era.
इस संवत् का प्रचार मुसलमानों में है, क्योंकि यह उनके पैगम्बर मुहम्मद साहब के मक्का मदीना जाने के समय से उनकी हिजरत में विक्रम संवत् 650 में अर्थात् वीर निर्वाण के 1120 वर्ष पश्चात् स्थापित हुआ था। इसी को मुहर्रम या शाबान सन् भी कहते हैं।

हित – *Hita*
Benevolence, welfare, well-being.
भला, कल्याण, जो मोक्षपद की प्राप्ति रूप प्रधान या मुख्य फल मिलता है उसको हित कहते हैं।

हितकारक वचन – *Hitakāraka Vacana.*
Benevolent speech or speech pertaining to well-being.
दूसरों को क्लेश पहुँचाने वाले वचनों को छोड़कर अपने और दूसरे के हित (कल्याण) करने वाले वचन।

हितोपदेश – *Hitopadeśa.*
Benevolent speech, spiritual preaching.
जिस धर्म उपदेश के द्वारा प्राणीमात्र का हित होता है।

हिम – *Hima.*
Snow or ice, Name of a summit of *Nandan* forest, Name of the first *Patal* (layer) of the 6th hell
बर्फ, नंदन वन का एक कूट, षष्ठम नरक का प्रथम पटल।

हिमगिरि – *Himagiri.*
A mountain covered with ice
बर्फ से ढँका पर्वत। जैसे-हिमालय पर्वत।

हिमनाश – *Himanāśa.*
Deformation of ice, cause of asceticism of Lord Shitalnath.
बर्फ का पिघल जाना (यह तीर्थंकर शीतलनाथ की वैराग्य उत्पत्ति का कारण था)।

हिमवान् (पर्वत) – *Himavān (Parvata).*
Name of the first *Kulachal* mountain among 6 of *Jambudvip* (Island)
जम्बूद्वीप के 7 कुलाचलों में प्रथम कुलाचल, इसकी ऊँचाई 100 योजन है।

हिरण्य – *Hiraṇya.*
Gold.
सोना।

हिरण्यगर्भ – *Hiraṇyagarbha.*
One of the 1008 names of Lord Rishabhdev.
भगवान ऋषभदेव के 1008 नामों में से एक। जब भगवान गर्भ में थे तभी पृथ्वी सुवर्णमय हो गई थी और आकाश से देवों ने सुवर्ण की वृष्टि की थी, इसीलिए भगवान का नाम 'हिरण्यगर्भ' भी है।

हिरण्योत्कृष्ट जन्मता – *Hiraṇyotkṛṣṭa Janmatā.*
An auspicious activity (gold rain, pertaining to the birth of *Tīrthankar*-Jaina Lord.
गर्भान्वयी 53 क्रियाओं में 39 वीं क्रिया – तीर्थंकरों के जन्म संबंधी उत्कृष्टता की सूचक अन्य बातों के साथ-साथ स्वर्ण की वर्षा होना।

हीनयान – *Hīnayāna.*
Name of a *Bauddha* sect.
एक बौद्ध सम्प्रदाय, अपरनाम स्थविरवादी, ये रूढ़िवादी है एवं इसके वैभाषिक व सौत्रांतिक दो भेद हैं।

हीनाधिक मानोन्मान – *Hīnādhika Mānonmāna.*
An infraction of vow of non-stealing, dishonesty in measurement (imperfect weighing or measuring matters).
अचौर्यव्रत का एक अतिचार। माप-तौल से कम वस्तु देना और अधिक लेना।

हीयमान – *Hīyamāna.*
A type of clairvoyance (which reduces due to passionate results).
अवधिज्ञान के 6 भेदों में एक भेद। जो अवधिज्ञान संक्लेश परिणामों से घटता जावे।

हुंडकसंस्थान – *Huṁḍakasaṁsthāna.*
Misshaped structure of body
संस्थान के 6 भेदों में एक भेद-विषम या बेडौल शारीरिक आकृति का बनना।

हुंडकसंस्थान नामकर्म प्रकृति –
Huṁḍakasaṁsthāna Nāmakarma Prakṛti.
Physique making *Karma* causing formation of misshapelled body
जिस कर्म के उदय से जीव का शरीर बेडौल होता है उसे हुंडक शरीर संस्थान नामकर्म कहते हैं।

हुंडावसर्पिणी – *Huṁḍāvasarpiṇī.*
A period of *Avasarpini Kal (Avasarpiṇī Kāla)* i.e. period of downfall in which extraordinary events take place
असंख्यात अवसर्पिणी-उत्सर्पिणी काल बीत जाने पर एक हुण्डावसर्पिणी काल आता है। इसमें विशेष बातें होती हैं· जैसे चक्री का अपमान, तृतीय काल में तीर्थंकर का उत्पन्न होना, तीर्थंकर पर उपसर्ग होना आदि।

हुलास – *Hulāsa.*
Extreme joy, rejoicing, pleasure.
प्रसन्नता।

हूणवंश – *Hūṇavaṁśa.*
Name of a dynasty of *Kalki* kings.
यह कल्की राजाओं का वंश था।

हूहू – *Hūhū.*
A type of peripatetic deities, A large unit of time.
गंधर्व नाम के व्यंतर देवों का एक भेद। काल का एक प्रमाण, हूहूअंग प्रमित काल के 84 लाख से गुणित होने पर प्राप्त काल।

हूहू अंग – *Hūhū Aṁga.*
A large unit of time.
काल का एक प्रमाण-हाहा प्रमित काल के 84 से गुणित होने

पर प्राप्त संख्यात्मक काल ।

हूहूक – *Hūhūka.*
A large unit of time.
काल का एक प्रमाण, 84 लाख महाअडड = 1 हूहूक । इसे नयुतांग, चूलिकांग, ऊहांग भी कहते हैं ।

हूहूकांग – *Hūhūkāmga.*
A large unit of time.
84 लाख महाकमल प्रमाण काल । इसे नलिनांग, पद्मांग, कुमुदांग भी कहते हैं ।

हृदय कमल – *Hṛdaya Kamala.*
Heart, the place of meditation.
ध्यान के आश्रयभूत 10 स्थानों में एक स्थान । पदस्थ ध्यान में 'ॐ' बीजाक्षर की स्थापना हृदयकमल में की जाती है ।

हृदयंगम – *Hṛdayamgama.*
To absorb or grasp something. A *Kinnar* type of peripatetic deities.
आत्मसात करना, किन्नर नाम के व्यंतर जाति के देवों के 10 भेदों में एक भेद ।

हृदिनंदि – *Hṛdinamdi.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण भट्टारक आम्नाय धारा गद्दी के एक भट्टारक विश्वनन्द के शिष्य । समय – वि. 1156 ।

हेतु – *Hetu.*
Cause, purpose, intention.
जो साध्य के साथ अविनाभावीपने से निश्चित हो अर्थात् साध्य के बिना न रहे उसको हेतु कहते हैं ।

हेतुत्व – *Hetutva.*
Causative base.
कारणपना, जैसे धर्म द्रव्य का लक्षण गमन हेतुत्व है और जीव व पुद्गल के गमन में धर्म द्रव्य सहकारी होता है ।

हेतुमत – *Hetumata.*
A causative principle.
जिस मत में प्रमाण व नय के द्वारा वस्तु की सिद्धि की जाये वह मत हेतुमत कहलाता है ।

हेतुवाद – *Hetuvāda.*
See - *Hetumata.*
देखें - हेतुमत ।

हेतुविचय – *Hetuvicaya.*
Right contemplation or acceptance of religious path.
धर्मध्यान के 10 भेदों में अंतिम भेद । तर्क का अनुसरण करना और स्याद्वाद का आश्रय लेकर समीचीन मार्ग को ग्रहण करना अथवा उसका चिंतन करना ।

हेत्वंतर निग्रहस्थान – *Hetvamtara Nigrahasthāna.*
Amendment of the reason or restriction in argumentation.
विशेषों का लक्ष्य नहीं करके सामान्य रूप से हेतु के कह चुकने पर पुनः प्रतिवादी द्वारा हेतु के प्रतिषेध हो जाने पर विशेष अंश को विवक्षित कर रहे वादी का हेत्वंतर निग्रहस्थान हो जाता है ।

हेत्वाभास – *Hetvābhāsa.*
Fallacy, a false cause.
जो हेतु सदोष हो वह हेत्वाभास है । इसके असिद्ध, विरुद्ध, अनैकांतिक, अकिंचित्कर 4 भेद हैं ।

हेमकीर्ति भट्टारक – *Hemakīrti Bhaṭṭāraka.*
Name of a *Bhattarak* of *Nandi* group.
नंदिसंघ बलात्कारगण ग्वालियर गद्दी के एक भट्टारक । समय – वि. 1209 ।

हेमकूट – *Hemakūṭa.*
Name of the 40th city in the south of *Vijayardh* mountain.
विजयार्ध पर्वत की दक्षिण श्रेणी का 40 वां नगर ।

हेमराज पांडे – *Hemarāja Pāmde*
The disciple of *Pandit* Rupchand, who wrote '*Pravachansar Tika*' etc. great books.
पंडित रूपचन्द के शिष्य । कृतियाँ-प्रवचनसार टीका, पंचास्तिकाय टीका, भाषा भक्तामर, गोम्मटसार वचनिका, नयचक्र वचनिका । समय-वि.श. 17-18 ।

हेय – *Heya.*
Non-acceptable matters, insignificant, worthless.
जो पदार्थ छोड़ने योग्य हैं वे हेय कहलाते हैं । 7 तत्त्वों में आस्रव, बंध तत्त्व हेय हैं ।

हेयउपादेयबुद्धि – *Heyaupādeyabuddhi.*
Mentality of acceptance & non-acceptance of matters in a *Samyagdrishti*.
सम्यग्दृष्टि द्वारा तत्त्वों में हेय (छोड़ने) और उपादेय (ग्रहण करने योग्य) रूप मान्यता या रुचि ।

हेलित – *Helita.*
Pushing & jostling and mocking at others while paying reverence (an infraction).
वंदना का एक दोष-वंदना के समय दूसरों को धक्का आदि देना या उनकी हंसी आदि करना ।

हैमवत् क्षेत्र – *Haimavat Kṣetra.*
Name of the 2nd great region in all 7 regions of *Jambudvip* (island).
जम्बूद्वीप के 7 क्षेत्रों में दूसरा क्षेत्र । यहाँ जघन्य भोगभूमि है ।

हैरण्यवत् – *Hairaṇyavat.*
Name of the summits of *Ruchak* & *Shikhari* mountains and of their deities.
रुक्मि पर्वतस्थ एक कूट व उसका स्वामी देव, शिखरी पर्वतस्थ एक कूट व उसका स्वामी देव ।

हैरण्यवत् (क्षेत्र) – *Hairaṇyavat (Kṣetra).*
Name of the 6th region in all the 7 regions of *Jambudvip* (island).
जम्बूद्वीप के 7 क्षेत्रों में छठा क्षेत्र, यहाँ जघन्य भोगभूमि है ।

ह्वेनसांग – *Hvuansāng.*

Name of a Chinese visitor, who visited India in the time of King Harshavardhana.

एक चीनी यात्री। राजा हर्षवर्धन के समय भारत आया था। समय – ई. 630 - 645

ह्रद – *Hrada.*

A large pond, large lake, water reservoir.

तालाब, कुण्ड (6 वर्षधर पर्वतों पर स्थित हैं, इनमें से गंगा आदि 14 नदियां निकलती हैं)।

ह्रस्व – *Hrasva.*

A short vowel

एक मात्रा वाला वर्ण ह्रस्व होता है। अ, इ, उ, ऋ, लृ ये पाँच ह्रस्व अक्षर पाँच लघ्वक्षर के रूप में प्रसिद्ध हैं।

ह्रीं – *Hrim*

One syllabic *Mantra* (a mystic word), the existence of all twenty four *Tirthankars* (Jaina Lords) is considered in it. The meditation over it provides the spiritual energy & physical strength

एक अक्षर वाला बीजाक्षर मंत्र। इस मंत्र में चौबीसों तीर्थंकर का अस्तित्व माना गया है। इस मंत्र के ध्यान से शारीरिक शक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है।

ह्री (देवी) – *Hri (Devī).*

Name of a female divinity of *Mahapadma Hrid* at *Mahahimwan* mountain. One of the 8 *Dikkumari Devis* (divinities).

महाहिमवान पर्वतस्थ महापद्म ह्रद में स्थित कमल निवासिनी देवी, अष्ट दिक्कुमारी देवियों में दूसरी देवी, इसकी आयु एक पल्य की है। ये जिनमाता की सेवा में आती हैं।